जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय

36वाँ
वार्षिक प्रतिवेदन

(1 अप्रैल 2005 से 31 मार्च 2006 तक)

नई दिल्ली–110067

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ संख्या
वार्षिक प्रतिवेदन के मुख्य अंश	**1 – 13**
आख्यान	**14 – 18**
↳ **शैक्षिक कार्यक्रम और प्रवेश**	**19 – 24**
↳ **विश्वविद्यालय के निकाय**	**25 – 28**
↳ **संस्थान और केन्द्र**	**29 – 238**
↳ कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान	29 – 32
↳ कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान	33 – 36
↳ पर्यावरण विज्ञान संस्थान	37 – 42
↳ अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान	43 – 89
↳ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान	90 – 96
↳ भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान	97 – 125
↳ जीवन विज्ञान संस्थान	126 – 135
↳ भौतिक विज्ञान संस्थान	136 – 141
↳ सामाजिक विज्ञान संस्थान	142 – 216
↳ जैव–प्रौद्योगिकी केन्द्र	217 – 220
↳ विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र	221 – 227
↳ संस्कृत अध्ययन केन्द्र	228 – 233
↳ आणविक चिकित्सा–शास्त्र केन्द्र	234 – 238
↳ **अकादमिक स्टाफ कालेज**	**239 – 240**
↳ **छात्र गतिविधियां**	**241 – 247**
↳ **कमजोर वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं**	**248 – 250**
↳ **विश्वविद्यालय प्रशासन**	**251 – 253**
↳ **विश्वविद्यालय वित्त**	**254 – 257**
↳ **पाठ्येत्तर गतिविधियां**	**258 – 260**
↳ यौन उत्पीड़न के विरूद्ध जेंडर संवेदनशीलन समिति (जीएसकैश)	258
↳ पूर्व छात्रों से संबंधित मामले	258 – 259
↳ जवाहरलाल नेहरू उच्च अध्ययन संस्थान	259
↳ अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग	259 – 260
↳ **केन्द्रीय सुविधाएं**	**261 – 262**
↳ विश्वविद्यालय पुस्तकालय	261
↳ विश्वविद्यालय विज्ञान यंत्रीकरण केन्द्र	262
↳ विश्वविद्यालय रोजगार सूचना और मार्गदर्शन व्यूरो	262
↳ **शिक्षकों के प्रकाशन**	**263 – 330**

परिशिष्ट

↳ **विश्वविद्यालय निकायों की सदस्यता**	**331 – 341**
↳ विश्वविद्यालय कोर्ट	331 – 335
↳ कार्य परिषद	336
↳ विद्या परिषद	337 – 340
↳ वित्त समिति	341
↳ **शिक्षक**	**342 – 355**
↳ शिक्षक	342 – 355
↳ इमेरिटस/ऑनरेरी प्रोफेसर	351
↳ शिक्षकों की नियुक्तियां	352
↳ पुनर्नियुक्ति के बाद अंतिम रूप से सेवानिवृत्त शिक्षक	352
↳ अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त शिक्षक	353
↳ त्यागपत्र देने वाले शिक्षक	353
↳ पुनर्नियुक्त शिक्षक	353
↳ स्थाई हुए शिक्षक	354
↳ स्वैच्छिक रूप से सेवानिवृत्त हुए शिक्षक	355
↳ **शोध छात्र**	**356 – 390**
↳ पी–एच.डी.	356 – 370
↳ एम.फिल.	371 – 389
↳ एम.टेक	390

विश्वविद्यालय के अधिकारी
(31.3.2006 को)

डॉ. कर्ण सिंह	कुलाधिपति
प्रो. बी.बी. भट्टाचार्य	कुलपति
प्रो. राजेन्द्र प्रसाद	कुलदेशिक
श्री अवैस अहमद	कुलसचिव
श्रीमती रेवती बेदी	वित्त अधिकारी
डॉ. एस. चन्द्रशेखरन	समन्वयक (मूल्यांकन)

अध्ययन संस्थानों के डीन

प्रो. अनिल भट्टी	डीन, क.सौ. शा. सं.
प्रो. एस. बालासुन्दरम	डीन, कं. व प.वि.सं.
प्रो. जितेन्द्र बिहारी	डीन, प.वि.सं.
प्रो. मनमोहन अग्रवाल	डीन, अं.अ.सं.
प्रो. आलोक भट्टाचार्य	डीन, सू.प्रौ.सं.
प्रो. ए.के. बासु	डीन, भा.सा.सं.अ.सं.
प्रो. आर.एन.के. बामजेई	डीन, जी.वि.सं.
प्रो. संजय पुरी	डीन, भौ.वि.सं.
प्रो. अमिताभ कुण्डु	डीन, सा.वि.सं.

अध्ययन केन्द्रों के अध्यक्ष

प्रो. अजय पटनायक	अध्यक्ष, रू.म.ए.अ.के./अं.अ.सं.
प्रो. सी.एस. राज	अध्यक्ष, क.यूएस.ले.अ..अ.के./अं.अ.सं.
प्रो. अमित एस. रे	अध्यक्ष, अं.व्या.वि.के/अं.अ.सं.
प्रो. जी.सी. पंत	अध्यक्ष, प.ए.अ.अ.के./अं.अ.सं.
प्रो. एम.पी. लामा	अध्यक्ष, द.म.द.पू.ए.द.प.म.अ.के./अं.अ.सं.
डॉ. अलका आचार्य	अध्यक्ष, पू.ए.अ.के./अं.अ.सं.
डॉ. वरूण साहनी	अध्यक्ष, अं.रा.सं.नि.के./अं.अ.सं.
प्रो. वाई.के. त्यागी	अध्यक्ष, अं.वि.अ.के./अं.अ.सं.
प्रो. एस.के. झा	अध्यक्ष, यू.अ.के./अं.अ.सं.
प्रो. शंकर बासु	अध्यक्ष, रू.अ.के./भा.सा.सं.अ.सं.
प्रो. एस.ए. रहमान	अध्यक्ष, अ.अ.अ.के./भा.सा.सं.अ.सं.
प्रो. एस.पी. गांगुली	अध्यक्ष, स्पे.पु.इ.ले.अ.अ.के./भा.सा.सं.अ.सं.
प्रो. पी.के.एस. पांडे	अध्यक्ष, भा.वि.के./भा.सा.सं.अ.सं.
प्रो. मोहम्मद शाहिद हुसैन	अध्यक्ष, भा.भा.के./भा.सा.सं.अ.सं.
प्रो. जेड.एस. काजमी	अध्यक्ष, फा.म.ए.अ.के./भा.सा.सं.अ.सं.
प्रो. सुषमा जैन	अध्यक्ष, जा.उ.पू.ए.अ.के./भा.सा.सं.अ.सं.
डा. सबरी मित्रा	अध्यक्ष, ची.द.पू.ए.अ.के./भा.सा.सं.अ.सं.
प्रो. किरण चौधरी	अध्यक्ष, फ्रे.फ्रें.अ.के./भा.सा.सं.अ.सं.
प्रो. रेखा वी. राजन	अध्यक्ष, ज.अ.के./भा.सा.सं.अ.सं.
प्रो. मकरंद आर प्रांजपे	अध्यक्ष, अं.के./भा.सा.सं.अ.सं.
प्रो. ए.के. मोहन्ती	अध्यक्ष, जा.हु.शै.अ.के./सा.वि.सं.
डा. पी.एन. देसाई	अध्यक्ष, वि.नी.अ.के./सा.वि.सं.
प्रो. आदित्य मुखर्जी	अध्यक्ष, ऐ.अ.के./सा.वि.सं.
प्रो. जयती घोष	अध्यक्ष, आ.अ.नि.के./सा.वि.सं.
प्रो. अविजीत पाठक	अध्यक्ष, सा.प.अ.के./सा.वि.सं.
प्रो. के.आर. नायर	अध्यक्ष, सा.चि.सा.स्वा.के./सा.वि.सं.
प्रो. सरस्वती राजू	अध्यक्ष, क्षे.वि.अ.के./सा.वि.सं.
प्रो. गुरप्रीत महाजन	अध्यक्ष, रा.अ.के./सा.वि.सं.

प्रो. सत्य पी. गौतम	अध्यक्ष, द.शा.के./सा.वि.सं.
प्रो. उत्तम के पति	अध्यक्ष, जै.प्रौ.के.
डा. अमित प्रकाश	अध्यक्ष, वि.अ.अ.के.
प्रो. सी. मुखोपाध्याय	अध्यक्ष, आ.चि.शा.के.
प्रो. शशि प्रभा कुमार	अध्यक्ष, सं.अ.के.
प्रो. तनिका सरकार	निदेशक, महिला अध्ययन कार्यक्रम
प्रो. कुणाल चक्रबर्ती	निदेशक, अकादमिक स्टाफ कॉलेज

विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी

डा. एम. कोगानुरमथ	पुस्तकालयाध्यक्ष
प्रो. आर.के. काले	डीन (छात्र)
प्रो. वी.के. जैन	एसोसिएट डीन (छात्र)
श्रीमती दमयंती वी. ताम्बे	उप निदेशक (शारीरिक शिक्षा)
डा. गौतम पात्रा	मुख्य चिकित्सा अधिकारी
प्रो. वी.के. जैन	मुख्य कुलानुशासक
प्रो. वरूण साहनी	अध्यक्ष, विदेशी छात्र सलाहकार
प्रो. हरजीत सिंह	निदेशक (प्रवेश)
प्रो. नीरजा गोपाल जयाल	निदेशक, ज.ने.उच्च अध्ययन संस्थान
प्रो. वैश्ना नारंग	मुख्य सलाहकार, पूर्व छात्रों से संबंधित मामले
डॉ. तुलसी राम	मुख्य सलाहकार, समान अवसर कार्यालय
श्रीमती पूनम एस. कुदेसिया	जन–सम्पर्क अधिकारी

सम्पादकीय मण्डल (वार्षिक प्रतिवेदन)

प्रो. आर. रामास्वामी, भौ.वि.सं.	अध्यक्ष
डा. रोहिणी मुथुस्वामी, जी.वि.सं.	सदस्य
श्री जे.एस. बवेजा, उ.वि.अ.	सदस्य
श्रीमती पूनम एस. कुदेसिया	सदस्य सचिव

वार्षिक प्रतिवेदन के मुख्य अंश

महान राजनेता और विचारक पं. जवाहरलाल नेहरू के राष्ट्रीय स्मारक के रूप में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 1966 में की गई थी। विश्वविद्यालय का औपचारिक उद्‌घाटन भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति श्री वी.वी. गिरी द्वारा किया गया था। विश्वविद्यालय के निम्नलिखित उद्‌देश्य हैं –

'अध्ययन, अनुसंधान और अपने संगठित जीवन के उदाहरण और प्रभाव द्वारा ज्ञान, प्रज्ञान एवं समझदारी का प्रसार व अभिवृद्धि करना तथा विशिष्टतः उन सिद्धान्तों की अभिवृद्धि का प्रयास करना, जिनके लिए जवाहरलाल नेहरू ने जीवन–पर्यन्त काम किया, जैसे – राष्ट्रीय एकता, सामाजिक न्याय, धर्म निरपेक्षता, जीवन की लोकतांत्रिक पद्धति, अन्तरराष्ट्रीय समझ और सामाजिक समस्याओं के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण।'

इस लक्ष्य की दिशा में, विश्वविद्यालय –

- भारत की सामासिक संस्कृति के संवर्धन के लिए ऐसे विभाग और संस्थान स्थापित करेगा जो भारत की भाषाओं, कलाओं और संस्कृति के अध्ययन तथा विकास के लिए अपेक्षित हों;
- सम्पूर्ण भारत से छात्रों और अध्यापकों को विश्वविद्यालय में सम्मिलित होने और उसके शैक्षिक कार्यक्रमों में भाग लेने की सुविधा देने के लिए विशेष उपाय करेगा;
- छात्रों और अध्यापकों में देश की सामाजिक आवश्यकताओं के प्रति जागरूकता और बोध की अभिवृद्धि करते हुए उन्हें ऐसी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए तैयार करेगा;
- अपने शैक्षिक कार्यक्रमों में मानविकी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में समन्वित पाठ्‌यक्रमों के लिए विशेष व्यवस्था करेगा;
- अन्तर–विषयक अध्ययन के प्रोत्साहन के लिए समुचित उपाय करेगा;
- छात्रों में विश्वव्यापी दृष्टिकोण और अन्तरराष्ट्रीय समझ विकसित करने की दृष्टि से ऐसे विभाग या संस्थान स्थापित करेगा जो विदेशी भाषाओं, साहित्य और जीवन के अध्ययन के लिए आवश्यक हों; और
- विभिन्न देशों से आए छात्रों और अध्यापकों के लिए शैक्षिक कार्यक्रमों और गतिविधियों में भाग लेने हेतु सुविधाएं प्रदान करेगा।

विश्वविद्यालय के संस्थानों, केन्द्रों और अन्य निकायों की गतिविधियों का 1 अप्रैल 2005 से 31 मार्च 2006 तक का विवरण नीचे दिया गया है।

संस्थान

विश्वविद्यालय की स्थापना विशेष रूप से एक स्नातकोत्तर शिक्षण एवं शोध संस्थान के रूप में की गई थी। विश्वविद्यालय की विद्या सलाहकार समिति ने यह निर्णय लिया था कि विश्वविद्यालय में मूलतः संस्थान (प्रत्येक के घटक केन्द्रों सहित) होंगे। विश्वविद्यालय में इस समय 9 संस्थान हैं :

- कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान
- कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान
- पर्यावरण विज्ञान संस्थान
- अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान

- सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान
- भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान
- जीवन विज्ञान संस्थान
- भौतिक विज्ञान संस्थान
- सामाजिक विज्ञान संस्थान

इनके साथ–साथ निम्नलिखित विशेष केन्द्र हैं :

- विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र
- जैव–प्रौद्योगिकी केन्द्र
- आणविक चिकित्सा–शास्त्र केन्द्र
- संस्कृत अध्ययन केन्द्र

कला और सौंदर्यशास्त्र संस्थान की स्थापना वर्ष 2001 में हुई और यह निरन्तर वृद्धि की ओर अग्रसर है। अपनी स्थापना के अल्पकाल में ही यह संस्थान पारम्परिक एवं समसामयिक प्रकृति के कला एवं व्यवहार के भिन्न सिद्धान्तों के क्षेत्रों में अन्तरविषयक अध्ययन और शोध को उन्नत कराने वाला केंद्र बन गया है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान संस्थान ने न्यूयार्क विश्वविद्यालय से फिल्म अध्ययन पर लगभग 1000 से अधिक पुस्तकें और पत्रिकाएं उपहार स्वरूप प्राप्त की है। अग्रणी विश्वविद्यालयों से आए अनेक सुप्रसिद्ध विद्वानों ने छात्रों और शिक्षकों के साथ शैक्षिक विचारों का आदान–प्रदान किया। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संस्थान के दौरे पर आए विद्वानों में शामिल हैं प्रोफेसर क्रिस्टोफर पिन्ने, यू.सी.एल.; रिचर्ड स्केचनर, एन.वाई.यू. और प्रोफेसर ऐलन ड्रिस्काल, रोडे आइसलेण्ड स्कूल आफ डिजाइन।

कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान (1975) उन श्रेष्ठ संस्थानों में से एक है जहां कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में शिक्षण एवं शोध कार्यक्रम चलाए जाते हैं। संस्थान एम.सी.ए., एम.टेक. और पी–एच.डी. उपाधियों के लिए अध्ययन एवं शोध पाठ्यक्रम चलाता है।

पिछले कुछ वर्षों में यह देश के सर्वोत्तम प्रतिष्ठित संथानों में एक संस्थान के रूप में उभरा है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान शिक्षकों के 13 शोध आलेख प्रकाशित हुए। संस्थान के एम.सी.ए. और एम.टेक. छात्रों को प्रमुख साफ्टवेयर कम्पनियों में नौकरियां प्राप्त हुईं।

पर्यावरण विज्ञान संस्थान (1974) की शोध रूचि विभिन्न भू, वातावरणीय और जीव–वैज्ञानिक प्रक्रियाओं में विभक्त हैं। पारिस्थितिक और सामाजिक प्रक्रियाओं के बीच संयोजन संस्थान को एक अतिरिक्त आयाम प्रदान करते हुए सुसंगत बनाते हैं। इसलिए पाठ्यचर्या में भौतिक विज्ञान, भू एवं वातावरणीय विज्ञान, पर्यावरणीय जीव विज्ञान और पर्यावरणीय मानिटरिंग एवं प्रबंधन जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

शिक्षकों द्वारा 33 परियोजनाओं पर शोध कार्य किया जा रहा है। सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षकों में शामिल थे – कस्तूरी दत्ता और ए.एल. रामनाथन। वर्ष के दौरान शिक्षकों के 50 से अधिक शोध आलेख प्रकाशित हुए।

अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान (1969) की शुरू में स्थापना वर्ष 1955 में भारतीय अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संथान के नाम से हुई थी। यह विश्वविद्यालय का सबसे पुराना संस्थान है। अपनी स्थापना के 51 वर्षों के दौरान संस्थान ने अन्तरराष्ट्रीय सम्बन्धों और क्षेत्रीय अध्ययन के लिए पूरे देश में अपने को एक विशिष्ट संस्थान के रूप में प्रतिष्ठित किया है।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान संस्थान में भिन्न–भिन्न नामों से चेयरों की स्थापना हुई हैं। इनमें शामिल हैं – अप्पादुराई चेयर, नेल्सन मंडेला चेयर, पर्यावरण विधि एवं अन्तरिक्ष विधि में चेयर, भारतीय स्टेट बैंक चेयर और राजीव गांधी चेयर। अन्तरराष्ट्रीय सम्बन्धों पर पं. हृदय नाथ कुंजरू स्मारक व्याख्यानमाला का आयोजन संस्थान का एक नियमित वार्षिक कार्यक्रम बन गया है।

संस्थान में नौ केंद्र हैं, जिनमें विभिन्न विषयों में शोध एवं शिक्षण कार्यक्रम चलाए जाते हैं।

- **कनाडियन, यू.एस. और लेटिन अमरीकी अध्ययन केंद्र** – शिक्षकों के 18 शोध आलेख प्रकाशित हुए और तीन शोध परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। उन्होंने राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर के 11 सम्मेलनों और संगोष्ठियों में भाग लिया।

- **पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र** – केंद्र ने समीक्षाधीन अवधि के दौरान 20 से अधिक संगोष्ठियां आयोजित कीं। कुछ प्रतिष्ठित विद्वानों ने केंद्र का दौरा किया। इनमें शामिल हैं – महामहिम जुनिकिरो कोइजुमी, जापान के प्रधानमंत्री; मसातो ताकाओका, पालिटिकल मिनिस्टर, जापान दूतावास और नाओयोशी नोगुची, महानिदेशक, डी.ई.टी.आर.ओ.।

  वर्ष के दौरान केंद्र के एम.फिल./पी–एच.डी. छात्रों को 'साबुरो ओकितो स्मारक अध्येतावृति' और 'जापान फाउंडेशन छात्रवृति' प्रदान की गई। पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षकों में शामिल हैं एच.एस. प्रभाकर और लालिमा वर्मा।

- **यूरोपीय अध्ययन केंद्र** – वर्ष के दौरान केंद्र के शिक्षकों के 22 शोध आलेख प्रकाशित हुए। शिक्षकों ने 40 सम्मेलनों तथा संगोष्ठियों में भाग लिया और वे 2 शोध परियोजनाओं में संलग्न रहे।

- **अन्तरराष्ट्रीय विधि अध्ययन केंद्र** – केंद्र के 5 शिक्षक विभिन्न शोध परियोजनाओं में संलग्न रहे। उनके अनेक आलेख प्रकाशित हुए और उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं में भाग लिया।

- **अन्तरराष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र** – केंद्र ने वर्ष के दौरान कई संगोष्ठियां और सम्मेलन आयोजित किए। इनमें प्रमुख प्रतिभागियों में प्रो. वी.वी. नायडु, ब्रानडन यूनिवर्सिटी, कनाडा; डा. हर्ष पंत, यूनिवर्सिटी आफ नातरे डेम; प्रो. टी.वी. पाल, मैकगिल यूनिवर्सिटी, कनाडा; डा. एंड्रयू हरेल, न्यूफील्ड कालेज, आक्सफोर्ड शामिल थे। केंद्र के दौरे पर आए प्रमुख विद्वानों में शामिल थे – डा. ई. श्रीधरण, यूनिवर्सिटी आफ पेंसिलवानिया; डॉ. थामस फ्यूस, जर्मन डिवलपमेंट इंस्टीट्यूट, जर्मनी और डा. अब्दुल लामिन, यूनिवर्सिटी आफ विटवांटर्सरेंड, साउथ अफ्रीका।

  समीक्षाधीन अवधि के दौरान केंद्र के शिक्षकों ने देश–विदेश में आयोजित 60 से अधिक सम्मेलनों और कार्यशालाओं में भाग लिया।

- **अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केंद्र** – यह केंद्र संभवतः देश में अकेला ऐसा अर्थशास्त्र विभाग है जहां शिक्षण एवं शोध के थ्रस्ट एरिया के रूप में केवल अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन पर विशेष बल दिया जाता है। केंद्र के विशेषीकरण में व्यापार, निवेश, वित्त, पर्यावरण, प्राकृतिक संसाधन, गरीबी, असमानता और सामाजिक जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

  केंद्र के प्रकाशनों में प्रो. आलोकेश बरूआ द्वारा रचित पुस्तक 'इण्डिया'ज नार्थ–ईस्ट : डिवलपमेंटल इश्युज इन ए हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव' प्रमुख थी।

- **रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र** – केंद्र ने 16–17 फरवरी 2006 को 'सी.आई.एस. एनर्जी, सिक्युरिटी ऐंड डिवलपमेंट' विषयक एक 2–दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की। केंद्र के शिक्षक दो शोध परियोजनाओं में संलग्न रहे और उन्होंने 24 राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों और संगोष्ठियों में भाग लिया।

- **दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र** – केंद्र के शिक्षकों द्वारा प्रकाशित पुस्तकों में पी. सहदेवन द्वारा रचित पुस्तक – 'पालिटिक्स आफ कन्फ्लिक्ट ऐंड पीस इन श्रीलंका' और अम्बरीश ढाका द्वारा रचित पुस्तक 'साउथ एशिया, सेंट्रल एशिया : जिओपालिटिकल डायनेमिक्स' प्रमुख थीं।

  केंद्र ने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कई संगोष्ठियां आयोजित कीं। वक्ताओं में प्रमुख थे – श्री अर्जुना हुलुगाले, प्रेजिडेंट आफ स्वराज्य फाउंडेशन, श्रीलंका; प्रो. ततिआना शौमियान, रशियन अकादमी आफ साइंसिस, मास्को; श्री लियाकत अली चौधरी, भारत में बंगलादेश के उच्चायुक्त।

- **पश्चिम एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र** – केंद्र ने 'फ्रेंकाफोन सब सहारन अफ्रीका : इश्युज इन फारेन पालिसिज ऐंड डिवलपमेंट' विषयक एक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। केंद्र में आए विद्वानों में डा. आर.आर. सुब्रामणियन, आई. डी.एस.ए.; प्रो. रिविलिन, तेल अवीव विश्वविद्यालय; प्रो. यितजाहक गानूल हिब्रू विश्वविद्यालय, प्रमुख थे। वर्ष के दौरान शिक्षकों ने 61 सम्मेलनों और कार्यशालाओं में भाग लिया।

सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान – वर्ष 2001 में स्थापित हुए इस संस्थान में तीन केंद्र हैं। संस्थान मुख्यतः शिक्षा और शोध के क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग पर बल देता है।

- **अभिकलनात्मक जीव–विज्ञान और जैव–सूचना–विज्ञान केंद्र** – यह केंद्र जीव विज्ञान और जीवन विज्ञान के सभी क्षेत्रों में शोध कर रहे शोधार्थियों को सूचना सेवाएं और अभिकलनात्मक सहयोग उपलब्ध कराने के लिए वर्ष 1988 से कार्य कर रहा है।

- **संचार और सूचना सेवाएं** – विश्वविद्यालय ने अपनी विशिष्टता को बनाए रखने की परम्परा का निर्वाह करते हुए अपने शिक्षण एवं शोध कार्यक्रमों में आधुनिक इंटरनेट प्रौद्योगिकी को शामिल करके एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

- **कंप्यूटर केंद्र** – कंप्यूटर केंद्र की स्थापना विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, छात्रों और स्टाफ–सदस्यों को आधुनिक कंप्यूटर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दृष्टि से एक स्वतंत्र कंप्यूटर केंद्र के रूप में की गई है। केंद्र में उपलब्ध कंप्यूटिंग सुविधाएं बहुत ही अहम पहलू हैं। यह केंद्र विश्वविद्यालय की अन्य गतिविधियों में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कंप्यूटर केंद्र में स्थित जेएनयू–इग्नू कंप्यूटर प्रयोगशाला अन्तर–विश्वविद्यालय सहयोग की एक खूबसूरत मिसाल है। इस व्यवस्था के अन्तर्गत दो विश्वविद्यालयों के परस्पर सहयोग से आधुनिक कंप्यूटर सुविधाएं विकसित की गई हैं, जिनका प्रयोग दोनों विश्वविद्यालय के छात्र करते हैं।

वर्ष के दौरान संस्थान में आए विद्वानों में शामिल हैं – प्रो. रोस किंग, यूनिवर्सिटी आफ वेल्स, यू.के.; प्रो. थोमस इसाकसन, नार्वियन यूनिवर्सिटी आफ लाइफ साइंस, नार्वे। संस्थान ने वर्ष 2005–2006 के दौरान 'सिस्टम्स बायोलाजी' विषयक एक राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की। संस्थान देश भर के संस्थानों के पूर्व स्नातक तथा स्नातकोत्तर छात्रों के लिए एक ग्रीष्मकालीन शिविर भी चलाता है।

भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान (1971) में विभिन्न शास्त्रीय, आधुनिक भारतीय और विदेशी भाषाओं में स्नातक, स्नातकोत्तर और शोध पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। संस्थान, विश्वविद्यालय के सभी जरूरतमंद छात्रों के लिए विशेष सहायता के रूप में विभिन्न भाषाओं विशेषकर अंग्रेजी भाषा में उपचारात्मक कोर्स चलाता है, जिनमें प्रत्येक वर्ष काफी छात्र भाग लेते हैं।

संस्थान में ग्यारह केंद्र और एक मल्टीमीडिया भाषा प्रयोगशाला है। भाषा प्रयोगशाला समूह आडियो–वीडियो रिकार्डिंग, एज्यूकेशनल साफ्टवेयर प्रोडक्शन की आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हैं।

- **अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र** – वर्ष के दौरान केंद्र के प्रकाशनों में प्रमुख रूप से शामिल हैं – एस.ए. रहमान द्वारा रचित 'डिक्शनरी आफ एब्रिविएशंस : इंग्लिश–अरेबिक, और कामूस एल अरेबिएल हिन्दी'। वर्ष के दौरान केंद्र के शिक्षकों ने पांच राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों तथा संगोष्ठियों में भाग लिया।

- **चीनी और दक्षिण पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र** – सबरी मित्रा ने 'लिट्रेचर ऐंड पालिटिक्स इन 20थ सेंचुरी चाइना : इश्युज ऐंड थीम्स' शीर्षक पुस्तक और बी.आर. दीपक ने 'माई लाइफ विद कोटनिस' शीर्षक पुस्तक प्रकाशित की। केंद्र के शिक्षकों ने पांच राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों तथा संगोष्ठियों में भाग लिया। प्रो. एम.एल. भट्टाचार्य को विदेशी भाषा के रूप में चीनी भाषा शिक्षण के लिए चाइना नेशनल आफिस द्वार अध्येतावृति प्रदान की गई।

- **अंग्रेजी अध्ययन केंद्र** – केंद्र ने 'साइंस ऐंड स्प्रिच्युएलिटी इन माडर्न इण्डिया' विषयक एक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। केंद्र में आए विद्वानों में डा. इंदिरा घोष, फ्री यूनिवर्सिटी, बर्लिन; डा. रायवत देवनंदन, कनाडा और किरण नागरकर,

सुप्रसिद्ध मराठी एवं अंग्रेजी लेखक प्रमुख थे। वर्ष के दौरान शिक्षकों ने 20 राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों और संगोष्ठियों में भाग लिया। प्रो. मकरंद परांजपे को आस्ट्रेलिया इण्डिया काउंसिल रिसर्च फेलोशिप प्राप्त हुई।

- **फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र** – केंद्र ने 'क्यूबेक स्टडीज' पर एक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। केंद्र के दौरे पर आए विद्वानों में प्रमुख थे – प्रो. मेरी मैक एंड्रयू यनिवर्सिटी आफ मोंट्रियल, कनाडा, श्री जीन कारेस्ट, प्रीमियर आफ क्यूबेक और प्रो. आश्मी हेली, फ्रांस। केंद्र के शिक्षक तीन शोध परियोजनाओं में संलग्न रहे और उन्होंने 14 राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों और संगोष्ठियों में भाग लिया।

- **जर्मन अध्ययन केंद्र** – वर्ष के दौरान केंद्र के दौरे पर आए प्रमुख विद्वानों में प्रो. डा. वुल्फगेंग मुल्लर फंक, जर्मनी; डा. उरसुला कोच, बर्लिन और डा. मारिया बेबेकोवा बेकर, मातेज बाल यूनिवर्सितेत। केंद्र के प्रकाशनों में प्रमुख प्रकाशन जार्ग फिच द्वारा रचित पुस्तक का रेखा वी. राजन द्वारा अनुवाद 'ए ग्लोबल हिस्ट्री आफ विडो बर्निंग फ्राम एंशिऐंट टाइम्स टु द प्रेजेंट' था। केंद्र के शिक्षक चार शोध परियोजनाओं में संलग्न रहे।

- **भारतीय भाषा केंद्र** – वर्ष के दौरान केंद्र का दौरा करने आए विद्वानों में प्रो. एम.के. बिरस्की, वार्सा यूनिवर्सिटी और प्रो. इरफान हबीब प्रमुख थे। केंद्र के शिक्षकों के 31 आलेख/पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय प्रकाशित हुए। शिक्षकों ने 18 राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों और संगोष्ठियों में भाग लिया।

- **जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र** – वर्ष के दौरान केंद्र ने 2 'पर्सपेक्टिव आन कोरियन कल्चर' और 'कोरियन लिंग्विस्टिक्स' विषयक दो अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठियां आयोजित कीं। केंद्र में आए विद्वानों में प्रमुख थे – प्रो. के. ओकामोतो, किनकिन यूनिवर्सिटी और प्रो. के. हामाकावा, क्योतो वुमन'स यूनिवर्सिटी, जापान। वर्ष के दौरान केंद्र के शिक्षकों ने लगभग 37 राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों और कार्यशालाओं में भाग लिया। प्रो. सुषमा जैन को जापान फाउंडेशन अध्येतावृति प्रदान की गई।

- **भाषा विज्ञान केंद्र** – वर्ष के दौरान केंद्र ने 'जनरेटिव लिंग्विस्टिक्स आफ द ओल्ड वर्ल्ड' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन आयेजित किया। केंद्र में आए विद्वानों में डा. अन्नु खोसला, सीनियर साइंटिस्ट, डी.आर.डी.ओ., तथा सुश्री चैत्रा दत्तास्वामी, यूनिवर्सिटी आफ लंदन प्रमुख थे। वर्ष के दौरान केंद्र के शिक्षकों ने लगभग पांच राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों तथा संगोष्ठियों में भाग लिया। प्रो. फ्रेंसन मंजली को सेंटर फार काग्निटिव साइंस, जादवपुर यूनिवर्सिटी, कोलकाता द्वारा विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में सम्मानित किया गया।

- **फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र** – केंद्र के शिक्षक दो शोध परियोजनाओं में संलग्न थे और उन्होंने राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर के नौ सम्मेलनों तथा संगोष्ठियों में भाग लिया। शिक्षकों के लगभग आठ शोध आलेख प्रकाशित हुए।

- **रूसी अध्ययन केंद्र** – केंद्र के शिक्षकों – शंकर बासु और मनु मित्तल द्वारा दो अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठियां आयोजित की गई। केंद्र में आए वक्ताओं/विद्वानों में डा. चिनार रुस्तामोवा, तुर्कमेनिस्तान दूतावास, एलेक्जेंडर ई पेत्रोव, रशियन सेंटर आफ साइंस ऐंड कल्चर। केंद्र के शिक्षक तीन शोध परियोजनओं में संलग्न थे और उन्होंने लगभग 12 राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों तथा संगोष्ठियों में भाग लिया।

- **स्पेनी, पुर्तगाली, इतालवी और लेटिन अमरीकी अध्ययन केंद्र** – केंद्र में आए विद्वानों में प्रमुख थे – प्रो. कार्लोस मोंटेमयर; डा. एंटोनिआ नावारोतेजेरो, इस्पेन और श्री लारी लेरेने, सुप्रसिद्ध स्पेनी फिल्म निर्देशक। केंद्र ने 'सर्वांतेज ऐंड द गोल्डन ऐज' विषयक एक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

जीवन विज्ञान संस्थान (1970) एक अग्रणी बहु–विषयक शोध एवं शिक्षण विभाग रहा है। संस्थान ने आधुनिक जीव विज्ञान के चुने हुए क्षेत्रों में नवीनतम शोध एवं शिक्षण कार्यक्रम चलाए हैं। संस्थान पादप अणु जीव विज्ञान, आनुवांशिकी, कोशिका और अणु जीव

विज्ञान, प्रतिरक्षा विज्ञान, विकिरण, प्रकाश–जैविकी, कैंसर जीव विज्ञान और सूक्ष्म जीव विज्ञान में उच्च स्तरीय एवं महत्वपूर्ण शोध कार्यक्रम चलाता है। संस्थान की भावी योजनाओं में तंत्रिका जीवविज्ञान, अणु जैव–भौतिकी और संरचनात्मक जीवविज्ञान के क्षेत्रों में अध्ययन के लिए केंद्रीयकृत सुविधाएं विकसित करने के साथ–साथ पादप जीवाणुओं और उष्णकटिबंधीय तथा आनुवंशिक रोगों की जीन प्रौद्योगिकी पर गहन शोध के लिए उपलब्ध सुविधाओं में वृद्धि करना शामिल है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संस्थान ने अनेक संगोष्ठियां आयोजित कीं। प्रमुख वक्ताओं में डा. अनिता पोतेकात (विस्कोंसिन), डा. हेला लिचटेन बर्गफ्रेंट (बान) और डा. जेम्स एंडरसन (मिलवाउकी)। केंद्र के शिक्षकों द्वारा 34 शोध परियोजाएं चलायी जा रही हैं। वर्ष के दौरान शिक्षकों ने 30 से अधिक राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया। प्रो. राजेंद्र प्रसाद को यूनिवर्सिटी आफ बान में विजिटिंग मर्केटर प्रोफेसरशिप प्रदान की गई।

भौतिक विज्ञान संस्थान (1986) पिछले वर्षों में संस्थान ने एम.एस–सी. और प्री पी–एच.डी. स्तरों पर महत्वपूर्ण शिक्षण कार्यक्रम चलाए हैं। संस्थान की शोध गतिविधियां मुख्यतः क्लासिकल ऐंड क्वांटम केआस, कंप्यूटेशनल फिजिक्स, कंडेंस्ड मैटर फिजिक्स, डिसार्डर्ड सिस्टम, नानलिनियर डायनेमिक्स, क्वांटम फील्ड थीअरि, क्वांटम आप्टिक्स और स्टेटिस्टिकल मैकेनिक्स के सैद्धान्तिक क्षेत्रों तथा केमिकल फिजिक्स, कंप्लेक्स फ्लुइड्स, कंडेंस्ड मैटर फिजिक्स और नानलिनियर आप्टिक्स के प्रयोगात्मक क्षेत्रों पर केंद्रित है।

संस्थान ने 'फ्रन्टियर्स इन कनडेंस्ड मैटर ऐंड स्टेटिस्टिकल फिजिक्स' विषयक एक 2–दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। केंद्र के शिक्षक सात शोध परियोजनाओं में संलग्न रहे। संजय पुरी भारतीय विज्ञान अकादमी, बंगलौर के फेलो चुने गए।

सामाजिक विज्ञान संस्थान (1969) – इसके 9 केंद्रों में चलाए जा रहे एम.ए., एम.फिल./पी–एच.डी. और पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों में प्रत्येक वर्ष 500 से अधिक छात्रों को प्रवेश दिया जाता है। इसके अतिरिक्त संस्थान में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्तपोषित 'महिला अध्ययन कार्यक्रम' तथा प्रौढ़, अनुवर्ती शिक्षा और विस्तार की एक विशेष यूनिट भी है। संस्थान में समसामयिक इतिहास पर अभिलेखागार और शैक्षिक रिकार्ड शोध यूनिट भी है। संस्थान के सभी केंद्रों में शोध पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं, जबकि एम.ए. पाठ्यक्रम केवल चार केंद्रों में ही चलाए जाते हैं। इन चार केंद्रों सहित जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विशेष सहायता विभाग कार्यक्रम के अन्तर्गत अनुदान राशि प्राप्त हो रही है।

- **आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र** – केंद्र में आए प्रमुख विद्वानों में में प्रो. स्टीवन स्लतस्की, यूनिवर्सिटी आफ फ्लोरिडा, यू.एस.ए.; डा. प्रियदर्शी बनर्जी, सिटी यूनिवर्सिटी आफ न्यूयार्क और प्रो. प्रदीप दुबे, सनी स्टोनीब्रुक, यू.एस.ए. शामिल हैं। सी. पी. चन्द्रशेखर और जयती घोष द्वारा 'ट्रेकिंग द माइक्रोइकोनोमी' भाग–1 और भाग–2 पुस्तकें प्रकाशित की गईं। केंद्र के शिक्षक छः शोध परियोजनाओं में संलग्न रहे।

- **ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र** – केंद्र में आए विद्वानों में शामिल थे – डा. ताहिर कामरान, लाहौर विश्वविद्यालय, पाकिस्तान और प्रो. दीपेश चक्रबर्ती, यूनिवर्सिटी आफ शिकागो, यू.एस.ए.। केंद्र के शिक्षकों ने 40 से अधिक राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों और संगोष्ठियों में भाग लिया।

- **दर्शनशास्त्र केंद्र** – केंद्र के शिक्षकों के 13 आलेख/पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय प्रकाशित हुए और उन्होंने लगभग 24 राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय सम्मलनों और कार्यशालाओं में भाग लिया। केंद्र के प्रकाशनों में डा. आर.पी. सिंह की 'द फिलासफीकल हेरिटेज आफ इमेन्युअल कांत' शीर्षक पुस्तक और मंदीप सेन की 'नालेज, ट्रूथ ऐंड रिएलिटी' शीर्षक पुस्तकें प्रमुख थीं।

- **राजनीतिक अध्ययन केंद्र** – वर्ष के दौरान केंद्र के शिक्षक दो शोध परियोजनाओं में संलग्न रहे और उन्होंने लगभग 14 राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों और कार्यशलाओं में भाग लिया।

- **सामाजिक चिकित्साशास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र** – केंद्र के शिक्षकों ने 51 राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों और संगोष्ठियों में भाग लिया। पुरस्कार और सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षकों में शामिल हैं – आचार्य संघमित्रा शील, अल्पना दया सागर और राजीव दासगुप्ता।

वर्ष के दौरान केंद्र में आए विद्वानों में प्रो. रोजर जेफरी, यूनिवर्सिटी आफ ईडनबर्ग; प्रो. ओलिवर राजम, राल्फ उलरिच, यूनिवर्सिटी आफ बिलेफिल्ड, जर्मनी और प्रो. रोबिना भट्टी, केलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी प्रमुख थे।

- **क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र** – कोलकाता के प्रो. सुनील मुंशी केंद्र में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में रहे। वर्ष के दौरान केंद्र के शिक्षकों के 49 शोध आलेख पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए और उन्होंने 63 राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया। शिक्षकों द्वारा 31 शोध परियोजनाएं चलाई जा रही हैं।

- **विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र** – केंद्र ने अनेक व्याख्यान आयोजित किए। वक्ताओं में प्रो. कार्ल मार्टिन आलवुड, लुंड यूनिवर्सिटी, स्वीडन; प्रो. विक्रम सोनी, एन.पी.एल., और मंजरी महाजन, कार्नेल यूनिवर्सिटी, न्यूयार्क, प्रमुख थे। केंद्र के शिक्षकों ने लगभग 11 राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया।

- **सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र** – एम.एन. पाणिनी ने 'टुवर्डस ए सोशिओलाजी आफ साउथ एशिया' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की। केंद्र के दौरे पर आए विद्वानों में डा. मोनिरूल हुसैन, गुवाहाटी विश्वविद्यालय; डा. लारेंट डोर्डी, फ्रेंच इंस्टीट्यूट आफ पांडिचेरी और डा. बोइके रेहबीन, अलबर्त लुदविग्स यूनिवर्सिटी प्रमुख थे। केंद्र द्वारा 23 शोध परियोजाएं चलायी जा रही हैं।

- **शैक्षिक रिकार्ड शोध यूनिट** – यूनिट के शिक्षकों ने 3 राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों और संगोष्ठियों में भाग लिया। वर्ष के दौरान यूनिट ने 'डिसाइडिंग द डेस्टिनी आफ द नेशन : स्लेक्शंस फ्राम नेशनलिस्ट आइडियाज आन एज्यूकेशन इन इण्डिया 1920–1947' और 'टेक्नीकल एज्यूकेशन इन इण्डिया : ए स्लेक्शन आफ डाक्यूमेंट्स 1847–1918' शीर्षक दो नई परियोजनाएं शुरू कीं।

- **प्रौढ़ शिक्षा ग्रुप** – ग्रुप ने 'डिवलपिंग ए करिकुलम फार एन ई–लर्निंग प्रोग्राम आन अडल्ट लर्निंग' विषयक अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की। दौरे पर आए विद्वानों में प्रो. मेंडी स्टील और प्रो. प्रोमिला अग्रवाल, जार्ज ब्राउन कालेज, टोरंटो और श्री विलियम इवांस, नार्वेयन अडल्ट एज्यूकेशन एसोसिएशन, ओस्लो, प्रमुख थे। ग्रुप के शिक्षक तीन शोध परियोजनाओं में संलग्न रहे और उन्होंने लगभग 16 राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया।

- **महिला अध्ययन कार्यक्रम** – समीक्षाधीन वर्ष के दौरान महिला अध्ययन कार्यक्रम के शिक्षक 'जेंडर ऐंड अर्बन लोकल गवर्नेंस इन टु सिटीज' और 'द डिक्लाइनिंग सेक्स रेशिओ इन फाइव नार्थ इण्डियन स्टेट्स' विषयक दो शोध परियाजाओं में संलग्न रहे। महिला अध्ययन कार्यक्रम ने अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 'जेंडर इन रिसर्च' विषयक एक विशेष 2–दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। शिक्षकों ने लगभग 19 राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों और संगोष्ठियों में भाग लिया।

- **जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र** – केंद्र ने अनेक व्याख्यान आयोजित किए। प्रमुख वक्ताओं में प्रो. विबे ई. बिजकर, मास्ट्रीक्ट यूनिवर्सिटी; डा. माया उन्नीथन, ससेक्स यूनिवर्सिटी और डा. सुनीत वर्मा, दिल्ली विश्वविद्यालय प्रमुख थे। केंद्र के शिक्षक 9 शोध परियोजनाओं में संलग्न रहे और उन्होंने लगभग 38 राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों और संगोष्ठियों में भाग लिया।

जैव–प्रौद्योगिकी केंद्र (1986) को भारत के शीर्ष 20 जैव–प्रौद्योगिकी संस्थानों में से सर्वोत्तम माना गया है। केंद्र जैव–प्रौद्योगिकी के भिन्न–भिन्न क्षेत्रों में एम.एस–सी. और पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। एम.एस–सी. पाठ्यक्रम के लिए जैव–प्रौद्योगिकी विभाग सहयोग करता है, जबकि पी–एच.डी. पाठ्यक्रम का वित्त–पोषण शिक्षकों को प्राप्त अनुदान और विश्वविद्यालय द्वारा किया जाता है। एम.एस–सी. स्तर के कोर्स सैद्धान्तिक और अनुप्रयुक्त दोनों स्तरों पर जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार किए गए है। इनमें शामिल हैं – स्ट्रक्चर आफ मेट्रोमोलक्यूल्स फर्मेंटेशन और डाउनस्ट्रीम प्रोसेसिंग टेक्नोलाजी, मोलक्यूलर डायग्नोस्टिक्स एनिमल बायोटेक्नोलाजी, मोलक्यूलर बायोलाजी आफ प्रोकारियोटिक्स और यूकारियोटिक्स, जैनेटिक्स इंजीनियरिंग और इम्यूनोटेक्नोलाजी।

केंद्र के शिक्षक 16 शोध परियोजनाओं में संलग्न रहे और उन्होंने 13 राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया। प्रो. राकेश भट्नागर को राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, इलाहाबाद का फेलो चुना गया।

विधि और अभिशासन अध्ययन केंद्र (2000) – केंद्र ने प्रतिष्ठित शिक्षाविद प्रो. प्रणब बर्धन का 'डेमोक्रेसी, गवर्नेंस ऐंड इकोनामिक रिफार्म इन इण्डिया' विषयक एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया। केंद्र में आए अन्य विद्वानों में माइकल ट्रोपर (पेरिस), उमा चक्रवर्ती (दिल्ली) और डंकन बेंटली (बांड यूनिवर्सिटी) प्रमुख थे। नीरजा गोपाल जयाल 'मेंसन देस साइंसिस देल' होम पेरिस, में विजिटिंग फेलो रहीं। केंद्र के शिक्षकों द्वारा 8 शोध परियोजनाएं चलाई जा रही हैं और उन्होंने 25 राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों तथा कार्यशालाओं में भाग लिया।

आणविक चिकित्साशास्त्र विशेष केंद्र (1999) का उद्देश्य मानव रोग के अध्ययन में आणविक और कोशिकीय जीवविज्ञान के सीधे अनुप्रयोग के साथ इस क्षेत्र में शोध कार्य को प्रोत्साहन देना है। वर्ष के दौरान केंद्र में आए विद्वानों में डा. रामकृष्ण प्रसाद एलुर, नेशनल आई इंस्टीट्यूट, यू.एस.ए.; डा. पाल फोक्स, क्लीवलेण्ड क्लिनिक फाउंडेशन, यू.एस.ए. और डा. अनिंद्य दासगुप्ता, येल यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए. शामिल हैं। केंद्र के शिक्षक 12 शोध परियोजनाओं पर कार्य कर रहे हैं। सी.के. मुखोपाध्याय को वेलकम ट्रस्ट, यू.के. द्वारा इंटरनेशनल सीनियर रिसर्च फेलोशिप प्रदान की गई।

संस्कृत अध्ययन केंद्र (2001) – समीक्षाधीन वर्ष के दौरान केंद्र में अनेक प्रतिष्ठित विद्वान आए और व्याख्यान दिए। इन विद्वानों में शामिल हैं – प्रो. एम.के. बिरस्की, यूनिवर्सिटी आफ वारसोवा, पोलेण्ड; डा. प्रबोध झींगन, नेहू, शिलांग और प्रो. दामोदर ठाकुर, साने यूनिवर्सिटी, रिपब्लिक आफ यमन। केंद्र ने संस्कृत सप्ताह समारोह के दौरान एक विशेष व्याख्यान माला का आयोजन किया। केंद्र के शिक्षक सात शोध परियोजनाओं में संलग्न थे और उन्होंने लगभग 37 राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया।

रक्षा/अनुसंधान और विकास संस्थान

जेएनयू ने देशभर के निम्नलिखित सुप्रसिद्ध संस्थानों को मान्यता प्रदान की है। यह विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय चरित्र को दर्शाता है। इन संस्थानों के प्रतिनिधि जेएनयू के विभिन्न शैक्षिक और सांविधिक निकायों में रहते हैं। इसके साथ ही जेएनयू के शिक्षक भी इन संस्थानों के शैक्षिक निकायों में भाग लेते हैं।

रक्षा संस्थान

- सेना कैडेट महाविद्यालय, देहरादून
- सेना इंजीनियरी महाविद्यालय, पुणे
- सेना इलेक्ट्रोनिक्स और मैकेनिकल इंजीनियरी महाविद्यालय, सिकन्दराबाद
- सेना दूर–संचार इंजीनियरी महाविद्यालय, महू
- राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, पुणे
- नौ सेना इंजीनियरी महाविद्यालय, लोनावाला

अनुसंधान और विकास संस्थान

- कोशिकीय और अणु–विज्ञान केन्द्र, हैदराबाद
- विकास अध्ययन केंन्द्र, तिरूवनन्तपुरम्

- केन्द्रीय औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ
- सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ मेडिसिनल ऐंड ऐरोमेटिक प्लांट्स, लखनऊ
- सूक्ष्म जैविक प्रौद्योगिकी संस्थान, चण्डीगढ़
- अंतरराष्ट्रीय आनुवंशिकी इंजीनियरी तथा जैव–प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
- राष्ट्रीय प्रतिरक्षा–विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
- नाभिकीय विज्ञान केन्द्र, नई दिल्ली
- रमण अनुसंधान संस्थान, बंगलौर
- राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली

छात्र

विश्वविद्यालय में देश के सभी भागों से छात्रों को प्रवेश दिया जाता है। ये छात्र भारतीय समाज की भाषिक, धार्मिक, जातिगत और आर्थिक भिन्नता को दर्शाते हैं। इस संबंध में वर्ष 2005–2006 के आंकड़े नीचे दिए गए हैं। छात्र–शिक्षकों का अनुपात 13 : 1 है।

जेंडर प्रोफाइल		सोशल प्रोफाइल		पाठ्यक्रम	
• महिला	1862	• अनुसूचित जाति	669	• शोध (पी–एच.डी./एम.फिल./एम.टेक.)	2882
		• अनुसूचित जनजाति	370	• स्नातक (एम.ए./एम–एस.सी./एम.सी.ए.)	1526
• पुरुष	3402	• शारीरिक रूप से विकलांग	104	• पूर्व स्नातक (बी.ए. ऑनर्स)	595
		• विदेशी छात्र	241	• अंशकालिक (सीओपी/डीओपी/एडीओपी)	261
		• अन्य	3880		
कुल	**5264**				

प्रवेश

विश्वविद्यालय छात्रों को प्रवेश–परीक्षा के माध्यम से प्रवेश देता है। यह प्रवेश परीक्षा देश के विभिन्न भागों में स्थित 68 केन्द्रों और दो विदेश में स्थित केन्द्रों – काठमांडु (नेपाल) और कोलम्बो (श्रीलंका) में आयोजित की जाती है। प्रवेश संबंधी सूचना अंग्रेजी और भारतीय भाषाओं के सभी मुख्य राष्ट्रीय और क्षेत्रीय समाचार पत्रों में दी जाती है। प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर प्रवेश प्रत्येक अध्ययन पाठ्यक्रम में उपलब्ध सीटों की निश्चित संख्या के आधार पर दिया जाता है।

विश्वविद्यालय जेएनयू सहित 36 संस्थानों और विश्वविद्यालयों के लिए एम–एस.सी. (जैव–प्रौद्योगिकी) में संयुक्त प्रवेश परीक्षा भी आयोजित करता है। वर्ष 2005–06 के दौरान विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में निम्नलिखित छात्रों को प्रवेश दिया गया।

जेएनयू प्रवेश परीक्षा

प्रवेश हेतु भेजे गए प्रस्ताव और प्रवेश लेने वाले छात्र

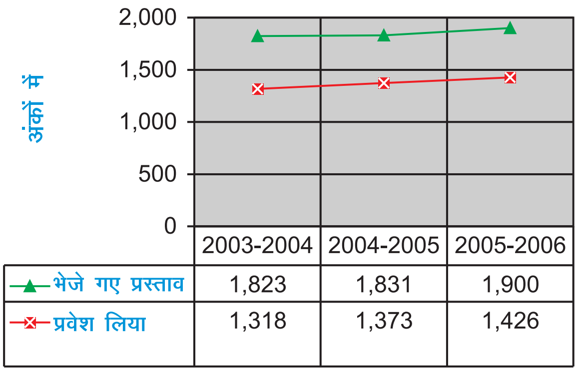

प्रवेश-परीक्षा में भाग लेने वाले छात्र

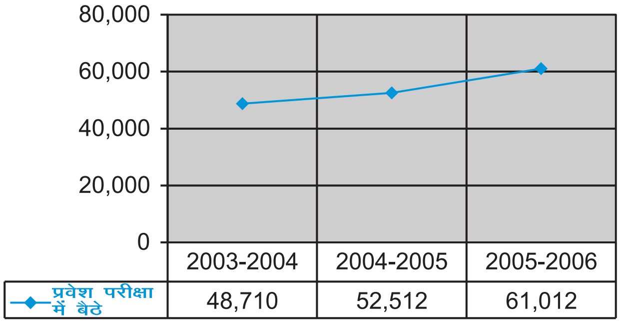

जेएनयू प्रवेश-परीक्षा

प्रवेश लेने वाले कुल विदेशी छात्र

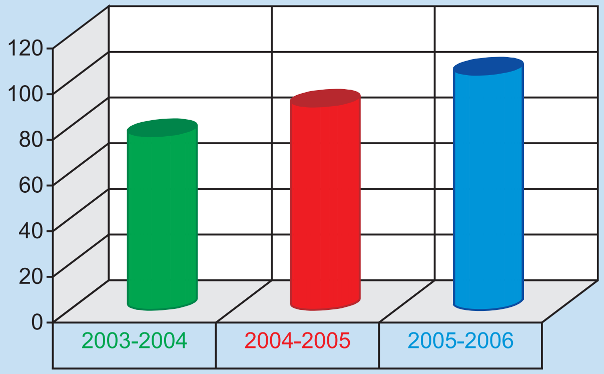

शिक्षक

जेएनयू में लगभग 400 शिक्षक हैं। छात्रों की तरह शिक्षक भी हमारे देश की विविधता का प्रतिनिधित्व करते हैं। कुल शिक्षकों में से लगभग एक चौथाई महिला शिक्षक हैं। पूर्ण विवरण निम्न प्रकार से है :

वर्तमान संख्या	396	पुरुष महिला	292 104
प्रोफेसर 175	सह–प्रोफेसर 126		सहायक प्रोफेसर 95
प्रोफेसर इमेरिटस 16		ऑनरेरी प्रोफेसर 04	

शैक्षिक उपलब्धियाँ

विश्वविद्यालय की मुख्य विशेषता इसके शिक्षकों द्वारा विकसित किए गए नवीनतम अध्ययन पाठ्यक्रम और कोर्स हैं। शिक्षक अपने परम्परागत विशेषीकृत क्षेत्रों की सीमाओं के पार शिक्षण, मार्ग–दर्शन और शोध के अतिरिक्त, पुस्तकों के लेखन, संपादन और पुस्तकों के लिए अध्याय लेखन, शोध आलेख प्रकाशित करने, संगोष्ठियाँ, सम्मेलन और कार्यशालाएं आयोजित करने और इनमें भाग लेने, व्याख्यान देने और शोध परियोजनाओं के प्रबंधन में भी संलग्न रहे। वर्ष 2005–2006 के दौरान उनकी संयुक्त उपलब्धियाँ निम्नलिखित थीं :

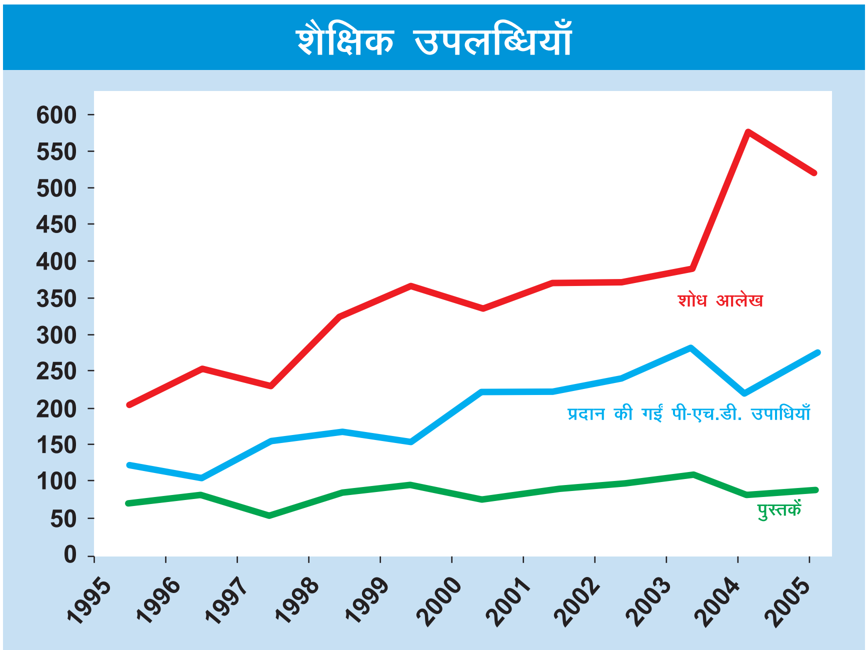

• पुस्तकें	95
• पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय	253
• पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख	518
• संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता	906
• विश्वविद्यालय से बाहर दिए गए व्याख्यान	518
• शोध परियोजनाएं	239

विश्वविद्यालय पुस्तकालय

समीक्षाधीन अवधि के दौरान 9000 से अधिक छात्रों, संकाय सदस्यों और देश–विदेश के विश्वविद्यालयों/संस्थानों के विद्वानों ने पुस्तकालय सुविधाओं का लाभ उठाया।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान पुस्तकालय ने 5946 पुस्तकें प्राप्त कीं। इनमें से 2333 पुस्तकें उपहार स्वरूप प्राप्त हुईं। समीक्षाधीन वर्ष के अन्त में पुस्तकालय में कुल संग्रह 5,27,314 था। पुस्तकों की खरीद पर रु. 39,06,515.58 की राशि खर्च हुई और पत्रिकाओं पर रु. 2,06,77,324.28 खर्च किए गए। पुस्तकालय ने 864 पत्रिकाएं मंगाई और 105 पत्रिकाएं उपहार स्वरूप प्राप्त हुईं।

अकादमिक स्टाफ कालेज

जेएनयू में अकादमिक स्टाफ कालेज की स्थापना वर्ष 1989 में हुई थी। यह कालेज शिक्षकों के लिए निम्नलिखित विषयों में पुनश्चर्या कोर्स आयोजित कर रहा है : अंतरराष्ट्रीय संबंध, सामाजिक विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान, जीवन विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, भौतिक विज्ञान और जैव–प्रौद्योगिकी। यह सामाजिक और प्राकृतिक विज्ञानों में अनुशीलन कोर्स भी आयोजित करता है।

अकादमिक स्टाफ कालेज द्वारा आयोजित कोर्सों के लिए वरिष्ठ शिक्षक कोर्स समन्वयक के रूप में कार्य करते हैं। जेएनयू तथा अन्य संस्थानों के विद्वान विशेषज्ञ के रूप में कार्य करते हैं। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 10 पुनश्चर्या और 03 अनुशीलन कोर्स आयोजित किए गए।

परियोजनाएं

वर्ष 2005–2006 के दौरान विभिन्न भारतीय और अन्तरराष्ट्रीय वित्तपोषक एजेंसियों द्वारा वित्तपोषित 276 परियोजनाओं से संबंधित आय और व्यय क्रमशः रु. 16,12,32,634.00 और रु. 14,34,55,439.00 था।

वर्ष 2005–2006 के दौरान जेएनयू समुदाय के निम्नलिखित सदस्यों का अकाल निधन हुआ	
1.	डॉ. डी.के. तिवारी, सहायक प्रोफेसर, जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र।
2.	श्री महेश चन्द्र, सुरक्षा गार्ड
3.	श्री सबल सिंह, मेस हेल्पर
4.	श्री जगदीश, सफाई कर्मचारी
5.	श्री वेद प्रकाश, बस हेल्पर

विश्वविद्यालय के निकाय

विश्वविद्यालय के कार्य का सुव्यवस्थित रूप से संचालन करने के लिए विश्वविद्यालय कोर्ट, कार्य परिषद्, विद्या परिषद् जैसे निकाय और वित्त समिति जैसी सांविधिक समितियाँ हैं।

विश्वविद्यालय कोर्ट

विश्वविद्यालय कोर्ट विश्वविद्यालय का सर्वोच्च निकाय है। इसकी बैठक वर्ष में एक बार कार्य परिषद् द्वारा निर्धारित तिथि को होती है, जिसमें विश्वविद्यालय की पिछले वर्ष की रिपोर्ट, आय और व्यय का विवरण, लेखा–परीक्षित तुलन–पत्र और अगले वित्तीय वर्ष के बजट पर विचार किया जाता है। विश्वविद्यालय कोर्ट को कार्य परिषद् और विद्या परिषद् के कार्यों (उन परिस्थितियों में है, यदि इन परिषदों ने विश्वविद्यालय के अधिनियम, संविधियों और अध्यादेशों के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के अनुरूप कार्य न किया हो) और विश्वविद्यालय की शक्तियाँ, जो अधिनियम और संविधियों में नहीं दी गई हैं, की समीक्षा करने का अधिकार है।

विश्वविद्यालय कोर्ट की बैठक – 4 मार्च, 2006

विश्वविद्यालय कोर्ट ने 4 मार्च, 2006 को हुई अपनी बैठक में विश्वविद्यालय की गतिविधियों पर 01 अप्रैल, 2004 से 31 मार्च 2005 तक की वार्षिक रिपोर्ट और वित्तीय वर्ष 2004–2005 का लेखा–परीक्षित प्राप्ति और व्यय का विवरण तथा परिसम्पत्तियों एवं दायित्वों का विवरण और वित्तीय वर्ष 2005–2006 का बजट प्राप्त किया। इसने विश्वविद्यालय का योजनेत्तर अनुरक्षण बजट भी प्राप्त किया।

कार्य परिषद

कार्य परिषद् विश्वविद्यालय की एक उच्चतम और महत्वपूर्ण कार्य निकाय है; इसे चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर शिक्षकों और अन्य ग्रुप 'ए' के अधिकारियों की नियुक्ति, उनकी परिलब्धियाँ और उनकी ड्यूटी निश्चित करने की शक्तियाँ प्रदान की गई हैं। कार्य परिषद् को विश्वविद्यालय की संविधियों और अध्यादेशों के अन्तर्गत शिक्षण और गैर–शिक्षण स्टाफ के बीच अनुशासन बनाए रखने तथा विश्वविद्यालय के वित्त, लेखाओं और अन्य प्रशासनिक मामलों का प्रबंध और विनियमित करने की शक्ति प्राप्त है।

कार्य परिषद् की बैठकें	–	2 जून, 2005
	–	9 अगस्त, 2005
	–	5 दिसम्बर, 2005
	–	27 फरवरी, 2006

समीक्षाधीन अवधि के दौरान कार्य परिषद् ने अनेक प्रशासनिक और शैक्षिक मामलों पर विमर्श किया और उन पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए। इसने कुलपति द्वारा संविधियों/अध्यादेशों के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कुछ अत्यावश्यक प्रकृति के मामलों पर लिए गए निर्णयों पर विचार करके उनका अनुमोदन भी किया। परिषद् ने शिक्षण और गैर–शिक्षण स्टाफ की नियुक्तियों के लिए विभिन्न चयन समितियों की सिफारिशों पर कुलपति द्वारा किए गए अनुमोदनों का भी अनुमोदन किया।

विद्या परिषद्

विद्या परिषद् विश्वविद्यालय की मुख्य शैक्षिक निकाय है। विद्या परिषद् को अन्य के साथ–साथ विभाग, विशेष केन्द्र, विशेषीकृत प्रयोगशालाएं स्थापित करने के लिए कार्य परिषद् को सुझाव देने की शक्ति प्राप्त है। विद्या परिषद् को शैक्षिक पदों का सृजन और समाप्त करने, उनका वर्गीकरण करने, प्रवेश और परीक्षाओं पर मसौदा अध्यादेश तैयार करने, परीक्षकों की नियुक्ति और उनके शुल्क का निर्धारण करने, मानद उपाधियाँ और अध्येतावृत्तियाँ, छात्रवृत्तियाँ आदि प्रदान करने की शक्ति प्राप्त है। विद्या परिषद् को अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों के डिप्लोमा और डिग्रियों को मान्यता प्रदान करने, विश्वविद्यालय में प्रवेश हेतु समितियाँ गठित करने, परीक्षाओं के आयोजन और उन्हें आयोजित करने की तिथि निर्धारित करने और विभिन्न विश्वविद्यालय परीक्षाओं के परिणाम घोषित करने आदि की व्यवस्था करने की शक्ति भी प्राप्त है।

विद्या परिषद् की बैठक – 23 नवम्बर, 2005

समीक्षाधीन अवधि के दौरान विद्या परिषद् ने अपनी बैठक में विभिन्न संस्थानों से सदस्यों को सहयोजित किया, विभिन्न संस्थानों/विशेष केन्द्रों के अध्ययन मण्डलों/विशेष समितियों में शिक्षक/विशेषज्ञ नामित किए, और वर्ष 2005–2006 में प्रवेश का तथ्यात्मक डाटा प्राप्त किया।

वित्त समिति

वित्त समिति विश्वविद्यालय की सांविधिक निकाय है। यह समिति विश्वविद्यालय के बजट तथा व्यय प्रस्तावों, नए/अतिरिक्त पदों से संबंधित सभी प्रस्तावों, लेखाओं, लेखा–परीक्षा रिपोर्ट और अन्य वित्तीय एवं लेखाओं से संबंधित मामलों पर विचार करती है। इसकी सिफारिशें कार्य परिषद् को अनुमोदन के लिए भेजी जाती हैं।

वित्त समिति की बैठक – 29 नवम्बर, 2005

वित्त समिति ने अपनी बैठक में विश्वविद्यालय के वर्ष 2005–2006 के लिए 'अनुरक्षण' खाते में 8451.65 लाख रुपये के संशोधित आकलनों को मंजूरी दी।

आख्यान

"विश्वविद्यालय का उद्देश्य मानवता, सहनशीलता, तर्कशीलता, चिन्तन प्रक्रिया और सत्य की खोज की भावना को स्थापित करना होता है। इसका उद्देश्य मानव जाति को निरन्तर महत्तर लक्ष्य की ओर प्रेरित करना होता है। अगर विश्वविद्यालय अपना कर्तव्य ठीक से निभाएं तो यह देश और जनता के लिए अच्छा होगा।"

स्वतंत्रत भारत के प्रथम प्रधानमंत्री द्वारा 13 दिसम्बर 1947 को इलाहाबाद विश्वविद्यालय की हीरक जयंती के अवसर पर दिए गए उपर्युक्त वक्तव्य से यह परिलक्षित होता है कि पं. नेहरू ने भारत में विश्वविद्यालीय शिक्षा को विशेष महत्व दिया है। नेहरू का दृढ़ विश्वास था कि विश्वविद्यालय अपने छात्रों के मन में आधारभूत मूल्यों को बैठाते हुए, जिनमें वे विश्वास रखते हैं, राष्ट्र के स्वरूप को बदलने और उसे शक्तिशाली बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

ऐसे महान राजनेता के विचारों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि के रूप में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की स्थापना ज.ने.वि. अधिनियम 1966 (1966 का 53) के अन्तर्गत वर्ष 1966 में की गई थी। पं. जवाहरलाल नेहरू को और अधिक सम्मान देने की दृष्टि से विश्वविद्यालय का औपचारिक उद्घाटन भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति स्व. श्री वी.वी. गिरी द्वारा पं. नेहरू के जन्म दिवस के अवसर पर 14 नवम्बर 1969 को किया गया था। संयोगवश यह वर्ष महात्मा गाँधी का जन्मशती वर्ष भी था।

विश्वविद्यालय के उद्देश्य हैं –

> 'अध्ययन, अनुसंधान और अपने संगठित जीवन के उदाहरण और प्रभाव द्वारा ज्ञान का प्रसार व अभिवृद्धि करना, उन सिद्धान्तों की अभिवृद्धि का प्रयास करना, जिनके लिए जवाहरलाल नेहरू ने जीवन–पर्यंत काम किया, जैसे – राष्ट्रीय एकता, सामाजिक न्याय, धर्म निरपेक्षता, जीवन की लोकतांत्रिक पद्धति, अन्तर्राष्ट्रीय समझ और सामाजिक समस्याओं के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण।

इस लक्ष्य की दिशा में, विश्वविद्यालय –

- भारत की सामासिक संस्कृति के संवर्धन के लिए ऐसे विभाग और संस्थान स्थापित करेगा जो भारत की भाषाओं, कलाओं और संस्कृति के अध्ययन तथा विकास के लिए अपेक्षित हों;
- सम्पूर्ण भारत से छात्रों और अध्यापकों को उसके शैक्षिक कार्यक्रमों में भाग लेने की सुविधा देने के लिए विशेष उपाय करेगा;
- छात्रों और अध्यापकों में देश की सामाजिक आवश्यकताओं के प्रति जागरूकता और बोध की अभिवृद्धि करते हुए उन्हें इन आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए तैयार करेगा;
- अपने शैक्षिक कार्यक्रमों में मानविकी के साथ–साथ विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भी समन्वित पाठ्यक्रमों के लिए विशेष व्यवस्था करेगा;
- अन्तर–विषयक अध्ययन के प्रोत्साहन के लिए समुचित उपाय करेगा;
- छात्रों में विश्वव्यापी दृष्टिकोण और अन्तर्राष्ट्रीय समझ विकसित करने की दृष्टि से ऐसे विभाग या संस्थान स्थापित करेगा जो विदेशी भाषाओं, साहित्य और जीवन के अध्ययन के लिए आवश्यक हों; और
- विभिन्न देशों से आए छात्रों और अध्यापकों के लिए शैक्षिक कार्यक्रमों और गतिविधियों में भाग लेने हेतु सुविधाएं प्रदान करेगा।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की अद्वितीयता का प्रमाण इसके मूल दर्शन, नीतियों और मुख्य कार्यक्रमों से मिलता है, जिनका उल्लेख विश्वविद्यालय के अधिनियम में स्पष्ट रूप से किया गया है। तदनुसार, विश्वविद्यालय का हमेशा यही प्रयास रहा है कि ऐसी नीतियां और अध्ययन कार्यक्रम विकसित किए जाएं जो उच्च शिक्षा के क्षेत्र में पहले से उपलब्ध सुविधाओं में मात्र विस्तार न होकर राष्ट्रीय संसाधनों में महत्वपूर्ण वृद्धि करें। इस तरह विश्वविद्यालय ऐसे कार्यक्रमों पर ध्यान केन्द्रित कर रहा है जो राष्ट्र की उन्नति और विकास के लिए संगत हों। इस संबंध में, विश्वविद्यालय ने निम्नलिखित प्रयास किए हैं –

- विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय एकता, धर्मनिरपेक्षता, जैसे विचारों, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, जीवन के प्रति विश्वव्यापी और मानववादी दृष्टिकोण विकसित करने के लिए निरन्तर प्रयास किए हैं।
- विश्वविद्यालय ने देश के विभिन्न क्षेत्रों से छात्रों और शिक्षकों का चयन करके अपने राष्ट्रीय चरित्र को बनाए रखा है।
- ज्ञान की अविभाज्यता को स्वीकारते हुए अन्तर–विषयक शिक्षण तथा शोध को बढ़ावा दिया गया है और तद्नुसार अध्ययन संस्थानों और केन्द्रो की स्थापना की गई है।
- विश्वविद्यालय में अपरम्परागत क्षेत्रों में शिक्षण एवं शोध पर बल देते हुए यह सुनिश्चित किया गया है कि जहां तक संभव हो सके अन्य विश्वविद्यालयों में उपलब्ध सुविधाओं की पुनरावृत्ति न हो।
- विश्वविद्यालय में भारतीय और विदेशी भाषाओं के शिक्षण और शोध का एक मॉडल भाषा संस्थान स्थापित करने पर ध्यान दिया गया है। इसमें विभिन्न उपकरणों से सुसज्जित भाषा प्रयोगशालाएं और केंद्र हैं जहाँ सम्बन्धित देशों के साहित्य, संस्कृति और सभ्यता का अध्ययन काफी उपयुक्त और प्रभावी ढ़ंग से होता है।
- विश्वविद्यालय में एक ऐसी पद्धति विकसित की गई है, जिसके अन्तर्गत पढ़ाए जाने वाले कोर्स, उन कोर्सों की संक्षिप्त विषय–वस्तु और मूल्यांकन पद्धति जैसे मूल शैक्षिक निर्णय स्वयं शिक्षकों द्वारा ही लिए जाते हैं।
- विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश देश भर में फैले 62 केंद्रों और विदेशों में स्थित 2 केंद्रों पर आयोजित अखिल भारतीय प्रवेश–परीक्षा में प्राप्त अंकों की मेरिट सूची के आधार पर दिया जाता है।
- भारत सरकार की नीति के अनुसार, विश्वविद्यालय में छात्रों को प्रवेश में और शिक्षकों को भर्ती में आरक्षण दिया जाता है।
- विश्वविद्यालय में मेरिट–कम–मींस छात्रवृत्तियों/अध्येतावृत्तियों के लिए उदार प्रावधान हैं। छात्रों के साथ–साथ शिक्षकों को उनके शोध कार्य के लिए देश–विदेश का दौरा करने हेतु वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है।
- विश्वविद्यालय अन्तर्राष्ट्रीय समझ को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से विदेशों के विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रमों में भाग लेता है। विश्वविद्यालय ने कई विदेशी विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ 'एमओयू' पर हस्ताक्षर किए हैं।
- छात्रों और विश्वविद्यालय प्रशासन के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने के लिए एक शिकायत निवारण समिति का गठन किया गया है।
- एक स्वच्छ सामाजिक वातावरण और जेएनयू समुदाय में सुरक्षा की भावना विकसित करने की दृष्टि से विश्वविद्यालय ने यौन उत्पीड़न के विरुद्ध जेंडर संवेदनशीलन समिति का गठन किया है।
- बाबा साहेब अम्बेडकर चेयर, नेल्सन मंडेला चेयर, अप्पादुरई चेयर, राजीव गांधी चेयर, आर.बी.आई. चेयर, एस.बी.आई. चेयर, ग्रीक अध्ययन में चेयर जैसी कई चेयर स्थापित की गई हैं।
- विश्वविद्यालय के दलित छात्रों के शैक्षिक/वित्तीय सम्बन्धी मामलों की देख–रेख के लिए एक सलाहकार समिति का गठन किया गया है।

- विश्वविद्यालय ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों को प्रवेश परीक्षा में वेटेज देने से संबंधित महत्वपूर्ण कदम वर्ष 1995 में उठाए थे।
- जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय पिछले कई वर्षों से 36 से अधिक प्रतिभागी विश्वविद्यालयों के एम.एस–सी. – जैव–प्रौद्योगिकी, एम.एस–सी. – कृषि जैव–प्रौद्योगिकी, एम.वी.एस–सी. (एनिमल) जैव–प्रौद्योगिकी और एम.टेक. जैव–प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए संयुक्त जैव–प्रौद्योगिकी प्रवेश–परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित कर रहा है। यह प्रवेश–परीक्षा अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित की जाती है।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की स्थापना विशेष रूप से एक स्नातकोत्तर शिक्षण एवं शोध संस्थान के रूप में की गई थी। विश्वविद्यालय की विद्या सलाहकार समिति ने यह निर्णय लिया था कि विश्वविद्यालय में मूलतः 9 संस्थान होंगे :

1. भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान
2. सामाजिक विज्ञान संस्थान
3. अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान
4. जीवन विज्ञान संस्थान
5. पर्यावरण विज्ञान संस्थान
6. कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान
7. भौतिक विज्ञान संस्थान
8. कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान
9. सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

इनमें से पहले चार अध्ययन संस्थानों ने वर्ष 1971 में नई दिल्ली में अपनी गतिविधियां आरम्भ कीं। वर्ष 1974 और 1975 में क्रमशः पर्यावरण विज्ञान संस्थान तथा कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान की स्थापना हुई। भौतिक विज्ञान संस्थान वर्ष 1986 में शुरू हुआ। वर्ष 2001 में कला और सौन्दर्य–शास्त्र संस्थान और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान शुरू हुए।

वर्ष 1972 में इंफाल (मणिपुर) में स्नातकोत्तर अध्ययन केंद्र की स्थापना की गई। अंततः वर्ष 1981 में यह केन्द्र मणिपुर विश्वविद्यालय का एक हिस्सा बन गया।

पिछले लगभग 37 वर्ष के दौरान निम्नलिखित अध्ययन केंद्र शुरू किए गए और इन्हें सम्बन्धित संस्थानों को सौंपा गया : –

1. सामाजिक विज्ञान संस्थान	– सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र – ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र – राजनीतिक अध्ययन केंद्र – क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र – सामाजिक चिकित्साशास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र – जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र – विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र – आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र – दर्शनशास्त्र केंद्र – महिला अध्ययन कार्यक्रम – प्रौढ़ शिक्षा ग्रुप – भारत के समसामयिक इतिहास पर अभिलेखागार – शैक्षिक रिकार्ड शोध यूनिट

2. भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान	– फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र – जर्मन अध्ययन केंद्र – स्पेनी, पुर्तगाली, इतालवी और लेटिन अमरीकी अध्ययन केंद्र – अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र – भारतीय भाषा केंद्र – भाषा–विज्ञान केंद्र – अंग्रेजी अध्ययन केंद्र – फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र – जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र – चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र – रूसी अध्ययन केन्द्र – भाषा प्रयोगशाला समूह
3. अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान	– कनाडियन, यूएस और लेटिन अमरीकी अध्ययन केंद्र – अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केंद्र – पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र – रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र – अन्तरराष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र – दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केंद्र – पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र – अंतरराष्ट्रीय विधि अध्ययन केंद्र – यूरोपीय अध्ययन केंद्र
4. कला और सौंदर्यशास्त्र संस्थान	–
5. जीवन विज्ञान संस्थान	–
6. पर्यावरण विज्ञान संस्थान	–
7. कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान	–
8. भौतिक विज्ञान संस्थान	–
9. सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान	– जैव–सूचना–विज्ञान केंद्र – संचार और सूचना सेवाएं – कंप्यूटर केंद्र
10 जैव–प्रौद्योगिकी केंद्र	–
11. संस्कृत अध्ययन केंद्र	–
12. आणविक चिकित्सा–शास्त्र केंद्र	–
13. विधि और अभिशासन अध्ययन केंद्र	–

इनके अतिरिक्त, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने अपने राष्ट्रीय चरित्र के अनुसार देश भर के निम्नलिखित सुप्रसिद्ध संस्थानों को मान्यता प्रदान की है।

1. रक्षा संस्थान	– सेना कैडेड महाविद्यालय, देहरादून – सेना इंजीनियरी महाविद्यालय, पुणे – सेना इलेक्ट्रोनिक्स और मैकेनिकल इंजीनियरी महाविद्यालय, सिकंदराबाद – सेना दूर–संचार इंजीनियरी महाविद्यालय, महू – राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, पुणे – नौ सेना इंजीनियरी महाविद्यालय, लोनावाला
2. अनुसंधान और विकास संस्थान	– कोशिकीय और अणु जीव–विज्ञान केंद्र, हैदराबाद – विकास अध्ययन केंद्र, तिरूवनन्तपुरम – केंद्रीय औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ – सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ मेडिसिनल ऐंड ऐरोमेटिक प्लांट, लखनऊ – सूक्ष्म जैविक प्रौद्योगिकी संस्थान, चण्डीगढ़ – अन्तरराष्ट्रीय आनुवंशिकी इंजीनियरी तथा जैव–प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली – राष्ट्रीय प्रतिरक्षा–विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली – नाभिकीय विज्ञान केंद्र, नई दिल्ली – रमण अनुसंधान संस्थान, बंगलौर – राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली.

शैक्षिक कार्यक्रम और प्रवेश

अध्ययन पाठ्यक्रम

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, विश्वविद्यालय ने 61 विषयों में पी–एच.डी., एम.फिल./पी–एच.डी., एम.टेक./ पी–एच.डी. और एम.पी.एच/पी–एच.डी. कोर्स चलाए।

जैव–सूचना विज्ञान में उच्च (स्नातकोत्तर) डिप्लोमा, 5 विषयों में एम.एस–सी./एम.सी.ए., 23 विषयों में स्नातकोत्तर तथा 9 विदेशी भाषाओं में स्नातक पाठ्यक्रम चलाए। इनके अतिरिक्त, विभिन्न भाषाओं में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और उच्च डिप्लोमा कोर्स भी चलाए।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान विभिन्न संस्थानों/केन्द्रों द्वारा निम्नलिखित अध्ययन पाठ्यक्रम चलाए गए :

कला और सौन्दर्य–शास्त्र संस्थान

- एम.ए. : यह 4 सत्रीय पाठ्यक्रम है। यह दृश्य और अभिनय कला के सैद्धांतिक और आलोचनात्मक अध्ययन पर केन्द्रित है।

कंप्यूटर और पद्धति–विज्ञान संस्थान

- एम.फिल./पी–एच.डी. : यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर विज्ञान के विभिन्न पक्षों पर केन्द्रित है।
- एम.टेक./पी–एच.डी. (कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी) : यह 3–सत्रीय पाठ्यक्रम कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवीनतम जानकारी प्रदान करने की दृष्टि से तैयार किया गया है। एम.टेक. पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद उम्मीद्वार पी–एच.डी. पाठ्यक्रम में पंजीकरण के पात्र हो जाते हैं।
- मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (एम.सी.ए.) : 3–वर्षीय पाठ्यक्रम को इस प्रकार से तैयार किया गया है कि छात्रों को विज्ञान और इंजीनियरी के क्षेत्र में कंप्यूटर अनुप्रयोग सम्बन्धी सैद्धान्तिक पृष्ठभूमि एवं व्यावहारिक अनुभव की आवश्यक जानकारी प्राप्त हो सके तथा डाटा प्रोसेसिंग के क्षेत्र में मानव–शक्ति की बढ़ती हुई मांग को पूरा किया जा सके।

पर्यावरण विज्ञान संस्थान

- एम.फिल./पी–एच.डी. : चार विस्तृत क्षेत्रों में शोध सुविधाएं उपलब्ध हैं। (विस्तृत विवरण इस संस्थान के अध्याय में दिया गया है।)

  एम.एस–सी. – पर्यावरण विज्ञान : यह 4–सत्रीय पाठ्यक्रम वायुमंडलीय, भूमि, प्रदूषण और जीव–विज्ञानों के क्षेत्र में विशेषीकरण सहित पर्यावरण के मुख्य आयामों से सम्बद्ध है।

अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान

- एम.फिल./पी–एच.डी. : कोर्स कार्य और शोध सुविधाएं निम्नलिखित क्षेत्रों में उपलब्ध हैं : अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति, तुलनात्मक राजनीति, अन्तर्राष्ट्रीय संगठन, राजनीतिक भूगोल, राजनयिक अध्ययन, अन्तर्राष्ट्रीय विधि अध्ययन, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार और विकास, निरस्त्रीकरण अध्ययन, दक्षिण एशियाई अध्ययन, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन, मध्य एशियाई अध्ययन, चीनी अध्ययन, जापानी और कोरियाई अध्ययन, पश्चिमी एशियाई और उत्तरी अफ्रीकी अध्ययन, उप–सहारीय अफ्रीकी अध्ययन, अमरीकी अध्ययन, लेटिन अमरीकी अध्ययन, पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन, कनाडियन अध्ययन तथा रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन।

- एम.ए. राजनीति (अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में विशेषीकरण के साथ) : यह 4–सत्रीय पाठ्यक्रम है, जिसमें अन्तरराष्ट्रीय मामलों, क्षेत्रीय राजनीति, राजनीतिक सिद्धांत, तुलनात्मक राजनीति और आर्थिक विकास के क्षेत्र शामिल हैं। इनसे छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों के अध्ययन की गहन जानकारी प्राप्त होती है।
- एम.ए. अर्थशास्त्र (विश्व अर्थव्यवस्था में विशेषीकरण के साथ) : यह 4–सत्रीय पाठ्यक्रम है, जिसमें छात्रों को अर्थशास्त्र के सिद्धांतों की ठोस सैद्धांतिक पृष्ठभूमि उपलब्ध होती है और वे विश्व अर्थव्यवस्था के विकास को विश्लेषणात्मक ढंग से समझने के लिए तैयार होते हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

- उच्च (स्नातकोत्तर) डिप्लोमा : यह एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम जीनोम सिक्वेंस एनालिसिस और मोलक्यूलर मॉडलिंग के कंप्यूटेशनल एप्रोचिज पर केन्द्रित है।

भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान

- पी–एच.डी. : दर्शनशास्त्र।
- एम.फिल. / पी–एच.डी. : अरबी, अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, जापानी, हिन्दी, हिन्दी अनुवाद, भाषा विज्ञान, रूसी, चीनी, फारसी, स्पेनी और उर्दू।
- एम.फिल. : पुर्तगाली।
- एम.ए. : अरबी, चीनी, अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, हिन्दी, जापानी, भाषा विज्ञान, फारसी, रूसी, स्पेनी और उर्दू।
- बी.ए. (ऑनर्स) : अरबी, चीनी, फ्रेंच, जर्मन, जापानी, कोरियाई, फारसी, रूसी और स्पेनी (प्रथम और द्वितीय वर्ष में प्रवेश सहित)। यह पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद उम्मीद्वार सम्बन्धित भाषा के एम.ए. पाठ्यक्रम में पंजीकरण के पात्र हो जाते हैं।

अंशकालिक पाठ्यक्रम

- जन–संचार माध्यम में उच्च डिप्लोमा (उर्दू)
- पुर्तगाली और पश्तो में उच्च प्रवीणता डिप्लोमा
- भाषा इंदोनेशिया, इतालवी, पुर्तगाली और पश्तो में प्रवीणता डिप्लोमा।
- भाषा इंदोनेशिया, इतालवी, मंगोली, पश्तो, उर्दू और पुर्तगाली में प्रवीणता प्रमाण–पत्र।

जीवन विज्ञान संस्थान

- एम.फिल. / पी–एच.डी. : जीवन विज्ञान के निम्नलिखित क्षेत्रों में : रेग्यूलेशन आफ जीन एक्सप्रेशन, न्यूक्लेइक एसिड थेराप्यूटिक्स, प्लांट फीजियोलॉजी ऐंड बायोटेक्नोलॉजी, जेनेटिक्स, फंक्शनल जीनोमिक्स, मोलक्यूलर पैरासिटोलॉजी, मोलक्यूलर बायोफिजिक्स ऐंड स्ट्रक्चरल बायोलॉजी, इम्युनोलॉजी, रेडिएशन बायोलॉजी ऐंड न्यूरोफिजियोलॉजी आदि।
- एम.एस–सी. – बायोकेमेस्ट्री जेनेटिक्स माइक्रो बॉयोलाजी, मैथमैटिक्स, केमेस्ट्री और फिजिक्स में फाउंडेशन के बाद जीवन विज्ञान में निम्नलिखित कोर्स चलाए हैं : एप्लाइड मोलक्यूलर बायोलॉजी, बायोलॉजी, बायोइफॉर्मेटिक्स, बायोटेक्नोलॉजी ऐंड ह्यूमन जैनेटिक्स, सेल सिग्नेलिंग ऐंड जीन एक्सप्रेशन इन सेल डिफरेंसिएशन ऐंड डिसीज्स, मोलक्यूलर बायोफिजिक्स, स्ट्रक्चरल बायोलॉजी, एडवांस्ड माइक्रोबायल फीजियोलॉजी, मोलक्यूलर बायोलॉजी आफ स्ट्रेस।

भौतिक विज्ञान संस्थान

- पी–एच.डी. : संस्थान की शोध एवं शिक्षण गतिविधियां मुख्यतः नान–लिनियर डायनेमिक, क्लासिकल ऐंड क्वांटम केओस, केमिकल फिजिक्स, केंडेंस्ड मैटर फिजिक्स, डिसार्डर्ड सिस्टम्स, नान इक्वीलिब्रियम स्टेटिस्टीकल मैकेनिक्स, क्वांटम फील्ड थीअरि ऐंड पार्टिकल फिजिक्स, मैथमेटीकल फिजिक्स, क्वांटम आप्टिक्स, स्टेटिस्टीकल न्यूक्लियर फिजिक्स के सैद्धांतिक क्षेत्रों तथा कंप्लेक्स फ्लूइड्स, मैग्नेटिज्म और नॉन–लिनियर आप्टिक्स के प्रयोगात्मक क्षेत्रों पर केन्द्रित है।
- एम.एस–सी. – भौतिक–विज्ञान : यह 4–सत्रीय पाठ्यक्रम है। इसमें भौतिक विज्ञान, रसायन–विज्ञान और गणित स्ट्रीम के छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

सामाजिक विज्ञान संस्थान

- एम.फिल./पी–एच.डी. : निम्नलिखित विषयों में विस्तृत रूप से शोध सुविधाएं उपलब्ध हैं :

  आर्थिक अध्ययन और नियोजन; शैक्षिक अध्ययन; ऐतिहासिक अध्ययन; राजनीतिक अध्ययन; क्षेत्रीय विकास (भूगोल, अर्थशास्त्र और जनसंख्या अध्ययन); सामाजिक पद्धति; सामाजिक चिकित्साशास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य; विज्ञान नीति; और दर्शन शास्त्र।
- सामुदायिक स्वास्थ्य स्नातकोत्तर (एम.सी.एच.)/पी–एच.डी. : इस पाठ्यक्रम में तीन मुख्य क्षेत्र शामिल है – सामाजिक चिकित्सा, सामुदायिक स्वास्थ्य और सामुदायिक स्वास्थ्य नर्सिंग।
- एम.ए. – (4–सत्रीय) : अर्थशास्त्र, भूगोल, इतिहास, राजनीतिक विज्ञान और समाजशास्त्र।

जैव–प्रौद्योगिकी केन्द्र

- पी–एच.डी. : केन्द्र के पाठ्यक्रम अन्तरविषयक प्रकृति के हैं। कोर्स कार्य और सुविधाएं निम्नलिखित क्षेत्रों में उपलब्ध हैं :

  प्रोटीन इंजीनियरी; प्रोकोरियोटिक/यूकोरियोटिक जीन अभिव्यक्ति; संक्रामक रोग – अणु जीव–विज्ञान; अणु प्रतिरक्षा विज्ञान; प्रोटीन स्टेबिलिटी, कन्फरमेशन्स ऐंड फोल्डिग; बायोप्रोसेस स्केल अप ऐंड आप्टिमाइजेशन; यूकोरियोटिक जीन का अनुलेखन।
- एम.एस–सी. – जैव प्रौद्योगिकी : 4–सत्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा छात्रों को आनुवंशिकी इंजीनियरी और जैव–प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हुई नवीनतम प्रगति से अवगत कराने और इनका उपयोग उद्योग, कृषि और चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में करने की दृष्टि से तैयार की गई है।

विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र

- एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम : विधि और अभिशासन में।

संस्कृत अध्ययन केन्द्र

- एम.फिल./पी–एच.डी. : संस्कृत में।
- एम.ए. : यह 4 सत्रीय पाठ्यक्रम है। यह पाठ्यक्रम भारतीय बौद्धिक परम्परा, संस्कृत भाषा विज्ञान परम्परा, कंप्यूटेशनल भाषा–विज्ञान और संस्कृत साहित्य का परिचय पर केन्द्रित है।

आणविक चिकित्सा–शास्त्र केन्द्र

- पी–एच.डी. शोध गतिविधियां मोलक्यूलर मेडिसिन पर तथा शिक्षण और शोध गतिविधियां मेटाबोलिक डिसआर्डर, इनफेक्शस डिजीज और डायग्नोस्टिक्स पर केन्द्रित हैं।

शैक्षिक सत्र 2005–2006 (प्रवेश और छात्रों की संख्या)

विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों में स्थित 62 केन्द्रों पर 15–18, मई 2005 को जे.एन.यू. प्रवेश–परीक्षा आयोजित की गई। ये राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश हैं – आन्ध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, गोवा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, झारखण्ड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैण्ड, उड़ीसा, पांडिचेरी, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तरांचल, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल। इनके अतिरिक्त, सार्क देशों में स्थित दो केंद्रों – काठमांडू, नेपाल और कोलम्बो, श्रीलंका – में भी प्रवेश–परीक्षा आयोजित की गई।

1. विश्वविद्यालय ने 60,392 आवेदन–पत्र बेचे। इनमें से प्रवेश के इच्छुक उम्मीद्वारों से पूर्ण रूप से भरे हुए 52,098 आवेदन–पत्र प्राप्त हुए। उम्मीद्वारों द्वारा अपने आवेदन–पत्रों में विभिन्न विषयों/अध्ययन पाठ्यक्रमों के लिए भरे गए विकल्पों के आधार पर यह संख्या बढ़कर 74,687 हो गई।

2. उम्मीदवारों द्वारा प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अंकों और प्रवेश नीति के प्रावधानों के अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई योग्यताक्रम सूची के आधार पर 1900 उम्मीदवारों को प्रवेश प्रस्ताव भेजे गए। इनमें से 1426 उम्मीद्वारों ने विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया।

3. 22.5ः (अ.जा. 15ः और अ.ज.जा. 7.5ः) आरक्षित सीटों में से 24.13ः (अ.जा. 13.80ः और अ.ज.जा. 10.33ः) उम्मीद्वारों ने विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया।

4. विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले 1426 उम्मीदवारों में :
   - 591 उम्मीद्वारों ने एम.फिल./पी–एच.डी., एम.टेक./पी–एच.डी., एम.सी.एच./पी–एच.डी. और 594 उम्मीद्वारों ने एम.ए./एम.एस–सी./एम.सी.ए. और शेष 241 उम्मीद्वारों ने विदेशी भाषाओं में बी.ए. (आनर्स) के अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया;
   - प्रवेश लेने वाले उम्मीदवारों में 892 पुरुष और 534 महिला उम्मीद्वार थीं;
   - अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित उम्मीदवारों और पिछड़े हुए जिलों से अर्हक परीक्षा पास करने वाले वे उम्मीदवार जिन्हे "डेप्रिवेशन अंकों" का लाभ मिला, की संख्या 437 (30.93ः) थी। वर्ष 2004–2005 में इन उम्मीद्वारों की संख्या 369 थी।
   - कुल 297 अ.पि. वर्ग से संबंधित उम्मीद्वारों (लगभग 21.02ः उम्मीद्वार) का विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए चयन हुआ।

5. विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले उम्मीद्वारों ने अपनी अर्हक परीक्षा 131 भारतीय विश्वविद्यालयों/ संस्थानों/बोर्डों से पास की थी।

6. प्रवेश पाने वाले 1426 उम्मीदवारों में से 633 उम्मीद्वार निम्न और मध्यम आय वर्ग के थे, जिनके माता–पिता की मासिक आय 6,000 रुपये से कम थी और 793 उम्मीद्वार उच्च आय वर्ग के थे, जिनके माता–पिता की मासिक आय 6,000 रुपये से अधिक थी। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से छात्रों का अनुपात क्रमशः 524 : 902 था। केवल 417 उम्मीद्वारों ने अपनी स्कूली शिक्षा पब्लिक स्कूलों से प्राप्त की थी और शेष 1009 ने नगर–निगम और अन्य स्कूलों से।

7. विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले 1426 उम्मीद्वारों के अलावा 179 उम्मीद्वार निम्नलिखित वर्गों से थे :
   - विदेशी छात्र (29 देशों से) : 90*
   - सीधे पी–एच.डी. में प्रवेश : 54
   - गत वर्ष ज्वाइन न कर पाने वाले छात्र : 17

ङ 'नेट' परीक्षा उतीर्ण (कनिष्ठ शोधवृत्ति धारक) : 18

(* एब्सेंसिया श्रेणी में)

संयुक्त प्रवेश परीक्षा

पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष भी विश्वविद्यालय ने 18 मई 2005 को देश–भर में 65 केन्द्रों पर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय सहित 36 प्रतिभागी विश्वविद्यालयों के एम.एस–सी. (बायोटेक्नोलॉजी), एम.एस–सी. (एग्रीकल्चर)/ एम.वी.एस–सी. (एनीमल बायोटेक्नोलॉजी) और एम.टेक. (बायोटेक्नोलॉजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए संयुक्त जैव–प्रौद्योगिकी प्रवेश–परीक्षा आयोजित की।

भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान में अंशकालिक पाठ्यक्रम

संस्थान के डिप्लोमा/सर्टिफिकेट अंशकालिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पूर्ण रूप से भरे हुए कुल 1109 आवेदन–पत्र प्राप्त हुए। इनमें से 251 उम्मीद्वारों ने इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया – सी.ओ.पी. में 157, डी.ओ.पी. में 59 और ए.डी.ओ.पी. में 35.

छात्रों की संख्या

1.9.2005 को विश्वविद्यालय में 5264 पूर्णकालिक छात्र पंजीकृत थे। विभिन्न पाठ्यक्रमों में पंजीकृत छात्रों का विवरण इस प्रकार है – 2882 छात्र शोध कर रहे थे और 1526 छात्र एम.ए./एम.एस–सी./ एम.सी.ए. और 856 छात्र (अंशकालिक पाठ्यक्रम सहित) स्नातक पाठ्यक्रमों में और 18 जैव–सूचना विज्ञान (स्नातकोत्तर) डिप्लोमा में अध्ययनरत थे।

प्रदान की गई उपाधियां/डिप्लोमा/सर्टिफिकेट

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, विश्वविद्यालय तथा विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त संस्थानों के 2575 छात्रों को अपने–अपने पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने पर उपाधियां/डिप्लोमा/सर्टिफिकेट प्रदान किए गए :

(1)	पी–एच.डी.	:	267
(2)	एम.फिल.	:	376
(3)	एम.टेक.	:	15
(4)	एम.ए.	:	566
(5)	एम.एस–सी./एम.सी.ए./एम.सी.एच.	:	82
(6)	बी.ए. (ऑनर्स) (मान्यता प्राप्त संस्थान)	:	153
(7)	उच्च डिप्लोमा (जै.सू.वि. केंद्र)	:	15
(8)	डिप्लोमा/सर्टिफिकेट	:	94
(9)	बी.ए. (मान्यता प्राप्त संस्थान)	:	180
(10)	बी.एस.–सी. (मान्यता प्राप्त संस्थान)	:	389
(11)	बी.टेक. (मान्यता प्राप्त संस्थान)	:	434
(12)	एम.टेक. (मान्यता प्राप्त संस्थान)	:	6
	कुल	:	**2577**

प्रवेश प्रक्रिया

विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययन पाठ्क्रमों में प्रवेश विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् द्वारा समय–समय पर अनुमोदित प्रवेश नीति और प्रक्रिया के अनुसार दिए जाते हैं।

प्रत्येक अध्ययन पाठ्यक्रम में सीटों (एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों सहित) की संख्या का निर्धारण संबंधित केन्द्रों/संस्थानों की सिफारिशों के आधार पर विद्या परिषद् द्वारा किया जाता हैं। सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों की सीटें केन्द्रों/संस्थानों द्वारा एम. फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों के लिए निर्धारित की गई सीटों के अतिरिक्त होती हैं।

प्रवेश में आरक्षण : विश्वविद्यालय अ.जा./अ.ज.जा. के छात्रों को आरक्षण उपलब्ध कराता है। 22.5ः स्थान अ.जा./ अ.ज.जा. (क्रमश : 15ः और 7.5ःए आवश्यक होने पर सीटों के अनुपात में परिवर्तन किया जा सकता है) और 3ः स्थान शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीद्वारों के लिए आरक्षित हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम में निश्चित सीटों के अलावा 15ः सीटें विदेशी छात्रों के लिए आरक्षित हैं। विदेशी छात्रों के लिए निर्धारित 15ः सीटों में से 7)ः सीट प्रवेश–परीक्षा के माध्यम से तथा 7)ः सीट 'एब्सेंसिया' में भरी जाती हैं। आवश्यक होने पर सीटों के अनुपात में परिवर्तन किया जा सकता है।

प्रवेश सूचना : प्रवेश संबंधी सूचना अखिल भारतीय स्तर पर राष्ट्रीय समाचार–पत्रों और देश के विभिन्न क्षेत्रों के अग्रणी समाचार–पत्रों में प्रत्येक वर्ष फरवरी माह के लगभग दूसरे सप्ताह में प्रकाशित की जाती है।

लिखित–परीक्षा : विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु देश भर में फैले विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर लिखित–परीक्षा आयोजित की जाती है। यह लिखित परीक्षा प्रत्येक वर्ष मई माह के तीसरे सप्ताह में आयोजित की जाती है। प्रत्येक पाठ्यक्रम अथवा अध्ययन पाठ्यक्रम के लिए तीन घंटे की अवधि वाला एक प्रश्न–पत्र तैयार किया जाता है। प्रवेश–परीक्षा तीन दिन चलती है। प्रत्येक दिन दो सत्रों में परीक्षा होती है, जिनमें तीन–तीन घंटे के प्रश्न–पत्र होते हैं। उम्मीद्वार को विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिखित–परीक्षा में प्राप्त अंकों तथा मौखिक–परीक्षा (जहाँ निर्धारित हो) के आधार पर दिया जाता है। जहाँ मौखिक–परीक्षा लागू है वहाँ लिखित परीक्षा 70 अंकों की होती है।

प्रवेश–परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु अपेक्षित पात्रता : प्रवेश–परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए अपेक्षित पात्रता (सामान्य वर्ग एवं आरक्षित वर्ग दोनों के लिए) विश्वविद्यालय द्वारा इस संबंध में बनाए गए मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार निर्धारित होती है। पाठ्यक्रम विशेष में प्रवेश हेतु निर्धारित अर्हक परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवारों को भी प्रवेश परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाती है। परन्तु प्रवेश हेतु चुन लिए जाने की स्थिति में उनका प्रवेश अर्हक परीक्षा में निर्धारित अंक प्राप्त करने तथा अर्हक परीक्षा की अंतिम अंक तालिका सहित सभी प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करने पर ही मान्य होता है। किसी भी अध्ययन पाठ्यक्रम में प्रवेश की अंतिम तिथि वर्ष की 14 अगस्त होती है। इसके बाद किसी को प्रवेश नहीं दिया जाता।

मौखिक परीक्षा : एम.फिल./पी–एच.डी./प्री–पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों और विदेशी भाषाओं (अंग्रेजी को छोड़कर) में एम.ए. पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले उम्मीद्वारों को एक मौखिक–परीक्षा देनी होती है। इस परीक्षा के लिए 30ः अंक आबंटित है। केवल उन्हीं उम्मीद्वारों को एम.फिल./पी–एच.डी./ प्री–पी–एच.डी. और एम.ए. (विदेशी भाषाओं) पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु मौखिक परीक्षा मे बुलाने के लिए पात्र माना जाता है जिन्होंने लिखित परीक्षा में न्यूनतम क्रमशः 35ः और 25ः अंक प्राप्त किए हों। अ.जा.,/ अ.ज.जा. और शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों के लिए 10ः अंकों की छूट होती है। प्रत्येक अध्ययन पाठ्यक्रम में सामान्यतः विद्या परिषद् द्वारा अनुमोदित सीटों से तीन गुना उम्मीद्वारों को ही मौखिक–परीक्षा के लिए बुलाया जाता है।

उम्मीद्वारों का चयन : प्रत्येक कोर्स/अध्ययन पाठ्यक्रम के लिए सामान्य, अ.जा./अ.ज.जा., शारीरिक रूप से विकलांग और विदेशी उम्मीदवारों की अलग–अलग योग्यता–क्रम सूची तैयार की जाती है। विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में उम्मीदवारों को अंतिम रूप से प्रवेश उम्मीद्वारों से संबंधित वर्गों में इंटर से–मेरिट के आधार पर दिया जाता है। यह मेरिट उम्मीदवार की लिखित परीक्षा और मौखिक परीक्षा (जहाँ निर्धारित हो) में प्राप्त अंकों और अतिरिक्त अंकों (जहाँ लागू हो) के आधार पर तैयार की जाती है।

पंजीकरण : जो उम्मीद्वार प्रवेश के लिए चुन लिए जाते हैं, उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे प्रत्येक वर्ष विश्वविद्यालय द्वारा बनाई जाने वाली समय–सारणी के अन्दर ही अपने पंजीकरण संबंधी सभी औपचारिकताएं पूरी कर लें।

विश्वविद्यालय के निकाय

विश्वविद्यालय के कार्य का सुव्यवस्थित रूप से संचालन करने के लिए विश्वविद्यालय कोर्ट, कार्य परिषद, विद्या परिषद जैसे निकाय और वित्त समिति जैसी कुछ अन्य सांविधिक समितियां हैं।

विश्वविद्यालय कोर्ट

विश्वविद्यालय कोर्ट विश्वविद्यालय का सर्वोच्च निकाय है। इसकी बैठक वर्ष में एक बार होती है, जिसमें विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट, वार्षिक लेखे, लेखा–परीक्षा रिपोर्ट और बजट पर विचार किया जाता है। विश्वविद्यालय कोर्ट को कार्यपरिषद् और विद्या परिषद् के कार्यों की समीक्षा करने का अधिकार उन परिस्थितियों में है, जब इन परिषदों ने विश्वविद्यालय के अधिनियम, संविधियों और अध्यादेशों के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के अनुरूप कार्य न किया हो।

विश्वविद्यालय कोर्ट की पिछली वार्षिक बैठक 4 मार्च, 2006 को हुई। इसमें विश्वविद्यालय की गतिविधियों पर 1 अप्रैल 2004 से 31 मार्च 2005 तक की वार्षिक रिपोर्ट और वित्तीय वर्ष 2005–2006 का लेखा–परीक्षित प्राप्ति और व्यय का विवरण तथा परिसम्पत्तियों एवं दायित्वों का विवरण और वित्तीय वर्ष 2004–2005 का बजट प्राप्त किया। मा.सं.वि.मं. और वि.अ.आ. के निदेशों और विश्वविद्यालय की वित्त समिति के निर्णय के अनुसार विश्वविद्यालय के वर्ष 2004–2005 के वार्षिक लेखे वर्तमान रोकड़ आधार पद्धति के स्थान पर प्रोद्भूत लेखा पद्धति के आधार पर तैयार किए गए।

कुलाधिपति ने बैठक शुरू करते हुए कोर्ट को सूचित किया कि जेएनयू परिसर में पं. जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा का अनावरण 14 नवम्बर 2005 को माननीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने किया। यह प्रतिमा विश्वविद्यालय के प्रशासन भवन के पास स्थित है। कुलाधिपति ने यह भी बताया कि जेएनयू परिसर कभी बंजर भूमि था, लेकिन अब यह खूबसूरत और हराभरा हो गया है। उन्होंने आगे बताया कि इसमें और सुधार की गुंजाइश है और विश्वविद्यालय परिसर का और अधिक सुधार करने के लिए विशेष ध्यान देगा। कुलाधिपति ने शैक्षिक पक्ष पर बताया कि ज.ने.वि. ने "विशिष्टता के लिए सक्षम विश्वविद्यालय" के रूप में मान्यता प्राप्त की है और इसने विश्वभर के लगभग 66 विभिन्न ख्याति प्राप्त विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ 'परस्पर सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

उन्होंने विश्वविद्यालय में हुए निम्नलिखित कार्यों के बारे में भी कोर्ट को जानकारी दी :

(क) ***विश्वविद्यालय अधिक छात्राओं और विदेशी छात्रों के साथ–साथ मध्यम और निम्न आय वर्गों से संबंधित छात्रों को प्रवेश देने में सफल रहा है। इस समय 29 देशों के लगभग 250 छात्र हैं।***

(ख) बी.ए. छात्रों के लिए एम.सी.एम. छात्रवृत्ति एम.ए. छात्रों के बराबर बढ़ा दी गई है। एम.सी.एम. छात्रवृत्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत एम.फिल. छात्रों को भी शामिल किया गया है।

(ग) कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान में स्टेटिस्टीकल कंप्यूटिंग में एम.ए. डिग्री पाठ्यक्रम और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान में कंप्यूटेशनल ऐंड सिस्टम्स बायोलॉजी में एम.टेक. पाठ्यक्रम शुरू किया गया है।

(घ) विभिन्न अध्ययन संस्थानों में उपलब्ध विशेषज्ञों को शामिल करते हुए विश्वविद्यालय स्तर के पाठ्यक्रम के रूप में उत्तर–पूर्वी भारत का अध्ययन पाठ्यक्रम शुरू किया गया है।

(च) सामाजिक विज्ञान संस्थान में 'प्रोग्राम फोर स्टडीज इन डिस्क्रिमीनेशन ऐंड एक्सक्लुजन' विषयक एक संस्थान स्तर का पाठ्यक्रम शुरू किया गया।

(छ) सभी शैक्षिक भवनों में 24 घंटे बिजली की व्यवस्था का प्रावधान किया गया।

(ज) जेएनयू के सौजन्य से 12–13 जनवरी, 2006 को केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों का तीसरा सम्मेलन आयोजित हुआ। इस सम्मेलन का उद्घाटन केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री अर्जुन सिंह ने किया तथा समापन भाषण केन्द्रीय विज्ञान तकनीकी और समुद्र विकास राज्य मंत्री श्री कपिल सिब्बल ने दिया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. करण सिंह ने भी सम्मेलन में व्याख्यान दिया।

विद्या परिषद्

विद्या परिषद् विश्वविद्यालय की शैक्षिक प्राधिकारी है। विद्या परिषद् सामान्य विनियमों पर नियन्त्रण रखती है और यह विश्वविद्यालय में अनुदेश, शिक्षा और परीक्षा का मानक बनाए रखने के लिए उत्तरदायी है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान विद्या परिषद् की 23 नवम्बर 2005 को एक बैठक हुई। परिषद् ने विभिन्न शैक्षिक मामलों पर विचार–विमर्श करने के अतिरिक्त, शिक्षकों/विशेषज्ञों को विभिन्न संस्थानों के अध्ययन मण्डलों और विज्ञान संस्थानों/विशेष केन्द्रों की विशेष समितियों में नामित किया। परिषद् ने विश्वविद्यालय में वर्ष 2005–2006 के विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश से संबंधित तथ्यात्मक डाटा भी नोट किए। परिषद् द्वारा अपनी पूर्वोक्त बैठक में अनुमोदित किए गए कुछ महत्वपूर्ण मामले इस प्रकार हैं :

(क) 42,000 यू.एस. डालर के वर्तमान वृत्तिदान में वृद्धि करने के लिए कोरियाई फाउंडेशन, सिओल (कोरिया) से एक लाख यू.एस. डालर के दान को स्वीकार करने की सिफारिश की।

(ख) कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान के एम.ए. के मेधावी छात्रों के लिए कनुप्रिया भारद्वाज वार्षिक पुरस्कार की स्थापना हेतु स्व. सुश्री कनुप्रिया भारद्वाज के पिता कर्नल सुधांशु शेखर से रु. 20,000/– से वृत्तिदान के सृजन हेतु दान स्वीकार करने की सिफारिश की। यह पुरस्कार द्वितीय सत्र की समाप्ति पर अधिकतम सीजीपीए प्राप्त करने वाले छात्रों को इस राशि के निवेश पर प्राप्त ब्याज से दिया जाएगा।

(ग) रूसी अध्ययन केन्द्र, भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान के बी.ए. (ऑनर्स) के छात्रों को दिए जाने वाले पाण्डे पदक की स्थापना के लिए प्रो. सी. पाण्डे से 50,000/– रु. के वृत्तिदान को स्वीकार करने की सिफारिश की। यह पुरस्कार अधिकतम सीजीपीए प्राप्त करने वाले छात्रों को इस राशि के निवेश से प्राप्त ब्याज में से दिया जाएगा।

(घ) उत्तर पूर्वी एशियाई अध्ययन पाठ्यक्रम शुरु करने के लिए समिति की सिफारिशों का अनुमोदन किया।

(च) कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान में 'स्टेटिस्टीकल कंप्यूटिंग' में एम.टेक. पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए सिद्धांत रूप में अनुमोदन किया।

(छ) शैक्षिक सत्र 2006–2007 से सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान में 'कंप्यूटेशनल ऐंड सिस्टम्स बायोलॉजी' में एम.टेक. पाठ्यक्रम शुरू करने का अनुमोदन किया।

(ज) शैक्षिक सत्र 2006–2007 से प्रवेश नीति और प्रक्रियाओं की समीक्षा हेतु गठित समिति की निम्नलिखित सिफारिशों का अनुमोदन किया :

(i) विदेशी भाषाओं में बी.ए. (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष में प्रवेश हेतु मौखिक परीक्षा।

(ii) एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु अ.जा./अ.ज.जा./शा.वि. उम्मीद्वारों के लिए न्यूनतम अर्हक अंक 35 से घटाकर 30 करना।

(iii) सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम और एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले उम्मीद्वारों के द्वारा शोध प्रस्ताव प्रस्तुत करना।

(iv) शैक्षिक सत्र 2006–2007 से रक्षा कर्मियों की निम्नलिखित श्रेणियों से संबंधित उम्मीद्वारों को 5 अंक तक और अधिकतम 10 (जहां कहीं भी लागू हो) अतिरिक्त अंक प्रदान किए :

- विधवाओं/युद्ध में मारे गए रक्षा कर्मियों के बच्चे।
- युद्ध के दौरान विकलांग हुए सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मियों के बच्चे।
- विधवाओं/ ऐसे मृतक रक्षा कर्मियों के बच्चे जिनका निधन शांति के समय सेना सेवा में रहते हुए हो गया।
- शांति के समय विकलांग हुए और सेना की सेवा के लिए अयोग्य घोषित रक्षा कर्मियों के बच्चे।

(झ) ग्रेड प्वाइंट एवरेज को अंकों की प्रतिशतता में बदलने हेतु फार्मूला निर्धारित करने के लिए गठित समिति की सिफारिशों को अनुमोदित किया।

कार्य परिषद्

कार्य परिषद् विश्वविद्यालय की कार्य निकाय है और यह सामान्य प्रबंधन और प्रशासन की प्रभारी है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान इसकी चार बैठकें हुईं। ये बैठकें 2 जून 2005; 9 अगस्त 2005; 5 दिसम्बर 2005 और 27 फरवरी 2006 को हुईं। इन बैठकों में परिषद् ने अनेक प्रशासनिक और शैक्षिक मामलों पर विमर्श किया और उन पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए। इसके अतिरिक्त, परिषद् ने कुलपति द्वारा संविधियों/अध्यादेशों के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कुछ अत्यावश्यक प्रकृति के मामलों पर लिए गए निर्णयों पर विचार करके उनका अनुमोदन किया। परिषद् ने विश्वविद्यालय के शिक्षकों और अधिकारियों की नियुक्ति के लिए विभिन्न चयन समितियों की सिफारिशों का अनुमोदन किया। समीक्षाधीन अवधि के दौरान लिए गए कुछ महत्वपूर्ण निर्णय निम्नलिखित हैं :

(क) मास्टर आफ कम्युनिटी हेल्थ (एम.सी.एच.) प्रोग्राम प्रदान करने से संबंधित अध्यादेश का नाम बदलकर मास्टर आफ पब्लिक हेल्थ (एम.पी.एच.) प्रदान करने से संबंधित अध्यादेश करना।

(ख) कार्य परिषद् द्वारा दिए गए सुझावों को शामिल करने के बाद माथुर समिति द्वारा ड्राफ्ट किए गए जीएसकैश नियमों और प्रक्रियाओं को अपनाने का अनुमोदन करना।

(ग) विश्वविद्यालय की विभिन्न समितियों के बाह्य सदस्यों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अपने गैर–सरकारी सदस्यों को दिए जाने वाले मानदेय के बराबर मानदेय देने और मानदेय के भुगतान में एकरूपता बनाए रखने के लिए देय मानदेय की दरों को बढ़ाना।

(घ) भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली में महानिदेशक प्रो. एन.के. गांगुली को आणविक चिकित्सा–शास्त्र विशेष केन्द्र में अवैतनिक प्रोफेसर के रूप में नियुक्त करना।

(च) भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान के दर्शन–शास्त्र ग्रुप को सामाजिक विज्ञान संस्थान के दर्शन–शास्त्र केन्द्र के साथ मिलाना।

(छ) अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान के वर्तमान केन्द्रों के पुनर्गठन और इसमें दो नए केन्द्र जोड़ने के अ.अ.सं. के अध्ययन मण्डल के प्रस्ताव का अनुमोदन।

(ज) मेरिट–कम–मींस छात्रवृत्तियाँ प्रदान करने से संबंधित अध्यादेश के खण्ड–1 और 4.2 में संशोधन।

(झ) पी–एच.डी. की डिग्री प्रदान किए जाने से संबंधित अध्यादेश के खण्ड 6(सी) (ii) में संशोधन करके शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों को अ.जा./अ.ज.जा. छात्रों की भाँति एम.फिल. से पी–एच.डी. में प्रोन्नति के लिए 0.5 प्रतिशत अंकों की छूट देना।

(ट) आबंटी के अकाल निधन होने की स्थिति में मकान खाली करने की ग्रेस अवधि को 6 माह से बढ़ाकर एक वर्ष करने के लिए विश्वविद्यालय के मकान आबंटन नियमों के खण्ड 10.2 (iv) में संशोधन।

(ठ) विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केन्द्र के कर्मचारियों को रोगी देखभाल भत्ते का भुगतान।

(ड) विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा अध्ययन अवकाश/आवधिक अवकाश के दौरान विदेशों में बिताई गई अवधि के लिए उनका वेतन निर्धारण करते समय उनके द्वारा प्राप्त की गई अध्येतावृत्ति आदि में से आने–जाने के किराए को कम करना।

(ढ) दान प्राप्त करने से संबंधित विद्या परिषद् की उपरोक्त सिफारिशों (क) (ख) और (ग) को स्वीकार किया।

(त) भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान के भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केन्द्र को दो अलग–अलग भागों में विभाजित करके भाषा विज्ञान केन्द्र और अंग्रेजी अध्ययन केन्द्र करना और तदनुसार अध्ययन संस्थानों/केन्द्रों, विशेष केन्द्रों और विशेषीकृत प्रयोगशालाओं के सृजन से संबंधित अध्यादेश के खण्ड 5 (2) (ए) में संशोधन किया।

(थ) मानव संसाधन विकास मंत्रालय के 22 जुलाई 2005 के पत्र संख्या – डी.ओ.19–11/2005–डेस्क (यू.) की शर्तों के अनुसार विश्वविद्यालय में सूचना का अधिकार अधिनियम–2005 लागू करना।

(द) वर्तमान में कुलदेशिक/कुलपति की कुछ शक्तियों/कार्यों को विश्वविद्यालय के कुलसचिव को सौंपना।

(ध) नियुक्तियों में देरी से बचने के लिए चयनित सहायक प्रोफेसरों को, जब तक उनके द्वारा प्रस्तुत 'नेट' सर्टिफिकेट वि.अ.आ./वै.औ.अ.प. आदि द्वारा प्रमाणित नहीं हो जाते तब तक उन्हें अस्थायी नियुक्ति प्रस्ताव जारी करना।

(न) 1.2.2006 से 'ज.ने.वि. प्रवेश परीक्षा खाता' का नाम बदलकर 'शैक्षिक विकास निधि' करने का अनुमोदन किया।

(प) निदेशक, जवाहरलाल नेहरू उच्च अध्ययन संस्थान और जन–सम्पर्क अधिकारी को क्रमशः 15000/– रु. और 5000/– रु. की वित्तीय शक्तियाँ सौंपना और उप कुलसचिव, उप वित्त अधिकारी और उप निदेशक (शारीरिक शिक्षा) की वित्तीय शक्तियों को बढ़ाकर प्रत्येक की 5000/– रु. करना।

(फ) शास्त्रीय और आधुनिक ग्रीक भाषा, साहित्य, इतिहास, दर्शन और संस्कृति का अध्ययन करने के लिए भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान में स्थापित ग्रीक अध्ययन चेयर पर प्रो. यू.पी. अरोड़ा को उनकी ज्वाइन करने की तिथि से एक वर्ष के लिए नियुक्त करना।

वित्त समिति

वित्त समिति विश्वविद्यालय की सांविधिक निकाय है। यह समिति विश्वविद्यालय के बजट तथा व्यय प्रस्तावों, नए/अतिरिक्त पदों से संबंधित सभी प्रस्तावों, लेखाओं, लेखा–परीक्षा रिपोर्ट और अन्य वित्तीय एवं लेखाओं से संबंधित मामलों पर विचार करती है। इसकी सिफारिशें कार्यपरिषद् को अनुमोदन के लिए भेजी जाती हैं।

समिति ने 29 नवम्बर, 2005 को हुई अपनी बैठक में विश्वविद्यालय के वर्ष 2005–2006 के लिए 'अनुरक्षण खाते' में 8451.65 लाख रुपये के संशोधित आकलनों को मंजूरी दी।

कला और सौंदर्यशास्त्र संस्थान

कला और सौंदर्यशास्त्र संस्थान ने शैक्षिक वर्ष 2005–2006 के दौरान अपनी समृद्धि और उपलब्धियों का एक और चरण सफलतापूर्वक पूरा किया है। संस्थान ने अपने वर्तमान शिक्षण एवं शोध लक्ष्यों को समन्वित करने तथा भविष्य में विशेषीकृत क्षेत्रों में उच्च स्तरीय शोध गतिविधियां शुरू करने के उद्देश्य से फिल्म अध्ययन, सौंदर्यशास्त्र एवं प्राचीन भारतीय कला तथा वास्तुकला के क्षेत्रों से सम्बन्धित नये शिक्षकों की नियुक्तियां की है ताकि संस्थान को शिक्षण, विद्वता और शोध के लिए एक अन्तरराष्ट्रीय केंद्र के रूप में पहचान मिल सके।

पिछले एक वर्ष के दौरान संस्थान ने कला अध्ययन के क्षेत्र में कई नए कोर्स शुरू किए और अपने वर्तमान कोर्सों में समसामयिक सैद्धांतिक परिवर्धनों को प्रदर्शित करने के लिए इनकी पाठ्यचर्या में कुछ संशोधन किए हैं। संस्थान वर्ष 2003 से कला और सौंदर्यशास्त्र में एक अन्तरविषयक एम.ए. पाठ्यक्रम तथा सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चला रहा है। संस्थान, दृश्य अध्ययन, निष्पादन अध्ययन और फिल्म अध्ययन के विशेषीकृत क्षेत्रों में एक ठोस आधार उपलब्ध कराने की दृष्टि से एक उच्च स्तरीय शोध पाठ्यक्रम चलाने की जरूरत महसूस कर रहा है। प्रस्तावित एम.फिल. पाठ्यक्रम को जुलाई 2006 से शुरू करने के लिए विद्यापरिषद द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है। विभिन्न विद्वानों तथा अध्ययन मण्डल के सदस्यों से विचार–विमर्श करके तैयार किए गए इस पाठ्यक्रम में कला अध्ययन से सम्बन्धित विभिन्न सैद्धान्तिक दृष्टिकोणों, सिद्धान्तों की प्रस्तुति जैसी मुख्य समस्याएं, प्रतिकृति और इसका प्रलेखीकरण, संस्कृति का सामाजिक इतिहास और अन्य सम्बन्धित समस्याएं शामिल हैं। छात्रों को फिल्म अध्ययनों से अवगत कराने की दृष्टि से दो नये कोर्स भी शुरू किए गए। ये कोर्स हैं – 'इंट्रोडक्शन टु फिल्म स्टडीज' और 'हिस्ट्री आफ इण्डियन सिनेमा।

संस्थान ने अपने कोर्सों से सम्बन्धित कुछ पुस्तकों का संग्रह किया है। इस समय पुस्तकालय में तीन हजार से अधिक पुस्तकें हैं। ये पुस्तकें दृश्य और निष्पादन अध्ययन और फिल्म थीअरि से सम्बन्धित हैं। फिल्म डी.वी.डी. के एक विरले संग्रह को प्राप्त करने के लिए संयुक्त प्रयास किया गया और संस्थान के पास अब दो सौ से अधिक फिल्मों का एक संग्रह है। संस्थान ने न्यूयार्क विश्वविद्यालय से फिल्म अध्ययन पर 1000 से अधिक पुस्तकें तथा पत्रिकाएं उपहारस्वरूप प्राप्त की हैं।

संस्थान विश्व के अन्य संस्थानों के साथ सम्बन्धों को सुदृढ़ बनाने के लिए दृढ़ रूप से प्रतिबद्ध है। हमारे कार्यक्रम विभिन्न देशों के छात्रों को आकर्षित कर रहे हैं। हमने देखा है कि हमारे कोर्सों में प्रवेश सम्बन्धी पूछताछ करने वाले छात्रों की संख्या में निरन्तर वृद्धि हो रही है। वर्तमान में संस्थान में कोरिया, चीन और अमरीका के छात्र पंजीकृत हैं और उन्होंने संस्थान के शैक्षिक और गैर–शैक्षिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण सहयोग किया है। इसके अतिरिक्त अग्रणी विश्वविद्यालयों के अनेक सुप्रसिद्ध विद्वानों ने संस्थान के छात्रों एवं शिक्षकों के साथ शैक्षिक स्तर पर पर विचारों का आदान–प्रदान करने में गहरी रुचि प्रकट की है। इलिनॉयस विश्वविद्यालय, शिकागो के प्रो. वुडमेन टेलर, जिन्होंने अब बोस्टन म्यूजियम आफ फाइन आर्ट में जवाइन किया है, ने मानसून सत्र में छात्रों को रिसर्च मैथडोलाजी' विषयक कोर्स पढ़ाया है। उनका यह दौरा फुलब्राइट फेलोशिप कार्यक्रम के माध्यम से सम्भव हो सका। मानवशास्त्र विभाग, यूनिवर्सिटी कालेज, लंदन के प्रोफेसर क्रिस्टोफर पिन्नी ने भी मानसून सत्र में 'विजुअल कल्चर ऐंड द रिप्रजेंटेशन आफ डिफ्रेंस' कोर्स के लिए महत्वपूर्ण सहयोग किया।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान संस्थान ने निम्नलिखित संगोष्ठियां आयोजित की :

- प्रोफेसर क्रिस्टोफर पिन्नी ने शीतकालीन सत्र के दौरान निम्नलिखित विषयों पर व्याख्यान दिए : द कमिंग आफ फोटोग्राफी इन इण्डिया, फोटोग्राफी ऐज वर्नाकुलर प्रेक्टिस, पिक्चर प्रोडक्शन ऐंड कलोनिअल ला, द राइज आफ नाथवाड़ा, पिक्चर प्रोडक्शन फ्राम 1950 टु द प्रिजेंट ऐंड द पालिटिकल इकोनामी आफ ग्लोस।
- प्रोफेसर रिचर्ड स्चेनर, टिश्च, एन.वाई.यू. ने व्याख्यान दिया और अपने कार्य के दृश्य दिखाए और अपनी सैद्धांतिक स्थितियों का प्रतिपादन किया, जनवरी, 2006.

- इलेन डिरिस्कोल, मूर्तिकला के प्रोफेसर, रोडे आइलैण्ड स्कूल आफ डिजाइन ने आर्ट इन पब्लिक स्पेसिस, विषयक व्याख्यान दिया, जनवरी 2006.
- विष्णुप्रिय दत्त और एच.एस. शिवप्रकाश ने फरवरी 2006 में, इमर्जिंग परफॉमन्स, विषयक एक तीन दिवसीय कार्यशाला व संगोष्ठी आयोजित की। इस कार्यशाला' व संगोष्ठी की रूपरेखा प्रोफार्मिंग आर्ट के छात्रों को अनभिज्ञ शब्दावली की खोज करने और विशेषकर जेंडर और सैक्सचुअलिटी के क्षेत्रों में परफार्मिंग आर्ट को देखने और व्याख्या करने के तरीकों से अवगत कराने के लिए तैयार की गई थी। यह फेमिनिस्ट थीअरि, पोस्ट–स्ट्रक्चरल ऐंड पोस्टकलोनियअल थीअरि और एथनोग्राफी द्वारा अनुप्राणित परफार्मिंग आर्ट में आलोचनात्मक दृष्टिकोण की एक शुरुआत। यह छात्रों के लिए लेखन और कोरियोग्राफी के बीच संबंध और डांसरों, कोरियोग्राफरों और विद्वानों द्वारा डांस और नाटक करने के कार्य को लेखन से निष्पादन में परिवर्तित करने के तरीकों को समझाने में सहयोग करने का एक प्रयास था। वक्ताओं और प्रस्तुतकर्ताओं में गीता चन्द्रन, वीणा पाणी चावला, माया राव, नवतेज जोहर, अमल अलाना, जस्टिन मैकार्थी के साथ–साथ कुमकुम सांगरी, अनुराधा कपूर, कनक रेले, उर्मिला भिर्डिकर और अन्य शिक्षाविद एवं विद्वान शामिल थे।
- 'थिएटर और क्रिटिकिंग थिएटर', विषय पर एक लेखन कार्यशाला। इसमें परफार्मेन्स के लिए विजिट और किरोड़ीमल कालेज के एक छात्र की परफार्मेन्स आयोजित करना और रुस्तम बरूचा, केवल अरोड़ा और सौम्यवृत चौधरी द्वारा आयोजित दो दिवसीय लेखन कार्यशाला शामिल है।
- मारथा ग्राहम स्कूल में प्रशिक्षित निकोलिना निकोलिस्की ने प्रदर्शन व्याख्यान दिया और अब वह गुरु सरोज वैधनाथन के अधीन भरतनाट्यम नृत्य के छात्रा हैं।

शोध परियोजनाएं

- कविता सिंह, यू.एल.सी.ए. में कला और इतिहास विभाग के सहयोग से शोध परियोजना पूरी करने के लिए गेट्टी फाउन्डेशन से अनुदान प्राप्त हुआ।

राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों/बैठकों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

- ज्योतिन्द्र जैन ने 1 से 3 अप्रैल, 2005 तक सौन्दर्यशास्त्र विभाग, बम्बई विश्वविद्यालय में आयोजित 'इण्डियन पाप्यूलर कल्चर और कालीघाट पेंटिंग्स' विषयक तीन व्याख्यान दिए।
- ज्योतिन्द्र जैन ने 1 से 5 मई 2005 तक ट्रापिकल म्युजियम, एम्सटर्डन में आयोजित, 10–ईयर एक्जिविशन आन इण्डिया, विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- ज्योतिन्द्र जैन ने 26 से 27 मई, 2005 तक फिल्म और टेलिविजन संस्थान, पुणे में आयोजित, इण्डियन पाप्युलर कल्चर, विषयक तीन व्याख्यान दिए।
- ज्योतिन्द्र जैन ने 3 जुलाई, 2005 को चैस्टर बीटी लाइब्रेरी, डब्लिन, आयरलैण्ड में आयोजित, कालीघाट पेंटिंग, विषयक व्याख्यान दिया।
- ज्योतिन्द्र जैन ने 15 से 18 अगस्त, 2005 तक भोपाल में आयोजित, एस्टेब्लिशिंग ए म्युजियम ऐट गौहर महल, विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- ज्योतिन्द्र जैन ने 25 नवम्बर, 2005 को राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, अहमदाबाद में, नेशनल क्राफ्ट्स पालिसी, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- ज्योतिन्द्र जैन ने 14 दिसम्बर, 2005 को कविता सिंह और सलौनी माथुर द्वारा आयोजित, कलोनिअलिज्म ऐंड म्युजियम्स, विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा, सोशल लाइफ आफ द म्युजियम, विषयक व्याख्यान दिया।
- ज्योतिन्द्र जैन ने 28 जनवरी, 2006 को गुजरात साहित्य परिषद्, अहमदाबाद में आयोजित, आस्पेक्ट्स आफ 19टींथ सेंचुरी आर्ट ऐंड कल्चर, विषयक व्याख्यान दिया।
- ज्योतिन्द्र जैन ने 1 से 4 मार्च, 2006 तक आयोजित, ओपनिंग आफ द एक्जिविशन इण्डियन पाप्यूलर कल्चर, विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- ज्योतिन्द्र जैन ने हेलसिंकी आर्ट म्युजियम, हेलसिंकी में उनके द्वारा आयोजित, द कंटेस्ट आफ वर्ल्ड ऐज पिक्चर, विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा व्याख्यान दिया।
- एच.एस. शिवप्रकाश ने 28 जुलाई, 2005 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू द्वारा आयोजित अनुशीलन पाठ्यक्रम में भाग लिया तथा, बिल्डिंग लिट्रेचर ऐंड बिल्डिंग एम्पायर्स : रिफ्लेक्शंस आन द सोर्सिस आफ मिडिवल लिट्रेचर ऐंड कल्चर, विषयक व्याख्यान दिया।
- एच.एस. शिवप्रकाश ने 22 जुलाई, 2005 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू द्वारा आयोजित अनुशीलन पाठ्यक्रम में रिस्पांस टु शेल्डन पोलक'स इम्पेरिलिस्ट लिट्रेरी हिस्ट्री, विषयक व्याख्यान दिया।
- एच.एस. शिवप्रकाश ने 26 सितम्बर, 2005 को तथा 14 अक्टूबर 2005 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया तथा, ओरिजन आफ लैंग्यूवेज ऐंड 'एम्पायर', इण्डियन लिट्रेचर्स नाव' और मेकिंग आफ भाषा लिट्रेचर्स ऐंड मूवमेंट्स, विषयक तीन व्याख्यान दिए।
- एच.एस. शिवप्रकाश ने 23 नवम्बर, 2005 को एन.एस.डी. और संगीत नाटक अकादमी, रामपुरा, असम द्वारा आयोजित नेचरलोर ट्राइबल थिएटर की कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।
- एच.एस. शिवप्रकाश ने 13 दिसम्बर, 2005 को रंगयाना, मैसूर द्वारा आयोजित, पोस्ट माडर्निज्म ऐंड इण्डियन थिएटर, विषयक संगोष्ठी में समापन व्याख्यान दिया।
- एच.एस. शिवप्रकाश ने 19 दिसम्बर, 2005 को कन्नड संघ, एम.जी.एम. कॉलेज, उडिपि, कर्नाटक द्वारा आयोजित लेखकों की बैठक में भाग लिया तथा व्याख्यान दिया।
- एच.एस. शिवप्रकाश ने 24 दिसम्बर, 2005 को कन्नड स्टडी सेंटर, यूनिवर्सिटी आफ मैसूर, कर्नाटक द्वारा आयोजित सम्मेलन में भाग लिया तथा, क्राइसिस इन कंटेम्पोरेरि इण्डियन पोइट्री, विषयक व्याख्यान दिया।
- एच.एस. शिवप्रकाश ने जनवरी 2006 में नेशनल बुक ट्रस्ट आफ इण्डिया, प्रगति मैदान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित, सम्मेलन में भाग लिया तथा 'साउथ इण्डियन भक्ति मूवमेंट्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एच.एस. शिवप्रकाश ने जनवरी, 2006 में नेशनल बुक ट्रस्ट द्वारा राष्ट्रीय पुस्तक मेला, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित बहु भाषाओं के कवियों की बैठक में भाग लिया।
- सावन्त शुक्ला ने जुलाई, 2005 में राष्ट्रीय ललित कला अकादमी, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित, पब्लिक स्फेयर – प्राइवेट स्फेयर : इज द बाउन्ड्री कोलेप्सिंग इन कंटेम्पोरेरि इण्डियन आर्ट, विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा स्ट्रक्चर्स आफ पब्लिक इंटरफेस : सलोन्स, गैल्रीज ऐंड आर्ट क्रिटिसिज्म, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सावन्त शुक्ला ने ए.आई.एफ.ए.सी.एस. में आयोजित सम्मेलन में सिम्बोलिज्म ऐज पिक्टोरियल लैंग्यूवेज, विषयक व्याख्यान दिया।

- सावन्त शुक्ला ने दिसम्बर, 2005 में मिरांडा हाउस में माडर्निज्म ए विजुअल जर्नी, विषयक व्याख्यान दिया।
- कविता सिंह ने 13 से 15 फरवरी, 2006 तक मुम्बई में आयोजित 'वाया मुम्बई : मल्टिपल कल्चर्स इन ए ग्लोबलाइजिंग वर्ल्ड' विषयक सत्र में अध्यक्ष के रूप में भाग लिया।
- कविता सिंह ने 10 से 13 दिसम्बर, 2005 तक 'न्यू म्युजिओलाजी' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा परियोजना के शोधार्थियों के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की।

मण्डलों/समितियों की सदस्यता (विश्वविद्यालय से बाहर)

- एच.एस. शिवप्रकाश, सदस्य, चयन समिति, साहित्य के क्षेत्र में संस्कृति विभाग की अध्येतावृत्ति प्रदान करने के लिए गठित समिति।
- सावन्त शुक्ला, संस्कृति पुरस्कार समिति।
- कविता सिंह, इनलेक अध्येतावृत्ति चयन समिति।
- इरा भास्कर, विशेष आमंत्रित, अवैतनिक संयोजक, फिल्म स्टडीज आफ द रिस्ट्रक्चर्ड (बी.ए. प्रोग्राम, दिल्ली यूनिवर्सिटी) विषयक एप्लिकेशन कोर्स के लिए उप समिति, और सदस्य, सेकेण्ड इण्डियन ट्राइकांटिनेंटल फिल्म फेस्टिवल का पुरस्कार जूरी पैनल, जनवरी–फरवरी 2006.

कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान

कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान की स्थापना वर्ष 1975 में हुई थी। यह कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में शिक्षण और शोध पाठ्यक्रमों के लिए महत्वपूर्ण संस्थान है। पिछले कुछ वर्षों में यह देश में एक श्रेष्ठ एवं प्रतिष्ठित संस्थान के रूप में उभरा है। यह संस्थान एम.सी.ए., एम.टेक. (एम.फिल.) और पी–एच.डी. शोध पाठ्यक्रम चलाता है। प्रत्येक वर्ष लगभग दस हजार उम्मीद्वार एम.सी.ए. (35 सीट) और एम.टेक (25 सीट) पाठ्यक्रमों की कुल 60 सीटों के लिए प्रवेश परीक्षा में बैठते हैं। इस तरह पूरे देश से सर्वोत्तम एवं प्रतिभाशाली छात्र हमारे संस्थान में प्रवेश लेते हैं। यही स्थिति पड़ौसी देशों और अन्य देशों से प्रवेश लेने वाले उम्मीद्वारों की है।

कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान अपने शैक्षिक पाठ्यक्रम को समाज और उद्योग–जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करता है। यह अपने छात्रों को उच्च स्तर की तकनीकी शिक्षा प्रदान करता है। संस्थान से उपाधि प्राप्त छात्र सूचना प्रौद्योगिकी जगत में प्रवेश करने और खुले बाजार में नौकरी पाने के लिए पूर्णतः सक्षम हैं। कोर्स और पाठ्यक्रम इस प्रकार तैयार किए जाते हैं जिनमें अन्तरविषयक कोर्स के साथ–साथ सैद्धान्तिक और प्रायोगिक पक्षों को भी कवर किया जाता है। संस्थान, भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान के छात्रों के लिए परम्परागत और विशेष कोर्स भी चलाता है।

कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी में हो रहे नवीनतम विकास से छात्रों को अवगत कराने के लिए समय–समय पर संगोष्ठियां आयोजित की जाती हैं। यह बहुत गर्व और महान उपलब्धि की बात है कि हमारे छात्रों ने भारत और विदेशों के उद्योगों में संस्थान के नाम को ऊँचा किया है जो इस तथ्य की पुष्टि करता है कि संस्थान देश की अग्रणी संस्थानों में से एक है।

छात्रों की उपलब्धियां

एम.सी.ए. और एम.टेक उपाधि प्राप्त छात्रों को आई.बी.एम., एच.पी., टी.सी.एस. मैकेन्जी, पैरट सिस्टम्स, फ्लेक्स्ट्रोनिक्स, कैनबे एन.आई.आई.टी., कमवर्स फेयरल्साक, एस.टी. मेक्रोइलेक्ट्रोनिक्स, सी.एस.सी. और एम.यू.एल. जैसी अग्रणी साफ्टवेयर कम्पनियों में नौकरियां प्राप्त हुई।

शोध परियोजनाएं

- आर.के. अग्रवाल (नवीन कुमार और वसुधा भटनागर के साथ), इंट्रुजन डिटेक्शन यूजिंग साफ्ट कंप्यूटिंग, सूचना और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली (जनवरी 2005– दिसम्बर 2006)

राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों/बैठकों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

- सोनझारिया मिंज ने 20 से 22 दिसम्बर 2005 तक पुणे में आयोजित, आर्टिफिशिअल इंटेलिजेंस विषयक दूसरे अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- सोनझारिया मिंज ने 11 दिसम्बर 2005 – 7 जनवरी 2006 को पुणे में आयोजित, साइंस विजन ऐंड वैल्यूज, विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- सोनझारिया मिंज ने 2 से 6 जनवरी 2006 तक लोनवाला में आयोजित, साइंस–रिलिजन डायलाग ऐंड कास्मिक फ्युचर : द पर्सपेक्टिव आफ थेल्हाड डे चार्डिन ऐंड श्री अरविन्दो, विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- सोनझारिया मिंज ने 4 से 5 फरवरी 2006 तक गोवा में आयोजित, साइंस–रिलिजन डायलाग ऐंड द फ्युचर आफ हयुमैनिटी, विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- टी.वी. विजय कुमार ने मार्च 2006 में, मैथमेटिकल टेक्नीक्स : इमर्जिंग पैराडिग्म्स फार इलैक्ट्रानिक्स ऐंड आई.टी. इंडस्ट्रीज (एम.ए.टी.आई.ई.टी.–2006) विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

शिक्षकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय से बाहर)

- कर्मेषु ने 19 सितम्बर 2005 को आई.आई.टी., दिल्ली में, कंप्यूटेशनल इश्यूज इन सिस्टम्स बायोलाजी, सुपर कंप्यूटिंग फैसिलिटी फार बायोइंफार्मेटिक्स ऐंड कंप्यूटेशनल बायोलाजी, विषयक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- कर्मेषु ने नवम्बर 2005 में मध्य प्रदेश साइंस ऐंड टेक्नोलाजी इंटरप्रिन्यूर्स पार्क, 'मानित', भोपाल में, मार्कोव चेन ऐंड हिडन मार्कोव माडल्स विषयक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- कर्मेषु ने 10 दिसम्बर 2005 को पंजाब विश्वविद्यालय में फाउंडेशंस आफ बायोइंफार्मेटिक्स, विषयक कार्यशाला में, बायो. इंफार्मेटिक्स ऐंड प्रोबेबिलिस्टिक्स माडलिंग, विषयक अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- कर्मेषु ने 26 से 30 दिसम्बर 2005 तक आई.आई.टी. दिल्ली में ऐप्लिकेशन आफ न्यूमेरिकल मेथड्स ऐंड एनालिटिकल टेक्नीक्स इन इंजीनियरिंग, विषयक अल्पकालीन पाठ्यक्रम में 'अनसर्टेनिटी माडलिंग ऐंड इंफार्मेशन थिआरेटिक फ्रेमवर्क' और 'मोंटे कार्लो मेथड्स' विषयक व्याख्यान दिए।
- कर्मेषु ने 7 जनवरी 2006 को महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक में इंफार्मेशन टेक्नोलाजी फार टीचर्स, विषयक कार्यशाला में 'वायरलैस ऐंड मोबाइल सिस्टम्स : कम्यूनिकेशन नेटवर्क्स ऐंड परफार्मेन्स नेटवर्क्स ऐंड परफार्मेन्स इश्यूज' विषयक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- कमल के. भारद्वाज ने दीन दयाल उपाध्याय कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में मैथमेटिकल टेक्नीक्स – इमर्जिंग पैराडिग्म्स फार इलैक्ट्रानिक्स ऐंड आई.टी. इंडस्ट्रीज, एम.ए.टी.ई.आई.टी. 2006 विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'हिरारिकल सेंसर्ड प्रोडक्शन रूल्स (एच.सी.पी.आर.एस.) सिस्टम्स – ए फ्रेम वर्क फार इंटेलिजेन्ट सिस्टम्स' विषयक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- एस. बालासुन्दरम ने दीनदयाल उपाध्याय कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में मैथमेटिकल टेक्नीक्स–इमर्जिंग पैराडिग्म्स फार इलैक्ट्रानिक्स ऐंड आई.टी. इंडस्ट्रीज, एम.ए.टी.ई.आई.टी. 2006, विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में 'आन सपोर्ट वैक्टर मशीन्स फार पैटर्न क्लासिफिकेशन प्राब्लम्स' विषयक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- सोनझारिया मिंज ने अक्टूबर 2005 में डिपार्टमेंट आफ इंफारमेशन टेक्नोलाजी ऐंड मैनेजमेंट, जामिया हमदर्द यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली में 'एडवांस्ड टापिक्स इन डाटा माइनिंग ऐंड नालेज डिस्कवरी इन डाटाबेसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- सोनझारिया मिंज ने दिसम्बर 2005 में डिफेंस तराइन रिसर्च लैबोरेट्रीज, डी.आर.डी.ओ. दिल्ली में (सी.इ.पी. वैज्ञानिकों के लिए) साफ्ट कंप्यूटिंग ऐंड डिफेंस रिसर्च एप्लिकेशंस, विषयक अनुवर्ती शिक्षा कार्यक्रम में 'रफ सैट थीअरि इन शाफ्ट कंप्यूटिंग' विषयक व्याख्यान दिया।
- सोनझारिया मिंज ने दिसम्बर 2005 में इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस ऐंड रिलिजन, पुणे में 'एल्गोरिथम्स ऐंड कंप्यूटिंग : नेचर–बेस्ड माडल्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- सोनझारिया मिंज ने जनवरी 2006 में फोर स्कूल आफ मैनेजमेंट, नई दिल्ली में इश्यूज इन डाटाबेसिस मैनेजमेंट, विषयक संगोष्ठी में 'मैनेजिंग लार्ज डाटाबेसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- सोनझारिया मिंज ने 2 से 6 जनवरी 2006 तक लोनवाला, भारत में, साइंस–रिलिजन डायलाग ऐंड कास्मिक फ्युचर, विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में (डिवलपमेंट्स इन कंटेम्पोरॅरि माडर्न साइंस ऐंड फ्युचर आफ रिलिजन्स, विषयक सत्र के लिए

आमंत्रित परिचर्चाकर्ता) 'डिवलपमेंट्स इन कंटेम्पोरॅरि माडर्न साइंस ऐंड फ्युचर आफ ट्राइबल रिलिजन्स' विषयक व्याख्यान दिया।

- सोनझारिया मिंज ने 4 से 5 फरवरी 2006 तक गोवा, भारत में साइंस रिलिजन डायलाग ऐंड द फ्युचर आफ हयूमेनिटी, विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कंप्यूटर साइंस ऐंड फ्युचर आफ हयूमेनिटी : प्रोमिसिस ऐंड पेरिल्स आफ आर्टिफिशिअल इंटेलिजेंस रिसर्च' विषयक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- डी.के. लोबियाल ने दिसम्बर 2005 में एन.डी.आर.आइ. करनाल, हरियाणा में 'प्रोबेबिलिस्टिक ग्रामर फार बायोइंफारमेटिक्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- डी.पी. विद्यार्थी ने डिफेंस तराइन रिसर्च लैबोरेट्री, डी.टी.आर.एल., डी.आर.डी.ओ.; मेटकाफ हाउस, दिल्ली में 'जी.ए. ऐंड इट्स ऐप्लिकेशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.के. अग्रवाल ने दिसम्बर 2005 में जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 'इंट्रूजन डिटेक्शन यूजिंग शाफ्ट कंप्यूटिंग' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.के. अग्रवाल ने सितम्बर 2005 में सी.पी.डी.एच.ई., दिल्ली विश्वविद्यालय में 'पैटर्न रिकोग्निशन ऐंड इट्स ऐप्लिकेशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.के. अग्रवाल ने सितम्बर 2005 में सी.पी.डी.एच.ई., दिल्ली विश्वविद्यालय में 'रैण्डोमाइज्ड एल्गोरिथम्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.के. अग्रवाल ने अगस्त 2005 में दीन दयाल उपाध्याय कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'इंट्रूजन डिटेक्शन यूजिंग शाफ्ट कंप्यूटिंग' विषयक व्याख्यान दिया।
- टी.वी. विजयकुमार ने दीन दयाल उपाध्याय कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में मैथमेटिकल टेक्नीक्स – इमर्जिंग पैराडिग्म्स फार इलैक्ट्रानिक्स ऐंड आई.टी. इंडस्ट्रीज, एम.ए.टी.ई.आई.टी.–2006, विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में 'मल्टिडाटाबेसिस : इश्यूज ऐंड सिस्टम्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आदिति शरण ने 21 नवम्बर 2005 को पी.जी.डी.ए.वी. कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'शाफ्ट कंप्यूटिंग – एन इंट्रोडक्शन' विषयक व्याख्यान दिया।
- आदिति शरण ने 17 फरवरी 2006 को हिन्दुस्तान इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट ऐंड कंप्यूटर स्टडीज, आगरा द्वारा आयोजित मार्केटिंग आफ सर्विसिस : चैलेंजिस ऐंड अपरच्युनिटीज फार कारपोरेट इण्डिया, विषयक तीसरा राष्ट्रीय कार्यशाला में 'शाफ्ट वेब माइनिंग : ए स्टेप टुवर्डस वेब इंटेलिजेंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- आदिति शरण ने 3 मार्च 2006 को आनन्द इंजीनियरिंग कालेज, आगरा द्वारा आयोजित सेरिबुम (छठी राष्ट्रीय तकनीकी उत्सव) में, वेब माइनिंग : रिसर्च इश्यूज ऐंड चैलेंजिस, विषयक व्याख्यान दिया।

मण्डलों / समितियों की सदस्यता (विश्वविद्यालय से बाहर)

- कर्मेषु, सीनेट के सदस्य, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली; सीनेट के सदस्य, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रूड़की; सदस्य, कंप्यूटर सलाहकार समिति, कंप्यूटर केंद्र संस्थान, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की; सदस्य, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विशेषज्ञ समिति, नेशनल ग्रेजुएट स्टूडेंट रिपोजिटरी (एन.जी.एस.आर.); सदस्य, कंयूटिंग और नेटवर्किंग के लिए गठित समिति, आसाम विश्वविद्यालय, सिल्चर; सदस्य, विशेषज्ञ पाठ्यक्रम समिति, इंफार्मेशन टेक्नोलाजी, इलैक्ट्रानिक्स ऐंड कम्यूनिकेशन

नार्थ–ईस्टर्न यूनिवर्सिटी, शिलांग; सदस्य, अध्ययन मण्डल, जैव–सूचना विज्ञान, पंजाब विश्वविद्यालय; सदस्य, अध्ययन मण्डल इंजीनियरिंग ऐंड टेक्नोलाजी, जी.जी.एस.आई.पी. यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली; सचिव, सोसायटी आफ मैथमेटिकल साइंसिस, दिल्ली; सदस्य टास्कफोर्स टु रिव्यू डोयेक, सोसायटी, मिनिस्ट्री आफ कम्यूनिकेशंस ऐंड इंफार्मेशन टेक्नोलाजी, नई दिल्ली और सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद की पत्रिका

- डी.के. लोबियाल, सदस्य, (सम्पादक), इग्नू, मैदानगढ़ी, नई दिल्ली के टी.सी.पी. ⁄ आई.पी. विषयक पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए गठित सम्पादकीय समिति
- डी.पी. विद्यार्थी, सदस्य, (सम्पादक), इग्नू, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली के लिए आपरेटिंग सिस्टम्स, विषयक पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए गठित सम्पादकीय समिति
- आर.के. अग्रवाल, सदस्य, साक्षात्कार के लिए चयन समिति, कंप्यूटर विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और सदस्य, तकनीकी समिति, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, (डीम्ड विश्वविद्यालय), नई दिल्ली।

पर्यावरण विज्ञान संस्थान

पर्यावरण विज्ञान संस्थान की स्थापना वर्ष 1974 में हुई थी। यह देश में अपनी तरह का सबसे पुराना संस्थान है। इस संस्थान ने पर्यावरण विज्ञान में सबसे पहले एम.एस–सी. और एम.फिल. पाठ्यक्रम शुरू किए थे। संस्थान का चरित्र बहुविषयात्मक है। इसमें पर्यावरण के भौतिक, रासायनिक और जैविक पक्षों पर अध्ययन किया जाता है। तद्नुसार, संस्थान के शिक्षण और शोध क्षेत्रों में भौतिक, रसायन, भू–गर्भ शास्त्र, जल–विज्ञान, मौसम विज्ञान, गणित, सांख्यिकी, जैव–भौतिकी, जैव–रसायन, मोलक्यूलर और कोशिकीय जीव–विज्ञान, पारिस्थितिकी विज्ञान और पर्यावरणीय मॉनिटरिंग तथा प्रबंधन जैसे विषयक क्षेत्र शामिल हैं।

वर्तमान में संस्थानमें बहु–विषयक क्षेत्रों के विशेषज्ञ शिक्षक हैं, जिनमें 9 प्रोफेसर, 6 एसोसिएट प्रोफेसर और 6 सहायक प्रोफेसर हैं। संस्थान ने वर्ष 1987 में एम.एस–सी. पाठ्यक्रम चलाया, जिसमें बाद में संशोधन किया गया। शैक्षिक वर्ष 1993–94 में शुरू किए गए एम.एस–सी. पाठ्यक्रम को विभिन्न विषयों में स्नातक उपाधि धारक छात्रों की जरूरतों के अनुसार दो स्ट्रिमों – एक भौतिक विज्ञान और दूसरा जीवविज्ञान – में विभाजित किया गया है।

एम.फिल. / पी–एच.डी. पाठ्यक्रम वर्ष 1975 में शुरू किया गया। इस अध्ययन पाठ्यक्रम में विस्तृत कोर्स वर्क शामिल हैं और छात्र को एम.फिल. डिग्री प्राप्त करने के लिए एक लघु शोध प्रबन्ध भी लिखना पड़ता है। इसके बाद छात्र को अनुमोदित विषय पर कम–से–कम दो वर्ष की अवधि में शोध कार्य पूरा करना पड़ता है। इसके सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद छात्र पी.एच.डी. उपाधि के लिए पात्र हो जाता है।

संस्थान की शोध गतिविधियां विज्ञान के मुख्य विषयों से सम्बन्धित निम्नलिखित चार क्षेत्रों से सम्बन्धित हैं :

क्षेत्र – I : (भौतिक विज्ञान) की शोध रुचि है – (क) नान–लिनियर जैव एवं भौतिक प्रणालियों का अध्ययन; और (ख) खगोल–भौतिकी प्लाज्मा के सैद्धान्तिक पहलू, शहरी माइक्रो जलवायु, ध्वनि प्रदूषण और इलेक्ट्रो मैग्नेटिक प्रदूषण, गणितीय माडलिंग। **क्षेत्र – II** : (भू–विज्ञान) में जिन क्षेत्रों को समझने पर बल दिया जाता है। वे हैं – (क) स्थलीय और जलीय पर्यावरण में भू–विज्ञानी और भू–रसायनिक प्रक्रियाएं; (ख) भू–रसायनिक और भू–कालक्रम विज्ञान सहित विभिन्न विश्लेषणात्मक उपकरणों पर आधारित दक्षिण भारत के भू–पृष्ठ का उद्‍गम; (ग) हिमालयन ग्लेशियर का भू–रसायनिक और जल–वैज्ञानिक अध्ययन; (घ) भू–जल खोज विषयक क्षेत्रों में दूर संवेदन प्रणालियों का प्रयोग; और (च) भूकम्प निवर्तनिकी; **क्षेत्र – III** : में निम्नलिखित के अध्ययन का विस्तृत क्षेत्र शामिल है – (क) पर्यावरण प्रदूषण और इसका जीव–जगत पर प्रभाव; (ख) अशुष्क भूमि सहित परिस्थिति विज्ञान और जलीय परिस्थितिकी; और (ग) ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन; **क्षेत्र – IV** : (जैविक विज्ञान) में पर्यावरण – जीवजगत की पारस्परिक क्रियाओं के सभी स्तरों का अध्ययन आणविक और कोशिकीय स्तरों पर किया जाता है। यह अध्ययन व्यक्तिगत और जन समुदाय तथा समुदाय और सम्पूर्ण पारिस्थितिक तंत्र के माध्यम से किया जा रहा है। इस अध्ययन में पादपों तथा मानव अस्तित्व के लिए प्रत्यक्ष रूप से महत्व रखने वाली पशु प्रजातियों पर अनेक प्रकार के विषीय तत्वों के प्रभावों का अध्ययन शामिल है। अनेक अध्ययन माडल के रूपमें एंटामोयबा हिस्टोलिटिका का इस्तेमाल करते हुए होस्ट पैरासाइट इंटरएक्शन पर केंद्रित है।

संस्थान के शिक्षण और शोध कार्यक्रमों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से मान्यता मिली है, इन्होने क्रमशः अपने कोसिस्ट (2000–2005) और फिस्ट कार्यक्रमों के अन्तर्गत अनुदान राशि उपलब्ध कराई है। संस्थान को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से भी मान्यता प्राप्त हुई है। इससे अपनी डी.आर.एस. चरण–I (1994–99) और डी.आर.एस. चरण–II (1999–2004) की योजना के तहत संस्थान को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई है। संस्थान के शिक्षकों की शोध गतिविधियों को राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर मान्यता मिली है। इसलिए संस्थान के कई शिक्षकों को राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों और संगठनों से प्रतिष्ठित पुरस्कार एवं अध्येतावृत्तियां प्राप्त हुई हैं। संस्थान के कई शिक्षक केंद्रीय और राज्य सरकारों द्वारा गठित विभिन्न समितियों के सदस्य हैं।

हमारे संस्थान ने अनेक राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठियां आयोजित की हैं। इनका वित्तपोषण सरकार और यूनेस्को जैसे अन्तरराष्ट्रीय संगठनों ने किया है। हमारे शिक्षक अनेक अन्तर–सहयोगात्मक परियोजनाओं, देश–विदेश के संस्थानों, विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों के युवा शिक्षकों के लिए अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने में सलंग्न रहे हैं।

संस्थान की विभिन्न शोध रुचियां हैं, लेकिन शोध के थ्रस्ट एरिया हैं :

- भू–वायुमंडलीय प्रक्रिया
- पर्यावरण प्रदूषण
- पर्यावरण जीव विज्ञान
- पारिस्थितिकी तंत्र प्रक्रिया
- गणितीय प्रतिरूपण।

कृषि उत्पादन और बाजार वैश्वीकरण तथा बढ़ रहे शहरीकरण के द्वारा तेजी से हो रहे आर्थिक विकास के कारण मृदा सूक्ष्म, जीव विज्ञान/रसायनशास्त्र, शहरी पारिस्थितिकी प्राकृतिक विपदा प्रबन्धन, कृषि मौसम विज्ञान जैसे पर्यावरण विज्ञान के क्षेत्रों में शोध कार्य आवश्यक हो गया है। परजीवी जीव विज्ञान और टाक्सिको जीनोमिक्स के अध्ययन से हमें प्रदूषण से फैलने वाले विषैले प्रभावों की जानकारी मिलती है, जोकि वाइब्रेट साइंस के रूप में तेजी से उभर रहा है। शिक्षकों की कई शोध परियोजनाओं का वित्तपोषण कई सरकारी और अन्तर–सरकारी एजेंसियों जैसे – विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, डी.ओ.डी., विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद्, पर्यावरण और वन मंत्रालय, जे. ई.एफ., यूनेस्को तथा कुछ अन्य संगठनों द्वारा किया जाता है। संस्थान में जैव–भू–रसायन और पर्यावरण विधि में 'एनविस' केंद्र भी है, जिसका वित्तपोषण पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा होता है। संस्थान की केंद्रीय यंत्रीकरण सुविधा और वायु प्रदूषण मानिटरिंग मोबाइल प्रयोगशाला संस्थान को मुख्य सहयोग प्रदान करती है। इनके द्वारा शोध गतिविधियों के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकी उपलब्ध होती है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान संस्थान ने कई शैक्षिक गतिविधियों का आयोजन किया शिक्षकों और छात्रों की विशेष उपलब्धियों सहित पूर्ववर्ती उपलब्धियों का विवरण नीचे दिया गया है।

शोध परियोजनाएं

- के.जी. सक्सेना, बायोडाइवर्सिटी कंजरवेशन विदिन द कंटेक्स्ट आफ ट्रेडिशनल नालेज ऐंड इकोसिस्टम रिहैबिलिटेशन, यूनेस्को, नई दिल्ली के सहयोग से मैक आर्थर फाउन्डेशन द्वारा वित्त पोषित।
- के.जी. सक्सेना, ट्रापिकल साइल बायोलाजी ऐंड फर्टिलिटी प्रोग्राम–साउथ एशियन रीजनल नेटवर्क कोआर्डिनेशन, ट्रापिकल साइल बायोलाजी ऐंड फर्टिलिटी इंस्टीट्यूट आफ सी.आई.ए.टी. द्वारा प्रायोजित।
- के.जी. सक्सेना, मैपिंग ऐंड माडलिंग लैण्ड यूजलैण्ड कवर ऐंड वैस्कुलर प्लांट डाइवर्सिटी इन डिहैन्ग–डिबैन्ग बायोस्फेयर रिजर्व, पर्यावरण और वन मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित।
- के.जी. सक्सेना, कंजर्वेशन ऐंड सस्टेनेबल मैनेजमेंट आफ बिलोग्राउन्ड बायोडाइवर्सिटी, जी.ई.एफ./यू.एन.ई.पी./टी.एस.बी. एफ. द्वारा प्रायोजित।
- के.जी. सक्सेना, शिफ्टिंग एग्रीकल्चर, एनवायरनमेंटल कंजर्वेशन ऐंड सस्टेनेबल लिवलीहुड्स; यूनाइटिड नेशंस यूनिवर्सिटी, टोकियो।
- एस. भट्टाचार्य, जिनोम वाइड जीन एक्सप्रेशन एनालिसिस आफ पैथोजेनिक ऐंड नान–पैथोजेनिक स्पेसीज आफ एन्टामोइबा यूजिंग माइक्रोएरेज, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (मार्च 2002–07)।

- एस. भट्टाचार्य, कम्पैरटिव जिनोमिक्स अप्रोच टु आइडेंटिफाई पैथोजेनसिस–रिलेटिड जीन्स इन ई. हिस्टोलिटिका, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (2003–06)।
- एस. भट्टाचार्य, फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन आफ ए रेट्रोट्रांस–पोजेबल एलिमेन्ट इन एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (2005–08)।
- एस. भट्टाचार्य, इंजीनियरिंग द रेट्रोट्रांस्पोजिशन आफ ई.एच.एल.आई.एन.ई./एस.आई.एन.ई. डिराइब्ड रिपोटर्स इन इ. हिस्टोलिटिका, जैवप्रौद्योगिकी विभाग (2006–09)।
- ए.के. अत्री, पी.एल. केमिकल करेक्ट्राइजेशन आफ लोअर ट्रोपोस्फेरिक एइरोसोल लोड द दिल्ली ऐंड इट्स इंप्लिकेशन टु ओजोन फार्मेशन, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (2005–08)।
- ए.के. अत्री, सी.ओ.पी.एल. : डी.एस.टी. – नेशनल फैसिलिटी आफ आई.सी.पी. टु फैसिलिटी आफ आई.सी.पी. टु इन्वेस्टिगेट जिओकेमिस्ट्री आफ एनवायरनमेंट कांस्टीट्यूएन्ट्स, प्रो. वी. राजमणि, पर्यावरण विज्ञान संस्थान, जेएनयू।
- वी. सुब्रामणियन, संस्थान परियोजना यू.जी.सी.–डी.आर.एस. फेज–2, मार्च 2006 में समाप्त।
- वी. सुब्रामणियन, परियोजना शुरू – पी.आर.ओ.बी.ई., डी.एस.टी.ए., नवम्बर, 2005।
- वी. सुब्रामणियन, एनविस. (एम.ओ.ई.एफ.) एस.ई.एस. परियोजना, 1994 से अब तक।
- वी. सुब्रामणियन, उप्पसला लाइनस–पान परियोजना, मार्च 2006.
- ए.एल. रामनाथन, इम्पैक्ट आफ लैण्डफिल्ड साइट्स आन द सर्फेस ऐंड ग्राउन्डवाटर कवालिटी विद पार्टिकुलर रिफ्रेन्स टु हैवी मेट्ल्स इन दिल्ली रीजन, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली (2004–06)।
- ए.एल. रामनाथन, इम्पैक्ट आफ सर्फेस वाटर आन ग्राउन्डवाटर क्वालिटी इन द यमुना रीवर रीजन आफ दिल्ली–माडलिंग अप्रोच, जेएनयू और आई.आई.टी., दिल्ली, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, (2004 – मई, 06)
- ए.एल. रामनाथन, एन्थ्रोपोजेनिक इम्पैक्ट आन द बायोजिओकेमिस्ट्री आफ पिछवारम मैंग्रोव्स, एस.ई. कोस्ट आफ इण्डिया, स्टाकहोम विश्वविद्यालय और जेएनयू नई दिल्ली, फोरमास, स्वीडन, (2005 से मई 2006)।
- ए.एल. रामनाथन, स्टडी आफ इम्पैक्ट आफ सुनामी आन द कोस्टल सर्फेस ऐंड ग्राउन्ड वाटर्स, क्वालिटी ऐंड सेडिमेंट करेक्ट्राइजेशन फ्राम कुड्डालोर टु पोर्टोनोवो, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, (2005–06)।
- ए.एल. रामनाथन, सुनामी इम्पैक्ट आन द कोस्टल सर्फेस ऐंड वाटर रिसोर्सिस इन इण्डिया, पर्यावरण विज्ञान संस्थान, जेएनयू और आई.आई.टी. दिल्ली, यूनेस्को, नई दिल्ली, (2005–06)।
- ए.एल. रामनाथन, बायोजिओकेमिस्ट्री आफ द पिछवारम मैंग्रोव्स, एस.ई. कोस्ट आफ इण्डिया, (2003–05) जेएनयू प्रथम चरण पूरा हो चुका है। पिछले कार्य के आधार पर दूसरे चरण 2006–07 के लिए अनुदान मंजूर/आबंटित किया गया है, आई. एफ.एस. (स्वीडन) युवा वैज्ञानिक परियोजना।
- ए.एल. रामनाथन, (डी.एस.टी.–आई.एल.टी.पी.), सबसर्फेस ग्राउन्डवाटर डिस्चार्ज/फ्लक्स टु कोस्टल एक्विफर्स ऐंड मैनेजमेंट आफ कोस्टल एक्विफर्स इन इण्डिया ऐंड रशिया, डी.एस.टी.–इण्डो रशियन प्रोजेक्ट, मार्च 2006 से 2008.
- एस. मुखर्जी, सन अर्थ जिओफिजिकल ऐंड हेलिओफिजिकल चेंजिज इंफ्लुएन्स द एनवायरनमेंट आफ द अर्थ' नासा (यू.एस. ए.) – ई.एस.ए. (इटली), 1998–2007.

- एस. मुखर्जी, रेस्टोरेशन आफ इकोसिस्टम इन डेन्सली पाप्यूलेटिड एरियाज आफ यू.के. ऐंड इण्डिया फार ग्राउन्ड वाटर एक्सप्लोरेशन ऐंड आर्टिफिशियल रिचार्ज थ्रू सैटेलाइट रिमोट सेंसिंग, यूरोपीयन स्पेस एजेन्सी (इटली), इण्डो यू.के. की संयुक्त परियोजना, 2004–07.
- एस. मुखर्जी, इंटरप्रिटेशन आफ आई.आर.एस. सैटेलाइट डाटा टु इण्टर लैण्ड यूज आफ पंजाब ऐंड राजस्थान डिफेन्स टैरेन रिसर्च लैबोरेट्री, गवर्नमेंन्ट आफ इण्डिया, 2005–08.
- एस. मुखर्जी, डिलिनिएशन आफ थीमेटिक लैयर्स यूजिंग आई.आर.एस.–1डी.–एल.आई.एस.एस.–III सैटेलाइट डाटा फार दिल्ली, पंजाब, एम.पी., बिहार ऐंड डब्ल्यू.बी.एन.आई.सी. सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 2005–06.
- एस. मुखर्जी, रूफटाप रेनवाटर हार्वेस्टिंग, चैक डैम्स ऐंड न्यू साइट्स फार ग्राउन्डवाटर एक्सप्लोरेश्यान इन जेएनयू कैम्पस, यू.पी.ओ.ई., यू.जी.सी. 2005–06.
- एस. मुखर्जी, एस्टिमेशन आफ काटन ग्रोविंग एरियाज ऐंड यील्ड इन भटिण्डा डिस्ट्रिक्ट ऐंड एडज्वाइनिंग एरिया आफ पंजाब बाई यूजिंग मल्टि–स्पैक्ट्रल सैटेलाइट डाटा ऐंड ग्राउन्डवाटर आप्टिमाइजेशन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 2006–08.
- पी.एस. खिलारे, स्पेशल ऐंड टेम्पोरल डिस्ट्रिब्युशन आफ पालिसाइक्लिक एरोमेटिक हाइड्रोकार्बन्स (पी.ए.एच.एस.) इन रेस्पाइरेबल सस्पेंडिड पार्टिकुलर मैटर (आर.एस.पी.एम.) आफ दिल्ली, जुलाई 2005.
- आई.एस. ठाकुर, आप्टिमाइजेशन आफ प्रोसिस पैरामीटर्स फार अपस्केलिंग आफ टैनरी इफ्लुएन्ट, ट्रीटमेंट बाई माइक्रोआर्गेनिज्म, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, अप्रैल 2004 – मार्च 2007.
- आई.एस. ठाकुर, मोलिकुलर करेक्ट्राइजेशन आफ पेंटाक्लोरोफिनोल – डिग्रेडेशन बैक्टेरियल कंसोरिटम फार ट्रीटमेंट आफ क्लोरिनेटिड फिनोल्स इन इंडस्ट्रियल इफ्लुएन्ट, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, मार्च 2005 – फरवरी 2008.
- आई.एस. ठाकुर, माइक्रोबाअल एनेइरोबिक ऐंड एरोबिक प्रोसिस आप्टिमाइजेशन फार बायोडिग्रेडेशन ऐंड बायोकंजर्वेशन आफ डिस्टिलरी एफ्लुएन्ट, यू.पी.ओ.ई. नवम्बर 2005 – मार्च 2007.
- कृष्ण कुमार, एकाउस्टिक सिग्नेचर्स आफ वेजिटेशन : रोल इन ट्रेफिक नाइज अटेन्युंएशन, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित।

राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों/बैठकों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

- वी.के. जैन और अमित प्रकाश ने 7 से 8 अप्रैल, 2005 तक जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित एनवायरमेंट ऐंड डिवलपमेंट : डिवलपिंग कंट्रीज पर्सपेक्टिव्स, विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'ए स्टडी आन करेक्ट्राइजेशन आफ विन्टर फोग इन दिल्ली' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वी.के. जैन, के. जौट और अमित प्रकाश ने एनवायरनमेंट ऐंड डिवलपमेंट विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'स्टेटिस्टिकल स्ट्रक्चर्स इन द ट्रेफिक नाइज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वी.के. गुप्ता, एस. गुप्ता और ए. श्रीवास्तव ने 13 से 16 दिसम्बर, 2005 तक मुम्बई में 'ए स्टडी आफ साइज डिस्ट्रिब्युशन आफ सस्पेंडिड पार्टिकुलेट मैटर फ्राम कम्बस्टियन आफ कुकिंग फ्युल्स इन इनडोर एनवायरनमेंट' विषयक एशियन एअरोसेल सम्मेलन की कार्यवाही में भाग लिया।

- के.जी. सक्सेना ने 11 से 16 अप्रैल, 2006 तक मानस, ब्राजील में आयेजित 'कंजर्वेशन ऐंड सस्टेनेबल मैनेजमेंट आफ बिलोग्राउन्ड बायोडिवर्सिटी' विषयक अन्तरर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- के.जी. सक्सेना ने 21 से 25 दिसम्बर, 2005 तक 'शिफ्टिंग एग्रीकल्चर इन माउन्टेन मेनलैण्ड आफ साउथ–ईस्ट एशिया' विषयक अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- एस. भट्टाचार्य ने 7 से 10 नवम्बर, 2005 तक सी.डी.आर. लखनऊ में 'द रेट्रोट्रांस्पोसोन्स आफ एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका : इंटिग्रेशन साइट पालिमार्फिज्म ऐंड सब्सट्रेक्ट रिक्वायरमेंट आफ एलिमेन्ट इंकोडिड इन्डोन्युक्लीज' विषयक सोसायटी आफ बायोलाजिकल केमिस्ट्स (इण्डिया) की 74वीं वार्षिक बैठक में भाग लिया।
- एस. भट्टाचार्य ने 22 से 23 नवम्बर, 2005 तक जे.एन.यू. और सिडनी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'रिसेन्ट ट्रेन्ड्स इन एनवायरनमेंटल साइंसिस' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'डिवलपमेंट आफ ट्रांस्पोसोन बेस्ड डी.एन.ए. प्रोब्स फार आइडेंटिफिकेशन आफ पैथोजेनिक एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका स्ट्रेन्स फ्राम पेशन्ट सैम्पल्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. भट्टाचार्य ने 19 से 20 जनवरी, 2006 तक आणविक चिकित्सा–शास्त्र विशेष केन्द्र, जेएनयू में आयोजित 'फ्रंटियर्स इन मोलिकुलर मैडिसिन' विषयक तीसरी संगोष्ठी में भाग लिया।
- ए.के. अत्री, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू, 2005–06
- जे.डी. शर्मा ने 18 से 21 सितम्बर, 2005 तक बोलोगना, इटली में आयोजित 'फ्रेमिंग द फ्युचर इन द लाइट आफ द पास्ट : लिविंग इन ए केमिकल वर्ल्ड' विषयक अन्तरराष्ट्रीय बैठक में भाग लिया तथा 'मानिटरिंग आफ एस.ओ.–2, विद द फ्युअल प्रोडक्शन और आक्युपेशनल हैल्थ इफैक्ट्स आफ हाई एनर्जी कंजप्शन विद एविएशन फ्युअल' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जे.डी. शर्मा ने 30 जुलाई, 2005 को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में आयोजित 'कामनवैल्थ गेम्स 2010–चैलेंजिस टु स्पोटर्स मेडिसिन' 'आई.एफ.एस.एम. : ए.' सम्मेलन में भाग लिया।
- जे.डी. शर्मा ने 9 से 12 नवम्बर 2005 तक नई दिल्ली में 'द काइनेटिक्स आफ वीओ 2 अपटेक ऐंड वी.सी.ओ. 2 वाशआउट ड्युरिंग वर्क ऐंड रिकवरी : ए साइमल्टेनियस ड्युअल मेजरमेंट आफ फिजिकल वर्क एफिसिएन्सी' विषयक स्पोर्ट्स मेडकान, आई.एफ.एस.एम. : ए. नाटा स्पोर्ट्स मेडिसिन कांग्रेस में भाग लिया।
- ए.एल. रामनाथन ने 2005 में कोलम्बो, श्रीलंका में 'रीवर कोस्टल एनवायरनमेंट इंटरएक्शन' विषयक एल.ओ.आई.सी.जेड. की बैठक में भाग लिया।
- ए.एल. रामनाथन ने 2005 में सिंगापुर में आयोजित 'सुनामी इम्पैक्ट आन कोस्टल ग्राउन्ड वाटर्स आफ इण्डिया' विषयक ए.ओ.जी.एस. सम्मेलन में भाग लिया।
- ए.एल. रामनाथन ने 2005 में आई.एफ.एस., स्वीडन द्वारा नामित 'न्युट्रिएन्ट साइक्लिंग इन द पिछवारम मैंग्रोव' विषयक मलेशियन साइंस कांग्रेस में भाग लिया।
- ए.एल. रामनाथन ने 2005 में बेटन, रूज, फ्लोरिडा में आयोजित 'वेटलैण्ड बायोजिओकैमिस्ट्री' विषयक 9वीं अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'सीजनल नाइट्रोजन डायनेमिक्स इन द पिछवारम मैंग्रोव इकोसिस्टम, इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.एल. रामनाथन ने 23 से 27 मई, 2005 तक न्यू ओरलिअन्स, लुइसिआना, यू.एस.ए. में आयोजित 'ड्राइविंग फोर्सिस बिहाइन्ड द आग्रेनिक मैटर ऐंड न्युट्रिएन्ट डायनेमिक्स इन द इण्डियन मैंग्रोव इकोसिस्टम, साउथ–ईस्ट कोस्ट आफ इण्डिया' विषयक 2005 ए.जी.यू. की संयुक्त बैठक में भाग लिया।

- ए.एल. रामनाथन ने जुलाई 2005 में सोसायटी फार इण्डियन ओशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इण्डो–अफ्रीका कोस्टल जोन मैनेजमेंट' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन मं भाग लिया तथा 'स्टेटस आफ कोस्टल मैनेजमेंट इन इण्डिया ऐंड अफ्रीका' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- आई.एस. ठाकुर ने 16 से 18 अप्रैल, 2005 तक दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिण परिसर में आयोजित 'माइक्रोबायोल डायवर्सिटी : करंट पर्सपेक्टिव्स ऐंड पोटेन्शल ऐप्लिकेशंस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

- आई.एस. ठाकुर ने 24 से 26 नवम्बर, 2005 तक अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई में आयोजित सेकण्ड कंवेन्शन–बायोटेक रिसर्च सोसायटी आफ इण्डिया के, 'पाथ टु हैल्थ–बायोटेक्नोलाजी रिवोल्युशन इन इण्डिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।

- आर. पालराज और जे. बिहारी ने 23 से 29 अक्टूबर 2005 तक इंटरनेशनल यूनियन आफ रेडियो साइंस (यू.आर.एस.आई.), नई दिल्ली की 'प्रोटीन काइनेस एक्टिविटी इन रैट्स ब्रेन एक्सपोज्ड टु लो इंटेंसिटी 2.45 जी.एच.जेड. माइक्रोवेव रेडिएशन' विषयक 28वीं आम सभा में भाग लिया।

पुरस्कार / सम्मान / अध्येतावृत्तियां

- कस्तूरी दत्ता और बसन्ती देवी को 2005 के लिए भारतीय चिकित्सा–शास्त्र अनुसंधान परिषद्, भारत सरकार का अमीर चन्द पुरस्कार प्राप्त हुआ।

- ए.एल. रामनाथन को आई.एफ.एस., स्वीडन में यंग साइंटिस्ट पुरस्कार प्राप्त हुआ।

मण्डलों / समितियों की सदस्यता (विश्वविद्यालय से बाहर)

- के.जी. सक्सेना, सदस्य, सलाहकार समिति, एनविस कार्यक्रम, पर्यावरण और वन मंत्रालय, नई दिल्ली; सदस्य, सलाहकार समिति, पारिस्थितिक तंत्र शोध कार्यक्रम, पर्यावरण और वन मंत्रालय, नई दिल्ली और सदस्य, विशेषज्ञ समिति, बायोफार्म प्रोग्राम, डिपार्टमेंट आफ साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली।

- ए.के. अत्री, नामित सदस्य, मानिटरिंग कम इवैल्युएशन कमेटी डी.बी.टी. रिव्यू कमेटी आन जिनेटिक मैनुपुलेशन (आर.सी.जी.एम.) और अनुवीक्षण और मूल्यांकन समिति (एम.ई.सी.); सदस्य, विशेषज्ञ समिति, स्कूल आफ हैल्थ साइंसिस इग्नू में हैल्थ ऐंड एनवायरनमेंट में सर्टिफिकेट प्रोग्राम तैयार करने के लिए कोर्स–स्ट्रक्चर; सदस्य, 3 वर्ष के लिए इण्डियन रोड कांग्रेस फार एनवायरनमेंट कमेटी; सदस्य, विशेषज्ञ समिति, बेसिक साइंसिस में कक्षा 10 और 12 के स्कूली बच्चों के लिए एच.आर.डी. –के.वी.पी.वाई. छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए गठित पैनल (1996 से सदस्य); सदस्य, ओपन स्कूल के सेकन्ड्री कोर्स के लिए एनवायरनमेंटल साइंसिस में कोर्स स्ट्रक्चर विकसित करने के लिए गठित समिति और सदस्य, विशेषज्ञ समिति, ग्रेजुएट स्तर के पाठ्यक्रम के लिए एनवायरनमेंटल साइंसिस पाठ्यक्रम विकसित करने के लिए नेशन डिजिटल लाइब्रेरी, 2006.

- ए.एल. रामनाथन, सदस्य, इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ हाइड्रोलाजिकल साइंसिस; कार्यपरिषद् के सदस्य, इंटरनेशनल सोसायटी फार ग्राउन्ड वाटर फार सस्टेनेबल डिवलपमेंट और फैलो आफ द ग्लासिकोलाजी सोसायटी,

- आई.एस. ठाकुर, फैलो, बायोटेक रिसर्च सोसायटी आफ इण्डिया।

अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान

वर्ष 1955 में स्थापित अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान विश्वविद्यालय का सबसे पुराना संस्थान है। शैक्षिक वर्ष 2005–2006 में संस्थान का ऐतिहासिक पुनर्गठन किया गया। पिछले 51 वर्षों से अन्तरराष्ट्रीय संबंधों और क्षेत्रीय अध्ययन के शिक्षण एवं शोध में संलग्न इस संस्थान ने अपने को पूरे देश में एक अग्रणी संस्थान के रूप में स्थापित किया है।

संस्थान ने भारत में अन्तरराष्ट्रीय संबंधों के अध्ययन को एक शैक्षिक विषय के रूप में विकसित करने और अन्तरराष्ट्रीय मामलों के ज्ञान और समझ को एक अन्तर–विषयक परिप्रेक्ष्य में उन्नत करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यह संस्थान पूरे देश में 'क्षेत्रीय अध्ययन' को प्रोत्साहित करने और विश्व के विभिन्न देशों एवं क्षेत्रों के बारे में विशेष जानकारी विकसित करने वाला भी पहला संस्थान है। संस्थान ने उच्च अध्ययन केंद्र के रूप में अन्तरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की है।

लम्बे समय तक संस्थान के शैक्षिक कार्यक्रम केवल शोध पर आधारित रहे और संस्थान केवल पी–एच.डी उपाधि प्रदान करता रहा। संस्थान के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से जुड़ने के शीघ्र बाद ही वर्ष 1971–72 में एम.फिल. पाठ्यक्रम शुरू किया गया। वर्ष 1973–74 में संस्थान ने दो वर्षीय एम.ए. (राजनीति : अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन) पाठ्यक्रम शुरू किया। बहुत बाद में वर्ष 1995–96 में संस्थान के राजनय, अन्तरराष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र अध्ययन केंद्र के अर्थशास्त्र प्रभाग द्वारा अर्थशास्त्र में एक नया और अद्वितीय एम.ए. (विश्व अर्थशास्त्र में विशेषीकृत के साथ) पाठ्यक्रम शुरू किया गया। वर्ष के दौरान संस्थान द्वारा पुनर्गठन अध्ययन किया गया। अध्ययन मण्डल की सिफारिशें विश्वविद्यालय को भेजी गईं। इन सिफारिशों में मुख्य रूप से शामिल था – रा.अ.वि.अ.अ.के. को दो केंद्रों – अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केंद्र और अन्तरराष्ट्रीय विधि अध्ययन केन्द्र में बांटना तथा राजनय अध्ययन भाग को अन्तरराष्ट्रीय राजनीति, संगठन एवं निरस्त्रीकरण केंद्र में शामिल करना। यूरोपीय केंद्र के नाम से एक नए केंद्र का गठन भी किया गया, जिसमें पश्चिमी यूरोपीय और पूर्वी यूरोपीय के वर्तमान प्रभागों को शामिल किया गया। नए केन्द्रों ने अपना कार्य कुछ महत्वपूर्ण घटनाओं से शुरू किया। यूरोपीय अध्ययन केन्द्र ने इटली के पूर्व प्रधानमंत्री और नीदरलैण्ड के वर्तमान प्रधानमंत्री के व्याख्यानों का आयोजन किया। नीदरलैण्ड के प्रधानमंत्री ने केन्द्र को इसकी गतिविधियों में सहायता करने हेतु 50,000/– यूरो प्रदान किए। अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनामिक्स के साथ मिलकर "एचिविंग द मिलेनियम डिवलपमेंट गुड्स" और सामाजिक विज्ञान संस्थान के साथ मिलकर "गवर्नेंस" विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठियाँ आयोजित कीं। अन्तरराष्ट्रीय विधि अध्ययन केन्द्र ने भी "राइट्स ऑफ ट्राइबल्स" और "ह्यूमन राइस इन द ग्लोबल इकोनामी" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ आयोजित कीं।

हमारे एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों के अनेक छात्र विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अध्येतावृत्ति प्राप्त करने के लिए लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करते हैं। इसके अतिरिक्त, सभी राज्य सरकारों ने एक–एक अध्येतावृत्ति (कुछ मामलों में एक से अधिक) संबंधित राज्यों के 'निवासी' होने की शर्तों को पूरा करने वाले छात्रों के लिए शुरू की है। 31 मार्च, 2006 की स्थिति के अनुसार संस्थान ने 673 शोधार्थियों को पी–एच.डी. और 2026 को एम.फिल. डिग्री प्रदान की है।

हाल ही के वर्षों में संस्थान में कई चेयरों की स्थापना हुई है। ये चेयर हैं – अप्पादुरई चेयर, नेल्सन मंडेला चेयर, भारतीय स्टेट बैंक चेयर, राजीव गाँधी चेयर और पर्यावरण विधि एवं अन्तरिक्ष विधि में चेयर। संस्थान के शिक्षकों ने अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन में ज्ञान के विकास एवं प्रसार के लिए न केवल अपने शिक्षण एवं शोध मार्गदर्शन के माध्यम से सहयोग किया, अपितु अन्तरराष्ट्रीय स्तर की पुस्तकें तथा शोध आलेख भी प्रकाशित कराए।

संस्थान प्रत्येक वर्ष समसामयिक अन्तरराष्ट्रीय संबंधों से जुड़े विषयों पर एक व्याख्यानमाला का भी आयोजन करता है। फरवरी 1989 में विद्या परिषद द्वारा लिए गए एक निर्णय के अनुसार यह व्याख्यानमाला "अन्तरराष्ट्रीय संबंधों पर पं. हृदयनाथ कुंजरू स्मारक (विस्तार)" के रूप में जानी जाती है। एशिया पब्लिशिंग हाउस, मुम्बई द्वारा वित्तपोषित वृत्तिदान के तहत महान कवयित्री और

देशभक्त सरोजनी नायडु की स्मृति में एक व्याख्यानमाला आयोजित की जाती है। इसमें प्रतिष्ठित विद्वान या राजनेताओं को व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

संस्थान 'इंटरनेशनल स्टडीज' नामक एक त्रैमासिक पत्रिका का प्रकाशन कर रहा है। जुलाई 1959 से प्रकाशित हो रही इस पत्रिका ने एक प्रमुख भारतीय शैक्षणिक पत्रिका के रूप में अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त की है। इसमें अन्तरराष्ट्रीय सम्बन्धों तथा क्षेत्रीय अध्ययनों से संबंधित समसामयिक समस्याओं पर तथा मामलों पर लिखे मौलिक शोध आलेख प्रकाशित किए जाते हैं।

एक संदर्भ पत्रिका होने के कारण इसमें न केवल संस्थान के शिक्षकों तथा अन्य भारतीय विश्वविद्यालयों/शोध संस्थानों के शिक्षकों अपितु विश्व भर के विद्वानों के आलेख प्रकाशित होते हैं।

संस्थान द्वारा निम्नलिखित एम.फिल./पी–एच.डी. अध्ययन पाठ्यक्रम चलाए जाते है :

i) अमरीकी अध्ययन
ii) लैटिन अमरीकी अध्ययन
iii) कनाडियन अध्ययन
iv) यूरोपीय अध्ययन
v) अन्तरराष्ट्रीय विधि अध्ययन
vi) अन्तरराष्ट्रीय व्यापार एवं विकास
vii) चीनी अध्ययन
viii) जापानी और कोरियाई अध्ययन
ix) अन्तरराष्ट्रीय राजनीति
x) अन्तरराष्ट्रीय संगठन
xi) राजनयिक अध्ययन
xii) निरस्त्रीकरण अध्ययन
xiii) राजनीतिक भूगोल
xiv) रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन
xv) दक्षिण एशियाई अध्ययन
xvi) दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन
xvii) मध्य एशियाई अध्ययन
xviii) पश्चिमी एशियाई और उत्तरी अफ्रीकी अध्ययन
xix) सब–सहारीय अफ्रीकी अध्ययन।

एम.ए. राजनीतिशास्त्र (अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन)

संस्थान में एम.ए. राजनीतिशास्त्र (अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन) पाठ्यक्रम शैक्षिक वर्ष 1973–74 में शुरू किया गया था। इस पाठ्यक्रम को शुरू करने की मांग काफी समय से की जा रही थी। इस पाठ्यक्रम में राजनीतिशास्त्र के मुख्य विषयों के अतिरिक्त अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन से संबंधित मुख्य कोर्सों के साथ विषयपरक तथा क्षेत्रीय अध्ययन पर आधारित बहुत से ऐच्छिक कोर्स चलाए जाते हैं। यह विश्वविद्यालय का सर्वाधिक लोकप्रिय तथा विस्तृत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम है। फिलहाल इसमें 69 सीटें हैं।

एम.ए. अर्थशास्त्र (विश्व अर्थव्यवस्था में विशेषीकृत के साथ)

यह पाठ्यक्रम अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र द्वारा चलाया जाता है। इस अध्ययन पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र की रूप–रेखा में दिया गया है।

कनाडियन, यू.एस. और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र

केन्द्र द्वारा आयोजित संगोष्ठियां/सम्मेलन :

- राजदूत ललित मानसिंह ने 25 अगस्त 2005 को "इण्डो–यू.एस. रिलेशंस : करंट पर्सपेक्टिव्स' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डॉ. अमितेंदु पालित (सह आर्थिक सलाहकार), वित्त मंत्रालय, भारत सरकार ने 1 सितम्बर, 2005 को 'इकोनामिक्स बिहाइंड द इंप्रूव्ड इण्डो–यू.एस. रिलेशंस' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रोफेसर भरत करनाड, नीति अनुसंधान केन्द्र ने 8 सितम्बर 2005 को 'इण्डो–यू.एस. रिलेशंस ऐंड न्यूक्लियर डील' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डॉ. परामा पालित, सेंटर फॉर स्ट्रेटिजिक स्टडीज ऐंड सिम्यूलेशन, यू.एस.आई., नई दिल्ली ने 22 सितम्बर, 2005 को 'इण्डो–यू. एस. डिफेंस कॉपरेशन' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डॉ. मनमोहन अग्रवाल, डीन, अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू ने 29 सितम्बर, 2005 को 'क्रिटिकल इश्यूज इन इण्डो–यू. एस. ट्रेड रिलेशंस' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- रॉबर्ट ओ. ब्लेक, डिप्टी चीफ ऑफ मिशन, मिनिस्टर काउंसलर, यूएस दूतावास ने 13 अक्टूबर 2005 को 'यूएस–इंडिया रिलेशंस : करंट पर्सपेक्टिव' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- राजदूत हमीद अंसारी और प्रो. सी. राजामोहन ने 9 नवम्बर 2005 को 'इण्डो–यूएस रिलेशंस : ईरान फैक्टर' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

अमरीकी अध्ययन कार्यक्रम में आए अतिथि

- श्री गुइलरमों पुइन्ते आर्डोरिका, एम्बेसी ऑफ मैक्सिको, नई दिल्ली, 16 फरवरी, 2006.
- प्रो. कार्लोस मांटेमेयर, प्रोफेसर इमेरीटस, मैक्सिको यूनिवर्सिटी, 13 फरवरी, 2006.

यूरोपीय अध्ययन केन्द्र

यूरोपीय अध्ययन केन्द्र अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में स्थित है, यह बहुविषयात्मक विभाग है, जिसका मुख्य उद्देश्य शिक्षण शोध को बढ़ाना और यूरोप तथा इण्डो–यूरोपीयन संबंधों में समझ को बढ़ाना है।

अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान में यह एक नया केन्द्र है, जिसने वर्ष 2005 में कार्य करना शुरू किया है। पूर्वी यूरोप में समाजवादी व्यवस्था का पतन और यूरोपीय एकता की चल रही प्रक्रिया जैसे द्रुत विकास के संदर्भ में कोई औचित्य नहीं रह गया कि यूरोप का अलग–अलग भागों में अध्ययन किया जाए।

यद्यपि, केन्द्र नया है फिर भी अनुभवी शिक्षकों की विशेषता का लाभ उठा रहा है। अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान में पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन कार्यक्रम एशिया में सबसे पुराने केन्द्रों में से एक था जो समकालीन यूरोप के बारे में उच्च शिक्षण और शोध कार्यक्रम चलाता था। उसी तरह, पूर्वी अध्ययन कार्यक्रम संस्थान में चार दशक पूर्व अस्तित्व में आया। भौगोलिक–राजनैतिक बदलावों के कारण इस कार्यक्रम में चार विभिन्न नामों से कार्य किया। पचास के दसक के अन्त और साठ के दसक के दौरान अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान में यह अन्तरराष्ट्रीय राजनीति और राष्ट्रमण्डल अध्ययन कार्यक्रम का भाग था। छठे दसक के अन्त में यह रूसी और पूर्वी

यूरोपीय अध्ययन केन्द्र का भाग बन गया। वर्ष 1975 में इसने सोवियत और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केन्द्र विषयक बड़े केन्द्र में कार्य करना शुरू किया। सोवियत विखण्डन से नवीनतम पुनर्गठन तक इसने रूसी, मध्य एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केन्द्र के अन्तर्गत कार्य किया। प्रभाग में समाजवादी पद्धति के अन्तर्गत पूर्वी यूरोपीय देशों के बारे में अध्ययन की भूमिका बदल रही है ताकि लोकतांत्रिक समाजों और बाजार अर्थव्यवस्थाओं के बारे में क्षेत्र की मूलभूत आर्थिक और राजनीतिक बनावटों को समझा जा सके।

अपने वर्तमान मिशन को पूरा करने के लिए केन्द्र ने यूरोप और यूरोपीय संघ दोनों पर नए कोर्स तैयार किए हैं। एम.फिल. स्तर पर छात्रों के लिए 'यूरोपियन इकोनामिक इंटीग्रेशन, यूरोपियन सिक्योरिटी, ई.यू. इन वर्ल्ड पॉलिटिक्स, आइडेंटिटी इश्यूज इन यूरोप और पॉलिटिक्स ऐंड सोसाइटी इन सेंट्रल ऐंड ईस्टर्न यूरोप आदि पर पहले ही कोर्स चलाए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, क्षेत्र अध्ययन कार्यक्रमों में भाषा प्रवीणता की आवश्यकता को पहचानते हुए केन्द्र जर्मन भाषा में दो सत्र का अनिवार्य कोर्स चला रहा है। यह जल्दी ही फ्रेंच भाषा में एक अन्य कोर्स शुरू करने की योजना बना रहा है। केन्द्र द्वारा शोध प्रणाली–विज्ञान/वर्गीकरण पर अन्य अनिवार्य कोर्स चलाया जा रहा है। केन्द्र के शिक्षक संस्थान के एम.ए. कार्यक्रम चलाने में भी भाग लेते हैं। वे एम.ए. स्तर पर यूरोपीय संघ, जर्मन विदेश नीति और चयनित पूर्वी यूरोपीय देशों की राजनीतिक प्रणाली पर कोर्स चलाते हैं। केन्द्र की आने वाले वर्षों में नए एम.ए. कोर्स चलाने की भी योजना है।

भारत में यूरोपीय अध्ययन की बढ़ती उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने यूरोपीय अध्ययन केन्द्र को क्षेत्र अध्ययन कार्यक्रम (वर्तमान में परियोजना मोड के अन्तर्गत) के अन्तर्गत विशेष सहायता देकर यूरोप पर उच्च अध्ययन और शोध केन्द्र के रूप में मान्यता दी है।

अगले कुछ वर्षों में केन्द्र की यूरोप पर कार्य कर रहे विश्वभर के विश्वविद्यालयों, शोध संस्थाओं और विचारकों के साथ मिलकर परियोजना तैयार करने की योजना है। केन्द्र की यूरोप और पहले से विचाराधीन मामलों से संबंधित विषयों पर शैक्षिक सम्मेलन और कार्यशालाएं आयोजित करने की योजना है। केन्द्र यूरोप विषय पर जन व्याख्यान भी प्रायोजित कर रहा है। इसमें यूरोप से विशेषज्ञ वक्ताओं को भी आमंत्रित किया जाएगा। शैक्षिक, राजनैतिक और राजनयिक क्षेत्र के कई ख्यातिप्राप्त वक्ताओं ने 'यूरोप' पर पहले ही व्याख्यान दिए हैं।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान शुरू किए गए नए कोर्स

- पॉलिटिक्स ऐंड सोसाइटी इन सेन्ट्रल ऐंड ईस्टर्न यूरोप : प्रो. शशिकांत झा द्वारा शुरू किया गया और पढ़ाया गया एम.फिल. स्तर का कोर्स।
- यूरोपियन इकोनामिक इंटीग्रेशन : डॉ. गुलशन सचदेवा द्वारा शुरू किया गया एम.फिल. स्तर का कोर्स।
- इश्यूज इन यूरोपियन सिक्यूरिटी : डॉ. उम्मु सल्मा बावा द्वारा शुरू किया गया एम.फिल. स्तर का कोर्स।
- आईडेंटिटी इश्यूज इन यूरोप : डॉ. भासवती सरकार द्वारा शुरू गया एम.फिल. स्तर का कोर्स।
- जर्मन लैंग्वेज : केन्द्र में अतिथि शिक्षक श्री निशांत के. नारायणन द्वारा शुरू किया गया एम.फिल. दो–सत्र का कोर्स।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केन्द्र द्वारा आयोजित संगोष्ठियाँ/सम्मेलन :

- प्रोफेसर पी.जी. फ्लेसास ने 27 सितम्बर, 2005 को 'द यूरोपियन कांस्टीट्यूशन ऐंड द फ्यूचर आफ यूरोपियन इंटीग्रेशन' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. गियुलियानो अमातो, पूर्व प्रधानमंत्री, इटली ने 17 जनवरी, 2006 को 'द ई यू एट ट्वेंटी फाइव ऐंड मोर : ए मेजर वर्ल्ड प्लेयर ऐंड इंडिया' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

- महामहिम डॉ. जान पीटर बालकेणेडे, प्रधानमंत्री, नीदरलैण्ड, ने 20 जनवरी, 2006 को 'द यूरोपियन यूनियन ऐंड इंडिया : यूनिटी इन डाइवर्सिटी' विषयक विशेष व्याख्यान दिया।
- प्रो. हार्टमुट एलसनहांस, इंस्टीट्यूट फार पॉलिटीकल साइंसेज, लीपजिग यूनिवर्सिटी, जर्मनी ने 24 जनवरी 2006 को 'रिएलिज्म ऐंड आइडियालिज्म इन यूरोप'स रोल इन वर्ल्ड पॉलिटिक्स' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. कलमान देजसेरी, सीनियर फेलो, इंस्टीट्यूट आफ वर्ल्ड इकोनामिक्स, बुडापेस्ट ने 8 फरवरी 2006 को 'करंट इश्यूज इन यूरोपियन इंटीग्रेशन' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डॉ. फ्रेजर केमरॉन, सीनियर एडवाइजर, यूरोपियन पॉलिसी सेंटर, ब्रुसेल्स ने 14 फरवरी 2006 को 'द ई यू : द नेक्स्ट सुपर पावर' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- 23–24 मार्च 2006 को 'इंडिया ऐंड द यूरोपियन यूनियन' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।

अन्तरराष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केन्द्र

अन्तरराष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केन्द्र में भिन्न–भिन्न परन्तु परस्पर सम्बद्ध पाँच प्रभाग हैं :

- अन्तरराष्ट्रीय राजनीति
- अन्तरराष्ट्रीय संगठन
- निररस्त्रीकरण अध्ययन
- राजनीतिक भूगोल
- राजनयिक अध्ययन

केन्द्र का उद्गम, वर्ष 1955 में स्थापित इंडियन स्कूल आफ इंटरनेशनल स्टडीज से खोजा जा सकता है। केन्द्र मूलरूप से आईएसआईएस के दो अलग–अलग विभागों के रूप में अस्तित्व में आया। इसमें अन्तरराष्ट्रीय संबंध और राष्ट्रमण्डल से संबंधित अध्ययन होता था। जब वर्ष 1970 में आईएसआईएस को नए स्थापित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के साथ मिलाया गया तो उस समय विद्यमान अन्तरराष्ट्रीय संबंध राष्ट्रमण्डल विभाग में से अन्तरराष्ट्रीय राजनीति और संगठन का सृजन किया गया। केन्द्र में उस समय अन्तरराष्ट्रीय संबंध के तीन भिन्न–भिन्न लेकिन परस्पर गहन रूप से सम्बद्ध पहलुओं – अन्तरराष्ट्रीय राजनीति, अन्तरराष्ट्रीय संगठन और निरस्त्रीकरण को शामिल किया गया है। संबंधित शोध और शिक्षण क्षेत्रों पर प्रकाश डालते हुए और विशेषज्ञ शिक्षकों को नियुक्त करते हुए इनमें से प्रत्येक पहलू को पृथक शैक्षिक पाठ्यक्रम के साथ प्रभाग के रूप में शामिल किया गया है। फिर भी, प्रभाग–वार गठन करके अन्तरराष्ट्रीय संबंधों के विस्तृत क्षेत्र में अन्तर विषयक दृष्टिकोण की जानकारी हेतु पहचान बनाना था। यह विचारणीय है कि केन्द्र के तीन मूल प्रभाग, जिनमें से दो – अन्तरराष्ट्रीय संगठन और निरस्त्रीकरण – पूर्ण रूप से नए थे और आज विश्वविद्यालय में ये विरले हैं। इसके तुरंत बाद, केन्द्र में राजनीतिक भूगोल पर एक अलग प्रभाग भी सृजित किया गया। अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान के वर्ष 2005 में किए गए पुनर्गठन में एक नए प्रभाग – राजनयिक अध्ययन (जो पहले अन्य केन्द्र का भाग था) – को अन्तरराष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केन्द्र के साथ मिलाया गया। राजनयिक अध्ययन प्रभाग, वर्ष 1970 में अपनी स्थापना से राजनयिक में ऐतिहासिक और समसामाजिक मुद्दों पर शिक्षण और शोध कार्यक्रम चला रहा है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केन्द्र द्वारा शुरू किए गए नए कोर्स (नियमित)

- इंट्रोडक्शन टु वर्ल्ड पॉलिटिक्स (10 201) : डॉ. राजेश राजागोपालन, एसोसिएट प्रोफेसर (अन्तरराष्ट्रीय राजनीति) द्वारा शुरू किया और पढ़ाया गया बी.ए. स्तर का कोर्स (3 क्रेडिट)

- इंट्रोडक्शन टु यूएन सिस्टम (10 202) : डॉ. येशी चोयदन, एसोसिएट प्रोफेसर, अन्तरराष्ट्रीय संगठन, द्वारा शुरू किया गया और पढ़ाया गया बी.ए. स्तर का कोर्स (3 क्रेडिट)
- कंटेम्पोरेरी इश्यूज इन इंटरनेशनल सिक्योरिटी (10 645) : श्री मनीष दाभड़े, सहायक प्रोफेसर, राजनयिक अध्ययन द्वारा शुरू किया गया और पढ़ाया गया एम.फिल. स्तर का कोर्स (3 क्रेडिट)
- एडवांस्ड इंटरनेशनल रिलेशंस थीअरि (10 649) : डॉ. राजेश राजागोपालन, एसोसिएट प्रोफेसर, अन्तरराष्ट्रीय राजनीति द्वारा शुरू किया गया और पढ़ाया गया एम.फिल. स्तर का कोर्स (3 क्रेडिट)

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केन्द्र द्वारा आयोजित संगोष्ठियाँ/सम्मेलन

- डॉ. राहुल मुखर्जी, रा.अ.के., सा.वि.सं., जेएनयू. ने 6 अप्रैल 2005 को 'द इंडियन स्टेट अंडर ग्लोबलाइजेशन : ए रिसर्च एजेंडा' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. एम.वी. नायडु, ब्रेंडन यूनिवर्सिटी, कनाडा ने 13 अप्रैल 2005 को 'डिवलपमेंट, डेमोक्रेसी ऐंड पीस' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- 20 अप्रैल 2005 को श्री नरेन्द्र कुमार त्रिपाठी ने 'द ग्लोबल कंजुमरिस्ट सोसाइटी : 'जेनेसिस, लिमिटेशंस ऐंड इम्पैक्ट आन वर्ल्ड पॉलिटिक्स' विषयक और श्री चन्द्रजीत, डॉक्टरल रिसर्च स्कालर ने 'एस्टेब्लिशमेंट आफ द इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट : इश्यूज आफ कनवर्जेंस ऐंड डाइवर्जेंस' विषयक संगोष्ठियाँ आयोजित की।
- प्रो. टी.वी. पॉल, मैक्गिल यूनिवर्सिटी, मांट्रियल, कनाडा ने 22 जुलाई 2005 को 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड द नेशनल सिक्योरिटी स्टेट' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डॉ. हरीश पंत, यूनिवर्सिटी आफ नाटरडम ने 24 अगस्त, 2005 को 'थीअरि वर्सेज प्रैक्टिस : बीएमडी ऐंड यूएस न्यूक्लियर स्ट्रेटिजी दैन ऐंड नाउ' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डॉ. राजेश राजागोपालन ने 31 अगस्त, 2005 को पुस्तक विमोचन के अवसर पर 'सैकेण्ड स्ट्राइक : आर्गुमेंटस अबाउट न्यूक्लियर वार इन साउथ एशिया' विषयक परिचर्चा में भाग लिया। (परिचर्चा में भाग लेने वाले विद्वान थे : प्रो. वरुण साहनी, अध्यक्ष, अन्तरराष्ट्रीय राजनीति संगठन और निरस्त्रीकरण केन्द्र, अ.अ.सं., ज.ने.वि.), प्रो. भरत करनाड (नीति अनुसंधान केन्द्र) और डॉ. ई. श्रीधरन (यूनिवर्सिटी आफ पेंसिलवानिया, सेंटर फार एडवांस्ड स्टडीज आफ इंडिया)
- श्री डेनियल जोसफ क्यूबा, एलुमनस ने 7 सितम्बर 2005 को 'द पोस्ट 9/11 पॉलिटीकल डिबेट आन एंटी टेरोरिज्म इन इंडिया' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- 14 सितम्बर 2005 को नम्रता गोस्वामी ने 'जस्ट वार थीअरि ऐंड इट्स लिंकेज टु ह्यूमैनिटेरियन इंटरवेंशन : द क्वेश्चन आफ लेजिटीमेसी ऐंड पॉलिसी प्रिसक्रिप्शन' विषयक तथा श्री मदन मोहन, डाक्टरल रिसर्च स्कालर ने 'रिविजिटिंग ह्यूमैनिटेरियन इंटरवेंशन' विषयक संगोष्ठियाँ आयोजित कीं।
- डॉ. पैट्रिक होयनिग, विजिटिंग फेलो, ने 21 दिसम्बर 2005 को 'यूएन पीस कीपिंग इन कांगो' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. पुष्पेश पंत ने 5 अक्टूबर 2005 को 'इमर्जिंग ट्रेंड्स इन कनटेम्पोरेरी डिप्लोमेसी' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डॉ. के.के. मजूमदार, रीडर (भूगोल), दिल्ली विश्वविद्यालय ने 19 अक्टूबर 2005 को 'पॉलिटिक्स आफ बाउंड्रीज : द मैकमोहन लाईन' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

- प्रो. वरूण साहनी ने 9 नवम्बर 2005 को 'इण्डो–यूएस न्यूक्लियर कॉपरेशन : ए ब्रिज टु फार' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डॉ. थॉमस फ्यूज, जर्मन डिवलपमेंट इंस्टीट्यूट, बान ने 16 नवम्बर 2005 को 'आफ्टर द यूएन मिलेनियम + 5 सम्मिट : रिफॉर्म आफ द ग्लोबल गवर्नेंस सिस्टम' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डॉ. डुरवल डे नोरोनहा गोयोज, नोरोनहा एडवोगाडोज, साओ पावलो, ब्राजील ने 23 नवम्बर 2005 को 'वर्ल्ड ट्रेड आर्गेनाइजेशन ऐंड द ग्लोबल साउथ : ए ब्राजीलियन पर्सपेक्टिव' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डॉ. एन्ड्रू ह्यूरेल, फेलो, न्यूफील्ड कॉलेज, आक्सफोर्ड ने 12 जनवरी 2006 को 'पैक्स अमेरिकाना आर द एम्पायर आफ अनसर्टेन्टी ? विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- ब्रिगेडियर गुरमीत कंवल (सेवानिवृत्त) सीनियर फेलो, आब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन, नई दिल्ली ने 1 फरवरी, 2006 को 'डिमिलिट्राइजेशन आफ सियाचीन रिसॉल्विंग द डैडलॉक' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डॉ. जॉर्ज छाबट, प्रोफेसर, सीआईडीई, मेक्सिको सिटी और डॉ. अब्दुल लेमिन, प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी आफ द विटवाटर्सरैण्ड, जोहानसबर्ग ने 15 फरवरी, 2006 को 'इज देयर स्टिल ए थर्ड वर्ल्ड ?' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. यू जिनतियन, प्रेसिडेंट, शंघाई इंस्टीट्यूट फार इंटरनेशनल स्टडीज ने 16 फरवरी, 2006 को 'द पीसफुल राइज आफ चाइना : इट्स मिनिंग ऐंड इंपैक्ट' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- राजदूत एलीसन जे.के. बेल्स, डाइरेक्टर, स्टॉकहाम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट ने 22 फरवरी 2006 को 'द ई यू बिटवीन ईरान ऐंड द यूनाइटेड स्टेट्स' विषयक संगोष्ठी आयोजित की। (सत्र की अध्यक्षता, डॉ. मनोज जोशी, संपादक (व्यूज), द हिंदुस्तान टाइम्स और सदस्य, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड, ने की।
- डॉ. आर.आर. सुब्रामणियन, विजिटिंग प्रोफेसर ने 22 मार्च, 2006 को 'द इण्डो–यूएस न्यूक्लियर डील' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केन्द्र में आए विशेष अतिथि

डॉ. आर.आर. सुब्रमणियन 6 जनवरी 2006 से विजिटिंग प्रोफेसर हैं। समीक्षाधीन अवधि के दौरान आए अन्य अतिथि निम्नलिखित हैं :

- प्रो. एम.वी. नायडु, ब्रैंडन यूनिवर्सिटी कनाडा, 13 अप्रैल 2005
- प्रो. टी.वी. पॉल, मैकगिल यूनिवर्सिटी, मॉंट्रियल, कनाडा, 22 जुलाई 2005 को केन्द्र में आए।
- डॉ. हर्ष पंत, यूनिवर्सिटी आफ नाटरडम, यूएसए, 24 अगस्त 2005.
- प्रो. भरत करनाड, रिसर्च प्रोफेसर, सेंटर फार पॉलिसी रिसर्च, 31 अगस्त 2005 को केन्द्र में आए।
- डॉ. ई. श्रीधरन, यूनिवर्सिटी आफ पेंसिलवानिया सेंटर फॉर द एडवांस्ड स्टडी आफ इंडिया, नई दिल्ली, 31 अगस्त 2005 को केन्द्र में आए।
- डॉ. के.के. मजूमदार, रीडर (भूगोल), दिल्ली विश्वविद्यालय, 19 अक्टूबर, 2005 को केन्द्र में आए।
- डॉ. थॉमस फ्यूज, जर्मन डिवलपमेंट इंस्टीट्यूट, बॉन, जर्मनी, 16 नवम्बर 2005 को केन्द्र में आए।
- डॉ. डुरवल डे नोरोनहा गोयोस, नोरोनहा एडवोगाडोज, साओ पावलो, ब्राजील, 23 नवम्बर 2005 को केन्द्र में आए।

- डॉ. एन्ड्रू ह्यूरेल, फेलो, न्यूफील्ड कॉलेज, आक्सफोर्ड, 12 जनवरी 2006 को केन्द्र में आए।
- ब्रिगेडियर गुरमीत कंवल (सेवा निवृत्त), सीनियर फेलो, आब्जर्बर रिसर्च फाउंडेशन, नई दिल्ली 1 फरवरी, 2006 को केन्द्र में आए।
- डॉ. जॉर्ज छाबट, प्रोफेसर, सीआईडीई, मेक्सिको सिटी, मेक्सिको, 15 फरवरी 2006 को केन्द्र में आए।
- डॉ. अब्दुल लेमिन, प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी आफ विटवाटर्सरैंड, जोहानसबर्ग, दक्षिण अफ्रीका, 15 फरवरी, 2006 को केन्द्र में आए।
- प्रोफेसर यू जिनतियन, प्रेसिडेंट, शंघाई इंस्टीट्यूट फार इंटरनेशनल स्टडीज, चीन, 16 फरवरी, 2006 को केन्द्र में आए।
- राजदूत एलिसन जे.के. बेल्स, डायरेक्टर, स्टाकहॉम इंटरनेशनल पीस रिसर्च हंस्टीट्यूट, स्वीडन, 22 फरवरी, 2006 को केन्द्र में आए।
- डॉ. मनोज जोशी, संपादक (व्यूज), द हिंदुस्तान टाइम्स, 22 फरवरी, 2006 को केन्द्र में आए।

रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केन्द्र ने एम.फिल. छात्रों के लिए निम्नलिखित नए कोर्स शुरू किए :

- पॉलिटिक्स आफ मॉडर्नाइजेशन इन सेंट्रल एशिया – डॉ. फूल बदन।
- फॉरेन पॉलिसी आफ सेंट्रल एशियन स्टेट्स – डॉ. संजय पाण्डेय और डॉ. फूल बदन।

केन्द्र ने 16–17 फरवरी 2006 को 'सीआईएस इनर्जी, सिक्योरिटी ऐंड डिवलपमेंट' विषयक एक दो दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की। इसमें भारतीय विद्वानों के अतिरिक्त पूरे विश्व से विद्वानों ने भाग लिया।

केन्द्र की भविष्य की योजनाएं

- शिक्षक/छात्रों के विनिमय कार्यक्रमों : गोलमेज सम्मेलनों और व्याख्यानों को बढ़ावा देना।
- मध्य एशियाई भाषाएं – तुर्की और फारसी का शिक्षण।
- केन्द्र में काकेशियन – कैस्पियन क्षेत्र अध्ययन कार्यक्रम।
- सिल्क रोड अध्ययन पर बड़ी परियोजना।

अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र

अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र की अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू. में एक स्वतन्त्र केन्द्र के रूप में शुरुआत वर्ष 2005 मे हुई थी। फिर भी, यह केन्द्र आधी शताब्दी से अधिक अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास प्रभाग के रूप में लोकप्रिय ग्रुप के रूप में जाना जाता रहा है। शुरू में यह तत्कालीन भारतीय अन्तरराष्ट्रीय संस्थान का भाग था, जो नए स्थापित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान के रूप में वर्ष 1970 के प्रारंभ में मिला लिया गया।

पिछले 50 वर्षों से अधिक में अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र ने अन्तरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र और विकास में शिक्षण और शोध में अपने लिए जगह बनाई है। शुरू में अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास मुख्यतः एक शोध विभाग था जो कई दशकों से सफलतापूर्वक एम.फिल. और पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चला रहा है। हमारे शोध छात्र भारत और विदेशों में शैक्षिक जगत में पूर्णरूप से स्थापित हैं तथा सरकार और अन्तरराष्ट्रीय संगठनों में उच्च दायित्व वाले पदों पर विराजमान हैं। वर्ष 1995 में हमने भारत के बदलते आर्थिक वातावरण और इसकी विश्व अर्थव्यवस्था के साथ एकरूपता को ध्यान में रखते हुए अर्थशास्त्र में एक नया और

अद्वितीय एम.ए. (विश्व अर्थव्यवस्था में विशेषीकृत के साथ) पाठ्यक्रम शुरू किया। यह कोर्स उभरते वैश्विक मुद्दों जैसे – व्यापार, प्रौद्योगिकी, विकास पर्यावरण, प्राकृतिक संसाधन, वित्त, बैंकिंग, विधि और अर्थशास्त्र को स्पष्ट रूप से ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इस एम.ए. पाठ्यक्रम ने देश में एक बहुत ही सफल तथा एक लोकप्रिय एम.ए. अर्थशास्त्र पाठ्यक्रम के रूप में अपने को सिद्ध किया है। एक दशक से कम में ही हमारे विभाग से एम.ए. छात्रों ने पहले ही अपने आपको शैक्षिक और कार्पोरेट जगत में एक सफल अर्थशास्त्री के रूप में स्थापित करना शुरू कर दिया है।

अर्थशास्त्र व्यापार और विकास केन्द्र शायद देश में पहला अर्थशास्त्र विभाग है जो अन्तरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर विस्तृत रूप से बल देता है। इसके शिक्षण और शोध के थ्रस्ट एरिया में विशेषकर व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, प्राकृतिक संसाधन, वित्त, गरीबी, असमानता और सामाजिक क्षेत्र जैसे क्षेत्र हैं।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान विशेषकर जुलाई 2005 के बाद जब अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र ने एक स्वतन्त्र केन्द्र के रूप में कार्य करना शुरू किया है, केन्द्र सभी क्षेत्रों में शैक्षिक गतिविधियों को समेकित करने में सफल रहा है।

केन्द्र ने वर्ष के दौरान जनवरी 2006 में 'लन्दन स्कूल आफ इकोनामिक्स' के साथ मिलकर 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड द मिलेनियम डिवलपमेंट गोल्स' विषयक उद्घाटन संगोष्ठी (इसमें लॉर्ड मेघनाद देसाई में मुख्य भाषण दिया था) सहित चार महत्वपूर्ण संगोष्ठियाँ और कार्यशालाएं आयोजित कीं।

- 7–8 अप्रैल, 2005 को 'एनवायरनमेंट ऐंड डिवलपमेंट' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया (संयोजक : प्रोफेसर कुसुम डब्ल्यू. केतकर, राजीव गाँधी चेयर, डॉ. मीता कुमार मेहरा और डॉ. संगीता बंसल)
- भारत में वियतनाम दूतावास, अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र और सीआईआई ने संयुक्त रूप से मिलकर 31 अगस्त, 2005 को सीआईआई मुख्यालय, नई दिल्ली में 'इंडिया–वियतनाम इकोनॉमिक रिलेशंस : पोटेंशल्स ऐंड प्रास्पेक्ट्स' विषयक सम्मेलन आयोजित किया।
- केन्द्र ने बुश स्कूल आफ गवर्नमेंट ऐंड पब्लिक सर्विस, यूएसए के सहयोग 4 से 14 जनवरी 2006 तक 'द पॉलिटीकल इकोनॉमी आफ पॉलिसी रिफार्म्स इन इंडिया' विषयक संगोष्ठी आयोजित की (संयोजक : प्रोफेसर अलोकेश बरुआ)।
- केन्द्र ने "ग्लोबलाइजेशन ऐंड द मिलेनियम डिवलपमेंट गोल्स" विषयक अन्तरराष्ट्रीय उद्घाटन संगोष्ठी आयोजित की (संयोजक : प्रोफेसर मनमोहन अग्रवाल और प्रो. ए.एस. रे)।
- केन्द्र ने 9–10 फरवरी 2006 को सामाजिक विज्ञान संस्थान के सहयोग से 'गवर्नेंस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की (संयोजक : प्रोफेसर मनमोहन अग्रवाल, अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र, अ.अ.सं. और प्रो. अंजन मुखर्जी तथा सतीश जैन, आर्थिक अध्ययन और नियोजन केन्द्र, सा.वि.सं.)।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केन्द्र में निम्नलिखित अतिथि विद्वानों ने व्याख्यान दिए :

- प्रोफेसर दीपक लाल, यूनिवर्सिटी आफ कैलिफोर्निया, लॉस एंजल्स।
- प्रोफेसर ए.एल. नागर, अतिथि शिक्षक, अ.व्या. और वि. केन्द्र।
- प्रोफेसर कुसुम डब्ल्यू. केतकर, राजीव गाँधी चेयर, जेएनयू.।
- प्रोफेसर मणिमय सेनगुप्ता, अतिथि प्रोफेसर, अ.व्या. और वि. केन्द्र।
- प्रोफेसर विलिमा वाधवा, अतिथि शिक्षक, अ.व्या. और वि. केन्द्र।
- प्रोफेसर सुभाशीष गंगोपाध्याय, अतिथि, अ.व्या. और वि. केन्द्र।
- प्रोफेसर चेन शेन येन, नेशनल चेंगची यूनिवर्सिटी, ताइपेई।
- डॉ. मोनिका दास, यूनिवर्सिटी आफ कैलिफोर्निया, रिवरसाईड।

केन्द्र के छात्रों की अद्वितीय उपलब्धियाँ रही हैं। इस वर्ष छात्रों ने उच्च अध्ययन और शोध के लिए पूर्ण छात्रवृत्ति के साथ लंदन स्कूल आफ इकोनामिक्स, ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी और अन्य संस्थानों में प्रवेश लिया। वर्तमान में एम.ए. अर्थशास्त्र (विश्व अर्थव्यवस्था) करने वाले छात्रो के बैच को कार्पोरेट, शैक्षिक और मीडिया क्षेत्र में लाभप्रद नौकरियों के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र के शोध छात्रों के इस वर्ष चार या पाँच राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर शोध आलेख प्रकाशित हुए हैं।

अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र छात्रों के उपयोग हेतु एक ही स्थान पर नवीनतम हार्डवेयर और साफ्टवेयर सहित प्रयोगशाला उपलब्ध कराने के लिए अपनी इकोनोमेट्रिक प्रयोगशाला को अद्यतन बनाने की प्रक्रिया में है।

डॉ. गुरबचन सिंह द्वारा "बैंकिंग, रेग्यूलेशन ऐंड फाइनेंशल स्टेबिलिटी" विषयक एम.ए. (अर्थशास्त्र) का एक नया ऐच्छिक कोर्स शुरू किया गया।

अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र, कम लेकिन ख्याति प्राप्त शिक्षकों द्वारा चलाया जा रहा है। शिक्षकों पर शिक्षण कार्य का भारी दबाव होने के बावजूद वे सभी अपने–अपने संबंधित क्षेत्रों में शोधकार्य में सक्रिय रूप से संलग्न है। इस वर्ष केन्द्र के शिक्षकों ने एक पुस्तक, 60 से अधिक शोध आलेख लिखे, लगभग 30 सम्मेलनों में भाग लिया और एक पुरस्कार प्राप्त किया।

पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

समीक्षाधीन अवधि के दौरान पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र ने कई संगोष्ठियाँ/सम्मेलन आयोजित किए। केन्द्र ने पहली बार जापान, चीन और कोरिया के राजदूतों को तत्कालीन प्रस्तावित 'पूर्वी एशिया सम्मेलन' पर उनकी राय जानने के लिए एक मंच पर आमंत्रित किया। यह सम्मेलन बाद में दिसम्बर 2005 में कुआलालम्पुर में आयोजित हुआ। समीक्षाधीन अवधि के दौरान केन्द्र ने महत्वपूर्ण गतिविधियाँ आयोजित करने के अतिरिक्त, छः 'भारत–जापान' गोलमेज सम्मेलन आयोजित किए।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केन्द्र द्वारा आयोजित सम्मेलन/संगोष्ठियाँ :

- 14 अप्रैल, 2005 को टी. मित्सुई कार्पोरेशन (इंडिया) प्रा.लि. द्वारा 'डुइंग बिजनेस विद इंडिया' विषयक भारत–जापान गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया गया।
- 29 अप्रैल, 2005 को जापान के प्रधानमंत्री महामहिम श्री जुनिकिरो कोइजुमी के सम्मान में 'भारत–जापान व्यापार वार्ता' और व्यापार सत्र का आयोजन।
- श्री मसातो ताकाओका, राजनीतिक मंत्री, जापान दूतावास ने 'इंडिया–जापान : द ट्रेक अहेड' भारत–जापान गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया।
- प्रो. श्री प्रकाश, एकेडमी आफ थर्ड वर्ल्ड स्टडीज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने 9 सितम्बर 2005 को 'रिफार्म्स इन चाइना ऐंड इंडिया' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- श्री गो यामादा, नई दिल्ली ब्यूरो के प्रमुख, निहोन केइजई शिम्बुन ने 12 सितम्बर, 2005 को '9/11, 2005 जनरल इलेक्शंस इन जापान : आउटकम ऐंड मीनिंग' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- श्री शेंग क्वानयू, एशिया स्कॉलर, गुआंगझाऊ यूनिवर्सिटी, चीन ने13 सितम्बर, 2005 को 'एन ओवरव्यू आफ चाइनीज हिस्ट्री ऐंड इट्स रोल इन कनटेम्पोरेरी चाइना' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- श्री योशीनोबु सेई, सलाहकार, मित्सुई किनजोकु कं. लिमिटेड जापान और श्री नोबुआकी, राजनीतिक मंत्री, जापान दूतावास ने 28 सितम्बर, 2005 को 'रिफार्म्स ऐंड चेंज इन इंडिया : ए जापानीज व्यू' विषयक भारत–जापान गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया।

- श्री शशांक (पूर्व विदेश सचिव, भारत सरकार), ने 29 सितम्बर, 2005 को 'नॉन–न्यूक्लियर कोरिया ऐंड पीस इन ईस्ट एशिया' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- महामहिम श्री यासुकुनी इनोकी, राजदूत, जापान, महामहिम श्री सुन युक्सी, राजदूत, चीन, महामहिम श्री यो ह्युंग डोंग, काउंसलर, एम्बेसी आफ आर.ओ.के. ने 'ईस्ट एशिया सम्मिट (दिसम्बर 2005 में कुआलालम्पुर में आयोजित) : ए प्रिव्यू' विषयक व्याख्यान दिए।
- श्री नोगुची, डाइरेक्टर जनरल, जेटरो, नई दिल्ली, श्री नायोयुशी नोगुची, डाइरेक्टर जनरल, जेटरो, नई दिल्ली ने 23 नवम्बर 2005 को 'एक्सपांडिंग रोल आफ जेटरो इन एन ईरा आफ एफटीए'ज' विषयक गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया।
- केन्द्र ने 27 जनवरी, 2006 को बिजिटिंग प्रोफेसर योशीहारू सुबोई और उमेमोरी, वासेदा विश्वविद्यालय के साथ 'वार्तालाप सत्र' का लाभ उठाने के लिए इंडिया–जापान गोलमेज बैठक आयोजित की।
- प्रोफेसर कोजी ओकामोतो, प्रोफेसर इमेरीट्स, ओसाका इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, ने 6 फरवरी, 2006 को जापान'स न्यू एशिया पॉलिटी : जापान ऐंड इंडिया' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रोफेसर श्याम सुन्दर, जेम्स एल. फ्रेंक, प्रोफेसर, अकाउंटिंग, इकोनामिक्स ऐंड फाइनेंस, येल इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट, येल यूनिवर्सिटी, यूएसए और श्री शशांक, पूर्व विदेश सचिव, भारत सरकार ने 7 फरवरी, 2006 को 'ईस्ट एशिया ऐंड इमर्जिंग इंडिया : द इकोनामिक लीडरशिप' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. कोजी ओकामोतो, प्रोफेसर इमेरीट्स, ओसाका इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, ने 'रिफार्म्स इन जापान : कोइजुमी ईरा' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. यु. जिनतियन, प्रेसिडेंट, शंघाई इंस्टीट्यूट फार इंटरनेशनल स्टडीज, ने 16 फरवरी 2006 को 'द पीसफुल राइज आफ चाइना : इट्स मीनिंग ऐंड इम्पैक्ट' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- केन्द्र ने 22 फरवरी 2006 को 'ईस्ट एशियन कम्युनिटी सीन फ्राम जापान ऐंड इंडिया' विषयक भारत–जापान गोलमेज सम्मेलन–8 आयोजित किया। इसमें प्रो. जुन निशिकावा, वासेदा यूनिवर्सिटी, त्योको, श्री शशांक, पूर्व विदेश सचिव, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार ने व्याख्यान दिए।
- प्रो. तानचुंग, पूर्व प्रोफेसर, भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान ने 8 मार्च 2006 को 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड चाइनीज कल्चर : चैलेंजिज ऐंड प्रास्पेक्ट्स' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- श्री शशांक, पूर्व विदेश सचिव, भारत सरकार ने 9 मार्च 2006 को 'कोरिया'ज इकोनॉमिक डिप्लोमेसी : ऑपरेशनल ऐंड पॉलिसी आस्पेक्ट' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. मनोरंजन मोहन्ती ने 10 मार्च 2006 को 'चाइनीज स्टडीज इन इंडिया : चैलेंजिज फार द नेक्स्ट जनरेशन' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. जोनाथन लेविस, हितोत्सुबाशी यूनिवर्सिटी, जापान ने 17 मार्च 2006 को 'द पॉलिटीकल इकोनॉमी आफ ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर इन जापान' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- श्री शशांक, पूर्व विदेश सचिव, भारत सरकार ने 23 मार्च 2006 को 'लॉजिक्स ऐंड रेजिम्स आफ एशियन इकोनामिक कम्युनिटी : एन इंडियन पर्सपेक्टिव' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केन्द्र में आए अतिथि

- इहिमे विश्वविद्यालय जापान के 29 छात्रों के प्रतिनिधि मण्डल ने प्रो. केन्जी तोजावा के नेतृत्व में 14 से 18 दिसम्बर, 2005 तक केन्द्र का दौरा किया।
- श्री काजुए मुराकामी, डीन (छात्र) कार्यालय, इहिमे नेशनल यूनिवर्सिटी, जापान, 20 सितम्बर 2005 को केन्द्र में आए।
- केन्द्र में होसेई विश्वविद्यालय टोकियो से 18 शोधार्थियों का प्रतिनिधि मण्डल आया। भारतीय और आगन्तुक जापानी सदस्यों के मध्य गोलमेज परिचर्चा हुई, जिसका सभापतित्व श्री नाकाजीमा इसुजी, मित्सुई किनजोकु ने किया।

छात्रों की उपलब्धियाँ

केन्द्र के निम्नलिखित एम.फिल. / पी–एच.डी. छात्रों को अपने संबंधित क्षेत्रों का अध्ययन करने के लिए अध्येतावृत्तियाँ प्राप्त हुईं :

	छात्र	अध्येतावृत्ति का नाम
1.	दीपिका फुलोरिया	साबुरो ओकिता स्मारक अध्येतावृत्ति
2.	वारालक्ष्मी नायक	साबुरो ओकिता स्मारक अध्येतावृत्ति
3.	श्री प्रशांत कुमार	जापान फाउंडेशन छात्रवृत्ति

केन्द्र की भविष्य की योजनाएं

पूर्वी एशियाई क्षेत्र में पिछले दशकों में दूर तक फैलाव और भौतिक परिवर्तन हुए हैं। यह आर्थिक वैश्वीकरण के रूप में भी जाना जाता है। इस क्षेत्र के देशों के तीव्र गति से बदल रहे राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक बदलाव वर्तमान ज्ञान और समझ को बदल रहे हैं। तदनुसार, पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र ने आने वाले वर्ष में 'पूर्वी एशिया' पर नया कोर्स शुरू करने का प्रस्ताव किया है।

- केन्द्र द्वारा 21–22 नवम्बर 2006 को 'चेंजिंग डायनेमिक्स आफ ईस्ट एशियन कम्युनिटी' विषयक एक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की जाएगी।
- केन्द्र द्वारा जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन के सहयोग से 17 दिसम्बर 2006 को 'कोरिया इन द इमर्जिंग वर्ल्ड आर्डर' विषयक कोरियाई अध्ययन पर आठवाँ प्रशांत एशिया सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण पश्चिम महासागरीय अध्ययन केन्द्र

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केन्द्र ने निम्नलिखित संगोष्ठियां आयोजित कीं :

- राजदूत श्री जे.सी. शर्मा ने 4 अप्रैल 2005 को 'इकोनामिक डिवलपमेंट ऐंड फारेन पॉलिसी : द रोल आफ इंडियन डायसपोरा' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- श्री अर्जुन हुलुगाले, अध्यक्ष, स्वराज्य फाउंडेशन, श्रीलंका ने 5 अप्रैल 2005 को 'बिल्डिंग लाइफ आफ्टर सुनामी इन श्रीलंका' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. तातियाना शौमियन, अध्यक्ष, सेंटर फार इंडियन स्टडीज, इंस्टीट्यूट आफ ओरियंटल साइंसेज, रशियन एकेडमी आफ साइंसेज, मास्को ने 4 मई 2005 को 'रशिया ऐंड सेंट्रल एशिया : सम पर्सपेक्टिव्स' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

- मोहम्मद जमिल अहमद, मिनिस्टर आफ जस्टिस, रिपब्लिक आफ मालदीव, ने 20 जनवरी 2006 को 'मालदीव्स टुडे' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. राजीव विजेसिंघे भण्डारनायके, सीआईएस, कोलम्बो, श्रीलंका ने 16 फरवरी 2006 को 'करंट डिवलपमेंट इन श्रीलंका' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डॉ. सायीदा बानो, सीनियर लेक्चरर, वाइकातो यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैण्ड और विजिटिंग फेलो, एसआईएस ने 'ट्रेड कॉपरेशन : सम इविडेंसिज' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- श्री रामास्वामी अय्यर, पूर्व सचिव, जल संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार, वर्तमान में शोध प्रोफेसर, नीति अध्ययन केन्द्र, नई दिल्ली ने 13 मार्च 2006 को 'वाटर रिर्सार्स डिसप्यूट इन साउथ एशिया' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डॉ. मनोज जोशी, संपादक (व्यूज), हिंदुस्तान टाइम्स, नई दिल्ली ने 20 मार्च 2006 को 'इण्डो–यूएस रिलेशंस : रिसेंट डिवलपमेंट' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- श्री पी.के. कपूर, संयुक्त सचिव, विदेश मंत्रालय ने 20–21 नवम्बर 2005 को हाल ही में ढाका में आयोजित सार्क सम्मेलन पर 'द आउटकम आफ द 13'थ सार्क सम्मिट' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- श्री श्याम सरण, विदेश सचिव, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली ने 16 नवम्बर 2005 को 'इंडिया ऐंड इट्स नेबर्स इण्डो–यूएस रिलेशंस : रिसेंट डिवलपमेंट' विषयक प्रोफेसर उर्मिला फडनीस स्मारक व्याख्यान दिया।

पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केन्द्र द्वारा आयोजित सम्मेलन/संगोष्ठियाँ :

- केन्द्र ने 25–26 अक्टूबर 2005 को खाड़ी अध्ययन कार्यक्रम के अन्तर्गत 'कंटेम्पोरेरी ओमान ऐंड इण्डो–ओमान रिलेशंस' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।
- केन्द्र ने 5 दिसम्बर 2005 को फ्रेंकाफोन अध्ययन कार्यक्रम के अन्तर्गत 'फ्रांस ऐंड फ्रेंकाफोन अफ्रीका' विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की।
- केन्द्र ने 27–28 फरवरी 2006 को फ्रेंकाफोन अध्ययन कार्यक्रम के अन्तर्गत 'फ्रेंकाफोन सब–सहारन अफ्रीका : इश्यूज इन फोरेन पॉलिसीज ऐंड डिवलपमेंट' विषयक दो दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।
- केन्द्र ने 31 मार्च 2006 को खाड़ी अध्ययन कार्यक्रम के अन्तर्गत 'कंटेम्पोरेरी सऊदी अरेबिया ऐंड द इमर्जिंग इण्डो–सऊदी रिलेशंस' विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान निम्नलिखित अतिथियों ने केन्द्र का दौरा किया :

- श्री नंदन ऊनी कृष्णन ने 21 अप्रैल 2005 को 'इण्डो–इजरायल रिलेशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- राजदूत हमीद अंसारी ने 11 अगस्त 2005 को 'सऊदी अरेबिया : आफ्टर फोल्ड' विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. कमर आगा ने 1 सितम्बर, 2005 को 'गाजा डिसइंगेजमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. आर.आर. सुब्रामणियन, सीनियर रिसर्च एसोसिएट इडसा, ने 29 सितम्बर 2005 को ईरान'स न्यूक्लियर प्रोग्राम' विषयक व्याख्यान दिया।

- प्रो. पॉल रिवलिन, तेल अवीव यूनिवर्सिटी, ने 17 नवम्बर, 2005 को 'ईरा आफ ग्लोबलाइजेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. डायट्रिक जुंग, सीनियर रिसर्च फेलो, डेनिश इंस्टीट्यूट आफ इंटरनेशनल स्टडीज ने 2 फरवरी, 2006 को 'तुर्क'स ऐंड अरब'स : हिस्टोरीकल स्टीरियो हाइप्स : रीजनल पॉलिसीज ऐंड फ्यूचर चैलेंजिज' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. जोसफ केचिचियान, एसोसिएट पॉलिटीकल साइंटिस्ट, रैंड कॉपरेशन और लेक्चरर, यूनिवर्सिटी आफ कैलिफोर्निया, यूएसए, ने 3 फरवरी 2006 को 'इंटीग्रेशन आफ द जीसीसी' विषयक व्याख्यान दिया।
- राजदूत, एम.के. भद्र कुमार ने 8 फरवरी, 2006 को 'ईरान न्यूक्लियर क्वेश्चन' विषयक व्याख्यान दिया।
- एयर कमाण्डर जसजीत सिंह (सेवानिवृत्त), (पुर्व निदेशक, इडसा) ने 9 मार्च, 2006 को 'ईरान प्रॉलिफ्रेशन' विषयक व्याख्यान दिया।

केन्द्र की भविष्य की योजनाएं

- केन्द्र 'अरबी' पर पुनः कोर्स शुरू करने और फारसी, तुर्की, फ्रेंच और पुर्तगाली भाषाओं पर नए सिरे से शिक्षण कोर्स शुरू करने की योजना बना रहा है। यह कोर्स 3 क्रेडिट और दो सत्र का होगा। प्रत्येक सत्र 1.5 क्रेडिट का होगा।
- केन्द्र ने ऊर्जा सुरक्षा अध्ययन, डायसपोरा अध्ययन और भू–मध्य सागरीय अध्ययन थ्रस्ट क्षेत्रों पर कार्य करने का प्रस्ताव कर रहा है। इस संदर्भ में डायसपोरा अध्ययन पर चेयर स्थापित करने और 'एशियाई ऊर्जा सुरक्षा' पर अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।
- फ्रेंकाफोन अध्ययन कार्यक्रम अक्टूबर, 2006 में 'इंडियन डायसपोरा इन फ्रेंकाफोन सब सहारन अफ्रीका : ए कंपेरेटिव पर्सपेक्टिव' विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित कर रहा है।
- केन्द्र की नवम्बर, 2006 में 'इंडिया ऐंड वाना इन द ईरा आफ ग्लोबलाइजेशन' विषयक संगोष्ठी आयोजित करने की योजना है।

शोध परियोजनाएं

कनाडियन, यू.एस. और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र

- एस. क्रिस्टोफर राज, 'यूएस ग्लोबल वार आन टेरर : फोकस आन एशिया' विषयक परियोजना पर कार्य कर रहे हैं।
- चिंतामणि महापात्रा, 'यूएस अप्रोच टु द इस्लामिक वर्ल्ड : इंप्लिकेशंस फार इंडिया' विषयक परियोजना पूरी की।
- चिंतामणि महापात्रा, 'यूएस पालिसी टुवर्डस इंडिया, पाकिस्तान ऐंड चाइना' विषयक परियोजना पर कार्य कर रहे हैं।
- के.पी. विजयलक्ष्मी, 'इवाल्विंग यूएस स्ट्रेटिजी टुवर्डस इंडिया ऐंड पाकिस्तान : ए डिस्जिन मेकिंग' इंटरनेशनल रिलेशंस ऐंड साउथ एशिया विषयक परियोजना का भाग, पेंसिलवानिया विश्वविद्यालय, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, इंडिया हेबिटेट सेंटर, नई दिल्ली, 2006

अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र

- मनोज पंत, 'प्रमोटिंग कंपीटिशन इन द मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर', कंपीटिशन कमिशन आफ इंडिया द्वारा प्रायोजित, 2006–2008.

यूरोपीय अध्ययन केन्द्र

- आर.के. जैन, 'द यूरोपियन यूनियन ऍंड पाकिस्तान सिंस 9/11'

रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र

- संजय कुमार पाण्डेय, 'असिमेट्रीकल फेडरलिज्म इन इंडिया : ए कंपेरेटिव पर्सपेक्टिव' विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्त पोषित मुख्य परियोजना (पूरी हो चुकी, मार्च, 2006)
- फूल बदन, 'रिसर्जेंस आफ इस्लाम इन सेंट्रल एशिया', भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा प्रायोजित।

यूरोपीय अध्ययन केन्द्र

- यू.एस. बावा, 'द रोल आफ हमर्जिंग पावर्स इन इंटरनेशनल सिक्योरिटी : आईबीएसए', इंस्टीट्यूट आफ इंटरनेशनल रिलेशंस, यूनिवर्सिटी आफ ब्राजीलिया, ब्राजील, 2004–2006.

पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

- लालिमा वर्मा, 'जापान'स इको–स्ट्रेटिजीक एंड टु साउथ एशिया : आब्जेक्टिव्स, लिमिट्स ऍंड गेन्स' चल रही परियोजना, (जापान फाउंडेशन)

दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण पश्चिम महासागरीय अध्ययन केन्द्र

- महेन्द्र पी. लामा, 'क्रास बार्डर पॉवर ट्रेड बिटवीन इंडिया ऍंड पाकिस्तान' विषयक परियोजना अध्ययन पूरा किया। यह परियोजना साउथ एशिया नेटवर्क फार इकोनॉमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट के अन्तर्गत विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित। यह परियोजना अध्ययन डॉ. ए.आर. कमाल, निदेशक, पाकिस्तान इंस्टीट्यूट आफ डिवलपमेंट इकोनामिक्स, इस्लामाबाद के सहयोग से आयोजित किया गया। (2005)
- महेन्द्र पी. लामा, 'इकोनामिक रिफॉर्म्स इन इंडिया ऍंड नेपाल : इम्पैक्ट आन बिलाट्रल ट्रेड, इनवेस्टमेंट ऍंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर' विषयक परियोजना अध्ययन पूरा किया। यह परियोजना बी.पी. कोइराला इंडिया–नेपाल फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित की गई (2002–2004)। यह परियोजना अध्ययन अर्थशास्त्र विभाग और भूगोल विभाग, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडु के सहयोग से आयोजित किया गया, 2005।
- महेन्द्र पी. लामा ने सिक्किम द्वारा नियुक्त उच्च स्तरीय नाथुला व्यापार अध्ययन ग्रुप की अध्यक्षता की और अगस्त, 2005 में 'सिक्किम–तिब्बत ट्रेड वाया नाथुला : ए पॉलिसी स्टडी आन प्रॉस्पेक्ट्स, अपरच्युनिटीज ऍंड रिक्विजिट प्रिपेयर्डनेस' विषयक रिपोर्ट तैयार की।
- महेन्द्र पी. लामा को वर्ष 2005 में 'ह्यूमन सिक्योरिटी इन साउथ एशिया' विषयक क्षेत्रीय परियोजना के तहत बीआईआईएसएस, ढाका द्वारा 'ह्यूमन सिक्योरिटी इन इंडिया' विषय पर पुस्तक आकार का शोध प्रबंध लिखने के लिए आमंत्रित किया गया।
- महेन्द्र पी. लामा ने वर्ष 2005 में 'इंडिया पाकिस्तान पावर एक्सचेंज : असेस्मेंट आफ इकोनामिक ऍंड सोशल बेनिफिट्स' विषय पर 'एन ई एक्स ए एन टी/यू एस ए आई डी/एस ए आर आई ई अध्ययन पर गठित भारत और पाकिस्तान (लाहौर यूनिवर्सिटी आफ मैनेजमेंट साइंसेज) के विशेषज्ञों के दल की अध्यक्षता की।

- महेन्द्र पी. लामा को वर्ष 2005 में 'नॉन ट्रेडिशनल सिक्योरिटी इश्यूज इन साउथ एशिया' विषयक क्षेत्रीय परियोजना के तहत आर एम एम आर यू, ढाका यूनिवर्सिटी द्वारा भारत से अनधिकृत प्रवासियों की स्थिति पर अध्ययन करने के लिए आमंत्रित किया गया।
- महेन्द्र पी. लामा ने वर्ष 2006 में आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और युनाइटेड नेशंस यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित 'द पॉलिटिक्स, ह्यूमन राइट्स ऐंड सिक्योरिटी इंप्लिकेशंस आफ प्रोट्रेक्टिड रिफ्यूजी सिचुएशंस' विषयक शोध परियोजना का 'डुइंग द भूटानीज रिफ्यूजीज इन नेपाल' विषयक खण्ड तैयार किया।
- मंदिरा दत्ता, जनवरी 2006 में एन ओ वी आई बी और ब्रेड फार द वर्ल्ड द्वारा प्रायोजित ए वी ए (एसोसिएशन फार वॉलंट्री एक्शन) के मूल्यांकन अध्ययन की मुख्य परामर्शदाता रहीं।

राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों/बैठकों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

कनाडियन, यूएस और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र

- क्रिस्टोफर एस. राज ने 5 से 7 दिसम्बर, 2005 तक इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में मांट्रियल विश्वविद्यालय के साथ संयुक्त रूप से मिलकर 'मल्टिकल्चरलिज्म : पब्लिक पॉलिसी ऐंड प्रॉब्लम एरियाज इन कनाड़ा ऐंड इंडिया' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया।
- क्रिस्टोफर एस. राज ने 20 फरवरी 2006 को दर्शनशास्त्र विभाग, देशबंधु कॉलेज, हिन्दी विश्वविद्यालय के साथ संयुक्त रूप से 'जॉर्ज ग्रांट और एम.के. गाँधी'ज नेशनलिज्म' विषयक संगोष्ठी आयोजित की। इस संगोष्ठी में मुख्य व्याख्यान प्रो. विलियम क्रिश्चियन, राजनीति विज्ञान विभाग, गुलप विश्वविद्यालय, कनाडा, ने दिया।
- अब्दुल नफे ने 5 से 7 दिसम्बर 2005 तक इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में केन्द्र और यूनिवर्सिटी आफ मांट्रियल द्वारा आयोजित 'मल्टिकल्चरलिज्म : पब्लिक पॉलिसी ऐंड प्रॉब्लम एरियाज इन कनाडा ऐंड इंडिया' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- चिंतामणि महापात्रा ने 9 सितम्बर 2005 को इग्नू में आयोजित 'टेरोरिज्म ऐंड ह्यूमन राइट्स : एन इंडियन एक्सपिरियंस' विषयक अतिथि व्याख्यान माला की परिचर्चा में भाग लिया।
- चिंतामणि महापात्रा ने 3 दिसम्बर 2005 को डीएवी कालेज, तीतलागढ़, उड़ीसा द्वारा आयोजित 'टेरोरिज्म' विषयक वि.अ.आ. द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य व्याख्यान दिया।
- चिंतामणि महापात्रा ने 30–31 जनवरी 2006 को इड्सा द्वारा आयोजित 8वें अन्तरराष्ट्रीय एशियाई सुरक्षा सम्मेलन में भाग लिया।
- चिंतामणि महापात्रा ने 23–24 फरवरी 2006 को अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान और विदेश मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'इंडिया ऐंड द मेजर पॉवर्स' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- चिंतामणि महापात्रा मई 2005 में वाशिंग्टन डी.सी. और न्यूयार्क गए तथा 'यूएस ऐंड द मुस्लिम वर्ल्ड' विषय पर रैंड कार्पोरेशंस, ब्रुकिंग्स, वुडरो विल्सन सेंटर फार इंटरनेशनल स्कालर्स, कारनेजी एंडोमेंट फार इंटरनेशनल पीस, स्कूल आफ पब्लिक अफेयर्स, यूनिवर्सिटी आफ मैरीलैंड और जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी के राज्य विभाग अधिकारियों और विद्वानों के साथ विचार विमर्श किया।
- प्रीति सिंह ने 5 से 7 दिसम्बर, 2005 तक इंडिया इंटरनेश्यानल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित "मल्टिकल्चरलिज्म : पब्लिक पॉलिसी ऐंड प्रॉब्लम एरियाज इन कनाडा ऐंड इंडिया" विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में "करंट डिस्कोर्स आन इंडीजीनस ट्राइबल राइट टु सेल्फ गवर्नमेंट : ए कंपेरेटिव अनालिसिस आफ कनाडा ऐंड इंडिया" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- प्रीति सिंह ने 8 से 11 जनवरी 2006 तक पुणे में आयोजित एसोसिएशन फार द स्टडी आफ आस्ट्रेलिया (आई ए एस ए) के तीसरे सम्मेलन में 'द प्रोसस आफ पॉजीटिव 'नेटिव टाईटल' डिटर्मीनेशन इन आस्ट्रेलिया : लीडिंग टु ए 'नेगेटिव टाईटल ?' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

- प्रीति सिंह ने 29 से 31 मार्च 2006 तक नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय, तीन मूर्ति हाउस, नई दिल्ली में भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान शिमला द्वारा राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सहयोग से आयोजित 'ह्यूमन राइट्स : पॉलिसी इश्यूज फार इंडिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

- के.पी. विजयलक्ष्मी ने 7 नवम्बर 2005 को वाशिंग्टन डी.सी. में आयोजित कार्नेजी एंडोमेंट फॉर पीस के 60वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया।

अन्तरराष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केन्द्र

- येशी चोयदन ने 9 से 11 जनवरी, 2006 तक पुणे में इंडियन एसोसिएशन फार द स्टडी आफ आस्ट्रेलिया द्वारा आयोजित 'आस्ट्रेलिया ऐंड इंडिया : कनवर्जेसिज ऐंड डाइवर्जेसजि' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

- येशी चोयदन ने 24 से 26 अक्टूबर 2005 तक अन्तरराष्ट्रीय सामरिक और विकास अध्ययन केन्द्र, मुम्बई विश्वविद्यालय में आयोजित 'इंडिया'ज कंट्रीब्यूशन टु द यूनाईटिड नेशंस ऐंड फ्यूचर डाइरेक्शन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

- सिद्धार्थ मल्लवारपू ने 13–14 जून 2005 को फ्रेडरिक एबर्ड स्टिफतुंग और ग्लोबल पॉलिसी फोरम, बर्लिन, जर्मनी द्वारा संयुक्त राष्ट्र सहस्राब्दि + 5 सम्मेलनों की तैयारी करने हेतु आयोजित अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

- सिद्धार्थ मल्लवारपू ने 20 अगस्त 2005 को साओ पावलो, ब्राजील में आयोजित 'साउथ अफ्रीका, ब्राजील ऐंड इंडिया : डिवलपमेंट पैटर्नस, कनवर्जेसिज ऐंड एलाइंस पर्सपेक्टिव्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

- सिद्धार्थ मल्लवारपू ने 27 से 29 मार्च 2006 तक यूनिवर्सिटी आफ पेंसिलवानिया, इंस्टीट्यूट फार द एडवांस्ड स्टडी आफ इंडिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।

- सिद्धार्थ मल्लवारपू ने 23–24 फरवरी, 2006 को अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू. और विदेश मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इंडिया ऐंड द मेजर पावर्स' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।

- सी.एस.आर. मूर्ति ने 29से 31 मार्च 2006 तक जर्मन डिवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऐंड कैपिसिटी बिल्डिंग इंटरनेशनल, बॉन, जर्मनी द्वारा आयोजित 'मैनेजिंग ग्लोबल गवर्नेंस' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।

- सी.एस.आर. मूर्ति ने 12 से 14 फरवरी, 2006 तक द बुक रिव्यू लिट्रेरी ट्रस्ट और इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'चेंजिंग बैलेंस आफ पावर इन ए ग्लोबलाइज्ड वर्ल्ड' विषयक संगोष्ठी में विचार–विमर्श किया।

- सी.एस.आर. मूर्ति ने 16 जनवरी 2006 को यूनाइटिड सर्विस इंस्टीट्यूशन आफ इंडिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'यू एन रिफॉमर्स' विषयक ब्रेन स्टॉर्मिंग सत्र में भाग लिया।

- सी.एस.आर. मूर्ति ने 24 से 26 अक्टूबर, 2005 तक अन्तरराष्ट्रीय सामरिक और विकास अध्ययन केन्द्र, मुम्बई में आयोजित 'इंडिया'ज कंट्रीब्यूशन टु द यूनाइटिड नेशंस ऐंड फ्यूचर डाइरेक्शंस, विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

- सी.एस.आर. मूर्ति ने 22 जुलाई 2005 को इंटीग्रेटिड डिफेंस स्टाफ एच.क्यू., रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित बैठक में आलेख प्रस्तुत किया।

- अर्चना नेगी ने 24 नवम्बर, 2005 को अन्तरराष्ट्रीय विधि अध्ययन केन्द्र, अ.अ.सं., ज.ने.वि., नई दिल्ली में आयोजित 'डब्ल्यू ओ हांगकांग मिनिस्ट्रियल : द वे फारवर्ड' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

- अर्चना नेगी ने 30 अगस्त 2005 को भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित 'एनवायरनमेंटल गुड्स ऐंड सर्विसेज इन द डबल्यू टी ओ' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

- अर्चना नेगी ने 20 अगस्त 2005 को एमिटी इंस्टीट्यूट आफ ग्लोबल लीगल एज्यूकेशन, नई दिल्ली में आयोजित 'ट्रेड ऐंड एनवायरनमेंट इश्यूज एट द डब्ल्यू टी ओ' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- अर्चना नेगी ने 7–8 अप्रैल 2005 को अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र, अ.अ.सं., ज.ने.वि, नई दिल्ली में आयोजित 'एनवायरनमेंट ऐंड डिवलपमेंट : डिवलपिंग कंट्रीज पर्सपेक्टिव्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

- राजेश राजगोपालन ने 23–24 जून 2005 को दिल्ली पॉलिसी ग्रुप और द इस्लामाबाद पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट, इस्लामाबाद, पाकिस्तान द्वारा आयोजित 'न्यूक्लियर रेस्ट्रेंट ऐंड रिस्क रिडक्शन', विषयक सम्मेलन में भाग लिया।

- राजेश राजगोपालन ने 11–12 अप्रैल, 2005 को केनबरा, आस्ट्रेलिया में आयोजित चौथे भारत–आस्ट्रेलिया सुरक्षा गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया।

- राजेश राजगोपालन ने 6–7 मार्च 2006 को अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित 'एशियन पॉलिटिक्स : शेपिंग एशियन सिक्योरिटी ऐंड फारेन पॉलिसी' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।

- राजेश राजगोपालन ने 18 फरवरी, 2006 को सेंटर फार एयर पावर स्टडीज, नई दिल्ली में आयोजित 'लीगल ऐंड पॉलिटीकल रेस्ट्रिक्शंस आन द यूज आफ फोर्स इन काउंटर इनसर्जेंसी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- राजेश राजगोपालन ने 17 नवम्बर, 2005 को दिल्ली पॉलिसी ग्रुप, नई दिल्ली में आयोजित 'न्यूक्लियर डिटरेंस ऐंड इट्स रिलिवेंस' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।

- राजेश राजगोपालन ने 15–16 अक्टूबर, 2005 को सेंटर फार एयर पावर स्टडीज, नई दिल्ली में आयोजित 'एयरोस्पेस पावर ऐंड नेशनल डिफेंस' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।

- राजेश राजगोपालन ने 17 जून, 2005 को इंस्टीट्यूट आफ पीस ऐंड कंफ्लिक्ट स्टडीज, नई दिल्ली में आयोजित 'एन पी टी रिव्यू कांफ्रेंस' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- वरुण साहनी ने 27 मार्च, 2006 को यूनिवर्सिटी आफ पेंसिलवानिया, इंस्टीट्यूट फार द एडवांस्ड स्टडी आफ इंडिया, नई दिल्ली द्वारा 'इंटरनेशनल रिलेशंस थीअरि ऐंड साउथ एशिया' विषयक यू पी आई ए एस आई' की परियोजना पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।

- वरुण साहनी ने 24 मार्च, 2006 को वर्ल्ड पालिसी इंस्टीट्यूट, द न्यू स्कूल (न्यूयार्क), Gesellschaft fiir Avswartige Politik (Berlin) और हेनरिक बॉल फाउंडेशन, बर्लिन, जर्मनी द्वारा आयोजित 'यूरोपीय संघ–भारत' वार्ता 2006 में भाग लिया।

- वरुण साहनी ने 17 मार्च 2006 को अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित 'कल्चर ऐंड आइडेंटिटी इन इंटरनेशनल रिलेशंस : इम्पैक्ट आन फारेन पॉलिसी' विषयक संगोष्ठी के 'द चैलेंज आफ सब–नेशनल आइडेंटिटीज' शीर्षक तीसरे सत्र में विचार–विमर्श के रूप में भाग लिया।

- वरुण साहनी ने 6 मार्च, अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, ज.ने.वि. और पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'एशियन पॉलिटिक्स : शेपिंग एशियन सिक्यूरिटी ऐंड फारेन पॉलिसी' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'थियोराइजिंग डोमेस्टिक पॉलिटिक्स ऐंड फारेन पॉलिसी लिंगेजिज' शीर्षक द्वितीय सत्र की अध्यक्षता की।

- वरुण साहनी ने 23 फरवरी, 2006 को अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इंडिया ऐंड द मेजर पावर्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी के कंसट्राक्टिंग ग्लोबल फ्रेमवर्क्स' शीर्षक तीसरे सत्र में विचार–विमर्शक के रूप में भाग लिया।

- वरुण साहनी ने 13 फरवरी, 2006 को बुक रिव्यू लिटरेरी ट्रस्ट, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'वार, पीस ऐंड वर्ल्ड हिगमनी इन द ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी : चेंजिंग बैलेंस आफ पावर इन ए ग्लोबलाइज्ड वर्ल्ड' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।

- वरुण साहनी ने 21 दिसम्बर 2005 को कॉलेज आफ नवल वारफेयर, मुम्बई द्वारा आयोजित 'इंडिया'ज नेशनल सिक्योरिटी : मैचिंग पॉलिसीज विद न्यूक्लियर कैपेबिलिटीज' विषयक पैनल परिचर्चा के 'इण्डो–यूएस न्यूक्लियर एग्रीमेंट : प्रॉसपेक्ट्स ऐंड लाइकली फॉल आऊट' शीर्षक द्वितीय सत्र की अध्यक्षता की।

- वरुण साहनी ने 16–17 नवम्बर, 2005 को शंघाई इंस्टीट्यूट फार इंटरनेशनल स्टडीज, शंघाई, चीन द्वारा आयोजित 'पर्सेप्शंस ऐंड स्ट्रेटिजीज : चाईना–यूएस इंडिया रिलेशंस ऐंड इंटरएक्शंस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन के 'चाइना–यूएस–इंडिया : ट्राइलेटरल इंटरएक्शंस' शीर्षक चौथे सत्र की अध्यक्षता की।

- वरुण साहनी ने 16–17 नवम्बर, 2005 को शंघाई इंस्टीट्यूट फार इंटरनेशनल स्टडीज, शंघाई, चीन द्वारा आयोजित 'पर्सेप्शंस ऐंड स्ट्रेटिजीज : चाईना–यूएस–इंडिया रिलेशंस ऐंड इंटरएक्शंस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन के 'चाईना–इंडिया : रेप्रोचमेंट ऐंड सिक्यूरिटी इंपैक्ट इन एशिया' शीर्षक प्रथम सत्र में टिप्पणीकर्ता थे।

- वरुण साहनी ने 16–17 अक्टूबर, 2005 को एशिया पेसिफिक कॉलेज आफ डिप्लोमेसी, आस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी, सिडनी, आस्ट्रेलिया द्वारा आयोजित "ट्रांसनेशनल पॉलिसी फोरम आन डिप्लोमेसी ऐंड डेमोक्रेसी" विषयक सम्मेलन में भाग लिया।

- वरुण साहनी ने 4 से 7 अक्टूबर, 2005 तक हेडक्वार्टस 14 कॉर्प्स, इंडियन आर्मी; सेंटर फार स्ट्रेटिजीक ऐंड रीजनल स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ जम्मू; और इंडियन पुगवास सोसाइटी द्वारा लेह में आयोजित 'क्रॉस शेड्स आफ एशिया : बार्डर्स, पीपल, ट्रेड ऐंड सिक्योरिटी' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी के 'ब्रॉडनिंग इंडिया–सेंट्रल एशिया रिलेशंस' विषयक तीसरे सत्र की अध्यक्षता की।

- वरुण साहनी ने 21 सितम्बर, 2005 को जर्मन इंस्टीट्यूट फार इंटरनेशनल ऐंड सिक्यूरिटी अफेयर्स, बर्लिन, जर्मनी द्वारा क्रिस्टॉफ बरट्राम के सम्मान में आयोजित 'जर्मनी'ज रोल इन द वर्ल्ड' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

- वरुण साहनी ने 30 जुलाई 2005 को दिल्ली पॉलिसी ग्रुप, डिपार्टमेंट आफ पॉलिटीकल साइंस और वी.के. कृष्णा मेनन स्टडी सेंटर फार इंटरनेशनल रिलेशंस, तिरुवनन्तपुरम् द्वारा आयोजित 'कंप्रीहेंसिव साउथ एशियन सिक्योरिटी' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

- वरुण साहनी ने 24 जून 2005 को इंस्टीट्यूट आफ पीस ऐंड कंफ्लिक्ट स्टडीज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'अल्टरनेटिव एप्रोचिज टु सिक्योरिटी' विषयक पुस्तक परिचर्चा में भाग लिया।

- वरुण साहनी ने 13–14 जून 2005 को फ्रेडरिक एबर्ट स्टिफतुंग और द ग्लोबल पॉलिसी फोरम, बर्लिन, जर्मनी द्वारा आयोजित (U N Reform : Was ewarten die Entwicdlungslander ?) विषयक पब्लिक पेनल परिचर्चा में भाग लिया।

- वरुण साहनी ने 13 जून 2005 को फ्रेडरिक एबर्ट स्टिफतुंग और द ग्लोबल पॉलिसी फोरम, बर्लिन, जर्मनी द्वारा संयुक्त राष्ट्र सहस्राब्दि + 5 सम्मेलनों की तैयारी करने हेतु आयोजित अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

- वरुण साहनी ने 26 मई 2005 को यू एन डायलॉक विद द ग्लोबल साउथ और द डिपार्टमेंट आफ इंटरनेशनल रिलेशंस, यूनिवर्सिटी आफ द विटवाटर्सरैंड, जोहानसबर्ग, साउथ अफ्रीका द्वारा आयोजित 'रीजनल डायनेमिक्स आफ ह्यूमन सिक्यूरिटी' विषयक अन्तरराष्ट्रीय परिचर्चा और कार्यशाला में भाग लिया।

- वरुण साहनी ने 12 मई 2005 को आब्जरवर रिसर्च फाउंडेशन, नई दिल्ली और द सेंटर फार कंटेम्पोरेरी कंफ्लिक्ट, नवल पोस्ट ग्रेजुएट स्कूल मोंटेरी, कैलिफोर्निया द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 'द 2002 इंडिया–पाकिस्तान मिलिट्री स्टेंड आफ' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन के 'द पॉलिटीकल–मिलिट्री डाइमेंशन' विषयक दूसरे सत्र में विचार–विमर्शक के रूप में भाग लिया।

- वरुण साहनी ने 6 मई 2005 को नई दिल्ली में अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और द इंस्टीट्यूट फार इंटरनेशनल रिलेशंस, यूनिवर्सिटी आफ ब्राजीलिया द्वारा आयोजित 'रोल आफ इमर्जिंग पावर्स इन इंटरनेशनल सिक्यूरिटी : अराइविंग एट एन आई बी एस ए एजेंडा' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।

- वरुण साहनी ने 22 अप्रैल 2005 को द यू.एस. आर्मी वार कॉलेज ऐंड द इंडिया स्टडीज प्रोग्राम, इंडियाना यूनिवर्सिटी बलूमिंगटन, यूएसए द्वारा आयोजित 'यू–एस इंडिया सिक्यूरिटी टाईज : टेकिंग स्टॉक' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।

- वरुण साहनी ने 11 अप्रैल 2005 को द आस्ट्रेलिया–इंडिया काउंसिल, द आस्ट्रेलियन स्ट्रेटिजिक पालिसी इंस्टीट्यूट, द एशिया पेसिफिक सेंटर फार डिप्लोमेसी, आस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार और जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी द्वारा केनबरा आस्ट्रेलिया में आयोजित चौथे आस्ट्रेलिया–भारत सुरक्षा गोलमेज सम्मेलन–2003 में भाग लिया।

- स्वर्ण सिंह ने 12 दिसम्बर 2005 को द यूनाइटिड सर्विस इंस्टीट्यूशन आफ इंडिया और द इंस्टीट्यूट फार डिफेंस स्टडीज ऐंड अनालिसिस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'चाइनाज डिफेंस पोटेंशल' विषयक सम्मेलन में विचार–विमर्शक के रूप में भाग लिया।

- स्वर्ण सिंह ने 26 सितम्बर, 2005 को सेंटर दे साइंसेज ह्यूमैनीज और इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'एक्टर्स ऐंड मॉडल्स आफ द इंडियन डायसपोरा इन इंटरनेशनल रिलेशंस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी के 'ग्लोबल एक्टर्स : लीगेसीज ऐंड चैलेंजीज' शीर्षक उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की और संचालन किया।

- स्वर्ण सिंह 22 अगस्त 2005 को जम्मू विश्वविद्यालय में आयोजित फेलोज की संगोष्ठी श्रृंखला में मुनीर आलम, रिसर्च फेलो सेंटर फार रीजनल ऐंड सिक्यूरिटी स्टडीज द्वारा प्रस्तुत 'चाइना'ज स्ट्रेटिजीक इंगेजमेंट आफ सेंट्रल एशिया' विषयक आलेख के लिए बाह्य विचार–विमर्शक रहे।

- स्वर्ण सिंह ने 13 से 16 फरवरी 2006 तक चण्डीगढ़ में पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ और यूनिवर्सिटी आफ टेम्पर, फिनलैण्ड द्वारा आयोजित 'रिविजिटिंग यूरो–एशिया : कल्चर्स, कनेक्शंस ऐंड कंसेप्चुअलाइजेशंस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'शंघाई कॉपरेशन आर्गेनाइजेशन : ब्रीजिंग यूरेशिया' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

- स्वर्ण सिंह ने 2 से 4 फरवरी 2006 तक एस आई ई एस कॉलेज आफ आर्ट्स, साइंस ऐंड कॉमर्स, मुम्बई में आयोजित 'टेरीटोरियल बाउंड्रीज ऐंड कल्चरल फ्रंटीयर्स : इमर्जिंग साउथ एशियन कांससनेस' विषयक सम्मेलन में 'इनर्जी फैक्टर इन इंडिया'ज सदर्न एशियन इक्वेशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- स्वर्ण सिंह ने 22–23 नवम्बर 2005 को चाईना इंस्टीट्यूट आफ इंटरनेशनल स्टडीज (बीजिंग), इंस्टीट्यूट आफ पीस ऐंड कंफ्लिक्ट स्टडीज (नई दिल्ली) और कॉनराड–एडेन्योर स्टीफतुंग, बीजिंग, चीन द्वारा आयोजित 'चैलेंजिज आफ ग्लोबलाइजेशन ऐंड पॉलिटीकल रिस्पांस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'द न्यू बाइपोलर वर्ल्ड : इम्पैक्ट आफ ग्लोबलाइजेशन आन सोशल ऐंड इकोनामिक सिस्टम्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- स्वर्ण सिंह ने 18–19 नवम्बर, 2005 को द चाईना एकेडमी आफ सोशल साइंसेज, बीजिंग द्वारा आयोजित 'चाईना–यूएस रिलेशंस इन एशिया' विषयक अन्तरराष्ट्रीय फोरम में 'द यूएस फैक्टर इन चाईना–इंडिया रिलेशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- स्वर्ण सिंह ने 16–17 नवम्बर 2005 को 'ईस्ट एशिया ऐंड द यू एस इन द एज आफ ग्लोबलाइजेशन' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संबंध पैनल, द्वितीय बीजिंग फोरम, बीजिंग चाइना में 'चाईना'ज क्वेस्ट फार मल्टिलेटरलिज्म : इंडियन पर्सपेक्टिव्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- स्वर्ण सिंह ने 13–14 नवम्बर 2005 को बीजिंग यूनिवर्सिटी, बीजिंग, चीन में आयोजित 'द फ्यूचर आफ एशिया : डिवलपमेंट, डाइवर्सिटी ऐंड सस्टेनेबिलिटी' विषयक एशिया फेलोज एलुमनी सम्मेलन में 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड इट्स इम्पैक्ट आन चाईना–इंडिया टाईज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- स्वर्ण सिंह ने 27–28 सितम्बर 2005 को इंस्टीट्यूट आफ स्ट्रेटिजीक स्टडीज, इस्लामाबाद, पाकिस्तान द्वारा आयोजित 'चाईना ऐंड द इमर्जिंग एशियन सेंचुरी' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'चाईना–इंडिया रिलेशंस : मुविंग बियोंड द बिलाट्रल' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- स्वर्ण सिंह ने 25–26 जुलाई 2005 को बैंकाक, थाइलैण्ड में आयोजित 'एशियन कंसट्रक्ट्स आफ सोशल चेंज : ट्रांसलेटिंग ट्रेडिशंस, क्रिएटिंग द न्यू' विषयक एशिया फेलोज के पाँचवे वार्षिक सम्मेलन में पूरे आलेख (एशिया फेलोज की उनके 9 माह की अध्येतावृत्ति समाप्त होने पर प्रस्तुत 8 शोध आलेखों का विस्तृत विवरण) पर विचार–विमर्श किया।
- स्वर्ण सिंह ने 11 से 13 जुलाई 2005 तक कुआलालम्पुर, मलेशिया में आयोजित 'इमर्जिंग सेन्ट्रेलिटी आफ एस एल ओ सीज इन चाईना'ज मेरीटाइम स्ट्रेटिजी' विषयक तीसरे भारतीय समुद्र अनुसंधान समूह के सम्मेलन (मेरीटाइम इंस्टीट्यूट आफ मलेशिया (मीमा) द्वारा सहआयोजन), में भाग लिया।
- स्वर्ण सिंह ने 23–24 जून 2005 को इस्लामाबाद पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट और दिल्ली पोलिसी ग्रुप द्वारा इस्लामाबाद, पाकिस्तान में आयोजित 'न्यूक्लियर रेस्ट्रेंट ऐंड रिस्क रिडक्शन' विष्ज्ञयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'एस्केलेशन रिस्क इन डिटेरेंस स्टेबिलिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- स्वर्ण सिंह ने 21–22 जून 2005 को उलानबातार, मंगोलिया में आयोजित 'इवॉलविंग चेंजिज इन सिक्यूरिटी पर्सेप्शंस आफ ए आर एफ कंट्रीज' विषयक 'एसियान' की कार्यशाला में 'इवॉलविंग न्यू सिक्यूरिटी कंसेप्ट्स इन इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- स्वर्ण सिंह ने 26–27 अप्रैल 2005 को मुम्बई में आयोजित 'रिस्क असेस्मेंट इन इंडियन ओसन रीजन' विषयक कालेज आफ नवल वारफेयर के गोलमेज सम्मेलन में 'इंडियन ओशन इन चाईना'ज मेरीटाइम स्ट्रेटिजी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- स्वर्ण सिंह ने 12 से 14 अप्रैल 2005 तक एकेडमी आफ थर्ड वर्ल्ड स्टडीज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित 'इंडिया सेंट्रल एशिया–टर्की : रिएलिटीज, चैलेंजिज ऐंड आप्शंस' विषयक सम्मेलन में 'सेंट्रल एशिया एज ए ब्रिज : कंपेरेटिव पर्सपेक्टिव्स आन टर्की–चाइना–इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- स्वर्ण सिंह ने 21–22 मार्च 2006 को बर्लिन, जर्मनी में आयोजित 'न्यू सिक्यूरिटी थ्रेट्स ऐंड स्ट्रेटिजिक पार्टनरशिप्स' विषयक पाँचवी ई यू – इंडिया वार्ता में 'इंडियाज रिलेशंस विद द यू एस ऐंड द क्वेश्चन आफ प्रॉलीफ्रेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- स्वर्ण सिंह ने 4 जुलाई 2005 को कालिकट विश्वविद्यालय, कालिकट (केरल) में दिल्ली पॉलिसी ग्रुप और कालिकट विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'कंप्रीहेंसिव सिक्यूरिटी इन साउथ एशिया' विषयक संगोष्ठी में 'लोकेटिंग कंप्रीहेंसिव सिक्यूरिटी इन द इवोल्यूशन आफ सिक्यूरिटी स्टडीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र

- अजय कुमार पटनायक ने 16–17 फरवरी, 2006 को जेएनयू., नई दिल्ली में आयोजित 'सी आई एस : इनर्जी, सिक्यूरिटी ऐंड डिवलपमेंट' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'रीजनल स्टेबिलिटी इन द सी आई एस', शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- अजय कुमार पटनायक ने 5 से 9 जुलाई, 2005 तक इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट आफ सोसियोलॉजी, स्टॉकहोम, स्वीडन की 37वीं विश्व कांग्रेस में 'माइग्रेशन, आइडेंटिटी ऐंड इंटीग्रेशन इन यूरोशिया' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- अजय कुमार पटनायक ने 27 से 29 अप्रैल 2005 तक भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली में मौलाना अबुल कलाम आजाद इंस्टीट्यूट आफ एशियन स्टडीज, कोलकाता द्वारा आयोजित 'रिमेम्बरिंग बाडुंग : क्वेस्ट फार एशियन ऐंड अफ्रीकन कॉपरेशन फार पीस ऐंड डिवलपमेंट' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'द स्पिरिट आफ बाडुंग : सिक्यूरिटी ऐंड स्टेबिलिटी इन सेंट्रल एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अजय कुमार पटनायक ने अप्रैल 2005 में जामिया मिल्लिया इस्लामिया में आयोजित अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एक्सपोर्ट आफ डेमोक्रेसी : द 'न्यू ग्रेट गेम' इन सेंट्रल एशिया', शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अजय कुमार पटनायक ने 3–4 फरवरी 2006 को दक्षिण–मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र, गुरू नानकदेव विश्वविद्यालय, अमृतसर द्वारा आयोजित 'एथनोमेशनलिज्म इन पोस्ट सोवियत सेन्ट्रल सोवियत सेन्ट्रल एशिया' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'यूरेशियन आइडेंटिटी ऐंड रशिया–सेन्ट्रल एशिया इंटीग्रेशन पॉसीबिलिटीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अजय कुमार पटनायक ने 5 से 9 अक्टूबर, 2005 तक रोड्स में आयोजित 'डायलॉग आफ सिविलाइजेशंस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'एक्सपोर्ट आफ डेमोक्रेसी : कनटेनमेंट आफ रशिया इन काकेसस ऐंड सेंट्रल एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- तुलसीराम ने 9–10 अप्रैल, 2005 को मुम्बई में आयोजित अन्तरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन में 'बुद्धिज्म : रिवोलयूशन ऐंड काउंटर रिवोल्यूशन इन एनशिएंट इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- तुलसीराम ने 16 से 18 नवम्बर 2005 तक काकेसिएन स्टडी सेंटर, सी आर आर आई डी, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित इंडिया–सेन्ट्रल एशिया रिलेशंस : द वे अहेड' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'द हिस्टोरीकल रूट्स आफ टेरोरिज्म इन काकेसस : द केस आफ चेचन्या' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- तुलसीराम ने 1–2 दिसम्बर, 2005 को एकेडमी आफ थर्ड वर्ल्ड स्टडीज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित 'आर्टिक्यूलेटिंग द मॉडर्न : कल्चरल हिस्टोरीज आफ सेंट्रल एशिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सिल्क रूट : स्प्रिंगबोर्ड आफ बुद्धिज्म इन सेन्ट्रल एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अरुण मोहन्ती ने 25 से 29 सितम्बर 2005 तक रोड्स, यूनान में आयोजित 'डायलॉग आफ सिविलाइजेशन' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- अरुण मोहन्ती ने 16 से 19 अगस्त, 2005 तक आयोजित 'इण्डो रशियन डिफेंस कॉपरेशन' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- अरुण मोहन्ती ने फरवरी 2006 में 'एथनो डाइमेंशन आफ डेमोग्राफिक प्रोसस इन सी ए : ए केस स्टडी आफ कजाकिस्तान' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- अरुण मोहन्ती ने 16–17 फरवरी 2006 को आयोजित 'रशिया'ज सीआईएस पॉलिसी अंडर प्रेसिडेंट पुतिन' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- अरुण मोहन्ती ने सितम्बर 2005 में रशियन हाऊस आफ कल्चर ऐंड साइंस में 'जेनेसिस आफ रशिया'ज मार्केट रिफॉर्स' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- अरुण मोहन्ती ने फरवरी 2006 में रूसी अध्ययन केन्द्र, जेएनयू. में आयोजित 'रिफलेक्शंस आन पुतिन'स इकोनामिक पॉलिसी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- संजय कुमार पाण्डेय ने 3–4 फरवरी 2006 को दक्षिण – मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र, गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर द्वारा आयोजित 'एथनो–नेशनलिज्म इन पोस्ट सोवियत सेंट्रल एशिया' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एकोमोडेशन आफ एथनिक माइनोरिटीज इन सेंट्रल एशियन स्टेट्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- संजय कुमार पाण्डेय ने 16–17 फरवरी 2006 को केन्द्र द्वारा आयोजित 'द सी आई एस : इनर्जी, सिक्यूरिटी ऐंड डिवलपमेंट' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'पॉलिटीकल डिवलपमेंट इन युक्रेन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- संजय कुमार पाण्डेय ने 17–18 नवम्बर 2005 को सेंटर फार रिसर्च इन रूरल ऐंड इंडस्ट्रियल डिवलपमेंट, चण्डीगढ़ द्वारा आयोजित 'इंडिया–यूरेशिया : द वे अहेड' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'इंडिया इन द रशिया फॉरेन पॉलिसी डिबेट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- संजय कुमार पाण्डेय ने 16–17 मार्च 2006 को अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा आयोजित 'कल्चर ऐंड आइडेंटिटी इन इंटरनेशनल रिलेशंस : इम्पैक्ट आन फोरेन पॉलिसी' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'द डिबेट आन रशियन आइडेंटिटी ऐंड फारेन पॉलिसी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- फूल बदन ने 12 से 14 अप्रैल 2005 तक एकेडमी आफ थर्ड वर्ल्ड स्टडीज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'टर्की'स रिलेशन विद सेंट्रल एशिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- फूल बदन ने 3–4 फरवरी 2006 को दक्षिण, मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र द्वारा आयोजित 'एथनो–रिलिजस रिसर्जेंस इन सेंट्रल एशिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- फूल बदन ने 16–17 फरवरी 2006 तक केन्द्र द्वारा आयोजित 'रिवाइवल आफ इस्लाम इन सेंट्रल एशिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- डी. प्रीतिदास ने 8 से 10 नवम्बर 2005 तक आयोजित 'रशियन थ्रू द ईयर्स : ए मोजेक आफ लैंग्वेज, लिट्रेचर ऐंड कल्चर' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी व कार्यशाला में 'रशियन मास कम्युनीकेशन–चैलेंजिज ऐंड अपरच्युनिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- डी. प्रीतिदास ने 8 से 10 फरवरी 2006 तक आयोजित 'कल्चर्स ऐंड सोसाइटीज इन ट्रांजीशन; इंडिया, रशिया ऐंड अदर सीआईएस कंट्रीज' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एज्यूकेशनल रिफार्म्स इन रशिया (ए कंपेरेटिव स्टडी आफ हिस्ट्री टेक्स्ट बुक्स यूज्ड इन रशियन स्कूल्स) शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- डी. प्रीतिदास ने 16–17 फरवरी 2006 को आयोजित 'द सीआईएस : इनर्जी, सिक्यूरिटी ऐंड डिवलपमेंट' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कंटेम्पोरेरी रशियन लिट्रेचर इन द रशियन मीडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र

- मनमोहन अग्रवाल ने जुलाई 2005 में भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया। (आयोजक और आलेख प्रस्तुतकर्ता)
- मनमोहन अग्रवाल को अक्टूबर 2005 में सिंगापुर में आयोजित 'ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी इज एन एशियन सेंचुरी' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।
- मनमोहन अग्रवाल ने दिसम्बर, 2005 में ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट आफ इंटरनेशनल स्टडीज, जिनेवा में आयोजित 'कैपीटल मार्केट इंटीग्रेशन इन एशिया' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में विचार–विमर्शक के रूप में भाग लिया।

- मनमोहन अग्रवाल ने 6–7 मार्च 2006 को अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू में आयोजित 'एशियन पॉलिटिक्स : शेपिंग एशियन सिक्यूरिटी ऐंड फारेन पॉलिसी' विषयक संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत किया।
- मनमोहन अग्रवाल ने फरवरी 2006 में जेएनयू में 'गवर्नेंस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की और आलेख प्रस्तुत किया।
- मनमोहन अग्रवाल ने जनवरी 2006 में केन्द्र में 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड द मिलेनियम डिवलपमेंट गोल्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया और आलेख प्रस्तुत किया।
- मनमोहन अग्रवाल ने फरवरी 2006 में इंडियन एसोसिएशन आफ रिटायर्ड डिप्लोमेट्स द्वारा आयोजित 'इकोनामिक डिप्लोमेसी' विषयक संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत किया।
- मनमोहन अग्रवाल ने फरवरी, 2006 में राष्ट्रीय उच्च अध्ययन संस्थान, बंगलौर में आयोजित 'इण्डो–यूएस रिलेशंस' विषयक संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत किया।
- मनमोहन अग्रवाल ने फरवरी, 2006 में अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू में विदेश मंत्रालय–जेएनयू. द्वारा आयोजित 'इंडिया ऐंड द मेजर पावर्स' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया और आलेख प्रस्तुत किया।
- संगीता बंसल ने 22–23 नवम्बर, 2005 को पर्यावरण विज्ञान संस्थान, जेएनयू. में आयोजित 'रिसेंट ट्रेंड्स इन एनवायरनमेंटल साइंस' विषयक संगोष्ठी में 'एनवायरनमेंटल इकोनॉमिक्स' शीर्षक पूरे सत्र में विचार–विमर्शक रहीं।
- संगीता बंसल ने वर्ष 2005 में ब्रीमन, जर्मनी में आयोजित यूरोपियन एसोसिएशन आफ एनवायरनमेंटल ऐंड रिसॉर्स इकोनामिस्ट्स के वार्षिक सम्मेलन में आलेख प्रस्तुत किया।
- संगीता बंसल ने 7–8 अप्रैल, 2005 को अ.अ.सं., जेएनयू में आयोजित 'एनवायरनमेंट ऐंड डिवलपमेंट' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया और आलेख प्रस्तुत किया।
- एम.के. मेहरा ने 7–8 अप्रैल 2005 को अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र, अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित 'एनवायरनमेंट ऐंड डिवलपमेंट' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया और आलेख प्रस्तुत किया।
- मनोज पंत ने 14 से 16 फरवरी 2006 तक प्रिंसटन यूनिवर्सिटी में आयोजित संयुक्त राष्ट्र महासचिव की संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत किया।
- मनोज पंत ने 10 से 16 जुलाई 2005 तक आयोजित वर्चुअल इंस्टीट्यूट, अंकटाड, जिनेवा की कार्यशाला में आलेख प्रस्तुत किया।
- मनोज पंत ने 8–9 अगस्त 2005 को अंकटाड – भारत सरकार द्वारा नई दिल्ली, भारत में आयोजित 'प्री–हांगकांग मिनिस्ट्रियल कंसलटेशंस' विषयक सम्मेलन में आलेख प्रस्तुत किया।
- मनोज पंत ने 31 अगस्त, 2005 को सीआईआई – जेएनयू. द्वारा सीआईआई मुख्यालय, नई दिल्ली, में आयोजित 'इंडिया–वियतनाम इकोनामिक रिलेशंस :पोटेंशल ऐंड प्रॉस्पेक्ट्स' विषयक सम्मेलन में आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.एस. रे ने 29 से 31 मार्च 2006 तक भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर में मैक्स प्लांक इंस्टीट्यूट आफ इकोनामिक्स, जेना (जर्मनी) द्वारा आयोजित 'इंटरप्रिन्योरशिप, इनोवेशन ऐंड इकोनामिक ग्रोथ' विषयक पहली मैक्स प्लांक इंडिया कार्यशाला में सत्र की अध्यक्षता की।
- ए.एस. रे ने 6–7 मार्च, 2006 को अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित 'एशियन पॉलिटिक्स शेपिंग एशियन सिक्यूरिटी ऐंड फारेन पॉलिसी' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में आलेख प्रस्तुत किया।

- ए.एस. रे को 23–24 जनवरी, 2006 को इंस्टीट्यूट आफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, कराची में सार्क चैम्बर आफ कॉमर्स ऐंड इंडस्ट्री के सहयोग से आयोजित 'इनवेस्टमेंट ऐंड ट्रेड : ए विजन फार डिवलपमेंट' विषयक क्षेत्रीय सम्मेलन में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।
- ए.एस. रे ने 19–20 जनवरी, 2006 को अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र, जेएनयू नई दिल्ली में द लंदन स्कूल आफ इकोनामिक्स के सहयोग से आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड द मिलेनियम डिवलपमेंट गोल्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सह–अध्यक्षता की और आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.एस. रे को 15–16 दिसम्बर, 2005 को कासा एशिया, बार्सिलोना, स्पेन में इंडियन काउंसिल फार वर्ल्ड अफेयर्स, नई दिल्ली और कासा डे ला इंडिया, स्पेन द्वारा संयुक्त रूप से प्रायोजित 'इंडिया–स्पेन ट्रिब्यून : द फर्स्ट इंडिया–स्पेन सिविल सोसाइटी डायलॉग' विषयक संगोष्ठी में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।
- ए.एस. रे ने 13 दिसम्बर 2005 को जयपुर, भारत में आयोजित 'पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप इन हेल्थ' विषयक इण्डो–ईयू वार्ता में भाग लिया।
- ए.एस. रे ने 28–29 सितम्बर, 2005 को इंस्टीट्यूट आफ इंटरनेशनल रिलेशंस, नेशनल चेंगची यूनिवर्सिटी, ताइपेयी, ताईवान में आयोजित 'इज देयर एन इकोनामिक आर्थोडाक्सी फार डिवलपिंग नेशंस ?' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.एस. रे ने 26 अगस्त, 2005 को आई ई ई आई, साओ पावलो, ब्राजील में आयोजित 'इंडिया, ब्राजील, साउथ अफ्रीका (आई वी एस ए) : डिवलपमेंट पैटर्नस, कनवर्जेंसिज ऐंड एलाइंस पर्सपेक्टिव्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.एस. रे 31 अगस्त, 2005 को वियतनाम दूतावास, नई दिल्ली और सी आई आई द्वारा आयोजित 'इंडिया–वियतनाम इकोनामिक रिलेशंस : पोटेंशल्स ऐंड प्रॉस्पेक्ट्स' विषयक कार्यशाला आलेख प्रस्तुत किया।
- गुरबचन सिंह ने 7 से 9 अगस्त 2005 तक इंडियन स्कूल आफ बिजनेस, हैदराबाद, भारत में आयोजित 'फाइनेंस ऐंड इकोनामिक्स' विषयक द्वितीय ग्रीष्म शोध सम्मेलन में आलेख प्रस्तुत किया।
- गुरबचन सिंह ने 10 से 12 जनवरी 2006 तक इंडियन स्टेटिस्टीकल इंस्टीट्यूट (आई एस आई), दिल्ली में आयोजित 'इकोनामिक ग्रोथ ऐंड डिवलपमेंट' विषयक द्वितीय वार्षिक सम्मेलन में आलेख प्रस्तुत किया।
- गुरबचन सिंह ने 31 मार्च, 2005 से 1 अप्रैल 2005 तक विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र में आयोजित 'लॉ, इकोनामिक्स, ऐंड डिवलपमेंट' विषयक सम्मेलन में आलेख प्रस्तुत किया।

यूरोपीय अध्ययन केन्द्र

- यू.एस. बावा ने 23–24 मार्च, 2006 को अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू नई दिल्ली में आयोजित 'ई यू एज ए सिक्यूरिटी एक्टर, इन इंडिया ऐंड द यूरोपियन यूनियन' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- यू.एस. बावा ने 23 से 25 मार्च, 2006 तक सिटीजनशिप ऐंड सिक्यूरिटी प्रोग्राम एट द वर्ल्ड पॉलिसी इंस्टीट्यूट आफ द न्यू स्कूल इन न्यूयार्क, जर्मन काउंसिल आन फॉरेन रिलेशंस, बर्लिन, जर्मनी द्वारा आयोजित 'इमीग्रेशन ऐंड सिक्यूरिटी : यूरोपियन चैलेंजिज ऐंड इंटरनेशनल पर्सपेक्टिव' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- यू.एस. बावा 21–22 मार्च, 2006 को जर्मन इंस्टीट्यूट फार इंटरनेशनल रिलेशंस, बर्लिन, जर्मनी में आयोजित पाँचवीं यूरोपीय संघ–भारत वार्ता में इंडिया ग्रुप के समन्वयक थे।

- यू.एस. बावा ने 23–24 फरवरी 2006 को अ.अ.सं., जेएनयू नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान–विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित 'इंडिया ऐंड द मेजर पावर्स' विषयक संगोष्ठी में 'यूरोप ऐंड द वर्ल्ड' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- यू.एस. बावा, 20 जनवरी 2006 को जेएनयू नई दिल्ली में नीदरलैण्ड के प्रधानमंत्री महामहिम डॉ. जान पीटर बालकेनेन्टे द्वारा दिए गए विशेष व्याख्यान, के समन्वयक थे।
- यू.एस. बावा ने 15 दिसम्बर, 2005 को नई दिल्ली, भारत में आयोजित 'नो बार्डर्स–100 ईयर्स आफ नेबरली कॉपरेशन–स्वीडन–नार्वे' विषयक संगोष्ठी का संचालन किया।
- यू.एस. बावा ने 1–2 सितम्बर, 2005 को नई दिल्ली, भारत में आयोजित 'इमर्जिंग इंडिया : सिक्यूरिटी ऐंड फोरेन पॉलिसी पर्सपेक्टिव्स' विषयक इड्सा की 40वीं वर्षगाँठ स्मारक संगोष्ठी 1965–2005 में 'इंडिया ऐंड ई यू' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- यू.एस. बावा ने 1 से 4 जुलाई 2005 तक एम एल ए इंस्टीट्यूट सराजेवो, नियुम, बोस्निया ऐंड हर्जगोविना द्वारा आयोजित 'प्रिपेयरिंग पॉलिटीकल ऐंड बिजनेस लीडर्स आफ बिह ऐंड साउथ ईस्ट यूरोप फार द चैलेंजिज आफ द ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'चाइना, इंडिया, एशिया – द रोल आफ न्यू प्लेयर्स इन इंटरनेशनल पॉलिटिक्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- यू.एस. बावा ने 20–21 मई 2005 को हांगकांग बेपटिस्ट यूनिवर्सिटी, हांगकांग द्वारा आयोजित 'इंडिया–ई यू रिलेशंस : बिल्डिंग ए स्ट्रेटिजिक पार्टनर शिप, ई यू एशिया रिलेशंस : बिल्डिंग मल्टी–लेटरलिज्म' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- यू.एस. बावा ने 6 मई 2005 को नई दिल्ली, भारत में आयोजित जेएनयू और ब्राजीलिया विश्वविद्यालय की 'रोल आफ इमर्जिंग पावर्स इन इंटरनेशनल सिक्यूरिटी' विषयक फोर्ड परियोजना के क्षेत्र विशेषज्ञ/आयोजक रहे।
- गुलशन सचदेवा ने 22–25 अगस्त, 2005 तक हडसन इंस्टीट्यूट, वाशिंग्टन में आयोजित 'एशिया 2030' विषयक अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला में 'सेंट्रल एशियन सिनेरियो' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुलशन सचदेवा ने 7–8 नवम्बर, 2005 को इंस्टीट्यूट फार पॉलिटीकल ऐंड इंटरनेशनल स्टडीज, तेहरान में आयोजित 'सेंट्रल एशिया ऐंड द काकेसस 'रीजनल डिवलपमेंट्स : इंटरएक्शन ऐंड इनकाउंटर आफ स्ट्रेटिजीज' विषयक 13वें अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'कलर रिवोल्यूशंस इन सेंट्रल एशिया' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुलशन सचदेवा ने 24–25 मार्च, 2006 को भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान और उत्तर–पूर्वी नीति अध्ययन केन्द्र, गंगटोक, सिक्किम द्वारा आयोजित 'रिथिंकिंग द पैराडिग्म्स आफ डिवलपमेंट फार द नार्थईस्ट इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुलशन सचदेवा ने 23–24 मार्च 2006 को नई दिल्ली में आयोजित 'इंडिया ऐंड द यूरोपियन यूनियन' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'डायनेमिक्स आफ इंडिया – ई यू ट्रेड ऐंड इकोनॉमिक रिलेशंस' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुलशन सचदेवा ने 17–18 नवम्बर 2005 को सी आर आर आई डी द्वारा चण्डीगढ़ में आयोजित 'इंडिया–यूरेशिया : द वे अहेड' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इकोनामिक चेंजिज इन द सी आई एस ऐंड इंडियन रिस्पांस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुलशन सचदेवा ने 6–7 फरवरी 2006 को लखनऊ में आयोजित 'द यूरोपियन यूनियन फार द इंडियन मीडिया' विषयक सूचना संगोष्ठी में 'ई यू इंस्टीट्यूशंस ऐंड ई यू एज ए मॉडल फार साउथ एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुलशन सचदेवा ने 3–4 फरवरी 2006 को दक्षिण–मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर द्वारा आयोजित अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी 'अंडरस्टेंडिंग नेशनलिस्ट इकोनॉमिक मॉडल इन सेंट्रल एशिया' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

- गुलशन सचदेवा ने 12–13 अप्रैल, 2005 को ए टी डब्ल्यू एस, जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा आयोजित 'इंडिया, सेंट्रल एशिया ऐंड टर्की' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इंडिया ऐंड टर्की इन सेंट्रल एशिया : ए कंपेरेटिव ओवरव्यू' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुलशन सचदेवा ने 16 जनवरी 2006 को आईसीएएफ, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इण्डो–कजाक पर्सपेक्टिव्स आन द सोसियो–इकोनामिक डिवलपमेंट आफ सेंट्रल एशिया' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी 'द कजाकिस्तान इकोनॉमी ऐंड इण्डो–कजाक ट्रेड ऐंड इकोनामिक रिलेशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुलशन सचदेवा ने 23–24 फरवरी, 2006 को अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान में आयोजित 'इंडिया ऐंड मेजर पावर्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान – विदेश मंत्रालय की संगोष्ठी में 'इनर्जी ऐंड कंफ्लिक्ट इन सेंट्रल एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुलशन सचदेवा ने 24–25 जनवरी, 2006 को स्लोवेनिक और फिन्नोयुग्रियान अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'द हंगेरियन इकोनामी ऐंड इण्डो–हंगेरियन इकोनॉमिक रिलेशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुलशन सचदेवा ने 16–17 फरवरी 2006 को रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र, अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'द सीआईएस : इनर्जी, स्क्योरिटी ऐंड डिवलपमेंट' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'रिजीम चेंज थ्रू कलर रिवोल्यूशंस एनोदर डाइमेंशन आफ द न्यू ग्रेट गेम इन सेंट्रल एशिया' शीर्षक प्रस्तुत किया।
- गुलशन सचदेवा ने 8 से 10 फरवरी 2006 तक रूसी अध्ययन केन्द्र में आयोजित 'कल्चर्स ऐंड सोसाइटीज इन ट्रांजीशन' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इकोनामिक चेंजिज इन द सीआईएस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुलशन सचदेवा ने 25 दिसम्बर, 2005 को नई दिल्ली में यूनिटी इंटरनेशनल द्वारा आयोजित 'पीएम'स विजिट टु रशिया' विषयक संगोष्ठी में 'इण्डो–रशियन इकोनामिक रिलेशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर.के. जैन ने 27–28 जून, 2005 को हैनस सीडल स्टिफतुंग, बर्लिन द्वारा आयोजित 'इंडिया न्यू डायनेमिक्स इन फारेन पॉलिसी' विषयक सम्मेलन में 'इंडिया ऐंड द यूरोपियन यूनियन : बिल्डिंग ए स्ट्रेटिजिक पार्टनरशिप' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर.के. जैन ने 11–12 नवम्बर, 2005 को मकाउ में आयोजित 'ई यू–एशियन रिलेशंस : स्टेट आफ अफेयर्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'इंडिया–ई यू स्ट्रेटिजीक पार्टनरशिप' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर.के. जैन ने 8 से 10 दिसम्बर, 2005 तक टोकियो में आयोजित 'मल्टिलेटरलिज्म ऐंड रीजनलिज्म इन यूरोप ऐंड एशिया–पेसिफिक' विषयक सम्मेलन में 'इंडिया, ईयू ऐंड एशियन रीजनलिज्म' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर.के. जैन ने 6–7 जनवरी, 2006 को शंघाई, चीन में आयोजित 'ईयू एक्सपिरियंसिज इन इंटीग्रेशन : ए मॉडल फार एसियान + 3' विषयक एशियाई क्षेत्रीय सम्मेलन में 'द यूरोपियन यूनियन ऐंड साउथ एशियन रीजनलिज्म : लेशंस ऐंड रिलिवांस आफ यूरोपियन एक्सपिरियंसिज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर.के. जैन ने 6–7 फरवरी, 2006 को विल्टन पार्क, यू.के. में आयोजित 'विच वे फारवर्ड फोर द यूरोपियन यूनियन : पॉलिटीकल ऐंड कांस्टीट्यूशनल चैलेंजिज' विषयक विल्टन पार्क सम्मेलन में भाग लिया।
- आर.के. जैन ने सितम्बर, 2005 में फेडरेशन आफ इण्डो–जर्मन सोसाइटीज द्वारा आयोजित 'बुनदेसतेगस्वाल, 2005' विषयक संगोष्ठी में 'जर्मन इलेक्शंस, 2005' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- आर.के. जैन ने 6 दिसम्बर, 2005 को दिल्ली पॉलिसी ग्रुप, ब्रिटिश हाइकमीशन आर डिलिगेशन आफ द यूरोपियन कमिशन इन इंडिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'द यूरोपियन युनियन – वाई इट मैटर्स टु इंडिया' विषयक संगोष्ठी में 'हाउ इंडिया सीज द ईयू : स्ट्रेटिजिक पार्टनर आर क्रिएचर आफ द पास्ट ? शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर.के. जैन ने 3–4 फरवरी 2006 को मुम्बई में आयोजित 'द यूरोपियन यूनियन फार द इंडियन मीडिया' विषयक संगोष्ठी में 'इंफार्मेशन' शीर्षक मुख्य व्याख्यान दिया।
- आर.के. जैन ने 23–24 मार्च 2006 को यूरोपीय अध्ययन केन्द्र, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इंडिया ऐंड द यूरोपियन यूनियन : पैरामीटर्स ऐंड पोटेंशल आफ द स्ट्रेटिजीक पार्टनरशिप' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- शशिकांत झा ने 8–9 मार्च 2005 को रूसी भाषा अध्ययन विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, उत्तर प्रदेश में आयोजित ' रशियन लैंगवेज, लिटरेचर ऐंड कलचर टुडे' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'डेमोक्रेटाइजेशन इन रशिया ऐंड इट्स चैलेंजिज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- शशिकांत झा ने 12 से 14 सितम्बर 2005 तक मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र, कश्मीर विश्वविद्यालय, जम्मू–कश्मीर, श्रीनगर में आयोजित 'सेंट्रल एशिया : इंट्रोस्पेक्शन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'रशिया'ज पॉलिसी टु वर्डस सेंट्रल एशिया आफ्टर सोवियत डिस्इंटीग्रेशन', शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- शशिकांत झा ने 22–23 अक्टूबर, 2005 को राजनीति विज्ञान विभाग, गोरखपुर विश्वविद्यालय में आयोजित 'द फ्यूचर आफ इंडियन डेमोक्रेसी' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'इंडियन डेमोक्रेसी एट क्रास रोड्स : चैलेंजिज ऐंड पॉसीबिलिटीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- शशिकांत झा ने 8 से 10 नवम्बर, 2005 तक रूसी अध्ययन केन्द्र, भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान, जेएनयू नई दिल्ली में आयोजित 'रशियायन थ्रू द ईयर्स : ए मोजेक आफ लैंग्वेज, लिट्रेचर ऐंड कल्चर' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'पार्टीज, पॉलिटिक्स ऐंड डेमोक्रेसी इन रशियन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- शशिकांत झा ने 22–23 मार्च 2006 को आयोजित 'इंडिया ऐंड द यूरोपियन यूनियन, 'यूरोपियन यूनियन ऐंड डेमोक्रेटाइजेशन इन ईस्टर्न यूरोप' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- भास्वती सरकार ने 3–4 फरवरी, 2006 को दक्षिण, मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'बिल्डिंग कजाकिस्तान एज कजाक नेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- भास्वती सरकार ने 23–24 मार्च, 2006 को केन्द्र द्वारा आयोजित 'इंडिया ऐंड द यूरोपियन यूनियन' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'आइडेंटिटीज इन यूरोप ऐंड यूरोपियन आइडेंटिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

- अलका आचार्य ने 29 नवम्बर से 2 दिसम्बर 2005 तक विदेश मंत्रालय, जापान के निमन्त्रण पर टोकियो, क्योटो और क्योब में स्थित कई शोध संस्थाओं और विश्वविद्यालयों के जापानी चीनी भाषा विद्वानों के साथ विचार–विमर्श किया और बैठकें आयोजित की।
- अलका आचार्य ने 16–17 दिसम्बर, 2005 को भण्डारनायके सेंटर फार इंटरनेशनल स्टडीज द्वारा स्कूल आफ एडवांस्ड इंटरनेशनल स्टडीज, जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी, वाशिंग्टन डी.सी. के सहयोग से कोलम्बो में आयोजित 'इंडिया–चाइना रिलेशंस' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।

- अलका आचार्य ने 21–22 दिसम्बर, 2005 को भण्डारनायके सेंटर फार इंटरनेशनल स्टडीज, कोलम्बो द्वारा द चाइना इंस्टीट्यूट आफ इंटरनेशनल स्टडीज, बीजिंग के सहयोग से कोलम्बो में आयोजित 'चाइना–साउथ एशिया रिलेशंस' विषयक सम्मेलन में 'इंडिया ऐंड चाइना–साउथ एशिया रिलेशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एच.एस. प्रभाकर ने 26 जुलाई, 2005 को सीआईआई, नई दिल्ली में आयोजित 'सक्सीडिंग इन जापान' विषयक सीआईआई–आईजेआई कार्यशाला में 'अंडरस्टेंडिंग द जापानीज माइंडसेट : आस्पेक्ट्स आफ हिस्ट्री, कल्चर ऐंड सोसाइटी' विषयक आलेख प्रस्तुत किए।
- एच.एस. प्रभाकर ने 2 से 4 दिसम्बर 2005 तक वासेदा विश्वविद्यालय, टोकियो में आयोजित 'डायनेमिज्म आफ द ईस्ट एशियन कम्युनिटी' विषयक वासेदा अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ईस्ट एशियन कम्युनिटी एज सीन फ्राम इंडियन सिविल सोसाइटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एच.एस. प्रभाकर ने 9 से 11 जनवरी 2006 तक पुणे, भारत में आयोजित 'आस्ट्रेलिया ऐंड इंडिया : कनवर्जेंसिज ऐंड डाइवर्जेंसिज' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'रीजनलिज्म ऐंड नेबरहुड बेनिफिट्स : इंप्लिकेशंस आफ ईस्ट एशियन कम्युनिटी आन आस्ट्रेलिया ऐंड इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एच.एस. प्रभाकर ने 1 से 6 दिसम्बर, 2005 तक वासेदा विश्वविद्यालय, टोकियो में आयोजित 'डायनोमिज्म आफ द ईस्ट एशियन कम्युनिटी' विषयक सम्मेलन में 'ईस्ट एशियन कम्युनिटी सीन फ्राम इंडियन सिविल सोसाइटी पर्सपेक्टिव' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- डी. वाराप्रसाद शेखर ने 26–27 जुलाई 2005 को बैंकाक में आयोजित 'एशियन कंसट्रक्ट्स आफ सोशल चेंज : ट्रांसलेटिंग ट्रेडिशंस, क्रिएटिंग द न्यू' विषयक एशियन स्कालरशिप फाउंडेशन सम्मेलन में 'द ताओ आफ साइंस ऐंड स्टेट इन पोस्ट माओ चाइना : एन इंक्वायरी इन टु देयर इंटरएक्शन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- डी. वाराप्रसाद शेखर ने 29 सितम्बर, 2005 को यूनिवर्सिटी आफ सिंध, जमशारो, पाकिस्तान में आयोजित 'पाकिस्तान–चाइना रिलेशंस इन चेंजिंग रीजनल ऐंड ग्लोबल सिनेरियो' विषयक संगोष्ठी में 'सिविलियन टेक्नोलॉजी ट्रांसफर बिटवीन चाइना ऐंड पाकिस्तान' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- डी. वाराप्रसाद शेखर ने 6–7 मार्च 2006 को अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'एशियन पॉलिटिक्स : शेपिंग फॉरेन ऐंड डोमेस्टिक पॉलिसी' विषयक संगोष्ठी में 'साइंस, टेक्नोलॉजी ऐंड डिवलपमेंट इन एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जीतेन्द्र उत्तम ने 10–11 फरवरी, 2006 को पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'कोरिया इन सर्च फार न्यू ग्लोबल रोल : करंट कंसर्न्स ऐंड पास्ट मूरिंग्स' विषयक सम्मेलन में 'कोरिया'ज न्यू टेक्नो–साइंटीफिक स्टेट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केन्द्र

- महेन्द्र पी. लामा ने 4 मई, 2005 को ढाका चैम्बर आफ कॉमर्स ऐंड इंडस्ट्री और यूएसएआईडी, ढाका द्वारा आयोजित 'इकोनामिक ऐंड सोशल बेनेफिट्स अनालिसिस आफ पॉवर ट्रेड इन साउथ एशिया ग्रोथ क्वाड्रेंगल रीजन' शीर्षक गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया।
- महेन्द्र पी. लामा ने जुलाई, 2005 में आरएमएमआरयू, ढाका द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 'इलीगल माइग्रेंट्स फ्राम साउथ एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- महेन्द्र पी. लामा ने सितम्बर, 2005 में कॉक्स बाजार में बीआईआईएसएस ढाका द्वारा आयोजित 'ह्यूमन सिक्योरिटी इन इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- महेन्द्र पी. लामा ने 17 से 19 जनवरी, 2006 तक बंगलादेश एंटरप्राइज इंस्टीट्यूट, ढाका द्वारा आयोजित भारत–बंगलादेश वार्ता में 'इंडिया ऐंड बंगलादेश : इंफ्रास्ट्रक्चरल लिकेजिज फार इंटीग्रेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आई.एन. मुखर्जी ने 13 अगस्त 2005 को बंगलादेश एंटरप्राइज इंस्टीट्यूट, ढाका द्वारा आयोजित 'इण्डो बंगलादेश ट्रेड' विषयक संगोष्ठी में 'विशेषज्ञ' के रूप में भाग लिया।
- आई.एन. मुखर्जी ने 15 अगस्त 2005 को पेराडेनिया यूनिवर्सिटी, कैंडी, कोलम्बो द्वारा आयोजित सार्क लेखक व आलोचक सम्मेलन में 'इण्डो श्रीलंका फ्री ट्रेड एग्रीमेंट' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- आई.एन. मुखर्जी ने 21 से 23 सिजम्बर, 2005 तक कॉक्स बाजार, चटगांव, बंगलादेश में 'बंगलादेश इंस्टीट्यूट आफ इंटरनेशनल ऐंड स्ट्रेटिजीक स्टडीज द्वारा आयोजित 'ह्यूमन सिक्योरिटी इन साउथ एशिया' विषयक शोध परियोजना में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- आई.एन. मुखर्जी ने 23 मार्च 2006 को उलानबटार, मंगोलिया में यू एन ई एस सी ए पी द्वारा प्रायोजित 'प्रॉसपेक्टिव बेनेफिट्स आफ आप्ता मेम्बरशिप' विषयक संगोष्ठी में 'पॉवर प्वाइंट' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- आई.एन. मुखर्जी ने 16–17 दिसम्बर, 2005 तक सेंटर फार स्टडीज इन इंटरनेशनल रिलेशंस ऐंड डिवलपमेंट, कोलकाता द्वारा आयोजित 'पॉसीबिलिटीज फार ए कम्प्रीहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप बिटवीन बिम्सटेक कंट्रीज ऐंड जापान' विषयक पहले अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, एक सत्र की अध्यक्षता की और विचार विमर्शक रहे।
- आई.एन. मुखर्जी ने 28 से 30 दिसम्बर, 2005 तक जयपुर में आयोजित 'पीस, कंफ्लिक्ट ऐंड डिवलपमेंट इन साउथ एशिया' विषयक द्वितीय अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'इंडिया'ज ट्रेड विद इट्स नेबर'स – कनफ्लिक्ट आर कंफीडेंस बिल्डिंग ? शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आई.एन. मुखर्जी ने 21 से 23 अक्टूबर, 2005 तक आईसीजी, गोवा में एशियन मीडिया इंफार्मेशन ऐंड कम्युनीकेशन सेंटर आफ इंडिया (ए.एम.आई.सी.–इंडिया) और एफईएस, यूनेस्को के सहयोग से आयोजित 'मीडिया ऐंड पब्लिक इंटरेस्ट इश्यूज इन साउथ एशिया' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड रिफॉर्म्स इन साउथ एशिया : अपरच्युनिटीज ऐंड कंसर्न्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आई.एन. मुखर्जी ने 20 जनवरी, 2006 को इंस्टीट्यूट आफ मार्केटिंग ऐंड मैनेजमेंट, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 33वीं वर्ल्ड मार्केटिंग कांग्रेस में 'साफ्टा : इट्स चैलेंजिज ऐंड अपरच्युनिटीज' विषयक मुख्य व्याख्यान दिया।
- आई.एन. मुखर्जी ने 21 जनवरी 2006 को इण्डो–अमेरिकन सेंटर, यूनिवर्सिटी आफ हैदराबाद, हैदराबाद में 'इण्डो–श्रीलंका फ्री ट्रेड एग्रीमेंट : कैन ट्रेड एग्रीमेंट अमंग अनइक्वल पार्टनर्स वर्क ?' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आई.एन. मुखर्जी ने 25 फरवरी 2006 को द एसोसिएशन आफ इंडियन डिप्लोमेट्स द्वारा आयोजित 'इकोनामिक डिप्लोमेसी' विषयक संगोष्ठी में 'इंडियन एड टु द नेबरिंग कंट्रीज : द चेजिंग कांटेक्स्ट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पी. सहदेवन ने 18 फरवरी, 2006 को फाउंडेशन फार कम्युनिटी ट्रांसफॉर्मेशन, कोलम्बो में 'इंटरनेशनलाइजेशन आफ द श्रीलंकन पीस प्रोसस' विषयक व्याख्यान दिया।
- पी. सहदेवन ने 17 फरवरी, 2006 को फाउंडेशन फार कम्युनिटी ट्रांसफार्मेशन, कोलम्बो में 'इंडिया ऐंड पीपल आफ इंडियन ऑरिजन इन श्रीलंका' विषयक व्याख्यान दिया।

- पी. सहदेवन ने 15–16 फरवरी 2006 को सेंटर फार सिक्योरिटी अनालिसिस, चेन्नई द्वारा श्रीलंका फाउंडेशन इंस्टीट्यूट, कोलम्बो में आयोजित 'पीस प्रोसस इन श्रीलंका : रिस्क्स ऐंड चैलेंजिज' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इंडिया ऐंड श्रीलंका'ज पीस प्रोसस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पी. सहदेवन ने 22–23 मार्च 2006 को दक्षिण एशियाई अध्ययन केन्द्र, राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'साउथ एशिया : इमर्जिंग सिनेरियो' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ट्रेंड्स इन द श्रीलंकन पीस प्रोसस ऐंड इंडिया'ज रोल' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पी. सहदेवन ने 30–31 जनवरी 2005 और 1 फरवरी 2006 को इण्डो–अमेरिकन सेंटर फार इंटरनेशनल स्टडीज, हैदराबाद द्वारा आयोजित 'इंडिया–श्रीलंका पार्टनरशिप इन द ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इंडिया'ज पॉलिसी आफ नॉन इंटरवेंशन इन श्रीलंका' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- संजय भारद्वाज ने 17 से 19 जनवरी 2006 तक बंगला देश एंटरप्राइज इंस्टीट्यूट, ढाका द्वारा आयोजित भारत–बंगलादेश वार्ता में भाग लिया।
- संजय भारद्वाज ने 11–12 अप्रैल, 2005 को डाइरेक्टोरेट आफ नेट असेस्मेंट, हेड क्वार्टर्स, डिफेंस स्टाफ द्वारा आईडीएसए के सहयोग से आयोजित 'फ्यूचर साइनपोस्ट्स, ट्रेंड्स ऐंड लाइकली सिनेरियोज इन बंगलादेश ऐंड इट्स सिक्योरिटी इंप्लिकेशन फार इंडिया' विषयक संगोष्ठी/कार्यशाला में भाग लिया।
- संजय भारद्वाज ने 22–23 मार्च 2006 को दक्षिण एशियाई अध्ययन केन्द्र, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में आयोजित 'इमर्जिंग सिनेरियो इन साउथ एशिया' विषयक संगोष्ठी में 'इमर्जिंग सिनेरियो इन बंगलादेश' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- संजय भारद्वाज ने 25–26 मार्च, 2006 को राजनीति विज्ञान विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में आयोजित 'कंटेम्पोरेरी सिनेरियो आफ इंडियन डेमोक्रेसी' विषयक संगोष्ठी में 'पार्टी सिस्टम इन इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- के. वारिकू ने 27 जुलाई से 8 अगस्त, 2005 तक जिनेवा में आयोजित मानवाधिकार उप आयोग के 57वें सत्र में भाग लिया।
- के. वारिकू ने 12 से 15 सितम्बर 2005 तक इंटरनेशनल कश्मीर एलायंस, यू.के. द्वारा ब्रुसेल्स में आयोजित 'नेशनल रिकंसीलिएशन' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- के. वारिकू ने 26 सितम्बर से 3 अक्टूबर, 2005 तक सियोल में आयोजित आई ओ वी – कोरिया ऐंड एशिया की अन्तरराष्ट्रीय विश्व कांग्रेस में भाग लिया।
- के. वारिकू 4 से 7 दिसम्बर 2005 तक कजाकिस्तान (अलमाती) के राष्ट्रपति के चुनाव के दौरान अन्तरराष्ट्रीय प्रेक्षक थे।
- के. वारिकू ने 9 से 14 दिसम्बर, 2005 तक बीजिंग में आयोजित 'रिलिजन ऐंड सिक्योरिटी' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इस्लामिस्ट एक्सट्रीमिज्म : चैलेंज टु सिक्योरिटी इन साउथ एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- के. वारिकू ने 28 फरवरी से 4 मार्च, 2006 तक कमाल अतातुर्क यूनिवर्सिटी, इरजुरूम, तुर्की द्वारा आयोजित 'यूरोशिया' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'रशिया'ज पॉलिसी टुवर्डस पोस्ट सोवियत कजाकिस्तान' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- के. वारिकू ने 24 मार्च से 4 अप्रैल, 2006 तक मानवाधिकार आयोग, जिनेवा के 62 वें सत्र में भाग लिया।
- मंदिरा दत्ता ने 4 से 8 सितम्बर 2005 तक ग्लोबल मार्च अगेंस्ट चाइल्ड लेबर और बचपन बचाओ आंदोलन द्वारा आयोजित अन्तरराष्ट्रीय बाल कांग्रेस, 2005 में पेनेलिस्ट के रूप में भाग लिया।

- गंगनाथ झा ने 2 दिसम्बर, 2005 को अन्तरराष्ट्रीय संबंध विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता में आयोजित 'बिम्सटेक ऐंड इंडिया'ज लुक ईस्ट पॉलिसी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- गंगनाथ झा ने 9 फरवरी, 2006 को प्रो. यागामी रेड्डी, डिपार्टमेंट आफ साउथ–ईस्ट एशियन ऐंड द पेसिफिक स्टडीज, श्री वेंकटेश्वर यूनिवर्सिटी, तिरूपति द्वारा आयोजित 'इण्डो–थाई रिलेशंस मिसप्लेस्ड रिद्म आफ कॉपरेशन, इमर्जिंग इंडिया इन द ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी एशिया पेसिफिक' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- गंगनाथ झा ने 5 सितम्बर, 2005 को आईसीसीआर में डॉ. नीरू मिश्रा और प्रो. सच्चिदानंद सहाय द्वारा आयोजित 'इण्डो–थाई रिलेशंस, इण्डो–थाई हिस्टोरीकल ऐंड कल्चरल लिंकेजिज' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- गंगनाथ झा ने 30 मार्च 2006 को इग्नू में 'इंडियन डायसपोरा इन साउथ ऐंड साउथ–ईस्ट एशिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- मनमोहिनी कौल ने 11–12 मार्च, 2006 को वि.अ.आ. द्वारा एम.के.पी.पी.जी. कॉलेज, देहरादून, उत्तरांचल द्वारा आयोजित 'स्ट्रांग नेटवर्क आफ एन.जी.ओ.ज फार पीस ऐंड कनफ्लिक्ट रिजोल्यूशन' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'रोल आफ वुमन फार पीस ऐंड कनफ्लिक्ट रिजोल्यूशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मनमोहिनी कौल ने 29 अप्रैल, 2005 को मौलाना अबुल कलाम आजाद इंस्टीट्यूट आफ एशियन स्टडीज, कोलकाता में आयोजित 'रिमेम्बरिंग बांडुंग : क्वेस्ट फार एशियन ऐंड अफ्रीकन कॉपरेशन फार पीस ऐंड डिवलपमेंट' विषयक संगोष्ठी में 'फ्राम बांडुंग टु बाली : इंडिया'ज फारेन पॉलिसी टुवर्डस साउथ–ईस्ट एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मनमोहिनी कौल ने 26 सितम्बर 2005 को द सेंटर दे साइंसेज ह्यूमैंस और इंडिया इंटरनेशनल सेंटर द्वारा आयोजित 'एक्टर्स ऐंड मॉडल्स आफ द इंडियन डायसपोरा इन इंटरनेशनल रिलेशंस' विषयक संगोष्ठी में 'इवाल्विंग आइडेंटिटीज : द इंडियन डायसपोरा इन आस्ट्रेलेशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मनमोहिनी कौल ने 10 मार्च 2006 को भारतीय दक्षिण एशियाई सहयोग परिषद और इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'ए क्रिएटिव कॉपरेशन इन अवर रीजन' विषयक संगोष्ठी में 'रीजनल ग्रुपिंगस : ए ओवरव्यू आफ बिम्सटेक ऐंड एमजीसी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र

- गिरिजेश पंत ने 31 मार्च, 2006 को जीएसपी, एसआईएस, जेएनयू में आयोजित 'कनटेम्पोरेरी सऊदी अरेबिया ऐंड इंडिया – सऊदी रिलेशंस' विषयक संगोष्ठी में 'सऊदी अरेबिया : फ्राम आयल किंगडम टु द मार्किट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गिरिजेश पंत ने 6 मार्च 2006 को एम्बेसी आफ द स्टेट आफ कुवैत, इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंसेज, कुवैत इर्फोर्मेशन द्वारा आयोजित 'इकोनामी, रीजनलिज्म ऐंड डेमोक्रेसी : न्यू ट्रेंड्स इन इण्डो–कुवैत रिलेशंस' विषयक संगोष्ठी में 'कुवैत इकोनामी : ट्रेंड्स ऐंड डिवलपमेंट्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गिरिजेश पंत ने 24 फरवरी, 2006 को केन्द्रीय सचिवालय पुस्तकालय, नई दिल्ली में 'एरिया स्टडीज इन द एज आफ ग्लोबलाइजेशन : चैलेंजिज ऐंड इश्यूज' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- गिरिजेश पंत ने 13 फरवरी 2006 को आईआईसी में इड्सा द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 'इनर्जी सिक्योरिटी विद स्पेशल फोक्स आन इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गिरिजेश पंत ने 31 जनवरी 2006 को नई दिल्ली में आयोजित 8वें एशियाई सुरक्षा सम्मेलन में 'एशिया'ज इनर्जी क्वेस्टः रिडिफाइनिंग द सिक्योरिटी डायनेमिक्स आफ वेस्ट' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

- गिरिजेश पंत ने 24 जनवरी 2006 को एकेडमी आफ थर्ड वर्ल्ड स्टडीज में आयोजित 'गल्फस लुक ईस्ट पॉलिसी' विषयक पेनल परिचर्चा में भाग लिया।
- गिरिजेश पंत ने 18–19 जनवरी 2006 को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'इंडिया'ज वेस्ट एशिया पॉलिसी : इश्यूज ऐंड कंसर्न्स' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- गिरिजेश पंत ने 16 जनवरी, 2006 को ओआरएफ द्वारा आयोजित 'सऊदी अरेबिया' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- गिरिजेश पंत ने 4–5 जनवरी 2006 को दुबई में आयोजित तीसरे जीआरसी अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'इंडिया–गल्फ इकोनामिक रिलेशंस इन द एज आफ ग्लोबलाइजेशन' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- गिरिजेश पंत ने 19 अक्टूबर 2005 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया में आयोजित संगोष्ठी में 'आफ्टर द वियना वोट : इंडिया, यूएस ऐंड ईरान' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- गिरिजेश पंत ने 28 से 30 सितम्बर, 2005 तक बेरुत में आयोजित 'रोल आफ कल्चरल इंटरएक्शन इन बिल्डिंग वर्ल्ड पीस' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'टुवर्डस ग्लोबल कल्चरल रिजिलिएंस : सम रिफ्लेक्शंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गिरिजेश पंत ने 5 सितम्बर, 2005 को कालिकट विश्वविद्यालय में 'इंडिया 2020 : मेरीटाइम पर्सपेक्टिव्स आन इंडिया'ज इमर्जिंग इनर्जी फ्रंटियर्स : द मेरीटाइम डाइमेंशन' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- गिरिजेश पंत ने अक्टूबर, 2005 में थर्ड वर्ल्ड एकेडमी द्वारा आयोजित 'फ्यूचर आफ इराक' विषयक संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत किया।
- गिरिजेश पंत ने 3 मई, 2005 को अकादमिक स्टाफ कॉलेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 'इंडिया : इमर्जिंग इनर्जी प्लेयर' विषयक व्याख्यान दिया।
- गिरिजेश पंत ने 29 अप्रैल 2005 को मौलाना अबुल कलाम आजाद इंस्टीट्यूट आफ एशियन स्टडीज द्वारा आयोजित 'रिमेम्बरिंग बांडुंग : क्वेस्ट फार एशियन अफ्रीकन कॉपरेशन फार पीस ऐंड डिवलपमेंट' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'बांडुंग प्रोजेक्ट : रिडिफाइनिंग द कंसर्न्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गिरिजेश पंत ने 26–27 अप्रैल, 2005 को नेवी वार कॉलेज, मुम्बई में आईओआर रिस्क असेस्मेंट में 'फैक्टरिंग वेस्ट एशिया'ज स्ट्रेटिजिक सेलियंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गिरिजेश पंत ने 12 से 14 अप्रैल 2005 तक थर्ड वर्ल्ड एकेडमी में आयोजित अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इंडिया–सेंट्रल एशिया ऐंड टर्की–रिएलिटिज, चैलेंजिज ऐंड आप्शंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुलशन डायटल ने 4 अगस्त 2005 को केन्द्र में आयोजित संगोष्ठी में 'प्रेसिडेंशियल इलेक्शन इन ईरान : एन अप्रैजल' विषयक परिचर्चा की।
- गुलशन डायटल ने 8 अगस्त 2005 को आईआईसी में आयोजित असगर अली इंजीनियर के 'द ग्रोविंग कांससनेस आफ द 'अदर' : मूवमेंट फार रिफॉर्म इन द मुस्लिम कम्युनिटी' विषयक व्याख्यान की अध्यक्षता की।
- गुलशन डायटल 11 अगस्त 2005 को केन्द्र में आयोजित "सऊदी अरेबिया आफ्टर फौद" विषयक संगोष्ठी में पेनेलिस्ट थीं।
- गुलशन डायटल 12 से 14 सितम्बर 2005 तक मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र, कश्मीर विश्वविद्यालय में आयोजित 'सेंट्रल एशिया : इंट्रोस्पेक्शन' विषयक संगोष्ठी में 'लीगल रेजिम फार द कैस्पियन : द ईरानियन पॉजीशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- गुलशन डायटल ने 20–21 सितम्बर, 2005 को इड्सा–बेसा (बेगिन सादात सेंटर, इजरायल) द्विपक्षीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया।
- गुलशन डायटल 19 अक्टूबर 2005 को नेलसन मंडेला सेंटर फार पीस ऐंड कंफ्लिक्ट रिजोल्यूशन, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में आयोजित 'आफ्टर द वियना वोट : ईरान, द यूएस ऐंड इंडिया' विषयक संगोष्ठी में पेनेलिस्ट थीं।
- गुलशन डायटल ने 25–26 अक्टूबर, 2005 को जीएसपी द्वारा आयोजित 'कनटेम्पोरेरी ओमान ऐंड इण्डो–ओमानी रिलेशंस' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा एक सत्र की अध्यक्षता की।
- गुलशन डायटल 29 नवम्बर 2005 को आईसीडब्ल्यूए द्वारा आयोजित 'इंटरनेशनल डे आफ सॉलीडरेटी विद द पैलेस्टिनियम पीपल' विषयक स्मारक संगोष्ठी में पेनेलिस्ट थीं।
- गुलशन डायटल ने 13 दिसम्बर, 2005 को डेनिश इंस्टीट्यूट फार इंटरनेशनल स्टडीज, कोपेनहेगन में 'द मिडिल ईस्ट : ग्रेटर, ब्रोडर आर रियल ?' विषयक व्याख्यान दिया।
- गुलशन डायटल ने 30 जनवरी से 1 फरवरी 2006 तक इड्सा द्वारा आयोजित 8वें एशियाई सुरक्षा सम्मेलन में 'पॉलिटिकल रिफॉर्म्स इन सऊदी अरेबिया : द प्रास्पेक्ट्स' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुलशन डायटल ने 13 फरवरी, 2006 को इड्सा द्वारा आयोजित 'ईरान'स न्यूक्लियर क्राइसिस' विषयक संगोष्ठी में 'रीजनल रिस्पांसिज : इजरायल, सऊदी अरेबिया, इजिप्ट, सीरिया, इराक ऐंड अदर्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुलशन डायटल ने 13–14 फरवरी, 2006 को बुक रिव्यू लिटरेरी ट्रस्ट द्वारा आयोजित 'एरिक हाब्सबाम'स थार, पीस ऐंड वर्ल्ड हिगमनी इन द ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी चेंजिंग बैलेंस आफ पावर इन ए ग्लोबलाइज्ड वर्ल्ड' विषयक सम्मेलन में 'वेस्ट एशिया : इज देयर इन अल्टरनेटिव टु सोल सुपर पावर हिगमनी' विषय पर विचार–विमर्श किया।
- गुलशन डायटल ने 16 फरवरी, 2006 को जेएनयू छात्र संघ द्वारा आयोजित संगोष्ठी (अ.अ.सं. की स्वर्ण जयंती के अवसर पर) में 'ईरान : क्लेश विटवीन इम्पायर ऐंड सोवरेंटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- गुलशन डायटल 20 फरवरी 2006 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में पश्चिमी एशियाई अध्ययन के लिए गठित कोर्स प्रारूप समिति की सदस्य थीं।
- गुलशन डायटल ने 24–25 फरवरी 2006 को एकेडमी आफ थर्ड वर्ल्ड स्टडीज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा वि.अ.आ. के लिए आयोजित 'कनवर्जन आफ एरिया स्टडीज डिपार्टमेंट्स इन टु पीजी डिपार्टमेंट्स आफ इंटरनेशनल स्टडीज' विषयक बौद्धिक चर्चा सत्र में 'द न्यू वर्ल्ड आर्डर ऐंड द रिलिवेंस आफ एरिया स्टडीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गुलशन डायटल ने 31 मार्च 2006 को 'कनटेम्पोरेरी वेस्ट एशिया ऐंड द इमर्जिंग इण्डो सऊदी रिलेशंस' विषयक संगोष्ठी आयोजित की तथा 'ईरानियन न्युक्लियर प्रोग्राम : सऊदी कॅसर्न्स ऐंड रिस्पांसिज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 25–26 अक्टूबर, 2005 को खाड़ी अध्ययन कार्यक्रम, अ.अ.सं. द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ओमान हिस्टोरीकल, मेरीटाइम ऐंड ट्रेड कांटेक्ट्स इन द लेट 18थ सेंचुरी' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 9–10 नवम्बर, 2005 को इलाहाबाद संग्रहालय, इलाहाबाद द्वारा आयोजित अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इंडिया ऐंड ईरान, 1947–2005 : एरियाज आफ कॉपरेशन' विषयक आलेख प्रस्तुत किया तथा संगोष्ठी के चौथे शैक्षिक सत्र की अध्यक्षता की।
- ए.के. पाशा ने 9–11 जनवरी 2006 तक पुणे, महाराष्ट्र में द इंडियन एसोसिएशन फार स्टडी आफ आस्ट्रेलिया द्वारा आयोजित तीसरे अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'इंडिया ऐंड आस्ट्रेलिया : आस्पेक्ट्स आफ मेरी टाइम सिक्योरिटी कॉपरेशन द गल्फ फैक्टर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया तथा एक शैक्षिक सत्र की अध्यक्षता की।

- एं.के. पाशा ने 18–19 जनवरी, 2006 को पश्चिमी एशियाई अध्ययन केन्द्र, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इंडिया ऐंड सऊदी अरेबिया : रिट्रोस्पेक्ट ऐंड प्रास्पेक्ट्स' विषयक आलेख प्रस्तुत किया तथा तीसरे शैक्षिक सत्र की अध्यक्षता की।
- ए.के. पाशा ने 31 जनवरी से 1 फरवरी 2006 तक इड्सा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 'इंडिया ऐंड वेस्ट एशिया : द फ्यूचर अहेड' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 3–4 फरवरी 2006 को दक्षिण मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, पंजाब द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इण्डो तुर्किश रिलेशंस : आस्पेक्ट्स आफ एथनो–नेशनलिज्म इन सेंट्रल एशिया' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 13–15 फरवरी 2006 तक सेंटर फार द स्टडी आफ मिड वेस्ट ऐंड सेंट्रल एशिया, पंजाब यूनिवर्सिटी, चण्डीगढ़ और यूनिवर्सिटी आफ टेम्पेर, फिनलैण्ड द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 'यूरो–एशिया : मेरी टाइम, ट्रेड ऐंड सिक्योरिटी कांटेक्ट्स : द गल्फ फैक्टर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 31 मार्च 2006 को खाड़ी अध्ययन कार्यक्रम, पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र, अ.अ.सं., जेएनयू द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 'सऊदी रिलेशंस : पास्ट ऐंड इमर्जिंग चैलेंजिज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 6 मार्च 2006 को कुवैत दूतावास और सामाजिक विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इकोनामी रीजनलिज्म ऐंड डेमोक्रेसी न्यू ट्रेंड्स इन इण्डो कुवैत रिलेशंस' विषयक संगोष्ठी में 'पॉलिटीकल सिस्टम इन कुवैत' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 12 से 15 फरवरी, 2006 तक इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में बुक रिव्यू द्वारा आयोजित 'चेंजिंग बैलेंस आफ पावर इन द इंटरनेशनल आर्डर इन ग्लोबलाइज्ड कांटेक्स्ट' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पेनेलिस्ट के रूप में भाग लिया तथा 'वेस्ट एशिया ऐंड इमर्जिंग वर्ल्ड आर्डर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 12 जनवरी, 2006 को रक्षा और राजनय अध्ययन विभाग, पुणे विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 'यू.एस. पॉलिसी इन इराक टुडे' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 7 दिसम्बर, 2005 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित प्रो. जैक तरीन द्वारा 'द बुक फायर ॲडर स्नो फ्लेक्स – द रिटर्न आफ कश्मीर यूनिवर्सिटी' विषयक परिचर्चा की अध्यक्षता की तथा 'द सिचुएशन इन काश्मीर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 4–5 जनवरी, 2006 को दुबई, यूएई में आयोजित 'डायनेमिक अलाएंसिज स्ट्रेंथनिंग टाइज बिटवीन द जीसीसी ऐंड एशिया' विषयक तीसरे खाड़ी शोध केन्द्र वार्षिक सम्मेलन 2006 में भाग लिया तथा 'फैक्स अमेरिकाना इन वेस्ट एशिया / गल्फ : इंप्लिकेशंस फार जीसीसी–इंडिया'ज टाईज' शीर्षक आलेख लिखा।
- ए.के. पाशा ने 25 से 27 फरवरी 2006 को द एकेडमी आफ जमाहिरी थॉट, त्रिपोली, लीबिया द्वारा आयोजित 'डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स इन लीबिया' विषयक पाँचवे गोलमेज सम्मेलन में 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड इट्स इम्पैक्ट आन द प्रोसस आफ डेमोक्रेटाइजेशन इन लीबिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. पाशा ने 28 फरवरी 2006 को सेंटर फार इंटरनेशनल स्ट्रेटिजीक स्टडीज, एकेडमी आफ ग्रेजुएट्स स्टडीज, त्रिपोली, लीबिया द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 'इण्डो–लीबिया रिलेशंस कंटीन्यूटी ऐंड इमर्जिंग चैलेंजिज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- पी.सी. जैन ने 31 मार्च, 2006 को खाड़ी अध्ययन कार्यक्रम, पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'कंटेम्पोरेरी सऊदी अरेबिया ऐंड द इमर्जिंग इण्डो–सऊदी रिलेशंस' विषयक संगोष्ठी में पाप्यूलेशन ऐंड सोसाइटी इन सऊदी अरेबिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पी.सी. जैन ने 6–7 मई, 2005 को चोनाय नेशनल यूनिवर्सिटी, रिपब्लिक आफ कोरिया में आयोजित 'इंडियन डायसपोरा' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'इंडियन इंटरप्रिन्योर इन अफ्रीका ऐंड द मिडिल ईस्ट : एन एक्सप्लोरेट्री स्टडी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पी.सी. जैन ने 15–16 सितम्बर, 2005 को ग्रामीण और औद्योगिक विकास केन्द्र, चण्डीगढ़ में आयोजित 'प्रोटेक्टिंग द राइट्स आफ माइग्रेंट वर्कर्स फ्राम इंडिया' विषयक अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- पी.सी. जैन ने 25–26 अक्टूबर 2005 को खाडी अध्ययन कार्यक्रम, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'कनटेम्पोरेरी ओमान ऐंड इण्डो–ओमानी रिलेशंस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- एस.एन. मालाकार ने 7–8 अप्रैल, 2005 को सोसाइटी फार इंडियन ओशन स्टडीज द्वारा नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय में आयोजित 'इण्डो अफ्रीका रिलेशंस' विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इमर्जिंग डाइमेंशंस आफ इण्डो–अफ्रीकन एग्रीकल्चरल कॉपरेशन' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.एन. मालाकार ने 5 दिसम्बर, 2005 को जेएनयू में आयोजित 'फ्रांस ऐंड अफ्रीका : एन इंडियन पर्सपेक्टिव' विषयक संगोष्ठी में 'ऑयल फैक्टर इन फ्रेंकाफोन वेस्ट अफ्रीका' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.एन. मालाकार ने 27–28 फरवरी, 2006 को अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू नई दिल्ली में आयोजित 'फ्रेंकाफोन सब–सहारन अफ्रीका : इश्यूज इन फारेन पॉलिसीज ऐंड डिवलपमेंट' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एग्रेरियन क्वेश्चन ऐंड चैलेंजिज आफ डिवलपमेंट इन सब–सहारन फ्रेंकाफोन वेस्ट अफ्रीका कंट्रीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पी.आर. कुमारस्वामी ने 30 मार्च से 1 अप्रैल 2006 तक प्रिंसटन यूनिवर्सिटी, प्रिंसटन, एन.जे. में आयोजित 'ईरान, इट्स न्यूक्लियर ? द रीजन ऐंड द वेस्ट' विषयक लीचटनस्टीन इंस्टीट्यूट आन सेल्फ डिटर्मीनेशन संगोष्ठी में भाग लिया।
- पी.आर. कुमारस्वामी ने 30 जनवरी से 1 फरवरी, 2006 तक नई दिल्ली में आयोजित 'सिचुएशन इन मिडिल ईस्ट / वेस्ट एशिया' विषयक जेसीएसएस–ओआरएफ की वार्ता में भाग लिया।
- पी.आर. कुमारस्वामी ने 20–21 सितम्बर, 2005 को नई दिल्ली में आयोजित 'इंडिया–इजरायल रिलेशंस ऐंड सिक्योरिटी कॉपरेशन' विषयक इड्सा–बेसा द्विपक्षीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया।
- पी.आर. कुमारस्वामी ने 9 जून, 2005 को तेल अवीव यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित 'द इण्डो–इजरायली पार्टनरशिप : एक्सप्लोरिंग स्ट्रेटिजिक ऐंड इकोनामिक पोटेंशल' विषयक संगोष्ठी में 'इण्डो–इजरायल पार्टनरशिप : सिक्योरिटी ऐंड फोरेन पॉलिसी आस्पेक्ट्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पी.आर. कुमारस्वामी ने 30 मई से 2 जून, 2005 तक हेब्रू यूनिवर्सिटी, जेरूसलम में आयोजित 'ए न्यूक्लियर ईरान' विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ए न्यूक्लियर ईरान : यूरोप, द सब–कंटीनेट, द मिड ईस्ट ऐंड सेंट्रल एशिया – द ईरानियन चैलेंज, इंडियन व्यूज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अनवार आलम ने 15–16 मार्च, 2006 को जेएनयू नई दिल्ली में आयोजित 'कल्चर ऐंड आइडेंटिटी इन इंटरनेशनल रिलेशंस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इस्लाम, उमाह ऐंड ओआईसी : कनसेप्चुअलाइजिंग द फारेन पॉलिसी बिहेवियर आफ मुस्लिम स्टेट्स : विद स्पेशल रिफ्रेंस टु ईरान, सऊदी अरेबिया ऐंड पाकिस्तान– शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- अनवार आलम ने 31 मार्च, 2006 को ज.ने.वि., नई दिल्ली में आयोजित 'कनटेम्पोरेरी सऊदी अरेबिया : इमर्जिंग इण्डो–सऊदी रिलेशंस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'स्टेट ऐंड द अपोजिशंस इन सऊदी अरेबिया : सम रिफ्लेक्शंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

शिक्षकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय से बाहर)

कनाडियन, यू.एस. और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र

- क्रिस्टोफर एस. राज ने 26 अगस्त, 2005 को ज्ञान भारती स्कूल के छात्रों को 'अमेरिकन फारेन पॉलिसी सिंस 9/11' विषयक व्याख्यान दिया।
- क्रिस्टोफर एस. राज ने 18 नवम्बर, 2005 को नेशनल इंस्टीट्यूशन आफ सोशल कम्युनीकेशन, रिसर्च ऐंड ट्रेनिंग, शाहदरा में 'अमेरिका'ज ग्लोबल वार आन टेरर' विषयक व्याख्यान दिया।
- क्रिस्टोफर एस. राज ने 24 नवम्बर, 2005 को नेशनल इंस्टीट्यूशन आफ सोशल कम्युनीकेशन, रिसर्च ऐंड ट्रेनिंग, शाहदरा में 'ग्लोबलाइजेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- क्रिस्टोफर एस. राज ने 30 सितम्बर, 2005 को विदेश मंत्रालय, विदेश सेवा संस्थान (अकबर भवन) में सुडानी राजनयिकों के लिए विशेष कोर्स में 'इंडिया ऐंड द आईबीएसए फोरम' विषयक व्याख्यान दिया।
- अब्दुल नफे ने 27 जुलाई, 2005 को आईसीडब्ल्यूए, नई दिल्ली में आयोजित 'ब्राजील इन द आईबीएसए फोरम' विषयक पेनल परिचर्चा में 'आईबीएसए फोरम : पोटेंशल ऐंड प्रोमिज' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- चिंतामणि महापात्रा ने 23 नवम्बर, 2005 को इंडियन सोसाइटी फार इंटरनेशनल ला ऐंड डिप्लोमेसी में भारतीय आर्थिक सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों के लिए इंटरनेशनल इकोनामिक ला कोर्स में 'इकोनामिक डिप्लोमेसी' विषयक व्याख्यान दिया।
- चिंतामणि महापात्रा ने 26 नवम्बर, 2005 को हायर कमाण्ड कोर्स (सीरियल 34), आर्मी वार कॉलेज, महू, मध्यप्रदेश में 'इण्डो–यूएस रिलेशंस : इंडियन पर्सपेक्टिव' विषयक व्याख्यान दिया।
- चिंतामणि महापात्रा ने 5 दिसम्बर 2005 को अकादमिक स्टाफ कालेज, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में 'अमेरिका'ज ग्लोबल रोल इन ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी' विषयक व्याख्यान दिया।
- चिंतामणि महापात्रा ने 6 दिसम्बर, 2005 को अकादमिक स्टाफ कालेज, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में 'इण्डो–यूएस रिलेशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- चिंतामणि महापात्रा ने 23 मार्च, 2006 को नार्दर्न कमाण्ड प्रियेमरेटरी स्टाफ कोर्स (एनसीपीएससी), अखनूर, जम्मू व कश्मीर में 'इण्डो–यूएस रिलेशंस : पास्ट ऐंड प्रिजेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- चिंतामणि महापात्रा ने अगस्त–दिसम्बर 2005 में एंजल्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी, गुड़गाँव में 'थीम्स इन अमेरिकन हिस्ट्री ऐंड पॉलिटिक्स' विषयक व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की।
- चिंतामणि महापात्रा ने अगस्त–दिसम्बर, 2005 में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल लॉ ऐंड डिप्लोमेसी, नई दिल्ली में 'वेरियस डाइमेंशंस आफ डिप्लोमेसी ऐंड इंटरनेशनल पॉलिटिक्स' विषयक व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की।
- के.पी. विजयलक्ष्मी ने जून, 2005 में आर्मी वार कॉलेज, महू, इंदौर में 'यूएस इंटरेस्ट्स, गोल्स ऐंड स्ट्रेटिजीज इन वेस्ट ऐंड साउथ एशिया' विषयक व्याख्यान दिया।

अंतरराष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केन्द्र

- येशी चोयदन ने 16 जनवरी, 2006 को यूनाइटिड सर्विसेज इंस्टीट्यूशन आफ इंडिया, नई दिल्ली में मानवाधिकार परिषद् के बौद्धिक चर्चा सत्र में 'यूएन रिफार्म्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- येशी चोयदन ने 7 अक्टूबर, 2005 को स्प्रिंगडेल्स स्कूल, नई दिल्ली में इंपिंगटन विलेज कालेज, कैम्ब्रिज, (यू.के.) से आए वरिष्ठ छात्रों और आगन्तुकों के लिए 'ह्यूमन राइट्स ऐंड द इश्यू आफ रिफ्यूजीज इन इंडिया : ए केस स्टडी आफ तिब्बतन रिफ्यूजीज' विषयक व्याख्यान दिया।
- सिद्धार्थ मल्लवारपू ने 30 मई, 2005 को फ्रेडरिक एबर्ट स्टिफतुंग में आयोजित साऊथ एशियन समर यूनिवर्सिटी कार्यशाला में 'प्रिंसिपल्स आफ मल्टिलेटरलिज्म ऐंड कलेक्टिव सिक्योरिटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- सिद्धार्थ मल्लवारपू ने विदेश नीति संस्थान, नई दिल्ली में भारतीय विदेश सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों को 'ग्लोबलाइजेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- सी.एस.आर. मूर्ति ने 30 अक्टूबर, 2005 को विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली में सुडान के राजनयिकों को 'रिफॉर्म आफ द यूएन' विषयक व्याख्यान दिया।
- सी.एस.आर. मूर्ति ने 14 सितम्बर, 2005 को इंडियन सोसाइटी आफ इंटरनेशनल ला, नई दिल्ली में इंटरनेशनल लॉ में वि.अ. आ. पुनश्चर्या कोर्स में 'इंटरनेशनल इंस्टीट्यूशंस इन कनटेम्पोरेरी वर्ल्ड' विषयक व्याख्यान दिया।
- सी.एस.आर. मूर्ति ने 15 सितम्बर, 2005 को देशबन्धु कॉलेज, दिल्ली में 'यूएन ऐंड रिफार्म्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- अर्चना नेगी ने 11 नवम्बर, 2005 को इंडियन सोसाइटी आफ इंटरनेशनल ला, नई दिल्ली में 'डब्ल्यू टी ओ एग्रीमेंट आन टेक्नीकल बेरियर्स टु ट्रेड' विषयक व्याख्यान दिया।
- अर्चना नेगी ने 2 मार्च 2006, 16 जनवरी, 2006 को वर्ल्ड वाइड फंड फार नेचर, भारत, नई दिल्ली में 'इंटरनेशनल एनवायरनमेंटल इंस्टीट्यूशंस' और 'एन ओवरव्यू आफ इंटरनेशनल एनवायरनमेंटल ला' विषयक व्याख्यान दिए।
- अर्चना नेगी ने 17 नवम्बर, 2005 को एम.सी. मेहता एनवायरनमेंट फाउंडेशन, ऋषिकेश में 'एन ओवरव्यू आफ इंटरनेशनल एनवायरनमेंटल लॉ' विषयक व्याख्यान दिया।
- अर्चना नेगी ने 20 मई 2005 को इंडियन इंस्टीट्यूट फार फारेन ट्रेड, नई दिल्ली में 'डब्ल्यू टी ओ डिसप्यूट सेटलमेंट सिस्टम ऐंड ट्रेड ऐंड एनवायरनमेंटल इंटरफेस' विषयक व्याख्यान दिया।
- पुष्पेश पंत ने विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली में भारतीय और विदेशी राजनयिकों के लिए व्याख्यान माला आयोजित की।
- पुष्पेश पंत ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय राजनीति विज्ञान संगोष्ठी में उद्घाटन व्याख्यान दिया।
- राजेश राजगोपालन ने 6 मई 2005 को सेंटर फार एयर पावर स्टडीज, नई दिल्ली में आईएफएस अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को 'मिसाइल डिफेंस : इश्यूज ऐंड चैलेंजिज' विषयक व्याख्यान दिया।
- राजेश राजगोपालन ने 8 मार्च, 2006 को विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली में 'द ग्लोबल बैलेंस आफ पावर' विषयक व्याख्यान दिया।
- वरुण साहनी ने 12 अप्रैल, 2005 को एएसपीआई डिफेंस ऐंड सिक्योरिटी लुनचियोन, आस्ट्रेलियन स्ट्रेटिजिक पॉलिसी इंस्टीट्यूट, केनबरा, आस्ट्रेलिया में 'इंडिया'ज सिक्योरिटी चैलेंजिज 2000' विषयक व्याख्यान दिया।

- वरुण साहनी ने 27 फरवरी, 2006 को विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली में विदेशी राजनयिकों के लिए 40वें व्यावसायिक कोर्स में 'इंटरनेशनल रिलेशंस : एलिमेंटस आफ थीअरि ऐंड प्रेक्टिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- वरुण साहनी ने 9, 10, 13, 18 एवं 30 जनवरी और 2 फरवरी 2006 को विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली में भारतीय विदेश सेवा, 2005 बैच के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को 'इंडिया ऐंड पाकिस्तान : द वर्किंग आफ डिटरेंस; इंडिया ऐंड लेटिन अमेरिका; न्यू इमर्जिंग सिक्योरिटी चैलेंजिज; द कंसेप्ट आफ द नेशनल इंटरेस्ट; ग्रेट पावर्स इन वर्ल्ड पॉलिटिक्स; न्यू इंटरनेशनल पॉलिटीकल आर्डर; इंटरनेशनल रिलेशंस फ्राम 18थ टु मिड 20थ सेंचुरी; थीअरिज आफ इंटरनेशनल रिलेशंस' विषयक 10 व्याख्यान दिए।
- वरुण साहनी ने 21 दिसम्बर, 2005 को कालेज आफ नवल वारफेयर, मुम्बई में 18थ नवल हायर कमांड कोर्स में 'इण्डो–यूएस न्युक्लियर एग्रीमेंट : प्रासपेक्ट्स ऐंड लाइकली फालआउट' विषयक व्याख्यान दिया।
- वरुण साहनी ने 6 दिसम्बर 2005 को विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली में भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों के लिए 'वर्टिकल इंटरएक्शन कोर्स में 'इंटरनेशनल रिलेशंस : एलिमेंट्स आफ थीअरि ऐंड प्रेक्टिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- वरुण साहनी ने 30 नवम्बर 2005, 2 दिसम्बर 2005 को विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली में विदेशी राजनयिकों के लिए 39वें व्यावसायिक कोर्स में 'इंटरनेशनल रिलेशंस : एलिमेंट्स आफ थीअरि ऐंड प्रेक्टिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- वरुण साहनी ने 13 अक्टूबर, 2005 को विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली में सुडानी राजनयिकों के लिए विशेष कोर्स में 'इंटरनेशनल रिलेशंस : एलिमेंट्स आफ थीअरि ऐंड प्रेक्टिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- वरुण साहनी ने 6 सितम्बर, 2005 को विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली में विदेशी राजनयिकों के लिए 38वें व्यावसायिक कोर्स में 'एन ओवर व्यू आफ कनटेम्पोरेरी इंटरनेशनल अफेयर्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- स्वर्ण सिंह ने 6 दिसम्बर, 2005 को कॉलेज आफ एयर वारफेयर, हैदराबाद में 'चाइना'ज पॉलिसी आब्जेक्टिव्स, स्ट्रेटिजिक डॉक्ट्रिन्स ऐंड इंडिया'ज आप्शंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- स्वर्ण सिंह ने 2–3 दिसम्बर, 2005 को मनीला, फिलिपिंस में काउंसिल फार सिक्योरिटी ऐंड कॉपरेशन इन एशिया पेसिफिक की बैठक में 'इंडिया'ज एक्सपोर्ट कंट्रोल रेजिम्स : इंडिया'ज डब्ल्यू एम डी एक्ट 2005' विषयक व्याख्यान दिया तथा 'काउंटरिंग प्रॉलिफरेशन आफ डब्ल्यू एम डी इन ईस्ट एशिया' विषयक अध्ययन समूह में सदस्य रहे।
- स्वर्ण सिंह ने 7–8 नवम्बर, 2005 को जापान इंस्टीट्यूट फार इंटरनेशनल अफेयर्स, टोकियो में 'एक्सपोर्ट कंट्रोल' (आफ द काउंसिल आन सिक्योरिटी ऐंड कॉपरेशन इन एशिया पेसफिक) पर गठित विशेषज्ञ समूह की बैठक में 'इंडियन पर्सपेक्टिव' विषयक व्याख्यान दिया।
- स्वर्ण सिंह ने 28 अक्टूबर 2005 को हायर कमाण्ड कोर्स, कालेज आफ नवल वारफेयर, आईएनएस खरांजा, मुम्बई में 'अंडरस्टेंडिंग पीस ऐंड चाइना–इंडिया रिलेशंस' विषयक दो व्याख्यान दिए।
- स्वर्ण सिंह (जयराम रमेश के साथ) ने 19–20 सितम्बर, 2005 को ओबेराय होटल, नई दिल्ली में आयोजित एस.ई.बी. सम्मेलन में 'इंडिया ऐंड चाइना इन द वर्ल्ड सिनेरियो' विषयक व्याख्यान दिया।
- स्वर्ण सिंह ने 8 जुलाई 2005 को डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कालेज, वेलिंगटन, नीलगिरी में 61वें स्टाफ कोर्स में 'साइनो–इंडियन रिलेशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- स्वर्ण सिंह ने 13 मई 2005 को स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एस आई पी आर आई), स्टॉकहोम (स्वीडन) में 'इंडिया'ज डिसार्मामेंट पॉलिसी' विषयक व्याख्यान दिया।

- स्वर्ण सिंह ने 11 मई, 2005 को सेंटर फार पेसिफिक एशिया स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ स्टाकहोम, स्टॉकहोम (स्वीडन) में 'चाइना–इंडियन इकोनॉमिक रिलेशंस : बियोंड द बाइलेटरल' विषयक व्याख्यान दिया।
- स्वर्ण सिंह ने 8 अप्रैल 2005 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 'चाइना–इंडिया इकोनामिक इंगेजमेंट : बिल्डिंग म्युचुअल कंफीडेंस' विषयक व्याख्यान दिया।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र

- ए.एस. रे ने 17–18 अगस्त, 2005 को इंटरनेशनल यूनियन फार हेल्थ प्रमोशन ऐंड एज्यूकेशन और वॉलंट्री हेल्थ एसोसिएशन आफ इंडिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'पी पी पी इन हेल्थ' विषयक इण्डो–ईयू गोलमेज वार्ता में व्याख्यान दिया।
- ए.एस. रे ने 18 मई 2005 को आर्थिक मामला विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार में 'द पैटेंट एक्ट इन व्यू आफ द डब्ल्यू टी ओ कमिटमेंट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- गुरबचन सिंह ने 5 अगस्त 2005 को इंडियन स्टेटिस्टीकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली में 'रियल असेट्स, फाइनेंशियल असेट्ल, लिक्विडिटी ऐंड लेमन प्रॉब्लम' विषयक व्याख्यान दिया।

यूरोपीय अध्ययन केन्द्र

- आर.के. जैन ने 23 मई 2005 को रेनेस यूनिवर्सिटी, रेनेस, फ्रांस में 'इंडिया ऐंड द यूरोपियन यूनियन' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.के. जैन ने 13 मई, 2005 को सेंटर फार यूरोपियन स्टडीज, साइंसेज पीओ, पेरिस में 'द यूरोपियन यूनियन ऐंड साउथ एशिया ऐंड ईस्ट एशिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- शशिकांत झा ने 15 दिसम्बर, 2005 को राजनीति विज्ञान विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में 'सेंट्रल ऐंड ईस्टर्न यूरोप इन द पोस्ट सोशलिस्ट पीरियड' विषयक दो व्याख्यान दिया।
- शशिकांत झा ने 16 दिसम्बर 2005 को इतिहास विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में 'पेरेस्त्रोइका, सिस्टम क्राइसिस ऐंड द सोवियत डिसइंटीग्रेशन' विषयक दो व्याख्यान दिए।
- शशिकांत झा ने 21 जनवरी, 2006 को राजनीति विज्ञान विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में 'रशिया ऐंड ईस्टर्न यूरोप इन द ईरा आफ ग्लोबलाइजेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- शशिकांत झा ने 22 जनवरी, 2006 को राजनीति विज्ञान विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में 'डिसइंटीग्रेशन आफ द सोवियत यूनियन ऐंड इट्स इम्पैक्ट आन द वर्ल्ड' विषयक व्याख्यान दिया।
- शशिकांत झा ने 22 जनवरी, 2006 को राजनीति विज्ञान विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में 'इंडिया ऐंड रशियन फेडरेशन : स्ट्रेटिजिक पार्टनरशिप ऐंड बियोंड' विषयक व्याख्यान दिया।
- गुलशन सचदेवा ने 27 अप्रैल, 2005 को विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली में विदेशी राजनयिकों के लिए 'एशिया' विषयक चौथे एडवांस कोर्स में 'इंडिया ऐंड सेंट्रल एशिया' विषयक विशेष व्याख्यान दिया।

रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र

- ए.के. पटनायक ने वर्ष 2005 में नेशनल डिफेंस कालेज, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार में 'सेंट्रल एशिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. पटनायक ने 12 और 14 अप्रैल, 2005 को मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र, श्रीनगर विश्वविद्यालय, जम्मू–कश्मीर में जियो–पॉलिटिक्स आफ सेंट्रल एशिया' विषयक व्याख्यान दिया।

- अनुराधा एम. चिनॉय ने नेशनल डिफेंस कॉलेज, नई दिल्ली; विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली नार्टर्न कमाण्ड, अखनूर, जम्मू; नवल वार कॉलेज, मुम्बई; यूएन पीस कीपिंग सेंटर आदि में व्याख्यान दिए।
- तुलसी राम ने 6 अप्रैल, 2005 को बिड़ला हाउस, नई दिल्ली में 'गाँधी ऐंड डांडी मार्च' विषयक व्याख्यान दिया।
- तुलसी राम ने 13 अप्रैल, 2005 को आई डी बी आई, नई दिल्ली में 'थाट्स आफ डॉ. अम्बेडकर' विषयक व्याख्यान दिया।
- तुलसी राम ने 15 मई 2005 को अमृतसर (पंजाब) में 'कांग्रेस ऐंड कंटेम्पोरेरी पॉलिटिक्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- तुलसी राम ने 28 अक्टूबर, 2005 को जेएनयू सिटी सेंटर, नई दिल्ली में 'मार्क्सिज्म ऐंड दलित पॉलिटिक्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- तुलसी राम ने 26 नवम्बर, 2005 को जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 'क्लास ऐंड कास्ट' विषयक व्याख्यान दिया।
- तुलसी राम ने 22 फरवरी, 2006 को जाकिर हुसैन कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 'गाँधी इन कंटेम्पोरेरी वर्ल्ड' विषयक व्याख्यान दिया।
- तुलसी राम ने 17 मार्च, 2006 को जाकिर हुसैन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 'फिलॉस्फी आफ डॉ. अम्बेडकर' विषयक व्याख्यान दिया।
- तुलसी राम ने 9–10 अप्रैल, 2005 को बुद्धिज्म ऐंड वर्ल्ड पीस में 'बुद्धिज्म : रिवोल्यूशन ऐंड काउंटर रिवोलयूशन इन एनशंट इंडिया विषयक व्याख्यान दिया। (इंटरनेशनल बुद्धिस्ट कांफ्रेंस, मुम्बई द्वारा प्रकाशित)।,
- तुलसी राम ने 27 अगस्त, 2005 को सहारा समय में 'माइनोरिटी ऐंड ज्युडिशियरी' विषयक व्याख्यान दिया।
- तुलसी राम ने 13 फरवरी, 2006 को राष्ट्रीय सहारा में 'फिलास्फी आफ संत रविदास' विषयक व्याख्यान दिया।
- संजय कुमार पाण्डेय ने 12 से 23 अक्टूबर, 2005 तक इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस, कीव ताराज शेवचेन्को नेशनल यूनिवर्सिटी; इंस्टीट्यूट ऑफ फिलोस्फी, ओरियंटल डिपार्टमेंट, कीव ताराज शेवचेन्को नेशनल यूनिवर्सिटी; जिमनेसिया आफ ओरियंटल लैंग्वेजिज, यूनिवर्सिटी आफ सिडनी, स्विट, (ओरियंटल वर्ल्ड), कीव, युक्रेन; युक्रेन–इंडिया फ्रेंडशिप सोसाइटी में 'रिसेंट डिवलपमेंट्स इन इंडियन पॉलिटिक्स ऐंड फारेन पॉलिसी' और 'इंडिया–युक्रेन रिलेशंस' विषयक 4 व्याख्यान दिए।

पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

- लामिमा वर्मा ने 22 से 24 जून, 2005 तक इहिमे यूनिवर्सिटी, मतसुयामा, जापान में 'इंडिया–जापान रिलेशंस ऐंड इंडिया–पाकिस्तान रिलेशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- लामिमा वर्मा ने 23 नवम्बर, 2005 को अजिया दाइगाकु में 'जापानीज अंडरस्टेंडिंग आफ इंडियन कल्चर' विषयक व्याख्यान दिया।
- लामिमा वर्मा ने अप्रैल, 2005 में जापान इंस्टीट्यूट आफ इंटरनेशनल अफेयर्स, टोकियों में 'फ्रस्ट्रेटिड ट्राइलेटरलिज्म : जापान'स रिलेशन विद साउथ कोरया ऐंड द यूएस' विषयक व्याख्यान दिया।
- लामिमा वर्मा ने 15–16 अक्टूबर, 2005 को अकिता नेशनल यूनिवर्सिटी, अकिता में 'बिल्डिंग एन इनोवेटिव यूनिवर्सिटी इन द ग्लोबलाइज्ड वर्ल्ड' विषयक व्याख्यान दिया।

दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केन्द्र

- महेन्द्र पी. लामा ने मई 2005 में बारबोन, मूरी हिल्स, इस्लामाबाद में 'प्रॉस्पेक्ट्स आफ इनर्जी कॉपरेशन इन साउथ एशिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- महेन्द्र पी. लामा ने 2 सितम्बर, 2005 को सेंट जोसफ कालेज, दार्जीलिंग द्वारा आयोजित 'द हिस्ट्री ऐंड डिवलपमेंट आफ द हिल स्टेशंस इन इंडिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य व्याख्यान दिया।
- महेन्द्र पी. लामा ने 21 से 23 अक्टूबर, 2005 तक एशियन मीडिया इंफॉर्मेशन ऐंड कम्युनीकेशन सेंटर आफ इंडिया (एएसआईजी – इंडिया) और एफ.ई.एस., यूनेस्को, आईसीजी, गोवा द्वारा आयोजित 'मीडिया ऐंड पब्लिक इंटरेस्ट इश्यूज इन साऊथ एशिया' विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य व्याख्यान दिया।
- महेन्द्र पी. लामा ने 19 दिसम्बर, 2005 को कोलकाता में इंडियन चैम्बर आफ कॉमर्स में 'नाथुला ट्रेड रिपोर्ट' विषयक व्याख्यान दिया।
- महेन्द्र पी. लामा ने 17–18 जनवरी, 2006 को बंगलादेश एंटरप्राइज इंस्टीट्यूट, ढाका द्वारा युवा नेताओं के लिए आयोजित तीसरी बंगलादेश–भारत वार्ता में 'इंडिया बंगलादेश इंफ्रांस्ट्रक्चरल लिंकेजित : प्रास्पेक्ट्स, गेन्स ऐंड चैलेंजिज' विषयक मुख्य व्याख्यान दिया।
- महेन्द्र पी. लामा ने 20 जनवरी, 2006 को इंस्टीट्यूट आफ मार्केटिंग ऐंड मैनेजमेंट, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 33वीं वर्ल्ड माकेटिंग कांग्रेस में 'साऊथ एशियन मार्केट : इट्स चैलेंजिज ऐंड अपरच्युनिटीज' विषयक मुख्य व्याख्यान दिया।
- संजय भारद्वाज ने 16 जनवरी, 2006 को दिल्ली विश्वविद्यालय में दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए आयोजित अनुशीलन कार्यक्रम में 'कंटेम्पोरेरी पॉलिटीकल डिवलपमेंट इन साऊथ एशिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- पी. सहदेवन ने 19 सितम्बर, 2005 को नेशनल डिफेंस कालेज, नई दिल्ली में 'श्रीलंका : द स्टेट आफ द नेशन ऐंड रिलेशंस विद इंडिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- मंदिरा दत्ता ने 16 नवम्बर, 2005 को महिला अध्ययन और विकास केन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'वुमन ऐंड वर्क सिचुएशन इन इंडिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- गंगनाथ झा ने 8 मार्च, 2006 को राजधानी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'करंट पॉलिटीकल डिवलपमेंट्स इन साउथईस्ट एशिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- मनमोहिनी कौल ने 30 सितम्बर, 2005 को विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली में 'एशिया पेसिफिक' विषयक व्याख्यान दिया।
- मनमोहिनी कौल ने 14 अक्टूबर, 2005 को विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली में 'एसियान' विषयक व्याख्यान दिया।

पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र

- ए.के. पाशा ने 23 अगस्त, 2005 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'इंडिया'ज वेस्ट एशिया पॉलिसी : चैलेंजिज अहेड' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. पाशा ने 14 सितम्बर, 2005 को अमरीकी दूरावास, नई दिल्ली में आयोजित पेनल परिचर्चा में 'ईरान'स न्यूक्लियर प्रोग्राम ऐंड आईएईए' विषयक व्याख्यान दिया।

- एं.के. पाशा ने 23 सितम्बर, 2005 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'डेमोक्रेसी ऐंड ह्यूमन राइट्स इन जीसीसी स्टेट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. पाशा ने 19 सितम्बर, 2005 को भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, में भारतीय विदेश सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों को 'इंडिया ऐंड द गल्फ स्टेट्स : इकोनामिक ऐंड ट्रेड इश्यूज' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. पाशा ने 3 अक्टूबर, 2005 को विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय, अकबर भवन, नई दिल्ली में 'इंडिया सुडान रिलेशनंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. पाशा ने 4 अक्टूबर, 2005 को आब्जर्वर रिजर्व फाउंडेशन नई दिल्ली में 'इंडिया'ज वोट इन द आईएईए : द बैलेंस शीट' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. पाशा ने 19 अक्टूबर, 2005 को नेल्शन मंडेल सेंटर फार पीस ऐंड कंफ्लिक्ट स्टडीज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'आफ्टर द वियना वोट, इंडिया यूएसए ऐंड ईरान' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. पाशा ने 24 अक्टूबर, 2005 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 'न्यूक्लियर अपार्थीड : इंडिया ऐंड ईरान एट आईएईए' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. पाशा ने 23 अक्टूबर, 2005 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में 'पैलेस्टिनियन सफरिंग अंडर इजरायल आक्यूपेशन' विषयक व्याख्यान दिया तथा एक सत्र की अध्यक्षता भी की।
- ए.के. पाशा ने 14 नवम्बर, 2005 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'डायनेमिक्स आफ इण्डो–गल्फ रिलेशंस' और ' चेंजिंग कंट्योर्स आफ इण्डो–वाना रिलेशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. पाशा ने 9 दिसम्बर, 2005 को विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय, अकबर भवन, नई दिल्ली में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को 'इंडिया ऐंड द अरब वर्ल्ड' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. पाशा ने 16 जनवरी, 2006 को ओआरएफ, नई दिल्ली में आयोजित पेनल परिचर्चा में 'इण्डो–सऊदी रिलेशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. पाशा ने 6 फरवरी, 2006 को अकादमिक स्टाफ, कॉलेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में इंडिया ऐंड वेस्ट एशिया : लुकिंग अहेड' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. पाशा ने 11 फरवरी, 2006 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'इंडिया ऐंड द गल्फ : इनर्जी आप्शंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. पाशा ने 17 फरवरी, 2006 को विदेश सेवा संस्थान, अकबर भवन, नई दिल्ली में विदेशी राजनयिकों के लिए 40वें व्यावसायिक कोर्स में राजनयिकों को 'इंडिया ऐंड द अरब वर्ल्ड' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. पाशा ने 6 फरवरी, 2006 को राजनीति विज्ञान विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'रिलिवेंस आफ एरिया स्टडीज इन कंटेम्पोरेरी वर्ल्ड' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. पाशा ने 8 फरवरी, 2006 को एआईआर में 'इंडिया ऐंड ईरान : द न्यूक्लियर इश्यू' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. पाशा ने 11 मार्च, 2006 को अकादमिक स्टाफ कॉलेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'द राइज आफ इस्लाम ऐंड द उम्मैद पीरियड' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. पाशा ने 31 मार्च, 2006 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में 'अपार्थीड वॉल ऐंड इजरायल' विषयक व्याख्यान दिया।

- ए.के. पाशा ने 26 सितम्बर, 2006 को एआईआर में 'ईरान, इंडिया ऐंड आईएईए' विषयक व्याख्यान दिया।
- पी.सी. जैन ने 11 मार्च, 2006 को 'पाप्यूलेशन आफ सोशल डेमोग्राफी इन वेस्ट एशिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- अनवार आलम ने 19 अप्रैल, 2005 को पेरिस, फ्रांस में 'लिबरल स्टेट ऐंड मुस्लिम माइनोरिटी : ए कंपेरिजन आफ इंडिया ऐंड वेस्टर्न यूरोप' विषयक व्याख्यान दिया।
- अनवार आलम ने 13 मई, 2005 को सेंटर फार द स्टडी आफ एथनीसिटी ऐंड सिटीजनशिप, डिपार्टमेंट आफ सोशियोलॉजी, यूनिवर्सिटी आफ ब्रिस्टल में 'स्टेट ऐंड मुस्लिम इन इंडिया ऐंड इट्स इंप्लिकेशंस फार वेस्टर्न यूरोप' विषयक व्याख्यान दिया।
- अनवार आलम ने 19 मई, 2005 को सेंटर फार द स्टडी आफ एथनीसिटी ऐंड सिटीजनशिप, डिपार्टमेंट आफ सोशियोलॉजी, यूनिवर्सिटी आफ ब्रिस्टल में 'मुस्लिम्स ऐंड मल्टिकल्चरलिज्म : रिफ्लेक्शन आन द डिस्कोर्स इन इंडिया ऐंड वेस्ट यूरोप' विषयक व्याख्यान दिया।
- पी.आर. कुमारस्वामी ने 31 मार्च, 2006 को राजनीति विज्ञान विभाग, कोलगेट विश्वविद्यालय, हैमिल्टन में 'इंडिया–यू.एस. रिलेशंस रीजनल ऐंड ग्लोबल इंप्लिकेशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- पी.आर. कुमारस्वामी ने 29 दिसम्बर, 2005 को सेंटर फार ईरानियन स्टडीज, तेल अवीव यूनिवर्सिटी में 'ईरान ऐंड द फार ईस्ट' विषयक व्याख्यान दिया।
- पी.आर. कुमारस्वामी ने 15 दिसम्बर, 2005 को डिपार्टमेंट आफ ईस्ट एशियन स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ हाइफा में 'इजरायल ऐंड पाकिस्तान' विषयक व्याख्यान दिया।
- पी.आर. कुमारस्वामी ने 13 दिसम्बर, 2005 को डिपार्टमेंट आफ पॉलिटीकल साइंस, द हेब्रू यूनिवर्सिटी, जेरूसलम में 'डाइलेमाज आफ इंडियन डेमोक्रेस' विषयक व्याख्यान दिया।
- पी.आर. कुमारस्वामी ने 19 अगस्त, 2005 को डिफेंस स्टाफ कालेज (वेलिंगटन, नीलगिरी) में 'वेस्ट एशिया; विषयक व्याख्यान दिया।
- पी.आर. कुमारस्वामी ने 2 अगस्त, 2005 को नेशनल डिफेंस कालेज, नई दिल्ली में 'ईरान : ए कंटेम्पोरेरी रिव्यू ऐंड प्रॉसपेक्टस फार द फ्यूचर' विषयक व्याख्यान दिया।
- पी.आर. कुमारस्वामी ने 4 जुलाई, 2005 को तेल अवीव यूनिवर्सिटी में 'इंडिया–ईरान–इजरायल : द प्रॉब्लेमेटिक ट्राएंगल' विषयक व्याख्यान दिया।
- पी.आर. कुमारस्वामी ने 20 अप्रैल, 2005 को विदेश सेवा प्रशिक्षण संस्थान, नई दिल्ली में भारतीय विदेश सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों (2004 बैच) को इंडिया ऐंड मिडिल ईस्ट' विषयक व्याख्यान दिया।

पुरस्कार / सम्मान / अध्येतावृत्तियाँ

कनाडियन, यूएस और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र

- के.पी. विजयलक्ष्मी को राष्ट्रीय उच्च अध्ययन संस्थान बंगलौर द्वारा विजिटिंग प्रोफेसरशिप प्रदान की गई।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र

- ए.एस. रे, फेलो, रॉयल सोसाइटी फार द प्रमोशन आफ हेल्थ, यूके (एफआरएसएच)

यूरोपीय अध्ययन केन्द्र

- यू.एस. बावा ने 6 से 10 फरवरी, 2006 तक यूरोपियन यूनियन विजिटर, प्रोग्राम, यूरोपियन कमिशन, ब्रूशंल्स, बेल्जियम, में भाग लिया।
- यू.एस. बावा, Progremme des Personnalite's D' Avenir, फ्रांस विदेश मंत्रालय, पेरिस, 2 से 13 अक्टूबर, 2005.
- यू.एस. बावा, Wahlbeobachterreise – इलेक्शन विजिट, जर्मन एकेडमिक एक्सचेंज सर्विस, जर्मनी, 9–20 सितम्बर, 2005.
- आर.के. जैन, मई–जून, 2005 के दौरान एम.एस.एच. पेरिस में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में रहे।
- आर.के. जैन, जून–जुलाई, 2005 के दौरान इंस्टीट्यूट फार पॉलिटिकल साइंस, यूनिवर्सिटी आफ लिपजिग, जर्मनी में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में रहे।

पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

- एच.एस. प्रभाकर को मार्च, 2006 से 12 जून 2006 के दौरान स्कूल आफ पॉलिटीकल साइंस ऐंड इकोनामिक्स/स्कूल आफ एशिया–पेसिफिक स्टडीज, वासेदा यूनिवर्सिटी, टोकिया के साथ सम्बद्ध रहने के लिए इंटलेक्चुअल एक्सचेंज प्रोग्राम 2005–06 के तहत जापान फाउंडेशन फेलोशिप प्राप्त हुई।
- लालिमा वर्मा को इंस्टीट्यूट आफ ओरिएंटल कल्चर, यूनिवर्सिटी आफ टोकियो के साथ सम्बद्ध रहने के लिए जापान फाउंडेशन फेलोशिप 2005–2006 प्राप्त हुई।

पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र

- अनवार आलम को मई 2004 से फरवरी 2006 की अवधि के दौरान एलेक्जेंडर वान हम्बोल्ट रिसर्च फेलोशिप, जर्मनी प्राप्त हुई।
- अनवार आलम, मार्च–अप्रैल 2005 की अवधि के लिए एमएसएच, पेरिस, फ्रांस के विजिटिंग फेलो चुने गए।
- अनवार आलम, मई–जून 2005 की अवधि के लिए सेंटर फार सिटीजनशिप ऐंड एथनिसिटी, डिपार्टमेंट आफ सोशियोलॉजी, यूनिवर्सिटी आफ ब्रिस्टल, ब्रिस्टल, यू.के. के विजिटिंग फेलो चुने गए।
- अनवार आलम, जुलाई–सितम्बर, 2005 की अवधि के लिए इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फार द स्टडी आफ इस्लाम इन मॉडर्न वर्ल्ड, लीडन, नीदरलैण्ड के विजिटिंग फेलो चुने गए।

मण्डलों/समितियों की सदस्यता (जेएनयू से बाहर)

कनाडियन, यूएस और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र

- क्रिस्टोफर एस. राज, सदस्य, शासी मंडल, प्रबंध अध्ययन संस्थान, वाईएमसीए, नई दिल्ली और सदस्य, संपादकीय मण्डल, नार्थ इंडिया चर्च रिव्यू, नई दिल्ली।
- प्रीति सिंह, सदस्य, संपादकीय मण्डल, आस्ट्रेलियन पर्सपेक्टिव्स, लॉ ट्रॉब यूनिवर्सिटी, मेलबोर्न आस्ट्रेलिया।

अन्तरराष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केन्द्र

- मनीष दाभाड़े, सह–संयोजक, एम.एल. सोंधी पुरस्कार, एम.एल. सोंधी इंस्टीट्यूट फार एशिया पेसिफिक अफेयर्स।

- सी.एस.आर. मूर्ति, मुख्य संपादक, इंटरनेशनल स्टडीज, (सेज प्रकाशन); और सदस्य, संचालन समिति, जम्मू व कश्मीर राज्य व्याख्याता पात्रता परीक्षा, 2005 जम्मू।

- पुष्पेश पंत, सदस्य, कार्यपरिषद्, कुमायूं विश्वविद्यालय; सदस्य, कार्यक्रम सलाहकार समिति, आकाशवाणी और दूरदर्शन; सदस्य, राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार 2004–2005 के लिए जूरी; सदस्य, शैक्षिक फिल्मों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार हेतु जूरी, वि.अ.आ.–सीईसी, 2004–2005 के लिए; अध्यक्ष, अध्ययन मण्डल, ह्यूरीज्म ऐंड हास्पीटलिटी स्टडीज, कालिकट यूनिवर्सिटी; और सदस्य, अध्ययन मण्डल, राजनीति विज्ञान, पांडीचेरी विश्वविद्यालय।

- राजेश राजगोपालन, सदस्य, कार्य समिति, इंडियन पुगवाश सोसाइटी, नई दिल्ली।

- वरुण साहनी, संपादक, साउथ एशियन सर्वे (सेज प्रकाशन); सदस्य, संपादकीय मण्डल, द चाइनीज जर्नल आफ इंटरनेशनल पॉलिटिक्स (आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस); सदस्य, सलाहकार समिति, वुमन इन सिक्योरिटी, कंफ्लिक्ट मैनेजमेंट ऐंड पीस (विसकांप), फाउंडेशन फार यूनिवर्सल रिस्पांसीबिलिटी आफ हिज हॉलीनेस द दलाईलामा, नई दिल्ली, भारत; सदस्य, कार्य समिति, इंडियन पुगवाश सोसाइटी, नई दिल्ली ; सदस्य, शासी निकाय, इंडियन काउंसिल फार साउथ एशियन कॉपरेशन, नई दिल्ली, भारत; सदस्य कार्य समिति, इंस्टीट्यूट फार पीस ऐंड कंफ्लिक्ट स्टडीज, नई दिल्ली, भारत; राज्यपाल का नामिति, चयन समिति, व्याख्याता पदों के लिए, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू; और सदस्य इनलेक्स छात्रवृत्ति प्रारंभिक साक्षात्कार मण्डल, इनलेक्स फाउंडेशन, नई दिल्ली, भारत।

- स्वर्ण सिंह, अध्यक्ष (2005–2010), एसोसिएशन आफ एशिया स्कालर्स, नई दिल्ली।

अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र

- संगीता बंसल, रेफरी और सदस्य, कार्यक्रम समिति, वर्ष 2006 में क्योटो में आयोजित होने वाली एनवायरनमेंटल ऐंड रिसॉर्स इकोनामिस्टस की तीसरी विश्व कांग्रेस; और सदस्य, यूरोपियन एसोसिएशन आफ एनवायरनमेंटल ऐंड रिसॉर्स इकोनामिस्ट्स।

- मनोज पंत, सदस्य, विश्व व्यापार संगठन के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय की तकनीकी समिति और शैक्षिक सेवाओं में व्यापार; और अध्यक्ष, परियोजना समीक्षा समिति, डिपार्टमेंट फार साइंटीफिक ऐंड इंडस्ट्रियल रिसर्च फार सेंटर फार इंटरनेशनल ट्रेड इन टेक्नोलॉजी, आईआईएफटी, नई दिल्ली, 2005–2007।

- ए.एस. रे, सदस्य, निर्देशन समिति (एम.फिल./पी–एच.डी.), विकास अध्ययन केन्द्र, त्रिवेन्द्रम, 2005–2007।

यूरोपीय अध्ययन केन्द्र

- गुलशन सचदेवा, सदस्य, शासी मण्डल, इंडिया सेंट्रल एशिया फाउंडेशन; सदस्य, यूरोपियन एसोसिएशन फार कंपेरेटिव इकोनॉमिक स्टडीज; और सदस्य, सेंट्रल यूरेशियन स्टडीज सोसाइटी, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी।

पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

- अलका आचार्य, संपादक, चाइना रिपोर्ट (नई दिल्ली) चीन और पूर्वी एशियाई मामलों की पत्रिका, अगस्त, 2005 से।

दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केन्द्र

- महेन्द्र पी. लामा, मुख्य आर्थिक सलाहकार, मुख्य मंत्री, सिक्किम, (वर्ष 2000 से केबिनेट मंत्री का दर्जा); सदस्य, सिक्किम राज्य योजना आयोग, वर्ष 2000 से (केबिनेट मंत्री का दर्जा); सदस्य, निवेश मण्डल, सिक्किम सरकार (2003–); सदस्य, 'बेंच मार्किंग ह्यूमन डिवलपमेंट इन द नार्थ ईस्टर्न इंडिया' के अध्ययन हेतु तकनीकी सलाहकार मण्डल, इंस्टीट्यूट आफ एप्लाइड मैनपावर रिसर्च, नई दिल्ली (2003–2005); सदस्य, संपादकीय सलाहकार मण्डल, साउथ एशियन सर्वे सेज प्रकाशन, नई दिल्ली, (2003–);

सदस्य सलाहकार मण्डल, पब्लिक इंटरेस्ट लीगल सपोर्ट ऐंड रिसर्च सेंटर (2003–); सदस्य, जनरल काउंसिल आफ द नामग्याल इंस्टीट्यूट आफ तिब्तोलॉजी, सिक्किम (2003–2008); सदस्य, शासी मण्डल, सेंटर फार पब्लिक अफेयर्स, नई दिल्ली (2003–); सदस्य, सलाहकार समिति, दक्षिण, दक्षिण–पूर्वी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला (2003–); सदस्य, विशेषज्ञ समिति, शरणार्थियों पर मॉडल राष्ट्रीय कानून, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली (2003–2005); सदस्य, शनिवार परिचर्चा फोरम, इंडिया इंटरनेश्यानल सेंटर, नई दिल्ली; सदस्य, केन्द्रीय मंत्री मण्डल के अन्तर्गत उत्तर–पूर्वी क्षेत्र विकास विभाग द्वारा गठित उत्तर–पूर्वी परिषद को पुनः जीवित करने के लिए गठित राष्ट्रीय समिति (2003–); सदस्य, सलाहकार मण्डल, फोर्स्ड माइग्रेशन पर शीतकालीन कोर्स, कलकत्ता रिसर्च ग्रुप, कोलकाता; संस्थापक न्यासी, हिल ऐंड माउंटेन फोरम, नई दिल्ली; सदस्य, अन्तरराष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड, पाप्यूलेशन वाच, काठमांडु; अध्यक्षता, नाथुला व्यापार अध्ययन समूह (2004–05) भारत और चीन के मध्य नाथुला (सिक्किम) होकर व्यापार मार्ग पुनः खोलने के संबंध में रिपोर्ट तैयार की; और राष्ट्रीय योजना आयोग में वर्ष 2006 में उत्तर–पूर्वी क्षेत्र के लिए xiवी योजना (2007–2012) तैयार करने हेतु राष्ट्रीय विषय निर्वाचन समिति का सदस्य नियुक्त किया।

- आई.एन. मुखर्जी, सदस्य, शासी मण्डल, इंडियन काउंसिल ऑफ साउथ एशियन कॉपरेशन, नई दिल्ली; सदस्य, संपादकीय मण्डल, साउथ एशिया इकोनामिक जर्नल, इंस्टीट्यूट फार पॉलिसी स्टडीज, कोलम्बो ऐंड रिसर्च ऐंड इफॉर्मेशन सिस्टम फार नॉन–अलाइंड ऐंड अदर डिवलपिंग कंट्रीज, नई दिल्ली; सदस्य, संपादकीय मण्डल, जर्नल आफ हिमालयन स्टडीज, नई दिल्ली; और सदस्य, अध्ययन मण्डल, दक्षिण–एशियाई अध्ययन केन्द्र, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर।

- मनमोहिनी कौल, सदस्य, भारत–इण्डोनेशिया विशेषज्ञ कार्य समूह, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली; सदस्य, डिग्री समिति, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय; सदस्य, विषय–निर्वाचन समिति, इंडियन डायसपोरा, सेंटर दे साइंसेज ह्यूमैनटीज, नई दिल्ली; और सदस्य, वुमन इन फोरेन पॉलिसी ग्रुप, द अमेरिकन एम्बेसी, नई दिल्ली।

- मंदिरा दत्ता, आजीवन सदस्य, इंडियन नेशनल कार्टोग्राफिक एसोसिएशन; अवैतनिक निदेशक, पॉलिसी अल्टरनेटिव्स, लोक नीति में शोध हेतु पंजीकृत गैर–लाभप्रद सोसाइटी, नई दिल्ली, भारत; कार्यकारी सदस्य, हिमालयन रिसर्च ऐंड कल्चरल फाउंडेशन, ए एनजीओ इन कंसलटेटिव स्टेट्स–कैटेगरी–II विद इको सोक, यूनाइटिडनेशंस; सदस्य, मंडल, इनिशिएटिव फार सोशल चेंज ऐंड एक्शन, नई दिल्ली में एक पंजीकृत सोसाइटी; और सदस्य, शासी मण्डल, इंस्टीट्यूट आफ हिमालयन एनवायरनमेंटल रिसर्च ऐंड एज्यूकेशन, अल्मोड़ा, उत्तरांचल।

पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र

- ए.के. पाशा, सदस्य, अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र, मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई के कार्य की समीक्षा करने हेतु गठित वि.अ.आ. क्षेत्रीय अध्ययन पाठ्यक्रम विशेषज्ञ समिति, 24–27 अगस्त 2005। सदस्य, अध्ययन मण्डल, दलित और अल्प संख्यक केन्द्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली; अध्यक्ष, अध्ययन मण्डल, पश्चिमी एशियाई अध्ययन, कालिकट विश्वविद्यालय, केरल; सदस्य, अध्ययन मंडल, पश्चिमी एशियाई अध्ययन केन्द्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली; सदस्य, विद्या परिषद्, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली; सदस्य, सलाहकार मण्डल, जर्नल आफ स्ट्रेटिजिक स्टडीज, मनामा, बहरीन; शोध पाठ्यक्रम संचालक, जीसीसी इंडिया रिलेशंस और संपादकीय मण्डल सदस्य, गल्फ रिसर्च सेंटर, दुबई, यूएई; और कार्य समिति सदस्य, इंडिया एसोसिएशन फार सेंट्रल ऐंड वेस्ट एशियन स्टडीज, नई दिल्ली।

- एस.एन. मालाकार, वि.अ.आ. नामिती, क्षेत्रीय अध्ययन कार्यक्रम, इंडियन डायसपोरा ऐंड कल्चरल स्टडीज, हेमचन्द्राचार्य, नार्थ गुजरात यूनिवर्सिटी, पाहन, गुजरात; और महासचिव, अफ्रीकन स्टडीज एसोसिएशन, नई दिल्ली।

सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

विश्वविद्यालय में वर्ष 2001 में स्थापित हुए सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान में तीन केंद्र हैं – अभिकलनात्मक जीव–विज्ञान और जैव–सूचना–विज्ञान केंद्र, कंप्यूटर केंद्र और संचार एवं सूचना सेवाएं। संस्थान का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और शोध के क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग पर बल देते हुए यह पता लगाना है कि विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध अद्यतन सूचनाएं चाहे ये जैविक, भूगोलिक या आर्थिक हों – का शैक्षिक संदर्भ में कैसे कारगर प्रयोग किया जा सकता है। इस संस्थान के गठन से पूर्व ये केंद्र (अभिकलनात्मक जीव–विज्ञान और जैव–सूचना–विज्ञान केंद्र, कंप्यूटर केंद्र और संचार एवं सूचना सेवाएं) विश्वविद्यालय में स्वतंत्र निकायों के रूप में विद्यमान थे।

अभिकलनात्मक जीव–विज्ञान और जैव–सूचना–विज्ञान केंद्र वर्ष 2000 से एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम चला रहा है। यह देश में चल रहे इस तरह के पाँच पाठ्यक्रमों में से एक है। इसका पूरा वित्तपोषण जैव–प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा किया जाता है। इस केंद्र का शोध कार्य कंप्यूटेशनल एप्रोचिस टु जीनोम सिक्वेंस एनालिसिस, सिस्टम्स बायोलाजी और मोलिक्यूलर माडलिंग पर केंद्रित है। संस्थान में पी–एच.डी. पाठ्यक्रम वर्ष 2001 में शुरू हुआ और इसी वर्ष से छात्रों को जैव–सूचना विज्ञान में सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया। वर्ष 2002 से संस्थान में ऐसे कोर्स चलाए जा रहे हैं जो पूरे जेएनयू समुदाय के लिए उपलब्ध हैं।

कंप्यूटर केंद्र विश्वविद्यालय के सभी छात्रों को कंप्यूटर और इंटरनेट सुविधाएं उपलब्ध कराता है। इन सुविधाओं का भरपूर प्रयोग किया जा रहा है। कंप्यूटर केंद्र जेएनयू के प्रशासनिक कर्मियों के लिए समय–समय पर अल्पकालीन अवधि के प्रशिक्षण कोर्स भी चलाता है।

संस्थान अभी अपने विकास के शुरूआती दौर में है और यह विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों में अपनी भूमिका की रूपरेखा तैयार कर रहा है। वर्तमान में मुख्य शिक्षण और शोध कार्यक्रम अभिकलनात्मक जीव–विज्ञान और जैव–सूचना–विज्ञान केंद्र में ही उपलब्ध हैं। संस्थान की अल्पकालीन योजनाओं के अन्तर्गत सूचना–विज्ञान का प्रयोग अन्य क्षेत्रों, विशेषकर सामाजिक विज्ञानों में किया जाना शामिल है। अभिकलनात्मक जीव–विज्ञान और जैव–सूचना–विज्ञान केंद्र के मुख्य संकाय सदस्यों के अतिरिक्त अन्य संस्थानों के संकाय सदस्यों का सहयोग भी प्राप्त किया जाता है।

संस्थान की शोध एवं प्रशिक्षण गतिविधियों में धीरे–धीरे वृद्धि हो रही है। संस्थान के शिक्षकों के शोध आलेख प्रकाशित हो रहे हैं तथा उनके द्वारा सेमिनार और प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। जैव–प्रौद्योगिकी विभाग ने हाल ही में अभिकलनात्मक जीव–विज्ञान और जैव–सूचना–विज्ञान केंद्र का जैव–सूचना विज्ञान के क्षेत्र में देश के पांच विशिष्ट केंद्रों में से एक केंद्र के रूप में वित्तपोषण किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सी–डेक से परामर्श करके 2 हाई प्रोफोर्मेंस कंप्यूटर (16 प्रोसेसर विद 32 जी.बी. ग्लोबल रेम आल्ट्रिक्स (एस.जी.आई.) और 64 प्रोसेसर (सन) क्लस्टर प्रत्येक प्रोसेसर के लिए 2 जीबी रेम की खरीद करने के लिए निधि उपलब्ध करायी है। उच्च क्षमता परक कंप्यूटर सुविधाओं की स्थापना और केंद्र में उपलब्ध हार्डवेयर और साफ्टवेयर आधारभूत संरचना को पूरक बनाने के लिए मानवशक्ति और साफ्टवेयर टूल विकसित करने के लिए जेएनयू ने सी–डेक के साथ एक करार पर हस्ताक्षर किए हैं। जैव–प्रौद्योगिकी विभाग ने देश भर में फैले 10 मुख्य जैव–सूचना विज्ञान केंद्रों को परस्पर जोड़ते हुए जैव–प्रौद्योगिकी सूचना नेटवर्क के अन्तर्गत एक 2एम.बी.पी.एस. लिंक उपलब्ध कराया है।

संस्थान अपने स्नातकोत्तर डिप्लोमा और पी–एच.डी. पाठ्यक्रम के अतिरिक्त, एक ग्रीष्मकालीन शिविर भी चलाता है। इसमें देश के विभिन्न संस्थानों के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्र भाग लेते हैं। केंद्र में 5 से 10 शोध छात्रों और 2 पोस्ट डाक्टरल शोधार्थियों के लिए एक दीर्घकालीन (6 महीने से 1 वर्ष तक) प्रशिक्षण कार्यक्रम है। अभिकलनात्मक जीव–विज्ञान और जैव–सूचना विज्ञान केंद्र के शोध क्षेत्रों में शामिल हैं – जीनोमिक्स, डी.एन.ए. एनालिसिस, स्ट्रक्चरल बायोलाजी और मोलिक्यूलर माडलिंग। केंद्र उत्तरी भारत

के रीजनल मोलिक्यूलर माडलिंग केंद्र के अतिरिक्त प्लांट जीनोम मिरर वेबसाइट का संचालन और प्रचालन भी करता है। केंद्र के पास प्रयोक्ताओं के लिए पर्याप्त स्टोरेज क्षमता प्रोसेसिंग सामर्थ्य वाले विभिन्न हाई ऐंड वर्क स्टेशन हैं। इसी तरह, संचार एवं सूचना सेवाएं के पास नेटवर्क और ई–मेल सुविधाओं के सुचारू रूप से संचालन के लिए अनेक सर्वर और कंप्यूटर हैं। कंप्यूटर केंद्र के पास 30 कंप्यूटर हैं, जिन पर छात्र इंटरनेट सेवाएं प्राप्त करते हैं। इन सुविधाओं को शीघ्र ही अद्यतन बनाया जाएगा। अतिरिक्त टर्मिनल उपलब्ध कराने के लिए नए कंप्यूटरों की खरीद की जा रही है।

विश्वविद्यालय में कंप्यूटर केंद्र की स्थापना जनवरी 1997 में एक स्वतंत्र केंद्र के रूप में की गई थी। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, छात्रों और स्टाफ सदस्यों को आधुनिक कंप्यूटर तथा इंटरनेट की सुविधाएं उपलब्ध कराना था। आज यह केंद्र सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के अन्तर्गत कार्यरत है। प्रत्येक दिन 400 से अधिक उपभोक्ता अपनी–अपनी आवश्यकतानुसार वर्ड प्रोसेसिंग, डाटा एनालिसिस और कंप्यूटर एवं इंटरनेट सेवाओं का उपयोग करते हैं। अब कंप्यूटर केंद्र की लेबोरेट्री में 25 पी–III कंप्यूटर हैं जो संस्थान के प्रोक्सी सर्वर के माध्यम से संचालित स्विच के साथ एल.ए.एन. से जुड़े हुए हैं। साफ्टवेयर संसाधनों में शामिल हैं – एक एम.एस. विडोंज एनवायरनमेंट और सभी कामन पैकेज, यथा – वर्ड प्रोसेसर, न्यूमेरिकल ऐंड स्टेटिस्टिकल कंप्यूटेशन, वेब ब्रोजर्स, एक्रोबेट रीडर्स आदि।

कंप्यूटर केंद्र जेएनयू समुदाय के सभी सदस्यों को पी.सी. एवं इंटरनेट की सुविधाएं उपलब्ध कराता है। माइक्रोसाफ्ट विंडोज के अन्तर्गत कार्यरत 30 पी.सी. 45 मिनट की अवधि के स्लाट में सोमवार से शुक्रवार तक सुबह 9.30 बजे से 8.00 बजे तक उपलब्ध रहते हैं। ये सभी उपकरण कई घंटों तक बैटरी बैकअप से चालित किए जाते हैं, अतः केवल बिजली आपूर्ति के संकट के समय ही केंद्र के कंप्यूटर कार्य करना बंद करते हैं। इस तरह से कंप्यूटर केंद्र विश्वविद्यालय के सर्वाधिक व्यस्त केंद्रों में से एक है।

केंद्र के मुख्य कंप्यूटर हाल को व्याख्यान हाल के रूप में भी प्रयोग किया जा सकता है। इसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पी.सी. आधारित अल्पकालीन कोर्स और प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं, जिसके लिए उपभोक्ताओं को पूर्व सूचना दी जाती है। केंद्र द्वारा नए उपभोक्ताओं को कामन पैकेज के रूप में सहायता प्रदान की जाती है, बशर्ते उनकी संख्या कम से कम दो हो।

केंद्र में एम.सी.ए./एम.टेक. छात्र 6 महीने की अवधि के लिए शोध एवं विकास कार्य का प्रशिक्षण लेने के लिए आते हैं। प्रशिक्षुओं को कोई परिलब्धियां नहीं दी जाती हैं, परन्तु चुने हुए प्रशिक्षु साफ्टवेयर तैयार करने सम्बन्धी महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त करते हैं।

केंद्र ने नई प्रौद्योगिकी को शामिल करते हुए कंप्यूटर सुविधाओं में वृद्धि करने की दृष्टि से 20 थिन क्लाइंट और एक लोकल एन. टी. सर्वर, 10 लिनक्स बेस्ड पी–IV डेस्कटाप पी.सी. की खरीद करने का आर्डर दिया है। थिन क्लाइंट लोकल सर्वर के माध्यम से आपरेटिंग सिस्टम, एप्लीकेशन और उपभोक्ता विवरण का प्रबन्धन करते हुए एक्सेस प्राप्त करेगा और इस तरह डाटा करप्शन ऐंड मिसयूज को कम किया जा सकेगा। थिन क्लाइंट पर इंटरनेट अपेक्षाकृत नई डब्ल्यू.आई.एफ.आई. वायरलेस टेक्नालाजी पर उपलध होगा।

केंद्र ने अपनी प्रयोगशाला का फर्नीचर, एयर कंडीशन लाइट्स, कंप्यूटर स्लैब आदि जैसी नई सुविधाओं के नवीकरण का कार्य शुरू कर दिया है।

संचार और सूचना सेवाएं परिसर में फैले नेटवर्क के प्रबन्धन सम्बन्धी कार्य का संचालन करने के साथ–साथ विश्वविद्यालय के सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की विभिन्न गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

केंद्र द्वारा समीक्षाधीन अवधि के दौरान पूरे किए गए कार्यों का संक्षिप्त विवरण नीचे प्रस्तुत है –

1. वर्ष 2005–2006 के दौरान जेएनयू परिसर में फैले नेटवर्क का प्रसार किया गया। वर्तमान 640 नोड्स में वृद्धि करके लगभग 2000 नोड्स कर दिए गए। मिनी अकादमिक परिसर जो कि पहले कैम्पस–नेटवर्क से नहीं जुड़ा हुआ था, उसे भी फाइवर आप्टिक केबल के माध्यम से नेटवर्क के साथ जोड़ दिया गया है। नोड्स की संख्या में वृद्धि होने से उनके लोड को हेंडल करने

के लिए प्रत्येक भवन और केंद्र के लिए हाई परफार्मेंस के नए स्विच प्राप्त किए हैं। नई सिस्को वर्क्स नेटवर्क मैनेजमेंट साफ्टवेयर का प्रयोग करते हुए नेटवर्क का प्रबन्धन किया जा रहा है।

2. यूनिफाइड थ्रेट मैनेजमेंट साफ्टवेयर 'साइबरोम' पूरी तरह से मूल्यांकन करने के बाद खरीदा गया है। इसमें विभिन्न आई.एस.पी.'स से आ रही वैडविड्थ के लोड वैलेंसिंग, नेटवर्क पर पैकेट्स की फिल्टरिंग और अनचाही साइट को ब्लाक करने जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसकी स्थापना से नेटवर्क ट्रेफिक को काफी हद कारगर बनाया गया है।

3. ई–मेल सेवाओं में स्पेमिंग एक बहुत बड़ी समस्या थी। इस समस्या से निपटने के लिए 'साइबरोम' के एक कम्पोनेंट का प्रयोग करते हुए इन बाउंड और आउट बाउंड मेल दोनों को स्कैन करने के लिए एक सर्वर की स्थापना की गई है। इस साफ्टवेयर की स्थापना से अधिकांश स्पेमिंग, विशेषकर अश्लील किस्म की, को रोका जा सकता है। स्पेम मेल की घटनाओं को भविष्य में भी रोकने के प्रयास जारी हैं।

4. केवल विंडो 98 को मैनेज करने के लिए प्रयोग किए जा रहे जेनवर्क साफ्टवेयर को अद्यतन बनाया गया ताकि विंडोज एक्स.पी. और लिनक्स सिस्टम को भी हेंडल किया जा सके।

5. वायरलेस तकनीक का प्रयोग करते हुए शिक्षक क्लब और स्वास्थ्य केंद्र को भी नेटवर्क से जोड़ा गया है।

6. सूचना प्रौद्योगिकी नीतियों एवं दिशा निर्देश संस्थान की सूचना प्रौद्योगिकी सुरक्षा कार्यक्रम की आधारशिला होते हैं। प्रभावशाली नीतियां कठिन परिश्रम का सूचक हैं और ये सूचना प्रौद्योगिकी जाँच या वाद आदि की स्थिति में प्रायः आवश्यक हैं। इन नीतियों की रूपरेखा संस्थान में सूचना प्रौद्योगिकी सुरक्षा उपायों को लागू करने में सहयोगी होती है।

   सूचना प्रौद्योगिकी नीतियां निम्न के लिए आवश्यक है –

   (क) सूचना प्रौद्योगिकी संसाधनों सहित इंटरनेट बैडविड्थ के उचित प्रयोग हेतु।

   (ख) विश्वविद्यालय नेटवर्क पर ऐसी गतिविधियों पर नियंत्रण रखना जो न तो शैक्षिक कार्यों से सम्बन्धित है और न ही विश्वविद्यालय के अभिशासन से।

   (ग) सूचना प्रौद्योगिकी सुरक्षा।

सूचना प्रौद्योगिकी और दिशा निर्देशों पर एक दस्तावेज तैयार किया गया है, जो कि विश्वविद्यालय के संदर्भ में संगत होगा। इस दस्तावेज पर उपभोक्ता ग्रुप की बैठक में चर्चा की गई और तदुपरांत इसे विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों द्वारा अनुमोदित किया गया।

इसके अतिरिक्त, एक 'कार्यान्वयन समिति' का गठन किया गया, जिसमें शामिल हैं – प्रो. आलोक भट्टाचार्य, डीन, सूचन प्रौद्योगिकी संस्थान, प्रो. आर. रामास्वामी, भौतिक विज्ञान संस्थान, प्रो. राकेश भटनागर, जैव प्रौद्योगिकी केंद्र, प्रो. अशोक के. रस्तोगी, निदेशक, संचार एवं सूचना सेवाएं।

यह दस्तावेज – "Jawharlal Nehru University IT Policies and Guidelines" के नाम से है और अब यह वैबसाइट (viz.http:èèwww.jnu.ac.inèintranetchannelèJNU_ITpolicy.pdf) पर उपलब्ध है।

सूचना प्रौद्योगिकी नीतियों को निम्न प्रकार से वर्गीकृत किया गया है –

- आई.टी. हार्डवेयर इंस्टालेशन पालिसी
- साफ्टवेयर इंस्टालेशन ऐंड लाइसेंसिंसिंग पालिसी
- नेटवर्क (इंटरानेट ऐंड इंटरनेट) यूज पालिसी
- ई–मेल एकाउंट यूज पालिसी

- वेबसाइट होस्टिंग पालिसी
- यूनिवर्सिटी डाटाबेस (आफ ई–गवर्नेंस) यूज पालिसी

इसके अतिरिक्त, संचार एवं सूचना सेवाएं, यू.सी.एम.सी.; संस्थानों/केंद्रों या विभागों और विभिन्न प्रशासनिक इकाइयों के दायित्वों का भी विस्तार से वर्णन किया गया है। इस दस्तावेज में कंप्यूटर नेमिंग कनवेंशन्स, रनिंग एप्लीकेशन या इनफार्मेशन सर्वर्स, होस्टिंग वेब पेज और डेस्कटाप यूजर्स से संबंधित कुछ दिशा–निर्देश भी दिए गए हैं।

दस्तावेज के अन्त में – "कैम्पस नेटवर्क सर्विसिज यूज एग्रीमेंट" शीर्षक एक करार संलग्न है। विश्वविद्यालय के नेटवर्क का प्रयोग करने वाले सभी प्रयोक्ता इस करार की शर्तों को मानने के लिए स्वतः सहमत होंगे।

संचार एवं सूचना सेवाएं की भावी योजनाएं/प्रस्ताव

1. शिक्षकों को वेबसाइट पर एलर्निंग कनटेंट होस्ट कराने के लिए स्पेस उपलब्ध कराने की दृष्टि से केंद्र एक नया वेब सर्वर खरीदने जा रहा है। इस सर्वर के प्राप्त हो जाने पर प्रत्येक शिक्षक को एलर्निंग सुविधाओं के रूप में कोर्स कंटेंट और अन्य एलर्निंग कंटेंट्स हार्ड डिस्क पर होस्ट करने के लिए पर्याप्त स्पेस उपलब्ध हो सकेगा।
2. संचार एवं सूचना सेवाएं भुगतान के आधार पर लगभग 10 एम.वी.पी.एस. का एक अतिरिक्त बैंडविड्थ प्राप्त करने के लिए 'इर्नेट' और 'एस.टी.पी.आई.' के साथ बातचीत कर रहा है। इस बैंडविड्थ के प्राप्त हो जाने पर बैंडविड्थ की उपलब्धता संबंधी कमी काफी हद तक दूर हो जाएगी।
3. अतिथि गृहों को नेटवर्क से जोड़ने की दृष्टि से सूचना एवं संचार सेवाएं भवनों को परस्पर जोड़ने के लिए वायरलेस तकनीक और आन्तरिक नेटवर्क सुविधा उपलब्ध कराने के लिए वाई–फाई तकनीक का प्रयोग करने की योजना बना रहा है। वाई–फाई कनेक्टिविटी को कार्यान्वित करने से पहले विभिन्न उत्पादों के परीक्षण चल रहे हैं।
4. वर्तमान में विश्वविद्यालय का नेटवर्क लगभग 'एक ओपन नेटवर्क' है अतः कोई भी व्यक्ति नेटवर्क से जुड़े पी.सी. पर बिना पहचान के नेटवर्क सुविधाओं का उपयोग कर सकता है। नेटवर्क सुविधाओं का विस्तार हो जाने पर कोई भी व्यक्ति आसानी से इन सुविधाओं का दुरूपयोग कर सकता है। इसलिए संचार एवं सूचना सेवाएं एक ऐसी पहचान पद्धति शुरू करने पर विचार कर रहा है जिसके अन्तर्गत जेएनयू के प्रत्येक सदस्य को कैम्पस में उपलब्ध नेटवर्क सुविधाओं का प्रयोग करने के लिए यूजर आई. डी. और पासवर्ड दिया जाएगा।
5. संचार और सूचना सेवाएं अपनी वर्तमान मेल सेवा को बहुमुखी बनाने के लिए इसे मैसेजिंग सिस्टम में अपग्रेड करने का प्रस्ताव कर रहा है। इसके अन्तर्गत सहयोगात्मक गतिविधियां और ई–गवर्नेंस से सम्बन्धित कार्य जैसे 'वर्क फ्लो' भी किया जा सकेगा।

नए कोर्स

एम. टेक – कंप्यूटेशनल बायोलाजी

नया एम.टेक पाठ्यक्रम तैयार किया गया और इसे विद्या परिषद ने अनुमोदित किया। इसमें प्रवेश की प्रक्रिया शैक्षिक वर्ष 2006–07 से शुरू की गई।

संस्थान द्वारा आयोजित सम्मेलन/संगोष्ठियां/कार्यशालाएं

- अभिकलनात्मक जीव–विज्ञान और जैव–सूचना–विज्ञान केंद्र, सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, जेएनयू और दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिण परिसर ने संयुक्त रूप से 12–13 मार्च 2006 को 'सिस्टम्स बायोलाजी' पर संगोष्ठी आयोजित की। इसका आयोजन प्रो. आलोक भट्टाचार्य और प्रो. आर. रामास्वामी ने किया।

- 26–28 सितम्बर 2005 को 'अल्गोरिदम्स इन प्राइमरी सिक्वेंस एनालिसिस' विषयक कार्यशाला का आयोजन प्रो. ए. कृष्णामाचारी ने किया।

केंद्र/संस्थान में आए अतिथि

- प्रो. रासकिंग, डिपार्टमेंट आफ कंप्यूटर साइंस, यूनिवर्सिटी आफ वेल्स, यू.के. 20 दिसम्बर 2005 को केंद्र में आए।
- प्रो. थोमस इसाकसन, डिपार्टमेंट आफ कैमिस्ट्री, बायोटेक्नालाजी ऐंड फूड साइंस नार्वेइन यूनिवर्सिटी आफ लाइफ साइंस, नार्वे

शोध परियोजनाएं

- ए. भट्टाचार्य, जैव प्रौद्योगिकी विभाग की एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका कैल्सियम बाइंडिंग प्रोटीन–1 : आइडेंटिफिकेशन ऐंड पार्शियल करेक्ट्राइजेशन आफ टार्गेट्स प्रोटीन्स, विषयक प्रायोजित परियोजना
- ए. भट्टाचार्य, जैव प्रौद्योगिकी विभाग की, एक्सप्लोरिंग द आर्गेनाइजेशन आफ जिनोमिक डी.एन.ए. वाया सेग्मेंटेशन, विषयक प्रायोजित परियोजना

राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों/बैठकों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

- ए. भट्टाचार्य ने 9 से 11 जून 2005 तक एडवांस्ड सेंटर आफ हिल बायोरिसोर्सिस ऐंड बायोटेक्नोलाजी, सी.एस.के. हिमाचल प्रदेश, कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर में आयोजित 'बायोइंफर्मेटिक्स ऐंड प्लान जिनोमिक' विषयक अल्पकालीन प्रशिक्षण में भाग लिया।
- ए. भट्टाचार्य ने 12 जुलाई 2005 को पुणे विश्वविद्यालय में प्रोफेसर और रीडर के पदों के लिए चयन समिति में भाग लिया।
- ए. भट्टाचार्य ने 9 सितम्बर 2005 को बोस संस्थान, कोलकाता में आयोजित टेक्नीकल बिड्स व्यू की बैठक में भाग लिया।
- ए. भट्टाचार्य ने 17 सितम्बर 2005 को बोस संस्थान, कोलकाता में काउंसिल की बैठक में भाग लिया।
- ए. भट्टाचार्य ने 25 से 26 अक्टूबर 2005 तक कोलकाता में आयोजित पी.ए.सी.डी.एस.टी. की बैठक में भाग लिया।
- ए. भट्टाचार्य ने 27 से 28 अक्टूबर 2005 तक बंगलौर में आयोजित विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की प्रथम बैठक में भाग लिया।
- ए. भट्टाचार्य ने 26 से 27 दिसम्बर 2005 तक सी.सी.एम.बी. हैदराबाद में आयोजित इंसा की परिषद बैठक में भाग लिया।
- ए. भट्टाचार्य ने 1 से 2 फरवरी 2006 तक कर्नाटक वैटेरिनरी, एनीमल ऐंड फिशरीज साइंस यूनिवर्सिटी, मंगलौर में आयोजित बायोइंफार्मेटिक्स, विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- ए. भट्टाचार्य ने 3 से 4 फरवरी 2006 तक कसरगाड में आयोजित डी.बी.टी. की वार्षिक समन्वयकों की बैठक में भाग लिया।
- ए. भट्टाचार्य ने 23 से 24 फरवरी 2006 तक जैव–सूचना–विज्ञान केंद्र, बोस संस्थान, कोलकाता में आयोजित 'एप्लिकेशन आफ बायोइंफार्मेटिक्स इन मोलिकूलर ऐंड स्ट्रक्चरल बायोलाजी' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- ए. भट्टाचार्य ने 14 से 16 फरवरी 2006 तक एसोसिएट/सहायक प्रोफेसर, व्याख्याताओं (जैव सूचना विज्ञान/कंप्यूटर विज्ञान में) के चयन के लिए इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ एडवांस्ड रिसर्च, स्कूल आफ बायोलाजिकल साइंसिस ऐंड बायोटेक्नोलाजी गाँधीनगर, गुजरात की चयन समिति की बैठक में भाग लिया।
- ए. भट्टाचार्य ने 23 से 26 मार्च 2006 तक पुणे में आयोजित सी.एस.आई.आर. की नैट समिति की बैठक में भाग लिया।

- आर. रामास्वामी ने 22 अगस्त 2005 को बंगलौर में आयोजित 'स्टेटिस्टिकल मकेनिक्स आफ प्लास्टिक ऐंड रिलेटिड इनस्टेबिलिटी' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- आर. रामास्वामी ने हीट कंडक्शन इन 1–डाइमेंशनल लैटिक्स
- आर. रामास्वामी ने 18 से 22 सितम्बर 2005 तक 'नानलिनियर डायनामिक्स आफ इलैक्ट्रानिक सिस्टम्स : पाट्सडैम अपेरिओडिक नानकेआटिक डायनेमिक्स' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- आर. रामास्वामी ने 9 फरवरी 2006 को भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर में आयोजित 'बायोइंफार्मेटिक्स' विषयक इण्डो–फ्रेंच की बैठक में भाग लिया तथा 'मार्कोव माडल्स आफ जिनोम सेग्मेंटेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर. रामास्वामी ने 23 फरवरी 2006 को बोस संस्थान, कोलकाता में आयोजित 'एप्लिकेशन आफ बायोइंफार्मेटिक्स' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया तथा 'फाइंडिंग जीन्स इन डी.एन.ए. सिक्वेंसिस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर. रामास्वामी ने 23 फरवरी 2006 को बोस संस्थान, कोलकाता में आयोजित 'एप्लिकेशन आफ बायोइंफार्मेटिक्स' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया तथा 'गिल्ट बाई एसोसिएशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर. रामास्वामी ने 13 मार्च 2006 को जेएनयू में आयोजित 'सिस्टम बायोलाजी' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'प्रिडिक्टिंग ब्रेस्ट कैंसर फेनोटाइप्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर. रामास्वामी ने बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में आयोजित 'कंप्यूटेशनल फिजिक्स ऐंड बायोइंफार्मेटिक्स' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'इंट्रोडक्शन टु सिस्टम्स बायोलाजी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर. रामास्वामी ने 22 मार्च 2006 को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में आयोजित 'कंप्यूटेशनल फिजिक्स ऐंड बायोइंफोर्मेटिक्स' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'फाइंडिंग जीन्स ऐंड अदर थिंग्स इन डी.एन.ए. सिक्वेंसिस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

शिक्षकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय से बाहर)

- ए. भट्टाचार्य ने 19 अप्रैल 2005 को जैव रसायन विभाग, श्रीवेंकटेश्वर कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'बायोइंफार्मेटिक्स ऐंड कंप्यूटेशनल बायोलाजी' विषयक कार्यशाला में 'द जिनोम आफ द प्रोटोजोआ पैरासाइट एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए. भट्टाचार्य ने 24 नवम्बर 2005 को सेंटर फार डिवलपमेंट आफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी.डी.ए.सी.) पुणे में व्याख्यान दिया।
- ए. भट्टाचार्य ने इलाहाबाद कृषि विश्वविद्यालय, इलाहाबाद में व्याख्यान दिया।
- ए. भट्टाचार्य ने ए.जी.बी.एम. आफ सोसायटी आफ बायोलाजिकल केमिस्ट्स (इण्डिया), लखनऊ में व्याख्यान दिया।
- ए. भट्टाचार्य ने 27 जनवरी 2006 को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, महिला महाविद्यालय, वाराणसी में 'सिग्नल ट्रांस्डक्शन' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 7 अप्रैल 2005 को भौतिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, मैरीलैण्ड विश्वविद्यालय, कालेज पार्क में 'ए पीरिआडिक नानकेआटिक डायनामिक्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 2 जून 2005 को बायोमैप्स, रूटगर्स यूनिवर्सिटी, न्यू ब्रून्सविक में 'मार्कोव माडल्स आफ जिनोम सेग्मेंटेशन' विषयक व्याख्यान दिया।

- आर. रामास्वामी ने 14 जून 2005 को भौतिक विज्ञान विभाग, मिचिगन स्टेट विश्वविद्यालय, ईस्ट लासिंग में 'द इम्पोर्टेन्स आफ बीइंग स्ट्रेंज ऐंड नानकेआटिक' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 23 जून 2005 को जे.एस.टी.ओ.आर./इथाका, न्यूयार्क में 'अकादमिक्स विदाउट फ्रंटियर्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 23 दिसम्बर 2005 को इन्द्रप्रस्थ कालेज, दिल्ली में 'फ्रेक्टल्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 9 से 10 जनवरी, 2006 को आई.एम.एस–सी. काम्पलेक्स सिस्टम्स स्कूल, चैन्नई में 'इंट्रोडक्शन टु बायोइंफार्मेटिक्स' विषयक दो व्याख्यान दिए।
- आर. रामास्वामी ने 6 फरवरी 2006 को रामजस कालेज, दिल्ली में 'फ्रेक्टल्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 22 फरवरी 2006 को दिल्ली विश्वविद्यालय में 'वाट कैन फिजिक्स लर्न फ्राम बायोलाजी' विषयक व्याख्यान दिया।

मण्डलों/समितियों की सदस्यता (विश्वविद्यालय से बाहर)

- ए. भट्टाचार्य, सदस्य, जैव प्रौद्योगिकी विभाग की विशेषज्ञ समिति; कैपेसिटी बिल्डिंग ऐंड अवेयरनेस जेनरेशन आन बायोरिसोर्स डिवलपमेंट ऐंड यूटिलाइजेशन; और सदस्य, 58वें फ्रेंकफुर्ट पुस्तक मेला 2006 के लिए राष्ट्रीय आयोजन समिति।

भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान

वर्ष 1969 में स्थापित भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान विश्वविद्यालय के प्रारंभिक संस्थानों में से एक है। यह देश में विदेशी भाषाओं के अध्ययन और भाषा विज्ञान, विभिन्न भाषाओं के साहित्य और संस्कृति अध्ययन तथा दर्शनशास्त्र में उच्च अध्ययन और शोध हेतु देश में एक प्रमुख संस्थान है।

संस्थान में 12 इकाईयां हैं। इनमें ग्यारह केंद्र हैं : अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र, चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र, अंग्रेजी अध्ययन केंद्र, फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र, जर्मन अध्ययन केंद्र, भारतीय भाषा केंद्र, जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र, भाषा विज्ञान केंद्र, फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र, रूसी अध्ययन केंद्र और स्पेनी, पुर्तगाली, इतालवी और लेटिन अमरीकी अध्ययन केंद्र। इनके अतिरिक्त, एक भाषा प्रयोगशालाएं और मल्टिमीडिया समूह है।

संस्थान के केंद्रों द्वारा विभिन्न विषयों में अनेक प्रकार के पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। भाषा इंदोनेशिया, इतालवी, मंगोलियन, पुर्तगाली, पश्तो और उर्दू जैसी भाषाओं में प्रमाण–पत्र, डिप्लोमा और उच्च प्रवीणता डिप्लोमा तथा उर्दू में मास मीडिया कोर्स चलाए जाते है। संस्थान अरबी, चीनी, फ्रेंच, जर्मन, जापानी, कोरियाई, फारसी, रूसी और स्पेनी जैसी विदेशी भाषों में बी.ए.(आनर्स), एम.ए., एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम और अंग्रेजी, हिंदी तथा उर्दू साहित्य और भाषा विज्ञान में एम.ए. तथा एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। इनके अतिरिक्त, संस्थान पुर्तगाली में भी एम.फिल. पाठ्यक्रम चलाता है।

इन वर्तमान पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त संस्थान ने हाल ही में ग्रीक, हिब्रू और टर्की भाषाओं में कोर्स शुरू किए हैं। संस्थान तमिल और बंगला भाषाओं में अध्ययन शुरू करके भारतीय भाषाओं के अध्ययन में विस्तार करने की योजना है। संस्थान शीघ्र ही संस्कृति अध्ययन में एक एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम शुरू करना चाहता है। इन औपचारिक पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त, अन्तरविषयक अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए संस्थान द्वारा विभिन्न टूल/वैकल्पिक कोर्स भी चलाए जाते हैं। संस्थान अंग्रेजी भाषायी क्षमता को उन्नत करने के लिए विश्वविद्यालय के इच्छुक छात्रों के लिए अंग्रेजी भाषा में एक उपचारात्मक कोर्स भी चलाता है। यह कोर्स बहुत ही सफल रहा है।

शिक्षण और शोध गतिविधियों के अतिरिक्त संस्थान 'जर्नल आफ द स्कूल आफ लैंग्वेजिज' शीर्षक पत्रिका भी प्रकाशित करता है। इसका प्रकाशन सत्तर के दशक में शुरू हुआ। इसमें साहित्य, भाषा, तुलनात्मक अध्ययन, अनुवाद और संकेतविज्ञान तथा विषयवस्तु पर महत्वपूर्ण शोध–पत्र प्रकाशित हुए हैं और इससे भाषिक सीमाएं टूटी हैं। इसके अतिरिक्त, संस्थान के कुछ केंद्रों की अपनी पत्रिकाएं प्रकाशित होती हैं। रूसी अध्ययन केंद्र 'क्रिटिक' और स्पेनी, पुर्तगाली, इतालवी और लेटिन अमरीकी अध्ययन केंद्र 'हिस्पानिक होरिजन' नामक पत्रिका प्रकाशित करते हैं। भाषा प्रयोगशाला समूह के पास अपने प्रकाशनों के प्रावधान उपलब्ध हैं।

संस्थान भाषा शिक्षण, भाषा विज्ञान, साहित्य और संस्कृति के अध्ययन क्षेत्रों में उच्च स्तरीय विद्वान और अन्तरराष्ट्रीय पहचान के अनुवादक और दुभाषिए तैयार करता है। जैसा कि रिपोर्ट में आगे उल्लेख किया गया है कि इस वर्ष भी सभी केंद्रो के शिक्षकों ने न केवल उच्च स्तरीय शोध के लिए सफलतापूर्वक मार्गदर्शन किया है अपितु अपने विभिन्न शोध कार्यों तथा प्रकाशनों की गुणवत्ता एवं अन्य उपलब्धियों के माध्यम से अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।

थ्रस्ट एरिया और संदर्श परियोजनाएं

अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र

केंद्र अरबी भाषा में बी.ए.(आनर्स), एम.ए. और एम.फिल. / पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। केंद्र विश्वविद्यालय के अन्य केंद्रों के छात्रों के लिए अंग्रेजी में 'इंट्रोडक्शन टु द अरब वर्ल्ड' विषयक दो टूल कोर्स भी चलाता है।

केंद्र की तीन थ्रस्ट एरिया विकसित करने की योजना है। ये एरिया हैं – शास्त्रीय अरबी भाषा और साहित्य, समसामयिक साहित्यिक आदान–प्रदान के क्षेत्रों में भारत–अरब सम्बन्ध, और भारत–अफ्रीकी अध्ययन : सांस्कृतिक और साहित्यिक आयाम। केंद्र की स्वयं वित्तपोषण योजना के अन्तर्गत 'स्पिकिंग अरेबिक' शीर्षक 45 दिवसीय कैप्सूल कोर्स और अरबी भाषा में प्रवीणता प्रमाण–पत्र तथा डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी शुरू करने की योजना है। केंद्र में हिब्रू भाषा शिक्षण में एक नया पाठ्यक्रम शुरू करने की प्रक्रिया चल रही है।

चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

केंद्र चीनी भाषा में बी.ए.(आनर्स), एम.ए. और एम.फिल. / पी–एच.डी. पाठ्यक्रम तथा भाषा इंदोनेशिया में सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा कोर्स चलाता है।

उल्लेखनीय है कि भावी योजनाओं के अनुसार केंद्र में कनफूशियस इंस्टीट्यूट की स्थापना करने के लिए जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और विदेशी भाषा के रूप में चीनी शिक्षण के राष्ट्रीय केंद्र, चीन के बीच एक समझौता हुआ है। इसका मूल उद्देश्य भारत में चीनी भाषा के शिक्षण को सुदृढ़ बनाना और चीन एवं चीनी संस्कृति के बारे में अधिक जानकारी देना है। इसके अतिरिक्त, एसोसिएट प्रोफेसर डा. बी.आर. दीपक द्वारा प्रस्तुत एक प्रस्ताव के आधार पर केंद्र चीनी संस्कृति, इतिहास और अर्थशास्त्र से सम्बन्धित एक पाठ्य पुस्तक तैयार करने की योजना बना रहा है। यह पाठ्यपुस्तक विभिन्न टूल कोर्सों में पंजीकरण कराने वाले छात्रों को आरम्भिक जानकारी उपलब्ध कराएगी। यह एक सम्पादित पुस्तक होगी और इसके अध्यायों में शिक्षकों द्वारा विभिन्न विषयों पर प्रस्तुत सामग्री शामिल होगी।

अंग्रेजी अध्ययन केंद्र

पूर्व में भाषा विज्ञान और अंग्रेजी अध्ययन केंद्र और अब अंग्रेजी अध्ययन केंद्र में अंग्रेजी में एम.ए. तथा एम. फिल / पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। केंद्र के पाठ्यक्रम अन्तरविषयक और पारविषयक प्रकृति के हैं – जिनमें भाषा–विज्ञान, साहित्य और संस्कृति अध्ययन के विभिन्न क्षेत्रों में सैद्धांतिक और तुलनात्मक शोध कार्य कराया जाता है। केंद्र अपने संस्थान के स्नातक छात्रों के लिए भाषा–विज्ञान और अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य में वैकल्पिक तथा टूल कोर्स के साथ–साथ विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए अंग्रेजी में उपचारात्मक कोर्स भी चलाता है। केंद्र के थ्रस्ट एरिया में शामिल हैं – भारत, अफ्रीका, आस्ट्रेलिया, कनाडा और अमरीका जैसे देशों के अंग्रेजी साहित्य, समसामयिक साहित्यिक और सांस्कृतिक सिद्धान्त, संस्कृति का संकेत–विज्ञान, प्रसिद्ध संस्कृति अध्ययन, प्राचीन भारतीय काव्यशास्त्र और व्याकरणिक परम्परा तथा अनुवाद सिद्धान्त एवं व्यवहार।

केंद्र अंग्रेजी साहित्य के प्रति भारतीय दृष्टिकोण विषय पर विशेष सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत संगोष्ठियां एवं शैक्षणिक पाठ्यक्रम चलाता है।

फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र

केंद्र फ्रेंच भाषा में बी.ए.(आनर्स), एम.ए. और एम.फिल. / पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। केंद्र 46 फ्रेंकाफोन (फ्रेंच भाषी) देशों के सांस्कृतिक, सामाजिक–आर्थिक और राजनीतिक यथार्थ के बारे में बहुविषयक शोध कार्यक्रम चलाता है।

केंद्र अपने थ्रस्ट एरिया में भविष्य में विश्वविद्यालय के अन्य केंद्रों, संस्थानों के साथ–साथ देश–विदेश के अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ फ्रेंकाफोन में अन्तरविषयक तथा सहयोगात्मक शोध कार्यक्रम चलाना चाहता है। केंद्र अपने फ्रेंकाफोन अध्ययन, अनुवाद एवं भाषान्तरण पाठ्यक्रमों में चल रही शैक्षिक गतिविधियों को और अधिक सुदृढ़ बनाने के कार्य को जारी रखेगा।

जर्मन अध्ययन केंद्र

जर्मन अध्ययन केंद्र बी.ए.(आनर्स), एम.ए. और एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। इन पाठ्यक्रमों में जर्मन अध्ययन के साथ–साथ जर्मन संस्कृति–अध्ययन पर विशेष बल दिया जाता है। इसमें जर्मन भाषा–भाषी देशों और भारत के बीच तुलनात्मक तथा व्यतिरेकी अध्ययन और संस्कृति, अनुवाद, विदेशी भाषा के रूप में जर्मन शिक्षण, अनुप्रयुक्त भाषा–विज्ञान के क्षेत्रों में अध्ययन शामिल है; इसके अतिरिक्त, इस अध्ययन में सामाजिक–राजनीतिक गतिविधियां जैसे नारी अधिकारवाद, प्राच्यवाद, उत्तर आधुनिकतावाद, मीडिया–विश्लेषण आदि क्षेत्रों में हुए परिवर्तनों से उभरे शोध के नए क्षेत्र भी शामिल हैं। केंद्र को जर्मनी, आस्ट्रिया और स्विटजरलैण्ड की सरकारों और संस्थानों से सहयोग मिल रहा है।

अपने भावी कार्यक्रमों के अन्तर्गत केंद्र अपने बी.ए. और एम.ए. पाठ्यक्रमों की पाठ्यचर्या में संशोधन कर रहा है। इन संशोधनों को शीघ्र ही संस्थान के अध्ययन मण्डल की बैठक में प्रस्तुत किया जाएगा।

भारतीय भाषा केंद्र

भारतीय भाषा केंद्र हिंदी साहित्य में एम.ए. और एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम, हिंदी अनुवाद में एम.फिल./ पी–एच.डी. पाठ्यक्रम, उर्दू में सर्टिफिकेट, एम.ए. और एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम तथा उर्दू में जनसंचार में उच्च डिप्लोमा कोर्स चलाता है। इसके अतिरिक्त, केंद्र, अन्य केंद्रों के छात्रों के लिए हिंदी और उर्दू में वैकल्पिक और टूल कोर्सों के साथ–साथ इन भाषाओं को सीखने के इच्छुक विदेशी छात्रों के लिए अल्पकालीन कोर्स भी चलाता है।

भारतीय भाषा केंद्र की स्थापना विभिन्न भारतीय भाषाओं में सामाजिक रूप से संगत और बौद्धिकता की दृष्टि से शोध एवं उच्च अध्ययन करने के लिए की गई थी। ऐसे केंद्र की स्थापना का मुख्य उद्देश्य जेएनयू और भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान के सामान्य अभिविन्यास के अनुरूप अन्तरविषयक दृष्टिकोण तथा तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य को उन्नत करना था। केंद्र का अपने मूल उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए फिलहाल तमिल और बंग्ला में शिक्षण की शुरूआत के साथ और अन्य भारतीय भाषाओं में भी शिक्षण शुरू करने का प्रस्ताव है।

जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

केंद्र जापानी में बी.ए.(आनर्स), एम.ए. और एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम, कोरियाई में एम.ए. पाठ्यक्रम और मंगोलियन में सर्टिफिकेट कोर्स चलाता है।

जेएनयू द्वारा किए गए करार के अन्तर्गत केन्द्र और जापान के विभिन्न शैक्षिक संस्थानों और विश्वविद्यालयों सहित ओटनी विश्वविद्यालय और रित्सुमेकान विश्वविद्यालय के बीच शैक्षिक और सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम चल रहे हैं। केंद्र के शिक्षकों एवं छात्रों के लिए नियमित रूप से अध्येतावृत्तियां प्राप्त हो रही हैं। केंद्र जापान फाउंडेशन, भारत का जापानी शिक्षक संघ, मुमबुशो स्कालर्स एसोसिएशन आफ इण्डिया आदि के साथ मिलकर जापानी अध्ययन से संबंधित सम्मलनों, संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन करता है।

धीरे–धीरे भविष्य में इसी तरह की गतिविधियां कोरियाई भाषा के सम्बन्ध में भी शुरू की जाएंगीं। केंद्र अपने कोरियाई पाठ्यक्रम को और अधिक विकसित करने की आशा करता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए केंद्र ने अपना वर्तमान नाम बदल कर 'जापानी, कोरियाई और उत्तर–पूर्वी अध्ययन केंद्र' करने का प्रस्ताव किया है, जिसका अनुमोदन अभी प्रतीक्षित है।

भाषा विज्ञान केंद्र

भाषा विज्ञान केंद्र इस सत्र में भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केंद्र से अलग होकर एक स्वतंत्र केंद्र के रूप में स्थापित हुआ है। यह केंद्र भाषा विज्ञान में एम.ए. और एम.फिल. / पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। केंद्र संस्थान के स्नातक छात्रों के लिए भाषा विज्ञान में वैकल्पिक कोर्स भी चलाता है।

भाषा विज्ञान केंद्र पूरे भारत में भाषा विज्ञान और भाषा अध्ययन के अग्रणी केंद्रों में से एक है। केंद्र स्वर विज्ञान, स्वन प्रक्रिया, रूप विज्ञान और वाक्य विन्यास जैसे मुख्य क्षेत्रों के साथ–साथ मनो भाषा विज्ञान और समाज भाषा विज्ञान जैसे अन्तरविषयक क्षेत्रों के अध्ययन पर बल देता है। केंद्र पिछले कई वर्षों से संकेतविज्ञान और भारतीय व्याकरणिक परम्परा के क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है। शिक्षकों द्वारा शामिल किए गए शोध के कुछ अन्य क्षेत्र हैं – भाषा प्रारूप विज्ञान और संकेत भाषा के साथ–साथ जैव–भाषा विज्ञान, जोकि सामान्य रूचि का एक उभरता हुआ क्षेत्र है।

फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र

केंद्र फारसी में बी.ए.(आनर्स), एम.ए. और एम.फिल. / पी–एच.डी. पाठ्यक्रम और पश्तो में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और उच्च प्रवीणता डिप्लोमा कोर्स चलाता है। केंद्र के थ्रस्ट एरिया हैं – आधुनिक और मध्यकालीन फारसी साहित्य, फारसी से अंग्रेजी और अंग्रेजी से फारसी में अनुवाद, इण्डो–ईरान सम्बन्ध और क्षेत्रीय अध्ययन – ईरान, अफगानिस्तान, तजाकिस्तान और उज्बेगिस्तान।

केंद्र की भावी योजनाओं में शामिल हैं पश्तो अध्ययन पाठ्यक्रमों को डिग्री स्तर का पाठ्यक्रम बनाना और टर्की तथा उज्बैग भाषाओं में पाठ्यक्रम शुरू करना।

रूसी अध्ययन केंद्र

रूसी अध्ययन केंद्र रूसी में बी.ए.(आनर्स), एम.ए. और एम.फिल. / पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। इस केंद्र की स्थापना वर्ष 1965 में रूसी अध्ययन के एक स्वतंत्र संस्थान के रूप में हुई और बाद में यह वर्ष 1969 में जेएनयू का हिस्सा बन गया। केंद्र ने इस वर्ष 14 नवम्बर 2005 को अपने 40 वर्ष पूरे किए हैं। अपने पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष भी केंद्र अपने वर्तमान अध्ययन पाठ्यक्रमों को सुदृढ़ बनाने में संलग्न रहा। नियमित कक्षाओं के अतिरिक्त केंद्र ने अन्तरराष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठियां, सुप्रसिद्ध विद्वानों के व्याख्यान, छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि का आयोजन किया। केंद्र के थ्रस्ट एरिया हैं – रूसी भाषा शास्त्री, रूसी साहित्य और तुलनात्मक अध्ययन। केंद्र अपनी 'क्रिटिक' नामक पत्रिका का प्रकाशन करता है।

स्पेनी, पुर्तगाली, इतालवी और लेटिन अमरीकी अध्ययन केंद्र

केंद्र स्पेनी में बी.ए.(आनर्स), एम.ए. और एम.फिल. / पी–एच.डी. पाठ्यक्रम, पुर्तगाली में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, उच्च प्रवीणता डिप्लोमा और एम.फिल. पाठ्यक्रम तथा इतालवी में सर्टिफिकेट और प्रवीणता डिप्लोमा कोर्स चलाता है। पूर्व वर्षों की तरह इस वर्ष भी केंद्र ने अपने वर्तमान शैक्षिक पाठ्यक्रमों को सुदृढ़ बनाने तथा स्पेनी, पुर्तगाली और इतालवी भाषाओं और संस्कृतियों में उभरते विषयों तथा पद्धतियों के अनुरूप नये क्षेत्रों में अध्ययन शुरू करने का कार्य जारी रखा। केंद्र 'हिस्पानिक हारीजन' नामक पत्रिका भी प्रकाशित करता है। इस वर्ष पत्रिका का 24वां अंक प्रकाशित हुआ।

पिछले वर्ष के दौरान केंद्र ने अपने शिक्षकों और छात्रों के सुझावों तथा पूर्व अनुभव के आधार पर स्पेनी में विभिन्न पाठ्यक्रमों के कोर्सों को पुनगर्ठित तथा संशोधित करके कुछ नये कोर्सों को शामिल करने की ओर विशेष ध्यान दिया। केंद्र विदेशी छात्रों के लिए 'इण्डिया इन स्पेनिश' विषय पर एक कोर्स शुरू करने के प्रस्ताव पर भी विचार कर रहा है। केंद्र वि.अ.आ. के विशेष सहायता कार्यक्रम (सेप) के अन्तर्गत लेटिन अमरीकी अध्ययन में एक विशेष कार्यक्रम चलाने के अपने पूर्व प्रस्ताव पर भी विचार–विमर्श कर रहा है।

केंद्र ने इस वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय में 'औला सर्वोतेज' नामक सुविधा उपलब्ध करायी है। इसके अन्तर्गत छात्रों को स्पेनी भाषा एवं संस्कृति में शोध कार्य करने के लिए आधुनिक उपकरण तथा संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं।

भाषा प्रयोगशाला समूह

भौतिक विज्ञान संस्थान से सटे एक ध्वनिप्रूफ एवं वातानुकूलित भवन में स्थित भाषा प्रयोगशाला समूह पूरे एशिया में एक सर्वोत्तम प्रयोगशाला है। इसमें दो मल्टीमिडिया भाषा प्रयोगशालाएं, चार आडियो–एक्टिव भाषा प्रयोगशालाएं, एक फोनेटिक्स प्रयोगशाला, पांच आडियो–विजुअल रूम, छात्रों के लिए एक इंटरनेट रूम और फिल्म प्रोजेक्शन सुविधा युक्त एक आडिटोरियम है।

भाषा प्रयोगशाला में रिकार्डिंग, एडिटिंग और आडियो–विडियो कैसेट डुप्लिकेशन सुविधा वाला एक स्टुडियो भी है। भाषा प्रयोगशाला की सभी इकाइयों का उपयोग शिक्षण एवं शोध कार्य के लिए सभी कार्य–दिवसों में प्रातः 9 बजे से शाम 4 बजे तक किया जाता है। औसतन एक भाषा प्रयोगशाला या एक आडियो–विडियो रूम का प्रयोग एक सप्ताह में 9 घंटे तक किया जाता है। इस वर्ष भाषा प्रयोगशाला की सुविधाओं का उपयोग लगभग 4000 घंटे तक किया गया। भाषा प्रयोगशाला, विश्वविद्यालय के अन्य संस्थानों, केंद्रो और विभागों को भी कांफ्रेस सुविधा उपलब्ध कराती है।

वर्ष 2005–2006 के दौरान विभिन्न केंद्रो द्वारा निम्नलिखित नये कोर्स शुरू किए गए –

जर्मन अध्ययन केंद्र

केंद्र के अन्तरविषयक दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के अन्य छात्रों के लिए एम.ए. स्तर पर चार क्रेडिट का एक वैकल्पिक कोर्स (अंग्रेजी में) निम्नलिखित कोर्स शुरू किया :

जी.आर. 421 : थीअरि ऐंड हिस्ट्री आफ ओरल कल्चर स्टडीज

रूसी अध्ययन केंद्र

केंद्र ने एम.ए. स्तर पर 4 क्रेडिट का एक नया कोर्स शुरू किया है। यह कोर्स है – आर.यू. 412 ए : ट्रांसलेशन आफ बिजनेस, ट्रेड ऐंड कामर्स मैटिरिअल्स फ्राम रशियन इन टु इंग्लिश ऐंड वाइस–वर्सा

संस्थान/केंद्रो द्वारा निम्नलिखित संगोष्ठियां आयोजित की गई

1. भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान के डीन प्रो. अमर के. बासु की अध्यक्षता में गठित निम्नलिखित सदस्यों – एस. पी. गांगुली (स्पेनी, पुर्तगाली, इतालवी और लेटिन अमरीकी अध्ययन केंद्र), मकरंद प्रांजपे (अंग्रेजी अध्ययन केंद्र), एस. भादुरी (अंग्रेजी अध्ययन केंद्र) और साधना नैथानी (जर्मन अध्ययन केंद्र) द्वारा साहित्य अकादमी और भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद के सहयोग से 9 से 11 मार्च 2006 तक 'इंटर–कल्चरल स्टडीज टुडे : चैलेंजिस ऐंड इम्पेरिटिव्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई।

चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

2. सबरी मित्रा ने चीनी अध्ययन संस्थान, सेंटर फार डिवलपिंग सोसायटीज, नई दिल्ली के सहयोग से 21–22 अक्टूबर 2005 को 'पालिटिक्स आफ कल्चर इन कंटेम्पोरेरि चाइना ऐंड इण्डिया' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

3. सबरी मित्रा ने चीनी अध्ययन संस्थान, सी.एस.डी.एस.के सहयोग से 26 नवमबर 2005 को 'वूमन राइटिंग्स इन कम्पेरिटिव पर्सपेक्टिव' विषयक कार्यशाला आयोजित की।

अंग्रेजी अध्ययन केंद्र

4. एस.के. सरीन और मकरंद प्रांजपे ने 16–17 जनवरी 2006 को 'इण्डियन कंट्रीब्युशन टु आस्ट्रेलियन स्टडीज' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया।
5. मकरंद प्रांजपे ने 5–7 फरवरी 2006 को इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर और जेएनयू में 'साइंस ऐंड स्प्रिचुएलिटी इन माडर्न इण्डिया' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।
6. संतोष के सरीन ने 8 फरवरी 2006 को 'आयरिश लिट्रेचर' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
7. नवीनत सेठी ने यू.एस. दूतावास के कल्चरल अफेयर्स सेक्सन के सहयोग से 15 फरवरी 2006 को 'मल्टीएथनिक लिट्रेचर आफ यू.एस.' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
8. केंद्र ने स्पेनी, पुर्तगाली, इतालवी और लेटिन अमरीकी अध्ययन केंद्र के सहयोग से 8 मार्च 2006 को 'राइटर्स मीट' का आयोजन किया। इसमें लेखक मंजु कपूर और अनुवादक क्रिस्टोफर रोलासन ने परस्पर विचारों का आदान–प्रदान किया।

फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र

9. विजयलक्ष्मी राव और जे. प्रिजिकोडजेन ने 20–22 जनवरी 2006 को 'इंटर–कल्चरल ऐंड ग्लोबलाइजेशन' विषयक क्यूबैक अध्ययन पर अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।
10. अभिजित कारकुन, आशिष अग्निहोत्री और शोभा शिवशंकरन ने 17 मार्च 2006 को 'फ्रेंकाफोन स्टडीज विद वियतनाम ऐज थीम कंट्री' विषयक गोलमेज संगोष्ठी आयोजित की।
11. आशिष अग्निहोत्री ने कनाडियाई विजिटिंग प्रोफेसर ऐकमेहेली के सहयोग से 23 मार्च 2006 को 'Marguerite Yourcenar : ecrivaine francophone' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

भारतीय भाषा केंद्र

12. चमन लाल ने 11 मई 2005 को 'लेक्चर–कम–ट्रांसलेशन वर्कशाप' आयोजित की।
13. मो. शाहिद हुसैन ने दिल्ली उर्दू अकादमी के सहयोग से 26–27 अक्टूबर 2005 को 'उर्दू में अदब–ए–अतफल की रिवायत' विषयक कार्यशाला आयोजित की।
14. मो. शाहिद हुसैन ने दिल्ली उर्दू अकादमी के सहयोग से 26–27 नवम्बर 2005 को 'उर्दू में अदब–ए–अतफल मसाएल व हल' विषयक कार्यशाला आयोजित की।
15. चमन लाल ने 10 जनवरी 2006 को प्रो. यूआन, चीन और प्रो. इंदिरा पीटरसन, यू.एस.ए. के साथ 'फेस–टू–फेस' कार्यक्रम आयोजित किया।

जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

16. रविकेश ने 7–9 अक्टूबर 2005 को 'पर्सपेक्टिव आन कोरियन कल्चर' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।
17. रविकेश ने इंटरनेशनल सर्किल आफ कोरियन लिंग्विस्टिक्स, कोरिया के सहयोग से 8 अक्टूबर 2005 को 'कोरियन लिंग्विस्टिक्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

भाषा विज्ञान केंद्र

18. आयशा किदवई ने 5–8 अक्टूबर 2005 को 'जेनरेटिव लिंग्विस्टिक्स आफ द ओल्ड वर्ल्ड काफ्रेंस (ग्लो)' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया।

रूसी अध्ययन केंद्र

19. शंकर बासु ने 8–10 नवम्बर 2005 को रूसी अध्ययन केंद्र की 40वीं वर्षगांठ समारोह के अवसर पर 'रशियन थ्रू द इयर्स : ए मजेइक आफ लैंग्युवेज, लिट्रेचर ऐंड कल्चर' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी व कार्यशाला का आयोजन किया।

20. मनु मित्तल ने 8–10 फरवरी 2006 को आई.सी.सी.आर. के सहयोग से 'कल्चर्स ऐंड सोसायटीज इन ट्रांजिशन – इण्डिया, रशिया ऐंड सी.आई.एस. कंट्रीज' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।

स्पेनी, पुर्तगाली, इतालवी और लेटिन अमरीकी अध्ययन केंद्र

21. अपराजित चट्टोपाध्याय ने 11–12 नवम्बर 2005 को 'सर्वांतेस ऐंड द गोल्डन ऐज' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान निम्नलिखित विद्वानों और शिष्टमण्डलों ने संस्थान/केंद्रों का दौरा किया –

अंग्रेजी अध्ययन केंद्र

1. डा. अलका कुमार, अंग्रेजी विभाग, एस.पी.एम. कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, ने 20 और 25 अप्रैल 2005 को 'द इंग्लिश पेशंट बाई माइकल ओनदतजी' विषय पर दो विशेष व्याख्यान दिए।

2. डा. इंदिरा घोष, फ्री यूनिवर्सिटी, बर्लिन ने 19 जनवरी 2006 को 'शेक्सपियर लाफ्टर ऐंड द एंटरटेनमेंट इण्डस्ट्री' विषयक व्याख्यान दिया।

3. डा. रेवत देवनंदन, कनाडा के सुप्रसिद्ध लेखक ने 28 फरवरी 2006 को 'कनाडियन लिट्रेचर' पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

4. किरण नागरकर, सुप्रसिद्ध मराठी और अंग्रेजी लेखक ने 'राइटर इन रेजिडेंस प्रोग्राम' के अन्तर्गत 7–8 मार्च 2006 को केंद्र का दौरा किया।

5. प्रो. अनीसुर रहमान, अंग्रेजी और यूरोपीय भाषा विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने 'द आस्ट्रेलियन गजल : रीडिंग जुडिथ राइट' विषयक व्याख्यान दिया।

फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र

6. प्रो. के. मदनगोपालन, विजिटिंग प्रोफेसर, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, ने 6 अप्रैल 2006 को 'Malraux et l'nde' विषयक व्याख्यान दिया।

7. प्रो. मारिया मैक एंड्रयू, यूनिवर्सिटी आफ मांट्रीयल, क्यूबैक, कनाडा ने 7 अप्रैल 2005 को 'L' immigration et l'education au Quebec' विषयक व्याख्यान दिया।

8. श्री आगस्ते कौआसी, प्रेजिडेंट आफ आइवरी कास्ट के सलाहकार, ने 30 सितम्बर 2005 को केंद्र का दौरा किया।

9. श्री जीन कारेस्ट, प्रीमियर आफ क्यूबैक, कनाडा, ने 17 जनवरी 2006 को केंद्र का दौरा किया।

10. डा. टोनी ट्रेम्बले ने 1 फरवरी 2006 को 'क्लाड जुतरा ऐंड माइकल ब्राल्ट : डिफाइनिंग द लुक आफ फ्रेंच कनाडियन फिल्म' विषयक व्याख्यान दिया।

11. श्री बुयेन तुआन अन्ह, सैकिंड सेक्रेटरी (प्रेस ऐंड कल्चर), एम्बेसी आफ सोशलिस्ट रिपब्लिक आफ वियतनाम, ने 14 मार्च 2006 को केंद्र का दौरा किया।

12. प्रो. अशमी हेली, फ्रांस, ने 23 मार्च 2006 को 'Marguerite Yourcenar and India' विषयक व्याख्यान दिया।

13. पिरे कोइस्ट और एने तुअल, फ्रेंच दूतावास, ने 30 मार्च 2006 को केंद्र का दौरा किया और 'कनटेम्पोरेरि फ्रेंच' विषयक व्याख्यान दिया।

जर्मन अध्ययन केंद्र

14. प्रो. डा. फोल्फगेंग मुल्लर फंक, जर्मनी, 12 सितम्बर 2005 को केंद्र में आए।

15. डा. मार्गिट फ्रेंज, आस्ट्रियन दूतावास, 14 सितम्बर 2005 को केंद्र में आए।

16. डा. उरसुला कोच, बर्लिन, जर्मनी, ने 10 सितम्बर से 10 अक्टूबर 2005 तक केंद्र में रहे।

17. श्री जोसेफ विंकलर, आस्ट्रियाई लेखक, 9 जनवरी 2006 को केंद्र में आए।

18. श्री अन दि आस वेबर, आस्ट्रियाई लेखक 18 जनवरी 2006 को केंद्र में आए।

19. डा. मारिया बेबेकोवा बेकर, डाड लेक्चरर, मातेज बाल यूनिवर्सिटी, 3 फरवरी 2006 को केंद्र में आईं।

20. श्री अनंत कुमार, भारतीय लेखक, जर्मनी, 15 फरवरी को केंद्र में आए।

भारतीय भाषा केंद्र

21. प्रो. एम.के. ब्रिस्की, इण्डियन स्टडीज, वार्स यूनिवर्सिटी, पोलैण्ड।

22. प्रो. इरफान हबीब ने 7 मार्च 2006 को 'कबीर स्मारक व्याख्यान' दिया।

जापानी और उत्तर –पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

23. प्रो. के. ओकामातो, किनकिन यूनिवर्सिटी, ने 6 फरवरी 2006 को 'इण्डो–जापान रिलेशंस' विषय पर व्याख्यान दिया।

24. प्रो. के. हामाकावा, क्योतो वुमन यूनिवर्सिटी, जापान ने 1,3,8 और 10 फरवरी 2006 को 4 व्याख्यान दिये।

25. जापानी शिष्टमण्डल ने 22 फरवरी 2006 को केंद्र का दौरा किया।

26. कोरिया के एक शिष्टमण्डल ने 10 मार्च 06 को केंद्र का दौरा किया।

भाषा विज्ञान केंद्र

27. प्रो. आर.सी. शर्मा, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, भाषा विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 19 और 22 अप्रैल 2005 को 'थीअरीज ऐंड माडल्स टु एक्सप्लेन लैंग्यूवेज–माइंडब्रेन रिलेशनशिप' विषयक दो विशेष व्याख्यान दिए।

28. डा. अन्नु खोसला, वरिष्ठ विज्ञानी, डी.आर.डी.ओ., दिल्ली ने 25 अक्टूबर 2005 को 'स्पीच आइडेंटिफिकेशन ऐंड स्पीकर रिकोगनिशन स्टडीज इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।

29. चैत्रा पुट्टास्वामी, स्कूल आफ ओरिऐंटेशन ऐंड अफ्रीकन स्टडीज यूनिवर्सिटी आफ लंदन, ने 7 मार्च 2006 को 'वर्ब इन माल्टो' विषयक व्याख्यान दिया।

रूसी अध्ययन केंद्र

30. डा. सर्गेई चर्कास, अध्यक्ष, इनफार्मेशन ऐंड कल्चरल सेक्शन आफ द रशियन सेंटर आफ साइंस ऐंड कल्चर ने 1940–45 के ग्रेट पेट्रिओटिक वार की 60वीं वर्षगांठ के अवसर पर 12 अप्रैल 2005 को व्याख्यान दिया।

31. डा. चिनार रूस्तामोवा, सलाहकार, तुर्कमेनिस्तान दूतावास, ने 21 फरवरी 2006 को 'कल्चरल कोआप्रेशन बिटवीन इण्डिया, तुर्कमेनिस्तान ऐंड रशिया' विषयक व्याख्यान दिया।

32. एलेग्जेंडर ई. पेत्रोव, डिप्टी डायरेक्टर,, सेंटर आफ साइंस ऐंड कल्चर, ने 13 मार्च 2006 को 'रशिया'स स्पेस एक्सप्लोरेशन' विषयक व्याख्यान दिया।

स्पेनी, पुर्तगाली, इतालवी और लेटिन अमरीकी अध्ययन केंद्र

33. प्रो. कार्लोस मोंटेमेयर, मैक्सिन स्पेशिएलिस्ट आन इंडिजिनस लिट्रेचर ऐंड क्रिटिक, ने 1 मार्च 2006 को 'मैक्सिकन लिट्रेचर' पर व्याख्यान दिया।

34. क्रिस्टोफर रोलासन, स्पेशलिस्ट इन ट्रांसलेशन स्टडीज फ्राम यूरोपियन पार्लियामेंट, 2 से 12 मार्च 2006 तक केंद्र में बतौर विजिटिंग फेलो रहे।

35. डा. एंतोनिओ नावारो–तेजेरो, यूनिवर्सिटी आफ कोर्डोवा, स्पेन, ने 7 मार्च 2006 को 'इण्डियन राइटर्स इन इंग्लिश' विषयक व्याख्यान दिया।

36. प्रो. रामोन बासा मार्टिन ने 7 फरवरी 2006 को 'La sombra del elefanta : la influencia India en la literature catalana' विषयक 19वां एन्टोनी बिनिमेलिस मेमोरियल व्याख्यान दिया।

37. श्री लारी लिवेने, स्पेन के प्रख्यात फिल्म निर्देशक ने 24 फरवरी 2006 औला सर्वोंतेज में 'रिसेंट ट्रेंड्स इन स्पेनिश ऐंड यूरोपियन सिनेमा ऐज ए रिफलेक्शन आफ चैंजिंग यूरोपीयन सोसायटी' विषयक व्याख्यान दिया।

वर्ष के दौरान निम्नलिखित केंद्रों के छात्रों ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं

1. फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन की पद्मिनी अय्यर को शैक्षिक विशिष्टता के 'देवेंद्र कुमार गुप्ता' स्मारक पुरस्कार प्रदान किया गया।

2. चरणदीप कौर भल्ला को शैक्षिक विशिष्टता के लिए प्रोफेसर मार्केंडेन स्मारक पुरस्कार प्रदान किया गया।

भारतीय भाषा केंद्र

3. मोहैमिना खातून और श्री फैजन सईद को शैक्षिक विशिष्टता के लिए 'सज्जाद जहीर और रजिया सज्जाद जहीर मैरिट' पुरस्कार प्रदान किया गया।

4. मोहैमिना खातून, नूरून निसा और श्री फैजन सईद को शैक्षिक विशिष्टता के लिए 'दिल्ली उर्दू अकादमी मैरिट' पुरस्कार प्रदान किया गया।

जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

5. अखिल भारतीय जापानी भाषा प्रतियोगिता में श्री राहुल उन्नी ने जुनियर ग्रुप में द्वितीय स्थान और अंतरा गाडगिल ने सीनियर ग्रुप में तीसरा स्थान हासिल कर पुरस्कार प्राप्त किए।

6. तारिक शेख को अक्टूबर 2005 से सितम्बर 2006 तक एक वर्ष के लिए जापान सरकार की छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

7. निशा परमेश्वरन को वर्ष 2005 के लिए 'ओकिता स्मारक छात्रवृत्ति' प्रदान की गई।

8. शिवानी और आकांक्षा खत्री, एम.ए. कोरियाई पाठ्यक्रम की छात्राओं को जुलाई 2005 से दो वर्ष के लिए 'कोरियन फाउंडेशन स्कालरशिप' प्रदान की गई।

स्पेनी, पुर्तगाली, इतालवी और लेटिन अमरीकी अध्ययन केंद्र

10. तान्या गुप्ता को बी.ए. पाठ्यक्रम की सर्वोत्तम छात्रा के लिए वर्ष 2004–05 का 'जूही प्रसाद पुरस्कार' प्रदान किया।

11. अश्विनी गणेशन और लिया विमल, एम.ए. स्तर के सर्वोत्तम छात्रों के लिए वर्ष 2004–05 के लिए क्रमशः रफेल इरू जुबेता और इरेना इरूजुबिया पुरस्कार प्रदान किए गए।

शोध परियोजनाएं

अंग्रेजी अध्ययन केंद्र

- **मकरन्द प्रांजपे**, साइंस ऐंड स्प्रिचुएलिटी इन माडर्न इण्डिया, ग्लोबल पर्सपेक्टिव्स इन साइंस द्वारा वित्त पोषित, (चल रही परियोजना)

- **सुगाता भादुरी**, द बाडी इन द माइन्ड मैटर डायलेक्टिक : ए कम्पैरटिव स्टडी आफ मोड्स आफ ओन्टोलाजिकल ट्रिपार्टिशन, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला के सहयोग से, अन्तर–विश्वविद्यालय संगोष्ठी, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.–आई.यू.सी.) द्वारा वित्त पोषित, 2002–05 (पूरी हो चुकी)

फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र

- **के. माधवन**, द यूरोप साउथ एशिया मैरिटाइम हैरिटेज प्रोजेक्ट : टीचिंग मेथडोलाजीज, डिस्टेंस लर्निंग ऐंड मल्टिमीडिया कोर्स मैटेरियल्स डिवलपमेंट, यूरोपीय आयोग द्वारा प्रायोजित, 2006–09, (चल रही परियोजना)

- **किरन चौधरी**, फ्रेंच–हिंदी डिक्शनरी, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत के सहयोग से 2002–05, (पूरी हो चुकी परियोजना)

- **विजय लक्ष्मी राव**, इण्डियन राइटिंग इन फ्रेंच, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विशिष्टता के लिए सक्षम विश्वविद्यालय कार्यक्रम के अन्तर्गत, 2005–07 (चल रही परियोजना)

जर्मन अध्ययन केंद्र

- **रेखा वी. राजन**, जर्मनी ऐंड इण्डिया : कल्चरल इंटरएक्शंस इन द 18टींथ सेंचुरी, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के यू.पी.ओ.ई. कार्यक्रम के अन्तर्गत, 2005–07 (चल रही परियोजना)

- **मधु साहनी**, ट्रांस्लेशन आफ सटारिकल टेक्स्ट फ्राम हिन्दी इनटु जर्मन, दिल्ली विश्वविद्यालय और फ्रेइ विश्वविद्यालय के सहयोग से।

- **साधना नैथानी**, लोसिंग ऐंड हर्डर : जर्मन फाकलोर बिटवीन एनलाइटनमेंट ऐंड रोमांटिसिज्म, हरजोग अगस्त पुस्तकालय से वित्त पोषित अध्येतावृत्ति, सितम्बर 2004 से, (चल रही परियोजना)

- **विभा सुराना**, कल्चरल सेमिओटिक्स आफ लाइब्रेरी डिस्कोर्सिस, विषयक हम्बोल्ट शोध परियोजना, 2003 में गोटिंगन में शुरू (चल रही परियोजना)

भारतीय भाषा केंद्र

- **मजहर हुसैन**, उर्दू लिट्रेचर इन कलोनियल इण्डिया, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्त पोषित, 2002–05, (पूरी हो चुकी परियोजना)
- **ज्योतिसर शर्मा**, रीति कालीन काव्य में लोक मानस, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्त पोषित, 2002–07, (चल रही परियोजना)

भाषा विज्ञान केंद्र

- **अन्विता अब्बी**, वैनिसिंग बायसिस आफ द ग्रेट अण्डमानिस विषयक मेजर डाक्युमेंटेशन परियोजना, हंस रौसिंग इनडेंजर्ड लैंग्यूवेज डाक्यूमेंटेशन प्रोग्राम, स्कूल आफ ओरिएन्टल ऐंड अफ्रीकन स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ लन्दन द्वारा वित्त पोषित, (चल रही परियोजना)
- **वैश्ना नारंग**, बिल्डिंग ए फेनोमिक डाटाबेस आन इण्डियन लैंग्यूवेजिस, ह्यूमन वायसिस लिमिटेड, इजराइल द्वारा वित्तपोषित (चल रही परियोजना)

फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र

- **एस.ए. हसन**, एनवायरनमेंटल ऐंड इकोलाजिकल अवेयरनेस ऐज डेप्किटिड इन होली स्क्रिप्चर्स/लिट्रेचर्स ऐंड देयर इम्पैक्ट आन वैरियस कम्यूनिटीज/सोसायटीज विषयक अध्ययन, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित वृहत परियोजना, (चल रही परियोजना)
- **अख्लाक अहमद अंसारी**, स्वराज्य : ए ट्रू स्टोरी, विषयक परियोजना के शोध परामर्शदाता और सलाहकार, संस्कृति अनुभाग, योजना आयोग के उपाध्यक्ष राजीव सेठी और एशिया हैरिटेज फाउन्डेशन के निदेशक द्वारा (चल रही परियोजना)

रूसी अध्ययन केंद्र

- **अमर बासु** और शंकर बासु, ए.पी. चैखोव के पत्रों का बंगाली में अनुवाद, साहित्य अकादमी द्वार वित्त पोषित, 2002–05, (पूरी हो चुकी परियोजना)
- **अमर बासु** और शंकर बासु, इवोल्युशन आफ एन इमेज : इण्डिया थ्रू द आइज आफ रशियन ट्रेवलर्स ऐंड राइटर्स, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का यू.पी.ओ.ई. कार्यक्रम के तहत (चल रही परियोजना)
- **मीता नारायण**, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का यू.पी.ओ.ई. कार्यक्रम के तहत रूसी अध्ययन केंद्र के प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए पाठ्युपुस्तक तैयार कर रही हैं (चल रही परियोजना)

राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र

- **एस.ए. रहमान** ने 25 सितम्बर 2005 को अल कलाम फाउन्डेशन, नई दिल्ली में आयोजित, 'एज्यूकेशन ऐंड हजरत अली (फोर्थ खलीफा आफ्टर द प्राफिट मोहम्मद)', विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'हजरत अली : हिज राइट टु खलीफात' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **एम.ए. इस्लाही** ने 1 से 3 दिसम्बर 2005 तक ज्ञान विज्ञान भवन बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल में आयोजित 'कंट्रीब्युशन आफ राजा महेन्द्र प्रताप,' प्रो. बरकतुल्लाह भोपाली – इन फ्रीडम स्ट्रगल ऐंड इट्स इम्पोर्टेन्स इन कंटेम्पोरॅरि सोसायटी' विषयक तीन दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

- **एम.ए. इस्लाही** ने 16 से 18 फरवरी, 2006 तक इंटरनेशनल स्कूल आफ द्रवेड़ियन लिंग्विस्टिक्स थुम्बा, तिरुवनन्तपुरम में आयोजित 'टीचिंग अरेबिक ऐंड इट्स इंफ्लुअन्स इन इण्डिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- **एम.ए. इस्लाही** ने 23 से 25 फरवरी, 2006 तक जेएनयू में आयोजित 'रिथिंकिंग यूरोप : कल्चर स्टडीज ऐंड यूरोपीयन स्टडीज' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- **रिजवानुर रहमान** ने 18 से 22 मार्च, 2006 तक अरबी और फारसी विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता में आयोजित 'अरेबिक इन पर्शियन स्टडीज इन बंगाल : पीस एज वैल्यू इन इण्डिया' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'अरेबिक राइटिंग्स आफ मौलाना अबुल कलाम आजाद' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

- **एम.एल. भट्टाचार्य** ने 20 जुलाई 2005 को चाइना स्टेट लीडिंग ग्रुप फार टीचिंग चाइनीज ऐज ऐ फारेन लैंग्यूवेज, बीजिंग, चीन द्वारा आयोजित वर्ल्ड चाइनीज सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में भाग लिया।

- **एम.एल. भट्टाचार्य** ने 20 अक्टूबर, 2005 को कथा द्वारा भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित, द सिटी इन एशियन लिट्रेचर, विषयक संगोष्ठी में जूरी के सदस्य के रूप में भाग लिया।

- **सबरी मित्रा** ने 21 अक्टूबर, 2005 को द इंस्टीट्यूट आफ चाइनीज स्टडीज, सेंटर फार द स्टडी आफ डिवलपिंग सोसायटीज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'पालिटिक्स आफ कल्चर इन कंटेम्पोरॅरि चाइना ऐंड इण्डिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'पालिटिक्स आफ क्रिटिसिज्म इन पोस्ट – माओ चाइना' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- **बी.आर. दीपक** ने 12 से 13 अक्टूबर, 2005 तक जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'कोरिया ऐंड कोरियन कल्चर इन पर्सपेक्टिव' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'कंफ्युसियस ऐंड कंफ्युसिअनिज्म इन कोरिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- **बी.आर. दीपक** ने 22 अक्टूबर 2005 को द इंस्टीट्यूट आफ चाइनीज स्टडीज, सी.एस.डी.एस., नई दिल्ली द्वारा आयोजित सम्मेलन में भाग लिया तथा 'लिबरलाइजेशन ऐंड पाप्यूलर कल्चर इन चाइना' आलेख प्रस्तुत किया।

अंग्रेजी अध्ययन केंद्र

- **हरीश नारंग** ने 17 से 18 दिसम्बर 2005 तक साहित्य अकादमी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'सैय्यद रज्जाद जहीर : हिज लिट्रेरी कंट्रीब्युशंस ऐंड द प्रोग्रेसिव राइटर्स मूवमेंट' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'स्ट्रोलिंग बूलवार्डस आफ लोन्ली वुमन ऐंड राइटिंग अगोनी इन ब्लड : एस्थेटिक्स ऐंड आर्किटेक्टोनिक्स आफ सज्जाद जहीर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- **मकरंद प्रांजपे** ने 26 अगस्त, 2005 को संस्कृत अध्ययन केंद्र, जेएनयू में आयोजित संस्कृत सप्ताह के अवसर पर संस्कृत और अंग्रेजी पर समापन व्याख्यान दिया।

- **मकरंद प्रांजपे** ने 16 से 17 जनवरी, 2006 तक अंग्रेजी अध्ययन केंद्र, जेएनयू में आयोजित 'आस्ट्रेलियन स्टडीज : इण्डियन पर्सपेक्टिव्स' विषयक डी.आर.एस. सम्मेलन के अंतिम सत्र की कार्यवाही में संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया तथा एक सत्र की अध्यक्षता की।

- **मकरंद प्रांजपे** ने 5 से 7 फरवरी, 2006 तक इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर और जेएनयू द्वारा आयोजित 'साइंस ऐंड स्प्रिचुएलिटी' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'साइंस ऐंड स्प्रिचुएलिटी इन माडर्न इण्डिया' शीर्षक मूल नोट प्रस्तुत किया।

- **मकरंद प्रांजपे** ने 9 से 11 मार्च, 2006 तक भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान, जेएनयू में आयोजित इंटर कल्चरल स्टडीज टुडे : चैलेंजिस ऐंड इम्प्रेटिव्स विषयक अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला में पैनल परिचर्चा में भाग लिया तथा एक सत्र की अध्यक्षता की।

- **मकरंद प्रांजपे** ने 23 से 24 मार्च 2006 तक श्री अरबिन्दो अध्ययन केंद्र, दर्शनशास्त्र विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा आयोजित 'द थाट आफ श्री अरबिन्दो ऐंड हिज कंटेम्पोरॅरीज' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'स्वामी विवेकानन्द ऐंड श्री अरबिन्दो : इन्फ्लुअन्स ऐंड अकम्पलिशमेंट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- **मकरंद प्रांजपे** ने 28 मार्च 2006 को अंग्रेजी विभाग, कलकत्त, कोलकाता द्वारा आयोजित 'रीडिंग ऐंड टीचिंग इण्डियन लिट्रेचर इन ट्रांसलेशन' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'हूज ट्रांसलेशन हूज इंग्लिश' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- **जी.जे.वी. प्रसाद** ने नवम्बर 2005 में रामलाल आनन्द कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'शा ऐंड 20टींथ सेंचुरी ड्रामा' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'स्टडींग जान ओस्बोर्न इन दिल्ली' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- **जी.जे.वी. प्रसाद** ने दिसम्बर 2005 में उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद में आयोजित 'मुल्कराज आनन्द ऐंड द अर्ली इण्डियन इंग्लिश नावल' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'चार्टिंग टैरिटरी : इंग्लिश इण्डिया ऐंड द ट्रिनिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- **जी.जे.वी. प्रसाद** ने दिसम्बर 2005 में अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'पास्ट ऐंड पोस्ट : न्यू लिट्रेचर इन इंग्लिश इन ए ग्लोबलाइज वर्ल्ड' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'इण्डियन इंग्लिश ऐंड ट्रांसलेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- **जी.जे.वी. प्रसाद** ने फरवरी, 2006 में विश्व भारती, शांति निकेतन में आयोजित 'नेशन ऐंड द पोस्टकलोनियल : इण्डियन पर्सपेक्टिव्स' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा एक सत्र की अध्यक्षता की।

- **जी.जे.वी. प्रसाद** ने मार्च 2006 में जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित 'ट्रांसलेटिंग प्रेमचन्द' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी और कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

- **सुगाता भादुरी** ने 27 मार्च, 2005 को इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फार हयुमैनिटीज ऐंड सोशल साइंसिस, इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ एडवांस्ड स्टडी, शिमला द्वारा आयोजित एसोसिएट संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'कल्चरल प्रेक्टिस ऐंड कम्यूनिकेटिव एक्शन : आफ डिफ्रेंसिस ऐंड सोलिडैरिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- **सुगाता भादुरी** ने 28 से 30 सितम्बर 2005 तक दर्शनशास्त्र विभाग, राजकीय कालेज, धर्मशाला में आयोजित 'विटजेनेस्टेन आन एथिक्स ऐंड रिलीजस बिलीफ' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'द एथिक्स आफ अनसर्टेनिटी : रिस्पांसिबिलिटी ऐंड फेथ इन विटजेनेस्टेन'स फिलास्फी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- **सुगाता भादुरी** ने 20 अक्टूबर 2005 को कथा द्वारा भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान, जेएनयू में आयोजित 'द सिटी इन एशियन लिट्रेचर' विषयक संगोष्ठी में जूरी के सदस्य के रूप में भाग लिया।

- **सुगाता भादुरी** ने 2 से 4 नवम्बर 2005 तक दर्शनशास्त्र केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू में आयोजित 'फिलास्फी ऐंड कल्चर सिन्स सात्र' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'सात्र : लिट्रेचर आर्ट ऐंड कल्चर' विषयक पैनल परिचर्चा में भाग लिया।

- **सुगाता भादुरी** ने 15 से 16 दिसम्बर 2005 तक यूनिवर्सिटी सेंटर फार इमिग्रन्ट स्टडीज, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर में आयोजित 'डाइसपोरिक स्टडीज : थीअरि लिट्रेचर ऐंड आर्ट्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'द लेन, ब्रिक बाई ब्रिक : प्रेक्टिसीज आफ आइडेंटिफाई – फार्मेशन आफ द बंगाली डाइसपोरा इन लन्दन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- **सुगाता भादुरी** ने 13 जनवरी 2006 को इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'ओरल हिस्ट्री बाई प्रो. ब्रूस एम. स्टेव, इमेरिटस प्रोफेसर आफ हिस्ट्री, यूनिवर्सिटी आफ कनक्टिकट' विषयक अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला में परिचर्चाकर्ता के रूप में भाग लिया।
- **सुगाता भादुरी** ने 9 से 11 मार्च 2006 तक भाषा साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान, जेएनयू में आयोजित 'इंटर कल्चरल स्टडीज टुडे : चैलेंजिस ऐंड इम्प्रेटिव्स विषयक अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला में टुवर्डस फार्म्युलेटिंग द करिकुलम आफ द प्रोग्राम' विषयक पैनल परिचर्चा में भाग लिया तथा 'न्यू मीडिया ऐंड पाप्यूलर कल्चर स्टडीज' शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।
- **नवनीत सेठी** ने 14 से 17 जुलाई 2005 तक सिनसिनाती ओहिओ में आयोजित टोनी मोरिसन सोसायटी के चौथे द्विवार्षिक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'साइटिंग द साइट्स आफ मैमोरी इन बिलव्ड' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र

- **के. माधवन** ने 6 से 7 जनवरी 2007 तक ए.आई.टी.एफ. द्वारा बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में आयोजित De nouvelles voies pour enseigner le Francais, विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा de la nouvelle Mourir a Benares शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **जी.डी. सिवम** ने 6 से 7 जनवरी 2006 तक बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में आयोजित एफ.एल.ई. ऐंड सिविलाइजेशन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत किया।
- **किरन चौधरी** ने 20 से 30 सितम्बर 2005 तक डिपार्टमेंट आफ जर्मन ऐंड रोमन्स स्टडीज, दिल्ली यूनिवर्सिटी में आयोजित फारेन लैंग्यूवेज टीचिंग विषयक अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- **किरन चौधरी** ने 20 से 22 जनवरी, 2006 तक फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र, जेएनयू में आयोजित etudes quebecoises : Dialogue interculturel et mondialisation विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'Competence (inter) culturelle a travers une lecture interactive des textes litteraires quebecois : Experience indienne' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **एन. कमला** ने 6 से 7 जनवरी 2006 तक ए.आई.टी.एफ. द्वारा बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में आयोजित De nouvelles voies pour enseigner le Francais विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा Le role du text traduit dans un cours de FLE शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **एन. कमला** ने 20 से 22 जनवरी 2006 तक फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र, जेएनयू में आयोजित etudes quebecoises : Dialogue interculturel et mondialisation विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'Traduits avec justesse ? Image des traducteurs chaz NicoleBossard et Jean Delisd' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **विजयलक्ष्मी राव** ने 23 अक्टूबर 2005 को ट्रांसकल्ट्रा, जेएनयू द्वारा आयोजित स्ट्रेटजीस फार एक्वायरिंग म्युचुअल नालेज विषयक अन्तरराष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया।
- **विजयलक्ष्मी राव** ने 24 अक्टूबर 2005 को राजनीतिक अध्ययन केंद्र और जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित, कल्चर्स आफ नालेज विषयक पैनल परिचर्चा में भाग लिया तथा उम्बेरटो इको ने अध्यक्षता की।
- **अभिजीत कारकून** ने 2 से 6 मई 2005 तक एरिस यूनिवर्सिटी आफ अल्जियर्स और यूनेस्को द्वारा संयुक्त रूप से अल्जीरिया में आयोजित इंटर कल्चरल रिसर्च एसोसिएशन के 10वीं कांग्रेस में द बर्थ ऐंड राइज आफ इण्डियन मिडिल क्लास शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- **अभिजीत कारकून** ने 20 से 22 जनवरी, 2006 तक फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र, जेएनयू द्वारा आयोजित etudes quebecoises : Dialogue interculturel et mondialisation विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'La culture contemporaine : une etude critique des ceuvres quebecoises et indiennes' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- **अभिजीत कारकून** ने 27 से 28 फरवरी 2006 तक पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र, अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू में आयोजित फ्रेंकाफोन सब सहारन अफ्रीका : इश्यूज इन फारेन पालिसीज ऐंड डिवलपमेंट विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

- **अभिजीत कारकून** ने 21 मार्च, 2006 को फ्रेंच विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता में आयोजित ट्रांसलेशन : पोस्ट कलोनियल सेनारियो विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा ट्रांसलेशन ऐंड विजिबिलिटी आफ कल्चर शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- **शोभा शिवशंकरन** ने 6 से 7 जनवरी 2006 तक ए.आई.टी.एफ. द्वारा बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में आयोजित De nouvelles voie pour enseigner le Francais विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा Exploitatian du document authentique au niveau debutant शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- **अजीत कन्ना** ने De nouvelles voies विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'Au-dela methodes - quoi ?' (बियांड मेथड्स वाट ?) शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

जर्मन अध्ययन केंद्र

- **अनिल भट्टी** ने 7 से 11 अप्रैल 2005 तक टेक्नीकल यूनिवर्सिटी, डर्म्सटड, जर्मनी द्वारा आयोजित सम्मेलन में भाग लिया।

- **अनिल भट्टी** ने 22 से 25 अगस्त, 2005 तक फ्री यूनिवर्सिटी, बर्लिन द्वारा आयोजित डाड संगोष्ठी में भाग लिया।

- **अनिल भट्टी** ने 26 अगस्त से 4 सितम्बर 2005 तक आई.वी.जी., पेरिस में आयोजित इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ जर्मेनिस्ट्स की 11वीं बैठक में भाग लिया तथा इंटरनेशनल पर्सपेक्टिव्स इन जर्मन स्टडीज, कल्चर थीअरीज ऐंड पोस्टकलोनियल पर्सपेक्टिव्स विषयक समापन व्याख्यान दिया।

- **अनिल भट्टी** ने 29 अक्टूबर से 6 नवम्बर 2005 तक अकादमी आफ साइंसिस, वियना, आस्ट्रिया में आयोजित रिसर्च प्रोग्राम आर्टे डेस चिटनिसिस (साइट आफ मैमोरी) के 7वीं अन्तरराष्ट्रीय कांग्रेस में भाग लिया तथा पार्टिशन ऐज ए वाउन्ड–साइट्स ऐंड हारिजन्स आफ मैमोरी इन पोस्टकलोनिअल इण्डिया विषयक व्याख्यान दिया।

- **अनिल भट्टी** ने 7 से 13 मार्च 2006 तक जोहन्सबर्ग विश्वविद्यालय दक्षिण अफ्रीका में आयोजित सम्मेलन में भाग लिया।

- **रेखा वी. राजन** ने 22 से 25 अगस्त 2005 तक फ्री यूनिवर्सिटी, बर्लिन में आयोजित डाड संगोष्ठी में भाग लिया तथा जर्मन स्टडीज ऐज यूरोपीयन स्टडीज शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

  रेखा वी. राजन ने 26 अगस्त से 4 सितम्बर 2005 तक पेरिस में आयोजित इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ जर्मेनिस्ट्स के 11वें सम्मेलन में भाग लिया तथा Dort wo der Pfeffer wachst शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- **एस. बी. ससालती** ने 24 से 27 फरवरी 2006 तक वनस्थली में आयोजित सोसायटी आफ इंटरकल्चरल जर्मन स्टडीज के अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा Interkulturelle Semiotik am Beispeil von Swasthika' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- **एस. बी. ससालती** ने 1 अगस्त से 10 अगस्त 2005 तक ग्रेज, आस्ट्रिया में जर्मन टीचर्स आई.डी.टी. 2005 के13वें अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'Deutsch als Fremdsprache im multilingualen ausser-europaeschischen Sprachkulturraum' विषयक समापन व्याख्यान दिया।
- **एस. बी. ससालती** ने 22 से 25 अगस्त 2005 तक फ्री यूनिवर्सिटी, बर्लिन में आयोजित डाड के सम्मेलन में भाग लिया तथा 'Kann die deutsche Sprache und Auslandsgermanistik im Zeitalter der Globalisierung und europaeisisierung standhalten? Einige Einblicke und Ausblicke' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **एस. बी. ससालती** ने 26 अगस्त से 4 सितम्बर 2005 तक पेरिस में आयोजित इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ जर्मेनिस्ट्स की कांग्रेस में भाग लिया 'Zentrifugale und zentripetale Kontrollinstanzen der Sprach-und Kulturpolitik' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया तथा 'Deutsch als Fremdsprache im nicht-deutsch-sprachigen Sprachraum' शीर्षक सत्र (खण्ड–4) की अध्यक्षता की।
- **राजेंद्र डेंगले** ने 22 से 25 फरवरी, 2005 तक फ्री यूनिवर्सिटी, बर्लिन में आयोजित डाड सम्मेलन में भाग लिया।
- **राजेंद्र डेंगले** ने 25 मार्च 2006 को जेएनयू में आयोजित सिलर–ऐस्थेटिक एज्यूकेशन ऐंड ग्लोबलाइजेशन विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा सिलर'स ऐस्थेटिक एज्यूकेशन आफ मैन–फ्रीडम टु डू वाट वन मस्ट शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **मधु साहनी** ने नवम्बर, 2005 में विश्व भारती शांति निकेतन में आयोजित यूरोपीयन एक्जाइल्ड इन अमेरिका : कंफ्रंटेशन आर कलोबरेशन आफ टु कल्चर्स विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा द गुड यूरोपीयन : हेनरिक मान इन अमेरिकन एक्जाइल शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **मधु साहनी** और गोंजाल्वेज इवा ने 25 सितम्बर 2005 को दिल्ली विश्वविद्यालय में फारेन लैंग्यूवेज टीचिंग संगोष्ठी में भाग लिया तथा ड्रामा इन द फारेन लैंग्वेज क्लासरूम शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **साधना नैथानी** ने 22 से 25 जून 2005 तक डिपार्टमेंट आफ कल्चरल स्टडीज, स्टेंडल यूनिवर्सिटी, ग्रेनोबल, फ्रांस में आयोजित साइट्स आफ रसिस्टेन्स विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा आफ घोस्ट्स ऐंड कलोनाइजर्स शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **साधना नैथानी** ने 24 से 31 जुलाई, 2005 तक तारतु विश्वविद्यालय, तारतु, एस्तुनिया द्वारा आयोजित इंटरनेशनल सोसायटी आफ फाक नैरेटिव रिसर्च की 14वीं कांग्रेस में भाग लिया तथा द पोस्ट कलोनियल ऐंड द पोस्ट माडर्न इन फाकलोर विषयक समापन व्याख्यान दिया तथा एक सत्र की अध्यक्षता की।
- **साधना नैथानी** ने 9 से 11 मार्च 2006 तक भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित इंटर–कल्चरल स्टडीज टुडे : चैलेंजिस ऐंड इम्प्रेटिव्स विषयक अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया तथा आई : टुवर्डस फार्म्युलेटिंग द करिकुलम आफ द प्रोग्राम विषयक पैनल परिचर्चा में ओरल कल्चरल स्टडीज विषयक सत्र की अध्यक्षता की।
- **विभा सुराना** ने 18 से 21 मई 2005 तक वीमर में आयोजित द गोयथे सोसायटी आफ वीमर की 79वीं संगोष्ठी में भाग लिया तथा द गोयथे सिलर करस्पांडेंस शीर्षक आलेख पढ़ा।
- **विभा सुराना** ने 22 से 25 अगस्त 2005 तक फ्री यूनिवर्सिटी, बर्लिन में आयोजित डाड के सम्मेलन में भाग लिया तथा आन द चांसिस आफ कम्पैरटिव स्टडीज इन जर्मन स्टडीज शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **विभा सुराना** ने 26 अगस्त से 4 सितम्बर 2005 तक पेरिस में आयोजित इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ जर्मेनिस्ट्स के 11वें सम्मेलन में भाग लिया तथा बिटवीन द ग्लोबल चीविंग गम ऐंड द लोकल पान : द लिट्रेसी टर्म टेक्स्ट ऐंड द अपोरी आफ इट्स ट्रांसलेशन इनटु हिंदी शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

भारतीय भाषा केंद्र

- **मोहम्मद शाहिद हुसैन** ने 16 से 17 नवम्बर 2005 तक उर्दू विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित हसरत मोहानी और उर्दू सहाफत विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- **मोहम्मद शाहिद हुसैन** ने 20 से 22 जनवरी, 2006 तक वज्ड स्मारक ट्रस्ट, औरंगाबाद द्वारा आयोजित आवामी जारे इब्लाध ऐंड उर्दू विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- **चमन लाल** ने 27 अक्टूबर 2005 को साहित्य अकादमी द्वारा आई.आई.सी., नई दिल्ली में आयोजित प्रेमचंद विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा प्रेमचंद साहित्य में दलित विमर्श, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **चमन लाल** ने 3 फरवरी 2006 को वनस्थली विद्यापीठ, वनस्थली राजस्थान में आयोजित प्रेमचंद इन दलित डिस्कोर्स विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- **वीर भारत तलवार** ने 29 से 30 नवम्बर 2005 तक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और मोतीलाल नेहरू कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित जैनेन्द्र का कथा संसार, विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा नारी विमर्श और जैनेन्द्र के नारी पात्र शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **रंजीत कुमार शाह** ने 9 से 11 मार्च, 2006 तक जेएनयू में आयोजित कम्पैरटिव लिट्रेचर स्टडीज शीर्षक अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला के तीसरे इंटर–कल्चर स्टडीज टुडे : चैलेंजिस ऐंड इंटरवेंशंस विषयक सत्र में भाग लिया।
- **रंजीत कुमार शाह** ने 21 मार्च 2006 को नेशनल स्कूल आफ ड्रामा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित संगोष्ठी में भूमण्डलीकरण के परिपेक्ष्य में कला–माध्यमों की सार्थकता विषयक व्याख्यान दिया और एक सत्र की अध्यक्षता की।
- **रंजीत कुमार शाह** ने 4 से 6 अप्रैल 2005 तक लखनऊ में आयोजित कमलेश्वर : जलती रस्सी पर विषयक 16वीं अन्तरराष्ट्रीय साक्षरता बैठक में भाग लिया।
- **रंजीत कुमार शाह** ने 9 से 10 जुलाई 2005 तक जोकहारा, आजमगढ़ में आयोजित हमारे समय में आलोचना विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा हिन्दी आलोचना में राम (विलास शर्मा) और नाम (नामवर सिंह) शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **रंजीत कुमार शाह** ने 2 सितम्बर 2005 को आथर्स गाइड आफ इण्डिया द्वारा प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित दिल्ली पुस्तक मेला की पूर्व संध्या पर, मौलिक सृजन के विभिन्न आयाम विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- **रंजीत कुमार शाह** ने 4 नवम्बर 2005 को इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित सर्वांतेज ऐंड द गोल्डन ऐज विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा डम क्वीजोट ऐज रिफलेक्टिड इन हिंदी ट्रांसलेशन शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **रंजीत कुमार शाह** ने 30 जनवरी 2006 को राष्ट्रीय बाल भवन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित हिंदी और बंगला बाल साहित्य में विभाजित समाजों की तस्वीरें विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- **रंजीत कुमार शाह** ने 25 फरवरी 2005 को जापान फाउंडेशन, जोरबाग, नई दिल्ली में आयोजित संगोष्ठी में हाइकू कविता और भारतीय संवेदना विषयक गेस्ट आफ आनर आलेख प्रस्तुत किया।
- **रंजीत कुमार शाह** ने 26 फरवरी 2006 को इलाहाबाद विश्वविद्यालय और अनन्य कला शिविर द्वारा आयोजित शताब्दी संगोष्ठी में भाग लिया तथा रामकिंकर बैज (स्लाइड सहित) शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **एस.एम. अनवार आलम** ने 24 सितम्बर 2005 को दिल्ली उर्दू अकादमी, दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा बदलता लिसानी–व–तहजीबी मंजरनामा और तफ्हीम ए गालिब के मसाइल शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- **एस.एम. अनवार आलम** ने 1 अक्टूबर 2005 को उर्दू विभाग, पटना विश्वविद्यालय, पटना, बिहार द्वारा आयोजित उर्दू क्रिटिसिज्म इन बिहार, विषयक अखिल भारतीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा उर्दू तनकीद का असरी मंजरनामा और शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- **एस.एम. अनवार आलम** ने 2 अक्टूबर 2005 को बेतिहा, बिहार में आयोजित अखिल भारतीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा मौलाना सैयद अब्दुल हकीम अरमान : एक मुनफरीद नज्म गो शायर शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- **एस.एम. अनवार आलम** ने 25 से 30 दिसम्बर 2005 तक प्रोग्रेसिव राइटर्स एसोसिएशन द्वारा कराची और लाहौर, पाकिस्तान में आयोजित अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा सज्जाद जहीर ऐंड हिज लिट्रेरी कंट्रीब्युशंस और सज्जाद जहीर : ए टार्च बियरर आफ प्रोग्रेसिव वैल्यूज ऐंड आइडियाज शीर्षक 2 आलेख प्रस्तुत किए।

- **एस.एम. अनवार आलम** ने 2 से 3 नवम्बर 2005 तक दिल्ली उर्दू अकादमी, दिल्ली द्वारा प्रायोजित उर्दू विभाग, किरोड़ीमल कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया तथा उर्दू नावल समत–ओ–रफ्तार शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- **गोविन्द प्रसाद** ने 20 अगस्त–3 सितम्बर 2005 तक एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा आयोजित हिंदी टेक्स्ट बुक्स विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

- **गोविन्द प्रसाद** ने 29 अगस्त–2 सितम्बर, 3–7 अक्टूबर और 17 से 21 अक्टूबर, 2005 तक एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली द्वारा आयोजित कक्षा VI के लिए सेकण्ड लैंग्यूवेज कार्यशाला में भाग लिया।

- **देवेन्द्र कुमार चौबे** ने 8 से 10 फरवरी, 2006 तक नई दिल्ली में आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया तथा सामाजिक एवं सांस्कृतिक संक्रमण की प्रक्रिया और साहित्य शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- **देवेन्द्र कुमार चौबे** ने 9 से 11 मार्च 2006 तक भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित इंटर कल्चरल स्टडीज टुडे : चैलेंजिस ऐंड इम्प्रेटिव्स विषयक अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

- **देवेन्द्र कुमार चौबे** ने 30 से 31 मार्च 2006 तक नई दिल्ली में आयेजित सम्मेलन में भाग लिया तथा फेसिंग द चैलेंज आफ पावर्टी इन इण्डिया : द कंटेक्स्ट आफ दलित राइटिंग शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- **के.एम. इकरामुद्दीन** ने अप्रैल 2005 में दिल्ली उर्दू अकादमी द्वारा आयोजित जदीद उर्दू नज्म संगोष्ठी में भाग लिया।

- **के.एम. इकरामुद्दीन** ने 1 अक्टूबर 2005 को उर्दू विभाग, पटना विश्वविद्यालय, पटना द्वारा आयोजित उर्दू तनकीद संगोष्ठी में भाग लिया।

- **के.एम. इकरामुद्दीन** ने 2 अक्टूबर 2005 को बेतिया, बिहार में आयोजित उर्दू संगोष्ठी में भाग लिया।

जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

- **सुषमा जैन** ने 14 अप्रैल 2005 को डैटो बुका विश्वविद्यालय, टोकियो में आयोजित बुद्धिस्ट आर्ट, विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- **सुषमा जैन** ने 20 अप्रैल 2005 को शिरायुरी विश्वविद्यालय, टोकियो में आयोजित मिशिमा विषयक संगोष्ठी में परिचर्चाकर्ता के रूप में भाग लिया।

- **सुषमा जैन** ने 25 अगस्त 2005 को संस्कृत अध्ययन केंद्र, जेएनयू में आयोजित संस्कृत सप्ताह समारोह–2005 में भाग लिया तथा एक सत्र की अध्यक्षता की।

- **सुषमा जैन** ने 22 से 24 सितम्बर 2005 तक जेपनीज विभाग, विश्व भारती, शांति निकेतन में आयोजित जेपनीज लैंग्यूवेज ऐंड कल्चर, विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा रिलिजन – ए वे आफ लाइफ इन जापान शीर्षक अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- **सुषमा जैन** ने 9 से 14 दिसम्बर 2005 तक जेपनीज लैंग्यूवेज टीचर्स एसोसिएशन आफ इण्डिया (जलतई) और ए.बी.के.–ए. ओ.टी.एस. चैन्नई द्वारा आयोजित शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया तथा टीचिंग जेपनीज ग्रामर–1 और इंट्रोडक्शन टु जेपनीज ग्रामर–2 विषयक 2 व्याख्यान दिए तथा अध्यक्ष (जलतई) के रूप में एक कार्यशाला भी आयोजित की।
- **सुषमा जैन** ने 28 फरवरी 2006 को जापानी दूतावास और जापान फाउंडेशन द्वारा आई.आई.सी., नई दिल्ली में आयोजित प्रमोशन आफ जैपनीज लैंग्यूवेज एज्यूकेशन विषयक अखिल भारतीय सम्मेलन में भाग लिया तथा प्राब्लम्स ऐंड चैलेंजिस शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **सुषमा जैन** ने 9 से 11 मार्च 2006 तक भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित इंटर कल्चरल स्टडीज टुडे : चैलेंजिस ऐंड इम्प्रेटिव्स विषयक अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला में संयोजक के रूप में भाग लिया।
- **सुषमा जैन** ने 25 फरवरी 2006 को जापान फाउन्डेशन द्वारा आयोजित, हाइकु इन ट्रांसलेशन : ए ट्रिब्यूट टु प्रो. एस.बी. वर्मा विषयक कार्यशाला में संयोजक के रूप में भाग लिया।
- **प्रेम मोटवानी** ने 21 अप्रैल 2005 को जापान फाउंडेशन द्वारा आई.आई.सी. नई दिल्ली में आयोजित संगोष्ठी में टूरिस्ट ट्रेफिक बिटवीन इण्डिया ऐंड जापान – ए केस फार द फ्युचर शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **अनीता खन्ना** ने 3 से 8 अक्टूबर 2005 तक दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित टीचिंग जेपनीज लिट्रेचर विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- **अनीता खन्ना** ने 19 नवम्बर 2005 को आई.आई.टी. दिल्ली द्वारा आयोजित जेपनीज लिट्रेचर विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा गेसाकु : कंफ्लुअन्स इन फंटेसी ऐंड रिएलिटी शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **अनीता खन्ना** ने 28 फरवरी 2006 को आई.आई.सी., नई दिल्ली में आयोजित प्रमोटिंग जेपनीज लैंग्यूवेज एज्यूकेशन विषयक अखिल भारतीय सम्मेलन में भाग लिया।
- **मंजुश्री चौहान** ने 3 से 8 अक्टूबर 2005 तक दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित टीचिंग जेपनीज लिट्रेचर विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- **मंजुश्री चौहान** ने 18 से 19 नवम्बर 2005 तक इंस्टीट्यूट आफ जेपनीज लिट्रेचर, टोकियो, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली और जापान फाउंडेशन, दिल्ली के सहयोग से पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित जेपनीज लिट्रेचर इन इण्डिया : प्रास्पेक्ट्स आफ रिसर्च आन मार्डन लिट्रेचर विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा माडर्न वुमन पोइट्स आफ जापान शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **मंजुश्री चौहान** ने 28 फरवरी, 2006 को जापानी दूतावास, नई दिल्ली में आयोजित प्रमोटिंग जेपनीज लैंग्यूवेज एज्यूकेशन विषयक अखिल भारतीय सम्मेलन में भाग लिया।
- **पी.ए. जार्ज** ने 7 से 9 अक्टूबर 2005 तक जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित पर्सपेक्टिव्स आन कोरियन कल्चर, विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा गिलिम्पसिस आफ कोरियन कल्चर इन द प्रजेन्ट जेपनीज सोसायटी शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **पी.ए. जार्ज** ने 3 से 8 अक्टूबर 2005 तक दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित टीचिंग जेपनीज लिट्रेचर विषयक कार्यशाला में भाग लिया।

- **पी.ए. जार्ज** ने 18 से 19 नवम्बर 2005 तक नेशनल इंस्टीट्यूट आफ जेपनीज लिट्रेचर, टोकिया, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली और जापानी फाउंडेशन, दिल्ली के सहयोग से डिपार्टमेंट आफ ईस्ट एशियन स्टडीज, दिल्ली यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित जेपनीज लिट्रेचर इन इण्डिया : प्रास्पेक्ट्स आफ रिसर्च आन माडर्न लिट्रेचर विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा जेपनीज राइटर्स एटीट्यूड ऐंड रिएक्शन टु द सेकण्ड वर्ल्ड वार – ए ब्रीफ अप्रेजल शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **पी.ए. जार्ज** ने 25 फरवरी 2005 को जापान फाउंडेशन द्वारा आयोजित हाइकु इन ट्रांसलेशन – ए ट्रिब्यूट टु प्रो. एस.बी. वर्मा विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- **पी.ए. जार्ज** ने 28 फरवरी 2006 को जापान फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित प्रमोटिंग जेपनीज लैंग्यूवेज एज्यूकेशन विषयक अखिल भारतीय सम्मेलन में भाग लिया।
- **पी.ए. जार्ज** ने 28 फरवरी 2006 को मोम्बुशो स्कालर्स आफ इण्डिया, सी.एस.आई.आर. साइंस सेंटर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित जापान एज्यूकेशनल संगोष्ठी में भाग लिया।
- **पी.ए. जार्ज** ने 6 से 7 मार्च 2006 तक जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित एशियन पालिसीज : शेपिंग एशियन सिक्युरिटी ऐंड फारेन पालिसी विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- **पी.ए. जार्ज** ने 9 से 11 मार्च 2006 तक भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित इंटर कल्चरल स्टडीज टुडे : चैलेंजिस पर्सपेक्टिव्स विषयक अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- **नीरा कोंगरी** ने 9 से 14 दिसम्बर 2004 तक जलतई और ए.बी.के.–ए.ओ.टी.एस. चैन्नई द्वारा आयोजित शिक्षकों की कार्यशाला में भाग लिया तथा टीचिंग जेपनीज ऐट द इंटरमीडिएट लेवल, और इंट्रोडक्शन टु जेपनीज सोसायटी ऐंड कल्चर विषयक दो व्याख्यान दिए।
- **नीरा कोंगरी** ने प्रमोटिंग जेपनीज लैंग्यूवेज एज्यूकेशन विषयक अखिल भारतीय सम्मेलन में भाग लिया।
- **नीरा कोंगरी** ने हाइकू इन ट्रांसलेशन – ए ट्रिब्यूट टू प्रो. एस.बी. वर्मा विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- **जनश्रुति चन्द्रा सेठ** ने अक्टूबर 2005 को दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित वार ऐंड लिट्रेचर विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा एटामिक इक्सपिरिअन्स आफ जापान – द नागासाकी चैप्टर शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **जनश्रुति चन्द्रा सेठ** ने हाइकू इन ट्रांसलेशन – ए ट्रिब्यूट टु प्रो. एस.बी. वर्मा विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- **एम.वी. लक्ष्मी** ने 18 से 19 नवम्बर 2005 तक नेशनल इंस्टीट्यूट आफ जेपनीज लिट्रेचर, टोकियो, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली और जापान फाउंडेशन दिल्ली के सहयोग से डिपार्टमेंट आफ ईस्ट एशियन स्टडीज, दिल्ली यूनिवर्सिटी में आयोजित जेपनीज लिट्रेचर इन इण्डिया : प्रास्पेक्ट्स आफ रिसर्च आन माडर्न लिट्रेचर विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा द होम फ्रन्ट : पोट्रेयल आफ वुमन इन सम वारटाइम ऐंड पोस्टवार शार्ट स्टोरीज इन जापान शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **एम.वी. लक्ष्मी** ने 1 फरवरी 24 मार्च 2006 को जापान फाउंडेशन द्वारा जेपनीज लैंग्यूवेज इंस्टीट्यूट, उरावा, जापान में आयोजित जापानी भाषा के विदेशी शिक्षकों के लिए अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- **रविकेश** ने 7 से 9 अक्टूबर 2005 तक जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित पर्सपेक्टिव्स आन कोरियन कल्चर विषयक अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया तथा पर्सपेक्टिव्स आन कोरियन एस्थेटिक्स : ए स्टडी आफ जियांग जी यांग'स पोइट्री शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- **रविकेश** ने 9 से 10 फरवरी 2006 तक पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित कोरिया इन द ट्वेन्टीफर्स्ट सेंचुरी विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा नेचर इमेजरी इन जियांग जी यांग'स पोइट्री शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **वैजयन्ती राघवन** ने कोरिया इन द ट्वेन्टी फर्स्ट सेंचुरी विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा फ्राम बाइलेटरलिज्म टु मल्टिलेटरलिज्म इन नार्थ ईस्ट एशिया – इज इट वर्किंग शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **वैजयन्ती राघवन** ने 12 से 14 फरवरी 2006 तक बुक रिव्यू लिट्रेरी ट्रस्ट द्वारा आई.आई.सी. नई दिल्ली में आयोजित वार, पीस ऐंड वर्ल्ड हेगमनी इन द ट्वेन्टीफर्स्ट सेंचुरी : चेंजिंग बैलेंस आफ पावर इन ए ग्लोबलाइज्ड वर्ल्ड विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा सिक्यूरिटी इन नार्थईस्ट एशिया : एन अल्टरनेटिव सेनारियो शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **वैजयन्ती राघवन** ने 24 से 26 फरवरी 2006 तक साउथईस्ट ऐंड साउथ वेस्ट एशिया, बुरफा यूनिवर्सिटी, थाइलैण्ड की कोरियाई भाषा की तीसरी कार्यशाला में भाग लिया तथा टीचिंग कोरियन इन मल्टिलिंगुवल सेटिंग : द केस आफ इण्डिया शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

भाषा विज्ञान केंद्र

- **फ्रेंसन मंजली** ने मार्च 2006 में इण्डियन काउंसिल आफ फिलास्फिकल रिसर्च द्वारा प्रायोजित डिपार्टमेंट आफ हयुमैनिटीज ऐंड सोशल साइंसिस, आई.आई.टी. दिल्ली द्वारा आयोजित द आइडिया आफ ए पब्लिक स्फेयर विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा द पब्लिक स्पेस आफ लैंग्यूवेज : राइटिंग ऐंड टेस्टीमनी शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **फ्रेंसन मंजली** ने फरवरी 2006 में आई.सी.पी.आर. द्वारा प्रायोजित डिपार्टमेंट आफ फिलास्फी यूनिवर्सिटी आफ आसाम, सिल्चर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा बिटवीन प्राग्मेटिक्स ऐंड डिकंस्ट्रक्शन : विटजेनस्टेन, बेखटिन ऐंड डेरिडा शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **फ्रेंसन मंजली** ने जनवरी 2006 में समाजशास्त्र विभाग, दिल्ली अर्थशास्त्र स्कूल, दिल्ली द्वारा आयोजित फिलास्फी ऐंड द ट्रेडिशंस आफ फिलास्फी विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा मिसरीडिंग्स : एन एक्सर्ग्यू, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **फ्रेंसन मंजली** ने 16 से 18 नवम्बर 2005 तक भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सहयोग से भाषा विज्ञान विभाग, मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई द्वारा आयोजित टेक्स्ट ऐंड कंटेक्स्ट विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा आन द इनडिटर्मिनेंसी आफ कंटेक्स्ट शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **फ्रेंसन मंजली** ने 2 से 4 नवम्बर 2005 तक दर्शनशास्त्र केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित फिलास्फी ऐंड कल्चर सिंस सात्र विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा इनगेजमेंट आर पैसिविटी : पोस्ट–वार डिबेट आन लिट्रेचर इन फ्रांस शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र

- **एस.ए. हसन** ने 18 से 22 मार्च 2006 तक अरबी और फारसी विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा आयोजित अरबी ऐंड पर्शियन स्टडीज इन बंगाल : पीस ऐज वैल्यू इन इण्डिया विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा पर्शियन ट्रांसलेशंस आफ टैगोर शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया तथा एक सत्र की अध्यक्षता की।
- **एस.ए. हसन** ने 25 से 29 मार्च 2006 तक डिपार्टमेंट आफ पर्शियन स्कालर्स एसोसिएशन, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अमीर खुसरो : ए डिलिनेटर आफ स्ट्रांग कल्चरल बाण्ड आफ इण्डिया विद अफगानिस्तान, सेंट्रल एशिया

ऐंड ईरान विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा अमीर खुसरो ऐंड सब्क–ए–हिंदी शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया तथा एक सत्र की अध्यक्षता की।

- **जेड.एस. काजमी** ने 14 सितम्बर 2005 को फारसी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित माडर्न पर्शियन लिट्रेचर विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- **जेड.एस. काजमी** ने 21 दिसम्बर 2005 को ईरान में आयोजित दास्तान नवीसी (स्टोरी राइटिंग) विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- **जेड.एस. काजमी** ने अमीर खुसरो : ए डिलिनेटर आफ स्ट्रांग कल्चरल बाण्ड आफ इण्डिया विद अफगानिस्तान, सेंट्रल एशिया ऐंड ईरान विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा इश्किया शायरी आफ अमीर खुसरो शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **एस.ए. हुसैन** ने अरेबिक ऐंड पर्शियन स्टडीज इन बंगाल : पीस ऐज वैल्यु इन इण्डिया विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- **अख्लाख अहमद अंसारी** ने 21 जून 2005 को भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला द्वारा आयोजित एसोसिएट्स की संगोष्ठी में भाग लिया तथा पर्शियन पोइट्री बाई मुगल किंग्स, प्रिंसेज ऐंड प्रिसिसिज शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **अख्लाख अहमद अंसारी** ने अमीर खुसरो : द डेलिनेटर आफ स्ट्रांग कल्चरल बाण्ड विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा खुसरो शनासी व खुसरो शासन–ए–हिंद शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **अख्लाख अहमद अंसारी** ने मार्च 2006 में इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित दिल्ली : पास्ट ऐंड प्रिजेंट विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

रूसी अध्ययन केंद्र

- **अमर बासु** ने 8 से 10 नवम्बर 2005 तक रूसी अध्ययन केंद्र, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित रशियन थ्रू द ईसर्य : ए मोसाइक आफ लैंग्यूवेज, लिट्रेचर ऐंड कल्चर विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा एक सत्र की अध्यक्षता की।
- **अमर बासु** ने 8 से 10 फरवरी 2006 तक रूसी अध्ययन केंद्र, जेएनयू और आई.सी.एस.एस.आर. द्वारा आयोजित कल्चर ऐंड सोसायटीज इन ट्रांजिशन विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा एक सत्र की अध्यक्षता की।
- **शंकर बासु** ने 18 से 19 अक्टूबर 2005 तक रशियन सेंटर आफ साइंस ऐंड कल्चर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित रशिया ऐट क्रासरोड्स : लैंग्यूवेज, लिट्रेचर, कल्चर ऐंड सोसायटी इन द टवेन्टीफर्स्ट सेंचुरी विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा रशिया'स डिफिकल्ट पथ टु ए डेमोक्रेटिक कल्चर शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया तथा कंटेम्पोरॅरि रशियन लिट्रेचर शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।
- **शंकर बासु** ने 8 से 10 नवम्बर 2005 तक रूसी अध्ययन केंद्र, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित रशियन थ्रू द ईयर्स : ए मोसाइक आफ लैंग्यूवेज, लिट्रेचर ऐंड कल्चर विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा रशिया'स सर्च फार एन ओपन सोसायटी ऐंड कल्चर इन द 20टींथ सेंचुरी शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **शंकर बासु** ने 8 से 10 फरवरी 2006 तक रूसी अध्ययन केंद्र, जेएनयू और आई.सी.एस.एस.आर. द्वारा आयोजित कल्चर ऐंड सोसायटीज इन ट्रांजिशन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा प्रोसिस आफ कल्चरल ट्रांजिशन इन रशिया शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया तथा रशियन लैंग्यूवेज ऐंड द वर्ल्ड टुडे शीर्षक उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की।

- **वरयाम सिंह** ने 18 से 19 फरवरी 2006 तक जापानी अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित रिफ्लेक्शन आफ रूसो–जेपनीज वार इन द राइटिंग आफ वी वरसायेव विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- **मनु मित्तल** ने रशिया ऐट द क्रासरोड्स विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा ट्रांजिशन इन द रशियन लैंग्यूवेज टीचिंग इन इण्डिया शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **मनु मित्तल** ने रशियन थ्रू द ईयर्स विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा मैपिंग द वर्ल्ड ट्राइल : सिमिलैरिटीज बिटवीन हिंदी/संस्कृत ऐंड रशियन वर्डस शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **मनु मित्तल** ने 8 से 10 फरवरी 2006 तक रूसी अध्ययन केंद्र, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कल्चर्स ऐंड सोसायटीज इन ट्रांजिशन : इण्डिया, रशिया ऐंड अदर सी.आई.एस. कंट्रीज विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा द वायेज आफ सोसिओ कल्चरल इवोल्युशन इन इण्डिया ऐंड द सी.आई.एस. शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **मीता नारायण** ने रशिया ऐट क्रास रोड्स विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा ट्रांसलेटिंग कल्चर शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **मीता नारायण** ने रशियन थ्रू द ईयर्स विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा वुमन ऐंड द रशियन मीडिया शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **मीता नारायण** ने कल्चर्स ऐंड सोसायटीज इन ट्रांजिशन विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा द पोस्ट सोवियत लिबरल ईरा ऐंड द रशियन इकोनामी शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

स्पेनी, पुर्तगाली, इतालवी और लेटिन अमरीकी अध्ययन केंद्र

- **एस.पी. गांगुली** ने 11 से 12 नवम्बर 2005 तक जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित द स्पेनिश गोल्डन ऐज ऐंड डान क्वीजोट विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा रिसेप्शन आफ एल क्वीजोट इन इंडियन लैंग्यूवेजिस शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **एस.पी. गांगुली** ने 23 से 25 फरवरी 2006 तक साहित्य अकादमी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कंटेम्पोरफॅरि लैटिन अमेरिकन ऐंड इण्डियन फिक्शन विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा हिस्ट्री मिथ ऐंड मैजिक इन लैटिन अमेरिकन ऐंड इण्डियन फिक्शन विषयक अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।

शिक्षकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय से बाहर)

अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र

- **एम.ए. इस्लाही** ने 17 से 21 सितम्बर 2005 तक स्टेट आफ ओमान में पोजिशन आफ अरेबिक लिट्रेचर इन इण्डिया विषयक व्याख्यान दिया।
- **एफ.यू. फारूकी** ने अप्रैल 2005 में अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिए।
- **एफ.यू. फारूकी** ने दिसम्बर 2005 में अरबी विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में व्याख्यान दिए।
- **एफ.यू. फारूकी** ने 21 अप्रैल 2005 को जम्मू विश्वविद्यालय में इस्लाम ए रिलिजन आफ पीस विषयक व्याख्यान दिए।

चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

- सबरी मित्रा ने 5 फरवरी 2006 को चीनी भवन, विश्व भारती, शांतिनिकेतन में कंटेक्सचुअलाइजिंग मार्डन चाइनीज लिट्रेचर विषयक व्याख्यान दिया।
- बी.आर. दीपक ने 7 दिसम्बर 2005 को इंस्टीट्यूट आफ चाइनीज स्टडीज, सी.एस.डी.एस. नई दिल्ली में चाईना'स एग्रेरियन चैलेंज विषयक व्याख्यान दिया।

अंग्रेजी अध्ययन केंद्र

- **हरीश नारंग** ने नवम्बर 2005 में अंग्रेजी विभाग, डा. अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद में व्याख्यान माला में व्याख्यान दिए।
- **हरीश नारंग** ने मार्च 2006 में अंग्रेजी विभाग, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद में व्याख्यान माला में व्याख्यान दिए।
- **मकरंद परांजपे** ने 7 अक्टूबर 2005 को भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर में, इण्डिया'स ट्रूथ; विषयक व्याख्यान दिया।
- **मकरंद परांजपे** ने नवम्बर दिसम्बर 2005 में पर्थ, उलुरू मेलबोर्न और सिडनी में आस्ट्रेलिया–इण्डिया काउंसिल के रिसर्च फैलो के रूप में व्याख्यान दिया।
- **मकरंद परांजपे** ने 20 से 22 फरवरी 2006 तक पांडिचेरी विश्वविद्यालय में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में लिट्रेचर ऐंड द एलाइड आर्टस विषयक 4 व्याख्यान दिए।
- **मकरंद परांजपे** ने 25 फरवरी 2006 को रामकृष्ण इंस्टीट्यूट आफ कल्चर, कोलकाता में यूनेस्को श्रृंखला के अन्तर्गत, लिट्रेचर फार हुयुमन यूनिटी विषयक व्याख्यान दिया।
- **जी.जे.वी. प्रसाद** ने 14 अप्रैल 2005 को इण्डिया हैबिटेट सेंटर में क्रिएटिव राइटिंग एक्रास बार्डर्स विषयक पैनल परिचर्चा में व्याख्यान दिया।
- **जी.जे.वी. प्रसाद** ने 2005 में दयाल सिंह कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में कास्ट ऐंड लिट्रेरी रिप्रजेंटेशन विषयक पैनल परिचर्चा में व्याख्यान दिया।
- **जी.जे.वी. प्रसाद** ने जनवरी 2006 में श्री वेंकटेश्वर कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में कंटेम्पोरॅरि थीएटर विषयक व्याख्यान दिया।
- **जी.जे.वी. प्रसाद** ने मार्च 2006 में दीन दयाल उपाध्याय कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में स्टडींग इण्डियन लिट्रेचर्स विषयक व्याख्यान दिया।
- **सुगाता भादुरी** ने 4 से 7 जुलाई 2005 तक राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, अहमदाबाद में एस्थेटिक्स विषयक 4 व्याख्यान दिए।

फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र

- **के. माधवन** ने 23 मार्च 2006 को मुम्बई में Lire un film : Etude de Fantome de la Liberte De Bunuel' Cerdcle litteraire विषयक व्याख्यान दिया।
- **के. माधवन** ने 24 मार्च 2006 को एल्फिस्टन कालेज, मुम्बई विश्वविद्यालय में La mythologie sloaire dans le theatre de Racine' विषयक व्याख्यान दिया।

- **विजय लक्ष्मी राव** ने 11 दिसम्बर 2005 को डिपार्टमेंट आफ माडर्न यूरोपीयन लैंग्यूवेजिस, राजस्थान यूनिवर्सिटी, जयपुर में Lire le roman francophone विषयक व्याख्यान दिया।
- **विजय लक्ष्मी राव** ने 28 फरवरी 2006 को फ्रेंच विभाग, गोवा विश्वविद्यालय में La nouvelle dramaturgie quebecoise विषयक व्याख्यान दिया।
- **विजय लक्ष्मी राव** ने 26 मार्च 2006 को Cerele litteraire, मुम्बई में Litterature quebecoise : defis et enjeux विषयक व्याख्यान दिया।

जर्मन अध्ययन केंद्र

- **अनिल भट्टी** ने 31 मार्च 2 अप्रैल 2005 को जर्मन स्टडीज एसोसिएशन आफ साउथर्न अफ्रीका, स्टेलनबोस्च में नेशनल फिलोलाजी, कल्चरल होमोजिनाइजेशन ऐंड पोस्टकलोनियअल डिस्कोर्सिस विषयक समापन व्याख्यान दिया।
- **अनिल भट्टी** ने 6 से 19 जून 2005 तक आस्ट्रिया विश्वविद्यालय में व्याख्यान दिए।
- **एस.बी. ससालती** ने मई–जुलाई 2005 में मैक्सिमिलियन विश्वविद्यालय, म्युनिख, जर्मनी में मल्टिलिंग्वलिज्म ऐंड लैंग्यूवेज पालिटिक्स और फारेन लैंग्यूवेज एक्विजिशन ऐंड टीचिंग रिसर्च विषयक व्याख्यान दिए।
- **साधना नैथानी** ने 19 से 20 दिसम्बर 2005 तक फिल्म ऐंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट आफ इण्डिया, पुणे में आयोजित आर्ट ऐंड क्राफ्ट आफ ओरल स्टोरीटेलिंग विषयक कार्यशाला में व्याख्यान दिए।

भारतीय भाषा केंद्र

- **चमन लाल** ने 5 मार्च 2006 को हिंदी विभाग, प्रेसिडेंसी कालेज, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता में व्याख्यान दिया।
- **वीर भारत तलवार** ने 19 जुलाई 2005 को हिन्दी अकादमी, दिल्ली में प्रेमचंद का रचना संसार विषयक व्याख्यान दिया।
- **एस.एम. अनवार आलम** ने 7 जून 2005 को उर्दू विभाग, डा. अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद में प्रिजेंट लिट्रेरी सेनारिओ ऐंड उर्दू विषयक व्याख्यान दिया।
- **देवेन्द्र कुमार चौबे** ने 22 दिसम्बर 2005 को एस.एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय, मुम्बई में नये साहित्य का समाजशास्त्र विषयक व्याख्यान दिया।
- **देवेन्द्र कुमार चौबे** ने 1 मार्च 2006 को गोबिन्द बल्लभ पंत सोशल साइंस इंस्टीट्यूट, झांसी, इलाहाबाद में दलित स्टडीज इन हिन्दी एरिया विषयक व्याख्यान दिया।

जापानी और उत्तर पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

- **अनीता खन्ना** ने जापानी स्कूल, नई दिल्ली में गार्वेज डिस्पोजल सिस्टम आफ एम.सी.डी. विषयक व्याख्यान दिया।

भाषाविज्ञान केंद्र

- **प्रमोद पाण्डेय** ने 9 से 11 जनवरी 2006 तक इंटरनेशनल विन्टर स्कूल इन फिनोलाजी, सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ इण्डियन लैंग्यूवेजिस, मैसूर में लैक्सिकल फोनोलाजी विषयक व्याख्यान दिए।
- **प्रमोद पाण्डेय** ने 18 अगस्त 2005 को भारती कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में टीचिंग इंग्लिश प्रोनाउनसिएशन : करंट पर्सपेक्टिव्स विषयक व्याख्यान दिया।

- **प्रमोद पाण्डेय** ने 1 मार्च 2006 को भाषाविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में फार डेरिवेशनल फोनोलाजी विषयक व्याख्यान दिया।
- **फ्रेंसन मंजली** ने जून 2005 में सेंटर फार स्टडीज इन सोशल साइंसिस ऐंड कल्चर, कोलकाता में डिकंस्ट्रक्टिंग कम्यूनिटी : जीन ल्युक नेंसी आन राइटिंग ऐंड सेंस विषयक व्याख्यान दिया।
- **फ्रेंसन मंजली** ने जून–जुलाई 2005 में दर्शनशास्त्र विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता में मीनिंग कल्चर ऐंड कोग्निशन विषयक 2 सत्रों में व्याख्यान दिए।
- **फ्रेंसन मंजली** ने अगस्त 2005 में फ्रेंच इनफार्मेशन रिसोर्स सेंटर, नई दिल्ली में ट्रेजेक्ट्री आफ फ्रेंच थाट की तीसरी शृंखला में, डेरिडा : लैंग्यूवेज ऐंड फिलास्फी विषयक व्याख्यान दिया।
- **फ्रेंसन मंजली** ने जनवरी 2006 में केरला साहित्य अकादमी, त्रिसूर में लैंग्यूवेज, लिट्रेचर ऐंड फिलास्फी विषयक व्याख्यान दिया।

फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र

- **एस.ए. हसन** ने नवम्बर 2005 में गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी में न्यू ट्रेन्ड्स इन पर्शियन लिट्रेचर विषयक व्याख्यान दिया।

स्पेनी, पुर्तगाली, इतालवी और लेटिन अमरीकी अध्ययन केंद्र

- **अपराजित चट्टोपाध्याय** ने 19 से 21 अगस्त 2005 तक यूनिवर्सिडाड पाप्यूलर जालमिया, स्पेन में इण्डियन रिसेप्शन आफ कैल्डेरान डे ला बार्का'स एल अकाल्डे डे जालमिया विषयक व्याख्यान दिया।
- **अपराजित चट्टोपाध्याय** ने 29 से 30 सितम्बर 2005 तक पाम्पलोना विश्वविद्यालय, स्पेन में सर्वांतेज ऐंड पंचतंत्र विषयक व्याख्यान दिया।

शिक्षकों को प्राप्त सम्मान/पुरस्कार/अध्येतावृत्तियां

चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

- एम.एल. भट्टाचार्य को विदेशी भाषाओं के रूप में चीनी शिक्षण के लिए चाइना नेशनल आफिस की अध्येतावृत्ति सहित 8 जून से 18 जुलाई 2005 तक लु जुंग के शोध कार्यक्रम और वेस्ट वीजिंग लैंग्यूवेज ऐंड कल्चर यूनिवर्सिटी, चीन में विजिटिंग स्कालर का सम्मान प्राप्त हुआ।

अंग्रेजी अध्ययन केंद्र

- **मकरंद परांजपे** को नवम्बर–दिसम्बर 2005 में आस्ट्रेलिया इण्डिया काउंसिल रिसर्च अध्येतावृत्ति प्राप्त हुई।

जर्मन अध्ययन केंद्र

- **अनिल भट्टी** को 2005 में अकादमिक और संस्कृति में इण्डो–जर्मन के संबंधों के योगदान के लिए Verdienstkreuz 1. Klasse des Verdienstordens der Bundesrepublik Deutschland, (आफीसर'स क्रास आफ द आर्डर आफ मेरिट आफ द फेडरल रिपब्लिक आफ जर्मनी) का सम्मान प्राप्त हुआ।
- **साधना नैथानी** 2005–10 के लिए फाकलोर फैलोज एडवाइजरी कमेटी, फिनिश अकादमी आफ साइंस ऐंड लैटर्स, हेलसिंकी, फिनलैण्ड में पुनः सदस्य के रूप में नामित की गईं।

भारतीय भाषा केंद्र

- **चमन लाल** को 4 मार्च 2006 को अपनी भाषा, ए लिट्रेरी कल्चरल आर्गेनाइजेशन, कोलकाता का जस्टिस शरद चरण मित्रा भाषा सेतु पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- **गोबिन्द प्रसाद** को 24 फरवरी से 4 मार्च 2006 तक डिपार्टमेंट आफ हिंदी, कोचीन यूनिवर्सिटी आफ साइंस ऐंड टेक्नोलाजी, कोचीन में विजिटिंग फैलोशिप प्राप्त हुई

जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

- **सुषमा जैन** को मार्च–मई 2005 में डैटो बुका यूनिवर्सिटी, टोकियो में रिसर्च फैलोशिप के रूप में जापान फाउंडेशन अध्येतावृत्ति प्राप्त हुई।

भाषाविज्ञान केंद्र

- **फ्रेंसन मंजली** 24 जून से 1 जुलाई 2005 तक सेंटर फार कोग्निटिव साइंस, डिपार्टमेंट आफ फिलास्फी, जादवपुर यूनिवर्सिटी, कलकत्ता में विजिटिंग प्रोफेसर।

रूसी अध्ययन केंद्र

- शंकर बासु को 7 अक्टूबर 2005 को रशियन सेंटर फार इंटरनेशनल साइंटिफिक ऐंड कल्चरल कोआपरेशन, मिनिस्ट्री आफ कल्चर गवर्नमेंट आफ रशियन द्वारा उन्हें रूस और भारत के बीच मित्रता और सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए मेरीटोरियल प्रमाण पत्र दिया गया।
- वरयाम सिंह को अक्टूबर 2005 में राष्ट्रीय राजभाषा हिंदी अकादमी, कोलकाता का निराला स्मृति सम्मान प्राप्त हुआ।

मण्डलों/समितियों की सदस्यता (विश्वविद्यालय से बाहर)

अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र

- **एस.ए. रहमान**, सदस्य, शोध और अध्ययन मण्डल, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर
- **एफ.यू. फारूकी**, सदस्य, सलाहकार मण्डल, राजौरी विश्वविद्यालय, जम्मू

चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

- **सबरी मित्रा**, सदस्य, चाईना रिपोर्ट का सम्पादकीय मण्डल, सेंटर फार द स्टडी आफ डिवलपिंग सोसायटीज, नई दिल्ली के लिए सेज द्वारा प्रकाशित पूर्वी एशियाई अध्ययन की पत्रिका, सदस्य, सलाहकार समिति, संघ लोक सेवा आयोग

अंग्रेजी अध्ययन केंद्र

- **हरीश नारंग**, सदस्य, अध्ययन मण्डल, अंग्रेजी विभाग, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर; सदस्य, शोध और अध्ययन मण्डल, अंग्रेजी विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर
- **मकरंद परांजपे**, न्यासी, सामवाद इण्डिया फाउंडेशन, पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट

- **जी.जे.वी. प्रसाद**, सचिव, इण्डियन एसोसिएशन आफ कामनवेल्थ लिट्रेचर ऐंड लैंग्यूवेज स्टडीज, 2005–08; सदस्य, आई.जे. ओ.डब्ल्यु.एल.ए.सी. के सम्पादकीय मण्डल, पोस्टकलोनियल लिट्रेचर्स से संबंधित पत्रिका और सदस्य, सम्पादक मण्डल, म्युज इण्डिया, वेव पत्रिका

फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र

- **के. माधवन**, सदस्य, अध्ययन मण्डल, फ्रेंच विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी; सदस्य, अध्ययन मण्डल, लैटिन और आधुनिक भाषा विभाग, बाम्बे विश्वविद्यालय, मुम्बई।
- **जी.डी. सिवम**, सदस्य, अध्ययन मण्डल, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला; विशेषज्ञ सदस्य, रीडर पद के लिए गठित चयन समिति, विश्व भारती शांतिनिकेतन; विशेषज्ञ सदस्य, लैक्चर के पद के लिए गठित चयन समिति, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- **किरन चौधरी**, सदस्य, अध्ययन मण्डल, फ्रेंच विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ; विशेषज्ञ सदस्य, रीडर के पद के लिए गठित चयन समिति, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
- **एन. कमला**, सदस्य, अध्ययन मण्डल, आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
- **विजय लक्ष्मी राव**, सदस्य, अध्ययन मण्डल, आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर; सदस्य, अध्ययन मण्डल, भारतीदसन महिला कालेज, पाण्डिचेरी विश्वविद्यालय; सदस्य, निदेशक मण्डल, इंटरनेशनल एसोसिएशन फार क्वीवेक स्टडीज
- **अभिजीत कारकून**, सदस्य, कार्यपालक समिति, इंटरकल्चरल रिसर्च एसोसिएशन की 10वीं कांग्रेस; सदस्य, अध्ययन मण्डल, फ्रेंच विभाग, आसाम विश्वविद्यालय, सिल्चर

जर्मन अध्ययन केंद्र

- **अनिल भट्टी**, सदस्य, विद्या परिषद, सी.आई.ई.एफ.एल, हैदराबाद
- **एस.बी. ससालती**, सदस्य, अध्ययन मण्डल, विदेशी भाषा विद्यालय, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली, 2005–07
- **रेखा वी. राजन**, सदस्य, सलाहकार मण्डल, इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ जर्मेनिस्ट्स
- **राजेन्द्र डेंगले**, सदस्य, विद्या समिति, सेना इंजीनियरी कालेज, पुणे
- **साधना नैथानी**, उपाध्यक्ष, भारतीय लोक साहित्य कांग्रेस, सदस्य, फाइने स्टेट यूनिवर्सिटी, डेट्राइट द्वारा प्रकाशित मारवल्स ऐंड टेल्स की पत्रिका के सम्पादकीय मण्डल; सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, फोक ऐंड फेयरी टेल्स का आगामी विश्वकोश, ग्रीनवुड पब्लिशिंग, डेट्राइट द्वारा प्रकाशित

भारतीय भाषा केंद्र

- **पुरुषोत्तम अग्रवाल**, सदस्य, कार्यकारी परिषद, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा; शैक्षिक सलाहकार समिति, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, नई दिल्ली; अध्यक्ष, हिन्दी पाठ्य पुस्तकों के लिए शीघ्र (त्वरित) समीक्षा समिति, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली; सदस्य, अध्ययन मण्डल, मानविकी, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला
- **रंजीत कुमार शाह**, सदस्य, कार्य समिति, भारतीय भाषा परिषद, नई दिल्ली; आजीवन सदस्य, आर्थर'स गाइड आफ इण्डिया, नई दिल्ली; सदस्य, प्रकाशन समिति, श्री प्राणनाथ मिशन, नई दिल्ली
- **गोविन्द प्रसाद**, सदस्य, प्रबन्धन समिति, बाबूजी स्मारक व्याख्यान, जगजीवन विद्या भवन, करौल बाग, दिल्ली और सदस्य, हिन्दी सलाहकार मण्डल, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी

जापानी और पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

- **सुषमा जैन**, विशेषज्ञ समिति, जापानी छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए गठित समिति, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार; सदस्य सलाहकार समिति, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़; सदस्य, अध्ययन मण्डल, विश्व भारती शांतिनिकेतन; अध्यक्ष, जेपनीज लैंग्यूवेज टीचर्स एसोसिएशन आफ इण्डिया
- **मंजुश्री चौहान**, सदस्य, जापान लोक साहित्य सोसायटी, टोकिया; सदस्य, कार्यपालक समिति, जलतई; सदस्य, कार्यपालक समिति, मोम्बुशो स्कालर्स एसोसिएशन आफ इण्डिया; सचिव, इण्डो–जापान एक्सचेंज डिवलपमेंट फाउंडेशन, इण्डिया
- **पी.ए. जार्ज**, सदस्य, अध्ययन मण्डल, विदेशी भाषा विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी; सदस्य, प्रबन्धन समिति, कार्मल कानवेन्ट स्कूल, नई दिल्ली; सदस्य, कार्य समिति, जलतई; सदस्य, मियाजावा केन्जी गक्कई, मोरिओका, इवाता, जापान; सदस्य, कोकुसई ताकुबोकु गक्कई, मोरिओका, इवाता, जापान
- **नीरा कोंगरी**, सदस्य, अध्ययन मण्डल, विदेशी भाषा विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, सचिव जलतई
- **जनश्रुति चन्द्रा सेठ**, सदस्य, कार्य परिषद, जलतई; सदस्य, सी.बी.एस.सी. के सहयोग से जापान फाउंडेशन, नई दिल्ली के लिए,सदस्य, इट्स एक्सरसाइज बुक ऐंड टीचर्स मैनुअल विषयक कक्षा 6 के लिए जापानी भाषा की पाठ्यपुस्तक तैयार करने के लिए गठित कार्यदल
- **एम.वी. लक्ष्मी**, सदस्य, सी.बी.एस.ई. के सहयोग से जापान फाउंडेशन, नई दिल्ली के लिए, उमे इट्स एक्सरसाइज बुक ऐंड टीचर्स मैनुअल, विषयक कक्षा 6 के लिए जापानी भाषा की पाठ्यपुस्तक तैयार करने के लिए गठित कार्यदल

भाषा विज्ञान केंद्र

- **वैश्ना नारंग**, सदस्य, सलाहकार समिति, साइंटिफिक एनालिसिस ग्रुप, कारपोरा डिवलपमेंट आन इण्डियन लैंग्यूवेजिस विषयक डी.आर.डी.ओ. की परियोजना; सदस्य, साइन लैंग्यूवेज डिवलपमेंट फार द हिअरिंग इम्पेयर्ड विषयक समिति, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, भारत सरकार
- **पी.के.एस. पाण्डेय**, वि.वि.अ.आ. सदस्य सलाहकार समिति, डी.आर.एस. कार्यक्रम, भाषा विज्ञान विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, 2004–08; सदस्य, सम्पादकीय समिति, भारतीय भाषा विज्ञान, लिंग्विस्टिक सोसायटी आफ इण्डिया की पत्रिका, 2006–08; सदस्य, डिस्टेन्स एज्यूकेशन काउंसिल, इग्नू; सदस्य, समिति, प्रकाशन, भाषा विभाग में पाठ्यक्रम, इग्नू, 2006–08
- **फ्रेंसन मंजली**, कार्य सदस्य, द्रवेड़ियन लिंग्विस्टिक्स एसोसिएशन, तिरुवनन्तपुरम

फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र

- **सैयद अख्तर हुसैन**, सदस्य, अध्ययन मण्डल, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी
- **अख्लाख अहमद अंसारी**, सदस्य, ईरान सरकार के सहयोग से फारसी विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा शुरू किए जाने वाले, ईरानोलाजी, विषयक पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए गठित समिति

रूसी अध्ययन केंद्र

- **शंकर बासु**, सदस्य, अध्ययन मण्डल, फैकल्टी आफ एप्लाइड सोशल साइंसिस ऐंड ह्युमैनिटीज, यूनिवर्सिटी आफ दिल्ली

स्पेनी, पुर्तगाली, इतालवी और लेटिन अमरीकी अध्ययन केंद्र

- अपराजित चट्टोपाध्याय, सदस्य, अध्ययन मण्डल, कला संकाय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

जीवन विज्ञान संस्थान

जीवन विज्ञान संस्थान की स्थापना वर्ष 1970–71 के दौरान हुई थी। यह संस्थान अपनी स्थापना से अब तक देश में एक अग्रणी बहु–विषयक शोध एवं शिक्षण विभाग के रूप में रहा है। संस्थान ने आधुनिक जीव विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में नवप्रवर्तनकारी शिक्षण एवं शोध कार्यक्रम चलाए हैं। संस्थान ने मुख्यतः कोशिका और अणु जीव विज्ञान पर विशेष बल के साथ जीन अभिव्यक्ति के नियमन, पादप फिजियोलाजी तथा जैव प्रौद्योगिकी, आनुवंशिकी, फंक्शनल जिनोमिक्स, अणु जैव भौतिकी और संरचनात्मक जीवविज्ञान, प्रतिरक्षा विज्ञान, विकिरण जीवविज्ञान, तंत्रिका जीवविज्ञान के क्षेत्रों में पादपों और पशुओं को माडल सिस्टम के रूप में प्रयोग करते हुए महत्वपूर्ण शोध कार्यक्रम तैयार किए हैं। संस्थान भविष्य में जिनोमिक्स और प्रोटिओमिक्स, अणु जैव भौतिकी, संरचनात्मक एवं सिस्टम्स जीवविज्ञान के क्षेत्र में केंद्रीयकृत सुविधाएं विकसित करने की योजना बना रहा है। जीवाणुओं, पादपों, पशुओं, मानवों को शामिल करते हुए आनुवांशिकी प्रौद्योगिकी (ट्रांस जिनोमिक्स, आनुवंशिक परिवर्तनशीलता) में गहन शोध एवं शिक्षण के लिए उपलब्ध सुविधाओं में वृद्धि की जानी है। संस्थान की केंद्रीय यंत्रीकरण सुविधाएं अपने आप में अद्वितीय है। ये सुविधाएं शोध गतिविधियों के लिए अनिवार्य सहायता प्रदान करती हैं।

जीवन विज्ञान संस्थान ज्ञानअर्जन का एक ऐसा केंद्र है जहां जीव विज्ञान के साथ–साथ इसके उप विषयों का भी अध्ययन कराया जाता है। संस्थान में विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों के छात्र जीवन के विभिन्न रूपों अर्थात सूक्ष्म जीवाणुओं से लेकर बड़े पादपों, पशुओं और मानव का अध्ययन करते समय समान प्रक्रिया का उपयोग करते हैं।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने जीवन विज्ञान संस्थान को आधुनिक जीवविज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में शोध एवं शिक्षण के समन्वित पाठ्यक्रम चलाने वाले एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में मान्यता प्रदान की है। यह पूरे देश में अकेला ऐसा संस्थान है जहां आधुनिक जीवविज्ञान में समन्वित अन्तरविषयक शोध एवं शिक्षण पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। जीवन विज्ञानों में शोध एवं शिक्षण उपलब्ध कराने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को स्वीकार करते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने संस्थान को 'कोसिस्ट' कार्यक्रम के अन्तर्गत एक विशिष्ट केंद्र का दर्जा प्रदान किया है। संस्थान को 'सेप I' कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 1988–1993 तक और सेप–II के अन्तर्गत वर्ष 1994–1999 तक विशेष अनुदान प्राप्त हुआ। इसके बाद विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की पुनरीक्षण समिति ने संस्थान को अपग्रेड करके 5 वर्ष के लिए (1.4.2003 से 31.3.2005 तक) 'उच्च अध्ययन केंद्र' का दर्जा प्रदान किया और अनावर्ती तथा आवर्ती अनुदान के रूप में क्रमशः रू. 56,70,000/– और रू. 4,20,000 की राशि मंजूर की।

संस्थान अपने शिक्षण एवं शोध दोनों क्षेत्रों में गहन विस्तार तथा आधुनिकीकरण की ओर अग्रसर हो रहा है। एक मुख्य परिवर्तन यह किया गया है कि संस्थान अपने शोध कार्य में जिनोमिक्स और प्रोटिओमिक्स एप्रोच का प्रयोग कर रहा है, जोकि इसमें चलाए जा रहे शिक्षण में स्पष्ट रूप से प्रतिफलित हो रहा है। संस्थान ने 'विशिष्टता के लिए सक्षम विश्वविद्यालय' कोष से प्राप्त राशि से केंद्रीय यंत्रीकरण सुविधाओं के लिए फ्लोसाइटोमीटर, मालदी–टाफ मास स्पेक्ट्रोमीटर, माइक्रोएरे स्केनर और आटोमेटिड हाइब्रिडाइजेशन सिस्टम जैसे नये उपकरणों की खरीद कर सफलतापूर्वक स्थापित कराए हैं। इससे संस्थान के छात्रों एवं शिक्षकों की तकनीकी क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि हो सकेगी।

इसके अतिरिक्त संस्थान ने डी.एस.टी. के 'फिस्ट' कार्यक्रम के अन्तर्गत अन्य नए उपकरणों की खरीद करके शोध सुविधाओं को अद्यतन बनाया है। ये उपकरण हैं – जैल डाक्यूमेंटेशन सिस्टम, हाई स्पीड रेफ्रीजिरेटिड सेंट्रीफ्यूज, ल्योफिलाइजर, मल्टीपरपज माइक्रोप्लेट रीडर, ब्रेन वेव एनालाइजर, अल्ट्रालो फ्रिजर्स, स्पेक्ट्रोफोटोमीटर और डी.एच.पी.एल.सी.।

इसके अतिरिक्त, संस्थान ने एम.एस.सी. छात्रों के शिक्षण तथा शोध के लिए प्रयोगशाला सुविधाओं को अद्यतन बनाने की दृष्टि से कुछ और नए उपकरण खरीदे हैं, ये हैं – रेफ्रीजेरेटिड टेबल टाप सेंट्रीफ्यूज, इनक्यूबेटर शेकर विद रेफ्रिजरेशन सिस्टम, बाइनोकुलर माइक्रोस्कोप्स, अल्ट्रोसोनिक सेल डिस्रपटर।

शिक्षण कार्यक्रम को सुदृढ़ बनाना

संस्थान एम.एस.–सी. तथा एम.फिल. / पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। चार सत्रीय एम.एस–सी. पाठ्यक्रम में प्रयोगशाला में परीक्षण किए जाते हैं। ये परीक्षण कोर्सों की पाठ्यचर्या के अनुसार दो भिन्न–भिन्न प्रयोगशालाओं में किए जाते हैं। एम.एस–सी. छात्रों के प्रयोग के लिए एक केंद्रीय शिक्षण प्रयोगशाला सुविधा भी उपलब्ध है। छात्रों द्वारा अधिकतर परीक्षण व्यक्तिगत स्तर पर या दो–दो छात्रों के रूप में किए जाते हैं। परीक्षणों की प्रत्येक सीरिज की देखभाल सम्बन्धित क्षेत्र के एक शिक्षक द्वारा एक तकनीकी अधिकारी तथा एक रिसर्च एसोसिएट के सहयोग से की जाती है।

एम.एस–सी. छात्रों में ग्रुप में कार्य करने की प्रवृति विकसित करने के लिए टर्म पेपर जमा करना और सेमिनार में उन पर चर्चा करना आदि एम.एस–सी. उपाधि के लिए अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक छात्र को संस्थान की किसी एक प्रयोगशाला में स्वयं एक परियोजना को पूरा करना होता है। ये गतिविधियां विशेष सहायता अनुदान और उच्च अध्ययन केंद्र अनुदान कार्यक्रमों के सहयोग से संभव हो सकीं।

पाठ्यक्रमों की पाठ्यचर्या पर केंद्र की शिक्षक समिति और संस्थान की विशेष समिति में चर्चा की जाती है और समय–समय पर संशोधन किए जाते हैं। हमने वर्ष 1997 में पाठ्चर्या में कुछ संशोधन किए और छात्रों में समीक्षात्मक विश्लेषण तथा प्रयोगात्मक दक्षता विकसित करने के उद्देश्य से कुछ कोर्सों में परिवर्धन किए गए। एम.एस–सी. छात्रों के लिए अनुप्रयुक्त जीवविज्ञान विषाणुविज्ञान, जैव सूचना विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और मानव आनुवांशिकी आदि में अनेक वैकल्पिक कोर्स उपलब्ध हैं।

प्रत्येक वर्ष देशभर से अनेक छात्र विभिन्न शिक्षकों के मार्गदर्शन में परियोजना कार्य तथा ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए संस्थान में आते हैं। संस्थान अपने छात्रों को जीवन विज्ञानों के विभिन्न विषयों में आयोजित संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और गोष्ठियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। पिछले दो वर्ष के दौरान संस्थान ने एम.एस–सी. पाठ्यक्रम के लिए 'मानव आनुवंशिकी' में एक नया कोर्स शुरू किया और अनुप्रयुक्त अणु जीवविज्ञान, विषाणु विज्ञान, अणु जीव विज्ञान और अणु आनुवंशिकी और आनुवंशिकी इंजीनियरी के कोर्सों को अद्यतन बनाया है। इसके अतिरिक्त, सेल सिग्नलिंग और जीन एक्सप्रेशन इन सेल डिफ्रेंशिएशन ऐंड डिसीजिस दो नए कोर्स शुरू किए तथा अनुप्रयुक्त जीवविज्ञान तथा विषाणुविज्ञान में दो नए विषय क्रमशः 'एप्लीकेशंस आफ डी.एन.ए. चिप्स ऐंड माइक्रोऐरेस' तथा 'एंटीवायरल किमोथेरेपी ऐंड वैक्सिन्स' – शामिल किए। संस्थान ने समीक्षाधीन अवधि के दौरान एम.एस–सी. पाठ्यक्रम के मोलिक्यूलर बायोलाजी कोर्सा को संशोधित करके 'मोलिक्यूलर बायोलाजी (प्रेक्टिकल) ऐंड मोलिक्यूल जैनेटिक्स कर दिया है।

एम.फिल. / पी–एच.डी. पाठ्क्रम

एम.फिल. / पी–एच.डी. पाठ्यक्रम के छात्रों के लिए 'एक्सपेरिमेंटल टेक्नीक्स' कोर्स के भाग के रूप में एक प्रयोगशाला अनुशीलन कार्यक्रम चलाया गया है। इसमें छात्रों को संस्थान की केंद्रीय यंत्रीकरण सुविधाओं के अन्तर्गत उपलब्ध लगभग 200 से अधिक यंत्रों को प्रयोग में लाने की तकनीकों को सीखना पड़ता है। केंद्रीय यंत्रीकरण सुविधाओं में उपलब्ध उपकरणों में शामिल हैं – ई.एस.आर. , एच.पी.एल.सी. / जी.सी., स्पेक्ट्रोफोटोमीटर्स (फ्लोरसेंस ओ.आर.डी. / सी.डी.), अल्टासेंट्रीफ्यूज्स, थर्मल साइक्लर्स, फास्फोइमेजर, साइंटिलेशन काउंटर्स रेडियो – आइसोटाप्स और गामा इराडिएशन सुविधाएं आदि। विभिन्न उपकरणों के प्रयोग की जानकारी से छात्रों को मैथडोलाजी के कोर्सों के व्याख्यान समझने में सहायता मिलती है। छात्रों को टर्म पेपर लिखने और सेमिनार प्रस्तुत करने के अतिरिक्त विभिन्न प्रयोगशालाओं में भी तकनीकों को सीखना पड़ता है। उन्हें अपनी रूचि के पी–एच.डी. विषय पर शोध कार्य का सारांश प्रस्तुत करने से पहले एक वर्ष का कोर्स–कार्य करना होता है। विशेष सहायता अनुदान प्रशिक्षण तथा शोध कार्यक्रमों को सुदृढ़ बनाने में सहायक रहा है।

शिक्षण कार्यक्रम का भविष्य

जीवन विज्ञान संस्थान में सहायक प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर दोनों स्तरों पर 10 शिक्षकों ने ज्वांइन किया है और इससे संस्थान का महत्वपूर्ण विस्तार हुआ है। इन शिक्षकों के ज्वांइन करने से संस्थान में शिक्षण के क्षेत्रों में विस्तार हुआ है। इन विशेषज्ञ शिक्षकों की नियुक्तियों से संस्थान अब अपनी जरूरतों को पूरा कर सकेगा।

शिक्षण कार्यक्रम : नए कोर्स

संस्थान के शिक्षकों की समिति ने डा. दीपक शर्मा और प्रोफेसर वैष्णव त्रिपाठी के सक्रिय सहयोग से कोर्सों की पाठ्यचर्या में संशोधन किए और प्रोफेसर के.सी. उपाध्याय के नेतृत्व में इन कोर्सों को अन्तिम रूप दिया गया। एम.एस–सी. और एम.फिल छात्रों के लिए नए कोर्स – मोलिक्यूलर बायोफिजिक्स, स्ट्रक्चरल बायोलाजी, एडवांस्ड माइक्रोबायोल फिजिओलाजी, मोलिक्यूलर बायोलाजी आफ स्ट्रेस, सेल सिग्नलिंग और आर.एन.ए. बायोलाजी का प्रस्ताव किया गया/शुरू किए गए।

अन्य गतिविधियां

जीवन विज्ञान संस्थान ने युवा छात्रों में सामान्य और आधारभूत विज्ञान के साथ–साथ जीवन विज्ञान के क्षेत्रों विशेषकर जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में रूचि उत्पन्न करने के लिए 24 मई से 30 जून 2005 तक एक 'एज्यूकेशन–आउटरीच प्रोग्राम' के रूप में समर रिसर्च प्रोग्राम–2005 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। जीवन विज्ञान संस्थान के छात्रों ने 9–10 मार्च 2006 को बायोस्पार्कस–2006 शीर्षक शोध समारोह आयोजित किया।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान संस्थान ने निम्नलिखित संगोष्ठियां आयोजित कीं :

1. डा. आलोक कुमार सिल, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, ने 5 अप्रैल 2005 को रोल आफ स्किन इन द डिवलपमेंट आफ लिम्ब ऐंड स्केलेटन ड्यूरिंग एम्ब्रिओजेनेसिस विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

2. डा. अनिता पोट्टेकट, विस्कोंसिन विश्वविद्यालय, यू.एस.ए. ने 2 मई 2005 को मेम्ब्रेन टोपालोजी, सब्सेलुलर लोकेलाइजेशन ऐंड मोलिकुलर इंटरएक्शंस जी.सी.सी.एन.ए. – पी.एल–डी.ई.–एन एसिटाइलेज (पी.आई.जी–.एल.) द सेकण्ड एन्जाइम आफ द मैमेलिअन जी.पी.आई. बायोसिन्थेटिक पथवे विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

3. डा. गैती हसन, एन.सी.बी.एस. बंगलौर ने 6 मई 2005 को द इनोसाइटल 1,4,5 – ट्राइफास्फेट रिसेप्टर ऐंड न्यूरोनल कैल्सियम होमिओस्टेटिस विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

4. डा. राणा प्रताप सिंह, शोध सहायक प्रोफेसर, डी.ओ.पी.एस. स्कूल आफ फार्मेसी, यू.सी.डी.एच.एस.सी., डेनवर ने 6 सितम्बर 2005 को मकेनिज्म आफ स्किन कैंसर प्रिवेंशन ऐंड थैरपि बाई सिलिबिनिन विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

5. डा. हेला लिचटेनबेरग्राफ्टे, ए.जी. मोलकुलारे बायोइंर्जेटिक, बान विश्वविद्यालय, जर्मनी ने 21 सितम्बर 2005 को इन वाइवा डिटेक्शन आफ साइटो ऐंड जिनोटिक्स एक्टिविटी यूजिंग सकारोमाइसिस, सर्विसिया विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

6. डा. हाना साइक्रोवा, डिपार्टमेंट आफ मेम्ब्रेन ट्रांसपोर्ट, इंस्टीट्यूट आफ फिजियोलाजी प्रागवे, चेक रिपब्लिक, ने 21 सितम्बर 2005 को, एन.ए.+एच./ एन्टिपोर्टर्स इन यीस्ट फिजिओलाजी विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

7. डा. नूर आलम, असिस्टेंट रेस. साइकोलाजिस्ट डिपार्टमेंट आफ साइकोलाजी, यू.सी.एल.ए. और रिसर्च साइकोलाजिस्ट, सिपुलवेद रिसर्च कारपोरेशन/वी.ए. ग्रेटर लास ऐन्जिल्स हैल्थकेयर सिस्टम, ने 21 सितम्बर 2005 को प्रिआप्टिक एरिया ऐंड स्लीप रेग्युलेशन विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

8. डा. महेश ठक्कर, असिस्टेंट प्रोफेसर, डिपार्टमेंट आफ साइकिएट्री, हार्वर्ड मेडिकल स्कूल और बोस्टन वीए हैल्थकेयर सिस्टम, ने 21 सितम्बर 2005 को ओरेजिन्स इन कंट्रोल आफ स्लीप वेकफुलनैस विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

9. डा. क्लाड एम. फाकिट, निदेशक, इंटरनेशनल लैब फार ट्रोपिकल ऐंड एग्रीकल्चरल बायोटेक्नोलाजी, (आई.एल.टी.ए.बी.), डोनाल्ड डैनफोर्थ प्लांट साइंस सेंटर, सेंट लुईस, मिसौरी, यू.एस.ए. ने 27 सितम्बर 2005 को जीन साइलेंसिंग ऐंड जेमिनी वायरसिस विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

10. डा. महावीर पी. शर्मा, डिवि. आफ बायोरिसोर्सिस ऐंड बायोटेक्नोलाजी ऐंड एडजंक्ट फैकल्टी, टेरी स्कूल आफ एड्वांस्ड स्टडीज, नई दिल्ली, ने 4 अक्टूबर 2005 को मैनेजमेंट आफ माइकोरहिजा इन एग्रीकल्चर ऐंड एनवायरनमेंट विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

11. डा. सुशील कुमार झा, रिसर्च एसोसिएट, डिपार्टमेंट आफ न्यूरोसाइंस, स्कूल आफ मैडिसिन, यूनिवर्सिटी आफ पेंसिलवानिया, फिलाडेल्फिया, यू.एस.ए. ने 21 अक्टूबर 2005 को इवोल्युशन ऐंड फक्शंन आफ स्लीप विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

12. प्रो. गोविन्द जी, यूनिवर्सिटी आफ इलिनोइस, अर्बाना–कैम्पैन, यू.एस.ए., ने 18 नवम्बर 2005 को लाइट–हार्वेस्टिंग इन फोटोसिंथेसिस : ईरा आफ स्ट्रक्चरल बायोलाजी विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

13. डा. जेम्स एन्डर्सन, सहायक प्रोफेसर, मार्किट मिलवाकी विश्वविद्यालय, अमेरिका, ने पालिअडेनिलेशन डिपेंडेंट न्यूक्लियर आर.एन.ए. सर्विलेन्स ऐंड टर्नओवर विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

14. प्रो. रोबर्ट एच. रीड, सूक्ष्म जीव विज्ञान के प्रोफेसर, नोरथुम्ब्रिआ विश्वविद्यालय, इंग्लैण्ड, ने 2 दिसम्बर, 2005 को सोलर डिस्इंफैक्शन ऐंड अदर आउस–होल्ड–लेवल सिस्टम्स फार ट्रीटमेंट आफ ड्रिंकिंग वाटर इन रूरल इण्डिया विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

15. प्रो. रल्फ ओलमुल्लर, फ्रेडरिक सिलर यूनिवर्सिटी, जेना, जर्मनी, ने 16 दिसम्बर 2005 को रेग्युलेशन आफ प्लास्टिड बायोजेंसिस विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

16. डा. कौस्तुव दत्ता, यूनिवर्सिटी आफ मिचिगन, अन्न आरबर, यू.एस.ए. ने 23 दिसम्बर 2005 को रोल आफ जीटीपेस एम.टी.जी. 2 पी. इन माइटोकोंड्रियल राइबोसोम बायोजेंसिस इन एस. सर्विसिया विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

17. डा. माइकल मेल्जर, अध्यक्ष, स्ट्रक्चरल सेल बायोलाजी, ग्रुप इंस्टीट्यूट आफ प्लांट जिनेटिक्स ऐंड क्राप प्लांट रिसर्च जेटरलेबन, जर्मनी, ने 6 जनवरी 2006 को इट'स ए स्माल स्माल वर्ल्ड : न्यू आस्पेट्स आफ सेल बायोलाजी विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

18. डा. स्नेह एल. पंवार, जीवन विज्ञान संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली ने 18 जनवरी 2006 को माइटोकोंड्रिअल स्टेटस रेग्यूलेट्स मल्टिड्रग रसिस्टेन्स ऐंड स्पिनगोलिपिड बायोसिंथेसिस इन सैक्रोमाइसिस सर्विसिया विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

19. प्रो. मत्सुमोटा नोबुयोशी क्युशु, इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी, ग्रेज्यूएट स्कूल आफ लाइफ साइंसिस ऐंड सिस्टम्स इंजीनियरिंग, डिपार्टमेंट आफ ब्रेन साइंस ऐंड इंजीनियरिंग, किटाक्युशु, फुकुओका, जापान ने 19 जनवरी 2006 को न्यूरल मकेनिज्म अण्डरलाइंग बिहेवियरल कंट्रोल बाई द आप्टिक टेकटम आफ द फ्राग विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

20. प्रो. डेविड लिचस्टेन, डिपार्टमेंट आफ फिजिओलाजी, द हिब्रू यूनिवर्सिटी, हादसा मेडिकल स्कूल, इजराइल, ने 20 फरवरी 2006 को माड्यूलेशन आफ सेलुलर फंक्शंस बाई द इंटरासेलुलर न, के–एटपेस विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

21. डा. मारजा टिम्मरमेन, कोल्डस्प्रिंग हार्बर लैब, न्यूयार्क, यू.एस.ए. ने 27 फरवरी 2006 को रोल आफ माइक्रो आर.एन.ए. इन डिवलपमेंट विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

शोध परियोजनाएं

- के. नटराजन, न्यूट्रिएन्ट कंट्रोल आफ जीन रेग्यूलेशन इन फंगी, उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अन्तर्गत वित्तपोषित
- दीपक शर्मा, एन्टिएजिंग एक्शन अफ करकुमिन आन द इलैक्ट्रोफिजिओलाजिकल फंक्शंस आफ एजिंग इन ए.एल.सी.एल.3 एक्सिलरेटिड सेनसेन्ट रैट ब्रैन
- पी.सी. रथ, कंप्यूटेशनल ऐंड फंक्शनल एनालिसिस आफ नावल रैट ऐंड ह्यूमन जीन्स, यू.पी.ओ.ई. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग – जेएनयू (2002–07)
- जे. पाल, डिवलपमेंट आफ मोलिकुलर प्रोब्स फार एनालाइजिंग नेचुरल आइसोलेट्स आफ एन्टामोइबा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2002–05
- जे. पाल, डिटेक्शन ऐंड एनालिसिस आफ फूड–बार्न पैरासाइट्स, आई.सी.एम.आर., 2003–06
- जे. पाल, रिप्लिकेशन आफ राइबोसोमल डी.एन.एन. इन एन्टामोइबा इनवेडन्स ट्रोफोजोइट्स ऐंड सिस्ट्स, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद, 2005–08
- आर. मुत्थुस्वामी, टुवर्डस अण्डरस्टेंडिंग द इंटरएक्शन बिटवीन एस.डब्ल्यू.आई./एस.एन.एफ. प्रोटीन ऐंड इट्स डी.एन.ए. इफैक्टर, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की परियोजना, 2004–07
- आर. मुत्थुस्वामी, एक्सप्लोरिंग द फिजिओलाजिकल रोल आफ 'स्मारकल 1' : जैव प्रौद्योगिकी विभाग की परियोजना, 2005–08
- आर. मुत्थुस्वामी, अंडरस्टेंडिंग द जी.पी.आई. – जी.एन.टी. बायोसिंथेसिस पथवे इन कैनडिडा अल्बिकेंस, जैव प्रौद्योगिकी विभाग की परियोजना, 2005–08 (सी.ओ.पी.एल.)
- ए. नन्दी, मोलिकुलर करेक्ट्राइजेशन आफ ए नावल अरेबिडोप्सिस म्युटेन्ट देट माड्यूलेट्स डिसीज रसिसटेन्स ऐंड सैलिसाइलिक एसिड सिग्नेलिंग, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2006–09
- एन.बी. सरीन, डिवलपमेंट आफ मार्कर फ्री साल्ट स्ट्रेस टालरेन्ट ट्रांस्जेनिक्स आफ विग्ना मुंगो, आई.एस.सी.बी. ऐंड डी.बी.टी. (इण्डो–स्विस के सहयोग से जैव–प्रौद्योगिकी में) 2005–07
- एन.बी. सरीन, रिजेनरेशन ऐंड ट्रांसफार्मेशन आफ विग्ना मुंगो एल, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2002–06
- आर. प्रसाद, रेग्युलेशन आफ मल्टिड्रग रसिसटेन्स जीन्स आफ ए पैथोजेनिक यीस्ट कैनडिडा अल्बिकेंस, विज्ञान और प्रौद्योगिक अनुसंधान परिषद, 2002–05
- आर. प्रसाद, ट्रांसक्रिप्शंस प्रोफाइलिंग आफ यीस्ट्स इन रिस्पांस टु स्टेराइड्स/ड्रग्स, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद, 2003–06
- आर. प्रसाद, मोलिकुलर आस्पैक्ट्स आफ कैंडिडिआसिस, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2004–07
- आर. प्रसाद, कम्बैटिंग एन्टिफंगल रसिसटेन्स इन हयूमन पैथोजेनिक फंगी, इण्डो–जर्मन (यूनि बान द्वारा समन्वित डी.एस.टी. – डी.ए.ए.डी.)
- आर. प्रसाद, डिवलपमेंट आफ स्ट्रेटिजीस फार ओवरकमिंग द मल्टिड्रग रसिसटेन्स इन पैथोजेनिक फंगी, इण्डो–पोलिश, (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग), 2005–07

- आर. प्रसाद, स्ट्रक्चरल ऐंड फंक्शनल एनालिसिस आफ ए मेजर ए.बी.सी. मल्टिड्रग ट्रांसपोर्टर आफ कैन्डिडा, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2004–07
- आर. प्रसाद, ट्रांसक्रिप्टोम एम.डी.आर. ट्रांसक्रिप्शन रेग्यूलेटर्स ऐंड माइक्रोएरेस आफ ह्युमन पैथोजीन कैन्डिडा, इण्डो–फ्रेंच सेंटर फार द प्रमोशन आफ एडवांस्ड रिसर्च, 2005–07
- आर. प्रसाद, मोलिकुलर बेसिस आफ मल्टिड्रग रसिसटेन्स जीन रेग्यूलेशन इन कैन्डिडा अल्बिकेंस, विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग, 2005–08
- आर. प्रसाद, सिग्नल कासकेड्स इन पैथोजेनिक कैन्डिडा इन रिस्पान्स टु स्टेराइड्स/ड्रग्स, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद, 2006–09
- आर. मधुबाला, यू.पी.ओ.ई. : फंक्शनल जिनोमिक्स आफ लीश्मैनिया, 2002–07
- आर. मधुबाला, स्वीडिश शोध परिषद अनुदान, स्ट्रक्चरल बेस्ड ड्रग डिवलपमेंट अगेंस्ट मलेरिया ऐंड लीश्मैनियासिस, स्वीडिश शोध लिंक कार्यक्रम के अन्तर्गत, एक वर्ष के लिए अवधि बढ़ाई गई, 2003–06
- आर. मधुबाला, ट्रापिकल डिसीज में शोध और प्रशिक्षण के लिए यूनिसेफ/यू.एन.डी.पी./वर्ल्ड बैंक/डब्ल्यू.एच.ओ. का विशेष कार्यक्रम, ए कम्पैरटिव प्रोटिओमिक एनालिसिस आफ ड्रग रसिसटेन्स इन लीश्मैनिया डोनोवानी, 2005–06
- आर. मधुबाला, कैनेडियन इंस्टीट्यूट आफ हैल्थ रिसर्च ग्रान्ट, मकेनिज्म आफ एन्टिमनी ड्रगरसिसटेन्स इन लीश्मैनिया, 2005–06
- आर. मधुबाला, फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन आफ लीश्मैनिया जीन्स बाई टेट्रासाइक्लिन–रिस्पांसिव रिप्रेसर आप्रेटर सिस्टम विषयक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की परियोजना, 2005–08
- आर. मधुबाला, वैज्ञानिक तथा प्रौद्योगिकी अनुसंधान परिषद, पालिएमाइन बायोसिन्थेटिक एन्जाइम्स ऐज ड्रग टारगेट्स इन लीश्मैनिया डोनोवानी, 2005–08
- आर. मधुबाला, द वेल्कम ट्रस्ट कैरियर रिसर्च इनिसिएटिव अवार्ड, मोलिकूलर ऐंड बायोकेमिकल मकेनिज्म आफ पेन्टामिडाइन रसिस्टेंस, 2002–05
- एस. गौरीनाथ, स्ट्रक्चरल ऐंड फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन आफ हेलिकोबैक्टर पाइलोरी हेलिकेस ऐंड इट्स एसोसिएटिड प्रोटीन्स, जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्त पोषित, 2006–09
- एस.एस. कामथ, लेक्टीन्स फ्राम रोजेसी : प्युरिफिकेशन ऐंड फिजिओकेमिकल इंवेस्टिगेशन आफ देयर प्रापर्टीज, स्ट्रक्चर ऐंड फंक्शन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, अक्टूबर 2004 से 3 वर्ष तक।
- आर. प्रसाद और एस.एस. कामथ, स्ट्रक्चरल ऐंड फंक्शनल एनालिसिस आफ ए मेजर ए.बी.सी. मल्टिड्रग ट्रांस्पोर्टर आफ कैन्डिडा अल्बिकेंस : ए स्पैक्ट्रोस्कोपिक अप्रोच, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नवम्बर 2004 से 3 वर्ष तक।
- एस.एस. कामथ और आर. मुत्थुस्वामी, अंडरस्टेंडिंग द इनिसियल स्टेप्स इन द जी.पी.आई. बायोसिन्थेसिस पथवे इन कैन्डिडा अल्किन्स, (पी.एल.) – जैव प्रौद्योगिकी विभाग, नवम्बर 2005 से तीन वर्ष तक।
- प्रमोद यादव, कंस्ट्रक्शन आफ रिकम्बिनेन्ट मीजल्स वायरस विद हेट्रोलोगस इंसर्ट्स, (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग)
- सुप्रिया चक्रबर्ती, मोलिकुलर करेक्ट्राइजेशन आफ पीपर लीफ कर्ल जेमिनिवायरस ऐंड डिवलपमेंट आफ डी.एन.ए. बेस्ड स्क्रीनिंग टेक्नीक, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित, 2005–08

राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों/संगोष्ठियों/बैठकों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

- अजय सक्सेना ने नवम्बर 2005 में सी.डी.एफ.डी.; हैदराबाद में आयोजित मैक्रोमोलिकुलर क्रिटेलोग्राफी विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा मार्च 2006 में जीवन विज्ञान संस्थान, जेएनयू द्वारा आयोजित बायोस्पार्क–2006 में स्ट्रक्चर आफ प्रोटीन्स आफ प्लाज्मोडियम वाइवैक्स शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- के. नटराजन ने भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर में आयोजित बायोलाजी आफ यीस्ट्स विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा डाइवर्स आर्गेनाइजेशन आफ ट्रांस्क्रिप्शनल रेग्यूलेटर्स इन फंगल जिनोम विषयक व्याख्यान दिया और 23 से 26 सितम्बर 2005 तक मानेसर, हरियाणा में आयोजित यीस्ट ट्रांस्पोर्ट ऐंड इनर्जेटिक्स विषयक 23वीं बैठक में भाग लिया तथा पैराडिग्म्स फार ट्रास्क्रिप्शनल रेग्यूलेशन आफ जीन इक्सप्रेशन इन फंगी विषयक व्याख्यान दिया।

- राजेन्द्र प्रसाद ने 23 से 26 सितम्बर 2005 तक जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित, यीस्ट ट्रांस्पोर्ट ऐंड इनर्जेटिक्स विषयक 22वीं बैठक में भाग लिया।

- राजेन्द्र प्रसाद ने 27 से 29 सितम्बर 2005 तक आई.आई.एस.सी., बंगलौर में आयोजित बायोलाजी आफ यीस्ट (आई.सी.बी.वाई.) विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

- राजेन्द्र प्रसाद ने 23 से 29 नवम्बर 2005 तक इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, गोवा में आयोजित आर. गुहा शोध सम्मेलन 2005 में भाग लिया।

- राजेन्द्र प्रसाद ने 12 से 14 मई 2005 तक वैल्स विश्वविद्यालय, स्वान्सी, लन्दन में आयोजित यीस्ट लिपिड विषयक सम्मेलन में भाग लिया।

- राजेन्द्र प्रसाद ने 21 से 28 मई 2005 तक ला कोल सूर लोयूप, फ्रांस में आयोजित हयुमन फंगल पैथोजन्स विषयक एफ.ई.बी. एस. व्याख्यान दिया।

- पी.सी. रथ ने 17 से 19 सितम्बर 2005 तक सेंटर फार सेलुलर ऐंड मोलिकुलर बायोलाजी (सी.सी.एम.बी.) हैदराबाद में आयोजित द नाइन्थ ट्रांस्क्रिप्शन असेम्बली में भाग लिया तथा रिलेशनशिप बिटवीन द कांस्टीट्यूटिव न्यूक्लियर फैक्टर कप्पा बी (एन.एफ–? बी) और द इंहिबिटर कप्पा बी अल्फा (एल ? बी) इन एन इंटरफेरान–अल्फा (आईएफ.एन–?) सेंस्टिव हयुमन बर्किट लिम्फोमा दाउदी सेल लाइन विषयक व्याख्यान दिया।

- पी.सी. रथ ने 7 नवम्बर – 12 दिसम्बर 2005 को स्टेम सेल इंस्टीट्यूट मेडिकल स्कूल, यूनिवर्सिटी आफ मिनेसोटा, मिनीपोलिस, यू.एस.ए. में आयोजित मल्टिपोटेन्ट एडल्ट प्रोजिनेटर सेल्स (एम.ए.पी.सी.) रिसर्च प्रोग्राम विषयक कार्यशाला में भाग लिया।

- आशिष नन्दी ने 27 जनवरी, 2006 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू में आयोजित जीवन विज्ञान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में प्लांट डिसीज रसिस्टेन्स विषयक व्याख्यान दिया।

- नीरा भल्ला सरीन ने 18 से 22 अक्टूबर 2005 तक आई.ए.आर.आई., नई दिल्ली में आयोजित इंटरनेशनल फूड लेग्यूम्स शोध सम्मेलन (आई.एफ.आर.एल.सी. IV) में भाग लिया।

- नीरा भल्ला सरीन ने 17 से 20 नवम्बर 2005 तक सीमैप, लखनऊ में आयोजित प्लांट बायोटेक्नोलाजी विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

- नीरा भल्ला सरीन ने 22 से 24 दिसम्बर 2005 तक जैव प्रौद्योगिकी केंद्र, जेएनयू द्वारा मानेसर, गुड़गांव में आयोजित बायोटेक्नोलाजी सोसायटी आफ इण्डिया के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

- नीरा भल्ला सरीन ने 1 से 5 फरवरी 2006 तक आई.सी.आर.आई.एस.ए.टी., हैदराबाद में आयोजित बायोटेक्नोलाजी में अन्तरराष्ट्रीय सहयोग की वार्षिक बैठक में भाग लिया।
- नीरा भल्ला सरीन ने 24 से 26 जून, 2006 तक वनस्पति विज्ञान विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में आयोजित रोल आफ प्लांट फिजियोलाजी ऐंड बायोटेक्नोलाजी इन बायोडाइवर्सिटी कंजर्वेशन ऐंड एग्रीकल्चरल प्रोडक्टिविटी विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- एस. गौरीनाथ, मनीष, एन. आलम और ए. भट्टाचार्य, क्रिस्टेलाइजेशन ऐंड प्रिलिमिनरी क्रिस्टेलोग्राफर्स एनालिसिस आफ कैल्सियम बाइंडिंग–प्रोटीन–2 फ्राम एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका, हैदराबाद
- एस. गौरीनाथ, के तारा, एन. आलम और एस. धर, स्ट्रक्चरल स्टडीज आफ डी.एन.ए.बी. हेलिकेस फ्राम हेलिकोबैक्टर पाइलोरी (सी.डी.एफ.डी.), हैदराबाद, 5 नवम्बर 2005
- एस.एस. कामथ ने 10 से 14 नवम्बर 2005 तक सी.सी.एम.बी. हैदराबाद में आयोजित एडवांस्ड माइक्रोस्कोपी ऐंड सेलुलर डायनेमिक्स विषयक कार्ल जेईस कार्यशाला में भाग लिया।
- प्रमोद यादव ने 26 से 29 दिसम्बर 2005 तक भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी, लखनऊ में आयोजित बायोटेक्नोलाजी सैक्शन की 29वीं वार्षिक कांग्रेस में भाग लिया।
- प्रमोद यादव ने बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में आयोजित इण्डो–कनेडियन कलोबरेशन विषयक सम्मेलन में जैव प्रौद्योगिकी सत्र में अध्यक्ष के रूप में भाग लिया।
- प्रमोद यादव ने सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ोदरा में आयोजित कार्यशाला में समापन व्याख्यान दिया।
- प्रमोद यादव ने 7 से 10 फरवरी 2006 तक इंटरनेशनल क्राप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट फार द सेमी एरिड ट्रापिक्स, पतन चेरू, आन्ध्र प्रदेश में आयोजित मैनेजमेंट आफ वैक्टर–बोर्न विरूसस विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी और इण्डियन वाइरोलाजिकल सोसायटी की 16वीं वार्षिक बैठक में भाग लिया।
- एस. चक्रवर्ती ने 11 से 12 फरवरी 2006 तक इण्डो–यू.एस. साइंस ऐंड टेक्नोलाजी फोरम, यूसैड और डिपार्टमेंट आफ बायोटेक्नोलाजी, गवर्नमेंट आफ इण्डिया द्वारा प्रायोजित इण्डियन नेशनल साइंस अकादमी, नई दिल्ली में आयोजित प्लांट मोलिकुलर वाइरोलाजी विषयक इण्डो–यू.एस. की कार्यशाला में व्याख्यान दिया।

शिक्षकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय से बाहर)

- अजय सक्सेना ने 13 जून 2005 को राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, मेरिलैण्ड, अमेरिका में बाल्टिमोर–वाशिंग्टन मलेरिया बैठक में व्याख्यान दिया।
- अजय सक्सेना ने 11 से 13 मई 2005 तक राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान में 35वीं मिड–अटलांटिक मैक्रोलिकुलर क्रस्टेलोग्राफिक की बैठक में व्याख्यान दिया।
- दीपक शर्मा ने सेंटर फार न्यूरोसाइंस, जीवाजी यूनिवर्सिटी, ग्वालियर में, एन्टि ऐजिंग इफैक्ट्स आफ सर्टेन प्लांट प्रोडक्ट्स विषयक व्याख्यान दिया।
- जे. पाल ने 3 से 6 अक्टूबर, 2005 तक नेशनल इंस्टीट्यूट आफ कोलेरा ऐंड एन्टेरिक डिसिजिस, आई.सी.एम.आर. द्वारा हयात रिजेन्सी, कोलकाता में आयोजित डायरिया ऐंड इन्टेरिक प्रोटोजोआ पैरासाइट्स : न्यू चैलेंजिस इन द ईरा आफ एच.आई.वी. /एड्स विषयक इण्डो–यू.एस. कार्यशाला में व्याख्यान दिया।

- आर. प्रसाद ने 12 से 14 मई 2005 तक वेल्स विश्वविद्यालय, स्वान्सी, लन्दन में यीस्ट लिपिड सम्मेलन में फ्लक्चुएशंस इन मेम्ब्रेन रैफ्ट कांस्टीट्यूएन्ट्स–अफैक्ट ड्रग ससेप्टिबिलिटीज इन कैन्डिडा अल्बिकेन्स विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. प्रसाद ने 21 से 28 मई 2005 तक ला कोल सूर लूप, फ्रांस में हयुमन फंगल पैथोजीन्स एफ.ई.बी.एस. एडवांस लेक्चर कोर्स में फ्लक्स पम्पस इन एन्टिफंगल रसिस्टेन्स विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. प्रसाद ने 2 जून 2005 में बान विश्वविद्यालय में ड्रग रसिस्टेंस विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. प्रसाद ने 28 अक्टूबर 2005 को इकोले नोर्मल सुपरयोरे, पेरिस में ड्रग रसिस्टेन्स विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. प्रसाद ने 1 नवम्बर 2005 को बान विश्वविद्यालय में मल्टिड्रग रसिस्टेन्स विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. प्रसाद ने 22 से 24 फरवरी, 2006 तक राष्ट्रीय भौतिक विज्ञान प्रयोगशाला, नई दिल्ली में क्रिस्टेलोग्राफी विषयक 35वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी में स्ट्रक्चरल स्टडीज आफ मसल्स प्रोटीन्स विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. मधुबाला ने 21 से 25 नवम्बर 2005 तक भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर द्वारा आयोजित द थर्ड वर्ल्ड आर्गेनाइजेशन आफ वुमन साइंटिस्ट्स के सम्मेलन में व्याख्यान दिया।
- श्वेता सरण ने अम्बेडकर सेंटर फार बायोमेडिकल रिसर्च, यूनिवर्सिटी आफ दिल्ली में एम.एस–सी. के 4थे सत्र के लिए सेल बायोलाजी विषयक विशेष व्याख्यान दिया।
- श्वेता सरण ने दिल्ली विश्वविद्यालय में एम.एस–सी. के द्वितीय वर्ष के जैव रसायनशास्त्र के छात्रों के लिए डिवलपमेंट बायोलाजी विषयक व्याख्यान दिया।
- श्वेता सरण ने दिल्ली विश्वविद्यालय में एम.एस–सी. के आनुवंशिकी के द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए डिवलपमेंट बायोलाजी ऐज ए पार्ट आफ जीन रेग्यूलेशन, विषयक व्याख्यान दिए।
- एस.एस. कामथ ने सितम्बर 2005 में अकादमिक स्टाफ कालेज, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद में एनर्जी मैटर्स : थर्मोडायनेमिक्स ऐंड प्रोटीन फोल्डिंग : बायोकेमिस्ट्री : द रीयल कास्ट आफ डूईंग मेटाबोलिक बिजनेस ऐंड फ्लोरसेन्स स्पेक्ट्रोस्कोपी फार स्टडींग प्रोटीन कंफरमेशन ऐंड फंक्शन विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.एस. कामथ ने सितम्बर 2005 में स्कूल आफ कैमिस्ट्री, यूनिवर्सिटी आफ हैदराबाद में अंडरस्टेंडिंग ए.टी.बी. बाइंडिंग ऐंड हाइड्रोलिसिस इन सी.डी.आर.1पी., ए फंगल ए.बी.सी. ट्रांसपोर्टर विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रमोद यादव ने सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, गार्गी कालेज, नई दिल्ली में वार्षिक कार्यक्रम में फाइंडिंग्स ड्रग्स ऐंड ड्रग टार्गेट्स विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रमोद यादव ने 27 फरवरी 2006 को जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर, ओरिजिन आफ यूनिवर्स टु ओरिजन आफ लाइफ विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रमोद यादव ने डेमोक्रेटिक एज्यूकेशन सोसायटी, गाजियाबाद द्वारा आयोजित डेमोक्रेटाइजिंग एज्यूकेशन विषयक व्याख्यान दिया।
- सुप्रिया चक्रवर्ती ने 22 सितम्बर 2005 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में वायरस इंड्यूस्ड जीन साइलेंसिंग इन प्लांट्स विषयक व्याख्यान दिया।
- सुप्रिया चक्रवर्ती ने 9 जनवरी, 2006 को विश्वविद्यालय के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में प्लांट वायरसिस ऐंड आर.एन.ए. साइलेंसिंग विषयक व्याख्यान दिया।

पुरस्कार / सम्मान / अध्येतावृत्तियां

- राजेन्द्र प्रसाद को बान विश्वविद्यालय में विजिटिंग मरकेटर प्रोफेसरशिप प्राप्त हुई, (2005–06)

मण्डलों / समितियों की सदस्यता (विश्वविद्यालय से बाहर)

- अजय सक्सेना, सदस्य, अमेरिकन क्रिस्टेलोग्राफिक एसोसिएशन, यूरोपीयन क्रिस्टेलोग्राफिक एसोसिएशन और अमेरिकन सोसायटी आफ बायोकेमिस्ट्री ऍंड मोलिकुलर बायोलाजी

- के. नटराजन, सदस्य, अकादमिक कमेटी, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ इम्यूनोलाजी और डाक्टरल कमेटी, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ इम्यूनोलाजी

- एन.बी. सरीन, सदस्य, विद्या समिति, राष्ट्रीय पादप जिनोम अनुसंधान केंद्र, नई दिल्ली, सदस्य बायोसेफ्टी समिति, राष्ट्रीय पादप जिनोम अनुसंधान केंद्र, नई दिल्ली, सह अध्यक्ष, वर्किंग ग्रुप, बाटनी फार नेशनल साइंस डिजिटल लाइब्रेरी, निस्केयर, नई दिल्ली और सदस्य, विद्या परिषद्, सिमैप, लखनऊ

- राजेन्द्र प्रसाद, क्षेत्रीय सम्पादक, बायोलाजिकल साइंसिस की पत्रिका; क्षेत्रीय सम्पादक, माइकोपैथोलोजिया; सदस्य, सम्पादक मण्डल, एफ.ई.एम.एस. यीस्ट रिसर्च; सदस्य, विद्या समिति, आई.एम.टेक, चण्डीगढ़; सदस्य विद्या समिति, सी.डी.आर.आई. लखनऊ; सदस्य, विद्या समिति, आई.सी.जी.ई.बी., नई दिल्ली; संयोजक, इंशा, लोकल चेप्टर, दिल्ली और सदस्य, विद्या समिति, गवर्निंग काउंसिल आफ द इंस्टीट्यूट आफ लिवर ऍंड बाइलेरी साइंसिस

- आर. मधुबाला, सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, पैरासाइटिक डिसिजिस की पत्रिका, भारतीय पत्रिका; सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, एशियन जर्नल आफ ड्रग मेटाबोलिज्म ऍंड फार्माकोकाइनेटिक्स, इंटरनेशनल जर्नल; आजीवन सदस्य, इण्डियन सोसायटी आफ पैरासिटोलाजी ऍंड इण्डियन सोसायटी आफ इम्यूनोलाजी; और सदस्य, गुहा शोध सम्मेलन

- श्वेता सरण, आजीवन सदस्य, इण्डियन एसोसिएशन आफ जिरेन्टोलाजी; आजीवन सदस्य, इण्डियन एसोसिएशन आफ सेल बायोलाजी, और आजीवन सदस्य इण्डियन एसोसिएशन आफ डिवलपमेंटल बायोलाजी।

- प्रमोद यादव, आजीवन सदस्य, पीपल्स एज्यूकेशन काउंसिल; आजीवन सदस्य, भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी; बाह्य सदस्य, जैव प्रौद्योगिकी अध्ययन मण्डल, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय; बाह्य सदस्य, अध्ययन मण्डल, इंडस्ट्रियल माइक्रोबायोलाजी, सेंटर फार एडवांस्ड स्टडीज इन बाटनी, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, और सदस्य, विश्वविद्यालयों के शिक्षकों के चयन के लिए गठित समितियां।

भौतिक विज्ञान संस्थान

भौतिक विज्ञान संस्थान भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में शोध एवं शिक्षण का एक विशिष्ट केंद्र बनकर उभरा है। विशेषकर संस्थान ने एम. एस–सी. और प्री.पी–एच.डी. दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण शिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक चलाए हैं। संस्थान ने वर्ष 1987 से पी–एच.डी. पाठ्यक्रम शुरू किया था। अब तक लगभग 55 छात्रों को पी–एच.डी. उपाधियां प्रदान की गई हैं।

संस्थान ने भौतिक विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों और रसायन भौतिकी, जैव भौतिकी और मेटिरियल साइंस के अन्तरविषयक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान किया है। संस्थान के शिक्षकों एवं छात्रों के शोध आलेख ख्याति प्राप्त अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में नियमित रूप से प्रकाशित होते हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने भी संस्थान को वर्ष 1994 में शोध सहयोग विभाग (चरण– I) योजना के अन्तर्गत अनुदान मंजूर करते हुए इसकी शोध विशिष्टता को मान्यता प्रदान की है। वर्ष 1999 में इस योजना का स्तर बढ़ा कर शो.स.वि. (चरण–II) और हाल ही में वर्ष 2004 में शो.सं.वि. (चरण–III) कर दिया गया है। यह योजना वि.अ.आ.–कासिस्ट योजना के अन्तर्गत 2000–2004 तक चालू रही है। वि.अ.आ. की सहायता के अतिरिक्त संस्थान को 'फिस्ट' कार्यक्रम के अन्तर्गत विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से वित्तीय अनुदान भी प्राप्त हुआ है। यह भी उल्लेखनीय है कि संस्थान के शिक्षकों को डी.एस.टी., डी. बी.टी., सी.एस.आई.आर. आदि से शोध परियोजनाओं के माध्यम से पर्याप्त रूप में व्यक्तिगत स्तर पर भी अनुदान राशि प्राप्त हुई है।

संस्थान की शोध गतिविधियां मुख्यतः नानलिनियर डायनेमिक्स, कंडेंस्ड मैटर फिजिक्स, लेजर फिजिक्स, और स्टेटिस्टिकल मेकैनिज्म्स के सैद्धान्तिक क्षेत्रों और केमिकल फिजिक्स, कम्प्लेक्स फ्लूइड्स, कंडेंस्ड मैटर फिजिक्स और नेनो–साइंस तथा नेनो टेक्नोलाजी के प्रयोगात्मक क्षेत्रों पर केंद्रित है।

प्रयोगात्मक सुविधाएं

प्राकृतिक घटनाओं को समझने के लिए प्रयोगशालाओं में किए गए परीक्षण काफी कठिन होते हैं और ये परीक्षण भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में शोध एवं प्रशिक्षण के अभिन्न अंग हैं। गहन सैद्धान्तिक समझ के साथ प्रयोगात्मक गतिविधियों का संतुलित विकास हमारे पाठ्यक्रम को सुदृढ़ बनाता है।

संस्थान की प्रयोगात्मक सुविधाओं का उपयोग अन्य विश्वविद्यालयों और संस्थानों के विज्ञानी भी करते हैं। उदाहरण के तौर पर लेजर लाइट स्केटरिंग सुविधा का उपयोग एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर; दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिण परिसर, राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली; आई.यू.सी.–डी.ए.ई., मुम्बई द्वारा किया जा रहा है। संस्थान की ए.पी.एम. सुविधा का प्रयोग सालिड स्टेट फिजिक्स लेबोरेट्री, आई.आई.टी., दिल्ली; रमण अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर और अन्तर विश्वविद्यालय एक्सीलरेटर सेंटर, नई दिल्ली द्वारा किया जा रहा है।

कंप्यूटर सुविधाएं

पिछले कुछ वर्षों से भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में कंप्यूटर सिम्युलेशन ने भौतिकी और रसायनिकी के शोध तथा विशेषकर कंप्लेक्स सिस्टम्स विद नानलिनियरटीज के संदर्भ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संस्थान ने यू.जी.सी.–डी.आर.एस., यू.जी.सी.–कोसिस्ट और डी.एस.टी.–फिस्ट कार्यक्रमों से प्राप्त अनुदान राशि का प्रयोग करते हुए अपनी कंप्यूटर सुविधाओं में पर्याप्त वृद्धि कर ली है। वर्तमान में संस्थान में उपलब्ध कंप्यूटर सुविधाओं में शामिल हैं – 12 वर्कस्टेशन विद ड्यूल–ऑपट्रान प्रोसेसर्स; 12 वर्कस्टेशन विद ड्यूल–एक्सिओन प्रोसेसर्स; एक हाई परफार्मेंस लिनुक्स क्लस्टर; और विभिन्न अन्य कंप्यूटिंग मशीन। ये सभी वर्कस्टेशन आप्टिमल प्रयोग के लिए नेटवर्क से जुड़े हैं। अन्ततः यह भी उल्लेख करना संगत है कि यू.पी.एस./जेनरेटर बैक–अप के परिणामस्वरूप ये सभी सुविधाएं हर वक्त चालू रहती हैं।

सम्मेलन

संस्थान ने 3–4 मार्च 2006 को 'फ्रंटियर्स इन कंडेस्ड मैटर ऐंड स्टेटिस्टिकल फिजिक्स' विषयक 2 दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की। इसमें लगभग दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों, आई.आई.टी., दिल्ली और जामिया मिल्लिया इस्लामिया के लगभग 100 शिक्षकों एवं छात्रों ने भाग लिया।

विजिटिंग शिक्षक

प्रो. एस. बंदोपाध्याय, न्यू साउथ वेल्स, यूनिवर्सिटी सिडनी, आस्ट्रेलिया ने दिसम्बर 2005 में विजिटिंग रिसर्च साइंटिस्ट के रूप में संस्थान का दौरा किया। उनका यह दौरा जेएनयू और न्यू साउथ वेल्स यूनिवर्सिटी के बीच एक एम.ओ.यू. के प्रावधानों के अन्तर्गत था।

इसके अतिरिक्त, भौतिक विज्ञान संस्थान कई संगोष्ठियां आयोजित करता है। ये संगोष्ठियां प्रत्येक सप्ताह में कम से कम एक या दो बार आयोजित की जाती हैं। इसमें व्याख्यान देने के लिए सामान्यतः देश–विदेश के सुप्रसिद्ध भौतिक विज्ञानी आते हैं।

नवम्बर 2005 में एक 'ओपन हाउस' का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य दिल्ली के आस–पास के छात्रों को अपनी शोध गतिविधियों एवं रूचि के बारे में अवगत कराना था।

शोध परियोजनाएं

- एस.पी. दास, स्टेटिस्टिकल फिजिक्स आफ सुपरकूल्ड लिक्विड्स, इण्डो–फ्रेंच सेंटर फार एडवांस्ड रिसर्च (सी.ई.एफ.आई.पी.आर.ए.) परियोजना संख्या 2604–2, जून 2002–जून 2006
- एस.पी. दास, स्लो डायनेमिक्स इन मेटास्टेबल लिक्विड्स, वैज्ञानिक तथा औद्योगिकी अनुसंधान परिषद
- आर. घोष, लेजर प्रिपेरेशन ऐंड स्टोरेज आफ नान–क्लासिकल स्टेट्स आफ लाइट ऐंड मैटर, इण्डो–फ्रेंच नेटवर्किंग शोध कार्यक्रम, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, फ्रेंच विदेश मंत्रालय, 2005–09
- आर. घोष, ई. कंटेन्ट डिवलपमेंट आन आप्टिकल फिजिक्स, कंसोर्टियम फार एज्यूकेशनल कम्यूनिकेशन, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, 2005–06
- एस. पटनायक, इलैक्ट्रानिक एनिसोट्रोपी आफ एम.जी.बी.2, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (2005 से)
- एस. पुरी, पैटर्न फार्मेशन इन ग्रेनुलर मैटेरियल्स, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, (2006–08)
- आर. रामास्वामी, एक्सप्लोरिंग द मोसाइक स्ट्रक्चर आफ जिनोमिक डी.एन.ए., जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत 2005–08

राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों/बैठकों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

- एस. पटनायक ने अक्टूबर 2005 में कोलकाता में आयोजित नावल ऐंड कम्पलेक्स विषयक इण्डो–यू.एस. सम्मेलन में भाग लिया।
- एस. पटनायक ने मार्च 2006 में नाभिकीय विज्ञान केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित क्राइओजेनिक रिसर्च इन इण्डिया, प्रिजेन्ट ऐंड फ्युचर विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- एस. पटनायक और डी. कौशिक (2006 में) टर्निंग इंटरबैण्ड स्केटरिंग मकेनिज्म आफ एमजीबी–2 थ्रू आयोन इरैडिएशन विषयक आलेख अमेरिकन फिजिकल सोसायटी में प्रस्तुत करने के लिए स्वीकृत

शिक्षकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय से बाहर)

- एच.बी. बोहिदार ने 20 से 23 अप्रैल, 2005 तक एम.जी. यूनिवर्सिटी, कोट्टायम में पालिमर ब्लेन्ड्स, कम्पोजिट्स, जेल्स ऐंड आई.पी.एन.एस. विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में डायनेमिक्स इन पालिइलैक्ट्रोलाइट्स जेल्स विषयक व्याख्यान दिया।
- एच.बी. बोहिदार ने 15 नवम्बर 2005 को आई.आई.टी. दिल्ली में सरफेक्टेन्ट्स ऐंड डेरिवेटिव्स विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में बायोपालिमर सरफेक्टेन्ट इंटरएक्शंस विषयक व्याख्यान दिया।
- एच.बी. बोहिदार ने 9 से 11 दिसम्बर 2005 तक अहमदाबाद में पालिमर्स : न्यू चैलेंजिस ऐंड एप्लिकेशंस विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा डिहाइड्रेशन इंडयूस्ड सेल्फ–असेम्बली आफ बायोपालिमर्स विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.पी. दास ने जुलाई 2005 में लिली विश्वविद्यालय फ्रान्स में आयोजित, रिलेक्सेशन इन कम्पलेक्स सिस्टम्स विषयक 5वीं अन्तरराष्ट्रीय परिचर्चा बैठक में करेक्ट्राइजिस्टिक टेम्प्रेचर आफ ग्लासी बिहेवियर इन ए सिम्पल लिक्विड विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.पी. दास ने दिसम्बर 2005 में रोस्किल्डे विश्वविद्यलय, डेनमार्क में स्लो रिलेक्सेशन इन सुपरकूल्ड लिक्वड्स ऐंड मोड कपलिंग थीयरि विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.पी. दास ने 11 से 13 नवम्बर 2005 तक भारतीदशन यूनिवर्सिटी, त्रिरुचरापल्ली, तमिलनाडु में आयोजित इण्डियन साइंस अकादमी, बंगलौर की वार्षिक बैठक में हेट्रोजेनिटी इन सुपरकूल्ड लिक्विड्स विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. घोष ने 18 अप्रैल 2005 को एन.पी.एल., नई दिल्ली में इन आइसटीन'स शैडो : कंटेम्पोरॅरि एडवांसिस इन फिजिक्स (पार्ट आफ द ईयर आफ फिजिक्स प्रोग्राम) विषयक संगोष्ठी में क्वांटम आप्टिक्स ऐंड एटम आप्टिक्स विषयक व्याख्यान दिय।
- आर. घोष ने 4 से 6 नवम्बर 2005 तक आई.आई.टी. कानपुर में फिजिक्स 2005 : 100 ईयर्स आफ्टर आइन्सटीन'स रिवोल्युशन विषयक सम्मेलन में क्वांटम आप्टिक्स : बाई ऐंड हाऊ विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. घोष ने 21 से 22 नवम्बर 2005 तक एस.आई.एन.पी., कोलकाता में फिजिक्स इन द ट्रेल्स आफ आइन्सटीन विषयक राष्ट्रीय बैठक में फोटोन्स : दैन एण्ड नाऊ विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. घोष ने 21 से 23 मार्च, 2006 तक दिल्ली विश्वविद्यालय में करंट डिवलपमेंट्स इन एटामिक : मोलिकुलर ऐंड आप्टिकल फिजिक्स विद ऐप्लिकेशंस, (सी.डी.ए.एम.ओ.पी.) विषयक द्वितीय अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में अंडरस्टेंडिंग फोटोनिक क्रिस्टल्स ऐज एक्टिव मिरर्स विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. घोष ने 2005 में नई दिल्ली में फिजिक्स अफ सेमिकंडक्टर डिवाइसिस विषयक 13वीं अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला में ए स्टेप टुवर्डस मोलिक्युल बेस्ड नैनोइलैक्ट्रानिक्स : इलैक्ट्रानिक ट्रांसपोर्ट थ्रू सिंगल मोलिक्युल यूजिंग नैनोइलैक्ट्रोड्स विषयक व्याख्यान दिया।
- डी. कुमार ने अक्टूबर 2005 में रूड़की विश्वविद्यालय में, रिलैक्सेशन ऐंड एक्साइटेशंस आफ कूलम्ब ग्लास विषयक सम्मेलन ने कंडेंस्ड मैटर फिजिक्स विषयक व्याख्यान दिया।
- डी. कुमार ने मार्च 2006 में दिल्ली विश्वविद्यालय में डी.एस. कोठारी स्मारक बैठक में पैटर्न फार्मेशन अण्डर हीट फ्लो विषयक व्याख्यान दिया।
- डी. कुमार ने मार्च 2006 में एस.एन. बोस सेंटर फार बेसिक साइंसिस, कोलकाता में माडर्न डिवलपमेंट्स इन कंडेंस्ड मैटर फिजिक्स विषयक व्याख्यान दिया।
- डी. कुमार ने एस.एन. बोस सेंटर में इफैक्ट आफ कूलम्ब इंटरएक्शंस आन हूपिंग ट्रांसपोर्ट विषयक व्याख्यान दिया।

- डी. कुमार ने जुलाई 2005 में शाह इंस्टीट्यूट आफ न्यूक्लियर फिजिक्स, कोलकाता में पैटर्न फार्मेशन इन थिन फिल्म्स विषयक व्याख्यान दिया।
- डी. कुमार ने फरवरी 2006 में अकादमिक स्टाफ कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में क्वांटम कंप्यूटर्स विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.एस.एन. मूर्ति ने 7 से 13 जुलाई 2005 तक लिली, फ्रान्स में रिलैक्सेशन इन कम्पलेक्स सिस्टम्स विषयक चौथी अन्तरराष्ट्रीय परिचर्चा बैठक में भाग लिया।
- एस. पुरी ने अप्रैल 2005 में भौतिक विज्ञान विभाग, भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर में इनहोमोजिनस कूलिंग इन ग्रेनुलर फ्लुइड्स विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. पुरी ने अप्रैल 2005 में भौतिक विज्ञान विभाग, जवाहरलाल नेहरू उच्च वैज्ञानिक शोध केंद्र, बंगलौर में आडरिंग डायनेमिक्स इन द कम्पलेक्स जिन्जबर्ग लैण्डाऊ इक्वेशन विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. पुरी ने सितम्बर 2005 में नेशनल सेंटर आफ बायोलाजिकल साइंसिस बंगलौर में काइनेटिक्स आफ फेज ट्रांजिशंस विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. पुरी ने फरवरी 2006 में भौतिक विज्ञान विभाग, आई.आई.टी. मद्रास, चैन्नई में पैटर्न फार्मेशन इन ग्रेनुलर मैटेरियल्स विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. पुरी ने फरवरी 2006 में इंस्टीट्यूट आफ मैथमेटिकल साइंसिस, चैन्नई में आडरिंग डायनेमिक्स इन द कम्पलेक्स जिंजबर्ग लैंडाऊ इक्वेशन विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. पुरी ने फरवरी 2006 में भौतिक विज्ञान विभाग, भारतीदशन विश्वविद्यालय, त्रिरुचरापल्ली में पैटर्न फार्मेशन इन ग्रेनुलर मैटेरियल्स विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. पुरी ने सितम्बर 2005 में बंगलौर में स्टेटिस्टिकल मकेनिक्स आफ प्लास्टिसिटी ऐंड रिलेटिड इंस्टेबिलिटीज विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में इनहोमोजिनस कूलिंग इन इलास्टिक ग्रेनुलर गैसिस विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. पुरी ने फरवरी 2006 में चैन्नई में नानलिनियर सिस्टम्स ऐंड डायनेमिक्स विषयक तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में पैटर्न फार्मेशन इन फेज सैप्रेशन इन वेटिंग विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. पुरी ने मार्च 2006 में दिल्ली में फ्रंटियर्स इन कंडेंस्ड मैटर ऐंड स्टेटिस्टिकल फिजिक्स विषयक सम्मेलन में डायनेमिक्स आफ फेज सैप्रेशन ऐंड वेटिंग ऐट सर्फेसिस विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. पुरी ने मार्च 2006 में कंप्यूटर एप्लिकेशंस इन फिजिकल साइंसिस, नई दिल्ली में पैटर्न फार्मेशन इन नानइक्वीलिब्रियम सिस्टम्स विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 7 अप्रैल 2005 को यूनिवर्सिटी आफ मैरीलैण्ड, कालेज पार्क, इंस्टीट्यूट आफ फिजिकल साइंस ऐंड टेक्नोलाजी में ए पीरिअडिक नानकेआटिक डायनेमिक्स विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 2 जून 2005 को न्यू ब्रुन्सविक, बायोमाप्स में मार्कोव माडल्स आफ जिनोम सेग्मेंटेशन विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 14 जून 2005 को मिचीगन स्टेट यूनिवर्सिटी, ईस्ट लांसिंग, फिजिक्स डिपार्टमेंट में द इम्पोर्टेन्स आफ बीइंग स्ट्रेन्ज ऐंड नानकेआटिक विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 23 जून 2005 को न्यूयार्क में अकेडमिक्स विदाउट फ्रंटियर्स विषयक व्याख्यान दिया।

- आर. रामास्वामी ने 22 अगस्त 2005 को बंगलोर में स्टेटिस्टिकल मकेनिक्स आफ प्लास्टिक ऐंड रिलेटिड इनस्टेबिलिटी विषयक सम्मेलन में द नानलिनियर डायनेमिक्स आफ थर्मल ट्रांसपोर्ट इन लो डायमेंशनल लैटिक्स विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 22 दिसम्बर 2005 को इन्द्रप्रस्थ कालेज, दिल्ली में फ्रेक्टल्स विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 9 से 10 जनवरी 2006 तक आई.एम.एस.सी., कम्पलेक्स सिस्टम्स स्कूल, चैन्नई में इंट्रोडक्शन टु बायोइंफार्मेटिक्स विषयक 2 व्याख्यान दिए।
- आर. रामास्वामी ने 6 फरवरी 2006 को रामजस कालेज, दिल्ली में फ्रेक्टल्स विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 9 फरवरी 2006 को आई.आई.एस.सी., बंगलौर में बायोइंफार्मेटिक्स विषयक इण्डो–फ्रेंच की बैठक में मार्कोव माडल्स आफ जिनोम सेग्मेंटेशन विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 22 फरवरी 2006 को दिल्ली विश्वविद्यालय, स्टाफ कालेज में वाट कैन फिजिक्स लर्न फ्राम बायोलाज, विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 23 फरवरी 2006 को बोस संस्थान, कोलकाता में ऐप्लिकेशन आफ बायोइंफार्मेटिक्स विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में फाइंडिंग जीन्स इन डी.एन.ए. सिक्वेंसिस विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने ऐप्लिकेशन आफ बायोइंफार्मेटिक्स विषयक कार्यशाला में गिल्ट बाई एसोसिएशन विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने 22 मार्च 2006 को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में कंप्यूटेशनल फिजिक्स ऐंड बायोइंफार्मेटिक्स विषयक कार्यशाला में इंट्रोडक्शन टु सिस्टम्स बायोलाजी विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. रामास्वामी ने कंप्यूटेशनल फिजिक्स ऐंड बायोइंफार्मेटिक्स विषयक कार्यशाला में फाइंडिंग जीन्स ऐंड अदर थिंग्स इन डी. एन.ए. सिक्वेंसिस विषयक व्याख्यान दिया।
- पी. सेन ने जुलाई 2005 में फ्रासकटी, इटली में हाई एनर्जी आयोन–सालिड इंटरएक्शंस विषयक कार्यशाला में नानलिनियर ट्रांसपोर्ट आफ एनर्जी ऐंड आर्टिफिसिअल स्ट्रक्चर क्रिएशन इन सिंगल क्रिस्टेलाइन लैटिक्स विषयक व्याख्यान दिया।
- पी. सेन ने नवम्बर 2005 में रोम–तोर वरगेटा, इटली में नैनोसाइंस ऐंड नैनोटेक्नोलाजी 2005 (एन.एन. 2005) विषयक सम्मेलन में नैनोपार्टिकल हीमोग्लोबिन क्रास टाक : स्पेस्फिक प्रोटीन अनफोल्डिंग विषयक व्याख्यान दिया।
- पी. सेन ने जनवरी, 2006 में बड़ोदरा में, कंडेंस्ड मैटर ऐंड मैटेरिअल्स फिजिक्स 2006 (सी.एम.एम. 2006) विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में नानलिनियर प्रोसेसिस टुवर्डस फंक्शनल नैनोमैटेरिअल्स विषयक व्याख्यान दिया।
- पी. सेन ने जनवरी 2006 में मैटेरिअल्स साइंस सैक्शनल प्रोग्राम, हैदराबाद में 93वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस में नानलिनियर प्रोसेसिस टुवर्डस फंक्शनल नैनोमैटेरिअल्स विषयक व्याख्यान दिया।
- पी. सेन ने अगस्त 2005 में भोपाल विश्वविद्यालय, भोपाल में ए रिवोल्युशन इन द वे वी सी : नियर फील्ड सेंसिंग ऐंड द माइक्रोस्कोप विषयक व्याख्यान दिया।
- पी. सेन ने अगस्त 2005 में भोपाल विश्वविद्यालय, भोपाल में नैनोटेक्नोलाजी विषयक व्याख्यान दिया।
- पी. सेन ने मार्च 2006 में बिड़ला इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी ऐंड साइंस (बी.आई.टी.एस.) पिलानी में नैनोटेक्नोलाजी, पालिसी, प्रोडक्शन ऐंड ऐप्लिकेशंस विषयक व्याख्यान दिया।

- पी. सेन ने मार्च 2006 में सेंट्रल इलैक्ट्रानिक इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (सी.ई.ई.आर.आई.) पिलानी में नान–इक्विलिब्रियम प्रोसेसिस विषयक व्याख्यान दिया।
- पी. सेन ने जनवरी 2006 में वसन्त वैली स्कूल, नई दिल्ली में फ्रंटियर्स आफ साइंस ऐंड टेक्नोलाजी विषयक कार्यक्रम, नैनोमैटेरियल्स ऐंड देअर ऐप्लिकेशंस इन बायोमेडिसिन विषयक व्याख्यान दिया।
- पी. सेन ने अगस्त 2005 में सालिड स्टेट फिजिक्स लैबोरेट्री, दिल्ली में डी.आर.डी.ओ. कर्मियों के लिए अनुशीलन पाठ्यक्रम में बेसिक्स आफ एटामिक फोर्स माइक्रोस्कोपी विषयक व्याख्यान दिया।
- पी. सेन ने मार्च 2006 में कोलकाता में नैनो–बायोइंटरफेस 2006 विषयक अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला में फंक्शनल नैनोमैटेरिअल्स फार बायोलाजिकल ऐप्लिकेशंस विषयक व्याख्यान दिया।

पुरस्कार/सम्मान/अध्येतावृत्तियां

- एस. पुरी 2006 में बंगलौर में भारतीय विज्ञान अकादमी के फैलो चुने गए।

मण्डलों/समितियों की सदस्यता (विश्वविद्यालय से बाहर)

- एस.पी. दास, निर्णायक (क) एन.एस.एफ. ग्रान्ट प्रपोजल्स, (ख) विज्ञान पत्रिका, फिज रिव्यू. लैटर्स, न्यूक्लियर फिजिक्स बी, आदि। पी–एच.डी. शोध परीक्षक, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़
- आर. घोष, सदस्य विद्या समिति, सेना इलैक्ट्रानिक और मैकेनिकल इंजीनियरी महाविद्यालय, सिकंदराबाद, 2005–07; मुख्य सलाहकार, एन.सी.ई.आर.टी. की कक्षा–9 की विज्ञान की पाठ्यपुस्तक, 2005; मुख्य सलाहकार एन.सी.ई.आर.टी. की कक्षा 10 की विज्ञान की पाठ्यपुस्तक 2006
- एस. पुरी, सदस्य, डी.एस.टी. फास्ट ट्रेक परियोजना समिति, (2005)
- पी. सेन, निर्णायक, पत्रिका – जे. फिज. कंडेस्ड मैटर, न्यूक्लियर इंस्ट्रूमेंट्स ऐंड मेथड्स बी, मैटेरियल्स रिसर्च बुलेटिन (यू.एस.ए); पी–एच.डी. शोध प्रबन्ध परीक्षक, भौतिक विज्ञान विभाग, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन और बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल, सदस्य, चयन समिति, इनलैक्स फाउन्डेशन फैलोशिप्स

पेटेन्ट्स

- पी. सेन और ओम प्रकाश सिवच, ए प्रोसिस टु प्रोड्यूस अल्ट्रा–स्माल नैनोपार्टिकल्स विद प्रिफर्ड ओरिएन्टेशन, इण्डियन पेटेन्ट ऐप्लिकेशन, थ्रू टी.आई.एफ.ए.सी., डी.एस.टी., जनवरी 2006
- पी. सेन, ओम प्रकाश, ए.के. दासगुप्ता और जयदीप भट्टाचार्य, मेटल नैनोपार्टिकल इंटरएक्शंस विद ह्यूमन हीमोग्लोबिन, इण्डियन पेशन्ट ऐप्लिकेशन थ्रू डी.एस.टी., टी.आई.एफ.ए.सी., जनवरी 2006
- पी. सेन, जोयी घोष, प्रशान्त कुमार, अब्दुल्लाह अलकादमी और वन्दना, ए प्रोसिस ऐंड अपारेट्स फार प्रोड्यूसिंग मेटल नैनोपार्टिकल्स, यू.एस. पेटेन्ट ऐप्लिकेशन (रिफ : पी.सी.टी./आई.एन. 2004/000067) फार नेशनल फेज एन्ट्री।

सामाजिक विज्ञान संस्थान

सामाजिक विज्ञान संस्थान विश्वविद्यालय का सबसे बड़ा स्नातकोत्तर संस्थान है। इसमें विभिन्न केंद्रों के एम.ए./एम.फिल./पी–एच.डी. और सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों में प्रत्येक वर्ष 500 से अधिक छात्रों को प्रवेश दिया जाता है। संस्थान में कोई भी स्नातक पाठ्यक्रम नहीं है तथापि संस्थान अन्य संस्थानों के छात्रों के लिए कुछ स्नातक कोर्स चलाता है। वर्ष 2005–2006 के अन्त में संस्थान में लगभग 120 शिक्षक थे।

संस्थान में कुल 9 केंद्र हैं। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सहायता से दो विशेष कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं – पहला 'महिला अध्ययन' तथा दूसरा 'विभेद एवं अपवर्जन अध्ययन' और प्रौढ़ अनुवर्ती शिक्षा और विस्तार की एक विशेष यूनिट।

संस्थान में समसामयिक इतिहास पर एक अभिलेखागार और शैक्षिक शोध रिकार्ड यूनिट भी है। संस्थान में निम्नलिखित 9 केंद्र हैं –

- राजनीति अध्ययन केंद्र
- साामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र
- ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र
- आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र
- क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र
- जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र
- सामाजिक चिकित्साशास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र
- विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र
- दर्शनशास्त्र केंद्र

इन सभी केंद्रों में एम.फिल./पी–एच.डी. और सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों में छात्र पंजीकृत हैं। निम्नलिखित पांच केंद्रों में एम.ए. पाठ्यक्रम भी चलाए जाते हैं –

- राजनीतिक अध्ययन केंद्र
- सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र
- ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र
- आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र
- क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र

प्रत्येक केंद्र सामान्यतः सप्ताह में एक बार नियमित रूप से सेमिनार आयोजित करता है। इसके अतिरिक्त, संस्थान स्तर पर प्रतिष्ठित अतिथि विद्वानों द्वारा कभी–कभी संगोष्ठियां आयोजित की जाती हैं। उदाहरण के तौर पर संस्थान ने 6 अक्टूबर 2005 को प्रो. रिचर्ड डेस्कोइंग्स, प्रेजिडेंट आफ साइंसिस–पी.ओ., नेशनल फाउंडेशन फार पालिसी साइंसिस, पेरिस, फ्रांस का 'अकाडमिक फ्रीडम ऐंड कान्स्ट्रेंट्स आफ पब्लिक यूनिवर्सिटी फाइनेंसिस इन द कान्स्टेक्स्ट आफ ग्लोबलाइजेशन' विषयक व्याख्यान आयोजित किया। इस वर्ष के दौरान संस्थान के विभिन्न केंद्रों द्वारा भी सम्मेलन/संगोष्ठियां आयोजित की गईं। संस्थान के विभिन्न केंद्रों द्वारा वर्ष के दौरान निम्नलिखित दो स्मारक व्याख्यान आयोजित किए गए जो कि विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं –

- आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र ने 8 मार्च 2006 को 14वां कृष्णा भारद्वाज स्मारक व्याख्यान आयोजिति किया। यह व्याख्यान भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर के निदेशक प्रो. पी. बलराम ने 'द एथिक्स आफ साइंस' विषय पर दिया।

- 18 अप्रैल 2005 को श्री श्याम बैनेगल ने 'सेक्युलरिज्म ऐंड इण्डियन सिनेमा' विषयक 11वां पी.सी. जोशी स्मारक व्याख्यान दिया।

सामाजिक विज्ञान संस्थान के शिक्षकों की अनेक पुस्तकें और उनके शोध कार्य पर आधारित कई आलेख पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। इसके अतिरिक्त विभिन्न राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शिक्षकों के 300 से अधिक शोध आलेखों सहित पुस्तकों में अध्याय प्रकाशित हुए। संस्थान के कई शोध छात्रों के आलेख राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर की व्यावसायिक पत्रकिाओं में प्रकाशित हुए। सुप्रसिद्ध प्रकाशकों द्वारा कई पी–एच.डी. शोध प्रबन्ध भी प्रकाशित किए गए।

संस्थान के शिक्षण एवं शोध पाठ्यक्रम में कतिपय नव प्रवर्तनकारी तत्व मिलते हैं। किसी एक विषय में गहन प्रशिक्षण के साथ–साथ बहु विषयक अध्ययनों व शोध में रूचि उत्पन्न करने का प्रयास किया जाता है। इसके लिए एक केंद्र के एक विषयक संस्थान वाले पाठ्यक्रमों के छात्रों को अन्य केंद्रों के विषय पढने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। ऐसा करते समय छात्र की अभिक्षमता के साथ–साथ मुख्य विषय के साथ उन विषयों की सम्बद्धता को भी ध्यान में रखा जाता है। इस अनुभव से पता चलता है कि छात्रों ने विशेषकर एम.फिल. स्तर पर इसका पर्याप्त लाभ उठाया है। इसके फलस्वरूप शोध कार्य का क्षेत्र काफी विस्तृत हो गया है।

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र

- एम.ए. पाठ्यक्रम में 8 अनिवार्य और 20 वैकल्पिक कोर्स पढ़ाए गए। एम.फिल. पाठ्यक्रम में (जिसमें एक वर्ष का कोर्स कार्य शामिल है) 2 अनिवार्य और 9 वैकल्पिक कोर्स पढाए गए।
- इस दौरान शिक्षकों की कुल संख्या 22 थी। शोध गतिविधियां सुचारू रूप से चलती रहीं और केंद्र के शिक्षकों और शोध छात्रों की कई पुस्तकें तथा शोध आलेख प्रकाशित हुए। इस वर्ष शिक्षकों के कुल मिलाकर 2 पुस्तकें तथा 35 आलेख प्रकाशित हुए।

छात्रों की उपलब्धियां

समीक्षाधीन अवधि के दौरान विभिन्न छात्रों को निम्नलिखित वार्षिक पुरस्कार प्रदान किए गए –

1. रंजन राय स्मारक पुरस्कार 2004 – श्री अनिरबान मित्रा
2. अवानी भट्ट स्मारक पुरकार 2004 – कृति जैन
3. एम.के. थावाराज छात्रवृत्ति – श्री गुनाजीत कालीता और श्री सिद्धार्थ चौधरी

नई संरचना

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के ए.एस.आई.एच..एस.एस. और विशेष सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत केंद्र को शिक्षकों एवं छात्रों के हित के लिए अपनी संरचनागत व्यवस्था को सुधारने के लिए अनुदान राशि प्राप्त हुई हैं। छात्रों के लिए दो कंप्यूटर कक्ष तैयार किए गए हैं। कृष्णा भारद्वाज कक्ष का नवीकरण किया गया और इसमें सेमिनार सम्बन्धी सभी आवश्यक सुविधाओं सहित कंप्यूटर एल.सी.डी. प्रोजेक्टर, स्क्रीन, एयर कंडीशन आदि सुविधाएं उपलब्ध हैं। केंद्र ने विभिन्न कंप्यूटरों के लिए 7 यू.पी.एस. और दो सर्वर खरीदे हैं। एक ओवर हैड प्रोजेक्टर, एक लेपटाप कंप्यूटर और दो एल.सी.डी. प्रोजेक्टरों की भी खरीद की गई है। सेमिनार कक्ष और बड़े कमरों के लिए वन रिमोट कंट्रोल स्क्रिन खरीदी गई हैं। शिक्षकों और छात्रों की जरूरतों के अनुसार विभिन्न साफ्टवेयर प्रोग्राम खरीदे गए। सी.एम.आई.ई. प्रोस, ए.एस.आई. और सेंसस आफ इण्डिया जैसे अनेक सांख्यियकीय डाटाबेस भी खरीदे गए हैं। केंद्र डा. विकास रावल और श्री भूपाल सिंह बिष्ट का धन्यवाद करना चाहता है, जिन्होंने इन उपकरणों की खरीद और स्थापना में अपना पर्याप्त समय और महत्वपूर्ण योगदान दिया।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केंद्र में आए अतिथि

इस अवधि के दौरान विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विशेष सहायता कार्यक्रम और 'एएसआईएचएसएस' कार्यक्रमों के अन्तर्गत आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र में अनेक अतिथि आए। इसमें शामिल हैं – श्री प्रणब मुखोपाध्याय, गोवा विश्वविद्यालय, गोवा, डा. राजेंद्र प्रसाद कुंडु, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता, डा. अरिजित दत्ता, कोलकाता विश्वविद्यालय, कोलकाता, डा. के. जलजीत सिंह मणिपुर विश्वविद्यालय, कांचिपुर, डा. प्रियदर्शी बनर्जी, सिटी यूनिवर्सिटी आफ न्यूयार्क, डा. कोलिन डेनबी, वाशिंगटन विश्वविद्यालय, बोथेल, प्रो. मनोरंजन पाल, आई.एस.आई., कोलकाता, प्रो. प्रदीप दुबे, सनी, स्टोनीब्रुक, यू.एस.ए., प्रो. अकील बिलग्रामी, जोनसोनियन प्रोफेसर आफ फिलास्फी, कोलम्बिया यूनिवर्सिटी, न्यूयार्क, डा. इंद्रनील दासगुप्ता, यूनिवर्सिटी आफ नोटिंघम, यू.के. डा. राजलक्ष्मी मलिक, यूनिवर्सिटी आफ बर्द्धवान, पश्चिमी बंगाल, प्रो. अलिसिया पुयाना, मुटिस्ट फ्लाक्सो – मैक्सिको, मैक्सिको–सिटी और प्रो. स्टीवन स्लटस्फी, यूनिवर्सिटी आफ फ्लोरिदा, यू.एस.ए.

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केंद्र द्वारा आयोजित सम्मेलन/संगोष्ठियां

- आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र और क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र ने मिलकर 15 से 17 दिसम्बर 2005 तक इण्डियन सोसायटी फार लेबर इकोनोमिक्स के 47वें वार्षिक सम्मेलन का आयोजन जेएनयू में किया। इसके विभिन्न सत्रों में लगभग 400 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रो. प्रभात पटनायक सम्मेलन के प्रेजिडेंट, प्रो. जयती घोष आयोजन सचिवों में से एक और डा. प्रवीण झा संयुक्त आयोजन सचिव थे। आयोजन टीम में अन्य महत्वपूर्ण सदस्यों के रूप में आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र के डा. विकास रावल और श्री भूपाल सिंह बिष्ट शामिल थे। सम्मेलन में केंद्र के छात्रों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।
- आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र ने 'चेयरों' के लिए उद्घाटन व्याख्यान आयोजित करने की परिपाटी को पुनः शुरू किया है। नियोजन और विकास के क्षेत्र में स्थापित सुखमय चक्रवर्ती चेयर के लिए 14 फरवरी 2006 को प्रो. प्रभात पटनायक ने 'द डिफ्यूजन आफ डिवलपमेंट' विषयक व्याख्यान दिया। आर्थिक सिद्धांत के क्षेत्र में स्थापित भारतीय रिजर्व बैंक चैयर के लिए प्रो. अंजन मुखर्जी ने 17 फरवरी 2006 को 'द इनविजिवल हैंड इन मोशन' विषयक उद्घाटन व्याख्यान दिया।
- प्रो. प्रभात पटनायक ने 'द सुखमय चक्रवर्ती लेक्चर्स आन सोशल ऐंड इकोनोमिक आइडियाज' शीर्षक व्याख्यानमाला आरम्भ की और कोलम्बिया यूनिवर्सिटी, न्यूयार्क के प्रोफेसर अकील बिलग्रामी को 9 जनवरी 2006 को 'गांधी न्यूटन ऐंड द एनलाइटमेंट' विषयक व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया।
- डा. गुरबचन सिंह, अ.अ.सं.,जेएनयू, ने 26 जुलाई 2005 को 'रिअल असेट्स, फाइनेंशियल असेट्स, लिक्विडिटी ऐंड लेमन प्रोब्लम्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. प्रियदशी बनर्जी, सिटी यूनिवर्सिटी आफ न्यूयार्क ने 2 अगस्त 2005 को 'आक्शंस विद सीलिंग्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. कोलिन डानबी, यूनिवर्सिटी आफ वाशिंग्टन, बोथेल, ने 4 अगस्त 2005 को 'व्हाट वाज स्ट्रक्चरलिज्म ? जुआन नोयाला'ज इंस्टीट्यूशनल अप्रोच टु इनफ्लेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. बी.बी. भट्टाचार्य, कुलपति, जेएनयू, ने 20 अगस्त 2005 को 'इकोनामिक ग्रोथ ऐंड द इण्डियन इकोनामी' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. मनोरंजन पाल, आई.एस.आई. कोलकाता ने 6 अक्टूबर 2005 को 'मैजर्स आफ जेंडर इनइक्वेलिटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- एन. ललिता, पी–एच.डी. छात्रा, आ.अ.नि.के., ने 25 अक्टूबर 2005 को 'ए बिहेवियरल इनर्टिया अप्रोच टु माडलिंग स्टॉक प्राइसिस' विषयक व्याख्यान दिया।

- रूपाली गोयनका, पी–एच.डी. छात्रा, आ.अ.नि.के., ने 8 नवम्बर 2005 को 'एनालिसिस आफ इनइक्वेलिटी इन हैल्थ आउटकम्स इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. प्रदीप दुबे, सनी स्टोनीब्रुक, ने 17 नवम्बर 2005 को 'यू.एस.ए. ग्रेडिंग इन गेम्स आफ स्टेटस : मार्किंग एग्जाम्स ऐंड ए सेटिंग वेजिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- अकील बिलग्रामी, जोनसनियल प्रोफेसर आफ फिलास्फी, कोलम्बिया यूनिवर्सिटी, न्यूयार्क ने 9 जनवरी 2006 को 'गांधी न्यूटन ऐंड एनलाइटनमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. इंद्रनील दासगुप्ता, यूनिवर्सिटी आफ नोटिंघम, यू.के. ने 10 जनवरी 2006 को 'अरेंजड मैरिज, को–रेजिडेंस ऐंड फीमेल स्कूलिंग' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. राजलक्ष्मी मलिक, वर्दवान विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, ने 17 जनवरी 2006 को 'कंडक्टिंग एग्जामिनेशंस डज नाट पे काजिज ऐंड इंप्लिकेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. रोहित प्रसाद, एम.डी.आई., गुड़गांवा ने 1 फरवरी 2006 को 'डिस्ट्रीब्युशन ऐंड ग्रोथ इन ए मोनेट्री कार्न माडल' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. एलिसिया पुयाना, म्युटिस फ्लाक्सो–मेक्सिको, मेक्सिको सिटी, ने 13 फरवरी 2006 को 'ट्रेड लिबरलाइजेशन इन मैक्सिको : सम मैक्रो इकोनामिक्स ऐंड सेक्टरल इम्पेक्टस ऐंड द इंप्लिकेशंस फार मेक्रो इकोनामिक पालिसी' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. चेतन घाटे, आई.एस.आई. दिल्ली ने 21 फरवरी 2006 को 'एज्यूकेशन, ग्रोथ ऐंड रीडिस्ट्रीब्युशन इन द प्रेजेंस आफ कैपिटल फ्लाइट' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. स्टीवन स्लटस्की, यूनिवर्सिटी आफ फ्लोरिदा, यू.एस.ए. ने 22 फरवरी 2006 को 'प्राइवेट इन फार्मेशन, को–एशियन बार्गेनिंग ऐंड द सैकिंड वेलफयर थिओरेम' विषयक व्याख्यान दिया।
- बिवेक राय चौधरी, पी–एच.डी. छात्र ने 7 मार्च 2006 को डिटर्मिनेंटस आफ माइक्रोफाइनेंस पेनिट्रेशन इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. मणिमय सेनगुप्ता, अ.अ.सं., जेएनयू, ने 21 मार्च 2006 को 'क्लासिकल वेलफेयर थिओरेम्स विदाउट कंप्लीटनेस, ट्राजिटिविटी और लोकल नान–सेटिएशन इन ए क्लास आफ नान–कनवेक्स प्रेफरेंसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- सी.पी. चन्द्रशेखर और जयती घोष ने 22–26 जनवरी और 27–29 जनवरी 2006 को इंटरनेशनल डिवलपमेंट इकोनामिक्स एसोसिएटस, मुत्तुकाडु, तमिलनाडु, की 'पोस्ट–लिबरलाइजेशन कांस्ट्रेंटस आन मैक्रोइकोनामिक पालिसीज' विषयक कार्यशाला एवं सम्मेलन आयोजित किया।
- आई.एस.एस.ए. द्वारा 6 अगस्त 2005 को 'फेसिंग दे चैलेंजिस आफ माडर्न सिविलाइजेशन' विषयक संगोष्ठी आयोजित की गई, संयोजक – अरूण कुमार
- आई.एस.एस.ए. द्वारा 30 मार्च और 1 अप्रैल 2006 को 'फेसिंग द चैलेंज आफ पावर्टी इन इण्डिया' विषयक संगोष्ठी आयोजित की गई, संयोजक – अरूण कुमार
- अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू, ने 8 अगस्त से 2 सितम्बर 2005 तक अर्थशास्त्र में 33वां पुनश्चर्या कोर्स आयोजित किया। संयोजक – प्रदीप्त चौधरी

ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र

ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास में एम.ए. और एम.फिल/पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। केंद्र समसामयिक इतिहास में भी शिक्षण और शोध कार्यक्रम चलाता है। कुछ वर्षों से एक नई पद्धति शुरू की गई है, जिसके अनुसार छात्रों को चुने हुए विषयों में कम से कम चार कोर्स पूरे करने होते हैं। ये विषय हैं – आर्थिक इतिहास, सामाजिक एवं प्रसिद्ध आंदोलन, राज्य एवं शक्ति और विचारधारा, संस्कृति एवं समाज। विशेषीकृत काल अनिवार्य है, जबकि विषय विशेषीकरण अनिवार्य नहीं है।

केंद्र ने समय–समय पर संगोष्ठियां आयोजित कीं। इन संगोष्ठियों मे देश–विदेश के विश्वविद्यालयों के विद्वान व्याख्यान देने के लिए आए। प्रो. ए. मुखर्जी ने 27 से 29 मार्च 2006 तक 'राइटिंग टवंटी सेंचुरी हिस्ट्री फ्राम कोलोनी टु नेशन' विषयक कार्यशाला आयोजित की। 6 मार्च 2006 को प्रो. ए. मुखर्जी और प्रो. एम. मुखर्जी ने केंद्र के विशेष सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत 'ट्रेंड्स इन माडर्न इण्डिया ऐंड चाइना : जेपनीज पर्सपेक्टिव' विषयक कार्यशाला और डा. एच.पी. राय द्वारा 27 फरवरी से 1 मार्च 2006 तक 'मैमोरी ऐज हिस्ट्री : द क्लीरोसी आफ एलेग्जेंडर इन एशिया' विषयक कार्यशाला आयोजित की गई।

- केंद्र के ए.एस.आईएच.एस.एस. कार्यक्रम के अन्तर्गत 4 फरवरी 2006 को 'राइटिंग टेक्स्ट बुक्स : द पाकिस्तान एक्सपिरिअंस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की। इसमें पाकिस्तानी विद्वानों – प्रो. मुबारक अली, प्रो. सैय्यद जफर अहमद और प्रो. तारिक रहमान ने भाग लिया।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केंद्र में आए अतिथि

- प्रो. दिपेश चक्रवर्ती, प्रोफेसर आफ हिस्ट्री ऐंड साउथ एशियन स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ शिकागो, 28 नवम्बर – 8 दिसम्बर 2005 तक ए.एस.आई.एच.एस.एस. कार्यक्रम के अन्तर्गत विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में केंद्र में रहे।
- डा. ताहिर कामरान, गवर्नमेंट कालेज, लाहौर विश्वविद्यालय, पाकिस्तान 1 से 15 फरवरी 2006 तक ए.एस.आई.एच.एस.एस. कार्यक्रम के अन्तर्गत विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में केंद्र में रहे।
- प्रो. ए. सत्यनारायण, इतिहास विभाग, ओसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, 19 फरवरी – 3 मार्च 2006 तक ए.एस.आई.एच. एस.एस. कार्यक्रम के अन्तर्गत विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में केन्द्र में रहे।
- प्रो. पापिया घोष, इतिहास विभाग, पटना विश्वविद्यालय, पटना 9–20 मार्च 2006 तक ए.एस.आई.एच.एस.एस. कार्यक्रम के अन्तर्गत विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में केंद्र में रही।

केंद्र द्वारा आयोजित सम्मेलन/संगोष्ठियां

- प्रो. ए. मुखर्जी ने 27–29 मार्च 2006 तक 'राइटिंग टवंटिअथ सेंचुरी हिस्ट्री फ्राम कालोनी टु नेशन' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. ए. मुखर्जी और प्रो. एम. मुखर्जी ने 6 मार्च 2006 को 'ट्रेंटस इन माडर्न इण्डिया ऐंड चाइना : जेपनीज पर्सपेक्टिव' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. सुमित रामास्वामी ने 13 अप्रैल 2005 को 'गोइंग ग्लोबल इन मुगल इण्डिया (चित्रों सहित)' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. मासातोशी कोनिशी ने 10 अगस्त 2005 को 'अर्ली नालेज अबाऊट पेपर इन इण्डिया डयूरिंग द 12थ–15थ सेंचुरीज' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. आंद्रे विंक ने 16 सितम्बर 2005 को 'पर्सपेक्टिव्स आन द इण्डो इस्लामिक वर्ल्ड' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

- डा. स्टिफन वंदामे ने 23 नवम्बर 2005 को 'साइंस ऐंड यूरोपीयन केपिटल्स : एक्सप्लोरिंग लोकल नालेज इन मेट्रोपोलिटन कनटेक्स्ट' (17थ ऐंड 18थ सेंचुरीज) विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. गीर्त दे नेवे ने 30 नवम्बर 2005 को 'ट्रस्ट, ट्रेड ऐंड नालेज : एक्सप्लोरिंग साउथ इण्डियन फैमिली बिजिनेस हिस्ट्रीज' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. फरजाना शेख ने 13 जनवरी 2006 को 'द शरीयताइजेशन आफ पाकिस्तानी नेशनलीज्म' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. ताहिर कामरान ने 1 फरवरी 2006 को 'मैकिंग आफ पाकिस्तान आइडेंटिटी' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. मारिओन ओ केलगन ने 2 फरवरी 2006 को 'कम्पोजिट कल्चर ऐंड मल्टी कल्चरलिज्म : द केरैवियन एक्सपिरियंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. राजन गुरुक्काल ने 8 फरवरी 2006 'इकोसिमिओटिक्स इन द्रविडयन कल्चर : द केस आफ नेचर कल्चर होमोलाजी इन एनशिएट तमिल पोइटिक्स' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. सब्यसांची दासगुप्ता ने 15 फरवरी 2006 को 'द नाइंटींथ सेंचुरी कोलोनियल सीपाइ : लायल सर्वेंट आर रिबिलियस मर्सिनेरी ?' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. सत्यनारायण ने 22 फरवरी 2006 को 'माइग्रेशन आफ तेलुगु कोलिस टु क्लोनियल बर्मा 1871–1947' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. पापिया घोष ने 13 मार्च 2006 को 'पाप्यूलर पालिटिकल म्यूजिक इन कनटेम्पोरेरि बिहार' विषयक व्याख्यान दिया।

दर्शनशास्त्र केंद्र

नये पाठ्यक्रम (दर्शनशास्त्र में एम.फिल पाठ्यक्रम)

शैक्षिक सत्र 2005–2006 से सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू में दर्शनशास्त्र केंद्र ने पहली बार दर्शनशास्त्र में एम.फिल. पाठ्यक्रम चलाया। इस पाठ्यक्रम में 2 अनिवार्य कोर्स, 2 वैकल्पिक कोर्स और एक लघु शोध प्रबन्ध लिखना होता है। इस पाठ्यक्रम के लिए तैयार की गई रूपरेखा में दर्शनशास्त्र के परम्परागत और सीमित क्षेत्रों के बजाए विस्तृत अध्ययन पर बल दिया जाता है। पाठ्यक्रम के अनिवार्य कोर्सों में सत्तामीमांसा, ज्ञानमीमांसा, नीतिशास्त्र आदि क्षेत्रों की मूल संकल्पनाओं और विषयों के अध्ययन शामिल किए गए हैं। वैकल्पिक कोर्सों में अपेक्षाकृत दर्शनशास्त्र के नये दृष्किोणों को शामिल किया गया है, जो सामाजिक विज्ञान का दर्शनशास्त्र, कर्म का दर्शनशास्त्र, मन का दर्शनशास्त्र और भाषा का दर्शनशास्त्र जैसे अन्य विषयों के संदर्भ में दर्शनशास्त्र के अध्ययन पर विशेष बल देता है। छात्रों को संगोष्यिों और परिचर्चाओं में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। शैक्षिक सत्र 2005–06 के दौरान निम्नलिखित कोर्स चलाए गए :

अनिवार्य कोर्स

पी.एच. 60 आई.एस. – कनसेप्ट इन फिलास्फी (डा. मनदीपा सेन और डा. ओयनम भगत)*

पी.एच. 60 2 एस. – फिलास्फीकल मैथड (प्रो. सत्य पी. गौतम)*

* सभी तीन संकाय सदस्य संयुक्त रूप से अनिवार्य कोर्स चलाते हैं।

वैकल्पिक कोर्स

पी.एच. 603 एस. – सेल्फ नालेज (डा. मनदीपा सेन)

पी.एच. 604 एस. – एग्जिस्टेंशियल फिनोमेनोलाजी ऐंड इट्स एंगेजमेंट्स (डा. ओयनम भगत)

पी.एच. 605 एस. – फिलास्फी आफ एक्शन (प्रो. सत्य पी. गौतम)

भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान में बी.ए. पाठ्यक्रम के छात्रों के लिए फिलास्फी कोर्स (वैकल्पिक)

भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान में स्थित दर्शनशास्त्र ग्रुप का सामाजिक विज्ञान संथान में स्थित दर्शनशास्त्र केंद्र के साथ विलय होने के बाद भाषा संस्थान के स्नातक छात्रों को वैकल्पिक दर्शनशास्त्र कोर्स पढ़ाने की जिम्मेदारी दर्शनशास्त्र केंद्र ने ली है। इन दोनों के विलय के समय लिए गए निर्णय के अनुसार क्रेंद्र ने वर्तमान कोर्सों की समीक्षा की और उन्हें नये कोर्सों से बदलने का निर्णय लिया है। स्नातक छात्रों के लिए निम्नलिखित आठ नये वैकल्पिक कोर्स तैयार किए हैं –

- पी.एच. 401 : एपिस्टिमालाजी : इण्डियन ऐंड वेस्टर्न फिलास्फिकल सिस्टम्स (आर.पी. सिंह)
- पी.एच. 402 : फिलास्फी आफ लैंग्यूवेज (मनदीपा सेन)
- पी.एच. 403 : फिलास्फी ऐंड कल्चर (ओइनम भगत)
- पी.एच. 404 : फिलास्फी ऐंड लिट्रेचर (सत्य पी. गौतम)
- पी.एच. 405 एन : ओनटोलाजी : इण्डियन ऐंड वेस्टर्न फिलास्फिकल सिस्टम्स (आर.पी. सिंह)
- पी.एच. 406 एन : लोजिक ऐंड साइंटिफिक मैथड (मनदीपा सेन)
- पी.एच. 407 एन. : एथिक्स (ओइनम भगत)
- पी.एच. 408 एन : सोशल फिलास्फी (सत्य पी. गौतम)

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केंद्र द्वारा आयोजित संगोष्ठियां/व्याख्यान

- केन्द्र ने फ्रेंच दार्शनिक जाँ पाल सात्र की जन्म शती समारोह के उपलक्ष्य में 2–4 नवम्बर 2005 तक 'फिलास्फी ऐंड कल्चर सिंस जाँ पाल सात्र' विषयक एक 3–दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की। इस अवसर पर फ्रेंच कल्चर सेंटर के सहयोग से जाँ पाल सात्र के जीवन एवं कृत्य पर एक पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया।

- केन्द्र ने वर्ष 2005–2006 के दौरान दर्शनशास्त्र के विभिन्न विषयों पर 13 व्याख्यान आयोजित किए। ये व्याख्यान विश्वविद्यालय के अन्य केंद्रों एवं संस्थानों के शिक्षकों के लिए भी काफी रूचिकर थे। इसका प्रमाण इस बात से मिलता है कि इन शैक्षिक कार्यक्रमों में अत्यधिक संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया। आस्ट्रेलिया, ईरान, फ्रांस, यू.के., यू.एस.ए. सहित देश के प्रतिष्ठित विद्वानों ने केंद्र का दौरा किया और निम्नलिखित व्याख्यान दिए :–

- प्रो. विनीत हक्सर, यू.के. ने 8 अगस्त 2005 को 'गाँधी आन रिलिजन' विषयक व्याख्यान दिया।

- डा. अपार कुमार, यू.एस.ए. ने 29 अगस्त 2005 को 'नीत्ज शे ऐंड मेटाफर' विषयक व्याख्यान दिया।

- डा. मोनिमा चंदा ने आस्ट्रेलिया, ने 11 नवम्बर 2005 को 'एनिमल माइंडस' विषयक व्याख्यान दिया।

- प्रो. मृणाल मिरी, पूर्व कुलपति, नेहू, शिलांग, ने 9 दिसम्बर 2005 को 'स्प्रिचुएलिटी ऐंड मोरेलिटी' विषयक व्याख्यान दिया।

- प्रो. केरोल रोपाने, यू.एस.ए., ने 13 दिसम्बर 2005 को 'अर्निंग द राइट टु रिअलीज्म ऐंड रिलेटिविज्म इन इथिक्स', विषयक व्याख्यान दिया।

- प्रो. अकील बिलग्रामी, यू.एस.ए. ने 13 दिसम्बर 2005 को 'सेक्युलरीज्म ऐंड ऐंटी फाउंडेशनलीज्म' विषयक व्याख्यान दिया।

- प्रो. अकील बिलग्रामी, यू.एस.ए., ने 14 दिसम्बर 2005 को 'वाई ऐंटी–फांउडेशनलीज्म नीड नाट लीड टु रिलेटिवीज्म' विषयक व्याख्यान दिया।

- डा. मीरा नंदा, यू.एस.ए., ने 19 जनवरी 2006 को 'रिक्लेमिंग साइंटिफिक टेम्पर फार ए सेक्यूलर कल्चर इन इण्डिया', विषयक व्याख्यान दिया।

- डा. प्रियदर्शी जेटली, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 2 फरवरी 2006 को 'नालेज ऐज एक्टिवली जस्टिफाइड ट्रू बीलीफ' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. अंकुर बरूआ, यू.के. ने 3 मार्च 2006 को 'वाज देअर ए हिस्ट्री इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- आइचा लिविआना मैसिना, फ्रांस, ने 17 मार्च 2006 को 'द नोशन आफ रिफ्यूजल आफ/इन फिलास्फी' विषयक व्याख्यान दिया।
- आइचा लिविआना मैसिना, फ्रांस, ने 30 मार्च 2006 को 'रेपचर्स ऐंड डिसीजंस इन वलानचोट ऐंड लेविनास' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. रमीन जहानबेगलु, इरान, ने 31 मार्च 2006 को 'वायलेंस ऐंड माडर्निटी' विषयक व्याख्यान दिया।

केंद्र की भावी योजनाएं

केंद्र भविष्य में दर्शनशास्त्र में एम.ए. पाठ्यक्रम चला कर अपनी शैक्षिक गतिविधियों को और अधिक सुदृढ बनाने का इच्छुक है। इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को प्राचीन एवं समसामयिक पाठ्य पुस्तकों के गहन अध्ययन के माध्यम से दर्शनशास्त्रीय मामलों का समीक्षात्मक मूल्यांकन करने का प्रशिक्षण देना है। इस एम.ए. पाठ्यक्रम के माध्यम से केंद्र को अंतःसांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में दर्शनशास्त्रीय समस्याओं के अध्ययन के लिए एक विषयोन्मुख अन्तरविषयक दृष्टिकोण के संदर्भ में दर्शनशास्त्र के शिक्षण एवं शोध में अपनी अन्तर्दृष्टि को हासिल करने में सहायता मिलेगी।

राजनीतिक अध्ययन केंद्र

राजनीतिक अध्ययन केंद्र एक गतिशील एवं नवप्रवर्तनकारी केंद्र है, जिसने नये–नये कोर्स चला कर राजनीतिक विज्ञान के अध्ययन के क्षेत्र में देश को महत्वपूर्ण दिशा प्रदान की है। केंद्र के शिक्षकों ने निम्नलिखित शोध के क्षेत्रों में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है : सामाजिक और राजनीतिक रूपान्तरण की प्रक्रियाएं, राज्य एवं विकास, संघवाद और केंद्र–राज्य सम्बन्ध, नौकरशाही, प्रशासन एवं लोकनीति, धर्मनिर्पेक्षवाद, अल्पसंख्यक अधिकार एवं लोकतांत्रिक सिद्धान्त, सिविल समाज और मानव अधिकार। केंद्र नवप्रवर्तनकारी शिक्षण एवं शोध के द्वारा दो पाठ्यक्रम एम.ए. तथा एम.फिल./पी–एच.डी. चलाता है, जिनमें मुख्यतः तीन क्षेत्रों – राजनीतिक दर्शनशास्त्र और सिद्धान्त, भारतीय राजनीतिशास्त्र और तुलनात्मक राजनीतिशास्त्र/अन्तरराष्ट्रीय सम्बन्ध पर विशेष बल दिया जाता है। केंद्र एम.ए. पाठ्यक्रम के लिए 12 अनिवार्य कोर्स और कुछ वैकल्पिक कोर्स चलाता है। एम.फिल स्तर पर केंद्र तीन अनिवार्य कोर्स और विशेषीकृत वैकल्पिक कोर्स चलाता है।

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र

नये कोर्स/कोर्सों का पुनर्गठन आदि

केंद्र के शोध एवं शिक्षण कार्यक्रम मुख्यतः तीन स्ट्रीम – अर्थशास्त्र, भूगोल तथा जनसंख्या – पर आधारित हैं। प्रत्येक स्ट्रीम के एम.फिल. छात्र को अपने संबंधित क्षेत्र में कुछ अनिवार्य कोर्स और उनके सम्भावित शोध क्षेत्र से सम्बन्धित कुछ वैकल्पिक कोर्स करने होते हैं। हाल में, 4 क्रेडिट वाले कई कोर्सों की पुनर्सरचना करके उन्हें 2 क्रेडिट वाले कोर्स बना दिया है ताकि छात्रों को अधिक से अधिक वैकल्पिक कोर्स करने का अवसर मिल सके। इस प्रकार कोर्सों को संस्थान द्वारा निर्धारित क्रेडिट संख्या के अनुसार रखते हुए छात्रों को क्षेत्रीय विकास के अनुप्रयुक्त क्षेत्रों की अधिकाधिक जानकारी मिल सकेगी। कुल मिलाकर 23 कोर्सों की पुनर्सरचना की गई है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केंद्र में विजिटिंग प्रोफेसर

कोलकाता से प्रो. सुनील मुंशी 24 से 27 अक्टूबर 2005 तक केंद में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में रहे और कई व्याख्यान दिए।

कोई अन्य सूचना

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अपने विशेष सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र को 'उच्च अध्ययन केंद्र' मानते हुए वर्ष 2003 से 4 वर्ष के लिए (2003–2007) अनुदान राशि मंजूर की है। केन्द्र द्वारा विशेष सहायता कार्यक्रम के दो चरण पूरे करने के बाद भविष्य में उच्च स्तरीय शोध के लिए अपनी समर्थता को सिद्ध करते हुए निम्नलिखित थ्रस्ट एरिया की पहचान की गई है –

i) क्षेत्रीय विकास और नियोजन

ii) सामाजिक भूगोलशास्त्र/जनसंख्या

iii) जी.आई.एस. का विकास/रिमोट सेंसिंग कोर्स और अनुप्रयोग सुविधाएं

समीक्षाधीन अवधि के दौरान कार्यक्रम के शिक्षक समन्वयक और उप समन्वयक क्रमशः ए.एच.किदवई और सुदेश नागिया थीं।

केंद्र की भावी योजनाएं

केंद्र की भावी योजनाओं में शामिल हैं – केंद्र के थ्रस्ट एरिया में नये अनुप्रयोग तथा पद्धतियां और उभरती जनसांख्यिकीय और जनसंख्या, अर्थशास्त्र, पर्यावरण एवं समाज से सम्बन्धी समस्याओं के संदर्भ में एम.ए. और एम.फिल./पी–एच.डी. कोर्सों की पुनर्संरचना की गई है।

सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र

संस्थान/केंद्र द्वारा शुरू किए गए नए कोर्स (नियमित व उपचारात्मक)

- हैल्थ, कल्चर ऐंड सोसायटी (एम.फिल. वैकल्पिक कोर्स)

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केंद्र द्वारा आयोजित सम्मेलन/कार्यशालाएं

- वी. सुजाता ने 7 फरवरी 2006 को 'साइंस, स्टेट ऐंड सोसायटी' विषयक क्रास–डिसिप्लिनरी डायलाग सीरीज का आयोजन किया।
- एम.एन. पाणिनी ने 27–28 जनवरी 2006 को 'टुवर्डस ए सोसिओलाजी आफ साउथ एशिया' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।
- अविजित पाठक ने 9 अगस्त 2005 को एम.ए. पाठ्यक्रम के छात्रों के लिए एक अनुशीलन कार्यक्रम का आयोजन किया।
- वी. सुजाता और हरीश नारायण दास ने 24–25 फरवरी 2006 को 'बैक टु द फ्यूचर : इंडीजिनश सिस्टम्स आफ मेडिसन इन कंटेम्पोरेरि इंडिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. अम्बेदकर चेयर द्वारा 7–8 मार्च 2006 को 'एज्युकेशन ऐंड सोशल जस्टिस : इश्युज ऐंड आप्शंस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केंद्र के दौरे पर आए अतिथि

1. डा. मोनिरूल हुसैन, राजनीतिक विज्ञान विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, 22 जुलाई से 4 अगस्त 2005 तक केंद्र के दौरे पर आए।

2. प्रो. वाई.सी. सिमहाद्री 3 विश्वविद्यालयों के पूर्व कुलपति – आंध्रा विश्वविद्यालय, नागरगुना विश्वविद्यालय, और बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, 8 से 22 अगस्त 2005 तक केंद्र के दौरे पर आए।

3. प्रो. एन. राजाराम, समाजशास्त्र विभाग, एम.एस. वदोदरा विश्वविद्यालय, बदोदरा, सितम्बर 2005 को केंद्र के दौरे पर आए।

4. डा. कामेश्वर चौधरी, ग्रामीण प्रबन्धन संस्थान, आनन्द, 16 से 30 नवम्बर 2005 तक केंद्र के दौरे पर आए।

5. डा. लारेट पोर्डी, पांडिचेरी फ्रेंच इंस्टीच्यूट, पांडिचेरी, 13 से 27 फरवरी 2006 तक केंद्र के दौरे पर आए।

6. डा. बोइके रहबीन, इंस्टीच्यूट फुर सोजिआलाजी, अल्बर्ट लुडविग यूनिवर्सिटी, फ्रीबर्ग, जर्मनी, 20 फरवरी से 8 अप्रैल 2006 तक केंद्र के दौरे पर आए।

कोई अन्य सूचना

केंद्र का ए.एस.आई.एच.एच. कार्यक्रम चल रहा है। इसके अन्तर्गत केंद्र ने एक विभागीय पुस्तकालय की स्थापना की और शिक्षकों को क्षेत्रीय कार्य के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई। केंद्र ने संगोष्ठियां और कार्यशालाएं भी आयोजित कीं। हमने प्रतिष्ठित विद्वानों को भी आमंत्रित किया।

केंद्र की भावी योजनाएं

केंद्र की भविष्य में विशेषीकृत नये संकाय सदस्यों की नियुक्ति के बाद नये कोर्स चला कर अपने शैक्षिक कार्यक्रमों में प्रसार करना चाहता है। हम आशा करते हैं कि निकट भविष्य में केंद्र छात्रों, शोधार्थियों और शिक्षकों के लिए संगत सैद्धांतिक और मौलिक समाजशास्त्रीय ज्ञान के साथ–साथ उभरते मामलों के प्रति अपनी वचनबद्धा को पूरा करेगा।

विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र

अन्तरविषयक शिक्षण एवं शोध के लिए विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र पूरे देश में अकेला केंद्र है। केंद्र का मुख्य उद्‌देश्य शिक्षण, शोध एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाना हैं इन गतिविधियों का मुख्य उद्‌देश्य ऐसे अनुभव–सिद्ध एवं सैद्धान्तिक ज्ञान की खोज करना ताकि शैक्षिक एवं नीतिसंगत दोनों क्षेत्रों से विज्ञान–प्रौद्योगिकी समाज के परस्पर प्रभावों की समझ में वृद्धि हो सके।

विज्ञान नीति अध्ययन एक अन्तरविषयक क्षेत्र है जिसमें सामाजिक, प्राकृतिक और इंजीनियरी के विज्ञान विषयों का अध्ययन किया जाता है ताकि विज्ञान–प्रौद्योगिकी समाज के बीच परस्पर प्रभावों की अधिकाधिक जानकारी हासिल की जा सके।

इसमें विज्ञान और प्रौद्योगिकी का समाज पर प्रभाव और समाज का विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर प्रभाव का अध्ययन किया जाता है।

केंद्र विज्ञान और प्रौद्योगिकी नीतियों से संबंधित क्षेत्रों के शिक्षण एवं शोध पर विशेष बल देता है। इनमें शामिल हैं – नवप्रवर्तनकारी नीतियां, विज्ञान और प्रौद्योगिक का समाजशास्त्र; विज्ञान और प्रौद्योगिकी का सामाजिक इतिहास; प्रौद्योगिकीय परिवर्तनों और नवप्रवर्तनकारी अध्ययनों का अर्थशास्त्र; प्रौद्योगिकी भविष्य का अध्ययन; विज्ञान और प्रौद्योगिकी में जेंडर अध्ययन; विकास हेतु विज्ञान और प्रौद्योगिकी; विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अन्तरराष्ट्रीय मामले; और बौद्धिक सम्पत्ति अधिकार का प्रबन्धन।

शैक्षिक वर्ष 2005–06 के दौरान केंद्र ने अपने वर्तमान कोर्स कार्य और क्रेडिट सिस्टम में संशोधन किया है। वर्तमान कोर्स संरचना में संशोधन करने के मुख्य दो उद्‌देश्य हैं। पहला कारण इस विशेषीकृत क्षेत्र में उपलब्ध नये साहित्य को शामिल करते हुए इन कोर्सों को अद्यतन बनाना है। दूसरा, केंद्र की क्रेडिट संरचना संस्थान की क्रेडिट संरचना के साथ मेल खानी अपेक्षित है। केंद्र एकरूप क्रेडिट संरचना उपलब्ध करा कर आशा करता है कि अन्य संस्थानों के केंद्रों के छात्र भी इन कोर्सों को पढ़ने के लिए आएंगे। इस तरह

विश्वविद्यालय में अन्तरविषयक प्रकृति के शोध को बढ़ावा मिलेगा। पहले सभी कोर्स 3 क्रेडिट के थे। वर्तमान कोर्सों को 4 क्रेडिट वाले कोर्सों में परिवर्तित किया जा रहा है।

एक संकाय सदस्य ने फुलब्राइट कार्यक्रम के अन्तर्गत विजिटिंग शिक्षक के रूप में आवेदन किया है। दो विदेशी छात्रों ने शोध सम्बद्धता के लिए आवेदन किया है।

केंद्र द्वारा प्रदान की गई उपाधियां

केंद्र एम.फिल./पी–एच.डी. उपाधि के लिए एक पाठयक्रम चलाता है। सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम में भी प्रवेश दिया जाता है। एम.फिल/पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों की पाठ्यचर्या विभिन्न उद्देश्यों की पूर्ति करने की दृष्टि से तैयार की गई है। यह पाठ्यचर्या छात्रों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी और समाज के बीच परस्पर–क्रिया से अवगत कराती है और साथ ही छात्रों में सामाजिक और आर्थिक समस्याओं तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीतियों की जटिलताओं से सम्बन्धित समझ विकसित करती है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केंद्र द्वारा चलाए गए निम्नलिखित नये कोर्स

शीर्षक	अनिवार्य/वैकल्पिक	क्रेडिट
एनालिसिस इन साइंस ऐंड टेक्नोलाजी पालिसी	अनिवार्य	4
साइंस ऐंड टेक्नोलाजी इन सोशल कनटेक्स्ट	अनिवार्य	4
रिसर्च मैथडालाजी	अनिवार्य	4
टेक्नोलाजी फ्यूचर्स एनालिसिस	वैकल्पिक*	4
इकोनामिक्स आफ टेक्नोलाजिकल चैंज इन		
इनोवेशन सिस्टम	वैकल्पिक*	4

* छात्र दो वैकल्पिक कोर्सों में से कोई एक कोर्स चुन सकते हैं।

केंद्र ने शीतकालीन सत्र–2006 में भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान के स्नातक छात्रों के लिए 'साइंस, टेक्नोलाजी ऐंड सोसायटी इंटरक्शंस (कोड नं. एस.पी 201 पी) शीर्षक कोर्स चलाया। यह कोर्स डा. माधवगोविन्द द्वारा तैयार किया गया।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केंद्र द्वारा आयोजित सम्मेलन/संगोष्ठियां

- कमल मल्होत्रा, वरिष्ठ सलाहकार, यू.एन.डी.पी., ने 24 अगस्त 2005 को 'इज इम्पोर्ट इनटेनसिटी असेंशियल फार ग्रोथ ? : टेक्नोलाजिकल आप्शंस ऐंड इकोनामिक डिवलपमेंट' विषयक संगोठी आयोजित की।
- हिमांशु ठक्कर, समन्वयक, एस.ए.एन.डी.आर.पी. (साउथ एशिया नेटवर्क आन डैम्स, रिवर्स ऐंड पीपल्स और सम्पादक – डैम, रिवर्स ऐंड पीपल) ने 21 सितम्बर 2005 को 'साइंस ऐंड हाइड्रोलाजी : डिबेटिंग द इंटर–लिकिंग रिवर्स प्रोजेक्ट इन इण्डिया' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- त्रिलोकनाथ मिश्रा (ब्रिटिश चिवेनिंग स्कालर), सहायक निदेशक, राज्यसभा, भारतीय संसद, ने 28 सितम्बर 2005 को 'अकांउंटेबिलिटी, साइंस ऐंड टेक्नोलाजी : डिबेटिंग द रोल आफ द पार्लियामेंट स्टेंडिंग कमेटी इन इण्डिया' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

- प्रो. कार्ल मार्टिन आलवुड, डिपार्टमेंट आफ साइक्लोजी, लुंड विश्वविद्यालय, लुंड स्वीडन, ने 5 अक्टूबर 2005 को 'रिसचर्स च्वाइस ऐंड हेंडलिंग आफ थेअर रिसर्च प्राब्लम्स' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- सुजीत भट्टाचार्य, विज्ञानी, भारतीय विज्ञान प्रौद्योगिकी और विकास अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली, ने 16 नवम्बर 2006 को साइटोमीट्रिक्स ऐंड इट्स रेलिवेंस फार स्टडीज इन साइंस पालिसी' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. शांता लियानेज, परियोजना निदेशक, टेक्नोलाजी, इनोवेशन ऐंड नालेज मैनेजमेंट यूनिवर्सिटी आफ आकलैण्ड बिजनेस स्कूल, न्यूजीलेण्ड, ने 23 नवम्बर 205 को 'मैनेजमेंट आफ नालेज क्रिएशन प्रोसेसः इंप्लिकेशन फार यूनिवर्सिटीज' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. विक्रम सोनी, भौतिकशास्त्र विभाग, एन.पी.एल., नई दिल्ली और प्रो. देशदीप सहदेव, भौतिकशास्त्र विभाग, आई.आई.टी. कानपुर ने 1 फरवरी 2006 को 'सेविंग द रिज : सिटीजनंस वर्सेस डिवलपर्स' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. एस. नतेश, सलाहकार, जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली ने 8 फरवरी 2006 को 'बायोटेक्नोलाजी ऐंड इट्स इंप्लिकेशंस फार सोसायटी ऐंड डिवलपमेंट' और 'बायोटेक्नोलाजी ऐंड इट्स इंप्लिकेशंस फार सोसायटल गुड' विषयक संगोष्ठियां आयोजित कीं।
- प्रो. वी.वी. कृष्णा, सी.एस.एस.पी., जेएनयू, नई दिल्ली ने 15 फरवरी 2006 को 'डायनेमिक्स ऐट द सेक्ट्रल सिस्टम आफ इनोवेशन : इण्डियन एक्सपिरियंस आफ साफ्टवेयर, बायोटेक्नोलाजी ऐंड फार्मेस्युटिकल्स' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. पवन सिक्का, पूर्व सलाहकार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार नई दिल्ली, ने 22 फरवरी 2006 को 'टेक्नोलाजिकल डिवलपमेंट ऐंड द गवर्नमेंट : डिबेटिंग पालिसी' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. आनंद पटवर्धन, कार्यपालक निदेशक, (टी.आई.एफ.ए.सी.), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली ने 1 मार्च 2006 को 'स्टेटस आफ टेक्नोलाजिकल फोरकास्टिंग इन इण्डिया : इश्युज ऐंड चैलेंजिस' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- मंजरी महाजन, शोधार्थी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, कार्नेल विश्वविद्यालय, न्यूयार्क, ने 23 मार्च 2006 को 'एड्स पालिसीज, साइंस ऐंड सिटीजनशिप इन पोस्ट–एपार्थिड साउथ अफ्रीका' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।
- डा. सुजीत भट्टाचार्य, विज्ञान, राष्ट्रीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी और विकास संस्थान, नई दिल्ली, ने 29 मार्च 2006 को 'इण्डियन पेटेंटिंग एक्टिविटी इन इंटरनेशनल ऐंड डोमेस्टिक पेटेंट सिस्टम : कनटेम्पोरेरि सिनारिओ' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केंद्र में आए अतिथि

- चीनी विद्वानों के एक शिष्टमण्डल ने 18 नवम्बर 2005 को केंद्र का दौरा किया। शिष्टमण्डल में शामिल थे – महामहिम प्रो. फांग शिन, वाइस चेयर आफ चाइनीज अकादमी आफ साइंस (सी.ए.एस.), बिजिंग; प्रो. (डा.) यू जिआंग, इंस्टीट्यूट आफ पालिसी ऐंड मैनेजमेंट, सी.ए.एस. बिजिंग, प्रो. सांग क्वी, इंस्टीट्यूट आफ पालिसी ऐंड मैनेजमेंट, सी.ए.एस., बिजिंग

छात्रों की उपलब्धियां

- निमेश चन्द्र ने टुरिन, इटली में 18–21 मई 2005 तक आयोजित 5वीं ट्रीपल हेलिक्स सम्मेलन में 'नालेज इंटरमिडिअरीज इन ग्लोबलाइनिंग इण्डिया : द केस आफ आई.आई.टी. दिल्ली' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- छवि लिआन, गेंट यूनिवर्सिटी, बेलजियम ने अगस्त 2005 में 'बायोसेफ्टी रेग्यूलेशन ऐंड असेसमेंट आफ एग्रीक्लचरल बायोटेक्नालाजी' विषयक ग्रीष्मकालीन कोर्स के लिए देशभर के 160 उम्मीदवारों में से चुने 12 उम्मीदवारों में एक थी।

- छवि लिआन ने नीदरलेण्ड स्थित एक वैज्ञानिक – पब्लिक रिसर्च ऐंड ए रेग्यूलेट्री इनिशिएटिव की एक प्रतिनिधि के रूप में ब्राजील में आयोजित 'कार्टाजीन प्रोटोकाल आन बायो सेफ्टी इन कर्टिबा' विषयक यू.एन. सम्मेलन में भाग लिया, मार्च 2006
- छवि लिआन व (सचिन चतुर्वेदी) ने 'बायोसेफ्टी प्रोटोकाल, इंटरनेशनल ट्रेड ऐंड एग्रीकल्चरल बायोटेक्नालाजी पालिसी इंटरफेसिस फार इण्डिया' विषयक आर.आई.एस. आलेख प्रस्तुत किया, नई दिल्ली, सितम्बर 2005
- छवि लिआन, बायोसेफ्टी इन इण्डिया : रिथिंकिंग जी.एम.ओ. रेग्यूलेशन, 'इकोनोमिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग–40, अंक–39, 24 सितम्बर 2005
- देवज्योति दास ने नागपुर में 21–23 फरवरी 2006 को आयोजित 'ह्यूमन रिस्पांस टु वाटर क्राइसिस' विषयक संगोष्ठी में 'माजुली इन पेरिल : कनटेस्टिंग द स्टेट पालिसी इन फ्लड कंट्रोल' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- देवज्योति दास ने जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता में 2–3 मार्च 2006 को आयोजित 'हिस्ट्री आफ वाटर्स इन साउथ एशिया' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'माजुली इन पेरिल ' डिकंस्ट्रक्टिंग द डोमिनेंट डिस्कोर्स आन स्ट्रक्चरल मैजर्स टु कंट्रोल फ्लड्स (1950–2000)' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- देवज्योति दास, 'इण्डिया'ज एनर्जी फ्यूचर : ए नीड फार मल्टीलेटरल आयल डिप्लोमेसी ऐंड एनर्जी मिक्स' ओ.आर.एफ. एनर्जी न्यूज मानिटर, भाग–2, अंक–5, 29 जुलाई 2005
- विजय कुमार साहू ने बोगर कृषि विश्वविद्यालय, बोगर, इंदोनेशिया में 23–29 जनवरी 2006 को आयोजित 'होलिस्टिक फाउंडेशंस फार असेसमेंट ऐंड रेग्यूलेशन आफ जेनेटिक इंजीनियरिंग ऐंड जेनेटिकली माडिफाइड आर्गेनिज्म' शीर्षक सब रीजनल कोर्स फार साउथ ईस्ट एशिया, अन्तरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- विजय कुमार साहू ने 15 सितम्बर 2005 को इण्डियन सोसायटी आफ इंटरनेशल ला (एस.आई.एल.), नई दिल्ली में 'ट्रिप्स, डब्ल्यू. टी.ओ. ऐंड इण्डिया' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- विजय कुमार साहू ने बोगर कृषि विश्वविद्यालय, इंदोनेशिया, में 25 जनवरी 2006 को 'रेग्यूलेशन आफ जी.एम.ओ'स ऐंड कास्ट बेनिफिट एनालिसिस आफ बी.टी. ऐंड नान काटन बी.टी. इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

केंद्र की भावी योजनाएं

निकट भविष्य में केंद्र 11वीं पंचवर्षीय योजना में अपने अन्तरविषयक शोध कार्य का विस्तार निम्नलिखित शोध एवं शिक्षण क्षेत्रों में करने की योजना बना रहा है –

- शोध एवं विकास का भूमंडलीकरण और अन्तरराष्ट्रीयकरण तथा उच्च शिक्षा संस्थान – उद्योग पर प्रभाव
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सक्षमता का साइटोमिट्रिक्स और मूल्यांकन
- मानव संसाधन नियोजन तथा प्रौद्योगिकीय नव परिवर्तनों का एकीकरण
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी अध्ययन में जोखिम एवं नीतिशास्त्र
- प्रौद्योगिकी, पर्यावरणवाद और सतत् विकास
- बौद्धिक सम्पदा अधिकार और डि–रेग्यूलेशन के युग में अन्य रेग्यूलेट्री मैकेनिज्म्स

सामाजिक चिकित्साशास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

नए कोर्स

- कम्पेरिटिव हैल्थ सिस्टम्स – इनक्लुडिड कनाडा ऐज एन अडिशनल कंट्री फार कम्पेरिजन
- 'एस.एम. 619 रूरल हैल्थ सर्विसिज' कोर्स में संशोधन किया गया।

केंद्र द्वारा आयोजित संगोष्ठियां/सम्मेलन

- के.आर. नायर ने 3–4 अक्टूबर 2005 को नई दिल्ली में 'ई–लर्निंग इन पब्लिक हैल्थ' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।
- रामा बारू और के.आर. नायर ने 3–4 मार्च 2006 को नई दिल्ली में 'सोशल इनइक्वेलिटीज ऐंड हैल्थ' विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केंद्र में आए अतिथि

केंद्र में निम्नलिखित अतिथि आए और उन्होंने व्याख्यान दिए तथा शिक्षकों, छात्रों और शोधार्थियों के साथ परस्पर विचारों का आदान प्रदान किया।

- प्रो. रोजर जेफरी, यूनिवर्सिटी आफ एडिनबर्ग
- प्रो. ओलिवर रजुम, यूनिवर्सिटी आफ बिलेफील्ड, जर्मनी
- प्रो. राल्फ उलरिख, यूनिवर्सिटी आफ बिलेफील्ड, जर्मनी
- प्रो सेवल आकगुन, बासकंत यूनिवर्सिटी, अकांरा, टर्की
- प्रो. रेनहार्ड हस, यूनिवर्सिटी आफ लीड्स, यू.के.
- प्रो. पालीन मजूमदार, यूनिवर्सिटी आफ टोरन्टो
- प्रो. रोबिना भट्टी, ग्लोबल स्टडीज डिपार्टमेंट, केलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी
- श्री दुनु राय, हेजार्ड सेंटर, नई दिल्ली
- डा. पूर्णामिता दासगुप्ता, डिवलपमेंट प्लानिंग सेल, इंस्टीट्यूट आफ इकोनामिक ग्रोथ, दिल्ली विश्वविद्यालय
- डा. आर.सी. पटनायक, सी.एम.ओ. (हैल्थ इनफार्मेटिक्स), दिल्ली नगर निगम
- डा. सी. सत्यमाला, वरिष्ठ फेलो, मानव विकास संस्थान
- डा. अर्जिता दत्ता, कोलकाता विश्वविद्यालय

कोई अन्य सूचना

केंद्र के सहयोगात्मक प्रबंध

- यूनिवर्सिटी आफ शीफील्ड, यू.के. के साथ ग्लोबल सोशल पालिसी प्रोग्राम पर
- यूनिवर्सिटी आफ बेलफेल्ड, जर्मनी और बेसकेत यूनिवर्सिटी टर्की के साथ 'ई–लर्निंग इन पब्लिक हैल्थ' विषय पर

जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र

वर्ष 1973 में स्थापित जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र का मुख्य उद्देश्य सामाजिक विज्ञान में बहु–विषयक परिप्रेक्ष्य में शोध एवं शिक्षण कार्यक्रम चलाना है। केंद्र के पाठ्यक्रम अन्य विश्वविद्यालयों के परम्परागत शैक्षिक विभागों की तुलना में भिन्न है। केंद्र को वर्ष 1993 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विशेष सहायता विभाग का दर्जा प्रदान किया गया। इस विशेष सहायता विभाग कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रदान किए जाने वाले अनुदान को वर्ष 1999 से नवीकरण कर दिया गया।

केंद्र के थ्रस्ट एरिया हैं – 1 उच्च शिक्षा में नीति, नियोजन और प्रबन्धन; 2 ज्ञानवर्धन, विस्तार और दक्षता विकास में शिक्षा की भूमिका; 3 शिक्षा में समानता एवं विशिष्टता तथा 4 ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में शिक्षा, संस्कृति और समाज। अन्तरविषयक शिक्षण एवं शोध के प्रति केंद्र की प्रतिबद्धता और छात्रों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अध्ययन हेतु ये थ्रस्ट एरिया जरूरी हो गए हैं। विज्ञान और गणित के सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयामों, बहु–संस्कृतिवाद, व्यक्तिगत ज्ञान और सामाजिक दायित्व से सम्बन्धित मामलों को शामिल करने से शोध क्षेत्रों में विस्तार हुआ है।

यह उल्लेखनीय है कि केंद्र के शिक्षकों ने अपनी योग्यता से शोध और अनुप्रयोग का मिश्रण करके यह सिद्ध कर दिया है कि सिद्धान्त तथा अनुप्रयोग का परस्पर सहजीवी संबंध है। एक शिक्षक का शोध कार्य पुस्तकालीय पुस्तकों से लेकर प्रयोगाश्रित परियोजनाओं जैसे राजस्थान में गरीबी, सामाजिक विभेदन और दलित बच्चों की शिक्षा : मानव अधिकार शिक्षा; अनौपचारिक शिक्षा, विज्ञान शिक्षा के सामाजिक एवं सांस्कृतिक पक्ष, शिक्षा का इतिहास, इसके प्रशासनिक और सामाजिक आयाम, मानव पूंजी की वापसी; दूसरी पीढ़ी के ब्रेन ड्रेन के प्रभाव, भारत में माध्यमिक शिक्षा की वित्त व्यवस्था, भारत में विश्वविद्यालय तक विस्तार लिए हुए है।

इसके अतिरिक्त, पिछले कुछ वर्षों से केंद्र बच्चों की प्रारम्भिक शिक्षा में संलग्न संस्थानों और संगठनों के परस्पर सहयोग और नेटवर्क स्थापित करने की जरूरत महसूस कर रहा है। केंद्र अपने शोध विशेषीकरण को शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे नये विकास, विशेषकर गैर–सरकारी संगठनों द्वारा लागू किए जा रहे नवप्रवर्तनकारी कार्यक्रमों के साथ–साथ शिक्षा के विकास को सुदृढ़ बनाने के प्रयोग किए जा रहे नेटवर्क आदि के लिए उपयोग कर सकता है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केंद्र में आए अतिथि

- डा. रोबर्ट एम. क्लासन, शिक्षा मनोविज्ञान विभाग, अल्बेर्टा विश्वविद्यालय, एडमॉनटन, अल्बेर्टा, कनाडा
- प्रो. जी.जी. बानखेडे, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुम्बई
- डा. रजिंदर सिंह, ओल्डेनबर्ग विश्वविद्यालय फेकल्टी–5, इंस्टीट्यूट आफ फिजिक्स, ई.एच.एफ. रिसर्च ग्रुप भौतिकशास्त्र, शिक्षा/इतिहास और विज्ञान का दर्शनशास्त्र, जर्मनी

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केंद्र द्वारा आयोजित व्याख्यान/संगोष्ठियां

केंद्र ने वर्ष के दौरान निम्नलिखित विभिन्न सुप्रसिद्ध विद्वानों के व्याख्यान/संगोष्ठियां आयोजित कीं :

- ध्रुव रैना ने 24 अक्टूबर 2005 को 'कल्चर्स आफ नालेज' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।
- गीता बी. नाम्बिसन और एस. श्रीनिवासन राव ने 9–10 मार्च 2006 को करूणा चानना के सम्मान में 'सोशलाजी आफ एज्यूकेशन : लुकिंग बैक, लुकिंग अर्हेड' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।
- प्रो. विबे ई. बिजकर, मासट्रिक्ट यूनिवर्सिटी, नीदरलैण्ड ने 25 जुलाई 2005 को 'अर्निंग ऐंड एज्यूकेशन : की एलिमेंट्स फार द डेमोक्रेटाइजेशन आफ टेक्नालाजिकल कल्चर' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. माया उन्नीथन, ससेक्स यूनिवर्सिटी ने 1 सितम्बर 2005 को 'ए हिस्ट्री आफ मेडिकल एंथोपालोजी' विषयक व्याख्यान दिया।

- प्रो. अजीत के मोहन्ती, जा.शै.अ.के., सा.वि.सं/जेएनयू, ने 10 अगस्त 2005 को 'मल्टीलिंग्युलीज्म आफ द अनइक्वेल्स : लैंग्युवेज, पावर ऐंड निगोसिएशन आफ आइडेंटिटीज' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. कविता फिलिप्स, महिला अध्ययन कार्यक्रम, यूनिवर्सिटी आफ केलिफोर्निया, ने 17 अगस्त 2005 को 'अदर लोकेशंस : थींकिंग पालिटिकली इन सांइस ऐंड टेक्नोलाजी स्टडी' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. अनिता रामपाल, सी.आई.ई., दिल्ली विश्वविद्यालय ने 7 सितम्बर 2005 को 'बार्डर क्रासिंग : साइंस ऐड सोशल स्टडीज इन द प्राइमरी स्कूल सिलेबस' विषयक व्याख्यान दिया।
- कपिल राज एसोसिएट प्रोफेसर, Ecole des Hautes en Science Sociales, पेरिस, ने निम्नलिखित चार व्याख्यान दिए :
  - 'रिलोकेटिंग माडर्न सांइस : सरकुलेशन ऐंड कंस्ट्रक्शन आफ साइंटिफिक नालेज, साउथ एशिया ऐंड यूरोप (17थ–19थ सेंचुरीज)' 9 सितम्बर 05
  - 'सर्जन्स, फकीर्स, मर्चेंट्स ऐंड क्राफ्ट्समैन : मैकिंग एल' एम्परर'स जार्डिन इन अर्ली मार्डन साउथ एशिया', 16 सितम्बर 2005
  - 'सरकुलेशन ऐंड लायल्टी इन सांइस : मैपिंग द जिओग्राफी आफ साउथ ऐंड सेंट्रल एशिया, 18थ–19थ सैंचुरीज, 23 सितम्बर 2005
- प्रो. वी.एन. राजशेखरन पिल्ले, उपाध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, ने 14 सितम्बर 2005 को 'एज्यूकेशन, सोसायटी ऐंड डिवलपमेंट : द टेक्स्ट ऐंड द कनटेक्स्ट' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. पूनम बतरा, मौलाना आजाद प्रारम्भिक एवं सामाजिक शिक्षा केंद्र, केन्द्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, ने 4 अक्टूबर 2005 को 'लर्निंग इंग्लिश इन प्राइमरी स्कूल इश्युज इन पेडागॉगी' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. लिडिआ रोड्रिग्स, शिक्षा विभाग, यूनिवर्सिटी आफ कैस्टिला, स्पेन ने 10 नवम्बर 2005 को 'स्पीच ऐंड लैंग्वेज डिस्एबिलिटीज : ए सोशिओकंस्ट्रक्टिविस्टिक अप्रोच' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. सुनीत वर्मा, मनोविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, ने 6 जनवरी 2006 को 'द पैराडिग्म डायलाग इन साइक्लोजी ऐंड एज्यूकेशन : सम रिफ्लेक्शंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. एल. देवकी, केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर, ने 10 जनवरी 2006 को 'मदर टंग एज्यूकेशन : द इण्डियन पैडागागिकल कनटेक्स्ट' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. जे.पी. दास, सेंटर फार डिवलपमेंटल डिसेबिलिटी, डिपार्टमेंट आफ एज्यूकेशनल साइक्लोजी, यूनिवर्सिटी आफ अल्बेर्ता, कनाडा, ने 12 जनवरी 2006 को 'फेयर टेस्ट आफ इंटेलिजेंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. मिनाती पांडा, जा.हु.शै.अ.के., ने 18 जनवरी 2006 को 'कल्चरल रूट्स आफ मैथमेटिकल कागानिशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. रेवा जोशी, सहायक प्रोफेसर, सह–निदेशक, सेंटर फार लीडरशिप ऐंड डाइवर्सिटी, डिपार्टमेंट आफ थीअरि ऐंड पालिसी स्टडीज, ओनटारियो इंस्टीट्यूट आफ स्टडीज इन एज्यूकेशन, यूनिवर्सिटी आफ टोरन्टो, कनाडा, ने 25 जनवरी 2006 को 'मल्टीकल्चरल पालिसीज इन एज्यूकेशन इन कनाडा ऐंड यू.एस.ए. : ए कम्पेरिटिव व्यु' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. मीनाकेतन पाणि, विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग, राजकीय महिला महाविद्यालय, देनकेनाल, उड़ीसा, ने 27 जनवरी 2006 को 'रीडिंग अचीवमेंट आफ अटेंशन डेफिशिट हाइपरक्टिव डिसार्डर चिल्ड्रन : ए क्रिटिकल रिव्यु' विषयक व्याख्यान दिया।

- डा. जी.सी. पाल, यू.एस.आर.एन. परियोजना, जा.हु.शै.अ.के., ने 31 जनवरी 2006 को 'मिसकनसेप्शंस इन मैथमेटिकल्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. रोबर्ट एम. क्लासन, डिपार्टमेंट आफ एज्यूकेशनल साइक्लोजी, यूनिवर्सिटी आफ अल्बेर्ता, एडमोटन, अल्बेर्ता, कनाडा, ने निम्नलिखित दो व्याख्यान दिए –
  - 'अकादमिक मोटिवेशन इन डाईवर्स सेटिंग्स' 1 मार्च 2006
  - 'मिक्स्ड रिसर्च डिजाइंस', 2 मार्च 2006
- प्रो. जी.जी. वानखेडे, शैक्षिक सामाजिक अध्ययन केंद्र, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, देवनार, मुम्बई, ने 16 मार्च 2006 को 'एज्यूकेशन आफ द दलित्स : ए क्रिटिक आफ द इश्युज ऐंड चैलेंजिस' व्याख्यान दिया।
- एइजा किमोनन ऐंड रायमो नवलेनन, जे.वाई.यू./आर.आई.सी.ई. परियोजना, यूनिवर्सिटी आफ जिवास्कीला, फिनलेण्ड, ने 22 मार्च 2006 को 'टीचर प्रोफेशनलीज्म इन द प्रोसेस आफ एज्यूकेशनल चेंज' विषयक व्याख्यान दिया।
- डा. रजिंदर सिंह, यूनिवर्सिटी आफ आल्डनबर्ग, जर्मनी ने 29 मार्च 2006 को 'रेप्लिकेशन आफ साइंटिफिक इंस्ट्रूमेंट ऐंड इट्स रोल इन एज्यूकेशन ऐंड हिस्ट्री आफ साइंस' विषयक व्याख्यान दिया।

विशेष सहायता विभाग के अन्तर्गत क्षेत्रीय शोध अध्ययन

- अजीत के. मोहन्ती, 'एथनोलिग्विस्टिक विटालिटी ऐंड लेंग्यूवेज मैंटेंनेंस स्ट्रेटिजिक आफ लिंग्विस्टिक माइनारिटी ग्रुप्स : ए कम्पेरिटिव स्टडी आफ बोडो ऐंड कोंड ट्राईब्स', 6–10 जनवरी 2006
- दीपक कुमार, 'मैडिकल एज्यूकेशन ऐंड रिसर्च इन क्लोनिअल इण्डिया', 26–31 जनवरी 2006 और 2–11 मार्च 2006
- मिनाती पण्डा, 'ओन्टोलाजिकल क्वालिटीज आफ मैथमेटिकल एक्सपिरियंसिस : ए कम्पेरिजन आफ टु कल्चर्स' 6–20 मार्च 2006

केंद्र की भावी योजनाएं –

केंद्र की निम्नलिखित क्षेत्रों के शिक्षण और शोध की योजना है –

- मेटाथीअरीज आफ नालेज
- इक्विटी, डाइवर्सिटी ऐंड एज्यूकेशन इन मल्टीकल्चरल सोसायटीज
- पालिसी, प्लानिंग ऐंड मैनेजमेंट आफ हायर एज्यूकेशन
- प्राइवेटाइजेशन, ग्लोबलाइजेशन, ऐंड इंटरनेशनल माइग्रेशन

केंद्र उपरोक्त थ्रस्ट एरिया के संदर्भ में कुछ चुने हुए क्षेत्रों में शोध कार्य शुरू करने की योजना बना रहा है। केंद्र कई नए कोर्स भी शुरू करना चाहता है, जबकि संस्थान स्तर पर एम.ए. छात्रों के लिए तीन कोर्स पहले से ही चल रहे हैं।

भेदभाव एवं अपवर्जन अध्ययन हेतु कार्यक्रम

भे.अ.अ. संस्थान स्तर का कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य भारतीय समाज में भेदभाव एवं अपवर्जन की जानकारी एकत्रित करना और उसका विश्लेषण करना है। यह कार्यक्रम मुख्यतः अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यकों के विशेष संदर्भ में जाति, जनजाति और धर्म के आधार पर भेदभाव एवं अपवर्जन के अध्ययन पर केंद्रित है। भेदभाव एवं अपवर्जन ने समाज के कुछ वर्गों की आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक जीवन में प्रतिभागिता को नकारते हुए उन्हें हाशिए पर ला दिया है। समाज

की बदलती परिस्थितियों में अपवर्जन के वैचारिक एवं राजनीतिक आधार को स्पष्ट रूप से समझने की जरूरत है। इन प्रक्रियाओं का व्यापक मूल्यांकन भेदभाव एवं अपवर्जन का सामना कर रहे वर्गों तथा समुदायों को शक्ति प्रदान करेगा।

भेदभाव एवं अपवर्जन अध्ययन पर कार्यक्रम चलाने का विचार वर्ष 2002 में सामाजिक विज्ञान संस्थान के तत्कालीन डीन प्रो. प्रभात पटनायक ने प्रस्तुत किया। प्रो. घनश्याम शाह, प्रो. अभिजीत सेन, प्रो. एस.के. थोरट, प्रो. टी.के. ऊमन और प्रो. जोया हसन (संयोजक) सहित प्रो. रोमिला थापर की अध्यक्षता में गठित समिति ने सामाजिक विज्ञान संस्थान में इस तरह का अध्ययन कार्यक्रम चलाने की सिफारिश की। मार्च 2005 में इस प्रस्ताव को विद्यापरिषद द्वारा अनुमोदित कर दिया गया। भेदभाव एवं अपवर्जन अध्ययन ने इस कार्यक्रम को अन्तरविषयक संदर्भ में अपवर्जन एवं भेदभाव अध्ययन के लिए सूत्रबद्ध किया है। संस्थान के विभिन्न केंद्रों के विशेषज्ञों की विशेषज्ञता का लाभ उठाने के लिए इस कार्यक्रम की संरचना संस्थान स्तर पर तैयार की गई।

इस अध्ययन कार्यक्रम का मार्गदर्शन सामाजिक विज्ञान संस्थान के प्रोफेसर अवैतनिक निदेशक के रूप में कर रहे हैं। इस अध्ययन कार्यक्रम को परामर्श देने के लिए एक सलाहकार समिति है जिसमें शामिल हैं – कुलपति (अध्यक्ष के रूप में), डीन, सामाजिक विज्ञान संस्थान, कार्यक्रम के अवैतनक निदेशक, सामाजिक विज्ञान संस्थान के शिक्षक, अन्य संस्थानों के शिक्षक तथा विश्वविद्यालय से बाहर के संस्थानों के विद्वान। वर्तमान में सलाहकार समिति के सदस्य हैं – कुलपति या उनके द्वारा नामित व्यक्ति (अध्यक्ष के रूप में), सामाजिक विज्ञान संस्थान के डीन; प्रो. जोया हसन, रा.अ.के., अवैतनिक निदेशक; प्रो. गोपाल गुरु, रा.अ.के.; प्रो. गुरप्रीत महाजन, रा.अ.के.; प्रो. प्रभात पटनायक, आ.अ.नि.के.; प्रो. एस.के. थोरट, क्षे.वि.अ.के.; प्रो. प्रदीप्त के. चौधरी, आ.अ.नि.के.; प्रो. दीपांकर गुप्ता, सा.प.अ.के.; प्रो. पी.एम. कुलकर्णी, क्षे.वि.अ.के.; प्रो. गीता नाम्बिसन, जा.हु.शै.अ.के.; प्रो. वी.वी. कृष्णा, सा.प.अ.के., प्रो. विजया टी. रामास्वामी, ऐ.अ.के.; डा. एस.एस. जोधका, सा.प.अ.के.; डा. सच्चिदानंद सिन्हा, क्षे.वि.अ.के.; डा. रामा वी. बारू, सा. चि. व सा.स्वा.के.; डा. भगत ओयनाम, द.के.; डा. एस. नजफ हैदर, ऐ.अ.के.; डा. जोसफ बारा, इरू, विश्वविद्यालय के अन्य संस्थानों से दो सदस्य – प्रो. सुब्बा राव, प.वि.सं. और डा. चित्रा हर्षवर्धन, ज.अ.के./भा.सा.सं.अ.सं.; विश्वविद्यालय से बाहर के दो सदस्य हैं – प्रो. बालचंद्र मुंगेकर, सदस्य – योजना आयोग, नई दिल्ली और प्रो. नंदिनी सुंदर, समाजशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय।

इसके अतिरिक्त, सामाजिक विज्ञान संस्थान से सदस्यों वाली एक स्थायी समिति का गठन किया गया है जो इस अध्ययन कार्यक्रम में दिन–प्रतिदिन की गतिविधियों को संचालित करेंगी। वर्तमान में स्थायी समिति में शामिल हैं – प्रो. जोया हसन, रा.अ.के., कार्यक्रम की अवैतनिक निदेशक (अध्यक्ष), प्रो. एस.के. थोरट, क्षे.वि.अ.के.; प्रो. गोपाल गुरु, रा.अ.के., प्रो. दीपांकर गुप्ता, सा.प.अ.के.; प्रो. प्रभात पटनायक, आ.अ.नि.के.; प्रो. प्रदीप्त के. चौधरी, आ.अ.नि.के.; प्रो. गीता नाम्बिसन, जा.हु.शै.अ.के., डा. रामा बी. बारू, सा.चि. व सा.स्वा.के. और डा. सैय्यद नजफ हैदर, ऐ.अ.के.।

राजनीतिक अध्ययन केंद्र की प्रो. जोया हसन सितम्बर 2005 में इस अध्ययन कार्यक्रम की अवैतनिक निदेशक नियुक्त की गईं। सलाहकार समिति की बैठक सितम्बर 2005 में हुई, जिसमें भेदभाव एवं अपवर्जन अध्ययन कार्यक्रम की प्रस्तावित शैक्षिक गतिविधियों पर विचार–विमर्श किया गया। सितम्बर 2005 से मार्च 2006 के दौरान सलाहकार समिति की तीन बैठकें हो चुकी हैं। इस अध्ययन कार्यक्रम के अन्तर्गत भेदभाव तथा अपवर्जन के मामलों पर एक व्याख्यान माला आयोजित की गई। इस व्याख्यानमाला के अन्तर्गत निम्नलिखित व्याख्यान दिए गए –

1. प्रो. विर्जिनियस, समाजशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और महेश रंगराजन, स्वतंत्र शोधार्थी एवं विजिटिंग प्रोफेसर, जादवपुर विश्वविद्यालय ने 1 दिसम्बर 2005 को 'फायर इन द फारेस्ट : शेडयूल्ड ट्राइब रिकॉगनिशन आफ फारेस्ट बिल, 2005' विषयक व्याख्यान दिए।

2. प्रो. ज्ञानेन्द्र पाण्डेय, ए.एस.ए. ग्रिजस केंडलर, प्रोफेसर आफ हिस्ट्री इमोरी यूनिवर्सिटी, (यू.एस.ए.) और इतिहास के पूर्व प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय, ने 12 जनवरी 2006 को 'केन रेअर वी ए दलित मिडल क्लास' विषयक व्याख्यान दिया।

3. प्रो. नंदिनी सुंदर, समाजशास्त्र विभाग, दिल्ली स्कूल आफ इकोनामिक्स, ने 9 मार्च 2006 को 'ला पालिसिज ऐंड प्रेक्टिसिज इन झारखंड : डिसक्रिमिनेशन ऐंड डिसेंट' विषयक व्याख्यान दिया।

व्याख्यानमाला आयोजित करने के अतिरिक्त भेदभाव एवं अपवर्जन अध्ययन कार्यक्रम के अन्तर्गत भारतीय मुसलमानों की सामाजिक–आर्थिक परिस्थितियों पर प्रकाश डालते हुए भारत में मुसलमानों के अपवर्जन पर अध्ययन शुरू किया गया है। 'मैपिंग सोशियो–इकोनामिक स्टेटस आफ इण्डियन मुस्लिम्स : ए फेक्चुअल एनालिसिस' विषयक यह अध्ययन भारत सरकार की जनगणना रिपोर्ट 2001, एन.एस.एस.ओ. डाटा का 50वां एवं 55वां राउंड (1993–1994 और 1999–2000 क्योंकि इनमें मुख्य धार्मिक समुदायों की परिस्थितियों को ध्यान में रखा गया है) जैसे वर्तमान सरकारी आंकड़ों और भारत : मानवविकास रिपोर्ट भारत में मुसलमानों की परिस्थितियों पर कुछ संगत साहित्य पर विचार करते हुए भारतीय मुसलमानों की समस्याओं को समझने के उद्देश्य से शुरू किया गया। यह परियोजना वर्ष 2006 के अन्त तक पूरी हो जाने की सम्भावना है।

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत 'डिसक्रिमिनेशन ऐंड अफर्मेटिव एक्शन इन प्रोफेशनल हायर एज्यूकेशन' विषयक एक कार्यशाला आयोजित करने की योजना बनायी गई है। इस कार्यशाला का समन्वय संयुक्त रूप से प्रो. गीता बी. नाम्बिसन और डा. रामा बारू किया जा रहा है। यह कार्यशाला मार्च 2006 में आयोजित की जानी थी, लेकिन इसे अप्रैल 2006 के लिए स्थगित कर दिया गया है।

इस कार्यक्रम ने वि.वि.अ.आ. को 'इपोक मैपिंग सोशल थींकर्स आफ इण्डिया' विषयक योजना के अन्तर्गत डा. अम्बेडकर स्टडीज यूनिट स्थापित करने के लिए अनुदान राशि प्रदान करने का प्रस्ताव भेजा है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने इस प्रस्ताव को मार्च 2006 में अनुमोदित कर दिया और वर्ष 2005–06 से 2006–07 तक के लिए 8,20,000 रुपये की राशि मंजूर कर दी।

महिला अध्ययन कार्यक्रम

महिला अध्ययन कार्यक्रम दो शोध परियोजनाओं में संलग्न है –

- 'जेंडर ऐंड अर्बन लोकल गवर्नेंस इन टु सिटीज' यह परियोजना अंतिम चरण पर है। मेरी ई जान द्वारा प्रकाशन हेतु एक पाण्डुलिपि तैयार की जा रही है, जो कि 2006 के अन्त तक पूरी हो जाएगी।
- 5 उत्तर भारतीय राज्यों में गिरता लिंगानुपात : यह अध्ययन 'एक्शन ऐंड इण्डिया और आई.डी.आर.सी., कनाडा के सहयोग से जेएनयू और इसके बाहर के शोधार्थियों के एक दल द्वारा किया जा रहा है। इस शोध दल में शामिल हैं – अल्पना सागर (सा. चि. व सा.स्वा.के.), सरस्वती राजू (क्षे.वि.अ.के.), रजनी पालरीवाला (दि.वि.) और रविंदर कौर (आई.आई.टी. दिल्ली)। यह अध्ययन कई चरणों में किया जा रहा है और इसमें स्थानीय, क्षेत्रीय शोधार्थियों को प्रशिक्षण देना, शहरी/ग्रामीण निम्न लिंगानुपात जिलों के अनेक सर्वेक्षण करना और चुने हुए परिवारों से परस्पर विचार–विमर्श करना शामिल है।

महिला अध्ययन कार्यक्रम द्वारा आयोजित सम्मेलन/कार्यशालाएं

- 10–11 फरवरी 2006 को जेएनयू में 'जेंडर इन रिसर्च' विषयक शोध छात्रों के लिए एक अन्तरविषयक 2–दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। महिला अध्ययन कार्यक्रम ने इस अन्तरविषयक संगोष्ठी का आयोजन करना एक अद्वितीय प्रयास था, जिसके द्वारा जेएनयू के सामाजिक विज्ञान संस्थान के विभिन्न केंद्रों के शोध छात्रों को अपने–अपने शोध कार्य प्रस्तुत करने के लिए एक मंच प्रदान किया गया। इसमें विभिन्न केंद्रों के 18 एम.फिल. तथा पी–एच.डी. छात्रों ने अपने–अपने शोध कार्य प्रस्तुत किए।
- 10 मार्च 2006 को अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 'रिथिंकिंग कास्ट ऐंड जेंडर' विषयक संगोष्ठी आयोजित की गई। इसमें प्रो. शर्मिला रेज, पुणे विश्वविद्यालय, प्रो. एम.एस.एस. पांडियन, चैन्नई और प्रो. सुशी थारू, हैदराबाद ने व्याख्यान दिए।
- म.अ.का. जेंडर से संबंधित विषयों पर संगोष्ठियां आयोजित करने के लिए दिल्ली में उपलब्ध वक्ताओं को आमंत्रित करता है। इसके तहत इस वर्ष – प्रो. एस. चारूशिला (हवाई विश्वविद्यालय, हवाई) ने 'ए लिमिट टु मार्था नुसबाम्ब्स यूनिवर्सिलिस्ट एथिक्स',

प्रो. मृणालिनी सिन्हा (पेन स्टेट यूनिवर्सिटी) ने 'जेंडर, कास्ट ऐंड कम्युनलिज्म : द जिनिओलाजी आफ इंडियन सिटीजनशिप', और प्रो. कल्पना राम (मैक्कारी यूनिवर्सिटी) ने 'साउथ इंडियन डांस ऐंड इमिग्रेंट रिइफिकेशंस आफ द फिमेल बाडी' विषयक व्याख्यान दिए।

प्रौढ़ शिक्षा ग्रुप

ग्रुप द्वारा आयोजित सम्मेलन/संगोष्ठियां

- डा. एस.वाई. शाह ने प्रौढ़ शिक्षा पर ई-लर्निंग कार्यक्रम के लिए पाठ्चर्या विकसित करने के लिए 29-30 मार्च 2006 को एक वि.अ.आ. प्रायोजित 'डाक्युमेंटेशन ऐंड इनफार्मेशन नेटवर्क' विषयक अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान निम्नलिखित अतिथि केंद्र के दौरे पर आए –

- प्रो. मेंडी बॉनी स्टील, डीन, जार्ज ब्राउन कालेज, टोरंटो।
- प्रो. प्रोमिला अग्रवाल, जार्ज ब्राउन कालेज, टोरंटो।
- श्री विलियम इवांस, सलाहकार, नार्वेयिन अडल्ट एज्यूकेशन एसोसिएशन, ओसलो।
- डा. आर.के. चौहान, अपर सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली।
- प्रो. के. पार्थासारथी, डीन, भारतीदसन विश्वविद्यालय, तिरूचिरापल्ली।
- प्रो. विजय कुमार, निदेशक, प्रौढ़ शिक्षा विभाग, केरल विश्वविद्यालय।
- प्रो. अशोक भट्टाचार्य, निदेशक, प्रौढ शिक्षा विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता।

कोई अन्य सूचना

समुदाय से सम्बन्धित कार्यक्रम के एक भाग के रूप में प्रौढ़ शिक्षा ग्रुप ने कुसुमपुर पहाड़ी की झुग्गियों में रहने वाली महिलाओं के लिए एक प्रौढ़ साक्षरता कार्यक्रम और एक दक्षता प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया। 50 महिलाओं ने प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम में भाग लिया और 40 महिलाओं को मोमबत्ती बनाने तथा जूट बैग डिजाइनिंग करने का प्रशिक्षण दिया गया। इसके अतिरिक्त, ग्रुप ने 30 नवशिक्षित महिलाओं को पुस्तकें भी बाँटी।

प्रारम्भिक शिक्षा को सर्वव्यापी बनाने की दृटि से ग्रुप ने कुसुमपुर पहाड़ी के विद्यालय छोड़ चुके और विद्यालय में दाखिला नहीं पा सके बच्चों के लिए एक अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रम चलाया। इस कार्यक्रम के लिए यूनिट ने स्थानीय बैरोजगार युवकों की अंशकालिक शिक्षकों के रूप में सहायता ली। वर्ष के दौरान 20 बच्चों का पंजीकरण किया।

ग्रुप ने दिल्ली स्थित विश्वविद्यालयों के लिए वि.अ.आ. की नोडल संस्था के रूप में कार्य करना जारी रखा।

दसवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान ग्रुप की तीन मुख्य गतिविधियां रही। ये हैं – (1) प्रौढ़ शिक्षा कर्मियों के लिए ई-लर्निंग कार्यक्रम विकसित करना, (2) ग्रुप में उपलब्ध एक हजार पुस्तकों और दस्तावेजों का कंप्यूटरीकरण (विनिसिस पैकेज के अन्तर्गत) के माध्यम यूनेस्को शिक्षा संस्थान और अन्य राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय संगठनों के साथ नेटवर्किंग करना; (3) छात्रों को सलाह देना और नौकरी सम्बन्धी सेवाएं उपलब्ध कराना। कोर्स तैयार करने वालों को ई-लर्निंग के अन्तर्गत पाठ तैयार करने का कार्य सौंपा और प्रलेखन कार्यक्रम के अन्तर्गत लगभग तीन सौ शीर्षकों को कंप्यूटरीकृत किया गया। छात्र परामर्शदाता ने 50 छात्रों के एक ग्रुप के लिए 'मैनेजमेंट आफ स्ट्रेस' विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की और अजीम प्रेम जी फाउंडेशन और 'प्रथम' जैसे गैर सरकारी संगठनों द्वारा प्लेसमेंट कार्यक्रम आयोजित किए।

ग्रुप की भावी योजनाएं

ग्रुप अपनी कल्पना शक्ति से विश्वविद्यालय में प्रौढ़ शिक्षा की भूमिका और ग्रुप को एक केंद्र में विकसित करने की दृष्टि से शोध, शिक्षण एवं विस्तार योग्य कुछ चुने हुए थ्रस्ट एरियाओं की पहचान करने से संबंधित एक योजना तैयार करने का प्रस्ताव करता है।

शैक्षिक रिकार्ड शोध यूनिट

शैक्षिक रिकार्ड शोध यूनिट का मुख्य कार्य अभिलेखागारों और पुस्तकालयों में उपलब्ध आधुनिक भारत में शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक दस्तावेजों का पता लगाना, उनका प्रलेखन करने के बाद विषयानुसार क्रमबद्ध करके प्रकाशित कराना है। शैक्षिक रूप से यूनिट ने प्रगति की है। यूनिट ने वर्ष 1971 में 'पब्लिकेशन आफ एज्यूकेशनल रिकार्ड्स आफ गवर्नमेंट आफ इण्डिया' विषयक अपनी मूल परियोजना शुरू की थी। अब यूनिट आधुनिक भारत में शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक शोध की एक महत्वपूर्ण यूनिट बन गई है। यूनिट ने अपने कार्यक्रमों के अन्तर्गत विभिन्न महत्वपूर्ण शोध गतिविधियां चलाई, लेकिन राष्ट्रवादी शिक्षा के विषय को छोड़ दिया है।

यूनिट ने अपने शैक्षिक कार्यक्रम को गतिशील बनाने के लिए वर्ष 1990 के मध्य से अपने शोध कार्यों से उभरे विषयों पर चर्चा का आयोजन शुरू किया है। यूनिट ने विद्वानों की व्यक्तिगत चर्चाओं के अतिरिक्त अनेक संगोष्ठियां भी आयोजित कीं और इनकी कार्यवाहियों को पुस्तक के रूप में प्रकाशित करने का भी ध्यान रखा।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान यूनिट ने अपनी सलाहकार समिति से दो नई परियोजनाओं को अनुमोदित करा कर शुरू कर दिया है। ये परियोजनाएं हैं – 'डिसाइडिंग द डेंस्टिनी आफ द नेशन : सलेक्शंस फ्राम नेशनलिस्ट आइडियाज आन एज्यूकेशन इन इण्डिया 1920–1947' और 'टेक्नीकल एज्यूकेशन इन इण्डिया : ए सलेक्शन आफ डाक्युमेंट्स 1847–1918'। डा. चिन्ना राव यागाती ने पहली परियोजना के विषय पर कार्य करने का उत्तरदायित्व लिया है। शोध अधिकारी की अनुपस्थिति में, सम्पादक डा. जोसेफ बारा ने दूसरी परियोजना का कार्य अस्थायी रूप से अपने हाथ में ले लिया है। दोनों परियोजनाओं के लिए आकडों को एकत्रित करने का कार्य प्रगति पर है। यद्यपि दिसम्बर 2005 में डा. यागाती द्वारा जामिया मिल्लिया इस्लामिया ज्वांइन करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा लियन पर छोड़ने से कार्य की गति कुछ धीमी हुई है। डा. बारा ने तकनीकी शिक्षा के संबंध में कोलकाता के पुस्तकालयों एवं अभिलेखागारों का दौरा किया और कुछ महत्वपूर्ण आरंभिक सामग्री हासिल की। निदेशक ने शोध अधिकारी के रिक्त पड़े पद को भरने और शीघ्र आंकड़े एकत्रित करने हेतु एक शोध सहायक का अस्थायी पद हासिल करने की पहल की है। उनके प्रयास शीघ्र ही सार्थक होने की संभावना है।

यूनिट ने शैक्षिक आधार को सुदृढ़ बनाने के लिए अपने पुस्तक संग्रह में 25 नए शीर्षकों को जोड़ा है। अन्य महत्वपूर्ण कदम यूनिट के शैक्षिक कार्यक्रमों के प्रवर्तक श्री जे.पी. नायक की स्मृति में एक वार्षिक व्याख्यानमाला शुरू करना था। पहला व्याख्यान 30 अगस्त को दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग से पूर्व में सम्बद्ध और आधुनिक भारत में शिक्षा के इतिहास विषय के विद्वान प्रो. अपर्णा बासु ने 'वूमन'स एज्यूकेशन इन इण्डिया : बेरियर्स, बेनिफिट्स ऐंड पालिसीज' विषय पर दिया। इस समारोह की अध्यक्षता सलाहकार समिति के अध्यक्ष तथा जे.पी. नायक के निकट सहयोगी प्रो. तापस मजुमदार ने की।

समसामयिक इतिहास पर अभिलेखागार

समसामयिक इतिहास पर अभिलेखागार की स्थापना जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की कार्य समिति के निर्णय के अनुसार 1 दिसम्बर 1970 को सामाजिक विज्ञान संस्थान के एक भाग के रूप में हुई थी। यह अभिलेखागार भारत में हुए वामपंथी एवं राष्ट्रीय आंदोलन तथा अन्य महत्वपूर्ण राष्ट्रीय आंदोलनों से संबंधित सामग्री का एक भण्डार है। स्व. डा. पी.सी. जोशी के व्यक्तिगत संग्रहों से शुरू किए गए इस अभिलेखागार में विभिन्न स्रोतों से अब तक पर्याप्त मात्रा में सामग्री एकत्रित की गई है।

1. अभिलेखागार ने 121 पुस्तकें/पम्फलेट्स खरीद कर अपने वर्तमान संग्रह में वृद्धि की है। संबंधित विषयों पर तीन अंग्रेजी अखबारों की कतरने एकत्रित की जाती हैं, फिर इन्हें शोधार्थियों संदर्भ के लिए विषय–वार पुस्तकों के रूप में बाइंड करके रखा जाता है।

2. अभिलेखागार ने निम्नलिखित पत्रिकाएं मंगानी जारी रखी :

चिंता (मलयालम)	–	साप्ताहिक
कामरेड (मलयालम)	–	साप्ताहिक
देशाभिमानी (मलयालम)	–	साप्ताहिक
गणशक्ति (बंगला)	–	दैनिक
प्रजाशक्ति (तेलुगु)	–	दैनिक
थीक्काथिर (तमिल)	–	दैनिक
नवां जमाना (पंजाबी)	–	दैनिक
न्यू ऐज	–	साप्ताहिक
पीपल्स डेमोक्रेसी	–	साप्ताहिक
रेड स्टार	–	मासिक
लिब्रेशन	–	मासिक

3. 11वां पी.सी. जोशी स्मारक व्याख्यान 18 अप्रैल 2005 को आयोजित किया गया। यह व्याख्यान श्री श्याम बेनेगल द्वारा 'सेक्युलरीज्म ऐंड इण्डियन सिनेमा' विषय पर दिया गया।

4. समसामयिक इतिहास पर अभिलेखागार पर सलाहकार समिति की बैठक 28 अक्टूबर 2005 को हुई थी। समिति ने वर्ष 2007 में पी.सी. जोशी जन्म शती के अवसर पर 'पी.सी. जोशी ऐंड द कम्युनिस्ट मूवमेंट इन इण्डिया' विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित करने का सुझाव दिया।

5. विश्वविद्यालय ने अभिलेखागार के लिए एक अलग भवन का निर्माण करने का वायदा किया है। दुर्भाग्यवश, हाल ही में निर्मित भवन में समसामयिक इतिहास पर अभिलेखागार को जगह नहीं मिल सकी। लेकिन प्रशासन ने इस मामले को समझ लिया है। आशा है कि निकट भविष्य में इस भवन का निर्माण हो जाएगा।

6. इस अभिलेखागार का उपयोग जेएनयू के शोधार्थियों के साथ–साथ बाह्य संस्थानों के शोधार्थी भी करते हैं। समीक्षाधीन अवधि के दौरान 135 शोधार्थियों ने विभिन्न शोध शीर्षकों पर अभिलेखागार की सामग्री का उपयोग किया। ये शीर्षक थे – :लेफ्ट पालिसी आन एज्यूकेशन इन वेस्ट बेंगाल', 'लेफ्टविंग इन इण्डियन पालिटिक्स', 'एज्यूकेशन पालिसी आफ लेफ्ट गवर्नमेंट', 'अम्बेडकर कास्ट क्वेश्चन', 'लेबर मूवमेंट ऐंड इमर्जेंस आफ निओ–बुद्धिज्म', 'हिस्ट्री आफ द लेफ्ट पालिटिक्स', 'हैल्थ ऐंड मैडिसन इन द पिजंस आफ ब्रिटिश इण्डिया 1860–1930', 'कम्युनिस्ट मूवमेंट इन केरला 1930–1960', 'हिस्ट्री आफ आल इण्डिया ट्रेड यूनियन', 'सी.पी.एम. क्रिटिक आफ यू.पी.ए.', 'न्यूजपेपर्स क्रिटिसिज्म आफ सी.पी.एम.'स एटिट्युट टुवर्डस यू.पी.ए.'। कुछ शोधार्थियों ने माइक्रोफिल्म रीडर–प्रिंटर का प्रयोग करने के लिए भी अभिलेखागार का दौरा किया।

शोध परियोजनाएं

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र

- सी.पी. चंद्रशेखर, 'क्रास–बार्डर डिफ्यूजन आफ आई.सी.टी. ऐंड डिवलपमेंट : कम्पेरिटिव एक्सपिरियंस आफ इण्डिया ऐंड द ई–यू' विषयक आई.डी.पी.ए.डी./आई.सी.एस.एस. परियोजना के निदेशक, सहयोगी संस्थान डेलफ्ट यूनिवर्सिटी आफ टेक्नोलाजी, द नीदरलैण्ड, 2004–2006

- जयती घोष, 'क्रास–बार्डर डिफ्यूजन आफ आई.सी.टी. ऐंड डिवलपमेंट : कम्पेरिटिव एक्सपिरियंस आफ इण्डिया ऐंड द ई–यू' विषयक आई.डी.पी.ए.डी./आई.सी.एस.एस. परियोजना की मुख्य शोधार्थी

- प्रदीप्त चौधरी, 'पालिटिकल इकोनामी आफ कास्ट इन इण्डिया ड्यूरिंग द टवंटिअथ सेंचुरी' विषयक वि.अ.आ. द्वारा वित्तपोषित यू.पी.ओ.ई. परियोजना
- सुगातो दास गुप्ता, एक्सपेरिमेंटल इवेल्युएशन आफ टु प्रोपर्टीज आफ द इलेक्टोरल मैकेनिज्म' विषयक वि.अ.आ. द्वारा वित्तपोषित यू.पी.ओ.ई. परियोजना के निदेशक
- विकास रावल, ग्रामीण पश्चिमी बंगाल में भूमिहीनता और ऋणग्रस्तता का अध्ययन करने के लिए पश्चिमी बंगाल के 7 गांवों में क्षेत्रीय कार्य किया, मई–जून 2005
- विकास रावल, कृषि संबंधों की प्रकृति का अध्ययन करने के लिए आंध्र प्रदेश के तीन गांवों का क्षेत्रीय अध्ययन, दिसम्बर 2005

ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र

- रणवीर चक्रवर्ती, उच्च अध्ययन संस्थान के तत्वावधान में 'बुकेटिंग द वेक्स : शिप ओनिंग मर्चेंट्स इन द वेस्ट कास्ट आफ इण्डिया (सी. 750–1500)' विषयक परियोजना, प्रिंसटन (सित. 2005–जुलाई 2006), परियोजना पूरी हुई, मोनोग्राफ के रूप में परियोजना का परिणाम वर्ष 2007 में प्रकाशित होने की संभावना है।
- रणवीर चक्रवर्ती, इंदिवर कामतेकर, 'द ऐंड आफ द क्लोनिअल स्टेट इन इण्डिया' विषयक शोध कार्य प्रगति पर है।

दर्शनशास्त्र केंद्र

- आर.पी. सिंह, 'नेचर ऐंड स्टेट्स आफ कांशसनेस : इण्डियन ऐंड वेस्टर्न पर्सपेक्टिव्स, शंकर काटं ऐंड हीगल, लयोटार्ड, डेरिदा ऐंड हेबरमास' विशिष्टता के लिए सक्षम विश्वविद्यालय कार्यक्रम के अन्तर्गत चल रही परियोजना, जेएनयू

राजनीतिक अध्ययन केंद्र

- गुरप्रीत महाजन, 'पॉलिटिकल इंस्टीट्यूशन्स इन इंडिया' (सहयोगात्मक कार्य) विषयक यू.पी.ओ.ई. कार्यक्रम के अन्तर्गत विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत परियोजना
- गुरप्रीत महाजन, सलाहकार, राजनीतिक सिद्धान्त, पाठ्यपुस्तक लेखन समिति, रा.शै.अ.प्र.प.

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र

- डी. नाथ दास, 'डिवलपमेंट स्टेटस, प्राइओरिटीज ऐंड स्ट्रेटिजीस इन रायबरेली डिस्ट्रीक्ट, उत्तर प्रदेश' विषयक राष्ट्रीय सलाहकार की परियोजना, राजीव गांधी चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा वित्त पोषित
- डी.के. मिश्र, 'रूरल नान–फार्म एम्प्लायमेंट इन अरूणाचल प्रदेश : ग्रोथ कम्पोजिशन ऐंड डिटर्मिनेंट्स' वी.वी. गिरी राष्ट्रीय श्रम संस्थान द्वारा प्रायोजित परियोजना, नोएडा
- एम.सी. शर्मा, 'इंटरनेशनल कोआप्रेशन इन जी.आई. साइंस' विषयक इंटर जी.आई.एस. परियोजना, यूनिवर्सिटी आफ शुल्जबर्ग के सहयोग से, आस्ट्रिया
- एम.सी. शर्मा और हरजीत सिंह, 'डेजर्टिफिकेशन सटेटस मैपिंग इन कोल्ड डेजर्ट्स' एस.ए.सी. / आई.आर.एस.ओ. द्वारा वित्तपोषित परियोजना
- आर.के. शर्मा, 'पाप्यूलेशन ग्रोथ ऐंड कामन प्रापर्टी रिसोर्सिस : इम्प्लिकेशन फार वूमन ऐंड पुअर, ए केस स्टडी आफ हिमाचल प्रदेश', वि.अ.आ.

- एस. सिन्हा, एज्यूकेशनल डिवलपमेंट : अपर्च्युनिटीज ऐंड डिसपेरिटीज, दलित डिवलपमेंट रिपोर्ट, इण्डियन इंस्टीट्यूट फार दलित स्टडीज
- एस. सिन्हा, 'सोशल स्टडीज डिस्पेरिटीज इन एक्सेस टु हाउसिंग ऐंड हाउसोल्ड एमनिटीज' दलित डिवलपमेंट रिपोर्ट
- एच. सिंह, 'डेजर्टिफिकेशन ऐंड सोशल इकोनामिक्स प्रोफाइल आफ किलोंग वाटरशेड' स्पेस एप्लीकेशन सेंटर, आई.एस.आर.ओ. , अहमदाबाद 2005
- एस. सिन्हा, डेजर्टिफिकेशन ऐंड सोशल इकोनामिक्स प्रोफाइल आफ लेह (साउथ) वाटरशेड, स्पेस एप्लीकेशन सेंटर, आई.एस. आर.ओ. अहमदाबाद 2005
- एस. सिन्हा और मिलाप शर्मा, 'डेजर्टिफिकेशन स्टेटस मैपिंग इन कोल्ड डेजर्टस', स्पेस एप्लीकेशन सेंटर, आई.आर.एस.ओ. द्वारा वित्तपोषित परियोजना
- आर.एस. श्रीवास्तव, 'डिवलपमेंट प्लान फार रायबरेली डिस्ट्रिक्ट, उत्तर प्रदेश (नेशनल एडवाइजरी काउंसिल द्वारा प्रायोजित, राजीव गांधी चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा वित्तपोषित)', मुख्य अन्वेषक
- ए. कुण्डु, 'न्यू फार्म्स आफ अर्बन गवर्नेंस इन मेगा सिटीज' विषयक आई.डी.पी.ए.डी. परियोजना, प्रो. इसा बाड : यूनिवर्सिटी आफ अमस्टर्डम के साथ संयुक्त रूप से।
- डी.के. मिश्रा, 'हाउसोल्ड लेवल डिटर्मिनेंट्स आफ चाइल्ड लेबल : ए स्टडी आन नार्थ ईस्ट इण्डिया', मौलाना आजाद अबुल कमाल इंस्टीट्यूट आफ एशियन स्टडीज, कोलकाता द्वारा प्रायोजित परियोजना (डा. वी. उपाध्याय के साथ)
- डी.के. मिश्रा और वी. उपाध्याय, 'आकुपेशनल मोबिलिटी आफ प्लांटेशन सेक्टर लेबल इन असम : डिटर्मिनेंटस ऐंड इंप्लिकेशंस' नेशनल टी रिसर्च फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित परियोजना
- सुदेश नांगिया, 'स्टेट आफ इण्डिया'स ह्यूमन रिसोर्सिस', नेशनल एसोसिएशन आफ जिओग्राफर्स, इण्डिया (नागी)
- एस. राजू, 'फातिमा अली–खान, जानेत टाउन सेंड, एलिजाबेथ एंड्रेफिओ–शेन ड्राफ, पीटर काई, ऐमा माडस्ले, जीना पोर्टर) डिवलपमेंट एन.जी.ओ.'स ऐंड द स्टेट अंडर 'गुड गवर्नेस : क्रिटिकल वाइसिस और कालोब्रेशन इन निओलिब्रलीज्म ?' डी.एफ. आई.डी., यू.के.
- एस. राजू (महिला अध्ययन कार्यक्रम, जेएनयू, दिल्ली यूनिवर्सिटी, आई.आई.टी., दिल्ली और एक्शन–ऐड–इण्डिया के साथ) 'इनक्रिजिंग मैसक्युलिनिटी इन इण्डिया इन सलेक्ट स्टेट्स' विषयक परियोजना, एक्शन ऐड इण्डिया/आई.डी.आर.सी.
- एस. सेन और अमिता शाह, गुजरात इंस्टीट्यूट आफ डिवलपमेंट रिसर्च, 'रिव्यू आफ वाटरशेड प्रोजेक्ट इन मध्य प्रदेश', वाटर ऐड ऐंड फोर्ड फाउंडेशन
- एम.सी. शर्मा, 'पालिओ एनवायरनमेंटल रिकंस्ट्रशन ऐंड ग्लेशियल क्रोनोलाजी इन द भागीरथी वेलि, एम.डब्ल्यू. गढ़वाल' डी.एस.टी. फाउंडेशन परियोजना
- आर.के. शर्मा, 'रूरल लिवलिहुड डायवर्सिफिकेशन इन ए हिली रीजन : ए स्टडी आफ उत्तरांचल', आई.सी.एस.एस.आर., अहमदाबाद
- एच. सिंह, 'डेजर्टीफिकेशन एण्ड सोसियो–इकोनॉमिक प्रोफाइल आफ काटुवा वाटर शेड जे.एण्ड.के.' स्पेस एप्लीकेशन सेन्टर आई.एस.आर.ओ. अहमदाबाद
- ए. सूद, इण्डो–कनेडियन शास्त्री इंस्टीट्यूट द्वारा प्रायोजित परियोजना – 'इम्पेक्ट आफ लिबरलाइजेशन ऐंड इंटरनेशनल ट्रेड रीजीम्स आन एक्सेस टु मेडिसंस ऐंड हैल्थ सर्विसिज' और 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड द पूअर : सस्टेनिंग रूरल लिवलीहुड इन एम.पी.'

- आर.एस. श्रीवास्तव, मख्य अन्वेषक, 'ग्लोबलाईजेशन ऐंड द रूरल पुअर : सस्टेनिंग रूरल लिवलीहुड्स इन इण्डिया' द शास्त्री इण्डो–कनेडियन रिसर्च इंस्टीट्यूट, द शास्त्री एप्लाइड रिसर्च प्रोग्राम (शार्प)
- एस.के. थोरट, 'सोशल जस्टिस ऐंड फिलाथ्रोपी इन इण्डिया', फोर्ड फाउंडेशन, न्यूयार्क द्वारा प्रायोजित अध्ययन
- एस.के. थोरट, 'दलित लीडरशिप इन पंचायत्स' प्रिया द्वारा प्रायोजित अध्ययन
- एस.के. थोरट, 'कास्ट, लेबर मार्किट ऐंड आक्युपेशन डिस्क्रिमिनेशन इन महाराष्ट्र ऐंड हरियाणा' अन्तरराष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा प्रायोजित अध्ययन
- एस.के. थोरट, 'अर्बन लेबर मार्किट डिस्क्रिमिनेशन', प्रिंसटोन यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए. द्वारा प्रायोजित अध्ययन
- एस.के. थोरट, 'नेचर ऐंड फार्म्स आफ रिजर्वेशन ऐंड प्राइवेट सेक्टर रिजर्वेशन इन इण्डिया', सामाजिक न्याय और अधिकारित मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित अध्ययन
- एस.के. थोरट, 'अनटचेबिलिटी – रीजनल डायमेंशंस' एक्शन ऐंड एडिया दिल्ली द्वारा प्रायोजित अध्ययन
- एस.के. थोरट, इफेक्ट्स आफ स्टेट गवर्नेंस डिसेंट्रलाइजेशन, पालिटिकल सोशल ऐंड कल्चरल फैक्टर्स टु स्टेट ग्रोथ ऐंड पावर्टी रिडक्शन' आई.एफ.पी.आर.आई. लंदन द्वारा प्रायोजित

सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र

- एम.एन. पाणिनी, प्रो. टी.के. ऊमन पर एक अभिनंदन भाग
- एम.एन. पाणिनी – 'टुवर्डस ए सोशिओलाजी आफ साउथ एशिया' विषय पर एक भाग
- दीपांकर गुप्ता, 'द चैंजिंग नेचर आफ रूरल इण्डिया
- दीपांकर गुप्ता, 'माइग्रेशन ऐंड कांट्रेक्ट लेबर इन स्माल ऐंड मिडियम एंटरप्राइजिस'
- नंदू राम, स्कूल–होम रिलेशनशिप ऐज पेडागागिक सिचुएशन फार इंटीग्रेशन आफ मार्जिनलाइज्ड ग्रुप्स' आई.पी.ए.डी., आई.सी.एस.एस.आर., नई दिल्ली
- नंदू राम, 'रिप्रेजेन्टेशन एण्ड परफार्मेंस आफ एस.सीज्/एस.टीज् इन प्राइवेट एण्ड पब्लिक सेक्टर्स इन इंडिया विद स्पेशल रिफ्रेंस टू दिल्ली'
- नंदू राम, 'एनसाइक्लोपिडिया आफ शेडयूल्ड कास्ट्स इन इण्डिया'
- एहसानुल हक, 'द स्कूल्स रिविजिटिड ए सोशिओलाजिकल स्टडी'
- एहसानुल हक, 'सोशिओलाजी आफ टीचिंग प्रोफेशन इन इण्डिया'
- एहसानुल हक, 'सोशियोलाजी आफ पाप्यूलेशन इन इण्डिया'
- आनंद कुमार, 'पावर्टी ऐंड कनफ्लिक्ट कोआप्रेटिव स्टडी आफ बिहार ऐंड मणिपुर' (सी.पी.आर.सी./आई.आई.पी.ए.)
- अविजित पाठक, 'साशिओलाजी आफ रिलिजन विद स्पेशल रेफ्रेंस टु हिन्दुइज्म'
- अविजित पाठक, 'सोशिओलाजी आफ एज्यूकेशन : एथिकल क्वेश्चन्स ऐंड कल्चरल सेंसिबिलीटीज'

- तिपलुत नोंगब्री, 'रिलिजन ऐंड सोसायटी अमंग खासी'
- सुसान विश्वनाथन, 'द स्टडी आफ स्माल टाउंस इन साउथ इण्डिया : तिरूवन्नामलाई, कोयम्बटूर, पालघाट ऐंड अलेप्पी' (असिस अनुदान द्वारा वित्तपोषित)
- सुसन विश्वनाथन, 'स्टडिंग ए पिलग्रिम तिरूवन्नामलाई इन तमिलनाडु'
- रेणुका सिंह, 'क्रास कल्चरल मैरीजिस'
- एस.एस. जोधका, 'कनटेस्टिड कनजक्चर्स : इकोनामिक्स ऐंड आइडेंटिटीज इन कनटेम्पोरेरी इण्डिया' पर एक पुस्तक को अंतिम रूप दे रहे हैं।
- वी. सुजाता, ट्रेडिशनल मैडिसन इन कनटेम्प्रेरी इण्डिया
- नीलिका मेहरोत्रा, 'निगोशिएटिंग जेंडर ऐंड डिसेबिलिटी इन रूरल इण्डिया' विषय पर एक पाण्डुलिपि पर कार्य कर रहे हैं।
- अमित कुमार शर्मा, 'कल्चरल डायमेंशंस आफ सम्प्रदायस इन इण्डिया' (अंतिम चरण पर)
- अमित कुमार शर्मा, 'इंडियन कल्चर' पर एक पुस्तक तैयार कर रहे हैं
- हरीश नारायणदास, आन द साइंस, कलकुलेस ऐंड रिस्क आफ कार्ड ब्लड बैंक्स

विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र

- रोहन डी सूजा, 'द ईस्ट इण्डिया कम्पनी ऐंड द नेचुरल वर्ल्ड : एनवायरनमेंट, इनोवेशन ऐंड आडियास एट द केयर आफ द ब्रिटिश' विषयक सेंटर फार वर्ल्ड एनवायरनमेंटल हिस्ट्री, यूनिवर्सिटी आफ ससेक्स, की परियोजना में सहयोगी के रूप में आमंत्रित किए गए, 14.3.2006
- वी.वी. कृष्णा, 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड चैंजिंग स्ट्रक्चर आफ सांइटिफिक रिसर्च इंस्टीट्यूशन ऐंड इनोवेशन सिस्टम्स' ऐजिस, यूनिवर्सिटी आफ वेस्टर्न सिडनी, सिडनी, आस्ट्रेलिया और सी.एस.एस.पी., जेएनयू, नई दिल्ली

सामाजिक चिकित्सा शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

- रितुप्रिया मेहरोत्रा, 'ए स्टडी आफ कम्युनिटी रिस्पोंसिस टु लोंग टर्म इलनेस ऐंड डेथ अमंग यंग अडल्ट्स : वुमन'स एक्सपिरियांसिस ऐंड पर्सेशंस इन टु लो कास्ट्स ग्रुप इन इण्डिया' विषयक अनरिस्ड (यूनाइटिड नेशंस रिसर्च इंस्टीट्यूट फार सोशल डिवलपमेंट) के मल्टी–कंट्री अध्ययन के एक भाग में परियोजना के मुख्य अन्वेषक, 2005–05
- संघमित्रा शील आचार्य, 'हैल्थ ऐंड सेक्सुअलिटी अमंग फिलिपिनो यूथ' विषयक एशियन स्कालरशिप फाउंडेशन, बैंकाक, थाईलैण्ड, द्वारा प्रायोजित अध्ययन फिलिपिंस में चल रहा है।
- सुनीता रेड्डी, 'मेडिकल टुरिज्म इन द स्टेज आफ कम्पाइलेशन' एम.एच.एस.पी. और विश्वविद्यालय संस्थान की निधि से प्रायोजित परियोजना
- के.आर. नायर, 'मानिटरिंग शिफ्ट्स इन हैल्थ सेंटर पालिसीज इन साउथ एशिया, यूरोपियन कमिशन ई–लर्निंग इन पब्लिक हैल्थ और जर्मन अकादमी एक्सचेंड ऐंड बाइलेकेल्ड विश्वविद्यालय, जर्मनी द्वारा प्रायोजित परियोजना के शैक्षिक समन्वयक'
- रितु प्रिया महरोत्रा, 'ए मल्टी–सेंट्रिक स्टडी फार प्रिपेरिंग ए पब्लिक रिपोर्ट आन हैल्थ' की कोर टीम के सदस्य, सोशल डिवलपमेंट केंद्र में स्थित परियोजना, आई.डी.आर.सी. द्वारा वित्त पोषित, 2005–2007

- अल्पना दया सागर, 'ए स्टडी आफ एडवर्स सेक्स रेशो इन सलेक्ट इण्डियन स्टेट्स' एक्शन ऐंड इण्डिया के सहयोग और आई.डी.आर.सी., कनाडा द्वारा वित्त पोषित परियोजना
- राजीव दासगुप्ता, प्रोग्राम बिल्डिंग फार द यूनिवर्सिटी स्कूल रिर्सोस नेटवर्क, जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, सर रतन टाटा ट्रस्ट, मुम्बई द्वारा वित्त पोषित
- राजीव दासगुप्ता, पीपल्स रूरल हैल्थ वाच, जन स्वास्थ्य अभियान, दोराबजी द्वारा वित्त पोषित
- राजीव दासगुप्ता, 'माडल इंजेक्शन सेंटर्स : प्रोग्राम टु इम्प्रुव इंजेक्शन प्रेक्टिसिज इन इण्डिया', इण्डिया सी.एस.ई.एन, प्रोग्राम इवेल्युऐशन, नेटवर्क क्लिनिकल ऐपिडेमिओलाजी यूनिट, आल इण्डिया इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसिस, नई दिल्ली, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से
- सुनीता रेड्डी, 'लोकेटिंग लिवलिहुड ऐड हैल्थ ईश्युज अमंग द वलनरेबल पाप्युलेशन आफ सुनामी अफेक्टिड इन अंडमान निकोबार आइसलेण्ड्स' विषयक वि.अ.आ. द्वारा प्रायोजित परियोजना

जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र

- अजीत के मोहन्ती, 'एथनोलिंग्विस्टिक विटालिटी ऐंड लैंग्युवेज मैनटेनेंस स्ट्रेटिजिस आफ लिंग्विस्टिक माइनारिटी ग्रुप्स'
- अजीत के. मोहन्ती, 'ए कम्पेरिटिव स्टडी आफ बोडो ऐंड कोंड ट्राइब्स' डी.एस.ए. फील्डवर्क परियोजना
- दीपक कुमार, 'बायोएथिक्स ऐंड सोसायटी' शीर्षक विशिष्टता हेतु सक्षम योजना के अन्तर्गत वि.अ.आ. द्वारा वित्त पोषित परियोजना पूरी करके विश्वविद्यालय में जमा करा दी, अगस्त 2005
- गीता बी. नाम्बिसन, प्रोग्राम बिल्डिंग फार द यूनिवर्सिटी–स्कूल रिसोर्स नेटवर्क, सर रतन टाटा ट्रस्ट द्वारा प्रायोजित
- ध्रुव रैना, 'सिचुऐटिंग जार्ज'स पीकाक'स अर्थ मैटिक' डा. अगथा केलर, पेरिस; प्रो. मेरी जो डुरडे रिचर्ड, पेरिस और डा. ध्रुव रैना ब्रिटिश मैथमेटिशियन जार्ज पीकाक ऐंड द सर्कल आफ अलेगब्रेस्ट्स सराउंडिंग हिम, विषयक हिस्ट्री आफ मैथमेटिक्स जर्नल या मोनोग्राफ पर कार्य कर रहे हैं
- मिनाती पंडा, 'टीचर्स एफिकासी अमंग सेकेण्ड्री स्कूल टीचर्स : ए कम्पेरिटिव स्टडी आफ कनाडा, इण्डिया, साइप्रस ऐंड साउथ कोरिया, (सहयोगी टीम के सदस्य : रोबर्ट एम. क्लासेन ऐंड मिनाती पंडा) विशेष शोध अनुदान, अल्बेरता, कनाडा द्वारा वित्त पोषित
- मिनाती पंडा, 'ओनटोलाजीकल क्वालिटीज आफ मैथमेटिकल एक्सपिरियंस : कम्पेरिजन आफ टु कल्चर्स', सा.वि.स. जेएनयू द्वारा वित्तपोषित
- सौमेंन चट्टोपाध्याय, सिक्किम स्टेट डिवलपमेंट रिपोर्ट, योजना आयोग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित तथा नेशनल इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक फाइनेंस द्वारा तैयार की गई। वर्ष 2005 में जमा किए अंतिम अध्याय हैं 'फिश्कल मैनेजमेंट, इकोनामिक्स ग्रोथ ऐंड वर्कफोर्स पार्टिसिपेशन' और 'इण्डस्ट्री, ट्रेड ऐंड एम्प्लायमेंट'
- एस. श्रीनिवास राव, यूनिवर्सिटी – स्कूल नेटवर्क, जा.शै.अ.के., तैयार करने वाली मुख्य टीम के सदस्य – बेसलाइन असेसमेंट स्टडी आन स्कूलिंग आफ अरबन पुअर इन ए माइग्रेंट सेटलमेंट इन दिल्ली' विषयक अध्ययन में संलग्न। राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में 17 फरवरी 2006 को इस अध्ययन के प्रारम्भिक निष्कर्ष प्रस्तुत किए।

प्रौढ़ शिक्षा ग्रुप

- एस.वाई शाह, 'डिवलपमेंट आफ ए डाटा बेस आन एडल्ट एज्यूकेशन इन इण्डिया' वि.अ.आ., 2005–2007, (चल रही परियोजना)
- एस.वाई शाह, 'नीड असेसमेंट स्टडी आफ द फेसिलेटर्स आफ कंटिन्यूइंग ऐज्यूकेशन सेटर्ल आफ इद्दुक्की डिस्ट्रिक्ट आफ केरल स्टेट' कामनवेल्थ आफ लर्निंग कनाडा, 2006 (पूरी हो चुकी परियोजना)
- एम.सी. पाल, 'प्रोटेक्शन आफ कंज्यूमर राइट्स डयूटीस ऐंड अवेरनेस स्टेटस' विषयक परियोजना उपभोक्ता मामला मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित

राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों/बैठकों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

आर्थिक अध्ययन औन नियोजन केन्द्र

- अरूण कुमार ने 26–28 सितम्बर 2005 को मनीला में आयोजित 'करप्शन इन साउथीस्ट एशिया' विषयक कार्यशाला में भाग लिया और 'द रोल आफ इंडिपेंडेंट वाचडॉग इंस्टीट्यूशंस इन फाइटिंग करप्शन इन इण्डिया : लेसंस फार अदर डिवलपिंग कंट्रीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अरूण कुमार ने 5–6 नवम्बर 2005 को एन.आई.जी.डी., हिलसिंकी फिनलेण्ड द्वारा इण्डिया हेबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'डेमोक्रेटिक पालिटिक्स ग्लोबली' विषयक कार्यशाला में भाग लिया और 'लेसंस आफ ब्लैक इकोनामी ऐंड फाइनेंसिंग आफ पालिटिकल पार्टीज इन इण्डिया फार फार्मेशन आफ ग्लोबल पार्टीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- डी.एन. राव ने 9–10 मई 2005 को स्टेटिस्टिक्स कनाडा द्वारा कनाडा में आयोजित 'ग्रोथ वेल्थ ऐंड ससटेनेबिलिटी' विषयक आर्थिक सम्मेलन 2005 में भाग लिया और दो आलेख प्रस्तुत किए : (i) डा. डी.एन. राव और रूपाली गोयनका : एनालिसिस आफ हैल्थ इन इक्वेलिटीज यूजिंग क्वालिटेटिव डाटा – ऐन इम्पिरिकल इलस्ट्रेशन फार इण्डिया : (ii) डी.एन. राव और सुरेंद्र कुमार; एनवायरनमेंटली सेंसिटिव प्रोडक्टिविटी ग्रोथ : ए ग्लोबल एनालिसिस यूजिंग मामक्विस्ट – 'ल्यूनबर्गर इंडेक्स'
- जयती घोष ने 18 मई 2005 को कामनवेल्थ हाउस लंदन में आयोजित 'इज इण्डिया ए सक्सेस स्टोरी आफ इकोनामिक लिबरलाइजेशन' विषयक गोलमेज परिचर्चा में भाग लिया।
- जयती घोष ने 21–22 जून 2005 को सेंटर फार न्यू पालिटिकल इकोनामी, फुदान यूनिवर्सिटी, शंघाई, चीन में आयोजित 'रिफार्मिंग चाइना'स स्टेट ओंड एंटरप्राइसिस' विषयक सम्मेलन में 'पब्लिक एंटरप्राइसिस रिफार्म : लेंसस फ्रम द इण्डियन एक्सपिरियस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जयती घोष ने 1–5 सितम्बर 2005 को हेनरिक बोइल फाउंडेशन, बर्लिन में आयोजित 'एनडेंजरिंग इकोनामिक पालिसिज इन ए ग्लोबलाइजिंग वर्ल्ड : ट्रेड लिबरलाइजेशन, एग्रीकल्चर ऐंड फूड सिक्यूरिटी' विषयक कार्यशाला में 'द एग्रेरियन क्राइसिस इन द डिवलपिंग वर्ल्ड ऐंड वूमन'स इकोनामीज' शीर्षक मुख्य व्याख्यान दिया।
- जयती घोष ने 5–7 सितम्बर 2005 को टर्किश सोशल साइंस एसोसिएशन, अंकारा, टर्की में आयोजित 'एक्ट आफ रेसिसटेंस अगेंस्ट ग्लोबलाइजेशन फ्राम द साउथ' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'माडरेट अनआर्थोडेक्सी और रेडिकल डिपार्चर्स फ्राम कनवेंशनल विजडम : द केस आफ इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जयती घोष, 7 सितम्बर 2005 को हिलसिंकी प्रोसेस, हिलसिंकी में आयोजित 'ग्लोबलाइजेशंस वूमन ऐंड इकोनोमिक्स' शीर्षक संगोष्ठी में मुख्य वक्ता थीं।

- जयती घोष ने 24–25 अक्टूबर 2005 को मैक्सिको सिटी में आयोजित 'कम्पेरिटिव एक्सपिरियंसिस आफ इकोनामिक लिबरलाइजेशन इन मैक्सिको ऐंड इण्डिया' विषयक आईडियास – यूनाम – फाल्कसो संगोष्ठी में 'ट्रेड लिबरलाइजेशन ऐंड डिवलपमेंट : द इण्डियन एक्सपिरियंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जयती घोष ने 21–22 फरवरी 2006 को इंटरनेशनल फोरम आन द सोशल साइंसिस – पालिसी नेक्सस, यूनेस्को और अर्जेनटिना और उरूग्वे की सरकारों द्वारा ब्यूनस आयरस में आयोजित 'सोशल पालिसी ऐंड इक्वेलिटी' विषयक अनरिस्ड – सारेक कार्यशाला में 'मैक्रोइकोनोमिक्स पालिसीज ऐंड सोशल डिवलपमेंट इन इण्डिया ऐंड चाइना' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जयती घोष ने 12–13 मार्च 2006 को सुलालोंगकोर्न यूनिवर्सिटी, बैंकाक में आयोजित 'एसियान एक्सपर्ट कोलाब्रेशन फार एन.टी.ए. नेगोसिएशन विद यू.एस.' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 11–13 अप्रैल 2005 को सेंटर आन बजट ऐंड पालिसी प्राइओरिटीज, वाशिंगटन डी.सी., यू.एस.ए. में आयोजित 'इंटरनेशनल फाइनेंसियल इंस्टीट्यूट, बजट पालिसी ऐड सोशल जस्टिस' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 13–15 जनवरी 2006 को स्टाकहोम, स्वीडन में आयोजित 'द रिआरगेनाइजेशन आफ द ग्लोबल वर्किंग क्लास' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 13–18 फरवरी 2006 को अंबुजा, नाइजिरिया में आयोजित 'इकोनोमिक लिट्रेसी, बजट एनालिसिस ऐंड गवर्नेंस' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 13–18 मार्च 2006 को कम्बोडिया में आयोजित एक्शन ऐड इंटरनेशनल के 'लीडरशिप डिवलपमेंट प्रोग्राम' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- रामप्रसाद सेनगुप्ता ने 20–23 जुलाई 2005 को टाकोमा कनवेंशन सेंटर, टाकोमा, यू.एस.ए. में आयोजित यू.एस. सोसायटी आफ इकोलाजिकल इकोनोमिक्स के सम्मेलन 2005 में 'ससेनेबिलिटी आफ ट्रांसपोर्ट डिवलपमेंट इन इण्डिया : माडल चाइस बिटविन रेल ऐंड रोड ट्रांसपोर्ट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रामप्रसाद सेनगुप्ता ने 17 फरवरी 2006 को डिपार्टमेंट आफ साउथ एशियन स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ पेंसिलवानिया, फिलाडेलफिया, यू.एस.ए. द्वारा आयोजित 'साउथ एशियन बाजार' विषयक सम्मेलन में 'ह्यूमन वेल–बींइग, ससटेनेबल डिवलपमेंट ऐंड मार्किट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रामप्रसाद सेनगुप्ता ने 13–15 मार्च 2006 को सेंटर फार इंडस्ट्रियल इकोलाजी आफ द येल स्कूल आफ फारेस्ट्री ऐंड एनवायरनमेंट स्टडीज आफ येल यूनिवर्सिटी द्वारा न्यू हैवन, कनक्टिकट में आयोजित 'मल्टिलेवल साइकल्स, माडल्स ऐंड सिनारियोस फार एन आयरन एलयिंग ऐलिमेंट्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- उत्सा पट्टनायक ने 19–20 मई 2005 को यूनिसेप, बैंकाक में आयोजित 'पावर्टी' विषयक इंटरनेशनल कार्यशाला में भाग लिया।
- अंजन मुखर्जी ने दिसम्बर 2005 में जेएनयू में आयोजित इण्डियन सोसायटी आफ लेबर इकोनोमिक्स के वार्षिक सम्मेलन में 'वैजिस ऐंड एम्प्लायमेंट' विषयक वी.बी. स्मारक व्याख्यान दिया।
- अंजन मुखर्जी ने 9–10 फरवरी 2006 को जेएनयू में आयोजित नेशनल कांफ्रेंस आन गवर्नेस में 'कम्पीटिटिव मार्किट्स, गवर्नेंस ऐंड करप्शन : एन एक्सप्लेनेट्री नोट' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- अरुण कुमार ने 22 अप्रैल 2005 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया में साइंटिस्ट ऐंड टेक्नोलाजिस्ट्स फार ए नानवायलेंट वर्ल्ड आर्डर ऐंड जामिया मिल्लिया यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित 'पेटेंट्स आर ए थ्रेट टु वर्ल्ड पीस' विषयक कार्यशाला में भाग लिया और 'न्यू पेटेंट बिल' सत्र की अध्यक्षता की।

- अरुण कुमार ने 27 जुलाई 2005 को आई.आई.पी.ए., नई दिल्ली में आयोजित 'सोशल सेक्टर डिवलपमेंट : फ्राम 'आउलेट्स' टु 'आउटकम' विषयक गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया और 'द प्राब्लमस इन एज्यूकेशन सेक्टर इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अरुण कुमार ने 11–12 अगस्त 2005 को कौटिल्य प्रकाशन द्वारा गांधी पीस फाउंडेशन, नई दिल्ली में आयोजित 'हिंद स्वराज की प्रासंगिकता' विषयक कार्यशाला में 'करंट पालिटिकल इकोनामी आफ ग्लोबलाइजेशन' शीर्षक परिचर्चा की।
- अरुण कुमार ने 24 अक्टूबर 2005 को गांधी भवन द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय में कांफ्रेंस सेंटर में आयोजित 'पालिटिकल इकोनामी आफ गांधी' विषयक कार्यशाला में 'हाऊ टु अंडरस्टेंड गांधी इन द कनटेम्पोरेरी कनटेक्स्ट' शीर्षक परिचर्चा की।
- अरुण कुमार ने 7 दिसम्बर 2005 को रबि राय अभिनन्दन समिति, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'द करंट सिच्युएशन इन इण्डिया ऐंड पासिबिलिटीज आफ आल्टरनेटिव्स' विषयक कार्यशाला में 'राइट टु इनफार्मेशन, राइट टु वर्क ऐंड द राइट टु ब्लैक इकोनोमी' शीर्षक परिचर्चा की।
- अरुण कुमार ने 26–30 दिसम्बर 2005 को लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित 29थ इण्डियन सोशल साइंस कांग्रेस में भाग लिया।
- अरुण कुमार ने 26 दिसम्बर 2005 को 'अंडरस्टेंडिंग चैलेंज आफ माडर्न सिविलाइजेशन इट्स क्राइसिस ऐंड अल्टरनेटिव्स' विषयक उद्घाटन सत्र में उपाध्यक्ष के रूप में वक्तव्य दिया।
- अरुण कुमार ने 26 दिसम्बर 2005 को 'फेंसिंग द चैलेंजिस आफ सर्वाइवल ऐंड डेमोक्रेटिक ग्रोथ आफ पीपल्स आफ जम्मू ऐंड कश्मीर' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता की।
- अरुण कुमार ने 27 दिसम्बर 2005 को 'द इकोनामिक ऐंड पालिटिकल चैलेंजिस आफ माडर्न सिविलाइजेशन' शीर्षक पूर्ण सत्र में 'द इकोनोमिक आस्पेक्ट्स आफ द चेलेंजिस फेसिंग माडर्न सिविलाइजेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अरुण कुमार ने 27 दिसम्बर 2005 को 'चैलेंजिस आफ मार्डन सिविलाइजेशन टु पीपल्स एज्यूकेशन ऐंड हैल्थ' विषयक दूसरे पूर्ण सत्र की अध्यक्षता की।
- अरुण कुमार ने 27 दिसम्बर 2005 को आयोजित 'एलबर्ट आइनस्टाइन'स विजन आफ साइंस ऐंड सोसायटी' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में संयोजक के रूप में भाग लिया।
- अरुण कुमार ने 29 दिसम्बर 2005 को कार्विंग आउट ए न्यू थीअरि ऐंड मैथड आफ ए न्यू सिविलाइजेशन' विषयक पूर्ण-VII सत्र में पोसिबिलिटीज आफ क्रिएटिंग एन अल्टरनेटिव इन द करंट सिच्युएशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अरुण कुमार ने 29 दिसम्बर 2005 को विदाई समारोह में 'समरी आफ द प्रोसीडिंग्स आफ द कांग्रेस' प्रस्तुत की।
- अरुण कुमार ने 29 दिसम्बर 2005 कांग्रेस के 'वेअर डु वी गो फ्राम हेयर : लर्निंग फ्राम मार्क्स ऐंड गांधी' शीर्षक समापन सत्र में सह अध्यक्ष के रूप में अध्यक्षीय भाषण दिया।
- अरुण कुमार ने 30 दिसम्बर 2005 को 'अलर्ट आइनस्टाइन वीजन आफ साइंस ऐंड सोसायटी', 'द रीलिवेंस आफ आई.वाई.वी. ऐंड आइनस्टाइन टु नालेज जनरेशन इन इण्डिया टुडे' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन के निष्कर्ष सत्र की अध्यक्षता की।
- अरुण कुमार ने 13 जनवरी 2006 को सामवेद, इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'बिल्डिंग ए न्यू इण्डिया ऐंड एलिमिनेटशन आफ करप्शन' विषयक कार्यशाला में 'टेकलिंग द ब्लैक इकोनोमी इन इण्डिया : ऐन अरजेंट टास्क' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- अरुण कुमार ने 27 जनवरी 2006 को अर्थशास्त्र विभाग, मुम्बई विश्वविद्यालय में 'मैकरो असपेक्ट्स आफ द ब्लैक इकोनामी इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरुण कुमार ने 9–11 फरवरी 2006 को जेएनयू एस.आई.एस द्वारा आयोजित 'गवर्नेंस' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- अरुण कुमार ने 10–11 फरवरी 2006 को ए.आई.टी.यू.सी. द्वारा पार्लियामेंट अनेकसी में आयोजित 'हाऊ द यूनियन बजट शुड लुक लाइक' विषयक संगोष्ठी में 'प्राइओरिटीज फार द यूनियन बजट 2006–2007' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अरुण कुमार ने 4–6 मार्च 2006 को सोशल साइंस रिसर्च सेंटर, राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा जयपुर में आयोजित 'स्टेटस आफ सोशल साइंस इन इण्डिया : डोमिनेंट, डिस्कोर्सिस ऐंड कनटेम्पोरेरि कनसंर्स' विषयक संगोष्ठी में स्टेटस आफ नालेज इन सोशल साइंसिस इन कनटेम्पोरेरि इण्डिया : एग्जाम्पल्स फ्राम इकोनोमिक्स शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अरुण कुमार ने 6–8 मार्च 2006 को अकादमी आफ थर्ड वर्ल्ड स्टडीज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा आयोजित 'डिवलपमेंट इन ओपन इकोनोमिक्स लेबर इन इण्डस्ट्री' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'एम्प्लायमेंट ऐंड द ब्लैक इकोनोमी इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अरुण कुमार ने 30 मार्च – 1 अप्रैल 2006 को इण्डियन अकादमी आफ सोशल साइंस द्वारा एस.आई.एस., जेएनयू में आयोजित 'फेसिंग द चैलेंज आफ पावर्टी इन इण्डिया' विषयक संगोष्ठी में 'कंसेप्ट नोट आन पावर्टी इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सी.पी. चंद्रशेखर ने 29–31 अगस्त 2005 को न्यू रूल्स फार ग्लोबल फाइनेंस, वाशिंग्टन और इंस्टीट्यूट फार ह्यूमन डिवलपमेंट इण्डिया द्वारा नई दिल्ली में आयोजित कार्यशाला में 'फाइनेंशियल इंटरवेंशन फार डिवलपमेंट' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- सी.पी. चंद्रशेखर ने 24 सितम्बर 2005 को 'सहमत' तथा सोशल साइंटिस्ट, नई दिल्ली द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 'चिपिंग ऐट द मार्जिन : जुडिशियल इंस्टीट्यूशनलाइजेशन आफ द प्राइवेटाइजेशन आफ हायर एज्यूकेशन इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सी.पी. चंद्रशेखर ने 29–30 सितम्बर 2005 को अर्थशास्त्र विभाग, मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई द्वारा आयोजित 'जेंडर ऐंड मैक्रोइकोनोमिक्स' विषयक संगोष्ठी में 'फाइनेंशियल लिबरलाइजेशन इन इण्डिया : ऐन असेसमेंट आफ आउटकम्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सी.पी. चंद्रशेखर ने 5 अक्टूबर 2005 को सेंटर फार बजटरी गवर्नेंस ऐंड एकाउंटेबिलिटी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कार्यशाला में 'मैक्रोइकोनामिक्स आफ द यूनियन बजट : रिर्सोस मोबिलाइजेशन ऐंड एक्सपेंडिचर मैनेजमेंट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सी.पी. चंद्रशेखर ने 25–26 नवम्बर 2005 को मिडिया डिवलपमेंट फाउंडेशन और द हिंदू, चैन्नई इण्डिया द्वारा आयोजित 'इम्पेक्ट आफ द क्रास बार्डर डिफ्यूजन आफ इनफार्मेशन टेक्नालाजी' विषयक संगोष्ठी में 'टेक्नोलाजिकल डिफ्यूजन ऐंड द ग्रोथ आफ द आई.सी.टी. इण्डस्ट्री इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सी.पी. चंद्रशेखर ने 15–17 दिसम्बर 2005 को नई दिल्ली में आयोजित इण्डियन सोसायटी फार लेबर इकोनोमिक्स की वार्षिक संगोष्ठी में 'हू नीड्स द नालेज इकोनामी, इनफार्मेशन, नालेज ऐंड फ्लेक्सिबल लेबर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सी.पी. चंद्रशेखर ने 27–29 सितम्बर 2005 को इंटरनेशनल डिवलपमेंट इकोनोमिक एसोसिएट्स द्वारा आयोजित 'इम्पेक्ट आफ ट्रेड ऐंड फाइनेंशियल लिबरलाइजेशन आन मैक्रोइकोनामिक्स' विषयक संगोष्ठी में 'फाइनेंशियल लिबरलाइजेशन इन इण्डिया : ऐन असेसमेंट आफ आउटकम्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- सी.पी. चंद्रशेखर ने 10–11 फरवरी 2006 को द मैक आर्थर फाउंडेशन द्वारा पटौदी में आयोजित कार्यशाला में 'द डेमोग्राफिक डिविडेंड ऐंड यंग इण्डिया'ज इकोनोमिक फ्यूचर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- डी.एन. राव ने अर्थशास्त्र विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित डिसेंट्रेलाइज्ड गवर्नेंस ऐंड डिवलपमेंट प्रोमिसिज, परफार्मेंस ऐंड प्रोस्पेक्ट्स ऐंड प्रोस्पेक्ट्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- डी.एन. राव ने 9–11 फरवरी 2006 को अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू द्वारा आयोजित 'गवर्नेंस' विषयक संगोष्ठी में जी. घोष के 'कार्पोरेट गवर्नेंस ऐंड ओवर इनवेस्टमेंट बाई द यू.एस. आयल इंडस्ट्री' शीर्षक आलेख पर चर्चा की।
- डी.एन. राव ने 25–26 मार्च 2006 को डिपार्टमेंट आफ कामर्स, कलकत्ता यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित 'इंटरनेशनल फाइनेंस ऐंड एकाउंटिंग' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और तकनीकी सत्र–1 की अध्यक्षता की सत्र–5 में 'डिसटेंस फंक्शन एप्रोच टु वेल्युऐशन आफ नान–मार्किट आउटपुट्स लाइक पोल्युशन ऐंड इट्स एप्लिकेशन टु एस्टिमेशन आफ मार्जिनल अवैटमेंट कास्ट आफ पोल्युशन ऐंड प्रोडक्टिविटी आफ पोल्युटिंग फर्म्स' विषयक मुख्य वक्तव्य दिया।
- जयती घोष ने 25–26 नवम्बर 2005 को द मिडिया डिवलपमेंट फाउंडेशन द हिन्दू, द इकोनोमिक रिसर्च फाउंडेशन द्वारा आई.डी.पी. / आई.सी.एस.एस.आर. के सहयोग से चैन्नई तमिलनाडु में आयोजित 'डिवलपमेंट इंप्लिकेशंस आफ द डिफ्यूजन आफ इन्फार्मेशन टेक्नोलाजी' विषयक कार्यशाला में 'द पालिटिकल इकोनोमी आफ आई.टी. ड्राइवन आउटसोर्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जयती घोष ने 15–17 दिसम्बर 2005 को जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित इण्डियन सोसायटी फार लेबर इकोनोमिक्स के 47वें वार्षिक सम्मेलन में 'द राइट टु वर्क ऐंड रिसेंट लेजिसलेशन इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जयती घोष ने 27–29 जनवरी 2006 को मुत्तुकाडु, तमिलनाडु में आयोजित 'पोस्ट–लिबरलाइजेशन कांसट्रेंट्स आन मैक्रोइकोनोमिक्स पोलिसिज' विषयक संगोष्ठी में 'ट्रेड लिबरलाइजेशन ऐंड इकोनोमिक रिस्ट्रक्चरिंग केन इण्डिया स्किप द इण्डस्ट्रियल फेज ?' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जयती घोष ने 18 जनवरी 2006 को कोलकाता विश्वविद्यालय, कोलकाता की 150 वर्ष की जयन्ती के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'द नालेज इकोनोमी ऐंड द चैलेंजिस आफ ग्लोबलाइजेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- के.जी. दस्तीदार ने 9–10 फरवरी, 2006 को अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू में आयोजित 'गवर्नेंस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- प्रदीप्त चौधरी ने 1 अप्रैल 2005 को विकल्प संधानी मंच, भुवनेश्वर में 'सम आब्जर्वेशंस आन द इकोनोमी आफ माडर्न उड़ीसा' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रदीप्त चौधरी ने 30 मार्च 2006 को इण्डिया अकादमी आफ सोशल साइंस, जेएनयू में आयोजित 'पावर्टी' विषयक संगोष्ठी में 'कास्ट ऐंड एक्सेस टु लेण्ड इन यूपी 1870–1945' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रवीण झा ने 15–17 दिसम्बर 2005 को दिल्ली में आयोजित इण्डियन सोसायटी आफ लेबर इकोनोमी के वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 27–29 जनवरी 2006 को मुत्तुकाडु में 'मैक्रोइकोनोमिक पालिसी आल्टर्नेटिव्स' विषयक इंटरनेशनल डिवलपमेंट इकोनोमिक, एसोसिएट्स सम्मेलन में भाग लिया।
- प्रवीण झा ने 6–8 मार्च 2006 जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित डिवलपमेंट इन ओपन इकोनोमीज : लेबर इन इंडस्ट्री' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।

- रामप्रसाद सेनगुप्ता ने 22–23 नवम्बर 2005 को जेएनयू और सिडनी विश्वविद्यालय, आस्ट्रेलिया द्वारा जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'रिसेंट ट्रेंड्स इन एनवायरनमेंटल साइंसिस' विषयक कार्यशाला में 'हयूमन वेल–वींग, इकोलाजी ऐंड डिवलपमेंट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुब्रत गुहा ने 9–10 फरवरी 2006 को अ.अ.सं., जेएनयू में आयोजित 'गवर्नेंस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में दीपांकर दास गुप्ता और कोजी शीमामुरा द्वारा प्रस्तुत 'पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, इंप्लायमेंट ऐंड ससटेनेबल ग्रोथ इन ए स्माल पेन इकोनोमी' शीर्षक आलेख पर चर्चा की।
- विकास रावल ने 15–16 मार्च 2006 को फाउंडेशन फार एग्रेरियन स्टडीज, हैदराबाद में आंध्र प्रदेश में किए गए सर्वेक्षण की प्रारम्भिक रिपोर्ट पर परामर्श किया।
- विकास रावल ने अक्टूबर 2005 में वी.वी. गिरी राष्ट्रीय श्रम संस्थान में आयोजित 'माडल्स ऐंड मेथड्स इन लेबर इकोनोमिक्स' विषयक कार्यशाला में 'डाटाबेस मैनेजमेंट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सतीश के. जैन ने 26–30 दिसम्बर 2005 को लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में आयोजित 29वीं इण्डियन सोशल साइंस कांग्रेस में 'कल्चर इंस्टीट्युशंस ऐंड द कनटेम्पोरेरि इकोलाजिकल क्राइसिस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सतीश के. जैन ने 9–11 फरवरी 2006 को जेएनयू, नई दिल्ली में 'गवर्नेंस' विषय पर आयोजित सम्मेलन में 'इफिशिऐंसी आफ लाइबिलिटी रूल्स : ए रिकंसीड्रेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सतीश के. जैन ने 4–6 मार्च 2006 को सोशल साइंस रिसर्च सेंटर, डिपार्टमेंट आफ ऐडल्ट ऐंड कंटीन्युइंग एज्यूकेशन, राजस्थान विश्वविद्यालय, द्वारा आयोजित 'स्टेटस आफ सोशल साइंसिस इन इण्डिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड डेमोक्रेटिक गवर्नेंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र

- एम. मुखर्जी ने 3 दिसम्बर 2005 को अफ्रेशियन सेंटर फार पीस ऐंड डिवलपमेंट स्टडीज, रूकोकु यूनिवर्सिटी, क्योतो, जापान, में आयोजित 'डेमोक्रेसी ऐंड कंफ्लिक्ट रिजोल्युशन' विषयक संगोष्ठी में 'डेमोक्रेसी, नान वायलेंस ऐंड कंफ्लिक्ट रिजोल्यूशन : द एक्सपिरिअंस आफ इण्डिया'स स्ट्रगल फार फ्रीडम' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम. मुखर्जी ने 6 दिसम्बर 2005 को फैकल्टी आफ लैटर्स, टोक्यो में आयोजित संगोष्ठी में 'पाप्यूलर रेसिस्टेंस इन इण्डिया : क्वेश्चनिंग करंट थीअरी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम. मुखर्जी ने 6–7 जनवरी 2006 को गवर्नेमेंट कालेज, यूनिवर्सिटी, लाहौर, पाकिस्तान में आयोजित 'पंजाब ऐंड द राज' विषयक अन्तरराष्ट्रीय इतिहास सम्मेलन में 'पीजेंट रेसिसटेंस इन क्लोनिअल पंजाब' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम. मुखर्जी ने 26 अक्टूबर 2005 को जानकी देवी कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'स्टेट, सोसायटी ऐंड रिलिजन इन इण्डिया' आई.सी.एच.आर. द्वारा प्रायोजित संगोष्ठी में 'इन द मैकिंग आफ इण्डियन नेशन : हिन्दुत्व वर्सिज इण्डियन नेशनलिज्म' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एम. मुखर्जी ने 23–25 फरवरी 2006 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'बाउंडिड हिस्ट्री ऐंड सोशल हीलिंग : साउथ एशिया एक्सपिरियंस' शीर्षक संगोष्ठी में 'वाउंडिड हिस्ट्री ऐंड सोशल हीलिंग : मेमोरीज आफ पास्ट ऐंड फ्यूचर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- एम. मुखर्जी ने 6 मार्च 2006 को आयोजित 'सिच्युऐटिंग कनटेम्पोरेरी इण्डिया ऐंड द चाइना : जेपनीज पर्सपेक्टिव्स' विषयक भारत–जापान वार्ता में सुकासा मिजुशिया द्वारा प्रस्तुत 'इंस्टीट्युशन ऐज सोशल ग्रामर : क्लोनिअल लेण्ड सिस्टम इन इण्डिया ऐंड मलेशिया' शीर्षक आलेख पर चर्चा की।
- एम. मुखर्जी ने 27–29 मार्च 2006 को जेएनयू में आयोजित 'राइटिंग ट्वैंटिअथ सेंचुरी हिस्ट्री : फ्राम क्लोनी टु नेशन' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में 'क्लोनिअल एग्रीकल्चर : द मिथ आफ पंजाब एक्सेप्शनलीज्म' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए. मुखर्जी ने 3 दिसम्बर 2005 को सेंटर फार पीस ऐंड डिवलपमेंट स्टडीज, रूकोकु, क्योतो, जापान में आयोजित 'डेमोक्रेसी ऐंड कनफ्लिक्ट रिजोल्युशन' विषयक संगोष्ठी में 'द पालिटिकल इकोनोमी आफ इण्डिया'ज स्ट्रेटिजी आफ डिवलपमेंट विद डेमोक्रेसी : फ्राम नेहरूवियन कनसेंसस टु इकोनोमिक रिफार्म्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए. मुखर्जी ने 6 दिसम्बर 2005 को फैकल्टी आफ लैटर्स टोक्यो यूनिवर्सिटी, में आयोजित संगोष्ठी में 'फ्राम नेहरूवियन कनसेंसस टु कनसेंनसस आन इकोनोमिक रिफार्म्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए. मुखर्जी ने 6–7 जनवरी 2006 को गवर्नमेंट कालेज यूनिवर्सिटी, लाहौर, पाकिस्तान में आयोजित 'पंजाब ऐंड द राज' विषयक अन्तरराष्ट्रीय इतिहास सम्मेलन में 'क्लोनिअलिज्म : सम स्ट्रक्चरल आसपेक्ट्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए. मुखर्जी ने 6 मार्च 2006 को आयोजित 'सिच्युऐटिंग कनटेम्पोरेरी इण्डिया ऐंड चाइना : जेपनीज पर्सपेक्टिव्स' विषयक इण्डो–जापान वार्ता में हरुका यानागीसाना द्वारा प्रस्तुत 'गोथ आफ स्माल स्केल इण्डस्ट्रीज ऐंड चेंजिस इन कनजमप्शन पैटर्नस इन साउथ इण्डिया 1920–50' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए. मुखर्जी ने 27–29 मार्च 2006 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में आयोजित 'राइटिंग ट्वंटिअथ सैंचुरी हिस्ट्री : फ्राम कालोनी टु नेशन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इम्पिरियलिज्म, नेशनलिज्म ऐंड द मैकिंग आफ द इण्डियन केपिटलिस्ट क्लास' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रणबीर चक्रबर्ती ने 16 नवम्बर 2005 को इंस्टीट्यूट आफ एडवांस्ड स्टडी, प्रिंसटन में आयोजित 'मिडिवल हिस्ट्री कोलोक्विम' में 'ब्लाकेडिंग द गल्फ आफ ईडन : ए बिशप'स ब्लूप्रिंट 14थ सेंचुरी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रणबीर चक्रबर्ती ने 17 फरवरी 2006 को इंस्टीट्यूट फार एडवांस्ड स्टडी, प्रिस्टन में आयोजित 'ईस्ट एशियन हिस्ट्री ऐंड कल्चर' विषयक सम्मेलन में 'मर्चेंट, मकर्नडाइज ऐंड मर्चेंटमैन : इण्डिया ऐंड द वेस्टर्न इण्डियन ओशन (सी.ए.डी. 500–1500)' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- एच.पी. रे ने 13 अगस्त 2005 को नेशनल यूनिवर्सिटी आफ सिंगापुर में आयोजित संगोष्ठी में 'इण्डियन कंट्रीब्युशन टु द आर्किओलाजी आफ साउथीस्ट एशिया, एशियन होरिजन : सिटीज, स्टेट्स ऐंड सोसायटीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एच.पी. रे ने 17–20 दिसम्बर 2005 को सेंटर फार द स्टडी आफ डिवलपिंग सोसायटीज में आयोजित 'रिलिजन्स ऐंड कल्चर्स इन द इंडिक सिविलाइजेशन' शीर्षक दूसरे अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'आर्किओलाजी इन द स्टडी आफ इंडिक रिलिजंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एच.पी. रे ने 27 फरवरी से 1 मार्च 2006 तक इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'मेमोरी ऐज हिस्ट्री : द लीगेसी आफ अलेग्जेंडर इन एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.एन. हैदर ने वर्ष 2006 में हिलसिंकी में आयोजित 14वीं इंटरनेशनल इकोनोमिक हिस्ट्री कांग्रेस में 'करेंसी डेप्रिसिएशन ऐंड मोनेट्री पालिसी आफ द मुगल स्टेट तथा 'मर्कंटाइल क्रेडिट इन मिडिवल इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किए।

- एस.एन. हैदर ने वर्ष 2006 में इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'लिगेसी आफ अलेग्जेंडर इन इण्डिया' शीर्षक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'द कल्चरल लिगेसी आफ अलेग्जेंडर इन मीडिवल इस्लाम ऐंड इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.एन. हैदर ने वर्ष 2006 में मैक्समूलर भवन, नई दिल्ली में आयोजित 'सिविल सोसायटी–हिस्टोरिकल ऐंड कम्पेरिटिव पर्सपेक्टिव्स' विषयक कार्यशाला में 'कस्टमरी ला ऐज ऐन इंस्टीट्युशन आफ सिविल सोसायटी इन मुगल इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.एन. हैदर ने वर्ष 2006 में शान्तिनिकेतन में आयोजित इण्डियन हिस्ट्री कांग्रेस के 66वें सत्र में 'स्टेण्डर्डाइजेशन ऐंड एम्पायर : ए स्टडी आफ द करेंसी रेग्यूलेशन आफ अकबर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया। 'अकबर ऐंड हिज वर्ल्ड' शीर्षक सत्र के पैनल पर रहे।
- एस.एन. हैदर ने वर्ष 2006 में इतिहास विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय में आयोजित हिस्ट्री आफ साइंस ऐंड टेक्नोलाजी इन इण्डिया विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'द टेक्नालाजी आफ मिंट प्रोडक्शन इन मुगल इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.एन. हैदर ने वर्ष 2005 में सेंटर फार एडवांस्ड स्टडी इन हिस्ट्री, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में आयोजित आर्ट, लिट्रेचर ऐंड सेक्युलर थाट इन मीडिवल इण्डिया शीर्षक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'फिलास्फी ऐंड रिअलिज्म इन अबुल फजल'स मोनेटरी थाट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.एन. हैदर ने वर्ष 2005 में खुदा बख्श ओरियंटल पब्लिक पुस्तकालय और भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली में आयोजित मीडिवल हिस्टोरियोग्राफी इन इण्डिया ऐंड सेंट्रल एशिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'द हिस्टोरियोग्राफी आफ मनी ऐंड ट्रेड इन मीडिवल इण्डिया ऐंड सेंट्रल एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- इंदिवर कामतेकर ने 24 फरवरी 2006 को राजनीति विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय में आयोजित 'लोकेलिटी, रीजन ऐंड नेशन इन द ऐज आफ ग्लोबलाइजेशन' विषयक संगोष्ठी में 'इण्डिया'ज ग्लोबेलिटी पोलिटिक्स आफ रसिस्टेंस रिकवरी, रिलेकेशन ऐंड रिइनवेंशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- भगवान जोश ने 9–10 फरवरी, 2006 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय में आयोजित 'लोकल्टी, रीजन एण्ड नेशन इन द ऐज आफ ग्लोबलाइजेशन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'इंडियाज ग्लोब्लिटी : पॉलिटिक्स आफ रेसिस्टेंस, रिकवरी, रीलोकेशन एण्ड रीइन्वेंशन' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- भगवान जोश ने 27–29 मार्च 2006 को हेताकु यूनिवर्सिटी, टोक्यो में आयोजित हिन्दू–मुस्लिम रिलेशंस कनटेम्पोरेरी इण्डिया' विषयक इण्डो–जापान सम्मेलन में भाग लिया।
- ज्योति अटवाल ने 27 फरवरी 2006 को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में आयोजित 'राइटिंग हिस्ट्री' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'आथरिंग डोमेस्टिसिटी, कम्पेनियनशिप ऐंड नेशन इन क्लोनिअल इण्डिया : शिव 'रानी देवी'' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुचेता महाजन ने 27–29 मार्च 2006 को ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र, जेएनयू में आयोजित इंडिपेंडेंस ऐंड पार्टिशन' विषयक संगोष्ठी में 'टवंटिअथ सेंचुरी हिस्ट्री : फ्राम कलोनी टु नेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुचेता महाजन ने 20–21 फरवरी 2006 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित 'रिथिंकिंग द नेशनल लिगेसी : गांधी ऐंड फ्रीडम मूवमेंट' विषयक संगोष्ठी में 'हाऊ टु बी प्रो–माइनरिटी विदाउट बिंग माइनोरिटेरियन गांधी इन नोआखाली 1946' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- वी. रामास्वामी ने 1–3 सितम्बर 2005 को हैदराबाद में आयोजित 'हिस्ट्री आफ साइंस ऐंड टेक्नोलाजी इन इण्डिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ओवरव्यु आफ क्राफ्ट्स ऐंड क्राफ्ट्समैन इन पेनिनसुलर इण्डिया : सिक्सटीन टु ऐटींथ सेंचुरीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वी. रामास्वामी ने 3–4 दिसम्बर 2005 को आयोजित 'हिस्ट्री फ्राम बिलो फोक नरेटिव्स फ्राम साउथ इण्डिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'वुमंस इन तमिल मिथ्स ऐंड लीजेंड्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर. महालक्ष्मी ने 26–28 अक्टूबर 2005 को जानकी देवी मेमोरियल कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'स्टेट, सोसायटी ऐंड रिलिजन इन इण्डिया' विषयक संगोष्ठी में 'आइकोनोग्राफी आफ द गोड्डेस इन द तमिल सैवा ट्रेडिशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर. महालक्ष्मी ने 17–20 दिसम्बर 2005 को आयोजित 'रिलिजन्स ऐंड कल्चर्स आफ द इंडिक सिविलाइजेशन' विषयक द्वितीय अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'द गोड्डेस, शिवा ऐंड द डांस कनटेस्ट : फालिक ट्रम्प ऐज सिम्बल ऐड सोशल सिग्निफायर इन अर्ली तमिल ट्रेडिशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया, 'आस्पेक्ट्स आफ द गोड्डेस' सत्र के पैनल में।
- आर. महालक्ष्मी ने 8 फरवरी 2006 को आयोजित 'अंडरस्टेडिंग आइडेंटिटी थ्रू हिस्ट्री : लोकेटिंग ट्राजिशंस इन नालेज पैराडिग्म्स' विषयक संगोष्ठी में 'रीजन, आइडेंटिटी ऐंड हिस्ट्री : द टैरेन आफ कल्चर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- आर. महालक्ष्मी ने 8–10 फरवरी 2006 को जेएनयू में आयोजित संगोष्ठी में 'कल्चर्स, सोसायटीज इन ट्रांजिशन इण्डिया, रशिया ऐंड अदर सी.आई.एस. कंट्रीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया। देश के विभिन्न भागों के तीन अन्य पैनलिस्टों ने भी आलेख प्रस्तुत किए – (डा. सुरेश ज्ञानेश्वरण, केरला; डा. श्रवणी गुप्तु, पं. बंगाल; डा. राकेश बतबयाल, दिल्ली) सत्र की अध्यक्षता प्रो. योगेंद्र सिंह, इमिरेट्स प्रोफेसर, जेएनयू ने की।
- आर. महालक्ष्मी ने 8 फरवरी 2006 को आयोजित 'अंडरस्टेंडिंग आइडेंटिटी थ्रू हिस्ट्री : लोकेटिंग ट्रांजिशंस इन नालेज पैराडिग्म्स' विषयक संगोष्ठी का सम्वन्वय किया।
- कुणाल चक्रवर्ती ने 11 मई 2005 को यूनिवर्सिटी आफ उपासला, स्वीडन में और अक्टूबर 2005 में कोलराडो कालेज, यू.एस.ए. में 'हिस्ट्री वार्स : द प्रैक्टिस आफ हिस्ट्री राइटिंग ऐंड क्राइसिस आफ फेथ इन कन्टेम्पोरेरी इण्डिया', शीर्षक व्याख्यान दिया।
- कुणाल चक्रवर्ती ने 13 मई 2005 को कोपेहेगन विश्वविद्यालय, डेनमार्क में 'नेचुरल इन इक्वेलिटी : नोशन्स आफ जस्टिस इन ब्रह्मेनीकल डिस्कोर्सिस' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- कुणाल चक्रवर्ती ने हमबोल्ट यूनिवर्सिटी, बर्लिन, जर्मनी; Maison des Sciences de L'Home, पेरिस, फ्रांस में, जून 2005; और शिकागो यूनिवर्सिटी, शिकागों यू.एस.ए. में नवम्बर 2005 में 'द डिस्कार्डिड गोड्डेस : ए. लक्ष्मी ऐंड द मैकिंग आफ ए निगेटिव डिविनिटी' शीर्षक व्याख्यान दिया।

दर्शनशास्त्र केंद्र

- सत्य पी. गौतम ने अप्रैल 2005 में संस्कृत अध्ययन केंद्र, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'एथिज्म इन इण्डिया फिलास्फी' विषयक संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की
- सत्य पी. गौतम ने 23 जून 2005 आई.आई.सी., नई दिल्ली में डा. डी.पी. चट्टोपाध्याय द्वारा दिए गए 'एंथ्रोपोस मिजरिंग एटोमोस ऐंड कोसमोस' शीर्षक विशेष व्याख्यान की अध्यक्षता की।
- सत्य पी. गौतम ने सितम्बर 2005 में इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'इंटरसिविलाइजेशनल डायलाग बिटवीन इण्डिया ऐंड थाइलैण्ड' विषयक आई.सी.सी.आर. प्रायोजित अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी 'एथिक्स आफ थेरवाद बुद्धिज्म' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- सत्य पी. गौतम ने अक्टूबर 2005 को कला और सौंदर्यशास्त्र, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'फिलास्फी ऐसथेटिक्स ऐंड पालिटिक्स' विषयक संगोष्ठीमाला में भाग लिया और 'विटजेनस्टेनियअ एप्रोच टु आट्र्स ऐंड ऐसथेटिक्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- सत्य पी. गौतम ने नवम्बर 2005 में दर्शनशास्त्र केंद्र, जेएनयू में आयोजित 'फिलास्फी ऐंड कल्चर सिंस जाँ पाल सात्र' विषयक संगोष्ठी में 'जाँ पाल सात्र : बायोग्राफी ऐंड फिलास्फी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- सत्य पी. गौतम ने 2–4 फरवरी 2006 को विश्व भारती शान्ति निकेतन द्वारा आयोजित 'सिक्खीज्म' विषयक संगोष्ठी में 'रीडिंग भाई वीर सिंह'स बाबा नंद सिंह : ए कंस्ट्रक्शन आफ द सेल्फ–इमेज आफ सिख कम्युनिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- सत्य पी. गौतम ने 18–20 मार्च 2006 को आई.आई.सी., नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'जस्टिस ऐंड सोशल इक्वेलिटी' विषयक इण्डियन इंस्टीट्युट आफ एडवांस्ड स्टडी, शिमला की राष्ट्रीय संगोष्ठी का समन्वयन किया।

- सत्य पी. गौतम ने 29–31 मार्च 2006 को तीन मूर्ति पुस्तकालय, नई दिल्ली में आयोजित 'ह्यूमन राइट्स : पालिसी इश्युज फार इण्डिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ह्यूमन वेल्युज ऐंड ह्यूमन राइट्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- आर.पी. सिंह ने 21–22 नवम्बर 2005 को पी.एच.आई.एस.पी.सी., नई दिल्ली में आयोजित 'एथिक्स इन द उपनिषद्स' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- आर.पी. सिंह ने 5–7 फरवरी 2006 को आयोजित 'स्प्रिच्युअलिटी, लॉजिक ऐंड साइंस' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- आर.पी. सिंह ने 8–20 मार्च 2006 तक आई.आई.ए.एस. शिमला द्वारा, आई.आई.सी., नई दिल्ली में आयोजित 'जस्टिस, सेक्युलर सोशल हार्मोनी – ए फिलास्फीकल रिफ्लक्शन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- ओइनम भगत ने 29–30 मार्च 2006 को तीन मूर्ति पुस्तकालय, नई दिल्ली में आयोजित 'ह्यूमन राइट्स : पालिसी इश्यूज फार इण्डिया' शीर्षक एन.एच.आर.सी. ऐंड आई.आई.ए.एस. राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ह्यूमन राइट्स : जुडिशियल और मोरेल ? शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।'

- ओइनम भगत ने 28–29 मार्च 2006 को दर्शनशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'एप्लाइंग एथिक्स : पब्लिक ऐंड प्राइवेट' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एफर्मेटिव एक्शंन ऐंड डिस्ट्रीब्युटिव जस्टिस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- ओइनम भगत ने 20–21 मार्च 2006 को दर्शनशास्त्र विभाग, मुम्बई विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'सात्र ऐंड दे बिआवेर, ए हडंरड इयर्स लेटर और आलमोस्ट : फिलास्फी, लिट्रेचर ऐंड पालिटिक्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'फ्रीडम, आइडेंटिटी ऐंड बेड फेथ : मिऐंडरिंग बियोंड सात्र' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- ओइनम भगत ने 7–9 मार्च 2006 को दर्शनशास्त्र विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय इम्फाल द्वारा आयोजित 'एथनिक वेल्युज ऐंड माइडअल्स आफ इगालिटेरियन सोसायटी इन द नार्थीस्ट' विषयक आई.आई.ए.एस. राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हु इज द अदर ? केपचरिंग द आइडेंटिटी पालिटिक्स इन द नार्थ–ईस्ट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- ओइनम भगत ने 1–2 दिसम्बर 2005 को सेंटर फार पालिसी रिसर्च, गुवाहाटी में आयोजित 'इण्डिया ऐंड इट्स 'नार्थ–ईस्ट' विषयक संगोष्ठी में 'आन विज्युअलाइजिंग ए कोहेसिव 'नार्थ–ईस्ट' : द प्राब्लम आफ डिस्कोर्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- ओइनम भगत ने 17–19 नवम्बर 2005 को दर्शनशास्त्र विभाग, नार्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग में आयोजित 'कंटेम्पोरेरी रिस्पोंसिस टु द अंडरस्टैंडिग आफ कल्चर' विषयक आई.सी.पी.आर. राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कल्चर्स एज टेक्सट : सम इश्यूज एण्ड कंसंर्स' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

- ओइनम भगत ने 2–4 नवम्बर 2005 को दर्शनशास्त्र केंद्र, स.वि.सं., जेएनयू द्वारा आयोजित 'फिलास्फी ऐंड कल्चर सिंस सात्र' विषयक संगोष्ठी में 'प्राक्सिस, प्रैक्टिको–इनअर्ट ऐंड अथंटिसिटी : रीडिंग सात्र फार पालिटिक्स आफ आइडेंटिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ओइनम भगत और होमेन थांगजम ने 20–21 अक्टूबर 2005 को आयोजित 'पीसप्रोसेस इन द नार्थ ईस्ट इण्डिया' विषयक आई. सी.एस.एस.आर. – एम.ई.आर.सी. संगोष्ठी में 'पीस इन द नार्थ ईस्ट : ट्रायल आफ द स्टेट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ओइनम भगत ने 5–7 अप्रैल 2005 को 'हिस्ट्री आफ इण्डियन साइंस, फिलास्फी ऐंड कल्चर' परियोजना, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'रोल आफ क्रिश्चियनिटी इन द डिवलपमेंट आफ नार्थ ईस्ट इण्डिया' विषयक संगोष्ठी में 'क्रिश्चियनिटी चर्च ऐंड द आइडिया आफ इमेंसिपेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ओइनम भगत ने 24–25 मार्च 2006 को भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला के लिए गंगटोक में 'रिथिंकिंग पैराडिग्म्स आफ डिवलपमेंट फार द नार्थीस्ट इण्डिया' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया और संयोजक के रूप में कार्य किया।
- मनदीपा सेन ने मार्च 2006 में दर्शनशास्त्र विभाग, हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित 'लैंग्यूवेज, साइंस ऐड कागनिशन' विषयक संगोष्ठी में 'कंटेंट एक्सटर्नलिज्म वर्सिस एलिमिनेटिव मैटिरियलीज्म : ए केस अगेंस्ट साइंटिज्म' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मनदीपा सेन ने फरवरी 2006 में दर्शनशास्त्र विभाग, रविंद्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता में आयोजित 'होलिज्म ऐंड इट्स आल्टरनेटिव्स' विषयक आई.सी.पी.आर. कार्यशाला में 'डोंसी आन क्वीलन आन होलिज्म' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मनदीपा सेन ने फरवरी 2006 में दर्शनशास्त्र विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिल्चर में आयोजित 'लैंग्यूवेज, मीनिंग ऐंड प्राब्लम आफ सोशिओ–कल्चरल अंडरस्टेंडिंग' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'आन द मिथ आफ द सब्जेक्टिव : ए विटजेन स्टेनियन पर्सपेक्टिव' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

राजनीतिक अध्ययन केंद्र

- बलवीर अरोड़ा ने 12 दिसम्बर 2005 को ट्रांसकल्चरल इंटरनेशनल इंस्टीट्युट यूनिवर्सिटी आफ पेरिस, फ्रांस में आयोजित 'ट्रांसकल्चरल स्टडीज ऐंड रिसर्च' विषयक कार्यशाला में 'ट्रांसकल्चर मैथडोलाजी ऐंड इण्डियन रिएलिटीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- बलवीर अरोड़ा ने 13 फरवरी 2006 वासेदा यूनिवर्सिटी, टोक्यो, जापान में आयोजित 'पालिटिकल साइंस, टीचिंग ऐंड रिसर्च इन एशिया' विषयक कार्यशाला में पालिटिकल साइंस, टीचिंग ऐंड रिसर्च इन इण्डियन ग्रेज्युऐट स्कूल्स : ओवरव्यु ऐंड असेसमेंट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- बलवीर अरोड़ा ने 16–17 मार्च 2006 को यूनिवर्सिटी आफ नातेस, फ्रांस में आयोजित 'इंटरनेशनलाइजेशन ऐंड इंटरनेशनल पालिसीज आफ यूनिवर्सिटीज' विषयक सम्मेलन में 'इंटरनेशनल पालिसिज ऐंड पर्सपेक्टिव्स आफ इण्डियन यूनिवर्सिटीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रलय कानूनगो ने 25 अक्टूबर 2005 को एम.एस.एच., पेरिस में 'माबिलाइजिंग हिन्दुत्व ऐट द ग्रास रूट्स : द संघ परिवार इन उड़ीसा' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रलय कानूनगो ने 26 अक्टूबर 2005 को 'सेरी' पेरिस में 'माबिलाइजिंग डायसपोरा : द संघ परिवार इन द यूनाइटिड स्टेट्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- गुरप्रीत महाजन ने 9–10 फरवरी 2006 को डीकिन यूनिवर्सिटी, मेलबोर्न में आयोजित 'डेमोक्रेटाइजेशन ऐंड एशियन फेडरलीज्म' विषयक कार्यशाला में 'फेडरलीज्म ऐंड डेमोक्रेसी : द इण्डियन एक्सपिरियंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राहुल मुखर्जी ने 13 जनवरी 2006 को नेशनल यूनिवर्सिट आफ सिंगापुर में आयोजित 'साफ्ट पावर ऐंड स्फीयर्स आफ इनफ्लुऐंस इन साउथ–ईस्ट एशिया' विषयक नेशनल यूनिवर्सिटी आफ सिंगापुर तथा सेटर फार एडवांस्ड स्टडी आफ इण्डिया की कार्यशाला में 'ग्लोबल इकोनोमिक इंटिग्रेशन इन ए प्लुरल पोलिटी ऐंन एशियन माडल विद ए डिफ्रेंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राहुल मुखर्जी ने 10 दिसम्बर 2005 को वार्कले एशिया–पेसिफिक स्टडी सेंटर, यूनिवर्सिटी आफ केलिफोर्निया, बार्कले द्वारा आयोजित 'द इंस्टीट्यूशनल आर्किटेक्चर फार ट्रेड इन साउथ एशिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- राहुल मुखर्जी ने 16 नवम्बर 2006 को साउथ एशियन स्टडीज प्रोग्राम – फैकल्टी आफ आर्ट्स ऐंड सोशल साइंसिस, नेशनल यूनिवर्सिटी आफ सिंगापुर में 'इंस्टीटयुशनल चेंज इन ए प्लुरल पोलिटी' फ्राम गवर्नमेंट मोनोपली टु रेग्यूलेटिड कम्पीटिशन इन इण्डियन टेलिकम्युनिकेशन विषयक व्याख्यान दिया।
- राहुल मुखर्जी ने 15 अप्रैल 2005 को इंस्टीट्युट आफ डिफेंस ऐंड स्ट्रेटिजिक स्टडीज, सिंगापुर में 'एप्रेजिंग द लिगेसी आफ बेनडंग : ए व्यु फ्राम इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- विधु वर्मा ने 19–24 जून 2005 को साउथ सियोल में आयोजित 'वूमन वर्ल्ड्स 2005 : 9थ इंटरनेशनल इंटरडिसिप्लिनरी कांग्रेस आन वूमन' में 'द लिमिट्स आफ सिटीजनशिप : ए स्टडी आफ द डिबेट्स आन रिप्रजेंटेशन ऐंड राइट्स इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- विधु वर्मा ने 20–24 अगस्त 2005 को इंटरनेशनल कनवेंशन आफ एशिया स्कालर्स, आई.सी.ए.एस., शंघाई, चीन में 'इक्वेलिटी ऐंड डिस्ट्रब्युटिव जस्टिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- विधु वर्मा ने 24–25 नवम्बर 2005 को इस्लामाबाद, पाकिस्तान में आयोजित 'वूमन ऐंड पालिटिक्स इन एशिया' विषयक तीसरे अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'सिटीजन ऐंड लोकल गवर्नेंस इन इण्डिया : एक्सप्लोरिंग जेंडर रिप्रजेंटेशन विदिन पंचायती राज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- टी.जी. सुरेश ने 12–14 दिसम्बर 2005 को इंस्टीट्यूट फार ह्यूमन ऐंड सोशल साइंस, आस्ट्रियन नेशनल डिफेंस अकादमी, वियना में आयोजित 'एसिमिट्रिक सिक्युरिटी : थ्रेट्स इन द इरा आफ ग्लोबलाइजेशन' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'बिटवीन नेशनल सिक्युरिटी ऐंड हयुमन डिवलपमेंट : एक्सप्लोरिंग द साउथ एशिया प्रेडिकामेंट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र

- ए. कुंडु ने 7–9 दिसम्बर 2005 को बैंकाक में आयोजित 'इंटरनेशनल फेडरेशन आफ सर्वेयर्स' में आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.एच. किदवई ने 17–18 सितम्बर 2005 को सेंटर फार डिवलपमेंट स्टडीज स्वानसी (यू.के.) द्वारा बैंकाक में आयोजित 'मैनेजमेंट आफ रिस्क ऐंड वलनरेबिलिटी आफ्टर द ट्रामा आफ रिलोकेशन' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'डिसप्लेस्ड पीपल, मिसप्लेस्ड कंसर्स : रिहैबिलिटेशन पालिसीज इन अर्बन इण्डिया' (सह लेखक जय ड्राइडिक) शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए. महमूद ने 18–23 जुलाई 2005 को आई.यू.एस.एस.पी. द्वारा टुअर्स, फ्रांस में आयोजित 'पाप्युलेशन' विषयक 25वें अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- ए. महमूद ने 29 नवम्बर 2 दिसम्बर 2005 को इस्लामाबाद, पाकिस्तान में आयोजित 'पाप्युलेशन एसोसिएशन आफ पाकिस्तान के 6ठे वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया।

- एस. राजू ने 5–9 अप्रैल 2005 को ए.ए.जी., देनवेर, कोलोराडा, यू.एस.ए. में 'जेंडर्ड कनटेक्स्ट्स ऐंड एक्सेस टु टेक्नीकल स्किल्स इन सेगमेंटिड लेबर मार्किट – ए केस आफ नई दिल्ली, इण्डिया' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- एस. राजू ने 22 अप्रैल 2005 को योर्क यूनिवर्सिटी में आयोजित 'फैमिनिस्ट रिस्पोंस टु लेबर मार्किट रिस्ट्रक्चरिंग इन ग्लोबल साउथ' विषयक एक दिवसीय कार्यशाला में मुख्य वक्तव्य दिया।
- एस. राजू ने 29 अप्रैल 2005 को डिपार्टमेंट आफ वूमन स्टडीज, कालेज आफ लिबरल आर्ट्स, यूनिवर्सिटी आफ मिनेसोटा, यू.एस.ए. में द (अन) चैंजिंग वर्ल्ड आफ वूमन'स वर्क इन रूरल इण्डिया : जेंडर पावर्टी, स्पेस ऐंड प्लेस' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. राजू ने 6 मई 2005 को डिपार्टमेंट आफ कम्युनिटी हैल्थ साइंस, यूनिवर्सिटी आफ कलगरी, कलगरी, कनाडा में आयोजित संगोष्ठी में 'सेक्स सलेक्शन ऐंड इनक्रिजिंग मेसक्युलिनिटी आफ इण्डिया'ज पाप्युलेशन' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- एस. राजू ने 8 नवम्बर 2005 को लुंड यूनिवर्सिटी, स्वीडन में 'जेंडर, पावर्टी ऐंड वर्कफोर्स पार्टिसिपेशन इन लेबर मार्किट इन रूरल इण्डिया इन द कनटेक्स्ट आफ ग्लोबलाइजेशन' शीर्षक 'सनसेट' व्याख्यान दिया।
- एस. राजू ने 10–11 नवम्बर 2005 को गेडनेट तथा कोलेजियम फार डिवलपमेंट स्टडीज द्वारा उपासला यूनिवर्सिटी और नार्डिक अफ्रीका इंस्टीट्यूट, स्वीडन में आयोजित 'न्यू चैलेंजिस फार जेंडर मार्किट ऐंड राइट्स' विषयक कार्यशाला में 'मल्टीपल लोकेशन्स, मल्टीपल अप्रोप्रिऐशंस : द वेक्स्ड क्वेश्चन आफ जेंडर–जस्ट इण्डिया' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- एस. राजू ने 14 नवम्बर 2005 को इंस्टीट्यूट आफ टोपेलिया ऐंड फैकल्टी आफ सोशल साइंसिस, इंस्टीट्यूट आफ डिवलपमेंट स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ हिलसिंकी, फिनलेण्ड के स्नातक, पूर्व स्नातक तथा शोध छात्रों के मिनी कोर्स के लिए 'डुइंग जैंडर रिसर्च इन साउथ एशिया विद फोकस आन इंडिया' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- एस. राजू ने भारत में यूनिफेम के साथ शोध कार्य चर्चा की, भारतीय दूरदर्शन पर वार्ता में भाग लिया और यूनिफेम, हिलसिंकी, फिनलेण्ड में 15 नवम्बर 2005 को 'वूमन इन ग्लोबलाइजिंग इण्डिया' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- एस. राजू ने 17 नवम्बर 2005 को यूनिवर्सिटी आफ ग्रोनिंगन, फैकल्टी आफ स्पेशियल साइंसिस, ग्रोनिंगन, नीदरलैण्ड्स में व्याख्यान दिया।
- एम.सी. शर्मा ने 5–14 जुलाई 2005 को रायल भूटान इंस्टीट्यूट आफ टेक्नालाजी, फुटसोलिंग, भूटान में आयोजित 'ई.एम.जी.आई.एस. ट्रेंनिग वर्कशाप' में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- आर.एस. श्रीवास्तव ने नवम्बर 2005 में साउथ एशियन नेटवर्क, ढाका द्वारा आयोजित 'ग्लोबलाइलेशन एण्ड माइग्रेशन' विषय प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया।
- एस.के. थोरट ने 14–20 मई 2005 को ग्रेज्युएट स्कूल, सिटी यूनिवर्सिटी आफ न्यूयार्क, में आयोजित 'सोशल जस्टिस फिलेन्थ्रोपी' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा शोध परियोजना के निष्कर्षों को प्रस्तुत किया और 'सोशल जस्टिस फिलेन्थ्रोपी इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.के. थोरट ने 23–24 मई 2005 को 'लेबर मार्किट डिसक्रिमिनेशन इन अर्बन इण्डियन लेबर मार्किट' विषयक शोध परियोजना के परस्पर सहयोग के लिए समाजशास्त्र विभाग का दौरा किया।
- एस.के. थोरट ने 23–24 मई 2005 को ब्रेड फार द वर्ल्ड, हेनोवर, जर्मनी द्वारा आयोजित एक प्रदर्शनी में 'दलित आर्ट्स बाई सावी सावरकर' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.के. थोरट ने 25–29 जून 2005 को इंटरनेशनल फूड पालिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित 'द फ्यूचर आफ स्माल फार्म्स' विषयक कार्यशाला आयोजित की।

- एस.के. थोरट ने 10–14 जुलाई 2005 को अदीस अबाबा, इथोपिया में आयोजित संगोष्ठी में 'रिजर्वेशन इन प्राइवेट सेक्टर' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.के. थोरट ने 18–20 अक्टूबर 2005 को इंटरनेशनल दलित सोलिडेरिटी फोरम, द हेग, नीदरलैण्ड द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 'रिजर्वेशन पालिसी फार प्राइवेट सेक्टर इन इण्डिया इन मल्टी नेशनल कम्पनीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस.के. थोरट ने 7–10 दिसम्बर 2005 को बुराकु इंस्टीट्युट आफ ह्यूमन राइट्स ऐंड सोशल साइंस, ओसाका, जापान द्वारा आयोजित सम्मेलन में 'वर्क ऐंड डिसेंट बेस्ड डिस्क्रिमिनेशन इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए. बनर्जी ने 21 अक्टूबर 2005 को पाप्युलेशन एनवायरनमेंटल सेंटर, आई.आई.पी.एस., देवनार, मुम्बई में आयोजित 'पाप्यूलेशन एनवायरनमेंटल ऐंड नेक्सस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'पाप्यूलेशन ग्रोथ, एनवायरनमेंट ऐंड डिवलपमेंट : सम इश्युज इन ससटेनेबिलिटी आफ द मेगासिटी आफ (कोलकाता) वेस्ट बंगाल' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए. बनर्जी और शर्मिष्ठा दास ने 16–18 नवम्बर 2005 को इण्डिया हेबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित ई.डब्ल्यू.सी. / ई.डब्ल्यू.सी.ए. 2005 साउथ एशियन रीजनल सम्मेलन में 'ए रीजनल एनालिसिस आफ यूटिलाइजेशन आफ एम.सी.एच. सर्विसिस ऐंड इट्स इम्पेक्ट आन इनफेंट मार्टिलिटी इन इण्डिया : ए केस स्टडी आफ वेस्ट बंगाल' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए. बनर्जी ने 2–4 दिसम्बर 2005 को बंगलौर विश्वविद्यालय बंगलौर, में आयोजित 27वीं नागी कांग्रेस में 'नेशनल अर्बन फ्यूचर आफ ए मेगासिटी : सम इश्यूज इन ससटेनेबिलिटी आफ कोलकाता (कलकत्ता) वेस्ट बंगाल' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- बी.एस. बुटोला, नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क, 2005 नेशनल काउंसिल फार एज्यूकेशनल ट्रेनिंग ऐंड रिसर्च, नई दिल्ली
- डी.एन. दास ने 30 मई से 2 जून 2005 तक ई.एस.आर.आई. – इण्डिया, नई दिल्ली में आयोजित 'इस्पाशियल एनालिस्ट ऐंड 3डी एनालिस्ट इन आर्क जी आई.एस.9' विषयक 4–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- डी.एन. दास ने 21–22 नवम्बर 2005 को कॉउंसिल फार सोशल डिवलपमेंट द्वारा आई.आई.सी., नई दिल्ली में आयोजित 'बर्डन आफ डिसीज, हैल्थ केयर प्राइओरिटीज ऐंड रोल आफ स्टेट आफ इण्डिया' विषयक 2–दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
- डी.एन. दास ने 2–4 दिसम्बर 2005 को 'नागी' द्वारा बैंगलोर यूनिवर्सिटी, बंगलौर में आयोजित 27वीं इण्डियन जिओग्राफी कांग्रेस में 'वेयर द वलनरेबल ग्रुप्स आर ? एन एनालिसिस आफ क्वालिटी आफ लीविंग : ए वार्ड लेवल स्टडी आफ दिल्ली' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एन.सी. जेना ने 28 मई 2005 को डब्ल्यू.डब्ल्यू.एफ. इण्डिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अरावली फूटहिल्स, हरियाणा में एक दिन के फील्डट्रीप एवं डेमोस्ट्रेशन में भाग लिया।
- एन.सी. जेना ने 26 सितम्बर 2005 को केंद्रीय पुस्तकालय, जेएनयू द्वारा आयोजित यू.जी.सी. इनफोनेट अवेयरनेस प्रोग्राम में भाग लिया।
- एन.सी. जेना ने 17–18 नवम्बर 2005 को विधि एवं अभिशासन अध्ययन केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन : सोशल एवं पॉलिटिकल डायमेंशंस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- ए.एच. किदवई ने दिसम्बर 2005 में पंजाब अध्ययन संस्थान, पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ़ द्वारा आयोजित 'पंजाब इन द नाइनटींथ ऐंड टवंटिअथ सेंचुरीज' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इण्डस्ट्रियल–अर्बन लिंक्स इन द पंजाब–हिस्टोरिकल प्रोसेस ऐंड कनटेम्पोरेरी ऐंड कनटेम्पोरेरी सिनारिओ' शीर्षक आलेख (सह लेखक कुसुम चौपड़ा) प्रस्तुत किया।

- ए. कुंडु ने 25 जुलाई 2005 को रीजनल सेंटर फार अर्बन ऐंड एनवायरनमेंटल स्टडीज में आयोजित 'अर्बन पावर्टी एलिविएशन' विषयक संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- ए. कुंडु ने 9 सितम्बर 2005 को गांधी श्रम संस्थान, अहमदाबाद में 'गुजरात ह्युमन डिवलपमेंट' रिपोर्ट प्रस्तुत की।
- ए. कुंडु ने इण्डियन एसोसिएशन फार स्टडी आफ पाप्युलेशन, चण्डीगढ़ द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 'अड्रेसिंग पावर्टी ऐलिविएशन, मलाय इंप्लाइमेंट जेनरेशन ऐंड पाप्यूलेशन ग्रोथ' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- डी.के. मिश्रा ने 1 अक्टूबर 2005 को राजीव गांधी यूनिवर्सिटी, ईटानगर में आयोजित स्टेट डिवलपमेंट रिपोर्ट आफ अरूणाचल प्रदेश' विषयक प्रारम्भिक कार्यशाला में भाग लिया।
- डी.के. मिश्रा ने 17 अक्टूबर 2005 को गुजरात इंस्टीट्यूट आफ डिवलपमेंट रिसर्च, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड इनफार्मेलाइजेशन : कंसिक्वेंसिस फार स्किल फार्मेशन सिक्युरिटी ऐंड जेंडर' शीर्षक नीति समीक्षा कार्यशाला में भाग लिया।
- डी.के. मिश्रा ने 15–17 दिसम्बर 2005 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित 'इण्डियन सोसायटी आफ लेबर इकोनोमिक्स' के 47वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया।
- ए. महमूद ने 18 नवम्बर 2005 को नई दिल्ली में आयोजित 'ईस्ट–वेस्ट सेंटर एल्युमिनी एसोसिएशन कांफ्रेस फार साउथ–एशिया' में भाग लिया।
- एस. नांगिया ने स्कूल आफ इकोनोमिक्स (डापार्टमेंट आफ जिओग्राफी) द्वारा यूनिवर्सिटी आफ कनाडा, ममिटोबा के सहयोग से देहरादून में आयोजित 'रोल आफ पब्लिक, प्राइवेट ऐंड सिविक सेक्टर्स इन ससटेनेबल एनवायरनमेंट मैनेजमेंट : ए सर्च फार बैलेंस इन उत्तरांचल' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- एस. नांगिया ने 16–18 नवम्बर 2005 को इण्डिया हेबिटेट सेंटर में आयोजित 'रीजनल कोआप्रेशन ऐंड पीस इन साउथ एशिया' विषयक इ.डब्ल्यू.सी.ई.डब्ल्यू.सी.ए. साउथ एशियन रीजनल सम्मेलन में भाग लिया।
- एस. नांगिया ने 2–5 दिसम्बर 2005 को बेंगलौर में आयोजित नेशनल एसोसिएशन आफ जिओग्राफी, इण्डिया, के वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया और 'वुमन एनपावरमेंट ऐंड जेंडर इक्विटी' शीर्षक मुख्य वक्तव्य दिया।
- एस. नांगिया ने 16–18 दिसम्बर 2005 को इंस्टीट्यूट आफ मास कम्युनिकेशन, जेएनयू कैम्पस में आयोजित सोसायटी आफ इण्डियन लेबर इकोनोमिक्स के वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया।
- एस. नांगिया ने 27–28 दिसम्बर 2005 में ग्रांड हयात, नई दिल्ली में आयोजित 'मेटर्नल ऐंड चाइल्ड हैल्थ' शीर्षक साउथ एशियन पार्लियामेंटेरियन फोकस ग्रुप मीटिंग में भाग लिया।
- एम.एच. कुरेशी ने 8 अप्रैल 2005 – इंटर–सिविलाइजेशनल डायलाग इन ए ग्लोबलाइजिंग वर्ल्ड' में भाग लिया।

सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र

- वी. सुजाता ने 5–7 फरवरी 2006 को जेएनयू में आयोजित 'साइंस ऐंड स्प्रिचुएलिटी इन इण्डिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- नीलिका मेहरोत्रा ने जनवरी 2006 में सा.प.अ.कें./सा.वि.स./जेएनयू द्वारा आयोजित 'टुवर्डस ए सोशिओलाजी आफ साउथ एशिया' विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कनसेप्चुअलाइजिंग डिसेबिलिटी इन साउथ एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- नीलिका मेहरोत्रा ने अम्बेडकर चेयर सा.प.अ.के., जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'एज्यूकेशन ऐंड सोशल जस्टिस' राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एनेबलिंग द डिफ्रेंटली ऐबल्ड : चैलेंजिस आफ फार्मल एज्यूकेशन इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- नीलिका मेहरोत्रा ने 16–17 मार्च 2006 को समाजशास्त्र विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'टुवर्डस एन ऐथनोग्राफिक अंडरस्टेंडिंग आफ मोबाइल कम्युनिकेशन इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- विवेक कुमार ने 20 मार्च 2006 को डा. जाकिर हुसैन केंद्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा आयोजित 'कनटेम्पोरेरी कवेश्चन्स इन इण्डियन एज्यूकेशन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी कार्यशाला में भाग लिया।
- विवेक कुमार ने 7–8 मार्च 2006 को समाजशास्त्र में डा. अम्बेडकर चेयर द्वारा आयोजित 'एज्यूकेशन ऐंड सोशल जस्टिस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- विवेक कुमार ने 19–20 दिसम्बर 2005 को जयपुरिया इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट, लखनऊ द्वारा आयोजित 'इण्डियन यूथ ऐंड प्रोफेशनल एज्यूकेशन इन ग्लोबल ऐज' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- विवेक कुमार ने 25–26 नवम्बर 2005 को इंटरनेशनल मीडिया इंस्टीट्यूट, गुड़गांव द्वारा आयोजित 'एमपावरमेंट आफ दलित्स : रोल आफ मीडिया' विषयक क्षेत्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- विवेक कुमार ने 5–6 नवम्बर 2005 को सेंटर फार अल्टरनेटिव दलित मीडिया (दिल्ली) द्वारा अजमेर, राजस्थान में आयोजित 'पालिटिकल एमपावरमेंट आफ दलित्स' विषयक क्षेत्रीय कार्यशाला मे भाग लिया।
- विवेक कुमार ने 10 अक्टूबर 2005 को जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू द्वारा आयोजित 'आल इण्डिया सोशिओलाजी कांफ्रेस' में भाग लिया।
- विवेक कुमार ने 22–23 सितम्बर 2005 को यूनिट फार चाइल्ड ऐंड यूथ रिसर्च, टाटा इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंस, मुम्बई और राजीव गांधी इंस्टीट्यूट आफ यूथ डिवलपमेंट, तमिलनाडु द्वारा आयोजित 'यूथ ऐंड ग्लोबलाइजेशन' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- विवेक कुमार ने 22 अप्रैल 2005 को सेंटर फार सोशल रिसर्च, दिल्ली द्वारा इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित 'दलित वुमन इन पॉलिटिक्स : ऐजेंसी, केरियर्स ऐंड ट्रेंडस' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- विवेक कुमार ने 14 अप्रैल 2005 को बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ, द्वारा आयोजित 'राइट टु एज्यूकेशन : अम्बेदकरियन ऐंड लीगल पर्सपेक्टिव्स' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- हरीश नारायण दास ने 19–21 जनवरी 2006 को हैदराबाद विश्वविद्यालय और लोवा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'कल्चर आफ इनोवेशन इन साइंस ऐंड टेक्नालाजी इन इण्डिया : अपर्चुनिटीज सीज्ड ऐंड अपर्चुनिटीज लोस्ट' विषयक एक इण्डो–यू. एस. संगोष्ठी आयोजित की।
- हरीश नारायण दास ने 28 अक्टूबर 2005 को फ्रेंच इंस्टीट्यूट आफ पांडिचेरी, पांडिचेरी में आयोजित 'हीलिंग टुडे : साउंडिंग्स इन द कनटेम्पोरेरि फैशंस आफ इण्डियन मेडिसंस' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- हरीश नारायण दास ने 15–16 सितम्बर 2005 को आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में आयोजित 'हाइब्रिड्स ऐंड पार्टनरशिप्स : कम्पेयरिंग द हिस्टरीज आफ इंडिजिनस मेडिसिन इन साउथ अफ्रीका ऐंड साउथ एशिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।

विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र

- एस. भादुरी ने 27–30 जून 2005 को कोपेहेगन में डेनिश रिसर्च यूनिट फार इंडस्ट्रियल डायनेमिक्स के ग्रीष्मकालीन सम्मेलन 2005 में भाग लिया।

- एस. भादुरी ने 1–4 सितम्बर 2005 को प्रोटो में आयोजित यूरोपियन एसोसिएशन फार रिसर्च इन इंडस्ट्रियल इकोनामिक्स के 32वें सम्मेलन में आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. भादुरी ने 29–31 मार्च 2006 को बैंगलोर में आयोजित 'एंटरप्रिन्युरशिप, इनोवेशन ऐंड इकोनामिक ग्रोथ' विषयक प्रथम वार्षिक मैक्स प्लांक इण्डिया कार्यशाला में भाग लिया और आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. भादुरी ने 29–31 अगस्त 2005 को मैक्स प्लांक इंस्टीट्यूट आफ इकोनामिक्स, जेना में आयोजित 'इवोल्युशनरी इकोनामिक्स' विषयक द्वितीय साइनो–जर्मन कार्यशाला में भाग लिया।
- प्रणव देसाई ने 16–17 जून 2005 को इंस्टीट्यूट फार प्रोस्पेक्टिव ऐंड टेक्नालाजिकल स्टडीज (यूरोपियन कमींशंस ज्वाइंट रिसर्च सेंटर) सेविला (स्पेन) में आयोजित 'इनफार्मेशन सोसायटी टेक्नोलाजी ऐट द सर्विस आफ ए चैंजिंग यूरोप बाई 2020 : लर्निंग फ्राम वर्ल्ड व्यूज' विषयक फिसटेरा सम्मेलन में 'इनफार्मेशन सोसायटी टेक्नालाजी पालिसी आप्शन ऐंड स्ट्रेटिजीस फार चैंजिंग यूरोप बाई 2020 : लेसंस फ्राम एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रोहन डिसूजा ने 28 जून 2005 को आस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी केनबरा, आस्ट्रेलिया में आयोजित 'द कनसेपचुअल वर्ल्ड आफ द 'स्केप्टिकल एनवायरनमेंटलिस्ट' : पुटिंग लॉमबर्गस एनवायरनमेंटल फैक्ट्स इन देअर प्लेस' विषयक संगोष्ठी में रिसोर्स मैनेजमेंट इन एशिया पेसिफिक' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रोहन डिसूजा ने 15 नवम्बर 2005 को इंस्टीट्यूट आफ एडवांस्ड स्टडीज लंकास्टर, यू.के. में आयोजित 'क्लोनिअल मैटर्स ऐंड मेटिरियलटीज : डिसकशंस आन टेक्नोलाजी, कल्चर ऐंड इकोनोमी' विषयक संगोष्ठी एवं व्याख्यानमाला में 'द ग्रेट हाइड्रोलिक ट्रांजिशन : क्लोनिअल रूल ऐंड मैकिंग द बंगाल डेल्टा' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रोहन डिसूजा ने कलोनिअल मैटर्स ऐंड मैटिरिअल्टीज : डिसकशंस ऐं टेक्नोलाजी, कल्चर ऐंड इकोनोमी' विषयक संगोष्ठी और व्याख्यानमाला में 'फोल्डिंग ऐंड द पोलिटीकल इकोलाजी आफ रीसाइलेंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- वी.वी. कृष्णा ने 3–5 दिसम्बर 2005 को स्टेपी, सियोल, कोरिया में आयोजित 'सेक्ट्रल सिस्टम्स आफ इनोवेशन : केस स्टडीज आफ बी.टी, आई.सी.टी. ऐंड फार्मा विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- वी.वी. कृष्णा ने 13–15 जनवरी 2006 को हैदराबाद विश्वविद्यालय में आयोजित सेक्ट्रल सिस्टम्स आफ इनोवेशन विषयक इण्डो–यू.एस.एस. ऐंड टी. फोरम ऐंड यूनिवर्सिटी आफ हैदराबाद कार्यशाला में भाग लिया।
- गोविंद माधव ने 25–27 अक्टूबर 2005 को जम्मू विश्वविद्यालय, (जे ऐंड के) में आयोजित 31वीं आल इण्डिया सोशियोलाजिकल कांफ्रेस में भाग लिया और 'सोशिओ कल्चरल वर्ल्ड व्यू आफ साइंटिस्ट्स ऐंड डिवलपमेंट आफ साइंस ऐंड टेक्नालाजी : ऐन इम्पिरिकल स्टडी आफ इण्डियन साइंटिस्ट्स' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

सामाजिक चिकित्साशास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

- के.आर. नायर ने 30 जून से 4 जुलाई 2005 तक बिलेफिल्ड यूनिवर्सिटी, जर्मनी में आयोजित 'ई–लर्निंग इन पब्लिक हैल्थ' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- संघमित्रा शील आचार्य ने 15–22 मई 2005 को पाप्युलेशन इंस्टीट्यूट, यूनिवर्सिटी आफ फिलीपींस में आयोजित 'कंसलटेटिव राइटशाप – वाई.ए.एफ.एस. (यूथ ऐंड पार्टिलिटी सर्वे–31 में भाग लिया।)
- संघमित्रा शील आचार्य ने 19 जून 2005 को यूनिवर्सिटी आफ फिलीपींस में आयोजित 'डिसेमिनेशन सेमिनार वाई.ए.एफ.एस 3, एल्युमिना' में भाग लिया।

- संघमित्रा शील आचार्य ने 12 अगस्त 2005 को सेंटर आफ वुमन स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ फिलीपींस द्वारा आयोजित 'एन.जी. ओ पार्टिसिपेशन इन वुमंस इश्युज' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- संघमित्रा शील आचार्य ने 17 अगस्त 2005 को सेंटर आफ वुमन स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ फिलीपींस द्वारा आयोजित 'सेक्स ऐंड सेक्सुअलिटी एज्यूकेशन' शीर्षक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम समारोह में भाग लिया।
- संघमित्रा शील आचार्य ने 29 अगस्त 2005 को सेंटर फार वुमन स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ फिलपींस द्वारा आयोजित 'हैल्थ ऐंड डिवलपमेंट इश्यूज अमंग वुमन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया अैर 'एडोलसेंट ऐंड डिवलपमेंट इश्युमज इन इण्डिया ऐंड द फिलीपींस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- संघमित्रा शील आचार्य ने 18–20 अगस्त 2005 को पाप्युलेशन इंस्टीट्यूट, यूनिवर्सिटी आफ फिलीपींस द्वारा बोहोल ट्रापिक रिसोर्ट, तगबिलारन, बोहोल में आयोजित 'एडोलसेंट हैल्थ इश्युज (वाई.ए.एफ.एस.3 रीजनल कंसलटेटिव वर्कशाप विद पालिसी मैकर्स)' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- संघमित्रा शील आचार्य ने 5 अक्टूबर 2005 को पी.एस.एस.सी. सेंटर मनीला, द फिलीपींस में द फिलीपींस सोशल साइंस काउंसिल द्वारा आयोजित 'पालिटिकल सिच्युऐशन इन द फिलीपींस टुडे' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- संघमित्रा शील आचार्य ने 6–10 अक्टूबर 2005 को पाप्युलेशन इंस्टीट्यूट, यूनिवर्सिटी आफ द फिलीपींस, मनीला में आयोजित 'जी.आई.एस इन पाप्युलेशन रिसर्च – यूजिंग मेकिनटोश पैकेज' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- संघमित्रा शील आचार्य ने 9 नवम्बर 2005 को पी.एस.एस.सी. मनीला में आयोजित 'हैल्थ ऐंड सैक्सुअलिटी कनसंर्स अमंग द यूथ इन द फिलीपींस' विषयक फिलीपींस सोशल साइंस काउंसिल की व्याख्यान माला में भाग लिया।
- राजीव दासगुप्ता ने 19–21 जनवरी 2006 को सेंट पीटर्सबर्ग, रूस में आयोजित 'सेवंथ एनुअल ग्लोबल डिवलपमेंट कांफ्रेंस' में 'मैपिंग पर्सेप्शंस आफ प्रोवाइडर्स ऐंड यूजर्स आफ पब्लिक हैल्थ केयर सिस्टम इन इंडिया इन द कनटेक्स्ट आफ हैल्थ सेक्टर रिफार्म्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- के.आर. नायर ने 3–4 अक्टूबर 2005 को नई दिल्ली में 'ई–लर्निंग इन पब्लिक हैल्थ' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजक के रूप में कार्य किया।
- के.आर. नायर ने 21–22 को काउंसिल आफ सोशल डिवलपमेंट द्वारा आयोजित 'बर्डन आफ डिसीज, हैल्थ केयर प्राइर्टीज ऐंड द रोल आफ स्टेट' विषयक संगोष्ठी में परिचर्चा की।
- के.आर. नायर ने 23 नवम्बर 2005 को वी.वी. गिरी नेशनल लेबर इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित 'शेयरिंग रिसर्च इन एच.आई.वी./एड्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में उद्घाटन वक्तव्य दिया और एक सत्र की अध्यक्षता की।
- के.आर. नायर ने वी.वी. गिरी नेशनल लेबर इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित 'प्रिवेंशन आफ एच.आई.वी./एड्स ऐट वर्कप्लेस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया और (विशेषज्ञ के रूप में) एच.आई.वी./एड्स एपिडेमिक : ए पब्लिक हैल्थ चैलेंज' विषयक व्याख्यान दिया।
- के.आर. नायर ने 19 दिसम्बर 2005 को शास्त्री इण्डो–कनेडियन इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इम्पेक्ट आफ ट्रेड लिबरलाइजेशन ऐंड इकोनोमिक रिफार्म्स आन इश्युज रिलेटिड टु हैल्थ, पावर्टी ऐंड इम्प्लायमेंट' विषयक फाइनल डिसेमिनेशन कार्यशाला में भाग लिया (एक सत्र की अध्यक्षता की)।
- के.आर. नायर ने 3 जनवरी 2006 को इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'डिसएडवांटेज ऐंड वलनर्बेल चिल्ड्रन' विषयक कार्यशाला में समापन वक्तव्य दिया।

- के.आर. नायर ने 3–4 मार्च 2006 को नई दिल्ली में आयोजित 'सोशल इनइक्वेलिटीज ऐंड हैल्थ' विषयक सम्मेलन में भाग लिया (सह–अयोजक)।
- के.आर. नायर ने 16–18 मार्च 2006 को इण्डियन एसोसिएशन फार सोशल साइंसिस इन हैल्थ, नई दिल्ली में आयोजित 'हैल्थ रिफार्म्स ऐंड सोशल साइंसिस' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और एक सत्र की अध्यक्षता की।
- मोहन राव ने 21–25 सितम्बर 2005 को नई दिल्ली में आयोजित 'टेंथ इंटरनेशनल वुमन ऐंड हैल्थ मीटिंग' में भाग लिया।
- मोहन राव ने 17 अक्टूबर 2005 को योजना आयोग में स्वास्थ्य पर परामर्श दिया।
- मोहन राव ने 21–22 नवम्बर 2005 को सेंटर फार नेशनल डिवलपमेंट, नई दिल्ली में आयोजित 'बर्डन आफ डिसीज, हैल्थ केयर प्राइओरिटीज ऐंड रोल आफ स्टेट इन इण्डिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- मोहन राव ने 29 नवम्बर 2005 को नई दिल्ली में आयोजित 'इंटरनेशनल वुमन, वर्क ऐंड हैल्थ' विषयक सम्मेलन में भाग लिया; 'पाप्युलेशन पालिसी' के पैनल पर रहे।
- मोहन राव ने 17 दिसम्बर 2005 को मुम्बई में आयोजित 'कनवेंशन अगेंस्ट पाप्युलेशन पालिसीज' विषयक संगोष्ठी में मुख्य वक्तव्य दिया।
- मोहन राव ने 6 जनवरी 2006 को योजना आयोग में 'हैल्थ' पर परामर्श दिया।
- मोहन राव ने एम्स फ्रंट फार सोशल कांशसनेस पब्लिक मीटिंग अगेंस्ट यूजर फीस ऐट एम्स, 16 जनवरी 2006, नई दिल्ली।
- मोहन राव ने 23–24 जनवरी, 2006 एक्शन इण्डिया नई दिल्ली, सी.डब्ल्यू.डी.एस. में 'सेक्स सलेक्शन : टेक्नोलाजीस, पाप्यूलेशन ऐंड सोशल रिलेशंस' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- मोहन राव ने 1 फरवरी 2006 को वुमन स्टडीज डिवलपमेंट सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'वुमन, हैल्थ ऐंड पाप्युलेशन इन निओ लिबरल टाइम्स' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- मोहन राव ने 2–3 फरवरी 2006 को नई दिल्ली में इंस्टीट्यूट आफ ह्यूमन डिवलपमेंट द्वारा आयोजित द वेल–बींग आफ इण्डिया'स पाप्यूलेशन, सलेक्टिड पर्सपेक्टिव्स' विषयक राइटर्स कार्यशाला में भाग लिया।
- मोहन राव ने 10–11 फरवरी 2006 को नई दिल्ली में आयोजित 'रीचिंग सेफ मदरहुड इन इण्डिया : द कंट्रीब्युशन आफ स्माल स्केल स्टडीज' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- मोहन राव ने 17 मार्च 2006 को द प्राइम मिनिस्टर'स हाई–लेवल कमेटी आन मुस्लिम, कंसलटेशन आन हैल्थ, विषयक बैठक में भाग लिया।
- वी. रामा बारू ने 17 फरवरी 2006 को एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा सी.आई.ई.टी. भवन में आयोजित 'बिल्डिंग ए यूनिवर्सिटी – स्कूल रिर्सोस नेटवर्क' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- रितु प्रिया मेहरोत्रा ने 30 मार्च – 1 अप्रैल 2006 को आई.ए.एस.एस.आई., जेएनयू में आयोजित 'फेसिंग द चैलेंज आफ पावर्टी' विषयक संगोष्ठी में 'मैजरमेंट आफ पावर्टी ऐंड कल्चर्स आफ कंजप्शन : डाइवर्स एप्रोचिस ऐंड देअर इंप्लिकेशंस फार हैल्थ ऐंड वेल–बींग' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रितु प्रिया मेहरोत्रा ने जनवरी 2006 में वेल्लोर में 'क्वालिटी ऐंड कास्ट्स आफ हैल्थ केयर इन द कन्टेक्स्ट आफ यूनिवर्सल एक्सेस' विषयक एम.एफ.सी. वार्षिक बैठक का आयोजन किया और इसमें भाग लिया।

- रितु प्रिया मेहरोत्रा ने दिसम्बर 2005 में लखनऊ विश्वविद्यालय में इण्डियन अकादमी आफ सोशल साइंसिस की 29वीं इण्डियन सोशल साइंस कांग्रेस के 'चैलेंजिस आफ पब्लिक हैल्थ' सत्र का आयोजन किया।
- रितु प्रिया मेहरोत्रा ने 24–25 फरवरी 2006 को सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, जेएनयू में आयोजित 'बैक टु द फ्यूचर ? इडिजिनस सिस्टम्स आफ मेडिसन इन कनटेम्पोरेरी इण्डिया' विषयक संगोष्ठी के दो सत्रों की अध्यक्षता की।
- रितु प्रिया मेहरोत्रा ने 2006 में समाजशास्त्र विभाग, पुणे विश्वविद्यालय में आयोजित 'सिटीज ऐंड सोशल लिव्स : इश्युज आफ इनफ्रास्ट्रक्चर, गवर्नेंस ऐंड सिटीजनशिप' विषयक कार्यशाला में आलेख प्रस्तुत किया।
- रितु प्रिया मेहरोत्रा ने 3–4 मार्च 2006 को नई दिल्ली आयोजित 'सोशल इनइक्वेलिटीज ऐंड हैल्थ' विषयक संगोष्ठी में 'मेथडोलाजिकल इश्युज' सत्र पर चर्चा की।
- संघ मित्रा शील आचार्य ने 4–5 मार्च 2006 को सामाजिक चिकित्साशास्त्र एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र द्वारा इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'सोशल इनइक्वेलिटीज इन हैल्थ' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- संघ मित्रा शील आचार्य ने 30–31 मार्च 2006 को क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, सा.वि.सं., जेएनयू में आयोजित 'कनटेम्पोरेरि इश्युज इन रीजनल डिवलपमेंट' विषयक संगोष्ठी में 'यूथ इन फिलीपींस – सम इश्युज ऐंड कनसंर्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अल्पना डी. सागर ने नवम्बर 2005 में नई दिल्ली में आयोजित 'वुमन वर्क ऐंड हैल्थ' विषयक संगोष्ठी में 'इंप्लिकेशंस आफ इम्प्लायमेंट फार प्रेगनेंट वुमन इन ए दिल्ली स्लम' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- राजीव दास गुप्ता ने 16 जून 2005 को डायरेक्टोरेट आफ नेशनल वेक्टर बोर्न डिसीज कंट्रोल प्रोग्राम, नई दिल्ली की 'ओप्रेशनल फिजीबिलिटी ऐंड इम्पेक्ट आफ को–एडमिनिस्ट्रेशन आफ अल्वेडांजोल ऐंड डी.ई.सी. कंट्रोलिंग लिम्फेटिक फिलारिअसिस' विषयक आई.सी.एम.आर. फोर्स परियोजना के निष्कर्षों पर विशेषज्ञ ग्रुप के सदस्य।
- राजीव दास गुप्ता ने 14 सितम्बर 2005 को सेंटर दि साइंस हयूमन तथा विधि और अभिशासन अध्ययन केंद्र, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'अर्बन एक्टर, पालिसीज ऐंड गवर्नेंस इन दिल्ली' विषयक कार्यशाला में 'पालिटिकल–एडमिनिस्ट्रेटिव डिसेंट्रलाइजेशन ऐंड हैल्थ सर्विसिज इन दिल्ली' शीर्षक आलेख पर चर्चा की।
- राजीव दास गुप्ता ने 25 सितम्बर 2005 को नई दिल्ली में इण्डियन मैडिकल एसोसिएशन की वार्षिक सम्मेलन की क्लिनिकल आडिट में भाग लिया।
- राजीव दास गुप्ता ने 27 सितम्बर 2005 को भूगोल विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने यूनिवर्सिटी आफ म्यूनिख और यूनिवर्सिटी आफ कोलोन के सहयोग से आयोजित 'वलनरेबिलिटी इन मेगा सिटीज : ए न्यू एप्रोच टु एनालाइस़ द अर्बन वाटर सिस्टम इन दिल्ली' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया।
- राजीव दास गुप्ता ने 11–13 नवम्बर को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में आयोजित 'डिवलपमेंट आफ गाइडलाइन्स फार इफेक्टिव होम बेस्ड केयर ऐंड ट्रीटमेंट आफ चिल्ड्रन सफरिंग फ्राम एक्यूट सीवियर अंडर न्यूट्रिशन' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- राजीव दास गुप्ता ने 21–22 नवम्बर 2005 को काउंसिल फार सोशल डिवलपमेंट द्वारा आयेजित 'बर्डन आफ डिसीज, हैल्थ केयर प्राइओरिटीज ऐंड रोल आफ स्टेट इन इण्डिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- राजीव दास गुप्ता ने 29 नवम्बर 2005 को कनफेडरेशन आफ इण्डियन इण्डस्ट्रीज द्वारा आयोजित 'टुवर्ड्स मिलेनियम डिवलपमेंट गोल्स आन हैल्थ' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

- राजीव दास गुप्ता ने 21 मार्च 2006 को नई दिल्ली में आयोजित नेशनल वेक्टर बोर्न डिसीज कंट्रोल प्रोग्राम की नेशनल कंसल्टेटिव वर्कशाप में भाग लिया।
- सुनीता रेड्डी ने 28–30 नवम्बर 2005 को एन.आई.एच.एफ.डब्ल्यू. में आयोजित 'पी.पी.पी. इन द पब्लिक हैल्थ सेक्टर इन इण्डिया' विषयक नेशनल प्लानिंग कार्यशाला में भाग लिया।

जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र

- ए.के. मोहन्ती ने 14–16 अक्टूबर 2005 को कार्नेल यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए. में आयोजित लैंग्यूवेज ऐंड पावर्टी' विषयक कार्नेल सम्मेलन में 'प्रिपेच्युएटिंग इनइक्वेलिटी : लैंग्यूवेज डिसेडवांटेज ऐंड केपेबिलिटी डेप्रिवेशन आफ ट्राइबल मदर टंग स्पीकर्स इन इण्डिया' आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. मोहन्ती ने 30 मार्च से 2 अप्रैल 2005 तक सैंट्रल इंस्टीट्यूट आफ इण्डियन लैंग्यूवेज, मैसूर में आयोजित 'लैंग्यूवेज ऐंड माइंड' विषयक अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला में 'लैंग्यूवेज ऐंड माइड : सोशिओ–कल्चरल पर्सपेक्टिव' शीर्षक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- ए.के. मोहन्ती ने 5–7 दिसम्बर 2005 को कनाडियन, यू.एस. और लेटिन अमरीकी अध्ययन केंद्र, अ.अ.सं., जेएनयू में आयोजित 'मल्टीकल्चरलीज्म : पब्लिक पालिसी ऐंड प्रोब्लम एरियास इन कनाडा ऐंड इण्डिया' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'एज्यूकेशन फार मल्टीलिंग्युलीज्म : कनाडियन पर्सपेक्टिव्स ऐंड इण्डियन रिएलिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ए.के. मोहन्ती ने 9–10 मार्च 2006 को जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र, जेएनयू में आयोजित 'सोशियोलोजी आफ एज्यूकेशन : लुकिंग बैक, लुकिंग अहैड' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- ए.के. मोहन्ती ने 11 मार्च 2006 को जाकिर हुसैन कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'होलिस्टिक एप्रोचिस इन साइक्लोलाजी' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'अनडिसिप्लिनिंग साइकोलाजी : प्राब्लम ऐंड प्रोसेस ओरिऐंटेशन इन नालेज क्रिएशन' विषयक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- ए.के. मोहन्ती और एम. पांडा ने 30 मार्च – 2 अप्रैल 2005 को सेंट्रल इंस्टिट्यूट आफ इण्डियन लैंग्युवेजिस, मैसूर में आयोजित लैंग्युवेज ऐंड माइंड' विषयक संगोष्ठी में 'लैंग्युवेज ऐंड माइंड : ए सोशिओ–साइकोलाजिकल पर्सपेक्टिव' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- दीपक कुमार ने 5–8 नवम्बर 2005 को यूनिवर्सिटी आफ मिनेपोलिस में आयोजित एसोसिएशन फार हिस्ट्री आफ साइंस ऐंड द सोसायटी फार हिस्ट्री आफ टेक्नालाजी के संयुक्त वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया।
- दीपक कुमार ने 14–18 नवम्बर 2005 को इतिहास विभाग, लंकास्टर यूनिवर्सिटी में आयोजित 'वाटर ऐंड कंजर्वेशन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- दीपक कुमार ने 22 नवम्बर 2005 को यूनिवर्सिटी आफ ससेक्स में आयोजित 'प्लांट्स ऐंड फोरेस्ट्स इन हिस्ट्री' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- दीपक कुमार ने 23 फरवरी 2006 को महिला अध्ययन केंद्र, ए.एम.यू., अलीगढ़ में आयोजित वुमन ऐंड सोसायटी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- दीपक कुमार ने 3–4 मार्च 2006 को इतिहास विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय में आयोजित 'वाटर ऐंड नेचुरल रिसोर्सिस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

- बिनोद खादरिया ने 29–31 मई 2005 को 'सिदा' और इंडिपेंडेंट यूनिवर्सिटी, ढाका द्वारा आयोजित 'हैल्थ ऐंड इक्विटी सिस्टम्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया और 'इण्डियन हैल्थ हयूमन रिसोर्स सिस्टम' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- बिनोद खादरिया ने 1–3 अगस्त 2005 को फैकल्टी आफ आर्ट्स ऐंड सोशल साइंसिस और एशिया रिसर्च इंस्टीट्यूट, नेशनल यूनिवर्सिटी आफ सिंगापुर द्वारा आयोजित 'एशियन हॉरिजन्स : सिटीज, स्टेट्स ऐंड सोसायटीज' विषयक एन.यू.एस. सेंटेनिअल सम्मेलन में भाग लिया।
- बिनोद खादरिया ने 5–10 जुलाई 2005 को अकादमी आफ हैल्थ ऐंड राकफेलर फाउंडेशन द्वारा बेलागिओ, इटली में आयोजित 'इंटरनेशनल नर्सिंग माइग्रेशन इश्युज ऐंड एक्सपिरियंसिस' विषयक विशेषज्ञों की बैठक में भाग लिया।
- बिनोद खादरिया ने 20 सितम्बर 2005 को एशिया रिसर्च इंस्टीट्यूट, सिंगापुर द्वारा आयोजित 'एशियन माइग्रेशंस : सुजर्निंग डिसप्लेसमेंट होमकमिंग ऐंड अदर ट्रेवल्स' विषयक तीसरी एशिया ट्रेंडस संगोष्ठी में भाग लिया। ए.आर.आई. न्यूजलेटर्स, अंक 8 अक्टूर 2005 के लिए रिपोर्टर का कार्य किया।
- बिनोद खादरिया ने 15 नवम्बर 2005 को एशिया रिसर्च इंस्टीट्यूट और ली कुआन यिऊ स्कूल आफ पब्लिक पालिसी नेशनल यूनिवर्सिटी आफ सिंगापुर द्वारा आयोजित सेमिनार सिटीज 2005 में 'प्रिजुडाइसिस, डिकोटोमीज ऐंड डिलेमाज इन फाइनेंसिंग एज्यूकेशन : थीसिस ऐंड एन्टी थीसिस आफ पब्लिक पालिसी मैकिंग इन डिवलपिंग कंट्रीज' विषयक व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- बिनोद खादरिया ने 1–3 फरवरी 2006 को एलियुर्स, ए नेटवर्क आन कल्चरल जिओग्राफी द्वारा यूनिवर्सिटी आफ राउन, फ्रांस में आयोजित 'आइडेंटिटी ऐंड लोकलटी' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- बिनोद खादरिया ने 6–8 फरवरी 2006 को ग्लोबल इक्विटी गाज एलाइंस (डर्बन) द्वारा आयोजित 'रिव्यू आफ कोर्स आन इक्विटी ऐंड हैल्थ सिस्टम्स इन साउथ एशिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- बिनोद खादरिया ने 20–22 मार्च 2006 को एशियन मेटा सेंटर फार पाप्युलेशन ऐंड ससटेनेबल डिवलपमेंट एनालिसिस, फुकेट, थाइलैण्ड द्वारा आयोजित 'पाप्युलेशन ऐंड डिवलपमेंट इन एशिया : क्रिटिकल इश्युज फार ए ससटेनेबल फ्यूचर' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'केस स्टडी आफ ऐन इण्डियन ऐंड द पाकिस्तानी डायस्पोरा एसोसिएशन इन द यू.एस.' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया तथा 'स्किल्ड डायस्पोरास ऐंड डिवलपमेंट' विषयक सत्र की अध्यक्षता की।
- बिनोद खादरिया ने 7–8 अप्रैल 2005 को वी.वी. गिरी नेशनल लेबर इंस्टीट्यूट, और मिनिस्ट्री आफ ओवरसीज इण्डियन अफेयर्स, भारत सरकार द्वारा नोएडा में आयोजित 'इंटरनेशनल माइग्रेशन, रिमिटेंसिस ऐंड डिवलपमेंट' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया और 'रिमिटेंस ट्रांसफर मैकेनिज्मस ऐंड कास्ट स्ट्रक्चर्स' शीर्षक तकनीकी सत्र पर परिचर्चा की तथा 'लिवरेजिंग रिमिटेंसिस फार डिवलपमेंट' विषयक तकनीकी सत्र के पैनल में थे।
- बिनोद खादरिया ने 12–13 सितम्बर 2005 को ग्लोबल इक्विटी गाज एलाइंस (डर्बन) द्वारा मुम्बई में आयोजित 'कोर्स डिवलपमेंट आन इक्विटी ऐंड हैल्थ सिस्टम्स इन साउथ एशिया' की विशेषज्ञ बैठक में भाग लिया।
- गीता बी. नाम्बिसन ने 22–24 जुलाई को जेएनयू में आयोजित 'नेशनल पालिसी आन एज्यूकेशन : इट्स रेलिवेंस ऐंड इम्पेक्ट आन ट्राइब्स' विषयक संगोष्ठी में 'नेशनल पालिसी आन एज्यूकेशन ऐंड इंप्लिकेशंस फार ट्राइब्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गीता बी. नाम्बिसन ने 9–10 मार्च 2006 को जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र, जेएनयू द्वारा आयोजित 'सोशिओलाजी आफ एज्यूकेशन इन इण्डिया : लुकिंग बैक, लुकिंग अहैड' विषयक संगोष्ठी में 'सोशियोलाजी आफ एज्यूकेशन इन इण्डिया : मैपिंग द टैरेन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ध्रुव रैना ने 20–22 अक्टूबर 2005 को इंस्टीट्यूट फ्रेंकास दे पाण्डिचेरी में आयोजित रेसिप्रोकल नालेज : कल्चर्स आफ नालेज विषयक द्वितीय अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला में 'इंट्रोडक्शन टु वर्कशाप आन कल्चर्स आफ नालेज' शीर्षक व्याख्यान दिया।

- ध्रुव रैना ने 20–22 अक्टूबर 2005 को इंस्टीट्यूट फ्रेंकास दि पाण्डिचेरी द्वारा आयोजित 'रेसिप्रोकल नालेज : कल्चर्स आफ नालेज' विषयक द्वितीय अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला में टु अर्ली ट्वंटिअथ सेंचुरी कंस्ट्रक्शंस आफ साइंस इन एनशिएंट इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ध्रुव रैना ने 20–21 फरवरी 2006 को सी.एस.सी.एस., बैंगलोर यूनिवर्सिटी में आयोजित 'द फ्यूचर आफ हायर एज्यूकेशन' विषयक कार्यशाला में 'इंटरडिसिप्लिनरी साइंस ऐंड इंटरडिसिप्लिनरी कोलेजिएट एज्यूकेशन' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- ध्रुव रैना ने 2–6 जनवरी 2006 को लोनावाला में आयोजित 'रिलिजन डायलाग ऐंड कासमिक फ्यूचर : द पर्सपेक्टिव्स आफ टेलहार्ड दि चार्डिन ऐंड श्री अरबिंदो' विषयक विज्ञान कार्यशाला में 'प्रोग्रेस ऐंड सिविलाइजेशन : ड्यूअलिस्ट रिजनिंग इन अरबिंदो'स थाट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ध्रुव रैना ने 9–10 मार्च 2006 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में प्रो. करूणा चानना के सम्मान में आयोजित 'सोशिओलाजी आफ एज्यूकेशन इन इण्डिया : लुकिंग बैक, लुकिंग अहैड' विषयक संगोष्ठी में 'विल द टीचिंग ऐंड रिसर्च यूनिवर्सिटी डिसएपियर ?' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ध्रुव रैना ने 4–5 अप्रैल 2005 को पेरिस में आयोजित Bibliotheques, enchyclopedies, musees, archives :la constitution des collections qui ont fourni ses sources a l'histoire des sciences, विषयक संगोष्ठी में 'द मिश्चरी सराउंडिंग द फ्रेंच जेसुट मैन्युस्क्रिप्ट्स प्रोजेक्ट्स इन इण्डिया' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- ध्रुव रैना ने 24–30 जुलाई 2005 को बीजिंग में आयोजित 22वीं इंटरनेशनल कांग्रेस आफ हिस्ट्री आफ साइंस में 'सिच्युएटिंग द हिस्ट्री आफ इण्डियन अर्थमैटिक इन जार्ज पीकाक'स हिस्ट्री आफ अर्थमैटिक' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ध्रुव रैना ने 16–18 नवम्बर 2005 को यूनेस्को, पेरिस में आयोजित '60 इयर्स इन द हिस्ट्री आफ यूनेस्को' विषयक सम्मेलन में 'आरगेनाइजेशन ऐंड कल्चर्स आफ साइंस : यूनेस्को ऐंड द इंस्टीट्यूशनलाइजेशन आफ साइंस इन पोस्ट कलोनियल इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. चट्टोपाध्याय ने 26–30 दिसम्बर 2005 को आयोजित 29वीं इण्डियन सोशल साइंस कांग्रेस में 'द क्रिमिनलाइजिंग वर्ल्ड : डर्टी वर्ल्ड पालिटिक्स ऐंड सबवर्सन आफ डेमोक्रेसी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. चट्टोपाध्याय ने 4–6 फरवरी 2006 को कलकत्ता विश्वविद्यालय की स्वर्ण जयन्ती के अवसर पर कलकत्ता विश्वविद्यालय अधिकारी संघ द्वारा आयोजित 'हायर एज्यूकेशन एडमिनिस्ट्रेशन इन डिवलपिंग कंट्रीज' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एक्सप्लोरिंग आल्टरनेटिव सोर्सिस आफ फाइनेंसिंग हायर एज्यूकेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- मिनाती पंडा ने 25–27 अक्टूबर 2005 को सी.आई.आई.एल., मैसूर में आयोजित 'मल्टीलिंग्युअल एज्यूकेशन फार ट्राइबल चिल्ड्रन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- एस. श्रीनिवास राव ने 5–7 दिसम्बर 2005 को जेएनयू और मोंट्रियल विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'मल्टीकल्चरलिज्म इन इण्डिया ऐंड कनाडा : प्रोब्लम एरियाज ऐंड पालिसी इश्युज' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एथनोकल्चरल डाइवर्सिटी ऐंड एज्यूकेशनल एक्सपिरियंसिस आफ द इमिग्रेंट चिल्ड्रन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एस. श्रीनिवास राव ने 9–10 मार्च 2006 को आयोजित 'सोशिओलाजी आफ एज्यूकेशन इन इण्डिया : लुकिंग बैक, लुकिंग अहैड', विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में सह–आयोजक के रूप में भाग लिया और 'एक्सक्लुजन ऐंड डिस्क्रीमिनेशन इन एलीट इंस्टीट्युशंस आफ हायर एज्यूकेशन इन इण्डिया : इविडेंस फ्राम ऐन आई.आई.टी.' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

महिला अध्ययन कार्यक्रम

- जान मेरी ने 24 फरवरी 2006 को अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में आयोजित 'वुमन ऐंड सोसायटी' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कनसेप्ट्स इन वुमन स्टडीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जान मेरी ने 15–16 दिसम्बर 2005 को समाजशास्त्र विभाग और आई.सी.एस.एस.आर., एम.डी. रोहतक विश्वविद्यालय, हरियाणा में आयोजित 'प्लाइट आफ द गर्ल चाइल्ड' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'डिवलपमेंट ऐंड द गर्ल चाइल्ड' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जान मेरी ने 12–14 दिसम्बर 2005 को कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा में आयोजित 'यू.जी.सी. कंसलटेशन आन वुमन स्टडीज इन नार्दन रीजन' विषयक कार्यक्रम में वुमन'स स्टडीज इन हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जान मेरी ने 26 नवम्बर 2005 को जामिया हमदर्द यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली में आयोजित 'दलित हयुमन राइट्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कास्ट ऐंड जेंडर इश्यूज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जान मेरी ने 6–8 जुलाई 2005 को डिपार्टमेंट आफ वुमन स्टडीज, यूनिवर्सिटी अफ ढाका और इंस्टीट्यूट आफ सोशल स्टडीज, द हेग, बंगलादेश, में आयोजित 'करिकुलम डिवलपमेंट इन वुमन'स स्टडीज' विषयक क्षेत्रीय कार्यशाला में 'वुमन स्टडीज ऐंड करिकुलम डिवलपमेंट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जान मेरी ने 19–24 जून 2005 को सिओल, दक्षिण कोरिया में आयोजित 'नाइंथ इंटरनेशनल वर्ल्ड कांग्रेस आन वुमन में 'आर वी लीविंग इन ए पोस्ट–फेमिनिस्ट कनजक्चर ? सम रिफ्लेशंस फ्राम इण्डिया'' विषयक आलेख प्रस्तुत किया और 'वुमन स्टडीज इन एशिया इन ए ग्लोबलाइजिंग वर्ल्ड' शीर्षक सत्र के पैनल में भाग लिया।
- जान मेरी ने 3–6 मई 2005 को इंटरनेशनल सेंटर, गोवा में आयोजित 'इलेवंथ कांफ्रेस आफ द इण्डियन एसोसिएशन आफ वुमन'स स्टडीज' में भाग लिया और 'इंस्टीट्यूशन ऐंड पालिटिक्स : वुमन'स मूवमेंट, वूमन स्टडीज ऐंड द स्टेट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया। 'वुमन स्टडीज, सोवरनिटी, सिटीजनशिप ऐंड जेंडर' विषयक पैनल चर्चा में भाग लिया।
- जान मेरी ने 5 अप्रैल 2005 को इंस्टीट्यूट आफ चाइनीज स्टडीज, दिल्ली में आयोजित 'सोशल सेक्टर इन चाइना' विषयक कार्यशाला में 'न्यू कम्पेरिटिव फ्रेमवर्क्स : फेमिनिज्म इन चाइना ऐंड इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

प्रौढ़ शिक्षा ग्रुप

- एस.वाई. शाह ने 24–26 अक्टूबर 2005 को ओसलो, नार्वे में आयोजित 'एज्यूकेशन फार आल इन ऐन ईरा आफ इनक्रिजिंग मोबिलिटी : इंप्लिकेशन फार अडल्ट लर्निंग' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- एस.वाई. शाह ने 19 दिसम्बर 2005 को इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'राइटिंग द रोंग्स : इंटरनेशनल बैंच मार्कस आन अडल्ट लिट्रेसी' विषयक पैनल चर्चा में भाग लिया।
- एस.वाई. शाह ने 25 जनवरी 2006 को नई दिल्ली में आयोजित 'डिवलपिंग ए शार्ट कोर्स आन अडल्ट एज्यूकेशन' विषयक कार्यशाला में भाग लिया और इसका समन्वय किया।
- एस.वाई. शाह ने 3 फरवरी 2006 को नई दिल्ली में आयोजित 'यू.जी.सी. नोडल मीटिंग आफ द डायरेक्टर्स आफ अडल्ट एज्यूकेशन आफ फोर्टीन यूनिवर्सिटी डिपार्टमेंट्स आफ अडल्ट एज्यूकेशन में भाग लिया।
- एस.वाई. शाह ने 17 मई 2006 को मद्रास विश्वविद्यालय चैन्नई में आयोजित 'लाइफ स्किल्स एज्यूकेशन फार यूथ डिवलपमेंट' विषयक अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया और 'ह्यूमन राइट्स ऐंड लिट्रेसी' शीर्षक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

- एस.वाई. शाह ने 21–22 फरवरी 2006 को वि.अ.आ. में आयोजित 'यू.जी.सी. एक्सपर्ट कमेटी मीटिंग आन अडल्ट एज्यूकेशन' में भाग लिया।
- एस.वाई. शाह ने 2–4 मार्च 2006 को नेशनल इंस्टीट्यूट फार ओपन स्कूलिंग, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'डिवलपिंग ए ट्रेनिंग किट फार लिट्रेसी वर्कर्स' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- एस.वाई. शाह ने 29–30 मार्च 2006 को आई.आई.सी. नई दिल्ली में आयोजित 'डिवलपिंग ए करिकुलम फार एन ई–लर्निंग कोर्स आन एडल्ट लर्निंग, डाक्यूमेंटेशन ऐंड इनफार्मेशन नेटवर्क' विषयक अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 9–10 मार्च 2006 को 'सोशिओलाजी आफ एज्यूकेशन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 12 मार्च 2006 को आयोजित 'टेकिंग फैथ सिरियसली रोल आफ फैथ–वेस्ड आरगेनाइजेशंस (एफ.बी.ओ.एस.) इन डिवलपमेंट डायनेमिक्स इन इण्डिया' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 24–25 मार्च 2006 को आयोजित 'रूरल डिवलपमेंट प्रोसेस इन द चैंजिंग सिनारियो : रोल आफ अडल्ट, कंटीन्युइंग एज्यूकेशनल इंस्टीटयूट आफ इण्डिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- एम.सी. पाल ने 28–29 मार्च 2006 को आयोजित 'पावर्टी इन इण्डिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

शैक्षिक रिकार्ड शोध यूनिट

- जोसेफ बारा ने अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 51वें अनुशीलन कोर्स में 'मिशनरी एज्यूकेशन इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- जोसेफ बारा ने 10 दिसम्बर 2005 को सेंटर फार प्रोमोशन आफ ह्यूमन राइट्स टीचिंग ऐंड रिसर्च, अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'राइट्स आफ द ट्राइबल्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और 'सम रिफ्लेशंस आन ट्राइबल डिवलपमेंट : द डोमेन आफ एज्यूकेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- जोसेफ बारा ने 8 मार्च 2006 को डा. अम्बेडकर चेयर, सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, सा.वि.सं., जवालरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एज्यूकेशन ऐंड सोशल जस्टिस : इश्युज ऐंड आप्शंस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कल्चरल स्टेण्ड्स आफ पोस्ट इंडिपेंडेंस ट्राइबल एज्यूकेशन इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

शिक्षकों द्वारा दिए गए व्याख्यान (जेएनयू से बाहर)

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केन्द्र

- अंजन मुखर्जी ने 21 दिसम्बर 2005 को अर्थशास्त्र विभाग, मुम्बई विश्वविद्यालय में 'गवर्नेंस ऐंड इकोनामिक डिवलपमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- अंजन मुखर्जी ने 23 दिसम्बर 2005 को अर्थशास्त्र विभाग, मुम्बई विश्वविद्यालय में 'वेजिस ऐंड इंप्लायमेंट पालिसी' विषयक व्याख्यान दिया।
- अंजन मुखर्जी ने 6 मार्च 2006 को इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट आफ डिवलपमेंट स्टडीज में 'ग्लोबल स्टेबिलिटी कंडीशंस आन द प्लेन : ए जनरल ला आफ डिमाण्ड' विषयक व्याख्यान दिया।
- अंजन मुखर्जी ने 9 मार्च 2006 को इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट आफ डिवलपमेंट स्टडीज में 'कम्पीटिटिव मार्किट्स ऐंड करप्शन : ए थीअरिटिकल पर्सपेक्टिव' विषयक व्याख्यान दिया।

- अरूण कुमार ने 21 अक्टूबर 2005 को विश्व युवक केंद्र द्वारा स्वैच्छिक संगठनों के लिए आयोजित सर्टिफिकेट कोर्स के लिए 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड ब्लैक इकोनामी' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 24 अक्टूबर 2005 को इंस्टीट्यूट आफ गवर्नमेंट अकाउंट्स ऐंड फाइनेंस द्वारा आयोजित 'कोर्स आन पब्लिक फाइनेंस' के उद्घाटन समारोह पर 'ऐन ओवरवियु आफ पब्लिक फाइनेंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 30 नवम्बर 2005 को चिनमय मिशन, नई दिल्ली में स्कुमेकर सेंटर फार डिवलपमेंट द्वारा आयोजित श्री प्रदीप बोस द्वारा लिखित 'सोशल डेमोक्रेसी इन प्रैक्टिस : सोशलिस्ट इंटरनेशनल 1951–2001' शीर्षक पुस्तक के विमोचन समारोह में 'इकोनामिक आस्पेक्ट आफ डेमोक्रेटिक सोशिओलिज्म टुडे' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 16 दिसम्बर 2005 को बोस्टन यूनिवर्सिटी इण्डियन सोशल इंस्टीट्यूट के सहयोग से इंटरकल्चरल रिसोर्सिस द्वारा आयोजित 'रिथिंकिंग ग्लोबलाइजेशन' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मान कार्यक्रम में 'पालिटिकल इकोनामी आफ ग्लोबलाइजेशन इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 16 फरवरी 2006 को आई.बी. नई दिल्ली में 'इकोनोमिक ट्रीटस टु नेशनल सिक्युरिटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 17 फरवरी 2006 को अकादमिक स्टाफ कालेज, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में 'चैलेंजिस बिफोर द इण्डियन इकोनोमी' विषयक व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 23 फरवरी 2006 को इकोनोमिक एसोसिएशन, आई.पी. कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में वार्षिक समारोह में व्याख्यान दिया।
- अरूण कुमार ने 6 मार्च 2006 को एम.डी.आई. गुड़गांव में 'यूनियन बजट 2006–07 : ए मैक्रो इकोनोमिक एनालिसिस' विषयक व्याख्यान दिया और यूनियन बजट 2006–07 की पैनल चर्चा में भाग लिया।
- अरूण कुमार ने 10 मार्च 2006 को लुधियाना मैन्युफेक्चर्स एसोसिएशन, लुधियाना में यूनियन बजट 2006–07 के पैनल परिचर्चा में 'यूनियन बजट 2006–07 : ए मैक्रो–इकोनोमिक एनालिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- सी.पी. चन्द्रशेखर ने 27–28 अप्रैल 2005 को एशियन कालेज आफ जर्नलिज्म, चैन्नई में 'इण्डिया इन द वर्ल्ड इकोनोमी' विषयक व्याख्यान दिया।
- सी.पी. चन्द्रशेखर ने 16 सितम्बर 2005 को किरोड़ीमल कालेज में 'इण्डस्ट्रियल पालिसी ऐंड ग्रोथ' विषयक व्याख्यान दिया।
- सी.पी. चन्द्रशेखर ने 2 सितम्बर 2005 को बिलकेंट यूनिवर्सिटी, अंकारा, टर्की में 'इंप्लिकेशंस आफ पोस्ट–लिबरलाइजेशन चैंजिस इन द स्ट्रक्चर्स आफ नेशनल ऐंड इंटरनेशनल फाइनेंस' विषयक दो व्याख्यान दिए।
- सी.पी. चन्द्रशेखर ने 23 जनवरी 2006 को आइडिआस वर्कशाप फार यंग इकोनोमिस्ट्स, मुत्तुकुंडु तमिलनाडु में 'द इंप्लिकेशंस आफ करंट ग्लोबल इनबैलेंसिस' विषयक दो व्याख्यान दिए।
- डी.एन. राव ने 14 दिसम्बर 2005 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 'इश्युज इन हैल्थ इकोनोमिक्स रिसर्च' विषयक व्याख्यान दिया।
- जयती घोष ने 18 अगस्त 2005 को अर्थशास्त्र और सामाजिक विज्ञान केंद्र, हैदराबाद में आयोजित स्वर्ण जयंती व्याख्यानमाला में 'रिसेंट इकोनोमिक ग्रोथ इन इण्डिया ऐंड चाइना : ए कम्पेरिटिव असेसमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- जयती घोष ने 4 सितम्बर 2005 को बिलकेंट यूनिवर्सिटी, अंकारा, टर्की में 'द इंप्लिकेशंस आफ रिसेंट ट्रेड पैटर्न्स इन द इंटरनेशनल इकोनोमी' विषयक व्याख्यान दिया।

- जयती घोष ने 18 अक्टूबर 2005 को हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, कैम्ब्रिज मास, यू.एस.ए. में 'फायर्सनेस ऐंड फ्रेजिलिटी : द इकोनोमिक्स आफ अमेरिकन एम्पायर' विषयक व्याख्यान दिया।
- जयती घोष ने 9 दिसम्बर 2005 को इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर में 'द पालिटिकल इकोनोमी आफ फार्मर्स सुसाइडस इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- जयती घोष ने 7 फरवरी 2006 को कला संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'द म्युजिशियन ऐज प्रोफेशनल इन 18थ ऐंड 19थ सेंचुरी यूरोप' विषयक विशेष व्याख्यान दिया।
- जयती घोष ने 25 मार्च 2006 को धारवाड़ विश्वविद्यालय, कर्नाटक में 'अवानी भट्ट स्मारक' व्याख्यान दिया।
- प्रदीप्त चौधरी ने 18 जुलाई 2005 को हैदराबाद विश्वविद्यालय, स्टडी इण्डिया प्रोग्राम में 'कास्ट इन माडर्न इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रदीप्त चौधरी ने 19 जुलाई 2005 को समाजशास्त्र विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय में 'पोलिटिकल इकोनोमी आफ कास्ट' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रदीप्त चौधरी ने 23 दिसम्बर 2005 को इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट, बैंगलौर में 'शुड देयर वी रिजर्वेशंस बेस्ड आन कास्ट' विषयक व्याख्यान दिया।
- रामप्रसाद सेनगुप्ता ने साउथ एशिया स्टडीज डिपार्टमेंट में स्प्रिंग सेमिस्टर 2006 के दौरान विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में स्कूल आफ आर्ट्स ऐंड साइंसिस आफ पेनिसिलवानिया यूनिवर्सिटी, फिलाडेलफिआ, में दो नये कोर्स तैयार किए, शुरू किए और चलाए। (ये कोर्स हैं – इश्यूज इन द इकोनोमिक डिवलपमेंट आफ साउथ एशिया तथा ग्लोबलाइजेशन ऐंड ससटेनेबल डिवलपमेंट विद स्पेशल रेफ्रेंस टु साउथ एशिया)
- उत्सा पटनायक ने 3 फरवरी 2006 को गोखले इंस्टीट्यूट आफ पालिटिक्स ऐंड इकोनोमिक्स, पुणे में आयोजित दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथि थे और 'पावर्टी ऐंड निओ–लिबरलिज्म' विषयक काले स्मारक व्याख्यान दिया।

ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र

- एम. मुखर्जी ने 17 जून 2005 को लाल बहादुर शास्त्री नेशनल अकादमी आफ एडमिनिस्ट्रेशन, मसूरी में 'रेसिसेंटंस अगेंस्ट द स्टेट' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम. मुखर्जी ने 18 नवम्बर 2005 को राजधानी कालेज पोलिटिकल साइंस सोसायटी, में 'गांधियन पोलिटिक्स ऐंड इट्स इंप्लिकेशंस फार डेमोक्रेसी' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम. मुखर्जी ने 3 दिसम्बर 2005 को रिउकोकु यूनिवर्सिटी, जापान में 'रेलिवेंस आफ गांधी' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम. मुखर्जी ने 6 दिसम्बर 2005 को फैकल्टी आफ लैटर्स, टोक्यो यूनिवर्सिटी में 'द इण्डियन नेशनल मूवमेंट : ए हिस्टिरिओग्राफिकल सर्वे' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम. मुखर्जी ने 18 मार्च 2006 को नेहरू सेंटर, कलकत्ता विश्वविद्यालय में 'नेहरू ऐंड कम्युनलिज्म' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए. मुखर्जी ने 17 जून 2005 को लाल बहादुर शास्त्री नेशनल अकादमी आफ एडमिनिस्ट्रेशन मसूरी में 'कम्युनल पालिटिक्स, पार्टिशन ऐंड इंडिपेंडेंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए. मुखर्जी ने 3 दिसम्बर 2005 को रिउकोकु यूनिवर्सिटी, जापान में 'जापान ऐंड इण्डियन नेशनल मूवमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।

- ए. मुखर्जी ने 6 दिसम्बर 2005 को फैकल्टी आफ लैटर्स, टोक्यो यूनिवर्सिटी जापान में 'इण्डियन नेशनलिज्म ऐंड द बुर्जुवा' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- ए. मुखर्जी ने 25 फरवरी 2006 को वूमन स्टडीज सेंटर, ए.एम.यू., अलीगढ़ में 'जेंडर इनइक्वेलिटीज सम आसपेक्ट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए. मुखर्जी ने 24 नवम्बर 2005 को हिन्दू कालेज, दिल्ली यूनिवर्सिटी में 'पालिटिकल इकोनोमी आफ इण्डिया'ज डिवलपमेंट स्ट्रेटिजी' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए. मुखर्जी ने 18 मार्च 2006 को नेहरू कालेज, कलकत्त विश्वविद्यालय में 'फ्राम द नेहरूवियन कनसेंसस टु कनसेंसस आन रिफार्म्स' विषय पर व्याख्यान दिया।
- रणबीर चक्रवर्ती ने 16 नवम्बर 2005 को इंस्टीट्यूट फार एडवांस्ड स्टडीज, प्रिंसटन में आयोजित 'मिडिवल हिस्ट्री' विषयक सम्मेलन में ब्लाकेडिंग द गल्फ आफ ईडन : ए विशप्स बलुप्रिंट (14थ सेंचुरी) शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रणबीर चक्रवर्ती ने 17 फरवरी 2006 को इंस्टीट्यूट फार एडवांस्ड स्टडी में आयोजित 'ईस्ट एशियन हिस्ट्री ऐंड कल्चर' विषयक सम्मेलन में 'मर्चेंट, मर्केनडाईस ऐंड मर्चेंटमैन : इण्डिया ऐंड द वेस्टर्न इण्डियन ओशन (ए.डी. 500–1500)' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- एन.एस. हैदर ने नई दिल्ली में प्रो. शीरीन मूसवी द्वारा दिए गए तत्वबोध सिरीज के तीसरे व्याख्यान की अध्यक्षता की, 2005
- एन.एस. हैदर ने इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ एडवांस्ड स्टडीज, शिमला में व्याख्यान दिए, 2005
- एन.एस. हैदर ने लाल बहादुर शास्त्री नेशनल अकादमी आफ एडमिनिस्ट्रेशन, देहरादून में व्याख्यान दिया, 2005
- भगवान जोश ने 13 मार्च 2005 को पंजाब विश्वविद्यालय में शहीद भगत सिंह स्मारक व्याख्यान दिया।
- राधिका सिंघा ने 'इण्डियन लेबर इन मेसोपोटेमिया इन वर्ल्ड वार वन' विषयक व्याख्यान निअर ईस्ट स्टडीज, केबोर्कियन सेंटर, अप्रैल 2005; साउथ एशियन स्टडीज, टेक्सास आस्टिन, अप्रैल 2005; जैकसन स्कूल फार इंटरनेशनल स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ सिटल, मई 2005
- सुचेता महाजन ने 7 अक्टूबर 2005 को सेंट स्टीफन कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में हिस्टिरिओग्राफी आफ पार्टिशन' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- विजया रामास्वामी ने 19–20 मई 2006 को केरल काउंसिल आफ हिस्टोरिकल रिसर्च, त्रिवेन्द्रम में निम्नलिखित विषयों पर व्याख्यान दिए –
- 'वुमन ऐंड वर्क इन इण्डिया : ए हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव'
- 'बायोग्राफी ऐज हिस्ट्री – पासिबिलिटीज ऐंड पिटफाल्स'; और
- 'ओरल ट्रेडिशन ऐज ए सोर्स आफ हिस्ट्री – ए मैथोडोलाजिकल एक्सप्लोरेशन'

दर्शनशास्त्र केंद्र

- सत्य पी. गौतम ने अप्रैल 2005 में आई.सी.एस.एस.आर.–नार्थ–वेस्टर्न रीजनल सेंटर, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ में 'पार्टिसिपेट्री रिसर्च इन सोशल साइंसिस' विषयक व्याख्यान दिया।

- सत्य पी. गौतम ने अप्रैल 2005 में गुरु नानकदेव विश्वविद्यालय, अमृतसर में अंग्रेजी के शिक्षकों के लिए पुनश्चर्या कोर्स के लिए (1) 'फलास्फी ऐंड लिट्रेचर' और (2) 'फिलास्फी आफ लिट्रेचर' विषयक दो व्याख्यान दिए।
- सत्य पी. गौतम ने 29 जुलाई 2005 को यशवंत राव चौहान अकादमी आफ एडमिनिस्ट्रेशन, पुणे में 'एथिक्स इन प्रैक्टिस' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- सत्य पी. गौतम ने 30 जुलाई को रिसर्च यूनिट फार एज्यूकेशन आफ 'याशदा', पुणे द्वारा आयोजित कार्यशाला में 'पर्सुइंग एकाडमिक एक्सिलेंस' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- सत्य पी. गौतम ने 26 अक्टूबर 2005 को दर्शनशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित 'आइडियल्स आफ सेक्युलरिज्म : चैलेंजिस ऐंड डिलेमाज' शीर्षक आई.सी.पी.आर. प्रायोजित व्याख्यान दिया।
- सत्य पी. गौतम ने 13 फरवरी 2006 को अकादमिक स्टाफ कालेज, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में 'फिलास्फी आफ एज्यूकेशन' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- सत्य पी. गौतम ने 20 फरवरी 2006 को राजनीति विज्ञान विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में 'थिओराइजिंग पालिटिक्स : एनालिटिकल ऐंड नार्मेटिव इश्युज' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- सत्य पी. गौतम ने 25 फरवरी 2006 को अकादमिक स्टाफ कालेज, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में 'रेलिवेंस आफ रिसर्च फार टीचिंग' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.पी. सिंह ने 17 अगस्त 2005 को जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर में 'ट्रांसकेंडेंटल फिलास्फी आफ इमानुएल कांत' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.पी. सिंह ने 10 अक्टूबर 2005 को एच.एन.बी. विश्वविद्यालय, श्रीनगर, गढवाल में 'आन पोस्ट माडर्निटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- मनदीपा सेन ने डिपार्टमेंट आफ हयूमेनिटीज ऐंड सोशल साइंसिस इन आई.आई.टी.–दिल्ली में दर्शनशास्त्र के छात्रों के लिए 'सेलव्स, पर्सन्स, ऐंड द प्रोब्लम आफ पर्सनल आईडेंटिटी' विषयक व्याख्यान दिया।

राजनीतिक अध्ययन केंद्र

- बलवीर अरोड़ा ने 20–22 अक्टूबर 2005 को फ्रेंच इंस्टीट्यूट, पाण्डिचेरी में आयोजित 'रेसिप्रोकल नालेज ऐं कल्चर्स आफ नालेज' विषयक अन्तरराष्ट्रीय ट्रांसकल्चरल सम्मेलन में 'पोलिटिकल पार्टिसिपेशन ऐंड कल्चरल कनटेक्स्ट : डिकोडिंग इण्डिया'स पालिटिकल डेमोक्रेसी' विषयक व्याख्यान दिया।
- बलवीर अरोड़ा ने 24 अगस्त 2005 को फारेन सर्विसिस इंस्टीट्युट, नई दिल्ली में आयोजित विदेशी राजनायिकों के लिए 38वें प्रोफेशनल कोर्स के लिए 'इण्डियन पोलिटी : स्ट्रक्चर्स ऐंड प्रोसेसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- बलवीर अरोड़ा ने 1 सितम्बर 2005 को कोदावा पीपल्स असेम्बली, मेदिकेरी (कर्नाटक) में कोदावा डेमोक्रेटिक रिप्रजेंटेशंस : प्रोटेक्शन आफ आइडेंटिटी ऐंड प्रोमोशन आफ ग्रोथ' विषयक व्याख्यान दिया।
- बलवीर अरोड़ा ने 19 सितम्बर 2005 को लाल बहादुर शास्त्री नेशनल अकादमी आफ एडमिनिस्ट्रेशन, मसूरी में आयोजित 78वें फाउंडेशन कोर्स में 'द इण्डियन फेडरल सिस्टम : चैलेंजिस ऐंड अपर्चुनिटीज' विषयक व्याख्यान दिया।
- बलवीर अरोड़ा ने 11 नवम्बर 2005 को फारेन सर्विसेस इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली में आयोजित विदेशी राजनायिकों के लिए 39वें प्रोफेशनल कोर्स के लिए 'द इण्डियन फेडरल सिस्टम' विषयक व्याख्यान दिया।

- बलवीर अरोड़ा ने 1 फरवरी 2006 को फारेन सर्विस इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित विदेशी राजनायिकों के लिए 40वें प्रोफेशन कोर्स के लिए 'कानटुअर्स आफ इण्डिया'स' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- गुरप्रीत महाजन ने 21–22 नवम्बर 2005 को इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, राजनीति विज्ञान विभाग में आयोजित पुनश्चर्या कोर्स में 'कनटेम्पोरेरि पोलिटिकल थीअरि ऐंड मल्टीकल्चरलिज्म' विषयक व्याख्यान दिया।
- गुरप्रीत महाजन ने 22 जून 2005 को नेशनल डिफेंस कालेज, दिल्ली में 'सेक्युलरीज्म' विषयक व्याख्यान दिया।
- गुरप्रीत महाजन ने 18–20 अप्रैल 2005 को आई.एस.ई.सी. बैंगलौर में 'मल्टीकल्चरलिज्म इन द कनटेक्स्ट आफ डेमोक्रेसी' विषयक व्याख्यान दिया।
- गुरप्रीत महाजन ने 12 अप्रैल 2005 को जामिया हमदर्द में 'नेशन–स्टेट ऐंड डाइवर्सिटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- गुरप्रीत महाजन ने 30 अगस्त 2005 को सेंटर फार सोशल रिसर्च में 'आन आई.पी.सी. सेक्शन 498 : ए टूल टु कामबेट डोमेस्टिक वायलेंस' विषयक संगोष्ठी की अध्यक्षता की।
- गुरप्रीत महाजन ने 26 अक्टूबर 2005 को सेंटर फार द डिवलपिंग सोसायटीज में 'अर्बन सिटी ऐंड डाइवर्सिटी' विषयक उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की।
- गुरप्रीत महाजन ने 2005 में सेंटर फार गांधियन स्टडीज डिपार्टमेंट आफ पीस ऐंड कंफ्लिक्ट स्टडीज' में आयोजित 'गांधी इन द ऐज आफ इराक' विषयक संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की।
- सुधा पई ने 25 अक्टूबर 2005 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ द्वारा आयोजित आई.सी.सी.एस.आर. विशेष व्याख्यान दिया।
- सुधा पई ने 18 जनवरी 2006 को श्रीराम सेंटर फार इण्डस्ट्रियल रिलेशंस ऐंड ह्यूमन रिसोर्सिस और फिक्की, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'डिफेंस आफ ग्लोबलाइजेशन : एन इण्डियन पर्सपेक्टिव' विषयक व्याख्यान दिया।
- सुधा पई ने 23–25 जून 2005 को पंचायती राज मन्त्रालय, भारत सरकार, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित राइटर्स ऐंड थींकर्स आन लोकल गवर्नेंस ऐंड पंचायती राज' विषयक कार्यशाला में 'रिजर्वेशंस फार दलित'स इन द न्यू पंचायत्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- वी. रोड्रिक्स ने 8–9 अप्रैल 2005 को दिल्ली विश्वविद्यालय में 'द डिसटिक्टिवनेस आफ इण्डियन डेमोक्रेसी' विषयक व्याख्यान दिया।
- वी. रोड्रिक्स ने 28 जून को सेंटर फार एज्यूकेशन ऐंड कम्युनिकेशन, आई.आई.पी.ए., नई दिल्ली में 'बोंडिड लेबर इन कर्नाटका' विषयक व्याख्यान दिया।
- वी. रोड्रिक्स ने 12–13 दिसम्बर 2005 को कुवेम्पो यूनिवर्सिटी, शिमोगा में आयोजित 'धर्म ऐंड एथिक्स' विषयक संगोष्ठी में 'धर्म ऐंड प्लुरेलिटी आफ रिलिजंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- वी. रोड्रिक्स ने 20–21 फरवरी 2006 को सेंटर फार स्टडी आफ कल्चर ऐंड सोसायटी, बैंगलौर विश्वविद्यालय में आयोजित 'द फ्यूचर आफ हायर एज्यूकेशन इन इण्डिया' विषयक संगोष्ठी में 'डेमोक्रेसी ऐंड हायर एज्यूकेशन इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- वी. रोड्रिक्स ने 10–12 फरवरी 2006 को मैंगलोर विश्वविद्यालय, मैंगलोर में आयोजित 'सोशल जस्टिस फोरम' में 'इज देयर ए फ्यूचर फार सोशिअलीज्म' विषयक मुख्य व्याख्यान दिया।

- वी. रोड्रिक्स ने 27 नवम्बर 2005 को इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद में 'इश्युज इन पोस्ट माडर्निटी' विषयक विशेष व्याख्यान दिया।
- वी. रोड्रिक्स ने 28 नवम्बर 2005 को इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद में 'डिस्ट्रिब्युटिव जस्टिस' विषयक विशेष व्याख्यान दिया।
- वी. रोड्रिक्स ने 21 जनवरी 2006 को डा. बाबा साहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय में आयोजित पुनश्चर्या कोर्स के समापन वक्तव्य में 'आन डेलिब्रेटिव डेमोक्रेसी' विषयक व्याख्यान दिया।
- आशा सारंगी ने 3 मार्च 2006 को पंत इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंसिस, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश में 'हिस्टोरिकल आर्काइव्स ऐंड पोलिटिक्स : डूइंग पोलिटिकल एथनोग्राफी इन कनटेम्पोरेरि इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- आशा सारंगी ने 27 फरवरी – 1 मार्च 2006 को एंथ्रोपोलाजिकल सर्वे आफ इण्डिया द्वारा आयोजित 'आइडेंटिटी कल्चरल प्लुरलीज्म ऐंड स्टेट' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'लैंग्युवेज, कल्चर्स ऐंड रीजंस : आइडेंटिटी पालिटिक्स इन इंडिपेंडेंट इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- आशा सारंगी ने 20–21 फरवरी 2006 को गांधी स्टडी सेंटर, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित रिथिंकिंग द नेशनल लीगेसी : गांधी ऐंड द फ्रीडम मूवमेंट' विषयक अखिल भारतीय संगोष्ठी में 'गांधी ऐंड द लैंग्युवेज क्वेश्चन इन क्लोनिअल इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- आशा सारंगी ने 16–17 जनवरी 2006 को राजनीति विज्ञान विभाग, कला संकाय, एम.एस. बड़ौदा विश्वविद्यालय, बदोदरा में आयोजित 'स्ट्रक्चर ऐंड डायनेमिक्स आफ इण्डियन पालिटिक्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'रीजन ऐंड नेशन : डायलेक्टिक ऐंड डिलेमा आफ आइडेंटिटी पालिटिक्स इन माडर्न इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- आशा सारंगी ने 8–9 अप्रैल 2005 को दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'डिस्टिंक्टिवनेस आफ इण्डियन डेमोक्रेसी' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में पालिटिकल रिटोरिक ऐंड इण्डियन डेमोक्रेसी' विषयक व्याख्यान दिया।
- टी.जी. सुरेश ने 21–22 अक्टूबर 2005 को इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर (इंस्टीट्यूट आफ चाइनीज स्टडीज, सी.एस.डी.एस.) में आयोजित 'पालिटिक्स आफ कल्चर इन कनटेम्पोरेरी चाइना ऐंड इण्डिया, लिट्रेचर, थिएटर ऐंड सिनेमा' विषयक सम्मेलन में 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड द प्रेडिकामेंट आफ नेशनल कल्चर्स : सम पर्सपेक्टिव्स आन इण्डिया ऐंड चाइना' विषयक व्याख्यान दिया।
- विधु वर्मा ने 27–28 अक्टूबर 2005 को हयूमन राइट्स ला नेटवर्क, नई दिल्ली में आयोजित 'सेक्सुअल हरासमेंट ऐट वर्कप्लेस' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- विधु वर्मा ने 13 सितम्बर 2005 को आब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन में आयोजित 'डेमोक्रेसी ऐंड मुस्लिम सोसायटी : द एशियन एक्सपिरियंस' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- विधु वर्मा ने 16–17 दिसम्बर 2005 को नई दिल्ली में आयोजित आई.जे.ओ.–ए.सी.यू.एन.एस. सम्मेलन में 'जेंडर ऐंड द हयूमन राइट्स' पैराडिग्म : डिस्प्लेसमेंट आफ वुमन इन कनफ्लिक्ट सिचुएशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- विधु वर्मा ने 8 अगस्त 2005 को नई दिल्ली में आयोजित 'रिजर्वेशन इन प्राइवेट सेक्टर' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इन साइट्स आन डिसक्रिमिनेशन ऐंड रेमिडीज' विषयक व्याख्यान दिया।

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र

- बी.एस. बुटोला ने सेंट्रल स्टेटिस्टिकल आरगेनाइजेशन, नई दिल्ली में 'रीजनल प्लानिंग इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।

- बी.एस. बुटोला ने अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 'पैराडिग्म शिफ्ट्स ऐंड पोस्ट माडर्निज्म' विषयक व्याख्यान दिया।
- डी.एन. दास ने 31 अगस्त 2005 को 'नीपा', नई दिल्ली में 'यूज आफ जी.आई.एस. इन प्लानिंग फार द अर्बन पुअर' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए. कुंडु ने अक्टूबर 2005 को 'न्यूट्रिशन फाउंडेशन आफ इण्डिया में रीडिंग पावर्टी लाइन' और नेशनल डिफेंस कालेज, नई दिल्ली में 'प्रोब्लम्स इन अर्बन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिए।
- ए. महमूद ने अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 15 अप्रैल, 18 जून और 11 अगस्त 2005 को 'पाप्युलेशन ऐंड डिवलपमेंट' विषयक और 15 दिसम्बर 2005 को 'स्टेटिस्टिकल मैथड्स' विषयक व्याख्यान दिए।
- एस. नांगिया ने 6 दिसम्बर 2005 को भूगोलशास्त्र विभाग, किरोड़ीमल कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'चैंजिंग फेस आफ हयूमन सेटलमेंट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.एस. श्रीवास्तव, रिफ्रेशर कोर्स इन इकोनोमिक्स यूनिवर्सिटी आफ गोरखपुर, ओरिऐंटेशन कोर्स, अकादमिक स्टाफ कालेज, इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में व्याख्यान दिया।
- आर.एस. श्रीवास्तव ने अक्टूबर 2005 में नेशनल लेबर इंस्टीट्यूट, दिल्ली में आयोजित 'रिसर्च मैथडोलाजी' विषयक कार्यशाला में 'एग्रेरियन रिलेशंस' विषयक व्याख्यान दिया। नेशनल लेबर इंस्टीट्यूट, दिल्ली में आयोजित 'सोशल सिक्यूरिटी' विषयक कार्यशाला में 'इकोनोमिक्स रिफार्म्स ऐंड वेल बींग इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया। सेंट स्टीफन कालेज, दिल्ली में 'सोशल सेक्टर फाइनेंसिंग ऐंड डिसेंट्रलाइजेशन इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया। रीजनल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, आडिट ऐंड एकाउंट्स डिपार्टमेंट, इलाहाबाद, अक्टूबर 2005
- एस. सिंहा ने अकादमिक स्टाफ कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'एज्यूकेशनल पालिसी' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. सिंहा ने डी.पी.एस. मथुरा रोड, नई दिल्ली में 'इंटिग्रेटिड पर्सपेक्टिव्स आन सोशल साइंसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. सिंहा ने डी.पी.एस. मथुरा रोड, नई दिल्ली में 'डिवलपिंग क्रिएटिविटी थ्रु इमेजिनेशन करिकुलम' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. सिंहा ने आल इण्डिया वुमन मीट, बी.ई.पी. गांधी मैदान, पटना में 'एज्यूकेशनल डिवलपमेंट ऐंड महिला समाख्या' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. सिंहा ने आल इण्डिया वुमन मीट, बी.ई.पी., गांधी मैदान, पटना में 'गर्ल चाइल्ड इन इण्डियन फैमिली स्ट्रक्चर' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. सिंहा ने सेंट्रल स्कूल पी.जी.टी. ट्रेनिंग प्रोग्राम, सेंट्रल स्कूल, प्रीत बिहार, नई दिल्ली में 'ह्यूमन ऐंड सोशल डिवलपमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. सिंहा ने अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'कनटेम्पोरेरि कनसंर्स इन सोशल जिओग्राफी' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. सिंहा ने कालेज आफ एज्यूकेशन, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'टीचिंग ह्यूमन हैबीटेट सिस्टम' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. सिंहा ने कालेज आफ एज्यूकेशन, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'व्हाट इज जिओग्राफी ऐंड हाउ टु टीच जिओग्राफी इन स्कूल' विषयक व्याख्यान दिया।

- एम.सी. शर्मा ने भूगोलशास्त्र विभाग ने मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में व्याख्यान दिया।
- एम.सी. शर्मा ने 27 दिसम्बर 2005 को अकादमिक स्टाफ कालेज, पुनश्चर्या कोर्स, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'क्लाइमेट चैंज ऐज इनफर्ड फ्राम ग्लेशियल लैण्डफार्म्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- एच. सिंह ने 27 दिसम्बर 2005 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'ससटेनेबल डिवलपमेंट : प्राब्लम्स ऐंड प्रोस्पेक्ट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. श्रीकेश ने 19 दिसम्बर 2005 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में अर्थशास्त्र में चौथे पुनश्चर्या कोर्स में 'इंटरलिंकिंग आफ रीवर्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.एच. कुरेशी ने 20 मई 2005 को केंद्रीय विद्यालय, विज्ञान विहार में पी.जी.टी. अध्यापकों के लिए 'लेण्ड यूज ऐंड एग्रीकल्चरल डिवलपमेंट इन इण्डिया' और 'रिर्सोस : कनसेप्ट टाइप्स यूटिलाइजेशन ऐंड कंजर्वेशन' विषयक व्याख्यान दिए।
- एम.एच. कुरेशी ने डान बोस्को स्कूल, नई दिल्ली में 'अवर कामन कनसंर्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.एच. कुरेशी ने 16 नवम्बर 2005 को भूगोलशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय में 'सप्लाई, डिमाण्ड ऐंड कंजर्वेशन आफ वाटर रिर्सोसिस इन इण्डिया' विषयक प्रो. आर.एन. दूबे स्मारक व्याख्यान दिया।
- एम.एच. कुरेशी ने 15 दिसम्बर 2005 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'कामन प्रापर्टी, रिसोर्सिस ऐंड एनवायरनमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.एच. कुरेशी ने 1 फरवरी 2006 को मैत्रीय कालेज और सांई इंटरनेशनल स्कूल द्वारा आयोजित 'पीस इज नाट पासिबल विदाउट लव' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.एच. कुरेशी ने 17–18 मार्च 2006 को सामाजिक विज्ञान संकाय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'आटोनामी इन इंस्टीट्यूशंस आफ हायर लर्निंग' विषयक व्याख्यान दिया।
- एम.एच. कुरेशी ने 25 मार्च 2006 को 'सेप' कार्यक्रम के अन्तर्गत भूगोलशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संगोष्ठी में अध्यक्षता की।

सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र

- योगेंद्र सिंह, विजिटिंग स्कालर, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला ने संगोष्ठियों में व्याख्यान दिए, नवम्बर 2005
- योगेंद्र सिंह ने 3–5 फरवरी 2006 को हिंदू कालेज, मुरादाबाद द्वारा आयोजित 'टेररीज्म' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में उद्घाटन वक्तव्य दिया।
- योगेंद्र सिंह ने 16–17 फरवरी 2006 को गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में 'अर्बनाइजेशन ऐंड सोशल चैंज' विषयक संगोष्ठी में उद्घाटन भाषण दिया।
- योगेंद्र सिंह ने 16–17 मार्च 2006 को समाजशास्त्र विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ में आयोजित टेक्नोलाजी ऐंड सोसायटी' विषयक संगोष्ठी में उद्घाटन भाषण दिया।
- एन.एम. पाणिनी ने 27 फरवरी – 1 मार्च 2006 तक एंथ्रोपोलाजिकल सर्वे आफ इण्डिया, भारत सरकार, कोलकाता द्वारा आयोजित 'आइडेंटिटी, कल्चरल प्लुरलीज्म ऐंड सिक्रीटिज्म' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'कल्चरल डाइवर्सिटी' विषयक पर व्याख्यान दिया।

- एन.एम. पाणिनी ने 9–11 मार्च 2006 को अकादमिक स्टाफ कालेज, बर्धमान विश्वविद्यालय, वर्धमान, पश्चिमी बंगाल में सामाजिक विज्ञान में पुनश्चर्या कोर्स में उद्‌घाटन व्याख्यान दिया।
- दीपांकर गुप्ता ने 2005 में अमरीकन एसोसिएशन फार सोशिओलाजी आफ रिलिजन के लिए फिलाडेलफिया में 'सिटीजंस आर पीपल : द पालिटिक्स आफ मेजोरिटरिज्म ऐंड माइनोटरिज्म' विषयक पाल हेनले फुरफे व्याख्यान दिया।
- दीपांकर गुप्ता ने न्यू इण्डिया फेडरेशन और इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर के लिए 'कास्ट ऐंड फिनोमेनोलाजी' विषयक व्याख्यान दिया।
- दीपांकर गुप्ता ने जनवरी 2006 को रामकृष्ण मिशन, कोलकाता में 'सोशल चेंजिस ऐंड मास मोबिलाइजेशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- नन्दू राम ने 14 अप्रैल 2005 को बाबा साहेब बी.आर. अम्बेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ में 'अम्बेडकर आन राइट टु एज्यूकेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- नन्दू राम ने 20–22 जनवरी 2006 को गौर कालेज, मालदा (प. बंगाल) में 'अम्बेडकर आन सोशल इक्वेलिटी ऐंड 'जस्टिस', 'डेमोक्रेसी' ऐंड आन रूरल रिकंस्ट्रक्शन' विषयक तीन व्याख्यान दिए।
- नन्दू राम ने 26–27 फरवरी 2006 को एम.जी. काशी विद्यापीठ, वाराणसी, यू.पी. में 'अम्बेडकर आन सोशल इक्वेलिटी ऐंड जस्टिस' तथा 'अम्बेडकर आन वुमन इश्युज' विषयक दो व्याख्यान दिए।
- एहसानुल हक ने 17 सितम्बर 2005 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 'एज्यूकेशन ऐंड सोशल चैंज' विषयक व्याख्यान दिया।
- एहसानुल हक ने 1 जून 2005 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 'एज्यूकेशन ऐंड मार्डनाइजेशन' और 'एज्यूकेशन ऐंड ससटेनेबल डिवलपमेंट' विषयक व्याख्यान दिए।
- आनंद कुमार ने 27–31 अगस्त 2005 को ग्लोबल स्टडीज नेटवर्क, अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन, सिनेगल डेकर में 'पावर्टी ग्लोबलाइजेशन ऐंड सोशल साइंसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- आनंद कुमार ने सोशिओलाजी डिपार्टमेंट, जोहन्सबर्ग केपलर यूनिवर्सिटी, लिंज, आस्ट्रिया में 'अंडरस्टेंडिंग ग्लोबलाइजेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- अविजीत पाठक ने 25 अगस्त 2005 को क्राइस्ट कालेज, बैंगलौर में 'एक्साइटमेंट आफ सोशिओलाजी' विषयक व्याख्यान दिया।
- अविजीत पाठक ने 20 सितम्बर 2005 को मंत्रीमण्डल सचिवालय, भारत सरकार, गुड़गांव में 'रिलिजन, सेक्युलरिज्म ऐंड कंटेम्पोरेरि इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- अविजीत पाठक ने 22 सितम्बर 2005 को दर्शनशास्त्र विभाग, गार्गी कालेज में 'कल्चर ऐंड गुड लाइफ' विषयक व्याख्यान दिया।
- अविजीत पाठक ने 10 अक्टूबर 2005 को जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू में आयोजित अखिल भारतीय समाजशास्त्र सम्मेलन में 'टीचिंग सोशल साइंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- अविजीत पाठक ने 14 दिसम्बर 2005 को काउंसिल फार सोशल डिवलपमेंट, नई दिल्ली में 'फिलास्फी आफ सोशल साइंस' विषयक व्याख्यान दिया।

- अविजीत पाठक ने 27 फरवरी 2006 को गोविंद वल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद में 'क्वालिटेटिव मैथड्स इन सोशल साइंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- अविजीत पाठक ने 11 मार्च 2006 को समाजशास्त्र विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय में 'रेसिसटेंस इन द ईरा आफ कलचरल ग्लोबलाइजेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- मैत्रेयी चौधरी ने 16 मार्च 2006 को समाजशास्त्र विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ में आयोजित 'टेक्नोलाजी ऐंड साइंस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'द मीडिया ऐंड द चैंजिंग अर्बन एक्सपिरियंस आफ एव्रीडे लाइफ' विषयक व्याख्यान दिया।
- मैत्रेयी चौधरी ने 21 अक्टूबर 2005 को इंस्टीट्यूट आफ चाइनीज स्टडीज, सेंटर फार द स्टडीज आफ डिवलपिंग सोसायटीज, नई दिल्ली में आयोजित 'पोलिटिक्स आफ कल्चर इन कनटेम्पोरेरि चाइना ऐंड इण्डिया' विषयक संगोष्ठी में 'डज द स्टेट हेव ए कल्चर : चैंजिंग डिस्कोर्सिस इन इंडिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- मैत्रेयी चौधरी ने 10 फरवरी 2006 को महिला अध्ययन केंद्र, अकादमिक स्टाफ कालेज, पुणे विश्वविद्यालय में आयोजित पुनश्चर्या कोर्स में 'कनटेम्पोरेरि ट्रेंडस इन द मीडिया' और 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड फेमिनिज्म' विषयक व्याख्यान दिया।
- मैत्रेयी चौधरी ने 9 फरवरी 2006 को समाजशास्त्र विभाग, पुणे विश्वविद्यालय में 'द आईडिओलाजी आफ प्रैगमैंटिज्म ऐंड द प्रैक्टिस आफ सोशिओलाजी' विषयक व्याख्यान दिया।
- मैत्रेयी चौधरी ने 17 जनवरी 2006 को वुमन स्टडीज ऐंड डिवलपमेंट इन हायर एज्यूकेशन, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित महिला अध्ययन में पुनश्चर्या कोर्स में 'पेट्रिआर्की ऐंड द सोशल कंस्ट्रक्शन आफ जैंडर' विषयक व्याख्यान दिया।
- मैत्रेयी चौधरी ने 2 दिसम्बर 2005 को समाजशास्त्र विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय में आयोजित समाजशास्त्र में द्वितीय पुनश्चर्या कोर्स में 'द रेलिवेंस आफ सोशिओलाजी' विषयक व्याख्यान दिया।
- मैत्रेयी चौधरी ने 5 दिसम्बर 2005 को समाजशास्त्र विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता में आयोजित समाजशास्त्र में द्वितीय पुनश्चर्या कोर्स 'थिअरिटिकल लिगेसीज इन सोशियोलाजी' और 'सोशिओलाजी ऐंड द चैलेंजिस आफ ग्लोबलाइजेशन' विषयक व्याख्यान दिए।
- मैत्रेयी चौधरी ने 24 सितम्बर 2005 को इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर में 'द डोमेस्टिक वायलेंस एक्ट ए सोशिओलाजिकल कमेंट' विषयक पैनल चर्चा की।
- मैत्रेयी चौधरी ने 16 सितम्बर 2005 को समाजशास्त्र विभाग, मिरांडा हाउस, दिल्ली में सोशिओलाजी ऐंड इट्स अंडरस्टेंडिंग आफ सोसायटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- मैत्रेयी चौधरी ने 10 सितम्बर 2005 को महिला विकास केंद्र दौलतराम कालेज, दिल्ली में 'सोशल कंस्ट्रक्शन आफ जैंडर' विषयक व्याख्यान दिया।
- मैत्रेयी चौधरी ने 17 अगस्त 2005 को समाजशास्त्र विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'पार्टिसिपेट्री सोशिओलाजी : एक्सपिरियंसिस ऐंड रिफ्लेक्शंस' विषयक पैनल चर्चा की।
- एस. विश्वनाथन ने अक्टूबर 2005 में दौलतराम कालेज में 'वुमन'स राइट' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. विश्वनाथन ने ब्रिटिश काउंसिल में 'फैथ ऐंड एक्सपिरिअंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. विश्वनाथन ने 10 जनवरी 2006 को कथा समारोह में 'सिटी ऐंड मैमोरी' विषयक सत्र की अध्यक्षता की।

- एस. विश्वनाथन ने 25 जनवरी 2006 में इंडियन इंस्टीट्यूट आफ मास कम्युनिकेशन में 'डिजास्टर मैनेजमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. विश्वनाथन ने 2 फरवरी 2006 को इंस्टीट्यूट आफ डिजास्टर मैनेजमेंट, आई.आई.पी.ए. में मछली उद्योग तथा कृषि अनुसंधान विकास के विज्ञानियों के लिए 'ट्रेडिशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अमंगस्ट फिशर पीपल' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. विश्वनाथन ने 11 फरवरी 2006 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 'नो टर्निंग बैक इन द वुमन'स मूवमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. विश्वनाथन ने नवम्बर 2005 को आई.आई.सी. दिल्ली में आयोजित महायान सम्मेलन में 'ए स्प्रेड आफ महायान बुद्धिज्म : ए सोशिओलाजिकल एक्सप्लोरेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. विश्वनाथन ने मार्च 2006 में इटली में आयोजित 'कांफ्रेंस इन नेपल्स' में सफरिंग्स आफ इण्डियन वुमन' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. विश्वनाथन ने 7 जून 2005 को यूनिवर्सिटी आफ बर्गेन, नार्वे में 'मिनिंग्स आफ दलित आइडेंटिटीस इन कंटेम्पोरेरि इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. सुरिंद्र जोधका ने 5 अक्टूबर 2005 को इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर में (न्यू फाउंडेशन लेक्चर सीरिज के अन्तर्गत) 'द इण्डियन विलेज सिंस इंडिपेंडेंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. सुरिंद्र जोधका ने 28 नवम्बर 2005 को गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर में मेरजरिग एग्रेरियन क्लासिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. सुरिंद्र जोधका ने 20 मार्च 2006 को सी.ई.एस.एस. हैदराबाद में 'पंजाब आफ्टर द खालिस्तान मूवमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- वी. सुजाता ने 28 अक्टूबर 2005 को इंस्टीट्यूट आफ पांडिचेरी द्वारा आयोजित 'हीलिंग टुडे : सोना डायक्स इन द कनटेम्पोरेरि फैशंस आफ इण्डियन मेडिसन' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इंजेक्शंस, पेस्टिसाइड्स, बाडी ऐंड क्राप्स : एपिस्टिम आफ फोक इकोलाजी इन साउथ इंडिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- वी. सुजाता ने 23–25 नवम्बर 2005 को फोरम दे देलफिज, पेरिस द्वारा आयोजित 'कल्चर्स ऐंड द ट्रेनिंग प्रोग्राम्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में इंडिजिनस मेडिसन ऐंड हैल्थ डिवलपमेंट इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- वी. सुजाता ने 21 जनवरी 2006 को हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'कल्चर्स आन इनोवेशन' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'इनोवेशन विदिन ऐंड विटवीन ट्रेडिशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- नीलिका मेहरोत्रा ने नवम्बर 2005 में रांची विश्वविद्यालय में 'जेंडर ऐंड सोशिओलाजी' विषयक व्याख्यान दिया।
- नीलिका मेहरोत्रा ने सितम्बर–अक्टूबर 2005 में नेशनल इंस्टीट्यूट आफ सोशल डिफेंस, नई दिल्ली में 'रिसर्च मैथडोलाजी' पर व्याख्यान दिए।
- नीलिका मेहरोत्रा ने 22–24 दिसम्बर 2005 को लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित समाजशास्त्र में पुनश्चर्या तथा अनुशीलन कोर्सों में तीन व्याख्यान दिए।
- नीलिका मेहरोत्रा ने दिसम्बर 2005 में लखनऊ विश्वविद्यालय में 'जैंडर स्टडीज' पर व्याख्यान दिए।

- अमित कुमार शर्मा ने 6–9 सितम्बर 2005 को बैंगलौर, हसन और चिकमंगलूर में कौटिल्य इंस्टीट्यूट आफ डिवलपमेंट स्टडीज द्वारा भारत विकास संगम तथा शाश्वत भारती के सहयोग से आयोजित 'आरगेनिक फार्मिंग ऐंड ट्रेडिशनल एग्रीकल्चर इन इण्डिया टुडे : प्राब्लम्स ऐंड प्रोस्पेक्ट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- विवेक कुमार ने 27–28 जनवरी 2006 को समाजशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी (विषय यही) में 'रिफ्लेक्शंस आन दलित इश्युज इन सोशल साइंसिस' विषयक मुख्य व्याख्यान दिया।
- विवेक कुमार ने 14 अगस्त 2005 को एज्यूकेशन कम्पट आफ यू.टी.आई. एस.सी./एस.टी./ओ.बी.सी. ऐंड माइनरिटी, इंप्लायज – नार्दन जोन में 'दलित कनसेप्शन आफ द नेशन ऐंड देअर कंट्रीब्युशन इन नेशन बिल्डिंग' विषयक व्याख्यान दिया।
- विवेक कुमार ने 19 अक्टूबर 2005 को विश्व युवक केंद्र, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'यूथ वर्क' विषयक सर्टिफिकेट कोर्स में सोसायटी : इट्स स्ट्रक्चर ऐंड फंक्शन' विषयक व्याख्यान दिया।
- विवेक कुमार ने 20 अक्टूबर 2005 को विश्व युवक केंद्र, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'यूथ वर्क' विषयक सर्टिफिकेट कोर्स में 'इण्डियन सोसायटी : यूनिटी इन डाइवर्सिटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- विवेक कुमार ने 22 अक्टूबर 2005 को विश्व युवक केंद्र, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'यूथवर्क' विषयक सर्टिफिकेट कोर्स में 'सोशल चैंज कनसेप्ट्स ऐंड प्रोसेसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- विवेक कुमार 25 अक्टूबर 2005 को पुअरेस्ट एरिया सिविल सोसायटी प्रोग्राम, नई दिल्ली द्वारा इण्डियन हैबीटेट सेंटर में 'एमपावरिंग लिवलिहुड–स्टेट पालिसी, प्राइवेट इनिशिएटिव ऐंड सिविक एक्शन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'नेशनल ऐंड स्टेट पालिसी – बेरिअर्स इन इट्स इफेक्टिवनेस' विषयक सत्र में पेनलिस्ट थे।
- विवेक कुमार ने राजधानी कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पुनश्चर्या कोर्स में 'पालिटिक्स आफ रिजर्वेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- विवेक कुमार ने बैकवर्ड ऐंड माइनारिटीज इंप्लाइज फेडरेशन द्वारा आयोजित 'नेशनल इंप्लायमेंट गारंटी एक्ट' विषयक व्याख्यान दिया।

विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र

- प्रणव देसाई ने जैव प्रौद्योगिकी विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला द्वारा आयोजित 'बायोटेक्नालाजी' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एग्रो–बायोटेक्नालाजिस, इंटिलेक्चुअल प्रोपर्टी राइट्स ऐंड ग्लोबलाइजेशन' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रणव देसाई ने 12–13 सितम्बर 2005 को पर्यावरण अध्ययन संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'हिस्टोरिकल एप्रोचिच टु वाटर, पाप्युलेशन ऐंड द एनवायरनमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रणव देसाई ने 20 दिसम्बर 2005 को राजधानी कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'डिबेटिंग द आइडियाज आफ एन इकोलाजिकल क्राइसिस' विषयक व्याख्यान दिया।

सामाजिक चिकित्साशास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

- आर.के. नायर ने 4 जुलाई 2005 को बिलेफील्ड यूनिवर्सिटी, जर्मनी के मास्टर आफ पब्लिक हैल्थ पाठ्यक्रम के छात्रों को 'हैल्थ रिफार्म्सस इन इण्डिया : हयूज ऐंड वियूज' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर.के. नायर ने 11 फरवरी 2006 को बासकेंत यूनिवर्सिटी, टर्की, में फैमिली फिजिशियनों के लिए 'ऐन ओवरव्यू आफ क्वालिटेटिव मैथड्स रिसर्च' विषयक व्याख्यान दिया।

- संघ मित्रा आचार्य ने डिपार्टमेंट आफ जिओग्राफी, कालेज आफ सोशल साइंश ऐंड फिलास्फी, यूनिवर्सिटी आफ फिलीपींस में आयोजित 'जिओग्राफी वीक' के दौरान डिपार्टमेंटल लेक्चर दिए –
- 'एच.आई.वी./एड्स', 12 जुलाई 2005
- 'एडोलसेंट ऐंड डिवलपमेंट इश्यूज इन इण्डिया', 13 सितम्बर 2005
- शील संघमित्रा शील आचार्य ने पाप्युलेशन इंस्टीट्यूट, यूनिवर्सिटी आफ द फिलीपींस, क्विडोन सिटी मनीला, द फिलीपींस में 'जी.आई.एस. इन द स्टडी आफ पाप्युलेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- संघ मित्रा शील आचार्य ने 22–24 जनवरी 2006, आगरा में वन वर्ल्ड साउथ एशिया द्वारा आयोजित 'सी.आई.टी. इन डिवलपमेंट' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'जेंडर ऐंड डिवलपमेंट' विषयक सत्र की अध्यक्षता की।
- संघ मित्रा शील आचार्य ने 28–29 मार्च 2006 को इमानुल हास्पिटल एसोसिएशन, नई दिल्ली, इण्डियन सोशल इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली द्वारा आयोजित वार्षिक सम्मेलन में 'करंट इश्यूज : हैल्थ ऐंड डिवलपमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- अल्पना डी. सागर ने सितम्बर 2005 को इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में 'वुमन ऐंड हैल्थ : ट्रेनिंग प्रोग्राम आन इनकार्पोरेटिंग जेंडर कनसंर्स इन पब्लिक पालिसी' विषयक व्याख्यान दिया।
- अल्पना डी. सागर ने 27 मई 2005 को हरियाणा इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में 'रूरल हैल्थ इनफ्रास्ट्रक्चर इन इण्डिया : इंप्लिकेशंस फार नेशनल हैल्थ प्रोग्राम ऐंड मेडिकल केयर' विषयक व्याख्यान दिया।
- राजीब दास गुप्ता ने राजकुमारी अमृत कौर कालेज आफ नर्सिंग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'मास्टर आफ नर्सिंग माडयूल्स आन एपिडेमिओलाजी ऐंड डेमोग्राफी' विषयक 2005–2006 बाह्य व्याख्यान दिया।
- राजीब दासगुप्ता ने 7 जून 2005 को इंस्टीट्यूट फार डिवपमेंट स्टडीज – कोलकाता में यूनिसेफ इटर्न्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए 'कम्युनिकेशन स्ट्रेटिजीस इन पोलियो इराडिकेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- राजीब दासगुप्ता ने 22 सितम्बर को राजकुमारी अमृत कौर कालेज आफ नर्सिंग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मन्त्रालय के सहयोग से 'स्किल अपडेट इन वेस्ट मैनेजमेंट फार नर्सिंग परसनल' विषयक अल्पकालीन कोर्स के लिए 'मैनेजमेंट आफ नीडल्स ऐंड शार्प्स रिलेटिड इनजरिस ऐंड वेस्ट' विषयक व्याख्यान दिया।
- राजीब दासगुप्ता ने 18 नवम्बर 2005 को आई.पी.ई.एन., एम्स द्वारा आयोजित 'माडल इंजेक्शन सेंटर : ए प्रोग्राम टु इम्प्रूव इंजेक्शन प्रैक्टिसिस इन द कंट्री' विषयक नेशनल प्रोटोकाल वर्कशाप में 'ओप्रेशनलाइजिंग ऐंड सस्टेनिंग द माडल इंजेक्शन सेंटर्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- राजीब दासगुप्ता ने 21 दिसम्बर 2005 को 'द एनर्जी ऐंड रिसोर्स इंस्टीट्यूट, 'जल जागरूकता' प्रोग्राम' नई दिल्ली में 'कंट्रोल आफ वाटरबोर्न डिसीज इन दिल्ली' विषयक व्याख्यान दिया।

जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र

- दीपक कुमार ने 24 सितम्बर 2005 को डिपार्टमेंट आफ हिस्ट्री आफ साइंस, यूनिवर्सिटी आफ विसकोसिन में 'साइंस, टेक्नोलाजी ऐंड द डिवलपमेंट डिस्कोर्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- दीपक कुमार ने 25 सितम्बर 2005 को साउथ एशिया सेंटर यूनिवर्सिटी आफ विस्कोसिन में 'साइंस, सोसायटी ऐंड क्लोनिअलिज्म' विषयक व्याख्यान दिया।

- दीपक कुमार ने 12 अक्टूबर 2005 को सेंटर फार एशियन स्टडीज, पिट्सबर्ग यूनिवर्सिटी में 'टेक्नोसाइंटिफिक एज्यूकेशन इन इण्डिया : ए हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव' विषयक व्याख्यान दिया।
- दीपक कुमार ने 8 अक्टूबर 2005 को लेहमैन कालेज, सी.यू.एन.आई., न्यूयार्क में 'साइंटिफिक आइडिआस इन ए क्लोनिअल सोसायटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- दीपक कुमार ने 25 अक्टूबर 2005 को डिपार्टमेंट आफ हिस्ट्री, डेनवेर यूनिवर्सिटी में 'गांधी ऐड द मशीन सिविलाइजेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- दीपक कुमार ने 27 अक्टूबर 2005 को डेनवेर यूनिवर्सिटी में 'नालेज ऐंड सोसायटी इन क्लोनिअल इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- दीपक कुमार ने 18 नवम्बर 2005 को यूनिवर्सिटी आफ लेनकास्टर में 'रिविजिटिंग साइंस ऐंड एम्पायर' विषयक व्याख्यान दिया।
- दीपक कुमार ने 22 नवम्बर 2005 को यूनिवर्सिटी आफ ससेक्स में 'साइंस आफ प्लांटस ऐंड प्लांटेशन इकोनोमी' विषयक व्याख्यान दिया।
- दीपक कुमार ने 27 जनवरी 2006 को इतिहास विभाग, बर्धमान यूनिवर्सिटी में 'रेलिवेंस आफ हिस्ट्री आफ साइंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- दीपक कुमार ने 23 फरवरी 2006 को महिला अध्ययन केंद्र, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में 'वूमन ऐंड साइंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- दीपक कुमार ने 6 मार्च 2006 को इंस्टीट्यूट आफ हिस्टोरिकल स्टडीज, कोलकाता में 'कलकत्ता ऐज साइंस सिटी' विषयक प्रो. एन. राय स्मारक व्याख्यान दिया।
- दीपक कुमार ने 10 मार्च 2006 को इतिहास विभाग कलकत्ता विश्वविद्यालय में आयोजित पुनश्चर्या कोर्स के लिए 'कल्चर आफ साइंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- दीपक कुमार ने 8 मार्च 2006 को इतिहास विभाग, रविंद्र भारती विश्वविद्यालय में 'साइंटिफिक नालेज ऐंड डिवलपमेंट डिस्कोर्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. मोहन्ती ने मार्च–अप्रैल 2005 में इहालाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद में यू.जी.सी. – ब्रिटिश काउंसिल एडवांस्ड सोशल साइक्लोजी रिसर्च के पुनश्चर्या कोर्स के लिए 'मल्टीलिंग्युअलिज्म आफ द अनइक्वेल्स : लैंग्युवेज, पावर ऐंड निगोसिएशन आफ आइडेंटिटीज' विषयक विशेष व्याख्यान दिया।
- ए.के. मोहन्ती ने 12 अक्टूबर 2005 को ग्रेज्युऐट स्कूल आफ एज्यूकेशन, यूनिवर्सिटी आफ पेंसिलवानिया, यू.एस.ए. में 'स्ट्रेटिजिस आफ लैंग्युवेज मैनटेनेंस : लैंग्युवेज पावर ऐंड निगोसिएशन आफ आइडेंटिटीज' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. मोहन्ती ने 19 अगस्त 2005 को अकादमिक स्टाफ कालेज डी.डी.यू. गोरखपुर यूनिवर्सिटी में 'बायोडाइवर्सिटी ऐंड लिंग्विस्टिक डाइवर्सिटी : इज देअर ए रिलेशनशिप' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. मोहन्ती ने 17 जनवरी 2006 को सेंटर फार प्रोफेशनल डिवलपमेंट, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'मल्टिलिंग्युअलिज्म : फैक्ट ऐंड फिक्शन' विषयक व्याख्यान दिया।
- ए.के. मोहन्ती ने 3 जनवरी 2006 को विवेकानंद कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'इंटरव्यूइंग ऐंड केस स्टडी' विषयक व्याख्यान दिया।

- ए.के. मोहन्ती ने 7 मार्च 2006 को डी.डी.यू. गोरखपुर विश्वविद्यालय में 'मदर टंग और अदर टंग इन एज्यूकेशन : इज इंग्लिश ए किलर लैंग्यूवेज' विषयक विशेष स्वर्ण जयंती व्याख्यान दिया।
- ए.के. मोहन्ती ने 26 मार्च 2006 को इलाहाबाद विश्वविद्यालय में 'लैंग्युवेज सोशिअलाइजेशन फार मल्टीलिंग्युलिज्म' विषयक व्याख्यान दिया।
- बी. खादरिया ने 26–27 सितम्बर 2005 को सेंटर दे साइंस हयूमेंस (सी.एच.एस.) और इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर द्वारा आयोजित 'एक्टर्स ऐंड माडल्स आफ द इण्डियन डायस्पोरा इन इंटरनेशनल रिलेशंस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इण्डियन डायस्पोरा इन इंटरनेशनल रिलेशंस : टिंकर, टेलर, सोलजिअर, स्पाई और 'ए ग्रेट आफ व्हाइट होप आफ द न्यू सेंचुरी ?' विषयक मुख्य भाषण दिया।
- बी. खादरिया ने 7–9 जनवरी 2006 को हैदराबाद में प्रवासी भारतीय दिवस (एक्सपेट्रिऐट इण्डियंस डे) 2006 के अवसर पर आयोजित 'इण्डियंस इन द गल्फ' विषयक समानान्तर सत्र में 'इंप्लायमेंट ओवरसीज' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. चट्टोपाध्याय ने दिसम्बर 2005 में दिल्ली कालेज आफ आर्ट्स ऐंड कामर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'फिश्कल डेफिसिट ऐंड डेब्ट सस्टेनेबिलिटी : ए क्रिटिकल इग्जामिनेशन' और 'डायरेक्ट टैक्स रिफार्म इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिए।
- एस. चट्टोपाध्याय ने 4 मार्च 2006 को इण्डियन इंस्टीट्यू आफ फारेन ट्रेड (आई.आई.एफ.टी), नई दिल्ली में 'यूनियन बजट' विषयक परिचर्चा में भाग लिया।
- एस. चट्टोपाध्याय ने 21 मार्च 2006 को नेशनल इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक फाइनेंस ऐंड पालिसी (एन.आई.पी.एफ.पी.) नई दिल्ली में श्रीलंका से आए अधिकारियों के लिए 'व्हाट डु वी नो अबाउट द कमप्लाइंस कास्टस आफ द टेक्स सिस्टम' विषयक व्याख्यान दिया।
- ध्रुव रैना ने जून 2005 में सेंटर फार कनटेम्पोरेरि स्टडीज, इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस, बैंगलौर में 'चैंजिंग कनटेक्स्ट आफ नालेज प्रोडक्शन : म्यूजिंग्स आन द आइडिया आफ द यूनिवर्सिटी' और 'आन क्रासिंग कल्चर बाउंड्रीज : द साइंटिफिक इमेजिनेशन इन एटींथ सेंचुरी फ्रेंच ऐंड इण्डियन ट्रेवलोग्यूस' विषयक व्याख्यान दिए।
- ध्रुव रैना ने जुलाई 2005 में सेंटर फार कनटेम्पोरेरि स्टडीज, इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस बैंगलौर में 'द हिस्ट्री आफ द हिस्ट्री आफ साइंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- ध्रुव रैना ने 15 नवम्बर 2005 को आर.ई.एच.एस.ई.आई.एस. (सी.एच.आर.एस.), पेरिस में 'द नीथाम – होरा कंट्रोवर्सिस : डिसएग्रीमेंट एबाउट द क्रोनोलाजी ऐंड एप्रोच टु द हिस्ट्री आफ साइंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. श्रीनिवास राव ने 10 फरवरी 2006 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'वुमन इन इलीट इंस्टीट्यूशंस इंजीनियरिंग' विषयक व्याख्यान दिया।

महिला अध्ययन कार्यक्रम

- मेरी जान ने 24 मार्च 2006 को साउथ एशिया सेंटर, पेनसिलवानिया विश्वविद्यालय में 'नेमिंग द प्रेजेंट : रिफ्रेमिंग ग्लोबलाइजेशन इन कनटेम्पोरेरि फेमिनिज्म', 'बिटवीन एम्पायर ऐंड ग्लोबलाइजेशन : रीडिंग द प्रेजेंट थ्रू इण्डियन फेमिनिज्म' विषयक व्याख्यान दिए।
- मेरी जान ने 15 फरवरी 2006 को राजनीति विज्ञान विभाग, लेडी श्रीराम कालेज, नई दिल्ली में 'फैमिनिस्ट पर्सपेक्टिव्स आन डिवलपमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।

- मेरी जान ने 3 फरवरी 2006 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया में आयोजित पुनश्चर्या कोर्स में 'फेमिनिस्ट कनसेप्ट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- मेरी जान ने 23 नवम्बर 2005 को रिसर्च सेंटर फार वुमन स्टडीज, एस.एन.डी.टी. यूनिवर्सिटी, मुम्बई, में 'जेंडर कास्ट ऐंड गवर्नेंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- मेरी जान ने 20 अक्टूबर 2005 को इंस्टीट्यूट आफ होम इकोनामिक्स, नई दिल्ली में 'वुमन ऐंड पालिटिकल पार्टिसिपेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- मेरी जान ने 30 सितम्बर 2005 को समाजशास्त्र और राजनीति विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ में 'जेंडर ऐंड हयूमन राइट्स' विषयक पुनश्चर्या कोर्स में 'बेसिक कनसेप्ट्स इन वुमन स्टडीज' विषयक व्याख्यान दिया।
- मेरी जान ने 25–27 अगस्त 2005 को अंग्रेजी और विदेशी भाषा अध्ययन केंद्र, हैदराबाद में 'कल्चरल स्टडीज ऐंड द क्वेश्चन आफ डिसिप्लीन्स कल्चर स्टडीज' विषयक व्याख्यान दिया।
- मेरी जान ने 19 मई 2005 को समर स्कूल फार रोनोके कालेज, यू.एस.ए., कुतुब होटल में 'द वुमन'स मूवमेंट इन इण्डिया' विषय पर व्याख्यान दिया।
- मेरी जान ने 27 अप्रैल 2005 को इंस्टीट्यूट आफ चाइनीज स्टडीज, दिल्ली में 'जेंडर इश्युज इन कन्टेम्पोरेरि चाइना' विषय पर व्याख्यान दिया।

पुरस्कार/सम्मान/अध्येतावृत्तियां

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केन्द्र

- जयती घोष, आवा मैती स्मारक पुरस्कार, एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता, 2006
- प्रवीण झा 25 जून से 15 जुलाई तक सेंटर फार ट्रापीकल मरीन इकोलॉजी, यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रेमन, जर्मनी में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में रहे।

ऐतिहासिक अध्यान केन्द्र

- रणवीर चक्रवर्ती को इंस्टीट्यूट फॉर एडवांस्ड स्टडी, प्रिंसटन की सदस्यता प्रदान की गई (सितम्बर 2005 – जुलाई 2006) : कार्य पूरा हो गया।
- एच.पी. रे को 2 से 12 जून 2005 तक यूनिवर्सिटी आफ सिडनी, आस्ट्रेलिया द्वारा कला में जेएनयू विजिटिंग फेलो के रूपमें आमंत्रित किया गया।
- एच.पी. रे शिवदासानी फेलो आक्सफोर्ड सेंटर फार हिंदू स्टडीज, आक्सफोर्ड में 2 अक्टूबर से 2 दिसम्बर 2005 तक फेलो के रूप में रहे।
- सैय्यद नज़फ़ हैदर, विजिटिंग फेलो, मेसन डेज साइंसेज दे अल' होम, पेरिस, 2006
- सैय्यद नज़फ़ हैदर, विजिटिंग फेलो, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला, 2005
- राधिका सिंह, आवरलिन–शांसी विजिटिंग एसोसिएट प्रोफेसर, आबरलिन, ओहियो, यूएसए, 1 अप्रैल से 15 मई 2005 तक।
- राधिका सिंह, प्रोग्राम इन एग्रेरियन स्टडीज, येल यूनिवर्सिटी, 1 सितम्बर 2005 – 31 मई 2006।

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केन्द्र

- एस. राजू को वर्ष 2004–2005 के लिए 'फेमिनिस्ट पर्सपेक्टिव आफ ग्लोबलाइजेशन' विषय पर सीआईडीए – आईडीआरसी, कार्लटन यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी आफ ओटावा की विजिटिंग शोध अध्येतावृत्ति प्राप्त हुई।

सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र

- एम.एन. पाणिनी, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा गठित समिति – डिवाइस हेल्थी एण्ड वाइडली एक्सेप्टेबल नार्मस आफ डेमोक्रेटिक प्रोटेस्ट/डिसेन्ट – के अध्यक्ष, 2005
- आनंद कुमार, अंतर सांस्कृतिक जानकारी हेतु बीएमडब्ल्यू ग्रुप पुरस्कार, 2005
- एस.एस. जोधका मई से जून 2005 तक यूनिवर्सिटी आफ बर्गन, नावे में विजिटिंग एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में रहे।
- नीलिका मेहरोत्रा जून 2005 में फ्रेंच इंस्टीट्यूट आफ पांडीचेरी में विजिटिंग फैकल्टी के रूप में रहीं।

विज्ञान नीति अध्ययन केन्द्र

- एस. भादुरी को जनवरी से दिसम्बर 2005 तक मैक्सप्लांक इंस्टीट्यूट आफ इकोनामिक्स, जेना में 'इवाल्यूशनरी इकोनामिक्स' में शोध कार्य करने के लिए पोस्ट डाक्टरल अध्येतावृत्ति प्राप्त हुई।
- रोहन डि'सूजा, जन–जुलाई 2005 तक रिसोर्स मैनेजमेंट एशिया पेसिफिक, आस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी, केनबरा, आस्ट्रेलिया में अल्पकालिक विजिटिंग फेलो रहे।
- वी.वी. कृष्णा, मई 2004 से जुलाई 2005 तक सेंटर फार इंडस्ट्री ऐंड इनोवेशन स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ वेस्टर्न सिडनी, सिडनी में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में रहे।

सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र

- संघमित्रा शील आचार्य को अप्रैल से दिसम्बर 2005 तक 'यूथ इन द फिलिपिंस' विषयक शोध कार्य करने हेतु एशियन स्कालरशिप फाउंडेशन, बैंकाक, थाइलैण्ड की अध्येतावृत्ति प्राप्त हुई।
- अल्पना डी. सागर को जनवरी से दिसम्बर 2006 के दौरान एक वर्ष के लिए डिपार्टमेंट आफ हिस्ट्री आफ मेडिसिन, सेंट जॉन मेडिकल कॉलेज, सेंट जॉन नेशनल एकेडमी आफ हेल्थ साइंसेज, बंगलौर में शोध अध्येतावृत्ति प्राप्त हुई।
- राजीब दास गुप्ता 19 से 21 जनवरी, 2006 तक सेंट पीटर्सबर्ग, रूस में आयोजित सातवें वार्षिक 'ग्लोबल डिवलपमेंट' सम्मेलन में ग्लोबल डिवलपमेंट पुरस्कार देने वाले निर्णायक मण्डल के सदस्य थे।

जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र

- दीपक कुमार, सितम्बर से दिसम्बर 2005 के दौरान यूनिवर्सिटी आफ विसकांसिन, मेडिसन में फुलब्राइट विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में रहे।
- ए.के. मोहन्ती 'मल्टीलिंग्वालिज्म' विषयक अंतरराष्ट्रीय पत्रिका के संपादकीय मण्डल में नामित किए गए।
- बिनोद खादरिया, एशिया रिसर्च इंस्टीट्यूट, नेशनल यूनिवर्सिटी आफ सिंगापुर में विजिटिंग सीनियर रिसर्च फेलो के रूप में रहे।
- ध्रुव रैना, जून–जुलाई 2005 के दौरान इंडियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस, बंगलौर मे विजिटिंग फैकल्टी के रूप में रहे।

- ध्रुव रैना को नेशनल बुक ट्रस्ट आफ इंडिया की 'पॉप्यूलर साइंस' विषयक पत्रिका के संपादकीय पेनल में नामित किया गया।
- मिनाती पांडा को वर्ष 2006–2007 के लिए जे. विलियम फुलब्राइट फॉरेन स्कालरशिप बोर्ड, यूएसए से फुलब्राइट सीनियर रिसर्च फेलोशिप प्राप्त हुई।
- मिनाती पांडा, को वर्ष 2006 के लिए वितकिन/ओकोन्जी पुरस्कार प्राप्त हुआ (यह पुरस्कार सहयोगात्मक संयुक्त सांस्कृतिक शोध के लिए दिया जाता है।)
- एस. श्रीनिवास राव को वर्ष 2005 में शास्त्री इण्डो–कनाडियन इंस्टीट्यूट द्वारा फैकल्टी रिसर्च अध्येतावृत्ति प्रदान की गई। (विजिटिंग स्कालर, आंटारियो इंस्टीट्यूट फार स्टडीज इन एज्यूकेशन, यूनिवर्सिटी आफ टोरंटो)

मण्डलों/समितियों की सदस्यता (विश्वविद्यालय से बाहर)

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केन्द्र

- सी.पी. चन्द्रशेखर, सदस्य, संपादकीय सलाहकार मण्डल, सर्वेक्षण, नेशनल सेम्पल सर्वे आर्गेनाइजेशन, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन, मंत्रालय, भारत सरकार की तकनीकी पत्रिका; सदस्य, संपादकीय मण्डल, सोशल साइंटिस्ट, नई दिल्ली, भारत से प्रकाशित सामाजिक विज्ञान की मासिक पत्रिका; और सदस्य, स्थायी समिति, औद्योगिक सांख्यिकी, केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार।
- डी.एन. राव, सदस्य, सलाहकार समिति, विशेष सहायता विभाग द्वितीय चरण, वाणिज्य विभाग, कोलकाता विश्वविद्यालय, कोलकाता, 2000–05; और सदस्य, स्थायी सलाहकार शोध समिति, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार।
- जयती घोष, सदस्य राष्ट्रीय ज्ञान आयोग, भारत सरकार; सदस्य, शासी निकाय, मोतीलाल नेहरू कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय; न्यासी, आर्थिक शोध फाउंडेशन, नई दिल्ली; (अवैतनिक) कार्यकारी सचिव, इंटरनेशनल डिवलपमेंट इकोनामिक्स एसोसिएट्स; सदस्य, शासी मण्डल, फोकस ऑन द ग्लोबल साउथ, बैंकाक; सदस्य, शोध सलाहकार मण्डल, सामाजिक विकास परिषद्, नई दिल्ली; सदस्य, बोर्ड, सेंटर फार बजट ऐंड गवर्नेंस अकाउंटेबिलिटी, नई दिल्ली; सदस्य, शासी परिषद्, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली; सदस्य, विषय–निर्वाचन समिति, श्रम और रोजगार, XIवीं योजना के लिए, योजना आयोग, भारत सरकार; और सदस्य, विषय निर्वाचन समिति, शिक्षा, 11वीं योजना के लिए, योजना आयोग, भारत सरकार।
- अरुण कुमार, उपाध्यक्ष, भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी (2006–07) और सदस्य, अकादमी की कार्य परिषद्; सदस्य, सलाहकार मण्डल, पत्रिका, भारतीय सामाजिक चिंतन; सदस्य, सलाहकार मण्डल, विशेष सहायता कार्यक्रम, अर्थशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय; सदस्य, सलाहकार मण्डल, विशेष सहायता कार्यक्रम, अर्थशास्त्र विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय, और सदस्य, सलाहकार मण्डल, विशेष सहायता कार्यक्रम, अर्थशास्त्र विभाग, अमृतसर विश्वविद्यालय।

ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र

- आर. चक्रवर्ती, सदस्य, ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र, उच्च अध्ययन संस्थान, प्रिंसटन (यूएसए)
- सैय्यद नज़फ हैदर, सह–आयोजक, 27 फरवरी से 1 मार्च 2006 तक जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय – सिडनी विश्वविद्यालय द्वारा नई दिल्ली में आयोजित मेमोरी एज हिस्ट्री : द लिगेसी आफ अलेक्जेंडर इन एशिया' विषयक सम्मेलन; सदस्य, कार्य समिति, भारतीय इतिहास कांग्रेस, 2006–07.
- राधिका सिंह, सदस्य, सलाहकार मण्डल, जर्नल क्राइम, हिस्ट्री ऐंड सोसाइटीज, सीईएसडीआईपी, पेरिस (मुख्य संपादक, प्रो. रेनेलेवी); और सदस्य, सलाहकार मण्डल, हिस्टोरीकल जर्नल, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी ।

- सुचेता महाजन, सदस्य, संपादकीय मण्डल, टुवर्डस फ्रीडम प्रोजेक्ट, भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली।
- कुमकुम राय, सदस्य, संपादकीय मण्डल, संपादकीय मण्डल, इंडियन जर्नल आफ जेंडर स्टडीज; संपादकीय मण्डल, सोशल एक्शन; और शासी निकाय, एकलव्य फाउंडेशन।

दर्शन–शास्त्र केन्द्र

- एस.पी. गौतम, सदस्य, सलाहकार समिति, विशेष सहायता विभाग (दर्शनशास्त्र), पुणे विश्वविद्यालय, सदस्य, पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति, 'पॉलिटीकल थीअरि' विषयक पाठ्य पुस्तक, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली; सदस्य, संस्थान मण्डल, मानविकी और शिक्षा, नार्थ ईस्टर्न, हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग; सदस्य, सलाहकार समिति, अकादमिक स्टाफ कालेज, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर; और सदस्य, विषय निर्वाचन समिति (i) युवा दर्शनशास्त्री पुरस्कार 2004–2005, और (ii) दर्शनशास्त्र में सर्वोत्तम पुस्तक पुरस्कार 2004–05, भारतीय दर्शनशास्त्र अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली, (जनवरी 2006)
- ओइनम भगत, सदस्य, रा.शै.अ.प्र.प. के लिए पाठ्य पुस्तक निर्माण दल, कक्षा XI के लिए 'पालिटीकल थीअरि' विषयक पाठ्य पुस्तक।
- ए. बनर्जी, आजीवन सदस्य, द जियोग्राफीकल सोसाइटी आफ इंडिया, कोलकाता; आजीवन सदस्य, द इंस्टीट्यूट आफ इकोलॉजी, एकिसटिक्स ऐंड लैण्डस्केप, कोलकाता; आजीवन सदस्य, इंडियन एसोसिएशन फार द स्टडी आफ पाप्यूलेशन; आजीवन सदस्य, इंडियन नेशनल कार्टोग्राफिक एसोसिएशन; आजीवन सदस्य, नेशनल एसोसिएशन आफ जियोग्राफर्स, इंडिया; और कार्यकारी सदस्य, उत्तर–पश्चिमी क्षेत्र, नेशनल एसोसिएशन आफ जियोग्राफर्स इंडिया।
- बी.एस. बुटोला, आजीवन सदस्य, नेशनल एसोसिएशन आफ जियोग्राफर्स इंडिया; आजीवन सदस्य, उत्तर–पूर्वी भारतीय इतिहास संघ', आजीवन सदस्य, नार्थ–ईस्टर्न हिल जियोग्राफर्स एसोसिएशन; और आजीवन सदस्य, सेंटर फार इंटरडिसिप्लिनरी स्टडीज आन नार्थ–ईस्ट।
- डी.एन. दास, आजीवन सदस्य, नेशनल एसोसिएशन आफ जियोग्राफर्स, इंडिया; आजीवन सदस्य, इंडियन एसोसिएशन फार द स्टडी आफ पाप्यूलेशन; और आजीवन सदस्य, इंडियन नेशनल कार्टोग्राफिक एसोसिएशन।
- एन.सी. जेना, आजीवन सदस्य, इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन, कोलकाता; आजीवन सदस्य, इंस्टीट्यूट आफ लैण्डस्केप, इकोलॉजी ऐंड एक्सिटिक्स, कोलकाता; आजीवन सदस्य, रीजनल साइंस एसोसिएशन, कोलकाता; आजीवन सदस्य, नेशनल एसोसिएशन आफ जियोग्राफर्स, इंडिया, दिल्ली; आजीवन सदस्य, इंडियन काउंसिल आफ जियोग्राफर्स, भुवनेश्वर; आजीवन सदस्य, इंडियन इंस्टीट्यूट आफ जियोमार्फोलॉजीस्ट, इलाहाबाद; आजीवन सदस्य, इंस्टीट्यूट आफ इंडियन जियोग्राफर्स, पुणे; आजीवन सदस्य, इंडियन नेशनल कार्टोग्राफिक एसोसिएशन, हैदराबाद; आजीवन सदस्य, एशियन एनवायरनमेंटल काउंसिल, जयपुर; आजीवन सदस्य, अखिल भारत भू–विद्या और परिवेश समिति, शांति निकेतन; आजीवन सदस्य, भारत विद्या चर्चा केन्द्र, बर्दवान; आजीवन सदस्य, इंडियन सोसाइटी आफ रिमोट सेंसिंग, देहरादून; सह–सदस्य, भू–विज्ञान विकास फाउंडेशन, नई दिल्ली; और सदस्य, वर्ल्ड वाइड फंड फार नेचर–इंडिया, नई दिल्ली।
- ए. कुन्डू, अध्यक्ष, तकनीकी निगरानी समिति, नेचुरल रिसोर्स अकाउंटिंग; सदस्य, शासी परिषद, राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन, भारत सरकार; सदस्य, निगरानी समिति, Centre des Sciences Humaine and Institut Francais de Pondicherry; सदस्य, समीक्षा समिति, मदुरई कामराज विश्वविद्यालय; सदस्य, संपादकीय मंडल, नीपा की पत्रिका; सदस्य, संपादकीय मण्डल, मैनपावर जर्नल, आई ए एम आर; सदस्य, संपादकीय मण्डल, जर्नल आफ लेबर इकोनॉमिक्स; और सदस्य, संपादकीय मण्डल, अरुणाचल विश्वविद्यालय की पत्रिका।
- ए.एच. किदवई, एसोसिएट फेलो, इंस्टीट्यूट आफ टाउन प्लानर्स–इंडिया; सदस्य, राष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन आयोग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार; सदस्य, अध्ययन समूह, लुटियन की दिल्ली, शहरी कला आयोग, दिल्ली; सदस्य, डॉक्टरल पाठ्यक्रमों के लिए

समिति, योजना और वास्तुकला विद्यालय, नई दिल्ली; और सदस्य, डॉक्टरल पाठ्यक्रमों के लिए समिति, सामाजिक विज्ञान, जम्मू और कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर।

- पी.एम. कुलकर्णी, सदस्य, संपादकीय मंडल, डेमोग्राफी इंडिया; और सदस्य, तकनीकी सलाहकार समिति।

- ए. महमूद, आजीवन सदस्य, इंडियन एसोसिएशन साइंटीफिक स्टडीइंग आफ पाप्यूलेशन; आजीवन सदस्य, इंडियन रीजनल साइंस एसोसिएशन; आजीवन सदस्य, इंडियन एसोसिएशन आफ पाप्यूलेशन जियोग्राफी; और सदस्य, इंटरनेशन्स यूनियन आफ साइंटीफिक स्टडी आफ पाप्यूलेशन।

- डी.के. मिश्रा, आजीवन सदस्य, कार्यकारी समिति, इंडियन सोसाइटी आफ लेबर इकोनामिक्स; आजीवन सदस्य, इंडियन सोसाइटी आफ एग्रिकल्चरल इकोनामिक्स; आजीवन सदस्य, इंडियन सोसाइटी फार इकोलॉजीकल इकोनामिक्स; और आजीवन सदस्य, नार्थ–ईस्ट इंडिया इकोनामिक एसोसिएशन।

- एस. नांगिया, अध्ययक्ष, नेशनल एसोसिएश्यान आफ जियोग्राफर्स, इंडिया; अध्यक्ष (वि.अ.आ. नामिती, उच्च अध्ययन संस्थान), टेरी, दिल्ली; आजीवन सदस्य, इंडियन रीजनल साइंस एसोसिएशन; आजीवन सदस्य, इंडियन एसोसिएशन फार द स्टडी आफ पाप्यूलेशन; आजीवन सदस्य, नेशनल एसोसिएशन आफ जियोग्राफर्स; आजीवन सदस्य, द एसोसिएशन आफ जियोग्राफीकल स्टडीज, दिल्ली अर्थशास्त्र संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय; आजीवन सदस्य, द जियोग्राफीकल सोसाइटी आफ द नार्थ–ईस्टर्न हिल रीजन, नेहु, शिलांग; आजीवन सदस्य, द इंडियन जियोग्राफीकल सोसाइटी, मद्रास विश्वविद्यालय, मद्रास; आजीवन सदस्य, सोसाइटी फार अप्लाइड रिसर्च इन ह्युमैनटीज, नई दिल्ली; आजीवन सदस्य, लुम्सी–लैण्ड यूज मैनेजमेट सोसाइटी, हैदराबाद; आजीवन सदस्य, इंडियन नेशनल कार्टोग्राफिक एसोसिएशन, हैदराबाद; आजीवन सदस्य, भू–विज्ञान फाउंडेशन, नागपुर; सदस्य, अध्ययन मंडल (भूगोल), महाराजा सयाजी राव विश्वविद्यालय, बड़ौदा, वदोदरा (2002–2005); सदस्य, अध्ययन मण्डल (स्नातक और सनातकोत्तर) भूगोल, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय (2003–2005);सदस्य, अध्ययन मंडल (भूगोल), मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर (2003–2005); सदस्य, कार्यदल, सामाजिक और व्यावहारिक शोध, आईसीएमआर; सदस्य, विद्या परिषद्, अंतर राष्ट्रीय जन संख्या विज्ञान संस्थान, मुम्बई; सदस्य (वि.अ.आ. नामिती), कार्य परिषद्, वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान; सदस्य, संस्थान की चयन मूल्यांकन और पदोन्नति समिति, भारतीय वन्य जीवन संस्थान, देहरादून; सदस्य, शासी परिषद्, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान; सदस्य, इंटरनेशनल यूनियन फार द साइंटीफिक स्टडी आफ पाप्यूलेशन, द्यू देज आगस्ताइन, बेल्जियम; सदस्य, इंटरनेशनल कार्टोग्राफिक एसोसिएशन; सदस्य, पाप्यूलेशन एनवायरनमेंट रिसर्च नेटवर्क, अंतरराष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड, पाप्यूलेशन ऐंड एनवायरनमेंट आफ द आई यू एस एस पी, आस्ट्रिया; एसोसिएट; और सदस्य, इंटरनेशनल जिनोग्राफिकल यूनियन; और विजिटर नामिती, कोर्ट, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद।

- पी. पाणि, आजीवन सदस्य, इंडियन इंस्टीट्यूट आफ जियोमार्फोलॉजिस्ट; और आजीवन सदस्य, इंडियन सोसाइटी आफ रिमोट सेंसिंग।

- एम.एच. कुरेशी, नेशनल एसोसिएशन आफ जिओग्राफर्स, इंडिया; आजीवन सदस्य, इंडियन जियोग्राफीकल एसोसिएशन; आजीवन सदस्य, इंडियन जियोग्राफीकल सोसाइटी, चेन्नई; सदस्य विद्या परिषद्, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली; सदस्य, अध्ययन मंडल, सामाजिक विज्ञान संस्थान, हैदराबाद विश्वविद्यालय, (आ.प्र.); सदस्य, अध्ययन मण्डल, भूगोल विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़; सदस्य, अध्ययन मंडल, भूगोल, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली; सदस्य, स्नातकोत्तर अध्ययन मंडल, भूगोल, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र; और सदस्य, आर ऐंड आर उप समूह, नर्मदा नियन्त्रण प्राधिकरण, भारत सरकार, इन्दौर।

- एस. राजू, संपादकीय मंडल, एंटीपोड, यू.के.; संपादकीय मंडल, जियोफोरम, यू.के.; संपादकीय मंडल, जियोग्राफी कंपास, यू. के.; संपादकीय मंडल, जर्नल आफ सोशल साइंसेज, नई दिल्ली; समिति सदस्य, इंटरनेशनल क्रिटिकल जियोग्राफी ग्रुप; नामित सदस्य, इंटरनेशनल ग्रुप आफ फेमिनिस्ट स्कॉलर्स, डिपार्टमेंट आफ हेल्थ ऐंड स्पाशियल साइंसेज, यूनिवर्सिटी आफ कैलगरी, कैलगरी, कनाडा; और शोध सलाहकार समिति, भारत सरकार/यूनिफेम, नई दिल्ली।

- एस. सेन, आजीवन सदस्य, इंडियन सोसाइटी आफ एग्रिकल्चरल इकोनामिक्स; आजीवन सदस्य, इंडियन सोसाइटी आफ रिमोट सेंसिंग; और आजीवन सदस्य, रीजनल साइंस एसोसिएशन, इंडिया।

- एम.सी. शर्मा, द इंटरनेशनल क्वार्टरनरी एसोसिएशन कार्यदल, माउंटेन ग्लेशियर; टाइमिंग ऐंड क्रोनोलॉजी।

- आर.के. शर्मा, संपादक, आईसीएसएसआर, जर्नल आफ एब्सट्रेक्ट्स ऐंड रिव्यूज; आजीवन सदस्य, इंडियन सोसाइटी आफ लेबर इकोनामिक्स; आजीवन सदस्य, इंडियन इकोनामिक एसोसिएशन; और आजीवन सदस्य, इंडियन एसोसिएशन फार द स्टडी आफ पाप्यूलेशन।

- एच. सिंह, आजीवन सदस्य, नेशनल एसोसिएशन आफ जियोग्राफर्स, इंडिया; सदस्य, स्थायी समिति, इंटरनेशनल सोसाइटी फार लद्दाख स्टडीज, ब्रिस्टल, यू.के.; सदस्य, एसोसिएशन आफ हिल जियोग्राफर्स; फेलो आफ इंडियन सोसाइटी फार ह्यूमन इकोलॉजी; सदस्य, अध्ययन मंडल, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, 2005 से; सदस्य, स्नातकोत्तर अध्ययन मंडल, सामाजिक विज्ञान, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू; सदस्य, पी–एच.डी. समिति, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला; सदस्य, अध्ययन मंडल, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, 2004 से; सदस्य, विशेषज्ञ समिति (कार्य परिषद), नेचुरल रिसोर्स डाटा मैनेजमंट सिस्टम; और (एनआरडीएमएस) कार्यक्रम, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 2005–2007

- एस. सिन्हा, आजीवन सदस्य, इंडियन सोसाइटी आफ लेबर इकोनामिक्स; सदस्य, नागी; सदस्य, सलाहकार मण्डल, 'लैंण्ड ऐंड पीपल' श्रृंखला, एनबीटी और सदस्य, भारतीय नदियों में गाद की समस्या का अध्ययन करने के लिए गठित समिति, भारत सरकार, केन्द्रीय जल आयोग, नई दिल्ली।

- आर, श्रीवास्तव, सदस्य, नीति सलाहकार प्रकोष्ठ, योजना आयोग, उत्तर–प्रदेश सरकार; सदस्य, राष्ट्रीय विषय निर्वाचन समिति, पार्टीसिपेटरी पॉवर्टी असेस्मेंट्स, एशियन डिवलपमेंट बैंक, भारत सरकार; सदस्य, विषय निर्वाचन समिति, ग्रामीण निर्धनता, जलसंभर, विकेन्द्रीकरण और ग्रामीण विकास, 10वीं योजना (योजना आयोग); सदस्य, कार्य समूह, गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम, 10वीं योजना (योजना आयोग); सदस्य, कार्यसमूह, कृषि, मांग और आपूर्ति प्रक्षेपण, 10वीं योजना (योजना आयोग); सदस्य, विद्या समिति, मानव विकास संस्थान; सदस्य, विद्या समिति, एग्रो–इकोनामिक रिसर्च सेंटर, दिल्ली यूनिवर्सिटी; सदस्य, संकाय बोर्ड, आर्थिक और प्रबन्ध अध्ययन, नार्थ–ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी; सदस्य, आयोजन समिति, ग्लोबल लेबर फोरम, 12–14 दिसम्बर 2005, नई दिल्ली; सदस्य, पाठ्यक्रम समीक्षा विशेषज्ञ समिति, इग्नू; सदस्य, कोर ग्रुप, आउट कम इवाल्युएशन, योजना आयोग; सदस्य, कार्यदल, असंगठित और अनौपचारिक क्षेत्र के लिए सामाजिक सुरक्षा, राष्ट्रीय असंगठित और अनौपचारिक क्षेत्र आयोग; सदस्य, शासी परिषद्, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्; सदस्य, बोर्ड आफ गवर्नर्स, विकास अध्ययन संस्थान, जयपुर; सदस्य, बोर्ड आफ गवर्नर्स, गिरी विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ; सदस्य, संपादकीय मण्डल, सर्वेक्षण; सदस्य, संपादक मण्डल, इंडियन जर्नल आफ लेबर इकोनामिक्स; सदस्य, संपादकीय मंडल, जर्नल आफ एग्रेरियन चेंज; और सदस्य, संपादकीय सलाहकार मंडल, सोशल कंसर्न।

- एस. श्रीकेश, आजीवन सदस्य, द इंडियन सोसाइटी फार रिमोट सेंसिंग; आजीवन सदस्य, नेशनल एसोसिएशन आफ जियोग्राफर्स, इंडिया; सदस्य, विशेषज्ञ समूह, प्रोग्राम आन बायोजियो डाटाबेस ऐंड इकोलॉजीकल मॉडलिंग फार हिमालया'ज, नेचुरल रिसॉर्सिज डाटा मैनेजमेंट सिस्टम्स (एनआरडीएमएस), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली; और सदस्य, एनविस सलाहकार समिति, पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार।

- एस.के. थोरट, सदस्य, वि.अ.आ.; सदस्य, विभिन्न विश्वविद्यालयों में बुद्धिस्ट अध्ययन केन्द्र और डॉ. अम्बेडकर अध्ययन केन्द्र स्थापित करने हेतु प्रस्तावों पर विचार करने के लिए गठित वि.अ.आ. की विशेषज्ञ समिति; वि.अ.आ. नामिती, सलाहकार मंडल समिति, बुद्धिस्ट अध्ययन केन्द्र, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय; वि.अ.आ. नामिती सलाहकार समिति, अफ्रीकन अध्ययन केन्द्र के लिए क्षेत्र अध्ययन कार्यक्रम, मुम्बई विश्वविद्यालय, सदस्य, सामाजिक और आर्थिक कल्याण प्रोन्नति के लिए गठित राष्ट्रीय

समिति; वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग; सदस्य, परामर्श समूह, सामाजिक न्याय और अधिकारिता, योजना आयोग, भारत सरकार; सदस्य, कार्य समिति, कापार्ट (काउंसिलफार एडवांसमेंट आफ पीपल्स एक्शन ऐंड रूरल टेक्नोलॉजी); सदस्य, कार्यदल, वि.अ.आ.; वि.अ.आ. सदस्य, विशेषज्ञ समिति, पेरियार विश्वविद्यालय, सालेम, तमिल नाडु; सदस्य, केंद्रीय शिक्षा सलाहकार मंडल, उच्च और तकनीकी शिक्षा का वित्त पोषण, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, माध्यमिक और उच्चतर शिक्षा विभाग; सदस्य, आइजनहावर फेलोशिप इंडिया, नोमिनेटिंग कमिटी; सदस्य, भारत में संयुक्त राष्ट्र देशों के दल द्वारा गठित कार्य और रोजगार समुदाय हेतु विशेषज्ञ समूह; और सदस्य, उप समिति, स्थायी समिति, शोध कार्यक्रम, आई.ए.एम.आर.–इंस्टीट्यूट एप्लाइड मैनपावर रिसर्च, योजना आयोग।

सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र

- एम.एन. पाणिनी, सदस्य, सलाहकार समिति, 27 फरवरी से 01 मार्च, 2006 तक आयोजित 'आइडेंटिटी, कल्चरल प्लुरलिज्म ऐंड सिन्क्रेटिज्म' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन (भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा नियुक्त); कुलाधिपति नामिती, समाज–शास्त्र के लिए चयन समिति – महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक (हरियाणा सरकार, चण्डीगढ़ द्वारा नियुक्त), 2006; सदस्य, सलाहकार समिति, एशिया लिंग प्रोजेक्ट (यूरोपीय आयोग) जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा कार्यान्वित की जा रही है; और सलाहकार, प्रबंध समिति, आल इंडियन ह्यूमन राइट्स ऐंड सिटीजन आप्शन, मानवाधिकार आयोग।
- मैत्रेयी चौधरी, सदस्य, पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति, कक्षा–XI के लिए समाजशास्त्र की पाठ्यपुस्तक, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2005.
- सुसन विश्वनाथन, सलाहकार, सामाजिक विकास परिषद्, दिल्ली, 2006.
- एस.एस. जोधका, संपादकीय मंडल, सोसियोलाजी (ब्रिटिश सोसियोलॉजीकल एसोसिएशन की पत्रिका); और सदस्य, संपादकीय मंडल, सिक्ख फार्मेशंस (रूटलेज द्वारा प्रकाशित की जा रही नई पत्रिका)
- निलिका मेहरोत्रा, सह–संपादक, इंडियन एंथ्रोपॉलोजिस्ट

विज्ञान नीति अध्ययन केन्द्र।

- प्रणव देशाई, क्षेत्रीय संपादक, दक्षिण एशिया, वर्ल्ड रिव्यू अन्य साइंस, टेक्नोलॉजी ऐंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट (इंडरसाइंस पब्लिशर्स, यू.के.)।
- वी.वी. कृष्णा, संपादक, साइंस, टेक्नोलॉजी ऐंड सोसाइटी – विकासशील देशों को समर्पित अंतरराष्ट्रीय पत्रिका (सेज प्रकाशन)।

सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र

- मोहन राव, सदस्य, राष्ट्रीय स्तरीय विशेषज्ञ समिति, परिवार कल्याण विभाग, भारत सरकार; और सदस्य, राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग।
- रामा वी. बारू, सदस्य, प्रोग्राम फार द स्टडी आफ डिस्क्रिमीनेशन ऐंड एक्सक्लुजन (पीडीएसई); लिम्फेटिक फिलेरियासिस के उन्मूलन हेतु गठित राष्ट्रीय कार्यदल के सदस्य; सदस्य, तकनीकी सलाहकार समूह, लिम्फेटिक फिलेरियासिस, विश्व स्वास्थ्य संगठन, जिनेवा; क्षेत्रीय संपादक, साउथ एशिया, ग्लोबल सोशल पॉलिसी; और अध्यक्ष, 'हेल्थ ऐंड फीजीकल एज्यूकेशन', पाठ्यचर्या समूह, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली।
- रितु प्रिया मेहरोत्रा, सलाहकार सदस्य, तकनीकी विशेषज्ञ समूह, कार्यस्थलों पर एच आई वी/एड्स की रोकथाम, राष्ट्रीय एड्स नियन्त्रण संगठन, भारत सरकार, वी.वी. गिरी राष्ट्रीय श्रम संस्थान द्वारा समन्वित, 2000.

- अल्पना दया सागर, संपादकीय समिति, वैकल्पिक आर्थिक सर्वेक्षण; संपादकीय समिति, जर्नल आफ हेल्थ ऐंड डिवलपमेंट; आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराने संबंधी मामलों पर विकासशील देशों के अनुरोध को पूरा करने के लिए सलाहकारों के यूएनडीपी रोस्टर की सदस्य; और सदस्य स्थायी समिति, महिला अध्ययन कार्यक्रम 2004–2007.
- राजीव दास गुप्ता, बाह्य पर्यवेक्षक, राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, नई दिल्ली।
- सुनीता रेड्डी, कार्यकारिणी सदस्य, इंडियन एंथ्रोपॉलोजीकल एसोसिएशन।

जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र

- दीपक कुमार, संपादकीय मंडल, साइंस, टेक्नोलॉजी ऐंड सोसाइटी, सेज, नई दिल्ली; संपादकीय मंडल, कंपेरेटिव टेक्नोलॉजी ट्रांसफर ऐंड सोसाइटी, जॉन हापकिंस यूनिवर्सिटी प्रेस, यूएसए; और विद्या समिति, राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्।
- ए.के. मोहन्ती, पाठ्यक्रम समिति, डिपार्टमेंट आफ एज्यूकेशनल साइकोलॉजी ऐंड फाउंडेशंस आफ एज्यूकेशन, एनसीईआरटी; मनोविज्ञान पाठ्यपुस्तक समिति, रा.शै.अ.प्र.प.; राष्ट्रीय परामर्श बैठक, बी.एड. पाठ्यचर्या, रा.त.शि.प.; राष्ट्रीय विशेषज्ञ समूह, असेस्मेंट इन एलीमेंट्री एज्यूकेशन, रा.शै.अ.प्र.प.; ई आर आई सी समीक्षा समिति, रा.शै.अ.प्र.प.; सलाहकार समिति, शोध सहायता विभाग, मनोविज्ञान विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय; सलाहकार समिति, अकादमिक स्टाफ कॉलेज, दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, गोरखपुर; सदस्य, मुख्य शोध परियोजनाएं और सम्मेलन प्रस्ताव समीक्षा समिति, वि.अ.आ.; संपादकीय समिति, फिफ्थ सर्वे आफ रिसर्च इन साइकोलॉजी, आईसीएसएसआर; सलाहकार समिति, शैक्षिक मूल्यांकन विभाग, रा.शै.अ.प्र.प.; राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति चयन समिति, आईसीएसएसआर; संकाय चयन समिति, भा.प्रौ.सं., कानपुर; अध्ययन मंडल, मनोविज्ञान, इलाहाबाद विश्वविद्यालय; और समिति, मनोविज्ञान प्रश्न बैंक, एनआईओएस।
- गीता बी. नाम्बिसन, सदस्य, परियोजना सलाहकार समिति, जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान, मोतीबाग (राज्य शिक्षा अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् के अन्तर्गत); सदस्य, विभागीय सलाहकार मण्डल पाठ्यचर्या ग्रुप, रा.शै.अ.प्र.प.; सदस्य, शोध और सलाहकार समिति, सर्व शिक्षा अभियान, दिल्ली; सदस्य, संपादकीय संकलन, जर्नल कंटेम्पोरेरी एज्यूकेशन डायलॉग; सदस्य, कार्य परिषद्, अंकुर सोसाइटी फोर अल्टरनेटिव इन एज्यूकेशन, नई दिल्ली; और सदस्य, सलाहकार मण्डल, इंडियन एज्यूकेशन रिव्यू, पत्रिका, रा.शै.अ.प्र.प.।
- ध्रुव रैना, सदस्य, सलाहकार मण्डल (आधुनिककाल), नेशनल कमिशन फार हिस्ट्री आफ साइंस, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी; सदस्य, संपादकीय मण्डल, वीईएसटी, स्वीडन; और सम्पादकीय मंडल, इंडियन जर्नल फार द हिस्ट्री आफ साइंस।
- मिनाती पांडा, सदस्य, विभागीय सलाहकार मंडल, डिपार्टमेंट आफ एज्यूकेशन साइकोलॉजी ऐंड फाउंडेशन आफ एज्यूकेशन, रा. शै.अ.प्र.प.; नई दिल्ली; भारत सरकार की सदस्य, दिल्ली और मणिपुर राज्य के लिए वार्षिक योजना मूल्य निरूपण दल; इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ क्रास कल्चरल साइकोलॉजी; नेशनल एकेडमी आफ साइकोलॉजी (इंडिया); और विचार, नई दिल्ली।

प्रौढ़ शिक्षा समूह

- एस.वाई. शाह, सदस्य, राष्ट्रीय कोर ग्रुप, राष्ट्रीय साक्षरता मिशन, भारत सरकार द्वारा स्थापित मूल्यांकन; सदस्य, शोध सलाहकार समिति, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ ओपन स्कूलिंग; सदस्य, वि.अ.आ. विशेषज्ञ समिति, प्रौढ़ शिक्षा; सदस्य, विषय निर्वाचन समिति, प्रौढ़ शिक्षा, नार्थ–ईस्ट हिल यूनिवर्सिटी; सदस्य, शासी निकाय, राज्य संसाधन केन्द्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया; सदस्य, भारतीय सलाहकार मंडल, विश्व साक्षरता, कनाडा; उपाध्यक्ष, भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ; और अवैतनिक कार्यकारी संपादक, अंतरराष्ट्रीय पत्रिका, अडल्ट ऐंड लाइफ लॉंग एज्यूकेशन।

जैव–प्रौद्योगिकी केन्द्र

नवम्बर 2005 में बायोस्पेक्ट्रम द्वारा किए गए सर्वेक्षण के अनुसार जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय का जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र भारत के 20 उच्च जैव प्रौद्योगिकी संस्थानों में से सर्वोत्तम जैव–प्रौद्योगिकी संस्थान है। ढांचागत और औद्योगिक पारस्परिक क्रिया के स्तर पर इसे उच्च स्थान प्रदान किया गया है। यह दर्जा इसे जनवरी 2006 में बायोस्पेक्ट्रम छात्र व्याख्यान शृंखला के दौरान दिया गया।

वर्ष 2005–2006 के दौरान केन्द्र के सभी पाँच शोध छात्रों को पी–एच.डी. उपाधियाँ प्रदान की गईं।

शोध परियोजनाएं

- उत्तम के पति, सप्रेशन आफ ओरल कैंसर स्पेसिफिक पी^{53} म्यूटेंट्स बाई एसआइआरएनए, जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 2006–2009.
- उत्तम के पति, कोरिलेशन आफ पी^{53} लेबल्स ऐंड इट्स फंक्शनल डोमैंस टु अपोप्टिक रेजिम आफ ओरल कार्सिनोमा सेल्स, वि.अ.आ., 2002–2007.
- आर. भटनागर, डिवलपमेंट आफ डीएनए वैक्सिन अगेंस्ट रेबिज यूजिंग टार्गेटिड वेक्टर्स फार वेटेरीनरी यूज (डॉ. अनंत राय, आईवीआरआई, इज्जतनगर के साथ परियोजना), जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, 2005–2008.
- आर. भटनागर, प्रोग्राम्ड सेल डेथ इन पैथोजेनिक बैक्टेरिया : पोटेंशल फार डिवलपिंग नॉवल एंटीबायोटिक्स टु कंट्रोल इनफैक्सस डिजीज्स, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2006–2008.
- आर. भटनागर, प्रोडक्शन आफ रिकंबीनेंट वेक्सीन अगेंस्ट एंथ्रेक्स यूजिंग यीस्ट एक्सप्रेशन सिस्टम; भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, 2006–2009.
- आर. भटनागर, थेराप्यूटिक इंटरवेंशन आफ एंथ्रेक्स : ए मोलक्यूलर मेडिसिन एप्रोच, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, 2006–2009.
- आर. भटनागर, न्यू स्ट्रेटिजीज टु कंट्रोल एंथ्रेक्स – मैपिंग आफ द लिथाल फैक्टर बाइंडिंग डोमेन आफ प्रोटेक्टिव एंटीजन आफ एंथ्रेक्स टॉक्सिन, वि.अ.आ., 2002–2007.
- आर. भटनागर, 'सर्च फार इको फ्रेंडली बायोइंसेक्टीसाइड्स फ्राम जिनोहेब्डस निमेटोफिला ऐंड इट्स एप्लिकेशंस इन एक्वाकल्चर – ए मोलक्यूलर अप्रोच, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, 2005–2008.
- एस.के. कार, इवाल्युएशन आफ इनेट ऐंड अडेप्टिव इम्यून रिस्पांस आफ एंडेमिक नार्मल ऐंड एसिम्पटोमेटिक– माइक्रोफिलेरेमिक इनडिविजुअल्स टु रिकंबीनेंट पैरासाइट एंटीजंस इन लिम्फेटिक फाइलेरियासिंस, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2006–2008.
- अपर्णा दीक्षित, 'क्लोनिंग करेक्ट्राइजेशन ऐंड एक्सप्रेशन आफ द सीडीएनए इनकोडिंग द हिपोग्लाइसेमिक पेप्टाइड आफ मोमोर्डिका चरनशिया ऐंड असेस्मेंट आफ न बायोलॉजीकल एक्टिविटी आफ द एक्सप्रेस्ड प्रोडक्ट', जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, 2003–2006.
- अपर्णा दीक्षित, 'क्लोनिंग करेक्ट्राइजेशन ऐंड एक्सप्रेशन आफ जीए/ई जीन आफ एयरोमोनास हाइड्रोफिला', भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, 2005–2008.

- राजीव भट्ट, 'फोल्डिंग, स्टेबिलिटी, इनर्जेटिक्स, ऐंड बायोमोलक्यूलर इंटरएक्शंस इन प्रोटींस', वि.अ.आ., 2002–2007.
- के.जे. मुखर्जी, 'लार्ज स्केल प्रोडक्शन आफ एंटीबॉडी फ्रेगमेंट्स इन ई. कोली ऐंड मिथाइलोट्रोपिक यीस्ट', विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, 2002–2007.
- के.जे. मुखर्जी, 'बायोकेमिकल ऐंड मोलक्यूलर करेक्ट्राइजेशन आफ एन अल्केलाइन, थर्मोस्टेबल लाइपेज फ्राम बरखोलडेरिया एसपी', विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2004–2007.
- के.जे. मुखर्जी, 'डिवलपमेंट आफ एन इंटीग्रेटिड बायोप्रोसस स्ट्रेटिजी फार द प्रोडक्शन आफ इंटरफेरान ए–1बी', पीआरडीएसएफ विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग कार्यक्रम, 2005–2007.
- के.जे. मुखर्जी, 'मेटाबॉलिक इंजीनियरिंग आफ ई. कोली टु रिमोव द बोटलनेक्स इन रिकंबीनेंट्स प्रोटीन एक्सप्रेशन', जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, 2005–2008.

राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों/बैठकों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

- उत्तम के. पति ने नवम्बर 2005 में 'एम्स' में आयोजित 'कैंसर' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- उत्तम के. पति ने दिसम्बर, 2005 में 'एम्स' में आयोजित 'कार्डियोवस्कुलर रिसर्च' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- उत्तम के. पति ने 4 से 12 फरवरी 2006 तक तिरुवनंतपुरम में आयोजित 'मॉनीटरिंग आफ स्टेम सेल फिनोटाइप, प्रालिफरेशन ऐंड अपोप्टिस' विषयक छठी इण्डो–यूएस फ्लो साइटोमेट्री कार्यशाला में भाग लिया।
- आर. भटनागर ने 22 से 24 दिसम्बर 2005 तक मानेसर, गुड़गाँव में आयोजित 'बायोटेक 2005' विषयक बायोटेक्नोलॉजी सोसाइटी आफ इंडिया के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- एस.के. कार ने 24 से 27 नवम्बर, 2005 तक चण्डीगढ़ में आयोजित इंडियन इम्युनोलॉजी सोसाइटी की 32वीं वार्षिक बैठक में भाग लिया।
- एस.के. कार ने 27 से 29 जनवरी 2006 तक भुवनेश्वर में आयोजित मोलक्यूलर इम्युनोलॉजी फोरम की 12वीं वार्षिक बैठक में भाग लिया।
- एस.के. कार ने 28 फरवरी 2006 को नई दिल्ली में आयोजित 'लाइफ ऐंड वर्क आफ प्रोफेसर जी.एन. रामचन्द्रन : ए सिम्पोजियम टु माई 50 ईयर्स आफ्टर इल्युसीडेशन आफ द स्ट्रक्चर आफ कॉलेजन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- अपर्णा दीक्षित ने 27 से 29 जुलाई 2005 तक मिनियापॉलिस, यूएसए में आयोजित फिश हेल्थ सेक्शन/अमेरिकन फिशरीज सोसाइटी की वार्षिक बैठक में भाग लिया।
- अपर्णा दीक्षित ने 7 से 10 अक्टूबर 2005 तक लखनऊ में आयोजित सोसाइटी आफ बायोलॉजीकल केमिस्ट्स आफ इंडिया की 74वीं वार्षिक बैठक में भाग लिया तथा 'प्रिजेंस आफ ए प्यूटेटिव इनहांसर एलिमेंट विदिन द – 580 टु – 274 रिजन आफ सी–जुन आइडेंटीफिकेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- अपर्णा दीक्षित ने 6 से 8 मार्च 2006 तक सेंटर फार डीएनए फिंगरप्रिंटिंग ऐंड डायग्नोस्टिक्स, हैदराबाद में आयोजित 'बायोटेक्नोलॉजी : वैक्सीन फार कैंसर, इनफैक्शस डिजीज्स, लाइफ स्टाइल ऐंड डिजनरेटिव डिजीज्स' विषयक तीसरे भारत – आस्ट्रेलिया सम्मेलन में भाग लिया।

- राजीव भट्ट ने 22 से 24 दिसम्बर, 2005 को मानेसर, गुड़गाँव में आयोजित 'बायोटेक 2005' विषयक बायोटेक्नोलॉजी सोसाइटी आफ इंडिया के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- राजीव भट्ट ने 28 से 30 दिसम्बर 2005 तक गुरु नानकदेव विश्वविद्यालय, अमृतसर में आयोजित 'थमोडायनेमिक्स आफ केमिकल ऐंड बायोलॉजीकल सिस्टम्स' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- के.जे. मुखर्जी ने दिसम्बर, 2005 में एनआईपीईआर, मोहाली में आयोजित 'स्केल अप आफ फार्मास्यूटीकल्स' विषयक कार्यशाला 'रिजौल्विंग बोटलनेक्स इन रिकंबीनेंट प्रोटीन प्रोडक्शन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

शिक्षकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय से बाहर)

- आर. भटनागर ने 25 अक्टूबर, 2005 को जामिया हमदर्द में व्याख्यान दिया।
- आर. भटनागर ने 24 से 28 नवम्बर 2005 तक गोवा में आयोजित गुहा रिसर्च सम्मेलन (जीआरसी–2005) में व्याख्यान दिया।
- आर. भटनागर ने 31 जनवरी 2006 को नेशनल इंस्टीट्यूट आफ बायोलॉजीकल्स, नोयडा में व्याख्यान दिया।
- आर. भटनागर ने 2 मार्च, 2006 को टेरी ए स्कूल आफ एडवांस्ड स्टडीज में व्याख्यान दिया।
- राजीव भट्ट ने 28 से 30 दिसम्बर 2005 तक गुरु नानकदेव विश्वविद्यालय, अमृतसर में आयोजित 'थर्मोडायनेमिक्स आफ केमिकल ऐंड बायोलॉजीकल सिस्टम्स' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में 'कैलोरीमेट्रिक इनवेस्टीगेशन आफ प्रोटीन–साल्वेंट इंटरएक्शंस : मैकेनिज्म आफ स्टेबलाइजेशन आफ हेक्सोकाइनेज ए बाइ पोलयोल्स ऐंड कार्बोक्सीलिक एसिड साल्ट्स' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- के.जे. मुखर्जी ने दिसम्बर, 2005 में आईआईसीटी, मुम्बई में 'फ्राम क्लोन्स टु प्रोडक्ट : द चैलेंजिज बिफोर ए बायोकेमिकल इंजीनियर' विषयक व्याख्यान दिया।
- के.जे. मुखर्जी ने नवम्बर 2005 में अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई में आयोजित 'पाथ टु हेल्थ – बायोटेक्नोलॉजी रिवोल्यूशन इन इंडिया' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में 'चैलेंजिज इन द स्केल अप आफ एक्सप्रेशन आफ रिकंबीनेंट प्रोटींस आफ थेराप्यूटिक वैल्यू' शीर्षक व्याख्यान दिया।

पुरस्कार/सम्मान/अध्येतावृत्तियाँ

- आर. भटनागर, नेशनल एकेडमी आफ साइंसेज, इलाहाबाद में फेलो चुने गए।

मण्डलों/समितियों की सदस्यता (विश्वविद्यालय से बाहर)

- आर. भटनागर, सदस्य, अमेरिकन सोसाइटी आफ सेल बायोलॉजी; सदस्य, अमेरिकन सोसाइटी आफ माइक्रोबायोलॉजी; आजीवन सदस्य, इंडियन इम्युनोलॉजी सोसाइटी; आजीवन सदस्य, बायोटेक्नोलॉजी सोसाइटी आफ इंडिया; कार्यकारी सदस्य, आल इंडिया बायोटेक एसोसिएशन, नई दिल्ली; सदस्य, विद्या परिषद्, केन्द्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान, मुम्बई; सदस्य, उप समिति, मोलक्यूलर ऐंड बायोकेमिकल टेक्नोलॉजी में एक वर्षीय स्नात्कोत्तर डिप्लोमा कोर्स, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; सदस्य, सलाहकार समिति, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर; सदस्य, शोध सलाहकार समिति, नेशनल ब्यूरो आफ फिश जेनेटिक रिसॉर्सिज, लखनऊ; सदस्य, सलाहकार समिति, केन्द्रीय मीठा जल जीव विज्ञान संस्थान, कौसल्यागंगा, भुवनेश्वर; और सदस्य, सलाहकार समिति, सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ ब्रेकिश वाटर एक्वाकल्चर; चेन्नई।
- अपर्णा दीक्षित, सदस्य (कोषाध्यक्ष), आयोजन समिति, 22 से 24 दिसम्बर 2005 तक मानेसर, गुड़गाँव में आयोजित 'बायोटेक–2005' विषयक बायोटेक्नोलॉजी सोसाइटी आफ इंडिया के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में; सदस्य, सोसाइटी

आफ बायोलॉजीकल केमिस्ट्स, इंडिया; सदस्य, इंडियन वुमन साइंटिस्ट्स एसोसिएशन; सदस्य, सोसाइटी आफ सेल बायोलॉजी, इंडिया; सदस्य, बायोटेक्नोलॉजी सोसाइटी आफ इंडिया; निर्णायक, यूरोपियन जर्नल आफ बायोकेमेस्ट्री; निर्णायक, इंडियन जर्नल आफ एक्सपेरिमेंटल बायोलॉजी; सदस्य, बायोरिसॉर्सिज, बायोडाइवर्सिटी और सस्टेनेबल डिवलपमेंट के प्रति छात्रों की जागरुकता बढ़ाने हेतु कॉलेज/विश्वविद्यालय शिक्षकों की क्षमता निर्माण हेतु गठित समिति; जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, सदस्य, उच्च माध्यमिक शिक्षकों (जीव विज्ञान) (जैव प्रौद्योगिकी घटक) के लिए स्रोत सामग्री निर्माण हेतु गठित समिति, रा.शै. अ.प्र.प.; और सदस्य, परियोजना छानबीन समिति, मोलक्यूलर बायोलॉजी इन फिशरीज, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, पूसा, नई दिल्ली।

विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र

समीक्षाधीन अवधि के दौरान विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र ने अपने शैक्षिक पाठ्यक्रम समेकित करने जारी रखे। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य एक ऐसी शोध संस्था विकसित करना है जो शैक्षिक जगत में चल रही बहस और विभिन्न मुद्दों पर अपना सहयोग करे। केंद्र नीति मुद्दों पर बहस शुरू करके ऐसा व्याहारिक अनुशीलन वातावरण विकसित करना चाहता है ताकि वह बदलाव के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य कर सके। नीति विषयक क्षेत्र में विभिन्न कर्ताओं की भूमिका स्पष्ट करते हुए केंद्र शिक्षाविदों और व्यवसायियों – प्रशासकों, नीति–योजना के निर्माताओं, बाजार और सामाजिक कर्ताओं के बीच की दूरी को समाप्त करने का प्रयास करता है। केन्द्र शिक्षा–जगत, सरकार, सिविल सोसायटी और स्थानीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर गैर–सरकारी संगठनों के बीच संवाद के लिए एक मंच के रूप में कार्य करने की आशा करता है। केंद्र के शोध क्षेत्र निम्नलिखित हैं :

- **भूण्डलीकरण और अभिशासन** : वैश्विक अभिशासन की संस्थाएं, बहुपक्षी संस्थाएं, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और पर्यावरणीय शासन प्रणाली और उनका राष्ट्रीय संप्रभुता पर प्रभाव।
- **लोकतन्त्र और सिविल सोसाइटी** : लोकतन्त्र को मजबूत बनाने और अभिशासन प्रक्रिया में सिविल सोसाइटी की भूमिका; शासी संस्थाओं की जवाबदेही और तर्कसंगतता; भारत में सिविल सोसाइटी का मानचित्रण; नागरिकता और मानवाधिकार।
- **विकास के लिए विधिक संरचना** : सामाजिक और सांस्कृतिक संस्थाओं के रूप में विधि संस्थाएं; विधि निर्माण की राजनीतिक अर्थव्यवस्था; विधि विवेचन में अंतर्निहित आर्थिक दक्षता और सामाजिक सिद्धांत; नागरिकों के अधिकारों, हक़ों और सामाजिक अवसरों पर विधिक संरचना और विधि प्रक्रियाओं का प्रभाव; विधि का शासन, न्याय तक पहुँच, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बीच संबंध (निजीकरण, नियामक शासन प्रणाली और अनियमन), विधि और आर्थिक विकास के बीच संबंध।
- **राज्य संस्थाएं और अभिशासन** : स्थानीय अभिशासन सहित बहु–स्तरीय अभिशासन; सिविल सेवा सुधार और नए लोक प्रबंध; स्व–शासन के लिए परम्परागत और आधुनिक संस्थाएं; विवाद समाधान और प्राकृतिक संसाधनों का प्रबंधन।

केन्द्र ने सीधे पी–एस.डी. पाठ्यक्रमों में चार छात्रों को प्रवेश देने के अतिरिक्त मानसून सत्र 2005 में अपने दूसरे बैच में 18 छात्रों को एम.फिल. / पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया। इसके अतिरिक्त, केन्द्र ने अपने लक्षित क्षेत्रों पर कई सम्मेलन, संगोष्ठियाँ और कार्यशालाएं आयोजित कीं। इनका विवरण निम्नलिखित है :

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केन्द्र द्वारा आयोजित सम्मेलन / व्याख्यान

- केन्द्र ने 17–18 नवम्बर, 2005 को मेसन डेज साइंसेज दे एल' होम, पेरिस और इंस्टीट्यूट दे रिसर्चेज इकोनामिक्स एट सोशियाल्स, नायजी ले–ग्रांड के सहयोग से 'ग्लोबलाइजेशन : सोशल ऐंड पॉलिटीकल डाइमेंशंस' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। (अमित प्रकाश द्वारा आयोजित)
- केन्द्र ने 10 जून 2005 को सेंटर फार सिविल सोसाइटी, दिल्ली के साथ मिलकर वर्ड पॉवर : रिफार्म्स इन अर्बन गवर्नेंस' विषयक संगोष्ठी आयोजित की। (अमिता सिंह द्वारा आयोजित)
- केन्द्र ने 4–5 अप्रैल 2005 को इंस्टीट्यूट आफ डिवलपमेंट स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ ससेक्स, ब्रिग्टन, यू.के. के सहयोग से 'गारंटीइंग इंप्लायमेंट : लेशंस फ्राम द महाराष्ट्र एक्सपिरियंस विषयक सम्मेलन आयोजित किया। (नीरजा गोपाल जयाल और अमित प्रकाश द्वारा आयोजित)
- केन्द्र ने 17 फरवरी 2006 को 'स्ट्रक्चर आफ ग्रासरुट्स गवर्नमेंट्स इन रूरल एरियाज' विषयक कार्यशाला आयोजित की। इसमें हुनान प्रांत की सीआईआरडी टीम के सदस्यों ने भाग लिया। (अमिता सिंह द्वारा आयोजित)

- प्रो. एन.आर. माधव मेनन, निदेशक, नेशनल ज्यूडिशियल एकेडमी, भोपाल ने 25 नवम्बर 2005 को 'सोशल कांटेक्स्ट जजिंग फार सोशल जस्टिस डिलिवरी' विषयक चौथा वार्षिक प्रतिष्ठित व्याख्यान दिया। इस व्याख्यान की अध्यक्षता भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ परामशदाता श्री अशोक देसाई ने की।
- प्रो. प्रणव बर्धन ने 13 जनवरी, 2006 को 'डमोक्रेसी, गवर्नेंस ऐंड इकोनामिक रिफॉर्म इन इंडिया' विषयक विशेष प्रतिष्ठित व्याख्यान दिया।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केन्द्र में निम्नलिखित विद्वान आए और उन्होंने अपने शोध पर आधारित व्याख्यान दिए :

- माइकल ट्रापर (प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी, पेरिस एक्स, नानतेरे और डायरेक्टर, सेंटर फार द थीअरि आफ राइट) ने 12 अगस्त, 2005 को 'द लिमिट्स आफ द रूल आफ ला' विषयक व्याख्यान दिया।
- ऊषा रामानाथन (स्वतन्त्र विधि विद्वान) ने 19 अगस्त 2005 को 'सुनामी, एन एक्ट आफ गॉड : डज ला हैव ए प्लेस इन इट ? विषयक व्याख्यान दिया।
- एस. मुरलीधर (सर्वोच्च न्यायालय के वकील) ने 2 सितम्बर, 2005 को 'एक्सेस टु जस्टिस बाई डिसएडवांटेज्ड ग्रुप्स', विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. भरत देसाई (अ.अ.सं., ज.ने.वि.) ने 09 सितम्बर, 2005 को 'फ्यूचर आफ इंटरनेशनल एनवायरनमेंटल गवर्नेंस : इश्यूज ऐंड प्रास्पेक्ट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. उमा चक्रवर्ती, (फेमिनिस्ट हिस्टोरियन) ने 16 सितम्बर, 2005 को 'सेक्सुअल गवर्नेंस, फेमिली कोड्स ऐंड द ला' विषयक व्याख्यान दिया।
- बिक्रमजीत बतरा (वकील और शोधार्थी) ने 23 सितम्बर, 2005 को 'कम्पेन फार अबोलीशन आफ द डेथ पेनलटी इन इंडिया : ए ब्रिज टु फार ?' विषयक व्याख्यान दिया।
- जोस मूइज (इंस्टीट्यूट आफ सोशल स्टडीज, द हेग) ने 30 सितम्बर, 2005 को 'गवर्नेंस ऐंड प्राइमरी एज्यूकेशन : द केस आफ हैदराबाद' विषयक व्याख्यान दिया।
- डंकन बेंटले (डीन, फैकल्टी आफ ला, बोंड यूनिवर्सिटी, आस्ट्रेलिया) ने 8 नवम्बर, 2005 को 'फाइटिंग फार टैक्सपेयर्स राइट्स : द ग्लोबल लीगल फ्रंटीयर' विषयक व्याख्यान दिया।
- अनन्या वाजपेयी (विजिटिंग फेलो, विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि.) ने 11 नवम्बर, 2005 को द आइकोनोग्राफी आफ द कैम्प ऐंड द रिफ्यूजी' विषयक व्याख्यान दिया।
- इलीनोर फोक्स (प्रोफेसर, ट्रेड रेग्यूलेशन, न्यूयार्क यूनिवर्सिटी स्कूल आफ लॉ) ने 20 जनवरी, 2006 को 'ग्लोबल गवर्नेंस : द केस आफ कंपीटिशन ला एट द इंटरसेक्शन आफ ट्रेड ऐंड डिवलपमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- यू.सी. झा (शोध छात्र, वि.अ.अ. केन्द्र, ज.ने.वि.) ने 24 फरवरी, 2006 को 'मिलिट्री जस्टिस सिस्टम इन इंडिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- माइकल लेवार्च (डीन, फेकल्टी आफ ला, क्वींसलैण्ड यूनिवर्सिटी आफ टेक्नोलॉजी), ने 6 मार्च, 2006 को 'इंडियन ऐंड आस्ट्रेलियन लेजिस्लेटिव एप्रोचिज टु एंटी टेरोरिज्म' विषयक व्याख्यान दिया।

- अनिता इंदरसिंह (विजीटिंग फेलो, वि.अ0अ.के., ज.ने.वि.), ने 17 मार्च 2006 को 'गवर्नेंस ऐंड वाटर डिलिवरी इन दिल्ली' विषयक व्याख्यान दिया।
- फिलिप कलेट (फैकल्टी आफ ला, एसओएएस, यूनिवर्सिटी आफ लंदन), ने 24 मार्च 2006 को वाटर सेक्टर रिफार्म्स ऐंड रेग्यूलेटरी चेंजिज : रिसेंट डिवलपमेंट्स' विषयक व्याख्यान दिया।

छात्रों की उपलब्धियाँ

- रवि सतकाल्मी 01 सितम्बर 2005 से 31 अगस्त 2006 तक की अवधि के लिए डॉ. अमित प्रकाश के निर्देशन में विजिटिंग फुलब्राइट स्कालर के रूप में केन्द्र के साथ सम्बद्ध रहे। वह 'इंडियन–अमेरिकन इनफ्लुएंस आन गवर्नेंस इन इंडिया' विषयक परियोजना पर कार्य कर रहे थे।

अन्य कोई सूचना

विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र के पास फोर्ड फाउंडेशन द्वारा वित्तपोषित विजिटिंग फेलोशिप प्रोग्राम है। इसके तहत समीक्षाधीन अवधि के दौरान पाँच फेलो ने अपना कार्यकाल पूरा किया। इनका विवरण निम्नलिखित है :

- प्रतीक्षा बक्शी, 'टिल आनर डज यू एस अपार्ट' : लेजिसलेटिंग वुमन्स राइट्स टु मैरी', (01 जुलाई 2005 से 31 दिसम्बर 2005 तक)।
- मनोज श्रीवास्तव, 'डिलेमास, डिसिजन–मेकिंग ऐंड डिलिवरीज : इंस्टीट्यूशनल रिफार्म्स ऐंड गुड गवर्नेंस', (03 अक्टूबर 2005 से 31 दिसम्बर, 2005 तक)।
- अनिता इंदर सिंह, 'डिसेंट्रेलाइजेशन, शोसल सर्विसेज डिलिवरी ऐंड ह्यूमन डिवलपमेंट फ्राम केरला टु दिल्ली', (31 मई 2005 से 31 सितम्बर 2005 तक)
- अनन्या वाजपेयी, 'वुमन इन सिक्योरिटी, कंफ्लिक्ट मैनेजमेंट ऐंड पीस', (01 जनवरी 2005 से 31 सितम्बर, 2005 तक)।
- प्रो. जुलियन मोदी, 'राइट टु रिड्रेस इन इंटरनेशनल लॉ'।

शोध परियोजनाएं

- नीरजा गोपाल जयाल, 'डायलॉग आन डेमोक्रेसी ऐंड प्लुरलिज्म इन साउथ एशिया' फोर्ड फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित।
- अमित प्रकाश, 'स्टेटस आफ ट्राइबल राइट्स इन झारखण्ड' (यूएनडीपी द्वारा प्रायोजित)
- अमित प्रकाश, 'मैपिंग इंडीकेटर्स आफ गवर्नेंस इन इंडिया' (फोर्ड फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित)
- अमित प्रकाश, 'गुड गवर्नेंस ऐंड डिवलपमेंट पॉलिसी : ए कम्पेरेटिव स्टडी आफ उत्तर प्रदेश ऐंड महाराष्ट्र'।
- अमिता सिंह, 'लैण्ड एक्विजिशन ऐंड इश्यु आफ कम्पनशेसन आन यमुना प्लेन्स आफ पानीपत ऐंड सोनीपत' (यूनिवर्सिटी आफ गुएल्फ, कनाडा के साथ संयुक्त रूप से) सितम्बर 2005।
- अमिता सिंह, 'ई–गवर्नेंस प्रोजेक्ट्स ऐंड प्रोसस आफ एडमिनिस्ट्रेटिव रिफार्म्स' (प्रशासनिक सुधार विभाग, भारत सरकार के लिए) दिसम्बर 2004 में शुरू की।
- अमिता सिंह, 'टेलीकॉम रेग्यूलेशंस ऐंड कंज्युमन प्रोटेक्शन : केस स्टडी आफ बंगलौर, चेन्नई ऐंड एनसीआर' (उपभोक्ता कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के लिए), जुलाई 2005 में शुरू की।

- जयवीर सिंह, अमिता सिंह, 'कंज्युमर प्रोटेक्शन इन ए कंपीटिटिव टेलिकम्युनीकेशंस इंडस्ट्री इन इंडिया' आईआईपीए और उपभोक्ता कार्य मंत्रालय।
- जेनिफर जलाल, 'ई–गवर्नेंस प्रोजेक्ट्स, असेस्मेंट्स आफ सर्विस डिलिवरी', प्रशासनिक सुधार विभाग, भारत सरकार, दिसम्बर 2004 में शुरू की।

राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों/बैठकों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

- नीरजा गोपाल जयाल ने 27 जून, 2005 को ओईसीडी, पेरिस में आयोजित 'डेमोक्रेटिक गवर्नेंस इन इंडिया : चैलेंजिज आफ पावर्टी ऐंड आइडेंटिटी' विषयक वार्ता में भाग लिया।
- नीरजा गोपाल जयाल ने 3 सितम्बर, 2005 को वाशिंग्टन डीसी में आयोजित अमेरिकन पॉलिटीकल साइंस एसोसिएशन की वार्षिक बैठक में 'इलेक्टोरल प्रोसेसिज ऐंड पार्टी ऐंड पार्टी सिस्टम फॉर्मेशन : इंडियाज 2004 इलेक्शन इन हिस्टोरीकल पर्सपेक्टिव' विषयक पेनल में 'पुटिंग इलेक्शंस इन देयर प्लेस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- नीरजा गोपाल जयाल ने 9 सितम्बर, 2005 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में सेंटर फार पब्लिक अफेयर्स, दिल्ली द्वारा आयोजित 'पार्टीज ऐंड डेमोक्रेसी इन इंडिया' विषयक संगोष्ठी में 'पार्टीज ऐंड जेंडर रिप्रिजेंटेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अमित प्रकाश ने 13 से 16 मार्च, 2006 तक देवाओ, फिलिपिंस में यूएनडीपी कंट्री आफिस मनीला द्वारा आयोजित रीजनल इंडीजिनस पीपल्स' यूएनडीपी रीजनल आफिस, बैंकाक की कार्यक्रम योजना कार्यशाला में 'ट्राइबल राइट्स इन झारखण्ड' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- अमित प्रकाश ने 28 जनवरी, 2006 को राजनीति विज्ञान विभाग (डेमोक्रेटिक गवर्नेंस इन इंडियन स्टेट्स विषयक डीआरएस कार्यक्रम के तहत), कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा आयोजित 'डेमोक्रेटिक गवर्नेंस ऐंड द इंस्टीट्यूशंस आफ लोकल गवर्नमेंट' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ग्लोबल डिसकॉर्सेज ऐंड लोकल रियलटीज : आइडेंटिटी ऐंड ऑटोनामी इन झारखण्ड' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अमित प्रकाश ने 18–19 जनवरी 2006 को एनएससीडब्ल्यू द्वारा नई दिल्ली में आयोजित सोशल वाच प्रोसेस–2005 की समीक्षा, 2006 के लिए निर्देशन, पेनल परिचर्चा और सोशल वाच रिपोर्ट 2005 जारी करने के अवसर पर 'ग्रेट एक्सपेक्टेशंस, अनइवन ग्रोथ : रिव्यू आफ द परफॉर्मेंस आफ द एक्जीक्यूटिव : 2004–05' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- अमित प्रकाश ने 11 से 13 जनवरी 2006 तक सेंटर फार पब्लिक अफेयर्स और इंडिया इंटरनेशनल सेंटर द्वारा इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित 'सिविल सोसाइटी ऐंड डेमोक्रेटिक स्पेस इन साउथ एशिया : सिविक इंटरएक्शंस, इकोनामिक डिवलपमेंट ऐंड रीजनल पीस' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'पॉलिटिक्स आफ एथनिक आइडेंटिटी ऐंड ऑटोनॉमी इन साउथ एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अमित प्रकाश ने 13–14 नवम्बर 2005 को कट्स सेंटर फार इंटरनेशनल ट्रेड, इकोनामिक्स ऐंड एनवायरनमेंट, जयपुर द्वारा आयोजित 'ग्रासरूट्स रीचआउट ऐंड नेटवर्किंग इन इंडिया आन ट्रेड ऐंड इकोनामिक्स : लिंकेजिज बिटवीन ट्रेड ऐंड इकोनामिक्स : लिंकेजिज बिटवीन ट्रेड, डिवलपमेंट ऐंड पॉवर्टी रिडकशन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में इकोनामिक रिफॉर्म्स ऐंड प्रो–पूअर गवर्नेंस : इश्यूज ऐंड कंसर्न्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- अमित प्रकाश ने 9–10 सितम्बर, 2005 को सेंटर फार पब्लिक अफेयर्स, कोनराड अडेनुअर फाउंडेशन और इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नइ दिल्ली द्वारा आयोजित 'पॉलिटीकल पार्टीज ऐंड डेमोक्रेसी इन इंडिया : इमर्जिंग ऐंड फ्यूचर ट्रेंड्स' विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'पार्टीज ऐंड यूथ' शीर्षक पेनल परिचर्चा की अध्यक्षता की।

- अमित प्रकाश ने 29–30 जुलाई, 2005 को महानिर्वाण कोलकाता शोध समूह द्वारा आयोजित 'क्रिटिकल थिंकिंग आन' वाट इज आटोनॉमी ?' विषयक प्रथम वार्षिक सम्मेलन में 'द आइडिया आफ झारखण्ड : द पॉलिटिक्स आफ आइडेंटिटी ऐंड द क्वेश्चन आफ आटोनॉमी शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- अमिता सिंह ने पीएचडी चैम्बर्स आफ कॉमर्स, पीएचडी हाउस में आयोजित 'बिजनेस, सस्टेनेबल गवर्नेंस ऐंड एनवायरनमेंटल चैलेंजिज' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- अमिता सिंह ने 24–25 सितम्बर, 2005 को यूनिवर्सिटी आफ साउथ फ्लोरिडा, टम्पा में आयोजित आईपीएसए आरसी4 कमिटी सम्मेलन में मार्डनाइजिंग ब्यूरोक्रेसी इन हरियाणा थ्रू आईसीटी' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

- अमिता सिंह ने 17 अक्टूबर, 2005 को संयुक्त राष्ट्र महासभा और यूनिवर्सिटी आफ मैरीलैण्ड द्वारा आयोजित 'मिलनेयिम कमिशन फार वुमन' के विशेष सत्र में 'रिकाइण्डलिंग होप्स इन ए फोरगोटन टैरेन' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

- अमिता सिंह ने 25–26 नवम्बर, 2005 को एनईपीएएसआई/आईआईपीए के 'कम्युनिटी रिस्पांसिज टु रिफार्म स्ट्रेटिजीज इन प्रो–पुअर सर्विस डिलिवरी इन इंडिया' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।

- अमिता सिंह ने 6 से 9 दिसम्बर 2005 तक चाइना स्कूल आफ एडमिनिस्ट्रेशन, बीजिंग में आयोजित 'इनसाइड आईसीटी सर्विस डिलिवरी' विषयक एडीबी–एनएपीएसआईपीएजी के वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया।

- अमिता सिंह ने 9 से 11 जनवरी 2006 तक पुणे में आयोजित 'एक्रोस द ओशन : द आईसीटी ट्रेल' विषयक आस्ट्रेलिया–भारत परिषद् और इण्डो–आस्ट्रेलियन फ्रेंडशिप एसोसिएशन के सम्मेलन में भाग लिया।

- अमिता सिंह ने 10 जून, 2005 को विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र और सेंटर फार सिविल सोसाइटी, जेएनयू द्वारा आयोजित 'वर्ड पावर इन अर्बन गवर्नेंस' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- अमिता सिंह ने 3 से 5 फरवरी, 2006 तक प्रशासनिक सुधार विभाग (भारत सरकार) और केरल सरकार, कोची द्वारा आयोजित 'ई–गवर्नेंस नेशनल मीट' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- अमिता सिंह ने 17 फरवरी, 2006 को विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र और चाइना इंस्टीट्यूट आफ रिफॉर्म्स ऐंड डिवलपमेंट, हुनान द्वारा आयोजित 'रूरल गवर्नेंस ऐंड रिफॉर्म्स इन इंडिया ऐंड चाइना' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- जयवीर सिंह ने 17–18 नवम्बर, 2005 को विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि. में आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन : सोशल ऐंड पॉलिटीकल डाइमेंशंस' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- जयवीर सिंह ने टी.सीए. अनंत के साथ मिलकर 14 से 16 दिसम्बर 2005 तक आयोजित 'द स्टेट ऐंड सोसाइटी' विषयक दिल्ली स्कूल आफ इकोनामिक्स–लंदन स्कूल आफ इकानामिक्स की कार्यशाला में 'इकानामिक गवर्नेंस इन इंडिया : सम कांस्टीट्यूशनल इश्यूज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- जयवीर सिंह ने 17 फरवरी 2006 को आब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन और विश्व बैंक द्वारा आयोजित 'डाक्यूमेंटिंग रिफार्म्स : केस स्टडीज फ्राम इंडिया' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- जयवीर सिंह ने 25 फरवरी 2006 को कटस इंटरनेशनल, जयपुर द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 'अमेंडमेंट्स द कंपीटिशन एक्ट 2002 : द वे फोरवर्ड' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

- जयवीर सिंह ने 20 से 24 मार्च, 2006 तक कटस इंस्टीट्यूट फार रेग्यूलेशन ऐंड कम्प्टीशन जयपुर द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 'पीटिशन पॉलिसी ऐंड ला' विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'कम्प्टीशन ला ऐंड पॉलिसी : रेशनेल ऐंड आब्जेक्टिव्स, एफिशिएंसी ऐंड पब्लिक इंटरेस्ट कंसर्न्स, इकोनामिक ऐंड लीगल इश्यूज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

शिक्षकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय से बाहर)

- नीरजा गोपाल जयाल ने 30 नवम्बर 2005 को पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ में प्रथम प्रदीप कुमार स्मारक व्याख्यान दिया।
- नीरजा गोपाल जयाल ने 15 सितम्बर, 2005 को सेंटर देज साइंसेज ह्यूमैंस और इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'अर्चना घोष ऐंड स्टेफनी तावा–लामा रेवाल'स डेमोक्रेटाइजेशन इन प्रोग्रेस : वुमन ऐंड लोकल पॉलिटिक्स इन अर्बन इंडिया' विषयक पुस्तक परिचर्चा में पेनेलिस्ट के रूप में भाग लिया।
- नीरजा गोपाल जयाल ने 19 सितम्बर, 2005 को केन्द्रीय सचिवालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित 'सोशल प्रॉब्लम्स ऐंड देयर एडमिनिस्ट्रेटिव हैंडलिंग' विषयक कार्यशाला में 'डेमोक्रेसी ऐंड डाइवर्सिटी इन इंडिया' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- नीरजा गोपाल जयाल ने 27 दिसम्बर, 2005 को सेंटर फार पॉलिसी रिसर्च, नई दिल्ली में आयोजित 'वर्ल्ड डिवलपमेंट रिपोर्ट 2006' विषयक गोलमेज बैठक में पेनेलिस्ट के रूप में भाग लिया।
- नीरजा गोपाल जयाल ने 21 जनवरी 2006 को सेंट पीटर्सवर्ग, रूस में आयोजित 'ग्लोबल डिवलपमेंट नेटवर्क' विषयक सम्मेलन में 'साइनपोस्ट्स टु मोर इफेक्टिव स्टेट्स' शीर्षक पेनल में भाग लिया।
- नीरजा गोपाल जयाल ने 2 फरवरी 2006 को फ्रेडरिक नौमैन स्टिफतुंग, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'द वुमन'स रिजर्वेशन बिल' विषयक परिचर्चा में पेनेलिस्ट के रूप में भाग लिया।
- अमित प्रकाश ने 07 जनवरी 2006 को अकादमिक स्टाफ कालेज, राजधानी कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में कालेज और विश्वविद्यालय शिक्षकों के लिए आयोजित पुनश्चर्या कोर्स में 'पॉलिटिक्स आफ डिवलपमेंट ऐंड आइडेंटिटी : केस आफ झारखण्ड' विषयक व्याख्यान दिया।
- अमिता सिंह ने 24 अप्रैल 2005 को इग्नू में टेलीकांफ्रेंसिंग से 'सस्टेनेबल डिवलपमेंट : चैलेंजिज अहेड' विषयक व्याख्यान दिया।
- अमिता सिंह ने 5 मई 2005 को हरियाणा इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में 'रि–इंजीनियरिंग इन गवर्नमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- अमिता सिंह ने 22 मई 2005 को इग्नू में टेलीकांफ्रेंसिंग से 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड एनवायरनमेंट' विषयक व्याख्यान दिया।
- अमिता सिंह ने 24 मई 2005 को आईआईपीए, भारत सरकार में 'मैनेजीरियल रिसपांसिज इन गवर्नेंस रिफॉर्म्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- अमिता सिंह ने 22 सितम्बर, 2005 को यूनिवर्सिटी आफ मैरीलैण्ड, बाल्टीमोर, यूएसए में 'वुमन ऐंड आईसीटी' विषयक व्याख्यान दिया।
- अमिता सिंह ने 28 सितम्बर, 2005 को नेब्रास्का विश्वविद्यालय, ओमाहा, यूएसए में 'एडमिनिस्ट्रेटिव रिफार्म्स थ्रू यूज आफ इफॉर्मेशन ऐंड कम्युनीकेशन टेक्नोलॉजी–इण्डो–यूएस एक्सपिरियंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- अमिता सिंह ने 20 जनवरी, 2006 को हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान, गुड़गाँव में, 'ई–गवर्नेंस–इंप्लिकेशंस आन हरियाणा एडमिनिस्ट्रेशन' विषयक व्याख्यान दिया।

- जयवीर सिंह ने 9 से 16 अक्टूबर 2005 तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर में 'लॉ ऐंड इकोनामिक्स' विषयक अल्पकालीन कोर्स में इमिनेंट डोमैन' शीर्षक व्याख्यान दिया।

पुरस्कार / सम्मान / अध्येतावृत्तियाँ

- नीरजा गोपाल जयाल को जून 2005 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के भारत–फ्रांस सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम के तहत मेसन देज साइंसेज के एल'होम में विजिटिंग फेलोशिप प्राप्त हुई।

मण्डलों / समितियों की सदस्यता (विश्वविद्यालय से बाहर)

- नीरजा गोपाल जयाल, सदस्य, सलाहकार समिति, अंतरराष्ट्रीय सहयोग, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली (2005); सदस्य, सलाहकार समिति, डिवलपिंग कंट्रीज रिसर्च सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय (2005); सदस्य, अंतरराष्ट्रीय निर्धनता निवारण हेतु डीएफआईडी–ईएसआरसी रिसर्च प्रोग्राम के कमिशनिंग पेनल (2006); संयोजक, कार्यक्रम योजना सलाहकार समूह, राजनीति और अभिशासन, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली; सदस्य, केन्द्र सलाहकार समीक्षा समूह, द सेंटर फोर द फ्यूचर स्टेट, इंस्टीट्यूट आफ डिवलपमेंट स्टडीज, ससेक्स, यू.के. (2002 से); सदस्य, संपादकीय सलाहकार मंडल, द इंडिया रिव्यू (यू.के.)

- अमिता सिंह, आजीवन सदस्य, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान; आजीवन सदस्य और कोषाध्यक्ष, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, गुड़गाँव चैप्टर; कॉमनवेल्थ ई–गवर्नेंस ग्रुप, भारत; मण्डल सदस्य, अध्ययन समूह, एनवायरनमेंट ऐंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट, इग्नू, दिल्ली; इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन; इंस्टीट्यूशनल एथिक्स कमिटी, आईसीजीईबी, दिल्ली, जीवों पर परीक्षण का पर्यवेक्षण और नियन्त्रण हेतु गठित समिति; पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार; स्थानीय सदस्य, ह्यूमन सोसाइटी आफ यूनाइटिड स्टेट्स; मंडल सदस्य, सेंटर फार सिविल सोसाइटी, दिल्ली; संपादकीय मंडल, ग्रासरूट गवर्नेंस, तिरूपति, आ.प्र.; पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन थीअरि नेटवर्क, यूनिवर्सिटी आफ नेब्रास्का, ओमाहा; सदस्य, नेटवर्क आफ एशिया पेसिफिक स्कूल्स। इंस्टीट्यूशंस आफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन ऐंड गवर्नेंस, एडीबी, मनीला।

संस्कृत अध्ययन केंद्र

संस्कृत अध्ययन केंद्र की स्थापना वर्ष 2001 में हुई थी और यह अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए एम.ए. और एम. फिल./पी–एच.डी. – स्तर पर सावधानीपूर्वक शिक्षण और शोध पाठ्यक्रम तैयार करके उनके माध्यम से छात्रों और शोधार्थियों को प्रशिक्षण देकर संगठित प्रयास कर रहा है। इस वर्ष की अनेक गतिविधियों के अतिरिक्त, कुछ प्रसिद्ध विद्वान केन्द्र में आए। केन्द्र में आए विजिटिंग प्रोफेसरों में से एक इंस्टीट्यूट आफ ओरिएंटल स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ वार्सोवा, पोलैण्ड के प्रोफेसर एम.के. बिरस्की थे। केन्द्र ने कई कार्यशालाएं, विशेष व्याख्यान और संगोष्ठियाँ आयोजित कीं – इनमें से एक 'मैन्युस्क्रिप्टोलॉजी ऐंड पैलियोग्राफी' विषयक 10 दिवसीय कार्यशाला भी थी। इस वर्ष हमारे आठ छात्रों ने जेआरएफ और ग्यारह छात्रों ने यूजीसी–नेट परीक्षा उत्तीर्ण की। राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में कई छात्रों ने भाग लिया और एक छात्र को आईसीएचआर अध्येतावृत्ति प्राप्त हुई। इस वर्ष केन्द्र ने दो यूपीओई परियोजनाएं भी प्राप्त कीं।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान निम्नलिखित नए एम.फिल. कोर्स शुरू किए गए : रिसर्च मेथेडोलॉजी, मैन्युस्क्रिप्टोलॉजी इंटरप्रिटेशन ऑफ शास्त्र; इंडियन थीअरीज ऑफ नॉलेज ऐंड कंप्यूटेशनल अनालिसिस; वैदिक स्टडीज; कंपेरेटिव पोइटिक्स; संस्कृत एक्रोस कल्चर्स; सोशल थॉट इन संस्कृत; संस्कृत ऐंड इंडियन लैंग्वेजिज; कंपेरेटिव फिलोस्फी; पाली, प्राकृत और अपभ्रंश।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान निम्नलिखित सम्मेलन आयोजित किए गए :

1. प्रो. एस.पी. कुमार ने 19 से 26 अगस्त 2005 तक संस्कृत सप्ताह समारोह के अवसर पर एक विशेष व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की।
2. प्रो. एस.पी. कुमार ने फोलोर मूवमेंट, इटली के सहयोग से 16 दिसम्बर, 2005 को 'सोसाइटी ऐंड स्पिरीचुअलिटी : ए कम्युनीटेरियन पर्सपेक्टिव' विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की।
3. प्रो. एस.पी. कुमार ने राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन के सहयोग से 2 से 10 फरवरी, 2006 तक 'मैन्युस्क्रिप्टोलॉजी ऐंड पैलियोग्राफी' विषयक एक दस–दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केन्द्र में आए विशेष अतिथि :

1. प्रो. एम.के. बिरस्की, इंस्टीट्यूट आफ ओरियंटल स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ वार्सोवा, पोलैण्ड, अगस्त से नवम्बर 2005 तक तीन माह के लिए केन्द्र में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में आए।
2. प्रो. वी.पी. वर्मा (सेवा–निवृत्त), दिल्ली विश्वविद्यालय।
3. डॉ. पीटर स्किलिंग, बैंकाक।
4. डॉ. प्रबोध झिंगन, नेहू, शिलांग।
5. डॉ. बृज निगम, स्टॉकहोम, स्वीडन।
6. प्रोफेसर दामोदर ठाकुर, साना यूनिवर्सिटी, रिपब्लिक आफ यमन।
7. डॉ. सी. नीलाकानंदन, कालाडी, केरल।
8. प्रो. एन.एच. समतानी (सेवानिवृत्त), बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान छात्रों की उपलब्धियाँ

- केन्द्र के आठ छात्रों को जेआरएफ प्राप्त हुई और 11 छात्रों ने यूजीसी नेट परीक्षा उत्तीर्ण की।
- केन्द्र की पी–एच.डी. शोध छात्रा कौशल्या को आई.सी.एच.आर. की अध्येतावृत्ति प्राप्त हुई।
- कंप्यूटेशनल संस्कृत कर रहे निम्नलिखित छात्रों ने निम्नलिखित अंतरराष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठियों में भाग लिया :
  - 6 से 8 दिसम्बर, 2005 तक एल.एस.आई., हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद में आयोजित प्लेटिनम जयंती अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन।
  - 25 मार्च 2006 को भाषा विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'लैंग्वेज ऐंड इंटरफेस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी।
  - 31 मार्च से 4 अप्रैल 2006 तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुम्बई में आयोजित 'माडलिंग ऐंड शैलो पार्सिंग आफ इंडियन लैंग्वेजिज' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी।

केन्द्र की भविष्य की योजनाएं

- संस्कृत पाण्डुलिपि स्रोत केन्द्र स्थापित करना।
- तुलनात्मक शास्त्रीय अध्ययन को बढ़ाना।
- संस्कृत अध्ययन के बचे हुए क्षेत्रों में शोध परियोजनाएं प्राप्त करना।
- चल रही परियोजनाएं पूरी करना।
- 'संस्कृत अध्ययन' के अगले भाग सहित उच्च स्तरीय प्रकाशन निकालना।

शोध परियोजनाएं

- गिरीश नाथ झा, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की यूपीओई कार्यक्रम द्वारा वित्तपोषित 'आनलाइन मल्टिलिंग्वल अमरकोश' विषयक कंप्यूटेशनल लेक्सिकोग्राफी परियोजना का निर्देशन कर रहे हैं।
- गिरीश नाथ झा ने माइक्रोसाफ्ट इंडिया द्वारा प्रायोजित 'इंक कलेक्शन फार देवनागरी हैण्डराइटिंग रिकाग्निशन' विषयक अल्पकालीन परियोजना पूरी की (फरवरी–जून 2006)।
- गिरीश नाथ झा, 'ए रीडर इन इंडियन फिलास्फी' विषयक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की मुख्य परियोजना का निर्देशन कर रहे हैं (2003–2007)।
- शशि प्रभा कुमार केन्द्र की अध्यक्ष के रूप में यूपीओई कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय द्वारा वित्तपोषित 'इंडियन फिलोस्फी अंडर मल्टीलिंग्वल, मल्टीमीडिया, एनसाइक्लोपेडिक डिक्शनरी आफ इंटलेक्चुअल टर्म्स आफ इंडियन कल्चर' विषयक यूपीओई परियोजना का निर्देशन और समन्वयन कर रही हैं।
- शशि प्रभा कुमार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की 10वीं योजना के तहत वित्तपोषित 'लिटरेरी थीअरि अंडर मल्टीलिंग्वल, मल्टीमीडिया, एनसाइक्लोपेडिक डिक्शनरी आफ इंटलेक्चुअल टर्म आफ इंडियन कल्चर' विषयक केन्द्र के Xवीं योजना के शोध और प्रकाशन कार्यक्रम का समन्वयन कर रही हैं।

- हरी राम मिश्र, ए स्टडी आफ पाणिनियन सिस्टम आफ ग्रामर ऐंड इट्स रिलिवेंस इन मॉडर्न टाइम्स (अप्रायोजित)।
- हरी राम मिश्र, ट्रांसलेटिंग ऐंड एडिटिंग सिद्धांत कौमुदी (अप्रायोजित)।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों/बैठकों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

- गिरीश नाथ झा ने 31 मार्च से 4 अप्रैल 2006 तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुम्बई में आयोजित 'मॉडलिंग ऐंड शैलो पार्सिंग आफ इंडियन लैंग्वेजिज' विषयक पहली राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'टुवार्डस ए कंप्यूटेशनल अनालिसिस सिस्टम फार संस्कृत' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गिरीश नाथ झा ने 25 मार्च, 2006 को भाषा विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'लैंग्वेज ऐंड इंटरफेस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा कंप्यूटेशनल लेक्सिकोग्राफी ऐंड अमरकोश : एन आनलाइन आरडीबीएमएस एप्रोच' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गिरीश नाथ झा ने 23 से 25 अगस्त 2005 तक भाषा विज्ञान विभाग, केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम में आयोजित 'ट्रांसलेशन टुडे : स्टेट ऐंड इश्यूज' विषयक राष्ट्रीय संगोष्टी में भाग लिया तथा 'डिवलपिंग ए संस्कृत अनालिसिस सिस्टम फार मशीन ट्रांसलेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गिरीश नाथ झा ने 1 से 3 जून, 2005 तक नेशनल यूनिवर्सिटी आफ सिंगापुर, सिंगापुर में आयोजित 'लेक्सिकोग्राफी (एशियालेक्स) विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'सोसियो–साइकोलॉजीकल मोटीवेशंस फोर मैथिली हिंदी कोड स्विचिंग' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गिरीश नाथ झा ने उपरोक्त अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एप्लिकेशंस फार संस्कृत लेक्सिकोग्राफी : केस आफ अमरकोश' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- गिरीश नाथ झा ने 1 से 10 फरवरी, 2006 तक केन्द्र में आयोजित और राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन द्वारा प्रायोजित 'मैन्युस्क्रिप्टोलॉजी' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- गिरीश नाथ झा ने 16 दिसम्बर, 2005 को फोकलोर मूवमेंट, इटली के सहयोग से केन्द्र में आयोजित 'सोसाइटी ऐंड स्पिरीचुअलिटी, ए कम्युनीटेरियन पर्सपेक्टिव' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- राम नाथ झा ने 30 सितम्बर से 4 अक्टूबर, 2005 तक एनसीईआरटी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'प्रिपरेशन आफ विद्यार्थी संस्कृत साहित्य संदर्भ कोश' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- गिरीश नाथ झा ने 21 से 25 नवम्बर, 2005 तक एनसीईआरटी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'प्रिपरेशन आफ ए सोर्स बुक आफ साइंटीफिक थॉट्स इन संस्कृत लिट्रेचर (एनवायरनमेंटल इन संस्कृत)' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- गिरीश नाथ झा ने 27 फरवरी से 3 मार्च 2005 तक एनसीईआरटी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'प्रिपरेशन आफ ए सोर्स बुक आफ साइंटिफिक थॉट्स इन संस्कृत लिट्रेचर (एग्रीकलचर साइंस इन संस्कृत–इंग्लिश वर्णन) विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- गिरीश नाथ झा ने 11 जुलाई से 5 अगस्त 2005 तक अकादमिक स्टाफ कालेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित चार सप्ताह के विश्वविद्यालय अनुदान आयोग प्रायोजित अनुशीलन कोर्स में भाग लिया।
- गिरीश नाथ झा ने 6 से 8 दिसम्बर, 2005 तक एलएसआई, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद में आयोजित प्लेटिनम जयंती अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'ए पाणिनियन संधी एनालाइजर फार संस्कृत' विषयक आलेख प्रस्तुत किया। (सहलेखक – सचिन, प्रस्तुतकर्ता – सचिन)

- गिरीश नाथ झा ने प्लेटिनम जयंती अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'मार्फोलॉजीकल अनालिसिस आफ नॉमिनल इनफ्लेक्शंस इन संस्कृत' विषयक आलेख प्रस्तुत किया। (सह–लेखक – सुभाष, प्रस्तुतकर्ता – सुभाष)
- गिरीश नाथ झा ने प्लेटिनम जयंती अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'कराका अनालिसिस आफ नॉमिनल इनफ्लेक्शंस इन संस्कृत' विषयक आलेख प्रस्तुत किया (सहलेखक – सुधीर कुमार मिश्र, प्रस्तुतकर्ता – सुधीर कुमार मिश्र)
- राम नाथ झा ने 1 से 4 फरवरी 2006 तक इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में पर्यावरण विज्ञान संस्थान, ज.ने.वि. द्वारा सिविल इंजीनियरी विभाग, आई.आई.टी., दिल्ली और केटीएच, स्टाक होम, स्वीडन द्वारा आयोजित 'ग्राउंड वाटर (पर्सपेक्टिव, प्रॉब्लम्स ऐंड चैलेंजिज)' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'अंडरग्राउंड वाटर एक्सप्लोरेशन इन इंडियन ट्रेडिशन विद स्पेशल रिफ्रेंस टु संस्कृत लिट्रेचर' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- शशिप्रभा कुमार ने 1 से 10 फरवरी, 2006 तक संस्कृत अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि. में राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन द्वारा प्रायोजित 'मैन्युस्क्रिप्टोलॉजी' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया।
- शशिप्रभा कुमार ने 1 से 7 जून, 2005 तक ऋषिकेश, हरिद्वार में इंडिया हेरिटेज रिसर्च फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'इनसाइक्लोपीडिया आफ हिंदुइज्म' विषयक अंतिम समीक्षा कार्यशाला में भाग लिया।
- शशिप्रभा कुमार ने 30 जुलाई, 2005 को दिल्ली संस्कृत अकादमी, दिल्ली द्वारा आयोजित 'संस्कृत सिलेबी' विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- शशिप्रभा कुमार ने 18 से 20 अक्टूबर, 2005 तक भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली में आयोजित 'वैरायटीज आफ योगिक एक्सपिरियंस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'यौगिक एक्सपिरियंस इन न्याय–वैशेषिका', विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- शशिप्रभा कुमार 24 से 27 अक्टूबर, 2005 तक नार्थ बंगाल यूनिवर्सिटी, दार्जीलिंग में आयोजित भारतीय दार्शनिक कांग्रेस के 80वें सत्र में भाग लिया तथा 'कंसेप्ट आफ धर्मा इन वैशेषिका' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- शशिप्रभा कुमार ने 16 दिसम्बर, 2005 को संस्कृत अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि. में फॉकलोर मूवमेंट, इटली के सहयोग से 'सोसाइटी ऐंड स्पिरीचुअलिटी : ए कम्युनीटेरियन पर्सपेक्टिव' विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की।
- शशिप्रभा कुमार ने 12 जनवरी 2006 दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा आयोजित 'विवेकानंद'स कंट्रीब्यूशन टु इंडियन फिलोस्फी' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- हरी राम मिश्र ने 2 से 5 नवम्बर 2005 तक इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में तिब्बत हाउस द्वारा आयोजित 'महायान बुद्धिज्म हिस्ट्री ऐंड कल्चर' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- हरी राम मिश्र ने 28–29 मार्च 2006 को दर्शन भवन, नई दिल्ली में भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला द्वारा आयोजित 'बुद्धिज्म' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सोशियो कल्चरल वैल्यूज इन सुत्तनिपत' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रजनीश कुमार मिश्र ने 11 जुलाई 2005 को अकादमिक स्टाफ कालेज, ज.ने.वि. में 51वाँ अनुशीलन कोर्स पूरा किया।
- रजनीश कुमार मिश्र ने 8–9 अगस्त 2005 को विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन द्वारा आयोजित 'सुमन साइंटीलेशन' विषयक अनुवाद कार्यशाला में भाग लिया तथा 'ट्रांसलेटिंग संस्कृत टेक्नीकल टर्म्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- रजनीश कुमार मिश्र ने 23 से 25 फरवरी 2006 तक सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट में आयोजित 'रिथिंकिंग लिटरेरी हिस्टोरियोग्राफी इन इंडिया विद रिफ्रेंस टु गुजराती, हिंदी ऐंड इंग्लिश लिट्रेचर' विषयक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'क्वेशचनिंग द पैराडिग्म आफ लिटरेरी हिस्टोरियोग्राफी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- रजनीश कुमार मिश्र ने 8–9 मार्च 2006 को महिला अध्ययन और विकास केन्द्र, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'वुमन इन धर्मशास्त्र' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'दूति कर्म : वुमन पार्टीसिपेशन इन रिलिजस रिचुअल्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- हरी राम मिश्र ने 23 से 25 फरवरी 2006 तक सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट में आयोजित 'रिथिंकिंग लिटरेरी हिस्टोरियोग्राफी इन इंडिया विद रिफ्रेंस टु गुजराती, हिंदी ऐंड इंग्लिश लिट्रेचर' विषयक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'क्वेशचनिंग द पैराडिग्म आफ लिटरेरी हिस्टोरियोग्राफी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- संतोष कुमार शुक्ल ने 28–29 अप्रैल 2005 को संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली में आयोजित संस्कृत बैठक में भाग लिया।
- संतोष कुमार शुक्ल ने 2 से 8 फरवरी 2006 तक संस्कृत अध्ययन केन्द्र, जन.ने.वि. में आयोजित 'मैन्युस्क्रिप्टोलॉजी' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- संतोष कुमार शुक्ल ने 22 से 27 मार्च, 2006 तक आईसीपीआर, नई दिल्ली में आयोजित 'व्याप्ति पंचाकम' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- संतोष कुमार शुक्ल ने 28–29 मार्च, 2006 को संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली में आयोजित संस्कृत बैठक में भाग लिया।

शिक्षकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय से बाहर)

- गिरीश नाथ झा ने 27 दिसम्बर, 2005 को राजधानी कालेज, दिल्ली विश्वविद्याकलय के अकादमिक स्टाफ कालेज के अनुशीलन कोर्स में 'लैंग्वेज ऐंड कंप्यूटर्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- गिरीश नाथ झा ने 11 से 16 अप्रैल, 2005 तक महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में 'ट्रांसलेशन टेक्नोलॉजी' विषयक एम.ए. कोर्स में 'मशीन ट्रांसलेशन' विषयक व्याख्यान दिए।
- शशिप्रभा कुमार ने 11 सितम्बर, 2005 को दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'ऋग्वेद में पदार्थ–विचार' विषयक वार्षिक डॉ. प्रह्लाद कुमार स्मारक व्याख्यान दिया।
- शशिप्रभा कुमार ने 28 सितम्बर, 2005 को आर.जी. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मेरठ में 'फिलास्फी आफ लाइफ इन द भगवतगीता' विषयक विशेष व्याख्यान दिया।
- शशिप्रभा कुमार ने राजधानी कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय शिक्षकों के लिए अनुशीलन कोर्स में 'वेदिक फिलोस्फी आफ एज्यूकेशन' विषयक विशेष व्याख्यान दिया।
- शशिप्रभा कुमार ने 3 फरवरी, 2006 को लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ में महिला अध्ययन केन्द्र के लिए पाठ्यचर्या निर्माण हेतु आयोजित कार्यशाला में 'स्टेटस आफ वुमन इन वैदिक लिट्रेचर' विषयक विशेष व्याख्यान दिया।
- शशिप्रभा कुमार ने 22 फरवरी, 2006 को मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'रोल आफ संस्कृत इन मल्टी–फेसेटिड डिवलपमेंट' विषयक विशेष व्याख्यान दिया।
- संतोष कुमार शुक्ल ने 30 अप्रैल से 8 मई 2005 तक डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर खुला विश्वविद्यालय, अहमदाबाद में 'स्पोकन संस्कृत लैंग्वेज' विषयक आठ व्याख्यान दिए।
- संतोष कुमार शुक्ल ने 19 मई 2005 को सार्वभौम संस्कृत संस्थान, वाराणसी में 'सोशल थॉट इन संस्कृत' विषयक व्याख्यान दिया।

- संतोष कुमार शुक्ल ने 22 से 24 सितम्बर, 2005 तक कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ में 'विधि–प्रशासन इन बौधायन धर्मसूत्र' विषयक व्याख्यान दिया।
- संतोष कुमार शुक्ल ने 8–9 मार्च, 2006 को महिला अध्ययन और विकास केन्द्र, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में 'वुमन इन धर्मशास्त्र' विषयक व्याख्यान दिया।

मंडलों/समितियों की सदस्यता (विश्वविद्यालय से बाहर)

- गिरीश नाथ झा, सदस्य, चिन्मय विद्यालय प्रबंधन परिषद्।
- संतोष कुमार शुक्ल, विशेषज्ञ सदस्य, राष्ट्रीय संस्थान, (सम–विश्वविद्यालय), नई दिल्ली; परीक्षक, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय; परीक्षक, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक।

आणविक चिकित्साशास्त्र विशेष केंद्र

मानव रोगों की समझ, रोकथाम और निवारण के लिए जैव–चिकित्साशास्त्र विज्ञान के क्षेत्र में 'आणविक चिकित्साशास्त्र' एक उभरता हुआ नया क्षेत्र है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में स्थापित आणविक चिकित्साशास्त्र का विशेष केंद्र भारत में इस तरह का पहला केंद्र है।

इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य आणविक और कौशिकीय जीव विज्ञान के उच्च उपकरणों का अनुप्रयोग करते हुए मानव रोग के अध्ययन क्षेत्र में शिक्षण एवं शोध कार्य को प्रोत्साहन देना है। केंद्र ने उन युवा विज्ञानियों–नैदानिक और गैर–नैदानिक को प्रशिक्षण देने के लिए अपने शैक्षिक कार्यक्रम शुरू करने की योजना बनाई है, जो आधारभूत चिकित्साशास्त्र अनुसंधान के क्षेत्र में अध्ययन करने के इच्छुक हैं। केन्द्र के प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा विशेषकर दो प्रकार के विज्ञानी तैयार करने के लिए बनाई गई है, जो चिकित्साशास्त्र के क्षेत्र में हो रही प्रगति में अपना योगदान कर सकें। पहले तरह का विज्ञानी मुख्यतः एक ऐसा चिकित्सक होना चाहिए, जिसके पास आधारभूत नैदानिक उपाधि हो और चिकित्साशास्त्र में आणविक स्तर पर प्रयुक्त आधुनिक जीव–विज्ञान की जानकारी हो। दूसरा विज्ञानी आधुनिक जीव–विज्ञानी है, लेकिन उसे चिकित्सा संबंधी समस्याओं के निवारण में उत्पादों हेतु उत्पाद के प्रयोग में चिकित्साशास्त्र की पर्याप्त जानकारी होनी चाहिए ताकि वह अपना उत्पाद समाज को प्रस्तुत कर सके। इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए केन्द्र ने निम्नलिखित अध्ययन कार्यक्रम शुरू किए है :

आयुर्विज्ञान स्नातकों और आधारभूत विज्ञानों के छात्रों के बीच रुचि को प्रोत्साहित करने के लिए केंद्र ने आणविक चिकित्साशास्त्र के क्षेत्र में प्री–पी–एच.डी. और सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। केन्द्र निम्नलिखित थ्रस्ट एरिया में शिक्षण एवं शोध गतिविधियां चला रहा है :

- मेटाबोलिक डिसार्डर्स (डायबिटीज टाइप–2, कार्डिवास्कुलर डिसीज, रिप्रोडक्टिव डिसार्डर्स, न्यूक्लियर हारमोन रिसेप्टर्स इन हेल्थ ऐंड डिजीज)
- इनफेक्शस डिसीज्स (मलेरिया, हेपटाइटस सी, लीश्मेनियासिस, हेलिकोबेक्टर पैथोजेनेसिस, कंडियासिस)
- डायग्नोस्टिक्स (जैनेटिक प्रोफाइलिंग आफ पैथोजनिक फंगस ऐंड डिवलपमेंट आफ जेनेटिक टुल्स टु आइडेंटीफाई पैथोजेनिक आर्गेनिज्म्स)

केन्द्र में आए मुख्य अतिथि

- डॉ. प्रदीप दास, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ कॉलेरा ऐंड एनटेरिक डिजीज्स, कोलकाता, 4 अप्रैल 2005 को केन्द्र में आए और 'स्टडीज आन फैक्टर्स इनवाल्वड इन पोस्ट ट्रांसक्रिप्शनल मॉडीफिकेशन आफ आरआरएनए प्रोसेसिंग गियारडिया लैम्बलिया' विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. श्रीमोंती सरकार, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, पश्चिमी बंगाल तकनीकी विश्वविद्यालय, कोलकाता 5 अप्रैल 2005 को केन्द्र में आए तथा 'यूबीक्विटिंस रोल इन प्रोटीन सॉर्टिंग इन द वैयुओल' विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. गोपाल सी. कुण्डु, नेशनल सेंटर फार सेल साइंस, पुणे 5 मई 2005 को केन्द्र में आए और 'मेटास्टोटिक जीन आस्टियोपोंटिन : डेसीफेरिंग द मोलक्यूलर मैकेनिज्म इनवाल्वड इन ट्यूमर प्रोग्रेशन ऐंड मेटास्टेसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. रामकृष्ण प्रसाद अलूर, नेशनल आई इंस्टीट्यूट, एन आई एच, बाथेस्डा, यू एस ए ने 4 अगस्त 2005 को केन्द्र में 'रेयर जेनेटिक आई डिजीज्स यूवील कालोबोना' विषयक व्याख्यान दिया।

- प्रो. दीपक बस्तिया, डिपार्टमेंट आफ बायोकेमेस्ट्री ऐंड मोलक्यूलर बायोलॉजी, यूनिवर्सिटी आफ साउथ कैरोलिना, चार्ल्सटन, यूएसए ने 19 अगस्त 2005 को केन्द्र में 'मैकेनिज्म ऐंड कंट्रोल आफ रेप्लिकेशन टर्मीनेशन इन बर्डिंग ऐंड फिशन यीस्ट्स' विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. अनिंद्या दास गुप्ता, हावर्ड हगेस मेडिकल इंस्टीट्यूट, येल यूनिवर्सिटी, यूएसए ने 16 सितम्बर 2005 को केन्द्र में 'इम्यून रिस्पांस ऐंड इवेजन ड्यूरिंग वायरल इन्फेक्शन' विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. तनुजा मोहन्ती, इंटर यूनिवर्सिटी एक्सलरेटर सेंटर, नई दिल्ली ने 22 नवम्बर 2005 को केन्द्र में 'नैनोमैटेरियलस ऐंड देयर एप्लिकेशंस इन मेडिसिन ऐंड बायोसाइंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- प्रो. मोहन कुमार रायजादा, डिपार्टमेंट आफ फिजियोलॉजी ऐंड फंक्शनल जीनोमिक्स, यूनिवर्सिटी आफ फ्लोरिडा, यूएसए ने 30 नवम्बर, 2005 को 'इज जीन थेरेपी स्ट्रेटिजी फार हाइपरटेंशन पॉसीबल ?' विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. पॉल फोक्स, क्लीवलैण्ड क्लिनिक फाउंडेशन, यूएसए ने 8 दिसम्बर, 2005 को केन्द्र में 'पोस्ट ट्रांसक्रिप्शनल कंट्रोल आफ मैक्रोफेज इनफ्लेमेशन : वाट गोज अप ...' विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. स्नेहासिक्ता स्वर्णकार, आईआईसीबी, कोलकाता ने 8 मार्च, 2006 को केन्द्र में 'न्यू पाथवेज आफ हीलिंग गेस्ट्रिक अल्सर्स बाइ टर्मेरिक : रोल आफ मेट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेसिज' विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. एच.सी. पंत, एनआईएनडीएस, एनआईएच, बेथेस्डा, मैरीलैण्ड, यूएसए ने 23 मार्च 2006 को 'रेग्यूलेशन आफ सीडीके–5 फंक्शन इन द नर्वस सिस्टम' विषयक व्याख्यान दिया।

केन्द्र द्वारा आयोजित सम्मेलन/संगोष्ठियाँ

1. केन्द्र ने प्रो. राजेन्द्र प्रसाद, जीवन विज्ञान संस्थान के साथ मिलकर संयुक्त रूप से 23 से 26 सितम्बर, 2005 तक मानेसर, हरियाणा में 'यीस्ट ट्रांसपोर्ट ऐंड इनरजेटिक्स' विषयक 23वीं बैठक का आयोजन किया।
2. केन्द्र ने 19–20 जनवरी, 2006 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 'फ्रंटीयर्स इन मोलक्यूलर मेडिसिन' विषयक तीसरी संगोष्ठी आयोजित की। इस संगोष्ठी में निम्नलिखित ख्यातिप्राप्त विज्ञानियों ने भाग लिया :
   - प्रो. आई.बी. चटर्जी, मानद प्रोफेसर, कोलकाता विश्वविद्यालय, कोलकाता।
   - प्रो. इन्द्रनील मित्र, निदेशक, बीएचएमआरसी, भोपाल।
   - डॉ. सत्यजीत रथ, एनआईआई, नई दिल्ली।
   - डॉ. देबासिस मित्र, एनसीसीएस, पुणे।
   - डॉ. रॉबिन मुखोपाध्याय, टीएमसी, मुम्बई।
   - डॉ. एन.आर. जगन्नाथन, एम्स, नई दिल्ली।
   - डॉ. रेमा वेलायुधन, एनबीआरसी, मानेसर।
   - डॉ. आशिष कुमार मुखोपाध्याय, एनआईसीईडी, कोलकाता।
   - डॉ. के.टी. शिनॉय, डायरेक्टर, सीईआरटीसी, यूनिवर्सिटी आफ केरल, तिरुवनन्तपुरम।

- डॉ. पी. चट्टोपाध्याय, एम्स, नई दिल्ली।
- डॉ. पुष्कर शर्मा, एनआईआई, नई दिल्ली।
- डॉ. चंद्रिमा शाहा, एनआईआई, नई दिल्ली।
- डॉ. एस. मजूमदार, एनआईआई, नई दिल्ली।
- डॉ. अमित के. दिंदा, एम्स, नई दिल्ली।
- डॉ. एस.के. लाल, आई.सी.जी.ई.बी., नई दिल्ली।

छात्रों की उपलब्धियाँ

1. मनीषा ने 23 से 26 सितम्बर 2005 तक मानेसर, हरियाणा में आयोजित 'यीस्ट ट्रांसपोर्ट ऐंड इनर्जेटिक्स' विषयक 23वीं बैठक में 'क्वेस्ट फार एबीसी ट्रांसपोर्टर्स इन कंपलीट जीनोम आफ केंडिडा अल्बीकंस' शीर्षक व्याख्यान दिया।

2. मल्लामपति सराढ़ी ने 17 से 20 जनवरी, 2006 तक इंडस्ट्रीयल टॉक्सिकोलॉजी रिसर्च सेंटर, लखनऊ, भारत में आयोजित अखिल भारतीय सेल बायोलॉजी सम्मेलन में 'करेक्ट्राइजेशन आफ ए प्रोमिसकुअस जीनोसेंसर प्रेगनेन ऐंड जीनोबायोटिक रिसेप्टर दैट गार्डस बॉडी अगेंस्ट केमिकल इनसल्ट्स' विषयक व्याख्यान दिया।

3. पारुल मेहरा को 4 से 6 नवम्बर 2005 तक मलेरिया रिसर्च सेंटर द्वारा नई दिल्ली में आयोजित अंतरराष्ट्रीय मलेरिया सम्मेलन में 'फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन आफ आरिजन रिकॉग्नीशन कंपलेक्स (ओ आर सी) सब युनिट्स 1, 2 ऐंड 5 इन प्लाजमोडियम फाल्सीपेरम' विषयक पोस्टर प्रस्तुति के लिए द्वितीय पुस्कार प्राप्त हुआ।

4. मनीषा ने 27 से 29 सितम्बर, 2005 तक बंगलौर में आयोजित यीस्ट–2005 बैठक में 'द कंपलीट इनवेंट्री आफ एबीसी प्रोटींस इन ह्यूमन पैथोजेनिक यीस्ट, केंडिडा अल्बीकंस' विषयक पोस्टर प्रस्तुत किया।

5. दिब्येन्दु बनर्जी ने 27 से 29 सितम्बर, 2005 तक बंगलौर में आयोजित यीस्ट–2005 बैठक में 'रेग्यूलेशन आफ स्टेरॉयड रिस्पांस कास्केड इन द पैथोजेनिक यीस्ट केंडिडा अल्बीकंस : रेग्यूलेटरी एलिमेंट्स ऐंड पॉसीबल ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर्स' विषयक पोस्टर प्रस्तुत किया।

केन्द्र की भावी योजनाएं

जैसा कि देखने में आया है, केन्द्र मेडिकल स्नातकों को अपना कैरियर शोध में शुरू करने के लिए सफलतापूर्वक आकर्षित कर रहा है। यह इस बात से साबित होता है कि केन्द्र में पंजीकृत छात्रों में से 25% छात्र चिकित्सा–शास्त्र के क्षेत्र से होते हैं। केन्द्र ने सहयोगात्मक उच्च शोध कार्य भी शुरू किया है, जैसाकि प्रकाशनों से स्पष्ट होता है। केन्द्र के शिक्षकों और सम्बद्ध शिक्षकों तथा अन्य विज्ञानियों के बीच सहयोगात्मक शोध से केन्द्र की प्रारंभिक सफलता पर प्रकाश पड़ता है। इसके साथ ही अगले पांच वर्षों में केन्द्र का उद्देश्य आयुर्विज्ञान और आधारभूत विज्ञानों के छात्रों को आधुनिक जीव विज्ञान में गहन शोध हेतु प्रशिक्षित करने के लिए आकर्षित करना है। यह आधुनिक जीव विज्ञान में विज्ञानियों की भावी पीढ़ियों के लिए उच्च स्तरीय शोध को सुनिश्चित करेगा, जिससे भारत की निश्चित रूप से पहचान बनेगी। अगले पाँच वर्षों में हम हमारे वर्तमान लक्ष्यों को जारी रखेंगे और इसके अतिरिक्त, नए शिक्षकों की नियुक्तियाँ की जाएंगी तथा स्ट्रक्चर बेस्ड ड्रग डिजाइन/मोलक्यूलर थेराप्यूटिक्स/जेनेटिक डिसआर्डर्स/आंकोलॉजी/वायरोलॉजी जैसे मोलक्यूलर मेडिसिन के क्षेत्रों पर अधिक शोध कार्य किया जाएगा।

शोध परियोजनाएं

- जी. मुखोपाध्याय, 'बायोकेमिकल अनालिसिस आफ द टाइप–IV प्रोटीन सेक्रेशन सिस्टम आफ हेलिकोबैक्टर पायलोरी', वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (2003–2006)
- जी. मुखोपाध्याय, राजेन्द्र प्रसाद, आशिष दत्ता, 'मोलक्यूलर आस्पेक्ट्स आफ केंडिडासिस', जैव–प्रौद्योगिकी विभाग (2004–2007)
- जी. मुखोपाध्याय, 'स्टडी आन द डिफ्रेंशल रेग्यूलेशन आफ एस.ए.पी. आइसोजाइम्स – द वायरूलेंस फैक्टर्स आफ ह्यूमन पैथोजेनिक फंगस केंडिडा अल्बीकंस' (विशिष्टता के लिए सक्षम विश्वविद्यालय योजना, ज.ने.वि. 1005–2008)
- सी.के. मुखोपाध्याय, 'ए स्टडी आन द मोलक्यूलर मैकेनिज्म आफ इंसुलिन – इंड्यूस्ड एक्टिवेशन आफ हाइपोजिया इनड्यूसीबल फैक्टर–I, द मास्टर रेग्यूलेटर आफ ऑक्सीजन होमियोस्टेसिस', जैव–प्रौद्योगिकी विभाग (2003–2006)
- सी.के. मुखोपाध्याय, 'ए स्टडी आन द प्लोसिबल मोलक्यूलर मैकेनिज्म (स) आन हेपेटिक आयरन ओवरलोड इन हाइपरइंसुलीनेमिया', वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (2004–2007)
- सी.के. मुखोपाध्याय, 'द रोल आफ आयरन इन द ग्रोथ आफ लीशमानिया डोनोवानी ऐंड इन इंटरएक्शन विद होस्ट मैक्रोफेजिज', द वेल्कम ट्रस्ट यू.के. (2004–2009)
- आर.के. त्यागी, 'इनवेस्टीगेशन इन टु एन्ड्रोजन – इनडिपेंडेंट एक्टिवेशन आफ एन्ड्रोजन रिसेप्टर इन प्रोस्टेट कैंसर', भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (2003–2006)
- आर.के. त्यागी, 'मैकेनिज्म्स आफ इनहीबिशन आफ ट्रांसक्रिप्शनल एक्टिविटी आफ एंड्रोजन रिसेप्टर बाइ एंटागोनिस्ट्स/एंडोक्राइन डिसरप्टर्स', वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (2003–2006)
- आर.के. त्यागी, 'रोल आफ प्रेगनेन एक्स. रिसेप्टर (पीएक्सआर) इन लंग कैंसर', बंगलौर साइंस फाउंडेशन, (2004–2006)
- एस.के. धर, 'फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन आफ रेप्लिकेशन प्रोटींस ऐंड रेप्लिकेशन ऑरीजन (ऑरी सी) आफ हेलिकोबेक्टर पायलोरी : पोटेंशल टार्गेट्स फार थेरेपी, उत्कृष्टता के लिए सक्षम विश्वविद्यालय योजना (यूपीओई), ज.ने.वि. (2002–2007)
- एस.के. धर, 'फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन आफ रेप्लिकेशन आरिजन (ऑरी सी) ऐंड रेप्लिकेशन प्रोटींस आफ हेलिकोवैक्टर पायलोरी', वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (2002–2005) : पूरी हो चुकी।
- एस.के. धर, 'फंक्शनल करेकट्राइजेशन आफ रेप्लिकेशन इनिशिएशन प्रोटींस ऐंड क्रोमोसोमल डीएनए रेप्लिकेशन आरिजिन (स) आफ प्लाजमोडियम फाल्सीपेरम', वेल्कम ट्रस्ट, यू.के. (2004–2009)

शिक्षकों के व्याख्यान (विश्वविद्यालय से बाहर)

- सी.के. मुखोपाध्याय ने सितम्बर, 2005 में आयोजित 'यीस्ट' 'एस एम वाई टी ई' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में व्याख्यान दिया।
- सी.के. मुखोपाध्याय ने दिसम्बर, 2005 में सीडीआरआई, लखनऊ में आयोजित एसबीसी बैठक में भाग लिया।
- आर.के. त्यागी ने 10 से 14 नवम्बर, 2005 तक सेंटर फार सेल्यूलर ऐंड मोलक्यूलर बायोलॉजी, हैदराबाद में आयोजित 'एडवांस्ड माइक्रोस्कॉपी ऐंड सेल्यूलर डायनेमिक्स' विषयक सीसीएमबी – कार्ल जेइस राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- आर.के. त्यागी ने 8–9 दिसम्बर, 2005 को पांडीचेरी विश्वविद्यालय में नेशनल एकेडमी आफ साइंसेज द्वारा आयोजित 75वें वार्षिक सम्मेलन व प्लेटिनम जयंती समारोह में 'न्यूक्लियर जीनोबायोटिक रिसेप्टर पीएक्सआरए प्रोमिसकुअस जीनो सेंसर विद ए पोटेंशल रोल इन कैंसर प्रोग्रेशन' विषयक व्याख्यान दिया।

- आर.के. त्यागी ने 14 से 16 फरवरी, 2006 तक आईआईटी रुड़की में आयोजित सोसाइटी फार रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी ऐंड कंपेरेटिव एंडोक्रिनोलॉजी की 24वीं वार्षिक बैठक में 'न्यूक्लियर जीनोबायोटिक रिसेप्टर पीएक्सआर : ए प्रोमिसकुअस जीनो सेंसर विद ए पोटेंशल रोल इन कैंसर' विषयक व्याख्यान दिया।
- एस.के. धर ने मई 2005 में सीडीएफडी, हैदराबाद में व्याख्यान दिया।
- एस.के. धर ने दिसम्बर, 2005 में सीडीआरआई, लखनऊ में आयोजित 'एसबीसी' बैठक में व्याख्यान दिया।
- एस.के. धर ने दिसम्बर, 2005 में एसआईएनपी, कोलकाता में एमएमडीईए संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
- एस.के. धर ने फरवरी, 2006 में आईआईएससी बंगलौर में 'इनफेक्शस डिजीज्स' विषयक इण्डो–स्वीडिस कार्यशाला में भाग लिया।

पुरस्कार / सम्मान / अध्येतावृत्तियां

- सी.के. मुखोपाध्याय को वेलकम ट्रस्ट, यू.के. का अन्तरराष्ट्रीय वरिष्ठ शोध अध्येतावृत्ति पुरस्कार प्राप्त हुआ।

मण्डलों / समितियों की सदस्यता (विश्वविद्यालय से बाहर)

- सी.के. मुखोपाध्याय, विशेषज्ञ और प्रश्न–पत्र सैटर, जैव–रसायन शास्त्र विभाग, ऐम्स, नई दिल्ली', सदस्य, रिसर्च टेक्नोलाजिस्ट्स, नेशनल सेंटर फार ब्रेन रिसर्च, (एन.बी.आर.सी.), मानेसर के लिए चयन समिति; सदस्य, शोध प्रबन्ध सलाहकार समिति (टी.ए.सी.), राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली; बाह्य समीक्षक, ग्रान्ट रिव्यू कमेटी डिपार्टमेंट आफ बायोटेक्नोलाजी।
- आर.के. त्यागी, सदस्य, इण्डियन सोसाइटी आफ सेल बायोलाजी; समीक्षक, हिस्टोकैमिस्ट्री ऐंड साइटोकैमिस्ट्री की पत्रिका, इन्डियन जर्नल आफ फार्माकोलाजी; सदस्य, सोसायटी आफ बायोलाजिकल रिप्रोडक्शन ऐंड कम्पैरटिव इण्डोक्रिनोलाजी, इण्डिया और सदस्य, सम्पादकीय मण्डल, इण्डोक्रिनोलाजी ऐंड रिप्रोडक्शन की पत्रिका।
- एस.के. धर, सदस्य, शोध प्रबन्ध सलाहकार समिति (टी.ए.सी.), राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली; सदस्य, अन्तरराष्ट्रीय समीक्षक मण्डल, मेडिकल साइंस मानिटर (इंटरनेशनल पीयर रिव्यूड जर्नल)।

अकादमिक स्टाफ कालेज

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में अकादमिक स्टाफ कालेज की स्थापना वर्ष 1989 में हुई थी। इसका मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय और कॉलेज–शिक्षकों को उनके सम्पूर्ण बौद्धिक विकास के अतिरिक्त विषयात्मक वाद–विवाद और भाषण की कला से परिचित कराना है। इससे उन्हें विषयात्मक बिंदुओं तथा समसामयिक समस्याओं को समझने की प्रेरणा भी मिलती है।

कॉलेज विभिन्न विषयों में पुनश्चर्या कोर्स और अनुशीलन कोर्स आयोजित करता है। इन कोर्सों का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को उन सामाजिक और ऐतिहासिक संदर्भों वाली चुनौतियों के बारे में जानकारी देना है, जिनका आज की भारतीय उच्च शिक्षा सामना कर रही है। प्रतिभागियों को अच्छे शिक्षक बनाने हेतु उनकी समझ और दक्षता को बढ़ाया जाता है। बहु–विषयक दृष्टिकोण तथा शिक्षा शास्त्रियों और भारतीय समाज के बीच के संबंधों को सुदृढ़ बनाने पर बल दिया जाता है।

पुनश्चर्या कोर्सों का आयोजन उन शिक्षकों के लिए होता है, जिन्होंने कम से कम 2 वर्ष का शिक्षण अनुभव प्राप्त कर लिया है अथवा जो अनुशीलन कोर्स कर चुके हैं और अच्छे शिक्षण तथा शोध हेतु अपने ज्ञान को अद्यतन करना चाहते हैं। कॉलेज निम्नलिखित विषयों में पुनश्चर्या कोर्स आयोजित करता है : राजनीति विज्ञान, अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध, अर्थशास्त्र, इतिहास, कंप्यूटर विज्ञान, समाजशास्त्र, जीवन–विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, भौतिक विज्ञान और जैव–प्रौद्योगिकी।

सभी कोर्सों के प्रतिभागियों को कंप्यूटर और इंटरनेट के प्रयोग के बारे में जानकारी दी जाती है।

कॉलेज ने 2005–2006 के दौरान दस पुनश्चर्या कोर्सों और 3 अनुशीलन कोर्सों का आयोजन किया तथा इसमें भाग लेने के लिए प्रतिभागी देश भर के सभी स्थानों से बुलाए गए। कोर्सों का विवरण निम्न प्रकार से है :

अनुशीलन कोर्स

क्र.सं.	कोर्स का नाम व दिनांक	कुल प्रतिभागी	पुरुष	महिला	अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व.
1.	51वाँ अनुशीलन कोर्स 11 जुलाई–05 अगस्त 2005	36	17	19	3/10/04
2.	52वाँ अनुशीलन कोर्स 3 अक्टूबर – 28 अक्टूबर 2005	33	18	15	0/6/3
3.	53वाँ अनुशीलन कोर्स 7 नवम्बर – 02 दिसम्बर 2005	37	17	20	2/9/4

पुनश्चर्या कोर्स

क्र.सं.	कोर्स का नाम व दिनांक	कुल प्रतिभागी	पुरुष	महिला	अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व.
1.	33वाँ पुनश्चर्या कोर्स (अर्थशास्त्र) 8 अगस्त – 2 सितम्बर 2005	19	16	3	1/1/6
2.	8वाँ पुनश्चर्या कोर्स (जैव–प्रौद्योगिकी) 5 सितम्बर – 30 सितम्बर, 2005	29	13	16	2/1/6
3.	24वाँ पुनश्चर्या कोर्स (इतिहास) 5 सितम्बर – 30 सितम्बर, 2005	32	22	10	1/7/7

क्र.सं.	कोर्स का नाम व दिनांक	कुल प्रतिभागी	पुरुष	महिला	अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व.
4.	27वाँ पुनश्चर्या कोर्स (समाजशास्त्र) 3 अक्टूबर – 28 अक्टूम्बर, 2005	31	21	10	2/4/7
5.	34वाँ पुनश्चर्या कोर्स (अर्थशास्त्र) 2 जनवरी – 27 जनवरी, 2006	29	18	11	3/5/7
6.	11वाँ पुनश्चर्या कोर्स (जीवन–विज्ञान) 2 जनवरी – 27 जनवरी, 2006	30	17	13	4/2/4
7.	25वाँ पुनश्चर्या कोर्स (इतिहास) 30 जनवरी – 24 फरवरी, 2006	22	13	9	0/4/1
8.	छठाँ पुनश्चर्या कोर्स (भौतिक विज्ञान) 30 जनवरी – 24 फरवरी, 2006	25	23	2	0/2/3
9.	33वाँ पुनश्चर्या कोर्स (राजनीति विज्ञान) 27 फरवरी – 24 मार्च, 2006	31	22	9	1/5/4
10.	11वाँ पुनश्चर्या कोर्स (पर्यावरण विज्ञान) 27 फरवरी – 24 मार्च, 2006	38	23	15	2/7/8

अकादमिक स्टाफ कालेज में कोर शिक्षकों ने विभिन्न अनुशीलन कोर्सों का समन्वयन किया जबकी वरिष्ठ शिक्षकों ने पुनश्चर्या कोर्सों के लिए कोर्स समन्वयक के रूप में कार्य किया। कोर्सों में व्याख्यान देने वाले अधिकतर विशेषज्ञ जेएनयू से होते हैं, यद्यपि दिल्ली और दिल्ली के आस–पास के संस्थानों और संगठनों विशेष कर जेएनयू में स्थित संस्थानों के विशेषज्ञों को भी कार्यक्रमों में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों के अनुसार कॉलेज की एक सलाहकार समिति है। विश्वविद्यालय के कुलपति इसके अध्यक्ष और कॉलेज के निदेशक इसके सदस्य सचिव हैं।

कालेज में एक वेब पेज भी बनाया गया है जो – http:www.jnu.ac.inèASC – है।

छात्र गतिविधियाँ

I. छात्रों की संख्या

विश्वविद्यालय में वर्ष 2005–2006 के दौरान दाखिल और 1.9.2005 को पंजीकृत छात्रों की संख्या निम्न प्रकार से थी – शैक्षिक वर्ष 2005–2006 के दौरान दाखिल छात्रों की संख्या का विवरण :

क. एम.फिल./पी–एच.डी., एम.टेक./पी–एच.डी., एम.सी.एच./सीधे पी–एच.डी.

संस्थान/केन्द्र	सामान्य	अ.जा.	अ.ज.जा.	शारी. रूप से विक.	कुल
अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान	93	18	23	–	134
सामाजिक विज्ञान संस्थान	145	37	37	05	224
भाषा, साहित्य और संस्कृति					
अध्ययन संस्थान	94	07	06	02	109
जीवन विज्ञान संस्थान	18	04	02	01	25
कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान	15	05	–	01	21
पर्यावरण विज्ञान संस्थान	08	03	01	01	13
भौतिक विज्ञान संस्थान	09	02	–	–	11
सूचना–प्रौद्योगिकी संस्थान	16	–	02	–	18
जैव–प्रौद्योगिकी केंद्र	03	01	–	–	04
आणविक चिकित्साशास्त्र केन्द्र	03	–	–	–	03
संस्कृत अध्ययन केन्द्र	07	01	02	–	10
विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र	13	03	02	01	19
कुल	**424**	**81**	**75**	**11**	**591**

ख. एम.ए./एम.एस–सी./एम.सी.ए.

संस्थान/केन्द्र	सामान्य	अ.जा.	अ.ज.जा.	शारी. रूप से विक.	कुल
अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान	61	07	09	02	79
सामाजिक विज्ञान संस्थान	184	44	34	06	268
भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान	90	11	04	03	108
जीवन विज्ञान संस्थान	19	05	01	–	25
कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान	29	03	02	01	35
पर्यावरण विज्ञान संस्थान	12	05	02	02	21
भौतिक विज्ञान संस्थान	21	03	–	01	25
कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान	14	02	02	–	18
संस्कृत अध्ययन केन्द्र	10	01	03	01	15
कुल	**440**	**81**	**57**	**16**	**594**

ग. बी.ए. (ऑनर्स)

संस्थान/केन्द्र	सामान्य	अ.जा.	अ.ज.जा.	शारी. रूप से विक.	कुल
भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान	186	33	14	08	241

घ. वर्ष 2005–2006 में पूर्णकालिक अध्ययन पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विदेशी छात्रों का देश–वार विवरण –

क्र.सं.			क्र.सं.		
1	आर्मेनिया	01	16	पाकिस्तान	01
2	अजरबेजान	02	17	फिलिस्तीन	01
3	बंगला देश	04	18	फिलिपींस	01
4	चीन	06	19	पोलैण्ड	01
5	इथोपिया	04	20	सऊदी अरबिया	01
6	जाम्बिया	02	21	दक्षिण कोरिया	06
7	इण्डोनेशिया	02	22	श्रीलंका	13
8	ईरान	07	23	सुडान	03
9	जापान	04	24	सीरिया	05
10	जोर्डन	01	25	थाईलैण्ड	03
11	केन्या	01	26	यू.के.	01
12	किरगिस्तान	04	27	यू.एस.ए.	05
13	मंगोलिया	03	28	उजबेकिस्तान	02
14	नाम्बिया	01	29	वियतनाम	07
15	नेपाल	11		**कुल**	**103***

* – एब्सेंशिया श्रेणी में : 90
– प्रवेश परीक्षा के माध्यम से : 13

103

च. अंशकालिक पाठ्यक्रम (भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान)

पाठ्यक्रम	सामान्य	अ.जा.	अ.ज.जा.	शारी.रूपसे विक.	कुल
प्रवीणता प्रमाण–पत्र	115	30	10	02	157
प्रवीणता डिप्लोमा	55	03	01	–	59
उच्च प्रवीणता डिप्लोमा	35	–	–	–	35
कुल	**205**	**33**	**11**	**02**	**251**

घ. छात्रों की कुल संख्या एक नजर में (1.9.2005 के अनुसार)

अध्ययन पाठ्यक्रम	सामान्य	अ.जा.	अ.ज.जा.	शारी. रूप से विक.	कुल
एम.फिल./पी–एच.डी., एम.टेक./पी–एच.डी., एम.सी.एच./सीधे पी–एच.डी./पी.जी.	2155	348	215	164	2882
एम.ए./एम.एस–सी./एम.सी.ए.	1063	200	115	148	1526
बी.ए.	447	87	29	32	595
अंशकालिक (भा.सा.सं.अ.सं.)	215	34	11	01	261
कुल	**3880**	**669**	**370**	**345**	**5264**

आवासीय हाल

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, विश्वविद्यालय के 13 छात्रावासों तथा एक विवाहित शोध छात्रावास में छात्रों की संख्या 4324 थी। इनमें अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, शारीरिक रूप से विकलांग और विदेशी छात्र भी शामिल हैं। छात्रावासों में रह रहे छात्र विश्वविद्यालय की कार्य परिषद् द्वारा अनुमोदित छात्रावास नियमावली में उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार छात्रावासों और मेसों के प्रबंधन कार्यों में भाग लेते रहे।

छात्रावास–वार छात्रों की संख्या और समीक्षाधीन अवधि के दौरान छात्रावास पाने वाले छात्रों की संख्या निम्न प्रकार से थी :

छात्रावास का नाम	सीटों की संख्या	1.4.2005 से 31.3.2006 के दौरान छात्रावास पाने वाले छात्रों की संख्या
कावेरी	308	084
पेरियार	303	119
सतलज	294	087
झेलम 284	081	
नर्मदा 202	089	
गंगा 303	113	
गोदावरी	320	111
साबरमती (छात्र)	126	031
साबरमती (छात्राएं)	138	058
ताप्ती (छात्राएं)	167	072
ताप्ती (छात्र)	200	090
ब्रह्मपुत्र	384	046
माही 170	083	
मांडवी	170	064
यमुना*	191	145
लोहित	360	193
चन्द्रभागा (छात्र)	204	030
चन्द्रभागा (छात्राएं)	200	115
कुल योग	**4324**	**1611**

* कामकाजी महिला छात्रावास

छात्र सहायता निधि

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान छात्र सहायता निधि में से जरूरतमंद छात्रों में 56,846/– रुपये की राशि वितरित की गई।

खेलकूद कार्यालय

वेट और पावरलिफ्टिंग क्लब

क) खेलकूद कार्यालय ने पहली बार 12 मार्च, 2006 को दिल्ली राज्य बेंच प्रेस चैंपियनशिप आयोजित की। इसमें विभिन्न क्लबों के 250 लिफ्टरों ने भाग लिया।

ख) जेएनयू ने अक्टूबर, 2005 में दिल्ली राज्य वेट लिफ्टिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण और रजत पदक जीता।

ग) जेएनयू ने दिसम्बर, 2005 में राज्य स्तरीय दत्ता स्मारक मीट में भाग लिया तथा दो स्वर्ण पदक जीते।

घ) जेएनयू की वार्षिक बेंच प्रेस प्रतियोगिता 8 फरवरी को, पावर लिफ्टिंग 17 फरवरी को और वेट और बॉडी बिल्डिंग 7 मार्च, 2006 को आयोजित हुईं और वेट लिफ्टिंग कोच श्री आर.सी. जोशी ने पुरस्कार हासिल किया।

क्रिकेट क्लब

क) क्रिकेट क्लब ने मानसून सत्र में 'गुगली' नामक दुर्नामेंट आयोजित किया।

ख) जेएनयू में जनवरी से मार्च 2006 तक छः सप्ताह का अन्तर संस्थान टुर्नामेंट आयोजित किया गया।

बैडमिंटन क्लब

बैडमिंटन क्लब वर्ष भर खेल–कूद गतिविधियों में सक्रिय रहा और इसने छात्र तथा छात्राओं के लिए अंतर–संस्थान और अंतर–छात्रावास चैंपियनशिप आयोजित कीं।

फुटबाल क्लब

फुटबाल एक ऐसा खेल है जो खेल ग्राउंड में वर्ष भर खेला जाता है। इसे छात्र देर रात तक खेलते हैं। फुटबाल क्लब ने मार्च, 2006 में अंतर–संस्थान और अंतर छात्रावास चैंपियनशिप आयोजित कीं।

ताइक्वांडो क्लब

ताइक्वांडो क्लब ने ताइक्वांडो के कई कार्यक्रम आयोजित किए तथा क्लब ने खेलकूद कार्यालय और विश्वविद्यालय स्तर पर भी जीत हासिल की :

क) 1 अक्टूबर और 18 नवम्बर, 2005 को बेल्ट टेस्ट/ग्रेडिंग का आयोजन किया गया।

ख) 1 अक्टूबर, 2005 को ताइक्वांडो चैम्पियनशिप (अंतर क्लब) आयोजित की गई।

ग) दिल्ली राज्य ताइक्वांडो चैम्पियनशिप 6–7 नवम्बर, 2005 को तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में आयोजित की गई। जेएनयू ने दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीता।

घ) 1–2 फरवरी, 2006 को चौथी इन्वीटेशनल ताइक्वांडो कार्यशाला आयोजित की गई।

टेंनिस क्लब

टेनिस क्लब के संयोजक ने अकेले क्लब की गतिविधियाँ आयोजित कीं। पुरुष सिंगल, पुरुष डबल और प्लेट इवेंट सिंगल्स की वार्षिक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

वालीबाल क्लब

वालीबाल क्लब के संयोजक ने वर्ष भर अपनी गतिविधियाँ जारी रखी। फरवरी, 2006 में अंतर–संस्थान और अंतर–छात्रावास मैच आयोजित किए गए।

योग क्लब

क्लब ने अपनी सुबह और शाम की कक्षाएं जारी रखी, जो बहुत लोकप्रिय हैं। सप्ताह में एक दिन शुद्धिकरण पद्धति और ध्यान नियमित योग कक्षाओं का एक भाग है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान निम्नलिखित गतिविधियां आयोजित की गई :

क) 26 से 28 अप्रैल, 2005 तक 'दैवीय श्लोक गान' पर एक शिविर आयोजित किया गया।

ख) 15 मई से 30 जून, 2005 तक योग शिक्षा में प्रमाण–पत्र कोर्स का आयोजन किया गया।

ग) 28 अगस्त 2005 को एक खुली योगासन प्रतियोगिता आयोजित की गई।

घ) 20 से 22 सितम्बर, 2005 तक 'ध्यान' पर शिविर का आयोजन किया गया।

च) 28–29 अक्टूबर, 2005 को स्वास्थ्य और फिटनेस शिविर (प्राकृतिक भ्रमण सहित) का आयोजन किया गया।

छ) 28 से 30 नवम्बर, 2005 तक गर्दन और पीठ दर्द के निवारण के लिए एक शिविर का आयोजन किया गया।

ज) 23 से 25 जनवरी 2006 तक 'मोटापा' पर एक शिविर का आयोजन किया गया।

झ) 18 फरवरी, 2006 को छात्रों के लिए योग प्रतियोगिता आयोजित की गई।

ट) 27 से 29 मार्च 2006 तक एलर्जी और साइनसीटिस पर एक शिविर का आयोजन किया गया।

पर्वतारोहण और पदयात्रा क्लब

समीक्षाधीन अवधि के दौरान निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की गईं :

क) अप्रैल, अगस्त 2005 और मार्च 2006 में फोटो प्रदर्शनियाँ आयोजित की गईं।

ख) 25 मई से 4 जून 2005 तक गढ़वाल, उत्तरांचल की ग्रीष्म पदयात्रा आयोजित की गई।

ग) 14 से 18 अक्टूबर 2005 और 18 से 22 फरवरी 2006 तक शिवपुरी, ऋषिकेश में वाइट वाटर राफ्टिंग का आयोजन।

घ) मनीरांग पास, किन्नौर की सितम्बर, 2005 में 13 दिवसीय शरतकालीन पदयात्रा।

च) 23 अक्टूबर, 2005 को सूरजकुंड की साइकिल यात्रा।

छ) 12 नवम्बर, 2005 और 18 मार्च, 2006 को संजय वन होकर कुतुबमीनार की चांदनी रात में पदयात्रा।

ज) 16 से 19 दिसम्बर, 2005 तक धौज (हरियाणा) में आधारभूत पर्वतारोहण कोर्स का आयोजन किया गया।

झ) 20 से 28 जनवरी 2006 तक थार रेगिस्तान, राजस्थान की रेगिस्तान पदयात्रा।

विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केन्द्र

विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना अगस्त 1973 में हुई थी। तब से समय बीतने के साथ–साथ स्वास्थ्य केन्द्र ने अपने आपको हेल्थ केयर यूनिट के रूप में स्थापित किया है। यह एक ही स्थान पर विश्वविद्यालय समुदाय – छात्रों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों और अन्य स्टाफ सदस्यों – को प्रमुख स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं मुहैया कराता है।

स्वास्थ्य केन्द्र के बाह्य रोगी विभाग में चिकित्सा सेवाएं पूर्णकालिक और अंश–कालिक चिकित्सा अधिकारियों, पैरामेडिकल और अन्य सहयोगी स्टाफ द्वारा प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक उपलब्ध कराई जाती है। अंश–कालिक चिकित्सा अधिकारी, पैरामेडिकल और एक परिचर द्वारा शाम 4.00 बजे से 9.00 बजे तक चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। स्वास्थ्य सेवाएं राजपत्रित अवकाशों में भी सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक उपलब्ध कराई जाती हैं।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान केन्द्र में 48,484 रोगी आए।

विश्वविद्यालय के छात्रों को अधिकतर दवाइयाँ एलोपैथिक और होमियोपैथिक फार्मेसी द्वारा उपलब्ध कराई गईं। छात्रों को सभी चिकित्सा संबंधी सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान 85 सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने चिकित्सा सुविधाओं का लाभ प्राप्त करने हेतु अपना पंजीकरण कराया। वर्ष 1994 से 525 सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने स्वास्थ्य केन्द्र में अपना पंजीकरण कराया है।

स्वास्थ्य केन्द्र ने भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रीय पल्स पोलियो कार्यक्रम में भी भाग लिया। इसके तहत 0 से 05 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। मानसिक रोगों के बारे में 'सार्थक' द्वारा सलाह दी जाती है; समीक्षाधीन अवधि में कुल 316 रोगियों को सलाह दी गई। स्वास्थ्य केन्द्र में एड्स के बारे में परामर्श और सामान्य जानकारियाँ 'एसपीवाईएम' द्वारा उपलब्ध कराई जाती हैं। समीक्षाधीन अवधि के दौरान इससे 1,84,484/– रु. का कुल राजस्व एकत्रित किया गया।

सांस्कृतिक गतिविधियाँ

समीक्षाधीन अवधि के दौरान सांस्कृतिक गतिविधि समिति ने कई गतिविधियाँ आयोजित कीं :

क) नाट्य क्लब द्वारा 'इप्टा' के सहयोग से 7 अक्टूबर, 2005 को "वोह कौन था" विषयक नाटक का आयोजन किया गया।

ख) बहरूप आर्ट गुप द्वारा 30 जनवरी, 2006 को सुमन कुमार (राष्ट्रीय नाट्य संस्थान से स्नातक) द्वारा निर्देशित नाटक का मंचन किया गया।

ग) फोटोग्राफी क्लब द्वारा 4, 5, 11 और 12 फरवरी, 2006 को 'फोटोग्राफी' विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

घ) साहित्यिक क्लब द्वारा 17 फरवरी, 2006 को निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

च) 21 मार्च 2006 को 'प्रतिभा 2006 प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया।

छ) 22 मार्च, 2006 को 'उत्कल दिवस' मनाया गया।

ज) प्राकृतिक और वन्यजीव क्लब द्वारा मार्च, 2006 में विश्व दिवस पर संगोष्ठी आयोजित की गई।

झ) प्रसिद्ध तबला वादक उस्ताद फैय्याज खान द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

ट) 16 मार्च 2006 को कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कराने के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई गई।

कमजोर वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की अद्वितीयता का प्रमाण है इसका आधारभूत दर्शन, नीतियाँ और कार्यक्रम, जिनका उल्लेख विश्वविद्यालय के अधिनियम में किया गया है। तदनुसार, विश्वविद्यालय का हमेशा यह प्रयास रहा है कि वह ऐसी नीतियाँ और अध्ययन पाठ्यक्रम तैयार करे जिसमें समाज के पिछड़े वर्ग के लोगों को भी प्रोत्साहित और शामिल किया जाता हो। इसके अनुसार विश्वविद्यालय में अ.जा./अ.ज.जा. के लिए ग्रुप–'सी' और 'डी' पदों पर भर्ती में आरक्षण की शुरूआत 1975 में और ग्रुप–'ए' और 'बी' पदों में 1978 में हुई थी। विश्वविद्यालय ने अ.पि.जा. के लिए भी गैर–शैक्षणिक पदों में आरक्षण नीति का कार्यान्वयन शुरू किया है। ग्रुप–'सी' और 'डी' पदों में आरक्षण की शुरुआत 8 सितम्बर 1993 और ग्रुप–'ए' और 'बी' पदों में 2 जुलाई 1997 से हुई थी। शैक्षणिक और गैर–शैक्षणिक पदों में शारीरिक रूप से विकलांग लोगों के लिए आरक्षण की शुरुआत वर्ष 1996 में हुई थी, संयोगवश शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति अधिनियम की शुरुआत भी इसी वर्ष हुई।

प्रत्येक अध्ययन पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु 22.5% सीट आरक्षित हैं। इनमें 15% सीट अ.जा. के लिए और 7.5% सीट अ.ज.जा. के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं। अ.जा./अ.ज.जा. के उम्मीदवार अर्हक परीक्षा में प्राप्त अंकों की प्रतिशतता को ध्यान में रखे बिना ही विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा में बैठने के पात्र हैं। चालू शैक्षणिक सत्र–2005–2006 में विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में 24.13% अ.जा./अ.ज.जा. के छात्रों ने प्रवेश लिया।

छात्रावासों में भी 15% सीट अ.जा. और 7.5% सीट अ.ज.जा. के छात्रों के लिए आरक्षित हैं। यदि किसी एक वर्ग में उम्मीद्वार उपलब्ध नहीं होते हैं तो अ.जा./अ.ज.जा. के उम्मीद्वारों में दूसरे वर्ग के उपलब्ध उम्मीदवारों को वह सीट दे दी जाती है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के केन्द्रीय प्रायोजित कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय ने 100–100 कमरों के छात्रावास अ.जा. की छात्राओं और अ.जा. के छात्रों के लिए बनाए हैं। इसके अतिरिक्त, जनजातीय कार्य मंत्रालय और योजना आयोग द्वारा प्रायोजित अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए 2 छात्रावास भी बनाए गए हैं।

भारत सरकार की नीति के अनुसार अ.जा./अ.ज.जा. के लिए मकानों के आबंटन में भी आरक्षण का प्रावधान है। टाइप–I और II के मकानों में 10% मकान अ.जा./अ.ज.जा. के लिए आरक्षित हैं तथा टाइप–III और IV में 5% मकान। टाइप–V और VI के मकानों में अ.जा./अ.ज.जा. को कोई आरक्षण उपलब्ध नहीं है।

विश्वविद्यालय ने प्रत्येक संस्थान/केन्द्र में अ.जा./अ.ज.जा. सहित समाज के कमजोर वर्गों से आने वाले छात्रों की प्रारंभिक स्कूली शिक्षा की कमी को पूरा करने के लिए अंग्रेजी और कोर कोर्सों में विशेष उपचारात्मक कोर्स चलाना जारी रखा है। प्रत्येक संस्थान/केन्द्र के समन्वयक इस प्रकार के छात्रों का पता लगाते हैं, जिन्हें विशेष उपचारात्मक सहायता की जरूरत होती है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान विश्वविद्यालय ने जेएनयू के विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु प्रवेश–परीक्षा में बैठने वाले अ.जा./अ.ज.जा. और समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के छात्रों के लिए प्रवेश–परीक्षा की तैयारी में सहायता करने हेतु एक विशेष योजना शुरू की है। इस योजना के अन्तर्गत अ.जा./अ.ज.जा. के उम्मीद्वारों को जेएनयू की प्रवेश परीक्षा हेतु वित्तीय सहायता सहित मार्ग–दर्शन, सूचना और सहायता उपलब्ध कराने हेतु एक केन्द्र की स्थापना की गई है। इसके लिए एक शिक्षक सलाहकार भी नियुक्त किया गया है। इस दिशा में, विश्वविद्यालय ने अपने निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप कमजोर वर्गों के छात्रों को प्रवेश देने संबंधी अपनी वचनबद्धता लगभग पूरी की है।

समान अवसर कार्यालय

विश्वविद्यालय ने 'समान अवसर कार्यालय' नामक एक कार्यालय की स्थापना की है। इस प्रकार का कार्यालय भारतीय विश्वविद्यालयों में शायद पहला है। इस कार्यालय के निम्नलिखित उद्देश्य हैं :

- अ.जा./अ.ज.जा./शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों के स्नातक, स्नातकोत्तर, एम.फिल./पी–एच.डी. स्तर पर उनके शैक्षणिक स्तर में सुधार के लिए उपचारात्मक कोर्सों सहित उपयुक्त कार्यक्रम/योजनाएं तैयार करना और इनके कार्यान्वयन पर निगरानी रखना;
- विश्वविद्यालय में अ.जा./अ.ज.जा./शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों को सहायता उपलब्ध कराने के लिए वित्तीय और अन्य शैक्षणिक सामग्री हेतु सरकार और अन्य वित्तीय एजेंसियों के साथ सम्पर्क स्थापित करना;
- शैक्षणिक, वित्तीय और अन्य मामलों में जानकारी प्रदान करना और एक सलाह केन्द्र के रूप में कार्य करना;
- विभिन्न सामाजिक पृष्ठभूमियों से आने वाले छात्रों के बीच स्वस्थ और अन्तर्वैयक्तिक संबंध बढ़ाने हेतु अनुकूल सामाजिक वातावरण तैयार करना;
- शैक्षणिक क्रियाकलापों हेतु शिक्षकों और अ.जा./अ.ज.जा./शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों के बीच सहायक अन्तर–वैयक्तिक संबंध विकसित करने में सहायता करना;
- यदि कोई भेदभाव की समस्या आती है तो उसको देखना और अ.जा./अ.ज.जा./शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों की सहायता करना।

उपचारात्मक शिक्षण : उपचारात्मक शिक्षण योजना के अंतर्गत अंग्रेजी और कोर विषयों में अलग–अलग शिक्षण दिया जा रहा है। कार्यालय ने प्रत्येक केन्द्र के अध्यक्ष और संस्थान के डीन से उपचारात्मक योजना के लिए एक समन्वयक नामित करने का अनुरोध किया है। समन्वयक इस प्रकार के छात्रों की पहचान करेंगे, जिन्हें उपचारात्मक सहायता की आवश्यकता है और उनके लिए व्यक्तिगत उपचारात्मक सहायता के माध्यम से अतिरिक्त शैक्षणिक सहायता की व्यवस्था करेंगे। इसके अतिरिक्त, भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केन्द्र अंग्रेजी में एक उपचारात्मक कोर्स चला रहा है।

इस कार्यालय ने 'जरूरतमंद व्यक्तियों (विकलांग) के लिए उच्च शिक्षा विषयक वि.अ.आ. द्वारा प्रायोजित परियोजना का कार्य भी अपने हाथ में लिया है। इस परियोजना के निम्नलिखित उद्देश्य हैं :

- उच्च शिक्षा से जुड़े अधिकारियों को विकलांग लोगों की विशेष शैक्षणिक जरूरतों के बारे में अवगत कराना;
- विकलांग व्यक्तियों की कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए संस्थान में सुविधाएं विकसित करना,
- विकलांग लोगों की उच्च शिक्षा में सततता बनाए रखने में सहायता करना;
- विकलांग स्नातकों के लिए उपयुक्त नौकरियों की तलाश करना।

विश्वविद्यालय परिसर में विकलांग लोग आसानी से आ–जा सकें इसके लिए विश्वविद्यालय ने अपने भवनों में 20 ढलानदार रास्तों का निर्माण किया है। यह कुछ और ढलानदार रास्ते बनाने की योजना बना रहा है ताकि विकलांग लोग परिसर में कहीं भी आसानी से आ–जा सकें।

31.3.2006 के अनुसार स्टाफ सदस्यों की संख्या

शैक्षणिक स्टाफ

पदों का स्तर	भरे हुए पदों की कुल संख्या	अ.जा./अ.ज.जा./शारीरिक रूप से विकलांग वर्ग से संबंधित भरे हुए पदों की कुल संख्या		
		अ.जा.	अ.ज.जा. से विकलांग	शारीरिक रूप
प्रोफेसर	83	03	03	कोई नहीं
रीडर	158	02	03	कोई नहीं
व्याख्याता	132	17	09	02

नोट : आरक्षण केवल व्याख्याता के स्तर तक ही लागू है।

गैर–शैक्षणिक स्टाफ

पदों का स्तर	भरे हुए पदों की कुल संख्या	अ.जा./अ.ज.जा./शारीरिक रूप से विकलांग वर्ग से संबंधित भरे हुए पदों की कुल संख्या			
		अ.जा.	अ.ज.जा.	अ. पि.व.	शा.वि.
ग्रुप 'ए'	55	14	01	कोई नहीं	कोई नहीं
ग्रुप 'बी'	118	13	04	09	02
ग्रुप 'सी'	519	71	18	14	02
ग्रुप 'डी'	675	229	17	40	04

* इसमें 129 सफाई कर्मचारी शामिल हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन

विश्वविद्यालय की सर्वोच्च प्राधिकरण जे.एन.यू. कोर्ट की बैठक 4 मार्च, 2006 को कुलाधिपति डॉ. कर्ण सिंह की अध्यक्षता में हुई। इसमें विश्वविद्यालय की गतिविधियों पर रिपोर्ट और विश्वविद्यालय का वर्ष 2005–2006 का लेखा–परीक्षित प्राप्ति एवं व्यय का विवरण तथा तुलन–पत्र प्रस्तुत किया गया। विश्वविद्यालय का योजनेत्तर अनुरक्षण बजट भी प्रस्तुत किया गया।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान विश्वविद्यालय की कार्य परिषद् की चार बैठकें हुईं। ये बैठकें 2 जून; 9 अगस्त; 5 दिसम्बर, 2005 और 27 फरवरी, 2006 को हुईं। इन बैठकों में कार्यसूची की अनेक मदों पर विचार–विमर्श किया गया और प्रशासनिक मामलों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

विद्या परिषद की बैठक 23 नवम्बर, 2005 को हुई। इसमें कार्य परिषद के समक्ष पेश की जाने वाली मदों सहित अन्य महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। वित्त समिति की 29 नवम्बर, 2005 को बैठक हुई। इसमें वर्ष 2005–2006 के संशोधित अनुमानों और वर्ष 2006–2007 के विश्वविद्यालय के बजट अनुमानों को अनुमोदित किया गया और कुछ महत्वपूर्ण वित्तीय मामलों पर निर्णय लिए गए।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान शिक्षण और गैर–शिक्षण स्टाफ की नियुक्तियों के लिए चयन समितियों की कई बैठकें आयोजित हुईं। इस अवधि के दौरान 14 शिक्षक नियुक्त किए गए। इनमें 01 प्रोफेसर, 07 एसोसिएट प्रोफेसर और 06 सहायक प्रोफेसर शामिल हैं। इनके अतिरिक्त, विभिन्न कैडरों में 57 गैर–शिक्षण स्टाफ सदस्यों की नियुक्तियाँ भी की गईं।

39 शिक्षकों को आवधिक/असाधारण अवकाश/अध्ययन अवकाश मंजूर किए गए या उनके अवकाश में वृद्धि की गई। उन्होंने अपना शोध कार्य पूरा करने/अन्य संस्थानों में नियुक्तियाँ/अध्येतावृत्तियाँ प्राप्त करने, आदि के लिए अवकाश लिया था। समीक्षाधीन अवधि के दौरान 06 शिक्षकों को पुनः नियुक्त किया गया या उनकी पुनः नियुक्ति की अवधि में विस्तार किया गया। इस अवधि के दौरान, कुल 20 शिक्षक और 34 गैर–शैक्षणिक कर्मचारी विश्वविद्यालय की सेवा से सेवा–निवृत्त हुए।

सम्पदा शाखा

समीक्षाधीन अवधि के दौरान मकान आबंटन समिति की सात और परिसर विकास समिति की चार बैठकें हुईं। यद्यपि, समीक्षाधीन अवधि के दौरान नए मकान नहीं बनाए गए फिर भी, मकान आबंटन समिति द्वारा खाली पड़े कई टाइप के मकान पात्र शिक्षकों और अन्य स्टाफ सदस्यों को आबंटित किए गए। समीक्षाधीन अवधि के दौरान विभिन्न छात्रावासों और शापिंग कांप्लेक्स में कोई कैंटीन/दुकान आबंटित नहीं की गई।

संपदा शाखा ने दिल्ली नगर निगम के साथ लम्बे समय से लंबित संपत्ति कर के विवाद का निपटान कर लिया है। फर्नीचर और कार्यालय उपकरण खरीदने के लिए 23 लाख से अधिक रुपये खर्च किए गए।

परिसर विकास

ज.ने.वि. में इंजीनियरी विभाग प्रभारी, इंजीनियरी के अधीन पूर्ण विभाग है। इसमें टेलीफोन प्रकोष्ठ के अतिरिक्त सिविल और विद्युत प्रभाग हैं। यह विभाग योजना और नए भवन बनाने, ढांचागत अद्यतन परियोजनाएं, बड़े और छोटे मरम्मत कार्य, आवश्यक ढांचागत संबंधी सेवाएं बनाए रखने और दिन–प्रतिदिन के परिसर में अनुरक्षण संबंधी कार्य करने के लिए उत्तरदायी है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान निम्नलिखित मुख्य कार्य शुरू किए हैं :

क) 10वीं योजना के अन्तर्गत आबंटित निधि से जेएनयू अभिलेखागार, भाषा प्रयोगशाला काम्पलेक्स, जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र, संस्कृत अध्ययन केन्द्र का विस्तार और केन्द्रीय कैफेटेरिया का निर्माण।

ख) शैक्षणिक परिसर में विभिन्न संस्थानों और अधिकतर संस्थान भवनो में जैनरेटर से आपातकालीन विद्युत की आपूर्ति।

ग) विभिन्न संस्थानों और केन्द्रीय पुस्तकालय में लिफ्ट बदली गईं।

घ) विभिन्न संस्थानों और छात्रावासों में शौचालयों का नवीकरण किया गया।

च) सामाजिक विज्ञान संस्थान सभागार का नवीकरण किया गया।

छ) छात्रावास और परिसर में जल आपूर्ति व्यवस्था में सुधार। परिसर में पानी की कमी की समस्या से निपटने के लिए निम्नलिखित उपाय किए गए :

(i) नए पानी के टैंकर खरीदे गए;
(ii) छात्रावासों में हर समय पेयजल उपलब्ध कराने की व्यवस्था;
(iii) अवमृदा जल का पता लगाना;
(iv) कुछ छात्रावासों और अन्य स्थानों पर अतिरिक्त भंडारण हौदियों का निर्माण;
(v) 1000 के.एल. क्षमता की एक नई हौदी बनाई गई;
(vi) 1000 के.एल. क्षमता के एक नए ओवरहेड टैंक का निर्माण किया गया; और
(vii) अतिरिक्त पानी की लाइनें बिछाई गईं।

उपरोक्त कार्यों के अतिरिक्त पं. नेहरू की प्रतिमा बनाने और नवम्बर 2005 में इस प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर प्रधानमंत्री के आगमन के समय सभी प्रकार की सहायता उपलब्ध कराई गई।

जन–सम्पर्क कार्यालय

विश्वविद्यालय के जन–सम्पर्क कार्यालय ने विभिन्न गतिविधियों से संबंधित अनेक प्रेस विज्ञप्तियाँ जारी कीं। समाचारों में जे.एन.यू. से संबंधित प्रकाशित रिपोर्ट और शिकायतों से संबंधित प्रेस कतरने प्रशासन की जानकारी हेतु भेजीं तथा आवश्यकतानुसार उचित स्पष्टीकरण/उत्तर–प्रत्युत्तर जारी किए। जन–सम्पर्क कार्यालय ने जन–साधारण को शैक्षिक तथा प्रशासनिक मामलों से संबंधित जानकारी उपलब्ध करायी तथा विश्वविद्यालय में आए महत्वपूर्ण अतिथियों तथा शिष्ट मण्डलों का स्वागत किया। विश्वविद्यालय की कार्य प्रणाली से संबंधित विभिन्न प्रकार की जानकारी के लिए लिखित रूप से पूछताछ करने वालों को भी उत्तर भेजे।

जन–सम्पर्क अधिकारी ने विश्वविद्यालय की द्विमाषिक पत्रिका 'जे.एन.यू. न्यूज' का प्रकाशन भी जारी रखा। इन्होंने इसका सम्पादन और प्रकाशन विश्वविद्यालय की ओर से किया। यह पत्रिका सूचनाओं की कमी को पूरा करती है तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न घटकों एवं शेष शैक्षिक विश्व समुदाय के मध्य सीधा संवाद स्थापित करती है। जन–सम्पर्क अधिकारी कार्यालय द्वारा विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट को भी हिन्दी और अंग्रेजी में तैयार करके प्रकाशित किया गया।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान जन–सम्पर्क अधिकारी कार्यालय ने नवम्बर 2005 में आयोजित विश्वविद्यालय के वार्षिक दिवस समारोह के आयोजन में सहायता की। इसने नवम्बर 2005 में भारत के माननीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह विश्वविद्यालय के दौरे के समय भी सहायता की।

अतिथि गृह

जे.एन.यू. के तीन अतिथि गृहों – अरावली, अरावली इंटरनेशनल और गोमती में समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 4,436 से अधिक अतिथियों को कमरे उपलब्ध कराए गए। इन अतिथियों में शोध सामग्री या अन्य शैक्षिक उद्देश्यों के लिए देश–विदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों/शिक्षा संस्थानों से दिल्ली आए शिक्षक तथा शोध छात्र शामिल हैं। विश्वविद्यालय के सरकारी अतिथियों, शिक्षकों तथा स्टाफ के अतिथियों, छात्रों के माता–पिताओं और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अतिथियों को भी अल्पकालिक अवधि के लिए आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

हिन्दी एकक

समीक्षाधीन अवधि के दौरान हिंदी एकक ने विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें 9 स्टाफ सदस्यों और 3 अधिकारियों ने भाग लिया।

एकक ने समीक्षाधीन अवधि के दौरान, वार्षिक रिपोर्ट, वार्षिक लेखे, लेखा–परीक्षा रिपोर्ट, प्रवेश सूचनाओं, भर्ती के लिए विज्ञापनों, अधिसूचनाओं/परिपत्रों, प्रेस विज्ञप्तियों आदि से संबंधित अनुवाद का कार्य भी किया।

मुख्य कुलानुशासक कार्यालय

विश्वविद्यालय के छात्रों में अनुशासन बनाए रखने से संबंधित विश्वविद्यालय के परिनियम–32 में उल्लेख है कि छात्रों से संबंधित सभी अनुशासन और अनुशासनिक कार्रवाई संबंधी शक्तियाँ कुलपति में निहित होंगी। परिनियम 10 (3) (क) में उल्लिखित है कि कार्यपरिषद् द्वारा मुख्य कुलानुशासक की नियुक्ति की जाएगी।

विश्वविद्यालय में मुख्य कुलानुशासक कार्यालय की स्थापना वर्ष 1986 में हुई थी। इस समय एक मुख्य कुलानुशासक और दो कुलानुशासक (इनमें से एक महिला कुलानुशासक है) हैं। मुख्य कुलानुशासक का कार्यालय विश्वविद्यालय के छात्रों में अनुशासन बनाए रखने के लिए उत्तरदायी है। यह कार्यालय परिसर में शांति और सौहार्द बनाए रखने का कार्य करता है तथा यह दण्डात्मक उपायों की बजाय सुधारात्मक उपायों में अधिक विश्वास रखता है। फिर भी, अनुशासनात्मक नियमों का उल्लंघन करने वाले छात्रों के विरुद्ध उचित अनुशासनिक कार्रवाई की जाती है।

सुरक्षा कार्यालय

समीक्षाधीन अवधि के दौरान सुरक्षा शाखा द्वारा निम्नलिखित महत्वपूर्ण कदम उठाए गए :

- भारत के माननीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के दौरे के समय सफल सुरक्षा प्रबंध।
- आग की किसी अप्रिय घटना से निपटने के लिए फायर ट्राली की खरीद।
- परिसर से पशुओं को बाहर निकालने के लिए पाँच पशु भगाने वाले रखे गए।

निम्नलिखित सुविधाएं शीघ्र ही उपलब्ध कराई जाएंगी :

- प्रशासन भवन में विभिन्न जगहों पर सीसीटीवी की स्थापना।
- सुरक्षा गश्त वाहनों पर तैनात सुरक्षा कर्मियों को मोबाइल फोन।
- जेएनयू समुदाय को बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए एक और एम्बुलेंस।
- परिसर में विशेष विशिष्ट अतिथियों के आगमन के समय यातायात व्यवस्था बेहतर बनाए रखने के लिए बैरीकेड्स की खरीद।
- विभिन्न सुरक्षा पोस्टों पर पोर्टा केविन उपलब्ध कराना।

विश्वविद्यालय वित्त

I. लेखा और लेखा–परीक्षा पद्धति

विश्वविद्यालय के लेखे पांच भागों में रखे जाते हैं :

1.	अनुरक्षण (योजनेतर) खाता	:	यह खाता विश्वविद्यालय के राजस्व, प्राप्तियों और अनुरक्षण खर्च से सम्बन्धित है।
2.	विकास (योजना) खाता	:	इस खाते में विश्वविद्यालय के विकास से संबंधित लेन–देन का खाता रखा जाता है, जिसकी पूर्ति पंच–वर्षीय योजना के आबंटन से की जाती है।
3.	उद्दिष्ट (विशेष) निधि खाता	:	इस खाते में केन्द्रीय सरकार के विभिन्न विभागों, यू.जी.सी., सी.एस. आई.आर. और आई.सी.एस.एस.आर., आदि द्वारा वित्त–पोषित विशेष शोध परियोजनाओं, सम्मेलनों और अन्य प्रयोजनों आदि से संबंधित लेखा–जोखा रखा जाता है।
4.	ऋण, जमा आदि खाता	:	इस खाते में भविष्य निधि और अन्य जमाओं से संबंधित प्राप्तियों और अदायगियों का हिसाब रखा जाता है।
5.	अध्येतावृत्ति खाता	:	इस खाते में "एट एनी वन गिविन टाइम बेसिस" योजना के अन्तर्गत शोध अध्येतावृत्तियों से संबंधित प्राप्तियों और अदायगियों का लेखा–जोखा रखा जाता है।

विश्वविद्यालय का वित्तीय वर्ष भारत सरकार के अनुरूप यानी 1 अप्रैल से अगले वर्ष की 31 मार्च तक होता है। विश्वविद्यालय के लेखों की वार्षिक लेखा–परीक्षा भारत के नियन्त्रक और महालेखा–परीक्षक की ओर से लेखा–परीक्षा निदेशक, केन्द्रीय राजस्व द्वारा की जाती है। भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार विश्वविद्यालय के परीक्षित लेखे अगले वर्ष की 31 दिसम्बर तक सदन के पटल पर रखे जाने अपेक्षित होते हैं।

विश्वविद्यालय के वर्ष 2004–2005 के वार्षिक लेखे (हिंदी और अंग्रेजी में) संसद के पटल पर रखने के लिए पहले ही मानव संसाधन विकास मंत्रालय में भेज दिए हैं।

II. बजट

विश्वविद्यालय के वर्ष 2006–2007 के बजट आकलन और 2005–2006 के संशोधित आकलन 29 नवम्बर, 2005 को वित्त समिति द्वारा अनुमोदित किए गए थे।

1. वर्ष 2005–2006 के संक्षिप्त बजट आकलन, संशोधित आकलन और प्राप्ति तथा व्यय के वास्तविक आंकड़े तालिका–1 और 2 में दिए गए हैं :

तालिका–1

(प्राप्तियाँ)

	लेखा शीर्ष	बजट आकलन 2005–2006	संशोधित आकलन 2005–2006	वास्तविक 2005–2006
	(रूपये लाखों में)			
1.	अनुरक्षण (योजनेतर) खाता	8471.24	8451.65	10275.12
2.	विकास (योजना) खाता	1452.48	1469.98	2550.75
3.	उद्दिष्ट (विशेष) निधि खाता	1053.77	1546.53	2471.48
4.	ऋण, जमा आदि खाता	3154.64	3471.64	4327.35
5.	अध्येतावृत्ति खाता	642.58	592.39	363.17

तालिका–2

(व्यय)

	लेखा शीर्ष	बजट आकलन 2005–2006	संशोधित आकलन 2005–2006	वास्तविक 2005–2006
	(रूपये लाखों में)			
1.	अनुरक्षण (योजनेतर) खाता	8471.24	8451.65	9308.10
2.	विकास (योजना) खाता	1452.48	1469.98	1068.40
3.	उद्दिष्ट (विशेष) निधि खाता	1053.77	1546.53	2216.57
4.	ऋण, जमा आदि खाता	3154.64	3471.64	4057.39
5.	अध्येतावृत्ति खाता	642.58	592.39	373.35

II. भाग–I – अनुरक्षण (योजनेतर) व्यय/बजट/संशोधित आकलन/वास्तविक

वर्ष 2005–2006 के लिए अनुरक्षण, व्यय और बजट का संक्षिप्त विवरण :

वास्तविक 2004–2005	लेखा शीर्ष	बजट आकलन 2005–2006	संशोधित आकलन 2005–2006	वास्तविक 2005–2006
			(रुपये लाखों में)	
600.53	प्रशासन	711.17	654.69	659.35
1244.60	2 सामान्य सेवाएं और सामान्य प्रभार	1317.05	1294.58	2312.60
2128.32	शैक्षिक कार्यक्रम	2768.06	2451.02	2363.35
23.31	परीक्षाएं	30.75	30.75	32.41
391.42	पुस्तकालय	492.08	501.61	519.09
124.82	छात्र सुविधाएं	147.73	142.39	149.25
32.07	छात्रवृत्तियाँ	32.00	35.00	63.66
330.09	छात्रों के छात्रावास	318.42	316.79	324.52
8.69	प्रकाशन	21.33	18.35	13.90
960.33	अन्य विभाग	1273.15	1299.82	1373.95
425.64	विविध	503.50	603.40	535.63
847.08	भविष्य निधि और पेंशन	776.00	1030.45	960.39
000.00	मंहगाई भत्ते की घोषणा	80.00	72.80	**0.00**
7116.90	**कुल**	**8471.24**	**8451.65**	**9308.10**

III. विकास (योजना) व्यय

वर्ष 2005–2006 के विकास खर्च की मुख्य मदें नीचे दी गई हैं :

			(रुपये लाखों में)
(क)	**राजस्व (आवर्ती व्यय)**		366.31
(ख)	**विश्वविद्यालय कैम्पस का निर्माण –**		
	1) संस्थान भवन	51.52	
	2) आवासीय भवन	36.38	
	3) बाह्य सेवाएँ	73.36	
(ग)	**अन्य पूंजीगत व्यय –**		
	1) उपकरण	472.57	
	2) पुस्तकालय पुस्तकें और पत्रिकाएं	67.96	540.54
		कुल व्यय	**1068.40**

III. परियोजनाएं

विभिन्न भारतीय और विदेशी एजेंसियों द्वारा वित्तपोषित परियोजनाओं के सम्बन्ध में प्राप्तियाँ और अदायगियाँ (2005–2006)

क्र.सं.	वित्त–पोषक एजेंसी का नाम	परियोजनाओं की संख्या	प्राप्तियाँ	व्यय
क.	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग	14	2334654.00	3818557.00
ख.	भारत सरकार और संगोष्ठियाँ आदि	37	3678288.00	3910356.00
ग.	विदेशी निकाय	51	43969437.00	27248273.00
घ.	अन्य निकाय :			
(i)	वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद्	25	4845414.00	5251980.00
(ii)	भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्	18	763050.00	794804.00
(iii)	भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद्	3	699054.00	400000.00
(iv)	भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्	12	3960871.00	4106060.00
(v)	भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद्	2	40621.00	40128.00
(vi)	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्	2	4848720.00	3623474.00
(vii)	टाटा शिक्षा न्यास	2	2200000.00	1781066.00
(viii)	बेंगलूर विज्ञान फाउंडेशन	1	100000.00	223885.00
(ix)	जल संसाधन मंत्रालय	1	377000.00	144620.00
(x)	रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन	3	310000.00	456478.00
(xi)	दिल्ली सरकार	1	67750.00	43306.00
(xii)	प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग	1	0.00	13928.00
(xiii)	राष्ट्रीय सूचना केन्द्र	1	957000.00	211228.00
(xiv)	शहरी रोजगार मंत्रालय	1	2653500.00	13998.00
(xv)	राजस्थान राज्य खान और खनिज लिमिटेड	1	27000.00	18704.00
(xvi)	भारतीय लोक प्रशासन संस्थान	2	631840.00	222418.00
(xvii)	एनसीपीयूएल	1	10000.00	9875.00
(xviii)	डाबर	1	0.00	293922.00
(xiv)	एच पी इंडिया	1	0.00	114738.00
(xv)	यूजीसी – यू ए ई	1	35000.00	24781.00
(xvi)	बायोटेक इंटरनेशनल	1	0.00	54033.00
(xvii)	विनरॉक	1	0.00	140000.00
(xviii)	कुलपति कॉलोक्विम	1	17500.00	0.00
च.	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग	61	28153400.00	33991054.00
छ.	जैव–प्रौद्योगिकी विभाग	30	60552545.00	56503773.00
	कुल	**276**	**161232634.00**	**143455439.00**

पाठ्येत्तर गतिविधियाँ

यौन उत्पीड़न के विरुद्ध जेंडर संवेदनशीलन समिति

विशाखा बनाम राजस्थान सरकार की याचिका में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सुनाए गए ऐतिहासिक निर्णय के अनुपालन में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित यौन उत्पीड़न के विरुद्ध जेंडर संवेदनशीलन समिति एक सांविधिक निकाय है। यह समिति सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय और कुलपति द्वारा 5 सितम्बर 1997 को प्रोफेसर करुणा चानना की अध्यक्षता में 'यौन उत्पीड़न' पर गठित कार्य समूह की सिफारिशों के आधार पर बनाए गए मार्ग–दर्शी सिद्धांतों के अनुसार कार्य करती है। 'जीएसकैश' जेएनयू परिसर में जेंडर संवेदनशीलन के अतिरिक्त यौन उत्पीड़न से संबंधित मामलों को देखती है।

अप्रैल 2005 से मार्च 2006 के दौरान समिति की गतिविधियाँ

- **जीएसकैश नियमों और प्रक्रियाओं की समीक्षा** : जीएसकैश के सदस्य जीएसकैश के नियमों और कार्यप्रणाली में संशोधन करने के लिए जेएनयू समुदाय के अन्य सदस्यों के विचार जानने के साथ–साथ विधि विशेषज्ञों की राय प्राप्त करने में सक्रिय रूप से संलग्न रहे।

- **जेंडर संवेदनशीलन कार्यशाला** : जेएनयू परिसर में जेंडर संवेदनशीलन पर सुरक्षा अधिकारियों के लिए एक दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में मुख्य सुरक्षा अधिकारी, सुपरवाइजर और परिसर में तैनात ग्रुप–4 के सुरक्षा कर्मियों सहित 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया :

  – विद्या शाह, गैर सरकारी संगठन कार्यकर्ता और संगीतज्ञ द्वारा 29 जुलाई, 2005

  – सहेली द्वारा 30 जुलाई 2005

- **अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह** : जीएसकैश ने 6 से 8 मार्च 2006 तक जेएनयू परिसर में 'परवाज़' नामक महिला संगठन के सहयोग से जेंडर सशक्तिकरण/मामले से संबंधित 6 फिल्में दिखाईं।

- **औपचारिक पूछताछ और निवारण** : समीक्षाधीन अवधि के दौरान दो मामलों पर जाँच समिति ने रिपोर्ट प्रस्तुत की। चार अन्य मामलों की शिकायत पर छानबीन की गई। इन मामलों की जाँच प्रगति पर है।

पूर्व छात्रों की गतिविधियां

विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों के साथ सम्पर्क : विश्वविद्यालय ने कुलपति की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों के साथ सम्पर्क और अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों के लिए स्थायी समिति का गठन किया है। इस समय प्रो. वैश्ना नारंग, पूर्व छात्र और नियोजन की मुख्य सलाहकार हैं तथा रूपमंजरी घोष और प्रवीण झा शिक्षक सलाहकार हैं।

समिति का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय और विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों तथा अन्य संबंधितों के साथ घनिष्ठ संबंध स्थापित करना है। जेएनयू अपने पूर्व छात्रों को महत्वपूर्ण स्टेकहोल्डर के रूप में मान्यता देता है ताकि जेएनयू लगातार अच्छी शिक्षा प्रदान कर सके। यह अपने पूर्व छात्रों, जोकि विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ हैं, से 21वीं शताब्दी की शुरुआत में अपनी योजना संबंधी दिशा–निर्देश तैयार करने के लिए सहायता प्राप्त कर सकती है, इससे जेएनयू को बहुत लाभ मिल सकता है।

जेएनयू के पूर्व छात्र सामुदायिक सेवा के लिए अवसर प्रदान कर सकते हैं और इसके लिए गुडविल एम्बेसेडर के रूप में कार्य, प्रभावशाली संभाषी के रूप में सेवा, सलाह और सहायता, शोध के सीमांत क्षेत्रों पर सुझाव, कैरियर सलाह और वित्तीय सहायता भी उपलब्ध करा सकते हैं। शोध और परियोजनाओं में शैक्षिक और तकनीकी सहयोग भी किया जा सकता है।

जेएनयू के 4500 से अधिक पूर्व छात्रों और जेएनयू के पूर्व छात्रों के कई संगठनों जैसे – जेएनयू पूर्व छात्र एसोसिएशन, मुम्बई; जेएनयू पूर्व छात्र एसोसिएशन, दिल्ली; और केन्या, यमन, जापान, रूस, ईरान, कोरिया, कैलिफोर्निया, बोस्टन और पेंसिलवानिया (अमेरिका) में रह रहे जेएनयू के पूर्व छात्रों के साथ सम्पर्क स्थापित करने के लिए जेएनयू में कार्यालय स्थापित किया गया है। इन 4500 से 5000 छात्रों की निर्देशिका आनलाइन उपलब्ध है।

यह कार्यालय विभिन्न संभावित नियोजकों और जेएनयू के छात्रों के बीच अपने संस्थानों और केन्द्रों के माध्यम से सम्पर्क स्थापित करने में भी सहायता करता है। इस उद्देश्य के लिए कई प्लेसमेंट एजेंसियों और विश्वविद्यालयों ने पहले ही सम्पर्क स्थापित किया है जैसे – स्टील गुरु, गुड़गाँव और मुख्य कार्यालय रूस में; टीएमआई फर्स्ट, सिकन्दराबार; सीवीएम सर्विसेज, नई दिल्ली; एसोकॉम – इंडिया प्रा.लि. नई दिल्ली; नेशनल यूनिवर्सिटी आफ सिंगापुर, सिंगापुर; इंस्टीट्यूट आफ एप्लाइड मैन पावर रिसर्च, नई दिल्ली और गूगल आन लाइन इंडिया प्रा.लि. हैदराबाद।

इस कार्यालय ने जेएनयू पर फिल्म बनाने का उत्तरदायित्व भी लिया है जिसके लिए प्रक्रिया शुरु हो गई है। इससे हमारे पूर्व छात्रों के साथ सम्पर्क स्थापित होगा तथा जेएनयू के बारे में उनकी अनुभूतियों को जाना जा सकेगा।

जवाहरलाल नेहरू उच्च अध्ययन संस्थान

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में जवाहरलाल नेहरू उच्च अध्ययन संस्थान हाल ही में स्थापित किया गया है।

- यह बौद्धिक वातावरण में शोध कार्य हेतु उपयुक्त जगह है; और
- विश्वविद्यालय समुदाय के लिए शैक्षिक समृद्धता का स्रोत है।

संस्थान भारत और विदेशों से युवा विद्वानों के साथ–साथ वरिष्ठ और प्रसिद्ध विद्वानों को संस्थान और विश्वविद्यालय में बुलाता है। इसका लक्ष्य भिन्न–भिन्न विषयों के बौद्धिक समुदाय को एक मंच पर लाना है ताकि वे बौद्धिक परिचर्चाओं में भाग ले सकें, इससे वे स्वयं तो लाभान्वित होंगे ही साथ ही साथ संस्थान और विश्वविद्यालय समुदाय के अन्य लोग भी लाभान्वित होंगे। संस्थान के शैक्षिक पाठ्यक्रमों की विषयों के साथ–साथ राष्ट्र और जन–समुदाय के स्तर पर कोई सीमा नहीं होगी।

संस्थान की दीर्घ अवधि की योजना में वर्ष में कम से कम दो बार ऐसे विद्वानों के समूह को बुलाना है जो संभवतः विभिन्न विषयों की एक कामन विषयवस्तु के विभिन्न पक्षों पर कार्य कर रहे हों। संस्थान की अल्पकालिक अवधि की योजना में ऐसे वैयक्तिक विद्वानों को बुलाना है जो किसी क्षेत्र पर शोध कार्य कर रहे है तथा उनका शोध कार्य जेएनयू शिक्षकों के शोध कार्य से संबंध रखता है या जिसके पास अभिरुचियों को बढ़ाने की क्षमता है या जेएनयू में संभावित शोध क्षेत्रों के लिए मार्गदर्शन कर सकते हों।

संस्थान का उद्देश्य एक ऐसा बौद्धिक समुदाय विकसित करना है जो नियमित रूप से परिचर्चाओं, कार्यशालाओं और संगोष्ठियों में भाग ले सकेगा। इससे वे स्वयं तो लाभान्वित होंगे ही साथ ही संस्थान/विश्वविद्यालय भी लाभान्वित होगा। संस्थान में फेलो 3 से 6 माह तक रह सकते हैं। उन्हें उनके विषयों/शोध अभिरुचियों से संबंधित केन्द्रों और संस्थानों के साथ विचार–विमर्श करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। यद्यपि उनकी पहचान मुख्यतः संस्थान के फेलो के रूप में ही होगी। फेलो विश्वविद्यालय के शोध छात्रों के परामर्शदाता हो सकते हैं और जेएनयू के छात्रों के लिए अपने शोध विषय से संबंधित क्षेत्रों पर व्याख्यान दे सकते हैं तथा कार्यशाला आयोजित कर सकते हैं। फेलो से शिक्षण कार्य की अपेक्षा नहीं की जाती है लेकिन यदि कोई संस्थान/केंद्र ऐसा चाहता है तो वे शिक्षण कार्य के लिए स्वतंत्र हैं।

संस्थान की एक प्रबंध समिति है। इसमें कुलदेशिक अध्यक्ष हैं और प्रोफेसर नीरजा गोपाल जयाल निदेशक हैं।

अन्तरराष्ट्रीय सहयोग

भारत सरकार और विभिन्न विदेशी सरकारों के बीच हुए सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रमों के तहत विश्वविद्यालय को विदेशी विश्वविद्यालयों/संस्थानों से शैक्षिक संबंध स्थापित करने, विनिमय कार्यक्रमों और द्विपक्षीय समझौतों के साथ–साथ सहयोगात्मक कार्यों में शामिल होने के लिए प्रस्ताव–पत्र प्राप्त हो रहे हैं। विश्वविद्यालय भी सुप्रसिद्ध विदेशी विश्वविद्यालयों/संस्थानों, के साथ शैक्षिक सहयोग के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। कई विदेशी विश्वविद्यालयों/ संस्थानों के साथ शैक्षिक सहयोग का प्रस्ताव

विश्वविद्यालय के पास विचाराधीन है और अंतिम चरण में है। समझौते दो प्रकार के हैं – संस्थान स्तर पर सहयोग का समझौता और विश्वविद्यालय स्तर पर समझौता ज्ञापन (जहाँ सहयोग में एक से अधिक संस्थान शामिल हैं)। अब तक, 29 देशों के विभिन्न विश्वविद्यालयों/संस्थानों के 69 समझौता ज्ञापनों और 14 सहयोग समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। समीक्षाधीन अवधि के दौरान 09 समझौता ज्ञापनों और 10 सहयोग समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।

समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) के तहत सहयोग के क्षेत्र सामान्यतः निम्नलिखित हैं और ये निधि की उपलब्धता पर निर्भर हैं : (क) शिक्षकों का आदान–प्रदान, (ख) छात्रों का आदान–प्रदान, (ग) संयुक्त शोध गतिविधियां, (घ) संगोष्ठियाँ और शैक्षिक बैठकों में प्रतिभागिता, (च) शैक्षिक सामग्री और अन्य सूचनाओं का आदान–प्रदान, (छ) विशेष अल्पकालिक शैक्षिक कार्यक्रम, (ज) प्रशासनिक प्रबन्धकों/समन्वयकों का आदान–प्रदान, (झ) संयुक्त सांस्कृतिक कार्यक्रम।

एम.ओ.यू. की शर्तों के अधीन कार्यान्वित प्रत्येक कार्यक्रम/गतिविधि के लिए सहयोग और बजट की शर्तों पर आपस में चर्चा हुई तथा कार्यक्रम गतिविधि की शुरूआत करने से पहले लिखित में सहमति हो गई है।

दो विश्वविद्यालयों के बीच में परस्पर सहयोग के क्षेत्र आपसी सहमति के आधार पर निश्चित किए जाएंगे। प्रत्येक विश्वविद्यालय द्वारा सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

यह सहायता दोनों संस्थानों के लिए लाभदायक शिक्षण, शोध, शिक्षकों, छात्रों और स्टाफ सदस्यों के आदान–प्रदान के रूप में होगी। सहयोग अध्ययन के क्षेत्रों पर केन्द्रित होगा, जिसका निर्णय आपसी बातचीत के आधार पर किया जाता है। सभी वित्तीय प्रबंधों पर बातचीत की जाती है और यह निधि की उपलब्धता पर निर्भर है।

कुलदेशिक की अध्यक्षता में स्थायी समिति विभिन्न केन्द्रों/संस्थानों से समय–समय पर विश्वविद्यालय को प्राप्त विशेष सहयोगात्मक प्रस्तावों पर विचार करती है।

केन्द्रीय सुविधाएं

विश्वविद्यालय पुस्तकालय

जेएनयू पुस्तकालय एक अति आधुनिक और सुसज्जित विश्वविद्यालय पुस्तकालय है। यह 9 मंजिला टावरनुमा भवन विश्वविद्यालय के शैक्षिक परिसर के बीचों बीच स्थित है तथा विश्वविद्यालय की सभी शैक्षिक गतिविधियों का केन्द्र है। पुस्तकालय के अधिकतर कार्यों का कंप्यूटरीकरण हो गया है तथा बचे हुए कार्यों का कंप्यूटरीकरण हो रहा है। पुस्तकालय वर्ष भर प्रातः 9.00 बजे से शाम 8.00 बजे तक खुला रहता है तथा परीक्षा के दिनों में यह प्रत्येक सत्र में 45 दिन के लिए मध्य रात्रि तक खुला रहता है। तथापि, पठन कक्ष की सुविधाएं वर्ष भर मध्य रात्रि तक उपलब्ध रहती हैं। इसके सभी पठन कक्ष वातानुकूलित हैं।

विश्वविद्यालय के नेत्रहीन छात्रों की विशेष जरूरतों को देखते हुए पुस्तकालय के प्रवेशद्वार के निकट एक विशेष इकाई (हेलन केलर के नाम पर) स्थापित की गई है। पुस्तकालय के भू–तल में ओपेक और इंटरनेट पर पढ़ने हेतु छात्रों के प्रयोग के लिए आठ कंप्यूटर लगाए गए हैं।

पाठकों के लिए सेवाएं

समीक्षाधीन अवधि के दौरान कुल मिलाकर 9191 छात्रों, संकाय सदस्यों और देश–विदेश के विश्वविद्यालयों/संस्थानों के विद्वानों ने पुस्तकालय सुविधाओं का लाभ उठाया।

स्रोत सामग्री का आदान–प्रदान

हमारा पुस्तकालय 'डेलनेट', 'इनफिलिबनेट' और इसी तरह के अन्य नेटवर्क का सदस्य बन गया है, ताकि सदस्य अन्य पुस्तकालयों की स्रोत सामग्री का आसानी से उपयोग कर सकें। पुस्तकालय अपने सदस्यों को अन्तर विश्वविद्यालय उधार सेवाएं भी उपलब्ध कराता है। पुस्तकालय ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान पुस्तकालय, नई दिल्ली के साथ एक सहयोगात्मक प्रबन्ध किया है। इसके अन्तर्गत दोनों संस्थानों के पुस्तकालय एक दूसरे की पुस्तकों/पत्रिकाओं आदि का लाभ उठा सकेंगे।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान पुस्तकालय ने लगभग 5946 पुस्तकें प्राप्त कीं। इनमें से 2333 पुस्तकें सुप्रसिद्ध विद्वानों और संगठनों से उपहार स्वरूप प्राप्त हुईं। समीक्षाधीन वर्ष के अन्त में पुस्तकालय में कुल संग्रह 5,27,314 था। पुस्तकों की खरीद पर रू. 39,06,515.58 की राशि खर्च हुई और पत्रिकाओं पर रू. 2,06,77,324.28 खर्च किए गए।

पुस्तकालय ने 864 पत्रिकाएं मंगाई और 105 पत्रिकाएं उपहार स्वरूप प्राप्त हुईं।

जैसाकि पहले उल्लेख किया गया है, पुस्तकालय ने नेत्रहीन छात्रों के लिए हेलन केलर नाम से एक अलग इकाई स्थापित की है। इस इकाई में कुर्जवेल, जॉज, एम.एस. होम पेज रीडर और डक्सबरी ब्रेल ट्रांसलेटर आदि जैसे विशेष साफ्टवेयर प्रयोग में लाए जा रहे हैं। इस इकाई को स्पीच साफ्टवेयर, इंटरनेट, स्केनर और ओपेक सुविधाओं सहित चार कंप्यूटर उपलब्ध कराए गए हैं। पुस्तकालय ने नेत्रहीन छात्रों के उपयोग हेतु टेप रिकार्डर और खाली कैसेट भी उपलब्ध कराना जारी रखा।

एक्जिम बैंक – ज.ने.वि. का अर्थशास्त्र पुस्तकालय

ज.ने.वि. के अर्थशास्त्र पुस्तकालय – एक्जिम बैंक – की स्थापना जुलाई, 2000 में ज.ने.वि. पुस्तकालय के भाग के रूप में हुई थी। यह पुस्तकालय लघु शैक्षिक परिसर में प्राकृतिक सौन्दर्य के बीच स्थित है। इस पुस्तकालय में सामाजिक विज्ञान संस्थान और अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान के शोध छात्रों और शिक्षकों के उपयोग के लिए 8190 से अधिक पुस्तकें और 56 पत्रिकाओं के 1500 पुराने भाग उपलब्ध हैं।

विश्वविद्यालय विज्ञान यंत्रीकरण केन्द्र

विश्वविद्यालय में वैज्ञानिक उपकरणों और उपस्करों की डिजाइन, विकास और मरम्मत कार्यों के लिए एक विश्वविद्यालय विज्ञान यंत्रीकरण केंद्र है। इस केंद्र ने समीक्षाधीन अवधि के दौरान वैज्ञानिक उपकरणों और उपस्करों की डिजाइन/विकास/निर्माण और मरम्मत से संबंधित 271 कार्य किए। केन्द्र ने जेएनयू से बाहर के कार्य करके राशि भी अर्जित की।

विश्वविद्यालय रोजगार सूचना और मार्गदर्शन ब्यूरो

विश्वविद्यालय रोजगार सूचना और मार्गदर्शन ब्यूरो, जेएनयू का गठन विश्वविद्यालय रोजगार ब्यूरो हेतु राष्ट्रीय सेवा के वर्किंग ग्रुप की सिफारिशों के आधार पर किया गया है। इन सिफारिशों का अनुमोदन श्रम मंत्रालय द्वारा वर्ष 1962 में किया गया था। ब्यूरो वर्ष 1976 से दिल्ली प्रशासन के सहयोग से अपना कामकाज कर रहा है।

विश्वविद्यालय का एक वरिष्ठ शिक्षक प्रोफेसर–इन्चार्ज होता है और वह ब्यूरो के अध्यक्ष के रूप में कार्य करता है। विश्वविद्यालय ब्यूरो को आधारभूत सुविधाएं भी उपलब्ध कराता है। ब्यूरो जेएनयू छात्रों के लिए रोजगार पंजीकरण, व्यक्तिगत सलाह और जरूरतमंद छात्रों का मार्गदर्शन भी करता है।

शिक्षकों के प्रकाशन

कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान

आलेख

- **ज्योतिन्द्र जैन**, 'वुमन आर्टिस्ट आफ रूरल इण्डिया, वुमन आफ इण्डिया : कलोनियल ऐंड पोस्ट–कलोनियल पीरियड्स (सं) भारती रे, भाग–ix 'हिस्ट्री आफ साइंस, फिलास्फी ऐंड कल्चर इन इण्डियन सिविलाइजेशन', (नई दिल्ली / लन्दन), 2005
- **ज्योतिन्द्र जैन**, 'द हिन्दू कल्टिक इमेज इन इण्डियन पाप्यूलर कल्चर' इण्डिया इक्सप्रेस, एक्जिविशन कैटेलाग, हेलसिकी, 2006
- **एच.एस. शिवप्रकाश**, कंट्रीब्यूशन आफ भक्ति मूवमेंट्स टु इण्डियन थिएटर, थिएटर इण्डिया, भाग 12, जून–दिसम्बर, 2005
- **एच.एस. शिवप्रकाश**, ट्रांस्लेशन आफ अंडाल'स त्रिरुप्पवई विद इंट्रोडक्शन इन इण्डियन लिट्रेचर, (मार्च–अप्रैल–2005)
- **कविता सिंह**, 'म्युजियम ऐंड मान्यूमेंट्स', मुल्कराज आनन्द, : शेपिंग द इण्डियन माडर्न, अन्नपूर्णा गरिमेला द्वारा सम्पादित, मार्ग प्रकाशन, मुम्बई, जून–2005
- **कविता सिंह**, 'द गाड हू लूक्स अवे : फड़ पेंटिग्स आफ राजस्थान' इन गाड्स बियांड टेम्पल्स, (सं.) हर्ष दहेजिया, मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशक, नई दिल्ली, जनवरी–2006
- **सावंत शुक्ला**, 'पालिम्पसेस्ट' कैटेलॉग एसे आन अरुनांसु चौधरी, अनन्त गैलरी, अक्टूबर–2005
- **सावंत शुक्ला**, कंट्रीब्यूटिड टेन शार्ट आर्टिकल्स टु मैनिफेस्टेशंस III कैटेलाग, दिल्ली आर्ट गैलरी द्वारा प्रकाशित, 2005
- **सावंत शुक्ला**, 'विदिन ऐंड आउटसाइड एथनिसिटी' जैमिनी, नवम्बर, 2005

पुस्तकें

- **एच.एस. शिवप्रकाश**, ट्रेडिशनल इण्डियन थिएटर्स, विजडम ट्री पब्लिकेशंस, नई दिल्ली, (प्रकाशनाधीन)
- **एच.एस. शिवप्रकाश**, आल एबाउट द स्टेज, कंटेम्पोरॅरि इण्यिन थिएटर' विषयक संगोष्ठी आलेख का संग्रह, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली (प्रकाशनाधीन)

कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान

आलेख

- **कर्मेषु**, (आर. अग्रवाल के साथ), स्टडी आफ अल्ट्रासोनिक ईको इनवेलप बेस्ड आन नाकाजामी – इनवर्स गौसियन डिस्ट्रिब्युशन, अल्ट्रासाउण्ड इन मेडिसिन ऐंड बायोलाजी, भाग–32, अंक–3, पृ. 371–376, 2006
- **कर्मेषु**, (एस. शर्मा के साथ), क्यू लेन्थ डिस्ट्रिब्युशन आफ नेटवर्क पैकेट ट्रैफिक : टी सालिस एन्ट्रापी मैक्सिमाइजेशन विद फ्रेक्शनल मूवमेंट्स, आई.ई.ई.ई. कंम्यूनिकेशन लैटर्स, भाग–10, अंक–1, पृ. 34–36, 2006
- **कर्मेषु**, (एन.आर. पाल, ए. शर्मा और एस. संध्या के साथ) आन आइडेंटिफाइंग मार्कर जीन्स फ्राम जीन इक्सप्रेशन डाटा इन न्यूरल फ्रेमवर्क थ्रू आनलाइन फीचर एनालिसिस, इंटरनेशनल जर्नल आफ इंटेलिजेन्ट सिस्टम्स, भाग–24, अंक–4, पृ. 453–467, 2006
- **कर्मेषु**, (आर. अग्रवाल के साथ), अल्ट्रासोनिक बैकस्कैट्रिंग इन टिश्यू : करेक्ट्राइजेशन थ्रू नाकागामी – जनरेलाइज्ड इनवर्स गौसियन डिस्ट्रिब्युशन : कंप्यूटर्स इन बायोलाजी ऐंड मेडिसिन, (प्रकाशनाधीन)
- **सोनझारिया मिंज** (रजनी जैन के साथ), रिफाइनिंग डिसिजन ट्री क्लासिफायर्स यूजिंग रफ सेट टूल्स, इंटरनेशनल जर्नल आफ हाइब्रिड इंटेलिजेंट सिस्टम 2(2), : 133–148, 2005
- **सोनझारिया मिंज** (रजनी जैन के साथ), डायनेमिक आरडीटी माडल फार माइनिंग रुल्स फ्राम रिअल डाटा, जर्नल आफ इण्डियन सोसायटी आफ एग्रीकल्चरल स्टेटिक्स, 59(2), 2005
- **डी.के. लोबियाल** (ए.पी. रूहिल के साथ), 'इफैक्ट आफ लोकेशन अपडेट स्कीम आन द परफार्मेन्स आफ पोजिशन बेस्ड रूटिंग प्रोटोकाल्स इन मोबाइल ऐडहाक नेटवर्क' आई.ई.टी.ई. जर्नल आफ रिसर्च, लिंक ऐंड मोबिलिटी मैनेजमेंट फार वायरलैस ऐंड सैटेलाइट कम्यूनिकेशन नेटवर्क्स पर विशेष अंक, भाग–52, अंक 2 और 3, पृ. 169–176, 2006
- **डी.के. लोबियाल** (खालिद अहमद अबूद ऊमर के साथ), इफिसिएन्ट ग्रिड लोकेशन सर्विस स्कीम फार मैने, आई.ई.टी.ई. जर्नल आफ रिसर्च, लिंक ऐंड मोबिलिटी मैनेजमेंट फार वायरलैस ऐंड सैटेलाइट कम्यूनिकेशन नेटवर्क्स पर विशेष अंक, भाग–52, अंक–2 और 3, पृ. 177–186, 2006
- **डी.पी. विद्यार्थी** (कीर्ति रानी के साथ), डिस्ट्रिब्यूटिड शेयर्ड मेमोरी फार आब्जेक्ट एलोकेशन इन डीसीएस, इंटरनेशनल जर्नल आफ इनफार्मेशन टेक्नोलाजी ऐंड मैनेजमेंट, भाग–5, अंक–1, पृ. 87–91, 2006
- **डी.पी. विद्यार्थी** (ए.के. त्रिपाठी के साथ), सम आबजेर्वेशंस आन एचपीसी कैपेबिलिटीज आफ ग्रिड, क्लस्टर ऐंड डिस्ट्रीब्यूटिड कंप्यूटिंग सिस्टम्स, कामसोमैथ, कंप्यूटर साइंस, सोशल साइंस ऐंड मैथमेटिक्स, विषयक पत्रिका, विशेष अंक, 32–37, मई–2005
- **डी.पी. विद्यार्थी**, ग्रिड कंप्यूटिंग : ए फ्यूचर कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, कामसोमैथ, कंप्यूटर साइंस, सोशल साइंस ऐंड मैथमेथिक्स विषयक पत्रिका, भाग–9, अंक–1, 35–38, मार्च–2006

पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय

- **डी.पी. विद्यार्थी** (अनिल कुमार त्रिपाठी, बिपलब के सरकार और टी यंग लारेन्स के साथ), परफार्मेन्स स्टडी आफ रिलाइएबिलिटी मैक्सिमाइजेशन ऐंड टर्न एराउण्ड मिनिमाइजेशन विद जीए बेस्ड टास्क एलोकेशन इन डीसीएस, पार्ट–III शैड्यूलिंग ऐंड रिसोर्स मैनेजमेंट, हाई परफार्मेन्स कंप्यूटिंग : पैराडिग्म ऐंड इन्फ्रास्ट्रक्चर, (सं.) एल टी यंग और मिनाई गुओ, जान विले ऐंड संस, यू.एस.ए., आईएसबीएन–10–0–65471–x, पृ. 349–360, नवम्बर, 2005
- **डी.पी. विद्यार्थी** (अनिल कुमार त्रिपाठी, बिपलब के सरकार और टी यंग लारेन्स के साथ), डायनेमिक क्लस्टरिंग आफ टास्क्स ऐंड डीसीएस फार मल्टिपल टास्क एलोकेशन; न्यू हारिजन्स आफ पैरालल ऐंड डिस्ट्रिब्यूटिड कंप्यूटिंग, (सं.) एल टी यंग और मिनाई गुओ, स्प्रिंगर, यू.एस.ए., आई.एस.बी.एन–10:0–387–24434–1, पृ. 129–141, 2005

सम्मेलनों/संगोष्ठियों की कार्यवाही में प्रकाशित शोध आलेख

- **कमल के. भारद्वाज** (बशीर एम. अल–मकलेह के साथ), 'जिनेटिक प्रोग्रामिंग अप्रोच टु हिरारिकल सेंसर्ड प्रोडक्शन रूल्स डिस्कवरी' विषयक इनफार्मेटिका–6 की कार्यवाही में प्रकाशित आलेख, इस्तानबुल, टर्की, पृ. 271–274, 24 जून, 2005
- **कमल के. भारद्वाज** (रेखा कन्दवाल के साथ), 'ए क्युम्युलेटिव लर्निंग अप्रोच टु डाटा इम्प्लाइंग सेंसर्ड प्रोडक्शन रूल्स (सीपीआरएस), कंप्यूटेशनल इंटेलिजेन्स' विषयक 5वीं अन्तरराष्ट्रीय इनफार्मेटिका सम्मेलन की कार्यवाही में आईसीसी, प्राग्वे, चेक रिपब्लिक, पृ. 294–298, अगस्त 2005
- **कमल के. भारद्वा**ज (रेखा कन्दवाल के साथ), क्युम्युलेटिव लर्निंग बेस्ड आन डाइनेमिक क्लस्टरिंग आफ हिरारिकल प्रोडक्शन रूल्स (एचपीआरएस), मशीन इंटेलिजेन्स विषयक 6ठे अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में, आईसीएमआई, बुडापेस्ट, हंग्री, पृ. 333–338, अक्टूबर 2005
- **कमल के. भारद्वाज** (बशीर एम. अल–मकालेह के साथ), 'इबोल्यूशनरी अप्रोच फार आटोमेटिड डिस्कवरी आफ सेंसर्ड प्रोडक्शन रूल्स', ट्रांससेक्शन्स आन इंजीनियरिंग, कम्प्यूटिंग एण्ड टेक्नोलॉजी' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, भाग–10, कराकोव, पोलैण्ड, पृ. 147–52, 16–18 दिसम्बर, 2005
- **एन. परिमला** (पायल पाहवा के साथ), 'कंसेप्चुअल डिजाइन आफ डाटा वेयरहाउस फ्राम एक्सएमएल स्कीम्स यूजिंग सीसीएम, इंटेलेक्चुअल कैपिटल ऐंड नालेज मैनेजमेंट ऐंड आर्गेनाइजेशनल लर्निंग (आईसीआईसीकेएम)', विषयक द्वितीय अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, दुबई, नवम्बर 2005
- **एन. परिमला** (पायल पाहवा के साथ), 'डिजाइनिंग मल्टिपल स्टार स्कीम्स फ्राम एक्सएमएल स्कीम, इंफार्मेशन टेक्नोलाजी (सीआईटी)', विषयक 8वें अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, भुवनेश्वर, भारत, दिसम्बर 2005
- **डी.के. लोबियाल** (ए.पी. रूहिल और आई स्टोजमिनोविक के साथ), 'पोजिशन बेस्ड ग्रेडिएन्ट रूटिंग इन मोबाइल एडहाक नेटवर्क्स, (सं.) गौतम चक्रवर्ती, आईसीडीसीआईटी 2005, लैक्चर नोट्स इन कंप्यूटर साइंस 3816 स्प्रिंगर–वेरलाग, बर्लिन, हिडलबर्ग, पृ. 39–49, 2005
- **टी.वी. विजयकुमार** (अतुल श्रीधर के साथ), 'ए कम्पैरटिव स्टडी आफ एल्गोरिथ्म्स फार कंप्यूटिंग फुल डिस्जंक्शन, मैथमेटिकल टेक्नीक्स : इमर्जिंग पैराडिग्म्स फार इलैक्ट्रानिक्स ऐंड आईटी इंडस्ट्रीज (एमएटीआईइटी–2006)', विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में, पृ. 103–108, मार्च 2006

पर्यावरण विज्ञान संस्थान

आलेख

- **वी.के. जैन** और ए.के. जैन, 'ए स्टडी टू करेक्ट्राइज द इंफ्लुअन्स आफ आउटडोर एसपीएम ऐंड मेटल्स आन इनडोर इनवायरनमेंट्स इन दिल्ली', जर्नल आफ एनवायरनमेंटल साइंस ऐंड इंजीनियरिंग, भाग–47, अंक–3, 222–231, 2005
- **वी.के. जैन** और जहीरूद्दीन, 'ए फ्यूजी एक्सपर्ट सिस्टम फार नाइज इनड्यूस्ड स्लीप बिडस्टरबेन्स, एक्सपर्ट सिस्टम्स विद एप्लिकेशंस', भाग–30, अंक–4, पृ. 761–771, 2006
- **वी.के. जैन**, जहीरूद्दीन और सिंह, जीवीए,, फ्यूजी माडल फार नाइज–इनड्यूस्ड अनाऐन्स, आईइइइ ट्रांसैक्शंस आन सिस्टम्स, मैन ऐंड साइब्रेरनेटिक्स पार्ट ए सिस्टम्स ऐंड ह्युमन्स, भाग–36, अंक–4, पृ. 697–705, 2006
- **वी.के. जैन**, वी. त्यागी और के. कुमार, स्पेक्ट्रल करेक्ट्राइजिस्टिक्स आफ ट्रेफिक नाइज एटेन्युएशन बाई वेजिटेशन बेल्ट्स इन दिल्ली, ऐप्लाइड एकाउस्टिक्स, 67, पृ. 926–935, 2006
- **के.जी. सक्सेना**, ए. वकील, के.एस. राव और आर.के. मैखुरी, फारेस्ट मैनेजमेंट ऐंड लैण्ड यूज/कवर चेन्जिस इन ए टिपिकल माइक्रो वाटरशेड इन द मिड इलेवेशन जोन आफ सेन्ट्रल हिमालय, इण्डिया, फारेस्ट इकोलाजी ऐंड मैनेजमेंट, 213, 229–249, 2005
- **के.जी. सक्सेना**, आर.के. मैखुरी और के.एस. राव, चैंजिस इन एग्रीकल्चरल बायोडाइवर्सिटी : इंप्लिकेशंस फार सस्टेनेबल लिवलहुड इन द हिमालय, जर्नल आफ माउन्टेन साइंस, 2, 23–31, 2005
- **एस. भट्टाचार्य**, बी लोफ्टस, आई एन्डरसन, आर. डेविज़, यू.सी. अल्समार्क, जे. सेमुवल्सन, पी. अमेडेवो, पी. रोकेंग्लिया, एम. बेरिमन, आर.पी. हिर्ट, बी.जे. मान, टी. नोजकी, बी. सुह, एम. पाप, एम. डुचेन, जे. एक्कर्स, ई टेनिच, एम. लीपी, एम. होफर, आई ब्रूक्स, यू. विलहोफ्ट, ए. भट्टाचार्य, टी. चिलिंगवर्थ, सी चरचर, जेड हेन्स, बी. हैरिस, डी. हैरिस, के. जैगल्स, एस. मौले, के. मुंगल, डी. ऑरमण्ड, आर. स्क्वायर्स, एस. वाइटहैड, एम.ए. क्वैल, ई. रैबिनोविस्ट्स, एच. नोरबर्टजैक, सी. प्राइस, जेड वैंग, एन. गुलिएन, सी. गिलक्रिस्ट, एस.इ. स्ट्रूप, ए. लोहिया, पी.जी. फोस्टर, टी. सिचरिट्ज – पोंटेन, सी. वेबर, यू. सिंह, सी. मुखर्जी, एन.एम. अल सैयद, पेट्री डब्ल्यू.ए. जूनियर, सी.जी. क्लार्क, टी.एम. इम्बले, बी. बारेल, सी.एम.फ्रेज़र, एन. हाल, द जिनोम आफ द पैरासाइट एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका, नेचर, 433 (7028), 865–8
- **एस. भट्टाचार्य**, ए.ए. बाकरे, के. रावल, आर. रामास्वामी और ए. भट्टाचार्य, द लाइन'स ऐंड द साइन'ज आफ एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका : कम्पैरटिव एनालिसिस ऐंड जिनोमिक डिस्ट्रीब्यूशन, एक्स, पैरासिटोल, 110, 207–213, 2005
- **एस. भट्टाचार्य**, एस. श्रीवास्त और जे. पाल, स्पेसीज ऐंड स्ट्रेन स्पेस्फिक प्रोब्स डिराइब्ड फ्राम रेप्टिटिव डीएनए फार डिस्टिंग्विसिंग ऐन्टामोइबा हिस्टोलिटिका एण्ड ऐन्टाबोइबा डिस्पर, एक्स्प. पैरासिटोल, 110, 303–308, 2005
- **एस. भट्टाचार्य**, डी. वत्स, आर.ए. विश्वकर्मा और ए. भट्टाचार्य, रिडक्शन आफ सेल सर्फेस ग्लाइकोसिल्फोसफटिडाइलिनोसिटोल डिसेटिलेस इक्सप्रेशन; इफैक्ट आन सेल प्रालिफरेशन, एण्डोसाइटोसिस ऐंड एडहिजन टु टार्गेट सेल्स, इंफेक्ट इम्यून, 73, 8381–8392, 2005
- **ए.के. अत्री** और अलेन पी मिंटन, कम्पोजिशन ग्रेडिएन्ट स्टेटिक लाइट स्केटरिंग (सीजी–एसएलएस) : ए न्यू टेक्नीक फार रेपिड डिटेक्शन ऐंड क्वांटिटेटिव करेक्ट्राइजेशन आफ रिवर्सिबल मैक्रोमोलिकुलर हेटेरो एसोसिएशन इन साल्यूशन, एनल. बायोकेम, 2005 (प्रकाशनाधीन)
- **ए.के. अत्री** और पी. अलेन, न्यू मेथड्स फार मेजरिंग मैक्रामोलिकुलर इंटरएक्शंस इन साल्यूशन वाया स्टेटिक लाइट स्कैटरिंग : मेथडोलाजी ऐंड एप्लिकेशन टु नान–एसोसिएटिंग ऐंड सेल्फ एसोसिएटिंग प्रोटीन्स, एनल. बायोकेम, 110, 337, 103, 2005

- **ए.के. अत्री** केइचि कामेयामा और अलेन पी. मिन्टन, 'लाइट स्केटरिंग फार द मैसेस : कम्पोजिशन ग्रेडिएन्ट स्टेटिक लाइट स्केटरिंग : ए पावरफुल टूल फार द डिटेक्शन ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ रिवर्सिबल मैक्रामोलिकुलर एसोसिएशन एप्लिकेशन नोट वाट टेक्नोलाजी, 2006
- **वी. सुब्रामणियन** और माधवन, आर्सेनिक इन माल्दा डिस्ट्रिक्ट : वेस्ट बंगाल, इण्डिया, इंटरनेशनल जर्नल आफ एनवायरनमेंटल केमिस्ट्री, रायल सोसायटी, जून 2005 (प्रकाशनाधीन)
- **वी. सुब्रामणियन** और माधवन, एस्बेटोस प्राब्लम इन इण्डिया – लंग कैंसर, वी 32, पृ. 212–219ए, 2005
- **के दत्ता** और ए. मलिक, एचएबीपी–1 / पी 32 / जीसी 1 क्यूआर इनड्यूसिस अबेरेन्ट ग्रोथ ऐंड मार्फोलाजी इनसिजोसेकारोमाइसिस पाम्ब थ्रू इट्स एन – टर्मिनल ए हेलिक्स, एक्स. सेल रेस, 309, 250–263, 2005
- **के दत्ता** और अनुपमा, अपरेग्यूलेशन आफ हाइल्यूरोनन बाइंडिंग प्रोटीन–1 (एचएबीपी 1 / पी 32 / जीसी 1 क्यूआर) इज एसोसिएटिड विद सिस्पलेटिन इंडयूस्ड अपोप्टोसिस, अपोप्टोसिस
- **जे.डी. शर्मा**, द फिजिकल एफिसिऐन्सी टेस्ट्स फार एअर पाइलट्स इन द 1920स इन इण्डिया; ऐंड डिराइविंग कामन फैक्टर आफ फिटनैस : एअरोस्पेस मेडिकल एसोसिएशन कैनसास की 76वीं वार्षिक वैज्ञानिक बैठक, मई 05, एविएशन, स्पेस ऐंड एनवायरनमेंटल मेडिसिन, भाग 76, अंक–3, 251, 2005
- **ए.एल. रामनाथन**, डैन अलोंगी, एल.के. कानन, टी. ट्रोट और बाला कृष्ण प्रसाद, इंफ्लुअन्स आफ ह्युमन इंड्यूस्ड डिस्टर्बेन्सिस आन बेंथिक माइक्रोबायल मेटाबोलिज्म इन द पिचावरम मैंग्रोव्स, वेल्लर–कोलेरुन इस्टुआरिन कम्पलेक्स, इण्डिया, मैरीन बायोलाजी, 147; 1033–1044, 2005
- **ए.एल. रामनाथन** और बाला कृष्ण प्रसाद, सीजनल वैरिएशंस इन न्यूट्रिएन्ट स्टेटस आफ द पिचवारम मैनग्रोव फारेस्ट, वाटर्स, साउथईस्ट इण्डिया : इंटरनेशनल जर्नल आफ इकोलाजी ऐंड एनवायरनमेंटल साइंसिस 31(3), 279–284, 2005
- **ए.एल. रामनाथन** और गुरुमीत सिंह, न्यूट्रिएन्ट साइकलिंग इन द मैनग्रोव एनवायरनमेंट – ए ब्रीफ रिव्यू, इंटरनेशनल जर्नल आफ इकोलाजी ऐंड एनवायरनमेंटल साइंसिस, 31(3), 231–244, 2005
- **ए.एल. रामनाथन** और बाला कृष्ण प्रसाद, साल्यूट सोर्सिस ऐंड प्रोसेसिस इन द अचनकोविल रीवर बेसिन, वेस्टर्न थाट्स, साउथ इण्डिया, हाइड्रोलाजिकल साइंसिस जर्नल 50(2), 341–354, 2005
- **ए.एल. रामनाथन**, बाला कृष्ण प्रसाद, सुनील श्रीवास्तव और अंसूमाली, मेटल फ्रेक्शनल स्टडीज इन सर्फेसियल ऐंड कोर सेडिमेंट्स इन द अचनकोविल रीवर बेसिन, इण्डिया, एनवायरनमेंटल मानिटरिंग ऐंड असेसमेंट, मार्च 2006 (ऑन लाइन प्रकाशित)
- **ए.एल. रामनाथन** और बाला कृष्ण प्रसाद, स्टेटस आफ कोस्टल जोन मैनेजमेंट इन इण्डिया ऐंड अफ्रीका, जर्नल आफ इण्डियन ओसन स्टडीज, 13(1), 85–97, 2005
- **एस. मुखर्जी**, ई.ए. मोहम्मद और आर.एच. वोर्डन, सैटेलाइट डाटा इंटरप्रिटेशन आफ काजिस ऐंड कंट्रोल्स आन ग्राउन्डवाटर–सीवाटर फ्लो डाइरेक्शंस, मर्सिसाइड यू.के. : इंप्लिकेशंस फार असेसिंग सैलीन इंस्ट्रक्शंस, हाइड्रोल अर्थसिस साइं. डिस्कस, 1812–2116 / हेस्ड / 2005–2 / 887 जर्मनी, 2006
- **एस. मुखर्जी**, इंफ्लुएन्स आफ स्टारफ्लेयर आफ द सन–अर्थ एनवायरनमेंटल ऐंड इट्स पासिबल रिलेशनशिप विद स्नोफाल, यूरोपीयन जिओलाजिकल ऐंड जिओफिजिकल साइंसिज़ लैटर, (जर्मनी), इजीयू, अंक–14, 25 फरवरी 2006
- **एस. मुखर्जी** बी.ए. कुमार और एल. कोर्टवेल्स, असेसमेंट आफ ग्राउन्डवाटर क्वालिटी साउथ 24 परगना, वेस्ट बंगाल कोस्ट, इण्डिया, जर्नल आफ एनवायरनमेंटल हाइड्रोलाजी (यू.एस.ए.) आलेख 15, भाग–13, 2005
- **एस. मुखर्जी** और आर.के. जैसवाल, रीजनल स्टडी आफ मैपिंग द नेचुरल रिसोर्स प्रास्पेक्ट, जिओकार्टोइंटरनेशनल जर्नल, भाग–20, अंक–3, सितम्बर 2005

- **एस. मुखर्जी** और आर.के. जैसवाल, रोल आफ लैण्डफार्म ऐंड टोपोग्राफी इन द डिवलपमेंट आफ ड्रेनेज नेटवर्क्स, हाइड्रोलाजी जर्नल, अंक–28, 2005
- **एस. मुखर्जी** और अनूप के. दास, ड्रेनेज मार्फोमेट्री यूजिंग सैटेलाइट डाटा ऐंड जीआईएस इन रायगढ़ डिस्ट्रिक्ट, महाराष्ट्र, जर्नल जिओलाजिकल सोसायटी आफ इण्डिया, भाग–65, पृ. 577–86, मई 2005
- **आई.एस. ठाकुर** और एस. श्रीवास्तव, आइसोलेशन ऐंड प्रोसिस पैरामीटर आप्टिमाइजेशन आफ ऐस्पर्जिलस एसपी फार रिमूवल आफ क्रोमियम फ्राम टेनरी इफ्लुएन्ट, बायोरेस टेक्नोल, 97, 1167–1173, 2006
- **आई.एस. ठाकुर** और एस. श्रीवास्तव, इवैल्युएशन आफ बायोरिमेडिएशन ऐंड डिटाक्सिफिकेशन पोटेंसिएलिटी आफ ऐस्पर्जिलस नाइजर फार रिमूवल आफ हेक्सावेलेन्ट क्रोमियम इन साइल माइक्रोकोज्म, साइल बायोल, बायोकेम, 38, 1904–191, 2006
- **आई.एस. ठाकुर** और आर.के. जैन, एम. कपूर, एस. लबाना, बी. लाल, पी.एम. शर्मा और डी. भट्टाचार्य, माइक्रोबायल डाइवर्सिटी : एप्लिलेशन आफ माइक्रोआर्गेनिज्म फार द डिग्रेडेशन आफ जेनोबायोटिक्स, करंट साइंस, 89, 101–112, 2006
- **आई.एस. ठाकुर**, बी. कुमार, एस. राठौर, एम.जी.एच. जैदी और ए.के. राय, आप्टिकल मार्फोलाजिकल थर्मल मकेनिकल ऐंड फंगल करेक्ट्राइजेशन आफ बुड पालिमेथाइल मेथाक्रिलेट कम्पोजिट्स, इंस्ट्रूमेंटेशन साइंस टेक्नोलाजी 34, 67–83, 2005
- **आई.एस. ठाकुर,** वाई. चुफाल और विमल कुमार बायोडिग्रेडेशन ऐंड डिकलराइजेशन आफ पल्प ऐंड पेपर मिल इफ्लुएन्ट बाई एनाइरोबिक ऐंड एरोबिक माइक्रोआर्गेनिज्म इन सिक्वेंशल बायोरिएक्टर, वर्ल्ड जे. माइक्रोबायल. बायोटेक्नोल 21, 1439–45, 2005
- **आई.एस. ठाकुर** और पी. सिंह, कलर रिमूवल आफ एनाएरोविकली ट्रिटिड पल्प ऐंड पेपर मिल एफ्ल्युन्ट बाई माइक्रोआर्गेनिज्म इन टू स्टेप्स बायोरिएक्टर, बायोरिसोर्सिस टेक्नोलाजी, 97, 218–23, 2006
- **आई.एस. ठाकुर** और एस. श्रीवास्तव, बायोसार्प्सन पोटेन्सी आफ ऐस्पर्जिलस नाइजर फार रिमूवल आफ क्रोमियम (vi) करंट माइक्रोबायल (प्रकाशनाधीन आन लाइन), 2006
- **पी.एस. खिलारे**, एस. बालाचन्द्रन और रजा रफीकल हक़, प्रोफाइल आफ पीएएच इन द एक्जास्ट आफ गैसोलिन ड्रिवन बेहिकल्स इन दिल्ली, एनवायरनमेंटल मानिटरिंग ऐंड असेसमेंट, 110 : 217–225, 2005
- **कृष्ण कुमार** विक्रान्त त्यागी और विनोद कुमार जैन, ए स्टडी आफ द स्पेक्ट्रल करेक्ट्राइस्टिक्स आफ ट्रेफिक नाइज अटेन्युएशन बाई वेजिटेशन बेल्ट्स इन दिल्ली, एप्लाइड एकाउस्टिक्स (यू.के.) प्रकाशनाधीन
- **आई. घोष**, एस. सी. ठाकुर, बी. कुमार, ए. भारद्वाज और के. दत्ता, एपिअरेन्स आफ हाइल्यूरोनन बाइंडिंग प्रोटीन–1 प्रोप्रोर्टीन इन पचायतन स्पेरमैटोसाइटेस ऐंड राउण्ड स्पेरमैटिड्स कोरिलेट्स विद स्पेरमैटोजेनसिस, जे. एन्ड्रोलाजी, 2006
- **आर. पालराज** और जे बिहारी, प्रोटीन काईनेस सी एक्टिविटी इन डिवलपिंग रैट ब्रेन सैल्स इक्सपोज्ड टु 2.45 जीएचजेड रेडिएशन, इलैक्ट्रोमैग्नेटिक बायोलाजी ऐंड मेडिसिन, 25 : 61–70, 2006
- **आर. पालराज** और जे. बिहारी, सिंगल स्ट्रेंड डीएनए ब्रेक्स इन रैट ब्रेन सैल्स इक्सपोज्ड टु माइक्रोवेव रेडिएशन म्युटेशन रिसर्च, 596, 76–80, 2006

पुस्तकें

- **के.जी. सक्सेना**, एल लियांग, वाई कोनो और एस. मियाता, स्माल स्केल लिविलहुड्स ऐंड नेचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट इन मार्जिनल एरियाज आफ मानसून एशिया, (सं.) बिशन सिंह, महेन्द्रपाल सिंह, देहरादून, 2006
- **ए.एल. रामनाथन**, एम. थंगराजन और एस. राम, मैथमेटिकल माडल्स आफ ग्राउन्डवाटर फ्लो ऐंड मास ट्रांसपोर्ट, प्रशान्त प्रकाशक, नई दिल्ली, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित, 345, 2004–05
- **ए.एल. रामनाथन,** ए.के. केशरी और एस. चिदम्बरम, मैथमेटिकल मॉडल्स इन हाइड्रोकेमिस्ट्री असेस्मेंट ऑफ ग्राउण्ड वाटर क्वालिटी एण्ड मैनेजमेंट, गंगा पब्लिशर्स, नई दिल्ली, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित, 367, 2005

- **ए.एल. रामनाथन** और डेन अलोंगी, स्पेशल इश्यू आन द बायोकेमिस्ट्री आफ मैनग्रोब्स ऐंड अदर कोस्टल एनवायरनमेंट, इंटरनेशनल जर्नल आफ इकोलाजी ऐंड एनवायरनमेंटल साइंसिस 31(3), 2005
- **एस. मुखर्जी**, अर्थक्वेक प्रिडिक्शन, ब्रिल अकादमी प्रकाशक, बोस्टन, यू.एस.ए.
- **एस. मुखर्जी**, एनवायरनमेंटल रिमोट सेंसिंग विषयक पाठ्यपुस्तक, द्वितीय संस्करण, मैकमिलन इण्डिया लिमिटेड, नई दिल्ली
- **आई.एस. ठाकुर**, एनवायरनमेंटल बायोटेक्नोलाजी : बेसिक कंसेप्ट ऐंड एप्लिकेशन, प्रकाशक – आई.के. इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली, मुम्बई और बंगलौर।

पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय

- **के.जी. सक्सेना**, के.एस. राव और आर.के. मैखुरी, बिल्डिंग आन ट्रेडिशनल टेक्नोलोजीस फार सस्टेनेबल माउन्टेन डिवलपमेंट' माउन्टेंन टेक्नोलाजी एजेन्डा : स्टेटस गैप्स ऐंड पासिबिल्टिीज, (सं.) ए.पी. जोशी, एस.के. अग्रवाल, राकेश कुमार, बिशन सिंह और महेन्द्र पाल सिंह, 129–139, 2005
- **के.जी. सक्सेना** और पी.एस. रामकृष्णन, फैलो मैनेजमेंट अण्डर शिफ्टिंग एग्रीकल्चर इन नार्थ–ईस्टर्न इण्डिया, : साईल बायोडायवर्सिटी, इकोलाजिकल प्रोसेसिस ऐंड लैण्डस्केप मैनेजमेंट (सं.) पी.एस. रामकृष्णन, के.जी. सक्सेना, एम.जे. स्विफ्ट, के. एस. राव और आर.के. मैखुरी, आक्सफोर्ड और आईबी.एच पब्लिशिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, 229–238, 2005
- **के.जी. सक्सेना**, केएस. राव, आर.के. मैखुरी, के.के. सेन, ए.के. दास, आर.एल. सेमवाल और के.सिंह, साइल फर्टिलिटी मैनेजमेंट इन सेटल्ड फार्मिंग सिस्टम्स आफ हिमालय, आईबिड : साइल बायोडाइवर्सिटी, पृ. 243–276
- **के.जी. सक्सेना**, आर.के. मैखुरी, के.एस. राव और पी.एस. रामकृष्णन, साइल बायोडाइवर्सिटी, इकोलाजिकल प्रोसिस ऐंड मैनेजमेंट आफ नेचुरल रिसोर्सिस : वेहर डू वी स्टेंड ?' आईबिड : साइल बायोडाइवर्सिटी, 283–98
- **कृष्ण कुमार**, डिफ्युजन ऐंड ट्रांस्पोर्ट आफ पाप्यूटेन्ट्स विषयक अध्याय, एनवायरनमेंटल फिजिक्स विषयक यूनेस्को के लिए प्रोफेसर वी.के. जैन द्वारा तैयार पुस्तक।

अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान

आलेख

कनाडियन, यू.एस. और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र

- **क्रिस्टोफर एस. राज**, द टीचिंग कम्यूनिटी, द नार्थ इण्डिया चर्च रिव्यू, नई दिल्ली, सितम्बर 2005
- **चिन्तामणि महापात्रा**, अमेरिकन पर्सेप्शन आफ एशिया, वर्ल्ड फोकस, भाग–26, अंक–10–11, अक्टूबर–दिसम्बर 2005

अन्तरराष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केन्द्र

- **सिद्धार्थ मल्लावारपू**, ग्लोबलाइजेशन ऐंड द ग्रेट इण्डियन सिटी : एन इवाल्विंग ग्रामर आफ ड्रीम्स ऐंड डिलुसिअन्स, साउथ एशियन सर्वे, 12:2, पृ. 307–19, जुलाई दिसम्बर 2005
- **राजेश राजगोपालन**, इण्डिया : लार्जेस्ट डेमोक्रेसी ऐंड स्मालेस्ट डिबेट ? कंटेम्पोरॅरि सिक्यूरिटी पालिसी 26 : 3, द डोमेस्टिक पालिटिक्स आफ मिसाइल डिफेंस विषयक विशेष अंक, पृ. 605–20, दिसम्बर–2005
- **राजेश राजगोपालन**, द थ्रेट आफ अनइंटेंडिड यूजिस आफ न्यूक्लियर वेपन्स इन साउथ एशिया, इण्डिया रिव्यू 4:2, पृ. 214–32, अप्रैल 2005
- **वरूण साहनी**, द प्रोटिअन पोलिस ऐंड स्ट्रेटिजिक सरप्राइज : डू चेंजिस विदिन इण्डिया इफैक्ट साउथ एशियन स्ट्रेटिजिक स्टेबिलिटी ? कंटेम्पोरॅरि साउथ एशिया 14+2, पृ. 219–31, जून 2005
- **स्वर्ण सिंह** Zhong-yin guanxi zhong de meiguo yin su (द यू.एस. फैक्टर इन चाइना–इण्डिया रिलेशंस) yanjiu ga gu Kam (अमेरिकन स्टडीज जर्नल) 20:1, पृ. 113–119, बीजिंग, स्प्रिंग 2006
- **स्वर्ण सिंह**, कश्मीर ऐज ए न्यूक्लियर फ्लैशपाइंट : द सिग्निफिकेंस आफ द चाइना फैक्टर, सिक्यूरिटी ऐंड सोसायटी, 2:1, पृ. 99–111, 2005
- **स्वर्ण सिंह**, द इण्डियन ओशन इन चाइना'स मैरिटाइम स्ट्रेटिजी, द स्टाकहोम जर्नल आफ ईस्ट एशियन स्टडीज, 15, पृ. 61–74, 2005
- **स्वर्ण सिंह**, चाइना–इण्डिया बाइलेट्रल ट्रेड : फ्युचर चैलेंजिस ऐंड प्रास्पेक्ट्स, चाइना पर्सपेक्टिव्स, हांगकांग 91, पृ. 23–34, दिसम्बर 2005
- **स्वर्ण सिंह**, चाइना'स इण्डियन ओशन पालिसी इण्डियन'स सिक्यूरिटी आप्शंस, जर्नल आफ इण्डियन ओशन स्टडीज 13:1, पृ. 20–32, अप्रैल 2005

अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र

- **मनमोहन अग्रवाल**, इण्डिया'स एक्सपोर्ट परफारमेंन्स सिन्स लिबरलाइजेशन : ए होस्टेज आफ थोट्स पास्ट, ताईवानीज जर्नल आफ डब्ल्यू टी ओ स्टडीज, भाग–2, 2005 (दीपांकर सेनगुप्ता के साथ)
- **मनमोहन अग्रवाल**, द कोसोवो कंफ्लिक्ट इण्डिया क्वाटर्ली, भाग LXI, अंक–3, जुलाई–सितम्बर–2005 (बी.के. श्रीवास्तव के साथ)
- **मनमोहन अग्रवाल**, इण्डिया ऐंड द यू.एस. : नेचुरल अलाइज़ ? साउथ एशिया सर्वे, 2005 (बी.के. श्रीवास्तव के साथ)
- **मनमोहन अग्रवाल**, अंडरस्टेंडिंग इण्डिया'स पालिटिकल इकोनामी, इंटरनेशनल स्टडीज 43(1), 93–99, (समीक्षा आलेख)
- **संगीता बंसल**, इंसेंटिव्स फार टेक्नोलाजिकल डिवलपमेंट : बैट इज बैड, एनवायरनमेंटल ऐंड रिसोर्स इकोनामिक्स 30, 345–67, 2005 (सुभाशीष गंगोपाध्याय के साथ)

- **मनोज पंत**, डज ओपननेस प्रमोट कंप्टीशन – ए केस स्टडी आफ इण्डियन मैन्यूफैक्चरिंग, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग एक्स एल (39), (मनोरंजन पटनायक के साथ), 2005
- **मनोज पंत**, इंसेंटिव्स फार अट्रेक्टिंग एफडीआई इन साउथ एशिया : ए सर्वे, इंटरनेशनल स्टडीज, 43(1), (एस.के. दास के साथ), 2005
- **मनोज पंत**, मेजरिंग मार्किट इम्पर्फेक्शन इन द मैन्युफैक्चरिंग सैक्टर : ए केस स्टडी आफ इण्डिया, जर्नल आफ इंटरनेशनल ट्रेड ऐंड इकोनामिक डिवलपमेंट, 15(1), (एस.के. दास के साथ), 2005
- **अमित एस. रे**, 'ए गेम थीअरेटिकल माडल आफ ड्रग लॉंच इन इण्डिया' हैल्थ इकोनामिक्स, पालिसी ऐंड लॉ, 1:23, 39, (एस. भादुरी के साथ), जनवरी 2006
- **अमित एस. रे**, टेक्नोलाजिकल डिवलपमेंट : लेशंस फ्राम ईस्ट एशिया, योजना, 50:73–75, (अमितेन्दु पालित के साथ), जनवरी 2006
- **गुरबचन सिंह**, रीयल असेसट्स, फाइनेन्सल असेसट्स लिक्विडिटी ऐंड लेमन प्राब्लम, इकोनामिक्स आफ ट्रांजिशन, 13(4), 731–57, 2005

यूरोपीय अध्ययन केन्द्र

- **गुलशन सचदेवा**, प्रिपेरिंग द नार्थइस्टर्न इकोनामी फार द फ्युचर, ईस्टर्न क्वाटर्ली, भाग–3, अंक–3, पृ. 183–95, 2005
- **गुलशन सचदेवा**, 'डेमिस्टिफाइंग नार्थईस्ट' डायलाग क्वार्टर्ली, भाग–7, अंक–3, पृ. 74–84, जन–मार्च 2006
- **गुलशन सचदेवा**, ट्राइलेट्रल (इण्डिया–रसिया–चाइना) इकोनामिक कोआपरेशन, वर्ल्ड फोकस, अप्रैल 2005
- **यू.एस. बावा**, इण्डिया ऐंड द यूरोपीयन यूनियन : ट्रेनिंग माड्यूल, विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय, भारत 2006

दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केन्द्र

- **अम्बरीश ढाका**, 'इण्डिया'स एनर्जी सिक्यूरिटी ऐंड सेंट्रेल एशिया'स एनर्जी रिसोर्सिस, सेंट्रल एशिया ऐंड द काकेसस, जर्नल आफ सोशल ऐंड पालिटिकल स्टडीज, स्वीडन, अंक–1(37), 2006
- **अम्बरीश ढाका**, मैकिन्डेर'स हर्टलैण्ड ऐंड द लोकेशन आफ द जिओपालिटिकल टेट्राहेड्रान, सेंट्रल एशिया ऐंड द काकेसस जर्नल आफ सोशल ऐंड पालिटिकल स्टडीज, स्वीडन, अंक 4(34), 2005
- **आई.एन. मुखर्जी**, ट्रेड लिबरलाइजेशन ऐंड ह्युमन सिक्यूरिटी इन साउथ एशिया, कम्प्रिहैंसिव सिक्यूरिटी इन साउथ एशिया (सं.) देवराज दहालन्द, निश्चल नाथ पाण्डेय, मनोहर प्रकाशन, नई दिल्ली, पृ. 13–25, 2006
- **आई.एन. मुखर्जी**, द बैंकाक एग्रीमेंट : ए निगेटिव लिस्ट अप्रोच टु द ट्रेड लिबरलाइजेशन इन एशिया ऐंड द पेसिफिक, एशिया–पेसिफिक ट्रेड ऐंड इनवेस्टमेंट रिव्यू, भाग–1, अंक–2, नवम्बर 2005
- **संजय भारद्वाज**, द राइट्स आफ द पैसेज : रिलिजस पालिटिक्स' इन बंग्लादेश, जर्नल आफ इंटरनेशनल अफेयर्स, भाग–8, अंक–1 और 2, जून और दिसम्बर 2004–05
- **संजय भारद्वाज**, बांग्लादेश ऐट 35 : इंटर्नल डायनेमिक्स ऐंड एक्सटर्नल लिंकेज्स जर्नल आफ इंटरनेशनल अफेयर्स, भाग–9, अंक 1 और 2, जून–दिसम्बर 2005

पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र

- **गिरिजेश पंत**, एनर्जी सिक्यूरिटी ऐंड द इण्डियन फारेन पालिसी, इण्डियन फारेन अफेयर्स जर्नल, भाग–1, अंक–1, जनवरी–मार्च 2006
- **गिरिजेश पंत**, इंडिया ऐंड अफ्रीका : इमर्जिंग पार्टनर्स इन ब्रेव न्यू नालेज सोसायटी, अफ्रीका क्वाटर्ली, भाग–45, अंक–1, नवम्बर 2005

- **गुलशन डायटल**, वार, पीस ऐंड द वारलोड्र्स : द केस आफ इस्माइल खान आफ हेरात इन अफगानिस्तान, जर्नल आफ साउथ एशियन ऐंड मिडिल ईस्टर्न स्टडीज, (विलानोवा), भाग–28, अंक–3, 2005
- **ए.के. पाशा**, ईरान ऐंड इट्स रीजनल इंफ्लुएन्स, वर्ल्ड फोकस, भाग–26, अंक–8, पृ. 3–8, अगस्त 2005
- **ए.के. पाशा**, एशियन सिक्यूरिटी : फ्लैश पाइंट्स इन द गल्फ रीजन, वर्ल्ड फोकस, भाग–26, अंक 10–12, पृ. 25–33, अक्टूबर–दिसम्बर 2005
- **ए.के. पाशा**, इण्डो–सऊदी टाइज रेडी फार ए न्यू डान, जीसीसी इण्डिया रसिर्च बुलेटिन (दुबई), अंक–1, पृ. 6–7, जनवरी 2006
- **ए.के. पाशा**, इण्डिया, रशिया ऐंड वेस्ट एशिया, साउथ एशिया पालिटिक्स, भाग–4, अंक–11, पृ. 28–35, मार्च–2006
- **पी.सी. जैन,** सर्च आफ एल डोरेडो : ट्रेन्ड्स इन इण्डियन माइग्रेशन टु द पर्शियन गल्फ कंट्रीज सिन्स 1970स, इंटरनेशनल माइग्रेशन ट्रेन्ड्स, मास्को : मैक्स प्रेस, पृ. 106–16, 2005
- **पी.सी. जैन,** इण्डियन इंटरप्रेन्यूर्स इन अफ्रीका ऐंड द मिडिल ईस्ट : एन एक्सप्लोरेट्री स्टडी, द इण्डियन डाइसपोरा विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही, चोन्नम नेशनल यूनिवर्सिटी, साउथ कोरिया, पृ. 56–77, मई 6–7, 2005
- **एस.एन. मालाकार**, इमर्जिंग डाइमेंशंस आफ इण्डो–अफ्रीकन एग्रीकल्चरल कॉपरेशन जर्नल ऑफ इण्डियन ओशन स्टडीज, आईएसबीएन–0972–3080
- **पी.आर. कुमारस्वामी**, हू एम आई ? आइडेंटिटी क्राइसिस इन द मिडिल ईस्ट, मेरिया, भाग–10, अंक–1, पृ. 66'76, मार्च 2006
- **पी.आर. कुमारस्वामी**, द मिडिल ईस्ट : अनबियरेबल स्टेटस क्यो बर्सस अनप्रिडिक्टेबल चेंजिस, मेडिटेरियन क्वाटर्ली, भाग–17, अंक–1, पृ. 116–32, 2006
- **पी.आर. कुमारस्वामी**, इजराइल ऐंड पाकिस्तान : पब्लिक रिटोरिक विज पालिटिकल प्रोग्मेटिज्म, इजराइल अफेयर्स, भाग–12, अंक–1, पृ. 123–35, जनवरी, 2006
- **पी.आर. कुमारस्वामी**, इजराइल–चाइना रिलेशंस ऐंड द फाल्कन कंट्रोवर्सी, मिडिल ईस्ट पालिसी, (न्यूयार्क), भाग–12, अंक–2, पृ. 93–103, 2005
- **अनवार आलम**, पालिटिकल मैनेजमेंट आफ इस्लामिक फण्डामेंटेलिज्म : ए व्यू फ्राम इण्डिया, एथनिसिटी
- **अनवार आलम**, स्कालरली इस्लाम ऐंड इवरीडे इस्लाम : रिफ्लेक्शन आन द डिबेट आफ इंटीग्रेशन आफ मुस्लिम माइनार्टी इन वेस्टर्न यूरोप ऐंड इण्डिया, जर्नल आफ मुस्लिम माइनार्टी अफेयर्स

पुस्तकें

कनाडियन, यू.एस. और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र

- के.पी. विजयलक्ष्मी, चेंजिंग कंटूर्स आफ इण्डो–यू.एस. रिलेशंस, राष्ट्रीय कार्यशाला की रिपोर्ट, राष्ट्रीय उच्च अध्ययन संस्थान, बंगलौर, 2006 (सह सम्पादित)

यूरोपीय अध्ययन केन्द्र

- **राजेन्द्र के. जैन**, इण्डिया द यूरोपीयन यूनियन ऐंड द डब्ल्युटीओ (सं.), रेडिएन्ट प्रकाशक, नई दिल्ली, 2006
- **राजेन्द्र के. जैन**, इण्डिया, यूरोप ऐंड द चैंजिंग डायमेंशंस आफ सिक्यूरिटी, (सं.) रेडिएन्ट प्रकाशक, नई दिल्ली, 2006
- **राजेन्द्र के. जैन**, द यूरोपीयन यूनियन इन वर्ल्ड पालिटिक्स, (सं.) रेडिएन्ट प्रकाशक, नई दिल्ली, 2006

अन्तरराष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केन्द्र

- **सिद्धार्थ मल्लावारपू**,(सह सम्पादक ए.एस. रे, एल. गर्थ, ली. पेरे, गिलबरटो दुपास, लाइल वाइट, मार्सिलो फनार्डिस डे ओलिवेरिया के साथ), इण्डिया, ब्राजील ऐंड साउथ अफ्रीका : पर्सपेक्टिव्स ऐंड एलाइंसिस (साओ पावलो : यूनिस्प), 2006
- **अर्चना नेगी**, (सह सम्पादक अर्जुन सेनगुप्ता और मौसमी बासु के साथ), रिफ्लेक्शंस आन द राइट टू डिवलपमेंट, सेज प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005
- **पुष्पेश पंत**, (सह सम्पादक हुमा मोहसिन के साथ), फूड पाथ : सुसिन एलोंग ग्रान्ड ट्रंक रोड फ्राम काबुल टु पेशावर, रोली बुक्स, नई दिल्ली, 2005
- **राजेश राजगोपालन**, सेकण्ड स्ट्राइक : आर्गूमेंटस एबाउट न्यूक्लियर वार इन साउथ एशिया, पेंगुइन, नई दिल्ली, 2005
- **स्वर्ण सिंह**, चाइना–इण्डिया इकोनामिक इन्गेजमेंट : बिल्डिंग म्युचुअल कंफिडेन्स, सेंटर डे साइंसिस हयुमैनीज, नई दिल्ली, 2005
- **स्वर्ण सिंह**, चाइना–पाकिस्तान स्ट्रेटिजिक कोआपरेशन : इण्डियन पर्सपेक्टिव्स, मनोहर, नई दिल्ली, 2006 (आगामी)
- **स्वर्ण सिंह**, चाइना–इण्डिया–पाकिस्तान : बिल्डिंग म्युचुअल कंफिडेंस, रुटलेज, नई दिल्ली, 2006 (आगामी)

अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र

- **अलोकेश बरुआ**, (सं.) इण्डिया'स नार्थ ईस्ट : डिवलपमेंटल इश्यूज इन ए हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव, मनोहर सीएसएच प्रकाशन, दिल्ली, 2005

दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केन्द्र

- **पी. सहदेवन**, पालिटिक्स आफ कंफ्लिक्ट ऐंड पीस इन श्रीलंका, (सह सम्पादक नील दिवोटा के साथ), मानक प्रकाशन, नई दिल्ली, 2006
- **अम्बरीश ढाका**, साउथ एशिया ऐंड सेंट्रल एशिया : जिओपालिटिकल डायनेमिक्स, मंगलदीप प्रकाशन, 2005

पश्चिम एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र

- **गिरिजेश पंत**, इण्डिया : द इमर्जिंग एनर्जी प्लेयर, पियर्सन एज्यूकेशन इण्डिया, 2006 (प्रकाशनाधीन)
- **पी.सी. जैन**, स्टडीज इन इण्डियन डाइसपोरास इन वेस्ट एशिया : पास्ट ऐंड प्रिजेन्ट (एन्थोलाजी), मनोहर प्रकाशन और वितरक, नई दिल्ली, 2006 (आगामी)
- **एस.एन. मालाकार**, एग्रेरियन ट्रांस्फार्मेशन ऐंड पालिटिकल डायनामिक्स इन इथोपिया, अकादमिक एक्सिलेन्स, नई दिल्ली, 2006
- **एस.एन. मालाकार**, इण्डिया'स एनर्जी सिक्यूरिटी ऐंड द गल्फ, अकादमिक एक्सिलेन्स, दिल्ली, भारत, 2006

पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय

कनाडियन, यू.एस. और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र

- **क्रिस्टोफर एस. राज**, इमर्जिंग सिक्यूरिटी चैलेंजिस ऐंड इंप्लिकेशंस फार इण्डो यू.एस. कोआपरेशन इन डिफेंस, (सं.), के. पी. विजयलक्ष्मी, चेंजिंग कंटूर्स आफ इण्डो–यू.एस. रिलेशंस, राष्ट्रीय उच्च अध्ययन संस्थान, बंगलौर, 2006
- **अब्दुल नफे**, आस्ट्रेलिया की सुरक्षा : प्रतिमान परिवर्तन (सं.) डी. गोपाल और डेनिस रुमली, भारत और आस्ट्रेलिया : मुद्दे और अवसर, यश प्रकाशन, नई दिल्ली, 2006
- **चिन्तामणि महापात्रा**, द यूनाइटिड स्टेट्स ऐंड द एशियन पावर्स, (सं.) आर.आर. शर्मा, इण्डिया ऐंड इमर्जिंग एशिया, नई दिल्ली, थाउजैण्ड ओक्स, लन्दन, सेज प्रकाशन, 2005

- **प्रीति सिंह**, भारत और आस्ट्रेलिया में आदिवासियों का शासन : नीतियां और रणनीतियां, (सं.) डी. गोपाल और डेनिस रुमली, भारत और आस्ट्रेलिया : मुद्दे और अवसर, यश प्रकाशन, नई दिल्ली, 2006
- **के.पी. विजयलक्ष्मी**, द चेंजिंग पालिसी आफ द यू.एस. इन साउथ एशिया : इंपेक्ट आन इण्डो–पाक रिलेशंस, (सं.) कुलवन्त कौर और बलजीत एस. मान, साउथ एशिया : डायनेमिक आफ पालिटिक्स, इकोनामी ऐंड सिक्यूरिटी, नोलेज वर्ल्ड, नई दिल्ली, 2006

यूरोपीय अध्ययन केन्द्र

- **राजेन्द्र के. जैन**, इण्डिया–ईयू स्ट्रेटिजिक पार्टनरशिप, (सं.) सीडलमैन और मारिओ डो सी. इस्टेवेस, ई.यू.–एशियन रिलेशंस (इंस्टीट्यू आफ यूरोपीयन स्टडीज), माकाओ, 2006
- **राजेन्द्र के. जैन**, इण्डिया ऐंड द यूरोपीयन यूनियन : बिल्डिंग ए स्ट्रेटिजिक पार्टनरशिप, (सं.) एस.के. मित्रा और बेर्न्ड रिल, इण्डिया'स न्यू डायनेमिक्स इन फारेन पालिसी, हैन्नस सीडल स्फिटंग, म्यूनिक, 2006
- **राजेन्द्र के. जैन**, इण्डिया ऐंड ईयू एनलार्जमेंट (सं.) हर्टमट ऐल्सनहेन्स और अमरजीत एस. नारंग, द यूरोपीयन यूनियन इन वर्ल्ड पालिटिक्स, रेडिएन्ट प्रकाशक, नई दिल्ली, 2006
- **राजेन्द्र के. जैन**, हाऊ इण्डिया सीज द ईयू : स्ट्रेटिजिक पार्टनर आर क्रिएचर आफ द पास्ट ? दिल्ली पालिसी ग्रुप ब्रिटिश उच्च आयोग और ई.सी. प्रतिनिधि, यूरोपीय यूनियन – वाई इट मैटर्स टु इण्डिया, नई दिल्ली, 2006
- **शशिकान्त झा**, रशिया'स पालिसी टुवर्डस सेंट्रल एशिया आफ्टर सोवियत डिसइंटिग्रेशन, (सं.) मुस्ताक ए. काव और ऐजाज ए बन्दाय, सेंट्रल एशिया : इंट्रोसेप्शन (सेंटर आफ सेंट्रल एशियन स्टडीज), यूनिवर्सिटी आफ कश्मीर, श्रीनगर, 2006
- **शशिकान्त झा**, यूरोपीयन यूनियन ऐंड डेमोक्रेटाइजेशन इन ईस्टर्न यूरोप, (सं.) राजेन्द्र के. जैन, इण्डिया ऐंड द यूरोपीयन यूनियन : बिल्डिंग ए स्ट्रेटिजिक पार्टनरशिप, रेडिएन्ट प्रकाशक, नई दिल्ली, 2006
- **गुलशन सचदेवा**, इकोनामिक डिवलपमेंट्स ऐंड रीजनल इकोनामिक ट्रेन्ड्स इन सेंट्रल एशिया : इमर्जिंग एशियन लिंकेज्स, (सं) आर.आर. शर्मा, इण्डिया ऐंड इमर्जिंग एशिया, सेज प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005
- **गुलशन सचदेवा**, नार्थ–ईस्टर्न इकोनामी : न्यू पालिसी आप्शंस, (सं.) अलोकेश बरुआ, इण्डिया'स नार्थ–ईट : डिवलपमेंट इश्यूज इन ए हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव, मनोहर प्रकाशक, नई दिल्ली, 2005
- **गुलशन सचदेवा**, इण्डियन इक्सपिरिअन्स विद रीजनल इकोनामिक इंटीग्रेशन, (सं.) चरण वाधवा और वैट्रोस्लेव वेकारिक, इण्डिया ऐंड सर्बिया ऐंड मोंटेनग्रो रिइंगेजमेंट : रीजनल ऐंड बाईलेट्रल डाइमेंशंस, एपीएच पब्लिशिंग कारपो, नई दिल्ली, 2005
- **गुलशन सचदेवा**, चरण वाधवा के साथ, इण्डियन पर्सपेक्टिव्स आन ईस्ट एशिया, (सं.) चरण वाधवा और यूएन पाउ वू, एशियन रीजनलिज्म : कनेडियन ऐंड इण्डियन पर्सपेक्टिव्स, एपीएच पब्लिशिंग कारपो, नई दिल्ली, 2005
- **गुलशन सचदेवा**, पावर्टी ऐज ए चैलेंज कक्षा 9 के लिए एन.सी.ई.आर.टी की अर्थशास्त्र की पाठ्य पुस्तक, (एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली), 2005
- **गुलशन सचदेवा**, स्ट्रेंथनिक इकोनामिक लिंकेज्स बिटवीन साउथ ऐंड सेंट्रल एशिया, (सं.) कुलदीप सिंह, साउथ सेंट्रल एशिया : इमर्जिंग इश्यूज, गुरुनानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, 2005
- **गुलशन सचदेवा**, सेंट्रल एशियन इकोनामिक ट्रांस्फार्मेशन ऐंड इण्डियन रिस्पांस, (सं.) वी. नगेन्द्र राव और मोहम्मद मुनीर आलम, सेंट्रल एशिया : प्रिजेंट चैलेंजिस ऐंड फ्युचर प्रास्पेक्ट्स, नालेज वर्ल्ड, नई दिल्ली, 2005
- **गुलशन सचदेवा**, इण्डिया रशिया रिलेशंस, (सं.) वी.डी. चौपड़ा, इण्डिया'स फारेन पालिसी इन ट्वेन्टीफर्स्ट सेंचुरी, कल्पज प्रकाशक, नई दिल्ली, 2006
- **यू.एस. बावा**, Zwischon vertrauen und wechsel. Deutschland bevor und nach der wahl, von Grublern und Fruhaufstehern - Aus (sen) sichten der DAAD Wahlbeobachter im, डाड पब्लिकेशन, बर्लिन, पृ. 218–31, 2006

- **यू.एस. बावा**, इण्डिया ऐंड ईयू, (सं.) एन.एस. सिसोदिया और सी उदय भास्कर, इमर्जिंग इण्डिया, सिक्यूरिटी ऐंड फारेन पालिसी पर्सपेक्टिव्स, प्रोमिला ऐंड बिब्लिओफाइल साउथ एशिया, आईडीएसए, नई दिल्ली, पृ. 179–192, 2005

अन्तरराष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केन्द्र

- **सिद्धार्थ मल्लावारपू**, द टैम्पलेट आफ ग्लोबलाइजेशन ऐंड द मेकिंग आफ इण्यिन फारेन पालिसी, (सं.) अमित एस. रे, गर्थ एल ली पेरे, गिल्बेरटो दुपास, लाइट वाईट, मार्सेलो फर्नाडीस डे ओलिवेरिया और सिद्धार्थ मल्लावारपू, इण्डिया, ब्राजील ऐंड साउथ अफ्रीका : पर्सपेक्टिव्स ऐंड एलाइंसिस (साओ पालो : यूनेस्प, पृ. 197–253, 2006)
- **सी.एस.आर. मूर्ति**, इण्डिया ऐंड यूरोपीयन अप्रोचिस टु यूएन रिफार्म्स, (सं.) राजेन्द्र के. जैन और हर्टमट एलसनहेन्स, इण्डिया, यूरोप ऐंड द चेंजिंग डायमेंशंस आफ सिक्यूरिटी, रेडिएन्ट प्रकाशक, नई दिल्ली, पृ. 258–76, 2006
- **अर्चना नेगी**, डब्ल्यू टी ओ ऐंड द एनवायरनमेंट : एन ओवरव्यू, (सं.) जे.के. मित्तल और के.डी. राजू, वर्ल्ड ट्रेड आर्गेनाइजेशन इन इण्डिया : ए क्रिटिकल स्टडी आफ इट्स फर्स्ट स्टडी, न्यू ईरा ला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005
- **पुष्पेश पंत**, डिवाइनिटी आफ फूड, (सं.) हर्ष वी. दहेजिया, गाड्स बियांड टेम्पल, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली, 2005
- **राजेश राजगोपालन**, स्ट्रक्चरल इम्प्रेटिव्स ऐंड एशियन सिक्यूरिटी, (सं.) आर.आर. शर्मा, इण्डिया ऐंड इमर्जिंग एशिया, सेज प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005
- **राजेश राजगोपालन**, प्रास्पेक्ट्स फार द न्यूक्लियर नान–प्रालिफरेशन रिजीम, (सं.) उदय भास्कर और सी. राजमोहन, इमर्जिंग न्यूक्लियर प्रोलिफरेशन चैलेंजिस, इडसा और इण्डिया पुग्वाश सोसायटी, नई दिल्ली, 2005
- **राजेश राजगोपालन**, अंडरस्टेंडिंग सब–नेशनल ऐंड इंटरनेशनल कंफ्लिक्ट्स इन साउथ एशिया, (सं.) पी.आर. राघवन और कार्लफिशर, कंफ्लिक्ट रिजोल्यूशन ऐंड पीस बिल्डिंग इन श्रीलंका, टाटा–मैकग्राहिल, नई दिल्ली, 2005
- **राजेश राजगोपालन**, न्यूक्लियर डिटरेन्स : द कंसेप्ट : रिलेवेन्स आफ न्यूक्लियर डिटरेन्स, पालिसी ग्रुप/न्यूक्लियर थ्रेट इनिसिएटिव मोनोग्राफ, नई दिल्ली/दिल्ली, पृ. 6–28, 2006
- **वरुण साहनी**, ए कंटिनेन्ट बिकन्स ए रीजन : फ्युचर एशियन सिक्यूरिटी आर्किटेक्चर्स, (सं.) आर.आर. शर्मा, इण्डिया ऐंड इमर्जिंग एशिया, सेज प्रकाशन, नई दिल्ली, पृ. 80–101, 2005
- **वरुण साहनी**, चाइना–इण्डिया रिलेशंस : रिवाइविंग कंफिडेंस बिल्डिंग मेजर्स अप्रोच, द हार्मनी ऐंड प्रास्पैरिटी आफ सिविलाइजेशंस (प्रथम बीजिंग फोरम–2004 के चुने हुए आलेख), पीकिंग यूनिवर्सिटी प्रेस, पृ. 9–25, 2005
- **स्वर्ण सिंह**, चाइना–इण्डिया बार्डर ट्रेड : ए टूल फार बिल्डिंग म्युचुअल कांफिडेंस (सं.) इसाबेल सैन्ट मेजर्स और जेम्स के.चिन, चाइना ऐंड इण्डिया : पालिटिकल ऐंड स्ट्रेटिजिक पर्सपेक्टिव्स, सेंटर फार एशियन स्टडीज, हांगकांग, 2005
- **स्वर्ण सिंह**, पीस प्रोस्पेक्ट्स इन श्रीलंका : ए थीअरेटिकल पर्सपेक्टिव, (सं.) वी.आर. राघवन और कार्ल फिशर, कंफ्लिक्ट रिजोल्युशन ऐंड पीस बिल्डिंग इन श्रीलंका, टाटा–मैकग्राहिल, नई दिल्ली, पृ. 119–34, 2005
- **स्वर्ण सिंह**, चाइना'स इक्सपेंडिंग एनर्जी डेफिसिट : सिक्यूरिटी इंप्लिकेशंस फार इण्डियन ओशन रीजन, (सं.) डेनिस रूमली और संजय चतुर्वेदी, एनर्जी सिक्यूरिटी ऐंड द इण्डियन ओशन रीजन, साउथ एशियन पब्लिशर्स, नई दिल्ली, पृ. 166–88, 2005

अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र

- **मनमोहन अग्रवाल**, इण्डिया'स ट्रेड पालिसीज ऐंड डिवलपमेंट स्ट्रेटिजी, (सं.) ए. बरूअ, नार्थ ईस्ट इण्डिया : डिवलपमेंटल इश्यूज इन ए हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव, मनोहर प्रकाशक, नई दिल्ली, (लोद बर्लेज के साथ), 2005
- **मनमोहन अग्रवाल**, रीजनल डिवलपमेंट स्ट्रेटिजी ऐंड इंटर–स्टेट परफार्मेन्स, (सं.) ए. बरूआ, (सुदीप बासु के साथ)
- **अलोकेश बरुआ**, इंट्रोडक्शन, (सं.) आलोकेश बरूआ, इण्डिया'स नार्थ–ईस्ट,

- **अलोकेश बरुआ**, स्ट्रक्चरल चैंज, इकोनामिक ग्रोथ ऐंड रीजनल डिस्पैरिटी इन द नार्थईस्ट : रीजनल ऐंड नेशनल पर्सपेक्टिव, (सं.) अलोकेश बरुआ, इण्डिया'स नार्थ–ईस्ट, (अरिन्दम बन्धोपाध्याय के साथ)
- **अलोकेश बरुआ**, द राइज ऐंड डिक्लाइन आफ द अहोम डाइनेस्टिक रूल : ए सजेस्टिव इंटरप्रिटेशन, (सं.) अलोकेश बरूआ, इण्डिया'स नार्थ–ईस्ट
- **अलोकेश बरुआ**, हिस्ट्री, ट्रेड ऐंड डिवलपमेंट : ए क्रिटिक आफ द ट्रेड ओरिएन्टिड स्ट्रेटिजी आफ इंडस्ट्रलाइजेशन फार द नार्थ–ईस्ट, (सं.) ए. बरूआ, इण्डिया'स नार्थ–ईस्ट
- **अमित एस. रे**, गोइंग ग्लोबल : इण्डिया'स इकोनामिक एस्पिरेशंस ऐंड एप्रिहेंशंस इन द न्यू मिलेनियम, (सं.) एफ. विलेयर्स, इण्डिया, ब्राजील ऐंड साउथ अफ्रीका : पर्सपेक्टिव्स ऐंड एलाइंसिस, यूनिस्प : साओ पालो, 2006
- **अमित एस. रे**, डिजिटल डिवाइड अमंग सलेक्टिड इंडस्ट्रीलाइज्ड स्टेट्स इन इण्डिया : मिथ आर रियलिटी, (सं.) वी. उपाध्याय, प्रोडक्टिविटी ऐंड क्वालिटी : ए मल्टिडिसिप्लिनरी पर्सपेक्टिव, टाटा–मैकग्राहिल, नई दिल्ली (सुभाशीष बेरा के साथ), 2006
- **अमित एस. रे**, द इण्डियन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री ऐट क्रासरोड्स : इंप्लिकेशंस फार इण्डिया'स हैल्थ केयर, (सं.) अमिया बागची और कृष्णा सोमन, मैलाडाइज, प्रेवेंटिव्स ऐंड क्युरेटिव्स : डिबेट्स इन पब्लिक हैल्थ इण्डिया, तूलिका बुक्स, नई दिल्ली, 2005
- **अमित एस. रे**, द पालिटिकल इकोनामी आफ रूरल हैल्थ केयर इन इण्डिया : ए माइक्रो–थीअरेटिकल माडल, (सं.) पी. गंगोपाध्याय और एम. चटर्जी, इकोनामिक ग्लोबलाइजेशन इन एशिया, आशगेट, लन्दन, 2005, (सरदिन्दु भादुरी के साथ)

रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र

- **अजय कुमार पटनायक**, एज्यूकेशन, प्रेस ऐंड पब्लिक हैल्थ इन द हिस्ट्री आफ सिविलाइजेशंस आफ सेंट्रल एशिया, भाग–6, यूनेस्को पब्लिशिंग, 2005
- **अजय कुमार पटनायक**, एथनिसिटी ऐंड नेशनलिज्म इन सेंट्रल एशिया, (सं.) वी. नगेन्द्र राव और मोहम्मद मुनीर आलम, सेंट्रल एशिया : प्रिजेन्ट चैलेंजिस ऐंड फ्युचर प्रास्पेक्ट्स, नालेज वर्ल्ड, नई दिल्ली, 2005
- **अजय कुमार पटनायक**, सेंट्रल एशिया'स सिक्यूरिटी : द एशियन डायमेंशंस, (सं.) आर.आर. शर्मा, इण्डिया ऐंड द इमर्जिंग एशिया, सेज, नई दिल्ली, 2005
- **अजय कुमार पटनायक**, एशियन पावर्स ऐंड सेंट्रल एशिया सिक्यूरिटी, (सं.) महावीर सिंह, बिल्डिंग ए न्यू एशिया, शिप्रा, नई दिल्ली, 2005
- **अनुराधा एम. चिनाय**, इज ह्युमन ऐंड जेंडर सिक्यूरिटी रिलेवन्ट फार एशिया, (सं.) आर.आर. शर्मा, इण्डिया ऐंड द इमर्जिंग एशिया, सेज प्रकाशन, नई दिल्ली, लन्दन, पृ. 250–67, 2005
- **अनुराधा एम. चिनाय**, वुमन ऐंड द ब्रेकडाउन आफ द पब्लिक स्फेयर, (सं.) राजीव भार्गव और हेल्मुट रीड, सिविल सोसायटी, पब्लिक स्फेयर ऐंड सिटिजनशिप, सेज, नई दिल्ली, भारत, पृ. 365–83, 2005
- **तुलसी राम**, बुद्धिष्ट कल्चर इन रशिया, (सं.) अनिल कुमार पाण्डेय, दूसरी दुनियां सम्भव है, राहुल प्रतिष्ठान, दिल्ली, पृ. 211–29, 2006
- **अरुण मोहन्ती**, रशिया सोर्स आफ इंटर्नल अल्टरनेटिव, डायलाग बुलेटिन, अंक–1, 2006
- **संजय कुमार पाण्डेय**, इण्डिया–तजाकिस्तान रिलेशंस : द पालिटिकल डायमेंशंस, (सं.) के. सन्थानम और रमाकान्त द्विवेदी, इण्डिया–तजाकिस्तान कोआपरेशन : पर्सपेक्टिव्स ऐंड प्रास्पेक्ट्स, अनमय प्रकाशन, नई दिल्ली, पृ. 48–66, 2006

पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

- **एच.एस. प्रभाकर**, जापान बिटवीन रिसेशन ऐंड रिकवरी : चैलेंजिस आफ कोर्टिंग एडवांसिंग एशियन पावर्स, इण्डिया ऐंड जापान इन सर्च आफ ग्लोबल रोल्स, (सं.) डा. राजाराम पण्डा और प्रो. यू. फुकाजावा, बिब्लिओफाइल एशिया, नई दिल्ली, 2006

दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केन्द्र

- **महेन्द्र पी. लामा**, रिफार्म्स ऐंड पावर सैक्टर इन साउथ एशिया : स्कोप ऐंड चैलेंजिस फार क्रास बार्डर ट्रेड, मोहनमन सैन्जु और क्यू.के. अहमद के साथ संयुक्त रूप से लिखा, मोहसिन एस. खान, इकोनामिक डिवलपमेंट इन साउथ एशिया, टाटा मैक्ग्रा हिल, नई दिल्ली, 2005
- **महेन्द्र पी. लामा**, एक्सटर्नल सैक्टर रिफार्म्स इन नेपाल : इंप्लिकेशंस ऐंड पालिसी आप्शंस फार रीजनल इंटीग्रेशन, (सं.) उमर हैदर चौधरी और विलियम वैन डेर जीस्ट, इकोनामिक रिफार्म ऐंड ट्रेड परफार्मेन्स इन साउथ एशिया, द यूनिवर्सिटी प्रेस, ढाका, 2005
- **महेन्द्र पी. लामा**, इकोनामिक रिफार्म्स ऐंड इंटग्रेशन इन साउथ एशिया : रोल आफ इण्डिया इन सार्क, (सं.) आर.आर. शर्मा, इण्डिया ऐंड द वर्ल्ड, सेज, नई दिल्ली, 2005
- **महेन्द्र पी. लामा**, पालिटिकल इकोनामी आफ टेररिज्म : सस्टेन्स फैक्टर्स ऐंड कंसिक्वेंसिस, (सं.) एस.डी. मुनि, रिस्पांडिंग टु टेररिज्म इन साउथ एशिया, मनोहर, नई दिल्ली, 2006
- **महेन्द्र पी. लामा**, डेमोक्रेसी डिवलपमेंट ऐंड पार्टिसिपेशन इन इण्डिया : सम रिफ्लेक्शंस, (सं.) उर्वशी बुटालिया, जांग वोली, मास्की ओहासी और करीना ए. ब्लास्को, द कम्यूनिटी आफ एशिया : कंसेप्ट आर रिएलिटी अनविल पब्लिशिंग हाउस, फिलिपीन्स, 2006
- **आई.एन. मुखर्जी**, रीजनल ट्रेड एग्रीमेंट्स इन साउथ एशिया : साउथ एशियन ईयरबुक आफ ट्रेड ऐंड डिवलपमेंट, 2005, मेनस्ट्रीमिंग डिवलपमेंट इन ट्रेड निगोसिएशंस : रन अप टु हांग कांग, विकास और व्यापार केन्द्र, नई दिल्ली, पृ. 363–393, 2005
- **संजय भारद्वाज**, इण्डिया–सेंट्रल एशिया रिलेशंस : क्वेस्ट फार एनर्जी सिक्यूरिटी, साउथ–सेंट्रल एशिया : इमर्जिंग इश्यूज, (सं) कुलदीप सिंह, गुरुनानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, 2005
- **के. वारिकू**, ट्रेडिशन ऐंड माडर्निटी इन उजबेकिस्तान हिमालयन ऐंड सेंट्रल एशियन स्टडीज भाग–9, अंक 1–2, पृ. 71–80, जनवरी–जून, 2005
- **के. वारिकू**, इंडस वाटर्स ट्रीटी : व्यू फ्राम कश्मीर, हिमालयन ऐंड सेंट्रल एशियन स्टडीज, भाग–9, अंक–3, पृ. 3–26, जुलाई–सितम्बर 2005
- **के. वारिकू**, सिक्यूरिटी चैलेंजिस इन साउथ ऐंड सेंट्रल एशिया, हिमालयन ऐंड सेंट्रल एशियन स्टडीज, भाग–10, अंक–1, पृ. 3–16, जनवरी–मार्च 2006
- **मोहिन्द्र दत्ता**, टूरिज्म, ह्युमन डिवलपमेंट रिपोर्ट फार बिहार, विषयक अध्याय, मानव विकास संस्थान, योजना आयोग, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित परियोजना, दिसम्बर 2005
- **गंगनाथ झा**, इण्डिया'स रिलेशंस विद लाओस, (सं.) लक्ष्मण चेट्टी, इण्डिया'स विद साउथईस्ट एशिया : प्राब्लम्स ऐंड प्रोस्पेक्ट्स, श्रीवेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति, पृ. 32–46, 2005
- **मनमोहिनी कौल**, इण्डिया पर्सपेक्टिव्स आफ सिक्यूरिटी डायमेंशंस आफ इण्डियन ऐंड साउथईस्ट एशिया, (सं.) वी.आर. राघवन और कार्ल फिशर, सिक्यूरिटी डायमेंशंस आफ इण्डिया ऐंड साउथईस्ट एशिया, टाटा मैक्ग्रा हिल पब्लिशिंग कम्पनी लिमिटेड, नई दिल्ली, 2005

पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र

- **गिरिजेश पंत**, इण्डिया ऐंड द एशियन एनर्जी इनिसिएटिव्स : पार्टनरशिप इन डिवलपमेंट, (सं.) आई.पी. खोसला, एनर्जी ऐंड डिप्लोमेसी, कोणार्क प्रकाशक, 2005
- **गिरिजेश पंत**, रिफार्म ऐंड रिसर्जेन्स : द ट्राजेक्ट्री आफ चेंज इन वेस्ट एशिया, (सं.) आर.आर. शर्मा, इण्डियन ऐंड द इमर्जिंग एशिया, सेज प्रकाशन, 2005

- **गुलशन डाइटल**, ईरान ऐंड द अमेरिकन वार्स आन इट्स फ्लैंक्स, (सं.) एम. हमीद अंसारी, ईरान टुडे : ट्वेन्टी–फाइव ईयर्स आफ्टर द इस्लामिक रिवोल्युशन, रूपा ऐंड कम्पनी, नई दिल्ली, 2005
- **गुलशन डाइटल**, गैस पाइपलाइन्स : पालिटिक्स ऐंड पासिबिलिटीज, (सं.) आई.पी. खोसला, एनर्जी ऐंड डिप्लोमेसी, कोणार्क प्रकाशक, दिल्ली, 2005
- **गुलशन डायटल**, आइल ऐंड गैस इन द गल्फ : द न्यू चैलेंजिस, (सं.) एस.एन. मालाकार, इण्डिया'स एनर्जी सिक्यूरिटी ऐंड द गल्फ, अकादमिक एक्सिलेन्स, नई दिल्ली, 2005
- **ए.के. पाशा**, पैक्स अमेरिकाना इन द गल्फ रीजन : इंप्लिकेशंस फार इण्डिया'स क्वेस्ट फार एनर्जी सिक्यूरिटी, (सं.) एस.एन. मालाकार, इण्डिया एनर्जी सिक्यूरिटी, पृ. 116–122, 2006
- **ए.के. पाशा**, सिग्निफिकेन्स आफ इण्डो–रशियन स्ट्रेटिजिक पार्टनरशिप : इट्स इम्पैक्ट आन अरब वर्ल्ड, (सं.) वी.डी. चौपड़ा, ग्लोबल सिग्निफिकेंस आफ इण्डो–रशियन पार्टनरशिप, कल्पज प्रकाशन, दिल्ली, पृ. 135–72, 2005
- **ए.के. पाशा**, इण्डिया'स पालिसी टुवर्डस द अरब वर्ल्ड इन ट्वेन्टीफर्स्ट सेंचुरी, (सं.) वी.डी. चौपड़ा, इण्डिया'स फारेन पालिसी इन द ट्वेन्टीफर्स्ट सेंचुरी, कल्पज प्रकाशन, नई दिल्ली, 215:50, 2006
- **ए.के. पाशा**, इण्डिया ऐंड द गल्फ स्टेट्स : चैलेंजिस ऐंड अपरच्युनिटीज, (सं.) राजन हर्ष और के.एम. सेठी, इंगेजिंग विद द वर्ल्ड : क्रिटिकल रिफ्लक्शंस आन इण्डिया'स फारेन पालिसी, ओरिएन्ट लांगमैन, नई दिल्ली, पृ. 389–424, 2004
- **पी.सी. जैन**, माइग्रेशन ऐंड सेटलमेंट आफ इण्डियन्स अब्रोड इण्डियन डाइस्पोरा पर पाठ्यपुस्तक, इग्नू, दिल्ली, 2006 (प्रकाशनाधीन)
- **पी.सी. जैन**, इण्डियन डाइसपोरा इन वेस्ट एशिया, द इण्डियन डाइसपोरा पर पुस्तक, इग्नू, दिल्ली, 2006 (प्रकाशनाधीन)

शोध आलेख

कनाडियन, यू.एस. और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र

- **अब्दुल नफे**, परमानेन्ट मेम्बरशिप इन द यूनियन सिक्यूरिटी काउंसिल : इण्डिया'स डिप्लोमेटिक इनिसिएटिव्स ऐंड स्ट्रेटिजीस, इण्डिया क्वार्टर्ली, नई दिल्ली, भाग–61, अंक–4, पृ. 1–38, अक्टूबर–दिसम्बर 2005

रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र

- **अजय कुमार पटनायक**, माइग्रेशन, आइडेंटिटी ऐंड इंटग्रेशन इन यूरिशिया, फ्रंटियर्स आफ सोसिओलाजी, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट आफ सोसिओलाजी, स्टाकहोम, 2005
- **अजय कुमार पटनायक**, इण्डिया–चाइना कोआपरेशन इन सेंट्रल एशिया, सिक्यूरिटी ऐंड सोसायटी, सेंटर फार स्ट्रेटिजिक ऐंड रीजनल स्टडीज, जम्मू विश्वविद्यालय, भाग–2, अंक–1, 2005
- **अजय कुमार पटनायक**, फ्राम प्रिमाकोव टु पुतिन : स्ट्रेटिजिक ट्राइएंगल, वर्ल्ड फोकस, भाग–26, अंक–4, अप्रैल 2005
- **अनुराधा एम. चिनाय**, नेशनल सिक्यूरिटीज, मल्टिपल इंसर्जेंसिस, इंटर–स्टेट रिलेशंस ऐंड सोसाइटल मिलिटेरिजेशन, एशियन एक्सचेंज, हांग–कांग, भाग–20, अंक–2, पृ. 17–60, 2005
- **अनुराधा एम. चिनाय**, जेंडर गवर्नेन्स ऐंड डेमोक्रेसी, आई.एस.आई.एस. इंटरनेशनल मनीला, फिलीपीन्स, मोनोग्राफ श्रृंखला 1, भाग–2, पृ. 12–30, 2005
- **अनुराधा एम. चिनाय**, ए प्ली फॉर इनजेंडरिंग ह्यूमन सिक्यूरिटी, इंटरनेशनल स्टडीज, 42.2 पृ. 167–179, 2005
- **तुलसी राम**, ऐथिक्स रिलिजस सेक्सचुअलिटी : ए स्टडी आफ वेदाज, हन्स, पृ. 25–37, अगस्त 2005

- **प्रीति डी. दास**, इम्पैक्ट आफ सिस्टेमिक ट्रांजिशन आन द रशियन एज्यूकेशन सिस्टम क्रिटिक रूसी अध्ययन केन्द्र की पत्रिका, अंक–6, 2005
- **प्रीति डी. दास**, रोल आफ मोटिफ्स इन द स्ट्रक्चर आफ टेल्स, हैविटस, भाग–2, अंक–3, जनवरी–फरवरी, 2006

सम्मेलन/संगोष्ठी आलेख

कनाडियन, यू.एस. और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र

- **क्रिस्टोफर एस. राज** ने 19 सितम्बर 2005 को सेंटर फार दलित ऐंड माइनार्टीज स्टडीज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली, में "क्रिश्चियन कंट्रीब्युशन टु इण्डियन नेशन–बिल्डिंग, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **क्रिस्टोफर एस. राज** ने 5 से 7 दिसम्बर 2005 तक कनाडियन, यू.एस. और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र, अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान द्वारा इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'मल्टिकल्चरलिज्म : पब्लिक पालिसी ऐंड प्राब्लम एरियाज इन कनाडा ऐंड इण्डिया' विषयक एक–दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'मल्टिकल्चरलिज्म इन ट्रांजिशन इन इमिग्रेन्ट ऐंड नान–सेल्लर स्टेट्स, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **क्रिस्टोफर एस. राज** ने 9 से 10 फरवरी, 2006 तक राष्ट्रीय उच्च अध्ययन संस्थान, बंगलौर द्वारा आयोजित 'इण्डो–यू.एस. रिलेशंस, विषयक 2–दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में 'इमर्जिंग सिक्युरिटी एनवायरनमेंट ऐंड चैलेंजिस : इंप्लिकेशंस फार इण्डो यू.एस. सिक्यूरिटी रिलेशंस, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **क्रिस्टोफर एस. राज** ने 27 फरवरी, 2006 को श्यामलाल कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिण परिसर द्वारा आयोजित, मैपिंग इण्डिया–कनाडा इन कम्पैरटिव पर्सपेक्टिव, विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी में, 'कनाडियन फारेन पालिसी सिन्स 9/11' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **चिन्तामणि महापात्रा** ने 25 से 26 अक्टूबर, 2005 तक सी.डब्ल्यू.ए.ए.एस. के खाड़ी अध्ययन कार्यक्रम द्वारा आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी में 'यू.एस.–ओमनी रिलेशंस इन द चेंजिंग रीजनल डायनेमिक्स आफ वेस्ट एशिया, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **चिन्तामणि महापात्रा** ने दिसम्बर 2005 में डी.ए.वी. कालेज, तितलागढ़, उड़ीसा द्वारा आयोजित 'टेररिज्म' विषयक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'यू.एस. वार आन टेररिज्म' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **चिन्तामणि महापात्रा** ने जनवरी 2006 में पुणे में एसोसिएशन फार द स्टडी आफ आस्ट्रेलियन रिलेशंस ऐंड इंडिया, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **चिन्तामणि महापात्रा** ने 16 से 17 मार्च 2006 तक रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र, अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू द्वारा आयोजित द सी आई एस एनर्जी, सिक्यूरिटी ऐंड डिवलपमेंट, विषयक संगोष्ठी में 'यू.एस. पालिसी टुवर्डस कैस्पियन सी रीजन, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **के.पी. विजयलक्ष्मी ने** 15 अप्रैल 2005 को इंस्टीट्यूट फार पीस ऐंड कंफ्लिक्ट स्टडीज, नई दिल्ली में, इण्डो–यू.एस. आर्म्स सेल्स : हू विन्स ? शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **के.पी. विजयलक्ष्मी ने** जून 2005 में आर्मी वार कालेज, महू, इन्दौर में, 'यू.एस. इंट्रेस्ट्स, गोल्स ऐंड स्ट्रेटजीस इन वेस्ट ऐंड साउथ एशिया, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **के.पी. विजयलक्ष्मी ने** 5 से 6 फरवरी, 2006 तक राष्ट्रीय उच्च अध्ययन संस्थान, बंगलौर में राष्ट्रीय कार्यशाला में 'चेंजिंग कंटूर्स आफ इण्डो–यू.एस. रिलेशंस' एन ओवरव्यू' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **के.पी. विजयलक्ष्मी ने** फरवरी 2006 में अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू में 'इण्डिया ऐंड द मेजर पावर्स, विषयक एम.ई.ए. प्रायोजित सम्मेलन में, अमेरिकन वर्ल्ड व्यू : जेनसिस, हिस्ट्री ऐंड इवोल्युशन, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

शोध आलेख

अन्तरराष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केन्द्र

- **राजेश राजगोपालन,** सेफगर्डिंग द न्यूक्लियर स्ट्रेटजिक बैलेंस इन साउथ एशिया ऐंड मिसाइल डिफेंस, शेयर्ड इंट्रेस्ट्स : आस्ट्रेलिया–इण्डिया रिलेशंस इनटु द ट्वेन्टी फर्स्ट सेंचुरी : ए एस पी आई स्ट्रेटिजी, आस्ट्रेलियन स्ट्रेटिजिक पालिसी इंस्टीट्यूट, पृ. 43–45, दिसम्बर 2005
- **राजेश राजगोपालन,** ट्रांसलेशनल चैलेंजिस टु सिक्यूरिटी ऐंड देअर इम्पैक्ट आन आस्ट्रलिया ऐंड इण्डिया, शेयर्ड इंट्रेस्ट्स : आस्ट्रेलिया–इण्डिया रिलेशंस इनटु द ट्वेन्टी फर्स्ट सेंचुरी, पृ. 62–63
- **वरुण साहनी**, द आस्ट्रेलिया–इण्डिया बाइलेट्रल सिक्यूरिटी रिलेशनशिप–करंट स्टेटस ऐंड आउटस्टेंडिंग गैप्स, शेयर्ड इंट्रेस्ट्टस : आस्ट्रेलिया–इण्डिया रिलेशंस इनटु द ट्वेन्टीफर्स्ट सेंचुरी, पृ. 15–16
- **वरुण साहनी**, इण्डिया'स सिक्यूरिटी चैलेंजिस अपटू 2020, शेयर्ड इंट्रेस्ट्स : आस्ट्रलिया–इण्डिया रिलेशंस इनटु द ट्वेन्टीफर्स्ट सेंचुरी, पृ. 17–27

अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र

- **मनमोहन अग्रवाल**, रिसर्जेन्ट साउथ एशिया,
- **मनमोहन अग्रवाल**, इण्डिया ऐंड द वर्ल्ड इकोनामी इन 2020
- **मनमोहन अग्रवाल**, फाइनेन्सल सैक्टर रिफार्म्स ऐंड द चैलेंजिस फेस्ड बाई इण्डियन बैंक्स, (कुसुम डब्ल्यु केतकर, गिरीश के. सिंह और सुष्मिता मित्रा के साथ)
- **मनमोहन अग्रवाल**, रिफार्म्स ऐंड इकोनामिक ग्रोथ इन लैटिन अमरीका, (प्रभु मिश्रा के साथ)
- **मनमोहन अग्रवाल**, ग्रोथ आफ द वर्ल्ड इकोनामी ऐंड रीजनल इंटरएक्शंस
- **मनमोहन अग्रवाल**, ग्रोथ परफार्मेन्स ऐंड प्रास्पेक्ट्स इन सब–सहारन अफ्रीका (प्रभु मिश्रा के साथ)
- **मनमोहन अग्रवाल**, इण्डिया : द स्टेट आफ द इकोनामी, (राजेश मेहता के साथ)
- **मनमोहन अग्रवाल**, पालिटिकल इंस्टीट्यूशंस, रिफार्म्स ऐंड इकोनामिक परफार्मेन्स इन लेटिन अमेरिका, (प्रभु मिश्रा के साथ)
- **संगीता बंसल**, चाइस ऐंड डिजाइन आफ रेग्यूलेट्री इंस्ट्रूमेंट्स इन द प्रिजेन्स आफ ग्रीन कंज्यूमर्स
- **संगीता बंसल**, पालिसी इंस्ट्रूमेंट्स फार कंट्रोलिंग पाल्युशन
- **अलोकेश बरुआ**, ओपननेस ऐंड रीजनल इनइक्वैलिटी : हाऊ डज इण्डिया परफार्म ? (पावेल चक्रवर्ती और संचारी राय)
- **अलोकेश बरुआ**, ट्रेड ऐंड इंडस्ट्रियल परफार्मेन्स सिन्स द डब्ल्यू टी ओ रिफार्म्स : वाट इण्डियन इक्सपिरिअन्सिस सजेस्ट ? (देबाशीष चक्रबर्ती के साथ)
- **अलोकेश बरुआ**, डिवलपमेंट ऐंड इंसर्जेन्सी : इज देयर ए कैजुअल रिलेशन ?
- **अलोकेश बरुआ**, डिवलपमेंट स्ट्रेटजी इन द कंटेक्स्ट आफ विजन 2020 : आसाम
- **मीता के. मेहरा**, नार्थ–साउथ कैपिटल मोबिलिटी ऐंड ग्लोबल एनवायरनमेंट, (सत्य पी. दास के साथ)
- **मीता के. मेहरा**, इंटरएक्शन बिटवीन ट्रेड ऐंड एनवायरनमेंट पालिसीज विद स्पेशल इंट्रेस्ट पालिटिक्स
- **मीता के. मेहरा**, नार्थ–साउथ ट्रेड ऐंड पाल्युशन माइग्रेशन : द डिबेट रिविजिटिड, (सत्य पी. दास के साथ)
- **गुरबचन सिंह**, फाइनेंशल रिप्रेशन, फाइनेंशल असेट्स ऐंड सेगमेंटिड मार्किट्स
- **गुरबचन सिंह**, स्टाक मार्किट बूम ऐंड क्रेश–ए बिहेवियरल फाइनेन्स अप्रोच, (जी. श्रीवास्तव के साथ)

पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

- **अलका आचार्य**, चेंजिंग डायनेमिक्स इन द ताइवान स्ट्रेट : वन कंट्री, मैनी सिस्टम्स, इंटरनेशनल स्टडीज, नई दिल्ली, 42:3 और 4, पृ. 227–246, 2005
- **एच.एस. प्रभाकर**, रोल आफ ओडीए इन इण्डिया–जापान इकोनामिक रिलेशंस, जर्नल आफ इण्डियन ओशन स्टडीज, दिसम्बर 2005
- **लालिमा वर्मा**, जापान'स पालिसी टुवर्डस ईस्ट ऐंड साउथ ईस्ट एशिया : ट्रेन्ड्स इन रि–एशियनाइजेशन, इंटरनेशनल स्टडीज, भाग 43, अंक 1, पृ. 33–49, जनवरी–मार्च 2006
- **शेखर डी. वाराप्रसाद**, साइंस ऐंड टेक्नोलाजी कोआपरेशन विटवीन इण्डिया ऐंड चाइना, इंटरनेशनल स्टडीज, भाग–42, अंक–3 और 4, पृ. 307–27, जुलाई–दिसम्बर 2005
- **जितेन्द्र उत्तम**, कोरिया'स न्यू टेक्नो–साइंटिफिक स्टेट : मैपिंग ए स्ट्रेटिजिक चेंज इन द 'डिवलपमेंटल स्टेट, चाइना रिपोर्ट, भाग–42, अंक–3, 2006 (आगामी)

मीडिया आलेख

कनाडियन, यू.एस. और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र

- **क्रिस्टोफर एस. राज**, इंडो–यू.एस. रिलेशन्स, परिचर्चा, सहारा टी.वी., 2 जुलाई 2005
- **क्रिस्टोफर एस. राज**, बैक लैश आफ टेररिज्म, परिचर्चा, चैनल–7, 11 जुलाई, 2005
- **क्रिस्टोफर एस. राज**, इंटरनेशनल टेररिज्म, परिचर्चा, चैनल–7, 16 जुलाई, 2005
- **क्रिस्टोफर एस. राज**, पी.एम'स विजिट टु यू.एस : बी.बी.सी. रेडियो, 20 जुलाई 2005
- **क्रिस्टोफर एस. राज**, पी.एम. विजिट टु यू.एस., जैन टीवी, 20 जुलाई 2005
- **क्रिस्टोफर एस. राज**, ईरानियन न्यूक्लियर क्राइसिस, परिचर्चा, जैन टी.वी., 27 सितम्बर 2005
- **क्रिस्टोफर एस. राज**, ईरान न्यूक्लियर क्राइसिस, परिचर्चा, सहारा टी.वी., 26 जनवरी 2006
- **क्रिस्टोफर एस. राज**, प्रेसिडेंट बुश विजिट टु इण्डिया, चैनल 7, 2 मार्च 2006
- **क्रिस्टोफर एस. राज**, इण्डो–यू.एस. रिलेशंस ऐंड बुश विजिट, जनमत टी.वी., 2 मार्च 2006
- **चिन्तामणि महापात्रा**, द यू.एस. ऐंड यू.एन. : पालिटिक्स आफ सिक्यूरिटी काउंसिल, इनफा, 18 अप्रेल 2005
- **चिन्तामणि महापात्रा**, अनहोली ट्रीटमेंट आफ द होली बुक, सेन्ट्रल क्रानिकल, 13 जून, 2005
- **चिन्तामणि महापात्रा**, इण्डिया, पाक मेकिंग हैडवे, सेंट्रल क्रानिकल, 29 अगस्त 2005
- **चिन्तामणि महापात्रा**, स्टेबिलिटी इन इराक स्टिल ए पाइपड्रीम, इन्फा, 17 अक्टूबर 2005
- **चिन्तामणि महापात्रा**, गुडबाय नान एलाइनमेंट : न्यू डायनेमिक्स इन इण्डियन फारेन पालिसी, इनफा, 24 अक्टूबर 2005
- **चिन्तामणि महापात्रा**, इण्डियन वोट इन आई.ए.इ.ए. : फारेन पालिसी ऐंड डोमेस्टिक पालिटिक्स, इन्फा, नवम्बर 2005
- **चिन्तामणि महापात्रा**, आफ्टर नटवर'स रिमूवल : नीड फार फुल टाइम फारेन मिनिस्टर, इन्फा, 14 नवम्बर 2005
- **चिन्तामणि महापात्रा**, चाइना इन सार्क : इण्डिया'स डिप्लोमेटिक डिफीट, इन्फा, 28 नवम्बर 2005
- **चिन्तामणि महापात्रा**, नेहरू'स मूव्स मेटरलाइज्स : इण्डिया'स इनगेजमेंट इन एशिया पेस्फिक, इन्फा, 26 दिसम्बर 2005
- **चिन्तामणि महापात्रा**, चाइना रिमेन्स सेंट्रल टु बुश'स कंसर्न्स, न्यू नेशन आन लाइन, 4 मार्च 2006

- **चिन्तामणि महापात्रा**, यू.एस. प्रेसिडेन्ट'स इटेनरी : सिग्निफिकेंस आफ हैदराबाद विजिट, इन्फा, 6 मार्च 2006
- **चिन्तामणि महापात्रा**, इण्डो–यू.एस. न्यूक्लियर डील : वाट नेक्स्ट ? इन्फा, 20 मार्च, 2006
- **चिन्तामणि महापात्रा**, एक्स्ट्राआर्डिनरी एग्रीमेंट : ग्लोबल इंप्लिकेशंस आफ इण्डो–यू.एस. टाइज, 27 मार्च 2006

अन्तरराष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केन्द्र

- **राजेश राजगोपालन**, द इण्डो–यू.एस. डील इज ए ह्यूज विक्ट्री फार अवर स्ट्रेटजी, फाइनेंशल एक्सप्रेस, नई दिल्ली, 25 जुलाई 2005
- **राजेश राजगोपालन**, नो बाइपोलर डिस्आर्डर दिस टाइम, टाइम, इण्डियन एक्सप्रेस, 20 मार्च 2006
- **स्वर्ण सिंह**, Asia Du Sud : Attention aux guerres de l eaul, कोरियर इंटरनेशनल ए.ला. मोण्डे शी बाओ, ग्लोबल टाइम्स, बीजिंग, 7 जुलाई 2005
- **स्वर्ण सिंह**, Shui : Nan ya zhan zheng zhi yuam, वाटर : काज फार वार इन साउथ एशिया ? ह्युआन क्यू शी बाओ ग्लोबल टाइम्स, बीजिंग, 7 जुलाई 2005
- **स्वर्ण सिंह**, साउथ एशिया'स वाटर वार्स, डेकन हेराल्ड, बंगलौर, 6 जुलाई 2005
- **स्वर्ण सिंह**, आल आइज द ट्राइलॉग, डेकन हेराल्ड, बंगलौर, 2 जून 2005
- **स्वर्ण सिंह**, Ye ge zhan lue de san jiao dadan shong,द ब्रिटिश आफ ए बिग स्ट्रेटजिक ट्राइएंगल, डांगफेंग जोबाओ, ओरिएन्टल मार्निंग पोस्ट, शंघाई, 1 जून, 2005

अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र

- **मनोज पंत**, रेग्यूलर कालम, ओकेजनल पेपर्स, इकोनामिक टाइम्स,
- **मनोज पंत**, फीचर्ड आर्टिकल्स इन फाइनेंशल इक्सप्रेस
- **अमित एस. रे**, इंग्लिश स्पीकिंग फोर्स मेन असैट, फाइनेंशल एक्सप्रेस, एफइ इनसाइट : एफडीआई ऐंड ट्रेड, मुम्बई और अन्य शहर, 2 नवम्बर 2005
- **अमित एस. रे**, ट्रिप (सं.) पिंग अप आन हैल्थकेयर, इकोनामिक टाइम्स, दिल्ली और अन्य शहर, 11 जून 2005

समाचार पत्रों में प्रकाशित आलेख

यूरोपीय अध्ययन केन्द्र

- **गुलशन सचदेवा**, डांट इग्नोर सेंट्रल एशिया, द टाइम्स आफ इण्डिया, नई दिल्ली, 15 जून 2005
- **गुलशन सचदेवा**, बूस्ट (इण्डो–रसियन) इकोनामिक रिलेशंस विद न्यू इनिसिएटिव्स, द फाइनेन्शल एक्सप्रेस, नई दिल्ली, 23 मई 2005

मोनोग्राफ

पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र

- **गुलशन डायटल**, द सक्सेशन इन द हाउस आफ सैण्ड, द हिन्दू, 2 अगस्त 2005

यूरोपीय अध्ययन केन्द्र

- **गुलशन सचदेवा**, अण्डरस्टेंडिंग यूरो इंप्लिकेशंस फार इण्डिया, आधार पत्र सं.–1, यूरोपीय अध्ययन केन्द्र, जेएनयू, नई दिल्ली, 2005 (आन लाइन)

- **यू.एस. बावा**, इण्डिया–एन इमर्जिंग पावर इन इंटरनेशनल सिक्यूरिटी ?, ब्राजिलिया विश्वविद्यालय के लिए मोनोग्राफ, फोर्ड प्रोजेक्ट, रोल आफ इमर्जिंग पावर्स इन इंटरनेशनल सिक्युरिटी, ब्राजिलिया, ब्राजिलिया विश्वविद्यालय, 2006

पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र

- **ए.के. पाशा**, इण्डिया–सउदी टाइज, विषयक आलेख, बेहरीन ट्रिब्यून में प्रकाशित (एन. जनार्धन के साथ) 20 जनवरी 06
- **ए.के. पाशा**, रिलेशंस टु ए न्यू डान विषयक आलेख, अरब न्यूज (जेद्दाह) में प्रकाशित, (एन. जनार्धन के साथ), 26 जनवरी, 2006
- **ए.के. पाशा**, द वर्ल्ड टुडे के लिए बी.बी.सी. अंग्रेजी रेडियो कार्यक्रम द्वारा साक्षात्कार, इण्डिया ईरान और आई.ए.ई.ए., 20 फरवरी 2006
- **ए.के. पाशा**, वाइस आफ अमेरिका, हैलो इण्डिया लाइव ओ ऐंड ए में भाग लिया। 17–18 फरवरी, 2006, 26 सितम्बर 2005 और 27 सितम्बर 2005 सउदी प्रतिनिधि मण्डल की विजिट के लिए एक बैठक आयोजित की और 'इण्डो–सउदी रिलेशंस, विषयक व्याख्यान दिया, अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू 26 जनवरी 2006
- **ए.के. पाशा** ने 22 जुलाई 2005 को भारत में टुनिसिया के राजदूत महामहिम इलेस काजरी की 'कंटेम्पोरॅरि टुनिसिया विषयक परिचर्चा' का आयोजन किया और अंजु बाली पाण्डेय की पुस्तक 'फादर ऑफ टुनिसिया : हबीब बोरगिबा' के विमोचन कार्यक्रम की अध्यक्षता की।
- **ए.के. पाशा** ने 21 नवम्बर 2005 को अमेरिकन सेंटर, नई दिल्ली में 'रिलीजन इन मल्टिलेट्रल डेमोक्रेसीज विद ए फोकस आन मुस्लिम इन द यू.एस. विषयक परिचर्चा में भाग लिया।
- **ए.के. पाशा** ने यू.एस. पालिसीज इन वेस्ट एशिया : ग्लोबल ऐंड रीजनल इंप्लिकेशंस विषयक परिचर्चा आयोजित की और अध्यक्षता की, विवेकानन्द, सम्पादक, द गल्फ टुडे, शारजाह, यू.ए.ई, अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू, 24 दिसम्बर 2005
- **ए.के. पाशा** ने 5 फरवरी 2006 को होटल ताज मानसिंह, नई दिल्ली में चिन्मय आर. घरेवान द्वारा आयोजित, इण्डिया'स स्पेशल इनकम टु वेस्ट एशिया, विषयक बैठक में भाग लिया, डा. सारी नुसैबेही, अध्यक्ष, अल कादस विश्वविद्यालय, जेरुसलम
- **ए.के. पाशा** ने 6 फरवरी 2006 को जेएमआई, सेंटर फार वेस्ट एशियन स्टडीज में अल कदा यूनिवर्सिटी, जेरुसलम के अध्यक्ष डा. सारी नुसैबेही द्वारा आयोजित व्याख्यान में भाग लिया।
- **ए.के. पाशा** ने 21 फरवरी 2006 को फाउन्डेशन फार पीस ऐंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट, 11 सी, नई दिल्ली में, 'इण्डियन फारेन पालिसी : कंटिन्युटी ऐंड इमर्जिंग चैलेंजिस, विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- **पी.आर. कुमारस्वामी** ने इजराइल'स न्यू आर्क आफ फ्रेंडशिप : इण्डिया, रशिया ऐंड टर्की, दुबई : गल्फ रिसर्च सेंटर, (शोध आलेख), पृ. 46, 2005
- **पी.आर. कुमारस्वामी**, ऐट वाट कोस्ट इजराइल – चाइना टाइज ? मिडिल ईस्ट क्वार्टर्ली, भाग–13, अंक–2, पृ. 37–44, 2006

सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

आलेख

- **ए. भट्टाचार्य**, ए.ए. बेकरे, के. रावल, आर. रामास्वामी और एस. भट्टाचार्य, लाइन्स ऐंड साइन्स आफ एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका : कम्पैरटिव एनालिसिस ऐंड जिनोमिक डिस्ट्रिब्यूशन, एक्स पैरासिटोल, 110, 196–202, 2005
- **ए. भट्टाचार्य**, एस. नन्दी, एन. मेहरा और ए.एम. लिन, कम्पेरिजन आफ थिओरेटिकल प्रोटेओम : आइडेंटिफिकेशन आफ सीओजीएस विद कंजर्ब्ड ऐंड वैरिएबल पीएल विदिन मल्टिमाडल पीएल डिस्ट्रिब्युशन, बीएमसी जिनोमिक्स 6, 116, 2005
- **ए. भट्टाचार्य**, एन. पधान, आर. जैन, एस. भट्टाचार्य, कैल्सियम बाइंडिंग प्रोटीन आफ एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका, आर्क. मेड. रेस. 37, 221–225, डी. वत्स, आर.ए. विश्वकर्मा, एस. भट्टाचार्य, ए. भट्टाचार्य रिडक्शन आफ सेल सर्फेस ग्लाइकोसिलफास्फेटिडाइलिनोसिटोल कंजुगेट्स इन एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका बाई एन्टीसेन्स ब्लाकिंग आफ इ. हिस्टोलिटिका जीएलसी एनएसी–फास्फेटिडाइलिनोसिटोल डिसाइटिलेस इक्सप्रेशन : इफैक्ट आन सेल प्रालिफरेशन, एन्डोसाइटोसिस, ऐंड एडहिजन टु टार्गेट सेल्स : इंफेक्ट ऐंड इम्यून, 73, 8381–8392
- ए. भट्टाचार्य, एन पधान, आर. जैन और एस. भट्टाचार्य, कैल्सियम बाइंडिंग प्रोटीन्स आफ एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका, आर्क मेड. रेस. 37, 221–225, 2006
- **आर. मिश्रा**, एस.के. गेरा, एस. मिश्रा, बी. प्रकाश, एनालिसिस आफ जीटीपास कैरिंग हाइड्रोफोबिक अमिनो एसिड सब्सिट्युशंस इन ल्यु आफ द कैटेलिटिक ग्लुटेमाइन : इंप्लिकेशंस फार जीटीपी हाइड्रोलिस, प्रोटींस : स्ट्रक्चर, फंक्शन ऐंड जिनेटिक्स, भाग 59 अंक–2, पृ. 332–338, 2005
- **एस.एम. अग्रवाल**, जे. गुप्ता, कम्पेरटिव एनालिसिस आफ ह्युमन इन्ट्रोनलेस प्रोटीन्स, बायोकेमिकल ऐंड बायोफिजिकल रिसर्च कम्यूनिकेशंस, भाग–331, अंक–2, पृ. 512–19, 2005
- **ए. कृष्णमाचारी**, एस.पी. पाण्डेय, कंप्यूटेशनल एनालिसस आफ प्लांट आर.एन.ए. पोल–II प्रोमोटर्स, बायोसिस्टम्स , भाग–83, अंक–1, पृ. 38–50, 2006
- **एस.एम. अग्रवाल**, इवोल्युशनरी रैट वैरिएशन इन यूकारियोटिक लाइनेज स्पेस्फिक ह्युमन इंट्रोनलेस प्रोटीन्स, बायोकेमिकल ऐंड बायोफिजिकल रिसर्च कम्यूनिकेशंस, भाग–337, अंक–4, पृ. 1192–97, 2005
- **आर. रामास्वामी**, जी. संतोष और डी. कुमार, थर्मल ट्रांस्पोर्ट इन लो डाइमेंशनल लैटिक्स विद नियरेस्ट ऐंड नेक्स्ट नियरेस्ट नेबर इंटरएक्शंस, जर्नल आफ स्टेटिस्टिकल मकेनिक्स, पृ. 1–10, 2005
- **आर. रामास्वामी**, एस. दत्ता और एस.एस. नेगी, क्रिटिकल लोकेलाइजेशन ऐंड स्ट्रेंज नानकेआटिक डायनामिक्स, द फिबोनाकी चेन, इंटरनेशनल जर्नल आफ बाइफरकेशन ऐंड केआस 15, 1493–1501, 2005
- **आर. रामास्वामी**, एम.डी. श्रीमाली, ए. प्रसाद और यू. फुडेल, बेसिन बाइफरकेशंस इन कपल्ड क्वासिपिरिआडिकली फोर्स्ड सिस्टम्स, फिजिकल रिव्यू इ–72, 1–8, 2005
- **आर. रामास्वामी**, के. गुप्ता, एच.पी. सिंह, बी. बिस्वल, अडेप्टिव टार्गेटिंग आफ केआटिक रिस्पांस इन पिरिअडिकली स्टिमुलेटिड न्यूरल सिस्टम्स, केआस 16, पृ. 1–7, 2006
- **आर. रामास्वामी** और एम.डी. श्रीमाली, पार्शियल कम्पलीट सिनक्रोनाइजेशन इन क्वासिपिरिडिकली फोर्स्ड कपल्ड मैप्स, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, 71, कार्यवाही, पृ. 85–96, 2005

भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान

आलेख

अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र

- **एस.ए. रहमान**, अकादमिक एक्टिविटीज ड्यूरिंग द पीरियड आफ अकबर, (उर्दू में) अफ्कार–ए–अलिया, भाग–2, अंक–2, अप्रैल–जून 2005
- **एस.ए. रहमान**, माडर्न अरेबिक लैंग्यूवेज ऐंड ट्रास्लेशन, (उर्दू में), अफ्कार–ए–अलिया, भाग–3, अंक–1, जनवरी–मार्च 2006
- **एस.ए. रहमान**, ट्रांस्लेशन आफ सम हिन्दी स्टोरीज इनटू अरेबिक, सारांसर
- **एस.ए. रहमान**, ट्रांस्लेशन आफ सम हिंदी ऐंड उर्दू स्टोरीज इनटू अरेबिक थकाफतुल हिन्द, आई.सी.सी.आर. की अरबी पत्रिका
- **एम. असलम इस्लाही**, बरकतुल्लाह भूपाली ऐंड हिज कंट्रीब्यूशन इन द नेशनल मूवमेंट, थकाफतुल हिन्द, भाग–57, अंक–1, आई.सी.सी.आर., नई दिल्ली, 2006
- **एफ.यू. फारूकी**, रोल आफ अब्दुल काहिर इन अरेबिक लिट्रेरी क्रिटिसिज्म, जर्नल आफ नेशनल राडा लाइब्रेरी, रामपुर, यू.पी.
- **एफ.यू. फारूकी**, शेख अली अल महायमी ' लाइफ ऐंड वर्क्स, एम.एस. यूनिवर्सिटी, जर्नल, 2005
- **मुजीबुर रहमान** al-adlam al-Islami : bainal haqiqa wa al-ustoora (द इस्लामिक वर्ल्ड बिटवीन रीयल्टी ऐंड मिथ) इशातुल इस्लाम अरेबिक कालेज, केरला की पत्रिका, 2005
- **मुजीबुर रहमान**, 'Edward said: abqariatuttanzir wa furusiatu maidan-il kifah', (एडवर्ड सैड, द जीनस आफ थीओराइनशन ऐंड ए ग्रेट स्ट्रगलर) अल–बाथ अल इस्लामी, लखनऊ, जून 2005

चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

- **सबरी मित्रा**, द कल्चरल डायमेंशन आफ वेन जिआबाओ'स इण्डिया विजिट, प्रीमियर वेन जिआबाओ'स विजिट टु इण्डिया, ओकेजनल स्टडीज नं.–7, चीनी अध्ययन संस्थान, पृ. 63–64, 2005
- **देवेन्द्र सिंह रावत**, चाइनीज टु हिंदी ट्रांसलेशन आफ गुओ मोरुओ'स पोइम 'शून्य स्त्रोत, गोलकोण्डा दर्पण, दिसम्बर 2005
- **देवेन्द्र सिंह रावत**, चाइनीज टु हिंदी ट्रांस्लेशन आफ गुओ मोरुओ'स पोइम फेंग ह्वांग का निर्वाण, शब्दयोग, जनवरी–मार्च 2006

अंग्रेजी अध्ययन केंद्र

- **एस.के. सरीन**, आस्ट्रलियन स्टडीज : एन इण्डियन पर्सपेक्टिव, क्रासिंग्स, भाग 10.1
- **एस.के. सरीन** और एस. रहमान, बंग्लादेश : ए मोनोलिंगुअल नेशन–स्टेट आर ए कंस्ट्रक्ट आफ कल्चरल हेगमनी, भाषा विज्ञान संस्थान की पत्रिका जेएसएल न्यू सीरीज 3, पृ. 85–95, 2005
- **एस.के. सरीन**, द डिफेंस आफ द मार्जिनेलाइज्ड – द एबआर्जिनल आस्ट्रेलियन इक्सपिरिअन्स, जे.एस.एल, द मार्जिनल विषयक विशेष अंक, न्यू सीरीज 4, पृ. 32–39, 2005
- **एस.के. सरीन**, कंटेम्पोरॅरि आस्ट्रेलियन शार्ट नैरेटिव्स – एन इण्डियन रीडर'स पर्सेप्शन, अंग्रेजी विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय की पत्रिका, न्यू लिट्रेचर इन इंग्लिश विषयक विशेष अंक, भाग–32, अंक 1 और 2, पृ. 132–42, 2005–06
- **एस.के. सरीन**, आस्ट्रेलियन लिट्रेचर कांससनेस : आफ आइसलैण्ड आर कंटिनेन्ट, सेवा भारती, अंग्रेजी अध्ययन की पत्रिका, भाग–2, पृ 1–12, जनवरी 2006
- **मकरन्द परांजपे**, स्वामी विवेकानन्द : टुडे ऐंड टुमारो, फोकल पाइन्ट आर्टिकल, रामकृष्ण मिशन इंस्टीट्यूट आफ कल्चर की बुलेटिन, 63.7, पृ. 327–34, जुलाई 2005

- **मकरन्द परांजपे**, ए पोइट्री आफ प्रर्पोशंस : निसीम एजकिलंस क्वेस्ट फार द एक्जेक्ट नेम, साउथ एशियन रिव्यू, पृ. 79–95, 26 दिसम्बर 2005
- **मकरन्द परांजपे**, सी द वर्ल्ड इन ए ग्रेन आफ वर्स, डेली न्यूज ऐंड एनालिसिस, 15 अक्टूबर, 2005
- **मकरन्द परांजपे**, फेनिंग द डिवाइन स्पार्क विदिन, रिफ्लेक्शंस, डेली न्यूज ऐंड एनालिसिस, 20 अक्टूबर 2005
- **मकरन्द परांजपे**, वेन राइटिंग इज साधना, डेली न्यूज ऐंड एनालिसिस, 5 नवम्बर 2005
- **मकरन्द परांजपे**, एन एक्सपेरिमेंट इन अल्टरनेट लिविंग, डेली न्यूज ऐंड एनालिसिस, 11 नवम्बर 2005
- **मकरन्द परांजपे**, मेक इवरी ब्रेथ ए प्रेयर, रिफ्लेक्शंस, डेली न्यूज ऐंड एनालिसिस, 19 नवम्बर 2005
- **मकरन्द परांजपे**, लेमन्स... ऐंड पोइम्स ऐंड होमकमिंग, फैमिलीज, 3.2 और 4, 4.1, पृ. 143–44, 2005
- **सुगाता भादुरी**, सेवरिंग एन आस्ट्रेलियन प्लैटर, द बुक रिव्यू, भाग–29, अंक–7, पृ. 24–25 जुलाई 2005
- **सुगाता भादुरी**, कल्चरल प्रैक्टिस ऐंड कम्यूनिकेटिव एक्शन : आफ डिफ्रेंसिस ऐंड सालिडैरिटी, स्टडीज इन ह्युमेनिटीज ऐंड सोशल साइंसिस (आई.आई.ए.एस. शिमला की पत्रिका), भाग–12, अंक–2, पृ. 127–37, 2005

फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र

- **के. माधवन**, 'La memoire d'une nuit Synergie-inde' Revue de Gerflint, अंक–1, 2006
- **के. माधवन** द महाभारत आफ वुमन (प्ले) थीएटर इण्डिया, राष्ट्रीय नाट्य संस्थान की पत्रिका, अंक–12, 2005
- **किरण चौधरी**, अंतिम पथ (अल्फांसे दौडेट का अनुवाद) 'La derniere classe' फ्राम फ्रेंच इनटु हिंदी, सार संसार, जुलाई–सितम्बर, 2005
- **विजयलक्ष्मी राव**, द मैकिंग आफ द महाभारत, आफ वुमन, थीएटर इण्डिया, अंक–12, 2005
- **विजयलक्ष्मी राव**, Drauapadi comme element perturbateur dans trois nouvelles contemporaines de I'Inde, Publication de LCF, Universite de la Reunion, 2006
- **विजयलक्ष्मी राव**, Orientalisme quebecois et representation hindoue, पैराग्राफ्स, मांट्रियल, 2006
- **शिवशंकरन शोभा**, La reception des ouvrages francais et francophones en tamoul, Rencontre avec I,Inde, आई.सी.सी.आर., नई दिल्ली, भाग–32, अंक–2
- **शिवशंकरन शोभा**, खजुराहो (ट्रांस्लेशन फ्राम रोमिला सिंह, 'खजुराहो' फ्राम इंग्लिश इनटु फ्रेंच), Rencontre avec l'Inde, आई.सी.सी.आर., नई दिल्ली, भाग–34, अंक–1
- **शिवशंकरन शोभा**, 'L' enfant du soleil' (लक्ष्मी कानन द्वारा लिखित, कादिरावने कौझान्दयी, विषयक लघु कहानी का तमिल से फ्रेंच में अनुवाद) Rencontre avec l'Inde, आई.सी.सी.आर., नई दिल्ली, भाग–34, अंक–1, 2005
- **अशीष अग्निहोत्री**, 'फणीश्वरनाथ रेणु : पोइटे दे लॉ बिहारताइद', रीकांत्रे अवैक एल'इंदे, आईसीसीआर, भाग–34, अंक–1, 2005
- **सारंगी धीर**, द डिफाइनेबल रेंज आफ नेचरलिज्म इन वेस्ट–एशियन आर्ट : सेंसिस फ्राम लाइफ, आइकान, जर्नल आफ नेशनल म्युजियम इंस्टीट्यूट, भाग–2, अंक–1, मार्च 2006
- **सारंगी धीर**, Cubisme et literature : une etude de Calligrammes du Gullaume Apollinaire' सिनेर्जी–इण्डे, रिव्यू अंक–1, 2006

जर्मन अध्ययन केंद्र

- **अनिल भट्टी**, Diversitat und Homogenisierung. Postkoloniale Anmerkungen aus Indien', in httpèèwww.goethezitportal.deèindex.php?id>>1431, 2005

- **मधु साहनी**, ट्रांस्कल्चरल नैरेटिव्स फार जुवेनिल्स, जे.एस.एल., 2006

भारतीय भाषा केंद्र

- **मोहम्मद शाहिद हुसैन**, आगा हसर के ड्रामों में पेशकश की इमकानात, आजकल, प्रकाशन विभाग, मासिक, अप्रैल 2005,
- **मोहम्मद शाहिद हुसैन**, तहरीर का इर्तका, आजकल, प्रकाशन विभाग, मासिक, नवम्बर 2005
- **चमन लाल**, हिंदी कविता में कश्मीरी रंग, समय माजरा, अप्रैल 2005
- **चमन लाल**, दलित सहित : मुक्ति लै साम्यिाचर्क कर्म (पंजाबी में), सृजन, अप्रैल–जून 2005
- **चमन लाल**, नामवर सिंह की आलोचना दृष्टि, सृजन पथ, जून, 2005
- **चमन लाल**, इतिहास पुरुष महात्मा गाँधी – व्यक्तिगत जीवन और सामाजिक छवि के बीच, कथादेश, नवम्बर 2005
- **चमन लाल**, बलवन्त सिंह के उपन्यास, आकार, दिसम्बर 2005
- **चमन लाल**, पंजाबी उपन्यास में दलित जीवन, दलित साहित्य, 2005
- **चमन लाल**, वरयाम संधु का कथा संसार, समकालीन जनमत, जनवरी 2006
- **चमन लाल**, कंटेम्पोरॅरि इण्डियन पोइट्री ऐंड प्रोफेसर मोहन सिंह'स पोइम्स (पंजाबी में), सृजन, जनवरी–मार्च 06
- **चमन लाल**, इक बार फिर पास को परहते हुए (पंजाबी कविता का हिंदी में अनुवाद के साथ), अन्यथा, यू.एस.ए. मार्च 2006
- **चमन लाल**, हिंदी–पंजाबी हिस्टोरिकल रिलेशंस ऐंड कंटेम्पोरॅरि रिलिवेन्स, अपनी भाषा, मार्च 2006
- **चमन लाल**, रामायण, रंगनायकम पर समीक्षा आलेख, हंस, नवम्बर 2005
- **चमन लाल**, धर्मगुरु, स्वराज्यवीर पर समीक्षा आलेख, अन्यथा, 2005
- **चमन लाल**, सुरंग में सुबह, कमलेश्वर पर समीक्षा आलेख, संदर्श, 13, 2006
- **चमन लाल**, जिन्नाह, द ट्रिब्यून, चण्डीगढ़, 17 जून, 2005, फिलहाल, पटना, अगस्त 2005 और अजीत (पंजाबी में), 2005
- **चमन लाल**, भदन्त आनन्द कौसल्यायन, इण्डियन बुक क्रानिकल, जनवरी 2006 (अंग्रेजी में), दैनिक भास्कर (हिंदी में) और पंजाबी ट्रिब्यून (पंजाबी में), 1 जून 2005
- **चमन लाल**, मार्टियर भगत सिंह सेंटेनेरीज, द ट्रिब्यून ऐंड फ्रंटियर, 19 मार्च 2006, मेन स्ट्रीम, 25 मार्च 2006 (अंग्रेजी में), पंजाबी ट्रिब्यून और नवा जमाना, 19 मार्च 2006, देश सेवक, (पंजाबी में), 23 मार्च, 2006 दैनिक भास्कर और राजस्थान पत्रिका के सभी संस्करण, (हिंदी में), 23 मार्च 2006
- **वीर भारत तलवार**, 8वीं अनुसूची और आदिवासी भाषाओं के विकास का प्रश्न, उधरत आम आदमी, अंक–78, अक्टूबर–दिसम्बर, 2005
- **रंजीत कुमार शाह**, चिन्तामणि कार : आकार को आधार और आकाश के' (कालसम्पदा), अक्टूबर–नवम्बर 2005
- **रंजीत कुमार शाह**, राम किंकर बैज का व्यक्तित्व, समकालीन कला, भाग–28, अक्टूबर 2005
- **रंजीत कुमार शाह**, चलती रही हिंदी – पहुँची अंग्रेजी, राजभाषा मंजूषा, भाग–2, 2006
- **रंजीत कुमार शाह**, नन्दलाल बसु : गुरु साधक, शिल्पी, साक्ष्य, भाग–1, अंक–1, अक्टूबर–दिसम्बर 2005
- **रंजीत कुमार शाह**, धुरी का ध्रुवंत, साक्ष्य, भाग–1, अंक–1 अक्टूबर–दिसम्बर 2005
- **देवेन्द्र कुमार चौबे**, नये समाज का यथार्थ और कहानी की दुनिया, आजकल (विशेष अंक), मई 2005
- **देवेन्द्र कुमार चौबे**, दलित परम्पराएं और दलित अस्मिता का प्रतिरोध, पल प्रतिपल, 72–73, जून–सितम्बर 2005

- **देवेन्द्र कुमार चौबे**, दलित इन ट्रेडिशनल एशियन सोसायटीज ऐंड द कल्चर आफ प्रोटेस्ट, जे.एस.एल. 2005
- **के.एम. इकरामुद्दीन**, तजकेरा और तर्ज–ए–आजाद, अवान–ए–उर्दू, मासिक, उर्दू अकादमी, नई दिल्ली
- **के.एम. इकरामुद्दीन**, उर्दू जबान की तालीम : मसायल और हल (बालीधूम के लिए), उर्दू दुनिया, मासिक, एन.सी.पी.यू.एल. नई दिल्ली
- **के.एम. इकरामुद्दीन**, उर्दू ज़बान की तालीम : मसायल और हल, मूक्तद्र, मासिक कराची

जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

- **प्रेम मोटवानी**, टीक्यूएम इन इण्डिया : हिंशित्शु, जापान, भाग–35, अंक–4, पृ. 18–26, नवम्बर 2005
- **अनीता खन्ना**, कनेको मित्सुहारु की कविताओं का जापानी से हिंदी में अनुवाद : जापानी लिट्रेचर विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी की स्मारिका, नवम्बर 2005
- **अनीता खन्ना**, अकुतगवा रियुनोसुके की अग्नि देवता का जापानी से हिंदी में अनुवाद, साहित्य अमृत, फरवरी, 2006
- **मंजुश्री चौहान**, मियाशी ततसुजी और अरिमा तकाशी की तीन कविताओं का जापानी से हिंदी में अनुवाद, जेपनीज लिट्रेचर, विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी की स्मारिका, नवम्बर 2005

भाषा विज्ञान केंद्र

- **पी.के. पाण्डेय**, वावेल फोनेम पैटर्न्स इन द लैंग्यूवेजिस आफ इण्डिया, इण्डियन लिंग्विस्टिक्स, 66, पृ. 77–84, 2005
- **पी.के. पाण्डेय**, टीचिंग इंग्लिश प्रोनाउंसिएशन : करंट पर्सपेक्टिव्स, फोरटेल न्यूजलैटर, (अंग्रेजी भाषा और साहित्य के शिक्षकों का मंच), 6–7 अक्टूबर, 2005
- **फ्रेंसन मंजली**, डिकंस्ट्रक्टिंग कम्यूनिटी : जीन ल्यूस नेन्सी आन राइटिंग सेन्स, जर्नल आफ इंटरडिसिप्लिनरी क्रासरोड्स, भाग–2, अंक–2, पृ. 307–20, अगस्त 2005
- **फ्रेंसन मंजली**, द स्टोरीज आफ इंग्लिश, डेविड क्रस्टल, रूकमणी भाया नायर और मनीष चन्द से परिचर्चा, बिब्लिओ : ए रिव्यू आफ बुक्स, भाग–10, अंक–1 और 2, 2005
- **फ्रेंसन मंजली**, नीतजे, डेरिडा ऐंड द डिकंस्ट्रक्शन आफ यूरोपीयन लिंग्विस्टिक माडर्निटी, इंटरनेशनल जनरल आफ द्रवेणियन लिंग्विस्टिक्स, भाग–35, अंक–1, पृ. 143–65, जनवरी 2006

फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र

- **अखलाक अहमद अंसारी**, 'Pas che Bayad kard Aye Ummat' (फारसी में), डेनिश क्वार्टर्ली, इस्लामाबाद, पाकिस्तान, अंक–80, 2005
- **अखलाक अहमद अंसारी**, गजल, डेनिश क्वार्टर्ली, इस्लामाबाद, पाकिस्तान, अंक 81, 2005

रूसी अध्ययन केंद्र

- **अमर बासु**, अंटोम चैखोव ऐंड हिज शार्ट स्टोरीज, क्रिटिक, अंक–6, 2005
- **अमर बासु**, इम्पोर्टेन्स आफ निकितिन'स ट्रावेलॉग : वायेज बियांड द थ्री सीज, (बंगाली में), एवं मुशायरा, 2006
- **शंकर बासु**, इंटेलिजेंसिया इन द शार्ट स्टोरीज आफ टैगोर ऐंड चैखोव, रशियन स्टडीज इन इण्डिया, भाग–2, केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनन्तपुरम, 2005
- **शंकर बासु**, रशिया'स डिफिकल्ट पथ टु कल्चरल डेमोक्रेसी, क्रिटिक, सी.आर.एस., जेएनयू की पत्रिका, मार्च 2006
- **मनु मित्तल**, डायमेंशंस आफ चेंज विद टाइम : रशियन फिलोलाजी इन इण्डिया, क्रिटिक अंक–6, पृ. 125–39, 2006
- **मीता नारायण**, एपी चैखोव – द मैन आफ द मैसेसिस क्रिटिक, मार्च 2006

- **मीता नारायण**, द वोकेबुलरी आफ पेरेस्त्रोइका (लोन वर्ड्स के विशेष संदर्भ में) एसोनेन्स – ए जर्नल आफ रशियन ऐंड कम्पैरटिव स्टडीज, रूसी विभाग, तुलनात्मक साहित्य केंद्र, कालीकट विश्वविद्यालय, केरल, नवम्बर 2005
- **मीता नारायण**, द रशियन सोसायटी टुडे : विद स्पेशल रिफ्रेन्स टु चेंजिस इन नेम, रशियन फिलोलाजी, केंद्रीय अंग्रेजी और विदेशी भाषा संस्थान, हैदराबाद, अप्रैल 2005

पुस्तकें

अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र

- **एस.ए. रहमान**, ए डिक्शनरी आफ एब्रिविएशंस : इंग्लिश–अरेबिक, वाइज प्रकाशंस, नई दिल्ली, 2005
- **एस.ए. रहमान**, अल कामूस अल अरबी अल हिंदी, केंद्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली, 2005
- **एस.ए. रहमान** और रिजवानुर रहमान, किताब अल मुहादथा अल अरेबियाह अल हिंदयाह, केंद्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली, 2005
- **एस.ए. रहमान** और रिजवानुर रहमान, हिन्दी–अरबी वार्तालाप पुस्तिका, केंद्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली, 2006
- **एफ.यू. फारूकी**, अरेबिक पोर्शन आफ जेम उर्दू इन्साइक्लोपीडिया, भाग–1, 12 आलेख, एन.सी.पी.यू.एल., नई दिल्ली, 2005

चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

- **सबरी मित्रा**, लिट्रेचर ऐंड पालिटिक्स इन ट्वेन्टीथ सेंचुरी चाइना : इश्यूज ऐंड थीम्स, बुक्स प्लस, नई दिल्ली, 2005
- बी.आर. दीपक, माई लाइफ विद कोटनिस, मानक प्रकाशन, नई दिल्ली, 2006

अंग्रेजी अध्ययन केंद्र

- **एस.के. सरीन**, (सं.) आस्ट्रेलिया ऐंड इण्डिया : इंटरकनेक्शंस, आइडेंटिटी, रिप्रजेंटेशन ऐंड बिलांगिग, मंत्र बुक्स, नई दिल्ली, 2006
- **मकरंद परांजपे**, (सं.), धर्मा ऐंड डिवलपमेंट : द फ्युचर आफ सरवाइवल, सामवेद इण्डिया फाउन्डेशन, नई दिल्ली, 2005
- **मकरंद परांजपे**, (सं.), द पेंगुइन स्वामी विवेकानन्द रीडर, पेंगुइन, नई दिल्ली, 2005
- **मकरंद परांजपे**, सरवल अमित और राजेन्द्र अनीता (सं.), इंग्लिश स्टडीज, इण्डियन पर्सपेक्टिव्स, मंत्र बुक्स, नई दिल्ली, 2005
- **जी.जे.वी. प्रसाद**, (सं.) जान ओसबोर्न'स लुक बैक इन ऐंगर, पेंगुइन स्टडी एडिशन, नई दिल्ली, 2005

फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र

- **शांता रामकृष्ण** (सं.) Rencontre avec l'Inde, भाग–34, अंक 1–2
- **आशा पुरी,** लिओपोल्ड सेदर सेंगर'स पोइम्स (फ्रेंचे से अंग्रेजी में) फ्रेंच सूचना और संसाधन केंद्र, नई दिल्ली, 2005

जर्मन अध्ययन केंद्र

- **रेखा वी. राजन** (अनुवाद) जार्ज फिश्च, इमोलेटिंग वुमन : ए ग्लोबल हिस्ट्री आफ विडो बर्निंग फ्राम एंशन्ट टाइम्स टु द प्रजेंट (जर्मनी से अंग्रेजी में), परमानेन्ट ब्लैक, नई दिल्ली, 2005

भारतीय भाषा केंद्र

- **चमन लाल**, स्वराजबीर, धर्मगुरु (पंजाबी से हिंदी में), राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005
- **चमन लाल**, इंकलाबी इतिहास दे सुनेहरी पन्ने (पंजाबी में), तर्क भारती प्रकाशन, बरनाला, 2005

- **वीर भारत तलवार**, सामना : रामविलाश शर्मा की विवेचन पद्धति और मार्क्सवाद तथा अन्य निबन्ध, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005
- **वीर भारत तलवार**, राजा शिव प्रसाद 'सितारेहिन्द' साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 2005
- **रंजीत कुमार शाह**, गीतांजली (रवीन्द्रनाथ टैगोर की गीतांजली का हिंदी अनुवाद), किताबघर, नई दिल्ली, फरवरी 2006
- **रंजीत कुमार शाह**, महामती प्राणनाथ : वांग्मय विमर्श, यश प्रकाशन, नई दिल्ली, फरवरी 2006

जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

- **अनीता खन्ना**, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, अन्धेर नगरी चौपट राजा (हिंदी से जापानी में) चम्पा नो हाना, टोकियो, 2005
- **अनीता खन्ना**, जापानी साहित्य विषयक प्रथम इण्डो–जेपनीज सम्मेलन की कार्यवाही, अंक–4, 2005
- **पी.ए. जार्ज**, ईस्ट एशियन लिट्रेचरर्स – एन इंटरफेस विद इण्डिया, नार्दन बुक सेंटर, नई दिल्ली, 2006
- **पी.ए. जार्ज**, (सं.) एनलाइटनमेंट आफ वुमन ऐंड सोशल चेंज, नार्दन बुक सेंटर, नई दिल्ली, 2006

भाषा विज्ञान केंद्र

- **फ्रेंसन मंजली** (सं.) पोस्टस्ट्रक्चरलिज्म ऐंड कल्चरल थीअरि : द लिंग्विस्टिक टर्न ऐंड बियांड एलाइड प्रकाशक, नई दिल्ली, 2006
- **फ्रेंसन मंजली** (सं.) नीत्जे : फिलोलाजिट, फिलास्फर ऐंड कल्चर क्रिटिक, एलाइड प्रकाशक, नई दिल्ली, 2006

फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र

- **एस.ए. हसन**, शेख अली हाजिन ऐंड हिज स्टाइल आफ कम्पोजिशन, कान्डे–पारसी, ईरान कल्चरल हाउस, नई दिल्ली, 2006
- **एस.ए. हसन**, (सं.) बदर फैजाबादी, जिया ए बदर (ए कलेक्शन आफ पेनिजाइरिक्स), बुक प्लस, नई दिल्ली, 2006
- **एस.ए. हसन**, अमीर खुसरो, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी के अवसर पर प्रकाशित एक स्मारिका, शिव शक्ति इंटरप्राइजिस, नई दिल्ली, 25–29 मार्च, 2006
- **जेड.एस. काजमी**, Zobdat al Akhbar Fi Sawaneh el Asfar, Delhi : इण्डो–पर्शियन सोसायटी, 2005

रूसी अध्ययन केंद्र

- **वरयाम सिंह**, दूर की आवाज (अलेग्जेंडर ब्लाक की कविता का हिंदी में अनुवाद), प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, 2006
- **मनु मित्तल**, (सं.) द सौल'स ट्वीलाइट : बाईसेंटिनियल आफ फ्योदोर आई तित्चेव, आई.सी.सी.आर., नई दिल्ली, 2005

स्पेनी, पुर्तगाली, इतालवी और लेटिन अमरीकी अध्ययन केंद्र

- **एस.पी. गांगुली** और मीनाक्षी सुन्द्रियाल Esta riqueza abandonadaèYeh Sampannata Bikhri Hui... (स्पेनी/हिंदी बाइलिंग्विल एन्थोलाजी आफ लैटिन–अमेरिकन ऐंड कैरेबियन पोइट्री), साहित्य अकादमी और गुरुलेक, नई दिल्ली, 2006
- **एस.पी. गांगुली** (सं.) क्विजोटिक एनकाउंटर्स : इण्डियन रिस्पांस टु द नाइट फ्राम स्पेन, शिप्रा प्रकाशन, दिल्ली, 2005
- **एस.पी. गांगुली** अपराजित चट्टोपाध्याय, सोवोन सान्याल और पिनाकी घोष (सं.) Antologia poetica espanola :Spanish-Bangla Kabya Sambhar (स्पेनिश–बंगाली एन्थोलाजी आफ पोइट्री), कंफ्लुएन्स इंटरनेशनल, नई दिल्ली, 2006
- **राजीव सक्सेना**, Simbolismo e imageneria en la poesia peruana contemporanea, भारत में पेरू का दूतावास, नई दिल्ली, 2005

पुस्तकों में अध्याय

चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

- **बी.आर. दीपक**, द 1857 रिबेलियन ऐंड द इण्डियन इनवाल्वमेंट इन द ताईपिंग अपराइजिंग आफ चाइना, इण्डिया ऐंड चाइना इन द कलोनियल वर्ल्ड, सोशल साइंस प्रेस, नई दिल्ली, 2005
- **बी.आर. दीपक**, इण्डियन लिट्रेचर इन चाइना (सं.) पी.ए. जार्ज, ईस्ट एशियन लिट्रेचर : एन इंटरफेस विद इण्डिया, नार्दन बुक सेंटर, नई दिल्ली, पृ. 216–22, 2006
- **हेमन्त कुमार अदलखा**, माडर्निस्ट कांससनेस आन माडर्निटी इन चाइनीज लिट्रेचर इन द ट्वेन्टीथ सेंचुरी, (सं.) पी.ए. जार्ज, ईस्ट एशियन लिट्रेचर : एन इंटरफेस विद इण्डिया, नार्दन बुक सेंटर, नई दिल्ली, पृ. 86–94, 2006
- **डी.एस. रावत**, लु शुन और रूसी साहित्य, (सं.) मनु मित्तल, द सौल'स ट्वीलाइट, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, नई दिल्ली, 2005
- **डी.एस. रावत**, गुओ मोरूआ ऐंड इण्डिया, (सं.) पी.ए. जार्ज, ईस्ट एशियन लिट्रेचर : एन इंटरफेस विद इण्डिया, नार्दन बुक सेंटर, नई दिल्ली, पृ. 200–07, 2006

अंग्रेजी अध्ययन केंद्र

- **हरीश नारंग**, यू विल फ्लो बैक टु योर बिगनिंग्स : प्राब्लम्स आफ आइडेंटिटी ऐंड एस्थेटिक्स इन कनेडियन लिट्रेचर आफ इण्डियन डाइसपोरा, (सं.) धवन और पेब्बी, मल्टिकल्चरलिज्म : कनाडा ऐंड इण्डिया, प्रेस्टीज, नई दिल्ली, 2005
- **एस.के. सरीन**, थ्री वे फ्रेक्चर : बिलांगिंग ऐंड नाट बिलांगिंग इन डाइसपोरा राइटिंग, (सं.) ए. कविता, आदेश पाल शर्मा और तापस चक्रबर्ती, कंटेक्सचुअलाइजिंग नेशनलिज्म, ट्रासनेशनलिज्म ऐंड इण्डियन डाइसपोरा, क्रिएटिव बुक्स, नई दिल्ली, पृ. 19–29, 2005
- **एस.के. सरीन**, सेल्फ, आइडेंटिटी ऐंड बिलांगिंग द एबआर्जिनल केस, (सं.) एस.के. सरीन, आस्ट्रेलिया ऐंड इण्डिया : इंटरकनेक्शंस, आइडेंटिटी, रिप्रजेंटेशन ऐंड बिलांगिंग, मंत्र बुक्स, नई दिल्ली, 2006
- **एस.के. सरीन**, आस्ट्रेलियन स्टडीज, (सं.) मकरंद परांजपे, इंग्लिश स्टडीज : इण्डियन पर्सपेक्टिव्स, मंत्र बुक्स, नई दिल्ली, पृ. 147–54, 2006
- **मकरंद परांजपे**, धर्मा ऐंड डिवलपमेंट : ए पर्शनल इंट्रोडक्शन, ऐंड स्प्रिचुएलिटी इन डिवलपमेंट : द स्वामीनारायण इक्सपिरिअन्स इन गुजरात, (सं.) मकरंद परांजपे, धर्मा ऐंड डिवलपमेंट : द फ्युचर आफ सरवाइवल, संवाद इण्डिया फाउंडेशन, नई दिल्ली, पृ. 1–7, 107–32, 2005
- **मकरंद परांजपे**, इंट्रोडक्शन, (सं.) मकरंद परांजपे, द पेंगुइन स्वामी विवेकानन्द रीडर, पेंगुइन, नई दिल्ली, पृ. 1–39, 2005
- **मकरंद परांजपे**, इंट्रोडक्शन ऐंड द एण्ड आफ पोस्टकलोनियलिज्म, (सं.) मकरंद परांजपे, इंग्लिश स्टडीज : इण्डियन पर्सपेक्टिव्स, मंत्र बुक्स, नई दिल्ली, 394–409, 2005
- **मकरंद परांजपे**, स्वामी विवेकानन्द'स डिस्कोर्सिस : ए स्टडी इन द प्रिजेन्ट कंटेक्स्ट, (सं.) अवधेश कुमार सिंह, डिस्कोर्स आफ रसिस्टेन्स इन द कलोनियल पीरियड, क्रिएटिव्स बुक्स, नई दिल्ली, पृ. 199–211, 2005
- **मकरंद परांजपे**, इण्डियन एन्गलोफोनी, डाइसपोरन, पालिसेंट्रिसिज्म ऐंड पोस्टकलोनिअल फ्युचर्स (सं.) मार्टिना घोष शेलनहार्न और विरा अलेक्जेंडर, पेरिफेरल सेंटर्स, सेंट्रल पेरिफरीज : इण्डिया ऐंड इट्स डाइसपोरा, (सं.) लिट वेरलॉग, बर्लिन, पृ. 101–12, 2006
- **जी.जे.वी. प्रसाद**, एंट्रीज आन नीलम सरन गौर ऐंड अनुराग माथुर, फार रूटलेज इनसाइक्लोपीडिया आफ पोस्टकलोनिअल लिट्रेचर्स, रूटलेज लन्दन और न्यूयार्क, 2005

- **जी.जे.वी. प्रसाद**, स्टडिंग इण्डियन इंग्लिश लिट्रेचर ऐंड ट्रास्लेशन स्टडीज (सं.) मकरंद परांजपे, अमित सरवाल और अनीता राजेन्द्रन, इंग्लिश स्टडीज : इण्डियन पर्सपेक्टिव्स, मंत्र बुक्स, नई दिल्ली, पृ. 219–25, 2005
- **सुगाता भादुरी**, इंडिक्स इन द पोमो शॉप : साउथ एशियन कंट्रीब्युशंस टु कंटेम्पोरॅरि कल्चरल थीअरि, (सं.) मकरंद परांजपे, अमित सरवाल और अनीता राजेन्द्रन, इंग्लिश स्टडीज : इण्डियन पर्सपेक्टिव्स, मंत्र बुक्स, नई दिल्ली, पृ. 229–44, 2005
- **सुगाता भादुरी**, द (इम) पासिबिलिटी आफ सब्जेक्टिविटी : रीडिंग नीत्जे'स इसी होमो, (सं.) फ्रेंसन मंजली नीत्जे'स : फिलोलाजिस्ट, फिलास्फर ऐंड कल्चर क्रिटिक, एलाइड प्रकाशक, नई दिल्ली, पृ. 116–28, 2006
- **सुगाता भादुरी**, कंफेशंस आफ द अनरिटन फोकाल्ट : सब्जेक्टिवाइजेशन ऐंड क्रिश्चियन सेक्सचुएलिटी, (सं.) फ्रेंसन मंजली, पोस्ट–स्ट्रक्चरलिज्म ऐंड कल्चरल थीअरि : द लिंग्विस्टिक टर्न ऐंड बियांड, एलाइड प्रकाशक, नई दिल्ली, पृ. 129–47, 2006
- **नवनीत सेठी**, टीचिंग मल्टिएथैनिक अमेरिकन लिट्रेचर्स, (सं.) मकरंद परांजपे, अमित सरवाल और अनीता राजेन्द्रन, इंग्लिश स्टडीज : इण्डियन पर्सपेक्टिव्स, मंत्र बुक्स, नई दिल्ली, पृ. 102–11, 2005

फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केंद्र

- **किरण चौधरी**, अंतिम पथ, Alphonse Daudet, La derniere class का फ्रेंच से हिंदी में अनुवाद, (सं.) अमृत मेहता, सार संसार, 2005
- अभिजीत कारकून, लर्निंग फ्रेंच : ए वाइएवल कैरियर आप्शन, इण्डो–फ्रेंच रिलेशंस : फोकस आन इमर्जिंग सैक्टर (फ्रेंच राष्ट्रीय दिवस 14 जुलाई के अवसर पर प्रकाशित विशेष अंक), एल.बी. एसोसिएट्स, नोएडा, 2005

जर्मन अध्ययन केंद्र

- **अनिल भट्टी**, Im Kielwasser des Kolonialismus. Ambivalenzen im deutschen Orientalismus des neunzehntenzwischen Jahrhunderts, (सं.) हंस जार्ज नोब्लोच और हेलमुट कूपमान, Das verschlafene 19. Jhdt ? Deutsche Literatur zwischen Klassik und Modeme, Wurzburg : Konigshausen und Neumann, 2005.
- **अनिल भट्टी**, Aspekte gesellschaftlicher Diversitat und Homogenisierung im postkolonialem Kontext. Anmerkungen aus Indien(सं.) वुल्फगेंग मुल्लर– फंक और ब्रिजिट वेंगर, "Postkoloniale" Konflikte im europaischen Kontext'Wien : Turia + Kant, 2005.
- **अनिल भट्टी**, Fur Hugo Loetscher, vom Rande aus geschrieben, (सं.) जेरोन डिवुल्फ और मिटवीट वोन रोज़मैरी जिलर, In alle Richtungen gehen. Reden und Aufsatze uber Hugo Loetscher, Zurich : Diogenes, 2005
- **रेखा वी. राजन**, Popularisierungsstrategien.Die Bombay-Filmindustrie und Hollywood', in Gereon Blaseio, Hedwig Pompe and Jens Ruchtz (eds.), Popularisierung und Popularitat, Koln : Du Mont, 2005, pp. 282-302.
- **एस.बी. ससालती**, Globalisierung+Lokalisierung=GLOKALISIERUNG : Ein indisches Experiment, in Neuland, Ehlich and Roggausch (eds.) Perspektivan der Germanistik in Europa, Munchen : IUDICIUM Verlag, 2005, pp. 241-57
- **राजेन्द्र डेंगले**, Schiller's Aesthetic Education of Man - Freedom To Do what One Must, in Yearbook of Goethe Society of India, New Delhi, 2005, pp.1-19.
- **राजेन्द्र डेंगले**, Marathi Literature's Response to Convantes' Don Quixote - G.a.Kulkarni's Yatrik, in S.P.Ganguly (ed.), Ouixotic Encounters - Indian Response to the Knight from Spain, ew Delhi: Shipra Publications, 2006, pp.82-97.
- **विभा सुराना**, European Studies as the USP of German Philology in India, in Yearbook of the Goethe Society of India, New Delhi, 2005, pp.74-80.
- **विभा सुराना**, The Latest Theory is That Theory Doesn't Matter - zur Materie and Kultur in der Literaturwissenschaft, in D. Jecht and S.Mazumdar (eds.), Germanistik in Indien, Munchen: IUDICIUM Verlag, 2006.
- **विभा सुराना**, Werther Evam Shekhar: Ek Antarsanskritik Vishleshan, in Ramji Tiwari (ed.), Bandivadekar Gaurav Grantha, Mumbai: 2006.

भारतीय भाषा केंद्र

- **चमन लाल**, द पंजाबी नावलिस्ट गुरुदयाल सिंह (सं.) अमर तरसीम और सुशील कुमार, रीडिंग्स आफ गुरुदयाल सिंह'स फिक्शन, यूनिस्टार प्रकाशन, चण्डीगढ़, 2006
- **रंजीत कुमार शाह**, विभाजित समाजों की तस्वीरें, त्रिस्मय राष्ट्रीय बाल भवन, नई दिल्ली, 2006
- **रंजीत कुमार शाह**, श्याह सफेद सतारें 'ओम' लन्दन बाबा, (श्याम शर्मा), जनवरी, 2006
- **देवेन्द्र कुमार चौबे**, कविता का पथ और फियोदौर टी. तितचेव की कविताओं का सामाजिक संदर्भ : कुछ टिप्पणियां, (सं.) मनु मित्तल, द सोल्स ट्वीलाइट, आई.सी.सी.आर., नई दिल्ली, 2005

जापानी और उत्तर पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र

- **सुषमा जैन**, जेपनीज लिट्रेचर इन ट्रांस्लेशन – ए क्रिटिकल स्टडी, (सं.) पी.ए. जार्ज, ईस्ट एशियन लिट्रेचर एन इंटरफेस विद इण्डिया, नार्दन बुक सेंटर, नई दिल्ली, 2006
- **प्रेम मोटवानी**, नतसुम सोस्की : जापान'स इंटरफेस विद वेस्टर्न लिट्रेचर, (सं.) पी.ए. जार्ज, पृ. 122–32
- **अनिता खन्ना**, द इमेज आफ इण्डिया ऐज डेपिक्टिड इन कोंजाकु मोनोगातारी शु, (सं.) पी.ए. जार्ज, पृ. 191–199
- **मंजुश्री चौहान**, टेल्स फ्राम इण्डिया एडेप्टिड इन जेपनीज फाकलोर : ए क्रिटिकल स्टडी, (सं.) पी.ए. जार्ज
- **पी.ए. जार्ज**, द स्प्रिट आफ अमेनिमो माकेजु (स्ट्रांग इन रेन) : एन इंक्वायरी इनटु द ओरिएन्टल ऐंड बुद्धिस्ट थाट इन मियाजावा केंजी'स पोइम्स ऐंड शार्ट स्टोरीज, (सं.) मनु मित्तल, द सौल'स ट्वीलाइट, आई.सी.सी.आर., नई दिल्ली, 2005
- **पी.ए. जार्ज**, जापान'स फर्स्ट सोशल नावेल इन द माडर्न ईरा : हकई आफ शिमाजाकी तोसोन, (सं.) पी.ए. जार्ज, ईस्ट एशियन लिट्रेचर : एन इंटरफेस विद इण्डिया, नार्दन बुक सेंटर, नई दिल्ली, 2006
- **जनश्रुति चन्द्र सेठ**, जेपनीज लिट्रेचर इन इण्डियन स्कूल करिकुलम, (सं.) पी.ए. जार्ज, पृ. 304–07
- **एम.वी. लक्ष्मी**, इण्डिया ऐज पोरट्रेयड इन माडर्न जेपनीज लिट्रेचर : ए स्टडी आफ एण्डो शुसाकु'स दीप रीवर, (सं.) पी.ए. जार्ज, पृ. 223–31

भाषा विज्ञान केंद्र

- **फ्रेंसन मंजली**, नीत्जे, डेरिडा ऐंड द डिकंस्ट्रक्शन आफ यूरोपीयन लिंग्विस्टिक माडर्निटी, ईयरबुक आफ द गोयथे सोसायटी आफ इण्डिया, नई दिल्ली, पृ. 81–107, 2005
- **फ्रेंसन मंजली**, वाट इज लिविंग ऐंड वाट इज डेड इन लैंग्यूवेज ? (सं.) फ्रेंसन मंजली, नीत्जे : फिलोलाजिस्ट, फिलास्फर ऐंड कल्चरल क्रिटिक, एलाइड प्रकाशक, नई दिल्ली, पृ. 173–85, 2006
- **फ्रेंसन मंजली**, जीन–लुक नेन्सी, एन एक्सपिरिअन्स आफ द हर्ट, ऐंड मार्क क्रेम्पन, द इटर्नल रिटर्न ऐंड द थाट आफ डैथ, (सं) फ्रेंसन मंजली, पृ. 19–23, 51–60
- **फ्रेंसन मंजली**, ऐथिक्स, इवेन्ट्स, ट्रुथ्स, (सं.) फ्रेंसन मंजली, पोस्ट–स्ट्रक्चरलिज्म ऐंड कल्चरल थीअरि : द लिंग्विस्टिक टर्म ऐंड बियांड, एलाइड प्रकाशक, नई दिल्ली, पृ. 160–69, 2006
- **फ्रेंसन मंजली**, डेरिडा : लैंग्यूवेज ऐंड फिलास्फी, ट्राजेक्ट्री आफ फ्रेंच थाट, भाग–2, फ्रेंच सूचना संसाधन केंद्र, नई दिल्ली, पृ. 47–57, 2006

फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र

- **अखलाख अहमद अंसारी**, सैयद सिब्ते मोहम्मद : तहकीक, तनकीद व तरतीब, (सं.) मोसन्ना हसन रिजवी, सैयद सिब्ते मोहम्मद : फन और शख्सियत, लखनऊ, 2005

- **अखलाख अहमद अंसारी**, Sahm-e-Iqbal der Shenakhte Bedil der Iran, ईरानशेनासी, ईरानोलाजी फाउंडेशन, तेहरान, भाग–2 (साहित्यिक अनुभाग), 2005

रूसी अध्ययन केंद्र

- **शंकर बासु**, लव ऐंड नेचर इन त्युतचेव'स पोइट्री, (सं.) मनु मित्तल, द सौल'स ट्वीलाइट, आई.सी.सी.आर., नई दिल्ली, 2005
- **वरयाम सिंह**, फिर लौट आता हूँ अपनी तुकबंदियों की ओर : सम पिक्युलैटरीज आफ एफ. त्युतचेव'स पोइट्री, (सं.) मनु मित्तल
- **मनु मित्तल**, अंडरस्टंडिंग त्युतचेव थ्रू हिज लैटर्स, (सं.) मनु मित्तल
- **मीता नारायण**, अंडरस्टेंडिंग त्युतचेव थ्रू ट्रांसलेशन : थ्री फेजिस आफ हिज लाइफ थ्रू पोइट्री, (सं.) मनु मित्तल

स्पेनी, पुर्तगाली, इतालवी और लेटिन अमरीकी अध्ययन केंद्र

- **एस.पी. गांगुली**, Los Estudios Hispanicos en el Mundo, Anuario, Spain : Instituto Cervantes, 2005
- **एस.पी. गांगुली**, La presencia de la India en la obra de Octavio Paz, in Bernardo Enrique Flores and Raquel Alvarez (eds), Comunicacion, Integracion y Cultura en America Latina, CDCHT, Universidad de los Andes-Tachira, Venenzuela, 2005.
- **अपराजित चट्टोपाध्याय**, ट्रांस्लेशन आफ मिगुएल हर्नबेंडेज, कंफ्लुएन्स इंटरनेशनल, नई दिल्ली, 2006
- **अपराजित चट्टोपाध्याय**, ट्रांस्लेशन आफ अल टुनेल, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, 2006
- **राजीव सक्सेना**, ट्रांसलेशन आफ फेमस राइटर्स आफ स्पेन इन एन एन्थोलाजी आफ शार्ट स्टोरीज, स्पेनी दूतावास, नई दिल्ली

जीवन विज्ञान संस्थान

आलेख

- **ए.के. सक्सेना**, के. सिंह, एच.पी. सु, एम.एम. क्लेन, ए.डब्ल्यू. स्टोवर, ए.जे. सौल, सी. लांग और डी.एन. गर्बोक्जी, (सं.) प्लाज्मोडियम पी 25 ऐंड पी 28, इसेंशियल प्रोटीन्स फार द सरवाइवल आफ द मलेरियल पैरासाइट इन द मासक्वीटो, आर टाइल–लाइक ट्राइएंगुलर प्रिज्मस, नेचर, (स्ट्रक ऐंड मोल बायोल) जन, 13(1), 90–91, 2006
- **ए.के. सक्सेना**, चेन चेन, डब्ल्यू.एन. सिमकाक, डी.एन. गर्बोक्जी, पी.एल. पदर्शन और वाई.एच. को, माइटोकोंड्रियाल ए.टी.पी. सिन्थेस : क्रिस्टल स्ट्रक्चर आफ द कैटेलिटिक एम.1 यूनिट इन ए वैनाडेट–इंड्यूस्ड ट्रांजिशन–लाइक स्टेट एण्ड इंप्लिकेशंस फार मैकेनिज्म, जे. बायोल. केम. 281(19), 13777–83, 2006
- **ए.के. सक्सेना** और डी.एन. गर्बोक्जी, स्ट्रक्चर आफ कम्पलेक्स बिटवीन फैब 2ए8 ऐंड प्लाजमोडियम वाइवैक्स पीवीएस 25 प्रोटीन ऐंड इट्स कम्पेरिजन विद नेटिव फैब 2ए8 ऐंड पीवीएस 25 स्ट्रक्चर्स इन सेवरल क्रिस्टल फार्म्स, स्ट्रक्चर, 2006
- **बी.सी. त्रिपाठी**, जी.के. पटनायक, ए.के. बिश्वाल और वी.एस. रेड्डी, लाइट डिपेंडेंट रेग्यूलेशन आफ क्लोरोफिल बी बायोसिंथेसिस इन क्लोराफाइलाइड ए आक्सीजिनेस (सीएओ) ओवरइक्सप्रेसिंग टुबैको प्लांट्स बायोकेम बायोफिज. रेज. कम्यून, 326, 466–471,2005
- **बी.सी. त्रिपाठी**, जी.डब्ल्यू. स्टुट, ओ. मोन्जे और जी.डी. गोइन्स, माइक्रोग्रेविटी इफैक्ट्स आन थाइलाकोइड, सिंगल लीफ ऐंड होल कैनोपी फोटोसिंथेसिस आफ ड्वार्फ, वीट, प्लांटा 223, 46–56, 2005
- **बी.सी. त्रिपाठी**, एस. सूद और वी. गुप्ता, फोटोरेग्यूलेशन आफ द ग्रीनिंग प्रोसिस आफ वीट सीडलिंग ग्रोन इन रैड लाइट, प्लांट मोल बायोल, 59, 269–87, 2005
- **ए. भट्टाचार्य**, एन. प्रधान आर. जैन और एस. भट्टाचार्य, कैल्सियम बाइंडिंग प्रोटीन्स आफ एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका, आर्क. मेड. रेस, 37, 221–25, 2006
- **ए. भट्टाचार्य**, डी. वत्स, आर.ए. विश्वकर्मा, एस. भट्टाचार्य, रिडक्शन आफ सेल सर्फेस ग्लाइकोसिलफास्फेटिडाइलिनोसिटोल कंजुगेट्स इन एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका बाई एन्टीसेन्स ब्लाकिंग आफ इ. हिस्टोलिटिका जीएलसी – नैक फास्फेटिडाइलिनोसिटोल डिसेटिलेस इक्सप्रेशन : इफैक्ट आन सेल प्रालिफरेशन, एण्डोसाइटोसिस ऐंड एडहिजन टु टार्गेट सेल्स इन्फैक्ट. ऐंड इम्यून, 73, 8381–92, 2005
- **ए. भट्टाचार्य**, आर.ए. विश्वकर्मा, एम.टी. अनन्त, आर. आर्या, डी. वत्स, ग्लाइकोसिलेटिड इनोसिटोल फास्फोलिपिड फ्राम एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका : आइडेंटिफिकेशन ऐंड स्ट्रक्चरल करेक्ट्राइजेशन, मोल. बायोकेम पैरासिटोल, 145, 121–24, 2005
- **दीपक शर्मा**, किरन बाला और बी.सी. त्रिपाठी, न्यूरोप्रोटेक्टिव ऐंड एन्टी–एजिंग इफैक्ट आफ करकुमिन इन ऐज्ड रैट ब्रेन रीजन्स, बायोजिरोन्टोलाजी, 7:, 81–89, 2006
- **दीपक शर्मा**, और अमर ज्योति, 'न्यूरोप्रोटेक्टिव रोल आफ बकोपा मोनिएरा अगेंस्ट एलुमिनियम इन्ड्यूस्ड ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस इन द हिप्पोकैम्पस आफ रैट ब्रेन', न्यूरोटॉक्सिकोलॉजी 27:451–57, 2006
- **दीपक शर्मा**, के. मूर्ति, उमेश सी. यादव, एम.आर. सिद्दीकी, अनिल के. मन्था, बसीर सीमी एफ, सुधा एम. कौशिक और एन. जेड. बाकर, इफैक्ट आफ हारमोन रिप्लेसमेंट थैरपि इन नार्मेलाइजिंग ऐज रिलेटिड न्यूरोनल मार्कर्स इन डिफ्रेन्ट ऐज ग्रुप्स आफ नेचुरली मेनोपाजल रैट्स, बायोजिरोन्टोलाजी, 6, 1–11, 2005
- **दीपक शर्मा**, एन. सिन्हा और एन.जेड. बाकर, एन्टि–लिपिडपरअक्सिडेटिव रोल आफ एक्सोजिनस डिहाइड्रोइपिड्रोस्टेरोन एडमिनिस्ट्रेशन इन नार्मल एजिंग रैट ब्रेन, इण्डियन जे. बायोल, 43, 420–24, 2005

- **दीपक शर्मा**, के. मूर्ति, एस.एफ. बसीर और एन.जेड. बाकर, एडमिनिस्ट्रेशन आफ एस्ट्राडिओल ऐंड प्रोजस्टेरान माड्यूलेट द एक्टिविटीज द एन्टिआक्सिडेंट ऐन्जाइम ऐंड अमिनो ट्रांस्फेरासिस इन नेचुरली मेनोपाजल रैट्स इक्सपैरिमेंटल जिरन्टोल, 40, 295–302, 2005
- **आर. मधुबाला**, पूनम तिवारी और शैलेन्द्र सक्सेना, को–एडमिनिस्ट्रेशन आफ आइ.एल–12 डी.एन.ए. विद आरओआरएफएफ एन्टिजन कंफर्स लांग–टर्म प्रोटेक्टिव इम्यूनिटी अगेंस्ट इक्सपेरिमेंटल विस्सेरल लीशमैनियासिस, वैक्सीन, 24(13), 2409–16, 2006
- **आर. मधुबाला**, पूनम तिवारी, वीना कुमारी, जे.पी. थामस और अमिताभ चट्टोपाध्याय, द स्टेरोल बाइंडिंग एन्टिबायोटिक इंहिबिट्स एन्ट्री आफ नान–आप्सोनाइज्ड लीशमैनिया डोनोवानी इनटू मैक्रोफेजिस, बायोकेमिकल ऐंड बायोफिज रिसर्च कम्युनिकेशन, 339(2), 661–6 2006
- **आर. मधुबाला**, पी.के. पद्मनाभन और ए. मुखर्जी, करेक्ट्राइजेशन आफ जीन इनकोडिंग ग्लाइकोलेस II फ्राम लीशमैनिया डोनोवानी : ए पोटेन्शल एन्टी–पैरासाइट ड्रग, बायोकेमिकल जर्नल, 393(पी.टी.1) : 227–34, 2006
- **आर. मधुबाला**, ए. मुखर्जी, पी.के. पद्मनाभन, एम.एच. साहनी और माइकल पीटर बारेट, रोल्स आफ माइट्रोकोंड्रिया इन पेंटामिडिन सस्पेक्टिबिलिटी ऐंड रसिस्टेन्स इन लीशमैनिया डोनोवानी, मोलिकुलर ऐंड बायोकेमिकल पैरासिटोलाजी, 145(1), 1–10, 2006
- **आर. मधुबाला**, अनुपम झिंगारन और मिताली चटर्जी, लीशमैनियासिस : एपिडेमिओलाजिकल ट्रेन्ड्स ऐंड डाइग्नोसिस : लीशमैनियासिस, जिनोमिक, सेलुलर बायोलाजी ऐंड कंट्रोल, (सं.) पीटर मिलर और निकोलस फासिल, होरिजेंटिल साइंटिफिक प्रेस ऐंड कैस्टर अकादमिक प्रेस, यू.के. 2006 (प्रकाशनाधीन)
- **आर. मधुबाला**, पी.के. पद्मनाभन, ए. मुखर्जी, सुषमा सिंह, स्वाती चट्टोपाध्याय, पीटर जे. मिलर और नारायणस्वामी श्रीनिवासन, ग्लाइकोलेस–I फ्राम लीशमैनिया डोनोवानी : ए पोटेन्शल टार्गेट फार एन्टी पैरासाइट ड्रग, बायोकेमिकल ऐंड बायोफिजिक्स रिसर्च कम्यूनिकेशन, 337(4), 1237–48, 2005
- **आर. मधुबाला**, पूनम तिवारी, मंजु जैन, मयुरभाई साहनी और शैलेन्द्र सक्सेना, ए हेट्रोलोगस प्राइम बूस्ट वैक्सीन रिजीम यूजिंग ओ.आर.एफ.एफ.डी.एन.ए. ऐंड रिकम्बिनेन्ट ओ.आर.एफ.एफ. प्रोटीन कंफर्स प्रोटेक्टिव इम्यूनिटी अगेंस्ट इक्सपेरिमेंटल वाइससेरल लीशमैनियासिस इन म्युरिन माउस माडल, जर्नल आफ इन्फेक्सस डिसीज, 191(12), 2130–37, 2005
- **आर. मधुबाला**, श्रीदेवी बालारमन, कु. वन्दना सिंह और पूनम तिवारी, लीशमैनिया लिपोफास्फोग्लाइकेन एक्टिवेट्स द ट्रांस्क्रिप्शन फैक्टर एक्टिवेटिंग प्रोटीन 1 इन जे 774ए 1 मैक्रोफेज थ्रू द एक्स्ट्रासेलुलर सिग्नल रिलेटिड काईनेस (इ.आर.के.) ऐंड पी 38 माइटोजन एक्टिवेटिड प्रोटीन काइनेस, मोलिकुलर ऐंड बायोकेमिकल पैरासिटोलाजी, 139, 117–27, 2005
- **पी.सी. रथ**, रिलेशनशिप बिटवीन कांस्टीट्यूटिव न्यूक्लियर फैक्टर–केएपीपीए बी (एन.एफ.–?बी) ऐंड इंहिबिटर केएपीपीए बी अल्फा (आई?बी–??) इन एन इंटरफेरान–? सेंस्टिव ह्युमन बर्किट लिम्फोमा सेल लाइन, बायोफिज.एक्टा : मोलिकुलर बेसिस आफ डिसीज 1741 : 253–263, 2005
- **पी.सी. रथ** और आई. डे., कोरिलेशन बिटवीन अल्ट्रेशंस इन न्यूक्लिओसोमल आर्गेनाइजेशन आफ लाइन्स इन द प्रमोटर आफ साइटोक्रोम पी 450 2बी1/2 जीन ऐंड इंडक्शन आफ सिप 2 बी1/2बी2 एमआरएनए इक्सप्रेशन बाई फेनोबार्टिशन इन रैट लिवर डी.एन.ए. सेल बायोल, 24, 359–70, 2005
- **पी.सी. रथ** और एम. उप्रेति, इक्सप्रेशन ऐंड डी.एन.ए. बाइंडिंग एक्टिविटी आफ द रिकम्बीनेन्ट इंटरफेरान रेग्यूलेट्री फैक्टी–1 आफ माउस, मोल. बायोल. रिप. 32, 103–116, 2005
- **ए. नन्दी,** डब्ल्यू. मोइडेर, ई. कचरू, डी.एफ. क्लेसिग, जे. शाहा ' अरेबिडोप्सिस एसएसआई2–कन्फर्ड ससेप्टिबिलीटी टू बोट्रीटिस स्नेरिया इज डिपेन्डेन्ट ऑन ईडीएस5 एण्ड पीएडी4', मॉलिक्यूलर प्लांट माइक्रोब इन्ट्रैक्शन , 18 : 363–370, 2005

- **राजेन्द्र प्रसाद**, निवेदिता गुप्ता, अबसरुल हक़, जी. मुखोपाध्याय और आर.पी. नारायण, 'इंटरएक्शन बिटविन बैक्टेरिया एण्ड कैंडिडा इन द बर्न वाउन्ड', बर्न्स; 31(3) : 375–78, 2005
- **राजेन्द्र प्रसाद**, वर्षा राय, सुधांशु शुक्ला, सुधाकर झा और एस.एस. कॉमथ, 'फंग्शनल क्रैक्ट्राइजेशन आफ एन–टर्मिनल न्यूक्लियोटाइड बाइंडिंग डोमेंन (एनबीडी1) आफ ए मेज़र एबीसी ड्रग ट्रांसपोर्टर सीडीआर1पी आफ कैंडिडा अल्बिकंस : अन्कॉमन बट कंजर्वड टीआरपी 326 आफ वाकर बी इज इम्पोर्टेंट फोर एटीपी बाइंडिंग', बायोकेमिस्ट्री; 44(17), 6650–6661, 2005
- **राजेन्द्र प्रसाद**, रितु पसरिजा, शंकरलिंग कृष्णामूर्ति, तुलिका प्रसाद और जोकिम एफ. अर्नस्ट, स्क्वालिन इपोक्सिडेस इनकोडिड बाई इआर जी–1 अफैक्ट्स मार्फोजेंसिस ऐंड ड्रग ससैप्टिबिलिटीज आफ कैनडिडा अल्बिकेंस, जर्नल आफ एन्टिमाइक्रोबायाल कीमोथेरपि, 55(6), 905–13, 2005
- **राजेन्द्र प्रसाद**, तुलिका प्रसाद, प्रीति सैनी, नसीम अख्तर गौर, राम ए. विश्वकर्मा, लुकमान अहमद खान और काजी मोहम्मद रिजवानुल हक,, फंक्शनल एनालिसिस आफ कैल पीटी1, ए स्फिनगोलिपिड बायोसिंथेटिक जीन इनवाल्व्ड इन मल्टि ड्रग रसिस्टेन्स ऐंड मार्फोजेंसिस आफ कैनडिडा अल्बिकेंस, एन्टि माइक्रोबायल एजेन्ट्स ऐंड कीमोथेरपि, 49(8) 3442–52, 2005
- **राजेन्द्र प्रसाद**, प्रीति सैनी, तुलिका प्रसाद, नसीम अख्तर गौड़, सुनीत शुक्ला, सुधाकर झा, स्नेह सुधा कामथ, काजी मोहम्मद रिजवानुल हक और लुकमान अहमद खान, अलानिन स्केनिंग आफ ट्रांसमेम्ब्रेन हेलिक्स 11 आफ सीडीआर 1पी ए.बी.सी. एन्टिफंगल इफ्लक्स पम्प आफ कैनडिडा अल्बिकेंस : आइडेंटिफिकेशन आफ अमिनो एसिड रेजिड्यूस क्रिटिकल फार ड्रग इफ्लक्स जे. एन्टिमाइक्रोब किमदर 56(1), 77–86, 2005
- **राजेन्द्र प्रसाद**, नसीम अख्तर गौड़, रमन मनोहर लाल, प्रीति सैनी, तुलिका प्रसाद, गौरंग मुखोपाध्याय, मिलन हूफर और जोकिन एम, इक्सप्रेशन आफ द सी.डी.आर.–1 इफ्लक्स पम्प इन क्लिनिकल कैनडिडा अल्बिकेंस आइसोलेट्स इज कंट्रोल्ड बाई एन निगेटिव रेग्युलेट्री एलिमेन्ट, बायोकेम बायोफिज रेस. कम्यून, 332(1), 206–14, 2005
- **राजेन्द्र प्रसाद**, मनीषा गौड़ और देवप्रिया चौधरी, द कम्पलीट इंवेंट्री आफ ए.बी.सी. प्रोटीन्स इन ह्युमन पैथोजेनिक यीस्ट, कैनडिडा अल्बिकेंस, जर्नल आफ मोलिकुलर माइक्रोबायोलाजी एण्ड बायोटेक्नोलॉजी, 9, 3–15, 2005
- **राजेन्द्र प्रसाद**, रितु पसरिजा और तुलिका प्रसाद, फ्लक्चुएशंस इन मेम्ब्रेन रैफ्ट्स लिपिड कांस्टिट्युएन्स–अफैक्ट ड्रग सस्पैप्टिबिलिटीज आफ कैनडिडा अल्बिकेंस, बायोकेम सोस ट्रांस, 33(5), 1219–23, 2005
- **राजेन्द्र प्रसाद**, कोमरिया मनोहरन, करुप्पन पांडियन त्रिपाठी और प्रीतम बाला सिन्हा, मेम्ब्रेन डिग्रेडेशन, एक्युम्युलेशन आफ फास्फेटिडिक एसिड, स्टिम्युलेशन आफ कैटालेस एक्टिविटी ऐंड न्यूक्लियर फ्रेगमेंटेशन ड्यूरिंग 2,4–डी इंडयूस्ड लीफ सेंसेंस इन मस्टर्ड, जर्नल आफ प्लांट बायोलाजी, 48(4), 394–403, 2005
- **राजेन्द्र प्रसाद**, सुधांशु शुक्ला, वर्षा राय और दिब्येन्दु बनर्जी, करेक्ट्राइजेशन आफ सीडीआर 1पी, ए मेजर मल्टिड्रग इफ्लक्स प्रोटीन आफ कैनडिडा अल्बिकेंस : प्युरिफाइड प्रोटीन इज अमिनेबल टु इंट्रिनसिक फ्लोरसेंस एनालिसिस, बायोकेमिस्ट्री 45, 2425–35, 2005
- **राजेन्द्र प्रसाद**, टी.वी.जी. राव, पी. भार्गवी और आई. मिश्र, पालिएन एन्टिबायोटिक्स : इफैक्ट्स आन यीस्ट ऐंड यीस्ट लाइक फंगी, रिव्यू फार माइक्रोब्स इन अवर लाइव्स, 83–92, 2005
- **एन.बी. सरीन**, एम. सक्सेना, आर. बिष्ट, एस. देबराय और एस.के. सोपोरी, क्लोनिंग द करेक्ट्राइजेशन आफ ए माइटोकोंड्रियाल ग्लाइआक्सोलेज–II फ्राम ब्रासिका जुंसिया दैट इन अपरेग्यूलेटिड बाई एन.ए.सी.आई., जेडएन ऐंड ए.बी.ए. बायोकेमिकल ऐंड बायोफिजिकल रिसर्च कम्यूनिकेशंस, 336, 813–19, 2005
- **एस. चक्रबर्ती**, एस.के. सिंह, ए.के. सिंह, पी.के. पाण्डेय, क्लोनिंग, रिस्ट्रक्शन मैपिंग ऐंड फाइलोजिनेटिक रिलेशनशिप आफ जिनोमिक कम्पोनेन्ट्स आफ एम.बाई.एम.आइ.वी. फ्राम लबलब परप्युरस, बायोरिसोर. टेक्नोल. 97, 1807–14, 2006
- **एस. चक्रबर्ती**, बी. सिंह और पी.के. पाण्डेय, एन. इवैल्युएशन आफ द रिएक्शंस आफ ओकरा कल्टिवर्स ऐंड ब्रीडिंग सलेक्शंस टु ओकरा लीफ कर्ल जेमनिवाइरस, एनल्स आफ एप्लाइड बायोलाजी (टेस्ट्स आफ एग्रोकेमिकल्स ऐंड कल्टिवर्स), 26, 32–33, 2006

- **एस.के. अब्राहम**, आर. कुमारगुरुपरण, के.वी.पी. चन्द्रमोहन और एस. नागिनि, अटेन्युशन आफ एन–मेथी एन–नाइट्रो–एननाइट्रोसोजुअनिडाइन इनड्यूस्ड जिनोटाक्सिसिटी ऐंड आक्सिडेटिव स्ट्रेस बाई टोमेटो ऐंड गार्लिक कम्बिनेशन, लाइफ साइंसिस, 76, 2247–55, 2005
- **एस.के. अब्राहम**, वी. भुवनेश्वरी और एस. नागिनी कम्बिनेटोरियल एन्टिजिनोटाक्सिक ऐंड एन्टिकार्सिनोजिनिक इफैक्ट्स आफ टोमेटो ऐंड गार्लिक थ्रू माड्यूलेशन आफ जेनोबायोजिक–मेटाबोलाइजिंग एन्जाइम्स ड्यूरिंग हैमस्टर बकल पाउस कार्सिनोजेंसिस, न्यूट्रीशन 21, 726–31, 2005
- **एस.के. अब्राहम**, बी. वेलमुरुगन, के.वी.पी. चन्द्रमोहन और एस. नागिनी, कम्बिनेशन आफ एस. ऐलिलसिस्टीन ऐंड लाइकोपीन प्रोटेस्ट अंगेस्ट एन – मेथाइल–एन–नाइट्रो–एन–नाइट्रोसोगानिडाइन–इंड्यूस जेनोटाक्सिसिटी ऐंड आक्सिडेटिव स्ट्रेस इन माइस, न्यूट्रीशन रिसर्च 25, 577–86, 2005
- **एस.के. अब्राहम**, के.वी.पी. चन्द्रमोहन और एस. नागिनी, कम्पैरिटिव इवैल्युएशन आफ द किमोप्रिवेंटिव इफिकेसी आफ ग्रीन ऐंड ब्लैक टी पालिफेनोल्स इन द हैमस्टर बकल पाउस कार्सिनोजेंसिस माडल क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री 38, 879–86, 2005
- **एस.के. अब्राहम**, आर. सुबाप्रिया, आर. कुमारगुरुपरण और एस. नागिनी, प्रोटेक्टिव इफैक्ट्स आफ एथनोलिक नीम लीफ एक्सट्रेक्ट आन डी.एम.बी.ए. – इंड्यूस्ड जिनोटाक्सिसिटी ऐंड आक्सिडेटिव स्ट्रेस इन माइस, जर्नल आफ हर्बल फार्माकोथेरपि 5, 39–50, 2005
- **एस.के. अब्राहम**, के. प्रेम कुमार, सी. थिरुनायुक्करसु, एस.टी. सांथिया और ए. रमेश, प्रोटेक्टिव इफैक्ट आफ सैफ्रन (क्रोकस सैटिवस एल.) एक्वेयस एक्सट्रेक्ट अगेंस्ट जिनेटिक डैमेज इंड्यूस्ड बाई एन्टी ट्युमर एजेन्ट्स इन माइस, ह्युमन ऐंड एक्सपेरिमेंटल टाक्सीकोलाजी 25, 79–84, 2006
- **जयश्री पाल**, एस. श्रीवास्तव और एस. भट्टाचार्य, स्पाइसीज – स्ट्रेन स्पेस्फिक प्राब्स डिराइब्ड फ्राम रेप्टिटिव डी.एन.ए. फार डिस्टिंग्विसिंग एन्टामोइबा हिसेलिटिका ऐंड एन्टामोइबा डिस्पर, एक्सपेरिमेंटल पैरासिटोलाजी 110, 303–308, 2005
- **जयश्री पाल**, आर. रेखा और एम.ए. रिज़वी, डिजाइनिंग ऐंड वैलिडेशन आफ जीनस – स्पेस्फिक प्राइमर्स फार ह्युमन गट फ्लोरा स्टडी (मैन्युस्क्रिप्ट नं. – इ.जे. बायोटेक / रिस / 349), इलैक्ट्रानिक जर्नल आफ बायोटेक्नोलाजी
- **जयश्री पाल**, आर. रेखा, आर. मूर्ति, एस. भट्टाचार्य, वी. आहुजा और एम.ए. रिजवी, चेंजिस इन बैक्टेरियल प्रोफाइल ड्यूरिंग अमीबियासिस : ए डिमोस्ट्रेशन आफ एनएरोबिक बैक्टेरिया इन ए.एल.ए. पस सैम्पल्स, (पाण्डुलिपि संख्या – एजेटीएमएच–06–0314 आर.1), अमेरिकन जर्नल आफ ट्रापिकल मेडिसिन ऐंड हाइजिन, 2006
- **जयश्री पाल** और एस.के. प्रसाद, माइक्रोबायल इंटरवेंशन इन आर्सेनिक रिच एनवायरनमेंट, (सं.) ए.के. चौहान और ए. वर्मा, माइक्रोबेब्स : हैल्थ ऐंड एनवायरनमेंट (सूक्ष्म जीव विज्ञान श्रृंखला), पृ. 327–55, 2006
- **एस. गौरीनाथ**, पी. मेहरा. ए. बिश्वास, के. गुप्ता, सी.इ. चिटनिस और एस.के. धर, इक्सप्रेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ ह्युमन मलेरिया पैरासाइट प्लाज्मोडियम फाल्सिपेरम ओरिजिन रिकोग्निशन कम्पलेक्स सबयुनिट 1, बी.बी.आर.सी. 337, 955–66, अप्रैल 2006
- **एस. गौरीनाथ**, एन. प्रधान, एन. आलम और ए. भट्टाचार्य, क्रिस्टेलाइजेशन ऐंड प्रिलिमिनरी क्रिस्टेलोग्राफिक एनालिसिस आफ कैल्सियम बाइंडिंग प्रोटीन–2 फ्राम एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका ऐंड इट्स कम्पलेक्सिस विद स्ट्रांटियम ऐंड आईक्यू1 मोटिफ आफ मायोसिन वी, एक्टा. क्रिस्ट एफ. 61, 417–20, सितम्बर 2005
- **एस. गौरीनाथ**, जी. सिंह, के. श्रवनन, एस. शर्मा, एस. भानुमति, चौ. बेतजल, एस. यादव, ए. श्रीनिवासन और टी.पी. सिंह, क्रिस्टल स्ट्रक्चर आफ ए कार्बोहाइड्रेट इंडयूस्ड होमोडाइमर आफ फास्फोलिपेस ए (2) फ्राम बंगारस सेरुलियस एट 2.1ए रिजोल्युशन, जे. स्ट्रक्ट. बायोल. 149, 264–72, 2005
- **एस.एस. कामथ**, वी. राय, एस. शुक्ला, एस. झा और आर. प्रसाद, फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन आफ एन–टर्मिनल न्यूक्लिओटाइड बाइंडिंग डोमेन (एन.बी.डी.–1) आफ ए मेजर ए.बी.सी. ड्रग ट्रांस्पोर्टर सी.डी.आर.1 पी आफ कैन्डिडा अल्बिकेंस : अनकामन बट कंजर्ब्ड ट्रिप 326 आफ वाकर, बी इज इम्पोर्टेंट फार ए.टी.पी. बाइंडिंग, बायोकेमिस्ट्री 44, 6650–61, 2005

- **एस.एस. कामथ**, पी. सैनी, टी. प्रसाद, एन.ए. गौड़, एस. शुक्ला, एस. झा, एल.ए. खान, क्यू.एम.आर. हक और राजेन्द्र प्रसाद, अलेनिंग स्केनिंग आफ ट्रांसमेम्ब्रेन हेलिक्स 11 आफ सीडीआर–1 पी.ए.बी.सी. एन्टिफंगल इफ्लक्स पम्प आफ कैंडिडा अल्बिकेन्स : आइडेंटिफिकेशन आफ अमिनो एसिड रेजिड्यूस क्रिटिकल फार ड्रग इफ्लक्स, जे. एन्टिमाइक्रोब कीमोथर, 56, 77–86, 2005
- **एस.एस. कामथ**, आर. प्रसाद, एन.ए. गौड़ और एम. गौड़, इफ्क्स पम्पस इन ड्रग रसिस्टेन्स आफ कैनडिडा, इफैक्ट डिस्आर्ड ड्रग टार्गेट्स 6(2), 69–83, 2006
- **एस.एस. कामथ**, एम. कविता और एम.जे. स्वामी, बियान्ड कार्बोहाइड्रेट बाइंडिंग : न्यू डाइरेक्शंस न प्लांट लेक्टिन रिसर्च, आर्ग, बायोमोल केम 4(6), 973–88, 2006
- **पी.के. यादव**, ए. प्रीत, बी.एल. गुप्ता और एन.जेड. बाकर, इफिकेसी आफ लोवर डोजिस आफ वैनाडेट इन रेस्टोरिंग आल्टर्ड ग्लूकोज मेटाबोलिज्म ऐंड एन्टिआक्सिडेंट स्टेटस इन डायबेटिक रैट लेंसिस, जर्नल आफ बायोसांसिस 30, 221–30, 2005
- **पी.के. यादव**, आर. कुमार, वी. दम्माय और एस. क्लेनायु, जीन टार्गेटिंग बाई राइबोजाइम अगेंस्ट टीएनएफ–? एम.आर.एन.ए. इनहिबिट्स आटोइम्यून आर्थरिस्ट, जीन थेरपि, 12, 1486–93, 2005
- **पी.के. यादव**, एन. चौहान, आर. कुमार, जे. बधाय और ए. प्रीत, इम्यूनोजेनिसिटी आफ कालरा टाक्सिन बी इपिटाप इंसर्टिड इन सैल्मोनेला फ्लेजलिन इक्सप्रेस्ड आन बैक्टेरिया ऐंड एडमिनिस्टर्ड ऐज डी.एन.ए. वैक्सीन, मोलिकुलर ऐंड सेलुलर बायोकेमिस्ट्री, 276, 1–6, 2005
- **पी.के. यादव**, आर.एस. यादव और रविन्द्र कुमार, इक्सप्रेशन आफ लैक्स ए टार्गेटिड राइबोजाइम इन एशरिकिआ कोली बी. एल. 21 (डी.इ.3) सेल्स, मोलिकुलर ऐंड सेलुलर बायोकेमिस्ट्री, 271, 197–203, 2005
- **पी.के. यादव**, अंजु प्रीत, बी.एल. गुप्ता और एन.जेड. बाकर, इफिकेसी आफ लोअर डोजिस आफ वैनाडेट इन रेस्टोरिंग आल्टर्ड ग्लूकोज मेटोबोलिज्म ऐंड एन्टिआक्सिडेंट स्टेटस इन डायबेटिक रैट लेंसिस, जर्नल आफ बायोसाइंसिस, 30, 221–30, 2005
- **पी.के. यादव**, अंजु प्रीत, बी.एल. गुप्ता, एम.आर. सिद्दीकी और एन.जेड. बाकर, रेस्टोरेशन आफ अल्ट्रास्ट्रक्चरल ऐंड बायोकेमिकल चेंजिस इन एलोक्शन – इंडयूस्ड डायबेटिक रैट सियाटिक नर्व आन ट्रीटमेंट विद एन.ए. 3 वीओ 4 ऐंड ट्रिगोनेला – ए प्रमोजिंग एन्टीडायबेटिक एजेन्ट, मोल. सेल. बायोकेम, 278, 21–31, 2005

वैज्ञानिक आलेख

- **बी.सी. त्रिपाठी**, प्लांट सेल 2, एनालिटिकल बायोकेमिस्ट्रि, 3. पेस्टिसाइड साइकोलाजी ऐंड बायोकेमिस्ट्री, 4. फाइटोकेमिस्ट्री, 5. पेस्टिसाइड साइकोलाजी ऐंड बायोकेमिस्ट्री, 6 क्रास साइंस, 7 फिजिओलाजिया प्लांटेरम

पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय

- **आर. मधुबाला**, अनुपम झिंगरन और मिताली चटर्जी, लीश्मैनियासिस : एपिडेमिओलाजिकल ट्रेन्ड्स ऐंड डायग्नोसिस, लीश्मैनियासिस, जिनोमिक्स, सेलुलर बायोलाजी ऐंड कंट्रोल, (सं.) पीटर माइलर और निकोलस फासेल, हारिजेंटल साइंटिफिक प्रेस ऐंड कैस्टर अकादमिक प्रेस, यू.के. 2006 (प्रकाशनाधीन)

भौतिक विज्ञान संस्थान

आलेख

- **एच.बी. बोहिदार**, सचिन कुमार, अनीता कामरा और अनीता सक्सेना, रिलीज काइनेटिक्स फ्राम बायो–पालिमेरिक नैनो पाटिकल्स इनकैप्सुलेटिंग प्रोटीन सिन्थेसिस इनहिबिटर–साइक्लोहेक्सिमाइड फार पासिबल थैराप्युटिक एप्लिकेशंस कर. फार्म, बायोटेक, 6, 121–30, 2005

- **एच.बी. बोहिदार** और एस. चटर्जी, इफैक्ट आफ कैटिओनिक साइज आन जिलेशन टेम्प्रेचर ऐंड प्रापर्टीज आफ जिलेटिन हाइड्रोजल्स, इंट. जे. बायोल. मैक्रोमोल्स, 35, 81–88,2005
- **एच.बी. बोहिदार**, अमरनाथ गुप्ता और बी. मोहन्ती, फ्लोरी टेम्प्रेचर ऐंड यू.सी.एस.टी. आफ जिलेटिन साल्युशंस, बायोमैक्रोमोलिक्युल्स, 6, पृ. 1623–27, 2005
- **एच.बी. बोहिदार**, पी.एल. दुबिन, पी. माझी, सी. त्रिबेट और डब्ल्यू. जागर, इफैक्ट्स आफ प्रोटीन – पालिइलैक्ट्रोलाइट अफिनिटी ऐंड पालिइलैक्ट्रोलाइट मोलिकुलर वेट आन डायनेमिक प्रापर्टीज आफ बी.एस.ए.–पी.डी.ए.डी.एम.ए.सी. कोसर्वेट्स, बायोमैक्रोमोलिक्युल्स, 6, पृ. 1573–85, 2005
- **एच.बी. बोहिदार** और बी. मोहन्ती, माइक्रोस्कोपिक स्ट्रक्चर आफ जिलेटिन कोसर्वेट्स, इंट.जे. बायोल मैक्रोमोल्स, 36, पृ. 39–46, 2005
- **एच.बी. बोहिदार**, टी. हट्टूरी, एस. बट–अल्दर, रियोकाटो और पी. दुबिन, करेक्ट्राइजेशन आफ पालिआन प्रोटीन कम्पलेक्सिस बाई एफ.ए.सी.सी. ऐंड एस.ए.एन.एस., एनल. बायोकेम, 342, पृ. 229–32, 2005
- **एच.बी. बोहिदार** और एम.ए. अबेद, सर्फेक्टेन्ट इंड्यूस्ड साफ्टनिंग आफ जिलेटिन हाइड्रोजिल्स, यूरोपीयन, पालिम, जे. 41, 2395–2405, 2005
- **एच.बी. बोहिदार** और अमरनाथ गुप्ता, काइनेटिक्स आफ फेज सैपरेशन इन सिस्टम्स एक्जिबिटिंग सिम्पल कोसर्वेशन, फिज. रेव. इ. 72, 011507, 2005
- **एच.बी. बोहिदार**, सचिन कुमार, अनीता सक्सेना और अनीता वर्मा कामरा, इफैक्ट आफ मोलिकुलर वेट हेट्रोजेनिटी आन ड्रग इनकैप्सुलेशन इफिसिएन्सी आफ जिलेटिन नैनो पार्टिकल्स, कोलाइड्स ऐंड सर्फेसिस – बी, 45, 42–48, 2005
- **एच.बी. बोहिदार**, बी. मोहन्ती, वी.के. अस्वाल और जे. कोलब्रेचर, सिंथेसिस आफ जिलेटिन नैनो पार्टिकल्स वाया सिम्पल कोसर्वेशन, जे. सर्फेस, साइंस टेक. 21, 1–12, 2005
- **एस.पी. दास**, सी. कौर और उपेन्द्र हरबोला, स्केलिंग बिहेवियर आफ द डिफ्युजन कंस्टेन्ट इन ए बाइनरी मिक्सचर, जे.केमिकल फिज, 123034501, 2005
- **एस.पी. दास** और यू. हरबोला, स्ट्रक्चरल रिलेक्सेशन इन ए बाइनरी मिक्चर, प्रोग्रेस आफ थिओरेटिकल फिजिक्स सप्ल. 157, 172, 2005
- **एस. घोष**, अंजना बग्गा और पी.के. चट्टोपाध्याय, डार्क ऐंड ब्राइट एक्सिटोनिक स्टेट्स इन नाइट्राइड क्वांटम डाट्स, फिजिकल रिव्यू, बी. 71, 115327, 1–9, 2005
- **एस. घोष** और नीलाद्री सरकार, फोटोल्युमिनिसेन्स स्पैक्ट्रोस्कोपी आफ मैनी–बाडी इफैक्ट्स इन हैबिली डोप्ड एएलजीएएएस, फिजिकल रिव्यू बी, 71, 233204, 1–4, 2005
- **एस. घोष**, एच. हलिमुन, ए.के. महापात्रा, जे. चोई, एस. लोधा और डी. जेम्स, डिवाइस स्ट्रक्चर फार इलैक्ट्रानिक ट्रांसपोर्ट थ्रू इंडिविजुअल मोलिक्युल्स यूजिंग नैनो–इलैक्ट्रोडेस, एप्लाइड फिजिक्स लैटर, 87, 233509, 1–3, 2005
- **एस. घोष** और डी. कबिराज, इ.एल.2 रिविजिटिड : आब्जर्वेशन आफ मेटास्टेबल ऐंड स्टेबल एनर्जी लेवल्स आफ इ.एल.2 इन सेमी इंसुलेटिंग जी.ए.ए.एस., एप्लाइड फिजिक्स लैटर, 87, 252118, 1.3, 2005
- **एस. घोष** और डी. कबिराज, मोडिफिकेशंस आफ इएल2 रिलेटिड स्टेबल ऐंड मेटोस्टेबल डिफैक्ट्स इन सेमी इन्सुलेटिंग जी.ए.ए.एस. वाई हाई एनर्जी लाइट आयोन इरैडिएशन, सेमिकंडक्टर साइंस ऐंड टेक्नोलाजी, 20, 1022–26, 2005
- **एस. घोष**, वी. बालाकृष्णन और वी. कुमार, आरिजिन आफ लो–फ्रिक्वेंसी निगेटिव ट्रांस्कंडक्टेंस डिस्पर्सियन इन ए स्युडोमार्फिक एच.इ.एम.टी, सेमिकंडक्टर साइंस ऐंड टेक्नोलाजी, 20, 783–87, 2005
- **एस. घोष** और अंजना बग्गा, एनर्जी लेवल्स इन शेरोइडल क्वांटम डाट्स विद फाइनाइट बैरियर हाइट्स नैनोटैक्नोलाजी 16, 2726–30, 2005

- **एस. घोष**, टी. अहमद, एस. वैद्य, एन. सरकार और ए.के. गांगुली, जिंक आक्सेलेट नैनोरोड्स : ए कंविनेंट प्रिकर्सर टु यूनिफार्म नैनोपार्टिकल्स आफ जेडएनओ, नैनोटेक्नोलाजी, 17, 1236–40, 2006
- **एस. घोष** और एन. सरकार, टेम्प्रेचर डिपेंडेंस आफ द बैण्ड गैप स्रिंकेज ड्यु टु इलैक्ट्रान–फोनन इंटरएक्शन इन अनडोप्ड एन टाइप ए.एल.जी.ए.ए.एस., जर्नल आफ फिजिक्स : कंडेस्ड मैटर, 18, 1687–94, 2006
- **एस. घोष**, ए.के. महापात्रो और डी.बी. जेन्स, नैनोमीटर स्केल इलैक्ट्रोड सैप्रेशन (नैनोगैप) यूजिंग इलैक्ट्रोमाइग्रेशन ऐट रुम टेम्प्रेचर, आई.इ.इ.इ. ट्रांस आन नैनोटेक्नोलाजी, 5, 232–236, 2006
- **एस. घोष**, ए.के. महापात्रो और एन. सरकार, ग्रेन बाउन्ड्री कंटोल्ड करंट ट्रास्पोर्ट इन कापर पैथालोसिएनिन, एप्लाइड फिजिक्स लैटर, 88, 162110, 1–3, 2006
- **डी. कुमार**, जी. संतोष और आर. रामास्वामी, थर्मल ट्रांसपोर्ट इन लो डायमेंशनल लैक्टिक्स विद नियरेस्ट ऐंड नेक्स्ट नियरेस्ट नेबर कपलिंग, जे. स्टेट. मेक. थीअरि ऐंड इक्सपेरिमेंट, पी. 7005, 2005
- **डी. कुमार**, एस. शुक्ला, एन.एन. शुक्ला और आर. प्रसाद, डाइइलैक्ट्रिक क्रिटिकल बिहेवियर ऐट ए – इंसुलेटर ट्राजिशन–अंडर लैक्टिक कम्प्रेशन, जे.फिज.केम. सालिड्स, 66, 1150, 2005
- **एस.एस.एन. मूर्ति** और मो. शाहीन, ए – नोट आन सब टी.जी. रिलैक्सेशन प्रोसेसिस इन पालि–साइक्लोहेविसलमेथाक्रिलेट, यूरोपीयन पालिमर जर्नल, भाग–42, 715–20, 2006
- **एस.एस.एन. मूर्ति** और मधुसूदन त्यागी, डायनेमिक्स आफ वाटर इन सुपरकूल्ड अक्वेसियस साल्युशंस आफ ग्लूकोज ऐंड पालि (एथिलीन ग्लाइकोल)स ऐज स्टडीड बाई डाइइलैक्ट्रिक स्पेक्ट्रोस्कोपी, भाग–341, 650–62, 2006
- **एस.एस.एन. मूर्ति**, न्यूमरल सिम्बोलिज्म इन द वेदाज, इलैक्ट्रानिक जर्नल आफ वैदिक स्टडीज, भाग–12(3), 87–99, 2005
- **ए. पाण्डेय**, एस.के. सरकार और जी.एस. मथारू, बाइब्रेशनल स्पैक्ट्रा आफ अमोरफस क्लस्टर्स : यूनिवर्सल आस्पेक्ट्स, फिजिकल रिव्यू. बी–72, 075401, 2005
- **ए. पाण्डेय**, एस. पुरी और एस. कुमार, लांग–रेंज कोरिलेशंस इन क्वांटम–केआटिक स्पैक्ट्र, फिज. रिव्यू. इ, 71,066210, 2005
- **एस. पटनायक**, बी.जे. सेनकोविच, जे. जैंकी, सी.बी. ईओम, इ.इ. हेलस्ट्रोम और डी.सी. लार्बालेस्टिअर, इम्प्रूव्ड अपर क्रिटिकल फील्ड इन बल्क–फ्राम मैग्नेसियम डिबोराइड बाई मकेनिकल अलोइंग विद कार्बन, ऐप्लाइड फिजिक्स लैटर्स, 86, 202502, 2005
- **एस. पुरी**, आर. पाल और एच. रीगर, डोमेन ग्रोथ इन आइजिंग सिस्टम्स विद क्वेन डिस्आर्डर, फिज. रिव., ई. 71, 061109, 2005
- **एस. पुरी**, काइनेटिक्स आफ फेज सैप्रेशन इन कनफाइन्ड जिओमेट्रिक्स, मोड. फिज. लैट. बी–19, 919, 2005
- **एस. पुरी**, एस. वैन जेमर्ट और जी.टी. बर्केमा, फेज सैप्रेशन डिरिवन बाई सरफेस डिफ्यूजन : ए मोन्टो कार्लो स्टडी, फिज. रिव. इ. 72, 046131, 2005
- **एस. पुरी**, एस.के. दास, जे. हारबच और के. बिन्दर, काइनेटिक्स आफ फेज सैप्रेशन इन थिन फिल्म : साइम्युलेशंस फार द डिफ्यूजिव केस, फिज. रिव. इ. 72, 061603, 2005
- **एस. पुरी**, एस.के. दास, जे. हारबच और के. बिन्दर, मोलिकुलर डायनेमिक्स स्टडी आफ फेज सैपरेशन काइनेटिक्स इन थिन फिल्मस, फिज. रिव. लैट. 96, 01607, 2006
- **एस. पुरी**, एस.के. दास, जे. हारबच और के. बिन्दर, स्पिनोडल डिकम्पोजिशन इन थिन फिल्म्स, मोलिकुलर डायनेमिक्स साइम्युलेशंस आफ ए बाइनरी लेनर्ड जान्स फ्युइड मिक्स्चर, फिज. रिव. इ. 73, 031604, 2006
- **आर. रामास्वामी**, ए. नन्दी, डी. दत्ता और जे.के. भट्टाचार्यजी, द फेज माड्यूलेटिड लाजिस्टिक मैप, केआस, 15, 033107, 1–9, 2005
- **आर. रामास्वामी**, एम.डी. श्रीमाली, ए. प्रसाद और यू. फ्युडल, बेसिन बाइफरकेशंस इन कपल्ड क्वासिपिरिडिकली फोर्स्ड सिस्टम्स, फिजिकल रिव्यू इ. 2005, प्रकाशनाधीन

- **आर. रामास्वामी**, एन. गुप्ता और ए.आर. राव, ए पर्सपेक्टिव आन नानलिनियर डायनेमिक्स, प्रमाण 64, 307–313, 2005
- **आर. रामास्वामी**, एस.एस. नेगी, डायनेमिक्स आफ द हार्पर मैप : लोकेलाइज्ड स्टेटस कंटूर स्पैक्ट्रा ऐंड स्ट्रेंज नानकेआटिक अट्रेक्टर्स, फ्रंटियर्स इन कंडेस्ड मैटर फिजिक्स, भाग हीरक जयंती अंक, इण्डियन जर्नल आफ फिजिक्स, (सं.) जे.के. भट्टाचार्यजी और बी. चक्रबर्ती
- **आर. रामास्वामी**, जी. संतोष और डी. कुमार, थर्मल ट्रांसपोर्ट इन लो डायमेंशनल लैटिक्स विद नियरेस्ट ऐंड नेक्स्ट नियरेस्ट नेबर इंटरएक्शंस, जर्नल आफ स्टेटिस्टिकल मैकेनिक्स, पी. 7005, 1–10, 2005
- **आर. रामास्वामी**, एस. दत्ता, एस.एस. नेगी और यू. फ्युडल, क्रिटिकल लोकेलाइजेशन ऐंड स्ट्रेंज नान–केआटिक डायनेमिक्स : फिबोनाकी चेन, इंटरनेशनल जर्नल आफ बाइफरकेशन ऐंड केआस, 15, 1493–1503, 2005
- **आर. रामास्वामी**, एम.डी. श्रीमाली, ए. प्रसाद और यू. फ्युडल, बेसिन बाइफरकेशंस इन कपल्ड क्वासीपिरिडिकली फोर्स्ड सिस्ट्म्स, फिजिकल रिव्यू, ई 72, 036215–1–8, 2005
- **एस.के. सरकार**, जी.एस. मथारू और ए. पाण्डेय, वाइब्रेशनल स्पेक्ट्रा आफ अमोरफस क्लस्टर्स : यूनिवर्सल आस्पेक्ट्स, फिजिकल रिव्यू, बी. 72, 075401, 2005
- **पी. सेन**, एस. कुमार, के चौधरी और एस.के. गुहा, एटामिक फोर्स माइक्रोस्कोपी : ए पावरफुल टूल फार हाई रिजोल्युशन इमेजिंग आफ स्परमेटोजोआ, एन. नैनोबायोटेक्नोलाजी, 3, 9, 2005
- **पी. सेन**, नवेन्दु गोस्वामी, इम्प्रूव्ड क्रस्टेलिनिटी आफ जिंक सल्फाइड नैनोपार्टिकल्स इन अक्वेसियस एनवायरनमेंट, केमिस्ट्री आफ नैनोमैटेरियल सिंथेसिस ऐंड प्रोसेसिंग, (सं.) एक्स. पेंग, एक्स. फेंग, जे. लियु, जेड, रेन और जे.ए. वोइट, मैटर रेस. सास सिम्प प्रोक, 879 इ, वारन्डेल, पी.ए.यू.एस.ए., जेड 3.1, 2005
- **पी. सेन** और वन्दना, नैनोमेट्रिक स्केल सरफेस मोडिफिकेशन इन ए नीडल–प्लेट इक्सप्लोडिंग सिस्टम, जे. फिज. कंडेंस मैटर, 17, 5327–34, 2005
- **पी. सेन** और ओम प्रकाश, सिंथेसिस ऐंड आप्टिकल प्रापर्टीज आफ ओरिएन्टिड सीयू नैनोपार्टिकल्स, मैटर. रिस. सास. सिम्प. प्रोस. भाग, 900 इ. (003–31.1), 2006
- **पी. सेन**, सुरयानी देब, मोहर चटर्जी, जयदीप भट्टाचार्य, प्रबीर लाहिरी, उत्पल चौधरी, शंकर पाल चौधरी, सौमित्रा कार, ओम प्रकाश सिवाच और अंजन कुमार दास गुप्ता, रोल आफ प्युरिनेरजिक रिसेप्टर्स इन प्लेटलेटनैनोपार्टिकल इंटरएक्शंस, नैनोटाक्सिकोलाजी, 52(0), 1–11, 2006
- **पी. सेन** और वन्दना, कंसेंट्रिक रिंग फार्मेशन इन ए सेल्फ–आर्गेनाइजिंग मैटालिक सिस्टम, मैटेरियल्स रिसर्च सोसायटी, (यू.एस.ए.), ए.ए. 8.15, 2005
- **पी. सेन** और वन्दना, माइक्रो ऐंड नैनोस्ट्रक्चर इवोल्युशन विद इक्सप्लोडिंग वायरस, मैटर रेस. सास. सिम्प.प्रोक., भाग, 903 इ. (Z 05–32), 2005
- **पी. सेन**, जी. प्रभुलिंगय्या, जोयी घोष और डी.एम.आर. शेखर, टेस्ट फार स्टील मेल्टिंग शाप लाइमस्टोन, ट्रांसइण्डियन इंस्ट. मेटल्स, 59, 149–53, 2006

सम्मेलनों / संगोष्ठियों / कार्यशालाओं की कार्यवाही में प्रकाशित

- **आर. घोष** और जे. घोष, 4 से 6 नवम्बर 2005 तक आई.आई.टी. कानपुर में, फिजिक्स 2005 : 100 ईयर्स आफ्टर आइन्सटीन रिवोल्युशन विषयक सम्मेलन की कार्यवाही में आप्टिकल इंफार्मेशन स्टोरेज वाया कंट्रोल्ड पाप्यूलेशन ट्रांसफर बिटवीन एटामिक स्टेट्स शीर्षक आलेख।

- **आर. घोष** और ए.के. हाफिज, 21 से 23 मार्च 2006 तक दिल्ली विश्वविद्यालय में करंट डिवलपमेंट्स इन एटामिक; मोलिकुलर ऐंड आप्टिकल फिजिक्स एप्लिकेशंस, विषयक द्वितीय अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में क्वांटम नाइज प्रापर्टीज आफ ए टू मोड लेजर शीर्षक आलेख।
- **आर. घोष**, जे. घोष और ए.के. हाफिज, 21 से 23 मार्च 2006 तक दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित करंट डिवलपमेंट्स इन एटामिक, मोलिकुलर ऐंड आप्टिकल फिजिक्स विद एप्लिकेशंस विषयक द्वितीय अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में एटामिक मेमोरी इफैक्ट्स इन ए टु–माडल लेजर, शीर्षक आलेख।
- **आर. घोष**, पी. कुमार और ए. प्रसाद, 21 से 23 मार्च 2006 तक दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित करंट डिवलपमेंट्स इन एटामिक मोलिकुलर ऐंड आप्टिकल फिजिक्स विद एप्लिकेशंस विषयक द्वितीय अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में सप्रेशन आफ ओसिलेटिंग पल्सशंस इन एक्सटर्नल – केविटी – डाइवोड लेजर, शीर्षक आलेख।
- **आर. घोष** और रुचि अग्रवाल, फिज. सेमिकोन देव विषयक 13वीं अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला की कार्यवाही में, 'इलैक्ट्रिकल स्विच विद हाई आन – आफ रेशियो बेस्ड आन फील्ड इंड्यूस्ड कंडक्टेंस ट्राजिशन इन आर्गेनिक थिन फिल्म्स, शीर्षक आलेख, नई दिल्ली, पृ. 939–42, 2005
- **एस. घोष** और डी. कविराज, आब्जरवेशन आफ मेटास्टेबल एनर्जी लेवल्स आफ इ.एल.–2 इन सेमी – इंसुलेटिंग जी ए ए एस, 1476–70
- **एस. घोष** और एन. सरकार, बैण्ड गैप ड्यु टु मैनी बाडी इफैक्ट्स इन जी.ए.एन., 1471–74
- **एस. घोष** और एन. सरकार, सप्रेशन आफ सुपरकंडक्टिविटी इन बी.आई.–2223 बाई लाइट, डी.ए.इ. सालिड स्टेट फिजिक्स संगोष्ठी की कार्यवाही, मुम्बई, 2005
- **एस. पटनायक**, डी. एस. कौशिक, श्रीकांत सैनी और रवि कुमार, डिस्आर्डर इंडयूस्ड मोडिफिकेशन इन एनिसोट्रोपी आफ एम. जी.बी. 2 डी.ए.ई. की कार्यवाही, भाग–50, 653, 2005
- **एस. पुरी** और के. बिन्दर, वेटिंग ऐंड फेज सैप्रेशन ऐट सरफेसिस, स्टेटिस्टिकल फिजिक्स आफ द आई.यू.पी.ए.पी. विषयक 22वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में स्टेफिज–22 की कार्यवाही में, (सं.) दत्तागुप्ता, एच.आर. कृष्णामूर्ति, आर. पंडित, टी.वी. रामकृष्णन और डी. सेन, प्रमाण 64, 881, 2005
- **आर. रामास्वामी** और एम.डी. श्रीमाली, पार्सियल कम्पलीट सिंक्रोनाइजेशन इन क्वासिपिरिडिकली फोर्स्ड कपल्ड मैप्स, भारतीय नेशनल साइंस अकादमी की कार्यवाही में 71, 85–96, 2005
- **आर. रामास्वामी**, जी. भनोट, जी. अलेक्स, बी. वेंकटराघवन, जे. लेपरे, ए.जे. लेवाइन और जी. स्टोलोबिटज्की, रिकम्ब–2005, रोबस्ट मेटा एनालिसिस आफ जिनोमिक डाटा फार कैंसर डायग्नोसिस, 15–17 मई, 2005
- **आर. रामास्वामी**, के. रावल, ए.ए. बाकरे, ए. भट्टाचार्य और एस. भट्टाचार्य, इलियानेलाइजर, : एन आटोमेटिड मेथड फार एनालिसिस आफ रेट्रोट्रांस्पोसोंस इन जिनोम्स ऐंड प्रिडिक्शन आफ देयर इंसर्सन साइट्स, आई.एस.एम.बी. 25–27 जून. 2005
- **आर. रामास्वामी**, जी. भनोट, जी. अलेक्स, एल. चियांग, जे. लेपरे और जी. स्टोलोविटज्की, जीन इक्सप्रेशन पैटर्न्स आफ ब्रेस्ट केंसर फेनोटाइप रिवील्ड बाई मोलिकुलर प्रोफाइलिंग, डिटेक्टिंग ऐंड प्रोसेसिंग रेग्युलैरटीज इन हाई थ्रूपुट बायोलाजिकल डाटा, विषयक डीआईएमसीएस कार्यशाला, रूटजर्स, न्यू ब्रून्सविक, 20–22 जून, 2005
- **आर. रामास्वामी**, जी. अलेक्स, जी. भनोट, बी. वेंकटराघवन, जे. लेपरे, ए.जे. लेवाइन और जी. स्टोलोविटज्की, ए रोबस्ट मेटा – क्लासिफिकेशन स्ट्रेटिजी फार कैंसर डाइग्नोसिस फ्राम जीन इक्सप्रेशन डाटा, आई.इ.इ.इ. कंप्यूटेशनल सिस्टम्स बायोइंफार्मेटिक्स सम्मेलन, सी.ए. स्टेंडफोर्ड, 8–11 अगस्त, 2005
- **पी. सेन** और ओम प्रकाश, सिंथेसिस आफ ओरिएन्टिड कापर नैनोपार्टिकल्स यूजिंग इलैक्ट्रो–2 एक्सप्लोडिंग वायर टेक्नीक, डी.ए.ई. सालिड स्टेट फिजिक्स विषयक 50वीं सगोष्ठी की कार्यवाही, बी.ए.आर.सी., मुम्बई, 2005
- **पी. सेन** और नवेन्दु गोस्वामी, 24 से 26 अगस्त 2005 तक आई.आई.टी. रूड़की में 'एडवांस्ड करेक्ट्राइजेशन टेक्नीक्स आन

नैनोमैटेरियल्स (एक्शन–2005) विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में टेम्पोरल इवोल्युशन आफ मेटास्टेबल जेडएनएस ऐंड सीडीएस, नैनोक्रस्टेलिटीज सिंथेसाइज्ड बाई ए नावल मेथड शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- **पी. सेन** और वन्दना, नैनोमीटर स्केल रिस्ट्रक्चरिंग आफ ए मेटालिक सरफेस डी.ए.इ. की सालिड स्टेट फिजिक्स विषयक 50वीं संगोष्ठी की कार्यवाही, बी.ए.आर.सी., मुम्बई, 2005
- **पी. सेन** और विकास शर्मा, निर्मल प्रधान, ओम प्रकाश, सत्य एस. चेरी, वी.पी. देशवाल, ए.के. बागची और जे. अख्तर, टेम्प्रेचर ऐंड कंसंट्रेशन डिपेंडेंस आन एनिसोट्रपिक एचिंग आफ (100) सिलिकान इन अक्वेसियस केओएच साल्युशन सेंसर्स विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन, 2005
- **पी. सेन** और नवेन्दु गोस्वामी, 16 से 18 मार्च, 2006 तक नई दिल्ली में नैनो साइंस ऐंड टेक्नोलाजी (आइकोनसैट–2006), विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में 'वाटर सेंस्टिव मेटास्टेबल फेजिस आफ जेडएनएस ऐंड सी.डी.एस. नैनोपार्टिकल्स सिंथेसाइज्ड बाई इक्सप्लोडिंग वायर टेक्नीक, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **पी. सेन** और नवेन्दु गोस्वामी, वाटर–इंडयूस्ड स्टेबिलाइजेशन आफ जेड.एन.एस. ऐंड सी.डी.एस. नैनोपार्टिकल्स, सालिड स्टेट फिजिक्स, विषयक संगोष्ठी की कार्यवाही (सं.) वी.के. अस्वाल, के.जी. भूषण और जे.वी. याख्मी, 50, 57, 2005
- **पी. सेन** और बन्दना, कंसेंट्रिक रिंग फार्मेशन इन ए सेल्फ–आर्गेनाइजिंग मेटालिक सिस्टम, मैटेरियल रिसर्च सोसायटी, यू.एस.ए.स्प्रिंग बैठक, ए.ए. 8, 15. 2005
- **पी. सेन** और नवेन्दु गोस्वामी, 28 नवम्बर से 2 दिसम्बर, 2005 तक बोस्टन, एम.ए. यू.एस.ए. में आयोजित बैठक में क्वांटम क्रंफाइन्ड सेमिकंडक्टर नैनोस्ट्रक्चर्स फैब्रिकेशन करेक्ट्राइजेशन ऐंड स्पेक्ट्रोस्कोपिक प्रापर्टीज आफ मैटेरियल्स रिसर्च सोसायटी (एम.आर.एस.) विषयक संगोष्ठी में 'वाटर–इंडयूस्ड स्ट्रक्चरल ट्रांस्फार्मेशन आफ मेटास्टेबल जिंक सल्फाइड ऐंड कैडमियम सल्फाइड नैनोक्रिस्टेलिटीज शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **पी. सेन**, सुनील कुमार, कोयल चौधरी और एस.के. गुहा ने 1 से 3 मार्च 2006 तक साह इंस्टीट्यूट आफ न्यूक्लियर फिजिक्स, कोलकाता में नैनो–बायो इंटरफेस–2006 विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'आयोनिक ट्रेप बाई रिसुगा इन वास डिफ्रेन्स इम्पार्ट कंट्रसेप्शन शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **पी. सेन**, सुनील कुमार, कोयल चौधरी और एस.के. गुहा ने 22 से 25 फरवरी 2006 तक राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में 'गेमेट बायोलाजी : इमर्जिंग फ्रंटियर्स इन फर्टिलिटी ऐंड कंट्रासेप्टिव डिवलपमेंट विषयक अन्तरराष्ट्रीय कांग्रेस में क्वांटिटेटिव एनालिसिस आफ माइक्रो स्ट्रक्चरल अल्ट्रेशंस इन ह्युमन स्परमेटोजोआ आन इंटरएक्शन विद आर.आई.एस.यु.जी. आर. शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **पी. सेन** और वन्दना ने 1 से 3 मार्च 2006 तक साह इंस्टीट्यूट आफ न्यूक्लियर फिजिक्स, कोलकाता में नैनो–बायोइंटरफेस 2006 विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में कंट्रोल्ड प्रोसिस फार नैनोपार्टिकल प्रोडक्शन : स्युटेबल फार बायोलाजिकल एप्लिकेशंस शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया। (सर्वोत्तम आलेख का पुरस्कार प्राप्त हुआ।)
- **पी. सेन** और वन्दना ने 2005 में कोची में 'आप्टोइलैक्ट्रानिक मैटेरियल्स ऐंड द थिन फिल्म्स फार एडवांस्ड टेक्नोलाजी (ओमटैट 2005) विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में नैनोस्ट्रक्चरल मैटेरियल्स इन ए नीडिल–प्लेट एक्सप्लोडिंग सिस्टम शीर्षक आलेख।
- **पी. सेन** और ओम प्रकाश ने 1 से 3 मार्च 2006 तक साह इंस्टीट्यूट आफ न्यूक्लियर फिजिक्स, कोलकाता में नैनो–बायो इंटरफेस विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सिंथेसिस ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ कापर नैनोपार्टिकल्स शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **पी. सेन** और ओम प्रकाश ने 16 से 18 मार्च 2006, नई दिल्ली में आयोजित नैनो साइंस ऐंड टेक्नोलाजी (आइकोनसैट–2006) विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'इलैक्ट्रो एक्सप्लोडिंग वायर टेक्नीक टु सिंथेसाइज कापर नैनोपार्टिकल्स शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

पुस्तकें

- **आर. रामास्वामी**, एन. गुप्ता और आर. राय, पर्सपेक्टिव्स इन नान लिनियर डायनेमिक्स : सम्मेलन की कार्यवाही प्रमाण के विशेष अंक के सम्पादक – जर्नल आफ फिजिक्स, भारतीय विज्ञान अकादमी, बंगलौर, 2005

सामाजिक विज्ञान संस्थान

आलेख

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र

- **अंजन मुखर्जी**, रोबस्ट साइक्लिकल ग्रोथ, इंटरनेशनल जर्नल आफ इकोनामिक थीअरि, भाग–1, अंक–3, 233–45, 2005
- **अंजन मुखर्जी**, द पासिबिलिटी आफ साइक्लिकल बिहेवियर इन ए क्लास आफ डायनेमिक माडल, अमेरिकन जर्नल आफ एप्लाइड साइंस, विशेष अंक, 27–38, 2005
- **अंजन मुखर्जी**, इक्विलिब्रियम : स्टेटिक्स ऐंड डायनेमिक्स, इन द मेमोरी आफ मिसिओ मोरिश्मा, कंटेम्पोरॅरि आइडियाज ऐंड इश्यूज इन सोशल साइंसिस, जुलाई 2005
- **अरूण कुमार**, द इश्यूज इनवाल्वड इन इंप्लिमेंटिग वैट इन इण्डिया : नीड फार बार्डर, व्यू भारतीय सामाजिक चिन्तन भाग–4, अंक–1, पृ. 6–9, अप्रैल–जून 2005
- **अरूण कुमार**, इण्डिया'स ब्लैक इकोनामी : द मैक्रोइकोनामिक इंप्लिकेशंस, साउथ एशिया, भाग–28, अंक–2, पृ.249–63, अगस्त 2005
- **अरूण कुमार**, पैरामीटर्स आफ ए सोसलिस्ट अल्टरनेटिव इन द प्रजेन्ट जंक्चर, जनता, भाग 61, अंक 1, वार्षिक अंक, पृ. 8–10, जनवरी 2006
- **अरूण कुमार**, यूनियन बजट–2006–07 : विल इट हैल्प ग्रोथ ? योजना, भाग–50
- **सी.पी. चन्द्रशेखर**, फाइनेंसियल लिबरलाइजेशन, फ्रेजिलिटी ऐंड द सोसिआलाइजेशन आफ रिस्क : कैन कैपिटल कंट्रोल्स वर्क ? सोशल साइंटिस्ट, अंक 382–83, मार्च–अप्रैल–2005
- **सी.पी. चन्द्रशेखर**, चिपिंग ऐट द मार्जिन : जुडिशियल इंस्टीट्यूशनलाइजेशन आफ द प्राइवेटाइजेशन आफ हायर ऐज्यूकेशन इन इण्डिया, सोशल साइंटिस्ट, सितम्बर–अक्टूबर 2005
- **सी.पी. चन्द्रशेखर**, पीएसआरपी ऐज ए डिवलपमेंट पैराडिग्म : ए क्रिटिक ऐंड द कंटूर्स आफ एन अल्टरनेटिव, अर्थनिति, (नई श्रृंखला), भाग–4, अंक–1–2, 2005
- **सी.पी. चन्द्रशेखर**, हू नीड्स द नालेज इकोनामी : इनफार्मेशन, नालेज ऐंड फ्लेक्सिबल लेबर, इण्डिया जर्नल आफ लेबर इकोनामिक्स, भाग–48, अंक–4, अक्टूबर–दिसम्बर 2005
- **सी.पी. चन्द्रशेखर**, कोर्टिंग रिस्क : पालिसी मैनोइवर्स आन एफएलएल इंफ्लोज, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग–XLI, भाग–2, 14 से 20 जनवरी 2006
- **सी.पी. चन्द्रशेखर**, फाइनेंशल लिबरलाइजेशन इन इण्डिया : एन असेसमेंट आफ इट्स नेचर ऐंड आउटकम्स इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग XLI, अंक–11, 18–24 मार्च 06
- **डी.एन. राव**, वैरिएशंस इन हैल्थ एक्सपेंडिचर्स : इज इट जस्ट इनकम आर अदर फैक्टर्स ? इम्पेरिकल इंवेस्टिगेशन यूजिंग ए पैनल आफ इण्डियन स्टेट्स जर्नल आफ क्वांटिटेटिव इकोनामिक्स न्यू सीरीज, भाग–3, अंक–2, पृ. 159–179, मार्च, 2006 (अनंदिता चक्रबर्ती के साथ)
- **दीपक नैयर,** ग्लोबलाइजेशन, हिस्ट्री ऐंड डिवलपमेंट : ए टेल आफ टु सेंचुरी'ज, केंब्रिज जर्नल आफ इकोनामिक्स, जनवरी 2006
- **जयती घोष**, द टवेल्थ फाइनेन्स कमीशन ऐंड द रिस्ट्रक्चरिंग आफ स्टेट डेब्ट : ए नोट, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग–40, अंक–31, 30 जुलाई 5 अगस्त, 2005

- **जयती घोष**, द सोशल ऐंड इकोनामिक इम्पैक्ट आफ फाइनेंशल लिबरलाइजेशन : ए प्राइमर फार डिवलपिंग कंट्रीज, यू.एन. डेसा आधार पत्र, न्यूयार्क, 2005
- **जयती घोष**, इन इक्वैलिटी इन इण्डिया : ए सर्वे आफ रिसेंट ट्रेन्ड्स, यू.एन.–डेसा आधार पत्र, 2005 (पी. पाल के साथ)
- **जयती घोष**, अंडरस्टेंडिंग द एक्सटेंट ऐंड इवोल्युशन आफ इनइक्वैलिटीज इन चाइना, यू.एन. डेसा आधार पत्र, 2005 (रंजना सेनगुप्ता के साथ)
- **के.जी. दस्तीदार**, प्राइस लीडरशिप इन ए ड्यूपालि : इक्वल प्राडक्ट्स अनइक्वल टेक्नोलाजी, इंटरनेशनल जर्नल आफ इकोनामिक थीअरि, भाग–1, पृ. 189–210, 2005 (देव फूर्थ के साथ)
- **के.जी. दस्तीदार**, आन रिवेन्यू ऐंड विडर्स पेआफ इन प्राक्यूरमेंट आक्शंस विद वैरिएबल क्वांटिटी, अर्थनीति, भाग–4, पृ. 33–45, 2005
- **के.जी. दस्तीदार**, आन थर्ड डिग्री प्राइस डिस्क्रिमिनेशन इन ओलिगोपाली, द मानचेस्टर स्कूल, भाग–74, पृ. 231–50, 2006
- **के.जी. दस्तीदार**, आक्शंस विद इंडोजिनस क्वांटिटी रिविजिटिड, कंटेम्पोरॅरि इश्यूज ऐंड आइडियाज इन सोशल साइंसिस, मार्च 2006
- **प्रदीप्त चौधरी**, लेवल आफ एक्टिविटी इन एन इकोनामी विद फ्री कैपिटल मोबिलिटी, (विकास रावल के साथ), 2 अप्रैल 2005
- **प्रदीप्त चौधरी**, डज कास्ट इंडिकेट डेप्रीवेशन ? संगोष्ठी, रिड्रेसिंग डिस्एडवांटेज्स, रिजर्वेशंस ऐंड द प्राइवेट सैक्टर विषयक संगोष्ठी, अंक–549, पृ. 26–29, मई 2005
- **प्रदीप्त चौधरी**, कास्ट, कोटाज इन इण्डिया : सम बेसिक इश्यूज भारतीय सामाजिक चिन्तन, (भारतीय सामाजिक विज्ञान आकदमी की तिमाही पत्रिका), पृ. 25–34, अप्रैल–जून, 2005
- **प्रवीण झा**, वेदरिंग कमिटमेंट्स ऐंड वीकनिंग प्रोग्रेस – स्टेट ऐंड ऐज्यूकेशन इन द ईरा आफ निओलिबरल रिफार्म्स, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग–40, अंक–33, अगस्त, 2005
- **प्रवीण झा**, स्टेट'स ग्रोइंग इनटालरेन्स टुवर्डस लेबर इन इण्डिया – ए नोट बेस्ड आन सम रिसेंट डिवलपमेंट्स, द इण्डियन जर्नल आफ लेबर इकोनामिक्स, भाग–48, अंक–4, अक्टूबर–दिसम्बर 2005
- **सुब्रत गुहा**, कोर्स माडयूल्स फार इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी एम.ए. (इकोनामिक्स) कोर्स, यूनिट 5 : रेशनल एक्सपैक्टेशंस ऐंड इकोनामिक थीअरि यूनिट 6 : पालिसी मेकिंग अंडर अनसर्टेनिटी
- **विकास रावल**, लेवल आफ ऐक्टिविटी इन एन इकोनामी विद फ्री कैपिटल मोबिलिटी, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, 2 अप्रैल, 2005 (प्रभात पटनायक के साथ)
- **विकास रावल**, मास ऐज्यूकेशन ऐंड लिट्रेसी : अचीवमेंट्स आफ त्रिपुरा, त्रिपुरा ह्यूमन डिवलपमेंट रिपोर्ट के लिए पृष्ठभूमि आलेख, त्रिपुरा राज्य योजना बोर्ड और यू.एन.डी.पी., 2005
- **विकास रावल**, रिसेंट पीजेन्ट स्ट्रगल इन राजस्थान, मार्क्सिस्ट, अक्टूबर–नवम्बर, 2005
- **उत्सा पटनायक**, थीओराइजिंग फूड सिक्यूरिटी ऐंड पावर्टी इन द ईरा आफ नीओ–लिबरल रिफार्म्स, सोशल साइंटिस्ट्स, भाग–33, अंक–7–8, जुलाई–अगस्त, 2005
- **उत्सा पटनायक**, द एग्रेरियन मार्किट कंस्ट्रेन्ट इन इण्डिया आफ्टर फोर्टीन ईयर्स आफ इकोनामिक रिफार्म्स ऐंड ट्रेड लिबरलाइजेशन, साउथ एशिया – जर्नल आफ साउथ एशियन स्टडीज (मोनाश विश्वविद्यालय), भाग–27, अंक–2, अगस्त–2005

ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र

- **ए. मुखर्जी**, नेहरू'स इकोनामिक विजन फार इण्डिया : द रोड टु फुलफिलमेंट, (सं.) इरफान हबीब, इण्डिया – स्टडीज इन द हिस्ट्री आफ एन आइडिया, मुंशीराम मनोहरलाल, 2005
- **ज्योति अटवाल**, हिन्दू विधवा का प्रश्न : सुधारवाद से राष्ट्रवाद (हिन्दी में), (सं.) देवेन्द्र चौबे, साहित्य का नया सौन्दर्यशास्त्र, (ए न्यू एस्थेटिक्स आफ लिट्रेचर), किताबघर, नई दिल्ली, 2006
- **राधिका सिंह**, सी. मार्कोविट्स की पुस्तक समीक्षा, सोसायटी ऐंड सरकुलेशन, स्टडीज इन हिस्ट्री, 21, 2, पृ. 278–83, जुलाई–दिसम्बर 2005
- **तनिका सरकार**, हीरोइक वुमन, मदर गाडेस : फैमिली ऐंड आर्गेनाइजेशन इन हिन्दुत्व पालिटिक्स : द जैंडर प्रिडिकेमेंट आफ द हिन्दू राइट और एज्यूकेटिंग द चिल्ड्रन आफ हिन्दू राष्ट्र : ए नोट आन आर.एस.एस. स्कूल्स (सं.) जे. क्रिस्टोक, द संघ परिवार : ए रीडर, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, दिल्ली, 2005
- **तनिका सरकार**, आन द एडिटोरियल बोर्ड आफ जर्नल आफ वुमन'स हिस्ट्री, जान हाप्किन्स यूनिवर्सिटी प्रेस, यू.एस. वुमन'स हिस्ट्री रिव्यू, रूटलिज जर्नल्स, आक्सफोर्ड, साउथ एशियन रिसर्च, स्कूल आफ ओरिएन्टल ऐंड अफ्रीकन स्टडीज, लन्दन
- **कुमकुम राय**, द फ्युचर आफ हिस्ट्री इन स्कूल्स, हिन्दू, अगस्त, 2005
- **रणबीर चक्रबर्ती**, आन बोर्ड द हर्मोपोलन : इक्सपोर्टिंग जिनेटिक नार्ड फ्राम मुजिरिस (सं.) मार्टिन ब्रोडिटनर और एस.के. पण्डा, इंट्रोगेटिंग हिस्ट्री एसेज फार प्रोफेसर हरमेन कुल्के, मनोहर, नई दिल्ली, 2006
- **रणबीर चक्रबर्ती**, वीविंग द वेलाकुलस : कोंकण ऐंड द वेस्टर्न इण्डियन ओशन (सी.ए.डी. 600–1300), (सं.) राधिका सेशन, मिडिवल इण्डिया : प्राब्लम्स ऐंड प्रास्पेक्ट्स, प्रोफेसर ए.आर. कुलकर्णी के सम्मान में निबन्ध, रावत, नई दिल्ली, 2006
- **रणबीर चक्रबर्ती**, मर्चेन्ट्स मर्चेन्डाइड ऐंड मर्चेन्टमैन : इण्डिया ऐंड द वेस्टर्न इण्डियन ओशन (सी – ए.डी. 500–1500) (सं.) ओम प्रकाश, इण्डियन ओशन मैरिटाइम ट्रेड सेंटर फार स्टडीज इन सिविलाइजेशन, नई दिल्ली, (आगामी अंक)
- **रणबीर चक्रबर्ती**, रीडिंग इण्डिया थ्रूं इपिग्राफिक लेन्स, (सं.) भारतीय रे; टुवर्डस ऐंड अल्टरनेटिव हिस्ट्री, सेंटर फार स्टडीज इन सिविलाइजेशन, नई दिल्ली, (आगामी अंक)
- **एच.पी. रे**, फार–फ्लंग फेब्रिक्स : इण्डियन टेक्सटाइल्स इन एनशन्ट मैरीटाइम ट्रेड, (सं.) रथ बर्नेस, टेक्सटाइल्स इन इण्डियन ओशन सोसायटीज, रुटलेज कर्जन, लन्दन, 17–37, 2005
- **एच.पी. रे**, द एक्सिअल ऐज इन साउथ एशिया, द आर्किओलाजी आफ बुद्धिज्म (500 बी.सी.ए.डी. 500)
- **एच.पी. रे**, (सं.) एम.टी. स्टार्क, आर्किओलाजी आफ एशिया, ब्लैकवेल पब्लिशिंग, आक्सफोर्ड, 303–23, 2006
- **एच.पी. रे**, द आर्किओलाजी आफ बंगाल : ट्रेडिंग नेटवर्क्स, कल्चरल आइडेंटिटीज, जर्नल आफ इकोनामिक ऐंड सोशल हिस्ट्री आफ द ओरिएन्ट, भाग–49, अंक–1, पृ. 68–95, 2006
- **हीरामन तिवारी**, रिव्यू आफ द इण्डियन फिलास्फी : ए वैरी शार्ट इंट्रोडक्शन, स्यु. हेमिलटन, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, आक्सफोर्ड, 2001, फिलास्फी ईस्ट ऐंड वेस्ट, भाग–55, अंक–3, हवाई प्रेस, विश्वविद्यालय, पृ. 482–84, 2005
- **हीरामन तिवारी**, कल्चर आफ नालेज प्रोडक्शन द संस्कृत जेपिक्स की समीक्षा, रिप्रजेंटेशन आफ वैदिक मिथ्स (सं.) डैनिले फेलर, एम.एल.बी.डी., दिल्ली, 2004, द बुक रिव्यू, भाग–30, अंक–1, विश्व पुस्तक मेला विशेष, फरवरी 2006
- **राधिका सिंह**, एक्सेप्शंस टु द ला, ऐंड एक्सेप्शनल लॉज : ए प्रापर पासपोर्ट फार कोलोनियल इण्डिया 1914–20, हिस्टोरिकल साइंसिस की 20वीं अन्तरराष्ट्रीय कांग्रेस, सिडनी, आस्ट्रेलिया, 3–9 जुलाई 2005
- **राधिका सिंह**, द ग्रेट वार ऐंड द कम्पलसरी पासपोर्ट रिजीम इन इण्डिया 1914–20, इतिहास विभाग, वुफ्ट्स विश्वविद्यालय, बोस्टन, 17 अक्टूबर 2005

- **राधिका सिंह**, कंविक्ट्स ऐंड एबआर्जिन्स : गेटिंग लेबर फ्राम इण्डिया फार द वार इन इराक, 1916–20, डिपार्टमेंट आफ साउथ एशियन स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ पेंसलवानिया, 26 जनवरी, 2006
- **राधिका सिंह**, ए प्रोपर पासपोर्ट फार द कालौनी : बार्डर क्रासिंग इन ब्रिटिश इण्डिया, सी 1882–1920, संगोष्ठी श्रृंखला हिन्टरलैण्ड्स, फ्रंटियर्स सिटीज ऐंड स्टेट्स : ट्रांससैक्शंस ऐंड आइडेंटिटीज, प्रोग्राम इन एग्रेरियन स्टडीज, येल विश्वविद्यालय, 3 फरवरी 2006

दर्शनशास्त्र केंद्र

- **एस.पी. गौतम**, अंडरस्टेंडिंग ह्युमन कांससनेस : ए विटजिन स्टेनियन पर्सपेक्टिव, संधान, जर्नल आफ सेंटर फार स्टडीज इन सिविलाइजेशंस, भाग–5, अंक–1, जनवरी–जून, 2005
- **एस.पी. गौतम**, मैकिंग क्वालिटी हायर एज्यूकेशन एक्सेसिबल इन इण्डिया, यूनिवर्सिटी न्यूज वीकली जर्नल आफ हायर एज्यूकेशन, भाग–43, अंक–41, 10–16 अक्टूबर 2005
- **आर.पी. सिंह**, इंटरफेथ हारमनी इन बाल गंगाधर तिलक'स गीता रहस्य, भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान की पत्रिका, पृ. 20–26, 2005
- **ओइनम भगत** और सी. उपेन्द्र, रावल्स' पब्लिक पालिटिकल जस्टिस, समरहिल : आई.आई.ए.एस. रिव्यू, भाग–10, अंक 1 और 2, 2004, (2005 में प्रकाशित)
- **ओइनम भगत** और डी.ए. सदोकपम, रिड्रेसिंग डिसएडवांटेज्स : प्राब्लम आफ जनरलाइजेशन, संगोष्ठी, मई 2005
- **ओइनम भगत**, मणिपुर, (सं.) एम. मोरायामा, के. इनोयु और एस. हजारिका, सब रीजनल रिलेशंस इन द ईस्टर्न साउथ एशिया : विद स्पेशल फोकस आन इण्डिया'स नार्थ ईस्टर्न रीजन, चिबा, जापान, आईडी.ई. जेट्रो, 2005
- **ओइनम भगत**, डायनेमिक्स आफ एथनिक कंफ्लिक्ट्स इन मणिपुर : टुवर्डस ए प्रपोजल फार साल्युशन, (सं.) मोनिरूल हुसैन, कमिंग आउट आफ वायलन्स : एसेज आन एथनिसिटी, केफ्लिक्ट रिजोल्युशन ऐंड पीस प्रोसिस इन नार्थ–ईस्ट इण्डिया, रिजेन्सी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005
- **ओइनम भगत**, रिसीविंग कम्युनिटीज : द एनकाउन्टर विद माडर्निटी, ईस्टर्न क्वाटर्ली, भाग–3, अंक–2, जुलाई–सितम्बर 2005

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केन्द्र

- **ए. बनर्जी**, पाप्यूलेशन ग्रोथ, अर्बन एनवायरनमेंट ऐंड सस्टेनेबिलिटी इश्यूज : ए केस स्टडी आफ दिल्ली इण्डिया, इंस्टीट्यूट आफ लैण्डस्केप, इकोलाजी ऐंड एकिस्टिक्स, इण्डियन जर्नल आफ लैण्डस्केप सिस्टम्स ऐंड इकोलाजिकल स्टडीज, भाग–28, अंक–2, दिसम्बर 2005
- **बी.एस. बुटोला**, स्पैशल डिस्ट्रिब्युशन आफ क्राइम अगेंस्ट वुमन इन इण्डिया : ए स्टडी इन क्राइम जिओग्राफी, द डेकन जिओग्राफर, 42(2), 25–36,
- **एन.सी. जेना**, डिवलपमेंट प्रास्पेक्ट्स आफ टूरिज्म इन बर्धमान, वेस्ट बंगाल : एन इम्पेरिकल स्टडी, द इण्डियन जर्नल आफ लैण्डस्केप सिस्टम्स ऐंड इकोलाजिकल स्टडीज
- **एन.सी. जेना**, डिजिटल इमेज एनालिसिस ऐंड रूरल लैण्ड यूज प्लानिंग, कुरूक्षेत्र, नई दिल्ली, (सह लेखक मिलाप चन्द्र शर्मा), जनवरी 2006
- **ए. कुण्डु**, (निरंजन सारंगी के साथ), इंप्लायमेंट गारंटी इन इण्डिया : द केस आफ अर्बन एक्सक्लुजन, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, 40(33), 3642–45

- **ए. कुण्डु**, अर्बेनाइजेशन ऐंड ग्रोथ डायनेमिक्स इन इण्डिया : एन एनालिसिस विद स्पेशल रिफ्रेन्स टु वेस्टर्न ऐंड सेंट्रल रीजनंस, (निरंजन सारंगी के साथ), आर. पार्थासारथी और एस. आयंगर, न्यू डिवलपमेंट पैराडिग्म्स ऐंड चैलेंजिस फार वेस्टर्न ऐंड सेंट्रल एशिया, कंसेप्ट पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली
- **ए. कुण्डु**, स्ट्रेटिजी फार रूरल डिवलपमेंट ऐंड पावर्टी एलिविएशन : एन पअेजल फार द चेंजिंग पालिसी पर्सपेक्टिव (बी.पी. दास के साथ), डेप्रिविएशन ऐंड इंक्लुसिव डिवलपमेंट, (सं.) डी.एम. दिवाकर और जी.पी. मिश्र, मानक, नई दिल्ली, 2006
- **पी.एम. कुलकर्णी** और मनोज अल्गाराजन, पाप्यूलेशन ग्रोथ, फर्टिलिटी ऐंड रिलिजन इन इण्डिया, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, 40(5), 4003–10
- **डी.के. मिश्रा**, ट्रांसनेशनल कोआपरेशन ऐंड लिविलहुड सिक्युरिटी इन नार्थ ईस्ट इण्डिया, जर्नल आफ पालिटिक्स, 12(1), 96–140
- **एस. नांगिया** और अभय कुमार, चेंज इन ऐज स्ट्रक्चर आफ इण्डिया'स पाप्यूलेशन (1881–2001), डायलाग, 6(3), 91–104
- **पदमिनी पाणि**, इवोल्युशन आफ डिफ्रेन्ट लैण्डफार्म यूनिट्स ऐंड न्योटेक्टोनिक इंप्लिकेशंस फार ए पार्ट आफ द लोअर चम्बल वैली, यूजिंग सैटेलाइट इमेज्स – ए कम्प्यूटर एडिड जियोग्राफिक अप्रोच पेल इंटोलाजिकल सोसायटी आफ इण्डिया का विशेष प्रकाशन, 2, 219–24
- **एस. राजू**, लिमिटिड आप्शंस–रिथिंकिंग वुमन'स इंपावरमेंट प्राजेक्ट्स इन डिवलपमेंट डिस्कोर्सिस ए केस फ्राम रूरल इण्डिया, जेंडर टेक्नोलाजी ऐंड डिवलपमेंट, 9, 253–271
- **एस. राजू**, प्रोडक्शन आफ नालेज : लुकिंग फार थीअरि इन फैमिलियर प्लेसिस ? जिओ फोरम 37(2), 155–61
- **आर.के. शर्मा** और के.जी. राधाकृष्णन, डिटर्मिनेंट्स आफ इण्डिया'स साफ्टवेयर एक्सपोर्ट : ए क्वांटिटेटिव असेसमेंट द इण्डियन इकोनामिक जर्नल, 52, 344
- **आर.के. शर्मा** और के. इलुमलाई, डब्ल्यू टी ओ ऐंड डेरी : रिसेंट डिवलपमेंट ऐंड ट्रेड निगोसिएशंस, फारेन ट्रेड रिव्यू, 40(2)
- **आर.के. शर्मा** और विनोज अब्राहम, न्यू टेक्नोलाजी ऐंड द इमर्जिंग लेबर मार्किट : ए स्टडी आफ इण्डियन आई.टी. इंडस्ट्री, इण्डियन जर्नल आफ लेबर इकोनामिक्स, 48(4), 789–802
- **एस. सिन्हा**, जिओग्राफी इन स्कूल एज्यूकेशन इन इण्डिया, द बुक रिव्यु 24(10) : 44
- **पी. सेन**, अनिन्दता सरकार और अनिमेश कुमार, राइस वीट क्रापिंग साइकल इन पंजाब : ए कम्परेटिव एनालिसिस आफ सस्टेनेबिलिटी स्टेटस इन डिफ्रेंट इरिगेशन सिस्टम्स, इण्डियन जर्नल आफ एग्रिकल्चरल इकोनामिक्स 60(3)
- **आर.एस. श्रीवास्तव**, (रिचा सिंह के साथ), इकोनामिक रिफार्म्स ऐंड एग्रीकल्चरल वेजिज इन इण्डिया, द इण्डियन जर्नल आफ लेबर इकोनामिक्स, 48(2), 407–24
- **आर.एस. श्रीवास्तव**, बांडिड लेबर इन इण्डिया : इट्स इंसिडेन्स ऐंड पैटर्न, डिक्लेरेशन/डब्ल्यू.पी/43/2005, इनफोकस प्रोग्राम आन प्रमोटिंग द डिक्लेरेशन आन फण्डामेंटल प्रिंसिपल्स ऐंड राइट ऐंड वर्क, अन्तरराष्ट्रीय श्रम संगठन, जिनेवा
- **एस.के. थोरट** और एल. जोई, कास्ट डिस्क्रिमिनेशन ऐंड फूड सिक्यूरिटी प्रोग्राम, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, 40(18), 1817–23

सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र

- **दीपांकर गुप्ता**, कास्ट ऐंड पालिटिक्स : आइडेंटिटी ओवर सिस्टम, मानवविज्ञान की वार्षिक समीक्षा, पालो आल्टो, कैलिफोर्निया
- **दीपांकर गुप्ता**, कास्ट टुडे द रिलेवेन्स आफ द पेनोमिनोलाजिकल अप्रोच, इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, क्वाटर्ली, नई दिल्ली, 2005
- **अविजित पाठक**, फिलास्फी आफ सोशल साइंस, (एम एस 002 / ब्लाक–1 / इग्नू)
- **अविजित पाठक**, पाजिटिविज्म ऐंड द क्रिटिक (एम एस 002 / ब्लाक–2 / ब्लाक–1 / इग्नू)
- **अविजित पाठक**, समीक्षा आलेख, रिव्यू आफ गार्गी चक्रवर्ती, कमिंग आउट आफ पार्टिशन : रिफ्यूजी वुमन आफ बंगाल, मेनस्ट्रीम, ब्लुजय बुक्स, नई दिल्ली, 2005, भाग XLIII, अंक–36, पृ. 19–21, अगस्त 2005
- **तिपुलित नोंगब्री**, इंडिजिनस कंसर्न्स ऐंड वुमन'स मूवमेंट इन फ्राम शैडो टु सेल्फ : एन जी ओ कंट्री रिपोर्ट, बीजिंग 10 इण्डिया वुमन'स वाच दिल्ली
- **मैत्रेयी चौधरी**, सोसिओलाजी इन स्कूल्स ऐंड कालेजिस, द बुक रिव्यू, पृ. 21–22, अक्टूबर 2005
- **मैत्रेयी चौधरी**, कम्पेरटिव मेथड्स आफ सोशल रिसर्च, (ईग्नू)
- **मैत्रेयी चौधरी**, फेमिनिस्ट मेथड्स आफ सोशल रिसर्च, 2005 (इग्नू)
- **मैत्रेयी चौधरी**, पार्टिसिपेटरी मेथड्स आफ सोशल रिसर्च 2005 (ईग्नू)
- **सुसन विश्वनाथन**, एक्टिविज्म ऐंड डिटेचमेंट इन ट्राजेक्टर्स आफ फ्रेंच थाट, भाग–2, फ्रेंच सूचना केंद्र और रूपा बुक्स द्वारा प्रकाशित
- **सुसन विश्वनाथन**, डेस ओसिअक्स अक्वेटियस, (वाटर वर्ड्स) Recontre avec L'Inde भाग–34, आई.सी.सी.आर. की पत्रिका, 2005
- **सुसन विश्वनाथन**, 'L' activisme et le detachement', Recontre avec L'Inde भाग–34, अंक–2, आई.सी.सी.आर. की पत्रिका, 2005
- **एस.एस. जोधका**, द ट्रेडिशन आफ विजेल स्टडीज इन इण्डियन सोसिओलाजी, सोशल एन्थोपोलाजी, इग्नू
- **एस.एस. जोधका**, सोशल सर्वे, इग्नू
- **एस.एस. जोधका**, एग्रेरियन क्लासिस ऐंड कैटेगरीज, इग्नू
- **एस.एस. जोधका**, कास्ट ऐंड डेमोक्रेसी : असेर्सन ऐंड आइडेंटिटी अमंग द दलित्स आफ रूरल पंजाब, सोसिओलाजिक बुलेटिन, भाग 55(1), पृ. 4–23, 2006
- **एस.एस. जोधका**, रीजन्स ऐंड कम्यूनिटीज : सोशल आइडेंटिटीज इन कंटेम्पोरेरि पंजाब, (सं.) राजेन्द्र बोरा और अन्ने फील्डहस, रीजन, कल्चर ऐंड पालिटिक्स इन इण्डिया, मनोहर, दिल्ली, पृ. 299–316, 2006
- **निलिका मेहरोत्रा**, फील्ड रिसर्च मेथड्स एम.एस.ओ. 002, ब्लाक 7, ब्लाक 3, इग्नू, 2005
- **निलिका मेहरोत्रा**, वुमन ऐंड मूवमेंट पालिटिक्स : सम मेथडोलाजिकल रिफ्लेक्शंस, ईस्टर्न एन्थ्रोपोलाजिस्ट, भाग–58, अंक–2, 2005
- **निलिका मेहरोत्रा**, एच.आई.वी. / ऐड्स ऐंड इण्डियन ट्राइब्स, इंप्लिकेशंस आफ कम्यूनिटी नार्म्स आफ सेक्सचुअल बिहेवियर, इण्डियन एन्थ्रोपोलाजिस्ट, भाग–35, अंक 1–2, (एस.एम. पटनायक के साथ), 2005
- **अमित कुमार शर्मा**, इण्डोलाजी इन इण्डिया : ए सोसिओलाजिकल पर्सपेक्टिव, थिंक इण्डिया, भाग–8, नवम्बर 4, अक्टूबर–दिसम्बर, 2005
- **अमित कुमार शर्मा**, तिलक, गाँधी और शुक्ल (हिंदी में) भारतीय पक्ष, भाग 7–8, जुलाई अगस्त, 2005
- **अमित कुमार शर्मा**, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल एवं हिंदी साहित्य का समाजशास्त्र : चिन्तामणि के संदर्भ में, नया मानदंड, भाग–36, 2005
- **विवेक कुमार**, वायलेन्स ऐंड यूथ : कार्विंग आउट एन इंडिपेंडेंट अजेन्डा फार यूथ, इण्डियन जर्नल आफ यूथ अफेयर्स, भाग–9, अंक–2, विश्व युवक केंद्र, नई दिल्ली, जुलाई–दिसम्बर 05

- **विवेक कुमार**, सिचुएटिंग दलित्स इन इण्डियन सोसिओलाजी, सोसिओलाजिकल बुलेटिन (साउथ एशिया : द स्टेट आफ सोसिओलाजी, इश्यूज आफ रिलेवन्स ऐंड रिगर विषयक विशेष अंक) भाग 54, अंक 3, सितम्बर–दिसम्बर 2005

विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र

- **एस. भादुरी**, ए गेम थिओरिटिक माडल आफ ड्रग लांच इन इण्डिया, हैल्थ इकोनामिक्स, पालिसी ऐंड ला, भाग 1(1), पृ. 29–39, (सह सम्पादक – अमित एस. रे)
- **एस. भादुरी**, ट्रिप्स इन इण्डिया : रीजन्स ऐंड रिटोरिक, विद्यासागर यूनिवर्सिटी जर्नल आफ कामर्स, भाग–11, मार्च 2006
- **एस. भादुरी**, विकेरियस लर्निंग ऐंड सोसिओ–इकोनामिक ट्रांसफार्मेशन इन इण्डिया ट्रांस–हिमालय : एन इवोल्युशनरी टेल आफ इकोनामिक डिवलपमेंट ऐंड पालिसी मेकिंग, इकोनामिक्स ऐंड इवोल्युशन, (0518) मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट आफ इकोनामिक्स ऐंड न्यू इकोनामिक्स, (सह लेखक के. चन्द्रशेखर)
- **एस. भादुरी**, 29 से 31 मार्च 2006 तक बंगलौर में मैक्स प्लैक इण्डिया के प्रथम वार्षिक सम्मेलन में 'इक्सपिरिअन्स, एज्यूकेशन ऐंड कोग्निटिव कैपेसिटी आफ इंटरप्रन्यूर्स : इकोनामेट्रिक इविडेन्स फ्राम इण्डियन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- **रोहन डिसूजा**, बिनाइन कैप्टेलिज्म बाई एनोदर नेम : अंडरस्टेंडिंग कलेप्स, कंवर्सेशन ऐंड सोसायटी, 3(1), जनवरी–जून 2005
- **रोहन डिसूजा**, इन द फ्रन्टलाइन्स आफ प्लेनेट्री वैटल्स, द बुक रिव्यू, 30(1), पृ. 55, (रिव्यू आफ जाओन मार्टिन्ज–अलाइर, एनवायरनमेंटलिज्म आफ द पुअर)
- **रोहन डिसूजा**, वाटिनी ऐंड द इम्प्रेटिव्स आफ एम्पायर इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग–50, अंक–53, दिसम्बर 2005 जनवरी 2006 (रिचार्ड ड्रेटंस, नेचर'स गवर्नमेंट की समीक्षा)
- **रोहन डिसूजा**, ग्लोबल लर्निंग, मिनेरवा 1(3), मिहाई आई. स्पैरिओसु, ग्लोबल डिवलपमेंट ऐंड हयुमन इंटेलिजेन्स : टुवडर्स ऐंड इकोलाजी आफ ग्लोबल लर्निंग की समीक्षा, 2006
- **वी.वी. कृष्णा**, गवर्नमेंट, यूनिवर्सिटी ऐंड इंडस्ट्री रिलेशंस : द केस आफ बायोटेक्नोलाजी इन द दिल्ली रीजन, साइंस टेक्नोलाजी ऐंड सोसायटी, 11(2), पृ. 351–78, (सह लेखक – दीपक सरदाना), 2006

सामाजिक चिकित्साशास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

- **इमराना कादिर**, पाप्यूलेशन कंट्रोल इन द ईरा आफ निओलिबरलिज्म, जर्नल आफ हैल्थ ऐंड डिवलपमेंट, भाग–1, अंक–4, पृ. 31–48, 2005
- **के.आर. नायर**, कम्यूनिटी पार्टिसिपेशन इन हैल्थ : ए क्वालिटेटिव स्टडी आफ वुमन'स सेल्फ हैल्प ग्रुप्स इन केरला स्टेट, इण्डिया, जर्नल आफ हैल्थ ऐंड डिवलपमेंट, भाग–1, अंक–4, पृ. 91–101, (के कैथरीन के साथ), 2005
- **के.आर. नायर**, सोसिओलाजी आफ ट्युबरक्लोसिस : डिसेक्टिंग ए पब्लिक हैल्थ क्लासिस, जर्नल आफ हैल्थ ऐंड डिवलपमेंट, भाग–1, अंक–1, पृ. 11–14, 2005
- **के.आर. नायर**, साउथ एशियन सुनामी, द लांसेट, भाग–365, अंक 9463, पृ. 934–35, (अल्पना डी. सागर के साथ), 2005
- **के.आर. नायर**, पालिसीज आफ पैडागोगी इन पब्लिक हैल्थ, सोशल साइंटिस्ट, भाग–33, अंक–1–2, (इमराना कादिर के साथ), पृ. 47–75, 2005
- **मोहन राव**, सम्पादकीय, सुप्रीम कोर्ट जजमेंट आन स्टरलाइजेशंस, इण्डियन जर्नल आफ मेडिकल एथिक्स, भाग–2, अंक–2, अप्रैल–जून 2005
- **मोहन राव**, लुकिंग बैक डिस्पेयर : टैन ईयर्स आफ्टर काइरो, इण्डियन जर्नल आफ जेंडर स्टडीज, भाग–12, अंक–1, जनवरी–अप्रैल, 2005

- **मोहन राव**, ओबिचुअरी : हिल्डगार्ड सिना, द नेशनल मेडिकल जर्नल आफ इण्डिया, भाग 18, अंक–5, अक्टूबर 2005
- **मोहन राव**, इण्डिया पाप्यूलेशन पालिसी : अनटच्ड बाई द काइरो रेटोरिक, डिवलपमेंट, भाग–48, अंक–4, दिसम्बर 2005
- **रामा. बी. बारू**, डिसीज ऐंड सफरिंग : टुवर्डस ए फ्रेमवर्क फार अंडरसस्टेंडिंग हैल्थ सीकिंग बिहेवियर, इण्डियन एन्थ्रोपोलाजिस्ट, 35, 182, पृ. 45–52, 2005
- **रामा. बी. बारू**, द नेशनल रूल हैल्थ मिशन ऐंड द पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप्स, जर्नल आफ हैल्थ ऐंड डिवलपमेंट, भाग–1, अंक–4, पृ. 19–22, 2005
- **रितु प्रिया मेहरोत्रा**, अंडरस्टेंडिंग कल्चरल रिसोर्सिस फार ऐड्स कंट्रोल : एन इंटरडिसिप्लिनरी अप्रोच, (सं.) रितु प्रिया और सुनीता रेड्डी, इण्डियन एन्थ्रोपोलाजिस्ट, 35(1 और 2), 15–32, 2005
- **रितु प्रिया मेहरोत्रा**, पालियो इरैडिकेशन इनिसिएटिव इन इण्डिया : डिकंस्ट्रक्टिंग द जी पी ई आई, (सी. सत्यमाला, ओंकार मित्तल, राजीबदास गुप्ता के साथ), इंटरनेशनल जर्नल आफ हैल्थ सर्विसिज, भाग 35(2), पृ. 361–83, 2005
- **संघमित्रा शील आचार्य**, सेक्सचुअलिटी इश्यूज अमंग फिलिपीनों यूथ, द फिलिपीन स्टार, 31 दिसम्बर, 2005
- **संघमित्रा शील आचार्य**, सम शिफ्ट्स इन हैल्थ प्लानिंग ऐंड इंप्लिकेशंस फार हैल्थ सर्विसिस 1990–2005 जनता, भाग–61, अंक–1, वार्षिक अंक, पृ. 17–24, 2006
- **अल्पना डी. सागर**, हैल्थ इन अल्टरनेटिव इकोनामिक सर्वे डिसइक्वालिसिंग ग्रोथ : दानिश बुक्स, दिल्ली, 2005
- **राजीब दासगुप्ता**, सी. सत्यमाला, आर. प्रिया, आर. दासगुप्ता और ओ. मित्तल, पोलियो इरैडिकेशन : सम कंसर्न्स, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, 50(14), पृ. 1474–75, 2005
- **राजीब दासगुप्ता**, सी. सत्यमाला, ओ. मित्तल, आर. दासगुप्ता और आर. प्रिया, पोलियो इरैडिकेशन इनिसिएटिव इन इण्डिया : डिकंस्ट्रक्टिंग द जी.पी.ई.आई., इंटरनेशनल जर्नल आफ हैल्थ सर्विसिस, 35(2), पृ. 361–83, 2005
- **राजीब दासगुप्ता** और आई. कादिर, द नेशनल रूरल हैल्थ मिशन : ए क्रिटिकल ओवरव्यू इण्डियन जर्नल आफ पब्लिक हैल्थ 2005, 49(3), पृ. 138–40, जुलाई–सितम्बर 2005
- **राजीब दासगुप्ता**, प्रिवेंशन आफ डायरियल डिसीजिस इन माइग्रेन्ट हाउसहोल्ड्स इन इण्डिया, पाप्यूलेशन एनविस 2005, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट आफ पाप्यूलेशन साइंसिस, मुम्बई 2(3), पृ. 3–10
- **राजीब दासगुप्ता**, यूनिवर्सेलाइजिंग द हैपीटाइटिस बी वैक्सीन इन इण्डिया : पिटफाल इन पालिसी ऐंड प्रेक्टिस, जर्नल आफ हैल्थ ऐंड डिवलपमेंट, 1(2 और 3), पृ. 23–32, 2005
- **राजीब दासगुप्ता** और एस.एस. आचार्य, एच.आई.वी. / ऐड्स ऐंड एडोलेसेन्ट्स–सम इश्यूज ऐंड कंसर्न्स फ्राम इण्डिया, इण्डियन एन्थ्रोपोलाजिस्ट, 35(1 और 2), पृ. 123–137, 2005
- **सुनीता रेड्डी**, अंडरस्टेंडिंग कल्चरल रिसोर्सिस फार ऐड्स कंट्रोल : एन इंटरडिसिप्लिनरी अप्रोच, इण्डियन एन्थ्रोपोलाजिस्ट, भाग–35, अंक 1–2, मार्च–सितम्बर 2005

जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र

- **ए.के. मोहन्ती**, इश्यूज आफ लैंग्यूवेज मेंटिनेन्स ऐंड एज्यूकेशन आफ एब्आर्जिनल चिल्ड्रन इन इण्डिया (प्रो. जे. पटनायक, सी. एस.यू.एल.बी., यू.एस.ए. को साक्षात्कार दिया), चाइल्डहुड एज्यूकेशन, जर्नल आफ द एसोसिएशन फार चाइल्डहुड एज्यूकेशन इंटरनेशनल, 81(6), पृ. 360–64, 2005
- **बी. खादरिया**, माइग्रेशन इन साउथ ऐंड साउथ–वेस्ट एशिया, रीजनल आलेख संख्या आर.एस. 6, इंटरनेशनल माइग्रेशन, जिनेवा पर वैश्विक आयोग, सितम्बर 2005

- **बी. खादरिया**, ह्युमन रिसोर्सिस इन हैल्थ, माइग्रेशन विषयक आई.ओ.एम. अन्तरराष्ट्रीय परिचर्चा, अंक–6, हैल्थ ऐंड माइग्रेशन – ब्रिजिंग द गैप, इंटरनेशनल आर्गेनाइजेशन फार माइग्रेशन, जिनेवा, अक्टूबर, 2005
- **गीता बी. नाम्बिसन**, इंटरग्रेटिंग जेंडर कंसर्न्स इन चेंजिंग इंग्लिश, रूटलेज, टेलर ऐंड फ्रांसिस ग्रुप, भाग–12, अंक–2, पृ. 191–99, 2005
- **ध्रुव रैना**, मल्टिकल्चरल ऐंड पोस्टक्लोनियल थीअरीज आफ साइंस ऐंड सोसायटी, संधान, भाग–5, अंक–1, पृ. 1–32, 2005
- **ध्रुव रैना**, Une lecture post-coloniale de l'histoire, Alliage, No. 55-56, pp. 141-154, 2005
- **एम. पण्डा**, मैथमेटिक्स ऐंड ट्राइबल एज्यूकेशन, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, अंक–2, भाग–41, 14 से 26 जनवरी, 2006
- **एम. पण्डा**, इक्सप्लोरिंग इनटु इंप्लिसिट क्रियेटिविटी थीअरीज इन इण्डिया, साइकोलाजिकल स्टडीज, अंक–1, भाग–50, पृ. 32–39, 2005
- **एम. पण्डा**, कंटेक्स्ट टु कैटेगोराइजेशन : ए स्टडी आफ सोशल आइडेंटिटीज आफ कालेज स्टूडेंट आफ उड़ीसा, साइकोलाजिकल स्टडीज, अंक 2–3, भाग–50, 2005

आलेख (समाचार पत्र)

- **ध्रुव रैना**, साइंस एज्यूकेशन इन यूनिवर्सिटीज ऐंड कालेजिस : द लिंकेज्स विद द रिसर्च सिस्टम, द बुक रिव्यू, पृ. 45, अक्टूबर 2005
- **ध्रुव रैना**, टेक्नोलाजिकल एज्यूकेशन इन नालेज सोसायटीज, इकोनामिक टाइम्स, 2 अगस्त 2005

महिला अध्ययन कार्यक्रम

- **मेरी जान**, वुमन'स स्टडीज इन इण्डिया ऐंड द क्वेश्चन आफ एशिया, एशियन जर्नल आफ वुमन'स स्टडीज, अंक 11, अंक–2, 2005
- **मेरी जान**, वुमन ऐंड फेमिनिज्म इन चाइना ऐंड इण्डिया : ए कंजर्वेशन विद ली जिआओजियांग, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग 40, अंक 16, अप्रैल 2005

शैक्षिक रिकार्ड शोध यूनिट

- **जोसफ बारा**, सीड्स आफ मिस्ट्रस्ट : क्लोनियल ऐंड ट्राइबल पर्सपेक्टिव आन एज्यूकेशन इन छोटा नागपुर 1834 सी 1850, हिस्ट्री आफ एज्यूकेशन (आक्सफोर्डशायर, यू.के., भाग–34 अंक–6, 2005)

पुस्तकें

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र

- **सी.पी. चन्द्रशेखर** और जयती घोष, ट्रेकिंग द मैक्रोइकोनामी, 2001–05, भाग–1, इण्डिया, आई.सी.एफ.ए.आई. यूनिवर्सिटी प्रेस, हैदराबाद, 2006
- **सी.पी. चन्द्रशेखर** और जयती घोष, ट्रेकिंग द मैक्रोइकोनामी, 2001–05, भाग–2, द वर्ल्ड इकोनामी, द आई.सी.एफ.ए.आई. यूनिवर्सिटी प्रेस, हैदराबाद, 2006

ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र

- **एम. मुखर्जी**, कलोनाइजिंग एग्रीकल्चर : द मिथ आफ पंजाब एक्सेप्सनलिज्म, सेज प्रकाशन, 2006
- **रणबीर चक्रवर्ती**, ट्रेड इन अर्ली इण्डिया, पेपरबैक एडीशन, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली 2005
- **एच.पी. रे** (सं.) क्वाइन्स इन इण्डिया : पावर ऐंड कम्युनिकेशन, मार्ग प्रकाशन, भाग–57, 3 मार्च 2006

- **विजय रामास्वामी**, द्वितीय संस्करण, टेक्सटाइल्स ऐंड वीवर्स इन साउथ इण्डिया, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, दिल्ली, 2006
- **कुणाल चक्रवर्ती**, कुमकुमराय और तनिका सरकार के साथ, द वेदाज हिन्दूइज्म ऐंड हिन्दुत्व, इबोंग अलाप, कलकत्ता, 2006
- **कुमकुम राय**, अवर पेस्ट्स 1 (कक्षा 6 के लिए इतिहास की एन.सी.ई.आर.टी की पाठ्यपुस्तक), टीम के सलाहकार के रूप में।

दर्शनशास्त्र केंद्र

- **आर.पी. सिंह**, द फिलास्फिकल हैरिटेज आफ इमानुल कांट, ओम प्रकाशन, नई दिल्ली, 2006
- **मंदीपा सेन**, नालेज, ट्रूथ ऐंड रिएलिटी : एसेज इन फिलास्फिकल एनालिसिस : कलक्शन आफ आर्टिकल्स बाई प्रणब कुमार सेन, (सं.) मंदीपा सेन, मधुचन्दा सेन, एन.एन. चक्रबर्ती, आई.सी.पी.आर., नई दिल्ली (प्रकाशनाधीन)

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद

- **ए. कुण्डु**, सोशल डिवलपमें रिपोर्ट (प्रधान सम्पादक), आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2006
- **ए. कुण्डु**, (के.सी. सिवरामकृष्ण और बी.एन. सिंह के साथ), हैण्डबुक आफ अर्बेनाइजेशन, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली
- **डी.के. मिश्रा** (वी. उपाध्याय के साथ), ए सिचुएशनल एनालिसिस आफ वुमन ऐंड गर्ल्स इन अरूणाचल प्रदेश, राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली
- **एस. राजू** (एम. सतीश और एस. कोब्रिज के साथ), क्लोनियल ऐंड पोस्ट–क्लोनियल जिओग्राफीज आफ इण्डिया, सेज, नई दिल्ली
- **आर.एस. श्रीवास्तव** (एस.के. मेहरोत्रा, पी.आर पंचमुखी और रंजना श्रीवास्तव के साथ), द अनकेजिंग द टाइगर : कास्ट्स ऐंड फाइनेंसिंग और एलिमेंट्री एज्यूकेशन इन इण्डिया, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली
- **एस.के. थोरट** (अरयामा और प्रशान्त नेगी के साथ), रिजर्वेशन ऐंड प्राइवेट सैक्टर : क्वेस्ट फार इक्वल अपरच्युनिटी ऐंड ग्रोथ, रावत प्रकाशन, जयपुर
- **एस.के. थोरट**, कास्ट सिस्टम ऐंड इकोनामिक डिस्क्रिमिनेशन : लेसन फ्राम थिअरीज इन रिजरवेशन इन प्राइवेट सैक्टर : क्वेस्ट फार इक्वल अपरच्युनिटी, रावत प्रकाशन, जयपुर
- **एस.के. थोरट** रेमडीज अगेंस्ट मार्केट डिस्क्रिमिनेशन : इंटरनेशनल इक्सपिरिअन्सिस रिजरवेशन इन प्राइवेट सैक्टर : क्वेस्ट फार इक्वल अपरच्युनिटी, रावत प्रकाशन, 2005
- **एस.के. थोरट** स्कीम्स आफ रेमडीज अगेंस्ट मार्केट डिस्क्रिमिनेशन इंक्लुडिंग रिजरवेशन इन प्राइवेट सैक्टर, रिजरवेशन इन प्राइवेट सैक्टर : क्वेस्ट फार इक्वल अपरच्युनिटी, रावत प्रकाशन, 2005

सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र

- **योगेन्द्र सिंह**, भारतीय परम्परा का आधुनिकीकरण, (हिन्दी अनुवाद), रावत प्रकाशन, जयपुर, 2006
- **दीपांकर गुप्ता**, लर्निंग टु फार्गेट : द एन्टी–मेमोयर्स आफ माडर्निटी, ओ.यू.पी. दिल्ली, एन्टी–यूरोपिया : द इसेसनल राइटिंग्स आफ एन्ड्रे बेटली, ओ.यू.पी. दिल्ली, 2005
- **ऐहसानुल हक**, पाप्यूलेशन ऐंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट इन इण्डिया, आथर्स प्रेस, दिल्ली, 2005
- **अविजित पाठक**, माडर्निटी, ग्लोबलाइजेशन ऐंड आइडेंटिटी : टुवर्डस ए रिफ्लेक्सिव क्वेस्ट, आकार बुक्स, नई दिल्ली, 2006
- **तिपलुत नोंगब्री**, ए सिचुएशनल एनालिसिस आफ वुमन ऐंड गर्ल्स इन मेघालय, राष्ट्रीय महिला आयोग, दिल्ली, 2005
- **रेणुका सिंह**, द ट्रास्फोर्म्ड माइन्ड, (इटालियन), मिलन : आस्कर मंदोदरी, 2005

- **अमित कुमार शर्मा**, हिंद स्वराज्य की प्रासंगिकता, कौटिल्य प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005
- **विवेक कुमार**, इण्डिया'स रेरिंग रिवोल्युशन : दलित एसर्सन ऐंड न्यू हरिजन्स, गगनदीप प्रकाशन, नई दिल्ली, 2006

विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र

- **माधव गोविन्द**, सोसिओलाजी आफ साइंस, अनमोल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2006

सामाजिक चिकित्साशास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

- **रामा बी. बारू**, प्राइवेटाइजेशन आफ हैल्थ केयर इन इण्डिया : ए कम्पैरटिव एनालिसिस आफ उड़ीसा, कर्नाटका ऐंड महाराष्ट्र स्टेट्स, सम्पादक आशा कापीज मेहता, प्रदीप शर्मा, सुजाता सिंह, आर.के. तिवारी और पी.आर. पंचमुखी, द इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, सी.एम.डी.आर. और यू.एन.डी.पी. भारत

जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र

- **दीपक कुमार**, रिवाइज्ड सेकण्ड एडीशन आफ द साइंस ऐंड राज, ओ.यू.पी., दिल्ली, 2006
- **एम. पण्डा**, कल्चर कोग्निशन ऐंड नालेज : मीनिंग मेकिंग इन फाक मैथमेटिक्स
- **ध्रुव रैना** और हबीब एस. इरफान, रीडिंग्स आन द सोशल हिस्ट्री आफ साइंस इन इण्डिया : थीम्स इन इण्डियन हिस्ट्री सीरीज, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, प्रेस, 2006

प्रौढ़ शिक्षा समूह

- **एस.वाई शाह** (सं.) ऐडल्ट लर्निंग डाक्युमेंटेशन ऐंड इंफार्मेशन नेटवर्क : इण्डिया, यूनेस्को इंस्टीट्यूट फार एज्यूकेशन, हम्बर्ग, 2005
- **एम.सी. पाल**, ड्रग्स ऐंड सब्सटेन्स एब्यूज प्राब्लम्स : इंटरडिसिप्लिनरी स्टडी आफ काजिस कांसिक्वेंसिस ऐंड प्रिवेंशन, मित्तल प्रकाशन, 2006

महिला अध्ययन कार्यक्रम

- **मेरी जान**, कंटेस्टिड ट्रांस्फार्मेशंस : चेंजिंग इकोनामीज ऐंड आइडेंटिटीज इन कंटेम्पोरॅरि इण्डिया, (प्रवीण कुमार झा और एस. एस. जोधका के साथ), तुलिका प्रेस, नई दिल्ली, 2006

पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केंद्र

- **अंजन मुखर्जी**, द रोबस्टनेस आफ क्लोज्ड आर्बिट्स इन ए क्लास आफ डायनेमिक इकोनामिक माडल्स, इकोनामिक थीअरि फार ए चेंजिंग वर्ल्ड, पालिसी माडलिंग फार ग्रोथ, (सं.) सजल लाहिरी और प्रदीप मैती, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, दिल्ली, 2005
- **अरूण कुमार**, फिस्कल रिफार्म ऐंड द डेफिसिट आफ द स्टेट्स : डिक्लाइनिंग सोशल सैक्टर स्पेंडिंग, डिसइक्वालिजिंग ग्रोथ, अल्टरनेटिव इकोनामिक सर्वे, इण्डिया 2004–05 (सं.) सौमन चट्टोपाध्याय और ए. सुनील धरण के साथ, पृ. 143–154, जुलाई 2005
- **अरूण कुमार**, ग्रोथ सेनारियो : इज द कामन मैन इन द पिक्चर ? डिसइक्वालिजिंग ग्रोथ, अल्टरनेटिव इकोनामिक सर्वे, इण्डिया 2004–05, पृ. 41–50, जुलाई 2005
- **अरूण कुमार**, फिश्कल पालिसीज, ब्लैक इकोनामी ऐंड चैलेंज आफ एज्यूकेशन इन इण्डिया, (सं.) डी. चौपड़ा, सोशल सैक्टर डिवलपमेंट : फ्राम आउटलेज टु आउटकम्स, आई.आई.पी.ए. और दानिश बुक्स, नई दिल्ली, पृ. 110–116, 2005

- **अरूण कुमार**, ग्लोबलाइजेशन मार्केटाइजेशन ऐंड द पुअर इन इण्डिया, (सं.) के. सत्यार्थी और बी. जुत्शी, ग्लोबलाइजेशन, डिवलपमेंट ऐंड चाइल्ड राइट्स, शिप्रा, नई दिल्ली, पृ. 43–51, 2005
- **अरूण कुमार**, ग्लोबलाइजेशन ऐंड इण्डिया'स फूड सिक्यूरिटी : इश्यूज ऐंड चैलेंजिस; (सं.) एन.पी. चौबे और डी. पण्डा, क्राइसिस आफ द माडर्न सिविलाइजेशन, इण्डियन अकादमी आफ सोशल साइंसिस, इलाहाबाद, पृ. 33–74, 2005
- **अरूण कुमार**, द ब्लैक इकोनोमी : अण्डरमाइनिंग द आइडिया आफ द नेशन, (सं.) बी.जी. बर्गिस, टुमारो'स इण्डिया : एनादर ट्रस्ट विद डेस्टिनी, पेंगुइन / वीकिंग, नई दिल्ली, पृ. 94–125, (सेंट स्टीफन कालेज के 125वें वर्ष के अवसर , 2006 पर प्रकाशित भाग)
- **सी.पी. चन्द्रशेखर**, अलेक्जेंडर गर्चेनक्रोन ऐंड लेट इंडस्ट्रिलाइजेशन, (सं.) के.एस. जोमो, द पायनियर्स आफ डिवलपमेंट इकोनामिक्स : ग्रेट इकोनामिस्ट्स आन डिवलपमेंट, तुलिका बुक्स, दिल्ली और जेड बुक्स, लन्दन, 2005
- **सी.पी. चन्द्रशेखर**, पालिटिकल इकोनामी आफ आई.टी. ड्राइवन आउटसोर्सिंग (सं.) गोविन्दन प्राइल, पालिटिकल इकोनामी ऐंड इंफार्मेशन कैप्टेलिज्म इन इण्डिया : डिजिटल, डिवाइड डिवलपमेंट डिवाइड ऐंड इक्विटी, पालग्रेव मैकमिलन, लन्दन, 2006
- **डी.एन. राव**, डायमेंशंस ऐंड मैग्निट्यूड आफ ड्रग एब्यूज इन इण्डिया, (सं.) एम.सी. पाल, ड्रग्स ऐंड सब्सटेन्स एब्यूज प्राब्लम्स – इंटरडिसिप्लिनरी स्टीज आफ काजिस, कंसिक्वेंसिस ऐंड प्रिवेंशंस, (एम.सी. पाल के साथ), मित्तल प्रकाशन, 2005
- **दीपक नैय्यर**, इण्डिया 2005 : इल्युजंस, रिएल्टीज ऐंड ड्रीम्स, (सं.) बी.जी. बर्गिस, टुमारो'स इण्डिया : एनादर ट्रस्ट विद डिस्टिनी, पेंगुइन बुक्स, नई दिल्ली, 2006
- **दीपक नैय्यर**, ग्लोबलाइजेशन ऐंड डिवलपमेंट इन द लांग टवेन्टीथ सेंचुरी, (सं.) के.एस. जोमो, ग्लोबलाइजेशन अण्डर हेगमनी, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, दिल्ली, 2005
- **जयती घोष**, कैन द यू.एस. कंटीन्यू टू रूल द वर्ल्ड इकोनामी ? (सं.) एन. जनार्दन राव, यू.एस. इकोनामी : इश्यूज ऐंड पर्सपेक्टिव्स, आई.सी.एफ.ए.आई., प्रेस, 2005
- **जयती घोष**, द राइट टु डिवलपमेंट ऐंड इंटरनेशनल इकोनामिक रिजीम्स, (सं.) अर्जुन सेन गुप्ता, अर्चना नेगी और मौसमी बासु, रिफ्लेक्शंस आन द राइट टु डिवलपमेंट, सेज प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005
- **जयती घोष**, माइकल कल्की ऐज ए डिवलपमेंट इकोनामिस्ट, (सं.) के.एस. जोमो, द पायनियर्स आफ डिवलपमेंट इकोनामिक्स : ग्रेट इकोनामिस्ट्स आन डिवलपमेंट तुलिका बुक्स, दिल्ली, जेड बुक्स, लन्दन, 2005
- **जयती घोष**, इकोनामिक इनसिक्यूरिटी इन साउथ एशिया, चैप्टर इन साउथ एशिया हयुमन डिवलपमेंट रिपोर्ट 2006 : हयुमन सिक्यूरिटी इन साउथ एशिया, महबूब–उल–हक सेंटर फार हयुमन डिवलपमेंट, पाकिस्तान
- **जयती घोष**, मैक्रोइकोनामिक पालिसी, इनक्वालिटी ऐंड पावर्टी रिडक्शन इन इण्डिया ऐंड चाइना, (सं.) एंड्रिया कोर्निया, प्रो. पुअर – मैक्रोइकोनामिक पालिसीज : ए कंसिड्रेशन आफ डिवलपिंग कंट्रीज इक्सपिरिअंसिस, मैकलिन / पालग्रेव, लन्दन, (सी.पी. चन्द्रशेखर के साथ), 2006
- **प्रभात पटनायक**, द कंसेप्ट आफ मोड प्रोडक्शन ऐंड द थीअरि आफ इम्पेरिलिज्म, (सं.) के.एस. जोमो, द ग्रेट डायवर्जेन्स : हेगमनी, अनइवन डिवलपमेंट ऐंड ग्लोबल इनइक्वैलिटी, ओ.यू.पी., दिल्ली, 2006
- **प्रभात पटनायक**, लेनिन'स थीअरि आफ इम्पेरिलिज्म टुडे, (सं.) के.एस. जोमो, द ग्रेट डायवर्जेन्स
- **प्रभात पटनायक**, वाई डिवलपमेंट इकोनामिक्स ? (सं.) के.एस. जोमो, द पायनियर्स आफ डिवलपमेंट इकोनामिक्स : ग्रेट इकोनामिस्ट्स आन डिवलपमेंट, तुलिका, दिल्ली, 2005
- **प्रभात पटनायक**, कार्ल मार्क्स ऐज ए डिवलपमेंट इकोनामिस्ट, (सं.) के.एस. जोमो, द पायनियर्स आफ डिवलपमेंट इकोनामिक्स
- **प्रभात पटनायक**, द अदर मार्क्स, (सं.) इकबाल हुसैन, कार्ल मार्क्स आन इण्डिया, तुलिका, दिल्ली, 2006

- **प्रदीप्त चौधरी**, ए टेस्ट फार द एगिजस्टेन्स आफ सरप्लस लेबर इन ट्रेडिशनल एग्रीकल्चर : केस आफ इमिग्रेशन फ्राम उड़ीसा, 1911–21, (सं.) आर.एम. मलिक और एस.पी. पैधी, डिवलपमेंट डेप्रिवेशन ऐंड वैलफेयर पालिसी, नाबाकृष्णा चौधरी सेंटर फार डिवलपमेंट स्टडीज, भुवनेश्वर, पृ. 159–67, 2005
- **प्रवीण झा**, डिवलपमेंट – एन ओवरव्यू इन रूरल डिवलपमेंट इण्डियन कंटेक्स्ट, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, जुलाई 2005
- **प्रवीण झा**, रूरल डिवलपमेंट – कंसेप्ट ऐंड स्ट्रेटिजीस, रूरल डिवलपमेंट : इण्डिया कंटेक्स्ट
- **प्रवीण झा**, (एम. असलम के साथ), रूरल डिवलपमेंट – एन एशियन पर्सपेक्टिव, रूरल डिवलपमेंट
- **उत्सा पटनायक**, ए हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव आन इंटरनेशनल स्पेसिलाइजेशन इन एग्रीकल्चर इन द प्रिजेन्ट ईरा आफ ग्लोबलाइजेशन, (सं.) बिनयभूषण चौधरी, द इकोनामिक हिस्ट्री आफ इण्डिया फ्राम द एट्टींथ टु द ट्वेंटियथ सेंयुरी, हिस्ट्री आफ इण्डियन साइंस, फिलास्फी ऐंड कल्चर, दिल्ली की परियोजना, 2005
- **उत्सा पटनायक**, रिकार्डो'स फलेसी, (सं.) के.एस. जोमो, पायनियर्स आफ डिवलपमेंट इकोनामिक्स
- **उत्सा पटनायक**, लेनिन ऐंड द एग्रेरियन क्वेश्चन, (सं.) के.एस. जोमो, पायनियर्स आफ डिवलपमेंट इकोनामिक्स
- **उत्सा पटनायक**, द फ्री लंच : ट्रांसफर्स फ्राम द ट्रापिकल कोलोनीज ऐंड देयर रोल इन कैपिटल फार्मेशन इन ब्रिटेन ड्यूरिंग द इंडस्ट्रियल रिवोल्युशन, (सं.) के.एस. जोमो, ग्लोबलाइजेशन अंडर हेगमनी – द लांग ट्वेन्टीथ सेंचुरी, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, दिल्ली, 2006
- **सतीश के. जैन**, राइट्स इन द सोशल च्वाइस थीअरेटिक फ्रेमवर्क : ए ओवरव्यू ऐंड क्रिटिकल अप्रेजल, रिफलेक्शंस आन द राइट टु डिवलपमेंट, (सं.) अर्जुन सेनगुप्ता, अर्चना नेगी और मौसमी बासु, सेज प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005

ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र

- **एन.एस. हैदर**, द मोनार्क ऐंड द मिलेनियम : ए न्यू इंटरप्रिटेशन आफ द अल्फ क्वाइन्स आफ अकबर, क्वाइन्स इन इण्डिया : पावर ऐंड कम्यूनिकेशन, (सं.) एच.पी. रे, मार्ग, 2006
- **एन.एस. हैदर**, द सेन्ट्रल इस्लामिक लैण्ड्स 600–1200, थीम्स इन वर्ल्ड हिस्ट्री, कक्षा 11 की पाठ्य पुस्तक, राष्ट्रीय शैक्षिक और अनुसंधान परिषद, 2006
- **एन.एस. हैदर**, रिव्यू आफ युजेनिया वैनिना, आइडियाज ऐंड सोसायटी, इण्डिया बिटवीन द सिक्सटींथ ऐंड एट्टींथ सेंचुरी, सेकण्ड एडिटिड, मध्यकालीन इतिहास की पत्रिका, ओ.यू.पी., 2004, भाग 8, अंक–2, दिल्ली 2005
- **एन.एस. हैदर**, ए होली राइट आफ 1714 : वर्शंस फ्राम अहमदाबाद ऐंड दिल्ली, लिविंग टुगेदर सैप्रेटली : कल्चरल इण्डिया इन हिस्ट्री ऐंड पालिटिक्स (सं.) मुशीरूल हसन और आसिम राय, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2005
- **एन.एस. हैदर**, द मोनेटरी इंटिग्रेशन आफ इण्डिया अंडर द मुगल एम्पायर, इण्डिया स्टडीज इन द हिस्ट्री आफ एन आइडिया, (सं.) इरफान हबीब, मुंशीराम मनोहरलाल, 2005
- **एन.एस. हैदर**, बिजनेस प्रेक्टिस ऐंड मोनेट्री हिस्ट्री, इकोनामिक स्ट्रक्चर्स इन इण्डिया, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, 2005
- **सुचेता महाजन** और विसालक्षी मेनन, रेलवेज ऐंड द इण्डियन नेशनल मूवमेंट, इन अवर इण्डियन रेलवे, थीम्स इन इण्डिया'स रेलवे हिस्ट्री, फाउन्डेशन बुक्स, नई दिल्ली, 2006
- **सुचेता महाजन**, एन.एस. सरिला की पुस्तक समीक्षा, द शैडो आफ द ग्रेट गेम : द अनटोल्ड स्टोरी आफ इण्डिया'स पार्टिशन इन द हिन्दू लिट्रेरी रिव्यू, 5 मार्च 06
- **सुचेता महाजन**, बुक रिव्यू आफ गार्गी चक्रवर्ती, कमिंग आउट आफ पार्टिशन : रिफ्यूजी वुमन ऐंड पार्टिशन, पुस्तक समीक्षा, 2005

- **सुचेता महाजन**, रिसर्च प्रोजेक्ट्स एडिटरशिप आफ टुवर्डस फ्रीडम प्रोजेक्ट, भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद, अक्टूबर 2005 से दिसम्बर 2007 में पूरी होनी है।

राजनीतिक अध्ययन केंद्र

- **बलवीर अरोड़ा**, रिव्यूविंग द फेडरल कांस्टीट्यूशन : स्टेट्स राइट्स ऐंड नेशनल कोलिशंस, (सं.) एम.पी. सिंह और अनिल मिश्रा, कोलिशन पालिटिक्स इन इण्डिया : प्राब्लम्स ऐंड प्रास्पेक्ट्स, मनोहर, नई दिल्ली, 2005
- **बलवीर अरोड़ा**, फ्राम रिलक्टेन्ट टु रोबस्ट फेडरलिज्म : द डिवलपमेंट आफ इण्डिया'स पालिटिकली इंस्टीट्यूशंस, (सं.) मेरी जान, प्रवीण झा और सुरेन्दर जोधका, कंटेस्टिड ट्रांसफार्मेशंस : चेंजिंग इकोनामीज ऐंड आइडेंटिटीज इन कंटेम्पोरॅरि इण्डिया, तुलिका, नई दिल्ली, 2006
- **प्रलय कानूनगो**, द नेविगेटर्स आफ हिन्दू राष्ट्र : आर.एस.एस. प्रचारक्स, (सं.) सतीश सबरवाल और मुशीरूल हसन, एसर्टिव रिलिजस आइडेंटिटीज : इण्डिया ऐंड यूरोप, मनोहर, नई दिल्ली, 2006
- **गुरप्रीत महाजन**, इन परस्युड आफ टालरेन्स : वाई लिबर्टी शुड रिसीव प्राइअर्टी, (सं.) सतीश सबरवाल और मुशीरुल हसन, एसर्टिव रिलिजस आइडेंटिटीज : इण्डिया ऐंड यूरोप, मनोहर, नई दिल्ली, 2006
- **गुरप्रीत महाजन**, रिकंसिलिंग इक्वैलिटी विद डाइवर्सिटी, (सं.) स्पिनर और आइजनबर्ग, माइनार्टीज विदिन माइनार्टीज, केम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, केम्ब्रिज, यू.के. 2005
- **गुरप्रीत महाजन**, इण्डियन एक्सेप्शनलिज्म आर इण्डियन माडल : निगोसिएटिंग कल्चरल डाइवर्सिटी ऐंड माइनार्टी राइट्स इन ए डेमोक्रेटिक नेशन – स्टेट, (सं.) किमलिका और बोगंग ही, माइनार्टीज इन एशिया, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2005
- **गुरप्रीत महाजन**, रिइंवेंटिक डेमोक्रेटिक सिटिजनशिप इन ए प्लुरल सोसायटी, (सं.) मुशीरूल हसन और असीम राय, लिविंग टुगेदर सैप्रेटली : कल्चरल इण्डिया इन हिस्ट्री ऐंड पालिटिक्स, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, दिल्ली 2005
- **गुरप्रीत महाजन**, फ्राम कम्यूनिटी टु नेशन : द मेकिंग आफ द मेजोरिटी–माइनार्टी फ्रेमवर्क, (सं.) वी.आर. मेहता और थामस पेंथम, पालिटिकल आइडियाज इन इण्डियाज, सेज, दिल्ली, 2005
- **गुरप्रीत महाजन**, निगोसिएटिंग कल्चरल डाइवर्सिटी इन इण्डिया, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फार डेमोक्रेसी ऐंड इलैक्टोरल असिस्टेन्स, स्वीडन, 2005
- **गुरप्रीत महाजन**, द प्राब्लम (मुख्य सम्पादक) रिड्रेसिंग डिसएडवांटेज्स : ए सिम्पोजियम आन रिजर्वेशंस इन द प्राइवेट सैक्टर, अंक–549, मई 2005
- **राहुल मुखर्जी**, प्रमोटिंग कम्पटीशन इन इण्डिया'स टेलीकाम सैक्टर, (सं.) विक्रम चन्द, रिइनवेंटिंग पब्लिक सर्विस डिलिवरी इन इण्डिया, वर्ल्ड बैंक, वाशिंग्टन डी.सी. और सेज, नई दिल्ली, पृ. 57–94, 2006
- **राहुल मुखर्जी**, इकोनामिक सैंक्शंस ऐज ए फारेन पालिसी टूल इंटरनेशनल रिलेशंस इन इण्डिया : ब्रिगिंग थीअरि बैक होम (सं.) कांती बाजपेई और एम.सिद्धार्थ, ओरिएन्ट लांगमैन, नई दिल्ली, पृ. 367–83, 2005
- **सुधा पई**, कंट्राडिक्शन आफ डिप्राइवेशन ऐंड डिवलपमेंट : डज द बी.एस.पी. हैव एन अल्टरनेटिव अजेन्डा, (सं.) डी.एम. दिवाकर और जी.पी. मिश्रा, डेप्रिवेशन ऐंड इनक्लुसिव डिवलपमेंट, (गिरि विकास अध्ययन संस्थान के साथ मानक प्रकाशन, लखनऊ), 2006
- **सुधा पई**, पाप्यूलिज्म ऐंड इकोनामिक रिफार्म्स : द बी.जे.पी. इक्सपेरिमेंट इन उत्तर प्रदेश, (सं.) जोस मोइज पालिटिक्स आफ इकोनामिक रिफार्म इन इण्डिया, सेज, नई दिल्ली, 2005
- **सुधा पई**, क्वेस्ट फार आइडेंटिटी थ्रू पालिटिक्स : द शैडयूल्ड कास्ट इन उत्तर प्रदेश, (सं.) स्टेफेनी तावा लामा रेवाल, इलेक्टोरल रिप्रजेंटेशंस, पालिटिकल रिप्रेजेंटेशन ऐंड सोशल चेंज इन इण्डिया, मनोहर, नई दिल्ली, 2005

- **सुधा पई**, प्रदीप शर्मा, पी. कानूनगो और राहुल मुखर्जी, उत्तर प्रदेश इन द 1990स : क्रिटिकल पर्सपेक्टिव्स आन सोसायटी, पालिटी ऐंड इकोनामी, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, 21 मई, 2005
- **सुधा पई**, पालिटिक्स आफ प्रिफेरेंसियल ट्रीटमेंट, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, 27 अगस्त 2005, (समीक्षा आलेख)
- **वी. रोड्रिग्स**, दलित बहुजन डिस्कोर्स, (सं.) वी.आर. मेहता और पी. थामस, पालिटिकल आइडियाज इन मार्डर्न इण्डिया : थीमेटिक इक्सप्लोरेशंस, सेज, नई दिल्ली, 2005
- **वी. रोड्रिग्स**, सुनामी जन सुनवायी, (सं.) अजीत मुरीकन और उल्लास कुमार, ब्रेकिंग साइलेन्स : वायसिस फ्राम द मार्जिन्स, विकास अध्ययन केंद्र, मुम्बई, 2005
- **आशा सारंगी**, अम्बेडकर ऐंड द लिंग्विस्टिक स्टेट्स : ए केस फार महाराष्ट्र, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, 14 जनवरी, 2006
- **आशा सारंगी**, डिस्कोर्सिस आफ रिलिजस ऐंड पालिटिकल वायलन्स, पुस्तक समीक्षा, भाग–29, अंक–12, दिसम्बर 2005
- **टी.जी. सुरेश**, इमर्जिंग ट्रेन्ड्स इन चाइनीज नेशनलिज्म : रिथिंकिंग इण्डियन पर्सपेक्टिव, (सं.) राजन हर्ष और के.एम. सेठी, इनगेजिंग विद द वर्ल्ड : क्रिटिकल रिफ्लेक्शंस आन इण्डिया'स फारेन पालिसी, ओरिएन्ट लांगमैन, नई दिल्ली, 2005

दर्शनशास्त्र केंद्र

- **एस.पी. गौतम**, ग्लोबलाइजेशन, डेमोक्रेसी ऐंड सोशल जस्टिस, (सं.) जी. इरफान, ऐथिक्स, वैल्यूज ऐंड सोसायटी, सोशल ट्रांस्फार्मेशंस, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, कराची, 2006
- **एस.पी. गौतम**, जाँ पाल सात्र : बायोग्राफी ऐंड फिलास्फी (पंजाबी में), इन हन, (पुस्तक श्रृंखला), भाग–2, जनवरी–अप्रैल 2006
- **आर.पी. सिंह**, ह्युमन राइट्स इन द बैक आफ ग्लोबलाइजेशन : कांटियन पर्सपेक्टिव, द फिलास्फिकल हैरिटेज आफ इम्यूनल कांट, अध्याय–5, ओम प्रकाशन, नई दिल्ली, पृ. 103–24, 2006

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र

- **बी.एस. बुटोला**, डिवलपमेंट इश्यूज ऐंड रीजनल डिस्पैरिटीज इन इण्डिया, पालिटिकल इकोनामी आफ डिवलपमेंट, सामाजिक विज्ञान संस्थान, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- **एन.सी. जेना**, (के.एस. सिवासामी के साथ), मेजर फ्लड्स आफ द वर्ल्ड इन 1990स : लेसन्स फार फ्लड मैनेजमेंट इन इण्डिया, (सं.) मलय मुखोपाध्या, रीवर फ्लड : ए सोसिओ–टेक्निकल अप्रोच, नेचुरल डिजास्टर मैनेजमेंट सेल, विश्व भारती, शांतिनिकेतन
- **ए.एच. किदवई**, कंटेक्चुलाइजिंग, टेरिटोरियल ऐंड सोशल आइडेंटिटीज : केस स्टडीज फ्राम हिस्टोरिकल रीजन्स ऐंड सिटीज इन इण्डिया, फिलिपी गरवाइस – लम्बोनी, सोफी ओल्डफील्ड, रिकंफिगरिंग आइडेंटिटीज ऐंड बिल्डिंग टेरिटरीज इन इण्डिया ऐंड साउथ अफ्रीका, मनोहर प्रकाशन, नई दिल्ली
- **पी.एम. कुलकर्णी**, (एस. कृष्णामूर्ति और एन. आदिनारायण के साथ), कार्जिस आफ फर्टिलिटी ट्रांजिशन इन तमिलनाडु (सं.) जेड क्रिस्टोफी गुइलमोटो और एस. इरूदयाराजन, फर्टिलिटी ट्रांजिशन इन साउथ इण्डिया, सेज नई दिल्ली, पृ. 227–247
- **पी.एम. कुलकर्णी**, (पी.एन. रजना और एन. थेनमोजी के साथ), फर्टिलिटी इन तमिलनाडु : लेवल ऐंड ट्रेन्ड्स (सं.) क्रिस्टोफी जेड़ गुइलमोटो और एस. इरूदयाराजन के साथ, फर्टिलिटी ट्रांजिशन , पृ. 191–223
- **ए. कुण्डु**, ट्रेन्ड्स ऐंड पैटर्न आफ अर्बेनाइजेशन ऐंड देयर इकोनामिक इंप्लिकेशंस, इण्डिया इंफ्रास्ट्रक्चर रिपोर्ट–2006, आक्सफोर्ड, नई दिल्ली
- **ए. कुण्डु**, ग्लोबलाइजेशन ऐंड द इमर्जिंग अर्बन स्ट्रक्चर : रीजनल इनइक्वैलिटी ऐंड पाप्यूलेशन मोबिलिटी, इण्डिया सोशल डिवलपमेंट रिपोर्ट, आक्सफोर्ड, नई दिल्ली, 2006

- **डी.के. मिश्रा**, ग्लोबलाइजेशन ऐंड रूरल डिवलपमेंट : द रोल आफ इंस्टीट्यूशंस, (सं.) एम.सी. बहेरा, ग्लोबलाइजेशन ऐंड रूरल डिवलपमेंट : अंडरस्टेंडिंग न्यू डिवलपमेंट पैराडिग्म्स, कामनवैल्थ प्रकाशक, नई दिल्ली, पृ. 120–135
- **डी.के. मिश्रा**, डिसप्लेसमेंट ऐज ए प्रोसिस : ए क्रिटिक आफ डोमिनेन्ट पैराडिग्म्स, (सं.) एस. दत्ता, पी.के. मण्डल और टी. शोरेन, द प्राब्लम्स अफ इंटरनली डिसप्लेस्ड पर्सन्स ऐंड रिफ्यूजीस इन द नार्थ ईस्ट इण्डिया, हिमालयन प्रकाशन, नई दिल्ली, पृ. 9–23
- **एस. राजू**, एस. कोब्रिज और एम. सतीश, इंट्रोडक्शन इन कलोनियल ऐंड पोस्ट कलोनियल जिओग्राफिज इन इण्डिया, सेज, नई दिल्ली, पृ. 13–22, फरवरी, 2006
- **एस. राजू**, फ्राम ग्लोबल टु लोकल : जेंडर्ड डिस्कोर्स, स्किल्स ऐंड इम्बेडिड लेबर मार्किट इन अर्बन इण्डिया, (सं.) एस. राजू, एम. सतीश और एस. कोब्रिज, कलोनियल ऐंड पोस्ट कलोनियल जिओग्राफिज आफ इण्डिया, सेज, नई दिल्ली, पृ. 99–119, फरवरी, 2006
- **एस. राजू**, लोकेटिंग वुमन इन सोशल डिवलपमेंट, (सं.) ए. कुण्डु, इण्डिया : सोशल डिवलपमेंट, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, पृ. 77–95, फरवरी, 2006
- **आर.एस. श्रीवास्तव**, पब्लिक एक्सपेंडिचर आन एलिमेंट्री एज्यूकेशन, (सं.) एस.के. मेहरोत्रा, पी.आर. पंचमुखी, रंजना श्रीवास्तव और रवि श्रीवास्तव, यूनिवर्सेलाइजिंग एलिमेंट्री एज्यूकेशन इन इण्डिया : अनकेजिंग द टाइगर इकोनामी, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, पृ. 127–72
- **आर.एस. श्रीवास्तव**, कोस्ट आफ यूनिवर्सल एलिमेंट्री एज्यूकेशन इन इण्डिया, (सं.) एस.के. मेहरोत्रा, पी.आर. पंचमुखी, रंजना श्रीवास्तव और रवि श्रीवास्तव, यूनिवर्सेलाइजिंग एलिमेंट्री, पृ. 343–83
- **आर.एस. श्रीवास्तव**, इण्डिया : इंटर्नल माइग्रेशन ऐंड इट्स लिंक्स विद पावर्टी ऐंड डिवलपमेंट, माइग्रेशन, डिवलपमेंट ऐंड पावर्टी रिडक्शन इन एशिया, इंटरनेशनल आर्गेनाइजेशन फार माइग्रेशन, जिनेवा
- **एस. सिन्हा**, ग्लोबलाइजेशन ऐंड सस्टेनेबल अर्बन डिवलपमेंट : रोल आफ सिविल सोसायटी, मार्किट ऐंड स्टेट, (सं.) गुलजीत अरोड़ा और ए. तलवार, सस्टेनेबल डिवलपमेंट, रिसर्च ऐंड पब्लिशिंग हाउस ऐंड एच.डी.आर.सी., नई दिल्ली, पृ. 91–101
- **एस. सिन्हा**, हिस्टोरिकल रूट्स आफ रीजनल डिस्पैरिटीज इन एज्यूकेशनल डिवलपमेंट इन इण्डिया, (सं.) सूर्यकांत, रिइंवेंटिंग रीजनल डिवलपमेंट, रावत, जयपुर और नई दिल्ली, पृ. 219–49
- **एस. सिन्हा**, (राजेश्वरी के साथ), स्पेशल इनइक्वैलिटीज इन डिवलपमेंट आफ पब्लिक हैल्थ केयर फैसिलिटीज इन रूरल हरियाणा, (सं.) रईस अख्तर, इण्डिया : हैल्थ केयर पैटर्न्स ऐंड प्लानिंग, ए.पी.एच., नई दिल्ली, पृ. 121–56
- **एस. सिन्हा**, (शरमिस्ता के साथ), स्पेशल स्ट्रक्चर आफ एच.सी.एफ. डिस्ट्रिब्युशन ऐंड यूटिलाइजेशन इन अर्बन दिल्ली, (सं.) रईस अख्तर, इण्डिया : हैल्थ केयर, पृ. 197–210

सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र

- **योगेन्द्र सिंह**, फिलास्फी, सिविलाइजेशन ऐंड कंसेप्चुअल कैटेगरीज इन सोसियोलाजाली, (सं.) डी.पी. चट्टोपाध्याय और ए.के. सेनगुप्ता, फिलास्फिकल कांससनेस ऐंड साइंटिफिक नालेज : कंसेप्चुअल लिंकेज्स ऐंड सिविलाइजेशनल बैकग्राउण्ड, सेंटर फार स्टडीज इन सिविलाइजेशन, दिल्ली, 2005
- **दीपांकर गुप्ता**, बिटवीन कम्यूनलिम्ज ऐंड एथनिसिटी, (सं.) रवीन्द्र कौर, रिलिजन, वायलन्स ऐंड पालिटिकल मोबिलाइजेशन इन साउथ एशिया, सेज, नई दिल्ली, 2005
- **दीपांकर गुप्ता**, द एन्टि–यूटोपियन लिबरल : एन इंट्रोडक्शन टु द वर्क आफ एन्ड्री बेटली, (सं.) दीपांकर गुप्ता, एन्टी–यूटोपिया : इसेसनल राइटिंग्स आफ एन्ड्री बेटली, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, दिल्ली, 2005
- **दीपांकर गुप्ता**, कार्पोरेट रिस्पांसिबिलिटी, (सं.) सी.वी. बख्सी और अजित प्रसाद, कार्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी : द इण्डियन इक्सपिरिअन्स, एक्सल बुक्स, नई दिल्ली, 2005

- **आनन्द कुमार**, पावर, कल्चर ऐंड सिविल सोसायटी : द कंटेक्स्ट आफ इण्डिया, यूरोप ऐंड द अदर, (सं.) हिनर्क ब्रुहस और डाइटर योसविंकल, एम.एस.एच., पेरिस, 2005
- **नन्दू राम**, दलित मूवमेंट इन इण्डिया – सम थीअरेटिकल कंसिड्रेशंस, दलित इन कंटेम्पोरॅरि इण्डिया : डिस्क्रिमिनेशन ऐंड डिसकंटेंट, आई.डी.ए. पब्लिकेशंस, नई दिल्ली और जयपुर, 2006
- **नन्दू राम**, रिजर्वेशन इन प्राइवेट सैक्टर : प्रिंसिपल्स ऐंड मोडेलिटीज, दलित्स इन कंटेम्पोरॅरि इण्डिया
- **ऐहसानुल हक**, सस्टेलनेबल पाप्यूलेशन ऐंड सस्टेनेबिलिटी आफ सोसिओ इकोनामिक डिवलपमेंट इन इण्डिया : सम मेथडोलाजिकल इश्यूज, (सं.) ऐहसानुल हक, पाप्यूलेशन ऐंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट इन इण्डिया, आथर्स प्रेस, दिल्ली, 2005
- **अविजित पाठक**, आर्ट आफ रसिस्टेन्स इन द ईरा आफ कल्चरल ग्लोबलाइजेशन, (सं.) बी.एन. पटनायक और एस.आई. हसनैन, ग्लोबलाइजेशन : लैंग्यूवेज, कल्चर ऐंड मीडिया, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला, 2006
- **तिपलुत नोंगब्री**, ट्राइब, कास्ट ऐंड द इंडिजिनस चैलेंज इन इण्डिया, (सं.) बी.जी. कार्लसन और टी.बी. सुब्बा, इंडिजेनिटी इन इण्डिया, केजन पाल, लन्दन, 2006
- **मैत्रेयी चौधरी**, ए क्वेश्चन आफ च्वाइस : एडवरटाइजमेंट्स, मीडिया ऐंड डेमोक्रेसी, (सं.) बेल बर्नाड, मीडिया ऐंड मिडिएशन कम्यूनिकेशन प्रोसिस, भाग–1, सेज, नई दिल्ली, पृ. 199–226
- **मैत्रेयी चौधरी**, बिटविक्स्ट स्टेट ऐंड एवरीडे लाइफ : आइडेंटिटी फार्मेशन अमंग बंगाली माइग्रेन्ट्स इन दिल्ली स्लम, (सं.) मीनाक्षी थापन, माइग्रेशन ऐंड जेंडर इन एशिया, सेज, नई दिल्ली, 2005
- **एस.एस. जोधका**, रीजन्स ऐंड कम्यूनिटीज : सोशल आइडेंटिटीज इन कंटेम्पोरॅरि पंजाब, (सं.) राजेन्द्र वोरा और अन्ने फील्डहस, रीजन कल्चर ऐंड पालिटिक्स इन इण्डिया, मनोहर प्रकाशन, दिल्ली, 2006
- **नीलिका मेहरोत्रा**, सिचुएटिंग ट्राइबल वुमन, (सं.) एच.एस. सक्सेना, वी.के. श्रीवास्तव और एस.के. चौधरी, शैडयूल्ड ट्राइब्स ऐंड डिवलपमेंट, सीरियल प्रकाशन, दिल्ली, 2006
- **नीलिका मेहरोत्रा**, द पालिटिक्स आफ वार, (सं.) एस.के. चौधरी, कल्चर इकोलाजी ऐंड डिवलपमेंट, कंसेप्ट, दिल्ली (एस.एम. पटनायक के साथ), 2006
- **अमित कुमार शर्मा**, एम्पायर्स ऐंड कम्यूनिकेशन स्ट्रेटिजीस (उदय सहाय और पवन चौधरी के साथ), (सं.) उदय सहाय, वाट मेक्स न्यूज, ओ.यू.पी., नई दिल्ली, 2006

विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र

- **सरदिंदु भादुरी**, सरवाइविंग थ्रू आर्गेनाइजेशनल चेंजिस : इण्डियन फार्मास्युटिकल सैक्टर – पोस्ट ग्लोबलाइजेशन, (सं.) पी. पी. मित्रा, ग्लोबलाइजेशन ऐंड द वर्क प्लेस : इंप्लिकेशंस फार इण्डिया, पी.एम. बागची, कोलकाता
- **वी.वी. कृष्णा**, इंस्टीट्यूशनल सपोर्ट स्ट्रक्चर्स ऐंड मोड्स आफ स्किल्स ट्रांसमिशन, (सं.) मधु सिंह, मीटिंग बेसिक लर्निंग नीड्स इन द इनफार्मल सैक्टर, स्प्रिन्गर, द नीदरलैण्ड्स, 2005
- **वी.वी. कृष्णा**, एज्यूकेशन, ट्रेनिंग ऐंड स्किल्स फार्मेशन फार डिसेंट वर्क इन द इनफार्मल सैक्टर : केस स्टडीज फ्राम नार्दन इण्डिया, (सं.) मधु सिंह, मीटिंग बेसिक लर्निंग
- **वी.वी. कृष्णा** और ऊषा कृष्णा, साउथ एशिया, इन यूनेस्को साइंस रिपोर्ट : द स्टेट आफ साइंस इन द वर्ल्ड 2005, यूनेस्को पब्लिशिंग, यूनाइटिड किंगडम, 2005
- **वी.वी. कृष्णा**, नालेज इंटेंसिव सर्विस एक्टिविटीज इन इनोवेशन आफ द साफ्टवेयर इंडस्ट्री इन आस्ट्रेलिया, रिपोर्ट एजिस, यूनिवर्सिटी आफ वेस्टर्न सिडनी, (सह लेखक – क्रिस्टिना मार्टिनेज – फर्नाडीज क्लाउदीन सूसे, टिन तुर्पिन, मर्टि बिजोरकली के साथ) सितम्बर 2005

- **वी.वी. कृष्णा**, नालेज इंटेंसिव सर्विस एक्टिविटीज इन इनोवेशन आफ द टूरिज्म इंडस्ट्री इन आस्ट्रेलिया, रिपोर्ट : एजिस यूनिवर्सिटी आफ वेस्टर्न सिडनी, (सह लेखक क्रिस्टिना मार्टिनेज – फर्नाडीज, क्लाउदीन सूसे, फिलिप टोनर, टिम तुरपिन, मर्टी बजोरकली, कालिका एन. दोलोसवाला के साथ), अक्टूबर 2005

सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदाकिय स्वास्थ्य केंद्र

- **मोहन राव**, द ग्लोबलाइजेशन आफ रिप्रोडक्टिव हैल्थ : ए डेरिवेटिव डिस्कोर्स, (सं.) एस.जी. रवट्टक, ग्लोबलाइजेशन ऐंड गवर्नेंस : क्रिटिकल इश्यूज, ओ.यू.पी., पाकिस्तान, 2005
- **मोहन राव**, द वे द विन्ड ब्लोज : पाप्यूलेशन पालिसीज इन इण्डिया, (सं.) लीना वी. गांगुली, रवि दुग्गल और अभय शुक्ला, रिव्यू आफ हैल्थकेयर इन इण्डिया, सेहट, मुम्बई, 2005
- **मोहन राव**, इण्डिया : कंट्री हैल्थ रिपोर्ट, ह्युमन डिवलपमेंट इन साउथ एशिया–2004 : द हैल्थ चैलेंज, महबूब उल हक ह्युमन डिवलपमेंट सेंटर, इस्लामाबाद, 2005
- **मोहन राव**, आन ए चाइल्ड नार्म इन पाप्यूलेशन पालिसी : ए नोट आफ डिसेंट, (सं.) आर.एन. पति और एन.के. पति, पाप्यूलेशन चैलेंजिस ऐंड हैल्थ नीड्स इन उड़ीसा, द होम आफ लैटर्स, भुवनेश्वर, 2005
- **रामा बी. बारू**, एस. कार और बी. पति, इक्सप्लोरिंग जेंडर्स इक्वेशंस : कलोनियल ऐंड पोस्ट कलोनियल इण्डिया, (जेंडर ऐंड सोशल करेक्ट्राइजिस्टिक्स आफ द लेबर फोर्स इन हैल्थ सर्विसिस), नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय, नई दिल्ली, 2005
- **रामा बी. बारू**, एन.जी. जयाल, अमित प्रकाश और पी.के. शर्मा, लोकल गवर्नमेंट इन इण्डिया : डिसेंट्रेलाइजेशन ऐंड बियांड (डिसेंट्रेलाइजेशन ऐंड डिसीज कंट्रोल प्रोग्राम्स : द केस आफ फ्लेरियासिस), (सं.) रामा बी. बारू और मीना गोपाल, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, 2006
- **रामा बी. बारू**, एम. मैकिन्तो और के मेरी, कामर्सलाइजेशन आफ हैल्थ केयर : ग्लोबल ऐंड लोकल डायनेमिक्स ऐंड पालिसी रिस्पांस, (कामर्सलाइजेशन ऐंड पब्लिक सैक्टर इन इण्डिया : इंप्लिकेशंस फार वैल्यूज ऐंड एस्पिरेशन, रामा बी. बारू), पालग्रेव मैकमिलन, न्यूयार्क, 2005
- **रितु प्रिया मेहरोत्रा**, टुवर्डस हैल्थ सिक्यूरिटी फार वुमन ऐंड चिल्ड्रन : एक्सप्लोरिंग डिबेट्स ऐंड आप्शंस, (सं.) सुजाता प्रसाद और सी. सत्यमाला, हैल्थ सिक्यूरिटी फार आल – चैलेंजिस ऐंड पासिबिलिटीज, मानव विकास संस्थान, नई दिल्ली, 328–352, 2006
- **रितु प्रिया मेहरोत्रा**, क्वालिटेटिव रसिर्च इन पब्लिक हैल्थ : द ऐथिक्स आफ प्लुरल पर्सपेक्टिव्स, (सं.) ए. जेसानी और बी. जेटली, ऐथिक्स इन हैल्थ रिसर्च – ए सोशल साइंस पर्सपेक्टिव, सेंटर फार द स्टडी आफ एथिक्स ऐंड राइट्स, 2005
- **रितु प्रिया मेहरोत्रा**, पब्लिक हैल्थ सर्विसिस इन इण्डिया : ए हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव, (सं.) गांगुली, दुग्गल और शुक्ला, रिव्यू आफ हैल्थकेयर इन इण्डिया–2005, सेहट, मुम्बई, पृ. 41–74
- **अल्पना डी. सागर**, डाक्टर्स बिजनेस आर वुमन'स बिजनेस ? टुवर्डस मेकिंग चाइल्ड बर्थ सफर फार पुअर वुमन इन इण्डिया इन बर्थ गिवर्स; द पावर बिहाइन्ड द शेम, (सं.) जे. चावला, हरआनन्द, दिल्ली, 2006
- **राजीब दासगुप्ता**, हैपिटाइटिस बी वैक्सिनेशन स्ट्रेटिजीस इन इण्डिया : क्वेश्चनेबल इविडेन्स ऐंड पावरफुल मार्किट फोर्सिस, (सं.) सुजाता प्रसाद और सी. सत्यमाला, सिक्यूरिंग हैल्थ फार आल : डाइमेंशंस ऐंड चैलेंजिस 2006, इंस्टीट्यूट फार ह्युमन डिवलपमेंट, दिल्ली, पृ. 287–302

जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र

- **दीपक कुमार**, हैल्थ ऐंड मेडिसिन इन ब्रिटिश इण्डिया ऐंड डच इंडिस : ए कम्पैरटिव स्टडी, (सं.) जे.एस. आल्टर, एशियन मेडिसिन, यूनिवर्सिटी आफ पेंसिलवानिया प्रेस, 2005

- **दीपक कुमार**, पब्लिक हैल्थ इन ब्रिटिश इण्डिया, (सं.) ए. बागची और के. सोमन, मैलाडाइज, प्रिवेंटिव्स ऐंड क्युरेटिव्स, तुलिका, बुक्स, नई दिल्ली, 2005
- **ए.के. मोहन्ती**, साइकोलाजी इन द इण्डियन कल्चर ऐंड ट्रेडिशन : ए रोड मैप टु द पास्ट आर फ्युचर ? साइकोलाजी इन द इण्डियन ट्रेडिशन, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली
- **ए.के. मोहन्ती**, मल्टिलिंग्वलिज्म आफ द अनइक्वल्स ऐंड प्रिडिकेमेंट्स आफ एज्यूकेशन इन इण्डिया : मदरटंग आर अदर टंग ? (सं.) ओ. गर्सिया, टी. सुतनाब–कंगस और एम. टोरेस गुजमन, इमेजिंग मल्टिलिंग्वल स्कूल्स : लैंग्यूवेज इन एज्यूकेशन, मल्टिलिंग्वल मैटर्स, क्लीवडन, इंग्लैण्ड
- **ए.के. मोहन्ती** और जे. सैकिया, बाइलिंग्वलिज्म ऐंड इंटरग्रुप रिलेशनशिप्स इन ट्राइबल ऐंड नान ट्राइबल कंटेक्ट सिचुएशंस, (सं.) जैंगजिंग, कोक लियांग और जान अडेयर, पर्सपेक्टिव्स ऐंड प्रोग्रेस इन कंटेम्पोरॅरि क्रास कल्चरल साइकोलाजी, चाइना लाइट इंडस्ट्री प्रेस, बीजिंग, (प्रकाशनाधीन)
- **ए.के. मोहन्ती** और एम. पण्डा, लैंग्यूवेज ऐंड माइन्ड : ए सोसिओ–साइकोलाजिकल पर्सपेक्टिव (सं.) ए. शुक्ला, कल्चर, कोग्निशन ऐंड बिहेवियर, कंसेप्ट, नई दिल्ली, (प्रकाशनाधीन)
- **ध्रुव रैना**, हाउ टु गो टु हैवन आर हाउ द हैवन्स गो ? कंटेम्पोरॅरि पर्सपेक्टिव्स आन ए गैलिलियन डाइलेमा; (सं.) जाब कोझामेथादम, माडर्न साइंस, रिलिजन ऐंड द क्वेस्ट फार यूनिटी, ए.एस.एस.आर. श्रृंखला, भाग–4, पृ. 53–81, 2005
- **सौमन चट्टोपाध्याय**, फिशिकल रिफार्म ऐंड द डेफिसिट आफ द स्टेट्स : डिक्लाइनिंग सोशल सैक्टर स्पेंडिंग, (सह लेखक अरूण कुमार और ए. सुनील धरण के साथ), अल्टरनेटिव इकोनामिक सर्वे – 2004–05, दानिक बुक्स
- **सौमन चट्टोपाध्याय**, मेजरिंग द साइज आफ द अण्डरग्राउण्ड इकोनामी : ए क्रिटिक आफ द मिमिक अप्रोच, भारतीय सामाजिक चिन्तन, (भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी की त्रैमासिक पत्रिका), भाग–3, अंक–5, अप्रैल–जून 2005
- **एम. पण्डा**, साओरा कल्चर : एज – इफ डिस्कोर्स ऐंड मैथमेटिक्स लर्निंग, (सं.) जंग जेंग, काक लियुंग और जान अडेयर, पर्सपेक्टिव्स ऐंड प्रोग्रेस इन कंटेम्पोरॅरि क्रास साइकोलाजी, चाइना लाइट इंडस्ट्री प्रेस, बीजिंग, (प्रकाशनाधीन)
- **एम. पण्डा**, कल्चरल कंस्ट्रक्शन आफ क्रिएटिविटी : ड्यूलिज्म ऐंड बियाण्ड, (सं.) एम. कार्नलिसन, जी. मिश्रा और एस. वर्मा, साइकोलाजी : द इण्डियन ट्रेडिशन, स्प्रिंगर वेरलाग, न्यूयार्क (प्रकाशनाधीन)
- **एम. पण्डा**, वाई डांट सेअरास मास प्रोड्यूस एग्रीकल्चरल टूल्स : कल्चरल सिचुएटिडनेस आफ फिजिको–मैथमेटिकल कंसेप्ट्स, (सं.) श्रीनिवासन, नारायणन, कोग्निटिव साइंसिस, एल्सवियर, पेरिस
- **एस. श्रीनिवास राव**, एज्यूकेशन ऐज ए सोशल इंस्टीट्यूशन कक्षा 11 के लिए एन.सी.ई.आर.टी. की समाजशास्त्र की पाठ्यपुस्तक (प्रकाशनाधीन)
- **एस. श्रीनिवास राव**, निग्लेक्टिड टेरन इन द क्वेस्ट फार इक्वेलिटी – वुमन इन एलिट इंजीनियरिंग ऐंड टेक्नोलाजी एज्यूकेशन इन इण्डिया, (सं.) जे.बी. जी. तिलक, वुमन'स एज्यूकेशन ऐंड डिवलपमेंट, 2006 (प्रकाशनाधीन)
- **एस. श्रीनिवास राव**, प्राइमरी स्कूलिंग अमंग द अर्बन पूअर : पर्सपेक्टिव्स फ्राम ए स्टडी आफ ए स्लम इन मेट्रोपालिटिन दिल्ली, पुस्तक – फेसेट्स आफ अर्बन सोसायटी, सं. प्रोफेसर डी. वेंकटेशवारलु, डिपार्टमेंट आफ सोसिओलाजी, एस.वी. यूनिवर्सिटी, तिरूपति, सीरियल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2006, (प्रकाशनाधीन)
- **एस. श्रीनिवास राव**, एज्यूकेशन, सोशल स्ट्रक्चर, सोशल स्ट्रेटिफिकेशन ऐंड सोशल मोबिलिटी, सोसाइटल कंटेक्स्ट आफ एज्यूकेशन विषयक पाठ्यक्रम के लिए मास्टर'स इन एज्यूकेशनल स्टडीज, स्कूल आफ एज्यूकेशन, इग्नू, (प्रकाशनाधीन)
- **एस. श्रीनिवास राव**, सर्वे रिसर्च डिजाइन, सर्वे इंस्ट्रूमेंटेशन, ऐंड एक्सिक्युशन आफ सर्वे मेथड, मास्टर'स सोसिओलाजी, स्कूल आफ सोशल साइंसिस, इग्नू में रिसर्च मेथडोलाजीस ऐंड मेथड्स विषयक पाठ्यक्रम के लिए

- **एस. श्रीनिवास राव**, सोशल कंटेक्स्ट आफ द स्कूल और अंडरस्टेंडिंग द क्लासरूम कंटेक्स्ट, त्रिपुरा सरकार के शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए, इग्नू, फैकल्टी आफ एज्यूकेशन द्वारा प्रस्तुत सामग्री (प्रकाशनाधीन)
- **एस. श्रीनिवास राव**, नेचर, प्रोसिस ऐंड पालिटिक्स आफ एज्यूकेशन, ए रिव्यू आफ पालिटिकल एजेन्डा आफ एज्यूकेशन : ए स्टडी आफ कलोनिअलिस्ट ऐंड नेशनलिस्ट आइडियाज बाई कृष्ण कुमार, पुस्तक समीक्षा, भाग–29, अंक–10, पृ. 14–15, 2005

प्रौढ़ शिक्षा समूह

- **एस.वाई शाह**, कनेडियन कंट्रीब्युशंस टु इण्डियन एडल्ट एज्यूकेशन : एन ओवरव्यू, होमेज टु द लाइट आफ वर्ल्ड, लिट्रेसी हाउस, लखनऊ, 2005
- **एस.वाई शाह**, प्रोफेशनलाइजेशन आफ इण्डियन ऐडल्ट एज्यूकेशन, (सं.) पी आदिनारायण रेड्डी और उमा देवी, करंट ट्रेन्ड्स इन ऐडल्ट एज्यूकेशन, सरूप ऐंड संस, नई दिल्ली, 2006
- **एम.सी. पाल**, डायमेंशंस ऐंड मैग्नीट्यूड आफ ड्रग एब्यूज इन इण्डिया, (डी.एन. राव के साथ), इन ड्रग ऐंड सब्सटेन्स एब्यूज प्राब्लम्स : इंटर डिसिप्लिनरी/स्टडी आफ काजिस, कंसिक्वेंसिस ऐंड प्रिवेंशन, मित्तल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2006
- **एम.सी. पाल**, टोबैको स्मोकिंग इज इंजिरस टु हैल्थ ? (सुस्मिता पाल के साथ) इन ड्रग्स ऐंड सब्सेटेंसिस एब्यूज प्राब्लम्स

महिला अध्ययन कार्यक्रम

- **मेरी जोन**, फेमिनिज्म, पावर्टी ऐंड इमिग्रन्ट सोशल आर्डर, सोशल मूवमेंट्स इन इण्डिया : पावर्टी, पावर पालिटिक्स, (सं.) राका रे और एफ.के. मेरी, रोमन ऐंड लिटिलफील्ड, न्यू ब्रुन्सविक, 2005

मोनोग्राफ

सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र

- **राजीब दासगुप्ता**, मैपिंग कौलरा इन दिल्ली : लुकिंग ऐट माइक्रो ऐंड मैक्रो साल्युशंस, 5वीं आल इण्डिया पीपल'स टेक्नोलाजी कांग्रेस, कोलकाता, पृ. 13–20, 2005

जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र

- **ए.के. मोहन्ती**, इश्यूज आफ लैंग्यूवेज मेंटिनेंस ऐंड एज्यूकेशन आफ एब्आरिजिनल चिल्ड्रन इन इण्डिया (प्रोफेसर जे. पटनायक, सी.एस.यू.एल.बी., यू.एस.ए. को साक्षात्कार दिया), चाइल्डहुड एज्यूकेशन (एसोसिएशन फार चाइल्डहुड एज्यूकेशन इंटरनेशनल की पत्रिका), 81(6), पृ. 360–64, 2005
- **बी. खादरिया**, माइग्रेशन इन साउथ ऐंड साउथ–वेस्ट एशिया, क्षेत्रीय आलेख संख्या आर.एस. 6, इंटरनेशनल माइग्रेशन विषयक वैश्विक आयोग, जिनेवा, सितम्बर 2005
- **बी. खादरिया**, हयुमन रिसोर्सिस इन हैल्थ, आई.ओ.एम. इंटरनेशनल डायलाग आन माइग्रेशन, न. 6 : हैल्थ ऐंड माइग्रेशन ब्रिजिंग द गैप, इंटरनेशनल आर्गेनाइजेशन फार माइग्रेशन, जिनेवा, अक्टूबर, 2005
- **गीता बी. नाम्बिसन**, इंटिग्रेटिंग जेंडर कंसर्न्स, चेंजिंग इंग्लिश, रूटलेज, टेलर ऐंड फ्रांसिस ग्रुप, भाग–12, अंक–2, पृ. 191–99, 2005
- **ध्रुव रैना**, मल्टिकल्चरल ऐंड पोस्टकलोनियल थीअरीज आफ साइंस ऐंड सोसायटी, संधान, भाग–5, अंक–1, पृ. 1–32, 2005
- **ध्रुव रैना**, Une lecture post-coloniale de l'histoire, Alloage, no. 55-56, pp 141-154, 2005
- **एम. पण्डा**, मैथमेटिक्स ऐंड ट्राइबल एज्यूकेशन, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, अंक–2, भाग–XLI, जनवरी 14–26, 2006

- **एम. पण्डा**, इक्सप्लोरिंग इनटु इंप्लिसिट क्रिएटिविटी थीअरीज इन इण्डिया, साइकोलाजिकल स्टडी, भाग–1, अंक–50, पृ. 32–39, 2005
- **एम. पण्डा**, कंटेक्स्ट टु कैटेगेराइजेशन : ए स्टडी आफ सोशल आइडेंटिटीज आफ कालेज स्टूडेन्ट आफ उड़ीसा, साइकोलाजिकल स्टडी, अंक–2, और 3, भाग 50, 2005
- **एस. श्रीनिवास राव**, इंजीनियरिंग ऐंड टेक्नोलाजी एज्यूकेशन इन इण्डिया : अनइवन स्प्रेड, क्वालिटी ऐंड सोशल इक्वैलिटी, (एज्यूकेशनल प्लानिंग ऐंड एडमिनिस्ट्रेशन, नई दिल्ली की पत्रिका, प्रकाशनाधीन)

समाचार आलेख

- **ध्रुव रैना**, साइंस एज्यूकेशन इन यूनिवर्सिटीज ऐंड कालेजिस : द लिंकेज्स विद द रिसर्च सिस्टम, पुस्तक समीक्षा, पृ. 45, अक्टूबर 2005
- **ध्रुव रैना**, टेक्नोलाजिकल एज्यूकेशन इन नालेज सोसायटीज, इकोनामिक टाइम्स, 2 अगस्त 2005

प्रौढ़ शिक्षा समूह

- **एस.वाई शाह**, इमपावरमेंट आफ वीकर सैक्शंस थ्रू यूनिवर्सिटी एक्सटेंशन प्रोग्राम : सम इश्यूज, रोल आफ यूनिवर्सिटीज इन इम्पावरिंग वीकर सैक्शंस आफ सोसायटी, विषयक विश्वविद्यालय का विशेष अंक, भाग–43–47, नवम्बर 2005
- **एस.वाई शाह**, कंटिन्यूइंग एज्यूकेशन प्रोग्राम इन इदुक्की डिस्ट्रिक्ट, एन.एल.एम. न्यूजलैटर, भाग–22, अंक–1, अप्रैल 2005
- **एम.सी. पाल**, माइनार्टीज आफ इण्डिया ऐंड एज्यूकेशनल पालिसीज : प्राब्लम्स ऐंड प्रास्पेक्ट्स, साउथ एशिया पालिटिक्स
- **एम.सी. पाल**, ड्रग्स कल्चर इन साउथ एशिया ऐंड स्कोप आफ सोशल साइंस रिसर्च : एन एक्सप्लोरेशन, सोशल डिफेंस, भाग–54, अंक–155, जनवरी 2003 (जुलाई 2005 में प्रकाशित)
- **एम.सी. पाल**, हायर एज्यूकेशन इन इण्डिया ऐंड नीड फार क्वालिटी एसोरेन्स मेकेनिज्म फार डिवलपिंग ए नालेज सोसायटी, यूनिवर्सिटी न्यूज, भाग–43, अंक–21, 23–29 मई, 2005
- **एम.सी. पाल**, मदर टंग्स ऐंड प्लूरलिस्टिक इण्डियन कल्चरल ट्रेडिशन, साउथ एशिया पालिटिक्स, भाग–4, अंक–9, जनवरी 2006

जैव प्रौद्योगिकी केंद्र

पत्रिका आलेख

- **आर. भटनागर**, एम. गुप्ता और एस. आलम, काइनेटिक करेक्ट्राइजेशन ऐंड लिजेन्ड बाइंडिंग स्टडीज आफ हिज 351 म्युटेन्ट्स आफ बैसिलस एंथ्रासिस अडेनिलेट साइक्लेस, आर्काइव्स आफ बायोकेमिस्ट्री ऐंड बायोफिजिक्स 446(1), 28–34, 2005
- **आर. भटनागर**, एस. आलम और एम. गुप्ता, इनहिबिशन आफ प्लेटलेट एग्रीगेशन बाई एंथ्रेक्स इडेमा टाक्सिन, बायोकेम. बायोफिज. रेस. कम्यून, 399, 107–14, 2005
- **आर. भटनागर**, एस. मिधा, आर. मिश्रा, एम.ए. अजीज, एम. शर्मा, ए. मिश्रा और पी. खण्डेलवाल, क्लोनिंग इक्सप्रेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ रिकम्बीनेन्ट नाइट्रिक आक्साइड सिन्थेस लाइक प्रोटीन फ्राम बैसिलस एन्थ्रैक्सिस, बायोकेम. बायोफिज. रेस. कम्यून, 336, 346–56, 2005
- **आर. भटनागर**, एम.ए. अजीज, डी. सिकरिवा, एस. सिंह, एस. जरुगुला और ए. कुमार, ट्रांसफार्मेशन आफ एन एडिबिल क्राप विद पेज ए जीन आफ बैसिलस एंथ्रैक्सिस, फासेब जे. 19(11), 1501–3, 2005
- **एस.के. कार**, बी. शशिशेखर, एम. अपर्णा, डी.जे. आगस्टिन, पी. कलिराज, पी.बी. नटमन और आर.बी. नारायणन, डिमिनिस्ड मोनोसाइट फंक्शन इन माइक्रोफिलेरमिक पेशन्टस विद लिम्फेटिक फ्लेरियासिस ऐंड इट्स रिलेशनशिप टु आल्टर्ड लिम्फोप्रालिफरेटिव रिस्पांसिस, इंफेक्शन ऐंड इम्यूनिटी, 73(6), 3385–93, जून 2005
- **अपर्णा दीक्षित**, अरूण वशिष्ठ, टी. शाहु, अंशु शर्मा और शैलेश कुमार चौधरी, इनविट्रो रिफोल्डिड नेपिन लाइक प्रोटीन आफ मोमोर्डिका चरंशिया इक्सप्रेस्ड इन एशरिकिया कोली डिसप्लेज प्रापर्टीज आफ नेटिव नेपिन, बायोकेम एट बायोफिजिका एक्टा 1764, 847–55, 2006
- **अपर्णा दीक्षित**, रंजना मित्रा और एच.के. दास, आइडेंटिफिकेशन आफ ए पाजिटिव ट्रांस्क्रिप्शन रेग्यूलेट्री एलिमेंट विदिन द कोडिंग रीजन आफ निफ्ला ओपेरान इन एजोटोबैक्टर वाइनलैण्डी, एप्पल. एनवायरन माइक्रोबायोल, 71, 3716–24, 2006
- **आर. भट्ट**, आर. मिश्रा और आर. सेक्लर, इफिसिएन्ट रिफोल्डिंग आफ एग्रिगेशन प्रोन सिटरेट सिंथेस बाई पालिओल ओस्मोलिटेस : हाउ वैल आर फोल्डिंग ऐंड स्टेबिलिटी आस्पेक्ट्स कपल्ड, जे. बायोल. केम. 280, 15553–60, 2005
- **के.जे. मुखर्जी** और पूनम श्रीवास्तव, काइनेटिक स्टडीज आफ रिकम्बिनेट हयुमन इंटरफेरान–अल्फा (आर.एच.एल.एफ.एन. अल्फा) इक्सप्रेशन इन ट्रांसिएन्ट स्टेट कंटिन्युअस कल्चर्स, बायोकेमिकल इंजीनियरिंग जर्नल, जुलाई 2005
- **के.जे. मुखर्जी** और योगेन्द्र पाल, प्रोडक्शन ऐंड प्यूरिफिकेशन आफ रिंकम्बिनेन्ट हयुमन ग्रेनुलोसाइट–मैक्रोफेज कालौनी स्टिम्युलेटिंग फैक्टर (जी.एम.–सी.एस.एफ.) फ्राम हाई सेल डेनसिटी कल्चर्स आफ पिसिआ पैस्टोरिसा, एप्लाइड माइक्रोबायोलाजी ऐंड बायोटेक्नोलाजी, जून 2005
- **के.जे. मुखर्जी**, पी. भट्टाचार्य, गौरव पाण्डेय और पूनम श्रीवास्तव, कम्बाइन्ड इफैक्ट आफ प्रोटीन फ्युजन ऐंड सिंगल सिक्वेंस ग्रेटली इनहासिस द प्रोडक्शन आफ रिकम्बिनेन्ट जी.एम.सी.एस.एफ. इन इ. कोली. मोलिकुलर बायोटेक्नोलाजी, भाग–30, अंक–2, पृ. 103–16(14), जून 2005
- **के.जे. मुखर्जी**, पूनम श्रीवास्तव, पी. भट्टाचार्य और गौरव पाण्डेय, ओवरइक्सप्रेशन ऐंड प्युरिफिकेशन आफ रिकम्बिनेन्ट हयुमन इंटरफेरान अल्फा 2बी इन एशरिकिया कोली, प्रोटीन इक्सप्रेशन ऐंड प्युरिफिकेशन, भाग–41, अंक पृ. 313–22, 2 जून 2005

विधि और अभिशासन अध्ययन केंद्र

आलेख

- **नीरजा गोपाल जयाल**, इनजेंड्रिंग लोकल डेमोक्रेसी : द इम्पैक्ट आफ कोटाज फार वुमन इन इण्डिया'स पंचायत्स डेमोक्रेटाइजेशन, भाग–13, अंक–1, रूटलेज, लन्दन, फरवरी 2006
- **नीरजा गोपाल जयाल**, डेमोक्रेटिक डोगमास ऐंड डिस्क्वाइट्स, संगोष्ठी न. – 557, जनवरी 2006
- **जयवीर सिंह** और टी.सी.ए. अनन्त, स्ट्रक्चरिंग रेग्युलेशन : कांस्टीट्यूशनल ऐंड लीगल फ्रेम इन इण्डिया, इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग–41, 14 जनवरी 2006
- **जयवीर सिंह**, सैपरेशंस आफ पावर्स ऐंड द इरोजन आफ द राइट टु प्रापर्टी इन इण्डिया, कांस्टीट्यूशनल पालिटिकल इकोनामी, (आगामी)
- **अमित प्रकाश**, (सं.) प्रकाश, संजीव और पर सेले इनवेस्टिगेटिंग सोशल कैपिटल : कम्पैरटिव पर्सपेक्टिव्स आन सिविल सोसायटी, पार्टिसिपेशन ऐंड गवर्नेंस, सेज प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004, अनिरूद्ध कृष्णा, एक्टिव सोशल कैपिटल : ट्रेसिंग द रुट्स आफ डिवलपमेंट ऐंड डेमोक्रेसी, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, प्रेस 2003, नई दिल्ली, कंट्रीब्युशन टु इण्डियन सोसिओलाजी, भाग–39, अंक–1, पृ. 186–88, 2005
- **अमित प्रकाश**, कंटेम्पोरॅरि एथनोस्कोप रिव्यू आफ संजीब बरूआ, ड्यूरेबल डिस्आर्डर : अंडरस्टेंडिंग द पालिटिक्स आफ नार्थईस्ट इण्डिया, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, पुस्तक समीक्षा, भाग–29, अंक–9, पृ. 25–6, 9 सितम्बर 2005

पुस्तकें

- **नीरजा गोपाल जयाल**, रिप्रिजेंटिंग इण्डिया : एथनिक डायवर्सिटी ऐंड द गवर्नेंस आफ पब्लिक इंस्टीट्यूशंस, पालग्रेव मैकमिलन, लन्दन, 2006
- **नीरजा गोपाल जयाल**, सह सम्पादक, गवर्नेन्स इन इण्डिया : डिसेंट्रेलाइजेशन ऐंड बियांड, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, (अमित प्रकाश के साथ), 2006
- **अमिता सिंह**, एडमिनिस्ट्रेटिव रिफार्म्स, टुवर्डस सस्टेनेबल प्रेक्टिसिस, सेज, नई दिल्ली, 2005

पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय

- **अमित प्रकाश**, वुमन, डिवलपमेंट ऐंड लोकल गवर्नेंस इन कंटेम्पोरॅरि उत्तर प्रदेश : इमर्जिंग लिंकेज्स, (सं.) काक शक्ति और बी. पति, इक्सप्लोरिंग जेंडर इक्वेशंस : कलोनियल ऐंड पोस्ट कलोनियल इण्डिया, नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय, नई दिल्ली, पृ. 433–62, 2005
- **अमित प्रकाश**, ग्रेट एक्सपेक्टेशंस : अनइवन ग्रोथ : रिव्यू आफ द परफार्मेन्स आफ द एक्जिक्युटिव : 2004–05, सोशल वाच रिपोर्ट 2005, नेशनल सोशल वाच कोलिशन/पियर्सन, पृ. 41–69, 2006
- **अमिता सिंह**, ग्लोबलाइजेशन ऐंड एडमिनिस्ट्रेटिव रिफार्म्स : ए केस स्टडी आफ ग्लोबलाइजिंग सिटी गुड़गांव इन इण्डिया, ग्लोबलाइजेशन, गवर्नेंस ऐंड पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन की पुस्तक का 7वाँ भाग, (सं.) अली फर्जमन्द, जैक पिंकोवस्की, मार्सल डेक्कर, आई.एन.सी. न्यूयार्क, 2006
- **अमिता सिंह**, डिलिबरेट डेमोक्रेसी ऐंड इलैक्टोरल फलेसी : द लाजिक आफ कोइग्जिस्टेन्स, ए कम्पैरटिव स्टडी आफ टु ग्लोबलाइजिंग सिटीज इन इण्डिया, स्ट्रेंथनिंग डेमोक्रेटिक इंस्टीट्यूशंस, द रोल आफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन इन एलिविएटिंग पावर्टी ऐंड इंप्रूविंग गवर्नेन्स, नैप्सिपैग – ए.डी.बी. पब्लिकेशंस, मनीला, 2005
- **अमिता सिंह**, माडर्नाइजिंग ब्यूरोक्रेसी थ्रू यूज आफ टेक्नोलाजी : ए केस स्टडी आफ गुड़गांव इन नार्थ इण्डिया, ब्यूरोक्रेसी, ग्लोबलाइजेशन ऐंड टेक्नोलाजी, (सं.) मार्क अमीन, रेणु खटोर, यूनिवर्सिटी आफ साउथ फ्लोरिडा, टेम्पो बे, इप्सा प्रकाशन, 2006
- **जयवीर सिंह** और टी.सी.ए. अनन्त, सेंट्रल गवर्नमेंट पालिसीज : इंटरफेस विद कम्पटीशन पालिसी आब्जेक्टिव्स, (सं.) प्रदीप एस. मेहता, ए. फंक्शनल कम्पटीशन पालिसी फार इण्डिया, अकादमिक फाउन्डेशन, नई दिल्ली, 2006

संस्कृत अध्ययन केंद्र

आलेख

- **गिरीश नाथ झा**, लैंग्यूवेज टेक्नोलाजी इन इण्डिया, ए सर्वे, सी.एस.आई. पत्रिका का अंक, नवम्बर 2005
- **संतोष कुमार शुक्ला**, संस्कृत व्याकरण, समकालीन अभिव्यक्ति, 57–58, अप्रैल 2005
- **संतोष कुमार शुक्ला**, दण्डनीति, समकालीन अभिव्यक्ति, 56–57, अक्टूबर 2005
- **संतोष कुमार शुक्ला**, गवम मध्य बस्मियाहम, गांन्डिवम, 5–6, जनवरी 2006
- **संतोष कुमार शुक्ला**, विधि प्रशासनम : बौद्धयान धर्मसूत्र, (प्रकाशनाधीन)

पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय

- **शशि प्रभा कुमार**, नेचर इन ह्युमन एक्जिस्टेन्स, इण्डिया इन वार्सा, (सं.) स्टासिक दानुता ऐंड ट्राइनकोवस्का पृ. 174–184, वार्साजावा, 2006
- **शशि प्रभा कुमार**, द कंसेप्ट आफ वेद अपौरूसेयत्व, (सं.) के.टी. पाण्डुरंगी, पूर्वमीमांसा फ्राम ए इंटरडिसिप्लिनरी पाइंट आफ व्यू, एच.आई.एस.पी.सी., भाग–2, भाग–6, नई दिल्ली, पृ. 235–251, 2006
- **शशि प्रभा कुमार**, इण्डियन ओंटोलाजी : फ्राम वेद टू वेदांत, (सं.) कपिल कपूर और ए.के. सिंह, इण्डियन नालेज सिस्टम्स, भाग–2, प्रिन्टवर्ड दिल्ली, पृ. 412–19, 2005
- **शशि प्रभा कुमार**, हर्मेन्युटिक्स ऐंड मेटाफिजिक्स इन द पदार्थधर्म – संग्रह, (सं.) मिथिलेश चतुर्वेदी, अवानिश्री, विधानिलायम, दिल्ली, पृ. 142–148, 2005

आणविक चिकित्साशास्त्र विशेष केंद्र

आलेख

- **जी. मुखोपाध्याय** (एम. साराधी, बी. कृष्णा और आर.के. त्यागी के साथ), प्युरिफिकेशन आफ फुल लेंथ हयुमन प्रिग्नेन ऐंड जेनोबायोटिक रिसेप्टर : पालिकोनल एन्टीबाडी प्रिपरेशन फार इम्यूनोलाजीकल करेक्ट्राइजेशन, सेल रिसर्च, 15, 785–95, 2005
- **जी. मुखोपाध्याय**, (एम. साराधी, ए. सेनगुप्ता और आर.के. त्यागी के साथ), प्रिग्नेन ऐंड जेनाबायोटिक रिसेप्टर (पी.एक्स.आर) रिजाइड्स प्रिडोमिनैलिटी इन द न्यूक्लियर कंपार्टमेंट आफ द इंटरफेस सेल ऐंड एसोसिएट्स विद द कंडेस्ड क्रोमोसोम्स ड्यूरिंग माइटोसिस, बायोकिमिका एट बायोफिजिका एक्टा– मोलिकुलर सेल रिसर्च 1746, 85–94, 2005
- **जी. मुखोपाध्याय** (एन.ए. गौड़, आर. मनोहर लाल, पी. सैनी, टी. प्रसाद, एम. हूपर, जे. मोर्सहाजर और आर. प्रसाद के साथ), इक्सप्रेशन आफ द सी.डी.आर.1 इफ्लक्स पम्प इन क्लिनिकल कैनडिडा अल्बिकेंस आइसोलेट्स इज कंट्रोल्ड बाई ए निगेटिव रेग्यूलेट्री एलिमेन्ट, बायोकेम. बायोफिजि रेस. कम्यून, 332(1), 206–14, 2005
- **जी. मुखोपाध्याय** (आर.के. सोनी, पी. मेहरा और एस.के. धर के साथ), हैलिकोबैक्टर पाइलोरी डी.एन.ए.बी. हेलिकेस कैन बाईपास एशरिकिया कोली डी.एन.ए.सी. फंक्शन इन वाइवो, बायोकेम. जे., 15, 389, 541–8, 2005
- **सी.के. मुखोपाध्याय** (एफ. मार्टिन, टी. लिन्डन, डी.एम. केटसचिस्की, एफ. ओहम, आई. फ्लेमी, के. एक्हार्ड, जे. ट्रोजर, एस. बर्थ, जी. कैमेनिश्च और आर.एच. वेन्जर के साथ), कापर डिपेंडेंट एक्टिवेशन आफ हाइपोक्सिया–इंड्युसिबल फैक्टर (एच.आई.एफ)–1 : इंप्लिकेशंस फार सेरूलोप्लाज्मिन रेग्यूलेशन, ब्लड, 105, 4613–19, 2005
- **सी.के. मुखोपाध्याय** (एम.के. गुप्ता, टी.वी. नीलकांतन, एस. मिश्रा, आर.के. त्यागी, ए.के. डिन्डा, एस. मौलिक और एस.के. गोस्वामी के साथ), अपोप्टिक ऐंड हाइपरट्रोपिक इवेंट्स इंडयूस्ड बाई नोरोपाइनफरीन इन एच.9सी2 माइओब्लास्ट्स इज नाट एट्रिब्युटेबल टु द नेट रिएक्टिव आक्सिजन स्पेसीज बट टु डिस्टिंक्ट डाउनस्ट्रीम सिग्नेलिंग, एन्टिआक्सिडेंट्स ऐंड रिडोक्स सिग्नेलिंग, 2006 (प्रकाशनाधीन)
- **सी.के. मुखोपाध्याय** (एम. भट्टाचार्य, एन. ओझा, एस. सोलंकी, आर. मदान, एन पटेल, जी. कृष्णामूर्ति, एस. कुमार, एस.के. बासु और ए. मुखोपाध्याय के साथ), आई.एल.6– ऐंड आई.एल.12 स्पेसिफीकली रेग्युलेट द एक्सप्रेशन आफ आरएबी 5 ऐंड आरएबी 7 वाया डिस्टिंक्ट सिग्नेलिंग पाथवेज, इ.एम.बी.ओ.जे., 2006 (प्रकाशनाधीन)
- **आर.के. त्यागी** (ए. सेनगुप्ता, बी. बनर्जी और के.जी. दत्ता के साथ), लोकेलाइजेशन ऐंड डायनेमिक्स आफ हायल्युरोनन बाइंडिंग प्रोटीन–1 (एच.ए.बी.पी.1/पी.32/सी–1 क्यू बी.पी.) ड्यूरिंग द सेल साइकल, सेल रिसर्च, 15, 183–86, 2005
- **आर.के. त्यागी** (एम. साराधी, बी. कृष्णा और जी. मुखोपाध्याय के साथ), प्युरिफिकेशन आफ फुल लेन्थ हयुमन प्रिग्नेन ऐंड जेनोबायोटिक रिसेप्टर : पालिक्लानल एन्टिबाडी प्रिप्रेशन फार इम्यूनोलाजिकल करेक्ट्राइजेशन, सेल रिसर्च, 15, 785–95, 2005
- **आर.के. त्यागी** (एम. साराधी, ए. सेनगुप्ता और जी. मुखोपाध्याय के साथ), प्रिग्नेन ऐंड जेनोबायोटिक रिसेप्टर (पी.एक्स.आर) रिजाइड्स प्रिडोमिनैटिली इन द न्यूक्लियर कम्पार्टमेंट आफ द इंटरफेस सैल ऐंड एसोसिएट्स विद द कंडेंस्ड क्रोमोसोम्स ड्युरिंग माइटोसिस, बायोकेम एट. बायोफिज एक्टा मोलिकुलर सेल रिसर्च 1746, 85–94, 2005

- **आर.के. त्यागी** (एस. कुमार, एम. साराधी और एन.के. चतुर्वेदी के साथ), इंटरासेलुलर लोकेलाइजेशन ऐंड न्यूक्लिओसाइटोप्लाज्मिक ट्रेफ्किंग आफ स्टेराइड रिसेप्टर्स : एन ओवरव्यू मोलिकुलर ऐंड सेलुलर एन्डोक्रिनोलाजी 246, 147–156, 2006
- **एस.के. धर** (ए. गुप्ता, पी. मेहरा, आर.जी. निथारवाल, ए. शर्मा और ए. बिश्वास के साथ), एनोलाग्स इक्सप्रेशन पैटर्न आफ प्लाज्मोडियम फाल्सिपेरम रिप्लिकेशन इनिसिएशन प्रोटीन्स पी.एफ.एम.सी.एम.4 ऐंड पी.एफ.ओ.आर.सी.1 ड्युरिंग द एसेक्चुअल ऐंड सेक्सचुअल स्टेजिज आफ इंट्राइरिथ्रोसाइटिक डिवलपमेंटल साइकल एफ.इ.एम.एस. माइक्रोबायोल. लैटर्स, 2006 (प्रकाशनाधीन)
- **एस.के. धर** (पी. मेहरा, ए.के. बिश्वास, ए. गुप्ता, एस. गौरीनाथ और सी.ई. चिटनिस के साथ), इक्सप्रेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ हयुमन मलेरिया पैरासाइट प्लाज्मोडियम फाल्सिपेरम आरिजिन रिकोग्निशन कम्पलेक्स सबयूनिट 1, बायोकेम बायोफिज रेस. कम्यून 337, 955–66, 2005
- **एस.के. धर** (आर.के. सोनी, पी. मेहरा और जी. मुखोपाध्याय के साथ), हेलिकोबैक्टर पाइलोरी डी.एन.ए.बी. हेलिकेस कैन बाईपास इ. कोली डी.एन.ए.सी. फंक्शन इन वाइवो, बायोकेम. जे, 389 पी.टी.(2), 541–8, 2005

पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय

- **एस.के. धर** और ए. शर्मा, हेलिकोबैक्टर पाइलोरी : डिजीज ऐंड क्युर – ए मोलिकुलर अप्रोच इन : माइक्रोब्स फार हयुमन लाइफ, (भाग–4) (सं.) प्रो. अजीत वर्मा, आई.के. इंटरनेशनल पब्लिशर्स, 2005

क. विश्वविद्यालय कोर्ट के सदस्य

(1.4.2005 से 31.3.2006 तक)

1	डॉ. कर्ण सिंह, कुलाधिपति और अध्यक्ष	
2	प्रो. गोपाल कृष्ण चड्ढा, कुलपति	9.6.2005 तक
3	प्रो. बी.बी. भट्टाचार्य, कुलपति	30.6.2005 से
4	प्रो. बलवीर अरोड़ा, कुलदेशिक–I	29.6.2005 तक और प्रोफेसर वर्ग के अन्तर्गत पुनः 11.3.2006 से
5	प्रो. राजेन्द्र प्रसाद, कुलदेशिक	9.8.2005 से और प्रोफेसर वर्ग के अन्तर्गत 8.8.2005 तक
6	प्रो. राजीव कृष्ण सक्सेना, कुलदेशिक	6.6.2005 तक
7	प्रो. जी. मेहता	
8	डॉ. एस.के. जोशी	
9	श्री जे.सी. पन्त	
10	प्रो. पी. रामाराव	
11	प्रो. पुष्पेश पन्त	
12	डॉ. एस.के. गोस्वामी	
13	डॉ. संघमित्र शील आचार्य	
14	प्रो. राजेन्द्र डेंगले	31.8.2006 तक
15	प्रो. आर.के. काले	
16	प्रो. ऐहसानुल हक	1.9.2005 से 18.11.2005 तक
17	श्री रमेश कुमार, कुलसचिव और सदस्य–सचिव	30.9.2005 तक
18	श्री अवैस अहमद, कुलसचिव और सदस्य–सचिव	30.9.2005 से
19	श्री एस. नन्दक्योलयार, वित्त अधिकारी	18.7.2005 तक
20	श्रीमती रेवती बेदी, वित्त अधिकारी	16.8.2005 से
21	डॉ. एस.एस. जोधका	
22	डॉ. मुत्तैया एम. कोगानूरामथ, पुस्तकालयाध्यक्ष	
23	प्रो. मनमोहन अग्रवाल	
24	प्रो. आर.एन.के. बामजई	
25	प्रो. आर.पी. सेनगुप्ता	20.9.2005 तक
26	प्रो. अमिताभ कुन्डू	21.9.2005 से
27	प्रो. ए.के. बासु	
28	प्रो. जे. बिहारी	
29	प्रो. कर्मेषु	23.7.2005 तक
30	प्रो. एस. बालासुन्दरम्	24.7.2005 से
31	प्रो. एच.बी. बोहिदार	5.12.2005 तक
32	प्रो. संजय पुरी	6.12.2005 से

33	प्रो. आलोक भट्टाचार्य	
34	प्रो. ज्योतिंद्र जैन	30.6.2005 तक
35	प्रो. अनिल भट्टी	1.7.2005 से
36	प्रो. सी.एस. राज	
37	प्रो. मनोज पंत	10.11.2005 तक
38	प्रो. अमित एस. रे	11.11.2005 से
39	डॉ. एच.एस. प्रभाकर	31.1.2006 तक
40	डॉ. अलका आचार्य	1.2.2006 से
41	प्रो. सी.एस.आर. मूर्ती	23.5.2005 तक
42	प्रो. वरुण के. साहनी	24.5.2005 से
43	प्रो. ए.के. पटनायक	
44	प्रो. उमा सिंह	10.4.2005 तक
45	प्रो. एम.पी. लामा	11.4.2005 से
46	प्रो. ए.के. पाशा	21.7.2005 तक
47	प्रो. जी.सी. पंत	22.7.2005 से
48	प्रो. एस.के. झा	28.7.2005 से
49.	प्रो. वाई के त्यागी	28.7.2005 से
50	प्रो. जयती घोष	
51	प्रो. मृदुला मुखर्जी	15.8.2005 तक
52	प्रो. आदित्य मुखर्जी	16.8.2005 से
53	प्रो. सुधा पई	6.1.2006 तक
54	प्रो. गुरप्रीत महाजन	7.1.2006 से
55	डॉ. पी.एन. देसाई	
56	डॉ. रितु प्रिया मेहरोत्रा	21.1.2006 तक
57	प्रो. के.आर. नायर	22.1.2006 से
58	प्रो. आनन्द कुमार	6.11.2005 तक
59	प्रो. अविजित पाठक	7.11.2005 से
60	प्रो. बी.के. खादरिया	12.5.2005 तक
61	प्रो. ए.के. मोहन्ती	13.5.2005 से
62	प्रो. एम.डी. विमूरी	8.8.2005 तक
63	प्रो. सरस्वती राजू	9.8.2005 से
64	प्रो. सत्य पी. गौतम	
65	प्रो. एस.ए. रहमान	
66	प्रो. एस.ए. हसन	30.11.2005 तक
67	प्रो. ज़ेड.एस. काज़मी	1.12.2005 से
68	प्रो. रेखा वैद्यराजन	
69	प्रो. शंकर बासु	
70	प्रो. एस.पी. गांगुली	
71	प्रो. के. मादवन	5.12.2005 तक

72	प्रो. किरन चौधरी	6.12.2005 से
73	प्रो. मोहम्मद शाहिद हुसैन	
74	प्रो. एस.के. सरीन	31.7.2005 तक
75	प्रो. मकरन्द आर. प्रांजपे	1.8.2005 से
76	प्रो. सुषमा जैन	
77	डॉ. सबरी मित्रा	
78	डॉ. अमित प्रकाश	
79	प्रो. पी.के.एस. पाण्डेय	10.2.2006 से
80	प्रो. सन्तोष के. कार	24.4.2005 तक
81	प्रो. उत्तम के. पति	25.4.2005 से
82	डॉ. सी.के. मुखोपाध्याय	5.8.2005 तक और पुनः 9.9.2005 से
83	प्रो. शशि प्रभा कुमार	
84	प्रो. आर. आर. शर्मा	30.6.2005 तक
85	प्रो. ओ.पी. बख्शी	1.7.2005 से
86	प्रो. प्रभात पटनायक	10.3.2006 तक
87	प्रो. वसन्त जी. गद्रे	
88	प्रो. पी.के. यादव	10.8.2005 से
89	प्रो. वी.के. जैन	
90	प्रो. बृज गोपाल	1.1.2006 से
91	प्रो. एन. परिमाला	
92	प्रो. ए.के. रस्तोगी	5.12.2005 तक
93	प्रो. रूपमंजरी घोष	6.12.2005 से
94	प्रो. राकेश भटनागर	24.4.2005 तक
95	प्रो. अपर्णा दीक्षित	25.4.2005 से
96	प्रो. नीरजा गोपाल जयाल	
97	डॉ. गंगनाथ झा	
98	डॉ. सच्चिदानन्द सिन्हा	
99	डॉ. ए. चट्टोपाध्याय	
100	डॉ. के. नटराजन	30.9.2005 तक
101	डॉ. पी.सी. रथ	1.10.2005 से
102	डॉ. ए.एल. रामनाथन	30.11.2005 तक
103	डॉ. सौमित्र मुखर्जी	1.12.2005 से
104	डॉ. सोनाझरिया मिंज	
105	डॉ. सुभाशिष घोष	
106	डॉ. बिष्णुप्रिया दत्त	19.2.2006 तक
107	डॉ0 शुक्ला सावंत	20.2.2006 से
108	डॉ. डी. चौधरी	
109	डॉ. अमिता सिंह	
110	डॉ. जी. मुखोपाध्याय	

111	डॉ. सी. उपेन्द्र राव	18.1.2006 से
112	डॉ. फूलबदन	31.1.2006 तक
113	डॉ. डी.वी. शेखर	1.12.2006 से
114	डॉ. सुचरिता सेन	11.3.2006 तक
115	डॉ. आर. महालक्ष्मी	12.3.2006 से
116	सुश्री मीनू बख्शी	1.6.2005 तक
117	श्री देवेन्द्र रावत	2.6.2005 से
118	डॉ. एस.एस. कॉमथ	17.2.2006 तक
119	डॉ. अश्विनी पारीक	18.2.2006 से
120	डॉ. टी.वी. विजय कुमार	
121	डॉ. इलोरा घोष	
122	डॉ. सत्यब्रत पटनायक	
123	डॉ. ए.एम. लिन	
124	श्री एस.एस. मैत्रा	
125	डॉ. एस.के. धर	5.8.2005 तक
126	डॉ. आर.के. त्यागी	6.8.2005 से 19.12.2005 तक
127	डॉ. सन्तोष कुमार शुक्ल	19.2.2006 तक
128	डॉ. हरि राम मिश्र	20.2.2006 से
129	डॉ. जयवीर सिंह	
130	कमांडेंट, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, पुणे.	
131	कमांडर, सेना कैडेट महाविद्यालय, देहरादून	
132	निदेशक, विकास अध्ययन केन्द्र, तिरूवनन्तपुरम	
133	निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, मुम्बई	
134	कमांडेंट, सेना इलैक्ट्रानिक्स और मैकेनिकल इंजीनियरी महाविद्यालय, सिकन्दराबाद	
135	कमांडेंट, सेना दूरसंचार इंजीनियरी महाविद्याविद्यालय, महू	
136	निदेशक, कोशिकीय और अणु जीव–विज्ञान केन्द्र, हैदराबाद	
137	कमांडेंट, सेना इंजीनियरी महाविद्यालय, पुणे	
138	निदेशक, नेशनल सेन्टर फार प्लांट जीनोमिक रिसर्च, नई दिल्ली	
139	प्राचार्य, नौसेना इंजीनियरी महाविद्यालय, लोनावाला	
140	निदेशक, सूक्ष्म जैविक प्रौद्योगिकी संस्थान, चण्डीगढ़.	
141	निदेशक, राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली	
142	निदेशक, सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ मेडिसिनल ऐंड एरोमेटिक प्लान्ट्स, लखनऊ.	
143	निदेशक, रमण अनुसंधान संस्थान, बंगलौर	
144	निदेशक, अन्तर्राष्ट्रीय आनुवंशिक इंजीनियरी और जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र, नई दिल्ली,	
145	निदेशक, इंटर यूनिवर्सिटी एक्सीलरेटर सेंटर, नई दिल्ली.	
146	निदेशक, केन्द्रीय औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ	
147	श्री अलोक कुमार मेहता, संसद सदस्य	
148	श्री बासुदेब बर्मन, संसद सदस्य	
149	श्रीमती अर्चना नायक, संसद सदस्य	

150	श्री अजय माकन, संसद सदस्य	29.1.2006 तक
151	श्री धर्मेन्द्र प्रधान, संसद सदस्य	
152	श्री सी.के. चन्द्रप्पन, संसद सदस्य	
153	श्री बी.जे. पण्डा,, संसद सदस्य	5.3.2006 तक
154	श्री दिग्विजय सिंह, संसद सदस्य	8.3.2006 से
155	श्री बी.पी. आप्टे, संसद सदस्य	5.3.2006 तक
156	श्री अरुण शौरी, संसद सदस्य	8.3.2006 से
157	श्री जयराम रमेश, संसद सदस्य	30.1.2006 तक
158	श्री जनार्दन द्विवेदी, संसद सदस्य	8.3.2006 से
159	श्री एन.आर. गोविंदराजर, संसद सदस्य,	7.3.2006 तक
160	डॉ. के. कस्तूरीरंगन, संसद सदस्य	8.3.2006 से
161	डॉ. वी.के. अत्री	1.12.2005 से
162	श्रीमती शोभना भरतिया	1.12.2005 से
163	प्रो. एन.एल. मित्रा	1.12.2005 से
164	प्रो. ए.एस. कोलास्कर	1.12.2005 से
165	डॉ. ए. कलानिधि	1.12.2005 से
166	श्री एच.के. दुआ	1.12.2005 से
167	श्री पी.आर. दासगुप्ता	1.12.2005 से
168	डॉ. बी. येगन्नारायन	1.12.2005 से
169	प्रो. ई. हरिबाबू	1.12.2005 से
170	डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन	1.12.2005 से
171	श्री एस.एस. कोहली	1.12.2005 से
172	श्री एस.पी. तलवार	1.12.2005 से
173	श्री वाई.सी. नन्दा	1.12.2005 से
174	श्री ए.एन. बुच	1.12.2005 से
175	प्रो. रूप बी. शाह	1.12.2005 से
176	डॉ. एन. मरकन्दन	1.12.2005 से
177	डॉ. आर.ए. मशेलकर	1.12.2005 से
178	प्रो. एम.एस. रघुनाथन	1.12.2005 से
179	प्रो. अवधेश गुप्ता	1.12.2005 से
180	प्रो. ज्ञानदेव महाराणा	
181	प्रो. भुवन चंदेल	

ख. कार्य परिषद् के सदस्य

(1.4.2005 से 31.3.2006 तक)

01	प्रो. जी.के. चड्ढा, कुलपति	अध्यक्ष 9.6.2005 तक
02	प्रो. बी.बी. भट्टाचार्य, कुलपति	अध्यक्ष 30.6.2005 से
03	प्रो. बलवीर अरोड़ा, कुलदेशिक	30.6.2005 तक
04	प्रो. राजेन्द्र प्रसाद, कुलदेशिक	9.8.2005 से
05	प्रो. राजेन्द्र डेंगले	31.8.2005 तक
06	प्रो. आर.के. काले	1.9.2005 से
07	प्रो. आर.पी. सेन सेनगुप्ता	20.9.2005 तक
08	प्रो. ए.के. बासु	21.9.2005 से
09	प्रो. ज्योतिन्द्र जैन	30.6.2005 तक
10	प्रो. मनमोहन अग्रवाल	1.7.2005 से
11	पो. कर्मेषु	23.7.2005 तक
12	प्रो. आर.एन.के. बामजेई	25.7.2005 से
13	प्रो. जे. बिहारी	
14	प्रो. एच.बी. बोहिदार	5.12.2005 तक
15	प्रो. आलोक भट्टाचार्य	6.12.2005 से
16	प्रो. पी. रामाराव	
17	प्रो. जी. मेहता	
18	डॉ. एस.के. जोशी	
19	श्री जे.सी. पन्त	
20	प्रो. पुष्पेष पंत	
21	डॉ. एस.के. गोस्वामी	
22	डॉ. संघमित्रा शील आचार्य	
23	निदेशक, केन्द्रीय औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ	21.3.2006 तक
24	प्राचार्य, नौसेना इंजीनियरी महाविद्यालय, लोनावाला	21.3.2006 तक
25	श्री रमेश कुमार, कुलसचिव और कार्य परिषद् के सचिव	30.9.2006 तक
26	श्री अवैस अहमद, कुलसचिव और कार्य परिषद् के सचिव	30.9.2006 से

ग. विद्या परिषद के सदस्य
(1.4.2005 से 31.3.2006 तक)

01	प्रो. जी.के. चड्ढा, कुलपति	अध्यक्ष 9.6.2005 तक
02	प्रो. बी.बी. भट्टाचार्य, कुलपति	अध्यक्ष 30.6.2005 से
03	प्रो. बलवीर अरोड़ा, कुलदेशिक	29.6.2005 तक और प्रोफेसर वर्ग के अन्तर्गत पुनः 11.3.2006 से
04	प्रो. राजेन्द्र प्रसाद, कुलदेशिक	9.8.2005 से और प्रोफेसर वर्ग के अन्तर्गत 8.8.2005 तक
05	प्रो. राजीव के. सक्सेना, कुलदेशिक	6.6.2005 तक
06	प्रो. आर.एन.के. बामजेई	
07	प्रो. मनमोहन अग्रवाल	
08	प्रो. आर.पी. सेनगुप्ता	20.9.2005 तक
09	प्रो. अमिताभ कुन्डू	21.9.2005 से
10	ए.के. बासु	
11	प्रो. जे. बिहारी	
12	प्रो. कर्मेषु	23.7.2005 तक
13	प्रो. एस. बालासुन्दरम्	24.7.2005 से
14	प्रो. एच.बी. बोहिदार	5.12.2005 तक
15	प्रो. संजय पुरी	6.12.2005 से
16	प्रो. ज्योतिन्द्र जैन	30.6.2005 तक
17	प्रो. अनिल भट्टी	1.7.2005 से
18	प्रो. आलोक भट्टाचार्य	
19	प्रो. राजेन्द्र डेंगले	31.8.2005 तक
20	प्रो. आर.के. काले	
21	प्रो. ऐहसानुल हक़	21.9.2005 से 18.11.2005 तक
22	प्रो. वी.के. जैन	
23	प्रो. वरुण कुमार साहनी	
24	प्रो. ए.के. दुबे	3.10.2005 से
25	डॉ. मुत्तैया एम. कोगानूरामथ (पुस्तकालयाध्यक्ष)	
26	प्रो. सी.एस. राज	
27	प्रो. मनोज पंत	10.11.2005 तक
28	प्रो. अमित एस. रे	11.11.2005 से
29	डॉ. एच.एस. प्रभाकर	31.1.2006 तक
30	डॉ. अलका आचार्य	1.2.2006 से

31	प्रो. सी.एस.आर. मूर्ती	23.5.2005 तक
32	प्रो. ए.के. पटनायक	
33	प्रो. उमा सिंह	10.4.2005 तक
34	प्रो. एम.पी. लामा	11.4.2005 से
35	प्रो. ए.के. पाशा	21.7.2005 तक
36	प्रो. जी.सी. पंत	22.7.2005 से
37	प्रो. एस.के. झा	28.7.2005 से
38	प्रो. वाई.के त्यागी	28.7.2005 से
39	प्रो. जयति घोष	
35	प्रो. मृदुला मुखर्जी	15.8.2005 तक
41	प्रो. आदित्य मुखर्जी	16.8.2005 से
42	प्रो. सुधा पई	6.1.2006 तक
43	प्रो. गुरप्रीत महाजन	7.1.2006 से
44	डॉ. पी.एन. देसाई	
45	डॉ. रितु प्रिया मेहरोत्रा	21.1.2006 तक
46	प्रो. के.आर. नायर	22.1.2006 से
47	प्रो. आनन्द कुमार	6.11.2005 तक
48	प्रो. अविजित पाठक	7.11.2005 से
49	प्रो. बी.के. खादरिया	12.5.2005 तक
50	प्रो. ए.के. मोहन्ती	13.5.2005 से
51	प्रो. एम.डी. विमूरी	8.8.2005 तक
52	प्रो. सरस्वती राजू	9.8.2005 से
53	प्रो. सत्य पी. गौतम	
54	प्रो. एस.ए. रहमान	
55	प्रो. एस.ए. हसन	30.11.2005 तक
56	प्रो. ज़ेड.एस. काजमी	1.12.2005 से
57	प्रो. रेखा वैद्याराजन	
58	प्रो. शंकर बासु	
59	प्रो. एस.पी. गांगुली	
60	प्रो. के. मादवन	5.12.2005 तक
61	प्रो. किरण चौधरी	6.12.2005 से
62	प्रो. मो. शाहिद हुसैन	
63	प्रो. एस.के. सरीन	31.7.2005 तक
64	प्रो. मकरन्द आर. प्रांजपे	1.8.2005 से
65	प्रो. सुषमा जैन	
66	डॉ. सबरी मित्रा	
67	डॉ. अमित प्रकाश	
68	प्रो. पी.के.एस. पाण्डेय	10.2.2006से
69	प्रो. सन्तोष के. कार	24.4.2005 तक

70	प्रो. उत्तम के. पति	25.4.2005 से
71	डॉ. सी.के. मुखोपाध्याय	5.8.2005 तक पुनः 9.9.2005 से
72	प्रो. शशि प्रभा कुमार	
73	प्रो. आर.आर. शर्मा	30.6.2005 तक
74	प्रो. ओ.पी. बख्शी	1.7.2005 से
75	प्रो. प्रभात पटनायक	10.3.2006 तक
76	प्रो. वसन्त जी. गद्रे	
77	प्रो. पी.के. यादव	10.8.2005 से
78	प्रो. बृज गोपाल	1.1.2006 से
79	प्रो. एन. परिमाला	
80	प्रो. ए.के. रस्तोगी	5.12.2005 तक
81	प्रो. रूपमंजरी घोष	6.12.2005 से
82	प्रो. राकेश भटनागर	24.4.2005 तक
83	प्रो. अपर्णा दीक्षित	25.4.2005 से
84	प्रो. नीरजा गोपाल जयाल	
85	डॉ. गंगनाथ झा	
86	डॉ. सच्चिदानन्द सिन्हा	
87	डॉ. ए. चट्टोपाध्याय	
88	डॉ. के. नटराजन	30.9.2005 तक
89	डॉ. पी.सी. रथ	1.10.2005 से
90	डॉ. ए.एल. रामनाथन	30.11.2005 तक
91	डॉ. सौमित्र मुखर्जी	1.12.2005 से
92	डॉ. सोनाझारिया मिंज	
93	डॉ. सुभाशिष घोष	
94	डॉ. बिष्णुप्रिया दत्त	19.2.2006 तक
95	डॉ0 शुक्ला सावंत	20.2.2006 से
96	डॉ. डी. चौधरी	
97	डॉ. अमिता सिंह	
98	डॉ. जी. मुखोपाध्याय	
99	डॉ. सी. उपेन्द्र राव	18.1.2006 से
100	डॉ. फूलबदन	31.1.2006 तक
101	डॉ. डी.वी. शेखर	1.12.2006 से
102	डॉ. सुचरिता सेन	11.3.2006 तक
103	डॉ. आर. महालक्ष्मी	12.3.2006 से
104	सुश्री मीनू बख्शी	1.6.2005 तक
105	श्री देवेन्द्र रावत	2.6.2005 से
106	डॉ. एस.एस. कॉमथ	17.2.2006 तक
107	डॉ. अश्विनी पारीक	18.2.2006 से
108	डॉ. टी.वी. विजय कुमार	

109	डॉ. इलोरा घोष	
110	डॉ. सत्यब्रत पटनायक	
111	डॉ. ए.एम. लिन	
112	श्री एस.एस. मैत्रा	
113	डॉ. एस.के. धर	5.8.2005 तक
114	डॉ. आर.के. त्यागी	6.8.2005 से 19.12.2005
115	डॉ. सन्तोष कुमार शुक्ल	19.2.2006 तक
116	डॉ. हरि राम मिश्र	20.2.2006 से
117	डॉ. जयवीर सिंह	
118	डॉ. वी. शिवा रेड्डी	
119	डॉ. आर.एस. जोली	
120	डॉ. एस.सी. जोशी	
121	ले. कर्नल एस.के. शर्मा	
122	प्रो. के. नारायणन नायर	
123	डॉ. जे.वी. जख़्मी	23.11.2005 तक
124	डॉ. एस.एल. चपलोट	24.11.2005 से
125	डॉ. अमिताभ मुखोपाध्याय	
126	डॉ. एन. मधुसूदन राव	11.5.2005 से
127	ब्रिगेडियर आर. संगम	
128	कर्नल एच. कृष्णन	
129	प्रो. डी.वी.बी. स्वामी	
130	डॉ. दिनेश के. दीक्षित	
131	ब्रिगेडियर ए.एस. देशपाण्डे	
132	प्रो. एन.वी. मधुसूदन	
133	डॉ. एस.पी.एस. खनूजा	
134	डॉ. सुदीप चट्टोपाध्याय	
135	प्रो. के. सच्चिदानन्दन	
136	प्रो. एस.के. जैन	
137	डॉ. अमरेश बागची	
138	एयर कमाडोर जसजीत सिंह	23.11.2005 तक
139	प्रो. डी.के. श्रीवास्तव	24.11.2005 से
140	डॉ. बी.एल.एस. प्रकाश राव	
141	प्रो. सी.आर. बाबू	
142	प्रो. एस. राय चौधरी	23.11.2005 तक
143	प्रो. जी.के. मेहता	24.11.2005 से
144	श्री एम. मोनी	
145	प्रो. बी.एन. गोस्वामी	
146	श्री रमेश कुमार, कुलसचिव और विद्या परिषद के सचिव	30.9.2006 तक
147	श्री अवैस अहमद, कुलसचिव और विद्या परिषद के सचिव	30.9.2006 से

घ. वित्त समिति के सदस्य

(1.4.2005 से 31.3.2006 तक)

1 प्रो. जी.के. चड्ढा — अध्यक्ष
कुलपति — 9.6.2005 तक
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय

2. प्रो. बी.बी. भट्टाचार्य — अध्यक्ष
कुलपति — 30.6.2005 से
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय

3 श्री सुनील कुमार सिंह
वित्तीय सलाहकार
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

4 श्री एस.के. रे, आई.ए.एस.
वित्तीय सलाहकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
(शिक्षा विभाग)

5 श्री सुनील कुमार, आई.ए.एस.
संयुक्त सचिव (उच्च शिक्षा)
मानव संसाधन विकास मंत्रालय

6 प्रो. एम. गोविन्द राव
निदेशक
राष्ट्रीय लोक वित्त और नीति संस्थान

7 डॉ. आर.के. नायक
संसद सदस्य (राज्य सभा)

8 श्री एम.एस. वर्मा
(भूतपूर्व अध्यक्ष, भारतीय स्टेट बैंक)

9 श्री एस. नन्दक्योलयार — 18.7.2005 तक
वित्त अधिकारी और वित्त समिति के सचिव
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय

10 श्रीमती रेवती बेदी — 16.8.2005 से
वित्त अधिकारी और वित्त समिति की सचिव
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय

शिक्षक

क. विश्वविद्यालय के शिक्षक (31.3.2006 के अनुसार)

1. कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. आर.जी. गुप्ता	1. आर.सी. फोहा	1. टी.वी. विजय कुमार
2. कर्मेषु	2. सुश्री सोनाझरिया मिंज	2. सुशील कुमार
3. के.के. भारद्वाज	3. डी.के. लोबियाल	3. ज़ाहिद रज़ा
4. जी.वी. सिंह	4. देव प्रकाश विद्यार्थी	4. अदिति शरण
5. पी.सी. सक्सेना	5. रमेश कुमार अग्रवाल	
6. सी.पी. कट्टी		
7. एस बालासुन्दरम		
8. सुश्री एन. परिमाला		

2. पर्यावरण विज्ञान संस्थान

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. वी. सुब्रमणियन	1. जे.डी. शर्मा	1. इलोरा घोष
2. वी. राजमणि	2. एस. मुखर्जी	2. पॉलराज
3. जे. सुब्बा राव	3. ए.एल. रामानाथन	3. कृष्ण कुमार
4. सुश्री कस्तूरी दत्ता	4. इन्दु शेखर ठाकुर	
5. जितेन्द्र बिहारी	5. पंडित सुदन खिलारे	
6. वी.के. जैन		
7. बृज गोपाल		
8. कृष्ण गोपाल सक्सेना		
9. सुधा भट्टाचार्य		
10. अरुण के. अत्री		

3. अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान

कनाडियन, यू.एस. और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. सी.एस. राज	1. चिन्तामणि महापात्रा	
2. अब्दुल नफे	2. के.पी. विजय लक्ष्मी	

अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. मनमोहन अग्रवाल	1. भरत देसाई	
2. मनोज पन्त	2. गुरबचन सिंह	
3. आलोकेश बरुआ	3. संगीता बंसल	
4. अमित एस. रे		

पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. लालिमा वर्मा	1. एच.एस. प्रभाकर 2. मधु भल्ला 3. अलका आचार्य	1. डी.वी. शेखर 2. जितेन्द्र उत्तम

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केन्द्र

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. पी.के. पंत 2. अमिताभ मट्टू 3. वरुण साहनी 4. सी.एस.आर. मूर्ति	1. एस.एस. देवड़ा 2. एस.एस. जायसवाल 3. राजेश राजगोपालन 4. येशी चोयदान	1. सिद्धार्थ मल्लवारपू 2. अर्चना नेगी 3. कृष्णेन्द्र मीणा 4. मनीष सीताराम दाबड़े

रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. आर.आर. शर्मा 2. ए.के. पटनायक 3. अनुराधा मित्र चिनॉय	1. तुलसी राम 2. अरुण कुमार मोहंती 3. ताहिर असगर 4. संजय कुमार पाण्डेय	1. फूल बदन 2. प्रीति डी. दास

दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केन्द्र

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. आई.एन. मुखर्जी 2. के. वारिकू 3. दावा टी. नोरबू 4. उमा सिंह 5. एम.पी. लामा	1. गंगनाथ झा 2. पी. सहदेवन 3. मनमोहिनी कौल 4. सविता पाण्डेय 5. शंकरी सुन्दररमण	1. अम्बरीश ढाका 2. संजय कुमार भारद्वाज

पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. गुलशन डायटल 2. जी.सी. पन्त 3. अजय कुमार दुबे 4. ए.के. पाशा	1. एस.एन. मालाकार 2. पी.आर. कुमारस्वामी 3. पी.सी. जैन 4. अनवार आलम	1. ए.के. महापात्रा

यूरोपियन अध्ययन केन्द्र

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. शशि कांत झा 2. आर.के. जैन	1. गुलशन सचदेवा 2. उम्मू सलमा बावा	1. भास्वती सरकार

अंतरराष्ट्रीय विधि अध्ययन केन्द्र

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. वाई.के. त्यागी 2. बी.एस. चिमनी 3. भरत देसाई	1. वी.जी. हेडगे	

अंतरराष्ट्रीय संबंध में एम.ए. पाठ्यक्रम

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. ओ.पी. बख्शी 2. कमल मित्रा चिनॉय		

4. भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान

अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. एस.ए. रहमान 2. मोहम्मद असलम इस्लाही़ 3. फैजुल्लाह फारुकी	1. ए. बशीर अहमद	1. रिज़वानुर रहमान 2. मुजीबुर रहमान

फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. सैय्यद ऐनुल हसन 2. जेड.एस. काजमी	1. अख़्तर मेंहदी	1. एस.ए. हुसैन 2. ए.ए. अंसारी

जापानी और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. पी.के. मोटवानी 2. सुषमा जैन	1. अनीता खन्ना 2. मंजुश्री चौहान 3. पी.ए. जॉर्ज	1. नीरा कोंगरी 2. वी. राघवन 3. रविकेश 4. एम.वी. लक्ष्मी 5. जनश्रुति चन्द्र सेठ

चीनी और दक्षिण–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
	1. प्रियदर्शी मुखर्जी 2. माणिक लाल भट्टाचार्य 3. सबरी मित्रा 4. हेमन्त के. अदलखा 5. बी.आर. दीपक	1. देवेन्द्र रावत 2. दयावंती 3. गीता कोचर

भाषा विज्ञान और अंग्रेजी केन्द्र

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. एच.सी. नारंग 2. अन्विता अब्बी 3. वैश्ना नारंग 4. एस.के. सरीन 5. एम.आर. प्रांजपे 6. पी.के. पाण्डेय	1. जी.जे.वी. प्रसाद 2. फ्रेंसन डी. मंजली 3. सोगाता भादुरी	1. ए. किदवई 2. नवनीत सेठी

फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केन्द्र

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. के. मादवन 2. जी.डी. शिवम 3. शान्ता रामाकृष्णा 4. किरण चौधरी	1. एन. कमला 2. विजयलक्ष्मी राव 3. अभिजीत कारकून	1. एस. शोभा 2. आशिष अग्निहोत्री 3. अजीत कन्ना 4. धीर सारंगी 5. आशा पुरी

जर्मन अध्ययन केन्द्र

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. अनिल भट्टी 2. रेखा वैद्‌याराजन 3. एस.बी. ससालती 4. राजेन्द्र डेंगले	1. आर.सी. गुप्ता 2. मधु साहनी 3. विभा सुराना 4. चित्रा हर्षवर्धन	1. एस. नैथानी 2. प्रणाल चिरमुले

भारतीय भाषा केन्द्र

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. मैनेजर पाण्डेय 2. मोहम्मद शाहिद हुसैन 3. पुरुषोत्तम अग्रवाल 4. चमन लाल	1. वीर भारत तलवार 2. सैय्यद मोहम्मद ए. आलम 3. गोविन्द प्रसाद 4. रंजीत कुमार साहा	1. मज़हर हुसैन 2. डी.के. चौबे 3. के.एम. इकरामुद्‌दीन 4. आर.पी. सिन्हा

रूसी अध्ययन केन्द्र

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. ए.के. बासु 2. वरयाम सिंह 3. रामाधिकारी कुमार 4. शंकर बासु 5. आर.एन. मेनन 6. चरणजीत सिंह	1. मनु मित्तल 2. नासर शकील रूमी 3. रितु मालती जैरथ 4. मीता नारायण	1. किरण सिंह वर्मा 2. अजय कुमार करनाती

स्पेनी, पुर्तगाली, इतालवी और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. वसंत जी. गद्रे 2. एस.पी. गांगुली	1. अपराजित चट्टोपाध्याय 2. ए.के. धींगरा 3. इंद्रानी मुखर्जी	1. मीनू बख्शी 2. एस.के. सन्याल 3. राजीव सक्सेना

5. जीवन विज्ञान संस्थान

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. राजेन्द्र प्रसाद 2. के.सी. उपाध्याय 3. राजीव के. सक्सेना 4. आलोक भट्टाचार्य 5. सुधा महाजन कौशिक 6. आर.एन.के. बामजेई 7. आर.के. काले 8. आर. मधुबाला 9. पी.के. यादव 10. नीरा बी. सरीन 11. बी.एन. मलिक 12. बी.सी. त्रिपाठी	1. एस.के. गोस्वामी 2. के. नटराजन 3. पी.सी. रथ 4. अशीष कुमार नंदी 5. सुप्रिया चक्रवर्ती 6. अजय कुमार सक्सेना 7. श्वेता शरन	1. दीपक शर्मा 2. अश्वनी पारीक 3. एस.एस. कामथ 4. नीलिमा मण्डल 5. एस. गौरीनाथ 6. रोहिनी मुथुस्वामी 7. अतुल कुमार जोहरी

6. आणविक चिकित्सा–शास्त्र विशेष केन्द

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
	1. जी. मुखोपाध्याय 2. सी.के. मुखोपाध्याय 3. आर.के. त्यागी 4. एस.के. धर	

7. भौतिक विज्ञान संस्थान

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. दीपक कुमार 2. आर. रामास्वामी 3. अखिलेश पाण्डेय 4. ए.के. रस्तोगी 5. एच.बी. बोहिदार 6. संजय पुरी 7. रूपमंजरी घोष 8. शंकर प्रसाद दास 9. सुबीर कुमार सरकार	1. एस.एस.एन. मूर्ति 2. प्रसनजीत सेन 3. सुभाशीष घोष	1. एस. पटनायक 2. बृजेश कुमार

8. सामाजिक विज्ञान संस्थान

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केन्द्र

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. अंजन मुखर्जी	1. सुगातो दासगुप्ता	1. अर्चना अग्रवाल
2. उत्सा पटनायक	2. पी.के. झा	2. विकास रावल
3. प्रभात पटनायक	3. अरिजीत सेन	3. सुब्रता गुहा
4. रामप्रसाद सेन गुप्ता	4. राम सिंह	4. अशोक
5. दीपक नैय्यर		
6. एस.के. जैन		
7. अभिजीत सेन		
8. डी.एन. राव		
9. सी.पी. चन्द्रशेखर		
10. अरुण कुमार		
11. जयती घोष		
12. के.जी. दस्तीदार		
13. पी.के. चौधरी		

ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. नीलाद्री भट्टाचार्य	1. योगेश शर्मा	1. जोय एल.के. पचाऊ
2. तनिका सरकार	2. एच.पी. रे	2. आर. महालक्ष्मी
3. दिलबाग सिंह	3. कुम कुम राय	3. हीरामन तिवारी
4. एम.एच. सिद्दीकी	4. इंदीवर काम्तेकर	4. ज्योति अटवाल
5. मृदुला मुखर्जी	5. राधिका सिंह	
6. आदित्य मुखर्जी	6. सैयद नजफ हैदर	
7. रजत दत्ता	7. सुचेता महाजन	
8. कुणाल चक्रवर्ती		
9. भगवान सिंह जोश		
10. रणबीर चक्रवर्ती		
11. विजय रामास्वामी		

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केन्द्र

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. ए.एच. किदवई	1. सच्चिदानन्द सिन्हा	1. सुचरिता सेन
2. एस.के. नांगिया	2. अतुल सूद	2. ए. बन्धोपाध्याय
3. एम.एच. कुरेशी	3. मिलाप चन्द शर्मा	3. डी.एन. दास
4. हरजीत सिंह	4. दीपक कुमार मिश्रा	4. पदमिनी पणि
5. एस.के. थोरट	5. एस. श्रीकेश	
6. असलम महमूद		
7. आर.एस. श्रीवास्तव		
8. अमिताभ. कुन्डू		
9. सरस्वती राजू		
10. आर.के. शर्मा		
11. एम.डी. विमूरी		
12. पी.एम. कुलकर्णी		
13. बलबीर सिंह बुटोला		

राजनीतिक अध्ययन केन्द्र

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. बलबीर अरोड़ा	1. विधु वर्मा	1. ए. गजेन्द्रन
2. सुधा पई	2. पी.आर. कानूनगो	2. टी.जी. सुरेश
3. जोया हसन	3. शेफाली झा	3. आशा सारंगी
4. आर.के. गुप्ता		4. राहुल मुखर्जी
5. गुरप्रीत महाजन		
6. वी. रोड्रीग्स		
7. गोपाल नारायण गुरु		

विज्ञान नीति अध्ययन केन्द्र

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. वी.वी. कृष्णा	1. पी.एन. देसाई	1. सरदिंदु भादुरी
		2. रोहन डी'सूज़ा
		3. माधव गोविंद

सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. इमराना क़ादिर	1. रामा वी. बारू	1. अलपना दया सागर
2. के.आर. नायर	2. रितु प्रिया मेहरोत्रा	2. राजीब दासगुप्ता
3. मोहन राव	3. संघमित्रा शील आचार्य	3. सुनीता रेड्डी

सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. एम.एन. पाणिनी 2. दीपांकर गुप्ता 3. नन्दू राम 4. ऐहसानुल हक 5. आनन्द कुमार 6. अविजित पाठक 7. तिपलुत नोंगब्री 8. मैत्रेय चौधरी 9. एस. विश्वनाथन	1. रेणुका सिंह 2. एस.एस. जोधका 3. वी. सुजाथा	1. अमित के. शर्मा 2. नीलिका मेहरोत्रा 3. विवेक कुमार 4. हरीश नारायणदास

जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. बी.के. खादरिया 2. दीपक कुमार 3. ए.के. मोहन्ती 4. गीता बी. नाम्बिसन	1. ध्रुव रैना 2. सोमन चट्टोपाध्याय 3. मिनाती पण्डा	1. एस.एस. राव

दर्शनशास्त्र केन्द्र

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. आर.पी. सिंह 2. एस.पी. गौतम	1. भगत ओयनम	1. मनदीपा सेन

महिला अध्ययन कार्यक्रम

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
	1. मेरी ई. जॉन	

9. जैव–प्रौद्योगिकी केन्द्र

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. राकेश भटनागर 2. संतोष कार 3. उत्तम के. पति 4. अपर्णा दीक्षित 5. राजीव भट्ट	1. के.जे. मुखर्जी 2. डी. चौधरी	1. एस.एस. मैत्रा

10. विश्वविद्यालय विज्ञान यंत्रीकरण केन्द्र

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. एस.के. शर्मा		

11. प्रौढ़ शिक्षा ग्रुप

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. एस.वाई. शाह	1. एम.सी. पॉल	

12. विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. नीरजा गोपाल जयाल	1. अमित प्रकाश 2. अमिता सिंह	1. जयवीर सिंह 2. जेनिफर जलाल

13. सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
		1. ए.एम. लिन

14. संस्कृत अध्ययन केन्द्र

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. शशि प्रभा कुमार	1. सी. उपेन्द्र राव	1. रजनीश कुमार मिश्र 2. सन्तोष कुमार शुक्ल 3. हरी राम मिश्र 4. राम नाथ झा 5. गिरीश नाथ झा

15. कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
1. ज्योतिन्द्र जैन	1. कविता सिंह 2. बिष्णुप्रिया दत्त 3. शुक्ला सावंत 4. एच.एस. शिव प्रकाश 5. इरा भास्कर	

ख. इमेरिटस/ऑनरेरी प्रोफेसर

(31.3.2006 के अनुसार)

इमेरिटस प्रोफेसर

I. अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान

1. प्रोफेसर एम.एस. राजन
2. प्रोफेसर आर.पी. आनन्द
3. प्रोफेसर एम.एस. वेंकटरमानी

II. भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान

1. प्रोफेसर नामवर सिंह
2. प्रोफेसर मोहम्मद हसन
3. प्रोफेसर एस. डे
4. प्रोफेसर एच.एस. गिल
5. प्रोफेसर के.एन. सिंह

III. जीवन विज्ञान संस्थान

1. प्रोफेसर पी.एन. श्रीवास्तव

IV. सामाजिक विज्ञान संस्थान

1. प्रोफेसर रोमिला थापर
2. प्रोफेसर बिपिन चन्द्रा
3. प्रोफेसर जी.एस. भल्ला
4. प्रोफेसर तापस मजूमदार
5. प्रोफेसर योगेन्द्र सिंह
6. प्रोफेसर डी. बनर्जी

V. भौतिक विज्ञान संस्थान

1. प्रोफेसर आर. राजारमन

ऑनरेरी प्रोफेसर

क्र.सं.	नाम	केन्द्र/संस्थान
1.	प्रो. मनमोहन सिंह	क्षे.वि.अ.कें./सा.वि.सं.
2.	प्रो. वाई.के. अलघ	क्षे.वि.अ.कें./सा.वि.सं.
3.	प्रो. एस.के. खन्ना	क्षे.वि.अ.कें./सा.वि.सं.
4.	प्रो. जे.एन. कपूर	कं.प.वि.सं.

ग. 1.4.2005 से 31.3.2006 के दौरान नियुक्त शिक्षकों की सूची

प्रोफेसर

क्र.सं.	नाम व पदनाम	केन्द्र / संस्थान
1	प्रो. चमन लाल	भा.भा.के. / भा.सा.सं.अ.कें.

एसोसिएट प्रोफेसर

क्र.सं.	नाम व पदनाम	केन्द्र / संस्थान
1	डॉ. अरुण कुमार मोहन्ती	अं.अ.सं.
2	डॉ. श्वेता शरण	जी.वि.सं.
3	डॉ. आर.के. त्यागी	आ.चि.शा.वि.कें.
4	डॉ. एस.के. धर	आ.चि.शा.वि.कें.
5	डॉ. बृजेश कुमार	भौ.वि.सं.
6	डॉ. सी. उपेन्द्र राव	कं.प.वि.सं.
7	डॉ. इरा भास्कर	क.सौ.शा.सं.

सहायक प्रोफेसर

क्र.सं.	नाम व पदनाम	केन्द्र / संस्थान
1	डॉ. रश्मि बंगा	अं.अ.सं.
2	डॉ. जितेन्द्र उत्तम	अं.अ.सं.
3	डॉ. गीता कोचर	अं.अ.सं.
4	डॉ. धीर सारंगी	भा.सा.सं.अ.सं.
5	डॉ. आशा पुरी	भा.सा.सं.अ.सं.
6	डॉ. परमल चिरमुलै	भा.सा.सं.अ.सं.

घ. 1.4.2005 से 31.3.2006 के दौरान पुनर्नियुक्ति की अवधि समाप्त होने पर अंतिम रूप से सेवानिवृत्त शिक्षकों की सूची

क्र.सं.	नाम व पदनाम	केन्द्र / संस्थान
1	प्रो. जी.पी. मलिक	प.वि.सं.
2	प्रो. आर.एल. चावला	अं.अ.सं.
3	प्रो. नज़मा जहीर बाक़र	जी.वि.सं.
4	प्रो. करुणा चानना	सा.वि.सं.
5	प्रो. डी.के. बनर्जी	प.वि.सं.
6	प्रो. एस.के. दास	अं.अ.सं.
7	प्रो. एस.जे. हवेवाला	भा.सा.सं.अ.सं.
8	प्रो. आर. तोमर	भा.सा.सं.अ.सं.
9	प्रो. कपिल कपूर	भा.सा.सं.अ.सं.
10	प्रो. एच.सी. पाण्डेय	भा.सा.सं.अ.सं.
11	प्रो. ए. पार्थासारथी	सा.वि.सं.
12	प्रो. एस.डी. मुनि	अं.अ.सं.

च. 1.4.2005 से 31.3.2006 के दौरान सेवानिवृत्त शिक्षकों की सूची

क्र.सं.	नाम व पदनाम	केन्द्र/संस्थान
1	प्रो. आशिष दत्ता	जी.वि.सं.
2	प्रो. एम.एन. पाणिनी	सा.वि.सं.
3	प्रो. ज्योतिन्द्र जैन	क.सौ.शा.सं.
4	प्रो. एस.आई. हसनैन	प.वि.सं.
5	प्रो. नसीर अहमद खान	भा.सा.सं.अ.सं.
6	प्रो. एच.सी. पाण्डेय	भा.सा.सं.अ.सं.

छ. 1.4.2005 से 31.3.2006 के दौरान त्याग–पत्र देने वाले शिक्षक

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	केन्द्र/संस्थान
1	प्रो. सी. राजमोहन	अं.अ.सं.
2	डॉ. मौसमी दास, सहायक प्रोफेसर	सा.वि.सं.
3	डॉ. शालिनी सक्सेना, सहायक प्रोफेसर	सा.वि.सं.
4	डॉ. रश्मि बंगा, एसोसिएट प्रोफेसर	अं.अ.सं.
5	डॉ. शशि कुमार धीमन, सहायक प्रोफेसर	भौ.वि.सं.

ज. 1.4.2005 से 31.3.2006 के दौरान पुनर्नियुक्त शिक्षक

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	केन्द्र/संस्थान
1	प्रो. कस्तूरी दत्ता	प.वि.सं.
2	प्रो. आई.एन. मुखर्जी	अं.अ.सं.
3	प्रो. आर.आर. शर्मा	अं.अ.सं.
4	प्रो. शान्ता रामकृष्णन	भा.सा.सं.अ.सं.
5	प्रो. एस.सी. नारंग	भा.सा.सं.अ.सं.
6	प्रो. एम.एन. पाणिनी	सा.वि.सं.

झ. 1.4.2005 से 31.3.2006 के दौरान स्थायी हुए शिक्षक

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	पदनाम	केन्द्र/संस्थान
1	प्रो. किरण चौधरी	प्रोफेसर	अं.अ.सं.
2	प्रो. के.आर. नायर	प्रोफेसर	सा.वि.सं.
3	प्रो. अविजित पाठक	प्रोफेसर	सा.वि.सं.
4	प्रो. गोपाल नारायण गुरू	प्रोफेसर	सा.वि.सं.
5	प्रो. अरुण कुमार अत्री	प्रोफेसर	प.वि.सं.
6	प्रो. अपर्णा दीक्षित	प्रोफेसर	जै.प्रौ.के.
7	डॉ. उम्मू सलमा बावा	एसोसिएट प्रोफेसर	अं.अ.सं.
8	डॉ. येशी चोयदान	एसोसिएट प्रोफेसर	अं.अ.सं.
9	डॉ. एस. गौरीनाथ	एसोसिएट प्रोफेसर	जी.वि.सं.
10	डॉ. राजेश राजगोपालन	एसोसिएट प्रोफेसर	अं.अ.सं.
11	डॉ. भगत ओयनाम	एसोसिएट प्रोफेसर	दर्शन.शा.के.
12	डॉ. गोविन्द प्रसाद	एसोसिएट प्रोफेसर	भा.सा.सं.अ.सं.
13	डॉ. सैयद नजफ हैदर	एसोसिएट प्रोफेसर	सा.वि.सं.
14	डॉ. विभा सुराणा	एसोसिएट प्रोफेसर	भा.सा.सं.अ.सं.
15	डॉ. बी.आर. दीपक	एसोसिएट प्रोफेसर	अं.अ.सं.
16	डॉ. रनजीत कुमार साहा	एसोसिएट प्रोफेसर	भा.सा.सं.अ.सं.
17	डॉ. डी.के. लोबियाल	एसोसिएट प्रोफेसर	कं.प.वि.सं.
18	डॉ. संगीता बंसल	एसोसिएट प्रोफेसर	अं.अ.सं.
19	डॉ. वी.जी. हेडगे	एसोसिएट प्रोफेसर	अ.अ.सं.
20	डॉ. आशिष कुमार नन्दी	एसोसिएट प्रोफेसर	जी.वि.सं.
21	डॉ. सुमन चट्टोपाध्याय	एसोसिएट प्रोफेसर	सा.वि.सं.
22	डॉ. सुप्रिया चक्रबर्ती	एसोसिएट प्रोफेसर	जी.वि.सं.
23	डॉ. देव प्रकाश विद्यार्थी	एसोसिएट प्रोफेसर	कं.प.वि.सं.
24	डॉ. वी. सुजाता	एसोसिएट प्रोफेसर	सा.वि.सं.
25	डॉ. इन्दु शेखर ठाकुर	एसोसिएट प्रोफेसर	प.वि.सं.
26	डॉ. दीपक कुमार मिश्रा	एसोसिएट प्रोफेसर	सा.वि.सं.
27	डॉ. अजय कुमार सक्सेना	एसोसिएट प्रोफेसर	जी.वि.सं.
28	डॉ. अर्चना नेगी	सहायक प्रोफेसर	अं.अ.सं.
29	डॉ. सुनीता रेड्डी	सहायक प्रोफेसर	सा.वि.सं.
30	डॉ. प्रीति डी. दास	सहायक प्रोफेसर	अं.अ.सं.
31	डॉ. सिद्धार्थ मल्लावारकू	सहायक प्रोफेसर	अं.अ.सं.
32	डॉ. रोहिणी मुथुस्वामी	सहायक प्रोफेसर	जी.वि.सं.
33	डॉ. नीलिमा मंडल	सहायक प्रोफसर	जी.वि.सं.
34	श्री अजय कुमार करनाती	सहायक प्रोफेसर	भा.सा.सं.अ.सं.
35	डॉ. राजीब दासगुप्ता	सहायक प्रोफेसर	सा.वि.सं.

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	पदनाम	केन्द्र/संस्थान
36	डॉ. किरण सिंह वर्मा	सहायक प्रोफेसर	भा.सा.सं.अ.सं.
37	डॉ. मौसमी दास	सहायक प्रोफेसर	सा.वि.सं
38	डॉ. मनदीपा सेन	सहायक प्रोफेसर	सा.वि.सं.
39	श्री सुशील कुमार	सहायक प्रोफेसर	कं.प.वि.सं.
40	डॉ. हरीश नारायणदास	सहायक प्रोफेसर	सा.वि.सं.
41	डॉ. टी.वी. विजय कुमार	सहायक प्रोफेसर	कं.प.वि.सं.
42	डॉ. अदिति शरण	सहायक प्रोफेसर	कं.प.वि.सं.
43	डॉ. पदमिनी पणि	सहायक प्रोफेसर	सा.वि.सं.
44	श्री ज़ाहिद रज़ा	सहायक प्रोफेसर	कं.प.वि.सं.
45	डॉ. सुब्रता गुहा	सहायक प्रोफेसर	सा.वि.सं.
46	श्री अशोक	सहायक प्रोफेसर	सा.वि.सं.
47	डॉ. अतुल कुमार जौहरी	सहायक प्रोफेसर	जी.वि.सं.
48	डॉ. इलोरा घोष	सहायक प्रोफेसर	प.वि.सं.
49	डॉ. आर. पालराज	सहायक प्रोफेसर	प.वि.सं.

ट. 1.4.2005 से 31.3.2006 के दौरान स्वैच्छिक रूप से सेवानिवृत्त हुए शिक्षक

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	केन्द्र/संस्थान
1	प्रो. राजीव भार्गव	सा.वि.सं.
2	प्रो. बी.एन. महापात्रा	सा.वि.सं.

परिशिष्ट III

शोध छात्रों को प्रदान की गई उपाधियाँ
(1.4.2005 से 31.3.2006 तक)

पी–एच.डी.

कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान

1. श्री खालिद अहमद अबूद उमर, "लोकेशन डाटाबेस अपडेट स्कीम्स इन मोबाइल अड हॉक नेटवर्क्स", डॉ. डी.के.लोबियाल, 29.04.2005
2. श्री फदल मुताहर मुहसेन बा–अलवी,"डिसकवरी ऑफ हीरारकीकल प्रोडक्शन रूल विद एक्सेप्शंस", प्रोफेसर के.के. भारद्वाज, 29.04.2005
3. श्री देबाश्री गोस्वामी,"स्टडी ऑफ ट्रेन्सिअन्ट बिहेवियर इन इनोवेशन डिफ्यूजिअन अन्डर पेरामेट्रिक अनसरटेनिटी : माडलिंग सिम्यूलेशन ऐंड इम्पीरीकल वेलीडेशन", प्रोफेसर कर्मेषु, 28.04.2005
4. श्री राजीव अग्रवाल,"माडलिंग ऑफ वायरलेस कम्यूनिकेशन चेनल्स : फेडिंग – शेडोविंग आस्पेक्ट्स", प्रोफेसर कर्मेषु, 08.07.2005
5. श्री आनन्द प्रकाश रुहिल,"पोजीशन बेस्ड लोकलाइज्ड रुटिंग इन मोबाइल एड–हाक नेटवर्क", डॉ डी.के.लोबियाल, 15.09.2005
6. श्री सतीश चन्द, "माडलिंग ऑफ बफर स्टोरेज फॉर वीडियो डाटा विद स्पेशल रेफ्रेंस टू जिटर डिले",डॉ. डी.के. लोबियाल, 30.09.2005
7. सुश्री रजनी जैन, "रफ सेट बेस्ड डिसीजन ट्री इन्डक्शन फॉर डाटा माइनिंग",डॉ. सोनाझरिया मिंज, 02.12.2005

जीवन विज्ञान संस्थान

8. सुश्री अन्जू प्रीत, "रिवर्सल, मैनेजमेंट ऑफ डायबेटिक कम्पेटीकेशंस बाई वेनेडियम ऐंड प्लांट प्रोडक्ट्स", प्रोफेसर एन. जेड. बाक़र और प्रोफेसर पी.के. यादव (सह निर्देशक), 08.04.2005
9. सुश्री पूनम तिवारी, "रोल ऑफ इम्यूनोस्टीम्यूलेट्री ओलगोडेआक्सीन्यूक्लिओटाइड्स ऐंड लीशमानिअल एन्टिजीन्स इन कंफरिंग प्रोटेक्टिव इम्यूनिटी इन माइस इनफेक्टिड विद लीशमानिआ डानोवानी", प्रोफेसर आर. मधुबाला, 12.05.2005
10. सुश्री दिव्या वत्स, " मालक्यूलर ऐंड बायोकेमीकल करेक्ट्राइजेशन ऑफ जीपीआई–ऐंकर्स इन एंटामोइबा हिस्टोलिटिका", प्रोफेसर आलोक भट्टाचार्य, 07.06.2005
11. श्री मुकेश सक्सेना, "माड्यूलेशन ऑफ एक्सप्रेशन ऑफ ग्लाइऑक्सेलेस I ऐंड ग्लाइऑक्सेलेस II इन ट्रांसजेनिक ब्रैसिका जन्सिया", प्रोफेसर नीरा भल्ला सरीन और प्रोफेसर एस.के. सपोरी (सह निर्देशक),24.06.2005
12. सुश्री इन्दु राजामोहन चन्द्रशेखर, "स्ट्रकचरल करेक्ट्राइजेशन ऑफ न्यूरोकिनिन–2 रिसेप्टर सलेक्टिव पेप्टाइड एगोनिस्ट्स : ए मालक्यूलर माडलिंग ऐंड स्पेक्ट्रोस्कोपिक इनवेस्टीगेशन", प्रोफेसर सुधा एम. कौशिक,20.07.2007
13. श्री नीलाकांतन टी.वी., "रोल ऑफ एपी–1 ऐंड इट्स एसोसिएटिड प्रोटींस इन कार्डिअक मसल जीन एक्सप्रेशन", डॉ. एस.के. गोस्वामी, 11.08.2005
14. सुश्री ईस्टर मेंडिज, "केमोमोड्यूलेशन ऑफ एमसीए–इन्ड्यूस्ड सरवाइकल कारसिनोजेनिसिस इन मुरिन मॉडल सिस्टम", प्रोफेसर आर.के. काले और प्रोफेसर ए.आर. राव (सेवा–निवृत्त) (सह निर्देशक), 16.03.2005

15. सुश्री विभति गुप्ता, "जेनेटिक सस्सेप्टीबिलिटी टू हेपटीटाइज बी : रोल ऑफ फंगशनल पोलीमोरफिज्म्स इन रेग्युलेटरी रीजंस ऑफ एफएएस, टीजीएस–बीइटीएआई, आईएल–6 ऐंड टीएनएफ–अल्फा", प्रोफेसर आर.एन.के.बामजेई, 22.09.2005

16. सुश्री विभा मदान, "बायोकेमीकल आइडेंटीफिकेशन ऐंड फिजिओलाजीकल माड्यूलेशन ऑफ ए सीरम प्रोटीन दैट डिक्रीजिज आफ्टर रेपिड आई मूवमेंट (रेम) स्लीप डेप्रीवेशन इन रैट्स", प्रोफेसर बी.एन. मलिक,29.09.2005

17. श्री अली अब्दुल लतीफ अली, "करेक्ट्राइजेशन ऑफ केनडिडा स्पेसीज आइसोलेटिड फ्राम किलीनिकल सैम्पल्स विद स्पेशल रिफ्रेंस टू केनडिडा अलबीकेंस", प्रोफेसर आर. प्रसाद, प्रोफेसर एन.जैड. बाकर और डॉ. उमा बैनर्जी (एम्स) (सह निर्देशक), 18.10.2005

18. सुश्री विभा रानी, "आइसोलेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन ऑफ नॉवल ट्रांसक्रिप्शन फेक्टर टारगेट साइट्स ऐंड देयर कोगनेट फेक्टर्स फ्राम चिक एम्ब्रयोनिक हर्ट", डॉ. एस. के. गोस्वामी, 10.10.2005

19. श्री धीरज मल्होत्रा, "जिनेटिक प्रिडिसपोजीशन टू लिप्रोसी : ए स्टडी ऑफ फंगशनल पोलीमोरफिज्म्स इन केंडिडेट जींस इनवाल्व्ड इन इननेट ऐंड एडेप्टिव इम्यूनिटी इन लिप्रोसी", प्रोफेसर आर.एन.के.बामजेई, 07.11.2005

20. नासेर जेबर यूसफ शोली,"रिजेनरेशन ऐंड ट्रांसफारमेशन ऑफ बनाना (मुसा स्प.)", प्रोफेसर नीरा भल्ला सरीन, 07.12.2005

21. सुश्री किरण बाला, "इफेक्ट ऑफ गारलिक ऐंड टरमेरिक एक्सट्रेक्ट्स ऐंड देयर फंगशनल कम्पोनेंट डाइएलिलसलफाइड ऐंड करक्यूमिन रेकपेक्टिवली ऑन अगैन रैट ब्रेन", डॉ. दीपक शर्मा और प्रोफेसर बी.सी. त्रिपाठी (सह निर्देशक), 05.01.2006

22. श्री अनिल कुमार मनथा, "द रोल ऑफ न्यूरोकिनिन बी (एनकेबी) ऐंड एमीलोइड बेटा प्रोटीन फ्रेगमेंट (25–35) इन मालक्यूलर ऐंड बायोकेमिकल कोरिलेट्स इन एजिंग ब्रैन फंगशंस", प्रोफेसर सुधा एम. कौशिक और प्रोफेसर नजमा जैड. बाकर (सह निर्देशक), 25.01.2006

23. सुश्री रश्मी सिंह, "रौल ऑफ अपस्ट्रीम सीक्वेंस एलीमेंट इन द एक्सप्रेशन ऑफ एटकाएम5 (केलमाड्यूलिन)जीन ऑफ अराबिडोपसिस", प्रोफेसर के.सी. उपाध्याय, 03.02.2006

24. सुश्री तुहिना गुप्ता, "लोकलाइज्ड इम्यून रिसपोन्सिस इन लंग्स ऑफ माइस इन्ट्राट्रेचिअली इनइफेक्टिड विद बीसीजी (बेसिलस केल्मेट–गेरैन) : माड्यूलेशन बाइ एयर बोर्न फाइन पार्टिकुलेट मैटर", प्रोफेसर राजीव के. सक्सेना, 10.02.2006

25. सुश्री अलका मेहरा, "स्टडी ऑफ सेल सरफेस माल्क्यूल्स ऑफ एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका", प्रोफेसर आलोक भट्टाचार्य, 23. 02.2006

26. सुश्री पूर्णिमा जैसवाल, "ट्रांसक्रिप्ट प्रोफाइलिंग ऐंड करेक्ट्राइजेशन ऑफ जीन्स चिकपिआ–ऐस्कोकाइटा इन्टरएक्श", प्रोफेसर के.सी. उपाध्याय और डॉ. पी.के. वर्मा (सह निर्देशक), 14.03.2006

27. श्री प्रभात कुमार मंडल, "करेक्ट्राइजेशन ऑफ रिट्रोट्रांसपोशंस इन एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका", प्रोफेसर आलोक भट्टाचार्य, 31.03.2006

पर्यावरण विज्ञान संस्थान

28. श्री विश्वनाथ बिशोई, "ए स्टडी ऑन एयर क्वालिटी इंडेक्स ऐंड इट्स रिलेशनशिफ विद मिटीऑरोलॉजीकल पैरामीटर्स इन दिल्ली", प्रोफेसर वी.के. जैन, 11.05.2005

29. श्री बीर अभिमन्यु कुमार, "रिमोट सेंसिंग ऐंड जिओग्राफिक इन्फारमेशन सिस्टम (जीआईएस) बेस्ड इंटीग्रेटिड स्टडी इन ए पार्ट ऑफ कोस्टल वेस्ट बैंगाल फॉर नेचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट", डॉ. सौमित्रा मुखर्जी, 21.04.2005

30. सुश्री सुदर्शना चन्द्रायन, "लैंड डिस्पोसल ऑफ इन्डस्ट्रियल वेस्ट ऑफ वजीरपुर, दिल्ली : अवेलेबिलिटी ऐंड अपटेक ऑफ फास्फोरस ऐंड सम सलेक्टिड हैवी मैटल बाई वीट ऐंड पी प्लांट्स", प्रोफेसर ए.के. भट्टाचार्य, 26.05.2005

31. सुश्री सुतापा बोस, "लैंड डिस्पोसल ऑफ इन्डस्ट्रियल वेस्ट ऑफ वजीरपुर, दिल्ली : अवेलेबिलिटी ऐंड अपटेक नाइट्रोजन ऐंड सम सलेक्टिड हैवी मैटल बाई वीट ऐंड पी प्लांट्स", प्रोफेसर ए.के. भट्टाचार्य, 26.05.2005

32. सुश्री जोयस वांजीरु नजेंगा, "द जिओकेमिस्ट्री ऑफ द सेडीमेंट्स ऑफ थ्री ट्रापीकल लेक्स : नकुरु, नैवाशा (कीनिया) ऐंड कोलेरु (इंडिया)", प्रोफेसर वी. सुब्रमणियन, 08.08.2005

33. श्री अभय प्रताप सिंह, "वीओसीज (वोलेटाइन आर्गेनिक कंपाउंड्स) एमीशन फ्राम ट्रापीकल ट्री स्पेसीज", प्रोफेसर सी.के. वार्ष्णेय, 19.09.2005

34. श्री बाल कृष्ण प्रसाद, "न्यूट्रिएंट डाइनेमिक्स इन द पिचावारम मेन्ग्राव्स, साउथ ईस्ट कोस्ट ऑफ इंडिया", डॉ. ए.एल. रामनाथन, 05.12.2005

35. सुश्री श्वेता श्रीवास्तव, "आइडेंटिफिकेशन ऑफ स्ट्रेन्स ऑफ एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका ऐंड एन्टामोइबा डिस्पर फ्राम नेचुरल आइसोलेट्स", प्रोफेसर सुधा भट्टाचार्य, 13.01.2006

36. श्री अभिजीत अनिल बाके, "कम्पेरेटिव ऐंड फंगशनल एनालिसिस ऑफ एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका जिनोम", प्रोफेसर सुधा भट्टाचार्य, 30.01.2006

37. श्री श्रेष्ठ तयाल, "डाइ ट्रेसर इन्वेस्टीगेशन ऑफ ग्लेसियर हाइड्रोलाजिकल सिस्टम्स", प्रोफेसर एस.आई. हसनैन और डॉ. ए.एल. रामनाथन (सह निर्देशक), 31.01.2006

भौतिक विज्ञान संस्थान

38. श्री बिश्वरंजन मलिक, "इन्डो–यूएस रिलेशंस : अपॉर्च्यूनिटीज ऐंड चेलैंजिज इन ए चेजिंग इन्टरनेशनल ऑर्डर सिंस 1991", डॉ. राहुल मुखर्जी, 30.05.2005

39. श्री मोहम्मद शाहिन टी.एच., "क्रिटिकल स्टडी ऑफ प्राइमरी ऐंड सेकंडरी रिलेक्सशेसन प्रोसेसिस इन रिलेक्सशेसन प्रोसेस्ड इन वैरियस 'ग्लास' फॉरमिंग सिस्टम्स", डॉ. एस.एस.एन. मूर्ति, 13.06.2005

40. श्री नवेन्दु गोस्वामी, "ग्रोथ ऑफ जिंक सलफाइड ऐंड केडिमियम सलफाइड नेनोपार्टिकल्स, नॉवल सिंथेसिस ऐंड करेक्ट्राइजेशन", डॉ. प्रसनजीत सेन, 01.02.2006

41. श्री शोभा कान्त लेमीछन, "एमइएमएस : रिसपोन्स ऑफ ए स्ट्रैन्ड सिलीकॉन सेमीकंडक्टर स्ट्रक्चर", डॉ. प्रसनजीत सेन, 23.02.2006

42. श्री हाफिज ए खुर्रम, "स्टडी ऑफ सम कोहिरेंट प्रोसेसिस इन्वाल्विंग नॉनलीनियर इन्टरएक्शन ऑफ लाइट विद मैटर", प्रोफेसर आर. घोष, 30.03.2006

जैव–प्रौद्योगिकी केन्द्र

43. श्री राजवीर सिंह, "स्टडी ऑफ द इम्यूनोमॉड्यूलेटरी प्रापर्टीज ऑफ एक्सट्रेक्ट्स ऑफ ट्रिडेक्स प्रोकम्बेंस लीव्स", प्रोफेसर एस.के. कार, 08.08.2005

44. श्री अमरदीप खुशू, "स्टडीज ऑन ओवर एक्सप्रेशन ऑफ रिकम्बीनेंट असपैरागिनेस इन इ–कोली", डॉ. के.जे. मुखर्जी, 30.09.2005

45. सुश्री अली मुरुगेसन, "एन्टी–डाइबिटिक प्रिंसीपल(स) फ्राम मोमोरडिका (बिटर गॉर्ड) : आइसोलेशन, प्यूरिफिकेशन, करेक्ट्राइजेशन ऐंड मैकेनिज्म ऑफ एक्शन", प्रोफेसर अपर्णा दीक्षित, 09.01.2006

46. सुश्री पूनम श्रीवास्तव, "डिवलपमेंट ऑफ बायोप्रोसेस स्ट्रेटिजीज फॉर द प्रोडक्शन ऑफ रिकम्बीनेंट ह्यूमन इन्टरफेरोन अल्फा–2", डॉ. के.जे. मुखर्जी, 09.01.2006

47. सुश्री सुमन तप्रयाल, "क्लोनिंग ऐंड एक्सप्रेशन ऑफ सिंगल चैन एन्टीबॉडी (एससीएफवी) टू आरएचजीएम–सीएसएफ इन ई–कोली", डॉ. के.जे. मुखर्जी, 14.02.2006

48. सुश्री तनूजा उपाध्याय, "क्लोनिंग, करेक्ट्राइजेशन ऐंड एक्सप्रेशन ऑफ ऐरोमोनास हाइड्रोफिला आउटर मेम्ब्रेंस पोरिन जीन फॉर द डिवलपमेंट ऑफ रिकम्बीनेंट वैक्सिन", प्रोफेसर अपर्णा दीक्षित, 24.02.2006

अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान

49. श्री अरिंदम बन्दोपाध्याय, "क्वालिटी, रिपुलेशन ऐंड एक्सपोर्ट परफॉरमेंस : ए स्टडी ऑफ इंडियन कॉरपोरेट सेक्टर", प्रोफेसर एस.के. दास, 07.04.2005

50. श्री वीरेश राज, "रश्यिन पॉलिसी टुवार्ड्स इंडिया पाकिस्तान सिंस 1991 : ए कम्पैरेटिव स्टडी", डॉ. तुलसी राम, 05.04.2005

51. श्री पी.पी.के. रामाचरयुलु, "कमैटी सिस्टम ऑफ इंडियन पार्लियामेंट ऐंड यू.एस. कॉग्रेस : ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ कमैटीज ऑन हैल्थ ऐंड एज्यूकेशन", प्रोफेसर सी.एस. राज, 15.04.2005

52. श्री इलिआस एम.एच., "जिऑग्राफी ऐंड मेमोरी : टेरिटोरिअलाइजेशन ऑफ ज्यूइश नेशनल आइडेंटिटी इन इजराइल", डॉ. पी.आर. कुमारस्वामी, 13.04.2005

53. श्री समीर रंजन प्रधान, "कोऑपरेशन बिटवीन इंडियन ऐंड गल्फ कोऑपरेशन कॉउंसिल (जीसीसी) कंट्रीज इन द ग्लोबल ऑयल ऐंड गैस रिजीम", प्रोफेसर गिरिजेश पंत, 25.04.2005

54. श्री देबीदत्ता अरबिन्दा महापात्रा, "रश्यिा ऐंड द कश्मीर इश्यू सिंस 1991 : पर्सेप्शन एटीट्यूड ऐंड पॉलिसी", प्रोफेसर शशिकान्त झा, 26.04.2005

55. श्री जोशी एम. पॉल, "फॉरन डाइरेक्ट इनवेस्टमेंट इन जापान'स फॉरन पॉलिसी : ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ इंडिया ऐंड इंडोनेसिया", प्रोफेसर वरुण साहनी, 19.05.2005

56. श्री सिद्धार्थ शंकर, "इस्लामिक मिलीटैंसी इन रश्यिा", डॉ. तुलसी राम, 11.05.2005

57. सुश्री गीता कोचर, "चाइनीज सिटीज ऐंड लेबर माइग्रेशन : इफेक्ट ऑफ इकोनोमिक रिफॉर्म ऐंड अरबनाइजेशन (1984–2001)", डॉ. मधु भल्ला, 31.05.2005

58. श्री अनुराग प्रियदर्शी, "ससटैनेबल डिवलपमेंट ऐंड इनवायरमेंटल मैनेजमेंट इन रश्यिा ऐंड इंडिया (1991–2001) : ए कम्पैरेटिव स्टडी", प्रोफेसर ए.के. पटनायक, 31.05.2005

59. श्री नरेन्द्र कुमार, "रश्यिन फॉरन पॉलिसी इन द नीयर अबरॉड : द फर्स्ट डिकेड", प्रोफेसर अनुराधा एम. चिनॉय, 13.06.2005

60. श्री शिव कुमार वर्मा, "जिऑपालिटिक्स ऑफ इनर्जी डिपेंडेंस : इंडिया ऐंड द पर्सियन गल्फ", डॉ. एस.एस. देवड़ा, 21.06.2005

61. सुश्री शालिनी यादव, " जेनोसाइड इन अरमीनिआ : एन एनालिसिस ऑफ अरमीनिआ ऐंड तुर्किश रिसपोसिस", डॉ. तुलसी राम, 22.06.2005

63. श्री मनोज कुमार मिश्रा, "एथनिक माइनॉरटीज इन पोस्ट–सोवियत सेंट्रल एशिया–प्रोबलम्स ऐंड प्रॉसपेक्ट्स", प्रोफेसर के. वारिकू, 08.07.2005

64. श्री किशोर कुमार वानखेडे, "वाटर रिसोर्स मैनेजमेंट इन ए सेमी–ऐरिड रीजन : ए केस ऑफ अरल सी बेसिन", डॉ. ताहिर असगर, 28.07.2005

65. श्री कानन के., "पालिटिक्स ऑफ यूएस सैंगशंस पॉलिसी : ए केस स्टडी ऑफ पोखरण–1 ऐंड पोखरण–2 न्यूक्लीअर टेस्ट्स", प्रोफेसर क्रिस्टोफर एस. राज, 07.09.2005

66. श्री रंजन कुमार, "कंफ्लिक्ट रिजोल्यूशन : ए केस स्टडी ऑफ चेचन्या", प्रोफेसर अनुराधा एम. चिनॉय, 02.09.2005

67. श्री मुकेश बगोरिया, "इंडियन डायसपोरा इन अमेरिकन पालिटिक्स इन द 1990'ज", डॉ. के.पी. विजयलक्ष्मी, 14.09.2005

68. श्री बलविन्दर नॉनग्रुम, "इन्डो–जर्मन ट्रेड ऐंड इनवेस्टमेंट आफ्टर जर्मन यूनिफिकेशन विद स्पेशल फोकस ऑन इनवायरमेंटल पॉलिसीज", प्रोफेसर क्रिस्टोफर एस. राज, 21.09.2005

69. श्री इकरामुर राशिद, "गल्फ माइग्रेशन ऐंड इट्स सोसियो–इकोनोमिक इम्पैक्ट : ए केस स्टडी ऑफ आजमगढ़ डिस्ट्रिक्ट इन उत्तर प्रदेश", डॉ. पी.सी. जैन, 20.10.2005

70. श्री गुरप्रीत सिंह गिल, "इनवायरमेंटल रिकंस्ट्रक्शन इन सेंट्रल ऐंड ईस्टर्न यूरोप", डॉ. ताहिर असगर, 20.10.2005

71. सुश्री रशिनी येंगखोम, "कनफ्लिक्ट इन असेह ऐंड वेस्ट पपुआ–ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ एथनिक डाइमेंशन", प्रोफेसर गंगनाथ झा, 28.10.2005

72. श्री रिजवान कैसर, "मौलाना अबुल कलाम आजाद : ए स्टडी ऑफ हिज रोल इन इंडियन नेशनलिस्ट मुवमेंट, 1919–47", प्रोफेसर उमा सिंह, 10.11.2005

73. श्री अरविन्द कुमार यादव, "द स्ट्रेटिजिक ऐंड इकोनोमिक इम्पोरटेंस ऑफ द इंडियन ओसियन फॉर इंडिया ऐंड साउथ अफ्रीका 1968–1999", प्रोफेसर ए.के. दुबे, 29.10.2005

74. श्री सोमेश के. माथुर, "पर्सपेक्टिव ऑफ इकोनोमिक ग्रोथ इन सलेक्टिड साउथ एशियन ऐंड ईस्ट एशियन कंट्रीज", प्रोफेसर संदीप कुमार दास, 28.12.2005

75. सुश्री झरना मित्तल, "इम्पैक्ट ऑफ इन्टरनेशनल इनवायरमेंटल लॉ ऑब्लीगेशंस ऑन डिवलपिंग कंट्रीज : ए कंसेपचुअल इन्क्वारी", प्रोफेसर वाई.के. त्यागी, 28.12.2005

76. श्री खतीबुलाह, "द रोल ऑफ जिऑग्राफिक इनफॉरमेशन सिस्टम इन अरबन प्लानिंग ऐंड इनफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट इन कुवैत ऐंड कतार", डॉ. प्रकाश सी. जैन, 28.12.2005

77. सुश्री हिरोको अराकावा, "द इम्पोरटैंस ऑफ बाइलेटरल रिलेशंस इन जापान'स ग्लोबल रोल : द केस ऑफ पोजिशनिंग इंडिया–जापान रिलेशंस", डॉ. एच.एस. प्रभाकर, 30.01.2006

78. श्री विधान पाठक, "इंडिया'ज रिलेशंस विद फ्रेंकाफोन वेस्ट अफ्रीका (1975–2000) विद स्पेशल रिफ्रेंस टू सेनेगल, इवोरी कोस्ट ऐंड बुरकिना फासो", प्रोफेसर अजय दुबे, 07.02.2006

79. श्री डेनियल जोसेफ कूबा, "द पॉलिटीकल डिबेट ऑन एन्टी–टेररिस्ट लेजिस्लेशन : ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ इंडिया ऐंड द यूनाइटेड किंगडम", डॉ. स्वर्ण सिंह, 16.02.2006

80. श्री हरकन नीदन टोपो, "चेंजिंग पर्सेप्शन ऑफ रशिया टुवार्ड्स नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑरगेनाइजेशन", प्रोफेसर निर्मला जोशी और डॉ. तुलसी राम (सह निर्देशक), 21.02.2006

81. श्री होमेन थंगजाम, "डेमोक्रेटाइजेशन ऑफ द रशियन पालिटिकल सिस्टम : 1991–2001", प्रोफेसर अनुराधा एम. चिनॉय, 21. 02.2006

82. श्री सोनम जोल्डन, "लद्दाख'स ट्रेडीशनल टाईज विद बुद्धिष्ट तिब्बत", प्रोफेसर महेन्द्र पी. लामा, 21.02.2006

83. सुश्री इनुमुलु जया भारती, "अबॉरिजिनल राइट्स ऐंड एजूकेशनल पॉलिसीज : ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ मल्टीकल्चरलिज्म इन आस्ट्रेलिया ऐंड कनाडा", डॉ. मन मोहिनी कौल, 24.02.2006

84. श्री संजय कुमार प्रधान, "पीपुल ऑफ इंडियन ऑरिजन (पीआइओ) इन साउथ अफ्रीका : प्रॉबलम्स ऑफ इंटीग्रेशन इन पोस्ट–अपारथाइड ईरा", प्रोफेसर अजय कुमार दुबे, 06.03.2006

85. श्री वेल्लैथम्बी अमीरदीन, "श्री लंका मुस्लिम कांग्रेस : आरिजिन ऐंड ग्रोथ ऑफ ए माइनॉरिटी एथनिक पार्टी, 1981–2001", डॉ. पी. सहदेवन, 17.03.2006

86. श्री के. सर्वेश्वरन, "द तमिल यूनाइटिड लिबरेशन फ्रंट : राइज ऐंड डिक्लाइन ऑफ ए मॉडरेट एथनिक पार्टी इन श्रीलंका (1976–2000)", डॉ. पी. सहदेवन, 20.03.2006

87. श्री विभांशु शेखर, "इंटरनल थ्रैट्स टू नेशनल सिक्योरिटी इन प्लूरल सोसायटीज : ए स्टडी ऑफ इंडोनेशिया (1991–2000)", डॉ. मन मोहिनी कौल, 17.03.2006

88. श्री सौम्यजीत रे, "एन आफिसियल लैंग्वेज फॉर अमेरिका : द रिपब्लिकन पार्टी ऐंड द इंगलिश ऑनली मूवमेंट इन द युनाइटेड स्टेट्स सिंस 1981", प्रोफेसर क्रिस्टोफर एस. राज, 10.03.2006

भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान

89. श्री वैभव, "भारतेन्दु युग के प्रमुख लेखकों की ऐतिहासिक रचनाएं और उनकी इतिहास दृष्टि", डॉ. वीर भारत तलवार, 26.04.2005

90. श्री मंजर आलम, "लिटरेरी इन्नोवेशंस, रिलीजियस ऐंड एज्यूकेशनल रिफॉर्म ऑफ मुहम्मद अब्दुश ऐंड सय्यद अहमद खान : ए कम्पैरेटिव स्टडी", डॉ. जैड. बी. आजमी, 26.04.2005

91. श्री रामेश्वर दयाल, "Les Problemes Terminologiques De La Traduction Des Textes Techniques Francais En Hindi", प्रोफेसर शान्ता रामाकृष्णन, 26.04.2005

92. सुश्री थेसो क्रोपी, मोहन राकेश की कहानियों में युग –बोध", डॉ. (श्रीमती) ज्योतिसर शर्मा, 26.04.2005

93. श्री राम दर्शन, "इलाचन्द्र जोशी के उपन्यासों का मनोवैज्ञानिक अध्ययन", डॉ. ओमप्रकाश सिंह, 26.04.2005

94. श्री आसिफ इकबाल, "एक्सपेरीमेंट्स ऑफ फॉम ऐंड टेकनिक इन उर्दू शॉर्ट स्टोरीज (फ्राम 1960 टू 2000) उर्दू अफसाने में हअये और तकनीक के तजरबे (1960 से 2000)", डॉ. मोहम्मद शाहिद हुसैन, 13.05.2005

95. श्री अबु शहीम खान, "इंगलिश ट्रांसलेशंस ऑफ द पोइट्री ऑफ फैज : ए कम्पैरेटिव स्टडी", डॉ. मजहर हुसैन, 13.06.2005

96. प्रदीप कुमार दास, "ग्रामैटिकल एग्रीमेंट इन हिंदी–उर्दू ऐंड इट्स मेजर वैराइटीज", प्रोफेसर अनविता अब्बी,13.06.2005

97. सुश्री सुमन प्रीत, "कम्पाइलिंग ए थिसारस ऑफ पंजाबी वर्ड्स ऐंड फ्रेजिज (विद स्पेसिफिक रिफ्रेंस टू लाइट)", प्रोफेसर कपिल कपूर, 07.06.2005

98. श्री अनिल के. धींगरा, "La Interpretacion De Conferencias Como Disciplina Academica En El Contexto De La India : Estudio Del Caso Del Espanol", प्रोफेसर वसन्त जी. गद्रे, 06.06.2005

99. श्री मोहम्मद सरवारुल होदा, "उर्दू में शायरी की तनकीद हाली के बाद" (क्रिटिसिज्म ऑफ पोइट्री इन उर्दू आफ्टर हाली)", डॉ. मजहर हुसैन, 30.06.2005

100. श्री सैयद मोसाना हसन रिजवी, "उर्दू में रेदिआई असनाफ का आग़ाज–ओ–इरतिका (ऑरिजिन ऐंड डिवलपमेंट ऑफ रेडियो जेनरेस इन उर्दू)", प्रोफेसर मोहम्मद शाहिद हुसैन, 17.08.2005

101. श्री जय प्रकाश यादव, "शिव प्रसाद सिंह के उपन्यासों में सामाजिक सांस्कृतिक चेतना", डॉ. ओमप्रकाश सिंह, 17.08.2005

103. श्री लल्लन जी गोपाल, "वृन्दावन लाल वर्मा के ऐतिहासिक उपन्यासों में इतिहास और आख्यान", डॉ. पुरुषोत्तम अग्रवाल, 22.08.2005

104. श्री परवेज अहमद खान, "कंटैम्पोरेरी सोसायटी इन फिक्शन ऑफ अली अब्बास हुसैनी" (अली अब्बास हुसैनी के अफसानों में हमअसर मोआशरा)", डॉ. एस.एम. अनवार आलम, 13.09.2005

105. सुश्री स्वाती पाल,"लुक बैक ऐट एंगर : अजित प्रोप थिएटर इन ब्रिटैन (1960 टू 1990) : ए रिअसेसमेंट ऐंड ए रिडेफीनेशन", डॉ. जी.जे.वी. प्रसाद, 13.09.2005

106. श्री अनिल कुमार त्रिपाठी, "नई कविता आन्दोलन और विजय देव नारायण साही की काव्य दृष्टि", प्रोफेसर केदार नाथ सिंह, 13.09.2005

107. श्री निशांत कुमार रंजन, "ऑन द मेंटल रिप्रिजेंटेशन ऑफ इनफ्लेक्शनल मॉरफोलॉजी : ए न्यूरोलिंग्वस्टिक स्टडी ऑफ हिंदी स्पीकिंग एफेजिक्स", प्रोफेसर अनविता अब्बी और प्रोफेसर रवि नेहरु (सह निर्देशक), 13.09.2005

108. श्री मोहम्मद सलीम, "अब्दुल्लाह अल–नादिम ऐंड अकबर अलाहाबादी : ए कम्पैरेटिव स्टडी", डॉ. जैड.बी.आजमी, 22.09.2005

109. सुश्री सेसेलिआ कारमेलीन अमीर्थाली सिवाओप्लान, "इपिक प्रोटागोनिस्ट(स) : ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ पैराडाइस लॉस्ट ऐंड महाभारत", प्रोफेसर कपिल कपूर, 10.10.2005

110. सुश्री कुमारी सुनीता वी.,"ए क्रिटिकल ऐंड कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ हीडेगेरियन ऐंड सरट्रियन व्यू ऑफ मैन, वर्ल्ड ऐंड सोसायटी", प्रोफेसर आर.पी. सिंह, 25.10.2005

111. श्री अजय कुमार, "नागार्जुन के काव्य में अभिव्यक्त समाज, समय एवं सौन्दर्य", डॉ. गोबिन्द प्रसाद, 10.10.2005

112. श्री रमेश यादव, "मन्नू भंडारी के कथा साहित्य में मध्यम वर्गीय समाज", डॉ. गोबिन्द प्रसाद, 10.10.2005

113. मोहम्मद तालिब खान, "पर्सियन सोर्सिज फॉर द स्टडी ऑफ सोसियो–कल्चरल लाइफ इन शाहजहां'स ईरा : एन इवेल्युएटिव स्टडी", प्रोफेसर जैड. एस. काजमी, 10.10.2005

114. श्री अतानु भट्टाचार्य, "द मिथोटेम्पोरल डिसजंक्शन : ए स्टडी इन द स्ट्रक्चर ऑफ इंडियन मिथ्स", प्रोफेसर कपिल कपूर, 20.10.2005

115. श्री स्वरनेन्दु बख्शी, "Language Dans La Triologie figaro de Beaumarchais : Caracteristiques Du Style et Certains Aspects Du Discours", डॉ. प्रताप सेनगुप्ता, 10.10.2005

116. श्री सूरज बहादुर थापा, "आचार्य रामचन्द्र शुक्ल एवं मैथ्यू अरनोल्ड की आलोचना दृष्टि : एक तुलनात्मक अध्ययन", डॉ. वीर भारत तलवार, 10.11.2005

117. श्री जिआउर रहमान, "सोसिअल, पॉलिटीकल ऐंड रिलीजियस कांसेप्ट्स ऑफ शाह वलीउल्लाह देहलवी इन हिज बुक "हुजातुल्लाह अल–बालीग़", प्रोफेसर एफ. यू. फारुकी, 10.11.2005

118. श्री जॉग मिन किम, "पर्सुएसिव मॉड्स ऑफ द माइनर प्रोफेट्स : ए स्टडी ऑफ रेटरिक", प्रोफेसर कपिल कपूर, 05.12.2005

119. श्री पंकज पाराशर, "रघुवीर सहाय के साहित्य में सत्तामूलक विमर्श का आलोचनात्मक अध्ययन", डॉ. गोबिन्द प्रसाद, 15.12.2005

120. श्री सत्य ब्रत दास, "एक्स्टनि, डैथ ऐंड डिसआस्टर : ऐस्थेटिक्स ऐंड एथिक्स एट द लिमिट ऑफ फिलॉसफी", डॉ. फ़्रेंसन डी. मंजली, 16.12.2005

121. श्री जुलफिकार अली अनसारी, "पर्सियन तजकिराह राइटिंग इन इंडिया ड्यूरिंग 18थ ऐंड 19थ सेंचुअरीज विद स्पेशल रिफ्रेंस टू आजाद बिलग्रामी", प्रोफेसर एस. ए. हसन, 15.12.2005

122. श्री संजय कुमार, La Folie Dans Les Oeuvres De Blaise Cendrars", प्रोफेसर के. माधवन, 17.01.2006

123. श्री अहतेशाम अहमद खान, "अली सरदार जाफरी की शेरी जमालिआत", डॉ. मजहर हुसैन, 17.01.2006

124. सुश्री लीला पी. पई, "ए पैसेज थ्रू द महाभारत रिटेलिंग्स : स्टडी ऑफ सम कन्टैम्पोरेरी नॉवल्स", प्रोफेसर कपिल कपूर, 17.01.2006

125. श्री अजय कुमार नौरिया, "कहानीकार कमलेश्वर की कथा दृष्टि और यथार्थ चेतना", प्रोफेसर मैनेजर पाण्डेय, 30.01.2006

126. श्री अरविन्द कुमार अवस्थी, "आलोचना का समाजशास्त्र और मुक्तिबोध की आलोचना–दृष्टि", प्रोफेसर मैनेजर पाण्डेय, 30.01.2006

127. श्री अब्दुलहाफिद सैफ मोदिश, "टीचिंग इंगलिश राइटिंग स्किल टू द स्पीकर्स ऑफ अरैबिक पर्सूइंग ए बैचलर्स डिग्री इन एज्यूकेशन : ए स्टडी इन इएफएल, प्रोफेसर वैश्ना नारंग, 10.02.2006

128. श्री मिरजा निहाल अहमद बेग, "ए कम्पैरेटिव स्टडी आफ द शॉर्ट स्टोरीज ऑफ खलील गिबरान ऐंड रबिन्द्रनाथ टैगोर टू प्लेनेट्स ऑफ रिअलिटी", प्रोफेसर एस. ए. रहमान, 28.02.2006

129. श्री आगा मोहम्मद जफर हसनैन, "पाकिस्तान की मुजाहमती उर्दू शायरी : एक तजजियाती मुताला" (रेसिस्टेंस उर्दू पोइट्री ऑफ पाकिस्तान : एन एनालिटिकल स्टडी) डॉ. एस.एम. अनवार आलम, 27.02.2006

130. श्री शकील अहमद खान, "उर्दू और हिंदी ख्वातीन अफसाना निगारों के यहां 'औरत' का तस्ववुर : एक तकाबुली मोताला", डॉ. एस.एम. अनवार आलम, 27.02.2006

131. श्री मोइनुद्दीन खान, "असरे हाजिर के उर्दू कारीन का अदब के तेईं रवैय्या" (एटीट्यूड्स ऑफ कन्टैम्पोरेरी उर्दू रीडर्स टुवर्ड्स लिट्रेचर)," डॉ. एस.एम. अनवार आलम, 28.02.2006

132. श्री आदिल रशीद, "उर्दू फिक्शन इन द लास्ट क्वार्टर ऑफ द 20थ सैंचुरी : ए पोस्टमॉडर्न स्टडी" (उर्दू फिक्शन बीसवीं सदी के रुबा आखिर में : एक माबाद जदीद मोताला)", डॉ. मजहर हुसैन, 17.03.2006

133. श्री हामद रिजवी, "हिस्टोरीकल ऐंड लिटरेरी इम्पोरटेंस ऑफ ताजकिरात–उल–वाकिआत ", डॉ. अख्लाक अहमद अनसारी, 14.03.2006

134. श्री अतुल कुमार तिवारी, "हिंदी की प्रगतिशील आलोचना और भक्तिकाव्य", प्रोफेसर पुरुषोत्तम अग्रवाल, 14.03.2006

135. मोहम्मद मखमूर सादरी, "उर्दू में तरक्की पसंद तनकीद एक तजजियाती मोताला" (प्रोग्रेसिव क्रिटिसिज्म इन उर्दू क्रिटिकल एनालिसिस ऑफ इट्स मैन रिफ्रेंसिज पॉइन्ट)", प्रोफेसर मोहम्मद शाहिद हुसैन, 14.03.2006

136. सुश्री तोमोको किकूची, "महादेवी वर्मा की विश्व दृष्टि", प्रोफेसर मैनेजर पाण्डेय, 16.03.2006

137. मोहम्मद बाबर मक़सूद, "बच्चों के उर्दू ड्रामों का नफसियाती ताजजिया" (साइको–एनालिटिकल स्टडी ऑफ चिल्ड्रन'स ड्रामा ऑफ उर्दू), प्रोफेसर मोहम्मद शाहिद हुसैन, 16.03.2006

138. सुश्री गरिमा मणि त्रिपाठी, "क्रिटिकल थियोरी ऑफ जरगन हेबरमास : ए क्रिटिक ऑफ इनलाइटेनमेंट रेशनलिटी ऑफ इम्मानुएल कान्त", प्रोफेसर आर.पी. सिंह, 16.03.2006

139. श्री सुरेश पी.,"एरर एनालिसिस : ए स्टडी ऑफ एरर्स ऑफ तमिल स्पीकर्स लर्निंग इंगलिश एट द अंडरग्रेजुएट लेवल इन सलेम", प्रोफेसर वैश्ना नारंग, 27.03.2006

140. श्री अनसार अहमद 3507, "रिफलेक्शंस ऑफ इस्लामिक थॉट इन मॉडर्न इजिप्तियन पोइट्री (1900–1950)", प्रोफेसर एस. ए. रहमान, 30.03.2006

141. श्री शान्तनु घोष, "कॉगनीशन, कंसेप्ट फॉरमेशन ऐंड लैग्वेज लर्निंग : ए प्रोपोज्ड इंटीग्रेटिड मॉडल फॉर टीइएसएल करीकुलम डिजाइन इन द इंडियन कंटेक्स्ट", डॉ. जी.जे.वी. प्रसाद, 31.03.2006

सामाजिक विज्ञान संस्थान

142. श्री लेख नाथ भट्टाराय, "पावर्टी इनवायरमेंट लिंकेजिज : ए स्टडी ऑफ यूज ऐंड मैनेजमेंट ऑफ फॉरेस्ट रिसोर्सिज इन महाभारत ट्रेक्ट, वेस्ट नेपाल," प्रोफेसर अमिताभ कुंडू, 07.04.2005

143. सुश्री सी.एल. कविता, "प्रोफेशनल्स ऐंड एन्टरप्रेनअर्स : सोशल मोबिलिटी ऐंड स्ट्रेटिफिकेशन अमंग सॉफ्टवेयर स्पेशलिस्ट्स ऑफ हैदराबाद", प्रोफेसर दीपांकर गुप्ता, 07.04.2005

144. श्री ओमबुकी चार्लस, "द इम्पैक्ट ऑफ इकोनोमिक पॉलिसी ऑन एग्रीकल्चरल डिवलपमेंट इन कीनिया (1980–2000)", डॉ. प्रवीण झा, 08.04.2005

145. श्री ए.एस. चन्द्रबोस, "लेबर इन द टी इंडस्ट्री : ए कम्पैरेटिव रीजनल एनालिसिस ऑफ इंडिया ऐंड श्रीलंका", प्रोफेसर अतिया हबीब किदवई, 29.04.2005

146. श्री दीपक कुमार, "इंटरनेट ऐंड द डिजिटल डिवाइड इन इंडिया : ए केस स्टडी ऑफ धार", प्रोफेसर आनन्द कुमार, 15.04.2005

147. सुश्री शर्मिला मजूमदार, "रोल ऑफ ट्रेडिशनल बर्थ अटैंडेंट्स इन मैटिरनिटी केयर : ए स्टडी ऑफ ए दिल्ली स्लम", प्रोफेसर इमराना कादिर और डॉ. रितु प्रिया मेहरोत्रा, 28.04.2005

148. श्री सेमुएल वी.एल.थ्लांगा, "सम आस्पैक्ट्स ऑफ द हिस्ट्री ऑफ मिजोरम सिंस 1974", प्रोफेसर भगवान सिंह जोश, 16.05.2005

149. सुश्री अपर्णा सनवेरिया वैदिक, "कॉलोनियल एनकाउंटर ऐंड आइसलेंड हिस्टरीज : अन्डमान आइसलेंड्स (1858–1921)", प्रोफेसर नीलाद्री भट्टाचार्य, 16.05.2005

150. श्री एस. कौशिक, "मैनेजमेंट ऑफ द रिप्रोडक्टिव ऐंड चाइल्ड हैल्थ प्रोग्राम इन ए डिवलप्ड ऐंड लैस डिवलप्ड डिस्ट्रिक्ट ऑफ तमिलनाडु", प्रोफेसर मुरली धर विमुरी, 16.05.2005

151. सुश्री मकीकू किमुरा, "द इमरजेंस ऑफ एथनिक मूवमेंट इन आसाम : इश्यू ऑफ लैंग्वेज माइग्रेशन ऐंड आइडेंटिटी", डॉ. तिपलुत नोंगब्री, 16.05.2005

152. श्री वत्ती समबासिवा, "चाइल्ड लेबर इन द रोडसाइड ढाबाज, ए स्टडी ऑफ सलेक्टिड ढाबाज ऑन द नेशनल हाई वे फ्राम सिकंदराबाद टू बैंगलूर", प्रोफेसर आनन्द कुमार, 04.05.2005

153. श्री जय प्रकाश प्रधान, "लिबरलाइजशन, आउटवार्ड फॉरन डाइरेक्ट इनवेस्टमेंट ऐंड कम्पीटीटिवनेस : द केस ऑफ इंडियन इकोनोमी", प्रोफेसर अशोक माथुर और डॉ. अतुल सूद, 02.05.2005

154. सुश्री लानुसांगला तजुदिर, "फ्राम हैडहंटिंग टू क्रिश्चियनिटी क्वेश्चंस ऑफ कल्चरल आइडेंटिटी इन एओ लैंड", प्रोफेसर एन. भट्टाचार्य, 02.05.2005

155. सुश्री अभिलाषा शर्मा, "रिप्रोडक्टिव ऐंड चाइल्ड हैल्थ सर्विसिज ऐंड देयर यूटिलाइजेशन बाई एडोलेसेंट वुमन इन रुरल मध्य प्रदेश", प्रोफेसर मुरली धर विमूरी, 02.05.2005

156. सुश्री संगीता भट्टाचार्य, "फीमेल माइग्रेशन इन इंडिया : ए केस स्टडी ऑफ माइग्रेंट वर्कर्स टू दिल्ली", प्रोफेसर असलम महमूद, 16.05.2005

157. श्री उंगशुंग्मी ए. शिमरे, "इकोलॉजिकल सेटिंग ऐंड इकोनॉमिक सिस्टम्स ऑफ द नागाज : ए केस स्टडी ऑफ द तांगखुल नागाज ऑफ मणिपुर", प्रोफेसर मुरली धर विमूरी, 02.05.2005

158. श्री के. विनोद चन्द्रन, "द काउंटर नैरेटिव्स ऑफ पॉवर ऐंड आइडेंटिटी इन कलोनियल केरलम – ए रीडिंग ऑफ सी. वी. रमन पिल्लइ'स हिस्टोरीकल नॉवेल्स", प्रोफेसर मृदुला मुखर्जी और प्रोफेसर के.एन.पणिकर (सह निर्देशक) 02.05.2005

159. श्री के.जी. राधाकृष्णन, "ग्रोथ ऐंड स्ट्रक्चरल ट्रांसफॉरमेशन ऑफ द इंडियन कंप्यूटर सॉफ्टवेयर इंडस्ट्री", प्रोफेसर अशोक माथुर और प्रोफेसर आर. के. शर्मा, 31.05.2005

160. श्री अतानु सरकार, "सोशल इपिडेमिऑलॉजी ऑफ अरसेनिक पॉइजनिंग इन मुर्शीदाबाद डिस्ट्रिक्ट ऑफ वेस्ट बंगाल", डॉ. रितु प्रिया मेहरोत्रा, 03.06.2005

161. श्री सौमित्रा रॉय, "डिसआस्टर मैनेजमेंट ऐंड हैल्थ : ए केस स्टडी ऑफ मुर्शीदाबाद डिस्ट्रिक्ट इन वेस्ट बंगाल", प्रोफेसर के. आर. नायर, 13.06.2005

162. सुश्री गीतिका डे, "फैक्शनल वॉयलेंस इन द रायलसीमा रीजन ऑफ आंध्र प्रदेश, 1956—2000", डॉ. सुसन विश्वनाथन, 21.07.2005

163. सुश्री सूर्यसिखा पाठक, "ट्राइबल आइडेंटिटी पॉलिटिक्स इन कलोनियल आसाम : प्लैन्स ट्राइब्स ऑफ द ब्रहमपुत्र वैली, 1860—1947", प्रोफेसर एस. भट्टाचार्य, 15.07.2005

164. श्री रोड्डुर डे, "द रिप्रिजेंटेशन ऑफ मैसक्युलिनिटी इन पॉप्युलर सिनेमा : ए स्टडी ऑफ सलेक्टिड हिंदी फिल्म्स", प्रोफेसर अविजीत पाठक, 21.07.2005

165. श्री नामीरक्पम सोमोरेन्द्रो सिंह, "इंटिग्रेशन, डिवलपमेंट ऐंड द हायर सिविल सर्विस इन मणिपुर : ए स्टडी ऑफ पॉलिसीज ऐंड पॉलिसी मेकर्स (1978—1995)", प्रोफेसर बलवीर अरोड़ा, 05.08.2005

166. सुश्री लैसम चानु शीलेइमा, "वुमन ऐंड पालिटिकल पार्टिसिपेशन : ए स्टडी ऑफ मीतेई वुमन रिप्रिजेंटेटिव्स इन द पंचायत्स ऑफ मणिपुर", प्रोफेसर गुरप्रीत महाजन, 05.08.2005

167. सुश्री भावना गुलाटी,"हैल्थ ऐंड वेल—बींग ऑफ वुमन एम्ब्रोइड्री वर्कर्स इन द चिकन इंडस्ट्री ऑफ लखनऊ", प्रोफेसर के. आर. नायर, 08.08.2005

168. श्री भूपेन्द्र यादव, "कम्यूनल पालिटिक्स इन कानपुर 1919—1947", प्रोफेसर बिपन चन्द्रा और प्रोफेसर एम. मुखर्जी, 11.08.2005

169. सुश्री राजश्री ढाली, "पाप्युलर रिलीजन इन राजस्थान : ए स्टडी ऑफ फोर डीइटीज ऐंड देयर वर्शिप इन नाइनटींथ ऐंड टवेंटीएथ सेंचुअरी", प्रोफेसर के. एन. पणिकर और डॉ. आई. कामतेकर, 11.08.2005

170. श्री सब्यसाची दासगुप्ता, "इन डिफेंस ऑफ ऑनर ऐंड जस्टिस : सिपाई रिबेलियंस इन द नाइनटींथ सेंचुअरी", प्रोफेसर नीलाद्री भट्टाचार्य, 11.08.2005

171. सुश्री नमरिता शर्मा, "पॉलिटिकल स्ट्रक्चर ऐंड इकोनॉमी ऑफ बुंदेलखण्ड, 1550—1740 ए.डी.", प्रोफेसर के.के. त्रिवेदी, 12.08.2005

172. श्री मनोज कुमार, "द कंटेंडिंग हिगेमनि : गांधी, खादी ऐंड ग्रोथ ऑफ कंजूमर कल्चर 1915—1945", प्रोफेसर भगवान सिंह जोश, 19.08.2005

173. मोहम्मद संजीर आलम, "एज्यूकेशनल डिसपैरिटीज अमंग मेजर रिलिजियस ग्रुप्स इन रुरल बिहार", प्रोफेसर सरस्वती राजू, 19.09.2005

174. श्री वी. पी. खरबन्दा, "फॉरमेशन, ग्रोथ ऐंड चेंजिंग स्ट्रक्चर ऑफ नेशनल साइंटिफिक कम्यूनिटीज इन इंडिया ऐंड चाइना", प्रोफेसर वी. वी. कृष्णा, 04.10.2005

175. श्री गोबिन्द चन्द्र सेठी, "इमरजेंस ऑफ टेररिज्म इन कश्मीर : ए सोसियो—पॉलिटिकल एनालिसिस", डॉ. आशा सारंगी, 06.10.2005

176. श्री सैयद मोहम्मद मोहम्मदी, "इस्लाम ऐंड द अनफिनिस्ड प्रोजेक्ट्स ऑफ मॉडर्निटी : ए स्टडी ऑफ द डिबेट्स ओवर सेक्युलरिज्म ऐंड सेक्युलराइजेशन इन ईरान", प्रोफेसर राजीव भार्गव, 06.10.2005

177. सुश्री दीपा आहलुवालिया, "रुरल—अरबन इंटरएक्शन : ए केस स्टडी ऑफ हरिद्वार डिवलपमेंट रीजन", प्रोफेसर सुदेश नांगिया, 06.10.2005

178. श्री श्रीचरण बहेरा, "इंडिजिनस नॉलेज सिस्टम्स ऐंड लाइवलीहुड : ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ सलेक्टिड विलेजिस ऑफ रायगद डिस्ट्रिक्ट ऑफ उड़िसा", डॉ. एस.एस. जोधका और प्रोफेसर के.एल. शर्मा (सह निर्देशक), 06.10.2005

179. सुश्री गोमती बोडरा, "ट्राइबल वुमन इन एन अरबन सेटिंग : जेंडर ऐंड स्ट्रेटिफिकेशन इन रांची टाउन", प्रोफेसर आनन्द कुमार और प्रोफेसर के.एल. शर्मा (सह निर्देशक), 06.10.2005

180. सुश्री आरती श्रीवास्तव, "कॉस्ट फैक्टर्स इन द लेबर मार्किट : ए स्टडी ऑफ आईआईटी ऐंड एचबीटीआई ग्रेजुएट्स फ्रॉम कानपुर एट द एन्ट्री लेवल", प्रोफेसर बिनोद खदरिया, 10.10.2005

181. सुश्री नारायणी राजश्री कानूनगो, "वुमन'स इंगेजमेंट विद मास मीडिया : ए सोसियोलॉजिकल स्टडी ऑफ द मीडिया कल्चर इन दिल्ली", प्रोफेसर अविजीत पाठक, 18.10.2005

182. श्री जीतप्रपात सैसोपा, "नेशनल डिवलपमेंट ऐंड सिविल सर्विस इन द कंटेक्स्ट ऑफ ग्लोबलाइजेशन : ए कम्पैरेटिव पर्सपेक्टिव ऑन द रोल ऑफ सिविल सर्विस इन इंडिया ऐंड थाइलैण्ड", प्रोफेसर राकेश गुप्ता, 24.11.2005

183. श्री राजेश सेठ, "टू लिबरलिज्म्स इन इंडियन कंस्टीट्यूशन", प्रोफेसर राजीव भार्गव, 18.11.2005

184. श्री पार्था प्रतीम साहू, "टेक्नोलॉजिकल कंस्ट्रेंट्स ऑफ स्माल स्केल इंडस्ट्री इन इंडिया : ए स्टडी ऑफ रुरल–अरबन कंट्रास्ट्स", प्रोफेसर जी.के. चड्ढ़ा, 22.11.2005

185. सुश्री किरण मैथ्यू, "सोसियो–इकोनोमिक एडप्टेशन ऑफ इंडियंस इन कतर विद स्पेशल रिफ्रेंस टू द नॉन–लेबर डायसपोरा", प्रोफेसर आनन्द कुमार, 18.11.2005

186. सुश्री काबेरी नन्दी, "सेनिटेशन, डिसीज ऐंड डैथ इन कलोनियल सिटीज : ए केस स्टडी ऑफ कलकत्ता (1860–1947)", प्रोफेसर अतिया हबीब किदवई, 14.12.2005

187. श्री जी. महेश, "एचआईवी/एड्स ऐंड द वर्किंग पाप्युलेशन इन इंडिया : ए स्टडी ऑफ इक्सप्रियंसिज ऑफ पीपॅल लिविंग विद एचआईवी/एड्स इन तिरुचिरापल्ली डिस्ट्रिक्ट ऑफ तमिलनाडु", डॉ. रितु प्रिया मेहरोत्रा, 14.12.2005

188. श्री राजेन्द्र प्रसाद कुंडु, "लायबिलिटी रुल्स ऐंड इकोनोमिक इफिसिऐंसी", प्रोफेसर सतीश के. जैन, 14.12.2005

189. श्री रति कान्त साहू, "ह्यूमन राइट ऐंड चाइल्ड लेबर : ए केस स्टडी ऑफ अंगुल ऐंड कोरापुट डिस्ट्रिक्ट्स इन उडिसा", प्रोफेसर किरण सक्सेना, 23.12.2005

190. श्री उमाकांत मिश्रा, "बुद्धिज्म ऐंड मेरीटाइम नेटवर्क्स इन अर्ली मिडिवल कोस्टल उड़िसा (5थ सेंचुअरी ए.डी.–12थ सेंचुअरी ए.डी.)", डॉ. हिमान्शु पी. रे, 04.01.2006

191. श्री जी. सेंथिल कुमार,"नॉन–गवर्नमेंटल ऑर्गेनाइजेशंस ऐंड इम्पावरमेंट ऑफ द रुरल पूअर इन इंडिया : इस्टीट्यूशंस, स्ट्रेटिजीज ऐंड प्रोसेसिस", प्रोफेसर नीरजा गोपाल जयाल, 04.01.2006

192. श्री संजय के. गुप्ता, "एथनिक कनफ्लिक्ट ऐंड नीड फॉर कंस्टीट्यूशनल रिफॉर्म : ए स्टडी ऑफ बोडो ऐंड मिजो एकोर्ड्स", प्रोफेसर सुधा पई, 10.01.2006

193. सुश्री श्रीमती नायक, "ट्राइबल डिवलपमेंट इन उड़िसा : एन एनालिसिस ऑफ हैल्थ ऐंड एज्यूकेशनल पॉलिसीज फॉर ट्राइबल वुमन", प्रोफेसर अश्विनी के. रे. और प्रोफेसर गुरप्रीत महाजन, 11.01.2006

194. मोहम्मद ताहिर अहमदी शाओमेहरी, "एग्रीकल्चरल प्राइस पॉलिसी इन ईरान ऐंड इंडिया (1970.2000) : ए कम्पैरेटिव स्टडी", डॉ. प्रवीण झा, 06.02.2006

195. श्री मानश भट्टाचारजी, "टू आइडियाज ऑफ नेशनलिज्म इन द राइटिंग्स ऑफ नेहरु ऐंड गांधी", प्रोफेसर राजीव भार्गव, 02.02.2006

196. श्री विनोज अब्राहम, "लेबर प्रोडक्टिविटी ऐंड एम्प्लॉयमेंट इन द इंडियन इनफॉरमेशन ऐंड कम्यूनिकेशन टेकनोलॉजी सैक्टर", प्रोफेसर आर.के. शर्मा, 15.02.2006

197. श्री के. इल्यूमलाई, "इंडिया'ज ट्रेड पॉलिसीज ऐंड प्रोटेक्शन इन डेरी इन्डस्ट्री", प्रोफेसर आर.के. शर्मा, 06.03.2006

198. सुश्री विनीता यादव, "इन्स्टीट्यूशनल स्ट्रक्चर फॉर अरबन गवर्नेंस इन अहमदाबाद ऐंड हैदराबाद", प्रोफेसर सरस्वती राजू, 09.03.2006

199. श्री अथीखो कैसी, "इमर्जिंग जैनरेशन : ए सोसियोलॉजिकल स्टडी ऑफ यूथ अमंग द शिपफोमारमथ नागाज", प्रोफेसर तिपलुत नोंगब्री, 09.03.2006

200. श्री एल. लाम खान पिआंग, "किनशिप, टेरिटोरी ऐंड पालिटिक्स : द स्टडी ऑफ आइडेंटिटी फॉरमेशन अमंग्स्ट द जू", प्रोफेसर सुसान विश्वनाथन, 09.03.2006

201. सुश्री रीमा घोष, "डिटरमिनेंन्ट्स ऑफ अनइनटेंडिड फर्टिलिटी अमंग करंटली मैरिड वुमन : ए स्टडी ऑफ रुरल वेस्ट बंगाल", प्रोफेसर मुरली धर विमूरी, 06.03.2006

202. श्री बिक्रम केशरी मिश्रा, "वुमन ऐंड वर्क : ए सोसियोलॉजिकल स्टडी ऑफ सलेक्ट फिमेल प्रोफेशनल्स इन उड़िसा", प्रोफेसर अविजीत पाठक, 06.03.2006

203. श्री ललतेन्दु साहू, "पुलिस कल्चर ऐंड ह्यूमन राइट : ए कम्पैरेटिपव स्टडी ऑफ टू डिस्ट्रिक्ट्स इन उड़ीसा", डॉ. रेनुका सिंह, 17.03.2006

204. सुश्री कंवर सोनाली जौली वाधवा, "वुमन राइटिंग वुमन'स वर्ल्ड्स : वुमन'स जैंडर्ड एक्सप्रियंसिज ऐंड आइडेंटिटीज इन इंडियन वुमन'क फिक्शन, सी. 1950–सी.2000", प्रोफेसर मृदुला मुखर्जी, 27.03.2006

205. सुश्री सुदेशना रॉय, "पुलिस ऐंड वुमन'स राइट्स : ए सोसियोलॉजिकल इन्क्वारी विद स्पेशल रिफ्रेंस टू सलेक्ट डिस्ट्रिक्ट्स इन कर्नाटका", प्रोफेसर अविजीत पाठक, 27.03.2006

206. सुश्री दीपा गर्ग, "सेल्फ–हेल्प ग्रुप्स सपोर्टिड बाई कम्युनिटी बेस्ड फाइनैंसियल इन्स्टीट्यूशंस ऐंड देयर रोल इन वुमन'स एम्पावरमेंट ऐंड हैल्थ : ए केस स्टडी ऑफ श्रमिक भारती", प्रोफेसर के. आर. नायर, 27.03.2006

अंतरराष्ट्रीय आनुवांशिकी इंजीनियरी तथा जैव–प्रौद्योगिकी केन्द्र, नई दिल्ली

207. सुश्री अपर्णा इस्लाम, "रोल ऑफ ए स्माल सिस्टीन–रिच एन्टीफंगल प्रोटीन आइसोलेटिड फ्राम चिकपिआ इन होस्ट डिफेंस मेकेनिज्म", डॉ. वी. एस. रेड्डी, 25.05.2005

208. श्री आनन्दराव रावुलपल्ली, "नॉवल रिकम्बीनेंट डेंगू मल्टी–इपिटोप प्रोटींस ऐंड देयर इवेल्युएशन ऐज डाइग्नोस्टिक इन्टरमीडिएट्स", डॉ. नवीन खन्ना, 31.08.2005

209. सुश्री रुविनी थारंगा अरियदासा, "टेग्गिंग ऐंड मेपिंग ऑफ ए राइस गाल मिज रेसिसटेंस जीन, जीएम8, ऐंड डिवलपमेंट ऑफ एससीएआरस फॉर यूज इन मार्कर–एडिड सलेक्शन ऐंड जीन पाइरामाइडिंग", डॉ. मदन मोहन, 31.08.2005

210. श्री बासवाराज बागेवाडी, "फंगशनल एनालिसिस ऑफ इडियन मुंगबीन येलो मोसाइक वायरस रिप्लीकेशन प्रोटीन इंटरएक्शन विद प्रोलिफिरेटिंग सेल न्यूक्लीयर एन्टीजन", डॉ. निरुपम रॉय चौधरी, 05.09.2005

211. सुश्री शिल्पी महाजन, "आइसोलेशन ऐंड फंगशनल करेक्ट्राइजेशन ऑफ केल्सीनियूरिन बी–लाइक प्रोटीन (सीबीएल) ऐंड सीबीएल–इंटरेक्टिंग प्रोटीन काइनेज (सीआइपीके) फ्राम पी", डॉ. नरेन्द्र के. टुटेजा, 13.09.2005

212. श्री अजय अमर वशिष्ट, "मॉलक्यूलर क्लोनिंग ऐंड करेक्ट्राइजेशन ऑफ स्ट्रेस रेग्युलेटिड पी हेलीकेज", डॉ. नरेन्द्र के. टुटेजा, 15.09.2005

213. सुश्री दिव्या राजगोपालन, "करेक्ट्राइजेशन ऐंड रेग्युलेशन ऑफ वेक्युअलर एनए+/एच+ एन्टीपोर्ट फ्राम पेन्नीसेटुम ग्लेकुम", डॉ. एस. के. सपोरी, 07.09.2005

214. श्री तरान कुआंग नगोक, "मॉलक्यूलर क्लोनिंग ऐंड करेक्ट्राइजेशन ऑफ मिनीक्रोमोसोम मेंटीनेंस प्रोटींस फ्राम पी", डॉ. नरेन्द्र टुटेजा, 03.10.2005

215. सुश्री नीतू कालरा, "स्टडीज ऑन फंगशनल इंटरएक्शन बिटवीन हेपाटाइटिस बी वाइरस x प्रोटीन ऐंड सी–माइस", डॉ. विजय कुमार, 18.10.2005

216. सुश्री अनुजा ए. जॉर्ज, "रेग्युलेशन ऑफ सीडी80 इक्सप्रेशन ऑन बी लिम्फोसाइट्स", डॉ. कनुरी वी.एस. राव, 31.10.2005

217. सुश्री स्मीता जायसवाल, "स्टडी ऑफ डेंगू वायरल जीन प्रोडक्ट्स यूजिंग एंडिनोवायरस बेस्ड इक्सप्रेशन सिस्टम", डॉ. एस. स्वामीनाथन, 16.11.2005

218. श्री मिलन सुरजीत, "करेक्ट्राइजेशन ऑफ द ओआरएफ2 प्रोटीन ऑफ हेपाटाइटिस ई वायरस", डॉ. सुनील के लाल, 18.11.2005

219. श्री दिनेश कुमार सिंह, "कंट्रोल ऑफ बी–सेल रिसेप्टर मिडिएटिड सिंगलिंग", डॉ. कनुरी वी.एस. राव, 12.12.2005

220. मोहम्मद नुरुल इस्लाम, "कंस्ट्रक्शन ऑफ ए एमवाइएमआइवी–बेस्ड जीन–साइलेंसिंग वेक्टर ऐंड इट्स यूज", डॉ. सुनील कुमार मुखर्जी, 29.12.2005

221. श्री संदीप के. बसु, "माड्यूलेशन ऑफ होस्ट सेल सिंगलिंग बाई ए माइकोबेक्ट्रियल सिक्रेटरी एन्टींजन (एमटीएसए–10)" डॉ. पवन शर्मा, 16.03.2006

राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान केंद्र, नई दिल्ली

222. सुश्री वन्दना यादव, "लाइट रेग्युलेटिड मॉड्यूलेशन ऑफ जैड–बॉक्स कंटैनिंग प्रमोटर्स ड्यूरिंग अर्ली सीडलिंग डिवलपमेंट इन अराबिडोपसिस थालिऑना", डॉ. सुदीप चट्टोपाध्याय, 19.04.2005

केन्द्रीय औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ

223. सुश्री दिव्या सिंह, "एनालिसिस ऑफ रिप्लीकेशन ऐंड ट्रांस्क्रिप्शन ऑफ द 35केबी एपीकोप्लास्ट जिनोम ऑफ प्लाजमोडिअम फेलसीपरम", डॉ. समन हबीब, 10.05.2005

224. सुश्री कविता अरोड़ा, "ग्लुटामेट सिस्टीन लिगेस ऐंड ग्लुटाथाइओन रिडक्टेज इन फिलारिअल वॉर्म्स ऐंड मलेरिया पैरासाइट्स इन रिलेशन टू देयर कीमोथैरेपी", डॉ. अरविन्द के. श्रीवास्तव, 10.05.2005

225. श्री आमोघ अनंत सहसराबुधे, "करेक्ट्राइजेशन ऑफ एक्टिन नेटवर्क इन लीशमानिया पैरासाइट्स", डॉ. सी.एम. गुप्ता, 22.08.2005

226. श्री सबरीनाथ एस., "फारमाकोकाइनेटिक स्टडीज ऑफ –एबी– आरटीथर, ए हाइली इफेक्टिव एन्टीमलेरिया ड्रग", डॉ. आर.सी. गुप्ता, 16.08.2005

227. सुश्री हीतिका, "सिंथेसिस ऑफ पोटेंसियल एन्टीमलेरिया एजेंट्स", डॉ. चंदन सिंह, 13.10.2005

228. श्री संदीप कुमार श्रीवास्तव, "स्ट्रक्चरल स्टडीज ऑन एनएडी+डिपेंडेंट डीएनए लाइगेज (आरवी3014सी) फ्राम माइकोबेक्टेरियम ट्यूबरक्युलोसिस एच37आरवी", डॉ. आर. रविशंकर, 09.12.2005

229. सुश्री सरिता चतुर्वेदी, "स्ट्रक्चरल ऐंड फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन ऑफ सीरिन हाइड्रोक्सीमेथिलट्रांसफिरेज फ्राम माइकोबेक्टेरियम एसपी", डॉ. विनोद भकुनी, 03.02.2006

230. श्री बशीर अहमद भट, "सिंथेसिस ऑफ नॉवल एन्टीडाइबेटिक ऐंड हाइपोलीपाइडेमिक एजेंट्स", डॉ. डी.पी. साहू, 08.03.2006

कोशिकीय और अणु जीव–विज्ञान केंद्र, हैदराबाद

231. श्री आर. राजेश, "ग्रोथ हॉरमोन्स जीन मैनीप्युलेशन इन फिश", डॉ. क्षितिज मजूमदार, 19.04.2005

232. श्री थोमस जे. पुकदयिल, "माड्युलेशन ऑफ द सेरोटोनिन–1ए रिसेप्टर फंक्शन ऐंड ऑर्गेनाइजेशन थ्रू लिपिड–प्रोटीन इंटरएक्शंस", डॉ. अमिताभ चट्टोपाध्याय, 18.04.2005

233. सुश्री सुषमा शिवास्वामी, "रोल ऑफ ट्रांस्क्रिप्शन फेक्टर आइआइआइसी (टीएफआइआइआइसी) इन क्रोमेटिन ट्रांस्क्रिप्शन बाई आरएनए पॉलिमरेज आइआइआइ", डॉ. पूर्णिमा भार्गव, 10.05.2005

234. अमृता सुरेश, "मॉलक्युलर करेक्ट्राजेशन ऐंड प्रोमोटर एनालिसिस ऑफ ए हाइली कंजर्व्ड जीन, डब्ल्यूडीआर 13, प्रिडोमीनेंटली इक्सप्रेस्ड इन द टेस्टिस ऑफ माउस ऐंड मैन", डॉ. लालजी सिंह, 07.07.2005

235. सुश्री पल्लवी क्षेत्रपाल, "आइडेंटिफिकेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन ऑफ माड्यूलेटर्स ऑफ द होमिऑटिक जीन अलट्राबिथारेक्स इन ड्रासोफिला मेलानोगास्टर", डॉ. एल. एस. शशिधर, 09.09.2005

236. सुश्री भट्टाराम पल्लवी, "कंसीक्युऐंसिस ऑफ कोवालेंट मॉडिफिकेशंस ऑफ पेप्टाइड्स ऐंड प्रोटींस विद फेट्टी एसिड : रिलीवेंस टू मेम्ब्रेन टारग्रेटिंग इन सेल्स", डॉ. आर. नागराज. 03.12.2005

237. सुश्री शान्ति कलिपात्नापु, "इंटरएक्शन ऑफ द सेरोटोनिन टाइप आइए रिसेप्टर विद इट्स मेम्ब्रेन इनवायरमेंट", डॉ. अमिताभ चट्टोपाध्याय, 07.12.2005

238. सुश्री देवकी अरविन्द केलकर, "लिपिड–प्रोटीन इंटरएक्शंस : ऑर्गेनाइजेशन ऐंड डाइनेमिक्स ऑफ द लोन चैनल ग्रामिसिडिन इन मेम्ब्रेन ऐंड मेम्ब्रेन–मिमेटिक सिस्टम्स", डॉ. अमिताभ चट्टोपाध्याय, 09.12.2005

239. श्री सुरेश कुमार चिन्तालापति, "अन्टारक्टिक साइनोबेक्टेरिया : कोल्ड अडप्टेशन", डॉ. एस. शिवाजी, 20.12.2005

240. सुश्री रोशनी मित्रा चिन्तालापति, "एके–5–इनड्यूस्ड मॉड्यूलेशन ऑफ होस्ट मोनासाइट फंक्शन", डॉ. अशोक कुमार, 20.12.2005

241. श्री सुभाशिनी सदाशिवम, "रेग्युलेशन ऑफ कैसपेस–1 फंक्शन बाई द पी53 फेमिली ऑफ ट्रांस्क्रिप्शन फेक्टर्स", डॉ. घनश्याम स्वरुप, 02.01.2006

242. सुश्री वी. कृष्णा कुमारी, "स्ट्रक्चर–फंक्शन रिलेशनशिप्स इन होस्ट–डिफेंस एन्टीबैक्टेरियल पेप्टाइड्स", डॉ. आर. नागराज, 20.01.2006

243. मोहम्मद वसीम अख्तर, "स्टडीज ऑन द ऑक्सीडेटिव एक्टीवेशन ऑफ ए हीट शॉक प्रोटीन", डॉ. सीएच मोहन राव, 22.03.2006

राष्ट्रीय प्रतिरक्षा–विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

244. सुश्री ओमिता ए. त्रिवेदी, "बायोकेमीकल क्रॉसटॉक बिटवीन फैटी एसिड सिंथेसिस ऐंड पोलिकेटाइड सिंथेसिस इन माइक्रोबैक्टेरिया", डॉ. राजेश एस. गोखले, 13.06.2005

245. सुश्री अनुराधा मेहता, "सिंथेसिस ऑफ स्ट्रक्चरल ऐंड फंक्शनल मिमिक्स ऑफ ग्लाइकोसिल–फास्फेटाइडिल– इनोसिटोल (जीपीआइ) एंकर फॉर एप्लीकेशन इन मेम्ब्रेन स्टडीज ऐंड बायोसिंथेटिक इनहिबिशन", डॉ. आर.ए.विश्वकर्मा, 12.09.2005

246. श्री गौरव साहनी, "रिसेप्टर रिकॉग्नीशन ऑफ बायोएक्टिव पेप्टाइड्स : ए कम्प्यूटेशनल स्टडी इनवॉलविंग जीएनआरएच ऐंड अदर बायोएक्टिव पेप्टाइड्स", डॉ. दिनकर एम. सालुंके, 11.11.2005

247. श्री ध्रुव काम सेठी, "अंडरस्टेंडिंग द स्ट्रक्चरल बेसिस फॉर डिजेनरेट स्पेसिफिसिटी इन मॉलक्युलर रिकॉग्नीशन", डॉ. दिनकर एम. सालुंके, 28.11.2005

248. सुश्री गीतांजली यादव, "कंप्यूटेशनल एप्रोच फॉर अंडरस्टेंडिंग सबस्ट्रेट स्पेसिफिसिटी ऑफ पॉलिकेटाइड सिंथेसिस", डॉ. देबाशीष मोहंती, 28.11.2005

249. सुश्री कंचन शारदा, "एन्ड्रोजिन ऐंड एफएसएच मिडिएटिड सिंगनल ट्रांसडक्शन इन इम्मेच्युर ऐंड मेच्युर सेरटोली सेल्स : ए स्टडी यूजिंग रैट्स ऐंड मंकीज", डॉ. सुबीर एस. मजूमदार, 26.12.2005

250. श्री योगेश कुमार कातरे, "इफेक्ट ऑफ फॉरम्युलेशन वैरिएबल्स ऑन इम्युनोजेनिसिटी ऑफ एन्टीजेन लोडिड बायोडिग्रेडेबल पॉलिमर पार्टिकल्स", डॉ. अमूल्य के. पांडा, 19.01.2006

आणविक चिकित्साशास्त्र विशेष केंद्र

251. सुश्री निवेदिता गुप्ता, "मॉलक्युलर टाइपिंग ऐंड ड्रग रेसिसटेंस प्रोफाइलिंग ऑफ कैंडिडिअल इनफेक्शंस इन बर्न पेसेंट्स", प्रोफेसर राजेन्द्र प्रसाद और डॉ. जी. मुखोपाध्याय, 05.04.2005

252. सुश्री मनवीन कौर गुप्ता, "बायोकेमिकल ऐंड मॉलक्युलर एनालिसिस ऑफ नॉर–एपिनेफ्रीन मिडिऐटिड एपोप्टोसिस इन एच9सी2 कार्डिअक मायोबिआस्ट्स", डॉ. श्यामल के. गोस्वामी और डॉ. चिनमय के. मुखोपाध्याय, 11.08.2005

253. श्री राजेश कुमार सोनी, "फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन ऑफ रिप्लीकेशन प्रोटीन डीएनएबी हेलीकेस ऑफ हेलीकोबैक्टर पाइलोरी", डॉ. सुमन के. धर और डॉ. जी. मुखोपाध्याय, 07.03.2006

रमण अनुसंधान संस्थान, बंगलौर

254. श्री उदय कुमार खान, "सम इनवेस्टीगेशंस ऑफ लास्टर कूल्ड एटॅम्स", डॉ. हेमा रामचन्द्रन, 17.01.2006

255. सुश्री सुपर्णा रायचौधरी, "इनर्जी डिपोजिशन इनटू द इंटरगेलेक्टिक मीडियम", डॉ. बीमन नाथ, 10.01.2006

सूक्ष्म जैविक प्रौद्योगिकी संस्थान, चण्डीगढ

256. श्री बीजू इस्सा, "प्रिडिक्शन ऑफ जीन्स ऐंड रिपीटीटिव एलीमेंट्स इन यूकारयोटिक जिनोम्स यूजिंग आर्टिफिसियल इंटेलीजेंस टेक्नीक्स", डॉ. जी.पी.एस. राघव, 13.05.2005

257. श्री सी. वी. श्रीकान्त, "स्टडीज ऑन द ग्लुटाथिओन ट्रांसपोर्टर्स ऑफ द यीस्ट एस. सेरेविसिआए", डॉ. आनन्द के. बछावत, 05.07.2005

258. श्री अरविन्द कुमार सिंघला, "आइसोलेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन ऑफ बायोएक्टिव कम्पाउंड्स फ्राम एक्टिनोमाइसेट्स", डॉ. राकेश एम. वोहरा और डॉ. आर. एस. जौली (सह निर्देशक), 24.08.2005

259. श्री जगप्रीत सिंह, "मैकेनिस्टिक स्टडीज ऑन प्लाजमिनोजेन एक्टिवेशन बाई स्ट्रेप्टो काईनेज", डॉ. गिरीश साहनी, 24.10.2005

260. श्री लक्ष्मीपति खंड्रिका, "करेक्ट्राइजेशन ऑफ द इंटीग्रेस जीन ऑफ द फेज पीआइएस136 ऐंड इट्स पॉसीबल यूज ऐज ए मॉलक्यूलर टूल", डॉ. पुष्पा अग्रवाल, 10.10.2005

261. श्री सुमित, स्टडीज ऑन द मैकेनिज्म ऑफ डीएनए रिप्लीकेशन ऐंड आरएनएआइ मशीनरी इन हिटरोक्रोमेटिन एसेम्बली इन फिशॅन यीस्ट", डॉ. जगमोहन सिंह, 28.10.2005

262. सुश्री अमिता कौंडल, "स्टडीज ऑन द लार्ज प्लैज्मिड इन नॉन–01, नॉन–0139 स्ट्रेन्स ऑफ वी. कॉलेरा", डॉ. अमित घोष, 14.11.2005

263. सुश्री रेखा पुरिया, "स्टडीज ऑन जीन्स इनवाल्व्ड इन स्ट्रेस टॉलरेंस ऑफ यीस्ट ड्यूरिंग एथानोलिक फरमेंटेशन", डॉ. के. गणेशन, 29.11.2005

264. श्री चित्रांशु कुमार, "स्टडीज ऑन द रोल ऑफ वाइ–ग्लुटामाइल ट्रांसपेप्टीडेस इन ग्लुटाथिओन होमिओस्टेसिस इन यीस्ट", डॉ. अरविन्द कुमार बछावत, 13.12.2005

265. सुश्री शरनजोत सैनी, "इंटरएक्शन ऑफ डीएनए पॉलीमरेज ऐंड आरएचपी6 विद हिटरोक्रोमेटिन कम्पोनेंट्स इन स्किजोसैकैरोमाइसीज पोम्बे", डॉ. जगमोहन सिंह, 18.02.2006

विकास अध्ययन केन्द्र, तिरूवनन्तपुरम

266. श्री सैकत सिन्हा रॉय, "फेक्टर्स इन द डिटरमिनेशन ऑफ इंडिया'स एक्सपोर्ट्स", डॉ. पी. बालाकृष्णन और डॉ. के. पुष्पांगदन, 22.09.2005

267. श्री बाबू पी. रमेश,"डायनेमिक्स ऑफ रुरल लेबर इन केरला : ए केस स्टडी ऑफ रबर टेपर्स इन स्माल होलडिंग्स", डॉ. के. नारायणन नायर और डॉ. जी. ओंकारनाथ, 15.12.2005

मास्टर आफ फिलास्फी (एम.फिल.)

पर्यावरण विज्ञान संस्थान

1. सुश्री एस. चुबामेन्ला जमीर, "इफेक्ट ऑफ इंटरएक्शन बिटवीन ओजोन एक्सपोजर ऐंड एथिलीन डाइउरिआ (इडीयू) ट्रीटमेंट ऑन द परफॉरमेंस ऑफ हरबेसियस प्लांट्स", प्रोफेसर सी. के. वार्ष्णेय, 21.04.2005
2. सुश्री अंजली सिंघल, "इफेक्ट ऑफ आजोन ऑन सम मेडिसिनल प्लांट्स", प्राफेसर सी. के. वार्ष्णेय, 16.08.2005
3. श्री कपरोसांग जाउट, "नॉइज इमिसन स्पेक्ट्रा ऑफ सीएनजी ड्राइवन वेहिकल्स", प्रोफेसर वी. के. जैन, 26.10.2005
4. श्री जे. एस. चन्द्रशेखर, "इम्पेक्ट ऑफ लैंड यूज–लैंड कवर ऑन सलेक्टिड सॉयल आर्गेनिज्म्स इन ए विलेज लैंडस्केप ऑफ गढ़वाल हिमालय", प्रोफेसर के. जी. सक्सेना, 13.12.2005
5. श्री विनय कुमार उपाध्याय, "स्पेशॅल ऐंड टेम्पोरल डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ पॉलिसाइक्लिक आरोमेटिक हाइड्रोकारबंस इन रिसपिरेबल ससपेंडिड पार्टिकुलेट मैटर ऑफ दिल्ली", डॉ. पी. एस. खिलारे, 02.01.2006
6. सुश्री जया तिवारी, "न्यूट्रीएंट ट्रांसपोर्ट इन गौमती रिवर", प्रोफेसर वी. सुब्रमणियन, 09.01.2006
7. श्री रवि रंजन, "प्रिलिमिनरी स्टडी ऑन द इनवायरमेंटल जिओकेमिस्ट्री ऑफ द कुशेश्वर–स्थान ऐंड काबर–ताल वेटलैंड्स ऑफ दरभंगा ऐंड बेगूसराय डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ बिहार", डॉ. ए. एल. रामनाथन, 09.01.2006
8. श्री संजय कुमार शर्मा, "केमिस्ट्री ऑफ वाटर ऐंड सस्पेंडिड सेडीमेंट इन नर्मदा ऐंड ताप्ती रिवर्स", प्रोफेसर वी. सुब्रमणियन, 30.01.2006

अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान

9. श्री कचमथै फाइगा गंगमेई, "रोल ऑफ द ग्रीन पार्टी इन जर्मन पॉलिटिक्स 1990–2002", प्रोफेसर राजेन्द्र के. जैन, 06.05.2005
10. सुश्री सी. सौंदर्या, "इम्पेक्ट ऑफ डेमोक्रेसी ऑन इकोनॉमिक लिब्रलाइजेशन", प्रोफेसर वरुण साहनी, 06.05.2005
11. सुश्री शक्ति प्रद्यानी जेना, "द रशियन स्टेट डीयूएमए : ए स्टडी इन आर्गेनाइजेशन, पावर्स ऐंड फंक्शंस 1993–1999", प्रोफेसर शशिकान्त झा, 19.05.2005
12. श्री मसूद इमानी कलेहसर, "रिसर्जेंस ऑफ इस्लाम इन सेंट्रल एशिया ऐंड इट्स इम्पेक्ट ऑन द सोसायटी", प्रोफेसर अजय कुमार पटनायक, 31.05.2005
13. सुश्री टीना कुरियाकोस, "रोल ऑफ द वैटिकन इन इंटरनेशनल लॉ", प्रोफेसर योगेश के. त्यागी, 06.07.2005
14. श्री सी. प्रशांथ, "डब्ल्यूटीओ ऐंड सबसीडीज इन एग्रीकल्चरल सेक्टर : इंडिया'स पोजिशन", प्रोफेसर महेन्द्र पी. लामा, 27.06.2005
15. श्री डी. श्रीधर पटनायक, "द एप्लीकेशन ऑफ इंटरनेशनल लॉ फॉर द प्रोटेक्शन ऑफ पर्संस फ्राम इनफोर्स्ड डिसएप्पिअरेंसिज इन इंडिया", प्रोफेसर वाई. के. त्यागी, 06.07.2005
16. श्री राजीव सेठी, "द कंसेप्ट ऑफ 'प्रिवेंटिव स्ट्राइक' इन कंटेम्पोरेरी डिप्लोमेसी", प्रोफेसर पुष्पेश पंत, 06.07.2005
17. श्री डेविड बुहरिल, "इनवायरमेंटलिज्म ऐंड द राइज ऑफ न्यू सोसियल मूवमेंट्स इन साउथ एशिया : ए केस स्टडी ऑफ नर्मदा बचाओ आन्दोलन (इंडिया) ऐंड एन्टी–अरुण III मूवमेंट (नेपाल)", प्रोफेसर उमा सिंह, 26.07.2005
18. सुश्री अनु शर्मा, "कॉंग्रेस ऐंड द प्रेसीडेंसी ऐंड कन्ट्रोवर्सी ओवर वार पावर्स : ए स्टडी ऑफ हैती ऐंड अफगानिस्तान", डॉ. के. पी. विजयलक्ष्मी, 25.08.2005

19. श्री आकाश चन्द्र साहू, “अर्जेंटीना इन मरकोसर ड्यूरिंग 1990’स”, प्रोफेसर आर. एल. चावला, 14.09.2005

20. सुश्री ह्युन सुन को, “एम्पावरमेंट ऑफ वुमन ऐंड द रोल ऑफ कल्चर : ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ इंडिया ऐंड पाकिस्तान”, प्रोफेसर उमा सिंह, 29.10.2005

21. श्री आशिहरु दिखो, “इम्पेक्ट ऑफ वार ऑन इनवायरमेंट : द केस ऑफ कुवैत इन द गल्फ वार 1991”, प्रोफेसर गुलशन डायटल, 29.10.2004

22. श्री प्रमोद कुमार, “डेमोक्रेटिक प्रोसिस ऐंड मल्टी पार्टी सिस्टम इन उजबेकिस्तान”, डॉ. फूल बदन, 22.11.2005

23. सुश्री गीतिका श्रीवास्तव, “इनवेस्टर्स’ साइकोलॉजी ऐंड प्राइस वोलटिलिटी इन स्टॉक मार्किट”, डॉ. गुरबचन सिंह, 27.10.2005

24. श्री जसबंत पान, “सिविल वार इन सादर्न सूडान (1956–2001)”, प्रोफेसर अजय कुमार दुबे, 10.11.2005

25. श्री प्रदीप कुमार जेना, “सोसियो–कल्चरल इम्प्लीकेशंस ऑफ ग्लोबलाइजेशन इन सेंट्रल एशिया”, प्रोफेसर अजय पटनायक, 21.11.2005

26. श्री गतिकुशना महंत, “सोवियत इकोनॉमिक पॉलिसी इन सेंट्रल एशिया, 1917–1985”, प्रोफेसर के. वारिकू, 21.11.2005

27. श्री शमशाद अहमद खान, “जापान’स कंस्टीट्यूशन : रिलीवेंस ऑफ पेसिफिज्म इन द पोस्ट कोल्ड वार पीरियड”, डॉ. एच. एस. प्रभाकर, 24.11.2005

28. सुश्री निधि शुक्ला, “द यू. एस. प्रेजेंस इन सेंट्रल एशिया : इम्प्लीकेशंस फॉर द सिक्योरिटी ऑफ द रीजन”, प्रोफेसर एस. के. झा, 24.11.2005

29. श्री प्रवीण कुमार यादव, “इंडिया’ज तिब्बत पॉलिसी (1950–1988)”, प्रोफेसर के. वारिकू, 24.11.2005

30. सुश्री कंचन यादव, “इंडिया–पाकिस्तान निगोसिएशंस ऑन कश्मीर सिंह शिमला एग्रीमेंट (1972)”, प्रोफेसर उमा सिंह, 24.11.2005

31. सुश्री राधिका मोहन, “चाइना इंडिया रिलेशंस : फ्राम सिक्योरिटी डाइलेमा टू को–आपरेटिव सिक्योरिटी”, डॉ. सविता पाण्डे और प्रोफेसर सी. राजा मोहन (सह निर्देशक), 24.11.2005

32. श्री अक्षय कुमार सिंह, “द कंसेप्ट ऑफ ह्यूमन सीक्योरिटी : साउथ एशियन क्रिटिक”, डॉ. सविता पाण्डे, 24.11.2005

33. श्री हरिप्रसाद सी.जी., “द डिटरमिनेंट्स ऑफ ग्राउंड वाटर इक्सप्लोइटेशन इन इंडिया ऐंड ऑप्टिमल पॉलिसी ऑप्शंस – एन इंटरस्टेट एनालिसिस : 1950–2000”, प्रोफेसर आलोकेश बरुआ, 09.12.2005

34. श्री दीपक प्रकाश भट्ट, “द सोशॅल ऐंड प्रोफेशनल स्ट्रक्चर ऑफ रोयल नेपालीज आर्मी”, प्रोफेसर एस.डी. मुनि, 09.12.2005

35. श्री अनुपम कुमार, “जियोपॉलिटिक्स ऑफ सेंट्रल एशिया : द इंडियन पर्सपेक्टिव”, श्री अमब्रीश ढाका, 09.12.2005

36. श्री अरुण कुमार राव, “साउथ अफ्रीका’स इकोनॉमिक रिलशनशिप विद इंडिया ऐंड ब्राजील इन द कंटेक्सट ऑफ साउथ–साउथ को–ऑपरेशन (1994–2004)”, डॉ. सुबोध नारायण मालाकर, 09.12.2005

37. श्री एडविन प्रबू ए., “ब्राजील : डिटरमिनेंट्स ऑफ फॉरिन डाइरेक्ट इनवेस्टमेंट ऐंड इट्स इम्पेक्ट ऑन ग्रोथ (1980–2000)”, प्रोफेसर आर. एल. चावला, 09.12.2005

38. श्री रंजीत मुन्डु, “रोल ऑफ एक्सटरनल पावर्स इन द स्ट्रगल फॉर इंडिपेंडेंस इन ईस्ट टीमोर, 1974–2002”, डॉ. मनमोहिनी कौल, 09.12.2005

39. श्री ए. विनोद कुमार, “ग्लोबलाइजेशन ऐंड द डिफेंस इन्डस्ट्री : स्टडिइंग पोस्ट कोल्ड वार ट्रेंड्स”, डॉ. स्वर्ण सिंह, 10.12.2005

40. श्री वी. सुधाकर, “फ्राम कंटैनमेंट टू इंगेजमेंट : चेजिंग पैटर्न्स इन इंटर–कोरियन रिलेशंस, 1998–2004”, डॉ. एच.एस. प्रभाकर, 15.12.2005

41. सुश्री श्रेष्ठा भट्टाचार्य, "पोस्ट किम II सुंग ईरा : नार्थ कोरिया'ज पैटर्न ऑफ इकोनॉमिक डिवलपमेंट", प्रोफेसर एच.एस. प्रभाकर, 15.12.2005

42. श्री राज यादव, प्राइवेटाइजेशन इन रशिया – 1992–2002", प्रोफेसर गुलशन सचवेवा, 15.12.2005

43. श्री सत्य प्रकाश, "पालिटिकल डिवलपमेंट इन युक्रैन (1991–2000)", प्रोफेसर शशिकांत झा, 15.12.2005

44. सुश्री संगीता कुमारी, "क्रिएशन ऑफ द स्टेट ऑफ इजराइल : इट्स इम्पैक्ट ऑन प्लेस्तिनियन वुमन", प्रोफेसर गुलशन डायटल, 15.12.2005

45. श्री ए. अरुण प्रशांथ, "रीजनल को–आपरेशन इन साउदर्न अफ्रीका : अचीवमेंट्स ऐंड चेलेंजिस ऑफ साउदर्न अफ्रीका डिवलपमेंट कम्यूनिटी (एसएडीसी) 1994–2004", प्रोफेसर अजय कुमार दुबे, 15.12.2005

46. सुश्री नेल्ली भट्टाचारजी, "सिंगापुर इन द एज ऑफ ग्लाबलाइजेशन, 1991–2004", डॉ. गंगनाथ झा, 10.12.2005

47. सुश्री लोपामुद्रा पान्डा, "सोसियो–इकोनॉमिक डिवलपमेंट इन सोवियत सेंट्रल एशिया (1924–1985) : ए केस स्टडी ऑफ उजबेकिस्तान", प्रोफेसर के. वारिकू, 15.12.2005

48. श्री बालाकृष्ण एस., "ईरान'स पॉलिसी टुवार्ड्स द गल्फ वार (1990–91) : द डोमेस्टिक डिबेट", प्रोफेसर गुलशन डायटल, 15.12.2005

49. श्री शेली जॉनी, "द इस्लामिक रिवोल्युशनरी गॉर्ड्स कॉर्प्स ऐज एन एक्टर इन द ईरानियन पालिटिकल सिस्टम : द खुमेनी ईरा", प्रोफेसर गुलशन डायटल, 15.12.2005

50. सुश्री पूज्या जेनिफर पासकल, "इमर्जिंग रोल ऑफ प्राइवेट मिलिट्री कम्पनीज : ए केस स्टडी ऑफ द यूएस वार इन ईराक", डॉ. स्वर्ण सिंह, 27.12.2005

51. श्री अमरेश कुमार सिंह, "द राइज ऑफ द एथनिक ऐंड रीजनल मूवमेंट्स इन नेपाल : ए केस स्टडी ऑफ मधेशी मूवमेंट", प्रोफेसर एस.डी. मुनि, 27.12.2005

52. श्री एस. सेंथिल कुमार, "सम लीगल आस्पेक्ट्स ऑफ जिऑगर्फिकल इंडिकेशंस (जीआइएस) इन इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टी लॉ ऐंड डिवलपिंग कंट्रीज", डॉ. वी. जी. हेगड़े, 27.12.2005

53. सुश्री रुबी चौधरी, "द इयुफ्रेट्स ऐंड टिग्रिस रिवर बेसिन डिस्प्यूट : ए क्रिटिकल जिऑपालिटिकल एनालिसिस", डॉ. एस. एस. देवड़ा, 27.12.2005

54. श्री गुरुकल्याण राउत, "लोकर सेल्फ गवर्नमेंट इन रशिया ड्यूरिंग येलत्सिन पीरियड", डॉ. एस. के. पाण्डेय, 27.12.2005

55. श्री आशुतोष सिंह, "द रिलेशनशिप बिटवीन द एक्सीक्यूटिव ऐंड द लेजिसलेचर इन रश्यिा, 1991–2000", डॉ. एस.के. पाण्डेय, 27.12.2005

56. श्री अशोक कुमार, "जिऑगर्फि, रिर्सोसिज ऐंड एथनिक पॉलिटिक्स : ए केस स्टडी ऑफ द सूडान", डॉ. एस.एस. देवड़ा, 28.12.2005

57. श्री कमल कान्त दास, "मिलिट्री ऐंड पॉलिटिक्स इन पोस्ट–सुहारतो इंदोनेशिया", डॉ. शंकरी सुन्दररमण, 16.01.2006

58. श्री सुभाशीष बेरा, "मेजरमेंट ऑफ डिजिटल डिवाइड इन एशिया ऐंड इंडिया : ए फ्रेमवर्क फॉर क्रोस–कंट्री ऐंड इंटर–स्टेट एनालिसिस", प्रोफेसर अमित एस. रे, 16.01.2006

59. श्री पीटर की, "रोल ऑफ वेरिफिकेशन इन आर्म्स कंट्रोल : ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ द बायोलॉजिकल ऐंड टॉक्सिन वीपन्स कंनवेंशन (बीटीडबल्यूसी) ऐंड द केमिकल वीपन्स कंनवेंशन (सीडबल्यूसी)", डॉ. स्वर्ण सिंह, 16.01.2006

60. सुश्री सुपोकाइमला, "द मारोनिट्स ऐंड द बिगिनिंग ऑफ द सिविल वार इन लेबनान (1975–1976)", प्रोफेसर गुलशन डायटल, 16.01.2006

61. श्री मनोज कुमार, "पॉलिटिकल इनस्टेबिलिटी इन चाड (1994–2002)", डॉ. एस. एन. मालाकर, 16.01.2006

62. सुश्री अनांग कोवित्सथिंचई, "थाइलैंड ऐंड एशियन रीजनल फॉरम (एआरएफ) : ए स्टडी ऑफ चेलेंजिंग इश्यूज", डॉ. गंगनाथ झा, 16.01.2006

63. श्री मोंत्री विवासुख, "एफटीए बिटवीन इंडिया ऐंड थाइलैंड : ए स्टडी ऑफ स्ट्रेटिजीज ऑफ को–ऑपरेशन ऐंड कंप्टीशन", डॉ. शंकरी सुन्दररमन, 16.01.2006

64. श्री एल. चैतन्य किशोर रेड्डी, "इंडिया–ईरान रिलेशंस विद स्पेशॅल रिफ्रेंस टू अफगानिस्तान अंडर तालिबान", प्रोफेसर गुलशन डायटल, 16.01.2006

65. सुश्री शन्नु नारायण, "इंडिया ऐंड द बाइलेट्रल टेक्स ट्रीटीज : ए लीगल स्टडी", डॉ. वी. जी. हेगड़े, 19.01.2006

66. श्री आलोक ओझा, "इंटर एथनिक क्लीवेजिज ऐंड देयर इम्पेक्ट ऑन सिक्योरिटी इन सेंट्रल एशिया, 1991–2001", डॉ. संजय कुमार पाण्डेय, 19.01.2006

67. श्री उमाकांत दुबे, "स्ट्रेटिजिक को–ऑपरेशन बिटवीन रशियन ऐंड इंडिया 1991–2000", प्रोफेसर एस. के. झा, 19.01.2006

68. सुश्री स्तुति भटनागर, "द पॉलिसी ऑफ द इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान टुवर्ड्स इजरायल", डॉ. पी.आर.कुमारस्वामी, 19.01.2006

69. श्री शिव पूजन प्रसाद पाठक, "ग्लोबलाइजेशन ऐंड रिजीम टाइप : ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ चाइना ऐंड इंडिया", डॉ. सिद्धार्थ मालावरपु, 19.01.2006

70. श्री दीपक यादव, "रशिया–चाइना रिलेशंस 1991–2001", डॉ. भास्वती सरकार, 19.01.2006

71. श्री आर. श्रीनिवास राघवन, "स्ट्रक्चरल एडजस्टमेंट प्रोग्राम ऐंड इट्स इम्पैक्ट ऑन फूड सीक्योरिटी इन घाना फ्राम 1983 टू 2004", डॉ. एस. एन. मालाकार, 19.01.2006

72. श्री डी. एस. मक्कालनबन, "वर्ल्ड ट्रेड आर्गेनाइजेशन : ए स्टडी ऑफ इट्स स्ट्रक्चरल ऐंड फंक्शनल इवोल्युशन", डॉ. अर्चना नेगी, 20.01.2006

73. सुश्री जोयसी सबीना लोबो, "राइज ऑफ आलीगार्क्स इन रशिया : द येल्तसिन ईरा", प्रोफेसर अनुराधा एम. चिनॉय, 20.01.2006

74. श्री भारत रतनम, "थिऑरि ऐंड प्रेक्टिस ऑफ फेडरेलिज्म इन पाकिस्तान (1989–1999)", डॉ. सविता पाण्डे, 20.01.2006

75. श्री शेषदेव बहेरा, "बंगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी ऐंड इस्लामिक एक्सट्रिमिज्म इन बंगलादेश : ड्यूरिंग 1991–1996", डॉ. संजय के. भारद्वाज, 20.01.2006

76. श्री राकेश कुमार रंजन, "इम्पैक्ट ऑफ यूएन सैंक्शन ऑन द सोसॅल सेक्टर इन ईराक, 1990–2003", डॉ. पी.सी. जैन, 20.01.2006

77. श्री साद बिन जिआ, "टर्किश फ्रीडम मूवमेंट, यंग टर्क्स ऐंड रोल ऑफ अल–हिलाल (1912–1914)", प्रोफेसर ए.के. पाशा, 20.01.2006

78. श्री विश्वजीत पेगू, "रीजनल को–ऑपरेशन इन द साउथ पेसिफिक इन द पोस्ट–कोल्ड वार ईरा : ए केस स्टडी ऑफ पेसिफिक आइसलेंड्स फॉरम", डॉ. मनमोहिनी कौल, 25.01.2006

79. श्री कार्थिकेयन ए. वी., "यू एस पॉलिसी टुवर्ड्स ताइवान ड्यूरिंग द क्लिंटन एडमिनिस्ट्रेशन, 1993–2000", डॉ. चिन्तामणि महापात्रा, 20.01.2006

80. श्री अरुण कुमार नायक, "डिफोरिस्टेशन इन बंगलादेश (विद स्पेशॅल रिफ्रेंस टू चित्तागोंग हिल ट्रेक्ट्स)", प्रोफेसर आई. एन.मुखर्जी, 20.01.2006

81. श्री विजय कुमार बडेतिया, "स्ट्रक्चर ऑफ लोकल गवर्नमेंट इन साउथ अफ्रीका ऐंड इंडिया : ए कम्पैरेटिव स्टडी (1994–2004)", डॉ. एस. एन. मालाकार, 23.01.2006

82. सुश्री शेरिंग चोनजोम भुटिया, "इश्यूज ऑफ सोवरनटी, एथनिसिटी ऐंड नेशनलिटी इन द पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना : द केस ऑफ तिब्बत", डॉ. मधु भल्ला, 25.01.2006

83. सुश्री अंगिरा सेन सर्मा, "यूनाइटिड स्टेट्स–सेंट्रल एशिया रिलेशंस, 1991–2001", प्रोफेसर के. वारिकू, 31.01.2006

84. श्री दिनोज कुमार उपाध्याय, "रशिया–यूरोपियन यूनियन रिलेशंस, 1994–2004", डॉ. गुलशन सचदेवा, 31.01.2006

85. सुश्री दीपिका फुलोरिया, "सिक्योरिटी इनवायरमेंट इन नार्थ–ईस्ट एशिया : चेंजिंग प्रोफाइल ऑफ जेपनीज सीक्योरिटी पॉलिसी सिंस 1990", डॉ. एच. एस. प्रभाकर, 31.01.2006

86. श्री रोबर्ट टी. चांगसन, "इंडो–अफ्रीकन रिलेशंस (1994–2004)", प्रोफेसर अजय कुमार दुबे, 07.02.2006

87. सुश्री मोनिका चड्ढा, "अमेरिकन मीडिया ऐंड कवरेज ऑफ द अफगानिस्तान ऐंड ईराक वार्स : कम्पैरीजन", डॉ. चिन्तामणि महापात्रा, 16.02.2006

88. श्री अरुप कुमार डेका, "माइग्रेशन ऐंड कंफ्लिक्ट : ए केस स्टडी ऑफ बंगलादेश माइग्रेंट्स इन आसाम फ्राम 1975–1985", प्रोफेसर महेन्द्र पी. लामा, 16.02.2006

89. सुश्री उमा पुरुषोत्तम, "यूएस–टर्की रिलेशंस ऐंड द ईराक वार", प्रोफेसर क्रिस्टोफर एस. राज, 21.02.2006

90. श्री शेलेन्द्र सिंह चौहान, "सिक्किम ऐज ए फैक्टर इन सिनो–इंडियन रिलेशंस (1975–2003)", प्रोफेसर महेन्द्र पी. लामा, 23.02.2006

91. श्री राजीव कुमार रंजन, "यूनाइटिड नेशंस डिवलपमेंट प्रोग्राम ऐंड ह्यूमन डिवलपमेंट : ए केस स्टडी ऑफ इंडिया", डॉ. येशी चोइदान, 16.02.2006

92. श्री अनुराग रंजन, "मीडिया ऐंड डेमोक्रेटाइजेशन इन हंगरी ऐंड रोमानिया : 1989–1999", डॉ. भास्वती सरकार, 23.02.2006

93. सुश्री नेहा कोहली, "द स्टेटस ऑफ शिआज इन साउदी अरेबिया", डॉ. पी. आर. कुमारस्वामी, 16.02.2006

94. श्री रितु रंजन कुमार, "पॉलिटिकल इम्पावरमेंट ऑफ वुमन इन सेंट्रल एशिया, 1991–2000", डॉ. फूल बदन, 06.03.2006

95. सुश्री दोरथी राय चौधरी, "फॉरन ट्रेड ऑफ द सेंट्रल एशिया रिपब्लिक्स 1992–2004", डॉ. ताहिर असगर, 06.03.2006

96. श्री दिब्यानंद साहू, "ग्लोबलाइजेशन ऐंड डेमोक्रेटाइजेशन इन पोस्ट–सोवियत सेंट्रल एशिया", डॉ. ताहिर असगर, 06.03.2006

97. सुश्री नीकेसानुओ सोरही, "वुमन इन कंफ्लिक्ट : ए केस स्टडी ऑफ माओइस्ट इनसरजेंसी इन नेपाल", प्रोफेसर उमा सिंह, 06.03.2006

98. श्री चो ओउन हो, "इनसरजेंस इन नार्थ–ईस्ट इंडिया : एक्सटरनल डाइमेंशंस सिंस द अर्ली 1980'ज", डॉ. पी. सहदेवन, 06.03.2006

99. सुश्री थारी सितकिल, "ऐसिमेट्रिक फेडरलिज्म : द केस ऑफ कनेडियन इनूइट ऐंड द मिजोज इन इंडिया", प्रोफेसर क्रिस्टोफर एस. राज, 06.03.2006

100. सुश्री रिचा चिंतन, "इम्पैक्ट ऑफ एग्रीकल्चरल ट्रेड लिबरलाइजेशन ऑन क्रोपिंग पैटर्न्स ऐंड फार्म इनकम", प्रोफेसर मनमोहन अग्रवाल, 14.03.2006

101. श्री आचेंजर, "सिविल–मिलिट्री रिलेशंस अंडर द येलत्सिन पीरियड", प्रोफेसर अनुराधा चिनॉय, 14.03.2006

102. श्री प्रताप चन्द्र मोहन्ती, "इनवायरमेंटल कंसर्न्स ऐंड पावर्टी अलिविएशन इन डिवलपिंग कंट्रीज : रोल ऑफ नॉन–मार्किट इंस्टीट्यूशंस", प्रोफेसर एस. के. दास, 17.03.2006

103. सुश्री संयोगिता प्रमोद चुरी, "काउंटरिंग टेररोरिज्म थ्रू डिप्लोमेसी : इंडया'ज सर्च फॉर इंटरनेशनल सपोर्ट इन द पोस्ट 9/11 पीरियड", डॉ. पी. सहदेवन, 28.03.2006

104. श्री प्रमोद कुमार मंडल, "ट्रांसफर ऑफ डिफेंस टेक्नोलॉजी फ्राम रशिया टू इंडिया 1991–2001", डॉ. भास्वती सरकार, 28.03.2006

105. श्री अनिल रजाक, "ए स्टडी ऑफ सेनेगल–इंडिया रिलेशंस (1994–2003)", डॉ. एस. एन. मालाकार, 29.03.2006

भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान

106. मोहम्मद सादिक हुसैन, "ए क्रिटिकल स्टडी ऑफ सोसियो–पॉलिटिकल कंडीशन इन ईरान एज रिफलेक्टिड इन बहार'स कसीदाज", डॉ. अखलाक अहमद अनसारी, 26.04.2005

107. श्री राज शेखर, "अज्ञेय की कहानियों में स्त्री–पुरुष संबंधों की अभिव्यक्ति", डॉ. गोबिन्द प्रसाद, 26.04.2005

108. श्री ए.क्यू.एम.ए. रहमान भुयान, फ्राम बॉम्बे टू बोस्टन : द लोकेशन ऑफ होमी के. भाभा", प्रोफेसर मकरंद प्रांजपे, 26.04.2005

109. सुश्री उमा शंकर, "Le Theme De L'insularite Dans Nour 1947 De Raharimanana", प्रोफेसर के. माधवन, 26.04.2005

110. सुश्री नीरजा यादव, "को–ऑर्डिनेशन इन खासी, सन्थाली ऐंड खारिया : ए टाइपोलॉजिकल स्टडी", प्रोफेसर अनविता अब्बी, 04.05.2005

111. मोहम्मद इरफान, "द इम्पैक्ट ऑफ इंडियन फिलॉसफीज ऑन द राइटिंग ऑफ सादेग़ हिदायत", प्रोफेसर एस. ए. हसन, 26.04.2005

112. मोहम्मद सलीम, "मेथड्स ऑफ अरेबिक लैंग्वेज स्टडी इन इंडियन मदरसाज बिटवीन टीचिंग ऐंड अचीवमेंट", प्रोफेसर एस. ए. रहमान, 26.04.2005

113. श्री अवाद मिलिंद एकनाथराव, "अन्नाभाउ साठे'ज लाइफ ऐंड वर्क : फ्राम मार्क्स टू अम्बेडकर", प्रोफेसर मकरंद प्रांजपे, 10.05.2005

114. सुश्री अनीता कोरीवाल, "El Tratamiento De La Identidad Circumstancialy Conceputal En Hombres De Malz De Miguel Angel Asturias", डॉ. इंदिरानी मुखर्जी और प्रोफेसर एस.पी.गांगुली, 16.05.2005

115. श्री वसी अहमद आजम अंसारी, "प्रेमचंद के नॉवेलों में दलित मसायल की अक्कासी मैदान–ए–अमल की रोशनी में", डॉ. मोहम्मद शाहिद हुसैन, 09.05.2005

116. सुश्री आरती कुमारी, "Die Rolle Des Mythos in Den Werken Von Heiner Muller", डॉ. मधु साहनी, 09.05.2005

117. सुश्री केथरीन लालह्रुएत्युआंजी सी., "क्रिश्चिअनिटी, कॉलोनिअलिज्म ऐंड कल्चर : ए स्टडी ऑफ द मिजो इस्प्रिचुअल्स", प्रोफेसर मकरंद प्रांजपे, 10.05.2005

118. सुश्री प्रीति पंत, "Tagore Y Marti : Dos Figuras Literarias Ante El Poder Ajeno", प्रोफेसर एस.पी. गांगुली, 01.06.2005

119. सुश्री चिनार दारा, "पैटर्न्स ऑफ प्रोसोडिक ब्रेकडाउन इन पंजाबी–स्पीकिंग एफेजिक्स", प्रोफेसर वैश्ना नारंग और प्रोफेसर माधुरी बिहारी (सह निर्देशक), 07.06.2005

120. मोहम्मद आफताब अहमद, "प्रॉबलम्स ऑफ लिट्रेरी ट्रांसलेशंस (अरेबिक–उर्दू)", प्रोफेसर एस. ए. रहमान, 08.06.2005

121. श्री जावेद कमर, "अल्लामा अहमद रिदा : हिज लाइफ ऐंड वर्क्स", प्रोफेसर एस.ए. रहमान, 09.06.2005

122. सुश्री कात्रे मधुवंती विजयकुमार, "asKants "Was Ist Aufklarung" Und "Zum Ewigen Frieden" Auf Marathi Kritik Einer Ubersetzung", प्रोफेसर राजेन्द्र डेंगले, 09.06.2005

123. सुश्री रिचा, "पजेसिव रिफलेक्सिव ऐंड प्रोनोमिनल्स इन हिंदी–उर्दू ऐंड इंडियन साइन लैंग्वुएज", डॉ. आयशा किदवई, 28.06.2005

124. श्री अब्दुल रहमान, "नइयर मसूद की अफसाना निगारी "तौस–ए–चमन की मैना के हवाले से", डॉ. के.एम. इकरामुद्दीन, 09.05.2005

125. श्री नमन अहमद, "जोश की शायरी में एहतिजाज : एक तजजियाती मोताला", प्रोफेसर नसीर अहमद खान, 07.07.2005

126. सुश्री भट्ट उज्ज्वल संजय, "Une Etude De l'identite Quebecoise A Travers Les Teletheatres De Marcel Dube", डॉ. अभिजीत कारकून, 26.08.2005

127. श्री अश्फाक जफर, "सय्यीद अबुल हसन अली नदवी ऐंड हिज अरब हिस्ट्री राइटिंग (एन एनालिटिकल स्टडी)", डॉ. जोहुरुल बारी आजमी, 13.09.2005

128. श्री लियाकत अली अफाकी, "ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ अरेबिक मीडिया इन कतर ऐंड यू.ए.ई. सिंस 1971", प्रोफेसर एफ. यू. फारुखी, 13.09.2005

129. श्री राजेन्द्र परिहार, "(यूएन) ट्रांसलेटिड जीनियस : ए स्टडी ऑफ द 'इंग्लिश' प्रेमचंद", प्रोफेसर मकरंद प्रांजपे, 13.09.2005

130. श्री निशान्त कुमार यादव, "आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का गद्य संबंधी चिन्तन", प्रोफेसर मैनेजर पाण्डेय, 23.09.2005

131. श्री तनबीर अहमद, "उर्दू में साइंटिफिक तनकीद : एहतेशाम हुसैन के हवाले से" (साइंटिफिक क्रिटिसिज्म इन उर्दू विद स्पेशॅल रिफ्रेंस टू एहतेशाम हुसैन)", डॉ. एस. एम. अनवार आलम, 22.09.2005

132. श्री आशा राम भार्गव, "'कब तक पुकारुं' में अभिव्यक्त राजस्थानी जनजातीय जीवन" (राजस्थानी ट्राबल लाइफ ऐज डिपिक्टिड इन 'कब तक पुकारुं), प्रोफेसर मैनेजर पाण्डेय, 23.09.2005

133. श्री ज्योतिमय बाग, "स्वाधीनता आन्दोलन के संदर्भ में 'पथ के दावेदार' और 'कर्मभूमि' का तुलनात्मक अध्ययन" (कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ 'पथ के दावेदार' और 'कर्मभूमि' इन द कंटेक्स्ट ऑफ फ्रीडम मूवमेंट), प्रोफेसर मैनेजर पाण्डेय, 14.11.2005

134. श्री राजीव रंजन गिरी, "खड़ी बोली पद्य का आन्दोलन और अयोध्या प्रसाद खत्री" (मूवमेंट ऑफ खड़ी बोली पोइट्री ऐंड अयोध्या प्रसाद खत्री), डॉ. वीर भरत तलवार, 10.11.2005

135. मोहम्मद अकरम, "ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ उमरा–ओ–जान अदा'ज फिल्म ऐंड नॉवेल" (उमरा–ओ–जान अदा बहैसियात नॉवेल और फिल्म : एक तकाबली मुतालिआ), प्रोफेसर नसीर अहमद खान, 05.12.2005

136. मोहम्मद इम्तियाज आलम, "उर्दू में परोदी की रिवायत एक तनकीदी मोताला" (ट्रेन्ड ऑफ परोदी इन उर्दू – ए क्रिटिकल स्टडी), डॉ. ख्वाजा मोहम्मद इकरामुद्दीन, 05.12.2005

137. श्री तजामुल हुसैन, "तरक्की पसंद अफसाना निगारों में गुलाम अब्बास का मुकाम", डॉ. मजहर हुसैन, 05.12.2005

138. सुश्री शरली वासन, "Romani Prestupleniye l Nakazanive F.M. Dostoevaskogo l "Otyets Gorio" Honore DeBalzaca : Khudozhestvenniye Osobennosti", प्रोफेसर अमर के. बासु, 05.12.2005

139. श्री अभिषेक, "राष्ट्रीय आत्मबोध और धार्मिक अस्मिता का अन्तःसंबंध संदर्भ : भारतेन्दु कृत नीलदेवी (गीति रुपक)", डॉ. पुरुषोत्तम अग्रवाल, 15.12.2005

140. श्री गंगा सहाय मीणा, "'झूठन और तिरस्कार' में दलित चेतना का तुलनात्मक अध्ययन", डॉ. वीर भरत तलवार, 15.12.2005

141. सुश्री संगीता वर्मा, "वैश्य जीवन का मिथ और यथार्थ : संदर्भ सलाम आखिरी", डॉ. वीर भरत तलवार, 15.12.2005

142. श्री अब्दुल हक कमाल, "शहरयार की नज्म गोई : नई शायरी के तनाजुर में (शहरयार'स पोइट्री राइटिंग इन पर्सपेक्टिव ऑफ न्यू पोइट्री)", डॉ. मजहर हुसैन, 16.12.2005

143. श्री महमूद आलम, "जदीद उर्दू गजल में जफर इकबाल की इनफिरादियत", डॉ. ख्वाजा मोहम्मद इकरामुद्दीन, 15.12.2005

144. मोहम्मद इम्तियाज आलम, "सिराज औरंगाबादी की गजलों में इश्क के तसउवुर" (कंसेप्ट ऑफ लव इन सिराज औरंगाबादी'ज गजलियात), डॉ. ख्वाजा मोहम्मद इकरामुद्दीन, 15.12.2005

145. श्री मोहम्मद नौशाद आलम, "ऑटोबायोग्राफीज ऑफ उर्दू राइटर्स ऐंड पोइट्स आफ्टर 1980", डॉ. मजहर हुसैन, 15.12.2005

146. श्री मोसलेहउद्दीन तौसीफ," बाबा लोग में मुशारती जिंदगी की अक्कासी (रिफलेक्शन ऑफ सोशल लाइफ इन बाबा लोग)", डॉ. ख्वाजा मोहम्मद इकरामुद्दीन, 15.12.2005

147. श्री नौशाद आलम, "द कल्चर ऑफ दिल्ली ऐज रिफलेक्टिड इन द राइटिंग्स ऑफ मिरजा फरहतुल्लाह बेग", डॉ. मजहर हुसैन, 13.12.2005

148. सुश्री गीतिका गुप्ता, "मीनिंग जेनरेशन ऑफ द टेक्स्ट : द स्टोर्मी बाई ऑस्ट्रोवस्की इन फेमिनिस्ट क्रिटिसिज्म", प्रोफेसर अमर बसु, 15.12.2005

149. श्री अब्दुल वासेय, "ए क्रिटिकल स्टडी ऑफ मनशियात–ए–कायम मकाम", प्रोफेसर एस.ए. हसन, 21.12.2005

150. सुश्री शास्वती साहा, "Mediation Culturelle Dans Les Traductions De Stanadayni De Mahasweta Devi", डॉ. एन. कमला, 17.01.2006

151. श्री इमामुद्दीन खान, "ख्वाब बाकी हैं (एक तजजियाती मुताला)" (ख्वाब बाकी हैं : एन अनालिटिकल स्टडी), डॉ. एस.एम. अनवार आलम, 17.01.2006

152. सुश्री साबरा शबनम सिद्दिकी, "इकबाल का तसवुर–ए–इसाक" (नुमाइंदा नजमों की रोशनी में)" कंसेप्ट ऑफ लव इन इकबाल'स पाइट्री (विद स्पेशल रिफ्रेंस टू रिप्रेजेंटेटिव पोइम्स), डॉ. एस.एम. अनवार आलम, 17.01.2006

153. श्री तंजील अथर, "उर्दू की अवामी रवायत (लोक गीतों के हवाले से)", प्रोफेसर मोहम्मद शाहिद हुसैन, 17.01.2006

154. श्री जफरुल्लाह अंसारी, "मीर की मसनविओं में इश्क का तसव्वुर", डॉ. मजहर हुसैन, 17.01.2006

155. सुश्री तरीना लहिरी भट्टाचार्य, "द शॉर्ट स्टोरीज ऑफ चेखोव ऐंड बोनोफुल : आर्टिस्टिक पेक्युलिअर्टीज", प्रोफेसर अमर के बसु, 20.01.2006

156. श्री सयेदुज्जमा खान, "अनारकली और ध्रुवस्वामिनी–एक तुलनात्मक अध्ययन", डॉ. वीर भरत तलवार, 17.01.2006

157. मोहम्मद मुरतजा अली, "एन इवेल्युएटिव स्टडी ऑफ नुजहतुल–ख्वातिर–वा–बहातुल–मसामिआ–वा–अल–नवारिर लिस सैयद अब्दुल हई अल–हसनी", डॉ. मजीबुर रहमान, 24.01.2006

158. श्री नबील अहमद हाफिज मिरजा, "अल्लामा अब्दुल हई अल–हसनी ऐज ए लिट्रेरी हिस्टोरियन", प्रोफेसर मोहम्मद असलम इसलाही, 23.01.2006

159. सुश्री रश्मी गुरजर, "La Traduction Et L'Humour Dans Vyakti Ani Valli De P.L.Deshpande", प्रोफेसर किरण चौधरी, 24.01.2006

160. सुश्री घनेकर तेजश्री प्रभाकर, "Lectires Interactives De Salut Galarneau De Jacques Godbout", प्रोफेसर किरण चौधरी, 24.01.2006

161. मोहम्मद फैजुल्लाह खान, "L'Hybridite Culturelle Et La Traduction Dans Les Nouvelles De Bhishm Sahni", प्रोफेसर किरण चौधरी, 24.01.2006

162. श्री मुनव्वर अब्बास, "नई गजल में अहमद मुश्ताक का मुकाम", प्रोफेसर मोहम्मद शाहिद हुसैन, 24.01.2006

163. श्री अमरेन्द्र कुमार सिंह, "कंसोनेंट क्लस्टर्स इन तिब्बतो–बर्मा लैंग्वेजिज : एन एप्टीमलिटी – थिऑरेटिक अप्रोच", प्रोफेसर पी.के.एस. पाण्डेय, 24.01.2006

164. श्री बिपिन कुमार शर्मा, "प्रेमचंद की कहानियों में स्वराज्य की अवधारणा", प्रोफेसर मैनेजर पाण्डेय, 27.01.2006

165. मोहम्मद राशिद हुसैन, "कंट्रीब्यूशंस ऑफ मीर सैयद अली हमदानी टू ट्रांसमीशन ऑफ पर्सियन लैंग्वेज,, लिट्रेचर ऐंड कल्चर टू द इंडियन सबकंटीनेंट", डॉ. सैयद अख्तर हुसैन, 06.02.2006

166. सुश्री इस्थर सुकृति नरजीनारी, "ट्रांसलेटिंग मार्जिंस : द ट्रांसलेशन ऑफ धरनी धर ओवारी'ज "एमडब्लूआइएचयूआर" प्रोफेसर हरीश नारंग, 06.02.2006

167. श्री आशुतोष आनन्द, "Opyt Issledovaniya conovo Tipa Afzii : Sluchat Odnovo Bol "NOVO" Poteryavshevo Sposobnost" Proizvodstva Rechi V Rezul' Tate Dorozhnoi Avarii", प्रोफेसर एच.सी. पांडे, 10.02.2006

168. सुश्री मीनाक्षी पाण्डेय, "द शॉर्ट स्टोरीज ऑफ ए.पी.चेकोव और आर.के. नारायण : ऑर्टिस्टिक पेक्युलिअरिटीज", प्रोफेसर ए.के.बसु, 10.02.2006

169. मोहम्मद राशिद, "द कंट्रीब्यूशन ऑफ यूनिवर्सिटी टीचर्स टू द अरेबिक स्टडीज इन इंडिया –1970–2004 : एन एनालिटिकल स्टडी", डॉ. मुजीबुर रहमान, 10.02.2006

170. श्री अब्दुल मलिक, "एन एनालिटिकल स्टडी ऑफ अल्लामा फज्ल–ए–हक खैराबादी अरेबिक पोइट्री", प्रोफेसर मोहम्मद असलम इस्लाही, 10.02.2006

171. मोहम्मद जलिस अख्तर नासिरी, "डिवलपमेंट ऑफ अरेबिक मीडिया इन द यूनाइटिड किंग्डम आफट्र 1950 : ए सर्वे", डॉ. रिजवानुर रहमान, 27.02.2006

172. श्री उदय कुमार, "अवाम में सामाजिक यथार्थ", डॉ. देवेन्द्र कुमार चौबे, 27.02.2006

173. मोहम्मद अकरम नवाज, "मौलाना हुसैन अहमद अल–मदानी लाइफ ऐंड वर्क्स : एन एनालिटिकल स्टडी", डॉ. मुजीबुर रहमान, 28.02.2006

174. श्री शरन कुमार एस., "Essais Choisis De Soupramania Baradi Traduction Et Analyse Critique" प्रोफेसर (डॉ.) शान्ता रामाकृष्णन, 28.02.2006

175. श्री अवधेश कुमार त्रिपाठी, "गोरख पाण्डेय की काव्य दृष्टि और उनका रचना संसार", प्रोफेसर मैनेजर पाण्डेय, 28.02.2006

176. श्री उबेदउल गफ्फार, "इब्ने इनशा के सफर नामों का तजजियाती मुताला", प्रोफेसर मोहम्मद शाहिद हुसैन, 28.02.2006

177. श्री यशवंत गहलोत, "चन्द्रकांत बख्शी की श्रेष्ठ वार्ताओं का हिंदी अनुवाद", डॉ. रंजीत कुमार साहा और प्रोफेसर गंगा प्रसाद विमल (संयुक्त निर्देशक), 28.02.2006

178. श्री मिराज अहमद, "शेख अल–हिंद महमूद अल–हसन अल–देओबन्दी वा मोकिफुहु मिन अल–इस्ते'मर अल–बिरितानी मिन खिलाले अआ'मलिही दिरास तहिलिलियाह", प्रोफेसर एस.ए. रहमान, 28.02.2006

179. श्री आनन्द कुमार शुक्ला, "अनुवाद के निकास पर 'बुद्ध चरित' का अध्ययन", डॉ. रंजीत कुमार साहा और प्रोफेसर गंगा प्रसाद विमल (सह निर्देशक), 14.03.2006

180. सुश्री अल मुहशीना मुज्जम्मिल, "गैदरिंग द फ्रेगमेंट्स टुगेदर : रिक्लैमिंग द पास्ट टू रिमेक द प्रेजेंट", डॉ. नवनीत सेठी और प्रोफेसर हरीश नारंग, 14.03.2006

181. सुश्री श्रुति जैन, "Also Wie Spricht Zarathustra Heute? (Zeitgenossische Uberloegungen Zur Kulturkritik Neitzsches)", प्रोफेसर राजेन्द्र डेंगले, 16.03.2006

182. श्री योगेश कुमार यादव, "काला पहाड़ और मेवात की सामासिक संस्कृति की चुनौतियां", प्रोफेसर पुरुषोत्तम अग्रवाल, 16.03.2006

183. मोहम्मद अफरोज आलम, “कंट्रीब्यूशन ऑफ मौलाना इसा फरताब टू पर्सियन लैंग्वेज ऐंड लिट्रेचर”, प्रोफेसर सैयद ऐनुल हसन, 27.03.2006

184. सुश्री सरिता सिन्हा, “सेंसिबिलिटी, मेमोरी ऐंड फॉर्म इन द नॉवेल कालीकथा : वाया बाईपास बाई अलका सराओगी”, प्रोफेसर पुरुषोत्तम अग्रवाल, 27.03.2006

185. श्री राकेश कुमार, “चेंजिंग वेल्यूज ऑफ द चाइनीज यूथ इन द 1990स : द रोल ऑफ द इंडिविज्युअल वर्सिज द कलेक्टिव”, डॉ. सबरी मित्रा, 27.03.2006

186. सुश्री शालिनी श्रीवास्तव, “नमिता गोखले के उपन्यास द बुक ऑफ शेडोज का हिन्दी अनुवाद”, डॉ. रंजीत कुमार साहा और प्रोफेसर गंगा प्रसाद विमल (संयुक्त निर्देशक), 27.03.2006

187. श्री जावैद रहमानी जावेद, “गालिब तनकीद”, डॉ. मजहर हुसैन, 27.03.2006

188. श्री महमूद हाफिज अब्दुल रब मिरजा, “रिफार्मिस्ट मूवमेंट्स इन इंडिया ऐंड इट्स इम्पेक्ट ऑन स्ट्रगल अगेंस्ट ब्रिटिश इम्पीरिअलिज्म”, प्रोफेसर एस.ए. रहमान, 28.03.2006

189. मोहम्मद बहारुल अली, “पर्सियन क्रोनिकल्स ऐज द सोर्स मैटिरियल्स इन द स्टडी ऑफ मिडिवल हिस्ट्री ऑफ आसाम”, डॉ. सैयद अख्तर हुसैन, 30.03.2006

सामाजिक विज्ञान संस्थान

190. श्री अजय कुमार, “पैटर्न्स ऑफ रुरल डिवलपमेंट ऐंड पब्लिक एक्सपेंडीचर 1981–2001 : ए स्पेस्यिो – टेम्पोरल एनालिसिस”, डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा, 12.04.2005

191. श्री बिधान गोलय, “द नेपाली आइडेंटिटी ऐंड सब–एथनिक एस्सशन इन दार्जलिंग”, प्रोफेसर राकेश गुप्ता, 20.04.2005

192. सुश्री देबार्चना घोष, “इफेक्ट ऑफ एक्सपोजर टू मास–मीडिया ऑन नॉलेज ऐंड यूज ऑफ एंटींनाटाल केयर सर्विसिज : ए कम्पैरेटिव एनालिसिस ऑफ हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश ऐंड कर्नाटका”, प्रोफेसर मुरली धर विमूरी, 12.04.2005

193. सुश्री हिमांशी गोविल, “हिन्दुत्व ऐंड वुमन : ए केस स्टडी ऑन राष्ट्र सेविका समिति”, प्रोफेसर किरन सक्सेना, 28.04.2005

194. सुश्री अणिमा बर्नवाल, “स्ट्रक्चर ऑफ हैल्थ केयर सर्विसिज इन राजस्थान : एन एलोकेशनल एनालिसिस”, डॉ. सच्चिदानन्द सिन्हा, 28.04.2005

195. श्री हरीश कुमार मीणा, “पॉप्युलेशन ग्रोथ ऐंड अर्बन एनवायरमेंट : ए केस स्टडी ऑफ जयपुर सिटी”, प्रोफेसर असलम महमूद, 28.04.2005

196. श्री विकास सहारन, “टेम्पोरल ऐंड स्पेशियल एनालिसिस ऑफ लिट्रेसी ऐंड एजूकेशन इन राजस्थान : ए केस स्टडी ऑफ जयपुर डिस्ट्रिक्ट”, प्रोफेसर सुदेश नांगिया, 28.04.2005

197. सुश्री रितु शर्मा, “द पॉलिटिक्स ऑफ कॉव स्लॉटर : कल्चरल सिग्नीफिकेंस ऑफ द कॉव इन इंडिया”, प्रोफेसर दीपांकर गुप्ता, 28.04.2005

198. श्री विशाल चौहान, “प्रजा मंडल मूवमेंट इन राजस्थान विद स्पेसिॲल रिफ्रेंस टू द शेखावाटी मूवमेंट”, प्रोफेसर मृदुला मुखर्जी और प्रोफेसर दिलबाग सिंह (सह निर्देशक), 28.04.2005

199. सुश्री बी. राजेश्वरी, “पावर, नॉलेज ऐंड ग्लोबलाइजेशन : ए केस स्टडी ऑफ टीआरआईपीज”, प्रोफेसर गुजप्रीत महाजन, 28.04.2005

200. श्री दीप्ती रंजन बेहरा, “कंटेंशंस ऑन सिविल सोसायटी : द इंडियन डिबेट”, प्रोफेसर वलेरियन रोड्रिग्स, 28.04.2005

201. सुश्री कंवलजीत विर्दी, “फिजिकल अस्सेसिबिलिटी टू गवर्नमेंट हैल्थ फैसिलिटीज ऐंड हैल्थ आउटकम्स : ए केस स्टडी ऑफ सलेक्टिड स्टेट्स बेस्ड ऑन एनएफएचएस–2, 1998–99”, प्रोफेसर असलम महमूद, 02.05.2005

202. श्री राकेश आर्य, "एनवायरमेंट ऐंड लैंडफॉर्म इवोल्यूशन इन दून वैली ऑफ उत्तरांचल", डॉ. मिलाप चन्द शर्मा, 02.05.2005

203. श्री रिगजिन संदूप, "टूरिज्म डिवलपमेंट इन लदाख : ए केस स्टडी ऑफ टूरिस्ट पैटर्न, इफ्रास्ट्रक्चर ऐंड इम्पेक्ट्स", प्रोफेसर एस.के. थोरट, 02.05.2005

204. श्री सुरेश आर., "इंडस्ट्रियल डिवलपमेंट इन इंडिया : रीजनल एनालिसिस", प्रोफेसर अतुल सूद और प्रोफेसर आर. के. शर्मा (सह निर्देशक), 02.05.2005

205. सुश्री अनुराधा बासुमतारी, "ट्रेड लिबरलाइजेशन ऐंड इंडिया'ज इम्पोर्ट्स इन द रिफॉर्म पीरियड (1990–91 टू 2000–01)", प्रोफेसर सी.पी. चन्द्रशेखर, 02.05.2005

206. श्री शाह नदीम, "ट्रेसिंग ए लॉस्ट ट्रेडीशन : द साबिरिज ऑफ कलियार", प्रोफेसर के.के. त्रिवेदी, 25.04.2005

207. सुश्री प्रेरणा चतुर्वेदी, "द आफ्टरमैथ ऑफ द नॉन–कॉ–आपरेशन मूवमेंट : मेपिंग नेशनलिस्ट ऐंड अदर फॉर्म्स ऑफ कंसिअसनेस", डॉ. इंदीवर काम्तेकर, 02.05.2005

208. श्री राकेश कुमार, "इकोनॉमिक रिफॉर्म्स ऐंड इट्स इम्पेक्ट ऑन स्माल स्केल इंडस्ट्री", डॉ. अतुल सूद, 02.05.2005

209. सुश्री सुरेखा धलेता, "द प्लेस ऑफ आयुर्वेद इन द हैल्थ सर्विस सिस्टम ऑफ हिमाचल प्रदेश", डॉ. रामा वी. बारु, 02.05.2005

210. सुश्री रेणु विनोद, "सारस्वत ब्राह्मिन्स ऑफ केरला : एन एथनोग्राफिक्स स्टडी", प्रोफेसर आनंद कुमार, 02.05.2005

211. सुश्री एच. याओरिफी, "इंडस्ट्रियल डिवलपमेंट इन नॉर्थ ईस्ट इंडिया", डॉ. अतुल सूद, 03.05.2005

212. श्री अनीश गुप्ता, "2002–03 ड्रॉट इन राजस्थान : ए फील्ड एनालिसिस", प्रोफेसर अविजीत सेन, 04.05.2005

213. सुश्री अल्का, "बंदागन–इ–सलातिन–इ–दिल्ली : द मम्लुक्स इन द थर्टीन्थ ऐंड फोर्टींथ सेंचुअरीज", प्रोफेसर के.के. त्रिवेदी, 03.05.2005

214. सुश्री गुंजन ग्रोवर, "एन एक्सप्लोरेट्री एनालिसिस ऑफ नॉन–वरबल कम्युनिकेशन इन द क्लासरुम", प्रोफेसर ए.के. मोहंती, 04.05.2005

215. श्री मनोज टिर्की, "इंडियन सॉफ्टवेयर इंडस्ट्री : इनोवेशन ऐंड ग्रोथ", प्रोफेसर ए. पार्थासार्थी, 04.05.2005

216. श्री ओस्माजैद रहमान, "द सोसियो–कल्चरल एनवायरमेंट ऑफ द मुस्लिम्स ऑफ कलकत्ता, 1876–1921", प्रोफेसर तनिका सरकार, 04.05.2005

217. सुश्री मोना दास, "कल्चरल फॉर्म्स इन पॉलिटिकल मोबिलाइजेशन : ए केस स्टडी ऑफ भोजपुरी फॉल्क सांग्स इन द नक्सलाइट मूवमेंट", प्रोफेसर किरण सक्सेना, 04.05.2005

218. सुश्री पनपीमन नरकनवा, मीडिया ऐंड वार", डॉ. मैत्रेयी चौधरी, 02.05.2005

219. सुश्री बिआस भौमिक, "रेप ऐंड पावर इन इंडिया : ए सोसियोलॉजिकल स्टडी", डॉ. मैत्रेयी चौधरी, 13.05.2005

220. सुश्री शालिनी गुसाईं, "फेमिनिस्ट कंट्रीब्यूशंस टू इंडियन सोसियोलॉजी : ए स्टडी ऑफ सलेक्ट टेक्स्ट्स", डॉ. अविजीत पाठक, 16.05.2005

221. श्री सदानंद मित्रा, "रिप्रोडक्टिव मॉर्बिडिटी इन बंगलादेश : पैटर्न्स, डिटरमिनेंट्स ऐंड ट्रीटमेंट", प्रोफेसर सुदेश नागिया, 28.04.2005

222. श्री सम्बिट रथ, "डिफ्यूजन ऑफ इनफॉरमेशन ऐंड कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजीज (आईसीटी) ऐंड इनकम इनइक्युअलिटी : ए सर्वे", प्रोफेसर नासिर तैयबजी और प्रोफेसर वी.वी. कृष्णा, 13.05.2005

223. श्री अरविंद आर., "द आइडिया ऑफ फ्रीडम इन द जर्मन ट्रेडीशन : ए क्रिटिकल स्टडी ऑफ हेगेल'स फिलॉसफी ऑफ राइट", प्रोफेसर गुरप्रीत महाजन, 16.05.2005

224. श्री मनोरंजन मिश्रा, "जिओलॉजिकल स्ट्रक्चर ऐंड अर्थक्युएक व्यूलनेरबिलिटी इन मराठवाडा रीजन", प्रोफेसर एम.डी. विमूरी और डॉ. मिलाप चन्द शर्मा, 16.05.2005

225. सुश्री पूजा खरबन्दा, "द कल्चरल रिसेप्शन ऑफ साइकोएनालिसिस इन इंडिया : ए स्टडी ऑफ द इंस्टीट्युशनलाइजेशन ऑफ ए डिसीप्लिन (1900–1940)", डॉ. ध्रुव रैना, 16.05.2005

226. श्री मनोज कुमार जेना, "साइंस, टेक्नोलॉजी ऐंड सोसायटी इन इंडिया : ए सोसियोलॉजिकल स्टडी", डॉ. रेणुका सिंह, 16.05.2005

227. सुश्री अनामिका सिंह, "एनजीओ इंटरवेंशन इन पोस्ट रिओट गुजरात–2002", डॉ. जोया हसन, 13.05.2005

228. श्री संजीव कुमार, "द इफेक्ट ऑन लाइफ ऐंड हैल्थ ऑफ वेस्ट वाटर डिसचार्ज्ड फ्राम सीवेज ट्रीटमेंट प्लीान्ट्स : ए केस स्टडी ऑफ थ्री विलेजिज इन वाराणसी डिस्ट्रिक्ट ऑफ यू.पी.", डॉ. अलपना डी. सागर, 13.05.2005

229. श्री कार्तिक पांडे, "सोशॅल हिस्ट्री फ्रॉम ए कम्पोजिट टेक्स्ट : सम एक्सप्लोरेशंस इन द सतपथ ब्राह्मण", डॉ. कुममुम रॉय, 13.05.2005

230. श्री सौरभ घोष, "ट्रेंड्स ऐंड पैटर्न ऑफ माइग्रेशन ऐंड इकोनोमिक डिवलपमेंट : एन इंटर–स्टेट एनालिसिस", प्रोफेसर अमिताभ कुंडू, 16.05.2005

231. सुश्री दीपिका वाधवा, "कम्पटीशन पॉलिसी इन द कंटेक्स्ट ऑफ लिबरलाइजेशन इन इंडिया", प्रोफेसर सी.पी. चन्द्रशेखर, 16.05.2005

232. सुश्री पोलोमी बनर्जी, "वाटरशेड मैनेजमेंट अप्रोच ऐंड इट्स असेसमेंट – ए केस स्टडी ऑफ नेशनल वाटरशेड डिवलपमेंट प्रोग्राम फॉर रैनफेड एरियाज (एनडब्लूडीपीआरए)", डॉ. सुचरिता सेन, 16.05.2005

233. श्री सत्य वेंकट सिद्धार्थ कुमार डी., "रीजनल पैटर्न ऑफ डिस्ट्रीब्यूशन ऐंड डेमोग्राफिक करेक्टरिस्टिक्स ऑफ शिड्यूल्ड ट्राइब्स इन इंडिया", प्रोफेसर अनुराधा बनर्जी, 16.05.2005

234. सुश्री रुचि शुक्ला, "द बर्डन्ड चाइल्डहुड : ए स्टडी ऑफ एज्यूकेशनल लोड ऑन प्राइमरी स्कूल चिल्ड्रन इन दिल्ली", प्रोफेसर ए.के. मोहन्ती, 30.05.2005

235. सुश्री अनुलेखा भट्टाचार्य, "प्राइमरी एज्यूकेशन इन दिल्ली विद रिफ्रेंस टू करीकुलम : एन एन्थ्रोलॉजिकल पर्सपेक्टिव", प्रोफेसर सुदेश नांगिया, 30.05.2005

236. श्री पार्था साहा, "इश्यूज इन लेबर रिफार्म इन द कंटेक्स्ट ऑफ इंडिया", प्रोफेसर सतीश के. जैन, 14.06.2005

237. सुश्री पुर्बा रुद्र, "यूज ऐंड इम्पेक्ट ऑफ इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी ऑन द ट्रेडिशनल ट्रेवल ऐंड टूरिज्म इंटरमिडिअरीज : ए केस स्टडी ऑफ दिल्ली", प्रोफेसर अतिया हबीब किदवई, 31.05.2005

238. सुश्री मीतू पाठक, "डब्लूटीओ, टीआरआइपीएस एग्रीमेंट ऐंड फारमेसियुटिकल्क : ए रिव्यू ऑफ रीसेंट डिबेट्स", डॉ. रामा वी. बारु, 13.06.2005

239. श्री अमन शर्मा, "पब्लिक हैल्थ पॉलिसी इन कॅलोनियल इंडिया – द नेशनलिस्ट पर्सपेक्टिव 1914–1947", प्रोफेसर मृदुला मुखर्जी, 30.05.2005

240. श्री अरिजीत कुमार चकबर्ती, "रुरल ग्रुप लैंडिंग स्कीम्स विद जॉइंट लाइबिलिटी : रेशनल, स्ट्रक्चर ऐंड परफारमेंस", डॉ. अरिजीत सेन, 14.05.2005

241. सुश्री बीरा क्यूरी, "पंचायती राज इंस्टीट्यूशंस ऐंड पैरलल स्ट्रक्चर्स : ए केस स्टडी ऑफ आंध्र प्रदेश ऐंड मध्य प्रदेश", प्रोफेसर बलवीर अरोड़ा, 29.06.2005

242. श्री अशोक कुमार, कॉलिशंस ऐंड फेडरल गवर्नेंस : ए केस ऑफ उत्तर प्रदेश", प्रोफेसर बलवीर अरोड़ा, 29.06.2005

243. सुश्री समीधा सिंह, "स्टेट, जुडिसिअरी ऐंड द पॉलिटिक्स ऑफ कम्यूनल वॉयलेंस : ए स्टडी ऑफ गुजरात,2002", प्रोफेसर बलवीर अरोड़ा, 05.07.2005

244. सुश्री वसुन्धरा सिरनाते, "हिन्दू राइट विंग आर्गेनाइजेशंस ऐंड द कंस्ट्रक्शन ऑफ रिलीजियस मॉइनॉरिटी आइडेंटिटीज इन इंडिया", प्रोफेसर जोया हसन, 05.07.2005

245. मोहम्मद मुस्तुफा कमल, "सिविल सोसायटी इन बंगलादेश : एन एक्सप्लोरेट्री स्टडी", डॉ. मैत्रेयी चौधरी, 05.07.2005

246. सुश्री कपिला मल्लाह, "परफारमेंस ऑफ एग्रीकल्चरल सेक्टर इन राजस्थान : सम इश्यूज", डॉ. प्रवीण झा, 18.08.2005

247. श्री राम गति सिंह, "मिलटन फ्रिडमेन'स काउंटर–रिव्योल्यूशन इन मेक्रोइकोनॉमिक्स", प्रोफेसर प्रदीप्त चौधरी, 18.08.2005

248. श्री कुमार अभिशेख सिंह, "एनालिसिस ऑफ एग्रीकल्चरल प्रोडक्शन इन मध्य प्रदेश – ए डिस्ट्रिक्ट लेवर स्टडी", डॉ. दीपक के. मिश्रा, 19.09.2005

249. सुश्री शर्मिष्ठा दास, "स्टेटस ऑफ वुमन ऐंड पैटर्न ऑफ फर्टिलिटी इन इंडिया : ए जिऑगर्फीकल एनालिसिस", डॉ. अनुराधा बनर्जी, 19.09.2005

250. सुश्री अपर्णा कपाडिया, "वॉट मेक्स द हैड टर्न ? थ्री नेरेटिव्स ऑफ लव ऐंड वार फ्राम मिडिवल वेस्टर्न इंडिया", प्रोफेसर कुनाल चक्रबर्ती, 18.10.2005

251. श्री संजय शर्मा, "स्ट्रक्चर ऑफ पॉलिटी अंडर द गुर्जर–प्रतिहार्स ऑफ कन्नौज", प्रोफेसर रणबीर चक्रवर्ती, 18.10.2005

252. सुश्री अंचल खंडेलवाल, "डायनेमिक्स ऑफ लिट्रेसी इन राजस्थान : एन एक्सप्लोरेट्री एनालिसिस", प्रोफेसर सरस्वती राजू, 18.10.2005

253. श्री कथिरेसन एल., "चेंजिंग सोसिअल इंस्टीट्यूशंस ऐंड हैल्थ प्रेक्टिसिस : एन एथनोग्राफिक स्टडी ऑफ मलयालीज, येलगिरि हिल्स, तमिलनाडु", प्रोफेसर के. आर. नायर और डॉ. सुनीता रेड्डी, 18.10.2005

254. श्री समिक चौधरी, "कंस्ट्रक्शन ऑफ ह्यूमन डिवलपमेंट इंडेक्स : सम मेथोडोलॉजिकल इश्यूज", प्रोफेसर अमिताभ कुन्डू, 19.09.2005

255. श्री सरोज रंजन झा, "स्टेट, डेमोक्रेसी ऐंड राइट : लिबरल पॉलिटिकल थ्योरी ऐंड द प्ल्यूरलिस्ट क्रिटिक", प्रोफेसर माधवन के. पलाट, 18.11.2005

256. सुश्री नामीरकपम बिजेन मीतेई, "रिथिंकिंग मल्टीकल्चरलिज्म : एक्जामिनिंग इश्यूज ऑफ एथनिक डाइवर्सिटी विद स्पेशॅल रिफ्रेंस टू मणिपुर", प्रोफेसर गुरप्रीत महाजन, 18.11.2005

257. सुश्री नीतू सिंह, "डिसेंट्रलाइजेशन ऐंड हैल्थ : ए केस स्टडी ऑफ हुसेपुर पंचायत बिहार", प्रोफेसर मोहन राव और डॉ. रितु प्रिया मेहरोत्रा, 18.11.2005

258. श्री सिगमणि पी., "द न्यू पब्लिक मैनेजमेंट (एनपीएम) : रिलीवेंस टू हैल्थ केयर सर्विसिज", प्रोफेसर के.आर. नायर और डॉ. राजीब दासगुप्ता, 18.11.2005

259. श्री अविनाश पाण्डेय, "सोसिअल प्रोडक्शन ऑफ डिसीज एन एक्सप्लोरेट्री स्टडी ऑफ द कोल्स ऑफ शंकरगढ़ ब्लाक इन इलाहाबाद डिस्ट्रिक्ट", प्रोफेसर इमराना कादिर, 18.11.2005

260. सुश्री शिरिषा अमात्य, "ए स्टडी ऑफ जेंडर ऐंड एचआइवी/एड्स इन कंटेम्पोरेरी नेपाल", डॉ. नीलिका मेहरोत्रा, 18.11.2005

261. सुश्री शिल्पी मोहन्ती, "द सोसियोलॉजी ऑफ द बॉडी ऐंड डिजाइर इन इंडियन कल्चर : ए केस स्टडी ऑफ देवदास (2002)", डॉ. अमिल कुमार शर्मा, 18.11.2005

262. श्री रामानंद राम, "पॉवर्टी एस्टीमेट्स इन इंडिया : ए क्रिटिकल एप्राइजल", प्रोफेसर उत्सा पटनायक, 18.11.2005

263. सुश्री प्रेरणा कुमार, "डोमेस्टिक वॉयलेंस अगेंस्ट मैरिड वुमन : ए कम्पेरेटिव एनालिसिस ऑफ नार्दर्न ऐंड साउदर्न स्टेट्स ऑफ इंडिया बेस्ड ऑन एनएफएचएस–2 डाटा", प्रोफेसर एम. डी. विमूरी, 15.12.2005

264. श्री अमित राहुल, "सोसिअल कंसीक्वेंसिस ऑफ इंटरनल माइग्रेशन इन इंडिया", प्रोफेसर एहसानुल हक, 15.12.2005

265. श्री मुकबिल अहमर, "पब्लिक अंडरस्टेंडिंग ऑफ साइंटिफिक कंट्रोवर्सीज : ए केस स्टडी ऑफ बोटल्ड वाटर कंट्रोवर्सी", डॉ. प्रणव एन. देसाई, 15.12.2005

266. श्री विकास सब्बरवाल, "कम्यूनलाइजेशन ऑफ एज्यूकेशन : द एनसीइआरटी टेक्स्टबुक कंट्रोवर्सी", डॉ. विधु वर्मा, 15.12.2005

267. सुश्री ब्रोतति बिश्वास, "बैकवर्ड डिस्ट्रिक्ट ऑफ इंडिया स्ट्रक्चरल कंटीन्यूटी ऍंड चेंज (1971–2001)", प्रोफेसर अतिया हबीब किदवई, 15.12.2005

268. सुश्री बेंदंगलीला, "द नाइंटींथ संचुअरी क्रिश्चियन मिसीनरीज ऍंड द डायनेमिक्स ऑफ द एक्सपेंसन ऑफ मार्डर्न एज्यूकेशन इन द नागा हिल्स", डॉ. ध्रुव रैना, 15.12.2005

269. श्री मनीश आनन्द, "टेक्नोलॉजिकल कैपेसिटी बिल्डिंग इन द फूड प्रोसेसिंग इन्डस्ट्री", डॉ. प्रणव एन. देसाई, 15.12.2005

270. सुश्री प्रनोति चिरमुलय, "कंस्ट्रक्टिड अपील्स ऑफ हिंदुत्व : द कल्चरल नेशनलिज्म ऑफ द संघ परिवार", प्रोफेसर दीपांकर गुप्ता, 15.12.2005

271. सुश्री प्रार्थी शर्मा, "अबॉर्शन इन इंडिया – ए सोसियोलॉजिकल स्टडी", डॉ. नीलिका मेहरोत्रा, 15.12.2005

272. सुश्री जयंती कृष्णा के.ई., "ए कंसिस्टेंसी एनालिसिस ऑफ इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टी राइट एग्रीमेंट्स ऍंड वायोडाइवर्सिटी कंवेंशंस", प्रोफेसर सतीश के. जैन, 15.12.2005

273. सुश्री किया मुखर्जी, "रुरल केडिट ऍंड लैंडलैस मैन्युअल वर्कर्स हाउसहोल्ड्स इन हरियाणा", डॉ. विकास रावल, 19.12.2005

274. सुश्री रितु खन्ना, "इम्पेक्ट ऑफ इंसपेक्शंस ऑन पॉल्यूशन अबेटमेंट बाई फर्म्स : ए केस स्टडी ऑफ दिल्ली, इंडिया", प्रोफेसर डी.एन. राव, 15.12.2005

275. श्री सुब्रत दास, "रेग्युलेशन ऑफ इंश्यूरेंस इंडस्ट्री इन इंडिया", प्रोफेसर सी.पी. चंद्रशेखर, 15.12.2005

276. श्री मंदीप कादियान, "इश्यूज रिलेटिंग टू इम्प्लॉयमेंट ऍंड सोशॅल सीक्योरिटी ऑफ लेबर इन कंटेम्पोरेरी इंडिया", डॉ. प्रवीण झा, 15.12.2005

277. श्री उमा शंकर प्रसाद, "इम्पेक्ट ऑफ न्यू इकोनॉमिक पॉलिसी ऑन सम इकोनॉमिक आस्पेक्ट ऑफ नेपालीज इकोनॉमी", प्रोफेसर अरुण कुमार, 19.12.2005

278. श्री देव नाथ पाठक, "मैथिली फॉकलोर ऍंड द आइडियाज ऑफ मदरहुड", डॉ. सुसान विश्वनाथन, 22.12.2005

279. श्री मनोज कुमार, "कल्चर फ्रेंडली एज्यूकेशन : ए स्टडी ऑफ ट्राइब्स ऑफ मध्य प्रदेश", प्रोफेसर एहसानुल हक, 22.12.2005

280. श्री अदनान फारुकी, "इंडियन इलेक्ट्रॉल सिस्टम ऍंड अंडर रिप्रेजेंटेशन ऑफ मुस्लिम्स", प्रोफेसर जोया हसन, 28.12.2005

281. श्री लालगौलिअन, "द डायनेमिक्स ऑफ एथनिक आइडेंटिटी फॉरमेशन इन मणिपुर : ए सोसिओलॉजिक्ल स्टडी", डॉ. नीलिका मेहरोत्रा, 22.12.2005

282. श्री रवि नन्दन सिंह, "द नोशन (स) ऑफ डैथ ऍंड द कम्यूनिटी : रिथिंकिंग द सोशॅल एन्थ्रोपॉलॉजी ऑफ डैथ", डॉ. सुसान विश्वनाथन, 22.12.2005

283. सुश्री मीनाक्षी रे, "अंडरस्टेंडिंग द रेल्म ऑफ राधा एन एक्सप्लोरेशन ऑफ टेक्सचुअल ट्रेडिशंस इन अर्ली मिडिवल ईस्टर्न इंडिया", डॉ. कुमकुम रॉय, 04.01.2006

284. सुश्री पूनम शीमर, "इमेजिंग वुमन इन मुगल इंडिया : हिस्टोरिकल नेरेटिव्स, पैंटिंग्स ऍंड मेडिकल टेक्स्ट्स", डॉ. सैयद नजफ हैदर, 04.01.2006

285. श्री श्रीजीत मुखर्जी, “हैल्थ कोस्ट ऑफ एम्बिएंट एयर पॉल्यूशन – ए केस स्टडी ऑफ वेस्ट बंगाल ऐंड कोलकाता”, डॉ. अर्चना अग्रवाल, 09.01.2006

286. श्री के. कविशेर, “एम्पावरमेंट ऑफ वुमन सेक्स वर्कर्स : एन एक्सप्लोरेट्री स्टडी ऑन रोल ऑफ एनजीओज इन द कंटेक्स्ट ऑफ एचआईवी/एड्स कंट्रोल प्रोग्राम इन केरला”, डॉ. अल्पना दया सागर और डॉ. रितु प्रिया मेहरोत्रा, 11.01.2006

287. सुश्री मेरिया एल. सैलो, “द एसोसिएशनल लाइफ ऐंड द स्टेट इन मिजोरम”, प्रोफेसर वेलेरियन रोड्रिग्स, 13.01.2006

288. श्री राकेश कुमार, “वेस्टर्न हिमालयाज : द पंजाब हिल स्टेट्स सेवेनटींथ टू मिड नाइनटींथ सेंचुअरी”, डॉ. योगेश शर्मा, 09.01.2006

289. सुश्री अनांग कोविरिथिंचई, “थाइलैंड ऐंड एशियन रीजनल फॉर्यूम (एआरएफ) : ए स्टडी ऑफ चेलेंजिंग इश्यूज”, डॉ. गंगनाथ झा, 16.01.2006

290. श्री मोंत्री विवासुख, “एफटीए बिटवीन इंडिया ऐंड थाइलैंड : ए स्टडी ऑफ स्ट्रेटिजीज ऑफ को–ऑपरेशन ऐंड कम्पटीशन”, डॉ. शंकरी सुंदररमन, 16.01.2006

291. श्री एल. चैतन्य किशोर रेड्डी, “इंडिया–ईरान रिलेशंस विद स्पेशल रिफ्रेंस टू अफगानिस्तान अंडर तालिबान”, प्रोफेसर गुलशन डायटल, 16.01.2006

292. सुश्री सरोबना भट्टाचार्य, “वॉयलेंस ऐंड मिलिटराइजेशन : ए स्टडी ऑफ द राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ”, डॉ. प्रलय कानूनगो, 11.01.2006

293. श्री गुलाम मोहम्मद चौधरी, “द एथनो कल्चरल ऐंड पॉलिटिकल आइडेंटिटी ऑफ द पास्टोरल नोमाड्स : ए स्टडी ऑफ द गुज्जर्स ऐंड बैकवर्ड्स ऑफ जम्मू ऐंड कश्मीर”, प्रोफेसर आनंद कुमार, 29.01.2006

294. श्री टी. काबिलान, “इनफारमेशन ऐंड कम्यूनिकेशन टैक्नोलॉजीज (आइसीटीज) फॉर पावर्टी अलिविएशन : ए सोसियोलॉजिकल एनालिसिस”, प्रोफेसर आनंद कुमार, 29.01.2006

295. सुश्री निवेदिता कुकरेती, एनवायरमेंट ऐंड सोसायटी : एडेप्टेशन, एडजस्टमेंट ऐंड परसेप्शन इन मिडिवल राजस्थान, 1600–1800”, प्रोफेसर दिलबाग सिंह, 30.01.2006

296. श्री विपुल त्रिपाठी, “रिलीजियस इंटरेक्शन इन अर्ली मिडिवल कश्मीर (सी. 600–1000 सी.ई.)”, डॉ. कुमकुम रॉय, 30.01.2006

297. श्री बजरंग लाल, “एग्रो–बॉयोटेक्नोलॉजी, प्लांट वैरायटी प्रोटेक्शन एक्ट, फॉर्मर्स' राइट्स ऐंड इट्स इम्पेक्ट ऑन द इंडियन सीड सेक्टर”, डॉ. प्रणव एन. देसाई, 30.01.2006

298. सुश्री संगीता वर्मा, “स्ट्रेस ऐंड कोपिंग अमंग 10थ क्लास गर्ल्स : ए स्टडी कंडक्टेड इन टू स्कूल्स ऑफ इलाहाबाद सिटी”, डॉ. अल्पना डी. सागर और डॉ. सुनीता रेड्डी, 29.01.2006

299. सुश्री आदिती जमालपुरिया, “इम्पेक्ट ऑफ एनवायरमेंटल रेग्युलेशन ऑन द इंडियन मैन्युफेक्चरिंग इंडस्ट्रीज : एन इंटर–स्टेट एनालिसिस”, डॉ. कृष्णेन्दु घोष दस्तीदार, 02.02.2006

300. सुश्री पूजा रुस्तागी, “हैल्थ इनइक्वलिटी इन इंडिया : ए डिस्ट्रिक्ट लेवर एनालिसिस ऑफ सम सलेक्टिड स्टेट्स”, प्रोफेसर डी. एन. राव, 02.02.2006

301. सुश्री रुचिका शर्मा, “द बीबी : ए स्टडी ऑफ द इंटरफेस बिटवीन नेटिव वुमन ऐंड यूरोपियन मेन इन बंगाल इन द लेट एटींथ ऐंड अर्ली नांइनटींथ सेंचुअरीज”, प्रोफेसर रजत दत्ता, 02.02.2006

302. श्री श्रीनिवास येर्राम्सेती, “रोल ऑफ इनफारमेशन ऐंड कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजीज फॉर रुरल डिवलपमेंट : ए केस स्टडी ऑफ द रुरल ई–सेवा प्रोजेक्ट इन वेस्ट गोदावरी डिस्ट्रिक्ट, आंध्र प्रदेश”, डॉ. माधव गोविंद, 31.01.2006

303. श्री प्रवीण कुमार दौंथी, “ए स्टडी ऑफ कलोनियल तेलुगु स्कूल टेक्स्टबुक्स (1877–1947)”, डॉ. इंदीवर काम्तेकर, 02.02.2006

304. श्री सुबाष रंजन नायक, “अरबनाइजेशन ऐंड ग्लोबलाइजेशन : एन इंडियन एक्सपीरियंस”, प्रोफेसर एम.एन. पाणिनी, 13.02.2006

305. सुश्री सुभा एस., "शिफ्ट्स इन रुरल वाटर सप्लाई पॉलिसीज इन केरला : एन एक्सप्लोरेट्री स्टडी", डॉ. रामा वी. बारु और डॉ. राजीब दास गुप्ता, 29.01.2006

306. सुश्री अपर्णा मोहंती, "सोशल साइंस इश्यूज इन मलेरिया : ए रिव्यू", डॉ. रामा वी. बारु और डॉ. संघमित्रा एस. आचार्य, 07.02.2006

307. सुश्री लिपिका दासगुप्ता, "द चेंजिंग रोल ऑफ द सीड इंडस्ट्री इन इंडियन एग्रीकल्चर : ए कंसीडरेशन ऑफ पैड्डी ऐंड कॉटन", प्रोफेसर जयति घोष, 13.02.2006

308. श्री कनिहार कान्त, "ए सोसियोलॉजिकल एनालिसिस ऑफ पॉवर्टी इन बिहार सिंस इंडिपेंडेंस", प्रोफेसर आनंद कुमार, 13.02.2006

309. श्री फैजल के.पी., "ट्रेडीशन ऐंड मॉडर्निटी अमंग मेप्पिला मुस्लिम्स ऑफ केरला : ए सोसियोलॉजिकल स्टडी", डॉ. अमित कुमार शर्मा, 13.02.2006

310. सुश्री संगीता सिंह, "अंडरस्टेंडिंग रिसपोंसिवनेस ऑफ हैल्थ सर्विसिज थ्रू सोशॅल एक्सप्रियंसिज ऑफ टूबरकुलोसिस : एन एक्सप्लोरेट्री स्टडी", डॉ. रामा वी. बारु और डॉ. संघमित्रा एस. आचार्य, 15.02.2006

311. श्री सुदर्शन बार्डोलोई, "मेटर्नल हैल्थ ऐंड हैल्थ केयर इन इंडिया : सोसियो–इकोनोमिक ऐंड डेमोग्राफिक कोरिलेट्स", डॉ. अनुराधा बनर्जी, 15.02.2006

312. श्री विनोद कुमार, "पाप्यूलेशन ग्रोथ ऐंड इट्स इम्पेक्ट ऑन हाउसिंग ऐंड बेसिक हाउसिंग अमेनिटीज इन इंडिया : ए कम्पैरेटिव एनालिसिस ऑफ पंजाब ऐंड झारखंड : 1991–2001", डॉ. अनुराधा बनर्जी, 15.02.2006

313. श्री टाटा रामकृष्ण, "डिवलपमेंट डिसप्लेसमेंट ऐंड रिहेबिलिटेशन : इबेल्युएटिंग द गवर्नमेंट पॉलिसीज ऑन डेम्स इन ओडिसा", डॉ. प्रलय कानूनगो, 15.02.2006

314. श्री तेरुकी वातानबे, "द पॉलिटिकल इकोनॉमी ऑफ सोशॅल एक्सक्ल्यूजन इन अर्बन इंडिया", प्रोफेसर एम.एन.पाणिनी, 15.02.2006

315. श्री सुरेश बाबू जी.एस., "प्राइवेटाइजेशन ऑफ हायर एज्यूकेशन ऐंड इट्स इम्पेक्ट ऑन दलित्स इन इंडिया : ए सोसियोलॉजिकल एनालिसिस", डॉ. विवेक कुमार, 15.02.2006

316. श्री बिक्रम डौले, "लैंड यूज चेंजिज ऐंड लैंड यूज प्लानिंग इन सिक्किम", डॉ. मिलाप चन्द शर्मा, 17.02.2006

317. सुश्री परमिता सरकार, "लिंक बिटवीन एज्यूकेशन ऐंड ऑक्यूपेशन स्ट्रक्चर : ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ बिहार ऐंड वेस्ट बंगाल", डॉ. सौमेन चट्टोपाध्याय, 20.02.2006

318. सुश्री शालिनी दीक्षित, "डिवलपमेंट ऑफ हिस्टोरिकल अंडरस्टेंडिंग इन 9 टू 14 ईयर ओल्ड चिल्ड्रन", प्रोफेसर अजीत कुमार मोहंती, 20.02.2006

319. श्री प्रकाश चन्द्र साहू, "सोसियो–इकोनॉमिक ऐंड लाइफ स्टाइल इम्पेक्ट ऑन जेरिएट्रिक हैल्थ इन इंडिया : एन एनालिसिस ऑन एनएसएसओ 52नड राउंड डाटा", प्रोफेसर मुरली धर विमूरी, 20.02.2006

320. श्री शरद कुमार द्विवेदी, "गवर्नेबिलिटी ऐंड वेल–बीइंग : ए स्टेट लेवल एनालिसिस ऑफ पालिटिक्स ऐंड स्पेस इन इंडिया", डॉ. बी. एस. बुटोला, 20.02.2006

321. श्री शशि कांत उपाध्याय, "स्पेशॅल डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ रुरल सेटलमेंट्स इन उत्तर प्रदेश, इंडिया", प्रोफेसर सुदेश नांगिया, 20.02.2006

322. श्री शिबब्रत दास, "न्यूट्रीशनल स्टेटस ऑफ वुमन ऐंड चिल्ड्रन : ए कम्पैरेटिव व्यू ऑफ शैड्यूल्ड ट्राइब्स ऐंड अदर्स इन सिक्स लार्ज स्टेट्स ऑफ इंडिया", प्रोफेसर पी. एम. कुलकर्णी, 20.02.2006

323. सुश्री किरण यादव, "इंटरप्लेय ऑफ गवर्नमेंट ऐंड नॉन–गवर्नमेंटल आर्गेनाइजेशंस : ए केस स्टडी ऑफ सर्व शिक्षा अभियान इन हरियाणा", प्रोफेसर सुधा पई, 21.02.2006

324. श्री आशिश कुमार सिन्हा, "पब्लिक एक्सपेंडिचर ऐंड सोशॅल सेक्टर इन इंडिया : एन इंटरस्टेट एनालिसिस", डॉ. अतुल सूद, 17.02.2006

325. श्री सिद्धार्थ राय, "हिन्दूज, मुस्लिम्स ऐंड द रिवोल्ट ऑफ 1857", प्रोफेसर भगवान सिंह जोश, 15.02.2006

326. सुश्री हिमानी पासबोला, "फिजिको मैथमेटिकल कंसेप्ट्स इन एवरीडे एक्टिविटीज : ए स्टडी फ्राम कल्चरल–साइकोलॉजिकल पर्सपेक्टिव", डॉ. मिनाती पण्डा, 20.02.2006

327. श्री सिबा प्रसाद पाण्डा, "न्यू सोशॅल मूवमेंट्स ऐंड डेमोक्रेसी : ए स्टडी ऑफ एनवायरमेंटल मूवमेंट्स इन उडीसा", प्रोफेसर वी. रोड्रिग्स, 21.02.2006

328. श्री अनिमेश नासकर, "इंटर–स्टेट डिसपेरिटी इन इंडियन मैन्युफेक्चरिंग : ग्रोथ, प्रोडक्टीविटी ऐंड इफिसिएंसी", डॉ. अतुल सूद, 23.02.2006

329. श्री इद्रवीर कुमार, "कोल्ड डेजर्ट : प्रोसिसेज ऐंड लैंड यूज मैनेजमेंट इन लाहुल ऐंड स्पिति, हिमाचल प्रदेश", डॉ. मिलाप चन्द शर्मा, 23.02.2006

330. श्री माधव मुकुन्द पाठक, "एनालिसिस ऑफ फीमेल ऐज एट मैरिज ऐंड कोहेबिटेशन इन केरला, आन्ध्र प्रदेश, पंजाब ऐंड मध्य प्रदेश बेस्ड ऑन एनएफएचएस–II डाटा", प्रोफेसर एम. डी. विमूरी, 23.02.2006

331. श्री पूरन मल गुर्जर, "अरबनाइजेशन ऐंड माइग्रेशन इन राजस्थान (1971–2001) : ए डिस्ट्रिक्टवाइज एनालिसिस", प्रोफेसर असलम महमूद, 23.02.2006

332. श्री राजेश कुमार, "फ्लड्स इन द लोअर राप्ती रिवर बेसिन : एकुरेंस, काजिज ऐंड मैनेजमेंट", डॉ. मिलाप चन्द शर्मा, 23.02.2006

333. सुश्री मधुलिका सिंह, "डाइनेमिक्स ऑफ टेक्नीकल एज्यूकेशन इन द यूनाइटिड प्रोविंसिज : ए केस स्टडी ऑफ हारकोर्ट बटर टेक्नोलॉजिकल इंस्टीट्यूट, कानपुर (1921–1971)", प्रोफेसर दीपक कुमार, 03.03.2006

334. श्री जगन्नाथ अम्बागुडिया, "प्रिफ्रेंसियल ट्रीटमेंट ऐंड इट्स लिमिटेशंस : ए केस स्टडी ऑफ शेड्यूल्ड ट्राइब्स इन उडीसा", प्रोफेसर सुधा पई, 06.03.2006

335. सुश्री नीरु शर्मा, "दलित आर्गेनाइजेशंस, फॉर्म्स ऑफ प्रोटेस्ट ऐंड पॉलिटिक्स ऑफ आइडेंटिटी इन तमिलनाडु", प्रोफेसर सुधा पई, 06.03.2006

336. श्री शक्ति गोल्डर, "ऑन सम इम्प्लीकेशंस ऑफ द फाइनैंसिंग ऑफ हैल्थ केयर", प्रोफेसर अंजन मुखर्जी, 06.03.2006

337. श्री सुशील प्रसाद, "इवोल्युशन ऑफ सेंट्रल एडवाइजरी बोर्ड ऑफ एज्यूकेशन ऐंड इंडियन एज्यूकेशन : 1920–48", प्रोफेसर दीपक कुमार, 06.03.2006

338. सुश्री प्रिया श्रीवास्तव, "ग्लोबलाइजेशन ऑफ इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी ऐंड द एडवेंट ऑफ आउटसोर्सिंग : द केस ऑफ द इंडियन बीपीओ सर्विसिज ऐंड द डिमांड फॉर स्किल्ड वर्कर्स", प्रोफेसर बिनोद खादरिया, 06.03.2006

339. श्री कैलाश चन्द्र बिश्नोई, "ट्रेंड्स ऐंड डिटरमीनेंट्स ऑफ स्कूल एज्यूकेशन इन राजस्थान : ए स्पेशिओ टेम्पोरल एनालिसिस", डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा, 07.03.2006

340. सुश्री भूपिन्दर कौर, "ग्रोथ ऐंड वैरिएबिलिटी इन पंजाब एग्रीकल्चरल प्रोडक्शन (1961–2003) : ए केस फॉर डाइवरसिफिकेशन थ्रू कांट्रेक्ट फारमिंग", प्रोफेसर आर. के. शर्मा, 07.03.2006

341. श्री अनिमेश रॉय, "इररिगेशन सिस्टम्स ऐंड देयर इम्पेक्ट ऑन एग्रीकल्चरल सेक्टर इन वेस्ट बंगाल : ए डिस्ट्रिक्ट लेवर एनालिसिस", डॉ. सुचरिता सेन, 07.03.2006

342. श्री रोशन कुमार, "एग्रीकल्चरल ग्रोथ इन उत्तर प्रदेश : ए स्पेशॅल–टेम्पोरल एनालिसिस", प्रोफेसर रवि एस. श्रीवास्तव, 07.03.2006

343. श्री संतोष कुमार मालुआ, "सेविनटींथ सैंचुअरी बिहार : सम आस्पेक्ट्स ऑफ द शेपिंग ऑफ ए रीजनल इकोनॉमी", प्रोफेसर रजत दत्ता, 08.03.2006

344. श्री राधा रमण, "एनवायरमेंटल डिग्रेडेशन ऐंड लैंड यूज/लैंड कवर चैंजिज इन द यमुना फ्ल्डप्लैन विद स्पेशॅल रिफ्रेंस टू नॉर्थ ऑफ दिल्ली", प्रोफेसर हरजीत सिंह, 07.03.2006

345. सुश्री सुमन नेगी, "प्राइमरी एज्यूकेशन इंफ्रास्ट्रक्चर, इनरोलमेंट ऐंड रिटेंशन : ए रीजनल एनालिसिस", प्रोफेसर सुदेश नांगिया, 07.03.2006

346. श्री विजेन्द्र कुमार पाण्डेय, "लैंडस्लाइड हजार्ड जोनेशन ऑफ द भिलंगाना रिवर बेसिन (उत्तरांचल हिमालया)", प्रोफेसर हरजीत सिंह और डॉ. मिलाप चन्द शर्मा, 09.03.2006

347. सुश्री अशमयी दास, "रिफ्यूजीज ऐंड रिसेटलमेंट : ए सर्वे ऑफ द इंडियन एक्सप्रियंस", डॉ. एस. एस. जोधका, 09.03.2006

348. सुश्री शुभ्रा सेठ, "कंस्ट्रक्शन ऑफ कम्यूनल वुमन इन हिन्दुत्व", डॉ. प्रलय कानूनगो, 09.03.2006

349. श्री शिबशंकर जेना, "डिकंस्ट्रक्टिंग प्लान्ड इंटरवेंशन : टुवर्ड्स ए पार्टिसिपेट्री अप्रोच टू रुरल डिवलपमेंट", प्रोफेसर एम. एन. पाणिनी, 09.03.2006

350. श्री अभिनंदन सैकिया, "इव्योल्यूशन ऑफ वेहिकुलर एमिसन नॉर्म्स इन इंडिया", डॉ. एस. भादुरी और डॉ. रोहन डिसूजा, 09.03.2006

351. सुश्री मनीषा मीना, "ट्रेंड्स इन एम्प्लॉयमेंट ड्यूरिंग 1990स", डॉ. प्रवीण झा, 17.03.2006

352. श्री संजीव कुमार चाहर, "अंडर यूटीलाइजेशन ऑफ एग्रीकल्चरल लैंड इन राजस्थान : ए डिस्ट्रिक्ट लेवल एनालिसिस", डॉ. सुचरिता सेन, 17.03.2006

353. सुश्री रिचा राज, "आस्पेक्ट्स ऑफ कम्यूनल आइडिऑलॉजी इन कलोनियल इंडिया : ए स्टडी ऑफ प्रोसक्राइब्ड कम्यूनल लिट्रेचर", प्रोफेसर मृदुला मुखर्जी, 17.03.2006

354. सुश्री स्मिता राज, "माइक्रो क्रेडिट सेल्फ हेल्प ग्रुप्स : सम इकोनॉमिक इश्यूज", डॉ. प्रवीण झा, 17.03.2006

355. श्री निकुंज कुमार दास, "लेवल्स ऑफ एज्यूकेशनल डिवलपमेंट ऑफ द शैड्यूल्ड ट्राइब्स ऑफ नॉर्थ ईस्ट इंडिया : ए जिऑग्राफिकल एनालिसिस", डॉ. सचिदानंद सिन्हा, 17.03.2006

356. सुश्री भावना सुमन, "नेशनल ह्यूमन राइट्स कमीशन ऐंड द "रिमेकिंग ऑफ द ह्यूमन राइट्स अजेंडा इन इंडिया", डॉ. विधु वर्मा, 21.03.2006

357. श्री श्रीधर कुन्डू, "पॉवर्टी, इनइक्वलिटी ऐंड सोशॅल डिवलपमेंट : एन इंटर–स्टेट एनालिसिस ऑफ ट्रेंड्स ऐंड पैटर्न्स इन द पीरियड ऑफ ग्लोबलाइजेशन", प्रोफेसर अमिताभ कुन्डू, 21.03.2006

358. सुश्री चन्दन चौधरी, "सेक्युलरिज्म ऐंड हिन्दुत्व : ए ज्युडिसियल इंटरप्रिटेशन", प्रोफेसर जोया हसन, 24.03.2006

359. सुश्री के.बी. वन्दना, "सोसियोलॉजी ऑफ रिलीजन : ए केस स्टडी ऑफ बुद्धिज्म", प्रोफेसर आनंद कुमार, 27.03.2006

360. श्री विजयंत कुमार सिंह, "एनवायरमेंट, कॉमर्स ऐंड सोसायटी इन कोस्टल गुजरात ड्यूरिंग द सेवेनटींथ ऐंड एटींथ सेंच्युअरीज", डॉ. योगेश शर्मा, 27.03.2006

361. सुश्री अनिन्दता नन्दी, "रीजनल डिसपैरिटी इन इंडिया : रोल ऑफ इनफ्रास्ट्रक्चर", डॉ. अतुल सूद, 27.03.2006

362. सुश्री टी. सुगनया, "ग्रोविंग–अप ऐज एडोलेसेंट्स एमिड्स्ट अकाडेमिक प्रेसर्स : ए सोसियोलॉजिकल इनक्वारी", प्रोफेसर अविजीत पाठक, 27.03.2006

363. श्री प्रीतिष कुमार साहू, “एम्प्लॉयमेंट ऐंड इनवेस्टमेंट इन आर्गेनाइज्ड मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर इन इंडिया : एन इंटर–स्टेट एनालिसिस”, प्रोफेसर रवि एस. श्रीवास्तव, 27.03.2006

364. श्री विनसेंट लाकरा, “आर ऐंड डी इन एग्रीकल्चरल बॉयोटेक्नोलॉजी ऐंड फूड सिक्योरिटी इन इंडिया”, डॉ. प्रणव एन. देसाई, 30.03.2006

365. श्री अब्बास अली बेग, “द ऑथेंटिक पालिटिसियंस : द इमर्जेंस ऐंड ग्रोथ ऑफ द नदवात–उल–उलमा, 1894–1912”, प्रोफेसर माजिद हयाल सिद्दीकी, 30.03.2006

366. सुश्री शर्मिष्ठा बासु, “एन इनवेस्टीगेशन इनटू द चॉइस ऑफ फिमेल मेथड्स ऑफ कंट्रासेप्शन इन इंडिया”, प्रोफेसर पी. एम. कुलकर्णी, 31.03.2006

367. श्री ओमबुकी चार्लस, “द इम्पेक्ट ऑफ इकोनॉमिक पॉलिसी ऑन एग्रीकल्चरल डिवलपमेंट इन केन्या (1980–2000)”, डॉ. प्रवीण झा, 08.04.2005

368. श्री ए. एस. चन्द्रबोस, लेबर इन द टी इंडस्ट्री : ए कम्पैरेटिव रीजनल एनालिसिस ऑफ इंडिया ऐंड श्रीलंका”, प्रोफेसर अतिया हबीब किदवई, 29.04.2005

369. श्री दीपक कुमार, “इंटरनेट ऐंड द डिजिटल डिवाइड इन इंडिया : ए केस स्टडी ऑफ धार”, प्रोफेसर आनंद कुमार, 15.04.2005

370. सुश्री शर्मिला मजूदमदार, “रोल ऑफ ट्रेडिशनल बर्थ अटेंडेंट्स इन मेटरनिटी केयर : ए स्टडी ऑफ ए दिल्ली स्लम”, प्रोफेसर इमराना कादिर और डॉ. रितु प्रिया मेहरोत्रा, 28.04.2005

विकास अध्ययन केंद्र, तिरुवनन्तपुरम

371. सुश्री एलिस सिबास्तियन, “एज्युकेटिड अनएम्प्लॉयमेंट ऐंड वुमन इन केरला”, डॉ. के. नवनीथम, 15.12.2005

372. श्री आशिष थॉमस जॉर्ज, “केटास्ट्रोफिक हैल्थ केयर एक्सपेंडिचर ऐंड इम्पावरिशमेंट इन केरला : एन एनालिसिस बेस्ड ऑन एनएसएसओ 55थ राउंड, 1999–2000”, डॉ. डी. नारायन और डॉ. यू. एस. मिश्रा, 15.12.2005

373. श्री जोसेफ जॉर्ज, “द गेट्स ऐंड इंडिया’ज ट्रेड इन बैंकिंग सर्विसिज”, डॉ. के.एन. हरीलाल और डॉ. एन. शांता, 15.12.2005

374. श्री श्याम प्रसाद, “ए क्राइसिस इन मेकिंग” द पेंशन सिस्टम इन इंडिया विद स्पेशॅल रिफ्रेंस टू केरला”, डॉ. एस. इरुदया राजन और डॉ. ई. टी. मैथ्यु, 15.12.2005

375. सुश्री रिमया प्रभा जी., “द लास्ट फोर डिकेड्स ऑफ अर्बन डिवलपमेंट इन केरला”, डॉ. एस. इरुदया राजन ऑर डॉ. के. सी. जकारिया, 15.12.2005

376. सुश्री सेजुति झा, “फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स ऐंड रुल्स ऑफ आरिजिन : ए केस स्टडी ऑफ द इंडो–श्रीलंका फ्री ट्रेड एग्रीमेंट”, डॉ. के. एन. हरीलाल, 07.02.2006

मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी (एम. टेक.)

कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान

1. श्री गुरदेव सिंह, "इश्यूज इन राउटिंग प्रोटोकोल्स फॉर "मानेट", प्रोफेसर जी. वी. सिंह और डॉ. डी. के. लोबियाल, 23.03.2005
2. श्री जशपाल सिंह, "डिजाइन ऑफ एन इंट्रानेट", प्रोफेसर जी. वी. सिंह और डॉ. डी. के. लोबियाल, 12.04.2005
3. मोहम्मद याहया हदी अल–शामरी, "मारकोव–बेस्ड मॉडलिंग ऑफ फेडिंग चेनल इन वायरलेस पाकेट नेटवर्क्स", प्रोफेसर कर्मेषु, 22.12.2005
4. श्री सौरभ भार्गव, "परफॉरमेंस इवेल्युएशन ऑफ ग्रिड लोकेशन सर्विस स्कीम", डॉ. डी. के. लोबियाल, 23.12.2005
5. श्री हरीश बसानी, "विजुअल क्युएरी जेनरेशन फॉर ऑबजेक्ट ऑरिएंटिड ऑन–लाइन एनालिटिकल प्रोसेसिंग", प्रोफेसर एन. परिमाला 29.12.2005
6. श्री कतुरी वेंक्टेश्वर राव, "ए वेब–बेस्ड सिम्पल सेंटेंस लेवल जीबी ट्रांसलेटर फ्राम हिंदी टू संस्कृत", प्रोफेसर जी. वी. सिंह, 29.12.2005
7. श्री राजीव कुमार सिंह, "सीक्यूर एम–कॉमर्स एप्लीकेशंस इन बैंकिंग इन्डस्ट्री", प्रोफेसर पी.सी. सक्सेना, 29.12.2005
8. श्री अमिताभ चन्द्र, "सीडीएमए ऑप्टीमाइजेशन यूजिंग न्यूरल नेटवर्क्स", प्रोफेसर पी. सी. सक्सेना, 20.01.2006
9. श्री विजय कुमार राजा इंजेती, "ए वेब–बेस्ड सिम्पल सेंटेंस लेवल जीबी ट्रांसलेटर फ्राम हिन्दी टू इंग्लिश", प्रोफेसर जी. वी. सिंह, 20.01.2006
10. श्री अविजीत नन्दी, "स्लोटिड आलोहा सीडीएमए विद मल्टीएक्सेस इंटरफिरेंस–स्टेबिलिटी इश्यूज", प्रोफेसर कर्मेषु, 23.01.2006
11. श्री सतीश अद्दानकी, "ए वेब–बेस्ड सिम्पल सेंटेंस लेवल जीबी ट्रांसलेटर फ्राम संस्कृत टू हिंदी", प्रोफेसर जी.वी.सिंह, 23.01.2006
12. श्री पाओमिनलेन हाओकिप,"डिजाइन चेलेंजिज ऐंड कम्प्लेक्सिटीज ऑफ फ्यूचर मोबाइल फोन्स फ्राम इम्बेडिड सिस्टम्स पर्सपेक्टिव", प्रोफेसर सी. पी. कट्टी, 20.01.2006
13. सुश्री बोडु सुमा, "डॉक्यूमेंट समराइजेशन यूजिंग ऑटोमेटिकली एक्सट्राक्टिड कीफ्रासिस", प्रोफेसर के.के. भारद्वाज, 23.01.2006
14. श्री नागाराजू देवराकोंडा, "ए वेब–बेस्ड सिम्पल सेंटेंस लेवल जीबी ट्रांसलेटर फ्राम इंग्लिश टू संस्कृत", प्रोफेसर जी. वी. सिंह, 23.01.2006
15. श्री निंगोमबम जॉन, "लीनिअर क्रिप्टएनालिसिस ऑफ डीईज साइफर", प्रोफेसर पी.सी. सक्सेना और प्रोफेसर सी.पी. कट्टी, 31.01.2006